विश्वभारती

वार्षिक प्रतिवेदन 2013-2014

शान्तिनिकेतन

2014

॥ यत्र विश्वं भवत्येकनीडम् ॥

जहाँ विश्व एक नीड़ में निवास करता है

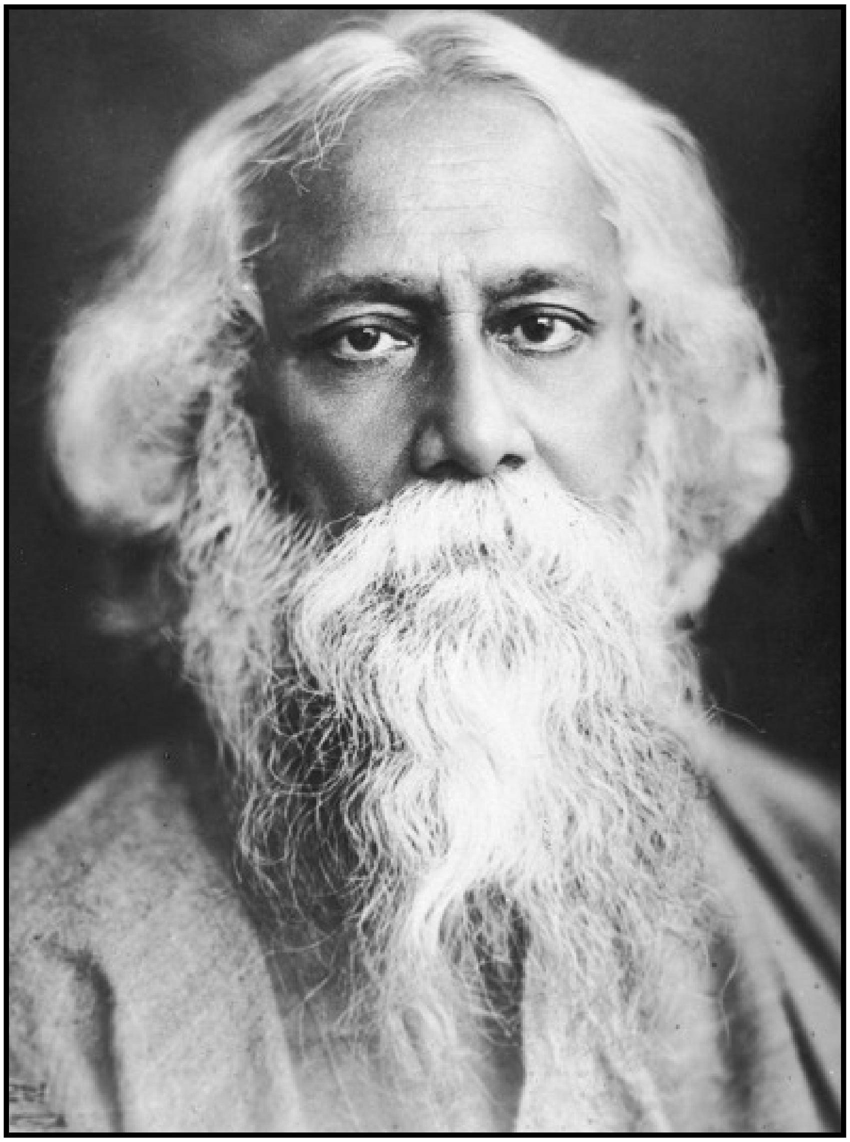

"विश्वभारती भारत का प्रतिनिधित्व करता है जहाँ अतुल्य ज्ञान का भण्डार है जो सभी के लिए है। विश्वभारती भारत की अद्‌भुत संस्कृति के प्रसार एवं दूसरों से उनके सर्वश्रेष्ठ को ग्रहण करने की अपनी प्रतिबद्धता का भी समर्थन करता है।"

- ***रवीन्द्र नाथ टैगोर***

आचार्य
डॉ० मनमोहन सिंह

ACHARYA (CHANCELLOR)
DR. MANMOHAN SINGH

उपाचार्य
प्रो० सुशांत दत्तगुप्त

UPACHARYA (VICE-CHANCELLOR)
PROF. SUSHANTA DATTAGUPTA

विश्वभारती

VISVA-BHARATI

(Established by the Parliament of India under
Visva-Bharati Act XXIX of 1951
Vide Notification No. : 40-5/50 G.3 Dt. 14 May, 1951)

संस्थापक
रवीन्द्रनाथ ठाकुर

FOUNDED BY
RABINDRANATH TAGORE

शांतिनिकेतन - 731235
SANTINIKETAN - 731235
जि.वीरभूम, पश्चिम बंगाल, भारत
DIST. BIRBHUM, WEST BENGAL, INDIA
फोन Tel: +91-3463-262 451
फैक्स Fax: +91-3463-262 672
EPABX: +91-3463-262 751 (6 Lines)
ई-मेल E-mail: vice-chancellor@visva-bharati.ac.in
Website: www.visva-bharati.ac.in

सं./No.______________ दिनांक/Date.______________

प्रस्तावना

वर्तमान वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट का प्रस्तावना लिखना गर्व की बात है। पूर्व वर्ष की रिपोर्ट को समायोजित करने और स्वाभाविक गति देने में हम विश्वविद्यालय, की सर्वांगीण प्रगति से अत्यंत प्रसन्न हैं।

सर्वप्रथम, किसी भी आगंतुक के लिए यह हर्ष की बात है कि कैंपस, विशेष रूप से आश्रम का इलाका हरा-भरा और साफ-सुथरा दिखाई देता है। हमने इलाके को प्लास्टिक और मल्वामुक्त करने की विशेष मुहिम चलायी है। जगदीश-कानन ने विश्व भारती और विश्व भारती के बाहरी कर्मचारियों के लिए बेरोक पहल चलाने का रास्ता मुहैया करवाया है। मसलन विश्व भारती के पूर्व दिग्गजों के वाद्ययंत्रों के संगीत से समृद्ध प्रशांत परिवेश, 'तीन पहाड़ी' और पुराने स्वीमिंग पुल इलाके प्रयोक्ता 10 बांधन बनाये गये हैं। 'लाल बांध' इलाके के एक खुले भास्कर उद्यान और एक बटरफ्लाई गार्डेन को निखार कर एक नया शक्ल दिया गया है। छात्र बांधव अध्यक्ष के कार्यालय में 'द्विज विरा' में योग और ध्यान केंद्र, एनएसएस और एनसीटी कार्यक्रम, अत्याधुनिक स्वीमिंग पुल, जिमनासियम समीर ने विविध पाठ्यंतर क्रियाकलापों की शुरुआत की है। अध्यक्ष के कार्यालय ने विश्वविद्यालय की ट्रेनिंग के मद्देनजर प्रभावी रोजगार का मौका तलाशने से विद्यार्थियों को सक्षम बनाने में 'प्लेसमेंट सेवा' भी तैयार किया गया है।

शांतिनिकेतन और कैंपसों को एकीकृत करने के हमारे प्रमाणों के तहत प्रो. इंद्राणी मुखर्जी की मुकम्मिल देखरेख में 'कर्मी-मंडली' और 'कर्मी-संघ' से समाविष्ट 'कर्मी परिषद' के झंडे तल 'वृक्षारोपण' होलो कर्षण और शिल्पोत्सव सरीखे उत्सवों को लाया गया है।

प्रो. तपती मुखर्जी, रवींद्र भवन की निदेशक को सांस्कृतिक अध्ययन और तुलनात्मक साहित्य का केंद्र, जिसमें रवींद्र भाषा और विद्या भवन हैं, को एकीकृत करने का अतिरिक्त दायित्व सौंपा गया है। प्रो. मुखर्जी रवींद्र और कला भवन में आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इस्टर्न के पूर्व महानिदेशक प्रो. गौतम सेनगुप्ता, जो संप्रति विश्वभारती में प्राचीन इतिहास के प्रोफेसर हैं, की अध्यक्षता में बनी ए कमिटी के सहयोग से संग्रहालयों और आक्राइनल क्रियाकलापों की देखरेख करती है।

प्रो. सबुजकली सेन, इनोकेटिव एडुकेशन की निदेशक विनय भक्त और सरल एक्सटेंशन सेंटर के साथ स्कूली शिक्षा (पाठ भवन और शिक्षा सत्र) को समायोजित करने में प्रयासरत हैं।

विश्व भारती में 'रवींद्र संगीत' की अनोखी और सर्वव्यापी उपस्थिति के लिए हमने 'रवींद्र संगीत गवेषणा केंद्र' की स्थापना की है। स्वनामधन्य पूर्व प्राध्यापक अमर्त्य सेन इस साल के बाद जिसका औपचारिक उद्घाटन करेंगे।

इस केंद्र के तत्वावधान में 'कालानुक्रमिक रवींद्र संगीत' पर एक परियोजना स्कॉलर - इन- रेजीडेंस प्रो. असल कुमार बसु के नेतृत्व में तैयारी के अग्रिम स्तर पर है।

एकीकृत विज्ञान प्रोग्राम को उनके नॉर्थ भवन में ले जाया गया है, जैसा कि भाषा और विद्या भवन को अपने क्लास-रूम लेक्चर्स की शुरुआत नये भवन में कर दी गई है। बड़े छात्रावासों की वर्षांत में पूरी तरह से चालू हो जाने की उम्मीद की जाती है।

विश्वविद्यालय को मिले सम्मानों में सहर्ष उल्लेखनीय है संकटापन्न भाषाओं के एक केंद्र को दी गयी सहायता, शांतिपूर्ण सहअस्तित्व के पांच सिद्धांतों और चीनी अध्ययन में अपने योगदान के लिए चीन सरकार की ओर से चीना भवन को प्राप्त गरिमापूर्ण पुरस्कार, पूर्व प्रो. समीर भट्टाचार्य को अर्पित, इंडियन नेशनल साइंस एकाडेमी का गौरवशाली प्राध्यापकीय पद, प्रो. संघमित्रा साहा को दिया गया, नेशनल एकाडेमी ऑफ साइंसेस का फेलोशिप पुरस्कार, हमारे विज्ञान के विद्यार्थियों को प्रदत्त नेट, जेस्ट और इंस्पायर फेलोशिप और सेल जगत को विविध पुरस्कार।

'नाट्यकार' में टैगोर अध्ययन (रवींद्र चर्चा) के अन्तर्गत बतौर नयी पहल लगभग छह सौ नये विद्यार्थियों के बीच संयुक्त व्याख्यान का आयोजन हमारे संस्थापक रवींद्रनाथ टैगोर के आदर्शों के प्रति विश्व भारती के विद्यार्थियों को नयी दिशा प्रदान करने में मनोरम आयाम मुहैया करवाता है। सुश्री शर्मिला राय पोमोट सरीखी निवासी - स्कॉलर टैगोर और उनके आदर्शों की पहचन करवाने में इसे एक अभिनव पाठ्यक्रम का शक्ल देने के लिए वरिष्ठ प्राध्यापकों के साथ जुड़ी हुई हैं।

ये हमारी कुछ ही उपलब्धियाँ हैं। इनके अतिरिक्त यूथ साइंस कांग्रेस और इंडियन नेशनल साइंस एकाडेमी की काउंसिल मीटिंग की मेजबानी का श्रेय विश्वभारती को जाता है। हालांकि हमें विद्यार्थियों के बहुतेरे सरोकारों, मसलन कैंपस की सुरक्षा, छात्रावास के स्वास्थ्य और भोजन की व्यवस्था को निपटाने में लंबा रास्ता तय करना है। विद्यार्थियों के हित में प्रतिबद्ध रहना हमारा उद्देश्य है। खासतौर से शारीरिक, आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों से जूझते विद्यार्थियों पर हमारा ध्यान केंद्रित है।

सुशान्त दत्तगुप्त

सुशांत दत्तगुप्त
उपाचार्य

अनुक्रम

अध्याय - 1

ब्रह्मचर्य आश्रम से विश्वभारती तक 11
वर्तमान संस्थागत संरचना 12
विश्वभारती में निम्नलिखित संस्थान 12
समाजोपयोगी अनुसंधान एवं अन्य क्रिया-कलाप 13
कार्यक्रम एवं उत्सव 14
शांतिनिकेतन कर्मी-मंडली 14
अन्य कार्यक्रम एवं उत्सव 15
वित्त 15

वर्ष 2011-12 के स्थायी निधि व्याख्यान

निधन 16
विश्वभारती : एक झलक 17
छात्रों की संरचना 18
शैक्षणिक कर्मचारियों की संरचना 18

अध्याय - 2

भाषा भवन 19
बंगला विभाग 21
अंग्रेजी और अन्य आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग 28
हिन्दी विभाग 43
संस्कृत, पालि एवं प्राकृत विभाग 48
ओड़िया विभाग 54
अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन विभाग 61
भारत-तिब्बतीयन विभाग 67
संताली विभाग 72
मराठी विभाग 76
असमिया विभाग 77
जापानी विभाग 79
चीनी भाषा एवं संस्कृति विभाग 83
बौद्ध अध्ययन केंद्र 88

विद्या भवन **90**

अर्थशास्त्र एवं राजनीतिशास्त्र विभाग 91
भूगोल विभाग 102
प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग 105
इतिहास विभाग 108
मानव विज्ञान विभाग 112
दर्शनशास्त्र तथा तुलनात्मक धर्म विभाग 114

पत्रकारिता एवं जन-संचार केन्द्र 119

शिक्षा भवन **124**
भौतिक विज्ञान विभाग 126
रसायन विज्ञान विभाग 135
गणित विभाग 149
प्राणि विज्ञान विभाग 159
वनस्पति विज्ञान विभाग 176
सांख्यिकी विभाग 187
कम्प्यूटर एवं प्रणाली विज्ञान विभाग 189
पर्यावरण अध्ययन केन्द्र 193
बायो-टेक्नोलॉजी विभाग 200
गणित शिक्षा केन्द्र 209
समाकलित विज्ञान एवं शोध केन्द्र 210

कला भवन **214**
डिजाइन विभाग 216
मूर्तिकला विभाग 222
चित्रकला विभाग 225
लेखाचित्र कला विभाग 231
कला-इतिहास विभाग 234
नन्दन संग्रहालय 238

संगीत भवन **240**
हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत 259
विनय भवन
शिक्षा विभाग 265
शारीरिक शिक्षा विभाग 275
पल्ली संगठन विभाग
ग्रामीण विस्तार केन्द्र 285
शिल्प सदन 298
समाज कार्य विभाग 306
पल्ली चर्चा केन्द्र 314

पल्ली शिक्षा भवन **318**
ए.एस.इ.पी.ए.एन. विभाग 322
फसल सुधार, बागवानी एवं कृषि सांख्यिकी विभाग 341
कृषि विस्तार, कृषि अर्थशास्त्र और कृषि सांख्यिकी विभाग 350
पौधा संरक्षण विभाग 359

माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक संस्थाएँ

पाठभवन	369
शिक्षासत्र	373

अन्य शैक्षणिक केन्द्र

रवीन्द्र भवन	377
ग्रंथन विभाग	394
राजभाषा (हिन्दी) प्रकोष्ठ	399
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय संहति केन्द्र	400
कृषि आर्थिक अनुसंधान केन्द्र	402
अ.जा./अ.ज.जा. प्रकोष्ठ का मूल्य निर्धारण प्रतिवेदन	406
केन्द्रीय पुस्तकालय	407
यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स बोर्ड	415
पाठ-चक्र	417
महिला अध्ययन केन्द्र	418
पी. एम. अस्पताल	421

अध्याय - 3

शैक्षणिक कार्यक्रम	425

अध्याय -4

भाषा भवन	427
विद्या भवन	430
शिक्षा भवन	432
कला भवन	434
संगीत भवन	438
विनय भवन	441
शारीरिक शिक्षा	443
पल्ली संगठन विभाग	445
शिल्प सदन	447
पल्ली चर्चा भवन	449
पल्ली शिक्षा भवन	450
पाठ भवन	452
शिक्षा सत्र	454

अध्याय - 5

पुस्तकालय सुविधाएँ	455

अध्याय - 6

परिसर विकास	461

अध्याय - 7
विश्वविद्यालय वित्त 469
अध्याय - 8
अध्यादेश एवं संशोधन 471
परिशिष्ट
परिशिष्ट - ए 475
नयी नियुक्तियाँ
परिशिष्ट- बी 477
भवनों/विभागों/सदनों के अध्यक्ष
परिशिष्ट-सी 478
विश्वविद्यालय के कार्यवाहक
परिशिष्ट-डी 480
विभाग के अध्यक्ष
परिशिष्ट - ई 182
शैक्षणिक कर्मचारीगण
परिशिष्ट - एफ 508
संसद सदस्य
परिशिष्ट - जी 511
कर्मसमिति के सदस्यों की सूची

अध्याय-1

ब्रम्हचर्याश्रम से विश्वभारती : महागाथा एक सामान्य विद्यालय से अंतर्राष्ट्रीय विद्यापीठ बनने की

विश्व भारती, एशिया के प्रथम नोबल-पुरस्कार विजेता एवं कवि, रवीन्द्रनाथ ठाकुर के आदर्श शिक्षण संस्थान के सपने को साकार करती है। इस शिक्षण संस्थान का लक्ष्य है सर्वांगीण शिक्षा के द्वारा बच्चों के जीवन का चहुँमुखी विकास करना।

इस शैक्षणिक मुहिम के शुरुआती चित्र बड़े सामान्य थे। उपनिषद् की उक्ति में इसके भाव बसे थे—'सा विद्या या विभुक्तए' अर्थात विद्या वही जो 'विभुक्ति' दिलाए।

सन् 1863 में आचार्य देवेन्द्रनाथ ठाकुर, जो रवीन्द्रनाथ के पिता होने के साथ-साथ उन्नीसवीं सदी के बंगीय नवजागरण के अन्यतम पुरोधा थे, उन्होंने बीरभूम की बीस बीघा सूखी ज़मीन खरीद ली। इस जमीन को उपयोग में लाते हुए उन्होंने शांतिनिकेतन के आश्रम की स्थापना की। सन् 1888 में उन्होंने आश्रम को संचालित करने के लिए एक 'ट्रस्ट-डीड' को पेश करते हुए उसे 'ध्यान-साधना' के उपयोग हेतु समर्पित किया।

रवीन्द्रनाथ तत्कालीन पठन-पाठन की शैक्षणिय प्रविधि से बिल्कुल ऊबे हुए थे, जिसे वे यांत्रिक, बेजान तथा निराशा से परिपूर्ण मानते थे। 23 दिसंबर 1901 को उन्होंने शांतिनिकेतन ब्रह्मचर्याश्रम की स्थापना की, जिनमें कुल पाँच छात्र थे। सन् 1924 के श्वि भारती बुलेटिन के जनवरी अंक में इस स्थापना के लक्ष्य की पुष्टि की गई :

"यह शिक्षा एक ऐसे सीमित संख्यक बच्चों को दी जाएगी, जहाँ जीवन का बहिष्कार नहीं किया गया है; जहाँ छात्र-छात्राएँ एक वृहत् परिवार के सदस्य हैं तथा संस्थान के साथ वे अपने को सम्पृक्त करते हुए उसके कामकाज में सहभागी बनते चले जाएंगे। एक ऐसे परिवेश में उनका पठन-पाठन होगा, जहाँ वे स्वाधानती, पारस्परिक विश्वास तथा खुशी से भरे वातावरण में जीएँ और विकसित हों।"

अंग्रेज़ राज जानबूझकर शिक्षित समाज में से कुछ बेजान, आज्ञावाहक किरानियों के जमात को तैयार करने में लगी हुई थी। ये ऐसे लोग होते, जो अंग्रेज़ तथा अंग्रेजीयत को ही शीर्बस्थ मानते और अपने देश को इन विदेशियों के हाथों में बँधे रहने देते। रवीन्द्रनाथ ने पठन-पाठन का एक ऐसा माहौल तैयार किया जहाँ कक्षाएँ मुक्त आंगन में लिए जाए, जहाँ मानव और प्रकृति एक सुन्दर सामंजस्य में बँध जाएँ। बीस साल बाद, पैट्रिक गेडेस को लिखे एक पत्र में गुरुदेव इस बात का खुलासा करते हैं—

"मैंने बस इस सामान्य धारणा से शुरुआत की कि शिक्षा को जीवन-प्रवाह से कभी अलग नहीं करना चाहिए।"

सर्वांगीण शिक्षा की सोच जो मानव को 'सम्पूर्ण मनुष्य' बनाए, रवीन्द्रनाथ को उपनिषद् आदि शास्त्रों से प्राप्त हुई थी। ये प्राचीन भारतीय शास्त्र आत्मिक उन्नति तथा तुच्छ जैविक-प्रतिष्ठा से ऊपर उठने की बात करते थे। भले ही उनके उपादान सीमित थे, परन्तु उनका आदर्श व दृष्टिकोण अडिग था।

सन् 1917 तक एक भारतीय सांस्कृतिक केन्द्र की छवि धीरे-धीरे उभर रही थी। यह केन्द्र विभिन्न सांस्कृतिक पर्यायों में समानुपातिक तथा तुलनात्मक पठन-पाठन की आधारभूमि बनी। 23 दिसंबर, 1918 को विश्वभारती की नींव रखी गई कवि-शिक्षाविद् रवीन्द्रनाथ के द्वारा। अपने संक्षिप्त भाषण में उन्होंने इस संस्थान के उद्देश्यों तथा लक्ष्यों पर प्रकाश डाला।

"किसी विश्वविद्यालय की प्राथमिकता ज्ञान के प्रचार-प्रसार व वितरण में होनी चाहिए। लोगों को निकट लाना होगा और उन्हें सिर्फ बौद्धिक प्रसरण के लिए ही नहीं, बल्कि अहम निर्माण में भी सहयोगिता करनी होगी। शिक्षण में इस सांस्कृतिक वसंत का विकास स्वतःस्फूत एवं अवश्यंभावी होगा।"

विश्व भारती का पंजीयन 16 मई, 1922 को हुआ। समग्र विश्व से महान पण्डितों ने विश्वभारती को एक विश्व-

स्तरीय शिक्षा-संस्थान बनाने में सहयोग दिया।
ब्रह्मचर्य विद्यालय सन् 1924 से विश्वभारती पूर्व विभाग के नाम से जाना गया तथा 1925 से यह विश्वभारती के 'पाठ-भवन' के नाम से जाना गया।
सन् 1921 में आधुनिक विद्या के पठन-पाठन का विभाग खोला गया जिसका पुनः विद्या-भवन नामकरण 1926 में रखा गया।
सन् 1919 से संगीत व कला का विधिवत् प्रशिक्षण 'कला-भवन' में होने लगा था, जिसे 1933 में कला एवं संगीत भवन नामक दो अगल विभागों में बाँट दिया गया।
अपने जीवन के प्राथमिक वर्षों में पूर्वी बंगाल (वर्धमान बांग्लादेश) के शिलाईदह तथा शिहज़ादपुर में रहते समय, रवीन्द्रनाथ ने ग्रामीण जीवन की गरीबी, उसके दई तथा उसहायता को बहुत करीब से देखा था। इस अवस्था का अंत करने के लिए रवीन्द्रनाथ ने एक नयी प्रयास चालू करते हुए एक नई मुहिम की शुरुआत की, जिसके तहत गाँववालों को ऐसी प्रयोगिक-प्रशिक्षण दी जाए ताकि वे आर्थिक रूप से स्वावलंबी हो सके। इसी उद्देश्य से 6 फरवरी, 1922 को विश्वभारती ग्रामीण-कृषि तथा ग्राम्य-पुनर्निमाण विभाग की शुरुआत की गई। ल्योनार्ड एल्महर्स्ट के प्रेरक नेतृत्व में 'सुरुल' नामक स्थान में इसकी नींव रखी गई। कुछ समय बाद, इस जगह को 'श्रीनिकेतन' के नाम से जाना गया। इस संस्थान का मुख्य लक्ष्य था ग्रामीण जीवन की परिपूर्णता तथा ग्रामीण समाज को अपनी सम्भावनाओं के प्रति जागरूक करना।
सन् 1924 में 'शिक्षा-सत्र' नामक एक और विद्यालय की स्थापना की गई, जिसे 1927 में श्रीनिकेतन में अन्तर्मुक्त कर लिए गया।
14 अप्रैल, सन् 1937 में भारत-चीन सांस्कृतिक सम्पर्क को और मैत्रीपूर्ण, अधिक सुदृढ़ बनाने की मंशा से गुरुदेव ने चीनी भाषा, साहित्य और संस्कृति के व्यापक पठन-पाठन के लिए 'चीना भवन' की स्थापन की। इस महान प्रयास के पीछे चीनी अध्यापक प्रो. तान युन शान का अथक परिश्रम शामिल है जिन्होंने विश्वभारती के द्वारा चीन-भारत के सांस्कृतिक सम्बंध को एक नई पहचान दी। सन् 1994 में जापान-भारत सम्पर्क के अधिकाधिक विकास के चलते 'निप्पॉल भवन' की स्थापना हुई। इसका लक्ष्य जापानी भाषा, साहित्य व संस्कृति के बारे में सर्वोच्च अध्ययन, पठन-पाठन करवाना था।
चार्ल्स फ्रीयर एंड्रूज़ तथा आचार्य क्षितिमोहन सेन ने 31 जनवरी 1939 को हिन्दी भवन की निंव रखी। इसे शुरु करने के पीछे पण्डित बनारसीदास चतुर्वेदी का अथक परिश्रम शामिल था।
मई, 1951 को विश्वभारती के 'केन्द्रीय विश्वविद्यालय' की मान्यता प्रदान की गई और इसे 'राष्ट्रीय महत्व का संस्थान' घोषिट किया गया।
इस प्रकार जिस छोटी सी संस्था की स्थापना एक विद्यालय से हुई थी, एक लम्बी यात्रा के उपरांत, तमाम सारी सामाजिक, आर्थिक, प्रशासनिक बाधाएँ पार करते हुए बहुधाविकसित, असामान्य एक वैश्विक शिक्षण संस्थान में फलीभूत होकर पीढ़ियों को आश्रय और दिग्दर्शन देती रही है।

वर्त्तमान संस्थागत संरचना

1951 के संसदीय अधिनियम के अनुसार भारत के राष्ट्रपति विश्वभारती के परिदर्शक (विजिटर) तथा पश्चिम बांगाल के राज्यपाल प्रधान (रेक्टर) के रूप में मान्य होंगे। भारत के राष्ट्रपति विश्वविद्यालय के आचार्य (चांसलर) तथा उपाचार्य (वाइस चांसलर) की नियुक्ति करते हैं। संसद के पारित अधिनियम 1951 में कुछ संशोधन करने के शीघ्र बाद विश्वभारती के संविधान के अनुसार इससे सम्बन्धित अधिकारियों तथा विश्वविद्यालय के अधिकार एवं कर्तव्य का गठन किया गया है। विश्वविद्यालय की इकाइयों में संसद (कोर्ट), कर्म समिति (इक्जीक्यूटिव काउंसिल) शिक्षा-समिति (एकेडेमिक काउंसिल), अर्थ समिति (फिनान्स कमिटी) विभिन्न सांस्थानिक संकाय (इन्स्टीट्यूट बोर्ड) एवं पाठ-समिति (बोर्ड ऑफ स्टडीज) हैं।

विश्वभारती में निम्नलिखित संस्थान है, जैसे कि : शान्तिनिकेतन में

भाषा भवन (भाषा, साहित्य और संस्कृति संकाय)
विद्याभवन (मानविकी संकाय)
शिक्षाभवन (विज्ञान संकाय)
कला भवन (ललित कला संकाय)
संगीत भवन (संगीत, नृत्य एवं नाट्य संकाय)
विनय भवन (शिक्षा शास्त्र संकाय)
रवीन्द्र भवन (टैगोर अध्ययन, संग्रहालय एवं अभिलेखागार संकाय)
पाठ भवन (प्राथमिक एवं माध्यमिक संकाय)

श्रीनिकेतन में

पल्ली संगठन विभाग (ग्रामीण पुनर्गठन संकाय)
पल्ली शिक्षा भवन (कृषि विज्ञान संकाय)
शिक्षा सत्र (प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा संकाय)

कोलकाता में

ग्रन्थन विभाग (प्रकाशन विभाग)

इसके अतिरिक्त विश्वभारती कृषि आर्थिक शोध केन्द्र (कृषि मन्त्रालय द्वारा प्रायोजित विश्वभारती अन्तर्ससंबंधित शोध केन्द्र) का संचालन करती है तथा कम्प्यूटर केन्द्र जो शैक्षणिक कार्यक्रम के साथ-साथ सेवा केन्द्र के रूप में शैक्षणिक एवं प्रशासकीय दोनों विभागों की सहायता करता है।

समाजोपयोगी अनुसंधान एवं अन्य क्रिया-कलाप

मानविकी, भौतिक एवं समाज विज्ञान में समाज-संबंधी शोध कार्यों को बढ़ावा देने के लिए एवं कमज़ोर तबकों की आवश्यकता-आधारित समाजोपयोगी अनुसंधान कार्य के लिए कदम उठाए गये थे।

उपर्युक्त विचारों के अनुरूप विभिन्न कार्यक्रमों की संक्षिप्त समीक्षा निम्नलिखित है।

शिक्षा भवन (विज्ञान संकाय) के अन्तर्गत अनुसंधान के प्रमुख क्षेत्र पौधे एवं वनस्पति, फसल-पोषण (न्यूट्रिषण), वनीकरण, मत्स्यपालन, परमाणुवीय शोध, कृषि उत्पादन से संबंधित पर्यावरण-प्रदूषण, मत्स्य एवं औद्योगिक प्रदूषण, पौधों का रोग विमुक्तिकरण एवं निश्चित महामारी की पहचान आदि है। वि.वि.अ. आयोग ने विशेष सहायता कार्यक्रम के अधीन जीव विज्ञान विभाग की पहचान दो प्रतिफ्रल क्षेत्रों मत्स्य जीव विज्ञान तथा पर्यावरणीय जैविकी दोनों आवश्यकताओं के साथ की गई है।

कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान केन्द्र का शोध-कार्य संबंद्ध है : (क) बिहार के कृषि-विकास में गैर सरकारी एर्जेसियों की भूमिका (ख) कृषि सामग्री के विपणन-संबंधी संसाधन तथा निवेश-आपूर्ति (ग) कृषि एवं ग्रामीण विकास की योजना का विकेन्द्रीकरण (घ) कृषि विकास में रियायतों का प्रभाव (ङ) न्यूनतम एवं लघु फार्म की आर्थिक व्यावहारिकता (च) कृषि विपणन निवेश की आपूर्ति तथा प्रगति पर विशेष बल (पश्चिम बंगाल)।

पल्ली संगठन विभाग ने शांतिनिकेतन एवं श्रीनिकेतन के आसपास के ग्रामों में स्वावलम्बन एवं आत्मनिर्भरता लाने हेतु विशेष रूप से अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्गो के क्षेत्रों में कार्यकारी कार्यक्रम के अधीन सामूहिक साक्षरता, वयस्क शिक्षा, ब्रतीबलक, तथा युवा संगठन द्वारा लिए गये कार्यक्रमों यथा ग्रामीण पुस्तकालय सेवा, कारीगरी विस्तार, एवं प्रशिक्षण आदि के माध्यम से ग्रामीण जीवन में प्राण स्पन्दित करने का प्रयास किया है।

पल्ली चर्चा केन्द्र (ग्रामीण अध्ययन केन्द्र) ने आपरेशन वर्गा, कृषि उत्पादन एवं कृषि विपणन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में दरिद्रता उन्मूलन कार्यक्रमों पर आइ.सी.ए.आर. के अधीन, विशेष गहराई से अध्ययन किया तथा जनजातियों विशेष कर संथाल समुदाय की भाषाई विकृति एवं सांस्कृतिक विशृंखलता का अध्ययन किया।

पल्ली शिक्षा भवन (कृषि विज्ञान संकाय) ने निम्नलिखित कार्य किए (क) यू.एस.डी.ए. एवं आई.सी.ए.आर. के तहत बीड नियंत्रण पर अखिल भारतीय समन्ववादी अनुसंधान (कृषि विज्ञान संकाय) प्रकल्प (ख) चावल पर कीट नियन्त्रण हेतु नाइसिल शोध प्रकल्प (ग) तेलहन शोध-योजना (घ) विभिन्न फसलों पर सृष्ट नीम अर्क का प्रभाव (ङ)

अध्याय-1

एन.आर.ओ.इ.आर. के अन्तर्गत ग्रामीण स्तर पर अप्रयुक्त पदार्थों के स्वरूप (स्वबल), कम्पोजिशन एवं उपयोग की पड़ताल करना। (च) फसलों की वृद्धि हेतु सिंचाई एवं नाइट्रोजन का प्रभाव, विश्वभारती के अन्तर्गत वृहत् पैमाने पर फार्म की पूँजी लागत की वृद्धि हेतु बड़े पैमाने पर जूट-गन्ना, सरसों की खेती की कृषि अर्थनीति। उपर्युक्त के अलावा पौध-संरक्षण विभाग द्वारा सामाजिक सम्बन्ध प्रकल्प लिया गया जिसमें अन्तर्भुक्त हैं। (अ) सम्पूर्ण पेस्ट मैनेजमेंट (प्रबंधन) (आ) फसल-संग्रह पश्चात् पैथोलॉजी (इ) नेमाटोड इकोलॉजी आदि राज्य सरकार के सहयोग से एक मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला स्थापित की गयी जिसमें परीक्षण पद्धति को उन्नत किया जाए ताकि धान के उत्पादन हेतु पथरीली भूमि में फास्फोरस एवं पोटाश की उपलब्धि का परीक्षण किया जा सके।

समाजकार्य विभाग ने समाजोपयोगी क्षेत्र में अध्ययन का आयोजन किया जैसे (क) विद्यालय छोड़े हुए को पुनः वापस लाना (ख) स्वास्थ्य-केन्द्र की सेवा का उपयोग (ग) सहकारी बैंकों से कृषि एवं उद्योग में निवेश (घ) समाजोपेक्षित परिवार (ङ) अनुसूचित जाति/जनजाति तथा अन्य पिछड़े वर्गों के लिए स्वरोजगार तथा विकलांगों के लिए विशेष प्रकल्प। आसपास के गाँवों में अन्य सरकारी एजेन्सियों की सहायता से समुदायगत आधारित पुनःस्थापन कार्यक्रम को पुनः कार्यान्वित किया जाना।

मानविकी तथा समाज विज्ञान संकाय ने दर्शन, धर्म, इतिहास, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान एवं भारतीय तथा विदेशी दोनों विभिन्न भाषाओं में शोध कार्य स्वीकार किये। बंगला, संस्कृत, पाली एवं प्राकृत, फारसी, उर्दू, हिन्दी, संथाली, ओड़िआ, तमिल, मराठी, तिब्बती, चीनी, जापानी, रुसी आदि का उल्लेख किया जा सकता है। चीनी भाषा एवं संस्कृति तथा भारत-तिब्बती अध्ययन विभाग में बौद्ध साहित्य तथा धर्म का विशेष अध्ययन होता आ रहा है। ओड़िआ विभाग ने ओड़िआ लोक साहित्य का विशेष अध्ययन आरम्भ किया है। निप्पन भवन, जो कि जापानी अध्ययन एवं संस्कृति का केन्द्र है, जापान की वित्तीय सहायता से जापान और भारत के सांस्कृतिक कार्यक्रम को पुनःस्थापित कर रहा है।

उससे अलग इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय संहति केन्द्र ने माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक विद्यालयों में राष्ट्रीय एकता की संस्कृति को पठन-पाठन का विषय बनाए जाने की दिशा में पाठ्यचर्चा संबंधी विकास के लिए कार्यशालाएँ एवं संगोष्ठियाँ आयोजित करता है।

विज्ञान स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर कम्प्यूटर विज्ञान के नियमित क्रियाकलापों के अतिरिक्त एक स्वतन्त्र कम्प्यूटर केन्द्र है जो विश्वभारती समुदाय के शैक्षणिक तथा प्रशासनिक दोनों समुदायों को नियमित प्रशिक्षित एवं अगली परम्परा की प्रगति के लिए कम्प्यूटर की सुविधाएँ प्रदान करता है। कम्प्यूटर की सुविधाएँ निम्न विभागों में भी उपलब्ध हैं, यथा अंग्रेजी, वनस्पति, कलाभवन, गणित, पल्ली शिक्षा भवन, भौतिक विज्ञान, रवीन्द्र भवन, जीव विज्ञान, तथा कृषि अनुसन्धान केन्द्र।

छात्रों के विस्तारित कार्यकलापों का उल्लेख भी आवश्यक है जो सामाजिक-आर्थिक दृष्टिकोण से उल्लेख योग्य है। एन.सी.सी., एन.एस.एस., शारीरिक शिक्षा एवं उत्सव तथा त्योहारों के साथ शैक्षणिक भ्रमण जो आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से अन्तःसंबंद्ध एवं विशेषकर अनुसूचित जाति/जनजाति से संबंधित है। इन विस्तार क्रिया-कलापों का वास्तविक रूप समाज सेवा, पर्यावरण संरक्षण, निरक्षरता उन्मूलन, प्राथमिक स्वास्थ्य की सावधानी के साथ मादक द्रव्यों के सेवन के विरोध में प्रसार अभियान भी रहा है।

उपर्युक्त विस्तृत निदर्शन विश्वभारती द्वारा समाजोपयोगी अनुसंधानात्मक कार्यों को प्रोत्साहन देने के लिए उठाए कदम को प्रमाणित करते हैं जो इसके संस्थापक रवीन्द्रनाथ ठाकुर के उस स्वप्नादर्श को ध्यान में रख कर उठाए गये हैं जिसमें वे समाजोपयोगी शैक्षणिक कार्यक्रमों द्वारा भारत के सामाजिक उत्थान को देखना चाहते थे।

कार्यक्रम एवं उत्सव

विश्वभारती के कार्यक्रम एवं उत्सव अनुपम हैं, जिन्होंने इसके सदस्यों की जीवन शैली को प्रभावित किया है। ऐसे अवसरों पर विश्वविद्यालय का समस्त जन समुदाय एक स्थान पर एकत्र होकर प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेते हुए

पूर्णतया आश्रम-जीवन का अनुभव करता है तथा मंदिर, छातिमतला एवं आम्रकुंज वैदिक मंत्रोच्चार एवं रवीन्द्रसंगीत से गुंजायमान हो उठते हैं।

शांतिनिकेतन कर्मी - मंडली ने 2013-14 की अवधि में निम्नलिखित कार्यक्रमों एवं उत्सवों का आयोजन किया:

1. वर्ष-शेष बंगला वर्ष की समाप्ति - 14 अप्रैल 2013 (रविवार 31 वां चैत्र, 1419 (बंगाब्द).
2. नव - वर्ष 15 अप्रैल 2013 (सोमवार, प्रथम बैशाख, 1418 (बंगाब्द).
3. गुरुदेव का 152 वां जन्मोत्सव - 9 मई 2013 (सोमवार, 25वां बैशाख, 1420 (बंगाब्द).
4. गुरुदेव स्मरण, गुरुदेव की 72वीं पुण्यतिथि - 8 अगस्त 2013 (वृहस्पतिवार, 22 श्रावण, 1420 (बंगाब्द). इस अवसर पर वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया.
5. हलकर्षण उत्सव, 9 अगस्त 2013 (मंगलवार, 23 श्रावण, 1420 बंगाब्द.) इस अवसर पर श्रीनिकेतन में हलकर्षण उत्सव मनाया गया।
6. रवींद्र सप्ताह 8 अगस्त से 14 अगस्त, 2013 (श्रावण 22 से 28, 1420 (बंगाब्द) इस अवसर पर गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर से संबंधित विभिन्न विषयों पर कई व्याख्यानों के कार्यक्रम का आयोजन श्रीनिकेतन और शांतिनिकेतन में किया गया.
7. शिल्पोत्सव - 17 सितंबर 2013 (वृहस्पतिवार, 31 भद्र, 1420 (बंगाब्द), शिल्पोत्सव, शिल्पसदन श्रीनिकेतन में आयोजित हुआ.
8. पौष उत्सव - 23 दिसम्बर 2013 (सोमवार, 7 पौष, 1420 (बंगाब्द) छातिम तला में पौष उत्सव का आरंभ हुआ एवं इस त्रिदिवसीय उत्सवों में विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों, आतिशबाजी तथा अन्य मनोरंजन कार्यक्रमों के आयोजन पौष मेला में किए गए.
9. महर्षि स्मरण - 20 जनवरी 2014 (6 माघ 1420 बंगाब्द) इस अवसर पर महर्षि देवेंद्र नाथ टैगोर की पुण्यतिथि मनाई गई.
10. श्रीनिकेतन की 89 वीं वार्षिकी 6 से 8 फ़रवरी 2014 को मनाई गई. इस त्रिदिवसीय माघ मेलें में विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों, आतिशबाजी तथा अन्य मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया.
11. वसंत उत्सव, एक अन्य लोकप्रिय त्योहार पारंपरिक उत्साह से दोलपूर्णिमा को मनाया गया - 16 मार्च 2014 (रविवार 1 चैत्र, 1420 (बंगाब्द).

अन्य कार्यक्रम एवं उत्सव - 01.04.2013 से 31.03.2014

15 जुलाई, 2013 धर्म चक्र प्रवर्तन (गुरु पूर्णिमा)
15 अगस्त, 2013 स्वाधीनता दिवस (स्वतंत्रता दिवस)
27 सितंबर, 2013 राममोहन स्मरण
02 अक्टूबर, 2013 गांधी जन्म जयंती
19 दिसंबर, 2013 दिनेन्द्र जन्मोत्सव
25 दिसंबर, 2013 क्रिसमस उत्सव
23 जनवरी, 2013 को नेताजी जयंती
26 जनवरी, 2014 माघ उत्सव
26 जनवरी, 2014 गणतंत्र दिवस
10 मार्च, 2014 को गांधी पुण्यतिथि

अध्याय-1

वित्त

विश्वविद्यालय के दैनंदिन खर्च, जिसका एक प्रधान अंश शैक्षणिक तथा गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों के वेतन के रूप में है. विश्वविद्यालय प्रायः पूरी तरह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अनुदान पर निर्भर है. वर्ष 2013-214 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से 17852.95 लाख रुपये रख-रखाव अनुदान आयोग केलिए प्राप्त हुए. वर्ष 2012-2013, 14846.92 लाख रुपये वास्तव में खर्च हुए।

वर्ष 2013-2014 के स्थायी निधि व्याख्यान

1 महर्षि देवेन्द्रनाथ स्मारक व्याख्यान 24.12.2013.
2. निजाम निधि स्मारक व्याख्यान 03.02.2014.
3. सति कुमार चटर्जी निधि स्मारक व्याख्यान 10.02.2014
4. नृपेन्द्र च. बागची निधि स्मारक व्याख्यान, 25.02.2014
5. बिनोदिनी स्मारक व्याख्यान 06.03.2014
6. प्रो. प्रबोध चं. बागची स्थायी निधि स्मारक व्याख्यान 11.03.2014
7. पश्चिम बंगाल सहकारी समिति स्थायी निधि व्याख्यान 25.03.2014
8. अमला बाला स्थायी निधि स्मृति व्याख्यान 27.03.2014

मृत्युलेख

01.04.2013 से 31.03.2014 तक

30.03.2014 को आयोजित अंतिम संसद में यह घोषणा की गई कि निम्नलिखित विख्यात व्यक्ति, कर्मचारी, पूर्व-कर्मचारी को विश्वभारती भारती, शान्तनिकेतन ने खो दिया है।

1. मन्ना दे	-	विख्यात गायक
2. सुब्रत चक्रवर्ती	-	प्रोफेसर, भौतिकि विभाग, शिक्षा-भवन
3. सैयद परवेज़ कबीर	-	सह-अध्यापक, कलाभवन
4. सिउली बनर्जी	-	भूतपूर्व सह-प्रवक्ता, शिक्षा-सत्र
5 रबीन्द्रलाल मजुमदार	-	भूतपूर्व सहायक-रजिस्ट्रर
6. शिबदास बनर्जी	-	भूतपूर्व वरिष्ठ सहायक, लेखा कार्यालय
7. नारायण प्रामाणिक	-	चपरासी,पल्ली संगठन विभाग
8. शैलेन्द्रनाथ मंडल	-	भूतपूर्व चपरासी, वित्त कार्यालय
9. शेख. जेराई	-	भूतपूर्व सुरक्षा उपपादरी, वाच एण्ड वार्ड
10. मेनका बावरी	-	भूतपूर्व कुशल श्रम विभाग, कृषि विभाग
11. सुचित्रा सेन	-	विख्यात फ़िल्म अभिनेत्री
12. तुकली हेमब्रम	-	माली
13. असितबरण मुखर्जी	-	भूतपूर्व तकनीकी सहायक
14. सुमन चन्द्र सरकार	-	भूतपूर्व अध्यापक, अर्थशास्त्र
15 कल्याण कुमार सरकार	-	भूतपूर्व संकाय, विश्वभारती
16. मिनती कर	-	भूतपूर्व अध्यापिका, संस्कृत विभाग
17. सत्यरंजन पाल	-	पल्ली चर्चा केन्द्र
18. अमरनाथ मेहरात्र	-	भूतपूर्व अध्यापक, सामाजिक कार्य

श्रेणीगत प्रशासनिक कर्मचारी गण 31.03.2014 तक

वर्ग	साधारण		अनुसूचित जाति		अ.ज.जाति		अ.पि. वर्ग		विकलांग	
	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.
ए	47	4	8	0	3	0	3	1	-	-
बी	148	28	23	4	9	4	3	2	-	-
सी	267	36	50	4	9	0	15	1	3	-
एम.टी.एस	154	20	97	24	19	12	10	2	3	-

विश्वविद्यालय - एक नज़र

कुल छात्रों की संख्या : 8876 (पुरुष-5007, महिला-3869)

शैक्षणिक कर्मचारियों की कुल संख्या : 653 (अध्यापक-157, एसोसिएट अध्यापक-106, सहायक प्रोफेसर-259, सहायक प्रवक्ता-131,

प्रशासनिक कर्मचारियों की कुल संख्या : 1013

ग्रुप ए : 66, ग्रुप बी : 221, ग्रुप सी : 383, ग्रुप एम.टी.एस (मल्टी टास्क सर्विस) : 341

शिक्षण स्टॉफ के स्वीकृत पद की कुल संख्या (प्रो. 70, एसोसिएट प्रोफेसर 153, सहायक प्रोफेसर 414, सहायक लेक्चरर 159

प्रशासनिक कर्मचारियों के स्वीकृत पद की कुल संख्या (ग्रुप ए 90, ग्रुप बी 119, ग्रुप सी 686, ग्रुप डी 871

31.03.2014 तक श्रेणीगत प्रशासनिक कर्मचारी

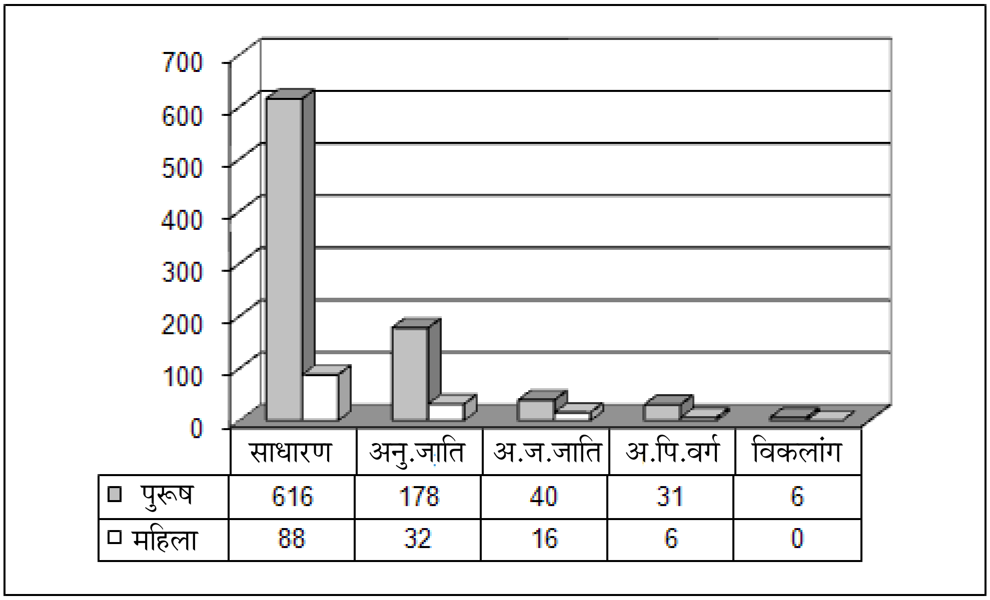

अध्याय-1

31.03.2014 तक छात्र संरचना

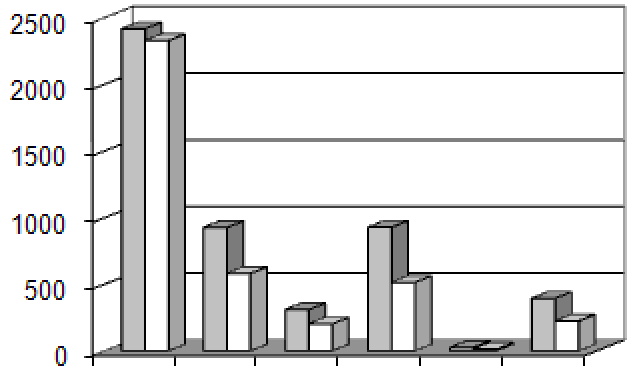

	साधारण	अ.जाति	अ.ज.जा	अ.पि.वर्ग	विकलांग	विगलांग
पुरुष	2418	927	311	929	26	396
महिला	2329	582	204	515	14	225

31.03.2014 तक शैक्षणिक कर्मचारी संरचना

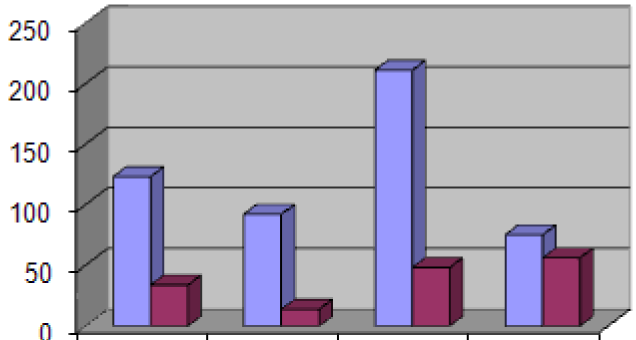

	Professor	Asso. Professor	Asst. Professor	Asst. Lecturer
पुरुष	123	92	211	75
महिला	34	14	48	56

अध्याय - 2

भाषा-भवन

(भाषा, साहित्य और संस्कृति का संस्थान)

परिचय

भाषा-भवन - इसके संरक्षण में भाषा, साहित्य व संस्कृति के दस मुख्य भाषाओं, एक केंद्र और तीन अनुषंगी भाषा ईकाइयां कार्यरत हैं। 2014 में भाषा-भवन एक भाषा प्रयोगशाला और अन्य अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ एक नये स्वतंत्र भवन में स्थानांतरित हो रहा है।

भाषा-भवन अपने भाषा, साहित्य और संस्कृति के संबद्ध विभागों के तहत पूर्व-स्नातक और स्नातकोत्तर स्तरों के साथ ही एम.फिल और पी.एच.डी. पर नियमित पाठ्यक्रम चला रहा है। इसके अधीन 17 भारतीय और विदेशी भाषाओं में द्विवर्षीय सर्टिफिकेट, एक वर्षीय डिप्लोमा और एक वर्षीय एडवांस डिप्लोमा पर अंशकालिक भाषा पाठ्यक्रम चलाया जाता है। ये पाठ्यक्रम मुख्यतः विश्व भारती के नियमित छात्रों और कर्मियों के साथ ही स्थानीय निवासियों के लिए चलाये जा रहे हैं। विदेशी छात्र-छात्राओं के लिए यहां भारतीय संस्कृति, विशिष्ट भाषाओं और साहित्य पर स्वीकृत साधारण एक वर्षीय पाठ्यक्रम भी चलाया जाता है। यहां का संस्कृत विभाग पांडुलिपि विधा पर पाठ्यक्रम चला रहा है।

भाषा-भवन संस्कृत, बांग्ला, ओडिया, तिब्बती, अरबी और फारसी पांडुलिपियों के अक्षय भंडार से समृद्ध है, जो संबद्ध विभागों की धरोधर है। चीना भवन के चीनी विभाग और हिन्दी भवन के हिन्दी विभाग में क्रमशः 45,000 और 35,000 पुस्तकों का पुस्तकालय है। दुनियाभर से विजिटिंग प्रोफेसर और विद्वान नियमित भाषा भवन में आते हैं, जहां शोध के नये क्षेत्रों के संबंध में विचारों का आदान-प्रदान होता है जिससे उनके उल्लेखनीय योगदान सामने आते हैं। भाषा भवन निरंतर बौद्धिक और सांस्कृतिक विनिमय के माध्यम से राष्ट्रीय अखंडता के विस्तार के प्रति प्रतिबद्ध है।

विश्व भारती के चीनी एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. अभिजीत बनर्जी के अथक प्रयासों के तहत 2011 में भाषा भवन की ओर से चीन के यूनान विश्वविद्यालय के साथ छात्र विनिमय कार्यक्रम शुरू करने की पहल की गयी। 2012 की गरमियों में विश्व भारती के विभिन्न विभागों के 15 विद्यार्थियों के प्रथम बैच ने चीन के यूनान विश्वविद्यालय का दौरा किया। उक्त विनिमय कार्यक्रम दोनों विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों के बैचों के एक-दूसरे के संस्थानों के दौरे तक ही 2013 और 2014 में सीमित नहीं रहा, बल्कि यह शिक्षकों के विनिमय कार्यक्रम के तौर पर भी विकसित हुआ। विश्व भारती से एक सांस्कृतिक प्रतिनिधिमंडल ने भी 2013 में यूनान विश्वविद्यालय का दौरा किया था।

निवर्तमान प्रिंसिपल प्रोफेसर रामेश्वर मिश्र, हिंदी प्राध्यापक ने 2013 में प्रोफेसर अरत्तात्रण नायक से भाषा भवन की अध्यक्षता ग्रहण की। भवन ने 2010-2011 के शैक्षणिक वर्ग से अपने पूर्वस्नातक पाठ्यक्रमों के तहत बतौर अनुषंगी-वैकल्पिक विषय तुलनात्मक साहित्य का पठन-पाठन प्रारंभ किया। 12वीं योजनावधि की सीमा में तुलनात्मक साहित्य में कला-स्नातक चालू करने के मद्देनजर तुलनात्मक साहित्य विभाग स्थापित करने में भवन का प्रस्ताव विचाराधीन है और साकार होने की दिशा में अग्रसर है।

अंग्रेजी विभाग के अधीन आधुनिक यूरोपीय भाषा, साहित्य और सांस्कृतिक अध्ययन (सीएमईएलएलसीएस) के

अतिरिक्त अन्य आधुनिक यूरोपीय भाषाओं (डीईओएमईएल) का केंद्र खोला गया है। बतौर शुरुआती कार्य उक्त केंद्र के अंतर्गत आधुनिक यूरोपीय भाषा, साहित्य और सांस्कृतिक इतिहास में पूर्वस्नातक पाठ्यक्रम चलाया जा रहा है। डीईओएमईएल में सदियों से पढ़ाये जाने वाले किसी भी चार आधुनिक यूरोपीय भाषाओं (फ्रेंच, जर्मन, इताल्वी और रूसी) में से किसी एक में पारंगत होने की सुविधा भी उक्त पाठ्यक्रम में उपलब्ध करवाया जाता है।

फरवरी 2014 में इताल्वी की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. इंद्राणी दास और इंडो-तिब्बती अध्ययन के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. संजीव कुमार दास ने अपने उत्तराधिकारियों श्री रोमित राय, जर्मन के एसोसिएट प्रोफेसर और संस्कृत के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. हरेकृष्णा मिश्र को बतौर वाइस प्रिंसिपल का प्रभार सौंप दिया।

भाषा भवन के कार्यालय को कुशलतापूर्वक कार्यालय प्रशासनिक अधिकारी संचालित करते हैं। श्री सौमेंद्र सेन भाषा भवन और विद्या भवन के डिप्टी रजिस्ट्रार हैं। श्री गणेश घोष की 06 कार्यालय सहायक और शेख मोहिउद्दीन कार्यालय सहायक हैं, जबकि श्री अमर कर्मकार भवन के रिकॉर्डकीपर हैं। विश्व भारती को 24 वर्षों की सेवाएं अर्पित करने के बाद भाषा भवन की चपरासी पूर्णिमा नाग सेवानिवृत्त हुईं। श्री सुबीर गोस्वामी और अशोक दास बतौर टेंपोरेरी कर्मचारी भाषा भवन में कार्यरत हैं।

एक छत के नीचे विदेशी और पारंपरिक भारतीय भाषाओं का सेतुबंध भाषा भवन बतौर सांस्कृतिक केंद्र अपने आप में अनोखा है, जहां गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर के आदर्शों को पूरा करते हुए पूरब-पश्चिम के सर्वोत्तम सांस्कृतिक पहलुओं का संगम होता है।

बांग्ला विभाग

यू.जी.सी/सी.एस.आई.आर./एन.ई.टी/एस.ई.टी./आर.ई.टी. परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों के नाम :
जे. आर. एफ. के साथ नेट :(6)
नेट : (12)
आर.ई.टी : (1)
विभागीय संगोष्ठियां (वक्ता, संगोष्ठी के शीर्षक, दिनांक) :
अ. अनाथनाथ दास का 27 नवंबर 2013 को 'नृपेन्द्रचन्द्र स्मारक व्याख्यान।'
आ. 20-21 जनवरी 2014 को बांग्ला विभाग की ओर से 'बंकिमचन्द्र तुलनामूलक भारतीय साहित्यचर्चा केन्द्र', आरबीयू के संयुक्त तत्वावधान में 'कांटेम्पोरेरी ट्रेंड्स ऑफ इंडियन लिटरेचर' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गयी। प्रो. पल्लब सेनगुप्ता, प्रो. करुणासिंधु दास, प्रो. शिशिर कुमार सिंह, प्रो. मुक्तेश्वरनाथ तिवारी, प्रो. विप्लव चक्रवर्ती, प्रो. सौमित्र बसु, प्रो. कैलाश पट्टनायक, डॉ. गोकुल सिन्हा, डॉ. रामकुमार मुखोपाध्याय, रबिशंकर बल, डॉ. आशीष खास्तूगिरेताल ने अपने पांडित्यपूर्ण भाषणों से संगोष्ठी में चार चांद लगाये। विश्व भारती के उपाचार्य प्रो. सुशांत दत्तगुप्ता ने संगोष्ठी का उद्‌घाटन किया। प्रो. रामेश्वर प्रसाद मिश्र, प्रिंसिपल, भाषा भवन, विश्व भारती ने उद्‌घाटन-सत्र की अध्यक्षता की।
इ. जनवरी 2014 सुप्रसिद्ध फ्रांसीसी लेखक फादर डेटियेन ने विभाग के विद्यार्थियों और शिक्षकों के साथ बांग्ला में बातचीत की।
ई. 19-21 अक्टूबर 2013 को एमए-सेमस्टर-III के विद्यार्थियों ने 'रक्तकरबी' पर विद्यार्थियों की संगोष्ठी आयोजित की।
विभाग की ओर से एक्सटेंशन क्रियाकलाप/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य क्रियाकलाप आयोजित किये गये, जिनमें बांग्ला विभाग के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने भागीदारी की।
भोपाल खजुराहो–पंचमढ़ी की शैक्षणिक यात्रा : 31 दिसंबर 2013 से 06 जनवरी 2014 विभाग की ओर से नये पाठ्यक्रम/—— या अन्य शैक्षिक ———की संरचना **विकास की भावी योजनाओं के संकेत सहित भवन/सदन/ विभाग के इतिहास का संक्षिप्त विवरणः निकट भविष्य में विभाग एसएपी के लिए तैयार हो रहा। रवीन्द्रनाथ ठाकुर पर** अध्ययन के परिप्रेक्ष्य में विभाग की ओर से बांग्ला विभाग में टैगोर सेल स्थापित करने की योजना।
अन्य प्रासंगिक तथ्य
बांग्ला विभागीय पुस्तकालय को सीधे पुस्तकें और पत्रिकाएं खरीदने की क्षमता नहीं है। विश्वविद्यालय का केंद्रीय पुस्तकालय इन प्रकरणों की देख-रेख करता है। विभागीय पुस्तकालय की अपनी प्राथमिकता और अनिवार्यता के आधार पर पुस्तकें और पत्र-पत्रिकाएं खरीदने का न्यूनतम प्रावधान होना चाहिए। सर्वोपरि, विभाग जोर देगा कि विभागीय पुस्तकालय प्रणाली के सुचारू संचालन के लिए एक स्थायी लाइब्रेरियन अपरिहार्य है।
अलिभा दाक्षी
प्रकाशन :
पुस्तक :
बांग्ला भाषा विभाग अभिधान, परिवर्धित द्वितीय संस्करण, मई 2013, संस्कृत पुस्तक भंडार, कोलकाता-6
पत्रिका में आलेख
प्राचीन बांग्ला भाषा : सुनीति कुमार चटर्जी के दृष्टिकोण, अम्बर हेरिटेज, अंक एक्स एल, पार्ट्स। ऐंड 2, संस्कृत कॉलेज, कोलकाता,
25 फरवरी, 2014, पीपी

अन्य शैक्षणिक/प्रशासनिक क्रियाकलाप :

1 नवंबर 2013 को बतौर विश्व भारती के ईसी मेंबर चयनित

मृणाल क्रांति मंडल

सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला इत्यादि

20-21 जनवरी, 2014 : 20-21 जनवरी, 2014 को बांग्ला विभाग, विश्व भारती, शांतिनिकेतन की ओर से कांटेम्पोरेरी ट्रेंड्स इन इंडियन लिटरेचर पर बतौर संयोजक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गयी।

प्रकाशन :

पत्रिकाओं में आलेख

मैजिक रियलिज्म : एकटी अनुसंधान, समोसामईक बांग्ला, सेकेंड ईयर, वाल्यूम-9, अप्रैल-2013, संपादक : सायनदेब बंद्योपाध्याय, कोलकाता, 2013 : आईएसएसएन-2348-5655।

दिनेर शेषे शांतिनिकेतने शक्ति, समोसामयिक बांग्ला, थर्ड ईयर, वाल्यूम-3, नवंबर-2013, संपादक : सायनदेब बंद्योपाध्याय, कोलकाता, 2013 : आईएसएसएन-2348-5655।

अन्य शैक्षणिक/प्रशासनिक क्रियाकलाप :

बर्दवान विश्वविद्यालय में बांग्ला के पोस्ट ग्रेजुयेट स्ट्डीज बोर्ड के सदस्य।

कल्याणी विश्वविद्यालय में बांग्ला के अंडर ग्रेजुएट स्ट्डीज बोर्ड के सदस्य।

गौड़बंग विश्वविद्यालय के बांग्ला विभाग में बोर्ड ऑफ रिसर्च स्ट्डीज के सदस्य।

अमल कुमार पाल

सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला इत्यादि

18 नवंबर, 2013 : 18-19 नवंबर, 2013 को रवीन्द्रनाथ टैगोर पर शिक्षा-सत्र, विश्व भारती आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'साहित्यिक रवीन्द्रनाथ ठाकुर' पर शोध प्रस्तुत किया गया।

27 दिसंबर, 2013 : निखिल भारत बंग साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद की ओर से 25-27 दिसंबर 2013 को आयोजित 86वें ऑल इंडिया बेंगाली लिटरेरी क्रॉन्फ्रेंस में बेंगाली जूवेनाइल लिटरेचर पर एक सत्र की भी अध्यक्षता की।

5 मार्च, 2014 : रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय के बांग्ला विभाग की ओर से 4-5 मार्च 2014 को बांग्ला नाटक पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में बांग्ला नाटक के एक सत्र की भी अध्यक्षता की गयी।

प्रकाशन

पुस्तक

प्रोबोंधो संग्रहो : अशोक बिजय राहा, अमल कुमार द्वारा संपादित, कोलकाता : विश्व भारती ग्रंथन विभाग, 2013, आईएसबीएन : 978-81-7522-569-5

पत्रिकाओं में आलेख

सुन्दरबन सत्बत्सर : रचोनो ओ रचोयिता, आंतोरजातिक पाठशाला, अमित राय द्वारा संपादित, वाल्यूम II : इश्यू IV जुलाई-सितंबर 2013, आईएसएसएन : 22309554 रविन्द्र रचनाय प्रशांत चन्द्र महलनोबिस, टैगोर, बोस ऐंड महलनोबिस : कॉनफ्लूयेंस ऑफ माइंड्स, एडीटर पारुल चक्रवर्ती, इंद्राणी बोस, कविता मंडल, कोलकाता, सर जे.सी. बोस ट्रस्ट, नवंबर 2013

अर्पणा राय

सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला

राष्ट्रीय :

26-27 नवंबर, 2013 : श्रीरामपुर कॉलेज और गौड़ महाविद्यालय के बांग्ला विभाग की ओर से 'मौऊखिक परोंपरा ओ बांग्ला साहित्य', पर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गयी। एक सत्र की

अध्यक्षता की गयी।

प्रकाशन :

पुस्तक अनुच्छेद के सत्र में आलेख

जन्मसार्धशतोबरसे कोबि बिनोदिनी ओ समोसामयिक मेयेदेर लेखा-लिखी, इतिहास अनुसंधान (पश्चिम बंग इतिहास संसद के 19वें वार्षिक सम्मेलन की तैयारियां), वाल्यूम XXVIII; ईयर ऑफ जर्नल/वाल्यूम : जनवरी 2014। आईएसबीएन नं. : 978-81-910874-4-4

समीक्षित पत्रिका/खंड में प्रकाशित पत्र

'श्रीचैतन्य : एकालेर भाबना,' 'श्रीचैतन्येर भक्ति आंदोलन सूत्रे नारिर सोतीकुमन', जनवरी, 2014। (आईएसबीएनः 978-93-83590-27-8) आगोमोनी–बिजय, सोंगिते देवी दुर्गा, अक्टूबर 2013, 'प्रगति' पत्रिका, अक्टूबर 2013 रामायने दाम्पत्य संपर्क एवं श्री रामचन्द्र, अप्रैल, 2013

'अरनिका' पत्रिका (कुमिल्ला से प्रकाशित, बांग्लादेश, अप्रैल, 2013)

कोबि बिनोदिनी 'अटम एनवल' (प्रेसीडेंसी कॉलेज एलूमनी एसोसिएशन की पत्रिका), दिसंबर 2013

सुमित्रा भट्टाचार्य

प्रकाशन :

पुस्तक अनुच्छेद में आलेख

आत्मसमाहितो बिबेकानन्द : एकटी मूल्यायन, स्वामी बिबेकानन्द काले कालोत्तरे, बिप्लब चक्रवर्ती, संपादक (आईएसबीएन : 978-93-82663-11-9), अक्टूबर 2013

मानबेंद्रनाथ साहा

सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला आदि

21 जनवरी 2014 : बंकिम चन्द्र सेंटर, आरबीयू के सहयोग से 20-21 जनवरी को विश्व भारती के बांग्ला विभाग ने कांटेम्पोरेरी ट्रेंड्स इन इंडियन लिटरेचर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की। एक सत्र की अध्यक्षता।

फरवरी 2014 : विश्व भारती के वूमेंस स्टडी सेंटर की ओर से आयोजित बेंगाली थियेटर ऐंड वूमेन। पत्र प्रस्तुत।

अन्यान्य :

18 अप्रैल 2013 : बुक रीडिंग : पोस्ट ऐंड प्रेजेंट, बी.एस.एस.एच., जियागंज, मुर्शिदाबाद की ओर से आयोजित विचार-विमर्श में बतौर आमंत्रित भागीदारी।

29-30 जून 2013 : 'ओसामा' ऐंड 'वाईओएल', जमशेदपुर, झारखण्ड में आयोजित सिने फेस्टीवल में बतौर अतिथि वक्ता व्याख्यान प्रस्तुत।

28 जून 2013 : भवानीपुर फिल्म सोसायटी, कोलकाता आयोजित 100 ईयर्स इन इंडियन फिल्म में बतौर आमंत्रित भागीदारी।

7 फरवरी 2014 : पलासी उत्सव, नदिया आयोजित 100 ईयर्स इन इंडियन फिल्म में बतौर आमंत्रित हिस्सेदारी।

11-17 नवंबर 2013 : 18वें कोलकाता इंटरनेशनल फिल्म फेस्टीवल में बतौर अतिथि प्रतिनिधि भागीदारी।

24 दिसंबर 2013 : वूमेन इन सिनेमा, विश्व भारती के वूमेंस स्टडी सेंटर आयोजित पैनल विचार-विमर्श में बतौर पैनलिस्ट हिस्सेदारी।

प्रकाशन :

लिटरेचर : स्क्रीनप्ले : सिनेमा; जलशिरे (आईएसएसएन : 2249-7447), असम, अक्टूबर, 2013

'चहतुपर्णाज उनीश एप्रिल', साहित्य देशकाल (आईएसएसएन : 230012X), अक्टूबर 2013

'रवीन्द्रनाथ ऐंड समर सेन : फ्रेंडशिप ऐंड इंडिविजुअलिटी', रवीन्द-बीक्षा (वाल्यूम 54), अगस्त 2013

'हिस्ट्री ऑफ स्क्रीनप्ले ऐंड बेंगाली स्क्रीनप्ले', सेल्यूलॉयड लाइफ, भवानीपुर फिल्म सोसायटी जर्नल, अक्टूबर 2013

‘स्क्रीनप्ले ऑफ टैगोर्स लिटरेचर’, खोआई (आईएसएसएन : 2319-8389), दिसंबर 2013
‘समीक्स थॉट्स ऑन सिनेमा’, आबार एसेछि फिरे (आईएसएसएन : 2319-4693), मई, 2013
‘सत्यजित रे’ज थॉट्स ऑन म्युजिक’, छापाखानार गली, दिसंबर 2013

निर्मल कुमार मंडल

प्रकाशनः

पुस्तकः

धर्ममंगल काव्य ओ राढ़ेर लोकोजीवन, बोईकारीगर, कोलकाता, दिसंबर 2013
अन्य शैक्षणिक/प्रशासनिक क्रियाकलाप :
गौड़बंग विश्वविद्यालय में चार बीओएस (यूजी) मीटिंग में बतौर वाह्य विशेषज्ञ उपस्थिति।
विद्यासागर विश्वविद्यालय, मेदिनीपुर में एमए-सेम-IV परीक्षा के लिए बतौर वाह्य विशेषज्ञ आमंत्रित।

अतनु शासमल

अप्रैल 23-24, 2013 : अप्रैल 23-24, 2013 को विश्व बांग्ला साहित्य ओ संस्कृति सम्मेलन (रांची शाखा) रांची, झारखण्ड की ओर से ‘बांग्ला साहित्य ओ रबींद्रनाथ’ पर राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी आयोजित : (i) छोटो गल्पो बिशये रवींद्रनाथ और (ii) ‘छंदा 0154 नं.- पांडुलिपि ओंतिम पातार दुटि लेखा’ शीर्षक से दो पत्र पढ़ा गया।

जनवरी 20-21, 2014 : बंकिमचन्द्र सेंटर, आरबीयू के सहयोग से 20-21 जनवरी 2014 को विश्व भारती के बांग्ला विभाग ने ‘कांटेम्पोरेरी ट्रेंड्स इन इंडिया लिटरेचर’ पर राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी आयोजित की : एक सत्र की अध्यक्षता।

फरवरी 25-26, 2014 : विश्व भारती, शांतिनिकेतन के ओडिया विभाग की ओर से 25-26 फरवरी, 2014 को ‘द इम्पैक्ट ऑफ ट्राइबल कल्चर ऑन इंडियन लिटरेचर’ पर राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी आयोजित; ‘आरण्यक उपन्यासेर पूर्ववर्ती बांग्ला साहित्ये आदिबासी जीबन ओ संस्कृति’ पर पत्र पढ़ा गया।

मार्च 25-26, 2014 : विश्व भारती के दर्शन व धर्म विभाग और द ऐंथ्रेपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया, कोलकाता की ओर से 25-26 मार्च, 2014 को ‘संथाल कल्चर ऐंड देयर फिलोसफी’ पर राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी आयोजित : भागीदारी।

प्रकाशन :

सुदितो पाषाण ओ दुराशा, आराईसिधा, द्वितीय संख्या 2013, मुक्तिजोद्धा, जियाउर रहमान हॉल; 313, ढाका विश्वविद्यालय, ढाका - 1000; बांग्लादेश।

रबीन्द्रनाथ ‘परोबोर्ती’ पर्यायेर तीनटी गल्पो बिशये दू-एकटी कथा, खोआई, संख्या-19; दीपावली 1420; शांतिनिकेतन; आईएसएसएन : 2319-8389

रबीन्द्रनाथ अग्रबोर्ती ओ परोबर्ती गल्पो एबंग हैमंती, खोआई, संख्या-20; 7 पौष 1420; शांतिनिकेतन; आईएसएसएन : 2319-8389

रीता मोदक

सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला आदि

30 सितंबर – 01 अक्टूबर, 2013 : सोनामुखी कॉलेज के बांग्ला विभाग की ओर से स्तरेर भिन्नता : मधुसूदन - आधुनिक ओ उत्तर आधुनिक काले तार प्रासंगिकता ऐज रिसोर्स पर्सन पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी आयोजित।

20-21 जनवरी, 2014 : विश्व भारती के बांग्ला विभाग की ओर से कांटेम्पोरेरी ट्रेंड्स इन इंडियन लिटरेचर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के एक सत्र की अध्यक्षता।

अन्यान्य

10 अप्रैल, 2013 : कथा (रेल कर्मचारिदेर पत्रिका) की ओर से आयोजित लघुकथाओं पर विशेष व्याख्यान के

लिए बतौर रिसोर्स पर्सन। 10 दिसंबर, 2013 से 06 जनवरी, 2014 तक शैक्षणिक टूर में विद्यार्थियों को एसकॉर्ट दिया।

प्रकाशन :

पुस्तक

विश्व शतकेर बांग्ला प्रबंधोचार्य। रीता मोदक और उत्पल मंडल संपादित, बंगीय साहित्य संसद, कोलकाता, 2014, आईएसएसएन : 9789383590407

पत्रिकाओं में आलेख

कथा साहित्यिक सुलेखा सान्याल : शिल्प भाबनार शिल्पित रूपः रीता मोदक के साथ मणिकुंतला बसु, कुतीम, वाल्यूम 1 नं. 2, नवंबर, 2013, आईएसएसएन : 2321-9696

पुस्तक अनुच्छेदों में आलेख

'नक्साल आंदोलन ओ बांग्ला कथा साहित्य' प्रबंध संचयन, द्वितीय भाग, डॉ. सत्यबती गिरि व डॉ. समरेश मजुमदार संपादित; रत्नाबली, कोलकाता, जुलाई, 2013 (तृतीय संस्करण), आईएसबीएन : 978-93-81329-11-5

मानबेंद्र मुखोपाध्याय

सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला आदि

23 मार्च, 2014 : रबीन्द्र भवन, विश्व भारती, शांतिनिकेतन की ओर से इंटरएक्शंस : टैगोर ऐंड अदर ग्लोबल। लोकल पर्सोनलिटीज पर 21-24 मार्च 2014 को अंतराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित। 'रबीन्द्रनाथ ऐंड रामानन्द चट्टोपाध्याय' पर प्रेजेंटेशन।

7 मई, 2013 : सिधू-कानू-बिरसा विश्वविद्यालय, पुरुलिया के बांग्ला विभाग की ओर से सार्धशतबर्स द्विजेन्द्रलाल राय पर 7-8 मई, 2013 को राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी आयोजित; 'औपनिवेशिक प्रेक्षित : आमला द्विजेन्द्रलाल ओ द्विजेन्द्र-साहित्य' पर पत्र प्रस्तुत। एक सत्र की अध्यक्षता।

21 जनवरी, 2014 : बंकिमचंद्र सेंटर, आरबीयू के सहयोग से विश्व भारती के बांग्ला विभाग की ओर से कांटेम्पोरेरी ट्रेंड्स इन इंडियन लिटरेचर पर राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी आयोजित। 20-21 जनवरी, 2014 तक एक सत्र की अध्यक्षता।

अन्यान्य :

23 फरवरी, 2014 : टैगोर स्ट्डीज यूनिट, रबीन्द्र भवन, विश्व भारती की ओर से टैगोर स्ट्डीज पर ओरियेंटेशन प्रोग्राम आयोजित। 23 फरवरी और 15 मार्च, 2014 को 'टैगोर्स पोयेट्री' पर व्याख्यान प्रस्तुत।

03 अप्रैल, 2013 : पंयूर कॉलेज, कोलकाता की ओर से बांग्ला विद्या-चर्चार सांप्रोतिकः समस्या ओ संभावना पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित। बतौर रिसोर्स पर्सन व्याख्यान प्रस्तुत।

02 अक्टूबर, 2013 : पश्चिमबंग गणतांत्रिक शिक्षक समिति (माध्यमिक), मुर्शिदाबाद जिला कमिटी की ओर से गांधी जयंती आयोजित। बतौर अतिथि वक्ता 'पश्चिमबंगेर माध्यमिक शिक्षार वर्तमानः समस्या ओ संभावना' पर व्याख्यान प्रस्तुत।

24 दिसंबर, 2013: वूमेंस स्टडी सेंटर, विश्व भारती की ओर से आयोजित वूमेन इन सिनेमा पैनल वाद-विवाद में बतौर पैनलिस्ट भागीदारी।

12 जनवरी, 2014: निवेदिता शिशु शिक्षा विद्यालय, शक्तिपुर, मुर्शिदाबाद की ओर से स्वामी विवेकानन्द जयंती आयोजित। बतौर मुख्य अतिथि व्याख्यान प्रस्तुत।

13 जनवरी, 2014: जनकल्याण ट्रस्ट सोसायटी, बोलपुर की ओर से स्वामी विवेकानन्द जयंती आयोजित। बतौर पैनलिस्ट व्याख्यान प्रस्तुत।

18 जनवरी, 2014: अनुभव आर्ट स्कूल; बोलपुर की ओर से वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उद्घाटन भाषण प्रस्तुत।

3 फरवरी, 2014: गणतांत्रिक बंगाली युवा मोर्चा, बिजनी (बीटीसी), असम की ओर से विवेकानन्द–नेताजी जयंती आयोजित। 'विवेकानन्द्स स्पीरिचुआल लिगेसी इन द पॉलिटिकल डिसकोर्स ऑफ नेताजी सुभाष' विषय पर बतौर मुख्य वक्ता व्याख्यान प्रस्तुत।

14 फरवरी, 2014: बुक फेयर कमिटी, बहरमपुर, मुर्शिदाबाद की ओर से 12-20 फरवरी, 2014 को सार्धशतवर्षे रामेंद्रसुंदर त्रिवेदी आयोजित। बतौर मुख्य वक्ता 'प्रज्ञानी रामेंद्रसुंदर' पर व्याख्यान प्रस्तुत।

21 फरवरी, 2014: सबुजायन, आरामबाग, हुगली की ओर से भाषा-शहीद दिवस आयोजित। बतौर मुख्य अतिथि 'बांग्ला भाषार घटमान बर्तमानः समस्या ओ संभावना' पर व्याख्यान प्रस्तुत।

23 मार्च, 2014: अखिल भारत भूविद्या ओ परिवेश समिति, शांतिनिकेतन और ज्यो ग्राफिकल सोसायटी ऑफ वेस्ट बेंगाल, अलीपुरद्वार, जलपाईगुड़ी की ओर से 2025-एर बांग्लार परिबेश कोन पथे?
आयोजित। एक वाद-विवाद में बतौर पैनलिस्ट भागीदारी।

21 जुलाई, 2013: शांतिनिकेतन से रवीन्द्रनाथ की अंतिम यात्रा पर पैनल वाद-विवाद शांतिनिकेतन थेके शेष यात्राय रबीन्द्रनाथ का डीडी-बांग्ला की ओर से निर्माण और प्रसारण। बतौर अतिथि पैनलिस्ट भागीदारी।

17 नवंबर, 2013: रवीन्द्रनाथ टैगोर को प्रदत्त नोबेल पुरस्कार के शताब्दी वर्ष पर डीडी-बांग्ला की ओर से पैनल वाद-विवाद रवींद्रनाथेर नोबेल प्राप्तिर शतोबर्षो का निर्माण और प्रसारण। बतौर अतिथि पैनलिस्ट भागीदारी।

प्रकाशन :

पत्रिकाओं में आलेख :

'औपनिवेशिक प्रेक्षित : आमला द्विजेन्द्रलाल ओ द्विजेन्द्र-साहित्य', अंतर्मुख (आईएसएसएन : 2249-3751), अप्रैल-जून, 2013

'एकटी बोईयेर क्रमिक पाठदुखो', एबंग मुशायरा (0976-9307), अप्रैल-जून, 2013

'आख्यान-मुबने बहुभागिक अटो-परिक्रमा', चर्चा (आईएसएसएन : 232191), अगस्त 2013

'गीतांजलिर बिन्यास', विश्वभारती पत्रिका, जुलाई-सितंबर, 2013

'रबीन्द्र-पांडुलिपि रोमांच', अबकाश (आईएसएसएन : 2319-5385), विशेष साहित्य संख्या 2013

'कोई बा से जन आर किसे तार रंजन', चार्वाक (आईएसएसएन : 2319-3697), भाद्र-अग्रहायण, 1420 बीएस।

पुस्तक अनुच्छेदों में आलेख :

'मानबी चेतनार प्रत्यय', कूड़ी-एकुशेर शतकेर नारी औपन्यासिक, संपादक : अमित्रसूदन भट्टाचार्य, आशादीप। बोईमेला, 2014। आईएसबीएन : 978-93-81245-36-1

'आत्ममोर्जर कविता : कोमल ऋषम आशावरी, मनिभूषण, सुनन्दा अधिकारी संपादित, कोरक, जनवरी 2014

अन्य शैक्षणिक/प्रशासनिक क्रियाकलाप

संपादकीय पर्षद के सदस्य, 2013 से विश्व भारती त्रैमासिकी

एमजी कालेज, लालपुर, पुरुलिया से प्रकाशित प्रतिष्ठित आलोचना पत्रिका द प्रिज्म (आईएसएसएन : 2229-7537) के मनोनीत समीक्षक।

विश्वजीत राय

सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला आदि

16 फरवरी, 2014: विश्व भारती, शांतिनिकेतन के अंग्रेजी व ओएमइएल की ओर से बियंड गीतांजलिः टैगोर, पोयेट्री ऐंड पोयेटिकस पर 14-16 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय यूजीसी-डीआरएस सम्मेलन आयोजित। 'रवीन्द्रनाथ ऑन हिज ओन पोयम्स' प्रेजेंटशन प्रस्तुत।

16 सितंबर, 2013 : बसुंधरा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वेलफेयर ऐंड एवेयरनेस के सहयोग से नब बालीगंज महाविद्यालय आयोजित रेलेवैंस ऑफ स्वामी विवेकानन्द इन टुडे'ज वर्ल्ड पर प्रेजेंटशन दिया।

19 नवंबर, 2013: शिक्षासत्र, विश्व भारती की ओर से रवींद्रनाथ टैगोर पर राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन आयोजित।

एक सत्र की अध्यक्षता की।
26 नवंबर, 2013: साहित्य अकादेमी और रामकृष्णा मिशन इंस्टीट्यूट ऑफ कल्चर की ओर से 25-26 नवंबर, 2013 को स्वामी विवेकानन्द पर राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन आयोजित। 'स्वामी विवेकानन्द्स लिटरेरी कंट्रीब्यूशन' पर प्रेजेंटशन दिया।
28 नवंबर, 2013 : रघुनाथपुर कालेज की ओर से स्वामी विवेकानन्दः रोल मॉडल ऑफ मॉडर्न इंडिया पर 27-28 नवंबर, 2013 को यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन आयोजित। 'स्वामी विवेकानन्द ऑन नेशन ऐंड नेशनालिटी' पर प्रेजेंटेशन दिया।
21 जनवरी, 2014 : बंकिमचन्द्र सेंटर आरबीयू के सहयोग से विश्व भारती के बांग्ला विभाग की ओर से कांटेम्पोरेरी ट्रेंड्स इन इंडियन लिटरेचर पर राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी आयोजित। एक सत्र अध्यक्षता की।

अन्यान्य

11 सितंबर, 2013 : रामकृष्ण मिशन रेजिडेंशियल कालेज (स्वशासित) नरेन्द्रपुर की ओर से शिकागो दिवस आयोजित। 'रेलिजियस थॉट्स ऑफ स्वामी विवेकानन्द' पर व्याख्यान दिया।
12 मार्च, 2014 : पश्चिम बंगाल सरकार के सहयोग से बंगीय साहित्य परिषद की ओर से स्वामी विवेकानन्द पर राज्यस्तरीय संगोष्ठी आयोजित की गयी। 'बेंगाली राइटिंग्स ऑफ स्वामी विवेकानन्द' पर व्याख्यान दिया।

प्रकाशन :

पुस्तक

स्वामी विवेकानन्द बांग्ला रचना संकलन, संपादित विश्वजित राय, कोलकाता, पश्चिमबंग बांग्ला एकेडेमी, द्वितीय संशोधित व परिवर्धित संस्करण, 2014, आईएसबीएन : 978-81-7751-221-2

पत्रिकाओं में आलेख

सिकिजिटिंग रवींद्रनाथस शांतिनिकेतन स्कूलः डेमास्टिफाइंग पॉपुलर परसेप्शन, कंटेम्पोरराइजिंग टैगोर ऐंड द वर्ल्ड, संपादन इम्तियाज अहमद, मुचकुंद दुबे व वीणा सीकदी, ढाका, द यूनिवार्सिटी प्रेस लिमिटेड, 2013: 201-210, आईएवबीएनः 9789845061186

मिलन कांति विश्वास

सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला आदि

5 मार्च, 2014 : रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय में बांग्ला नाटक : ओईतिह्य ओ आधुनिकता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। 'रवीन्द्र नाटक ओ लोकायत ओईतिह्य' शीर्षक से पत्र प्रस्तुत किया गया।
25 सितंबर, 2013: हीरालाल भक्त कालेज की ओर से 24-25 सितंबर 2013 को नाना रंगेर रवीन्द्रनाथ पर राष्ट्रीयस्तर का सम्मेलन। 'रवीन्द्रनाथेर छेलेभुलानो छड़ाः एकटी भाषा तात्विक विश्लेषण' पर पत्र प्रस्तुत किया।
21 जनवरी, 2014 : विश्व भारती के बांग्ला विभाग की ओर से कांटेम्परारी ट्रेंड्स इन इंडियन लिटरेचर पर राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी आयोजित की गयी। एक सत्र की अध्यक्षता की।

प्रकाशन :

पुस्तक

प्रसंग लोकसंस्कृति, बंगीय साहित्य संसद, कोलकाता, जनवरी 2014, आईएसबीएन : 978-93-83590-06-3
अद्वैतमल्ल बर्मन ओ बांग्ला लोक संस्कृति, बंगीय साहित्य संसद, कोलकाता, जनवरी 2014, आईएसबीएन : 978-93-83590-11-7

आलेख

'रुपदक्ष कबि मुकुन्द चक्रवर्ती', खोआई, खण्ड-19, नवंबर 2013, आईएसएसएन :
'जन्मशतोबर्ष अद्वैतमल्ल बर्मन', भासमान-12, जनवरी 2014

अंग्रेजी और अन्य आधुनिक यूरोपीय भाषाओं का विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/स्लेट व गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण विद्यार्थिओं के नाम
अबू फराह हक, सईदुल हक, सुप्रोदीप्त मंडल

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, दिनांक)

क) 17-18 जनवरी, 2014 को 'स्टोरीज फॉर चिल्ड्रेन ऐंड यंग एडल्ट्स' अनुवाद पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित। कार्यशाला निदेशक : सौरभ दासठाकुर व दीपंकर राय

प्रतिभागियों के नाम :

प्रो. रिमली भट्टाचार्य, प्रो. अम्लान दासगुप्त, प्रो. उदय नारायण सिंह, प्रो. सोमदत्ता मंडल, डॉ. अभिजीत गुप्ता, डॉ. सायंतन दासगुप्ता, अमृता धर, सुदेब पी. बसु, शुद्धसत्व बनर्जी, डॉ. अंशुमान कर, प्रो. अमृत सेन, देबमाल्य दास, सुदेषणा मजुमदार, रोमित राय, प्रो. अभीक मजुमदार, तथागत बनर्जी, शावना बारिक, देबायन देबबर्मन, प्रो. शक्ला बसु (सेन), चंद्रिमा दास, डॉ. अनन्या दत्तगुप्ता, प्रीतम बनर्जी, प्रो. इंद्राणी दास, सुपर्णा सरकार, प्रो. देबारति बनर्जी, गार्गी गंगोपाध्याय, चिन्मय राय, अनूप राय, जितमन्यु दास, एस. सिद्धार्थ, सुमंत गंगोपाध्याय, ऋतम साधु, हिमाद्री शेखर दत्ता, दीया बनर्जी, श्रमणा दास, परानतप चक्रवर्ती, अनिंदिता चोंगदार।

ख) डीआरआस (सैप) प्रोग्राम : 16-28 फरवरी, 2014 को 'बीयंड गीतांजलि : टैगोर पोयेट्री ऐंड पोयेटिक्स' पर त्रिदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी हुई। समन्वयक : शुक्ला, बसु सेन व अनन्या दत्तगुप्ता।

भागीदारियों के नाम :

प्रो. शमीक बंदोपाध्याय, प्रो. तपती मुखर्जी, प्रो. अलोकरंजन दासगुप्ता, प्रो. फकरूल आलम, प्रो. मंजरूल इसलाम, डॉ. तिन्नी दत्त, प्रो. सुतपा भट्टाचार्य, हत्या बनर्जी, शुद्धसत्य बनर्जी, रोमित राय, प्रो. अभिजीत सेन, प्रो. करुणासिंधु दास, डॉ. सुशोभन अधिकारी, प्रो. शर्मिला राय प्रोम्मोत, प्रो. अमृत सेन, प्रो. सौम्य चक्रवर्ती, प्रो. रामकुमार मुखोपाध्याय, स्पंदना भौमिक, दिव्यज्योति घोष, पूर्बाशा आड्डी, देबप्रिया बसु, प्रो. ब्लांका नोतकोवा, प्रो. देबारति बंदोपाध्याय, अनिर्वाण गुहाठाकुरता, पार्थ गांगुली, प्रो. टी. भारती, डॉ. महुआ भौमिक, प्रो. अनाथनाथ दास, डॉ. ब्रतींद्रनाथ चट्टोपाध्याय, डॉ. विश्वजीत राय, डॉ. स्वाती गांगुली, डॉ. पिकु चौधरी।

विद्यार्थी/शोधार्थी

मधुमिता राय, ऋतुश्री सेनगुप्त, ऋषिराज पाल, ऋषिराज घोष, ऋकदेव भट्टाचार्य, सईदुल हक, सारणी राय, कृषाणु मुखर्जी, जितमन्यु दास, हिमाद्री शेखर दत्ता, अनिंदिता चोंगदार, सुमंत गंगोपाध्याय, अबू फराह हक।

राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी/सम्मेलन आदि

अभिजीत सेन

14 फरवरी, 2014 : विश्व भारती के अंग्रेजी विभाग व ओएमईएल की ओर से 14-16 फरवरी, 2014 को बियांड 'गीतांजलि' : टेगोर पोयेट्री ऐंड पोयेटिक्स पर अंतर्राष्ट्रीय यूजीसी-डीआरएस सम्मेलन। 'रिसाइटिंग रवींद्रनाथस पोयम्स' पर प्रेजेंटेशन दिया।

28 मार्च, 2014 : विद्यासागर विश्वविद्यालय, मेदिनीपुर के अंग्रेजी विभाग की ओर से 27-28 मार्च 2014 को अल्टरनेट कल्चर्स, अल्टरनेट लिटरेचर्स : डिकनस्ट्रक्टिंग द केनॉन पर राष्ट्रीय स्तर का सम्मेलन आयोजित किया गया; 'द जिसस-स्टोरी : फ्रॉम द मार्जिंस ऑफ हिस्ट्री टू द सेंटर ऑफ फेथ' पर पत्र प्रस्तुत।

31 मार्च, 2014 : वेस्ट बेंगाल स्टेट यूनिवर्सिटी, बारासात के अंग्रेजी विभाग की ओर से कलोक्वीयम ऑन द वर्ल्ड ऑफ टेगोर्स ड्रामा : पॉलिटिकल ऐंड सोशल कनसर्नस् आयोजित किया गया।

'रवींद्रनाथ, नेशन, थियेटर' पर प्रेजेंटशन के लिए आमंत्रित।

अन्यान्य :

अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों की अकादमीय सदस्यता :

1. अंग्रेजी विभाग, प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय के बोर्ड ऑफ स्टडीज के वाह्य सदस्य।
2. अंग्रेजी विभाग, कोलकाता विश्वविद्यालय के यू.जी. बोर्ड ऑफ स्टडीज के वाह्य सदस्य।
3. अंग्रेजी विभाग, कल्याणी विश्वविद्यालय, कल्याणी की डिपार्टमेंटल रिसर्च कमिटी के वाह्य सदस्य।
4. अंग्रेजी विभाग, विद्यासागर विश्वविद्यालय, मेदिनीपुर की डिपार्टमेंटल रिसर्च कमिटी के वाह्य सदस्य।
5. अंग्रेजी विभाग, पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय की डिपार्टमेंटल रिसर्च कमिटी के वाह्य सदस्य।
6. रामकृष्ण मिशन महाविद्यालय (स्वशासित), नरेन्द्रपुर के बोर्ड ऑफ स्टडीज के वाह्य सदस्य।

अमृत सेन

12-13 सितंबर, 2013 : हीरालाल भक्त कालेज ऐंड सेंटर फॉर विक्टोरियन स्टडीज, यादवपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग की ओर से 'रिकिजिटिंग द लेट 19थ सेंचुरी इन इंग्लिश लिटरेचर' पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित। पत्र का शीर्षक : 'रिक्लेमिंग साइंस : ए.पी.सी. राय ऐंड हिन्दू केमिस्ट्री'। एक सत्र की अध्यक्षता की।

18-19 नवंबर, 2013 : शिक्षा-सत्र, विश्व भारती की ओर से 'रथींद्रनाथ टेगोर : ऐन इंट्रोसपेक्टिव ऐंड सॉलिसी पर्सेनिलिटी विद कीन आर्टिस्टिक परसेप्शन' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित। पत्र का शीर्षक : 'द च्वॉयस ऑफ लैंग्वेजः रथींद्रनाथ टेगोर्स इंग्लिश राइटिंग्स'।

8-10 फरवरी, 2014: नेताजी सुभाष ओपेन यूनिवार्सिटी की ओर से 'पार्टिशन लिटरेचर : मेमोरी ऐंड इन हेरिटेंस ऑफ सेल्फ' पर अंरर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित। पत्र का शीर्षकः 'पोस्ट पार्टिशन आइडेनटिटीजः द केस ऑफ मोहन बागानेर मेये।'

25-26 जुलाई, 2013 : बड़जोड़ा कालेज, पश्चिम बंगाल के अंग्रेजी विभाग और इंडियन एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ ऑस्ट्रेलिया, पूर्वी क्षेत्र, कोलकाता के संयुक्त तत्वावधान में 'आउटसाइड द ब्रिटिश केनॉनः रिडिंग लिटरेचर फ्रॉम फॉर्मर यूरोपीयन कॉलोनिज' पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित। पत्र का शीर्षकः 'द डिसेब्ड ऐंड द ऐनिमल : केटोगरीज ऑफ मार्जिनलिटी इन द फिक्शन ऑफ जे.एम. कोयेटजी'। एक सत्र की भी अध्यक्षता की।

24-25 अक्टूबर, 2013 : यूजीसी-डीएसए प्रोग्राम, डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश और द सेंटर फॉर इंग्लिश स्टडीज, हैदराबाद विश्वविद्यालय की ओर से 'अर्लि इंग्लिश टेक्सटबुक्स ऐंड लैंग्वेज पालिसिज इन इंडिया' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित। पत्र का शीर्षक : 'द पोयेट्स पेडागोगी : रवीन्द्रनाथ टेगोर्स इंग्लिश प्राइमर्स।'

15-18 जनवरी, 2014 : विश्व भारती के अंग्रेजी विभाग और अन्य आधुनिक यूरोपीय भाषा की ओर से 'स्टोरिज फॉर चिल्ड्रेन ऐंड यंग एडल्ट्स' पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय स्तर की अनुवाद कार्यशाला आयोजित। अंग्रेजी में दो बांग्ला कहानियों का रुपांतर किया।

18-19 जनवरी, 2014 : विश्व भारती के सेंटर फॉर जर्नलिज्म ऐंड मास कम्युनिकेशन और इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च, नयी दिल्ली की ओर से 'क्रोनि जर्नलिज्म : रिडिफाइनिंग जर्नलिस्टिक प्रैक्टिसेस' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। पत्र का शीर्षक : 'द राइज ऑफ प्रिंट कल्चर।'

16-18 जनवरी, 2014 : विश्व भारती के अंग्रेजी विभाग और अन्य आधुनिक यूरोपीय भाषाओं की ओर से 'स्टोरीज फॉर चिल्ड्रेन ऐंड यंग एडल्ट्स' पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला आयोजित। 'मोंटूर मास्टर' और 'भोंदोड़ बहादुर' का रुपांतर किया।

14-16 फरवरी, 2014 : विश्व भारती के अंग्रेजी विभाग और अन्य आधुनिक यूरोपीय भाषाओं के डीआरएस की ओर से 'बियांड गीतांजलि : टेगोर, पोयेट्री ऐंड पोयेटिक्स' पर यूजीसी प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित। 'टेगोर्स इकोलॉजिकल कनसर्न : पोयम्स ऑफ द लेट फेज' पर पत्र प्रस्तुत।

दीपंकर राय

12-13 सितंबर, 2013 : अंग्रेजी विभाग, हीरालाल भक्त कालेज, नलहाटी, बीरभूम और सेंटर फॉर विक्टोरियन स्टडीज, यादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता की ओर से 'रिविजिटिंग द लेट 19थ सेंचुरी इन इंग्लिश लिटरेचर' पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी आयोजित। 'द मॉडर्न बेंगाली सेल्फ कॉट बिटवीन टू वर्ल्डस : स्टडी ऑफ सिलेक्ट स्टोरिज ऑफ टेगोर' पर पत्र प्रस्तुत।

अन्य सूचनाएं :

24 दिसंबर, 2013 को यादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता की ओर से 'डॉक्टर ऑफ फिलासफी' की उपलब्धि प्रदान की गयी। 16-18 जनवरी, 2014 को डॉ. सौम्य दासठाकुर के साथ संयुक्त रूप से देवमेल, विश्व भारती में राष्ट्रीय स्तर की त्रिदिवसीय अनुवाद कार्यशाला का संयोजन किया।

गौतम घोषाल

3 अप्रैल, 2013 : करीम सिटी कालेज, जमशेदपुर में 'द ऐससेंट ऑफ सेक्रिफाइस : द लास्ट चैप्टर ऑफ ए टेल ऑफ टू सिरीज' शीर्षक से पत्र प्रस्तुत। राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।

4 जुलाई, 2013 : एकाडेमिक स्टॉफ कालेज, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में 'शेक्सपीयर ऐंड श्री अरविंद' पर दो रिफ्रेशर कोर्स व्याख्यान।

29 अगस्त, 2013 : संगीत भवन, विश्व भारती की ओर से रवीन्द्रनाथ और उनके समकालीन गीतकारों की संगोष्ठी में 'दिलीप कुमार राय : द सिंगर ऐंड हिज क्रेडो' पर व्याख्यान आयोजित।

12 सितंबर, 2013 : दर्शन विभाग, एम.यू.सी. वूमेंस कालेज, बर्दवान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'विवेकानन्द : पोयेट्री ऐंड लिबरेशन' पर व्याख्यान।

6 दिसंबर, 2013 : शेक्सपीयर सोसायटी ऑफ ईस्टर्न इंडिया, कोलकाता की ओर से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'श्री अरविंद ऑन क्लीयोपेट्रा' पर पत्र प्रस्तुत।

इंद्राणी दास

16-18 जनवरी, 2014 : डी. ई. ओ. एम. ई. एल, वीबी की ओर से 'स्टोरीज फॉर चिल्ड्रेन ऐंड यंग एडल्ट्स' पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय स्तर की अनुवाद कार्यशाला में भागीदारी।

रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता ऐंड एक ओरिटें, यूनिवर्सिटी ऑफ नेपल्स, इटली के साथ एक साझा अनुवाद परियोजना में सहयोगी, ऐंटोनिओ ग्रैमीसी के प्रिजन नोटबुक नं. 25 का इताल्वी से बांग्ला में आंशिक रुपांतर।

नीलांजना भट्टाचार्य

19-22 फरवरी, 2014 : विश्व भारती और सेंटिल, यादवपुर विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित संयुक्त अनुवाद कार्यशाला में भागीदारी।

28 नवंबर–18 दिसंबर, 2013 : एकाडेमिक स्टॉफ कालेज; यादवपुर विश्वविद्यालय और बांग्ला विभाग की ओर से 'पॉप्युलर कल्चर : द थियोरी ऐंड पॉलिटिक्स' पर रिफ्रेशर कोर्स में उपस्थित।

26-28 सितंबर, 2013 : एएससी, यादवपुर विश्वविद्यालय मे बेसिक स्कील्स ऑफ काउंसेलिंग पर अल्पकालिक पाठ्यक्रम में भागीदारी।

सोमित्र राय

16-18 जनवरी, 2014 : विश्व भारती के अंग्रेजी और अन्य आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग की ओर से यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय स्तर की अनुवाद कार्यशाला 'स्टोरीज फॉर चिल्ड्रेन ऐंड यंग एडल्ट्स' में भागीदारी। विभूतिभूषण बंद्योपाध्याय की कहानी 'पुईन माचा' के अंग्रेजी रुपांतर में सहयोगी।

14-16 फरवरी, 2014 : विश्व भारती के अंग्रेजी और अन्य आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग की ओर से 'बियांड गीतांजलि : टेगोर, पोयेट्री ऐंड पोयेटिक्स' पर यूजीसी-डीआरएस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी। पत्र का शीर्षक : 'द पॉलिटिकल फिलासफी ऑफ रवीन्द्र संगीत।'

आमंत्रित व्याख्यान कार्यशालाएं

30 नवंबर, 2013 : 'जनप्रिय संस्कृति : तत्व और राजनीति' पर रिफ्रेशर कोर्स, बांग्ला विभाग, यादवपुर विश्वविद्यालय और यूजीसी–एकाडेमिक स्टॉफ कालेज, यादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाताः व्याख्यान का शीर्षक : 'संस्कृति; जनप्रियता ओ जनप्रिय संस्कृतिः फ्रैंकफार्ट स्कूल ओ तारपर।'

7 फरवरी, 2014 : विद्यार्थियों के लिए 'लिटरेरी रिप्रेजेंटेशंस ऑफ अर्बन स्पेसेस' पर कार्यशाला संचालन के लिए आमंत्रण। डिपार्टमेंट ऑफ ह्युमेनिरीज ऐंड सोशल साइंसेस, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेकनोलॉजी मद्रास, चेन्नई की ओर से 6-7 फरवरी, 2014 को 'अर्बन स्पेसेस' पर राष्ट्रीय सम्मेलन।

23 मार्च, 2014 : ड्यसेस विसेनसॉफ्टसाउंड इनोवेशनसाउस (डीडब्ल्यूआईएच) के कंसोर्वियम मेंवर हेडेलबर्ग सेंटर साउथ एशिया (यूनिवर्सिटी ऑफ हेडेलबर्ग, जर्मनी का नयी दिल्ली कार्यालय) की मेजबानी में साइंस सिटी, कोलकाता में 'टेगोर मीट्स आइंसटीन' पैनल वाद-विवाद में बोलने का आमंत्रण। डीडब्ल्यूआईएच की ओर से 22-28 मार्च, 2014 को साइंस सिटी, कोलकाता में 'एक्सेलेंस ऑन टूर' का एक हिस्सा आयोजित।

अन्यान्य

23-25 मार्च, 2014 : 'एक्सेलेंस ऑन टूर' में भाग लेने के लिए विश्व भारती के 21 विद्यार्थियों का भ्रमण आयोजित; ड्यसेस विसेनसॉफ्टसउंड इनोवेशनसाउस (डीडब्ल्यूआईएच, अध्ययन और शोध को बढ़ावा देनेवाली विश्व-विद्यार्थियों और एजेंसियो का कंसोर्वियम) की ओर से साइंस सिटी, कोलकाता में आयोजित। विद्यार्थियों का भ्रमण हेडेलबर्ग सेंटर साउथ एशिया (हेडेलबर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी का नयी दिल्ली कार्यालय) की ओर से प्रायोजित।

सौरभ दासठाकुर

12-13 सितंबर, 2013 : अंग्रेजी विभाग, हीरालाल भक्त कालेज और सेंटर फॉर विक्टोरियन स्ट्डीज, यादवपुर विश्वविद्यालय की ओर से 'रिविजिटिंग द लेट 19थ सेंचुरी इन इंग्लिश लिटरेचर' पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित। पत्र का शीर्षक : 'टू एलिस नॉवेल्स ऐंड इंपीयरलिज्म।'

07-09 नवंबर, 2013 : ईएफएलयू, शिलांग, सीआईआईएल, मैसूर, आईसीएसएसआर दिल्ली और मौलाना अबुल कलाम आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ एशियन स्ट्डीज, कोलकाता के संयुक्त तत्वावधान में 'कल्चर्स ऑफ मेमोरी : न्यूमोकल्चरल प्रेसिक्स इन साउथ, साउथईस्ट ऐंड अदर एशियन कंट्रीज' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित। प्रस्तुत पत्र शीर्षक : 'ऑन मेमोरी, स्टोरीटेलिंग ऐंड हिस्ट्रीटेलिंग' : नोट्स ऑन राजा राव'ज कांथापुरा।'

7-10 जनवरी, 2014 : कल्याणी विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग की ओर से 'द मूविंग इमेज : फिल्म्स ऐंड विजुअल कल्चर' पर चार दिवसीय कार्यशाला आयोजित। 'टू रेसपेक्ट ऑर नॉट टू रेसपेक्ट द 'अदर' : टू नेचर-डॉक्यु-मेंटरीज' शीर्षक पत्र प्रस्तुत और भागीदारी।

16-18 जनवरी, 2014 : देवोमेल, विश्व भारती आयोजित त्रिदिवसीय राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला 'स्टोरिज फॉर चिल्ड्रेन ऐंड यंग एडल्ट्स' का संयोजन।

अन्यान्य

13 अगस्त, 2013 : हीरालाल भक्त कालेज, बीरभूम के अंग्रेजी विभाग में 'एक्सप्लोरिंग मॉडर्निज्म इन इंग्लिश लिटरेचर' पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

09 फरवरी, 09 मार्च और 23 मार्च, 2014 : बीरभूम महाविद्यालय (09.02.14) और रामपुरहाट कालेज (09.03.14 व 23. 03.14) में व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम के तहत श्रृंखला में व्याख्यान दिये।

शाओना बारिक

16-18 जनवरी, 2014 : विश्व भारती के अंग्रेजी व अन्य आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग की ओर से आयोजित बांग्ला बाल साहित्य के अंग्रेजी रुपांतर, बच्चों और युवाओं के लिए कहानियों पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय अनुवाद कार्यशाला में बतौर अनुवाद भागीदार हिस्सा लिया।

सोमा मुखर्जी

18-24 जुलाई, 2013 : पेरिस में इंटरनेशनल कंपरेटिव लिटरेचर एसोसिएशन (आईसीएलए) की ओर से आयोजित आईसीएलए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'कंपेटिव लिटरेचर ऐज ए क्रिरिवल ऐप्रोच' में 'रैमिफिकेशंस ऑफ द रामायणा इन इंडिया, इंडोनेशिया ऐंड थाईलैंड : ए कंपरेटिव स्ट्डी' पर पत्र प्रस्तुत किया।

2-9 सितंबर, 2013 : यूनिवर्सिटी ऑफ इस्ट ऐंगलिया के ब्रिटिश सेंटर फॉर लिटरेरी ट्रांसलेशन (बीसीएलटी) और यादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता में राईटिंग ऐंड सोसायटी रिसर्च सेंटर ऑफ द यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न सिडनी के सहयोग से द सेंटर ऑफ एडवांस्ड स्ट्डी इन कंपरेटिव लिटरेचर (फेज-2), यादवपुर विश्वविद्यालय और द सेंटर फॉर ट्रांसलेशन ऑफ इंडियन लिटरेचर्स (सेंटिल), यादवपुर विश्वविद्यालय आयोजित इंटरनेशनल अट्म ट्रांसलेशन स्कूल में भागीदारी।

19-22 फरवरी, 2014 : रवीन्द्र भवन, विश्व भारती के सहयोग से यादवपुर विश्वविद्यालय में सेंटर फॉर ट्रांसलेशन ऑफ इंडियन लिटरेचर्स, यादवपुर विश्वविद्यालय आयोजित 'रवीन्द्रनाथ टेगोर्स राइटिंग्स ऑन जिसस क्राइस्ट' पर अनुवाद कार्यशाला में भागीदारी।

24-26 फरवरी, 2014 : विदेशी भाषा विभाग, पुणे विश्वविद्यालय और डीएएडी आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'कंपेराटिज्म ऐंड द आईडिया/फंक्शन ऑफ द जेनर' में प्रस्तुत पत्र 'कंपरेटिव लिटरेचर ऐंड द आईडिया ऑफ जेनोलॉजी : ऐन एनालिसिस।'

12-13 मार्च, 2014 : सेंटर फॉर स्टडीज इन एफ्रीकन लिटरेचर्स ऐंड कल्चर्स, यादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता की ओर से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'कल्चर, आईडेंटिटी ऐंड परफार्मेंस : एफ्रिका ऐंड बियांड' में प्रस्तुत पत्र 'पॉलिटिक्स ऑफ लैंग्वेज ऐंड एडुकेशन : रिविजिटिंग गुगीज डिकलोनाइडिंग द माइंड'।

अन्यान्य

20 जनवरी–11 फरवरी, 2014 : यादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता में तुलनात्मक साहित्य विभाग और एकाडेमिक स्टॉफ कालेज, यादवपुर विश्वविद्यालय आयोजित 'कंपरेटिव लिटरेचर टुडे' शीर्षांकित विंटर स्कूल/रिफ्रेशर कोर्स में उपस्थित।

सोमदत्ता मंडल

01-03 जून, 2013 : डिपार्टमेंट ऑफ ल्यूमैनिटीज ऐंड सोशल साइंसेस, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दुर्गापुर, प. बंग आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'लिटरेचर टू सिनेमा; एडाप्टेशन, एप्रोप्रिएशन, एडल्टरेशन' में प्रदत्त प्लेनरी लेक्चर 'एडाप्टिंग, इंटरप्रेटिंग ऐंड ट्रांसक्रियेटिंग रवीन्द्रनाथ टेगोर्स वर्क्स ऑन स्क्रीना' 3 जून को एक सत्र की अध्यक्षता भी की।

11 दिसंबर, 2013 : बर्द्धमान विश्वविद्यालय में तुलनात्मक साहित्य पर यूजीसी रिफ्रेशर कोर्स के तहत दो व्याख्यान दिये। क) हाई ऑर लो आर्ट? एसेसिंग जागा ऐज पॉपुलर कल्चर ख) मिथ ऐंड रियलिटी ऑफ वूमेंस एम्पॉवरमेंट इन इंडिया।

16-18 जनवरी, 2014 : देवमेल, विश्व भारती में 'फिक्शन फॉर चिल्ड्रेन ऐंड यंग एडल्ट्स' पर राष्ट्रीय स्तर की अनुवाद कार्यशाला आयोजित। उपेन्द्र किशोर रायचौधुरी और बुद्धदेव बसु की दो कहानियों का अनुवाद करनेवाले वर्ग की संयोजिका। एक सत्र की अध्यक्षता भी की।

18 जनवरी, 2014 : सेंटर फॉर जर्नलिज्म ऐंड मास कम्युनिकेशन, विश्व भारती की ओर से 'क्रोना जर्नलिज्मः रिडिफाइनिंग जर्नलिस्टिक प्रैक्टिसेस' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के तहत एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

22-24 जनवरी, 2014 : सीएएसआईआई (सेंटर फॉर एड्वांस्ड स्ट्डीज इन इंडिया) और ओयूसीआईपी (उस्मानिया यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर इंटरनेशनल प्रोग्राम्स), हैदराबाद की ओर से 'डायसपोरिक इंडियन सिनेमाज ऐंड बॉलीवुड ऑन द डायसपोर्स : रिमेजिंग्स ऐंड रिपॉसेशंस' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित। 'ऑफ ऐंग्स्ट, नॉस्टलजिया,

आइडेनटिटी ऐंड एंटरटेनमेंट : एसेसिंग साउथ एशियन डॉयसपोरिक सिनेमा' शीर्षक से प्लेनरी लेक्चर प्रदान। एक सत्र की अध्यक्षता भी की।

03 फरवरी, 2014 : कोलकाता विश्वविद्यालय में 'लिटरेचर, मीडिया ऐंड पॉपुलर कल्चर' पर अंग्रेजी में यूजीसी रिफ्रेशर कोर्स के दो व्याख्यान दिये।

08 फरवरी, 2014 : सेंटर फॉर जेंडक स्ट्डीज ऑफ नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर की ओर से 'फोर्थकमिंग फेमिनिज्म : जेंडर एक्टिविज्म इन लॉ, लिटरेचर ऐंड सोसायटी' पर आयोजित सम्मेलन में 'डिबेटिंग, चैलेंजिंग और एक्सेप्टिंग पेट्रीआर्ची? एसेसिंग इंडिया वूमेंस रोल इन सोसायटी ऐंड क्रियेटिव राइटिंग' प्रसंग में सारगर्भित भाषण दिया।

10 फरवरी, 2014 : वूमेंस स्ट्डीज सेंटर, विश्व भारती की ओर से 'ऐचिवमेंट्स ऑफ वूमन इन इंडियन थियेटर' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित। एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता।

11 फरवरी, 2014 : विश्व भारती का इतिहास विभाग व आईसीएचआर की ओर से 'द इंडियन फ्रीडम मूवमेंट ऐंड पार्टिशन ऑफ द सब-कांटिनेंट' पर डीआरएसएसएपी संगोष्ठी। 'एसेसिंग द रेटोरिक ऑफ इमेजेस : विजुअल रिप्रेजेंटेशंस ऑफ द पार्टिशन ऑफ इंडिया' पर पत्र प्रस्तुत।

14-16 फरवरी, 2014 : 'टेगोर्स पोयेट्री : गीतांजलि ऐंड बियांड' पर विश्व भारती के अंग्रेजी व अन्य आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग में डीआरएस-एसएपी संगोष्ठी में भागीदारी। एक सत्र की अध्यक्षता की।

20-22 फरवरी, 2014 : पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ की ओर से 'मार्जिस, ग्लोबलाइजेशन ऐंड द पोस्टकलोनियल' पर आईएसीएलएएलएस (इंडियन एसोसिएशन फॉर कॉमनवेल्थ लिटरेचर ऐंड लैंग्वेज स्ट्डीज) का वार्षिक सम्मेलन आयोजित। एक सत्र की अध्यक्षता। 2014 के मीनाक्षी मुखर्जी स्मृति पुरस्कार से सम्मानित।

11-12 मार्च, 2014 : असम विश्वविद्यालय, शिल्चर में 'नेविगेटिंग डायसपोरा' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित। 'व्हाट डायसपोरा? व्हेदर डायसपोरा? सम रैडंम क्वेश्चंस, आंसर्स ऐंड रूमिनेशंस' पर 11 मार्च, 2014 को प्लेनरी लेक्चर प्रदान।

19-21 मार्च, 2014 : नॉर्थ इस्टर्न हिल्स यूनिवर्सिटी, शिलांग में यूजीसी रिफ्रेशर कोर्स पर अंग्रेजी में 6 व्याख्यान प्रदान। 'थ्रस्ट एरिया : ट्रांससेंडिंग द केनॉन; एमर्जिंग इंडियन लिटरेचर्स इन द न्यू बाउंड्रीज।'

19-21 मार्च, 2014 : अंग्रेजी व विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, शिलांग कैंपस में चार व्याख्यान प्रदान।

24-25 मार्च, 2014 : विश्व भारती के शिक्षा विभाग की ओर से 'वैल्यूज ओरियेंटेशन ऑफ सेकेंडरी स्कूल टीचर्स ऐंड ऐडमिनिस्ट्रेटर्स' पर राष्ट्रीय कार्यशाला। 'यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज' पर 25 मार्च 2014 को शिक्षा-सत्र की अध्यक्षता।

अन्यान्य

एमईएलयूएस अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका (अमरीका) के समीक्षक नियुक्त।

लिटरेरी व्यॉज के परामर्श मंडल सदस्यः छमाही पत्रिका। आईएसएसएन : 2277-4521

अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका पोस्टकलोनिअल टेक्सट, ऑस्ट्रेलिया के समीक्षक नियुक्त। ऑनलाइन पत्रिका गीतांजलि और बियांड के संपादकीय पर्षद के सदस्य। प्रकाशकः स्कॉटिश सेंटर ऑफ टेगोर स्ट्डीज, एडिनबर्ग।

पिछले शिक्षा वर्ष (2012-13) के दौरान प्रकाशित सर्वोत्तम पत्र के लिए इंडियन एसोसिएशन फॉर कॉमनवेल्थ लिटरेचर ऐंड लैंग्वेज स्ट्डीज (आईएसीएलएएलएस) से मीनाक्षी मुखर्जी स्मृति पुरस्कार की प्रापक। बाबर्ड वायर : बार्डर्स ऐंड पार्टिशंस इन साउथ एशिया (जयिता सेनगुप्ता संपादित), रुटलेज, 20121 में उक्त पत्र 'डिसमेंबरमेंट ऐंड/ ऑर रिकॉस्टीट्यूशन : विजुएल रिप्रेजेंटेशंस ऑफ द पार्टिशन ऑफ बेंगाल' शीर्षक से प्रकाशित।

सुदेब प्रतीम बसु

30 जुलाई, 2013 : यादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता के अंग्रेजी विभाग में यादवपुर यूनिवर्सिटी सोसायटी ऑफ अमेरिकन स्ट्डीज आयोजित अमेरिकन म्युजिक एप्रिशियेशन वर्कशॉप में ऑडियो-विजुयल प्रस्तुतीकरण। रैप/हिप

हॉप म्युजिक लाइट पर सत्र को संचालित करने में बतौर रिसोर्स पर्सन आमंत्रित।

12-13 सितंबर, 2013 : हीरालाल भक्त कालेज, नलहाटी बीरभूम और सेंटर फॉर विक्टोरियन स्ट्डीज, यादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता की ओर से हीरालाल भक्त कालेज, नलहाटी में 19वीं सदी में अंग्रेजी साहित्य के पुनरावलोकन के परिप्रेक्ष्य में यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'नावेल ऐंड बियांड : डिकेंस ऐंड क्रिमिनलिटी' आयोजित।

28-29 सितंबर, 2013 : सेंटर फॉर जर्नलिज्म ऐंड मास कम्युनिकेशन (सीजेएमसी), विश्व भारती और फ्रेडरिक एबर्ट स्टिफतुंग, जर्मनी के साझा प्रयासों से सोशल मीडिया की भूमिका : लोकतंत्र में नयी आवाज पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'बियांड ट्वीट्स ऐंड फेसबुक : द राइस/रुज ऑफ कम्प्यूटर गेम्स ऐंड द न्यू फ्यूचर ऑफ मीडिया कंटेंट ऐंड कंट्रोल' शीर्षक से शैक्षिक-पत्र प्रस्तुत।

16-18 जनवरी, 2014 : विश्व भारती के अंग्रेजी व अन्य आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग की ओर से आयोजित बांग्ला बाल साहित्य के अंग्रेजी रुपांतरण, बच्चों और युवाओं के लिए कहानियों पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय अनुवाद कार्यशाला में भागीदारी।

11 फरवरी, 2014 : यादवपुर यूनिवर्सिटी सोसायटी फॉर अमेरिकन स्ट्डीज (जेयूएसएएस), यादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता की ओर से ब्रिजिंग इंडिया ऐंड अमेरिका : इंटरचेंजेस इन लिटरेचर पर आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में हिस्सेदारी। 'बेग, बरो, स्टील : अमेरिकन इनफ्लुएंश ऑन इंडियन पॉपुलर म्युजिक' शीर्षक से ऑडियो-टेक्सट पेपर प्रस्तुत।

25-27 फरवरी, 2014 : सेंटर ऑफ एडवांस्ड स्ट्डी, अंग्रेजी विभाग, यादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता की ओर से वार, वर्डस ऐंड वर्ल्ड : रिप्रेजेंटिंग द ग्रेट वार पर आयोजित त्रिदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी और 'ऐनिमल्स (ऐंड फॉर्मयार्ड हेंगओकर्स) : पेस्टोरालिटी ऐंड वर्ल्ड वार i' पर पत्र प्रस्तुत।

4-5 मार्च, 2014 : विद्यासागर विश्वविद्यालय, मेदिनीपुर की ओर से राइटिंग्स फ्रॉम द मार्जिंस : सबलटर्न लिटरेरी रिप्रेजेंटशंस ऐंड द पॉलिटिकल्स ऑफ केनॉन मेकिंग पर 'एट द अल्टर्स ऑफ द सबलटर्नस' : कांगो फ्री स्टेट, द बेल्जीयन कांगो, हॉर्ट ऑफ डार्कनेस, टिनटिन इन द कांगो ऐंड द पॉलिटिक्स ऑफ रिप्रेजेंटेशंस ऑफ मार्जिनलिटी' शीर्षक से आयोजित यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में बतौर रिसोर्स सक्रिय और प्लेनरी व्याख्यान प्रदत्त।

शुक्ला बसु (सेन)

23 अप्रैल, 2013 : 'द रोल ऑफ आर्टिस्टिक एंगेजमेंट इन टेगोर्स कॉनसेप्ट ऑफ एडुकेशन' पर जेगेलोनियन यूनिवर्सिटी, डिपार्टमेंट ऑफ मिड्ल ऐंड फॉर ईस्ट स्ट्डीज, क्रॉको, पोलेंड में व्याख्यान प्रदत्त।

24 अप्रैल, 2013 : 'टेगोर्स कॉनसेप्ट ऑफ एडुकेशन विथ स्पेशल रेफरेंस टू द एथिकल ऐंड एस्थेटिक एंगेजमेंट' पर पेडागोजिकल यूनिर्वसिटी; क्रॉको पोलैंड में व्याख्यान।

30 अप्रैल, 2013 : 'फ्रॉम अगस्ट विल्संस फेंसेस टू कृष्णकथा (ब्लैक नेरेटिव्स) : ए जर्नी अक्रॉस कल्चर्स' पर डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश ऐंड अमेरिकन स्ट्डीज, यूनिवर्सिटी ऑफ जेगेड, हंगरी में व्याख्यान।

11 सितंबर, 2013 : महाराजा उदयचंद्र वूमेंस कालेज, बर्द्धमान में 'पोस्ट फिक्टीज ब्रिटिश लिटरेचर : टेक्सट्स ऐंड कॉनटेक्सट्स' पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'प्लेइंग विद रोप्स : नथिंगनेस वर्सेस द गॉसपेल्स इन वेटिंग फॉर गॉडॉट' शीर्षक से पत्र प्रस्तुत।

22 नवंबर, 2013 : यादवपुर यूनिवर्सिटी सोसायटी फॉर अमेरिकन स्ट्डीज (जेयूएसएएस), यादवपुर, कोलकाता के द अटम सेमिनार में 'ब्लैक एडाम इन व्हाइट इडेन : द एफिकेनिस्ट प्रेसेंस इन अमेरिकन शेक्सपीयर प्रोडक्शंस' शीर्षक से पत्र प्रस्तुत।

16-18 जनवरी, 2014 : देवमेल की ओर से 'स्टोरिज फॉर चिल्ड्रेन ऐंड यंग एडल्ट्स' पर आयोजित यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय स्तर की अनुवाद कार्यशाला में दो बांग्ला कहानियों का अनुवाद किया और अनुवादकों के एक वर्ग के संयोजक रहे।

11 फरवरी, 2014 : यादवपुर यूनिवर्सिटी सोसायटी फॉर अमेरिकन स्ट्डीज (जेयूएसएएस), कोलकाता में 'ब्रिजिंग इंडिया ऐंड अमेरिका : इंटरचेंजेस इन लिटरेचर, आर्ट ऐंड कल्चर' संगोष्ठी के तहत 'ट्रांसलेशन, एडाप्टेशन ऑर इनडिजेनिशन : व्हॉट मेक्स ऐन अमेरिकन प्ले सक्सीड ऑन द कोलकाता स्टेज?' विद्यार्थियों की परिचर्चा को संचालित किया।
14-16 फरवरी, 2014 : देवमेल के सैप-डीआरएस कार्यक्रम के तहत बतौर सम्मेलन निदेशक सम्मेलन संयोजिका डॉ. अनन्या दत्तागुप्ता के साथ 'बियांड गीतांजलि : टेगोर, पोयेट्री ऐंड पोयेटिक्स' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। एक सत्र की अध्यक्षता।
15 फरवरी, 2014 को उक्त सम्मेलन में 'कनवरसेशन' शीर्षक से एक काव्य-पाठ का भी संचालन किया।

अन्यान्य

15.01.2013–20.4.2013 : भैरव गांगुली कालेज, कोलकाता के स्नातकोत्तर वर्ग में टोनी मॉरिसन'स सांग ऑफ सोलेमन ऐंड 'डिटेक्टीव फिक्शन' पर 10 व्याख्यान प्रदत्त।
11.09.2013 : 'पोस्ट फिक्टीज ब्रिटिश लिटरेचर' पर राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी के उपलक्ष (10-11 सितंबर, 2013) महाराजा उदयसिंह वूमेंस कालेज, बर्द्धमान में नाटक 'वेटिंग फॉर गोडोट' निर्देशित।
28.05.2013–14.06.2013 : चोमबर्ग सेंटर फॉर अफ्रीकन अमेरिकन लिटरेचर ऐंड कल्चर, हर्लेमस न्यूयार्क, अमरीका अफ्रीकी-अमरीका महिला नाट्यकारों पर सप्ताहव्यापी शोधकार्य।

स्वाथी गांगुली

19-20 मार्च, 2014 : संबलपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा के अंग्रेजी विभाग की ओर से 'पोस्टकलोनियल ट्रांसलेशंस : इश्यूज ऐंड प्रैक्टीसेस' पर आयोजित यूजीसी-सैप राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'द इंग्लिश गीतांजलि, नोबेल प्राइज ऐंड मोर : टैगोर्स ट्रिस्ट विद ट्रांसलेशन' पर पत्र प्रस्तुत।
15 फरवरी, 2014 : देवमेल, विश्व भारती की ओर से 24-16 फरवरी, 2014 को 'बियांड गीतांजलि : टेगोर, पोयेट्री और पोयेटिक्स' पर यूजीसी प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इन सर्च ऑफ द पोयेट, हिज म्युज ऐंड कंट्रर्स ऑफ जेंडर्ड मॉडर्निटी : रीडिंग शेषर कोबिता' पर पत्र प्रस्तुत।
10-11 फरवरी, 2014 : विश्व भारती, इतिहास विभाग आयोजित 'द इंडियन फ्रीडम मूवमेंट ऐंड द पार्टीशन ऑफ द सब कंटिनेंट' शीर्षक पर यूजीसी प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'री-इमेजिंग द रेव्यूलेशन : द चट्टोग्राम अपराइजिंग ऐंड टू रिसेंट हिन्दी फिल्म्स' पर पत्र प्रस्तुत।
10 फरवरी, 2014 : वूमेंस स्ट्डीज सेंटर, विश्व भारती की ओर से 9-10 फरवरी, 2014 को 'वूमेंस एचिवमेंट इन थियेटर' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'द डिरेक्टर्स चणायस : अवंती चक्रवर्ती ऐंड वूमेन-सेंटर्ड थियेटर इन बेंगाल' शीर्षक से पत्र प्रस्तुत।
26-27 दिसंबर, 2013 : इंडियन काउंसिल ऑफ फिलोसफिकल रिसर्च ऐंड सृष्टि स्कूल ऑफ आर्ट, डिजाइन ऐंड टेक्नोलॉजी, बेंगालुरू की ओर से 'कनवर्जेंसेस ऐंड डाइवरजेनसेस : द गांधी-टेगोर करेंसपंडेस' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'प्रॉमिस टू ए पोयट : गांधी ऐंड विश्व भारती आफ्टर टेगोर' पर पत्र प्रस्तुत।
17 अक्टूबर, 2013 : जम्मू विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग और द शेक्सपीयर एसोसिएशन, भारत की ओर से जम्मू में द रिपब्लिक इन शेक्सपीयर पर 16-18 अक्टूबर, 2013 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'द मांसट्रॉस रेजिमेंट ऑफ फिमेल मोनार्चस् इन शेक्सपीयर' शीर्षक से पत्र प्रस्तुत।
अंग्रेजी गीतांजलि के शताब्दी वर्ग के उपलक्ष में व्याख्यान आमंत्रित।
11 नवंबर, 2013 : इंस्टाटो इटालिआनो डी स्टुडी ओरियेंटली इसो, एपियेंजा यूनिवर्सिटी, रोम में 'सेलिब्रेटिंग ए सेंटीनेरी ईयर : रवीन्द्रनाथ टेगोर ऐंड द नोबेल प्राइज' शीर्षक से व्याख्यान।
13 नवंबर, 2013 : इंस्टाटो इटालिआनो डी स्टडी ओरियेंटली इसो, एपियेंजा यूनिवर्सिटी, रोम में पर 'रीडिंग द गीतांजलि पोयेम्स' पर विद्यार्थियों के साथ संगोष्ठी।

19 नवंबर, 2013 : यूनिवर्सिटी डेगली स्टडी डू नेपाली एल ओरियेंटेल, नेपल्स में 'हानरिंग ए 'हिन्दू पोयेट' : रवीन्द्रनाथ टेगोर ऐंड द नोबेल प्राइज' शीर्षक पर व्याख्यान।

21 मार्च, 2014 : संबलपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के एम फिल-पीएचडी विद्यार्थियों के लिए 'स्वदेशी समाज' शीर्षक से व्याख्यान।

तपु विश्वास

5-6 दिसंबर, 2013 : शेक्सपीयर सोसायटी ऑफ ईस्टर्न इंडिया ओर सुरेन्द्रनाथ कालेज, कोलकाता की ओर से शेक्सपीयर व तुलनात्मक साहित्य के अनुवाद पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ट्रांसलेशन ऐंड एडाप्टेशन ऑफ मॉडर्न ड्रामा' शीर्षक से शैक्षिक पत्र प्रस्तुत। सम्मेलन के सह-आह्वायक भी थे।

9-11 दिसंबर, 2013 : शेक्सपीयर सोसायटी ऑफ इस्टर्न इंडिया और एमिटी विश्वविद्यालय, लखनऊ की ओर से साहित्य, भाषा और संचार पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'लैंग्वेज ऑफ थियेटर ऐंड मेथड ऑफ कम्युनिकेशन' शीर्षक से शैक्षिक पत्र प्रस्तुत। सम्मेलन के सह-आह्वायक भी रहे।

16-18 जनवरी, 2014 : विश्व भारती के अंग्रेजी व अन्य आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग की ओर से आयोजित बांग्ला बाल साहित्य के अंग्रेजी रुपांतर, बच्चों और युवाओं के लिए कहानियों पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय अनुवाद कार्यशाला में बतौर अनुवादक-भागीदार शामिल।

तनुका दास

4-10 अगस्त, 2013 : यूनिवर्सिटी ऑफ एथेंस, एथेंस में दर्शन पर 23वां विश्व महासभा आयोजित। दर्शन व साहित्य के प्रकरण संबंधी विभाग में 'ऑडेन'स पोयेटिक एक्सकर्सन इनटू फिलासफी : ए स्ट्डी ऑफ हिज इंग्लिश (1927-38) पोयेट्री' पर पत्र प्रस्तुत।

10-11 सितंबर, 2013 : अंग्रेजी विभाग, एम.यू.सी.वूमेंस कालेज, बर्द्धमान, पश्चिम बंगाल की ओर से 'पोस्ट-फिफ्टीज ब्रिटिज लिटरेचर : टेक्सट्स ऐंड कॉनटेक्सट्स' पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित। 'मार्टिअनिज्म' पर पत्र प्रस्तुत।

12-13 सितंबर, 2013 : 'रिविजिटिंग द लेट 19थ सेंचुरी इन इंग्लिश लिटरेचर' पर अंग्रेजी विभाग, हीरालाल भक्त कालेज और सेंटर फॉर विक्टोरियन स्ट्डीज, यादवपुर विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित। 'हार्डी ऐंड मॉडर्निज्म' पर पत्र प्रस्तुत।

14-16 फरवरी, 2014 : विश्व भारती के अंग्रेजी व अन्य आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग की ओर से 'बियांड गीतांजलि : टेगोर, पोयेट्री ऐंड पोयेटिक्स' पर यूजीसी आयोजित डी. आर. एस. अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित। भागीदारी और एक शैक्षिक सत्र की अध्यक्षता भी की।

23 मार्च, 2014 : अखिल भारत भूविद्या ओ परिवेश समिति, शांतिनिकेतन और ज्योग्रॉफिकल सोसायटी ऑफ वेस्ट बेंगाल, अलीपुरदुआर की ओर से '2015 ए बांग्लार परिवेश कोन पथे?' (2015 में बेंगाल के पर्यावरण की दिशा क्या होगी? : (एक) पर टेक्नो-इंडिया हाई स्कूल, प्रांतिक टाउनशिप में एक दिवसीय स्ट्डी सर्केल आयोजित। भागीदारी और वाद-विवाद सत्र का संचालन भी किया।

अन्यान्य

29.01.2014–19.02.2014 को एकाडेमिक स्टॉफ कालेज और अंग्रेजी विभाग, कोलकाता की ओर से मीडिया, साहित्य ओर लोकप्रिय संस्कृति पर यूजीसी प्रायोजित अंग्रेजी में रिफ्रेशर कोर्स में भागीदारी।

विभागीय जारी शोध परियोजनाएं

1. शिक्षक का नाम : अमृत सेन

परियोजना का नाम : 'रवीन्द्रनाथ टेगोर ऐंड साइंस' पर मुख्य शोध परियोजना

प्रायोजक एजेंसी : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

अनुमोदित रकम : रु. 9.33 लाख (दो वर्ग के लिए 2013-2015)

2. शिक्षक का नाम : तपु विश्वास
परियोजना का नाम : 'बादल सरकार ऐंड द थर्ड थियेटर' पर लघु शोध परियोजना
प्रायोजक एजेंसी : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
अनुमोदित रकम : 6.1,50,000.00
विभाग की ओर से विस्तार क्रियाकलाप/एनएसएस/सांस्कृतिक और अन्य क्रियाकलाप आयोजित और उनमें विभागीय शिक्षकों–विद्यार्थियों का अंशग्रहण :
1. विभागीय विद्यार्थियों की ओर से नये आगतों का स्वागत और जानेवाले एमए-II छात्र-छात्राओं का विदाई समारोह आयोजित किया गया। हर पहलू से विभागीय शिक्षकों/छाक्षों ने शैक्षिक श्रेष्ठता प्राप्त की (डीएसए या सीएएस आदि की मान्यता की तरह)।
1. 'टेगोर : ईस्ट-वेस्ट कॉनफ्लूयेंस' पर यूजीसी डीआरएस (सैप) के पांचवें वर्ग की परियोजना
2. दीपंकर राय और अनन्या दत्तगुप्ता को वर्ष के दौरान पीएच.डी से सम्मानित।
3. देबारति बंद्योपाध्याय, अमृत सेन, इंद्राणी दास, नीलांजन चक्रवर्ती और अरुणा मुखर्जी सीएएस के अंतर्गत प्राध्यापक के पद पर प्रोन्नत किये गये।
4. सुदेव प्रतीम बसु सीएएस के तहत एसोसिएट प्रोफेसर बनाये गये।

अप्रैल 2012 - मार्च 2013 की अवधि के प्रकाशन

अभिजीत सेन

अतिथि संपादक, संगीत नाटक, वाल्यूम. xivi एक्सएलवीआई, नं. 1–4, 2011 : 'रवीन्द्रनाथर्स ईस्ट-वेस्ट एनकाउंटर्स : परफॉर्मेंस ऐंड विजुअल आट्‌र्स' पर विशेषांक नयी दिल्ली : संगीत नाटक अकादेमी, 2013 आईएसएसएन : 0972-494एक्स

'रवीन्द्रनाथ टेगोर : इन सर्च ऑफ ए 'न्यू' मॉडल फॉर द बेंगाली लिटरेचर', संगीत नाटक वाल्यूम. xivi, नं. 1--4, 2011 : 'रवीन्द्रनाथ'स ईस्ट-वेस्ट एनकाउंटर्स : परफॉर्मेंस ऐंड विजुअल आट्‌र्स', नयी दिल्ली, संगीत नाटक अकादेमी, 2013 : 98-108, आईएसएसएन : 0972-494एक्स

अमृत सेन

'डिबेटिंग द चरखा : एनविजनिंग द पोस्टकलोनियल नेशन इन ए.पी.सी राय, रवीन्द्रनाथ टेगोर ऐंड महात्मा गांधी।' न्यू ओरियेंटेशन इन इंग्लिश लिटरेचर ऐंड लैंग्वेज टीचिंग। वाल्यूम-1, हैदराबाद, उस्मानिया विश्वविद्यालय, 2013, आईएसएसएन : 2321–6549

'इन ए लैंड व्हेयर आई हैव नो रीडर्स : रवीन्द्रनाथ ऐंड द वायेज टू ईरान'। कंटेंपोराइजिंग टेगोर ऐंड द वर्ल्ड। संपादक : इम्तियाज अहमद, ढाका, द यूनिवर्सिटी प्रेस लि., 20139103–14, आईएसबीएन : 9789845061209

'टैंसलेटिंग दलित लिटरेचर : टेक्सट्स ऐंड प्रॉब्लम्स'। मार्जिनल राइटिंग्स इन इंग्लिश, बेंगाली ऐंड अदर रीजियोनल लिटरेचर। संपादक : जयदीप सारंगी व चंपा घोषाल। नयी दिल्ली, ऑथर्स प्रेस, 2013, 48-55। आईएसबीएन : 9788172737177

'पर्सपेक्टिव्स ऑफ स्टोरीटेकिंग : तपन सिन्हा'ज खुदितो पाषाण (1961)। वर्ड ऐंड इमेज : आर्टिकुलेशंस ऑन लिटरेचर ऐंड फिल्म्स, संपादक : शुभ्रा मिश्रा व उर्मिला दबीर। नागपुर : डैटसंस, 2013। आईएसबीएनः 9788171920839

'ए प्ले ऑफ सेल्व्स : ऑन द एजेस ऑफ टाइम ऐंड द ऑर्ट ऑफ ऑटोबायोग्राफी।' रथीन्द्रनाथ टेगोर : द अनसंग हीरो। संपादक : तपती मुखर्जी व अमृत सेन। शांतिनिकेतन, रवीन्द्र भवन, 3013, 3–11, आईएसबीएन : 9788175225732

'रिव्यूज ऑन (i) जेंडरिंग द नेशन : आईडेंटिटी पॉलिटिक्स ऐंड द कॉमिक थियेटर ऑफ द लांग एईटिंथ सेंचुरी बाई चंद्रिमा चक्रवर्ती; (ii) रवीन्द्रनाथ टेगोर : ऐन इलेस्ट्रेटेड लाइफ बाई उमा दासगुप्त।' द विश्व भारती क्वार्टईली 20,

3 ऐंड 4 और 21, 1 ऐंड 2 (अक्टूबर 2011-सितंबर 2012) : 174-75, आईएसएसएन : 0972–043एक्स
"रिव्यूज ऑन (i) द काइंड्रेड व्यॉज : रिफ्लेक्शंस ऑन टेगोर इन स्पेन ऐंड लैटिन अमेरिका बाई श्यामा प्रसाद गांगुली; (ii) रिडिंग्स इन अली इंडियन हिस्ट्री बाई रोमिला थापर।' द विश्व भारती क्वार्टईली 21. 3 ऐंड 3 और 22, 1 ऐंड 2 (अक्टूबर 2012–सितंबर 2013) : 192-94, आईएसएसएन : 0972–043एक्स

अनन्या दत्तागुप्ता

'सांग ऐज स्पेक्टकल : परफॉर्मेंस ऐंड रिसेप्शन ऑफ रवीन्द्र संगीत टुडे', संगीत नाटक, विशेषांक : रवीन्द्रनाथ'स ईस्ट-वेस्ट एनकाउंटर्स : परफॉर्मेंस ऐंड विजुअल आर्ट्स, वाल्यूमः xivi, नं. 1-4, 2012: 45-56. संपा. अभिजीत सेन व सौरभ दासठाकुर। आईएसएसएन : 0972-494एक्स

'ए पोस्टकलोनिअल एरियोपेगिटिका : ए नोट ऑन रुक्मिणी माया नायर'स पोयेट्री इन ए टाइम ऑफ टेरर', ह्यूमैनिटिज सर्कल, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सेंटर यूनिवर्सिटी ऑफ केरला, भारत, अंक : 01, जनवरी, 2013, संपा : वेल्लिक्वील राघवन : 205–212 आईएसएसएन : 2321-8010 विश्व भारती के अंग्रेजी व अन्य आधुनिक यूरोपीयन भाषा विभाग की पत्रिका 'एपपरसेप्शन' का संपादन किया। वाल्यूम-vi, संपादक : अनन्या दत्तगुप्ता व स्वाती गांगुली, शांतिनिकेतन : विश्व भारती, 2013, आईएसएसएन : 2321–1261

'अंडरस्टैंडिंग इंडिया : द कल्चरल पॉलिटिक्स ऑफ कांटेम्परारी ऐंग्लो-अमेरिकन ट्रैवल राइटिंग अबाउट इंडिया', द विश्व भारती क्वार्टईली, वाल्यूम-20, नं. 3 व 4, वाल्यूम-21, नं. 1 व 2, अक्टूबर 2011–सितंबर 2012, संपादक : तपती मुखर्जी व अमृत सेन, शांतिनिकेतन, विश्व भारती, 2013 : 115–128 : आईएसएसएनः 0972-043एक्स

देबारति बंद्योपाध्याय

'एक्सप्लोरिंग लिटरेरी इकोलॉजी ऑफ प्लेस इन 'न्यू' नेचर राइटिंग टूवार्ड ए लिटरेरी इकोलॉजी' : प्लेसेस ऐंड स्पेसेस इन अमेरिकन लिटरेचर, संपा. ई.वाल्ड्रॉन और रॉब फ्रेडमेन। लैनहेम/टोरंटो/प्लॉयमाउथ, यूके : स्केयरको-रोमैन व लिट्लफिल्ड, 2013 : 145-162, आईएसबीएन : 978-0-8108-9197-5

'फ्रेल ऐंड/ऑर इनडॉमिटेबल : रिप्रेजेंटेशन ऑफ द फिमेल बॉडी इन सरोजिनी नायडु'ज पोयेट्री' : राइटिंग द बॉडी : स्ट्डीज इन द सेल्फ-इमेजेस ऑफ वूमेन इन इंडियन इंग्लिश पोयेट्री। संपा. अर्णव भट्टाचार्य, चैंपेन, इलोनाइस, अमेरिका, कॉमन ग्राउंड, 2013 : 21-31, आईएसबीएन : 978-1-61229-325-7

'टेरेन वेग : एन इकोक्रिटिकल रिडिंग ऑफ एटवोड्'स ऑरिक्स ऐंड क्रेक ऐंड द ईयर ऑफ द फल्ड', मार्गेट ऐटवुड क्रिटिकल पर्सपेक्टिव। संपा. सोमदत्ता मंडल, दिल्ली, पेनक्रॉफ्ट इंटरनेशनल, 2014 : 181–191, आईएसबीएन : 978-93-82178-06-04

दीपंकर राय

'रवीन्द्रनाथ टेगोर ऐंड द बाउलस्फेयर', परिवेश, आईएनटेएसीएच, डॉ. सुष्मिता गुहा राय (संपा.) शांतिनिकेतन, दिसंबर–2013 : 43-48

गौतम घोषाल

'टेगोर'स पोयेट्री : एन अरविन्दोनियन ऐप्रोच' इन रिथिंकिंग टेगोर, संपादक : बी. आर. अनंतथन, एम. जी. हेगड़े, कर्णाटक, प्रसाररंगा, 2013

'विवेकानन्द'स इंग्लिश प्रोज' इन ए कम्मेमोरेशन वाल्यूम ऑन विवेकानन्द। संपादक : भाष्कर चट्टोपाध्याय और कविता मुखोपाध्याय, प्रकाशक : भारत विद्या केंद्र, बर्द्धमान, सितंबर, 2013

'श्री अरविन्दो'ज पोयेट्री : ए क्रिटिकल स्ट्डी' इन मार्जिनालाइज्ड : इंडियन पोयेट्री इन इंग्लिश। संपादक : स्मिता अग्रवाल, न्यूयार्क, रोडोपी, जनवरी, 2014

इंद्राणी दास

'बुद्धिज्म ऐंड द बुद्धिष्ट स्कालरशिप इन इटली' इन नालंदा (बुद्धिज्म ऐंड इंडियन कल्चरल जर्नल) संपादक : भिक्षु

सुमनपाल। वाल्यूम : 48 व 49, 2013–14 : 270-73, आईएसएसएन नं. : 23207264

नीलांजन चक्रवर्ती

'द मेडिवल फ्रेंच लिटरेचर ऐंड कल्चर : द अर्लियेस्ट फेज' इन द स्वाभिमान, जर्नल ऑफ साइंस ऐंड लिटरेचर। संपा. कानूचरण पाधी, 28 नं. 2, जनवरी 2014, पारालाखीमुंडी, ओडिशा, आईएसएसएन : 2320-1479

रोमित राय

'रवीन्द्रनाथ टेगोर'स सांग्स : मॉडर्निज्म ऐंड फिलासफी ऑफ कंपोजिशन' इन : अभिजीत चटर्जी (संपा.), संगीत, नाटक, वाल्यूम, xivi नं. 1-4, 2012 (विशेषांक), रवीन्द्रनाथ'स ईस्ट-वेस्ट एनकाउंटर्स : परफॉर्मिंग ऐंड विजुअल आर्ट्स, संपादक : अभिजीत सेन और सौरभ दासठाकुर, नयी दिल्ली, संगीत, नाटक अकादेमी, 2013 : 15-29, आईएसएसएन : 0972-494 एक्स

सौरभ दासठाकुर

सह संपादक : संगीत, नाटक (संगीत, नाटक अकादेमी की पत्रिका, नयी दिल्ली) वाल्यूम-xivi, नं. 1-4, 2012 (2013 में प्रकाशित; आईएसएसएन : 0972-494 एक्स),

'रवीन्द्रनाथ'स ईस्ट-वेस्ट ऐनकाउंटर्स : परफार्मिंग ऐंड विजुअल आर्ट्स' पर विशेषांक।

'जेंडर, क्लास ऐंड 'मार्जिनल मॉडर्निज्म' : द केस ऑफ एल.जी.गिब्बॉन्स सनसेट सांग' इन द एटलांटिक रिव्यू ऑफ फेमिनिस्ट स्ट्डीज, वाल्यूम. 1, नं. 1 (आईएसबीएन : 978-81-269-1822-5), 2013 : 55–67

'नोट्स टूवार्ड्स ए पॉलिटिकल ऐप्रोच टू रवीन्द्रसंगीत : टेगोर'स ऐनकाउंटर विद कलोनियल मॉडर्निटी इन म्यूजिक'। संपादक : अभिजीत सेन व सौरभ दासठाकुर, संगीत नाटक, वाल्यूम-xivi, नं. 1-4, 2012 (प्रकाशित 2013; आईएसएसएन : 0972-494 एक्स) : 57-69

सोमदत्ता मंडल

पुस्तकें

जर्निज : इंडियन ट्रैवल राइटिंग, संपा. सोमदत्ता मंडल, नयी दिल्ली, क्रिएटिव बुक्स, 2013, आईएसबीएन : 978-81-8043-101-2

मार्गेट ऐटवुक क्रिटिकल पर्सपेक्टिव, संपा, सोमदत्ता मंडल, दिल्ली, पेनक्रॉफ्ट, इंटरनेशनल, 2014, 181-191, आईएसबीएन : 978-93-82178-06-04

पुस्तकों में लेख/अध्याय :

'द इवोल्यूशन ऑफ इंडियन इंग्लिश लैंग्वेज ऐंड लिटरेचर : ए सोशियो-हिस्टोरिकल सर्वे' इन लिटरेचर ऐज हिस्ट्री : फ्रॉम अर्ली टू कांटेम्परेरी टाइम्स। संपादक : छंदा चटर्जी, दिल्ली, प्राइम्स बुक्स, 2014 : 109-138

'वेंडरलस्ट : ट्रैवल्स ऑफ द टेगोर फैमिली' [देवेन्द्रनाथ टेगोर, ज्ञानदानंदिनी देवी, रवीन्द्रनाथ टेगोर और अवनींद्रनाथ टेगोर के चार यात्रा-वृत्तांतों का रुपांतर]। परोबास, वाल्यूम : 53, आनलाइन पत्रिका–www.parabaas.com

'मल्टीकल्चर अमेरिका' इन डिफरेंट अमेरिका'ज : रिसिचुएटिंग अमेरिकन आईडेंटीटी इन द पोस्ट 9/11 थर्ड वर्ल्डइन क्लासरूम। संपादक : अनिन्द्य शेखर पुस्तकालय, धृतिमान चक्रवर्ती और मुर्शेद आलम। नयी दिल्ली, ऑथर्स प्रेस, 2014 : 20-34, आईएसबीएन : 978-81-7273-751-1

फॉरवर्ड फॉर लोकेटिंग एशियन अमेरिकन वूमेन राइटर्स इन द डायसपोरा बाई नंदिनी भद्र, नयी दिल्ली व सिडनी : प्रेस्टीज बुक्स इंटरनेशनल, 2013 : 7-12

'व्हेदर होमलैंड? रिप्रेजेंटेशंस ऑफ कैलकटा/कोलकाता इन द फिक्शन ऑफ डायसपोरिक बेंगाली वूमेन राइटर्स' इन कंस्ट्रक्शंस ऑफ होम इन फिलासफी, थियोरी, लिटरेचर ऐंड सिनेमा : एसेज इन ऑनर ऑफ नीलूफर ई. भरूचा। संपादक : श्रीधर राजेश्वरन ऐंड लाउस स्टीयरस्टारफर' भुज गुजरात : सीएएसआईआई, सेंटर फॉर एडवांस्ड स्ट्डीज इन इंडिया, 2014 : 94-133

समीक्षाएं

'इंडियन इन इंडिया'। रिव्यू ऑफ मीडिया, जेंडर ऐंड पापुलर कल्चर इन इंडिया : ट्रैकिंग चेंज ऐंड कंटीन्यूटी बाई संयुक्ता दासगुप्ता, दीपंकर सिंहा ऐंड सुदेष्णा चक्रवर्ती, इन 8थ डे, द संडे स्टेट्समैन, 12 मई, 2013।
द पॉलिटिक्स ऑफ द (इम) पॉसिबल : यूरोपीय ऐंड डिस्टोपिया रिकनासिडर्ड बाई बर्णिता बागची, सेज पब्लिकेशंस, 2012। रिव्यू पब्लिश्ड इन 8थ डे : द संडे स्टेट्समैन, 18 अगस्त, 2013
ओलियंडर गर्ल बाई चित्रा बनर्जी दिवाकरुणी इन 8 डे, द संडे स्टेट्मैन। सितंबर 2013
'अनपुटडाउनेबल', रिव्यू ऑफ ओलियंडर गर्ल बाई चित्रा बनर्जी दिवाकरुणी इन सिक्स सीजंस रिव्यू (बांग्लादेश)
'ए वंडरफुल्ली क्रॉफ्टेड स्टोरी।' द लोलैंड बाई झुमा लाहिड़ी इन 8थ डे : द संडे स्टेट्समैन, 29 सितंबर, 2013
'ओरिजिंस ऑफ लिटरेरी मॉडर्निटी इन इंडिया'। रिव्यू ऑफ फ्रीडम ऐंड बीफ स्टीक्स : कलोनियल कैलकटा कल्चर बाई संपत पाल इन 8थ डे : द संडे स्टेट्समैन, 3 नवंबर 2013
'हिस्ट्री ऑर पीरियड फिक्शन?' रिव्यू ऑफ जोड़ासांको बाई अरुणा चक्रवर्ती इन 8 डे, द संडे स्टेट्समैन, 21 दिसंबर, 2013
'द आइकॉन ऑफ क्रिएटिव फ्रीडम'। रिव्यू ऑफ रैडिकल रवीन्द्रनाथ : नेशन, फैमिली ऐंड जेंडर इन टेगोर'स फिक्शन ऐंड फिल्म्स बाई संयुक्ता दासगुप्ता, सुदेष्णा चक्रवर्ती ऐंड मेरी मैथ्यू (2013) ऐंड टेगोर : एट होम इन द वर्ल्ड। संयुक्ता दासगुप्ता और चिन्मय गुहा संपादित (2013) इन 8थ डे : द संडे स्टेट्समैन, 12 जनवरी, 2014
'द बर्गइयोनिंग एरिया ऑफ फिक्शन।' रिव्यू ऑफ लाइफसाइंस : न्यू राइटिंग्स फ्रॉम बांग्लादेश, फरहा गजनवी संपादित इन 8थ डे : द संडे स्टेट्समैन, 2 मार्च 2014
'रूट्स ऑफ द लैंग्वेज।' रिव्यू ऑफ घोस्ट ऐंड अदर पेरिल्य बाई त्रैलोक्यनाथ मुखोपाध्याय। अर्णव भट्टाचार्य अनूदित। (ओरियंट ब्लैकस्वान) इन 8थ डे : द संडे स्टेट्समैन, 16 मार्च, 2014

सुदेव प्रतीम बसु

पुस्तकों में :

'हंटिंग, ट्रैवल ऐंड भस्कारा : वूमेन हंटर-ट्रैवल इन ब्रिटिश इंडिया, 1837-1916', सोमदत्ता मंडल संपादित। जर्निज : इंडियन ट्रैवल राइटिंग। नयी दिल्ली, क्रिएटिव बुक्स, 2013 : 54-71, आईएसबीएन : 978-81-8043-101-2
'बियांड ट्वीटर ऐंड फेसबुक : द राइज/रूज ऑफ कंप्यूटर गेम्स ऐंड द न्यू फ्यूचर ऑफ इंडिया कंटेंट ऐंड कंट्रोल', मौसमी भट्टाचार्य संपादित। व्याज ऑफ सोशल मीडिया इन डेमोक्रेसी। शांतिनिकेतन, विश्व भारती, 2014 : 42-48, आईएसबीएन : 978-81-7522-584-8

पत्रिकाओं में

'माउथ फॉर वार' : प्रो-वार लिनिंग्स इन अमेरिकन हेवी मेटल म्यूजिक', तपती मुखर्जी और अमृत सेन संपादित। द विश्व भारती क्वार्टईर्ली, वाल्यूम 20, नं. 3 और 4 और वाल्यूम 21, नं. 1 और 2, अक्टूबर 11–सितंबर 12, शांतिनिकेतन, विश्व भारती, 2013, पीपी. 100-114, आईएसएसएन : 0972–043 एक्स।
'द टाइम्स दे आर–ए चैंजिंग' : बॉब डिलन ऐंड अर्बन पोयेट्री' (ऑनलाइन पत्रिका) तीर्थप्रसाद मुखर्जी संपादित। संस्कृत में अंतअनुशासनात्मक अध्ययन पर रुपकथा पत्रिका। 'परफार्मेंस स्ट्डीज' पर विशेष अंक, वाल्यूम-v, नं. 2, 2013
http://rupkatha.com/bob-dylan-and-urban-poetry/>आईएसएसएन : 0975-2935
'अप इन द ट्री': इकोलॉजी ऐंड चाइल्डहुड इन मारगेंट एटवुड्र्स चिल्ड्रेंस स्टोरिज' मारगेंट एटवुड क्रिटिकल पर्सपेक्टिव्स। संपा. सोमदत्ता मंडल। दिल्ली, पेनक्रॉफ्ट इंटरनेशनल, 2014 : 181-191, आईएसबीएन : 978-93-82178-06-04

शुक्ला बसु (सेन)

29.07.2013 : 'ट्रांसफॉर्मिंग द यूरोपीयन लीगेसी : थीम ऐंड टेकनिक इन ओनील'स प्लेज, इन जेयूएसएएस

ऑनलाइन, सेकेंड इश्यू।

http://जूसासनलाइन. वर्डप्रेस.कॉम/2013/07/29/ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ द यूरोपियन लीगेसी इन ओनील'स प्ले ऐंड स्टेज टेकनीक्स/

'मून मार्कड् ऐंड टच्ड बाई सन।' रिइनवेंटिंग 'वूमेन वर्डस' इन प्लेज बाई अफ्रीकन अमेरिकन वूमन' इन अमेरिकाना, वाल्यूम 1 एक्स, नं. 1, स्प्रिंग 2013। [ई-जर्नल ऑफ अमेरिकन स्ट्डीज इन हंगरी]

15.01.2014 : 'ब्लैक एडाम इन व्हाइट ईडेन' : द एफ्रिकेनिस्ट प्रेसेंस इन अमेरिकन शेक्सपीयर प्रोडक्शंस' इन जेयूएसएएस ऑनलाइन, थर्ड इश्यू। http://jusasonline.wordpress.com/2014/01/15/ब्लैक-एडाम-इन-व्हाइट-ईडेन -द-एफ्रिकेनिस्ट-प्रेसेंस-इन-अमेरिकन-शेक्सपीयर-प्रोडक्शंस/

स्वाती गागुंली

'सेलिब्रेटिंग द ग्लोबल ऐंड द लोकल : रवीन्द्रनाथ'स आइडियल ऑफ कस्मोपोलिटेनिज्म' इन कंटेम्पोराइजिंग टेगोर ऐंड द वर्ल्ड, संपादक : इम्तियाज अहमद, मुचकुन्द दुबे, ढाका, यूनिवर्सिटी प्रेस लि., 2013: 131-142, आईएसबीएन : 9789845061209

द टर्न ऑफ द श्रियू : जेनडरिंग द पावर ऑफ लोकालिटी इन ओथेलो' इन मल्टीकल्चरल शेक्सपीयर इश्यू 9 (यूनवर्सिटी ऑफ लोज, पोलैंड से प्रकाशित), मई 2013 www.degruyter.com 15

'लोकेटिंग ऐंड डिसलोकेटिंग विलियम'स 'वूमेंस' : द स्माल व्याजेस ऑफ फेमिनिस्ट शेक्सपीयेरियंस' इन द जर्नल ऑफ ड्रामा स्ट्डीजः ऐन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च वर्ल्ड ड्रामा इन इंग्लिश, वाल्यूम-7, जनवरी-जुलाई 2013, नं. 1 व 2 स्पेशल नंबर मार्किंग द 400 ईयर ऑफ शेक्सपीयर'स फेयरवेल टू द ग्लोबल, : 129-138, आईएसएसएन : 0975-1696

'बाइलिंगुअलिज्म इन द एज ऑफ ग्लोबलाइजेशन : द रिफलेक्शंस ऑफ ए बेंगाली राइटर'। पीएचएएलएएनएक्स 9: अगस्त 2013 http://phalanx.in/index.html [आईएसएसएन : 2320-7698]

नेशनलिज्म ऐंड 'आवर स्वदेशी समाज': कॉनटेक्सचुअलाइजिंग टेगोर'स आइडिआज ऑफ नेशंस जर्नल ऑफ द स्कूल ऑफ लैंग्वेजेस, लिटरेचर ऐंड कल्चर, जेएनयू [आईएसएसएन : 0972-9682] : 86-98

'जेंडरिंग लाइंन ऐंड ट्रूथ टेलिंग इन ओथेलो' इन शोरमिष्ठा पांजा (संपा.) शेक्सपीयर ऐंड द आर्ट ऑफ लाइंन। नयी दिल्लीः ओरियेंट ब्लैक स्वान 2013 (आईएसबीएन : 978-81-250-52647) : 139-154

तनुका दास

'पोर्टिया'ज जर्नी फ्रॉम द मार्जिन टू द सेंटर इन शेक्सपीयर'स प्ले द मर्चेंट ऑफ वेनिस' इन लेबिरिंथ, एन इंटरनेशनल रिफर्ड जर्नल ऑफ पोस्टमॉडल स्ट्डीज। वाल्यूम-4/नं. 2, अप्रैल 2013, : आईएसएसएन : 0976-0814, 38-45

'द स्पीरुचुअल यीट्स इन द बाइजेंटियम पोयम्स' इन ट्रांससेंडेंस ऐंड इम्मेलेंस इन वर्कस ऑफ सिलेक्ट पोयेट्स इन इंग्लिश बाई एसीसीईएसएस, एन इम्प्रिंट ऑफ आथर्स प्रेस, नयी दिल्ली, 2013, आईएसबीएन : 978-93-82647-04-1 : 334-347

तपु विश्वास

'स्माल लैटिन ऐंड लेस ग्रीक्स : शेक्सपीयर'स एनीरिचमेंट ऑफ क्लासिकल सोर्सेस इन कॉमेडी ऑफ एरर्स' संपादक : अमिताभ राय आर.एन. राय, सुबीर धर और तपु विश्वास। थियेटर इंटरनेशनल ईस्ट-वेस्ट पर्सपेक्टिव, वाल्यूम-vi, कोलकाता : एवेंटग्रेड प्रेस- 2013 : 22-31, आईएसएसएन–81-57538-16-3

'ईआगो ऑर द बैड सर्वेंट : सर्वेंट-मास्टर रिलेशनशिप इन अथेलो', संपादक : ब्रॉयन रिनॉल्ड्स, अमिताभ राय, सुबीर धर और तपु विश्वास। थियेटर इंटरनेशनल ईस्ट-वेस्ट पर्सपेक्टिव, वाल्यूम-vii, कोलकाता : एवेंटग्रेड प्रेस, 2014 : 120-126, आईएसएसएन : 81-57538-16-3

'द डचेज ऑफ मल्टी ऐज ए क्रिटिक ऑफ पैट्रियार्ची', संपादक : सुनीता सिन्हा। द एटलांटिक रिव्यू ऑफ फेमिनिस्ट

स्ट्डीज क्वार्टर्ली, वाल्यूम-1, नं. 2, अप्रैल–जून, 2013, नयी दिल्ली, 12-20, आईएसएसएन : 2320-5105

नये पाठ्यक्रम की सरंचना और नयी अध्यापन पद्धतियां

एमए सेमेस्टर में अनेक वैकल्पिक पाठ्यक्रमों की शुरुआत।

यूजीसी की निर्देशिका के अनुवाद विभाग की ओर से सफलतापूर्वक एम.फिल और पी.एच.डी पाठ्यक्रम पढ़ाया जाता है।

डी.ई.ओ.एम.एल. (अंग्रेजी विभाग और अन्य आधुनिक यूरोपीय भाषा) के दो दृश्य हैं। प्रथम दृश्य में अंग्रेजी विभाग अंग्रेजी साहित्य से संबंधित विषय का अध्ययन करता है और नियमित पाठ्यक्रम (बी.ए., एम.ए, एम.फिल. और पी.एच.डी.) भी अपने विभाग में कराता है। पिछले कुछ सालों से यह पारंपरिक शिक्षण से संबंधित, बहु-अनुशासनिक पाठ्यक्रम कराता रहा है, जिसमें पोस्ट-कलोनियल साहित्य और थियोरी शिक्षण से संबंधित सांस्कृतिक शिक्षण, अनुवाद शिक्षण, लिंग अध्ययन फिल्म और थियेटर-सिनेमा प्रशिक्षण; यूरोपीय साहित्य व तुलनात्मक शिक्षण संबंधी और भी कई पद्धतियों से आगाह कराती है। दूसरे दृश्य में डी.ई.ओ.एम.ई.एल. विभाग चार आधुनिक यूरोपीय भाषाओं का अध्ययन कराता है, जिनमें फ्रेंच, जर्मन, इताली और रूसी है। इन यूरोपीय भाषाओं में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा, उन्नत डिप्लोमा से संबंधित कोर्स कराये जाते हैं। इसी समय भाषा से संबंधित इन अतिरिक्त भाषाओं के शिक्षक अपने उद्देश्य से संबंधित व्याख्यान भी अपने क्षेत्र में देते हैं, जो कि विशेष रूप से स्नातकोत्तर अंग्रेजी विषय से संबद्ध हैं।

अन्य प्रासंगिक सूचनाएं :

वर्ष के दौरान विभिन्न आगत विद्वानों ने पढ़ाये और विभाग में विशेष व्याख्यान दिये। ये हैं:

1. प्रो. देबोराह लोगान, वेस्टर्न केंटुली यूनिवर्सिटी। आगत **फुलब्राइट** विद्वान।
2. प्रो. बॉन जोर, एसोसिएट प्रोफेसर ऑफ जेंडर ऐंड वूमेंस स्ट्डीज, यूनिवर्सिटी ऑफ योमिंग, अमरीका।
3. सुश्री प्रांजली बंधु, फॉर्मर प्रोफेसर ऑफ जर्मन स्ट्डीज, जेएनयू ऐंड आईआईटी, मद्रास। लेखक व सामाजिक कार्यकर्ता, ऊटी, नीलगिरि हिल्स।
4. प्रो. एम. असादुद्दीन, डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश, जामिया मिलिया इस्लामिया, नयी दिल्ली।
5. प्रो. पॉल बुदरा, डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश, सिमोन फ्रेजर, यूनिवर्सिटी, कनाडा।
6. प्रो. रिचर्ड डेल शार्प, कैथोलिक यूनिवर्सिटी, वाशिंगटन डीसी।
7. प्रो. बसाबी, फ्रेजर, एडिनबर्ग नेपियर यूनिवर्सिटी, स्कॉटलैंड।
8. प्रो. कृष्णा सेन, (सेवानिवृत्त), डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश, यूनिवर्सिटी ऑफ कोलकाता।
9. डॉ. प्रशांत चक्रवर्ती, डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली।

हिन्दी विभाग

हरिशचन्द्र मिश्र

संगोष्ठी/सम्मेलन आदि

18 व 19 फरवरी, 2014 : 'भोजपुरी लोकगीतों में सामाजिक चिंता' पर काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में चार व्याख्यान दिये। रिफ्रेशर कोर्स में बतौर रिसोर्स पर्शन संबद्ध।

25 फरवरी, 2014 : 'आधुनिकता एवं भारतेंदु' और 'आधुनिकता एवं छायावाद' विषय पर दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, गोरखपुर में दो व्याख्यान दिये। रिफ्रेशर कोर्स में बतौर रिसोर्स पर्शन संबद्ध।

शोध आलोख प्रकाशित

लोकसाहित्य और साहित्य का अंतर्संबंध (रवीन्द्रनाथ के शिशु-साहित्य के विशेष संदर्भ में) पंचसीता शोध यामिक्ष्य, खंड-20, अप्रैल 2013, आईएसएसएन : 0975-2587

बांग्ला लोक शिशु साहित्य में श्रीकृष्ण तथा ग्राम्य जीवन में कृष्ण-कथा : एक अंतरिम मानव मुक्त को समर्पित : खंड-20, सं. 10, अक्टूबर 2013, आईएसएसएन : 2278-6066

रवीन्द्रनाथ के साहित्य की चित्रात्मकता-अक्षर, 25 जुलाई-सितंबर 2013, हेतुभारद्वाज संपादित, आईएसएसएन : 2287-2338

जनपदीय भाषाओं का विवाद और शिवदानसिंह चह्वाण, अनन्या संपादक : रामसजन पांडेय, खंड-4 व 5, जुलाई 2012-जून 2013, आईएसएसएन : 2250-1207

तुलसी के काव्य में सामाजिक दायित्वबोध की रचनात्मक भूमिका–अनन्या, खंड-4 व 5, जुलाई 2012 से जून 2013, आईएसएसएन : 2250-1207

एन.बी.हरिचंदन अनन्या की ओडिया कविताओं का अनुवाद किया, अक्टूबर 24, अप्रैल-जून 2013, हेतुभारद्वाज संपादित; आईएसएसएन : 2278-2338

मंजुरानी सिंह

संगोष्ठी/संगोष्ठी आदि

30 मई, 2013 : मेवाड़ इंस्टीट्यूट, गाजियाबाद-201012 (उ.प्र.) की 'विचार गोष्ठी' में 'विवेकानन्द का राष्ट्रीय एवं शैक्षिक चिंतन' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान प्रदत्त।

12 मई, 2013 : 'मानव उत्तरदायित्व', मैक्स मूलर मार्ग, नयी दिल्ली की ओर से 'डिकोडिंग ऑफ स्वामी विवेकानन्द फिलासफी' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान प्रदत्त।

22 जून, 2013 : बड़ाबाजार पुस्तकालय, कोलकाता की ओर से आयोजित 'भवानी प्रसाद मिश्र' जन्मशती समारोह के उपलक्ष में 'कारूं का खजाना है मेरी कविता' विषय पर व्याख्यान दिया।

27-29 जुलाई, 2013 : गणमित्र सम्मान समारोह, 2013 के उपलक्ष में मानविक, कल्चरल इंस्टीस्यूट ऑफ रानीगंज, पश्चिम बंगाल की ओर से 'रामविलास शर्मा का आलोचना कर्म' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

15 फरवरी, 2013 : 'कृतित्व समग्र पुरस्कार : श्रीमती चित्रा मुद्गल' के उपलक्ष में 'समाज में स्त्री-यथार्थ और स्त्री विमर्श' विषय पर भारतीय भाषा परिषद में व्याख्यान दिया।

अन्यान्य

16 अप्रैल, 2013 को 'भारत में युवा पीढ़ी की सक्षमता' पर केंद्रीय पुस्तकालय सम्मेलन-कक्ष में मेरी ओर से एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गयी। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि थे डॉ. एस. एन. सुब्बा राव।

22 सितंबर, 2013 को डॉ. चित्रा सिन्हा, शैक्षिक परामर्शदाता, बहरीन पर मेरी ओर से आयोजित एक दिवसीय व्याख्यान कार्यक्रम में व्याख्यान और वाद-विवाद का विमर्श था, 'डिबेटिंग पेट्रीआरची : द हिन्दू कोड बिल कंट्रोवर्सी

इन इंडिया।'

3 फरवरी, 2014 को केन्द्रीय पुस्तकालय सम्मेलन-कक्ष, विश्व भारती में शीला लवकडे, जमनालाल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्ट्डीज, मुंबई विश्वविद्यालय की पूर्व प्राध्यापिका का विशेष व्याख्यान कार्यक्रम मेरी ओर से आयोजित किया गया था।

9-10 फरवरी, 2014 को बतौर निर्देशक डब्ल्यूएससी, विश्व भारती लिपिका प्रेक्षागृह, विश्व भारती में 'ऐचिवमेंट्स ऑफ वूमेन इन इंडियन थियेटर' पर मेरी ओर से दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित हुई।

17 अगस्त, 2013 को विश्व भारती की समस्त छात्राओं के लिए 'इन सर्च ऑफ स्ट्रेसफ्री लाइफ' पर मेरी ओर से काउंसेलिंग प्रोग्राम आयोजित की गयी।

पौष मेला, 2013 में एक रंगारंग सांस्कृतिक व शैक्षणिक वाद-विवाद कार्यक्रम मेरी ओर मे आयोजित किया गया था। विश्व भारती के अनेक विद्यार्थियों और शिक्षकों के साथ ही बाहर के लोगों ने भी उस कार्यक्रम में हिस्सा लिया था।

प्रकाशन

'मासिक वैचारिक संगोष्ठी', मेवाड़ इंस्टीट्यूट, गाजियाबाद (उ.प्र.) की वार्षिक पत्रिका, खंड-2013-14

रामेश्वर मिश्र

संगोष्ठी/सम्मेलन आदि।

20 जनवरी, 2014 : विश्व भारती के बांग्ला विभाग में 'भारतीय साहित्येर सांप्रतिक प्रबनता' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता की।

7 फरवरी, 2014 : विश्व भारती के सेंटर फॉर बुद्धिस्ट स्ट्डीज में 'भिक्षुणी संघ ऐंड इट्स इमपॉर्टेंस इन बुद्धिज्म' पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता की।

9 फरवरी, 2014 : सेंटर फॉर बुद्धिस्ट स्ट्डीज, विश्व भारती में 'बुद्धिज्म ऐंड साइंस' पर एक विशेष व्याख्यान की अध्यक्षता की।

13 फरवरी, 2014 : विश्व भारती के संस्कृत विभाग की ओर से 'वेदिक इंटरप्रिटेशंस : ट्रेनल ऐंड टेकनिक' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की।

14 फरवरी, 2014 : 'बियांड गीतांजलि : टेगोर, पोयेट्री ऐंड पोयेटिक्स' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र पर व्याख्यान दिया।

प्रकाशन

'एसेसिंग द ट्रैवेल्स ऑफ राहुल सांस्कृत्यायन'–इंडियन ट्रैवल राइटिंग, संपादक : सोमदत्ता मंडल, क्रिएटिव बुक्स, नयी दिल्ली, 2013

चक्रधर त्रिपाठी

संगोष्ठी/सम्मेलन आदि

14 से 16 सितंबर, 2013 : हिन्दी भवन, विश्व भारती, शांतिनिकेतन में 'राजभाषा हिन्दी : संभावना और चुनौतियां' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में मूल भाषण प्रदान।

14 जुलाई, 2013 : हिन्दी भवन, विश्व भारती, शांतिनिकेतन में 'तुलसी जयंती' पर व्याख्यान दिया।

18 अक्टूबर, 2013 : केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में 'ओडिशा में हिन्दी : संभावनाएं एवं चुनौतियां' पर पत्र प्रस्तुत।

17 अक्टूबर, 2013 : विश्व भारती की ओर से केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में हिन्दी साहित्य सेवी जयंती सम्मान से सम्मानित।

मुक्तेश्वर नाथ तिवारी

संगोष्ठी/सम्मेलन आदि

28 अक्टूबर, 2013 : 'इक्वीसवीं सदी की कहानी' पर मगध महिला महाविद्यालय, पटना की ओर से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में अध्यक्षीय भाषण।

27 अक्टूबर, 2013 : देवघर कालेज, देवघर, झाड़खंड की ओर से 'हिन्दी साहित्य में स्त्री-विमर्श' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में उपस्थिति और 'पद्‌भावत में स्त्री-चेतना' पर पत्र प्रस्तुत।

20 जनवरी, 2014 : विश्व भारती के बांग्ला विभाग की ओर से भारतीय साहित्य के परिप्रेक्ष्य में 'समकालीन हिन्दी कथा साहित्य' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

22 मार्च, 2014 : विद्यासागर विश्वविद्यालय में हिन्दी के अंडरग्रेजुएट सिलेबस के लिए आयोजित विचार-गोष्ठी में बतौर वाह्य विशेषता सक्रिय भागीदारी।

20 व 21 मार्च, 2014 : यूजीसी योजनाओं के तहत विद्यासागर विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में चार अतिथि व्याख्यान प्रदत्त।

प्रकाशन

'केदारनाथ सिंह के काव्य में प्राकृतिक उपादान', चौमाही पत्रिका अभिधा, मुजफ्फरपुर, बिहार, मई-2-13

'महादेवी का 'मेरा परिवार' : एक यथार्थवादी पंचतंत्र', वागर्थ में, कोलकाता, सितंबर 2013

'खुसरो की वाग्मिता' भाषा में, नयी दिल्ली, दिसंबर 2013

विश्व भारती पत्रिका में तीन संपादकीय, खंड-56, 57, 58

विशेष सम्मान

सदस्य, बोर्ड ऑफ स्ट्डीज इन हिन्दी, रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता - पं.बंगाल

सद्स्य, रिसर्च एडवाइजरी इन हिन्दी, बर्द्धमान विश्वविद्यालय, बर्द्धमान, पं. बंगाल

सदस्य, रिसर्च एडवाइजरी कमिटी, पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय, बारासात, पश्चिम बंगाल।

शकुंतला मिश्र

प्रकाशित पुस्तक

गीतांजलि (देवनागरी लिपि में मूल बांग्ला के साथ रूपांतर और टेगोर का अंग्रेजी अनुवाद) वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2013

पत्रिका

'गीतांजलि और नोबेल पुरस्कार'—भास्वर भारत, हैदराबाद, नवंबर, 2013

रवीन्द्रनाथ मिश्र

संगोष्ठी/सम्मेलन आदि

14 से 16 सितंबर, 2013 : 'राजभाषा हिन्दी : संभावनाएं और चुनौतियां' पर हिन्दी विभाग, विश्व भारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल की ओर से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में उपस्थित।

29 से 31 दिसंबर, 2013 : रावेन शॉ यूनिवर्सिटी, कटक, ओडिशा में एआईएच कांग्रेस कांफ्रेंस में उपस्थिति।

3 फरवरी, 2014 : बी.बी कालेज, आसनसोल, पं. बंग में आयोजित 'ईक्कीसवीं सदी के हिन्दी साहित्य का भविष्य' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत।

20 फरवरी, 2014 : भाषा भवन, विश्व भारती में 'इम्पैक्ट ऑफ ग्लोबलाइजेशन ऑन ट्राइबल लिटरेचर ऐंड कल्चर' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में उपस्थित।

12 मार्च, 2014 : हिन्दी विभाग, विद्यासागर विश्वविद्यालय, मेदिनीपुर, पं. बंग में 'महापंडित राहुल सांस्कृतायन : सृजन एवं चिंतन' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत।

23 फरवरी, 2014 : विश्व भारती, शांतिनिकेतन में रवीन्द्रनाथ ऐंड शांतिनिकेतन पर ओरियेंटेशन प्रोग्राम में उपस्थित।

3-4 मार्च, 2014 : 'इंडिक स्ट्डीज ऐंड कालिदास'स कॉन्सेप्ट ऑफ धर्मा' पर संस्कृत विभाग, विश्व भारती, शांतिनिकेतन में दो दिवसीय संगोष्ठी में उपस्थित।

प्रकाशन

पुस्तक/अध्याय

'जनपक्षधरता के कवि नागार्जुन', आधुनिक हिन्दी साहित्य के शताब्दी-पुरुष पुस्तक में, डॉ. आर.के. साव संपादित, मानव प्रकाशन, कोलकाता (2013), आईएसबीएन सं. : 978-93-80332-42-0

फरवरी 2014 में डीडीसीई, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर के एम.ए. कक्षा के लिए मध्यकालीन काव्य नाम से एक पाठ्य-पुस्तक तैयार की।

पत्रिकाओं में लेख

'आधुनिक ओडिशा साहित्य' में राष्ट्रीय एकता-वार्तावाहक–जुलाई 2013, संख्या-152, आईएसएसएन सं. : 2321-8789

'आधुनिक ओडिशा साहित्य' की विकास धारा–वार्तावाहक–दिसंबर 2013, संख्या-147, आईएसएसएन सं. : 2321-8789

'धर्म और दर्शन' के प्रतीक श्रीजगन्नाथ—नवनिकास, उत्कल विशेषांक–खंड-2, अगस्त 2013, आईएसबीएनः

'आधुनिक ओडिशा कथा-साहित्य'—वार्तावाहक, अप्रैल 2014, आईएसएसएन सं. : 2321-8789

अन्यान्य

सदस्य, सिलेबस कमिटी, डीडीसीई, उत्कल विश्वविद्यालय, वाणी विहार, भुवनेश्वर

सदस्य, अवार्ड कमिटी, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, उत्तरप्रदेश

सुभाष चंद्र राय

संगोष्ठी/सम्मेलन आदि

23 सितंबर, 2013 : दिनकर जयंती पर हाईस्कूल, बड़बीघा, बिहार में रामधारी सिंह 'दिनकर' के काव्यों पर व्याख्यान प्रदत्त।

9 फरवरी, 2014 : वूमेंस स्ट्डी सेंटर, विश्व भारती की ओर से 'एचिवमेंट ऑफ वूमेन इन इंडियन थियेटर' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में उपस्थित।

27 फरवरी, 2014—1 मार्च, 2014 : दिनकर स्मृति न्यास, नयी दिल्ली की ओर से नालंदा विहार के दौरान आयोजित राष्ट्रीय पुस्तक मेला-सह-सांस्कृतिक कार्यक्रम में सक्रिय हिस्सेदारी।

27 सितंबर, 2013 : दुर्गापुर 'पावरग्रीड कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड' की एक कार्यशाला में उपस्थित।

14-16 सितंबर, 2013 : 'हिन्दी दिवस' पर हिन्दी भवन, विश्व भारती में संगोष्ठी के एक सत्र का सक्रिय संचालन।

प्रकाशन

'जनता के नायक (जननायक) : नागार्जुन', भाषिकी शोध पत्रिका, 2014, गया

'जनता और जनतंत्र के कवि : धूमिल', विश्व भारती पत्रिका, खंड-58, फरवरी 2014 भाषिकी में देवदत्ता राय के साथ बतकही, हिन्दी की एक नयी कवियित्री व उपन्यासकार, अप्रैल 2013।

जगदीश भगत

संगोष्ठी/सम्मेलन आदि

14-15 सितंबर, 2013 : हिन्दी दिवस पर हिन्दी भवन, विश्व भारती के कार्यक्रम में उपस्थित।

15-16 अक्टूबर, 2013 : देवरिया (उ.प्र.) में 'रामकथा महोत्सव बरहज' में उपस्थित।

3 नवंबर, 2013 : अखिल भारतीय सांस्कृतिक परिषद, दुर्गापुर, पश्चिमबंग में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयंती पर उपस्थित।

प्रकाशन

'मुआवजे : एक अध्ययन', संपादित पुस्तक, योगेन्द्रचंद्र कालेज, आईएसबीएन सं. 978-81-924075-2-4, 2013, कोलकाता, पं. बंग।

'महादेवी वर्मा : एक अद्‌भुत गद्यशिल्पी', महिला लेखन, संपादक : कर्नल लेफि. डॉ. वी.डी. सिंह मलिक, आईएसबीएन सं. 978-93-81317-93-8, 2013, विकास प्रकाशन, कानपुर, (उ.प्र.)।

'अज्ञेय और हिन्दी कहानी', अभिमर हारोज, संपा.-डॉ. डी.के. बहल, आईएसएसएन सं.-2321-1105, फरवरी 2014, नयी दिल्ली।

'जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिक कहानियां', रवीन्द्र ज्याती, जिंद, जुलाई 2013, हरियाणा।

'भवानी प्रसाद मिश्र, सरलता के कवि', देवीविक जगर, अक्टूबर 2013, धनबाद संस्करण।

अर्जुन कुमार

पत्रिकाओं में लेख

'कहानी से जूझनी पत्रिका', विश्व भारती पत्रिका, खंड-2, जनवरी 2013 से जून 2013

'रवीन्द्र केंद्रित हिन्दी आलोचना'–विश्व भारती पत्रिका, खंड : 4-5, अक्टूबर 2013 से मार्च 2014

'दलित विमर्श : कुछ विचार बिन्दु'–पैरोकार, खंड-जनवरी से मार्च, 2014

आईएसएसएन सं. : 2321-5601।

संस्कृत, पाली और प्राकृत विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/सेट और गेट परीक्षाओं में उत्तीर्ण विद्यार्थियों के नाम।

नेट/जेआरएफ/सेट विद्यार्थियों के नाम :

सुश्री मौसुमी दास नेट

श्री सुधामय हालदार नेट (जेआरएफ)

सुश्री पिंकी दास नेट

सुश्री पौलमी साधु नेट

श्री कृष्ण विश्वास नेट

श्री प्रीतम रूज नेट

श्री अनूप कुमार रानो नेट (जेआरएफ)

सुश्री मामनी साहा नेट

विभागीय संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का शीर्षक, तिथि)

1) प्रो. पंचानन मोहांती, सेंटर फॉर एप्लॉयड लिंगविस्टक ऐंड ट्रांसलेशन स्ट्डीज, हैदराबाद यूनिवर्सिटी, ने अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस (21 फरवरी, 2014) पर विभाग में विश्व भाषाओं की यात्रा और जीवन पर वार्ता दिया।

2) इंडिक स्ट्डीज (3-4 मार्च, 2014) पर विभाग ने विशेष व्याख्यान आयोजित किये, जहां प्रो. वी. एन. झा, पूर्व निदेशक, सीएएसएस, पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, ने बहुभाषाई संप्रेषण के भारतीय आदर्श पर चार व्याख्यान दिये। प्रो. उज्ज्वल झा, पूर्व निदेशक और निवर्तमान वरिष्ठ प्राध्यापक सीएएसएस, पुणे, ने दो विषयों—1) 'टेक्सट विदाउट ऑथर' और 2) 'कालीदास कॉनसेप्ट ऑफ धर्मा' पर चार व्याख्यान दिये।

3) 13 मार्च, 2014 को विभाग ने अपनी वार्षिक संगोष्ठी आयोजित की, जिसमें प्रो. बिजया गोस्वामी, संस्कृत विभाग, यादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता (प्रधान वक्ता) और तपती मुखर्जी, निदेशक, रवीन्द्र भवन, विश्व भारती (मुख्य अतिथि) और विभाग के फैकल्टी ने 'वूमेन कैरेक्टर्स इन संस्कृत ड्रामा' पर अपने विचार रखे।

4) 21-30 अगस्त, 2013 को विभाग ने एप्लॉयड संस्कृत पर अमृत वाणी सेवा प्रतिष्ठान, बालासोर, ओडिशा के सहयोग से दस दिवसीय कार्यशाला आयोजित की।

5) 13-15 फरवरी, 2014 को महर्षि संदीपणी राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान (मानव संसाधन मंत्रालय के अधीन, नयी दिल्ली) के सहयोग से विभाग ने 'वेदिक इंटरप्रिटेशंस : ट्रेड ऐंड टेकनीक' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।

6) 5-7 मार्च, 2014 को विभाग ने दोबारा 'इंडियन ट्रैडिशन ऑफ शब्दशक्ति ऐंड सेमेंटिक इंटरप्रिटेशन' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मान के सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी

अरुणा रंजन मिश्र

30-31 अगस्त, 2013 : संस्कृत विभाग, देशबंधु महाविद्यालय, चित्तरंजन, बर्द्धमान विश्वविद्यालय की ओर से 'पूर्णमः साहित्यम दर्शनम का' पर आयोजित यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'वेदिक आइडेंटिटी ऑफ पुरुणाज' पर पत्र प्रस्तुत।

14-19 नवंबर, 2013 : स्पिरिचुल हेरिटेज एडुकेशन नेटवर्क (कनाडा) के सहयोग से चिन्मय इंटरनेशनल फाउंडेशन शोध संस्थान (सीआईएफएसएस) वेलियानाड (एर्नाकुलम), केरल से 'एडुकेशन इन ऑल-इनक्लूशिव यूनिवर्सिटी स्पिरिचुअलिटी' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'बिलिफ इन द सुप्रिम लैंड बियांड माइंडः द फाइनल क्लू टू यूनिवर्सल स्पिरिचुअलिटी' पर पत्र प्रस्तुत।

10-12 जनवरी, 2014 : ओडिशा साहित्य अकादमी, भुवनेश्वर की ओर से 'कालीदास और ओडिशा' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ओडिशा कनेक्शन ऑफ कालीदास' पर पत्र प्रस्तुत।

23-25 जनवरी, 2014 : सेंटर ऑफ एडवांस्ड स्ट्डी इन सैंस्कृत, यूनिवर्सिटी ऑफ पुणे, महाराष्ट्र की ओर से 'आस्पेक्ट्स ऑफ ब्रहम्णा लिटरेचर' पर आयोजित यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एइट फॉर्म्स ऑफ शिवा इन सांख्याना ब्रह्मणा' पर पत्र प्रस्तुतीकरण।

13-15 फरवरी, 2014: महर्षि संदीपनी राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के सहयोग से संस्कृत विभाग, विश्व भारती, शांतिनिकेतन की ओर से 'वैदिक इंटरप्रिटेशंसः ट्रेंड ऐंड टेकनीक' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इंटरप्रिटेशन ऑफ वेद ऐज द सुप्रीम पोयेट्री' पर पत्र प्रस्तुत।

26-27 फरवरी, 2014 : स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर की ओर से 'वैदिक लिजेंड्स : कंटेंट ऐंड कांटेक्स्ट' पर आयोजित यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'द लिजेंड ऑफ नभिकेताज ऐंड इट्स इनफ्लूयेंस ऑन द सेम लिजेंड इन महाभारत' पर पत्र प्रस्तुत।

5-7 मार्च, 2014 : संस्कृत विभाग, विश्व भारती, शांतिनिकेतन की ओर से 'इंडियन ट्रेडिशन ऑफ शब्दशक्ति ऐंड सेमेंटिक इंटरप्रिटेशन' पर आयोजित यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'अप्पय्या दीक्षिता'ज भोगारुढ्िः ऐंन इंटरफेस विद द नायिकाज' पर पत्र प्रस्तुत।

8-10 मार्च, 2014 : राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नयी दिल्ली की ओर से 'ट्रांसलेटेड लिटरेचर इन सैंस्कृत फ्रॉम अदर लैंग्वेज' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ट्रांसलेटेड लिटरेचर इन सैंस्कृत फ्रॉम बेंगाली : ए स्पेशल स्ट्डी ऑफ फेमिनिज्म इन देवदासाज' पर पत्र प्रस्तुत।

नरोत्तम सेनापति :

13-15 फरवरी, 2014 : महर्षि संदीपनी राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान (मानव संसाधन मंत्रालय के अधीन), उज्जैन के साथ संस्कृत, पाली व प्राकृत विभाग की ओर से 'वैदिक इंटरप्रिटेशंस : ट्रेंड ऐंड टेकनीक' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के अंतर्गत एक शिक्षा-सत्र में प्रासंगिक वार्ता प्रदान।

मृदुला राय

13-15 फरवरी, 2014 : महर्षि संदीपनी राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन, मध्यप्रदेश के सहयोग से संस्कृत, पाली व प्राकृत, विश्व भारती की ओर से 'वैदिक इंटरप्रिटेशंस : ट्रेंड ऐंड टेकनीक' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'रवीन्द्रचिंतने उपनिषद प्रसंग' पर पत्र प्रस्तुत।

5-7 मार्च, 2014 : विश्व भारती के संस्कृत, पाली व प्राकृत विभाग की ओर से 'इंडियन ट्रैडिशन ऑफ शब्दशक्ति ऐंड सेमेंटिक इंटरप्रिटेशन' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'शब्दव्यापार विकारे व्यंजनालक्षणम' पर पत्र प्रस्तुत।

अरुण कुमार मंडल

13-15 फरवरी, 2014 : महर्षि संदीपनी राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन, मध्यप्रदेश के सहयोग से विश्व भारती के संस्कृत, पाली व प्राकृत विभाग की ओर से 'वैदिक इंटरप्रिटेशंस : ट्रेंड ऐंड टेकनीक' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'वेदव्याख्याने रवीन्द्रनाथा– मंगस्यऐक्श्य प्रसनगह' पर पत्र प्रस्तुत।

5-7 मार्च, 2014 : विश्व भारती के संस्कृत, पाली व प्राकृत विभाग की ओर से 'इंडियन ट्रैडिशन ऑफ शब्दशक्ति ऐंड सेमेंटिक इंटरप्रिटेशन' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'नानाअर्थशब्दे द्वितीय अर्थे वृत्तिविषये अप्पय्यामताविमर्श' पर पत्र प्रस्तुत और 7 मार्च, 2014 को संगोष्ठी के स्वस्तिवाचन सत्र की अध्यक्षता की।

ललिता चक्रवर्ती

30-31 अगस्त, 2013 : देशबन्धु महाविद्यालय, संस्कृत विभाग, चित्तरंजन, बर्द्धमान विश्वविद्यालय की ओर से 'पूर्णम : साहित्यम दर्शनम का' पर आयोजित यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'फिलासफिकल आस्पेक्ट्स ऑफ शिवपुराणा' पर पत्र प्रस्तुत।

21 जनवरी, 2014 : विश्व भारती के बांग्ला विभाग की ओर से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सांप्रतिका संस्कृता

साहित्य : विषया लघुकथा' पर पत्र प्रस्तुत।

27-29 मार्च, 2014 : राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान और त्रिपुरा राज्य वेद विद्या प्रसारणा समिति, अगरतला, त्रिपुरा की ओर से आयोजित राष्ट्रीय वैदिक सम्मेलन में 'द वेदाज : सोर्सेज ऑफ ह्यूमन नालेज विस-ए-विस लाइब्रेरीज ऑफ आवर सोसाइटी' पर पत्र प्रस्तुत।

जगत राम भट्टाचार्य

19-21 जुलाई, 2013 : राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, जयपुर कैंपस की ओर से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ' लिंगविस्टिक एलिमेंट्स इन द ओरिजिनल प्रश्नव्याकरण' पर पत्र प्रस्तुत।

20 सितंबर, 2013 : विश्व भारती के हिन्दी विभाग की ओर से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हिन्दी की दशा और दिशा' पर व्याख्यान दिया।

13-15 फरवरी, 2014 : विश्व भारती के संस्कृत, पाली व प्राकृत विभाग की ओर से 'वैदिक इंटरप्रिटेशंस : ट्रेंड ऐंड टेकनीक' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'वैदिक प्रकृतिज्म-ए सर्वे' पर पत्र प्रस्तुत।

27-29 मार्च, 2014 : एमएल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, राजस्थान की ओर से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'स्पिरिचुअल एलिमेंट्स इन द दसावेयालियसुत्ता–ए स्ट्डी' पर पत्र प्रस्तुत।

निरंजन जेना

13-14 अप्रैल, 2013 : एकेडेमी ऑफ योगा ऐंड ओरियेंटल स्ट्डीज, भुवनेश्वर की ओर से 'अथर्ववेद' पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ए स्ट्डी ऑफ सेक्युलर कॉनटेक्सट्स इन द अथर्ववेद' पर पत्र प्रस्तुत।

31 अगस्त–1 सितंबर, 2013 : अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, ईस्टर्न जोन की ओर से 'स्वामी विवेकानन्द ऑन सोशियो–कल्चरल इंटीग्रेटी ऑफ भारत' पर साझी राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'स्वामी विवेकानन्द ऐंड हिज कॉनसेप्ट ऑफ भक्ति-योग' पर पत्र प्रस्तुत।

5-6 सितंबर, 2013 : विश्व भारती के विनय भवन की ओर से 'द लिगेसी ऑफ राधाकृष्णन : रिप्रेजेंटिंग इंडिया इन द न्यू ग्लोबल ऑर्डर' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'व्यूज ऑफ राधाकृष्णन ऑन पीस, वैल्यू ऐंड मॉरल एडुकेशन' पर पत्र प्रस्तुत।

14-19 नवंबर, 2013 : चिन्मय इंटरनेशनल फाउंडेशन शोध संस्थान (सीआईएफएसएस), केरल, भारत की ओर से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'द कॉनसेप्ट ऑफ ग्लोबल फ्रेटरनिटी ऐज रिफ्लेक्टेड इन द वेदाज़' पर पत्र प्रस्तुत।

13-15 फरवरी, 2014 : विश्व भारती के संस्कृत, पाली व प्राकृत विभाग और महर्षि संदीपनी राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के संयुक्त तत्वावधान में 'वैदिक इंटरप्रिटेशंस : ट्रेंड ऐंड टेकनीक' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इंटरप्रिटेशनल वेरियेशंस ऑफ कमेंटरीज ऑफ सयना, उवला ऐंड महिधर ऑन पुरुषा-सूक्त' पर पत्र प्रस्तुत।

26-27 फरवरी, 2014 : उत्पल विश्वविद्यालय के स्नातोकोत्तर संस्कृत विभाग, भुवनेश्वर की ओर से 'वैदिक लिजेंड्स : कॉनटेंट्स ऐंड कॉनटेक्सट' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'द वैदिक लिजेंड ऑफ द अंगिदसा ऋषिज ऐंज लॉस्ट वाउज' पर पत्र प्रस्तुत।

हरेकृष्णा मिश्र

13-14 अप्रैल, 2013 : एकाडेमी ऑफ योगा ऐंड ओरियेंटल स्ट्डीज, भुवनेश्वर की ओर से 'अथर्ववेद' पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'पइप्पालाडा ट्रेडीशन : ए फ्रेश स्ट्डी ऑन ईस्टर्न पार्ट ऑफ इंडिया' पर पत्र प्रस्तुत।

4 अगस्त, 2013 : नीलाचल तत्व अनुसंधान परिषद की ओर से 'वेरियस रेलीजियस सेक्ट्स इन श्रीक्षेत्र' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कीर्तन ऐंड गौड़ीय वैष्णव ट्रेडिशन : स्प्रेड इन श्रीक्षेत्र' पर पत्र प्रस्तुत।

4-5 मार्च, 2014 : रवेनशॉ यूनिवर्सिटी, कटक की ओर से 'एनवायरमेंटल अवेयरनेस इन सैंस्कृत स्क्रीप्चर्स' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एनवायरमेंट : ऐज व्यूड बाई वैदिक सियर्स' पर पत्र प्रस्तुत।

5-7 मार्च, 2014 : विश्व भारती के संस्कृत, पाली व प्राकृत विभाग की ओर से 'इंडियन ट्रैडिशन ऑफ शब्दशक्ति

ऐंड सेमेंटिक इंटरप्रिटेशन' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'अथर्ववेद : ऐन एनालिसिस' पर पत्र प्रस्तुत।

22-23 मार्च, 2014 : जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली की ओर से 'पाली ऐंड इंडियन कल्चर' पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सोशियो–पॉलिटिको–इकॉनामिक–कल्चरल कंडीशन ऑफ इंडिया : ऐज अंडरस्टूड फ्रॉम जातककथा' पर पत्र प्रस्तुत।

25-27 मार्च, 2014 : उत्पल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर की ओर से 'वैदिक लिजेंड्स : कंटेंट ऐंड कॉनटेक्सट' पर आयोजित संगोष्ठी में 'लिजेंड बेस्ड एपिथेट्स ऑफ इंद्र : ऐन ऐनालिसिस' पर पत्र प्रस्तुत।

संजय कुमार मंडल

26-27 अप्रैल, 2013 : महादेव सिंह कालेज, भागलपुर, बिहार की ओर से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ह्यूमन राइट्स ऐंड एडुकेशन इन इंडिया' पर पत्र प्रस्तुत।

31 अगस्त–1 सितंबर, 2013 : अखिल भारतीय संकलन योजना, ईस्टर्न जोन और इंदिरा गांधी सेंटर फॉर नेशनल इंटीग्रेशन, विश्व भारती, शांतिनिकेतन की ओर से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'बेदांतिक पर्सपेक्टिवस् ऑन लाइफ' पर पत्र प्रस्तुत।

13-15 फरवरी, 2014 : संस्कृत, पाली व प्राकृत विभाग, विश्व भारती की ओर से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'श्वेतस्तेरोपनिषद में योग विमर्श' पर पत्र प्रस्तुत।

5-7 मार्च, 2014 : विश्व भारती के संस्कृत, पाली व प्राकृत विभाग की ओर से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'न्ययायिकनाम लक्षणव्रते स्वरुपम' पर पत्र प्रस्तुत।

22-23 मार्च, 2014 : जेएनयू, नयी दिल्ली की ओर से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'बौद्ध साहित्य में धम्मपद का स्थान तथा इसमें प्रतिपदिता समजिका शाक्तनता' पर पत्र प्रस्तुत।

गार्गी भट्टाचार्य

31 अगस्त–1 सितंबर, 2013 : अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, पूर्वी क्षेत्र और इंदिरा गांधी सेंटर फॉर नेशनल इंटीग्रेशन, विश्व भारती की ओर से 'स्वामी विवेकानन्द ऑन सोशियो–कल्चरल इंटीग्रिटी ऑफ भारत' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'वूमेन एम्पावरमेंट ऐंड स्वामी विवेकानन्द : रेलेवेस टू द करेंट सोशियो–कल्चरल इश्यूज' पर पत्र प्रस्तुत।

7-11 जनवरी, 2014 : ओरियंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट, श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय, तिरुपति की ओर से 'महाभारतम' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'न्यू इंटरप्रिटेशंस ऑफ द महाभारत : बेंगाल इन मॉडर्न एरा' पर पत्र प्रस्तुत।

13-15 फरवरी, 2014 : विश्व भारती के संस्कृत, पाली व प्राकृत विभाग और महर्षि संदीपनी राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के संयुक्त तत्वावधान में 'ऐंड दयांन्द सरस्वती'ज इंटरप्रिटेशन : सम फिलासफिकल आस्पेक्ट्स' पर पत्र प्रस्तुत।

5-7 मार्च, 2014 : विश्व भारती के संस्कृत, पाली व प्राकृत विभाग की ओर से 'इंडियन ट्रेडिशन ऑफ शब्दशक्ति ऐंड सेमेंटिक इंटरप्रिटेशन' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मेक्सिम्स इन इंडियन ट्रैडिशन : सेमेंटिक इंटरप्रिटेशंस' पर पत्र प्रस्तुत।

लक्ष्मीधर मलिक

4 अगस्त, 2013 : कलेक्टोरेट कांफ्रेंस हॉल, पुरी में 'वेरियस रेलिजियस सेक्ट्स इन श्रीक्षेत्र' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'श्री संप्रदाय इन श्रीक्षेत्र' पर पत्र प्रस्तुत।

31 अगस्त–1 सितंबर, 2013 : अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, पूर्वी क्षेत्र और इंदिरा गांधी सेंटर फॉर नेशनल इंटीग्रेशन, विश्व भारती की ओर से 'स्वामी विवेकानन्द ऐंड सोशियो–कल्चरल इंडिग्निटी ऑफ भारत' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'पुराणिक एलिमेंट्स इन स्वामी विवेकानन्द'स थॉट' पर पत्र प्रस्तुत।

13-15 फरवरी, 2014 : विश्व भारती के संस्कृत, पाली व प्राकृत भाषा विभाग और महर्षि संदीपनी राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन की ओर से 'वैदिक इंटरप्रिटेशंस : ट्रेंड ऐंड टेक्नीक' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में

'पुराणिक इंटरप्रिटेशन ऑफ वेदिक थॉट्स' पर पत्र प्रस्तुत।

24-25 फरवरी, 2014 : विश्व भारती के ओडिशा विभाग की ओर से 'द इंपेक्ट ऑफ ट्राइबल कल्चरल ऑन इंडियन लिटरेचर' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ट्राइबल कल्चर इन पुराणिक लिटरेचर' पर पत्र प्रस्तुत।

5-7 मार्च, 2014 : विश्व भारती के संस्कृत, पाली व प्राकृत विभाग की ओर से 'इंडियन ट्रेडीशन ऑफ शब्दशक्ति ऐंड सेमेंटिक इंटरप्रिटेशन' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'शब्दशक्ति इन पुराणिक लिटरेचर' पर पत्र प्रस्तुत।

22-23 मार्च, 2014 : जे.एन.यू की ओर से 'पाली ऐंड इंडियन कल्चर' पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'पॉलिटिकल हिस्ट्री ऑफ ऐनशियेंट इंडिया इन पाली कमांडेड' पर पत्र प्रस्तुत।

प्रीति लक्ष्मी स्वाईं

13-15 फरवरी, 2014 : विश्व भारती के संस्कृत, पाली व प्राकृत विभाग और महर्षि संदीपनी राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन की ओर से 'वैदिक इंटरप्रिटेशन : ट्रेंड' ऐंड टेक्नीक' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कॉनसेप्ट ऑफ ऋत : ए वैदिक इनसाइट' पर पत्र प्रस्तुत।

5-7 मार्च 2014 : विश्व भारती के संस्कृत, पाली व प्राकृत विबाग की ओर से 'इंडियन ट्रैडीशन ऑफ शब्दशक्ति ऐंड सेमेंटिक इंटरप्रिटेशन' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'लघुमंजुशायम नामल विकारा' पर पत्र प्रस्तुत।

राम प्रमोल कुमार

7-9 फरवरी 2014 : विश्व भारती के सेंटर फॉर बुद्धिस्ट स्ट्डीज की ओर से 'भिक्षुणी संघ ऐंड इट्स इमपॉर्टेंस इन बुद्धिज्म' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ऑरिजिन ऐंड डेवलपमेंट ऑफ भिक्षुणी संघ' पर पत्र प्रस्तुत।

13-15 फरवरी, 2014 : विश्व भारती के संस्कृत, पाली व प्राकृत भाषा विभाग और महर्षि संदीपनी राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन की ओर से 'वेदिक इंटरप्रिटेशन : ट्रेंट ऐंड टेक्नीक' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'वेद साहित्य में उल्लेखित कुछ महत्वपूर्ण उपादानों की तुलनात्मक समीक्षा' पर पत्र प्रस्तुत।

5-7 मार्च, 2014 : विश्व भारती के संस्कृत, पाली व प्राकृत विभाग की ओर से 'इंडियन ट्रैडिशन ऑफ शब्दशक्ति ऐंड सेमेंटिकल इंटरप्रिटेशन एकार्डिंग टू ममनाता' पर पत्र प्रस्तुत।

वर्धित क्रियाकलाप/एनएसएस/सांस्कृतिक और विभागीय अन्य क्रियाकलाप और विभागीय शिक्षकों-विद्यार्थियों की भागीदारी

निरंजन जेना

अगस्त 2013 से इंटरनेशनल ब्यायज हॉस्टेल, पूर्व पल्ली, विश्व भारती में बतौर शिक्षक संरक्षक कार्यरत।

हरेकृष्ण मिश्र

भाषा भवन, विश्व भारती के साथ बतौर वाइस प्रिंसिपल संबद्ध।

गार्गी भट्टाचार्य

विभाग के विभिन्न उपलक्षों के समस्त सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ बतौर संयोजिका संबद्ध रहीं।

लक्ष्मीधर मलिक

16 फरवरी 2014 से अब तक विश्वविद्यालय के साथ बतौर एनएसएस कार्यक्रम संयोजन और 15.4.2012 से 15.2.1014 तक बतौर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी संबद्ध रहे।

राम प्रमोल कुमार

अगस्त 2013 से सीनियर ब्यायज हॉस्टेल, विद्या भवन हॉस्टेल, पूर्व पल्ली, विश्व भारती में बतौर शिक्षक संरक्षक कार्यरत।

अप्रैल 2013–मार्च 2014 की अवधि के प्रकाशन

अरुणा रंजना मिश्र

'पैटरियोटिज्म इन मॉडर्न सैंस्कृत पोयेट्री : शोधधारा"; खंड-2, सं. 1, 2014; पीपी 159-64; पी.सी पाधी संपादित, अबोहर (पंजाब); आईएसएसएन : 2320-2726

अरुण कुमार मंडल

'सैंस्कृत मैंसस्क्रीप्ट्स इन विश्व भारती : ए हिस्टोरिकल रिफ्लेक्शन'; कृषि रक्षणा; खंड-8, संख्या-1-4, अगस्त 2012–मार्च 2013; पीपी-21-25; आईएसएसएन : 2319-5304

जगत राम भट्टाचार्य

'कॉनसेप्ट ऑफ ब्रह्मचर्य इन जैनिज्म : इंडोलॉजिकल एसेज', (प्रो. सत्य रंजन बनर्जी के अभिनन्दन में एक खंड; कोलकाता; संस्कृत साहित्य परिषद और पुस्तक भंडार, 2014, पीपी. 307-315, आईएसबीएन–978-93-83368-55-6

निरंजन जेना

'इकोलॉजिकल अवेयरनेस रिफ्लेक्टेड इन बुद्धिज्म'; शोध समीक्षा; खंड-III, अंक-II, जुलाई से दिसंबर, 2013; विनय भवन, विश्व भारती, आईएसएसएन : 2249-5045 'ग्लोबल फ्रैटरनिटी ऐड रिफ्लेक्टेड इन द अथर्ववेद; पद्मपराग;' फरवरी 2014; संस्कृत विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, हजरतबल, श्रीनगर।

'मनुस्मृति ऐंड वूमेंस राइट्स' : डॉयनामिक्स ऑफ ह्यूमन राइट्स; पी. के. दास संपादित; बांकुड़ा; रामान्द् महाविद्यालय, विष्णुपुर, 2013, आईएसबीएन : 971-81-921246-1-2

हरेकृष्ण मिश्र

अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना और इंदिरा गांधी सेंटर फॉर नेशनल इंटीग्रेशन, विश्व भारती, 31 अगस्त--1 सितंबर 2013 की ओर से सोशियो–कल्चरल इंटीग्रीटी ऑफ भारत' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का संपादित सेमिनार बुलेटिन।

संजय कुमार मंडल

'भिक्षुणी इन बुद्धिज्म : ऐन आब्जरवेशन'; विद्यावार्ता (रेफर्ड जर्नल); जनवरी से मार्च 2014; आईएसएसएन : 23199318

गार्गी भट्टाचार्य

लाडनू, राजस्थान; जैन विश्व भारती इंस्टीट्यूट; आईएसएसएन–0974–8857 'टीचिंग ऑफ छांदोग्य उपनिषद : स्ट्रेस मैनजमेंट ऐंड बैलेंस्ड लाइफ; जे. के. टाइम्स : ए मल्टीडिसिप्लिनरि जर्नल'; जुलाई 2013; पुरुलिया, जगन्नाथ किशोर कालेज; आईएसएसएन–2278-4047

'दयानन्द सरस्वती'ज वेदिक ट्रेडिशन : सोशियो-रिचुअलिस्टिक मूवमेंट इन मॉर्डन इंडिया;' सुमेधा, मार्च 2014, शांतिनिकेतन : संस्कृत, पाली व प्राकृत विभाग, विश्व भारती।

भावी विकास योजनाओं के संकेत सहित भवन, सदन, विभाग के विकास का संक्षिप्त इतिहास

1901 में शांतिनिकेतन में ब्रह्मचर्य विद्यालय की स्थापना-काल से ही रवीन्द्रनाथ टेगोर ने अपनी शिक्षा पद्धति में संस्कृत को शैक्षिक पाठ्यक्रम के तहत बतौर अनिवार्य विषय प्रारंभ किया था। 1951 में इसे अलग और संपूर्ण विभाग की स्वीकृति की गयी थी; जब विश्व भारती को बतौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय महत्व के संस्थान का दरजा दिया गया। यहाँ संस्कृत, पाली और प्राकृत में अंडर-ग्रेजुएट, पोस्टग्रैजुएट, सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, विदेशी सामयिक कोर्स और शोध कार्यक्रम करवाये जाते हैं।

ओड़िया विभाग

यूजीसी नेट में उत्तीर्ण विद्यार्थियों के नाम :
अभिमन्यू मोहांत, अनिता प्रियदर्शिनी बेहेरा, आशुतोष राउत, विप्लव रंजन प्रधान, कल्पतरू नायक, प्रमोद कुमार दास, रंजीता पात्र, रघुनाथ ओझा, रविनारायण नायक, शिव प्रसाद शॉ, श्रीधर बारिक, शंभुनाथ ठाकुर, सौम्य रंजन बेहेरा;

यूजीसी जेआरएफ : चक्रधर दास, दयानिधि पारिदा, दासरती विश्वाल, स्वपनारानी सिंह।

विभागीय संगोष्ठी

राष्ट्रीय संगोष्ठी

ओडिशा विभाग की ओर से 23-24 फरवरी को 'इंपेक्ट ऑफ ट्राइबल कल्चर ऑन इंडियन लिटरेचर' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रो. सबिता प्रधान, विभागीय प्रमुख ने स्वागत भाषण दिया। सुप्रसिद्ध ओडिशा उपन्यासकार शांतनु कुमार आचार्य सत्र में मुख्य अतिथि थे। प्रो. तपती मुखर्जी, निदेशक, रवीन्द्र भवन, विश्व भारती ने उद्घाटन भाषण दिया। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर प्रकाश चंद्र पट्टनायक ने मूल भाषण दिया। संगोष्ठी में 17 पत्र प्रस्तुत किये गये। कार्यक्रम में वैचारिक आदान-प्रदान और विचार-विमर्श हुए। डॉ. हेमंत कुमार दास, डॉ. गौरांग चरण दास, प्रो. कैलाश पट्टनायक, डॉ. रघुनाथ मेहर, प्रो. अशोक कुमार दास, डॉ. हरेकृष्ण मिश्र, श्री सुमेध रणबीर भगवान, डॉ. लक्ष्मीधर मलिक, श्री सेंथिल प्रकाश, सुभाष राय, डॉ. अतनु शासमल, डॉ. संगाती सइकिया सरीखी आदिवासी संस्कृति और साहित्य के सुप्रसिद्ध विद्वानों ने संबद्ध क्षेत्रों पर पत्र प्रस्तुत किये।

'तपस्विनी' का शताब्दी समारोह

ओडिशा विभाग ने 'तपस्विनी' (कवि गदाधर मेहर की महान कृति) के शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी भी आयोजित की। 12 नवंबर 2013 को उद्घाटन सत्र था। प्रो. आदिकांडा साहू ने मूल भाषण दिया। डॉ. रघुनाथ मेहर सम्मानित अतिथि थे। प्रो. सबिता प्रधान, प्रो. मनोरंजन प्रधान, डॉ. एस. के. जेना, डॉ. आर. के. दास, डॉ. पी. पाटुलिया, श्री इंद्रमणि साहू, सुश्री सरिता प्रताप, कमललोचन दास, दीपक कुमार मिश्र, वर्मा विस्वाल, कल्पतरू नायक, अमरेश ठाकुर, शिव प्रसाद शॉ, दासरथी बिस्वाल ने अपने पत्र प्रस्तुत किये।

शिक्षकों और विद्वजनों की विभागीय संगोष्ठी

क्रमिक सं.	वक्ता	संगोष्ठी का शीर्षक	दिनांक
1.	प्रो. देवी प्रसन्न पटनायक	उत्तर आधुनिकता परिप्रेखिते ओडिया कथा कल्पना	29.8.2013
2.	प्रताप चन्द्र सदांगी	ओडिया भाषा ओ तार समस्या	29.8.2013
3.	प्रो. गिरीश चन्द्र मिश्र	ओडिया लिपिरा कंप्यूटेरी करना	6.9.2013
4.	डॉ. शत्रुघ्न पांडब	आधुनिक ओडिया कविता	12.9.2013
5.	प्रो. शिव प्रसाद अधिकारी	चासिंका निमंते जयबसरा	17.9.2013
6.	प्रो. अरुण रंजन मिश्र	कालीदास ओडीशारा की?	24.9.2013
7.	डॉ. बिजयानन्द सिंह	ओडिया गद्य साहित्य : प्यारी मोहन आचार्य	01.10.2013
8.	बनजा बासिनी बारिक	गल्पिका राधाविनोद नायक	29.10.2013
9.	डॉ. संतोष कुमार रथ	कवितार भाषा	25.11.2013

10.	कृपासागर साहू	मो जीवन : मो स्रुजना	28.01.2014
11.	प्रियरंजन पट्टनायक	अखिल मोहता पट्टनायकांक गल्परा चरित्र	4.3.2014
12.	प्रो. सबिता प्रधान	राज किसोरिया भाषाशैली	11.3.2014
13.	मिलन मोहंता	लोक विधारा गवेषणा ओ क्षेत्र अध्ययन पधहाती	18.3.2014
14.	प्रो. तपोधीर भट्टाचार्य	साहित्य पथ	22.3.2014

राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि

सबिता प्रधान

24-25 सितंबर, 2013 : डालमिया कालेज, राजगंगपुर की ओर से 'परजोर प्रतिकालिता आदिवासी संस्कृति ओ भाषा' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुतिकरण।

29 नवंबर, 2013 : साहित्य अकादेमी, दिल्ली की ओर से 'राजकिशोर राय सेंटिनरी सेलिब्रेशन' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'राजकिशोर रायंका गल्परा गठन शैली' पर प्रेजेंटेशन।

20-21 जनवरी, 2013 : विश्व भारती, बांग्ला विभाग की ओर से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ओडिया नाटकेर सांप्रतिक प्रबनता' पर प्रेजेंटेशन।

3-4 अक्टूबर, 2013 : ओडिशा साहित्य एकाडेमी, भुवनेश्वर आयोजित 'भ्रमण साहित्य' पर वार्ता प्रस्तुत।

कैलाश पट्टनायक

23-25 अक्टूबर, 2013 : नयी दिल्ली में 'फोकलोर : रिडनवेंटिंग पास्ट थ्रू पोक ट्रेडिशंस' पर जेएनयू, आईसीएसएसआर, आईजीएनसीए आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ओडिशी ऑफ ए डिसओबिडियेंट हीरो' पर पत्र प्रस्तुत।

20-21 अप्रैल, 2013 : वीएन कालेज, जयपुर में 'कांटेंपररी ट्रेंड्स इन ईस्टर्न इंडियन नॉवेल्स' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मूल भाषण प्रदान।

31 अगस्त–1 सितंबर 2013 : साहित्य अकादेमी व संबलपुर विश्वभारती, संबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में 'ऑटोबायोग्रॉफी, बायोग्रॉफी ऐंड क्रिटिसिज्म' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'उत्तरा स्वाधीनतारा गल्प अलोचनार आलोचना' पर पत्र प्रस्तुत।

3-5 अक्टूबर, 2013 : ओडिशा साहित्य अकादेमी, भुवनेश्वर की ओर से 'नावेल' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'समकालीन ओडिया उपन्यासेर परीक्षा धर्मिता' पर पत्र प्रस्तुत।

1 दिसंबर, 2013 : साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली और उत्कल साहित्य सदाज, कटक के संयुक्त सहयोग से 'लक्ष्मीधर नायक' पर आयोजित शताब्दी राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'प्रेमा ओ बिलरा रूपकार : लक्ष्मीधर' पर पत्र प्रस्तुत।

21 जनवरी, 2014 : विश्व भारती के बांग्ला विभाग की ओर से शांतिनिकेतन में 'इंडियन लिटरेचर : कांटेंपररी ट्रेंड्स' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।

25 फरवरी, 2014 : ओडिया विभाग, विश्व भारती की ओर से शांतिनिकेतन में 'इंपेक्ट ऑफ ट्राइबल कल्चर इन इंडियन लिटरेचर' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता।

13 फरवरी, 2014 : साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली और डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, डिब्रूगढ़ की ओर से 'साहित्यरती लक्ष्मीनाथ बेजबरुआ' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में स्वस्तिवाचन सत्र की अध्यक्षता की।

रिफ्रेशर कोर्स

5-6 मई, 2013 : 'फोक थियेटर्स ऑफ ओडिशा' पर संबलपुर विश्वविद्यालय, संबलपुर के ओडिया रिफ्रेशर कोर्स में बतौर रिसोर्स पर्सन चार व्याख्यान दिये।

9-10 जुलाई, 2013 : 'कांटेंपररी ओडिशा नॉवेल्स' और 'फोक परफॉर्मेंस ऑफ ओडिशा' पर गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी के असमिया रिफ्रेशर कोर्स में बतौर रिसोर्स पर्सन चार व्याख्यान दिये।

10-11 फरवरी, 2014 : 'बोडो ऐंड ओडिया शॉर्ट स्टोरीज' और 'परफॉर्मेंस थियोरी' पर गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी के बोडो रिफ्रेशर कोर्स में बतौर रिसोर्स पर्सन चार व्याख्यान दिये।
3-4 मार्च, 2014 : 'एक्सपेरिमेंट्स इन कांटेपररी ओडिया नावेल्स' पर उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर के ओडिया रिफ्रेशर कोर्स में बतौर रिसोर्स पर्सन चार व्याख्यान दिये।

वार्ता

5 जनवरी, 2014 : कादम्बिनी, भुवनेश्वर आयोजित राष्ट्रीय लेखक सम्मेलन के उद्घाटन-सत्र में सम्मानित अतिथि।
31 मई, 2013 : पाटनागढ़, बोलंगीर, ओडिशा में अशोक चंदन स्मृति सभा में मुख्य अतिथि।

मनोरंजन प्रधान

22 जुलाई, 2013 : बर्मिंघम यूनिवर्सिटी के संस्कृत विभाग में व्याख्यान और 'ओडिया : ऑन रिलेसन टू सैंस्कृत लिटरेचर' पर पत्र प्रस्तुत।
31 अगस्त–1 सितंबर, 2013 : ओडिया विभाग, संबलपुर विश्वविद्यालय की ओर से 'भ्रमण साहित्य' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'विश्वेर भ्रमण साहित्यारा इतिहास' पर प्रेजेंटेशन दिया।
12 नवंबर, 2013 : विश्व भारती के ओडिया विभाग की ओर से 'गंगाधर मेहर्र'स तपस्विनीः ए हंड्रेड ईयर्स सेलिब्रेशन' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'तपस्विनी रे नाटक' पर प्रेजेंटेशन।
5 सितंबर, 2013 : ओडिशा साहित्य अकादेमी, भुवनेश्वर की ओर से 'ओडिया प्रबंध साहित्य' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ओडिया प्रबंध' पर प्रेजेंटेशन।
19-20 दिसंबर, 2013 : संबलपुर विश्वविद्यालय की ओर से 'ओडिया फिक्शन' पर रिफ्रेशर कोर्स में 'तुलनात्मक प्रेख्यापहरे ओडिया उपन्यास' पर व्याख्यान प्रस्तुत।
20 मार्च, 2014 : भाषा-भवन की भाषा इकाई की ओर से 'इंपेक्ट ऑफ ग्लोबलाइजेशन ऑन ट्राइबल लैंग्वेज, लिटरेचर ऐंड कल्चर' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता की।
28 मार्च, 2013 : खोयाई पत्रिका के सालाना समारोह में समकालीन ओडिया कविता पर व्याख्यान।

प्रमिला पाटुलिया

12 नवंबर, 2013 : ओडिया विभाग, विश्व भारती की ओर से 'गंगाधर मेहर्र'स तपस्विनीः ए हंड्रेड सेलिब्रेशन पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'गंगाधर मेहरंका तपस्विनी काव्यारे सीतांक अबिचार' पर प्रेजेंटेशन।
24-26 जनवरी, 2014 : पी. एन. दास कालेज, पलता, उत्तर 24 परगना में आयोजित पश्चिमबंग इतिहास संसद के 30वें वार्षिक सम्मेलन में 'गंगाधर मेहरंका तपस्विनी आलोचना' पर प्रेजेंटेशन।
20-21 मार्च, 2014 : भाषा भवन, विश्व भारती की असमिया, मराठी व तमिल भाषा इकाई के साथ सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन लैंग्वेग, मैसूर के संयुक्त तत्वावधान में 'इंपेक्ट ऑफ ग्लोबलाइजेशन ऑन ट्राइबल लैंग्वेज, लिटरेचर' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मॉडर्नाइजेशन ऐंड बाथुडी कल्चरल सोसाइटी' पर प्रेजेंटेशन।
12 नवंबर, 2013 : ओडिया विभाग, विश्व भारती की ओर से 'गंगाधर मेहर्स तपस्विनी : ए हंड्रेड ईयर्स सेलिब्रेशन' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'शतायु बांधबी तपस्विनी ओ गीतांजलि' पर प्रेजेंटेशन दिया।
22 दिसंबर, 2013 : ओडिया विभाग, लक्ष्मीपुर कालेज, लक्ष्मीपुर, ओडिशा की ओर से 'गंगाधर मेहर ओ तपस्विनी' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'तपस्विनी : गंगाधरबंका सफला काव्यक्रुति' पर प्रेजेंटेशन। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि भी।
28-29 मार्च, 2014 : ओडिशा विभाग, बहरमपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा की ओर से 'ट्राइबल कल्चर ऑफ साउथ ओडिशा' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ट्राइबल कल्चर ऑफ साउथ ओडिशा' पर प्रेजेंटेशन।
9 जून, 2013 : महानगर बुक फेयर, बहरमपुर, ओडिशा में बतौर मुख्य अतिथि वार्ता।

रवीन्द्र कुमार दास

31 अगस्त–1 सितंबर, 2013 : अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, पूर्वी क्षेत्र और इंदिरा गांधी सेंटर फॉर नेशनल इंटीग्रेशन, विश्व भारती, शांतिनिकेतन के संयुक्त तत्वावधान में 'स्वामी विवेकानन्द ऑन सोशियो–कल्चरल इंटीग्रिटी ऑफ भारत' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'स्पिरिचुअलिटी ऐंड इट्स प्लेन–स्ट्रक्चर इन विवेकानन्द'स राइटिंग्स' पर पत्र प्रस्तुत।
12 नवंबर, 2013 : ओडिया विभाग, विश्व भारती, शांतिनिकेतन की ओर से 'गंगाधर मेहर्स तपस्विनी : ए हंड्रेड ईयर्स सेलिब्रेशन' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'केन्द्रीय चेतनारा आलोकरे तपस्विनीरा सीता : एका आकलता' पर पत्र प्रस्तुत।
13-15 फरवरी, 2014 : संस्कृत, पाली व प्राकृत विभाग, विश्व भारती और महर्षि संदीपनी राष्ट्रीय वेद प्रतिष्ठान, उज्जैन के संयुक्त सहयोग से 'वेदिक इंटरप्रिटेशंस : ट्रेंड ऐंड टेकनीक' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'सम वेदिक वर्ड्स ऐज व्यूड बाई श्री अरविंदो' पर पत्र प्रस्तुत।
11-15 जून, 2013 : उत्पल, श्री जगन्नाथ सेवा समिति, कोलकाता की ओर से 'श्री जगन्नाथ कॉनससनेस' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'श्री जगन्नाथ कॉनससनेस : ऑन स्पिरिचुअल प्वायंट ऑफ व्यू' पर पत्र प्रस्तुत।

इंद्रमणि साहू

12 नवंबर, 2013 : ओडिया विभाग, विश्व भारती की ओर से 'गंगाधर मेहर्स तपस्विनी : ए हंड्रेड ईयर्स सेलिब्रेशन' पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'तपस्विनी काव्यारे छंद' पर प्रेजेंटेशन।

शोध परियोजना

विभागीय चालू परियोजना

शिक्षक का नाम : डॉ. शरत कुमार जेना
परियोजना का नाम : ऐनिमल मॉस्क डांस ऑफ साउथ ओडिशा : ए प्रोफाइल
प्रायोजक एजेंसी : यूजीसी माइनर रिसर्च प्रोजेक्ट
अनुमोदित रकम : रु. 50,000/-
परियोजना की अवधि : 1.5 वर्ष
शिक्षक का नाम : रवीन्द्र कुमार दास
परियोजना का नाम : यूजीसी मेजर प्रोजेक्ट 'ओडिया लेक्सिकोग्रॉफी : ए क्रिटिकल स्ट्डी ऑन एवोल्युशन'
प्रायोजक एजेंसी : यूजीसी, नयी दिल्ली
अनुमोदित रकम : रु. 794, 000/-
परियोजना की अवधि : 2 वर्ष (2012–2014)

वर्धित क्रियाकलाप, सांस्कृतिक और अन्य क्रियाकलाप :

विभागीय

1. मार्च में एक पिकनिक आयोजित किया गया था। विद्यार्थिओं और शोधार्थियों के साथ ही समस्त शैक्षिक व अशैक्षिक कर्मचारियों ने पिकनिक में शामिल होकर इसका आनन्द भी लिया।
2. डॉ. शरत कुमार जेना, डॉ. प्रमिला पाटुलिया और प्रो. मनोरंजन प्रधान की अगुवाई में गैंगटॉक और दार्जिलिंग के लिए स्ट्डी–टूर आयोजित किया गया।
3. विभागीय छात्रों और शोधर्थियों ने वाल मैगजीन 'उत्कल भारती' (दो अंक) और 'स्पंदन' प्रकाशित किये।
4. विभाग ने एफ. एम. सेनापति पर भाषण के साथ फकीर मोहन जयंती मनायी और विद्यार्थियों ने एफ. एम. सेनापति रचित और डॉ. एस. के. जेना के निर्देशन में नाटक का मंचन किया।
5. डॉ. शरत कुमार जेना ने पॉवर प्वायंट के साथ दो नेट हेल्प कक्षाएं लीं।
6. डॉ. आर. के. दास ने विश्व भारती के विभिन्न विभागों के तीन सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने के साथ ही संगीत भी दिया।

7. श्री इंद्रमणि साहू ने अप्रैल 2014 से विभागीय सेमिनार लाइब्रेरी का प्रभार लेने के साथ ही इसे पुनर्गठित किया।
8. श्री इंद्रमणि साहू ने विभिन्न नेट हेल्प कक्षाएं लीं
9. डॉ. शरत कुमार जेना ने 20.4.2013 को ओडिया साहित्य परिषद, शांतिनिकेतन के वार्षिक समारोह में 'आन' नाटक को निर्देशित किया।
10. 21-27 नवंबर, 2013 को एलएसएन मिश्रित विश्वविद्यालय, दरभंगा, बिहार में डॉ. शरत कुमार जेना बतौर विश्व भारती टीम के अगुआ क्षेत्रीय स्तर के युवा उत्सव में उपस्थित थे।
11. डॉ. शरत कुमार जेना 18–22 फरवरी, 2014 को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, हरियाणा में बतौर अगुआ इंटर-यूनिवर्सिटी राष्ट्रीय युवा उत्सव में उपस्थित रहे।

शैक्षणिक उपलब्धि

कैलाश पट्टनायक

असमिया विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी के एसएपी प्रोग्राम की परामर्शदाता कमिटी में यूजीसी से नियुक्त।

रवीन्द्र कुमार दास

जनवरी 2014 को पंडिचेरी की त्रैमासिक पत्रिका 'दिव्या उनमिलाना' के संपादक-मंडल के सदस्य विशेष संपादक--द मेडिवल लिटरेचर ऑफ इंडो-आर्मन लैंग्वेजेज फॉर द स्वामिमान जर्नल ऑफ साइंस ऐंड लिटरेचर, ए ट्रॉयलिंगुअल पीयर रिव्यूड क्वार्टरली, स्वामिमान प्रकाशन, वाल्यूम नं. 05, अक्टूबर-दिसंबर 2013, आईएसएसएन : 2320-1479

अगस्त 2013 से आजीवन सदस्य, फकीरमोहन साहित्य परिषद, बालासोर, ओडिशा

ईंदुमणि साहू

मेंबर ऑफ एडवाइजरी बोर्ड, द मुगुपुर समाचार, मासिक ओडिया समाचारपत्र, मुगुपुर, क्योंझड़।

प्रकाशन

पाठ्य-पुस्तकें :

सबिता प्रधान

ब्रह्मपुत्रर अखपाखरे, साहित्य अकादेमी से प्रकाशित ओडिया रूपांतर, 2013, आईएसबीएन : 978-81-260-4085-8

कैलाश पट्टनायक

साहित्यरथी लक्ष्मीनाथ बेजबरुआ, गुवाहाटी, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, मार्च, 2014

मनोरंजन प्रधान

कान्हू चरण चयनिका (संपा.) साहित्य अकादेमी से प्रकाशित, 2013, आईएसबीएन : 978-81-260-4215-9

पत्रिका :

शरत कुमार जेना

साहित्य (संपादक) : अक्टूबर, 2014

शोध पत्र

कैलाश पट्टनायक

'सरला महाभारतरा अक्षयाना : ब्याप्ति बिश्रुति'–श्रुजनिका, खइरा कालेज, खइरा, बालासोल, ओडिशा।
'सरला महाभारत : मौखिका परंपरा'–सहकारा, कटक, अक्टूबर 2013
'समकालीन पूर्व भारतीय उपन्यासरा धारा', इश्तहारा, भुवनेश्वर, अक्टूबर 2013
'प्रकृतिरा बिश्वरुपा : शेष शरता'–कुशुमिता, भुवनेश्वर, अक्टूबर 2013
'चंदनारा गंधा : अशोक चंदनका गल्प प्रसंगा'—सप्तर्षि, संबलपुर विश्वविद्यालय, संबलपुर, अक्टूबर–दिसंबर 2013

‘असमिया गल्पनदिरा ढेऊ’, कादंबिनी, जनवरी 2014
‘अपांक्तेय उपलारू उरथित अहल्या’, झंकार, कटक, जनवरी 2014

सबिता प्रधान

‘रामचंद्रा बेहरंका गल्पारा भाबवस्तु’, प्रतिवेसी, अक्टूबर 2013
‘समयारा देना’ श्रुजनी समालोचना जुगलबन्दी, भुवनेश्वर, फरवरी 2014

प्रमिला पाटुलिया

‘ओडिशार ग्रामचालेर रकमारी पीठ–एकोटी आलोचना’, अभियात्रीकारी, फोकलोर एडुकेशन ऐंड रिसर्च जर्नल, पेज-255–258, जून, 2013 (आईएसएसएन : 2231-2862)
‘बाथुडी जातिरा निर्गुन उपासना’, सप्तर्षि, जुलाई-सितंबर, 2013, पेज-31-32 (आईएसएसएन : 0973-3264)
‘बाथुडी समाचार बिबाह कलिआन कंदना गीता’, अथोरा उल, जनवरी-मार्च, 2014, पेज-24-26

शरत कुमार जेना

‘प्रदर्शिनी कला; एका विहंगावलोकन’–झंकार, मासिक, कटक, अप्रैल 2013
‘भारतरे महिलामनांक स्थिति ओ बिकाश’–आइना, मासिक, कटक, अक्टूबर 2013 (पेज-257-259)
‘त्राग्देयर स्वरुप ओ बोइसिस्ट्य’–नाटक कबिता प्रसारित दिग्बलया, संपा.–संघमित्रा मिश्र, अग्रदूत, कटक, नवंबर 2013 (पेज नं.–179-182), आईएसबीएन : 81-86354-123-5
‘प्रगतिबादी सिद्धांतरा अभिनव आलोचना : प्रगतिबादी काब्य चेतना’–द्रुश्य द्रुश्यांतर जीवन नाटक, संपा. प्रो. संघमित्रा मिश्रा व अन्य, एर्थना बुक्स, भुवनेश्वर, 2014 (पेज नं. 232-239), आईएसबीएन : 13 978-93-80759-73-9
‘नानीबाद : भारतीय प्रेक्षापट्ट’–सप्तर्षि, संबलपुर विश्वविद्यालय, संबलपुर, ओडिशा, अक्टूबर-दिसंबर, 2013 (पेज नं.-8-15), आईएसएसएन : 0973-3264
“त्रुटियाँ पादरे संपर्क पारिभाषा”–काव्यदृष्टि, एथेना बुक्स, भुवनेश्वर, जनवरी, 2014 (पेज न., 114-118), आईएसबीएन: 978-93-80759-42-5

रवींद्र कुमार दास

“विपथनारा बिपाथु सर्वश्री ‘आस्था अनाला’ उपन्यासा” स्वाभिमान, विज्ञान और साहित्य जर्नल, वर्ष 27, अंक-3 अप्रैल-2013, त्रिभाषी, त्रैमासिक समीक्षित, आई.एस.एस.एन 2320-1479: 69-80।
“महाकाव्यिका सरला दास”, स्वाभिमान, विज्ञान और साहित्य जर्नल, वर्ष 27, अंक-4 जुलाई-2013, त्रिभाषी, त्रैमासिक समीक्षित, आई.एस.एस.एन 2320-1479: 75-80।
“सम मेमोरेबेल मुवमेंट विथ मदर” - तारा जहर, दिव्या उन्मिलाना, त्रैमासिक, प्रथम वर्ष, अंक-1जुलाई 2013, पांडिचेरी, भारत। पेज 39-42
“चतुरविद्या अहंकार”, दिव्या उन्मिलाना, त्रैमासिक, प्रथम वर्ष, अंक-1जुलाई 2013, पांडिचेरी, भारत। पेज 53-55
“परामपरिकता, आधुनिकता एवं उत्तर आधुनिकता मनदानदरे बिनापानिका ‘सीसा गृह’ ” आकांक्षा अक्टूबर-2013, बालासोर, ओडिशा,पेज- 30-36
ओडिसारे समसकुरता मातृभाषा प्रसंग, शाक्षरा, अक्टूबर 2013, कटक, उड़ीसा, पेज- 47-49
बिपथना बनाम विपथना, अलकांडा, मासिक, अक्टूबर 2013, बालासोर, ओडिशा, पेज 35-38
चायना,चायना तत्व एवं चायरणा विविध रुपरेखा, साहित्य कलिंगा साहित्य समाज, बहरमपुर, गंजाम, ओडिशा, शारदीय विशेशांक, अक्टूबर, 2013, पेज-30-34।
गीतांजलि और अर्घयांथलि के बीच में एक आध्यात्मिक बनाम रहस्यवादी विश्लेषण, साहित्य भाइका, फकीरमोहन साहित्य परिषद, जनवरी, 2014, पेज-120-124

“रजनीतीरा नियनतराना मध्यारे ‘वंदे मातरम’ ” जगदीश भट्टाचार्य, दिव्या उन्मिलाना, त्रैमासिक, वर्ष-1, अंक-3, जनवरी-2014, पांडिचेरी, भारत, पेज- 30-32

“रजनीतीरा नियनतराना मध्यारे ‘वंदे मातरम’ ” जगदीश भट्टाचार्य, दिव्या उन्मिलाना, त्रैमासिक, वर्ष-1, अंक-4, मार्च-2014, पांडिचेरी, भारत। पीपी। 35-38

“करूपसागरंका स्नेह शस्त्रः एका बरूतिया बिश्लेशानामुल्का परासया” कुसुमिता, सारता सांख्य, अगस्त-सितम्बर 2013, भुवनेश्वर, ओडिशा. पेज 84-91।

इन्द्रमणि साहू

“लक्ष्मीनाथ बेजुबारूखा जिवन : एक सिंहावलोकन” अंग्रेजी से ओडिया अनुवाद, साहित्यरथी लक्ष्मीनाथ बेजबोरह, संपादक प्रो कैलाश पटनायक, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, मार्च, 2014, पेज 25-36,

“लक्ष्मीनाथ बेजबोरह : एक परिचयात्मक आलेख”, अंग्रेजी से ओडिया अनुवाद, साहित्यरथी लक्ष्मीनाथ बेजबोरह, संपादक- प्रो. कैलाश पटनायक, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, मार्च, 2014, पेज 37-53.

नए पाठ्यक्रम की रूपरेखाः

विभाग के विकास और भविष्य की योजना का एक संक्षिप्त इतिहासः

ओडिया विभाग, विश्वभारती, की कल्पना सन् 1947 में की थी। 1951 में नियमित रूप से पोस्ट-ग्रेजुएट विभाग के रूप में स्थापित किया गया था। यह विभाग केवल स्नातकोत्तर विभाग और ओडिशा के बाहर देश में ओडिया भाषा और साहित्य के सीखने का केन्द्र है। यह अंडर ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट, एम.फिल व पीएच.डी. शिक्षण कार्यक्रमों प्रदान करता है। इसके अलावा भी सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करता है। अपनी स्थापना के बाद से विभाग अनुसंधान और शिक्षण गतिविधियों में एक उच्च स्तर को बनाए रखने की गई है।

विभाग योजना बनाई है

क) मौजूदा लोक विरूपण साक्ष्य संग्रहालय को समृद्ध करना।

ख) ओडिया में पुनःचर्या पाठ्यक्रम का आयोजन शुरू करना।

अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन विभाग

अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामी अध्ययन एवं विकास के लिए भविष्य की योजना का एक संक्षिप्त इतिहासः
विभिन्न धार्मिक विचारधाराओं और विभिन्न स्कूलों के बीच बेहतर समझ के लिए, इस्लामिक स्टडीज विभाग की स्थापना के समय, एक शोध के बीच मेल-मिलाप की व्यापक गुंजाइश की ओर उन्मुख विभाग गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के वांछित लक्ष्य की प्राप्ति की ओर ले जाने का मतलब था। समय बीतने के साथ कुछ और पाठ्यक्रम अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामिक स्टडीज के एक संपूर्ण विभाग बनने के लिए योजना शुरू किया गया था। वर्तमान में विभाग में पाठ्यक्रम स्तर के चल रहे हैं। स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर प्रमाण पत्र और डिप्लोमा स्तर पर फारसी, अरबी उर्दू शामिल है। विभाग में भाषा, साहित्य एवं संस्कृति, एशियाई इंडो पश्चिम तुलनात्मक अध्ययन के लिए उत्कृष्टता के एक केन्द्र के रूप में खुद को विकसित करने के लिए कठिन प्रयास कर रहा है। इस लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में कुछ अधिक पाठ्यक्रमों के तहत स्नातकोत्तर स्तर पर पूरा कोर्स के द्वारा स्नातक स्तर पर एक सहायक पाठ्यक्रम के रूप में अरबी की तरह पेश किया जाना है। पाठ्यक्रम की शुरुआत के साथ, विभाग फारसी और बगदाद की अपनी यात्रा के दौरान इस तरह की इच्छा व्यक्त की है जो गुरुदेव का दुर्लभ लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक बेहतर स्थिति में होंगे।

विभागीय संगोष्ठी :

प्रो. आजरमी, एएमयू, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश, अरबी, फारसी, उर्दू और इस्लामिक स्टडीज, पर भाषा भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल के विभाग द्वारा आयोजित मध्यकालीन 'भारत पर फारसी-इस्लामी प्रभाव' विषय पर निजाम बंदोबस्ती व्याख्यान दिया। दिनांक 02.03.2014 को संकाय सदस्य, छात्रों और विद्वानों ने भाग लिया।

सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रदर्शनी आदि :

वासिफ अहमद

3 मार्च 2013 : राष्ट्रीय संगोष्ठी, (परवेज सहीदी इजतेबा रिजवी, जमील मजहर) की उर्दू शायरी के पोस्ट शाद ट्रिनिटी पर उर्दू, पी. जी. द्वारा आयोजित आर.एन. कॉलेज, हाजीपुर, वैशाली, 3-4 मार्च 2013 बिहार; उर्दू शायरी के विकास के लिए जमील मजहर का योगदान' विषय पर एक शोध पत्र पढ़ा।

5 मार्च 2013: फारसी रिसर्च की साहित्यिक-सांस्कृतिक गतिशीलता, पर फारसी शोध संस्थान, ए -4 शिबली रोड, और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 5-7 मार्च 2013 को अमिर साहित्य और संस्कृति के विकास के लिए खुसरो का योगदान के योगदान' विषय पर एक शोध पत्र पढ़ा।

21 अगस्त 2013: यूजीसी के सहयोग से यूजीसी-अकादमिक स्टाफ कॉलेज, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, में आयोजित, दिनांक 21.08.2013 से 10.09.2013 तक ओरियटेशन कोर्ष में भाग लिया।

21 जून 2013: भारतीय साहित्य में समकालीन प्रवृत्तियों पर बाँग्ला विभाग, विश्वभारती शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी, में 21 जून 2013 को इस्मत चुग़ताई की उर्दू लघु कथाएँ के रूप में परिलक्षित सामाजिक-राजनीतिक और सदी के आधुनिक भारतीय समाज के सांस्कृतिक जीवन' विषय पर एक शोध पत्र पढ़ा।

28 दिसंबर 2013: भारतीय कांग्रेस के भारत के इतिहास (आईएचसी) पर इतिहास विभाग, रावण शॉ विश्वविद्यालय, कटक, उड़ीसा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी, में मौकतुबत-ए सादी मखदूम उल मुल्क शेख अहमद याहा मेनारी (सौ पत्र), एक अध्ययन पर एक शोध पत्र पढ़ा।

29 मार्च 2014: फारसी विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में उमर खय्याम की रूबायत और दर्शन विषय पर एक शोध पत्र पढ़ा।

मोहम्मद फैक़

24 अप्रैल 2013: यूजीसी के सहयोग से लेडी ब्रेबॉर्न कॉलेज, कोलकाता द्वारा आयोजित अमीर खुसरो और

भारतीय शास्त्रीय संगीत पर अपने संगीत के प्रभाव' विषय पर एक शोध पत्र पढ़ा।
5 सितंबर, 2013: विनय भवन, विश्वभारती, द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी "द लिजैन्सी ऑफ राधाकृष्नन : रिप्रेजेंटिंग इंडिया इन द न्यू ग्लोबल ऑडर" में रवीन्द्रनाथ टैगोर और राधाकृष्णन के शिक्षा में योगदान सत्र का अध्यक्षता की।
5 सितंबर, 2013: विनय भवन, विश्वभारती, द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी "द लिजैन्सी औफ राधाकृष्णन : रिप्रेजेंटिंग इंडिया इन द न्यू ग्लोबल ऑडर" में शांति और भाईचारे का चमत्कार का एक अनूठा दर्शन मौलाना रूमी विषय पर एक शोध पत्र पढ़ा।
3 फरवरी 2014: विनय भवन, विश्वभारती, शिक्षा विभाग, द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ट्रेसर "दि ट्रानकुलिटी : फिलॉसिफिकल लिजेन्सी औफ इंडियन एडुकेशन" में फिलॉसिफी ऑफ इसलाम एडुकेशन : क्लासिकल भिउ एन्ड एम.एफ गुलिनस प्रेसप्रेक्टिव विषय पर एक शोध पत्र पढ़ा।
9 फरवरी 2014: महिला शिक्षा केन्द्र और कर्मी मंडली, विश्वभारती के द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी "भारतीय रंगमंच में महिलाओं की उपलब्धि' में भारतीय रंगमंच में महिलाओं की उपलब्धि विषय पर एक शोध पत्र पढ़ा।
18 फरवरी 2014: दर्शन विभाग और तुलनात्मक धर्म विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी 'रामकृष्ण परमहंस और भारत की रहस्यवादी परंपरा में दर्शन' में श्री रामकृष्ण और उसकी रहस्यमय दृश्य विषय पर एक शोध पत्र पढ़ा।
20 फरवरी 2014: भाषा भवन के असमिया, मराठी और तमिल विभाग, विश्वभारती और भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के संयुक्त तात्वाधान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी "जनजातीय भाषा, साहित्य और संस्कृति पर वैश्वीकरण के प्रभाव" वैश्वीकरण और आदिवासी पहचान पर एक शोध पत्र पढ़ा।
24 फरवरी 2014: अरबी विभाग, परेशियन विश्वविद्यालय, कोलकाता और मौलाना अबुल कलाम एशियाई अध्ययन संस्थान के संयुक्त तात्वाधान में आयोजित अंतराष्ट्रीय संगोठी में अमिर खुसरो और इकबाल के काव्य में एकरूपता विषय पर एक शोध पत्र पढ़ा।
12 मार्च 2014: परेशियन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी "इसा राईटिंग इन परेशियन : ऐ लिटरेरी सोर्श औफ कल्चरल एण्ड हिस्टोरिकल इनफॉरमेशन" में सोसियो पोलिटिकल सिनारियो डिउरिगं द रुल ऑफ औरंगजेब इन लाइट औफ एक्सचेंज लेटर्स विषय पर एक शोध पत्र पढ़ा।
29 मार्च 2014: यूजीसी के सहयोग से परेशियन विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी "फिलॉसिफिकल विसडम ऑफ उमर ख्ययाम एण्ड इट्स इमपैक्ट ऑन इस्टर्न एण्ड वेस्टर्न फिलौसिकल सर्कल" में उमर खय्याम ऐज जेनुन फ्रॉम द फिलौसिपिकल परसपेक्टिव विषय पर एक शोध पत्र पढ़ा।

औरंगजेब आजमी

9 सितंबर, 2013: आई. एच. एफ, न्यू दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी "यूनानी मेडिसिन : बियोंड ट्रेडिशनल लेजेंसी" में यूनानी साहित्य और फारसी भाषाओं पर एक शोध पत्र पढ़ा।
27 अक्टूबर 2013: मानविकी अनुसंधान केन्द्र, सुल्तान कबूस विश्वविद्यालय, मस्कट, ओमान, द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, "मुसकैट : हिस्टोरी एण्ड सिविलाईजेशन" में एक शोधपत्र पढ़ा।
5 सितंबर, 2013: विनय भवन, विश्वभारती, द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी "द लिजैन्सी ऑफ राधाकृष्णन : रिप्रेजेंटिंग इंडिया इन द न्यू ग्लोबल ऑडर" में ऐनिसेंट इंडियन ट्रेजर ऑफ नॉलेज एण्ड अरब मुस्लिम विषय पर एक शोध पत्र पढ़ा।
3 फरवरी 2014: शिक्षा विभाग, विनय भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी "ट्रेजर ऑफ ट्रांसक्वालिटी : फिलौसिपकल लिजेंसी औफ इंडियन एडुकेशन" में एडुकेशनल इंस्टुशन डिउरिंग द पिरियड ऑफ द मुहम्मद विषय पर एक शोध पत्र पढ़ा।
24 फरवरी 2014: अरबी विभाग, परेशियन विश्वविद्यालय, कोलकाता और मौलाना अबुल कलाम एशियाई

अध्ययन संस्थान के संयुक्त तात्वाधान में आयोजित अंतराष्ट्रीय संगोठी में आजमगढ़ जिला में अरबी कवि एक विशेष अध्ययन विषय पर एक शोध पत्र पढ़ा।

अतिकुर रहमान :

23 मार्च 2013, इरान सोसाइटी द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार "यूरोपियन स्कालर का भारत में परसियन अध्ययन के क्षेत्र में योगदान में डॉ. आलोएज स्पेंजर और पारसियन अध्ययन में उनका योगदान विषय पर शोध पत्र पढ़ा।

21 सितम्बर 2013, वि.अ.आ. द्वारा ऐकेडेमिक स्टॉफ कॉलेज, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में आयोजित रिफ्रेसर कोर्स में भाग लिया।

20 फरवरी, 2014, भाषा भवन के असमिया, मराठी और तमिल विभाग विश्वभारती और केन्द्रीय भाषा संस्थान मैसूर के संयुक्त तत्ववधान में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी जनजातीय भाषा साहित्य और संस्कृति पर वैश्वीकरण के प्रभाव में एक शोध पत्र पढ़ा।

3 फरवरी 2014, शिक्षा विभाग, विनय भवन विश्वभारती द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ट्रेजन ऑफ ट्रान्स-क्वालिटिः फिलोजफिकल लिजेन्सी ऑफ इन्डियन एडुकेशन में सुफिज्म एण्ड सम ग्लोबल इरानियन एण्ड इन्डियन सुफी विषय पर एक शोधपत्र पढ़ा।

24 फरवरी, 2014, अरबी विभाग परशियन विश्वविद्यालय, कोलकाता और मौलाना अब्दुल कलाम आज़ाद कॉलेज कोलकाता के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 'द एराबिक एण्ड परशियन पोयेट्रि इन इन्डिया' में सबके -इ-हिन्दी एक परिचय विषय पर शोधपत्र पढ़ा।

5 मार्च 2014, परशियन अनुसंधान संस्थान, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 'द लिटरेरी कल्चरल डाइनेमिक ऑफ खुसरो थॉट् एण्ड आर्ट' में अमीर खुसरो देहलवी एण्ड सबके-ई-हिन्दी विषय पर एक शोधपत्र पढ़ा।

विभाग में चल रही अनुसंधान परियोजनाः

1.शिक्षक का नाम : प्रो एन.ए. खान

परियोजना का नामः

क) आधुनिक फारसी कविता के परिप्रेक्ष्य

ख) तराहना-आई- टैगोर (टैगोर के गीतों का फारसी अनुवाद)

ग) रवीन्द्रनाथ टैगोर का विश्व परिचय का फारसी अनुवाद

2. शिक्षक का नाम डॉ. मोहम्मद फेक

क)परियोजना का नाम

सर एडवर्ड डेनिसन रॉस और बंगाल में फारसी और इस्लामी अध्ययन के विकास में उनके योगदान।

ख). परियोजना के लिए स्वीकृत राशि

स्वीकृत राशि शून्य

शिक्षक का नाम : डॉ औरंगजेब आजमी

परियोजना के नामः रवीन्द्रनाथ टैगोर का विश्व परिचय का फारसी अनुवाद

शिक्षक का नामः डॉ. अतिकुर रहमान

परियोजना का नामः परेसियन आर्टिकल ऑफ मैरिफ मंथली सेलेक्शन एण्ड एनालाईसिस।

विस्तार गतिविधियाँ :

प्रो.(मेजर) एन.ए खान 15 अगस्त 2013 स्वतंत्रता दिवस और 26 जनवरी 2014 गणतंत्र दिवस पर परेड का आयोजन किया,

अप्रैल 2013 से मार्च 2014 के भीतर का प्रकाशनः

प्रो एन ए खान

पत्रिकाओं में लेख

मौक्यते आदब वा आदेब डर इतना वा तररहसोबा अरबी, साफेन, शोध पत्रिका परेशियन भाषा, साहित्य और संस्कृति, न. 11, 2013, पेज 17-25, पंजाब विश्वविद्यालय, लाहौर पाकिस्तान।

वासिफ अहमद

क) पुस्तकें

फारसी पाठ (गद्य), 2013

फारसी पाठ (कविता), 2013

ख) आलेख जर्नल में प्रकाशित

"नज़ारी ए कुथा वार नकदे क्वात ए बुरहन" कंद इ पर्सी त्रैमासिक पत्रिका पृ.-5-58, स्प्रींग-ऑटम विनटर 2012-213 परेसियन अनुसंधान केन्द्र, इस्लामिक गंत्रातिक संस्कृति भवन, 18 तिलक मार्ग, नई दिल्ली-01

शैख सदी : अलमबरदार ए इनसंग्राई ओ हमजीस्त ए मसालीमत् आ मीज़, इंडो इरानिया त्रैमासिक पत्रिका, आईएसएसएन-0378-0856, भाग-65, अंक-3-4, इरान सोसाइटी, 12 डॉ. एम इसाक रोड, कोलकाता-16

इनसानम आरजुसट, परेसियन विभाग, एएमयू, अलीगढ़ से 2013 में सेमिनार प्रकाशित।

औरंगजेब आजमी

अल-मकलल्त अल सब, न्यू दिल्ली, अल किताब इंटरनेशनल, अक्टूबर-2013, आईएसबीन 978-93-922739-0

मुशक्त फि अरबा इनियात मिन करम अल इशरिन, न्यू दिल्ली, रोजबर्ड बुक्स, अक्टूबर-2013, आईएसबीएन 81-925611-3-4

अल हिजाब, न्यू दिल्ली, रोजवर्ड बुक्स, दिसम्बर-2013, आईएसबीएन-978-81-925611-1-0

अल-जुधुर, न्यू दिल्ली, रोजवर्ड बुक्स, जनवरी-2014, आईएसबीएन-978-81-925611-4-1

अल खवालि, न्यू दिल्ली, रोजवर्ड बुक्स, फरवरी-2014, आईएसबीएन-978-81-925611-58

बि थातु अहमद बिन अल ना मन, न्यू दिल्ली, रोजवर्ड बुक्स, मार्च-2014, आईएसबीएन-978-81-925611-6-5

पूर्णः

ए-तलाह उल मनदुत फि सु आरावगयाह अल हुनद (ऐन इनसाइकलोपिडिया ऑफ इंडियन पोएटस ऑफ अरबिक लैंगुएज)

ता-विल-यू-आयत (इंटरप्रिटेशन एण्ड इक्सप्लानेशन ऑफ सम डिफकल्ट वरसेस औफ द कु-रान)

अल-तुराथ अल मनकुल (अरबिक ट्रांसलेसन ऑफ तरजुम औफ सिबली नोमानि इन उर्दू)

अल मानुम (अरबिक ट्रांसलेसन ऑफ अल मानुम औफ सिबाली नोमानि इन उर्दू) कलेक्शन ऑफ अरबिक राइटिंग सिबली नोमानी (कलेक्शन और प्रकाशन)

पत्रिकाओं में लेख प्रकाशितः

तफसर तादाबुरउल कुरान-6 (कुरानिक कनटेम्परोरी तदाबुर-इ-कुरान),माजाल्ला-उल-हिन्द (एम.एच) खण्ड-2, अंक-2 अप्रैल-2013, पेज-7-55, आईएसएसएन-2321-7928

अल-कुरबा (द रिलेसन) एमएच खण्ड-2, अंक-2, अप्रैल-जून 2013, पेज न. 202-211, आईएसएसएन-2321-7928

सुनदहकन लि जुदाद (फंड फॉर कॉमर्श) एमएच खण्ड-2, अंक-2, अप्रैल-जून 2013, पेज न. 212-214, आईएसएसएन-2321-7928

तफसिर तादाबुरल कुरान-7 (कुरानिक कॉमेन्टरी तदाबुर-इ-कुरान) एमएच खण्ड-2, अंक-2, जुलाई-सितंबर

2013, पेज न. 8-21, आईएसएसएन-2321-7928

इनयातुल अरब बियाल उलउम अल हिन्दियाह (इन्टरेसट ऑफ द अरबिस इन द इंडियन साइंस) एमएच खण्ड-2, अंक-2, जुलाई-सितंबर 2013, पेज न. 95-120, आईएसएसएन-2321-7928

अल-परफिसुर अबु महफुज अल मा सुमी, हयात वा अथरुहु (प्रोफेसर अबु महफुजल अल करम अल मा सुमि हयातुहु वा अथराहु (प्रोफेसर अबु महाफुर अल-करिम सौसुमि, लाईफ एण्ड वर्क्स) एमएच खण्ड-2, अंक-2, जुलाई -सितंबर 2013, पेज न. 146-176, आईएसएसएन-2321-7928

अलघायरत (जेल) एमएच खण्ड-2, अंक-2, जुलाई-सितंबर 2013, पेज न. 207-209, आईएसएसएन-2321-7928

अल-हिदायह बि अल मिलाद (प्रसेंट ऑन द ओकेज़न ऑफ क्रिसमस डे) एमएच खण्ड-2, अंक-2, जुलाई-सितंबर 2013, पेज न. 210-214, आईएसएसएन-2321-7928

तफसिर तब्बुरुल कुरान-8 (कुरानिक कॉमेंटरी तदाब्बुर इ- कुरान) एमएच खण्ड-2, अंक-2, अक्टूबर-दिसंबर 2013, पेज न. 7-22, आईएसएसएन-2321-7928

अल-इमाम अल फारिहि वा नाजरियाय अन-अल इनजिल (इमाम फारहि भिउ ओभर गोपसेल) एमएच खण्ड-2, अंक-2, अक्टूबर-दिसंबर 2013, पेज न. 23-45, आईएसएसएन-2321-7928

अला हामिश ए सिराह, दिरास थालियाह नाकिदियाह (ए क्रिटिकल एण्ड एनालाईटिकल स्टडि ऑफ अला हामिश ए सिराह एमएच खण्ड-2, अंक-2, अक्टूबर-दिसंबर 2013, पेज न. 94-113, आईएसएसएन-2321-7928

मुसाहद फि अल हिंद एमएच खण्ड-2, अंक-2, अकटूबर-दिसंबर 2013, पेज न. 174-212, आईएसएसएन-2321-7928

अला जाएकोमिसइको ए सुदराह, डिराईकोश थिलियाह नकदियाह (ए क्रिटिकल एण्ड एनालाईटिकल स्टडि ऑफ ए अला जेकोमिस ए सुराह, अल आसिम, खण्ड-5, 2013 पेज-59-65, आईएसएसएन -2277-9914

पुस्तक में प्रकाशित आलेख

हिकमातुल कुर एन फि सोयाइकानु अल कुर आइको (विसडम ऑफ द कुर आइकॉन वा टाफसिरओआहा (रोल ऑफ द प्रोफेटिक सेयिगं इन एक्सप्लेनिंग द कुर्र-आन) अल मकलत अल साबा पेज-97-134, आईएसबीन-978-81-9222739-9-0

अतिकुर रहमान

रिसर्च पेपर/आलेख :

निजारी निशापुरी वा सबके इ हिन्दी (परेशियन) फारसी भाषा, साहित्य और संस्कृति की एक शोध पत्रिका, नं 11, 2013, पेज- 77-97, पंजाब विश्वविद्यालय, लाहौर, पाकिस्तान।

वुमेन सोसल स्टेटस इन इंडिया (अंग्रेजी) मानुसी वार्षिक पत्रिका, जून-2012 से फरवरी 2014, महिला शिक्षण केंद्र, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पेज 75-84।

पुस्तक में प्रकाशित आलेख

प्रो सैयद मोहम्मद तारिक हसन और उनके रोफ़का (उर्दू), सौघत : प्रो. सैयद मोहम्मद तारिक हसन की साक्षी इनफ्रदिअत और शैराना साउर, डॉ. जी. ए क्वादरि, द्वार संपादित, न्यू दिल्ली, एडुकेशनल पब्लिशिंग हाउस, 2013, पृ. 24-28, आईएसबीएन-978-93-5073-172-7

शिक्षक/ शोधार्थी द्वारा विशेष योग्यता :

क) प्रो. एन ए खान, को उर्दू विषय में अनुसंधान सलाहकार समिति के विषय विशेषज्ञ के रूप में बर्दवान विश्वविद्यालय के कुलपति द्वार अनौपचारिक रूप से नियुक्त किया।

ख) प्रो. एन ए खान, पश्चिम बंगाल उर्दू अकादमी के सदस्य।

ग) डॉ. अनुराग जेब आजमी संपादक, अरबी त्रैमासिक मंज्जला तुल हिंद, किसलय किसलय अकादमी, बेराचापा,

काउकेपाड़ा, उत्तर 24 परगना, प.बं. जनवरी 2012 से अभी तक।
घ) डॉ. औरंगजेब आजमी, संपादकीय बोर्ड के सदस्य द्विवार्षिक त्रिभाषी हाजरा इसलामिक, हजारा विश्वविद्यालय पाकिस्तान।
ई) डॉ. औरंगजेब आजमी, अखिल भारतीय शैक्षिक आंदोलन के सदस्य फ़रवरी 2011 के बाद से आज तक है।
च) डॉ. औरंगजेब आजमी, ओल्ड बॉयेज एसोसियेशन ऑफ माद्रासातुल इसलाह, शाखा, दिल्ली जमात-ए-इस्लामी कैम्पस, अबुल फज़ल जमानिया नगर, नई दिल्ली -25
छ) डॉ. औरंगजेब आजमी, अध्यक्ष, मौलाना आजाद आदर्श शिक्षा ट्रस्ट, बोलपुर, पशिचम बंगाल, 2014 से आजतक।
ज) डॉ. औरंगजेब आजमी, संपादक, अरबी त्रैमासिक मजाला तुल हिन्द, प.बं. 2012 से आज तक।
झ) डॉ. औरंगजेब आजमी, सेक्रेटरी, ईसलाही स्वास्थ्य संस्थान, नई दिल्ली, 2010 से आज तक।
डॉ आजमी, की त्रैमासिक अरबी शोध पत्रिका संशोधित प्रो. आयुव यतदून नक़बी, तक्फतुल हिन्द (64/3/79-99) अरबी त्रैमासिक आईसीसीआर, नई दिल्ली, भारत द्वारा प्रकाशित।
डॉ आजमी, की त्रैमासिक अरबी शोध पत्रिका संशोधित डॉ. वरीश मज़हरी, तजनम द्रुल उलुम, (9/जनवरी-मार्च/79-99) उर्दू मासिक, तज़लुम-ई-कुदम-दारुल उलुम देवनाद, नई दिल्ली, भारत द्वारा प्रकाशित।
डॉ अतिकुर रहमान, सदस्य शैक्षिक एवं प्रॉफेसनल निकायों केएक सदस्य हैं।
1. अखिल भारतीय ओरिएंटल कॉनफ़ारेन्स के आजीवन सदस्य।
2. ईरान सोसायटी, कोलकाता के आजीवन सदस्य।
3. फिराको-ओ-नज़र, उर्दू त्रैमासिक शोध पत्रिका अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के आजीवन सदस्य।
4. उर्दू मासिक पत्रिका तहज़ीव उल अखलक, अलीगढ़ मुस्लीम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के आजीवन सदस्य।

कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी

वेस्ट एशियन स्टडीज को पूर्ण केन्द्र में ही विकसित करने केलिए बहुत उत्सुक है।

भारत-तिब्बती अध्ययन विभाग

रवीन्द्रनाथ ठाकुर संस्कृत, पाली, चीनी तथा तिब्बती भाषा के माध्यम से बौद्ध धर्म के विविध पक्षों के अध्ययन एवं शोध हेतु शैक्षिक संस्थाएँ खोलने के पक्ष में थे। सिल्वेन लेवी (1863-1935) का सन् 1921 में शांतिनिकेतन आगमन, विश्वभारती में भारतीय तिब्बती अध्ययन की वैज्ञानिक शरुआत हुई। टैगोर स्वयं भी एम.वी.शास्त्री तथा पी.सी. बागची (1898-1856) के साथ प्रो. लेवी की क्लास के छात्र थे। पी.सी. बागची तथा एम.वी. शास्त्री का इस क्षेत्र में शोधपरक योगदान परवर्ती शोधर्थियों के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ।

1954 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की आर्थिक सहायता के तहत यह एक अलग भारतीय-तिब्बती अध्ययन स्नातकोत्तर विभाग के रूप में भारत और तिब्बत के दीर्घकालीन सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने हेतु स्थापित हुआ। विभाग ने तिब्बती साहित्य की व्याख्या में व्याप्त संदिग्ध तत्वों को हटाने तथा स्वतंत्र रूप से इसके अध्ययन की सुविधा हेतु उनके भाषाओं को भारतीय विद्वानों के साथ मिलकर, इसके व्यवस्थित अध्ययन तथा भारत तिब्बती संस्कृति के विकास हेतु कार्य किया। इसके अनेक लक्ष्य थे : सामान्य तिब्बती संस्कृति तथा बुद्धमतवाद की व्यवस्था करना, प्राचीन संस्कृत के तिब्बती भाषानुवाद का संरक्षण, भारतीय तथा विदेशी भाषा में अनुदित भाषान्तर को उपलब्ध कराना, भारत तथा विदेशी सांस्कृतिक आदान-प्रदान संस्थाओं के सहयोग से भारतीय-तिब्बती शोध को बढ़ावा देना, संस्था के विद्यार्थियों तथा कर्मचारीगण द्वारा दिये गये शोधकार्यों को प्रस्तुत रूप में प्रकाशित करना, तिब्बती विद्वानों को संस्कृत तथा पाली के अध्ययन हेतु प्रशिक्षित करना तथा संस्कृत विद्वानों को तिब्बती में प्रशिक्षित करना, शास्त्रीय तथा आधुनिक तिब्बती पाठ्यक्रम का सर्टिफिकेट प्राज्ञता कोर्स हेतु तथा एडवांस स्टडी हेतु डिप्लोमा का प्रावधान तथा भारत-तिब्बती अध्ययन के विविध क्षेत्रों हेतु एक अनुसंधान पुस्तकालय तथा संग्रहालय की स्थापना।

तीन दशक से भी अधिक, 1954 से 80 के समय तक आदरणीय चीमेद रिज़िनलामा ने प्रथम विभागाध्यक्ष के रूप में कार्य किया और मूल्यवान पाण्डुलिपियों तथा काष्ठचित्रों के संग्रह में अपना योगदान दिया। रोम तथा म्यूनिख में उन्होंने विश्वभारती का प्रतिनिधित्व किया। चिमेड रिग्जिन रिपोचे नियग्मपा परम्परा के तान्त्रिक नॉसेलिकेट लाभा थी तथा नूडेन दोर्जे दोपांग लिंग्पा द्रोलो तसल के चौथे अवतार समझे जाते हैं जो महान टेरटोन (कोष-संधाता) थे। बुद्धमतवाद के सभी पक्षों के अध्ययन के पश्चात् उन्होंने अपनी मौनैस्ट्री कोरडोंग गोम्पा अठारह वर्ष की अवस्था में छोड़ दी तथा अपने गुरु तुल्कु तर्सोलो के निर्देश को पूरा करने के लिए भारत आए तथा तशो पद्मा, हिमाचल प्रदेश में तीन वर्ष व्यतीत किये, इसके बाद विश्वभारती में नियुक्ति हुई।

संस्कृत, पाली, तिब्बती के विद्वान प्रो. सुनीति कुमार पाठक (जन्म 1924) ने एक अलग शोध इकाई के रूप में भारतीय तिब्बती अध्ययन की स्थापना में चिम्ड रिग्जिन लामा के साथ सह संस्थापक बने। वे कलिम्पोंग के ख्यात तिब्बती जानकार जार्ज एन रोटिच के स्थान पर आए थे। विश्वभारती में, इंडो-तिब्बतन इंडोलॉजिस्ट, प्रो. वी.सी. बागची की प्रेरणा में तिब्बती स्रोत से प्राप्त होने वाली, खांगसी भारतीय परम्परा को पुनर्जीवित करने के लिए प्रयासरत हुए। भारतीय तिब्बती विभाग को अध्यक्ष के रूप में उन्होंने कई वर्षों तक अपनी सेवाएँ दीं, तथा विश्वभारती के डीन के रूप में भी कार्य किया।

लामा चिम्पा 1928 में भीतरी मंगोलिया में जन्में थे। उनकी प्रारम्भिक शिक्षा होशियान सूमे तथा टोग्टफ सूमें मॉनेस्ट्री में हुई। यांग हो कुंग मॉनेस्ट्री तिब्बत में अपनी उच्च शिक्षा पूर्ण की तथा रबजम्पा डिग्री (बुद्धिस्ट में पीएच.डी.) प्राप्त की। 1951 में भारत आए जहाँ उन्होंने जॉर्जएन. रोरिच, कलिंगपोंग द्वारा तैयार किए गए तिब्बती-संस्कृत कोश में उनके सहायक के रूप में कार्य किया। तत्पश्चात् उन्होंने इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ कल्चर, नागपुर तथा दिल्ली (1952-1961) में नौ वर्षो तक कार्य किया। इन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के बुद्धिस्ट स्टडी विभाग में भी अध्यापन किया। मंगोलिया संस्द्भत कोश के निर्माण में उन्होंने रघुवीर तथा लोकेशचन्द्र के सहायक के रूप में भी कार्य किया। 1962 के पश्चात्, ये शांतिनिकेतन में विश्वभारती विश्वविद्यालय के तिब्बतन भाषा और साहित्य में अध्यापन करते

हुए 1993 में वहाँ से रिटायर हुए। तिब्बती अध्ययन की उनके पुस्तकों का लामा जिम्पा ने प्रकाशन किया और कलिंग्पोग में इंटरनेशनल ट्रस्ट ऑफ टेड्रीशनल मेडिसीन के संरक्षक तथा ट्रस्टी के रूप में भी कार्य किया। सन् 2011 में उनका निधन हो गया।

तुलफु थोम्डुप रिंनपोच दूसरे ख्यात लामा हैं जिन्होंने इस विभाग को अपनी सेवाएँ प्रदान की। पूर्वी तिब्बत, गोलोक में जनमें, इनके जीवन के प्रत्येक पहलू में नाटकीय और अप्रत्याशित परिवर्तन आए जब वे पाँच वर्ष के थे। वे खेनपो कोंचोंग द्रोन्मे (खेन्पो कोमे) के अवतार माने गये, नाईंग्मा स्कूल ऑफ तिब्बत बुद्धिज्म, प्रसिद्ध अध्ययन संस्था दोद्रुप्चन मॉनेस्ट्री के विशेषज्ञ तथा जाने माने विद्वान थे। राजनीतिक परिवर्तन के कारण वे 1958 में भारत आ गए जहाँ वे 22 वर्ष रहे। उन्होंने 1967-76 के मध्य लखनऊ विश्वविद्यालय में तिब्बती विभाग में तिब्बती साहित्य पढ़ाया तथा 1976-80 के दौरान तक विश्वभारती में। वर्तमान वे अमरीका मे रहते हैं। उनके अनेक गहन प्रकाशन कार्य सामने आए हैं।

इस प्रकार विश्वभारती का भारतीय-तिब्बती विभाग अध्ययन-अध्यापन का केन्द्र बना। सत्तरवें दशक में तिब्बतोलॉजिस्ट बुद्धमतवाद के अनेक विद्वान जैसे जॉन रियोनाल्ड मार्टीन बूर्ड, कैथ डाओमैन तथा जेम्स लो ने अपना शोध आधार शांतिनिकेतन को बनाया। 2003 में विभाग ने अपनी स्वर्ण जयन्ती मनाई जिसका उद्घाटन महाबोधि ग्प्ट वें दलाई लामा ने किया। तत्कालीन विभागाध्यक्ष डॉ0 नरेन्द्र दास ने विभाग को सेंटर फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज़ बनाने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग में आवेदन किया। 2005 में अनुमोदन प्राप्त हुआ। डॉ0 नरेन्द्र दास के आकस्मिक देहान्त के उपरान्त प्रो0 आंद्रिया लोजेरीज, आस्ट्रियन नागरिक तथा विभागाध्यक्ष । विभाग के कार्य से संतुष्ट विश्वद्यालय के नेतृत्व में ग वीं योजना में बुद्धिस्ट स्टडी सेंटर की उद्भावना हुई।

पी.सी. बागची द्वारा निर्धारित भारतीय-तिब्बती अध्ययन विभाग के उद्देश्य

1. समय के साथ भारतीय-तिब्बती और बुद्धिमतवाद विशेष के अध्ययन की व्यवस्था।
2. तिब्बती संस्द्भति का सामान्य और बुद्धिमतवाद विशेष के अध्ययन की व्यवस्था।
3. तिब्बती भाषा में अनूदित पुराने संस्द्भत पाठ का संरक्षण।
4. विभिन्न भारतीय तथा विदेशी भाषाओं में तिब्बती अनुवाद उपलब्ध कराना।
5. भारतीय-तिब्बती क्षेत्र में शोध को बढ़ावा, अन्य सांस्द्भतिक संस्थाओं तथा वैज्ञानिक निकायों, भारतीय एवं विदेशों, के साथ सांस्द्भतिक आदान-प्रदान की व्यवस्था।
6. संस्था के विद्यार्थियों एवं अध्यापकगण के शोधपरक कार्यों का प्रकाशन।
7. तिब्बती विद्वानों को संस्द्भत तथा पाली का प्रशिक्षण देना तथा संस्द्भत विद्वानों को तिब्बती का प्रशिक्षण देना।
8. शास्त्रीय एवं आधुनिक तिब्बती संबंधी एवं सर्टिफिकेट कोर्स चालू करना जो आगे चलकर उसी विषय में एडवांस डिप्लोमा के रूप में सम्पन्न हो।
9. शोधपरक पुस्तकालय तथा संग्रहालय की स्थापना जो भारतीय-तिब्बती के सभी क्षेत्रों को कवर करें। इस प्रकार भारतीय-तिब्बती अध्ययन विभाग, तिब्बतसे से प्राप्त भारतीय संस्द्भति की खोई निधि को और तिब्बती स्रोत-सामग्री को प्राप्त करे।

नये संकाय सदस्य की नियुक्ति

डॉ. नोरबु गयालेस्टीन नेगी को संकाय सदस्य के रुप में इंडो तिब्बतन विभाग में सहायक प्रोफेसर के पद पर 22 जुलाई 2013 को नियुक्त किया गया।

संगोष्ठी / कार्यशाला / कांफ्रेंस में अप्रैल - 2013 से आगे 2014 में भाग लिया।

21-23 फरवरी 2014 : दीनदयाल कोलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में उन समीक्षक का कार्य किया।

संजीब कुमार दास

विश्व भारती शांतिनिकेतन में 7 से 9 फरवरी 2014 को अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी सेंटर क्रमे बुद्धिष्ट स्टडीज के द्वारा

हुआ। पेपर तो सबमिट और प्रस्तुत किया।

फरवरी 20 और 21 फरवरी 2014 : को असम मराठी और तमिल विभाग ने अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी इंपैक्ट ऑप ग्लोबलाइजेशन हेरिटेज इन इंडिया ने किया।

7 से 9 फरवरी पाली विभाग युनिवर्सिटी ऑफ कलकत्ता के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी बुद्ध धर्म के नए विस्तार (अदर दैन पाली) के समझ के बारे में चर्चा हुई। पेपर को जमा और प्रस्तुत न्यू डेमोनसियन ऑफ बुद्धिस्ट लिटरेचर ने किया।

15 से 16 नवम्बर 2012 को चीना भवन विश्व भारती शांतिनिकेतन में आईसीएस नई दिल्ली के सहयोग से राष्ट्रीय संगोष्ठी हुआ। पेपर को प्रस्तुत और जमा / इमोलुसन एण्ड डेसीलीन ऑफ बुद्धिज्म इन चाइनाः : ए ब्रीफ एकाउन्ट ने किया।

प्राकृति चक्रवर्ती

7 से 9 फरवरी 2014 को सेंटर फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज के दावार विश्व भरती शांतिनिकेतन में भिखुनी संघ की आवश्यकता बुद्ध धर्म में क्या है। इस वि,य पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

सेटुप तेनगीन

4से 17 सितम्बर 2013 को तिब्बती अध्ययन विभाग द्वारा नाता नालांदा महाविहारा (बिहार) में तिब्बती ख्रीपटोलॉजी और तिब्बती भाषा पर अपना खास विचार रखें।

सोनम जानगपो

20 और 21 फरवरी 2014 को दो दिन का राष्ट्रीय संगोष्ठी असम, मराठी और तमिल विभाग द्वारा किया गया जिसमें वी बी ने भागलिया। और पेपर को "इम्पैक्ट ऑफ ग्लोबलाइजेशन ऑन बुद्धिस्ट कल्चर एंड हेरीट्रे इन कॉनटेव लोसावा सिचेन जान गयों' मोनासटेरीज और इटापस इन लद्दाख ने प्रस्तुत किया।

7 से 9 फरवरी 2014 को तीन दिन का अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन बुद्ध अध्ययन विभाग विश्व भारती शांतिनिकेतन के द्वारा किया। जिसमें इस्पेनशन ऑफ भिखुनी संघ इन नोर्थ-वेस्ट हिमालयन रिजन्स ऑफ इंडिया ने भी भाग लिया तथा अपनी प्रस्तुती दर्ज कराई।

20 से 21 जनवरी 2014 को दो दिन का राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन बंगाली विभाग ए बी ने किया। विषय समकालीन भारतीय साहित्य की प्रथा था। जिसकी प्रस्तुती द पेपर इनटीटलेड हिमालाई मोटी साहित्य का लद्दाख के आधुनिक समाज में दिशा इवाम दिशा।

31 दिसम्बर से 2 जनवरी तीन दिन का अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस का आयोजन पाली भाषा विभाग कलकत्ता युनिवर्सिटी के द्वारा हुआ जिसका विषय "फाउण्डेशन ऑफ बुद्धिज्म एज टिवेलेड इन पाली लांग्वेज पेपर का अवलोकन और प्रस्तुती 'कन्टेम्परी बुद्धिज्म एंड स्टडीज ऑफ पाली लांग्वेज इज लद्दाख ने किया।

भीक्खु प्रगांलकार

7 से 9 फरवरी 2014 को तीन दिन का अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 'द सेंटर कोर बुद्धिस्ट स्टडीकज" विश्व भारती शांतिनिकेतन में हुआ। पेपर का अवलोकन और प्रस्तुति "इज द बुद्ध बेस्ड एगेन्सट बोमेन" ने किया।

चल रहे अनुसंधान अनुवाद एवं सम्पादन

संजीव कुमार दास

1. इसांसियल कमपेंडियम ऑफ टिनेंटस द ग्रेस ऑफ स्क्रिपेटस लौजिक, अंग्रेजी अनुवाद एवं संपादन, कारमपा इंटरनेशनल बुद्धिष्ट इंस्टुट, कुतुब इंड्सट्रियल ऐरिया, नई दिल्ली, द्वारा प्रकाशित।

2. गुजहुब द डैड पा रिम पर बकलग पा खोर तद लाश सदे पा बस्तम पा बुसदुस पा जीश बया वा अनुवाद और संपादन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन। रिसर्च के रूपये 2360/- का अनुमोदन दिया।

3. इनसाईक्लोपिडिया ऑफ हिमालयन बुद्धिस्ट कल्चरल कोर्ष का अंग्रेजी में अनुवाद एवं संपादन, केन्द्रीय बुद्धिष्ट संस्थान द्वारा प्रकाशित। पुस्तक का कार्य पुरा होने पर पारिश्रमिक मिलेगा।

इक्सटेंसन एक्टीविटीज /एनएसएस/कल्चरल एंड अदर एक्टिविटीज

1. (सेंटर ऑफ बुद्धिस्ट स्टडीज) बुद्ध धरम् के लोग ने पाँच दिन का एक छोटा सा कोई विश्व भारती शांतिनिकेतन में शांतिनिकेतन अम्बेदकर बुद्धिस्ट मिशन के साथ मिलकर रखा। 20 जनवरी 2014 को भारतीय तिब्बती विभाग ने छाता लेकर दौड़ लगाई। इस दृश्य को 50 से ज्यादा बुद्धिष्ट (भारतीय तिब्बती विभाग) के विद्यार्थी और सदस्यगण ने इस नजारे को करीब से देखा।

2. भारतीय तिब्बती विभाग ने 13 नए फैक्टरी मेंबर को बुद्ध धर्म के नए-नए (अलग-अलग) नियम के बारे में अध्ययन करने के लिए स्कोलर प्रदान की।

3. सेंटर फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज के द्वारा तीन दिन का 7 से 9 फरवरी 2014 तक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जिसमें भिखुनी संघ और इसकी योगदान बुद्ध धर्म में इस विषय पर चर्चा किया गया।

पब्लिकेशन विथइन द इयर अप्रैल 2013 टू मार्च 2014

आनंदमयी घोष

ए. पुस्तक

बुद्धिस्ट विनय, ओ दिमहे (डब्ल्यू आर आई विनय) दिल्ली वार्ड पेरिस, 2013, आईएसबीएन 139789380852287)

3. आर्टिकल्स इन जर्नल्स

मध्य एशियाई प्राप्त सधर्मा- पूंडोरिय सुपिरियर समखिप्ता पर्यालोचन, नालंदा पत्रिका (ए जर्नल ऑफ बुद्धिस्ट एंड इंडियन कल्चरल), इंडो भिखु समनपाल, कोलकाता - 2013

सी. आर्टिकल इन बुक चैप्टर : (किताब के पेज में छपाई) नरपत रूल्स इन एरापेवर ऑफ बुद्धिस्ट तंत्र प्रेक्टीसनर इडो बोधी चक्र (ए जोर्नल ऑफ बुद्धिस्ट एंड कल्चरल) पटना, 2013.

संजीव कुमार दास

ए. किताब

सुत्रसमुक्या बाई नागार्जुन रेस्टोरेंड टीआी, एंड इंडो संचीव कुमार दास सारनाथ : सेंटर यूनिवर्सिटी ऑफ तिब्तेन स्टडीज, वाराणसी, यूपी 2013, आईएसबीएन 978-93-80283-31-2

मैन्युल फॉर तिब्तेन लेशन (तिब्तेन हिंदी-इंग्लीश, टीआर एंड इंडो, संगीत कुमार दास नई दिल्ली, कर्मण इंटरनेशनल बुद्धिस्ट इंस्टीट्यूय, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, 2013 आईएफबीएस : 978-81-922189-1-0

मिनी डिकशनरी (दिन्दी इंगलिश तिब्तेन) कलिंपोंग, श्री दिवाकर पब्लिकेशन दार्जलिंग 2014, आईएसबीएन 9381833087

स्टडीज मैट्रिक बुद्धिज्म इन इंडिया, ई डी. संजीव कुमार दास दिल्ली डिपर्मेंट ऑफ इंडो तिब्तेन स्टुडीज इन कोलाबोटेशन विथ बुद्धिस्ट वर्ल्ड प्रेश आई एसबीएन -9789380852393.

बी. जर्नल में लेख प्रकाशित

नरचोगकरया सजोंरीदेवा एण्ड हिज वर्क, बोधयूलकेरीजोककाजोकरा ए स्टडी नालंदा, वीओएल, संपादन, भुखु कील आईएसएसएन 230-7264

दा कॉन्सेप्ट ऑफ बुद्ध नेचर ऐन एनालिसिस जोनल ऑफ दा डिपार्टमेंट ऑफ पाली, बीओएल सिक्सीन, 2013 कोलकाता, डिपार्टमेंट ऑफ पाली, कलकत्ता विश्वविद्यालय कोलकाता, आईएसएसएन-0971065

सी. पुस्तक में आलेख प्रकाशित

इबुलेशन ऑफ सौतरजानटीका स्कूल एंड इट्स वर्स्ट नरकीजकापा : ए ब्राइक एकाउंट, द सचिस मेटिक बुद्ध्म इन इंडिय, ईडी संजीव कुमार दास, नई दिल्ली, डिपार्टमेंट ऑफ इंडो तिब्तेन स्टडीज इन कोलोबोरेसन विथ बुद्धिस्ट वर्ल्ड प्रेस, आईएसबीएन : 9789380552393 आईडीयोलॉजी एंड इंपार्टेस ऑफ प्रतित्या समुप्पदा, डिपार्टमेंट ऑफ इंडो, तीब्तेन स्टडीज इन कोलोबोरेशन विथ बुद्धिस्ट वर्ल्ड प्रेस, आईएसबीएन

अन्य

1. वाइस प्रिंसीपल, भाषा भवन फॉर ए पीरियड ऑफ टू इयर डब्ल्यूईएफ 10 फरवरी 2012
2. एक्सटर्नल मेम्बर फॉर दा बोर्ड ऑफ स्टडीज, सोगस्टन लाइब्रेरी सेंटर पॉर तिब्तेन एंड दि माल्यन स्टडीज, देहरादून, उत्तरांचल फॉर ए पीरियड ऑफ टू इयर.
3. आई/सी डाइरेक्टर, सेंटर फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज, विश्व भारती, शांतिनिकेतन इक्सटरनल एकेडेमिक काउंसील मेम्बर, कश्यपा इंटरनेशनल बुद्धिस्ट इंस्टीट्यूट कुतुब इंस्टीट्यूटनल एरिया, नई दिल्ली
4. कोनभेनर ऑफ द इंटरनेशनल सेमिनार ऑन भिखुनी संघ एंड इट्स इम्पोर्टेंस इन बुद्धिज्म फ्रॉम 7 से 9 फरवरी 2014 ऑर्गनाइज्ड बाई सेंटर फॉर बुद्धिस्ट स्टडीज, विश्व भारती शांतिनिकेतन

सेडुप तेनजीन

आर्टिकल इन जोर्नल

री-इस्तेबलीशमेंट ऑफ साक्य मोनास्टीक एजुकेशन सेंटर इन इंडिया एंड नेपाल (नालंदा बुद्धिज्म एंड इंडियन कल्चरल जोर्नल) नालंदा एन इंटरनेशनल जोर्नल, वीओएल, एक्सवीआईआईआई-एक्सएलआईएक्स इडी समनपाल विभू, 2014 कोलकाता आईएसएसएन-2320 7264

सोनम जेन्गपो

आर्टिकल इन बुक चैप्टर

आईडीयोलोजिश ऑफ बुद्धिज्म इन द हिनायन एंड महायना द सचीशमेटिक बुद्धिज्म इन इंडिया, इडी संगीत कुमार दा, नई दिल्ली, डिपार्टमेंट ऑफ इंडो, तिब्तेन स्टडीज इन कोलाबोरेशन विप बुद्धिस्ट वर्ल्ड प्रेस., आईएसबीएन 9789380852393

अन्य

1. इडीटोरियल बोर्ड मेम्बर ऑप बुद्धिस्ट वर्ल्ड प्रेस, नई दिल्ली

संपादकीय मंडल के सदस्य

बुद्धिस्ट प्रेस नई दिल्ली के संपादकीय मंडल के साक्ष्य

2. महिला शक्षा केन्द्र, विश्व भारती के सलाहकार समिति के सदस्य
3. नाबार्ड के अनुदान से संकल्प, अनुसंधान केंद्र पहाड़गंज के मानक सलाहकार समिति के सदस्य
4. अप्रैल 2011 से संगोष्ठी पुस्तकालय के प्रभारी

भिक्खु प्रजावलंकर

आर्टिकल इन बुक चैप्टर

ट्रुथ एज फाउंड इन माध्यमिक स्कूल ऑफ बुद्धिस्ट फिलोस्फी एंड इट्स इम्पोर्टेंश इन अंडरस्टडीज टू मिनिंग ऑप लाइप द सचीस्मेटिक बुद्धिज्म इन इंडिया एडिटिंग संजीव कुमार दास, नई दिल्ली। भारतीय-तिब्बती विभाग और बुद्धिस्ट विश्व प्रेस के संयुक्त तत्वावधान में आईएसबीएन 9789380852393.

विभाग के विकसित होने की एक सच्ची कहानी

1. पिछले एक साल से विद्यार्थी यहां अध्ययन पर हो रहे विकास को बढ़ाने के लिए तत्पर हैं। अकादमी नरा और सहायक प्रोफेसरों को संयुक्त करके विभाग को अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक का दर्जा दिलवा रहे हैं। और अच्छे के लाकर विद्यार्थी इस फैसले को सही साबित कर रहे हैं।
2. लाइब्रेरी का जो असिस्टेंट है वह बहुत बढ़िया से स्टडी संटर और रिसर्च का आयोजन करते हैं।
3. कक्षा में रोज हर गतिविधियों पर ध्यान रखा जाता है और पढ़ने और पढ़ाने का तरीका बहुत ही स्टैंडर्ड है तथा रोज क्लास अटेंडेन्स होता है।
4. रोज कैंपस को साफ किया जाता है बगीचे में रोज माली आकर अपनी काम करता है। इस समय में यहां के सभी लोग शिक्षक विद्यार्थीअधिकारी अपने कर्तव्यों को समझते हैं।

संताली विभाग

विभागीय संगोष्ठी (वक्ताओं, संगोष्ठी, तिथि का शीर्षक) -

1 अप्रैल 2013: डॉ. निकुडिमस टुडु, विभागाध्यक्ष, संताली केपीजी विभाग, सिद्धू कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका द्वारा एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया, झारखंड संताली विभाग, बी बी, शांतिनिकेतन में आयोजित हुआ।

21 अप्रैल 2013: समस्या एवं संताली साहित्य की संभावनाओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन। 20-21 अप्रैल, 2013 से यूमुल एवं संताली, भाषा-भवन, विश्वभारती, शान्तिनिकेतन विभाग द्वारा आयोजित एक सह-समन्वयक शिक्षक प्रभारी डा. धनेश्वर मांझी को बनाया गया।

5 मई 2013: संताली विभाग द्वारा आयोजित गुरुगोमके रघुनाथ मुर्मू उत्सव की 108 वीं जयंती, भाषा-भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन एक समन्वयक डॉ धनेश्वर मांझी, शिक्षक प्रभारी बनाया।

19 जुलाई 2013: डॉ. निकुडिमस टुडु विभागाध्यक्ष, संताली केपीजी विभाग, विद्यासागर विश्वविद्यालय, मिदनापुर, प. बंगाल से एक विशेष व्याख्यान का आयोजन संताली विभाग, बी.बी., शांतिनिकेतन, विश्वभारती में आयोजित किया गया।

19 जुलाई 2013: डॉ निकुडिमस टुडु विभागाध्यक्ष, संताली केपीजी विभाग, सिद्धू कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका द्वारा एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया, संताली विभाग, बी बी, शांतिनिकेतनमें आयोजित हुआ।

10 अगस्त 2013: श्री श्याम चरण हेमब्रम, भूतपूर्व द्वारा एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। विभागाध्यक्ष, संताली, सिधु कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका केपीजी विभाग, झारखंड द्वारा संताली विभाग, बी बी, शांतिनिकेतन में आयोजित।

23 सितंबर 2013: डॉ निकुडिमस टुडु विभागाध्यक्ष, संताली केपीजी विभाग, विद्यासागर विश्वविद्यालय, मिदनापुर, प. बंगाल से एक विशेष व्याख्यान का आयोजन संताली विभाग, बी.बी., शांतिनिकेतन, विश्वभारती में आयोजित।

आदि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी विवरण में शिक्षक / अनुसंधान विद्वानों ने भाग लिया।

सनत हांसदा

सेमिनार

12-13 मार्च, 2014: पहचान पर संघर्ष संक्रमण में जनजातियों' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया। घोषाल डांगा विष्णुवती आदिवासी ट्रस्ट, शांतिनिकेतन केसहयोग से अंग्रेजी, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली विभाग द्वारा आयोजित। सामाजिक विज्ञान अनुसंधान की भारतीय परिषद, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित है।

07-08 दिसम्बर, 2013: 'संताली लघु कहानी और कविता' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया। द्वारा आयोजित-(आदिवासी विकास विभाग केअंतर्गत) प.बंगाल संताली अकादमी प.बंगाल शान्तिदेव कांकशा, बोलपुर, बीरभूम।

25 जनवरी 2014: ऑडिटोरियम हॉल, नतुन भवन, सम्मिलनी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, बांकुड़ा में 'संताली व्याकरण' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'संताली व्युत्पत्ति और सिंटेक्स की व्याकरण पहलू' पर एक पेपर प्रस्तुत किया। द्वारा आयोजित - (आदिवासी विकास विभाग के अंतर्गत) प.बंगाल संताली अकादमी प.बंगाल

पुस्तक

सूचना और सांस्कृतिक मामलों केविभाग-हमारे स्वामीजी, शैक्षिक गतिविधियों (विचार), केविकास केलिए संस्थान द्वारा समर्थित है। प.बंगाल की सरकार।

पेपर

बकजुलू जर्नल में जारोवा भूमि। वॉल्यूम-2 न. 8, दिसंबर 2013।

अन्य

यूजीसी एकेडमिक स्टाफ कॉलेज, रांची विश्वविद्यालय रांची, झारखंड में 2013/08/18 के लिए 2013/07/29 दिनांकित भाषा विज्ञान में यूजीसी प्रायोजित पुन चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

विश्वभारती स्टाफ फुटबॉल टूर्नामेंट 2014 में (टीम कप्तान के रूप में) भाषा भवन फुटबॉल टीम के सदस्य के एक सदस्य के रूप में भाग लिया।

बोस, यूजीबीएस, एक अन्य विश्वविद्यालय के सदस्य पीजीबीएसए।

परियोजना में गड़बड़ी भारतीय भाषाओं (एसपीटी-आईएल) के लिए उथले पार्सर उपकरण शीर्षक से।

धनेश्वर मांझी

सेमिनार

21 अप्रैल 2013: समस्या एवं संताली साहित्य की संभावनाओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन को संयुक्त रूप से अप्रैल 2013 20-21st से यूएसयूएल, एवं संताली, भाषा-भावना, विश्वभारती, शांतिनिकेतन विभाग द्वारा आयोजित, एक सह-समन्वयक, चेयर बना एक व्याख्यान दिया / एक कागज और धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

5 मई 2013: संताली विभाग द्वारा आयोजित गुरुगोमके रघुनाथ मुर्मू उत्सव की 108 वीं जयंती, भाषा-भावना, विश्वभारती, शांतिनिकेतन एक समन्वयक, कुर्सी बनाया है और एक व्याख्यान दिया।

30 जुलाई 2013: आदिवासी साहित्यः स्वरूप और संभवनाएं पर राष्ट्रीय संगोष्ठी संयुक्त रूप से 29-30 जुलाई 2013 से जेएनयू और आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित' संताली भाषा साहित्य' (संथाली साहित्य) पर एक प्रस्तुति पेश की।

26 अगस्त 2013: विभाग के साथ कोलाबोरेशन में राष्ट्रीय अनुवाद मिशन (एनटीएम), भारतीय भाषा के केंद्रीय संस्थान, मैसूर द्वारा आयोजित रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित, इतिहास, दर्शन, राजनीति विज्ञान और समाजशास्त्र में संथाली में शब्दावलियों का संकलन पर कार्यशाला संताली, सीडो- कान्हो बिरशा विश्वविद्यालय, पुरुलिया, 26 अगस्त -2 सितंबर 2013 से प. बंगाल, एक संथाली विशेषज्ञ बना दिया।

5 अक्टूबर 2013: संयुक्त रूप से अक्टूबर 2013 5-6 से बचाने के लिए प. बंगाल मंच द्वारा संताली शिक्षा और आदिवासी संस्कृति और एएसईसीए आसनसोल उपखंड शाखा के अधिकार का आयोजन ऑल इंडिया संताली शिक्षा सम्मेलन संताली शिक्षा नीति पर सम्मेलन के लिए रिसोर्स पर्सन एवं मॉडरेटर बनाया है।

22 दिसंबर 2013: संथाली दुर्गापुर आदिवासी लोक कल्याण समिति द्वारा आयोजित भारतीय संविधान 8 वीं अनुसूची के रूप में शामिल हैं, जो दिन में संथाली दिवस समारोह में एक अतिथि के रूप में एक व्याख्यान दिया।

14 मार्च 2014: विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, संताली विभाग, विद्यासागर विश्वविद्यालय, मेदिनीपुर, प. बंगाल द्वारा आयोजित 'संताली साहित्यिक समस्या और उसके समाधान' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रायोजित एक ही विषय पर एक प्रस्तुति पेश की।

26 मार्च 2014: मार्च 2014 दर्शन और धर्म, विश्वभारती, शांतिनिकेतन और 25 -26 से भारत, कोलकाता के मानव विज्ञान सर्वेक्षण विभाग द्वारा आयोजित संताल संस्कृति और उनके धार्मिक विश्वासों पर एक दो दिन सहयोगी राष्ट्रीय संगोष्ठी एक पेपर प्रस्तुत संताल धार्मिक बिस्वास एवं संस्कृति (संताल संस्कृति और धार्मिक विश्वासों) हकदार।

पत्रिकाओं में लेख

विश्व स्वदेशी लोग दिन (स्मारिका) पर 2013 विषय संताल भाषा साहित्य (संताल भाषा साहित्य) झारखंड स्वदेशी पीपुल्स फोरम, खोरहा टोली, कोकर, रांची-1, संपादक बोर्ड जेरोम जेराल्ड कुजुर, सुनील मिंज और दूसरों के द्वारा प्रकाशित किया।

आईएसएसएन -2320-1479: स्वाभिमान, बेरहामपुर और स्वाभिमान शिविर कार्यालय, छात्रावास रोड, ओड़िसा, 2014 के घर से त्रैमासिक समीक्षित एक त्रिभाषी सहकर्मी द्वारा प्रकाशित मध्यकालीन संताली साहित्य 'पर विज्ञान

और साहित्य (एसजेएसएल) विषय के स्वाभिमान जर्नल।

अन्य

उप संपादक, जून-अगस्त, 2012 से पी फाउंडेशन, रांची, झारखंड द्वारा प्रकाशित अखाड़े के जर्नल।

भारत बसुनधारा राष्ट्रीय स्तर साहित्यिक और सांस्कृतिक सोसायटी, नई दिल्ली, मुख्य सचिव संथाली साहित्य और संस्कृति का सदस्य।

विश्वभारती, शांतिनिकेतन में समान अवसर प्रकोष्ठ के सदस्य

शिक्षक-इन-चार्ज संताली, भाषा-भावना, विश्वभारती विभाग के।

बोस, यूजीबीएस, पीजीबीएस, अन्य विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम बोर्ड के सदस्य।

भारतीय भाषाओं (एसपीटी-आईएल) के लिए उथले पार्सर उपकरण हकदार परियोजना में सह पीआई।

14 अप्रैल 2013: डॉ बी आर की 122 जयंती द्वारा अनुसूचित जाति।, सेंट्। संगठित अम्बेडकर उत्सव, और विश्वभारती के अन्य पिछड़ा वर्ग के कर्मचारियों के वेलफेयर एसोसिएशन कार्यक्रम में आती है।

5 मई 2013: संताली एंड्रयूज पल्ली (प.) शांतिनिकेतन में यूम्यूल साहित्यिक और सांस्कृतिक पत्रिका द्वारा आयोजित गुरुगोमके रघुनाथ मुर्मू उत्सव की 108 वीं जयंती, एक व्याख्यान दिया।

30 जून 2013: गोविंदपुर चाँदीवाला जिज्ञासा पर आदिवासी सामाजिक शैक्षिक एवं सांस्कृतिक संघ (एएसईसीए) प. बंगाल, द्वारा आयोजित 159 संताल हल दिन उत्सव स्कूल, दीघा एक मुख्य-अतिथि के रूप में एक व्याख्यान दिया।

6 जुलाई 2013: नीलडांगा सिद्धू-कान्हू मेमोरियल क्लब, नीलडांगा, बीरभूम, द्वारा आयोजित 159 संताप हूल दिन उत्सव एक मुख्य-अतिथि के रूप में एक व्याख्यान दिया।

15 नवंबर 2013: संताली नृत्य प्रतियोगिता (दांग) प. बंगाल आदिवासी विकास सहकारी निगम लिमिटेड सूरी द्वारा आयोजित, एक न्यायाधीश के रूप में काम किया।

नीलडांगा सिद्धू-कान्हू मेमोरियल क्लब के बीरभूम द्वारा आयोजित खेल प्रतियोगिता (फुटबॉल), मुख्य-अतिथि के रूप में एक व्याख्यान दिया।

दुखिया मुर्मू

सेमिनार

05-07 अगस्त, 2013: नेशनल बुक ट्रस्ट द्वारा आयोजित सिद्धू-कांन्हो बिरशाविश्वविद्यालय, पुरुलिया में तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में: संताली और कुरमाली भाषा की संभावना जनजातीय प. बंगाल में विकास पर एक कार्यक्रम 'पर एक पेपर प्रस्तुत भारत।

संताली विभाग के साथ कोलाबोरेशन में राष्ट्रीय अनुवाद मिशन (एनटीएम), भारतीय भाषा के केंद्रीय संस्थान, मैसूर द्वारा आयोजित रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणित, इतिहास, दर्शन, राजनीति विज्ञान और समाजशास्त्र में संथाली में शब्दावलियों का संकलन पर कार्यशाला में भाग लिया, सिधु-कान्हु विरला विश्वविद्यालय, पुरुलिया, एक संथाली विशेषज्ञ के रूप में 04-15 नवम्बर, 2013 से प. बंगाल।

कार्यशाला राष्ट्रीय अनुवाद मिशन (एनटीएम), भारतीय भाषा के केंद्रीय संस्थान, सीआईआईएल, मैसूर द्वारा आयोजित 15 नवंबर 2014 को 4 पर इतिहास और समाजशास्त्र के लिए संथाली में शब्दावली की जटिलता।

25-26 जनवरी, 2014: (आदिवासी विकास विभाग के अंतर्गत) प.बंगाल संताली अकादमी द्वारा आयोजित 'संताली व्याकरण' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'संताली व्युत्पत्ति और सिंटेक्स की व्याकरण पहलू' पर तीसरे अधिवेशन की अध्यक्षता प. बंगाल बांकुड़ा में।

अन्य

आदिवासी विकास विभाग के अंतर्गत प. बंगाल संताली अकादमी, सिद्धू कानू भवन, बिधान नगर, कोलकाता के कार्यकारी सदस्य है।

बोस, सिधु-कान्हो बिरशा विश्वविद्यालय, पुरुलिया के विदेश सदस्य

मंसाराम मुर्मू

सेमिनार

25-26 मार्च, 2014: भारत, कोलकाता के दर्शन विभाग और तुलनात्मक धर्म, विश्वभारती, शांतिनिकेतन और मानव विज्ञान सर्वेक्षण द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में संताल धर्म और संस्कृति' शीर्षक से एक कागज प्रस्तुत किया।

प्रकाशनः

मुलुकचांदू पत्रिका में एक लेख 'बंगडुंग्री टुयु' प्रकाशित, पृष्ठ सं। 3-14, खंड-4 अक्टूबर, 2013।

तपन सोरेन

सेमिनार

2-3 फ़रवरी, 2014: प. बंगाल संताली अकादमी, कोलकाता द्वारा आयोजित बालुरघाट, प. बंगाल में 'कवि सरदा प्रसाद किस्को, पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया।

अन्य

सीआईआईएल मैसूर में 15 नवंबर 2014 (10 दिन) के लिए 4 पर कार्यशाला इतिहास और समाजशास्त्र के लिए संथाली में शब्दावली की जटिलता में भाग लिया।

रामू हेमब्रम

एक साल 2014/12/31 के लिए 2014/01/01 के लिए अध्ययन अवकाश।

विभाग में चल रहे अनुसंधान परियोजनाएं -

1. शिक्षक का नाम (क) श्री सनत हांसदा (पीआई) (ख) डॉ. धनेश्वर मांझी (सह पीआई)
2. 12 भारतीय भाषा (एसपीटी-एल एल) के लिए उथले पार्सर उपकरणों की परियोजना विकास के नाम पर।
3. प्रायोजन भारत की एजेंसियां सरकार, संचार मंत्रालय और सूचना प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग।
4 राशि मंजूर - 36.00 रुपए्।
5.परियोजना तीन वर्ष के वी अवधि

विस्तार गतिविधियों / एनएसएस / सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों विभाग द्वारा आयोजित और विभाग के शिक्षकगण और छात्रों ने भाग लिया। -

1. संताली विभाग सक्रिय रूप से भाग लिया और आनंद मेला, विश्वभारती में एक दुकान खोला। नामांकित स्टाल सिबिल-सोरोम और छात्र दल के नेता डॉ. धनेश्वर मांझी था।
2. संताली विभाग अमर कुटीर जनवरी-2014 में 'बिर्सोर' (पिकनिक) की व्यवस्था की।
3. पौष मेला दिसंबर 2013 को संताली विभाग के सभी छात्रों के एक स्वयंसेवक के रूप में भागीदारी।

नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या विभाग द्वारा शुरू की किसी भी अन्य शिक्षण नवाचारों डिजाइनिंगः -

संथाली कोर्स में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और एडवांस्ड डिप्लोमा के पाठ्यक्रम संशोधित।

मराठी विभाग

मराठी भाषा विभाग. प्रमाणपत्र, डिप्लोमा एवं एडवोइस्ड डिप्लोमा कोर्स करवाती है।

शोध धातु का विवरण

20-21 फरवरी, 2014 : दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "जातीय भाषा, साहित्य एवं संस्कृति पर वैश्वीकरण को प्रभाव" का आयोजक किया गया।

रणबीर सुमेध भगवान

संगोष्ठी

5 फरवरी, 2014 : गरिफी मैत्री ग्रंथागार, उत्तर 24 परगना, पं. बंगाल द्वारा "फेमिनिज्म फिजिकल एंड मेंटल फिल्ड वर्क ऑफ वोमेन इन मराठी लिटरेचर" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

15 सितंबर, 2013 : हिन्दी विभागस विश्व भारती द्वारा "असमिताओं की राजनिती और राजभाषा हिन्दी" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

24-25 फरवरी, 2014 : ओडिया विभाग के सयुक्त तत्वधान में "मराठी साहित्य पर जनजातीय संस्कृति का प्रभाव" पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

प्रकाशक :

भूमण्डलीकरण और अरुण काले की कविता : भाषिक संदर्भ, वैशाखी (हिन्दी पत्रिका), 2014, आइएसएन : 23208171।

महाराष्ट्रतिल महामनथलचा लधवाया भाषकर : प्रबोंधकार थाकरे, विरोधी दिशा (मराठी पत्रिका), 2014, आईएसएसएन : 978-81-922643-6-3।

"आदिवासी संस्कृति का मराठी साहित्य पर प्रभाव" पिरोंकार (हिन्दी पत्रिका), 2014, आईएसएसएन : 2320-5601।

अन्य

एकाडेमिक स्टाफ कालेज, रांची में 29.07.2013 से 18.08.2013 तक यूजीसी द्वारा आयोजित रिफ्रेसर कोर्श में भाग लिया।

20-21 फरवरी, 2014 : असामी, मराठी एवं तमिल विभाग भाषा भवन, विश्व भारती द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "जनजातीय भाषा, साहित्य एवं संस्कृति पर वैश्वीकरण के प्रभाव" के संयुक्त संयोजना के रूप में भाग लिया।

असमिया भाषा केंद्र

असमिया भाषा यूनिट सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

1.विभागीय संगोष्ठी (वक्ताओं, संगोष्ठी का शीर्षक, दिनांक), साहित्य और संस्कृति, 20 वीं और 21 फरवरी, 2014 को, असमिया भाषा यूनिट द्वारा जनजातीय भाषा पर वैश्वीकरण केप्रभाव पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। शांति निकेतन से 35 वक्ताओं और शांति निकेतन केबाहर से 25 वक्ताओं्।

संगीता सैकिया

सेमिनार

20-21 अप्रैल, 2013: असमिया, ओड़िया और बंगाली साहित्य के विशेष संदर्भ में पूर्वी भारतीय फिक्शन में रुझान पर व्यास नगर स्वायत्त कॉलेज, जसपुर, में एक दो दिन में यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया। प्रस्तुत कागजः समकालीन असमिया उपन्यास।

14-16 सितम्बर, 2013: हिंदी दिवस 2013 प्रस्तुत कागज के अवसर पर विश्वभारती केहिंदी विभाग में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लियाः। राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा के प्रवचन असम के संदर्भ में।

09-10 अक्टूबर, 2013: केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर में राष्ट्रीय परीक्षण सेवा-भारत केतहत जनजातीय भाषाओं में परीक्षण एवं मूल्यांकन केसंबंध में योजना की बैठक में एक विशेषज्ञ केरूप में भाग लिया।

03-04 जनवरी, 2014: केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर की सहायता की बैठक में 29 ग्रांट में देउरी भाषा के लिए एक विशेषज्ञ केरूप में भाग लिया।

20-21 जनवरी, 2014: भारतीय साहित्य में समकालीन प्रवृत्तियों पर विश्वभारती केबंगाली विभाग में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया। असमिया उपन्यासों में नई प्रवृत्तियांः ए जर्नी आधुनिकता की ओर पेपर प्रस्तुत।

9-10 फ़रवरी 2014: नव साक्षरों बच्चों बैंक परियोजना केतहत विभिन्न भाषाओं में अनुवाद किया कहानियों का अंतिम पुनरीक्षण केलिए उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में असमी दो दिन इमेशको प्रकाशकों कार्यशाला केलिए एक विशेषज्ञ केरूप में भाग लिया।

20-21फरवरी, 2014: पर राष्ट्रीय संगोष्ठी जनजातीय भाषा पर वैश्वीकरण केप्रभाव, साहित्य एवं संस्कृति केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर केसहयोग से असमिया भाषा यूनिट द्वारा आयोजित,। सह-समन्वय

24-25 फ़रवरी, 2014: भारतीय साहित्य पर आदिवासी संस्कृति का प्रभाव 'विषय पर विश्वभारती के ओड़िया विभाग में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया। प्रस्तुत कागजः असमिया उपन्यासों में जनजातीय जीवन का प्रतिबिंबः एक विश्लेषण '।

प्रकाशन

पुस्तकें

द्वारा सीआईआईएल, मैसूर, फरवरी 2014, आईएसबीएन प्रकाशित देउरी असमिया सचित्र शब्दकोष, पर पाठ्य पुस्तकः 978-81-73-43-145

पुस्तक अध्याय

भारतीय जन भाषा जारिप में एक अध्याय (भारत, वाल्यूम-5, भाग-2 (भारत की पीपुल्स भाषाई सर्वेक्षण की ओर से (द्वारा प्रकाशित असम की भाषा भंडार, एड जी.एन देवी पर एक किताब, भाषा-अनुसंधान एवं प्रकाशन केंद्र, वडोदरा), सितम्बर 2013, अध्याय देउरी भाषा का शीर्षक, आईएसबीएनः 978-81-922405-6-5

पत्रिका पेपर्स

विज्ञान और साहित्य एक जर्नल केस्वाभिमान के नाम की पत्रिका, ISSN आई.एस.एस.एन 2320-1479 कागज मध्यकालीन असमिया साहित्य, एक विवरणात्मक विश्लेषण, वर्ष 28, का शीर्षक 02 जनवरी, 2014

नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या विभाग द्वारा शुरू की किसी भी अन्य शिक्षण नवाचारों डिजाइनिंग-
असमिया भाषा में दो साल प्रमाणपत्र और एक वर्ष के डिप्लोमा कोर्स के लिए नए पाठ्यक्रम बनाया है।

विकास के लिए भविष्य विमानों के संकेत के साथ संबंध भवन / सदन / विभाग के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास -
विभाग मेरे असमिया में एक सहायक प्रोफेसर के रूप में शामिल होने के बाद जून, 2007 में खोला गया था और सर्टिफिकेट कोर्स के दो छात्रों के साथ शुरू हो गया है। अब इस असमिया भाषा में दो साल प्रमाण पत्र और एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम के साथ एक भाषा इकाई है।

विभाग के प्रमुख की राय में वर्थ रिपोर्टिंग है जो किसी भी अन्य प्रासंगिक जानकारी, शामिल किया जाना चाहिएः
केवल संकाय डॉ संगीता सैकिया असमिया भाषा और पर एक 21 दिन यूजीसी प्रायोजित पुन चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया है (यूजीसी एकेडमिक स्टाफ कॉलेज, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी द्वारा आयोजित, 24 जून -14 जुलाई, 2013)

जापानी विभाग (निप्पन-भवन)

छात्रों के नाम यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / स्लेट और गेट परीक्षा में योग्यः

सुदीप सिंघा (2013 जेआरएफ दिसंबर साथ यूजीसी नेट)

विभागीय संगोष्ठी (वक्ताओं, संगोष्ठी का शीर्षक, दिनांक)

1. 28 अक्टूबर 2013: **ओकाकुरा टेंशिन और रवीन्द्रनाथ टैगोरः** प्रो एम तोगावा, हिरोशिमा विश्वविद्यालय, पर एक व्याख्यान दिया।

2. 15 नवंबर 2013: **जापान संबंध - भारतः** श्री एम कावागुची, जापान के महावाणिज्य, कोलकाता पर एक व्याख्यान दिया।

3. 22 फ़रवरी 2014: **बौद्ध धर्म के विशेष संदर्भ में जापानी संस्कृतिः** प्रो लालकृष्ण यूजेआई चिकुशी जोगाक्येन विश्वविद्यालय, फुकुओका, जापान पर एक व्याख्यान दिया 「日本文化について考える一特に仏教が与えた影響について」

4. 25 फ़रवरी 2014: प्रो वाई काबुरागी पर एक व्याख्यान दियाः जापानी संस्कृति पर भारतीय प्रभाव - यूरेशिया भर में 1000 साल बातचीत पर।

5. 17 मार्च 2014: रवीन्द्रनाथ टैगोर और श्री सुकेतमी इतो की बैठक और श्री पी हरिहरन की गतिविधिः श्री सुसुमू तनाका, योकिसो संग्रहालय, नागोया के निदेशक, जापान पर एक वृत्तचित्र वीडियो प्रस्तुत किया।

आदि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी विवरण में / रिसर्च स्कॉलर्स शिक्षकों ने भाग लिया।

गीता ए कीनी

1. 11 सितंबर और 12, 2013: अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मियाजावा केंजी और सह-अस्तित्व और सह समृद्धि की अपनी धारणाः अपने साहित्यिक कृतियों की एक फिर से व्याख्या जापानी अध्ययन के लिए केंद्र द्वारा आयोजित, नई दिल्ली में जेएनयू और प्रस्तुत एक कागज परः ए एम इ निमो माकेज़ू, काज़ी निमो माकेज़ू : ..की भावना को बदलते है, उसकी काव्य रचना में प्रकट। *宮沢賢治の詩的創造力を支える生き方を探る–「雨にも負けず」を通して*

2. नवम्बर 18- 23, 2013: दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में एक यूजीसी कार्यशाला में भाग लिया।

3. 21-24 मार्च, 2014: पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया बातचीतः टैगोर और ग्लोबल / स्थानीय व्यक्तित्व 'रवींद्र भवन, विश्वभारती शांति निकेतन द्वारा आयोजित और एक कागज पर प्रस्तुतः भारत के प्रकाश में रवींद्रनाथ टैगोर और तेनशिन ओकाकुरा-जापान सांस्कृतिक संबंध।

4. 24 अप्रैल 2013: कोलकाता में जापानी व्याकरण पर एक संगोष्ठी में भाग लिया। संगोष्ठी मैडम द्वारा आयोजित किया गया। रीओको ईसेदा भाषा जापान फाउंडेशन, नई दिल्ली कार्यालय के अधिकारी और पूर्वी भारत जापानी भाषा शिक्षक संघ (ईजल्टा) द्वारा सह आयोजन किया गया था और इंडो जापान भाषा अध्ययन सोसायटी, कोलकाता, जापान के महावाणिज्य दूतावास, कोलकाता और जापान फाउंडेशन, नई दिल्ली।

अजय कुमार दास

1. 24 अप्रैल 2013: कोलकाता में जापानी व्याकरण पर एक संगोष्ठी में भाग लिया। संगोष्ठी मैडम रीओको ईसेदा, जापान फाउंडेशन, नई दिल्ली कार्यालय की भाषा अधिकारी द्वारा आयोजित किया गया था और पूर्वी भारत जापानी भाषा शिक्षक संघ (इजल्ता) द्वारा सह आयोजन किया गया था और इंडो जापान भाषा अध्ययन सोसायटी, कोलकाता, महावाणिज्य दूतावास जापान, कोलकाता और जापान फाउंडेशन, नई दिल्ली।

विस्तार गतिविधियों / एनएसएस / सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों विभाग द्वारा आयोजित और विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया।

1. 9 मई 2013: टैगोर की जयंती उत्सव पर सुश्री गीता ए कीनी और श्रीमती कीको उल्लेख किया गया था द्वारा

टैगोर की जापानी प्रतिपादन के सस्वर पाठ्।

2. 1-4 दिसम्बर, 2013: क्योटो बुनकीओ विश्वविद्यालय, क्योटो, जापान बंगाल की संस्कृति के बारे में पता करने केलिए अपने अध्ययन टूर कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, शांति निकेतन का दौरा किया। प्रो एस सुगीमोटो के नेतृत्व में टीम विभाग का दौरा किया। अपने प्रवास के दौरान वे विभाग के छात्रों के साथ इंटरैक्टिव सत्र था।

3. 22 दिसंबर 2013: सुश्री गीता ए कीनी संकलित और गीतांजलि नामक एक कार्यक्रम का निर्देशन-शान्तिदेव घोष सभागृह गीतांजलि में मंचन किया गया कि कवितांजली विश्वभारती के विभिन्न विभागों में पढ़ने वाले विदेशी छात्रों को बंगाली में अपने समकक्ष के सस्वर पाठ के साथ मिलकर अपनी मातृभाषा में टैगोर की कविताओं के रेंडरिंग्स सुनाई्। श्रीमती कीको उल्लेख किया गया था, विभाग के एक अतिथि शिक्षक और सुश्री यूकीनो अमीमिआ जापानी दर्शन और धर्म विभाग के छात्र और विभाग के एक छात्र प्रशिक्षक जापानी प्रतिपादन में टैगोर की कविताओं की दो सुनाई्।

4. 21 फ़रवरी 2013:चिकुशी जोगाक्वेन विश्वविद्यालय, फुकुओका, जापान 21-23 फ़रवरी, 2014 के दौरान शांति निकेतन का दौरा किया और विभाग के छात्रों के साथ एक सांस्कृतिक बातचीत की थी।

5. 10 मार्च 2014: जापानी फोकसोंग्स पर एक कार्यक्रम विभाग के 60 वें वर्ष के अवसर पर विभाग द्वारा आयोजित किया गया था। श्री ओसामू कोगानी, मियाजिमा से 'सद्भावना राजदूत', हिरोशिमा में विश्व विरासत स्थल के एक साथ एक गीत पर अपने आख्यान के साथ जापानी फोकसोंग्स की एक स्वाद दे दी है।

प्रकाशन

मैं) पाठ पुस्तकों अ) अन्य पुस्तकों आ) के मोनोग्राफ चतुर्थ) शोध पत्रों्। (लेखक (ओं), कागज, जर्नल मात्रा नंबर का वर्ष, पन्ने का शीर्षक) सहकर्मी / समीक्षा की पत्रिकाओं में प्रकाशित समाचार पत्र की, वी) संख्याः राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय।

गीता ए कीनी

১. প্রবাদ ও নারী : বাংলার সামাজিক-সাংস্কৃতিক পটভূমিকায়, পরম তোমার অধ্যাপক বরুণ কুমার চক্রবর্তীর প্রতি শ্রদ্ধার্ঘ্য, পুস্তক বিপণি, কলকাতা, ISBN 978-93-82663-16-4, 2013, পৃ.৪১৮-৪২৭।

২. ছেলে ভুলানো ছড়া : জাপানী সাহিত্য, 'বাংলার ছড়া পরিক্রমা' অক্ষর প্রকাশনী, কলকাতা, ISBN 978-93-82041-17-7, 2014, পৃ.২৮৪-২৯২।

3. नीतिवचन और बंगाली में लोकप्रिय बातें और जापानी भाषा / संस्कृतिः (लिंग परिप्रेक्ष्य से) एक महत्वपूर्ण दृश्य, विश्वभारती त्रैमासिक, वॉल्यूम। 21 नंबर 3 व 4 और वॉल्यूम। 22 नंबर सितम्बर 2013 पीपी करने केलिए एक और 2 अक्टूबर 2012, 83-102 विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पर्िचम बंगाल, वर्ल्ड 2013 आस जापानी अध्ययन में जापानी विभाग के।

4. विकास, नए रुझानों जापानी अध्ययन में, इंटरनेशनल रिसर्च सेंटर जापानी अध्ययन, क्योटो, जापान, अक्टूबर 2013 केलिए, पीपी 35-37 世界の日本研究 — 日本研究の新しい動向

अजय कुमार दास

1. पत्रिका ज्ञान खंड के प्राथमिक शिक्षा के लक्ष्य को प्राप्त करने केलिए जापान और भारत द्वारा अपनाए गए उपायों की तुलनात्मक विश्लेषण। ईएसएसएन 2321-791एक्स, अगस्त 2013 में राष्ट्रीय, पृ. 231 238

मोहम्मद अलीउल अजीम (रिसर्च स्कॉलर)

1. जापान, ज्ञान के जर्नल में टैगोर व्याख्यान पर एक पुनरावलोकन (2321-791), 199 206 1 अगस्त 2013, वॉल्यूम, नंबर 1, (बहु अनुशासनिक जर्नल समीक्षित सहकर्मी)

अन्य

अजय कुमार दास

1. एएससी बर्दवान विश्वविद्यालय में तुलनात्मक साहित्य पर पुन चर्या पाठ्यक्रम (2013 दिसम्बर 4- 24) में भाग लिया।

नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या विभाग द्वारा शुरू की किसी भी अन्य शिक्षण नवाचारों की डिजाइनिंग

1. विभाग बीरभूम इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान, बीरभूम, प. बंगाल के छात्रों के लिए एक अल्पकालिक जापानी भाषा (3 महीने) पाठ्यक्रम तैयार की है।

विकास के लिए भविष्य की योजनाओं का एक संकेत के साथ संबंध भवन / सदन / विभाग के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास

इतिहासः

विश्वभारती, अपनी वैश्विक चरित्र के साथ तालमेल रखने में डा प्रबोध चंद्र बागची के तहत वर्ष 1954 में दो साल का प्रमाणपत्र और एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम के साथ विभाग शुरू कर दिया। इस जापानी भाषा पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए भारत में पहला विश्वविद्यालय है। अपनी स्थापना के कई प्रख्यात जापानी विद्वान शिक्षण कार्य पर शांतिनिकेतन के लिए आया था और विभाग से जुड़े थे के बाद से। विभाग के प्रारंभिक चरण में, जापानी बौद्ध धर्म और भाषा सिखाया जाता था।

1976 वर्ष में, जापानी विश्वभारती के उच्च स्तर स्कूल में एक सहायक विषय के रूप में पेश किया गया था। यह जापानी भाषा उच्च विद्यालय स्तर पर सिखाया जा रहा है, जहां एक ही जगह है। 2001 तक विभाग के शिक्षकों के लिए सक्रिय रूप से उच्च विद्यालय स्तर पर जापानी भाषा के शिक्षण में भाग लिया।

वर्ष 1999 में, विभाग चार साल बीए शुरू कर दिया ऑनर्स कोर्स इसके बाद, एक दो साल एमए कोर्स वर्ष 2006 में शुरू की गई थी।

भविष्य की योजनाएं

विभाग ने भारत में जापानी भाषा की वर्तमान आवश्यकता के साथ तालमेल में रखने के लिए दृश्य के साथ का विस्तार करना चाहता है। नया शैक्षणिक क्षेत्रों में अपने विकास के साथ, विभाग एक सांस्कृतिक केंद्र के रूप में अच्छी तरह से दोनों समाजों की एक बेहतर समझ के लिए आदेश में जापानी अध्ययन के लिए एक अनुसंधान केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए करना है। जापानी में और (जापान) पर अंग्रेजी में पुस्तकों की एक बड़ी संख्या के साथ पुस्तकालय जापानी अध्ययन के विद्वानों के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं। जापानी विश्वविद्यालयों और जापान में शिक्षण संस्थानों की एक संख्या जापानी विभाग, निप्पॉन-भावना के साथ सांस्कृतिक और साथ ही शैक्षिक संबंधों को स्थापित करने के लिए दिलचस्पी दिखा रहे हैं। विभाग का यह प्रयास विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय चरित्र को समृद्ध और भारत और जापान के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक संबंध मजबूत करने के लिए एक प्रोत्साहन के रूप में काम कर सकते हैं।

विभागीय पुस्तकालय के ब्योरे के विवरण

हर स्तंभ यूजीसी की आवश्यकता के अनुसार भरा जाना चाहिए कृपया ध्यान दें कि

क)176 वर्ग मीटर पुस्तकालय के लिए उद्धृत (वर्ग मीटर)) में एक) क्षेत्र

ख) पढ़ना कक्ष के लिए अलग से प्रावधान है? : हाँ

ग) पुस्तकों की कुल संख्या: 13,808 152 13,960

घ) वर्ष के दौरान खरीदी गई पुस्तकों की कुल संख्या प्राप्त: 152 लगभग पत्रिकाओं की

ङ) कुल संख्याः 400 वर्ष के दौरान खरीदी पत्रिकाओं की

च) कुल संख्याः विभाग समय-अलग जापानी संस्थानों समय से पत्रिकाओं प्राप्त करता है। भग पाठकों के

छ) कुल संख्या। : 100

ज) कुल संख्या पुस्तकों और पत्रिकाओं जारीः विभागीय पुस्तकालय छात्रों के लिए ऋण देने की सुविधा नहीं है। स्टाफ सदस्य की कुल संख्या वार (श्रेणी): कोई नहीं। श्री अतसुशी योकोजावा एक जापानी राष्ट्रीय, रूसी भाषा के एक छात्र के रूप में दाखिला लिया, सर्टिफिकेट कोर्स पुस्तकालय के लिए मानद सेवा की पेशकश कर रहा है।

विभाग के प्रमुख की राय में लायक रिपोर्टिंग है जो किसी भी अन्य प्रासंगिक जानकारी, शामिल किया जाना

चाहिए

1. 24 जनवरी 2014, जापान शिक्षा मेले का आयोजन किया गया। टोक्यो विश्वविद्यालय और रितुसुमेकन विश्वविद्यालय कार्यालय, भारत के प्रतिनिधियों, शांतिनिक्तन के लिए नीचे आया और विभिन्न कार्यक्रमों, जापान के विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा की पेशकश कर रहे थे कि छात्रवृत्ति के बारे में बताया।

2. 24 जनवरी 2014, श्री टी वातानाबे, नोमुरा अनुसंधान संस्थान फाइनेंशियल टेक्नोलॉजीज इंडिया प्राइवेट के प्रबंध निदेशक। लिमिटेड, कोलकाता विभाग का दौरा किया। अपनी यात्रा के मुख्य उद्देश्य विभाग के छात्रों के साथ बातचीत करने के लिए किया गया था। इस यात्रा के छात्रों के तीन के फलस्वरूप हाल ही में नियुक्ति की पेशकश की थी।

3. 28 फ़रवरी 2014, सोफिया विश्वविद्यालय, जापान, से प्रो. फ्रांसिस ब्रिट्टो विभाग का दौरा किया और एमए और बीए के अंतिम वर्ष के छात्रों के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र था।

चीनी भाषा एवं संस्कृति विभाग

भाषा और संस्कृति

छात्रों के नाम यूजीसी / सीएसआईआर / नेट /स्लेट और गेट परीक्षा में अर्हता प्राप्त की।

छात्रवृत्ति / उपलब्धियां

2014 में, विभाग के एक छात्र मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने छात्रवृत्ति के लिए भारत सरकार द्वारा चुना गया था, भारत सरकार, भारत-चीन द्विपक्षीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत चीन में अध्ययन को आगे बढ़ाने के लिए

विश्वभारती से एक 15 सदस्य छात्र प्रतिनिधिमंडल, 2013 26 मई - 4 जून से युन्नान विश्वविद्यालय का दौरा किया।

विभागीय संगोष्ठी (वक्ताओं, संगोष्ठी का शीर्षक, दिनांक)

1. अभिविन्यास कार्यक्रम, 'सेना शिक्षा कोर पंचमारी' मध्यप्रदेश 3 सितंबर 2013 को 1 सितंबर से विभाग द्वारा आयोजित किया गया था।

2. संकाय और चीनी भाषा और संस्कृति, चीना-भावना, विश्वभारती और शिवसेना शिक्षण कोर प्रशिक्षण कॉलेज केन्द्र, पंचमारी विभाग के छात्रों के बीच एक संवाद कार्यक्रम, चीनी भाषा विभाग में 2 सितंबर, 2013 को आयोजित मध्यप्रदेश और संस्कृति, चीना-भावना, विश्वभारती।

3. 14 नवंबर 2013: विश्वभारती और चीना-भवन संयुक्त रूप से पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन संस्कृतियों में टैगोर: नोबेल पुरस्कार और परे प्रो टैन चुंग, प्रो वी ली मिंग, प्रो अमर्त्य सेन की तरह प्रसिद्ध चीनी विद्वानों और दूसरों को इस सम्मेलन में भाग लिया। एशिया विद्वान और चीनी भाषा और संस्कृति, चीना-भावना, विश्वभारती विभाग के लिए एसोसिएशन द्वारा आयोजित 23 नवंबर 2013 को आयोजित की:

4. सम्मेलन, 3:30 पर 17 जनवरी 2014 को आयोजित उनके अच्छे नेघबॉर्ली रिलेशन के लिए चुनौतियां चीन भारत पर।

5. एक व्याख्यान सत्र प्रो टैन सेन प्रख्यात भारतीय विद्वान, प्रारंभिक बीस सदी के दौरान पान एशियनिज्म और भारत-चीन सहभागिता पर एक बात को जन्म दिया।

आदि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी विवरण में / रिसर्च स्कॉलर्स शिक्षकों ने भाग लिया।

जयीता गांगुली

सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशाला

24 जनवरी 2014: प.बंगाल इतिहास संसद की 30 वीं सत्र पी.एन. में आयोजित दास कोलाज़ 26 जनवरी 2014 को, पाल्टा उत्तरी 24 परगना स्टोर्म 24; बुद्ध धर्म भक्तिवाद पर एक प्रस्तुति पेश की।

7 फ़रवरी 2014: भिखुनी संघा और बौद्ध धर्म में इसके महत्व को 9 फ़रवरी 2014 को 7 वीं से भारत-तिब्बती अध्ययन, पूर्ब पल्ली, शांति निक्तन विभाग द्वारा आयोजित पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी; बौद्ध परंपरा में भिखुनो। पर एक प्रस्तुति पेश की इसके अलावा सेमिनार के अंतिम सत्र की अध्यक्षता (अकादमिक सत्र आठवीं)

प्रकाशन:

डॉ सुरेश कुमार अग्रवाल, डॉ संजीव सोगानी, श्री विजय गुप्ता, डॉ द्वारा प्रकाशित प्रो (डॉ) सोहन राज तातेड़ के सम्मान में सम्मान मात्रा में प्रकाशित - वर्तमान विश्व में इसके महत्व योग 'शीर्षक लेख । शशी प्रकाश शर्मा, डा विद्यासागर सिंह, जुलाई में श्री भूपेस कुमार जैन (संपादक), 2013 पृ। 253-262्।

टैगोर और चीन 'शीर्षक लेख 8 अगस्त 2013 (22 स्रावन, 1420) पीपी पर प्रकाशित सितंबर, 2012 को विश्वभारती त्रैमासिक मात्रा में 20 नंबर 3 व 4 मात्रा 21 नंबर 1 और 2 अक्टूबर, 2011 को प्रकाशित किया। 61-67।

अभिजित बनर्जी

सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशाला

01-02 जून, 2013: अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन टैगोर से मो यान को: एक सौ वर्ष के प्राच्य संस्कृति की सार्वभौमिकता टोंगजी विश्वविद्यालय, शंघाई, चीन द्वारा आयोजित; समानांतर सत्रों में से एक में एक मध्यस्थ के रूप में काम किया चीनी इसके अलावा में टैगोर और उनके चीनी मित्र पर एक प्रस्तुति पेश की।

06-07 जून, 2013: अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - चीन-दक्षिण एशिया सामाजिक विज्ञान की युन्नान अकादमी, युन्नान, चीन द्वारा आयोजित टैंक मंच, सोचो; भारत-चीन संबंधों के प्रधान सिद्धांत लोग-जन संबंधों को मजबूत पर एक प्रस्तुति पेश की

24 सितंबर 2013: बिथयून कॉलेज, कोलकाता द्वारा आयोजित अनुवाद में टैगोर पर यूजीसी प्रायोजित एक दिवसीय राज्य स्तरीय संगोष्ठी; चीन में टैगोर के काम के अनुवाद पर एक प्रस्तुति पेश की

इंटर-सांस्कृतिक बातचीत के टैगोर की विरासत: भारत, चीन और सभ्यतागत राज्य अमेरिका पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: 9 नवम्बर 2013 को 8 वीं चीनी अध्ययन संस्थान, दिल्ली प्रजेंटेड द्वारा आयोजित; आधुनिक चीनी साहित्य की दिशा में रवींद्रनाथ टैगोर के योगदान 'विषय पर एक प्रस्तुति पेश की।

अंतरराष्ट्रीय संबंध और विकास, कोलकाता में अध्ययन के लिए केंद्र द्वारा आयोजित 9 वें कोलकाता 2 कुनमिंग फोरम;: 25 नवम्बर 2013 शैक्षिक सहयोग भारत चीन द्विपक्षीय सहयोग में एक संभावित विकास क्षेत्र पर एक प्रस्तुति पेश की।

25 नवंबर 2013: एशिया विद्वान, नई दिल्ली और मकैस, कोलकाता एसोसिएशन द्वारा आयोजित दक्षिण पूर्व एशिया में चीन और भारत 'विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन; कोलकाता में चीनी प्रवासी पर एक प्रस्तुति पेश की।

12-14 दिसम्बर, 2013: आईआईएम, कोझीकोडे के साथ सहयोग में चीनी अध्ययन संस्थान, दिल्ली द्वारा आयोजित चीन अध्ययन के छठे अखिल भारतीय सम्मेलन; समकालीन चीन में भारतीय दर्शन का एक अध्ययन 'विषय पर एक प्रस्तुति पेश की।

14-16 दिसम्बर, 2013: हिंदी भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित 'हिंदी दिवस समराहा-2013 ; चीन में हिंदी अध्ययन की वर्तमान स्थिति और भविष्य 'विषय पर एक प्रस्तुति पेश की।

17 दिसंबर 2013: बर्दवान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित तुलनात्मक साहित्य में पुन चर्या पाठ्यक्रम; समकालीन चीनी साहित्य पर एक प्रस्तुति पेश की।

3 मार्च 2014: बर्दवान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इतिहास में पुन चर्या पाठ्यक्रम; चीनी इतिहास पर एक प्रस्तुति पेश की।

5-6 मार्च 2014 को 5: एयर फोर्स स्टेशन, बागडोगरा द्वारा आयोजित चीनी भाषा विशेषज्ञता-2014 सिनगीजींग पर संगोष्ठी; चीनी भाषा शिक्षण में ऑडियो विजुअल तकनीक पर एक प्रस्तुति पेश की।

24-25 मार्च 2014: एशिया विद्वानों की एसोसिएशन, दिल्ली और मणिपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'भारत की पूर्व की ओर देखो नीति में पूर्वोत्तर भारत' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी पूर्वोत्तर भारत पर चीनी विद्वान धारणा पर एक प्रस्तुति पेश की।

प्रकाशन

सो फेंग बाओदान में एफए फेंग पर, एड। लिआंग जियान लो, एकता प्रेस, बीजिंग, चीन, मई, 2013 पीपी 75-76, pp76-77, आई-978-7-5126-1748-3

प्राचीन चीनी संगीत पर भारतीय संगीत का प्रभाव - भारत-चीन सांस्कृतिक फ्यूजन का एक शानदार उदाहरण 'भारत में और चीन इंटरकल्चर परिप्रेक्ष्य एड। । सबरी मित्रा, पात्रेसिया ओबेरॉय, मनोरंजन मोहंती, आईसीएस और ज्ञान पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2013, पीपी 177-183, आईएसबीएन: .978-81-212-1228-1

तंद्रिमा पैट्रिआ

प्रकाशन

कमालिनी 2013, आईएसबीएनः बंगाली निबंध की चाइनीज अध्ययन -एक संग्रह, कोलकाता पर पांच लेख 978-93-816876-41-3

अत्रेय भट्ट

6 जून 2013 को 27 मई 2013 से काम में विश्वभारती से प्रभार में शिक्षक और युन्नान विश्वविद्यालय में अध्ययन यात्रा, कुनमिंग, चीन के रूप में काम किया।

05-06 मार्च, 2014: एयर फोर्स स्टेशन, बागडोगरा द्वारा आयोजित चीनी भाषा विशेषज्ञता-2014 सिनर्जीग पर संगोष्ठी; 4 मई आंदोलन के दौरान चीनी भाषा में परिवर्तन और विकास 'विषय पर एक प्रस्तुति पेश की।

देबदास कुंडू

सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशाला

यूजीसी-ए एस सी में 24 दिसंबर 2013 को 4 दिसम्बर से तुलनात्मक साहित्य में 9 पुन चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया, बर्दवान विश्वविद्यालय।

14 दिसंबर 2013: 24 दिसंबर 2013 को 4 दिसम्बर से बर्दवान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित तुलनात्मक साहित्य में 9 पुन चर्या पाठ्यक्रम; चीनी काव्य में सांस्कृतिक पहचान पर एक प्रस्तुति पेश की

चिरंजीब सिन्हा

सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशाला

14 नवंबर 2013: संस्कृतियों में टैगोरः नोबेल पुरस्कार और उससे आगे 'पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया विश्वभारती द्वारा आयोजित।

23 नवंबर 2013: संयुक्त रूप से एशिया विद्वान, नई दिल्ली और चीनभवन, विश्व भारती के लिए एसोसिएशन द्वारा आयोजितः उनके अच्छे नेघबॉर्ली संबंधों में चुनौतियां चीन-भारत 'विषय पर संगोष्ठी में भाग लिया।

प्रकाशन

राज्य, राष्ट्र और बहुसंस्कृतिवाद में चीन-भारत संबंध में टैगोर के योगदानः 978-81-924226-0-2: इतिहास विभाग और राजनीति विज्ञान, चंडीदास महाविद्यालय, 2013, आईएसबीएन द्वारा प्रकाशित परिप्रेक्ष्य में समस्या।

विस्तार गतिविधियों / एनएसएस / सांस्कृतिक और विभाग और विभाग के छात्रों द्वारा आयोजित की अन्य गतिविधियों।

25 बैसाख,1419 (15 अप्रैल 2013): रवींद्र संगीत चीनभवन, विश्वभारती के छात्रों द्वारा रवींद्रभवन, विश्वभारती में चीनी भाषा में गाया गया था।

एक फोटो प्रदर्शनी 3:30 पर 20 सितम्बर 2013 को आयोजित किया गया था। चीनी भाषा और संस्कृति, चीना-भावना, विश्वभारती विभाग में।

चीनी भाषा और संस्कृति, चीना-भावना, विश्वभारती विभाग अक्टूबर 5 पर एक चीनी प्र नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया, 2013.बीस (20) छात्रों को इस घटना में भाग लिया।

चीनी भाषा और संस्कृति, चीना-भवन विभाग कोलकाता में चीन के वाणिज्य दूतावास के लोगों के गणराज्य के सहयोग से 2:30 पर 19 दिसंबर को आयोजित एक चीनी फिल्म महोत्सव ', 2013 के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया। इस अवसर पर, एक चीनी फिल्म थाइलैंड में खो चीना-भावना, विश्वभारती में जांच की गई थी।

नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या विभाग द्वारा शुरू की किसी भी अन्य शिक्षण नवाचारों डिजाइनिंग

विश्वभारती और युन्नान के बीच समझौता ज्ञापन

संकाय सदस्यों, विभागों और अन्य संबद्ध संस्थानों और कार्यक्रमों, विश्वभारती और युन्नान विश्वविद्यालय, कुनमिंग के बीच संपर्क और सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए, चीन में जुलाई में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

हैं, 2011 के समझौता ज्ञापन अप्रैल में तीन साल की अवधि के लिए बढ़ाया गया था , 2013 इस एमओयू के तहत, सात चीनी शिक्षकों, डिपार्टमेंट. अन्डर इस कार्यक्रम के शिक्षण और अनुसंधान के कार्यक्रम में हिस्सा लिया था आज तक, युन्नान विश्वविद्यालय से तीस छात्रों विश्वभारती से विश्वभारती और के बारे में चालीस छात्रों का दौरा किया युन्नान विश्वविद्यालय का दौरा किया । समझौता ज्ञापन के दो विश्वविद्यालयों के बीच छात्रों के आदान-प्रदान और संकाय के लिए भी प्रावधान किया था।

विकास के लिए भविष्य की योजनाओं के संकेत के साथ संबंध भवन / सदन / विभाग के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहासः -

विश्वभारती चीना-भवन (चीनी भाषा और संस्कृति विभाग) व्यक्तिगत संपर्कों के माध्यम से भारत और चीन के बीच सदियों पुरानी संस्कृति संबंध और इंटरफेस को मजबूत बनाने के महान विचारों के साथ 14 अप्रैल 1937 पर गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर और प्रो टैन यूं शान द्वारा स्थापित किया गया था और दोनों देशों के बीच आपसी संबंध के इतिहास में जांच अपनी स्थापना के आधुनिक दुनिया के महान दिमाग से अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक अध्ययन के विभिन्न पहलुओं पर सामूहिक अनुसंधान कार्य शुरू करने के लिए और दुनिया के लोगों के बीच सार्वभौमिक दोस्ती और भाईचारे के महान संदेश के प्रसार के लिए गुरुदेव की इच्छा की आंशिक पूर्ति में था। गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर से निरंतर प्रेरणा के साथ प्रोफेसर टैन यूं शान के अथक उत्साह और प्रयास कुछ हद तक भारत में और पूरी दुनिया में भारत-चीन सांस्कृतिक फैलोशिप की एक नई विस्टा खोल दिया।

चीना-भवन के संस्थापक निदेशक प्रोफेसर टैन यूं शान निम्नलिखित शब्दों के साथ इस संस्था के भविष्य पर उसकी गंभीर आशाओं और आकांक्षाओं को व्यक्त किया: विश्वभारती चीना-भवन भारत-चीन के अध्ययन के लिए एक केंद्र पर भी हमारे दोनों देशों के बीच एक ठोस प्यार का लिंक और दोस्ती ही नहीं है, और अपने उद्देश्य और लक्ष्य के लिए हमारे दोनों देशों की भलाई के लिए, लेकिन के लिए ही नहीं है पूरी दुनिया की भलाई के रूप में अच्छी तरह से। मैं सबसे विनम्रतापूर्वक इस संस्था के प्रति अपनी सहानुभूति, सहायता और आशीर्वाद देश के लिए भारत और चीन में है, लेकिन बड़े पैमाने पर दुनिया में न केवल हर समय में सभी प्रख्यात व्यक्तियों को प्रार्थना करते हैं।

गुरुदेव की भावना को प्रकट करते हुए प्रो टैन यूं शान वह इस संस्था अनुग्रह करने के लिए दुनिया के विद्वानों, राजनेता और नेताओं के लिए एक अपील बनाया चीना-भवन की भविष्य की भूमिका के बारे में है, लेकिन सीमित संसाधनों को ध्यान में रखते उच्च आशाओं और आकांक्षाओं को व्यक्त किया उनके आशीर्वाद और समर्थन के साथ। चीना-भावना इस प्रकार के अनुसंधान के लिए एक उन्नत केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए गुरुदेव द्वारा परिकल्पित किया गया था। इस प्रकार के रूप चीना-भावना के उद्देश्य और उद्देश्यों को बाहर वर्तनी गया:

1. भारतीय और चीनी सीखने में शोध अध्ययन का संचालन करने के लिए।
2. भारतीय और चीनी संस्कृति का आदान-प्रदान को बढ़ावा देना।
3. भारत और चीन के दो देशों के बीच दोस्ती और भाईचारे खेती के लिए।
4. में शामिल होने और भारत और चीन के लोगों को एकजुट करने के लिए।
5. संयुक्त रूप से बढ़ावा देने के मानवता के सार्वभौमिक शांति और सद्भाव के लिए।
6. दुनिया के महान एकता के निर्माण में मदद करने के लिए।

इस प्रकार है, जो विश्वविद्यालय के सामान्य नियम के रूप में परिलक्षित गुरुदेव टैगोर, भारत-चीन संबंधों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है इस संस्था को देखने के लिए आकांक्षीः

इस विभाग (चीना-भवन) का उद्देश्य स्थापित करने और साथ ही साथ के लिए यह भारतीय भाषाओं, साहित्य, इतिहास, धर्म, दर्शन आदि का अध्ययन करने के लिए चीनी विद्वानों के लिए सुविधाएं प्रदान करेगा जो उद्देश्य के लिए चीन और भारत के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए किया जाएगा भारतीय विद्वानों आदि चीनी भाषा, साहित्य, धर्म, दर्शन – बौद्ध धर्म के सभी तरह के अध्ययन के लिए नाभिक के रूप में माना जा रहा है अध्ययन करने के लिए। (विश्वभारती बुलेटिन नहीं, अप्रैल के 24, 1939)

संस्था के लगभग सभी एशियाई देशों से, छात्रों और विद्वानों को विशेष रूप से चीन से और भारत के विभिन्न भागों की एक अच्छी संख्या को आकर्षित किया है और यह भी अफ्रीका, यूरोप और अमेरिका से। विदेशी छात्रों का बड़ा हिस्सा श्रीलंका, जापान, म्यांमार, थाईलैंड और नेपाल से आया है। इन सभी विद्वानों के शैक्षणिक काम करता है, इस सीमित दायरे के भीतर का उल्लेख करना संभव नहीं है, जिनमें से नाम, अमीर शैक्षिक योग्यता के अपने शोध कार्य से विभाग को समृद्ध बनाया। इन सभी विद्वानों के अनुसंधान आउटपुट के पुस्तक के रूप में या लेख पत्रिकाओं और अन्य शैक्षणिक जर्नल ऑफ इंडिया और विदेशों में भी प्रकाशित किए गए थे। इसके अलावा, अनुवाद कार्यों का एक मोटा राशि बाहर किया गया था और विभाग भारत-चीन जर्नल का प्रकाशन शुरू कर दिया। विभाग भी काफी वित्तीय सहायता के लिए अपने दान के साथ संस्था को समृद्ध बनाया है जो कई विशिष्ट हस्तियों और संरक्षक के दौरे से विशेषाधिकार प्राप्त किया गया है।

चीना-भवन पुस्तकालय पचास हजार से अधिक दुर्लभ और अमूल्य पुस्तकों की अपनी खजाना घर के साथ पूरे दक्षिण एशिया में चीनी पुस्तकों और पत्रिकाओं के संरक्षण में अपनी तरह का सबसे अच्छा है। यह एक विशेष सुविधा, विश्वभारती विश्वविद्यालय के लिए बल्कि पूरे देश के लिए न केवल एक दुर्लभ खजाना है।

किसी भी अन्य प्रासंगिक जानकारी

मार्च 2014 के लिए अप्रैल 2013 के दौरान चीना-भावना को प्रतिनिधिमंडलों की यात्रा के कालक्रम

दो सदस्य चीनी प्रतिनिधिमंडल 14 जून 2013 पर चीनी भाषा और संस्कृति, चीना-भावना, विश्वभारती विभाग का दौरा किया।

वियतनाम से एक दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल - (1) प्रो हो जुआन के बिन्ह, वियतनाम भारत के संस्थान और दक्षिण पश्चिम एशियाई अध्ययन के महानिदेशक, (2) डॉ ली थी हैंग नगा, ऐतिहासिक और संस्कृति के अध्ययन के प्रमुख और विदेश के सहायक मंत्रालय, वियतनाम भारत के संस्थान और दक्षिण पश्चिम एशियाई अध्ययन 28 अक्टूबर 2013 पर विभाग के संकाय और छात्रों के साथ चीना-भावना, विश्वभारती और बातचीत का दौरा किया।

15-17 दिसंबर 2013 - एक चीनी प्रतिनिधिमंडल 15 से चीना-भवन का दौरा किया है।

युन्नान विश्वविद्यालय, चीन की पीपुल्स गणराज्य से छात्रों और शिक्षकों के शामिल एक चौदह सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल, 24 फ़रवरी 2014 को 18 वीं से युन्नान विश्वविद्यालय और विश्वभारती विश्वविद्यालय के बीच एमओयू के तहत विश्वभारती विश्वविद्यालय का दौरा किया, प्रतिनिधि मंडल छात्रों के साथ और भी दौरा किया इंटरेक्ट विभिन्न विभाग। इस अवसर चीनी भाषा और संस्कृति विभाग पर, चीना-भवन 24 फ़रवरी 2014 पर चीना-भावना, विश्वभारती के युन्नान विश्वविद्यालय के छात्रों और छात्रों द्वारा बाउल संगीत, रायबासे और कुछ प्रदर्शन पर एक छोटी सी संस्कृति कार्यक्रम का आयोजन किया।

एक इंटरैक्टिव सत्र संकाय और चीना-भावना, विश्वभारती के छात्रों के साथ कोलकाता वांग एक्सफेंग में चीन की पीपुल्स गणराज्य के नए महावाणिज्य के बीच 14 मार्च 2014 को आयोजित किया गया था।

बौद्ध अध्ययन केन्द्र (सीबीएस)

संक्षिप्त इतिहास

नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर संस्कृत, पाली, चीनी और तिब्बती जैसी भाषाओं के माध्यम से बौद्ध धर्म में अध्ययन और अनुसंधान के लिए शैक्षिक विभागों को खोलने के लिए समर्थन किया। शांतिनिकेतन को 1921 में सिल्विअन लेवी के निमंत्रण टैगोर खुद को एक छात्र था, जिनमें से विश्वभारती में शैक्षणिक और वैज्ञानिक अध्ययन और बौद्ध धर्म के अनुसंधान की शुरुआत के रूप में कहा जा सकता है।

वर्ष 2005 में, डॉ नरेंद्र डैश, भारत-तिब्बत अध्ययन विभाग के पूर्व प्रमुख, एक ही वर्ष में तदनुसार मंजूर किया गया था जो विश्वभारती में बौद्ध अध्ययन के लिए एक केंद्र की स्थापना के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग लागू होता है। यह वास्तव में 2005 में यूजीसी युग भारत में सामाजिक विचारकों बनाने की योजना के तहत मंजूर की गई है, हालांकि उसकी वजह से उत्साहित प्रयास करने के लिए, हालांकि, यह एक अंतर-अनुशासनात्मक और अंतर्विभागीय है केवल 2007 में अपनी गतिविधियों को शुरू करने में सक्षम था शैक्षिक मंच केन्द्र के उद्देश्य हैं:

1. कक्षा व्याख्यान
2. विशेष व्याख्यान
3. वृत्तचित्र फिल्म शो / सांस्कृतिक फिल्म शो
4. अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशाला
5. प्रदर्शनियों
6. अनुवाद और रिसर्च प्रोजेक्ट्स
7. प्रकाशन बौद्ध अध्ययन पर
8. लघु कोर्स

2014 अप्रैल 2013 से मार्च वर्ष के भीतर का आयोजन सेमिनार / सम्मेलन

पिछले शैक्षणिक वर्ष (2013-2014) के दौरान केंद्र 07-09 बौद्ध धर्म में संघा और इसके महत्व एक तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, फरवरी, 2014 यह यूजीसी और विश्वभारती द्वारा वित्त पोषण किया गया था का आयोजन, और संयोजक संजीब कुमार दास था।

सेमिनार /सम्मेलन 2014 अप्रैल 2013 से मार्च वर्ष के भीतर भाग लिया

संजीब कुमार दास, प्रभारी, सीबीएस

7-9 फ़रवरी 2014: अंतर्राष्ट्रीय पर संगोष्ठी भिखुनी संघा और बौद्ध धर्म में इसके महत्व को' बौद्ध अध्ययन, विश्वभारती, शांतिनिक्तन के लिए केंद्र द्वारा आयोजित से। कागज पर प्रस्तुत की और प्रस्तुत भिक्षुणे संघः आलोचना और काउंटर आलोचना का एक मुद्दा'

20-21 फ़रवरी, 2014: सीआईआईएल, मैसूर के सहयोग से असमिया, मराठी और तमिल, विश्वभारती, शांतिनिकेतन विभाग द्वारा आयोजित से जनजातीय भाषा, साहित्य और संस्कृति पर वैश्वीकरण के प्रभाव 'विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। पेपर प्रस्तुत और 'पर प्रस्तुत' स्ताकना मठः। भारत में एक भूल आध्यात्मिक विरासत '

7-9 फ़रवरी 2014: पाली, कलकत्ता विश्वविद्यालय के विभाग द्वारा आयोजित से बौद्ध धर्म को समझने के लिए (पीली के अलावा अन्य) बौद्ध साहित्य का 'नया आयाम पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी। पेपर 'बौद्ध धर्म को समझने के लिए (पाली के अलावा अन्य) बौद्ध साहित्य के नये आयाम' प्रस्तुत की और पर प्रस्तुत।

विस्तार गतिविधियों / एनएसएस / सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों

एप्लाइड बौद्ध धर्म पर 1. एक पांच दिवसीय शॉर्ट-टर्म कोर्स शांतिनिक्तन अम्बेडकर बौद्ध मिशन, शांति निक्तन से प्रभावी के साथ सहयोग में बौद्ध अध्ययन के लिए केंद्र, विश्वभारती द्वारा आयोजित किया गया था भारत-तिब्बत

अध्ययन विभाग की छतरी के नीचे चल रहा है 20 जनवरी 2014। भारत-तिब्बती अध्ययन केंद्र और विभाग के छात्रों और स्टाफ के सदस्यों सहित पचास से अधिक बौद्ध अनुयायियों के एक नंबर सक्रिय भाग लिया।

भारत-तिब्बत अध्ययन विभाग के संकाय सदस्यों सहित 13 प्रख्यात विद्वानों की 2. एक संख्या बौद्ध अध्ययन से संबंधित विभिन्न विषयों पर विशेष / बंदोबस्ती व्याख्यान देने के लिए बौद्ध अध्ययन के लिए केंद्र द्वारा आमंत्रित किया गया था।

भविष्य के विकास

केंद्र प्रो सुनीति कुमार पाठक और प्रो सोमदत्ता मंडल के संपादकीय मदद से इस शैक्षणिक वर्ष में तीन किताबें प्रकाशित करने के लिए कल्पना करते हैं। तीन पुस्तकों का नाम है:

1. बौद्ध अध्ययनः एक भावी आयाम
2. भिखुनी संघा
3. बौद्ध अध्ययन पर निबंध संग्रह

केंद्र भी अनुसंधान परियोजनाओं को शुरू करने और एक वार्षिक पत्रिका प्रकाशित करने के लिए कल्पना करते हैं

विद्या-भवन
(सामाजिक विज्ञान संस्थान)

विद्या-भवन जो वर्तमान में विश्व भारती की मानविकी का कालेज है, गुरुदेव द्वारा दिसंबर 1918 में विश्व भारती की स्थापना के बाद शीघ्र ही जुलाई 1919 में अस्तित्व में आया। इसने उत्तर विभाग-आधुनिक अध्ययन नाम से कार्य करना प्रारम्भ किया।

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान का संस्थान विद्या-भवन को उच्चशिक्षा एवं अनुसंधान की संस्था के रूप में परिकल्पित किया था तथा इसने सदैव विश्व भारती में प्रमुख स्थान पाया। प्रख्यात विद्वान एवं अध्यापक विधुशेखर शास्त्री जी ने प्रमार्दित किया कि इसका नाम ही सकारात्मक विचारो से भरा है, इसकी शिक्षा पद्धति शांतिनिकेतन पत्रिका के ईशा पूर्व माघ 1932 विक्रम सम्वत में प्रकाशित पद्धति के अनुरूप है एवं अनौपचारिक शुभारंभ भी पौष अष्टमी 1325 विक्रमी (दिसंबर 1925) के अंतिम सप्ताह में हुआ।

वर्तमान समय में विश्व भारती के अंतर्गत विश्वविद्यासय के 6 प्रमुख विभाग (दर्शन शास्त्र एवं तुलनात्मक धर्म, इतिहास, भूगोल, प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृत एवं पुरातत्व, अर्थशास्त्र एवं राजनीति शास्त्र तथा संबंध इकाई में पुरातत्व एवं शिक्षाशास्त्र का अध्ययन किया जाता है)।

विद्या-भवन विश्व के पूर्वी पश्चिमी दोनों ही देशों के छात्रों को आकर्षित करने में पर्याप्त सफल रहा है। विद्या-भवन में बढ़ी संख्या में विदेशी छात्र निरन्तर विविध पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेते हैं।

विद्या-भवन पाठ्यक्रमों में आनर्स, स्नातकोत्तर, एमफिल एवं पीएच.डी सम्मिलित है। वर्तमान में आधुनिक शिक्षा एवं समाजवैज्ञानिक अनुसंधान में निरंतर रूचि बढ़ रही है। विद्या-भवन के प्राध्यापकों द्वारा विदेशी आर्थिक सहायता प्राप्त कतिपय योजनाओं का सफलता पूर्वक संचालन किया जाता है। विद्या-भवन धार्मिक तथा सांस्कृतिक अनुरूपता, शिक्षा प्रसार तथा आत्म-त्याग तथा विश्व बन्धुत्व के माध्यम से राष्ट्रीय एवं विश्व शांति स्थापित करने की ओर संकल्पित होकर अग्रसर हो रहा है।

अर्थशास्त्र एवं राजनीतिशास्त्र विभाग

विभाग का संक्षिप्त इतिहास व भावी योजना

अर्थशास्त्र एवं राजनीतिशास्त्र विभाग ने अपनी यात्रा शिक्षा-भवन के अन्तर्गत एक पृथक विभाग के रूप में 1953 में प्रारंभ की। तदुपरांत यह विभाग विद्या भवन (सामाजिक विज्ञान संस्थान) के अधीन सम्मिलित कर लिया गया एवं स्नातकोत्तर छात्रों का पहला बैच 1938 में एवं पीएच.डी. की पहली उपाधि 1969 में प्रदान की गई।

आरंभ से ही विभाग कृषि एवं ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में अनुसंधान पर अपना ध्यान केन्द्रित करता रहा है। विभाग के विद्यार्थीगण अनुसंदान के क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त करने के लिए खास तौर से भूमि-विकास कृषि व्यवस्थान, कृषि उत्पादन एवं ग्राम्य दारिद्र्य के क्षेत्र में स्वयं को नियोजित किये हुए हैं। राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के लब्ध प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों एवं विश्व-भारती के अन्य विभागों / केन्द्रों, यथा कृषि आर्थकीय अनुसंधान केन्द्र, शांतिनिकेतन के सहयोगी से अनेक अनुसंधान कार्य इस बीच सम्पादित किये जा चुके हैं जिसे भारत एवं विदेश में सम्मिलित किया गया है।

सभी क्षेत्रों में यद्यपि समान रूप से ध्यान दिया गया है, तथापि विभाग के अनुसंधान क्षेत्र को विस्तार दिया गया। जिन क्षेत्रों में विस्तार दिया गया है, वे हैं योजना, आर्थिक, विकास, मुख्य रूप से ग्राम्य विकास, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, राजनीतिक आर्थिकी एवं पर्यावरण संसाधान अर्थशास्त्र। इनक्षेत्रों में अनुसंधान कार्य को प्राप्त मान्यता से प्रभावित होकर योजना आयोग (भारत सरकार) ने विभाग को एक प्लानिंग यूनिट की स्थापन करेन, अनुसंधान विकास को बढ़ावा देने एवं अन्य सम्बद्ध कार्यों को सुचारू रूप से सम्पादित करने के लिए 30 लाख रुपये का अनुदान पर्दान किया है। हाल ही में विश्व भारती की ओर से प्लापिंग यूनिट क नाम बदल कर ए.के. दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट से अभिहित किय गया है जिसे योजना आयोग का अनुमोदन भी प्राप्त है। विश्वविद्यालय ने इस केंद्र को अर्थशास्त्र व राजनीतिशास्त्र विभाग से स्व. प्रोफेसर ए.खे. दासगुप्त (पता : निराल, 33 पूर्वपल्ली, शांतिनिकेतन) में स्थानांतरित कर दिया है जिसे प्रोफेसर पार्थ दासगुप्त फ्रैंक राय से प्रो., कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय एवं डॉ. अलकनंदा पटेल, प्रो. दासगुप्त के पुत्र एवं पुत्री ने अनुदान स्वरूप दिया है। गौरतलब हो कि यह बदलाव मात्र भौगोलिक है और केंद्र विभाग के अधीन लगातार क्रियाशील है। अर्थशास्त्र एवं राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रोफेसर प्रणव कुमार चट्टोपाध्याय वर्तमान में अध्यक्ष पद का दायित्व संभाल रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि विबाग के कई सदस्य एवं शोध छात्र विविध क्षेत्रों यथा, आर्थिक विचार समस्या, भारतीय कृषि पर वैश्वीकरण का प्रभाव, मत्स्यपालन, लघु स्तरीय उद्योग, पंचायती राज प्रणाली, सूक्ष्म-ऋण बीमा और विकास एवं अन्य क्षेत्रों में सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। विभाग के सदस्यों को सरकारी एवं गैर सरकारी एजेन्सियों से फेलोशिप भी प्राप्त हो चुके हैं ताकि वे विदेशी विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों में अनुसंधान कार्य को एक नया प्रतिमान दे सकें। भारत और विदेशी विश्वविद्यालयों, कालेजों एवं अनुसंधान संस्थानों में अध्ययन और अनुसंधान के क्षेत्र में व्यवस्थापित हमारे विद्यार्थी आरतीभाई, नाबार्ड आदि प्रमुख आर्थिक एवं वित्तीय संस्थानों में भी दायित्वपूर्ण पदों पर प्रतिष्ठित हैं।

यूजीसी की ओर से विभाग को विशेष सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गतपाँच वर्षीय डीआरएस-1 स्तरीय आर्थिक सहायता 1.4.2009 से 31.3.2004 तक आर्थिक सहायता कृषि, पर्यावरण एवं ग्राम्य विकास को बढ़ावा देने के लिए दी जा रही है।

विभाग अब शैक्षिक गतिविधियों को विस्तार देने के लिए विविध कई योजनाएं लागू कर रहा है। इसके अतिरिक्त, विभाग यूजीसी से डीआरेस-2 प्राप्त करने के लिए अपना कदम बढ़ाता जा रहा है। साथ ही विभाग प्रगतिशील अनुसंधान कार्यों को भी विस्तार देना चाहता है। विश्व-भारती के अन्य विभागों एवं विश्व भारती के बाहरी संस्थानों के सहयोग से इस विबाग का ध्येय अनुसंधान एवं अंतरअनुशासनात्मक अनुसंधान को अंजाम देना है।

विभागीय संगोष्ठी :

पिछले एक वर्ष के दौरान विभाग की ओर से निम्नलिखित विभागीय संगोष्ठी। आमंत्रित विशेष व्याख्यान आयोजित किये गये:

28 जुलाई 2013 : 'ग्राम्य विकास : टैगोर की संकल्पना, डॉ. सत्यनारायण भट्टाचार्य डिप्टी रजिस्ट्रार, शिक्षआ और अनुसंधान। द्वारा ए.के. दासगुप्त संटर, योजना और विकास के सहयोग से।

24 अगस्त 2013 : महिला सशक्तिकरण और आजीविका, भी दीपक डेविड, डीजीएम-सीएसआर, ईआर फाउंडेशन द्वारा एक.के. दासगुप्त सेंटर, योजना व विकास के सहयोग से।

5 सितम्बर 2013 : सुश्री बोधिरूप सिन्हा, अध्यक्ष, पाठ भवन, द्वारा विभाग में शिक्षक रवीन्द्रनाथ पर एक विशेष संगोष्ठी में दिया गया आख्यान।

21 सितम्बर 2013 : 'आदिवासी की आर्थिक परिस्थिति : प्रो. फेलिजस पटेल, सेंटर फॉर वर्ल्ड इनवायरनमेंटल हिस्ट्री, सुसेवस यूनिवर्सिटी एंव इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ मैनेजमेंट रिसर्च, राजस्थान द्वारा। यूजीसी एसएपी (डीआरएस-1) की ओर से दी गयी आर्थिक सहायता के साथ।

17 जनवरी 2014 : बीडिंग वि◌ेवियर गीभेन प्वाइंट एंड इंटरनल वैल्यूज इन ए सेकेंड प्राइस ऑक्सन पर डॉ. प्रसेनजीत बनर्जी, अर्थशास्त्र विभाग, मैनचेस्टर विश्वविद्यालय द्वारा दिया गया व्याख्यान।

18 जनवरी 2014 : "स्लमडॉग्स बनाम मिलेनियर्स" - भारत में असमानता एवं कृषि संबंधी संकट : अर्थशास्त्र और राजनीतिशास्त्र विभाग के साथ-साथ पत्रकारिता व जन संचार (सीजेएमस) विश्व भारती द्वारा आयोजित संगोष्ठी में पी. सैनाथ द्वारा दिया गया।

07 मार्च 2014 : दि लैंड क्वैश्चन इन वेस्ट बेंगाल : अंडरस्टैंडिंग सम एमिडिएट कम्प्लेक्स सिटीज डॉ. अपराजिता बक्सी, सहायक प्रोफेसर, राय इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेशल साइंसेस, मुम्बई द्वारा (यूजीसी-एसएपी (डीआरएस-1) की ओर से दी गयी आर्थिक सहायता के साथ)

17 मार्च 2014 : 'इंडियन एक्सपेरिमेंट्स ऑन हेल्थ एंडएजुकेशन इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, कलकत्ता के प्रपेसर राघवेन्द्र, चट्टोपाध्याय द्वारा (यूजीसी- एसपी (डीआरएस-1) की ओर से की गयी आर्थिक सहायता के साथ)

28 मार्च 2014 इकोनॉमिक्स ऑफ वार एंड विशः प्रोफेसर फेलिक्स पडेल द्वारा, सेंटर फॉर वर्ल्ड इनवयरनमेंटल हिस्ट्री, यूनिवर्सिटी ऑफ ससेक्स एंड इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ मैनेजमेंट रिसर्च, राजस्थान, विजिटिंग प्रोफेसर (यूजीसी,एसएपी) डीआरेस3) अर्थशास्त्र व राजनीतिशास्त्र विभाग।

विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन / संगोष्ठी

23-24 नवम्बर 2013 : ए.के. दासगुप्त सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट के सहयोग से चैलेंजेज एंड प्रास्पेक्ट्स ऑफ इनक्लुसिव ग्रोथ इन सरल इंडिया शीर्षक पर राष्ट्रीय संगोष्ठी :

09 मार्च 2014 : पुनर्नवा (एक अलाभकारी संस्था) के सहयोग से कुछ सिक्यूरिटी इन अस शीर्षक पर **सेमिनार।**

21-22 मार्च 2014 : यूजीसी, एसएपी (डीआरएस-2) के सहयोग से पृलिटिकल इकोनॉमी ऑफ एग्रारिमल क्रासिस एंड इनवायरनमेंटल चैलेंचेज इन इंडिया पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।

पिछले एक वर्ष के दौरान शिक्षकगणों द्वारा राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों /संगोष्ठियों य कार्यशालाओं की गयी सहभागिता सूची निम्न प्रकार है :

मधुसूदन घोष

6-7 मार्च 2014 : महातमा गांधी लेचर इंस्टीट्यूट, अहमदाबाद में आयोजित इंडिया एसोसिएसन फॉर रिसर्च एंड नेशनल इनम विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पत्र प्रस्तुत किया।

25-26 मार्च 2014 : सेंटर फॉर ईकोनॉमिक एंड सोशल एड स्टडीज हैदराबाद में आयोजित एप्लिकेशन्स ऑफ पैनल द्वारा (इंडियन इकोनॉमेट्रिक सोसाइटी के स्वर्ण जयंती समरोह के अंग के रूप में विषयक रष्ट्रीय सम्मेलन में आयोजित प्रवक्ता के रूप में एक पत्र प्रस्तुत किया एवं वार्ताकार के रूप में सक्रिय भूमिका निभायी।

सर्बजीत सेनगुप्त

3 फरवरी 2014 : सेंटर पॉर स्टडीज इन सोशन साइन्सेस कलकत्ता एवं मैट्रो डे ईस्ट्राडियोज़ डे एस्टोड बाई सोसि दास,ब्यूनए आयर्स, अर्जेंटीना द्वारा एसाईमेट्रिक डेमोग्राफी एंड ग्लोबल फिनान्स गवर्नेस पर आयोजित एक राष्ट्रीय कार्यशालाओं कैपिटल इन्फ्लो एंड इकोनॉमिक डेवलपमेंट पर एक पैनल डिस्कशन में सहभागिता की।

21 मार्च 2014 : संटर फॉर एडवांस स्टडीज, यादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कॉर्बोरेट फियान्स पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला में 'ऑलिगोपालि एंड फिनान्सियल स्ट्रक्चर'

प्रणव कुमार चट्टोपाध्याय

17-18 जनवरी2014 : अर्थशास्त्र विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'इश्यूज इन डेवलपमेंट, वेज बीइंग एंड लिवलीहुड' शीर्,क अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में दो सर्गो की अध्यक्षता की।

27-28 जनवरी 2014 : श्रीपत सिंह कॉलेज, जियागंज, मुर्शिदाबाद द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में 'एफडीआई एंड इट्स रोल इन डेवलपमेंट प्रॉसेसः ओल्ड डिनेट्सएंड पर्सपेक्टिक्स पर वयाख्यान दिया एवं एक सत्र की अध्यक्षता भी की।

14 मार्च 2014 : अर्थशास्त्र एवं राजनीतिशास्त्र विभाग, विश्व भारती (यूजीसी-एसएपी सेमिनार) द्वारा आयोजित 'णआलिटिकल इकोनामी ऑफ एग्रारियन यूनिवर्सिटी एंड इनवायरनमेंटल चैलेजेंज इन इंडिया', पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार एक सत्र की अध्यक्षता की।

सुदीप्त भट्टाचार्य

27-28 मार्च 2014 : अर्थशास्त्र विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय एवं इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज़ कोलकाता द्वारा संयुक्त रूप से अर्थशास्त्र विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय में 'नियो-लिनेअलिज़्म, एम्पारियर क्रासिस एंड सल्टेड बेंगाल' विषयक एवं इंडियन इकोनामी : पिपुल पॉलिटिकल इकोनामी, पाथ एंड फेज़ेज पर राष्ट्रीय तथा फोरम ऑप डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स पर वार्षइक सेमिनार का आयोजन।

21-22 मार्च 2014 : यूजीसी एसएपी (डीआरएस-1), अर्थशास्त्र एवं राजनीतिशास्त्र विभाग, विश्व-भारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित 'पालिटीकल इकोनॉमी ऑफ एग्रारि भन क्राइसिसि एंड इनवायरनमेंटल चैलेंजेज' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य सत्र क अध्यक्षता की।

4-6 मार्च 2014: नियो0 लिबरालिज्म एंडएग्रारिभन ट्रांजिशन इन इंडिया : दि मोड ऑप प्रोडक्शन डिबेट रिविजिटेड, दि रिटर्न ऑफ दि लैंड क्वैश्चन : डिस्पोजेशन, लिवलहुड्स एंड कन्टेस्टेशन इन इंजियाड कैबिटलिस्ट ट्रांजिशन पर फेकल्टी ऑफ आर्ट्स एंड आस्ट्रेलिया इंडिया इंस्टीट्यूट, मेलबोर्न विश्वविद्यालय, इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज कोलकाता एवं इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट कलकत्ता द्वारा आईडीएसके, कोलकाता में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजनः

28 जनवरी 2014 : ग्लोबलाइजेशन ट्रेड एंड कॉर्पोरेट एग्रीबिजनेस इन इंडिया' श्रीपत सिंह कॉलेज, जियागंज, मुर्शिदाबाद द्वारा एफजीआई एंड इट्स रोल ऑन डेवलपमेंट प्रॉसेस : ओल्ड डिबेट एंड न्यू पर्सपेक्टिव विषय पर राज्य स्तरीय सेमिनार का आयोजन।

13 जनवरी 2014 : इंडियाज नियो-लिबरल रिफॉर्म एंड हाल्टेड एग्रारियन, ट्रांजिशन : रिचुवेसेशन ऑफ दि मोड ऑफ प्रोजक्शन डिबेट ; एग्रो इकोनॉमिक रिसर्च सेंटर, विश्व भारती, शांतिनिकेतन में सरल डेवलपमेंटः थिउरी एवं पॉलिसी पर सेमिनार का आयोजन।

6-7 दिसम्बर 2013 : पार्टिसियेशन एंड सरल ट्रांसफॉरमेशन : सम मार्क्सियन थियोरेटिकल डिस्कोर्स इन दि रिसेन्ट पास्ट लैबोरेटरी ऑफ दि मार्क्सिस्ट सल्ड स्टेट ऑफ वेस्ट बेंगाल फॉर थ्री डिकेड्स', यूनियन क्रिश्चियन ट्रेनिंग कॉलेज, बरहमपुर, मुर्शिदाबाद द्वारा डिसेन्ट्रलाइज्ड डेवलपमेंट एंड सरल गवर्नेन्स इन इंडिया : चैलेजेंज एंड ऑथर युनिटिज वि,य पर सेमिनार का आयोजन।

22-24 नवम्बर 2014 : ए.के. दासगुप्त संटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमंट, अर्थशास्त्र व राजनीतिशास्त्र विभाग,

विश्व भारती, शांतिनिकेतन के दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में 'कृषि व ग्राम्य विकासपर तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

प्रणब कांति बसु

29 जून 2013 : डीएसपी, जेएनयू एवं एनआईएसटीएजीएस द्वारा संयुक्त रूप में नयी दिल्ली में आयोजित राशियान सोसाइटी फॉर इनोवेशन प्लानिंग के अंतर्राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन में 'एक्लुसिव डेवलपमेंट विथ इन्फेआईज़ ऑन इनोमेशन' पर व्याख्यान दिया।

अपूर्व कुमार चट्टोपाध्याय

27-28 मार्च 2014 : एफडीईके अर्थशास्त्र विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा कोलकाता में आयोजित 'इंडियन इकोनॉमी :पिपुल, पॉलिटिकल इकोनॉमी, पाथ एंड फेजेज' पर वार्षिक सेमिनार में सहभागिता।

सन्तदास घोष

8-9 अप्रैल 2013 : यूजीसी - अकादमिक स्टॉफ कॉलेज की ओर से दिनांक 28 मा्च से 18 अप्रैल, 2013 तक आयोजित अर्थशास्त्र में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में समर्थ व्यक्ति केरूप में 'रिसर्च मेथोडोलॉजी एंड सैम्प्ट सर्वे। विषय पर चार सेटों का दिया गया व्याख्यान।

6-9 अगस्त 2013 : दि रॉयल यूनिवर्सिटी ऑफ भूटान (आरयूबी)एवंसाउथ एशियान नेटवर्क फॉर डेवलपमेंट एंड इनवायरनमेंटल इकोनॉमिक्स (एसएएनडीईई) द्वारा लेबेसा (भूटान) में संयुक्त रूप से आयोजित पर्यावरण एवं प्राकृतिक संसाधन अर्थव्यवस्था पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में समर्थ व्यक्ति के रूप में सहभागिता की।

5-8 दिसम्बर 2013 : एक्सट्रीम इवेन्ट, लिवलीहुड लॉस एंड इकोनॉमिकल सस्टेनेबिलिटी : एक्सप्लोरिंग पॉलिसी अल्टरनेटिब्स इन सुंदरवन' पर इंडियन सोसाइटी फॉर इकोलॉजिकल इकोनॉमिक्स (आईएनएसईई) द्वारा तेजपुर विश्वविद्यालय, तेजपुर, असम में आयोजित सातवें द्विवार्षिक सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।

4-13 मार्च 2014 : काठमांडु, नेपाल में दौरे के दौरान साउथ एशियान नेटवर्क ऑफ डेवलपमेंट एंड इनवायरनमेंटल इकोनॉमिक्स (एसएएनडीईई) द्वारा इंटरनेशनल विंटर स्कूल इन इनवायरनमेंटल एंड रिसोर्स इकोनॉमिक्स में आयोजित रिसर्च डिजाइन, सैम्पलिंग, प्रश्नोत्तरी डिजाइनिंग, सर्वे इम्प्लीमेंटेशन चैलेंजेज पर एक समर्थ व्यक्ति केरूप में व्याख्यानों की शृंखला में व्याख्यान दिया।

27 मार्च 204 : सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज, अर्थशास्त्र विभाग द्वारा ग्लोबल चेंज प्रोग्राम, के साथ यादवपुर विश्वविद्यालय कोलकाता के सहयोग से आयोजित एकाउंटिंग फॉर इकोसिस्टम सर्विसेस : थिउरिज़ एंड प्रैक्टिसेस पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला में एक आयोजित प्रवक्ता एवं समर्थ व्यक्ति के रूपमें 'इनवायरनमेंटल वैलुएशन : एस्टीमेटिंग रिक्रिएशनल वैल्यू' पर भाषण दिया।

सौम्य चक्रवर्ती

22-23 मी 2013 : सेंटर फॉर लैटिन अमेरिकन एंड कैरिबियन स्टडीज मारसन इंस्टीट्यूट ब्राउन युनिवर्सिटी, यूएसए द्वारा आयोजित फेडरलिज़्म एंड इनइक्वालिट सम्मेलन में 'नेशनल सरल इम्प्लॉयमेंट गारंटी प्रोग्राम ऑफ इंडिया : हाउ फॉर इक्वालाइजिंग?' में अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया।

5-6 सितम्बर 2013 : ईजीआईडीआर, मुम्बई, इंडिया द्वारा श्रमिक व विकासपर आयोजित एक रजत जयंती समारोह में 'अनआर्गेनाइज्ड मैन्युफैक्चरिंग इन इंडिया : परज़िस्टेन्स ऑफ मिज़री एंड ए क्रिटिक ऑप ट्रांजिशन' पर अपने विचार प्रस्तुत किये।

25-27 सितम्बर 2013 : लैटिन अमेरिकल पॉलिटिकल साइंस एसोसिएशन, अंडेस विश्वविद्यालय, बोगोटा कोलम्बिया के 7वें कांग्रेस में 'पब्लिक पॉलिसी एंड इनइक्वालिटी एसोसिएशन। एमसीएमआरईजीपी ऑफ इंडिया' पर अपना वक्तव्य पेश किया।

6-7 जनवरी 2014 : अर्थशास्त्र विभाग, यादवपुर विश्वविद्यालय, इंडिया द्वारा कम्टेम्परेरी इश्यूज़ इन डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स पर आयोजित 23वं वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इनफॉरमल सेक्टर : टॉरटुअस ट्रांजिशन अथवा परसिस्टेन्स ऑफ मिज़री?' वि,य पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया।

अमित कुमार विश्वास

आईआईएल (लखनऊ) इकोनॉमिक पॉलिसी, करप्ट इम्पोर्ट्स एंड डोमेस्टिक प्रोड्यूशर्स पर आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत किया।

विश्वजीत मंडल (अगस्त, 2013 से छुट्टी पर)

28 मई 2013 : आरआईईसी, कोबे युनिवर्सिटी, जापन में 'ट्रेंड एंड आई ओ पर आयोजित कार्यशाला में फैक्टर रिटर्न एंड आउटपुर ड्यू टू टाइम जोप डिफरेन्स एंड इनड्यूस्ड कैपिटल इनफ्लो' पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया।

4 जून 2013 : ग्रैजुएट स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स हितोसुबाशी विश्व विद्यालय टोक्यो, जापान में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एवं एपडीए के लिए 'ट्रेड रिफॉर्मा, इनफॉरमल सेक्टर एंड एक्सटॉरशन' वि,य पर कार्यशाला क आयोजन।

14 जून 2013 : ट्रेड रिपोर्म्, इंटरमीडिएट एंड करप्शन' इन दि इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक्स' विषय पर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, चुक्यो यूनिवर्सिटी, नागोवा जापान में कार्यशाला का आयोजन।

20 जून 2013 : ग्रैजुएट स्कूल ऑफ इंटरनेशनल कलचरल स्टडीज तोहुको युनिवर्सिटी सेंडई, जापान में 'ट्रेड रिफॉर्म इंटरमेडिएशन एंड करप्शन, इन दि इकोनॉमिक्स विषय परकार्य शाला का आयोजन।

सौम्यदीप चट्टोपाध्याय :

7 नवम्बर 2014 : वर्ल्ड प्रोपर्टी इंस्टीट्यूट, मैनचेस्टर विश्वविद्यालय की एक पुस्तक में 'ट्वाईस ए डिस्कर्सिव इवैल्यूएसन ऑप पार्टिसेपेटरी गवर्नेंस इन इंडियन सिरीज़।

24 अक्टूबर 2013 : डेवलपिंग प्लानिंग यूनिट, यूनिवर्सिटी कालेज लंदन में कन्टेस्टिंग इन्क्लूसिवेन्स : पालिसिज, पॉलिटिक्स एंड प्रॉसेस ऑफ पार्टिसिवेटरी अरबन गवर्नेन्स इन इंडियन सिरीज पर शिक्षा सत्र 2013-14 का पहल डीपीयू व्याख्यान।

23 अक्टूबर, 2013 : एसओएएस, यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन में 'कन्टुअर्स ऑफ पार्टिसिवेटरी अरबन गवर्नेन्स इन इंडियन सिरीज़ : पोटेन्शियल्स एंड चैलेंज' पर साउथ एशियान स्टडीज़ संटर में सेमिनार शृंखला का आयोजन।

अनामिका मोखतान

25-28 अप्रैल 2013 : एसएएम, यूजीसी प्रोग्राम द्वारा कोलकाता में आयोजित 'कैपासिटी बिल्डिंग ऑफ विमेन मैनेजर्स इन हायर एजुकेशन' पर कार्यशाला में सहभागिता।

9-10 नवम्बर 2-13 : स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, यूनिवर्सिटी ऑप हैदराबाद द्वारा आयोजित 'क्वालिटी ऑफ इम्प्लयमेंट इन इंडिया, इन दि पोस्ट लिबरलाइजेशन पीरियड : विषय पर 17वां इंडियन एंड पॉलिटिकल इकोनॉमिक एसोसिएशन सम्मेलन।

17-18 जनवरी 2014 : अर्थशास्त्र विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय द्वारा 'कन्डीशन ऑफ विमेन वर्कर्स इन इंडिया' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डेवलपमेंट : वेल बीइंग एंड लिवलीहुड मुद्दे पर चर्चा।

वर्ष भर विभाग के कई अनुसंधान शोध-छात्रों ने राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों /सेमिनारों/ कार्यशालाओं में भाग लिया।

विभाग में चल रही अनुसंधान परियोजनाएं :

क्रम सं.	**परियोजना का शीर्ष**	**आयोजक** एजेन्सी	**स्वीकृत** धनराशि (रु.)	**स्थिति** (चल रही अथवा सम्पूर्ण)
1.	1999-2000 से 2009-10 के दौरान पश्चिम बंगाल के पाँच केंद्रीय जिलों में स्टैगनेशन ऑफ दि एग्रारियन इकोनॉम : एन एन्क्वायरी इन टू इस्ट नेटर एंड	यूजीसी	रु. 6,49,600	चल रही

	कॉजेज (जिआई : अपूर्व कुमार चट्टोपाध्याय को. आई : विश्वजीत हालदार			
2.	ए कम्प्रेसिव स्टडी ऑफ दि मेथड्स एंड इम्पैक्ट्स ऑफ इम्प्लॉयमेंट गारंटी स्कीम्स एक्रॉस दि ग्लोबल साउथ : इन्क्लुशन अथवा सलाइट कैप्चर?	ब्राउन इंटरनेशनल एडवांस्ड रिसर्च इंस्टी. (बीईएआरआई) अलुमनी रिसर्च ग्रांट 2012-13	यूएसडी 4050	जुलाई 2013 में जमा किया गया

(पीआई : सौम्य चक्रवर्ती)

विभाग में शिक्षकों द्वारा अर्जित शैक्षिक उपलब्धियाँ :

विश्वजीत मंडल, विभाग का सहायक प्रोफेसर को जेएसपीएस (जापान सोसाइटी फॉर दि प्रमोशन ऑफ साइंस) विजिटिंग फेलोशिप अवार्ड- कोबे विश्वविद्यालय, जापान की ओर से मई-जून 2013 को।

विश्वजीत मंडल, विभाग का सहायक प्रोफेसर, अलबरी एसयूएनआई, यूएसए विश्वविद्यालय में अगस्त 2013- अगस्त 2014 को पोस्ट डॉक्टरल स्टडी के लिए सी.बी. रमन फेलोशिप अवार्ड से सम्मानित।

अमित विश्वास, विभाग के सहायक प्रोफेसर, टेक्नोलाजिकल यूनिवर्सिटी ऑफ ड्रेस डेम में जर्मन होस्ट के साथ संयुक्त अनुसंधान के संचालन के लिए 2014 में तीन महीने के लिए जर्मनी की यात्रा हेतु चुने गये।

सौम्यदीप चट्टोपाध्याय : सहायक प्रोफेसर, सितम्बर 2013 से नवम्बर 2013 के दौरान (कामनवेल्थ स्कॉलरशिप कमीशन यूके) द्वारा एंड बिजिटिंग स्कॉलर - डिपार्टमेंट ऑफ साउथ एंड रीजनल प्लानिंग, यूनिवर्सिटी ऑफ शेफिल्ड की ओर से कॉमनवेल्थ अकादमिक फेलोशिप 2003 अवार्ड से सम्मानित।

विभाग की सुश्री अनामिका मोफतान अक्टूबर 2013 को के.एन. राज अवार्ड से सम्मानित

सौम्य चक्रवर्ती, सहायक प्रोफेसर, बिजनेस एंड मैनेजमेंट में एशियान जरनल ऑफ रिसर्च के संपादकीय मंडल के सदस्य के रूप में कार्य किया।

सुदीप्त भट्टाचार्य, प्रोफेसर एवं विभाग के प्रधान, ने संपादकीय सलाकार परिषद, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्लूरिया एंड इकोनॉमिक्स एजुकेशन, जेनेवा, स्वीटजरलैंड में अतिथि संपादक एवं सदस्य के रूप में कार्य किया, अंक 4, सं. 4, 2013।

पृष्ठ - 334-351 (आईएसएसएन : मुद्रण : 1757-5648, ऑनलाइन : 1757-5656

प्रोफेसर मधुसूदन घोष में निम्नलिखित पत्रिकाओं में निबंध हेतु एक अद्वितीय समीक्षक के रूप में कार्य किया:

कनाडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंस बलोबल, बिजनेस रिव्यू

प्रोफेसर सर्वजीत सेनगुप्त ने प. बंगाल के अन्य विश्वविद्यालयों के निम्नलिखित शैक्षिक, निकायों के नामंकितसदस्य के रूप में कार्य किया:

यूनिवर्सिटी काउंसिल, गौर अंग यूनिवर्सिटी, मालदा जनरल बॉडी, इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज़ कोलकाता पीजी बोर्ड ऑफ स्टडीज़, बर्दवान विश्वविद्यालय बोर्ड ऑफ स्टडीज़, प. बंगाल राज्य विश्वयविद्यालय

प्रकाशन

मधुसूदन घोष

पुस्तक

(संपादित) सरल डेवलपमेंट इन इंडिया - चैलेंजेज एंड प्रॉपेक्ट्स, सीरियल्स पब्लिकेशन्स, नयी दिल्ली, 2013 (सह-सम्पादक ए.के. चट्टोपाध्याय, आईएसबीएन : 970-8183875929

जर्नल आर्टिकल्स

इन्क्लुसिव शोथ, लिवलीहुड सिक्यूरिटी एंड सरल प्रोपर्टी इन इंडिया इन एस.के. दत्त एवं पी.के. कुरी (ईजीएस) सरल डेवलपमेंट इन इंडिया, सीरियल्स पब्लिकेशन्स नयी दिल्ली, 2014, आईएससीएन : 978-8183876131, पृष्ठ 338-358.

रीजनल इन इक्वालिटीज़ इन ह्यूमन डेवलपमेंट इन इंडिया, जर्नल ऑप इनकम एंड वेल्थ, 35 (2) 2013, 33-521

ग्रोथ एंड परफॉरमेन्स ऑफ कमोडिटी फ्यूचर्स मार्केट इन इंडियन एग्रीकल्चर, एम.घोष एवं ए.के. चट्टोपाध्याय (संपादित) सरल डेवलपमेंट इन इंडिया, चैजेंजेज एंड सॉसपेक्ट्स, सीरियल्स पब्लिकेशन्स, नयी दिल्ली, 2063, आईएसबीएन छ 978-8183875929, पृष्ठ 3-27

“ह्यूमन डेवलपमेंट एंड कन्वरजेन्स’ पर भारत में ग्रामीण विकास रिपोर्ट 2013-13 के एक सेक्शन में योगदानः ओरिएण्ट ग्लैक्सवान प्राइवेट, लिमिटेड, 2013, आईएसबीएन : 978-8125053927, पृष्ठ 69-721

प्रणव कुमार चट्टोपाध्याय

पुस्तकें

(संपादित) इन्क्लुसन एंड इन्वायरमेंट : ग्रामीण विकास के कुछ पहलुओं पर निबंध, आईएसबीएन - 9789381274382

(संपादित) लिंग, सुविधाएँ और सशक्तिकरण : ग्रामीण विकास के पहलू, आईएसबीएन - 9789381274477

(संपादित) सम इम्पोरिकल एसपेक्ट्स ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ एंड डाइवर्सीफिकेशन इन इंडियाज इमरजिंग इकोनॉमी, आईएसबीएन - 9789381274545

(संपादित) विकास और विविधिकरण : ग्रामीण विकास के पहलुओं, आईएसबीएन - 978-93-81274-78-1

(संपादित सोमनाथ मुखर्जी के साथ) प्रीवैलेन्स ऑफ सब्सयन्स एब्यूज़ एयांग स्ट्रीट टीन्स ऑफ पुरुलिया डिस्ट्रिक्ट, प. बंगाल लिंग, सुविधाएं एवं सशक्तिकरण : ग्रामीण विकास के पहलुओं में, आईएसबीएन - 9789381274477

सुदीप्त भट्टाचार्य

पुस्तकें

भारत में बाजार सुधार के दो दशक : कुछ विसम्मति दृष्टिकोण, (संपादित) संदेश प्रेस, लंदन, 2013, आईएसबीएन : 97808572832691

चैलेंजेज ऑफ लिवलीहुड एंड इन्क्लुसिव सरल डेवलपमेंट इन दि एरा ऑफ ग्लोबलाइसेशन, (प्रणव कुमार चट्टोपाध्याय के साथ सह-सम्पादित), नयी दिल्ली : नयी दिल्ली प्रकाशक, 2013, आईएसबीएन : 978-93-81274-25-5।

बुक चैप्टर्स

सहभागिता एवं ग्रामीण रचनांतरण : सम मार्क्सियन थियोरेटिकल डिकोर्स इन द रिसेंट पास्ट लैबोरेटरी ऑफ दि मार्क्सस्ड रुल्ड स्टेट ऑफ वेस्ट बंगाल फॉर थ्री डिकेड्स इन राजीब सेन (इडी) प्रॉसिडिंग्स ऑउ दि यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ऑन डिसेन्ट्रलाइज्ड डेवलपमेंट एंड रुरल गवर्नेस इन इंडिया : चूनौती एवं सुअवसर, 6-7 दिसंबर 2013, यूनियन क्रेश्चयन ट्रेनिंग कालेज, वरेहमपुर, मुर्शिदाबाद, पृष्ठः 26-50, आईएसबीएन : 978-81-926963-1-7।

न्यू-लिबरल ट्रांसफॉरमेशन ऑफ दि इंटवेन्सनिस्ट इकोनॉमी : भारत में कृषि संकट में पश्चिम बंगाल का एक अध्ययन : दि वे आउट (के. सुमन चन्द्र, वी. सुरेश बाबू व प्रदीप कुमार नाथ द्वारा सम्पादित) अकादेमिक फाउंडेशन, नयी दिल्ली, चैप-18, पृष्ठ 497-512, आईएसबीएन : 978-93327–0032-1।

भारत में बाजार सुधार के दो दशकों में एक क्रिटिकल लुक भारत में बाजार सुधार के दसकों में : कुछ विसम्मति दृष्टिकोण, अंदेम प्रेम, लंदन, चैप-10, पृष्ठ : 1-26, आईएसबीएन : 085728326 एक्स।

जर्नल आर्टिकल्स

'ग्लोबल क्राइसिस, फिनान्शियलाईजेशन एंड दि थर्ड वर्ल्ड' : बंगला पत्रिका में एक मार्क्सवादी एप्रोच, टोरंटो, कनाडा से प्रकाशित, अंक 11, सं. 19, पृष्ठ 208, 2014, दिसंबर, 2013, आईएसएसएन नं. : 1488-0792।

'पॉलिटिकल इकोनॉमी ऑफ एग्रारियन क्राइसिस एंड स्लो इंडास्ट्रियलाइजेशन इन इंडिया' सोशल साइंटिस्ट, नयी दिल्ली, (सह-रचयिता; मैथ्यू अब्राहम, एंथनी डि' कोस्टा), नवंबर-दिसंबर 2013, अंक 41, सं. 19, पृष्ठ 208-2014, दिसंबर, 2013, आईएसएसएन नं. : 0970-0293।

न्यू-क्लासिसिज्म अथवा प्लुरलिज्म? टीचिंग एंड रिसर्च ऑफ इकोनॉमिक्स ड्यूरिंग दि एरा ऑफ न्यू-लिबरल रिफॉर्म्स नि इंडिया' हलुरलिज्म एंड इकोनॉमिक्स एडुकेशन की एक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका, जेमेवा, स्वीज़रलैंड, अंक 4, सं. 4, 2013, पृष्ठ 334-351, आईएसएसएन मुद्रण : 1757-5648, ऑनलाइन : 1757-5656।

'पश्चिम बंगाल में वामपंथी शासनकाल के अंतर्गत पार्टिसिपेटरी रूरल सेल्फ गवर्नेस : न्यू-लिबरल डेवलपमेंटलिज्म का एक विकल्प' अनुसंधान विकास की एक यूरोपियन पत्रिका (मानिक भट्टाचार्य के हाथ सह-रचयिता), अंक 25, सं. 3, 2013, पृष्ठ-385-407, आईएसएसएन : 0957-8811।

प्रणव कांति बसु

लेख

'व्यर्थता कर पारतीर ना दर्शनेर' इन प्रवृत्त दास महापात्र ईटी.एल (संपा.) बामराज तोलवा ओ चोरछे चारचापर्ड, कोलकाता, 2013, आईएसबीएन : 978-93-80489-23-0

अपूर्व कुमार चट्टोपाध्याय

लेख

सुधार-पश्च अवधि के दौरान पश्चिम बंगाल में कृषि एवं ग्रामीण आम वितरण का कार्य; इमरजिंग रुरल ट्रांसफॉरमेशन एंड रिसोर्स यूटिलाइज़ेशन पीरियड, अर्थशास्त्र विभाग, रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता, जून 2013 के एक सेमिनार में।

'उच्चतर शिक्षा : क्वालिटी एवं स्टेकहोल्डरों की भूमिका संबंधी मुद्दे', ओयन आईज़, अंक 10, सं. 1 व 2, दिसंबर 2013, पृष्ठ : 99-108, आईएसएसएन : 2249-4332।

'भारत में जल संसाधन : सिंचाई प्रबंध के कुछ मुद्दे', इन एस पान (संपा.) इकोनॉमिक रिफॉर्म्स एंड कॉमन प्रापर्टी रिसोर्सेस : मुद्दे और चुनौतियां, रीगल पब्लिकेशन, नयी दिल्ली, 2014, पृष्ठ : 140-153, आईएसबीएन : 978-81-8484-323-1।

सौम्य चक्रवर्ती

लेख

"एग्रीकल्चर-इंडस्ट्री इंटरैक्शन इन एन ओपन-इकोनॉमी फ्रेमवर्क : कुछ थियोरेटिकल आब्जर्बेशनल", इन इन्क्लुशन एंड इम्पावरमेंट, संपा. पी.के चट्टोपाध्यायः नयी दिल्ली, पब्लिशर्स, इंडिया; अप्रैल, 2013।

"इकोनॉमिक्स ऑफ रुरल नॉन-फॉर्म सेक्टर : सर्टेन कैरेक्टरिस्टिक्स एंड डिटरमिनेन्ट्स" (एस. मंडल और ए. के. चट्टोपाध्याय के साथ सह-रचयिता); भारत में ग्रामीण विकास : चुनौतियाँ और संभावनाएँ, संपा.-एम. घोष एवं ए. के. चट्टोपाध्याय द्वारा ; सीरियल्स पब्लिकेशन्स, नयी दिल्ली; मई 2013।

"ग्लोबलाइजेशन एंड इन्क्लूसिव ग्रोथः ए क्रिटिकल नोट" (सहायक रचयिता ए. चटर्जी); इन एनआरटीएटीटीवी : दि एंथ्रोपोलॉजी; अंक 3, सं. 1; जनवरी-जून 2013।

"इन्टेरोगेटिंग इन्क्लुसिव ग्रोथ : फॉरमल-इनफार्मल डुएलिटी, कम्प्लीमेंटरिटी, कनफ्लिक्ट", अर्थशास्त्र की कैम्ब्रिज पत्रिका में; डीओआईः 10,1093/सीजई/बेट 016, 17 जुलाई 2013 (पहली ऑनलाइन); अंक 37, सं. 6; नवंबर 2013।

"फारमल-इनफॉरमल डिचोटॉमीः कृषि-उद्योग संबंध पर बहस में दोबारा भाग लेते हुए", अर्थन्यवस्था एवं श्रमिक संबंधों की समीक्षा में, डीओआईः 10,1177/1035304613517988, 14, जनवरी 2014 (पहली ऑनलाइन);

अंक 25, सं. 1; मार्च 2014।

"कनफ्लिकट अथवा कोइर्जीस्टेन्स?/बड़े व लघु रिटेलरों की एक कहानी" (टी. हालदार के हाथ सह-रचयिता); विकास व बदलाव की समीक्षा में (31 जनवरी 2014 को स्वीकृत)।

अमित के. विश्वास

पुस्तक

कृषि, व्यापार एवं विदेशी निवेश : भारतीय अनुभव (एलएपी- लैम्बर्ट-अकादेमिक पब्लिशिंग, जर्मनी), आईएसबीएन : 978-3-659-52461-5 (प्रेस में)

जर्नल आर्टिकल

भारत में विदेशी निवेश : स्कोरस, सुअवसर एवं चुनौतियां, (du-Root.com; एक द्विभाषी पत्रिका, सिन्सिन्नटी, यूएसए) अंक 4, (4 निबंध अंक का अंतिम भाग), अप्रैल, 2013।

आयात प्रतिस्पर्धा एवं ग्रामीण उद्योग : एसएपी वर्किंग पेपर, अर्थशास्त्र व राजनीतिशास्त्र विभाग, विश्व भारती, 2014।

विश्वजीत मंडल

लेख

ट्रेड ओपननेस, करप्शन एंड फैक्टर एबन्डन्सः एक डायनामिक पैनल से साक्ष्य (सूर्यदीप्त राय एवं सुगाता मारजीत के साथ) डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स की समीक्षा 18 (1), पृष्ठ : 45-58, विले-ब्लैकवेल।

करप्शन एंड ट्रेड इन जेनरल इक्विली बीरियम (सुगाता मारजीत के साथ), 2013: समाज और अर्थशास्त्र विकास की पत्रिका। अंक 15 (स्पेशल इस्यू), पृष्ठ :77-94, आआएसएसएन : 097257921, आईएसईसी, बैंगलोर।

ट्रेड विथ टाइम जोम डिफरेन्सेस : फैक्टर मार्केट ऐपलिकेशन्स (तोरु किकुची एवं सुगाता मारजीत के साथ), (2013); अर्थशास्त्र विकास की समीक्षा, 17 (4), पृष्ठ : 699-711, विले-ब्लैकवेल।

ट्रेड रिफ्रॉम, इंटरमेडिएसन एंड करप्शन (सुगाता मारजीत के साथ), (2013); इकोनॉमिक मॉडलिंग, 33, पृष्ठ : 741-746। अल्सवायर।

रिसेशन : ए बून फॉर दि इनफॉरमल सेक्टर? (2013) : एम. घोष और ए. के. चट्टोपाध्याय के चैप्टर 17 में (संपा.) भारत में ग्रामीण विकास-चुनौतियां और संभावनाएं, सीरियल पब्लिकेशंस, नयी दिल्ली, इंडिया।

विनिमय लागत, तकनीकी हस्तांतकरण एवं संस्थान की रीति (सुगता मारजीत के साथ), (2013); आर. आचार्य एवं एस. मारजीत के चैप्टर 4 में (संपा.) ट्रेड, ग्लोबलाइजेशन एंड डेवलपमेंटः कल्याण के सम्थान में निबंध, के. सन्याल, स्प्रिंगर।

सौम्यदीप चट्टोपाध्याय

डिसेण्ट्रालाइज्ड प्रॉविशन्स ऑफ पब्लिक सर्विसेस इन डेवलपिंग कन्ट्रीज़ : ए रिव्यू ऑफ थियोरेटिकल डिस्कोर्सेस एंड इम्पीरिकल इवीडेन्सेस इन सोशल चेंज (सेज़ पब्लिकेशन्स), 43 (3), पृष्ठ : 421-441।

प्रकाशन : ए. के. दासगुप्त सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट के अंतर्गत :

भारत सरकार के योजना आयोग की आर्थिक सहायता एवं अर्थशास्त्र एवं राजनीतिशास्त्र विभाग की मेज़बानी में ए. के. दासगुप्त सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट की ओर से पिछले एक वर्ष के दौरान निम्नलिखित पुस्तकें प्रकाशित की गयीं :

इन्क्लुशन एंड इम्पावरमेंट : ग्रामीण विकास के कुछ पहलुओं पर लेख, प्रो. प्रणव कुमार चट्टोपाध्याय द्वारा संपादित।

लिंग, सुअवसर एवं सशक्तिकरण : ग्रामीण विकास के पहलू : प्रो. प्रणव कुमार चट्टोपाध्याय द्वारा संपादित।

सम इम्पीरिकल ऐस्पेक्टर ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ एंड डाईवर्सीफिकेशन इन इंडियाज़ इमरजिंग इकोनॉमी, प्रो. प्रणव कुमार चट्टोपाध्याय द्वारा संपादित।

ग्रोथ एंड डाईवर्सीफिकेशन : ऐस्पेक्ट्स ऑफ रुरल डेवलपमेंट, प्रो. प्रणव कुमार चट्टोपाध्याय द्वारा संपादित।

विभाग द्वारा लागू नये पाठ्यक्रम/पाठ्यचर्या का अभिकल्पन :

विद्यार्थियों के साथ की गयी बातचीत में शिक्षक-समुदाय ने महसूस किया कि कुछ पूरक कार्यकलापों के साथ कक्षा के अध्यापन कार्य में परिशिष्ट जोड़ना आवश्यक है। बीओएस की बैठक में इसका यह हल निकाला गया कि विद्यार्थीयों के फील्ड वर्क एवं पार्श्वोंचल ग्रामों में प्राथमिक सर्वे के लिए खुली छुट दी जाएगी जिसमें उन्हें एग्रो-इकोनॉमिक रिसर्च सेंटर (एईआरसी), विश्व भारती का अगले वर्ष से आर्थिक सहयोग एवं समर्थन प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के साथ हुई इन बैठकों से भी स्पष्ट हुआ कि विद्यार्थियों का एक बड़ा वर्ग सोशलिस्टिक इकोनॉमिक स्ट्रक्चर्स एवं मार्क्सवादी दर्शन पर अतिरिक्त अंतर्दृष्टि चाहता है। इसके परिणामस्वरुप विभागीय पाठ्यक्रम को छोड़कर मार्क्सवादी अर्थशास्त्र पर व्याख्याणों की शृंक्षला आयोजित की गयी। विभाग के प्रोफेसर प्रणव क्रांति बसु ने व्याख्यान प्रस्तुत किये। यह नॉन-क्रेडिट पाठ्यक्रम कक्षा की पढ़ाई के अलावा विद्यार्थियों के एक बड़े वर्ग को आकर्षित किया।

विभाग की अन्य संबंध सूचना :

प्रो. सुदीप्त भट्टाचार्य ने दिनांक 25.08.2013 से अर्थशास्त्र व राजनीतिशास्त्र के प्रधान के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

प्रो. मधुसूदन घोष, विभाग के अतिवरिष्ठ प्रोफेसर ने 1 जुलाई 2013 से विद्या भवन के प्रिंसिपल का दायित्व संभाला।

भारत सरकार ने योजना आयोग के आर्थिक सहयोग एवं विभाग की मेजवानी में ए. के. दासगुप्त सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट सेंटर को 33, निराला, पूर्वपल्ली, शांतिनिकेतन में 22 फरवरी 2014 को स्थानांतरित किया गया।

बी. ए. (आनर्स) एवं एम. ए. की 2012 में हुई परीक्षा में प्रथम स्थान पाने वाले विभाग के विद्यार्थियों को प्रो. करुणामयी मुखर्जी मेमोरियल पुरस्कार से 05.10.2013 को सम्मानित किया गया।

इस अवधि के दौरान यूजीसी-एसएपी (डीआरएस-1) कार्यक्रम के अंतर्गत पाँच कार्य-पत्र प्रस्तुत किये गये। ये कार्य-पत्र यूनिवर्सिटी की वेबसाइट में अपलोड किये गये हैं एवं http://www.visva-bharati.ac.in/About/zobn/contonts/ptojects.html से बड़ी आसानी से डाउनलोड किये जा सकते हैं।

विभाग के एनवल एडुकेशन एक्सकर्सन इस वर्ष आंध्रप्रदेश में सफलतापूर्वक पूरे कर लिए गये हैं।

जीईएनपीएसीटी एक प्रमुख सलाहकार फॉर्म ने भविष्य में कैम्पस इंटरव्यू की संभावित व्यवस्था के लिए विभाग के साथ जुड़ने की इच्छा व्यक्त की है। इस परिपेक्ष्य में, वरिष्ठ कार्यपालकों की एक टीम ने 'एक्सप्लोरिंग मार्केट रिसर्च' शीर्षक पर विभाग के विद्यार्थियो को 05.10.2013 को अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया।

ए. के. दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डिपार्टमेंट की मेजवानी में पिछले एक वर्ष के दौरान निम्नलिखित उच्च पदस्थ अधिकारियों ने केन्द्र और विभाग का परिदर्शन किया।

डॉ. अलकानन्दन पटेल ने 13-16 अप्रैल 2014 तक केन्द्र का दौरा किया।

प्रो. रामप्रसाद सेनगुप्त ने 27-28 मई 2013 एवं 18-19 जून 2013 को केन्द्र का परिदर्शन किया।

श्री दिली घोष, सदस्य, चौथी राज्य वित्त समिति, पश्चिम बंगाल सरकार ने विभाग के सदस्य एवं विद्यार्थियों से 23-24 नवंबर, 2013 के दौरान वार्तालाप किया।

ए. के. दासगुप्ता सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंट ने पिछले एक वर्ष के दौरान निम्नलिखित अनुसंधान परियोजनाएँ आरम्भ किया।

"दार्जिलिंग जिले के कर्सियांग शहर में एकीकृत जल प्रबंध प्रणाली के लिए एक पेस्टल अप्रोच" श्री संजय प्रसाद, अरवन प्लानर, कार्सियांग द्वारा किया गया।

"पश्चिम बंगाल में फसल बीमा : फसल बीमा एवं फसल विविधकरण के कवरेज के बीच संबंध पर एक अध्ययन"। श्री हेमंत सरकार, डब्ल्यूबीएसएस, सहायक निदेशक, ब्यूरो ऑफ ऐप्लाइड इकोनॉक्सि एंड स्टैटिस्टिक्स, पश्चिम

बंगाल सरकार द्वारा।

“लिंग संबंधी आजीविका में रुकावट एवं सुअवसर में अंतरः बांकुड़ा जिलान्तर्गत कुछ ग्रामीण क्षेत्रों का केस स्ट्डी”, प्रोफेसर सौम्येन्द्र किशोर दत्त, प्रोफेसर, अर्थशास्त्र विभागस बर्दमान विश्वविद्यालय एवं सुश्री तनुश्री दे, प्रोजेक्ट इन्वेस्टीगेटर, आईसीएसएसआर परियोजना अर्थशास्त्र विभाग, बर्दमान विश्वविद्यालय की ओर से।

“लैंड डिपेंडेन्सी इन रुरल वेस्ट बेंगालः ए केस स्ट्डी” डॉ. सांतानन्द घोष, अर्थशास्त्र में सहयोगी प्रोफेसर। अर्थशास्त्र व राजनीतिशास्त्र विभाग, विश्व भारती की ओर से। अध्ययन का डेटा एन्ट्री पूरी की गयी।

“हेल्थ इनसिक्यूरिटी एंड वल्नेविलिटी एक्रॉस सोशियो इकोनॉमिक कलासेसः बोलपुर-श्रीनिकेतन क्म्पुनिटी डेवलपमेंट ब्लॉक पर एक अध्ययन”, सौम्यजीत चक्रवर्ती, एम.फिल, इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्ट्डीज, कोलकाता (आईडीएसके), कलकत्ता विश्वविद्यालय की ओर से।

“महिलाओं की स्थिति एवं सशक्तिकरण पर सेल्फ-हेल्प ग्रुप के कार्यकलाप का प्रभावः ए केस स्ट्डी”, सुश्री सोमाश्री मुखर्जी, एम.फिल विद्यार्थी, इंस्टट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्ट्डीज, कोलकाता (आईडीएसके), कलकत्ता विश्वविद्यालय की ओर से।

“एसएचजी एवं महिला सशक्तिकरण : ए विलेज़ स्ट्डी”, प्रो. प्रणव कुमार चट्टोपाध्याय, प्रोफेसर, अर्थशास्त्र व राजनीतिशास्त्र विभाग, विश्व भारती, श्री दया शंकर कुश्वाहा, ए. के. दासगुप्त सेंटर फॉर प्लानिंग एंड डेवलपमेंड एवं सुश्री मधुरिमा कुंडू, हिन्दू कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय की ओर से।

विभाग में यूजीसी-एसपी कार्यक्रम सफलतापूर्वक प्रगति पर है एवं विभाग को भारत एवं विदेश में पिछले एक वर्ष के दौरान प्रमुख संस्थानों से बड़ी संख्या में विजिटिंग फेकल्टी की मेजवानी करने के लिए समर्थ बनाना है। पाँच ऐसे अर्थशास्त्रियों एवं शोध-छात्रों ने भारत एवं विदेश से दौरा किया तथा विभिन्न मुद्दो पर विभागीय सेमिनारों में अपना वक्तव्य यूजीसी-एसपी प्रोग्राम के अन्तर्गत पिछले एक वर्ष दौरान अपना वक्तव्य प्रस्तुत कियाः प्रो. रतन स्वासनबीश (प्रो. कलकत्ता विश्वविद्यालय) 7-9 मार्च, 2014 के दौरान।

डॉ. सुभानील चौधरी (इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्ट्डीज, कोलकाता) 7-9 मार्च, 2014 के दौरान।

डॉ. फेलिक्स पाडेल (सेंटर फॉर वर्ल्ड इनवायरनमेंटल हिस्ट्री, ससेक्स विश्वविद्यालय एवं प्रोफेसर स्कूल ऑफ रुरल मैनेजमेंट, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ मैनेजमेन्ट रिसर्च आईआईएचएमआर, राजस्थान), 28 फरवरी-29 मार्च, 2014 के दौरान।

प्रो. अमिय कुमार बाग्ची (प्रोफेसर इमिरात, इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्ट्डीज, कोलकता), 21-22 मार्च, 2014 के दौरान।

प्रो. सपन अदनान (एसोशिएट, कन्टेम्परेरी साउथ एशियान स्ट्डीज, ऑक्सफोड विश्वविद्यालय), 20-24 मार्च, 2014 के दौरान।

भूगोल विभाग

भूगोल विभाग 60 (1968) के शेष में भाग 3 वर्ष के अंडरग्रैजुएट ऑनर्स कोर्स के साथ स्थापित किया गया था। तदुपरांत दो वर्षीय पोस्ट-ग्रेजुएट कोर्स 1978 में लगभग 30 विद्यार्थियों की कुल क्षमता के साथ लागू किया गया। गौरतलब हो कि यूजी एवं पीजी दोनों पाठ्यक्रमों में 800 अंक रखे गये थे। इसके अलावा, वर्ष 80 के शेष में पीएच. डिग्री को प्रमुखता देते हुए अनुसंधान परियोजनाएं संचालित की गयी।

भूगोल में वर्तमान विकास परंपरा को ध्यान में रखते हुए विभाग की ओर से हाल के वर्षों में खास तौर से जल संसाधन प्रबंध, लैंडस्कैप इकोलॉजी, आबादी एवं आवास, बुनियादी संरचना का विकास, शहरी व क्षेत्रीय योजना व विकास जैसे क्षेत्रों में मौजूदा पाठ्यक्रम के साथ विशेष जोर दिया गया। विभाग की यह भी धारणा है कि रिमोट सेन्सिंग ऐपलिकेशन्स का विकास एवं भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) की प्रस्तुति के साथ स्पेशियल एवं नॉन-स्पासियल के संग्रहण, प्रोसेसिंग एवं प्रस्तुति के लिए आधुनिक प्रणाली की स्थापना बेहद जरूरी है।

1. विभाग का नाम : भूगोल विभाग, विद्या भवन।

2. यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/स्लेट एवं गेट की परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों के नाम।

यूजीसी (जेआरएफ)-3

एनईटी (नेट)–14

विभागीय सेमिनार :

विभागीय सेमिनार पर रिपोर्ट :

भूगोल विभाग की ओर से मैन-नेचर इंटरफेश में रिसर्च फ्रंटियर्स पर एन राष्ट्रीय सेमिनार 1-2 मार्च, 2014 से आयोजित किया गया। मानवीय उपकूलपति प्रो. सुशांत दासगुप्त ने लिपिका प्रेक्षापट में आयोजित उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता मुख्य भाषण से की। प्रो. तपती मुखोपाध्याय, रवीन्द्र भवन की निर्देशक ने सम्माननीय अतिथि के रूप में फिलॉसफिकिल कॉन्सेप्ट पर अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। तीन यादगार व्याख्यान उत्कल विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जी. के. पांड़ा, संथ्रोपोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के डॉ. कांचन मुखोपाध्याय एवं एनएटीएमओ के पूर्व निर्देशक श्री गोपीनाथ साहा द्वारा रिसर्च ट्रेड एवं मैन नेचर इंटर फेश के आयतन पर स्पाशियल मैचिंग पर प्रदान किये गये। पहले दिन दस समानांतर सत्र एवं दूसरे दिन तेरह समानांतर सत्र पद्मा भवन के परिसर एवं लिपिका प्रेक्षागृह में आयोजित किये गये। भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों के लगभग 120 शोध छात्रों ने निर्धारित सत्रों में अपना अनुसंधान पत्र प्रस्तुत किया। वक्ता और श्रोता के बीच लाभजनक वार्तालाप से सत्र का समापन हुआ। प्रत्येक सत्र डेढ़ घंटे का था। सत्र का मुख्य विषय रहा भूगोल दर्सन से संबंधित मुद्दे, फिज़िकल ज्योग्राफी, क्षेत्रीय योजना और निकास, एन्थ्रोपोलॉजी, उभरते प्रयावरणीय जोखिम, प्रदूषण व जन-स्वास्थ्य, सरल-अवन इनवायरनमेंट का सोशियोइकोनॉमिक डायमेंशन, पर्यावरण प्रबंध व नीतियां, जियो-स्पॉशियल तकनीक का उपयोग आदि।

शिक्षकों / अनुबौद्ध अध्ययन पर निबंध संधान शोध-छात्रों द्वारा सम्मोहन / सेमिनार / कार्यशाला / प्रदर्शन में सहभागिता का ब्यौरा

मलय मुखोपाध्याय

सेमिनार प्रेजेंटेशन

11-12 अप्रैल 2013 : 'न्यूअर डायमेंशन इन इकोनॉमिक पालिसिया - थिंकिंग एफ्रेस : बहरमपुर कॉलेज मुर्शिदाबाद, प. बंगाल की ओर से आयोजित यूजीसी, प्रायोजित राष्ट्रीय सेमिनार में।

7-8 सितम्बर 2013 : 'फोक विस्डम-ए मिन्स ऑफ इनवायरमेंटल रेस्टोरेशन, 'विवेकानंद कालेज, अलीपुर दुआर, प. बंगाल की ओर से आयोजित यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य भाषण।

22-23 नवम्बर 2013 : 'इनवायरमेंटल प्युरिफिकेशन भू रिवाईवल ऑफ साक्रेट ग्रोब्स'- ऐन अप्रोच विदिन रिलिजन प्रैक्टिसेस : केलानिया विश्वविद्यालय, श्रीलंका द्वारा आयोजित सोशल साइंसेस पर द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय

सम्मेलन में। 'न्यूअर डायमेंशन इन रिजर्वेशन पॉलिसिज एज ए मेजर फॉर सोशल एं् किोनॉमिक डेवलपमेंट, कालिभाचक कालेज, मालदा, प. बंगाल द्वारा आयोजित, यूजीसी आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में।
6-7 मार्च 2014: मैनेजमेंट ऑफ नैचुरल रिसोर्सेस फॉर सस्टेबल डेवलपमेंट : चुनौतियाँ और सुअवसर : मिजोरम विश्वविद्यालय सेजल, इंडिया द्वारा आयोजित यूजीसी आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में मुख्य भाषण।

सुतापा मुखोपाध्याय

11-13 नवम्बर 2013 : 'एनालिसिस ऑप स्पॉशियो-टेम्पोरल चेजेंस ऑफ दि डायना रिवर, वेस्ट बेंगाल, भूगोल विभाग बर्दवान विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं 35वें ंिडयन जियोग्राफ्स' बैठक में।
01-02 मार्च 2014 : 'एन अप्रेजल ऑन स्वासियो - टेम्पोरल चैलेंज ऑफ जियोमॉरकोलाजिकल एनवायरनमेंट ऑफ एस्तुआराइन मुरीगंगा एंड सप्तमुखी इंटरफ्लुव एरिया, प. सुंदरवन का हिस्सा, इंडिया; भूगोल विभाग, विश्व भारती द्वारा आयोजित मैन-नेचर इंटरफेस में रिसर्च अंटियर्स पर राष्ट्रीय सेमिनार में।

कृष्णेन्दु गुप्ता

राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार / सम्मेलन

11-13 नवम्बर 2013 : 'चाइल्ड मैरेज : ए वायोलिशन ऑफ हेल्थ इन मालदा डिस्ट्रिक्ट, प. बंगाल, भूगोल विज्ञान, बर्दवान विश्वविद्यालय की रेर से आयोजित इनवायरनमेंट, डेवलपमेंट एंड इक्विटी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एवं 35 में इंडियन जियोग्राफर्स' की बैठक में, (सहायक रचयिता : एम.एच. अस्कारी)
'रैपिड अरवनईनेशन एंडइट्स सोशल कन्सक्वेन्सेस इन बर्दवान सिटी, प. बंगाल' पर एक प्रस्तुति भी दी. (सह-लेखक एम.आरिफ)
28-30 दिसम्बर 2013 : 'चेंजेज इन सोशियो-एकोनॉमिक एंड हेल्थ कंडीशन्स ऑफ रिहैनिलिटेटेड स्लम ड्वेलर्स इन कोलकाता' भूगोल विज्ञान, बीएचयू की ओर से आयोजित अरबन डायनामिक्स, इनवायरनमेंट एंड हल्थ : 21वीं शताब्दी के लिए चुनौतियाँ' पर 22 वें अंतर्राष्ट्रीय एशियान अरबभाईजेशन सम्मेलन में । (सह-लेखक : एम.एच. अस्कारी)।
'ट्रॉसफॉरमेशन ऑफ सोशियो इकोनॉमिक मॉरकोलॉजी इन दि कोर एंडफ्रिंज एरिया ऑफ ए मीडियन अरबन सेंटर : ए फेस स्टडी ऑफ बोलपुर टाउन, प. बंगाल पर एक प्रस्तुति भी दी। (सह-लेखक : भू. चट्टोपाध्याय)
27-28 फरवरी 2014 : 'डिस्ट्रीक्ट वाइज हेल्थ केयर इंफ्रास्ट्रक्चरल स्टेट्स ऑफ वेस्ट बेंगालः ए कम्परेटिव स्टडी इन मेडिकल ज्योगरफी' सोशियोलॉजिकल रिसर्च यूनिट्स, आईएसआई कोलकाता एवं आईएसआई रिगीडीस की ओर से आयोजित इंटरडिसीप्लीनरी रिसर्चेस इन सशल साइंसेस इन ईस्टर्न इंडिया विथ स्पेशल रिफरेन्स टू झारखंड पर राष्ट्रीय सम्मेलन में। (सह लेखक : एम.एच. आस्करी)
बर्दवान सिटी, प. बंगाल में 'सोशियोइकोनॉमिक कंडीशन ऑफ अरबन पुअर पर भी एक प्रस्तुति दी। (सह-लेखक : एम. आरिफ)।

भैरूलाल यादव

27 मई - 02 जून 2013 : हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी शिमला द्वारा कन्टेम्परेरी ट्रेंड्स इन सोशल साइंस रिसर्च पर राष्ट्रीय कार्यशाला' में सहभागिता।
10 जुलाई - 06 अगसत् 2013: अकाडमिक स्टॉफ कालेज, पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला में यूजीसी प्रायोजित ओरिएंटेशन कार्यक्रम में भाग लिया।
01-02 मार्च 2014 : सोशियो-इकोनॉमिक एवं रेयोग्राफी कोरेलेट्स ऑफ मॉरबीडिटी इन उत्तर प्रदेश : ए रीजनल एनालिसिस : भूगोल विभाग, विश्व भारती शांतिनिकेतन एंड फाउंडेशन ऑप प्रैक्टिसिंग जियोग्राफर्स, कोलकाता की ओर से आयोजित 'रिसर्च फ्रंटियर्स ऑन मैन-नेचर इंटर फेस' पर राष्ट्रीय सेमिनार में धर्मेन्द्र शर्मा के साथ। उल्लिखित सेमिनार के ट्रेजरर के रूप में भी कार्य किया।

विभाग द्वारा आयोजित विस्तृत कार्यकलाप/एनएसएस/सांस्कृतिक एवं अन्य कार्यकलापों में विभाग के

शिक्षकों एवं छात्रों की सहभागिता।

1. नवनियुक्तों का स्वागत एवं विदाई समारोह

शिक्षकों / शोध-छात्रों अथवा विभाग द्वारा अर्जित शैक्षिक विशिष्टताएं

उमाशंकर मलिक

बर्दवान विश्वविद्यालय के यूजी काउंसिल मेंबर के सदस्य, 2012-13।

इंडियन ज्योग्राफिकल फांउडेशन, कोलकाता, के परिषदीय सदस्य, आईएसएसएन 0975-3050।

जर्नल प्रैक्टिशिंग जिओग्राफर के सहयोगी सम्पादक के रूप में कार्य किया, आईएसएसएन 0975-3850।

भूगोल विभाग, गौर बंग विश्वविद्यालय, मालदा पीजी बोर्ड ऑफ स्टडीज के सदस्य।

बर्दवान विश्वविद्यालय के यूजीसी - एसएपी-डीआरएस कार्यक्रम में अंतर्गत विजिटिंग फेलो।

मलय मुखोपाध्याय

विद्यासागर कॉलेज, कोलकाता (कलकत्ता विश्वविद्यालय के अंतर्गत) भूगोल विभाग के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के सदस्य।

विवेकानंद कॉलेज फॉर वुमेन, कोलकाता (कलकत्ता विश्वविद्यालय के अंतर्गत) भूगोल विभाग के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के सदस्य।

भैरव गांगुली कॉलेज, कोलकाता, (कलकत्ता विश्वविद्यालय के अंतर्गत) भूगोल विभाग के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के सदस्य।

अप्रैल-2013 से मार्च 2014 के प्रकाशन

मलय मुखोपाध्याय

प्रकाशन

अ. पुस्तकें

ज्योग्राफी बिहाइन्ड माउथ - द टेल ऑफ नोआज डिल्यूज : एसीबी पब्लिकेशन्स, कोलकाता, इंडिया , 2014। आईएसबीएन 81-87500-78-6।

ब. पुस्तक में आलेख प्रकाशित

'दि कनफ्लिक्ट बिटविन ह्यूमन राइट्स एंड डेवलपमेंट स्ट्रैटिजी : ए डायलेमा फेस्ड बाई दि ओंजे ट्राइबल कम्युनिटी, दि राइट ऑफ रांग्स-ह्यूमन राइट्स इन इंडिया, एबेनेला प्रेस, कोलकाता अजंता पाल विमेन्स क्रिश्चयन कालेज द्वारा संपादित, अक्टूबर 2013। आईएसबीएन 978-93-80761-33-6।

फोक विस्डम - ए मिन्स ऑप इनवायरनमेंटल रेस्टोरेशन 'पॉक कल्चर, फोक आर्टिस्ट्री एंड आर्टिशन सोसाटि एच.एल. पब्लिशर, नॉर्थ बेंगाल, ईजी, विवेकानंद कॉलेज, अलीपुरदुआर 2013 से अंक : आईएसबीएन 978-81-86860-98-4।

'बायोडायवर्सीटी कन्जर्वेशन थ्रू रिवाइनल ऑफ सैक्रेड ग्रुव्स : ए कन्टम्परेरी इश्यू इन ज्योग्राफी, मैनेजमेंट ऑफ नेचुरल रिसोर्सेस फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट, चुनौतियां और सुअवसर, एक्सेल पब्लिशर्स, नयी दिल्ली, संपा. मिजोरम विश्वविद्यालय से अंक, 2014। आईएसबीएन 978-82-880-98-0।

कृष्णेन्दु गुप्ता

पत्रिकाओं में लेख

'ग्रोथ ेंड डेवलपमेंट ऑफ मेडिकल ज्योग्राफी ऐंड इस्म भ्रस्ट एरिया, सैक्टिनिंग ज्योग्राफर, अंक 17, सं. 2 विंटर 2013, संपा. कृष्मेन्दु शुक्ला एवं हसन अस्कारी, कोलकाता, 2013 : 77-881 आईएसबीएन 0973-3850।

सुदीप्त सरकार

'चाइल्ड मैरेज - सिचुएशन ऑप यंग ब्राइड्स इन भारत' एशियापैसिफिक जर्नल ऑफ सोशल साइंसेस : अंक ए, सं. 2, जुलाई - दिसम्बर 2063-62-75 : आईएसएसएन 0975-5942।

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्व विभाग

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग इंडोलाजिकल अध्ययन का एक प्रत्यक्ष वंशज है जिसे विचार के रूप में रवीन्द्रनाथ के आशीर्वाद के साथ शांतिनिकेतन में आरंभ किया गया एवं प्रारंभ में पंडित क्षितिमोहन सेन एवं विभुशेखर शास्त्री द्वारा 1907 से इसे गतिमान किया गया।

प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति के नाम से विभाग का नामकरण 1951 में हुआ, जब विश्व-भारती एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में प्रतिष्ठित हुआ। नई नामावली 1977 में हुई जिसके साथ पुरातत्व को पाठ्यक्रम के रूप में प्रस्तुत किया गया।

विभाग द्वारा सेमेस्टर प्रणाली में 3 वर्ष के लिए बीए.ए. ऑनर्स स्तरीय ग्रैजुएट कोर्स एवं एम.ए. में चार सेमेस्टर कोर्स दो वर्ष के लिए प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व को प्रदान किया गया। प्राचीन भारतीय इतिहास स्वयं पुरातत्व में एक वर्ष के लिए कैजुअल कोई विदेशी छात्रों के लिए आरंभ किया गया ताकि वे भारतीय सभ्यता का मौलिक ज्ञान प्राप्त कर सकें। इस उल्लिखित पाठ्यक्रम के अतिरिक्त विभाग द्वारा प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व में एटलाइड एवं फील्ड रिसर्च आधारित पीएच.डी. कार्यक्रम लागू किये गये।

सम्मेलन /सेमिनार / व्याख्यान

सरिता क्षेत्री

16-18 नवम्बर 2013 : 'डिक्शनरी ऑफ इन्सक्रिप्शनल प्रकृत ऑफ अशोका : ए केस स्टडी', इपिग्रॉफिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के 39वें सत्र एवं प्लेस नेम्स सोसाइटी ऑफ इंडिया के 33वें सत्र का संयुक्त वार्षिक सम्मेलन तथा इंडिया के 33वें सत्र का संयुक्त वार्षिक सम्मेलन तथा इंडियन इपिग्राफी : 'चुनौतियां सुअवसर, रावेनशा यूनिवर्सिटी, कटक पर राष्ट्रीय सेमिनार।

20-22 फरवरी 2014 : 'राईटिंग्स ऑन हिस्टोरिकल ज्योग्रॉफी ऑफ बेंगाल : ए सर्वे, डिपार्टमेंट ऑफ हिस्ट्री ऑफ आई, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी, वाराणसी से सर अलेक्जेंडर क्युनिंघम एंड दि आई हेरिरेज ऑफ इंडिया पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार.

10 मार्च 2014 एवं 27 मार्च 2014 : रवीन्द्र भवन, विश्व-भारती की ओर से आयोजित मनुस्क्रिप्लोलॉजी के प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम में 'अरिजित ऑफ बाहरी स्क्रिप्ट' पर ये व्याख्यान।

डॉ. बीना शोधी देवरी

29-30 मई 2013 : बेंम्बू आर्टवर्क विथ स्पेशल रेपरेन्स टू दि ट्राडिशनल रिचुआल अल्टर्स एमंग दि गैलो ट्राइब ऑफ अरुणाचल प्रदेश, दक्षिण एशिया, सिगिरिया, श्री लंका के परम्परागत ज्ञान एवं परम्परागत संस्कृति पर अंतर्राष्ट्रीय सार्क क्षेत्रीय सेमिनार में।

5-10 अगस्त 2013 : "डॉनी, पोलोइज़्म ऑफ दि गैलॉस ऑफ अरुणाचल प्रदेश एवं गैलो आदिवासी का स्वदेशी ज्ञान एवं स्थायित्व विकास" मैनचेस्टर विश्वविद्यालय, यूके की ओर से आयोजित आईयूएईएस के 17वें वर्ल्ड कांग्रेस में।

21-23 अगस्त 2013 : "अरुणाचल प्रदेस के गैलो आदिवासी में बैम्बू शूट्स का उपयोग' राशियाई आई, कल्चर एवं हेरिटेज, कोलम्बो, श्रीलंका के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में।

9-13 अक्टूबर 2013 : 'दि ओरल हिस्ट्री एंड जेनिफ्लॉजी ऑफ दि गैलोज ऑफ अरुणाचल प्रदेश" इंडिया इन दि ओरल हिस्ट्री एसोसिएशन, ओकलाहोमा सिटी, यूएसए की आर्थिक बैठक में।

12-18 जनवरी 2014 : 'गैलोज़ का स्वदेशी कुडवेज़ : पुरातत्व के लिए एक चुनौती' अंगकोर, कंबोडिया स्थित इंडो मैसिलिक प्रीहिस्ट्री एसोसिएशन कांग्रेस में।

17-21 फरवरी 2014 :जीआईडीएम एवं रिव्युमेइकान यूनिवर्सिटी क्योटो, जापानकी ओर से आयोजित जीआईडीएम, गांधीनगर में डिसास्टर रिस्क मैनेजमेंट ऑफ कल्चरल हेरिटेज पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता।

8 मार्च, 2014 : कोलकाता सोसाइटी ऑफ एसियान स्टडीज, मौलाना आज़ाद कॉलेज, कोलकाता की ओर से दि लुक ईस्ट पॉलिशी एवं उत्तर पूर्व बारत पर आमंत्रित एक व्याख्या दिया।

के. मवाली राजन

18-19 मई 2013 : 'पूर्व तमिल साहित्य में प्रतिबिम्बित कास्ट्स' श्री राजा राजन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, कराईकुडी, तमिलनाडु की ओर में आयोजित आल इंडिया युनिवर्सिटी तमिल टीचर में 44 में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में।

रेम्या वी .पी.

14-18 फरवरी 2014 : 'डाविड़ आर्किटेक्चर : लोअर टू बिडदेशा - वेस्ट कोस्ट' स्कूल ऑफ स्टडीज़ इन एन्थ्रोपोलॉजी, पंडित रविशंकर शुक्ला : यूनिवर्सिटी रायपुर में आयोजित सोसाइटी ऑफ साउथ एशियान आर्चियोलॉजी के 5वें वार्षिक सम्मेलन में।

प्रकाशन / पुस्तकें

सरिता क्षेत्री

"अंजीः ए स्टडी ऑप सिक्वल इन इन्सक्रिप्कान्स ऑफ बेंगाल" बेंगाल कला की एक पत्रिका, अंक 18, 2013, पृष्ठ 279-303।

गौतम सेनगुप्त

बायब्रॉट : स्टेट आर्चियोलॉजिकल क्यूजियम, प. पंगाल में स्टोन स्वकल्पचर का एक कैटालॉग (सह-रचयिता) कोलकाता, 2014।

बीना गांधी देवरी

हंटिंग गैदरिंग स्ट्रैटजीऑफ दि गैलोस ऑफ अरुणाचल प्रदेश : स्व. प्रोफेसर टी.सी. शर्मा दाओजाली हाडिंग के बाद 50 वर्ष : इमरजिंग प्रोसिपेक्टक्स दि आर्चियोलॉची ऑफ नार्थ ईस्ट इंडिया, तियातोशी जमीर एवं मंजिल हजारिका द्वारा संपादित दिल्ली, रिसर्च इंडिया प्रेस 2014। आईएसबीएन- 13: 9788189131906।

के. मवाली राजन

एडिस्नल तमिल सोसाइटी एंड एग्रारियन स्लैबरी कोलकाता : महाबोधि लुक एजेन्सी, 2014 (आईएसबीएन : सं. 978-93-80336-82-4)

पूर्व के तमिल साहित्य में प्रतिबिम्बित कास्ट्स से बुक कोकई, आल इंडिया तमिल टीचर्स एसोसिएशन के 44 में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की सॉसिडिंग्स, अंक 4, 2013, एक पृष्ठ 2155-2259 (आईएसबीएन : सं. 978. 93-81724-15-6)

तमिल देश के मेडिएबल पीरियड के दौरान एग्रारियन सर्विच्युड जर्नल ऑफ हिस्ट्री एवं सोशल साइन्सेस, अंक 4, संस्करण 1, जनवरी, जून 2013 (आईएसएसए : सं. 2229-279871

'नेशनलिज्म फ्रॉम बिलो : दि सप्रेस्ड क्लास अपराइजिंग इन तमिलनाडु" गोल्डेन रिसर्च याट्स, अंक 3, संस्करण 5 नवम्बर 2013 (आईएसएसएन : सं. 2231-5063)

"वेट कॉप कल्टीवेशन इन मेडिएबल तमिल देसा', इतिहास आंध्र प्रदेश स्टेट कार्काइल्स एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट की पत्रिका, अंक 36, जनवरी-दिसम्बर 2012, पृष्ठ 48-59 (आईएसएस :वीएक्स. 0970-812एक्स) (2003 में प्रकाशित)

रेम्या वी.पी.

'गजापृष्ठकारा आंकोबिल्स (अपसिडल सैंकटम मैंकटोरम) ऑप त्रिशुर : सोशल साइन्सेस एंड हुमानिटी रिसर्च की पत्रिका, अंक 1, से 2, जुलई - दिसम्बर 2013, जिगर मोहम्मद एवं शैलेन देबनाथ द्वारा संपादित, 2013 325-333 आईएसएसएन 2321-8908, आर्किटेक्चर ऑफ केरल टेम्पल्स'. सोशल साइंसेस एंड हुमानिटिस की पत्रिका, अंक - 3, संस्करण 1, जून 2013, टुमकुर यूनिवर्सिटी, टुमकुर आईएसएसएन 2277-7997।

रेम्या वी.पी.

मैसूर विश्वविद्यालय से दिसम्बर, 2013 में पीएच.डी. डिग्री सफलता के साथ पूरा किया।

यूजीसी आकस्मिक स्टॉफ कॉलेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली में ओरिएंटेशन पाठ्यक्रम, 11 नवम्बर से 6 दिसम्बर, 2013।

गौतम सेनगुप्त

ललित कला, ललित कला अकादमी, नयी दिल्ली की पत्रिका के आसन्न अंक के लिए अतिथि सम्पादक के रूप में आमंत्रित। संपादकीय मंडल के सदस्य, इंडिया जर्लन ऑप हिस्ट्री ऑफ साइंस, इंडियन नेशनल साइंस अकादमी, नयी दिल्ली।

इतिहास विभाग

छन्दा चटर्जी

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

2014 10-11 फ़रवरी पर 'भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और उप-महाद्वीप के विभाजन' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन प्रो. उमा दासगुप्ता द्वारा प्रो. सब्यसाची भट्टाचार्य, टैगोर राष्ट्रीय फैलो, संस्कृति मंत्रालय और पूर्व कुलपति, विश्वभारती, मुख्य पते का उद्घाटन, टैगोर विद्वान और प्रो. बाशबी फ्रेजर, संयुक्त निदेशक, टैगोर स्टडीज के लिए स्कॉटिश सेंटर का उल्लेख किया। एडिनबर्ग नेपियर विश्वविद्यालय और रॉयल साहित्यिक बंदे, इडी। प्रो जे.एस.ग्रेवल, पूर्व कुलपति, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर मुख्य अतिथि थे। प्रो गेराल्डिन फोर्ब्स, प्रोफेसर एमारिटा, ओसेगो, न्यूयॉर्क, प्रो. मन्दाक्रान्ता बोस, अनुसंधान और प्रो. एमेरिटा, कोलंबिया विश्वविद्यालय, वैंकूलर, कनाडा, प्रोफेसर सुशील चौधरी, साथी, रॉयल हिस्टोरिकल सोसायटी, लंदन और प्रोफेसर इंदु बांगा, पूर्व प्रो. के निदेशक पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ न्यायाधीश के मेहमान के रूप में काम किया। सम्मेलन प्रो सुशांत दत्तगुप्त, माननीय कुलपति, विश्वभारती की ओर से प्रो तापती मुखर्जी, निदेशक रवींद्र भवन की अध्यक्षता में किया गया था।

यूजीसीडीआरएस (एस एंड पी) के समन्वयक इतिहास, विश्वभारती विभाग के द्वितीय चरण

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुति

'चंडाल रिकास्टिंगः रवीन्द्रनाथ टैगोर और उसके छह पुनश्च कविता' मेट्रोपोलिटन विश्वविद्यालय, प्राग, चेक गणराज्य में 1 नवंबर 2013 को आयोजित भेदभाव के खिलाफ टैगोर पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत

प्रकाशन

मोनोग्राफः टैगोर और सिख गुरुओंः स्वदेशी आधुनिकता (मनोहर, 2014 नई दिल्ली,) के लिए एक खोज एक परिचय के साथ संपादित अर्ली समकालीन समय (प्राइमस, नई दिल्ली, 2014) के लिए,ः इतिहास के रूप में साहित्य।

भास्करज्योति बसु

ऐतिहासिक अध्ययन संस्थान, कोलकाता में 2014/05/03 पर 'अठारहवीं सदी के मध्य में कोरोमंडल व्यापार में परिवर्तनों' पर 'प्रोफेसर सुनील कुमार सेन मेमोरियल लेक्चर' दिया।

बिपाशा राहा

राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशाला में भाग लिया

'हिंद महासागर पर वानस्पतिक और मौसम संबंधी आंकड़ों का इतिहास' पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में अध्यक्ष के लिए आमंत्रित किया, संयुक्त रूप से 2013 जेएनयू और ससेक्स विश्वविद्यालय, जेएनयू 30-31 अगस्त द्वारा आयोजित

संयुक्त रूप से प्रसन्ना देब महिला कॉलेज में आयोजित प्रसन्ना देब महिला कॉलेज और मयनागुड़ि कॉलेज, जलपाईगुड़ी, हो आयोजित पर यूजीसी राष्ट्रीय संगोष्ठी में संसाधन व्यक्ति के उत्तर बंगाल के विशेष संदर्भ में (ऐतिहासिक दृष्टिकोण से) ट्वेंटिएथ सेंचुरी बंगाल के समाज बदलने, '26 28 सितंबर 2013

पर अध्यक्ष यूजीसी राष्ट्रीय अनुवाद कार्यशाला आमंत्रित 'बच्चों और युवा वयस्कों के लिए कहानियां,' अंग्रेजी और अन्य आधुनिक यूरोपीय भाषाओं, विश्वभारती विभाग', 16-18 जनवरी, 2014 'भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और उपमहाद्वीप के विभाजन,' इतिहास विभाग, विश्वभारती, 10-11 फ़रवरी, 2013 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत

5. अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अध्यक्ष आमंत्रितः 2014 रवींद्र भवन, विश्वभारती, 21-24 मार्च, द्वारा आयोजित 'सहभागिता टैगोर और ग्लोबल / स्थानीय हस्तियों'

अभिविन्यास कार्यक्रम / पुन चर्या पाठ्यक्रम में आमंत्रित वक्ताओं

90 अभिविन्यास कार्यक्रम में अध्यक्ष के लिए आमंत्रित किया, अकादमिक स्टाफ कॉलेज, बर्दवान विश्वविद्यालय, 06-26 जून, 2013

'सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान क्रियाविधि' पर शीतकालीन स्कूल में अध्यक्ष, अकादमिक स्टाफ कॉलेज, बर्दवान विश्वविद्यालय, जनवरी, 2014 को आमंत्रित किया।

अन्य

विजिटिंग प्रोफेसर, इतिहास विभाग, विद्यासागर विश्वविद्यालय, मार्च 2014

मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट

पर पूरा यूजीसी मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट 'समकालीन साहित्य में ग्रामीण दुनियाः औपनिवेशिक बंगाल, 1930-50 में धारणाएं बदलने,' जुलाई 2013 में रिपोर्ट सौंपी

प्रकाशन

लेख 'हरिनाथ मजुमदार और बंगाल कृषकों' भारतीय ऐतिहासिक समीक्षा vol.40 में प्रकाशित, नहीं्। 2, 2013, पृ। 331-53

सैयद एजाज हुसैन

प्रकाशनः

इंटरनेशनल जर्नल

सल्तनत बंगाल को रजत फ्लो और हार्स आपूर्ति ट्रांस हिमालयन ट्रेड (13 वीं से 16 वीं सदी) के विशेष संदर्भ में शीर्षक से एक शोध पत्र ओरिएंट के आर्थिक और सामाजिक इतिहास के जर्नल (जेशो), नीदरलैंड, वॉल्यूम में बाहर आ गया है। 56, नंबर 2, 2013, पृ। 264-308्।

हुसैन शाह की नई शिलालेख और एक जामी उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में हुसैनाबाद से मस्जिद और बंगाल कला के प्रसार के अवशेष का डिस्कवरी शीर्षक से एक शोध पत्र बंगाल कला, ढाका, वॉल्यूम के जर्नल में प्रकाशित किया गया है। 18, 2013, पृ। 9-21।

नेशनल जर्नल

एक शोध पत्र का शीर्षक प्रतीकों और राज्य प्राधिकरणः भारत-इस्लामी सिक्के पर कला से विचार भारतीय ऐतिहासिक समीक्षा, नई दिल्ली, वॉल्यूम में प्रकाशित किया गया है। 40, नंबर 1, 2013, पृ। 17-40।

भक्ति परंपरा और हिन्दी प्रेम लोरेस की एक सीट के रूप में जौनपुर 'नामक एक शोध पत्र, इस्लामी इतिहास और भारत की संस्कृति के जर्नल में बाहर आया था, वॉल्यूम (इतिहास विभाग और संस्कृति, कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित)। 1, 2012, पीपी (2013 में बाहर आया था)। 184-93।

सेमिनार / सम्मेलन / व्याख्यानः

इतिहास, 22 फरवरी को कलकत्ता विश्वविद्यालय के विभाग में पुन चर्या पाठ्यक्रम में दो व्याख्यान दिया, पहला व्याख्यान के 2014 विषय सल्तनत बंगाल में रजत आपूर्ति था और दूसरा व्याख्यान का विषय सल्तनत बंगाल में हार्स आपूर्ति था।

इस्लामी इतिहास और संस्कृति, 25 फरवरी, 2014 को कलकत्ता विश्वविद्यालय के विभाग द्वारा आयोजित इस्लाम में प्रगतिशील विचार के रुझान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और इस्लाम में पशु अधिकारः कुछ विचार शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया।

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और उप-महाद्वीप के विभाजन 10-11 फ़रवरी, 2014 को इतिहास, विश्वभारती, शांतिनिकेतन विभाग में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और 1857 के प्रवचन शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत कियाः कुवेर सिंह अध्याय पर दोबारा गौर किया।

अर्पिता सेन

प्रकाशन

खासि सोसाईटि: संपादित अमरेन्द्र ठाकुर, 2013 उत्तर-पूर्व भारत केइतिहास एसोसिएशन, थर्टि थार्ड सत्र, शिलांग, की कार्यवाही में एक आत्मकथा आत्मजीबनस्मृति एइ जेनडेर्ड लेंस (1889-1916) केमाध्यम से

पत्र प्रस्तुत

1950 में प. बंगाल केसाथ कूचबिहार केविलय केपीछे की कहानीः नॉर्थ ईस्ट इंडिया एसोसिएशन के34 वें वार्षिक सम्मेलन 11-13 नवंबर से इम्फाल, मणिपुर विश्वविद्यालय, कांचिपुर में आयोजित में भाग लिया, 2013 एवं 'बंगाल एवं असम' शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया।

भाग लिया और एक कागज पर प्रस्तुत फूट डालो और छोड़ोः आयरलैंड और भारत में विभाजन की राजनीति 10-11 फरवरी, 2014, विभाग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और उप-महाद्वीप केविभाजन, में इतिहास, शांतिनिकेतन

अरूणाभा दास

भाग लिया और भारत में धार्मिक पर्यटन पर एक पेपर प्रस्तुतः विगत, बौद्ध महोत्सव की संगोष्ठी सत्र में वर्तमान और भविष्य 16-18 दिसम्बर के दौरान पीलिंग, प. सिक्किम में आयोजित, 2014 यह संयुक्त रूप से नव नालंदा महाविहार (डीम्ड विश्वविद्यालय) और केद्वारा आयोजित किया गया था संरक्षण और पर्यटन केलिए एसोसिएशन।

अमरेंद्र कुमार

ऑनर्स / पुरस्कार / उपलब्धियांः

नियुक्त / 2013/08/04 से 13-04-2013 को गुजरात विद्यापीठ द्वारा एक विजिटिंग फेलो, अहमदाबाद, केरूप में लगी हुई है।

2013/10/31 केलिए 2013/10/01 से एडवांस्ड स्टडीज, शिमला, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ में मानविकी और सामाजिक विज्ञान केलिए यूजीसी इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर केएसोसिएट्स 'कार्यक्रम केतहत एसोसिएटशिप की तीसरी वर्तनी लाभ उठाया।

चयनित / यूजीसी डीआरएस एसएपी के इतिहास विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन की (द्वितीय चरण) के उप समन्वयक केरूप में नियुक्त किया है।

प्रकाशित लेखः

सौर्यभूमि में, 'नौसेना छत्रपति संभाजी के एण्डेभार्स और जंजीरा केसिद्दी' शीर्षक से एक शोध पत्र, इंटरनेशनल जर्नल समीक्षित एक सहकर्मी प्रकाशित आईएसएसएनः 2319720, खंड-1, अंक 3 (अगस्त-अक्टूबर 2013), pp.77-8 ।

सेमिनार / कागज प्रस्तुत भाग लियाः

इतिहास और संस्कृति, गुजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद विभाग (20,21 दिसंबर तक आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी गांधीवादी युग की जमीनी श्रमिक (1920-1947), पर 'गांधी, रवींद्रनाथ टैगोर और राष्ट्रवाद' शीर्षक से एक कागज प्रस्तुत किया, 2013)।

इतिहास विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता (20, 21 जनवरी 2014) द्वारा आयोजित औपनिवेशिक भारत केऔपनिवेशिक इतिहास नए सिरे से लिखना एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'पूर्व औपनिवेशिक काल में एंग्लो-मराठा प्रतियोगिता' शीर्षक से एक कागज प्रस्तुत किया।

'राष्ट्रवाद और इमेजिनेशनः उपनिवेशवाद विरोधी राष्ट्रवाद केसंवर्धन केलिए एक वाहन केरूप मराठा इतिहास लेखन' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत इतिहास, विश्वभारती विभाग द्वारा आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और उप-महाद्वीप केविभाजन, पर, शांतिनिकेतन (10-11 फरवरी, 2014)

पीजी द्वारा आयोजितः एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में रिसोर्स पर्सन (मराठा पहचान), मुद्दे और चुनौतियां पहचान पर

ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य के रूप में काम 23 मार्च 2014 को इतिहास, संबलपुर विश्वविद्यालय, संबलपुर, ओडिशा विभाग।

पम खान पऊ

सेमिनार / सम्मेलन में प्रस्तुत

चिफटैनशिप बनाम उपनिवेशवादः औपनिवेशिक 'एजेंट' की मेकिंग चिन हिल्स में, सियामसिनपावलपि शिलांग, 19-20 मार्च, 2013 तक आयोजित किया डेमोक्रेटिजेशन प्रक्रिया पर राष्ट्रीय संगोष्ठी और जोमिस, पर प्रस्तुत किया।

हथियार के रूप में शब्दोंः प्रचार और द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान इद्ः पर इसके प्रभाव 35 उत्तर-पूर्व भारत के इतिहास एसोसिएशन के सम्मेलन में प्रस्तुत किया, मणिपुर विश्वविद्यालय, 11-13 नवम्बर, 2013।

इंडो-बर्मा रंगमंच रेभिसिटिंगः द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान ब्रिटिश और जापानी साम्राज्य के लिए संघर्ष में इद्ः (कुकी-चिन) का प्रतिनिधित्व औपनिवेशिक भारत, जादवपुर विश्वविद्यालय के सैन्य इतिहास रिनिविंग पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया, 20- 21 जनवरी 2014।

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और उप-महाद्वीप के विभाजन इतिहास विभाग, विश्व भारती विश्वविद्यालय शांति निकेतन, 10-11 फ़रवरी द्वारा आयोजित, पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत मणिपुर, 1835-1947 में एंग्लो-कुकी रिलेशन्स 2014।

औपनिवेशिक आधुनिकता और इद्ः (कुकी-चिन) के संदर्भ में पहचान का बनाना, साहित्य और संस्कृति जनजातीय भाषा पर वैश्वीकरण के प्रभाव, असमिया, मराठी और तमिल भाषा इकाइयों, भास भवन द्वारा आयोजित पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत, विवस भारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन, 20-21 फ़रवरी, 2014।

इतिहास विभाग, पछुंगा विश्वविद्यालय कॉलेज द्वारा आयोजित पूर्वोत्तर भारत में और पहचान फ्रंटियर 'की पुनर्विचार निर्माण' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया है,: चिन-लुसाई हिल्स, 1881-1898 के प्रति ब्रिटिश नीति की राजनीति खंडित फ्रंटियर , आइजोल, 27-28 फ़रवरी, 2014।

पत्र प्रकाशित

मणिपुर और चिन हिल्सः समीक्षित चिन हिल्स के विलय के लिए जेम्स जॉनस्टोन के प्रस्ताव को 33 एनईआईए सत्र की, कार्यवाही, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, ईटानगर, 2012, pp.437-444। (2013 में प्रकाशित) टिफटैनशिप बनाम उपनिवेशवादः चिन हिल्स में औपनिवेशिक 'एजेंट' की मेकिंग थियनलालमुयन नेगैटे और शाशंग गुटे (ईडी) पूर्वोत्तर भारत में डेमोक्रेटिजेसन प्रक्रिया मेंः कुछ मुद्दों और चुनौतियों, (आगामी) नई दिल्ली।

ब्रिटिश और जापानी साम्राज्य के बीच भू-राजनीतिक संघर्ष में स्थानीय घटनाक्रम सिचुएटिंगः द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इस भागीदारी की राजनीति, इंपीरियल के जर्नल और राष्ट्रमंडल इतिहास, डीओआई मेंः 10.1080 / 03086534.2014.894705 (रूटलेज)

सुधि मंडली

ओरिएंटेशन कोर्स - अक्टूबर, 2013, रायपुर के विश्वविद्यालय में आयोजित में भाग लिया अभिविन्यास कार्यक्रम।
भाग लिया संगोष्ठी - अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया 2014 में आयोजित किया है, इतिहास विश्व भारती के विभाग
संगोष्ठी पेपर प्रस्तुति - 2014 में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी, इतिहास विभाग, रायपुर के विश्वविद्यालय।

मानव विज्ञान विभाग

मानस राय

पेपर्स

दूसरों केसाथ, अमृत, संयुक्त राज्य अमेरिका, संपत्तियों की एक प्रारंभिक दृष्टिकोण, आईएसएसएनः 2229-712x 2013

'माइग्रेशन . ओरांश पर' दूसरों केसाथ, सामाजिक विज्ञान केभूमध्य जर्नल, रोम, इटली, 4 (13), आईएसएसएनः 2039-2117, 2013

'पारंपरिक या पारंपरिक कबीले और 21 वीं सदी में गांव निपटान की प्रकृतिः 24pgs में उरांव पर एक मानवशास्त्रीय अध्ययन (एन), प. बंगाल' नृतत्व-मानवविज्ञान, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, 2 और 3 (3 4), के साथ दूसरों को, आईएसएसएनः 2249-9830, 2013

अर्नब घोष

दास एम, पाल एस और घोष ए 2013, वयस्क केबीच मोटापा, वसा द्रव्यमान, और रक्त शर्करा केस्तर पर ऐस (आई / डी) और ए पी ओ ई (Hha I) जीन बहुरूपताओं के सिनरजीस्टिक प्रभाव एशियाई भारतीयोंः से एक जनसंख्या आधारित अध्ययन कोलकाता, भारत

एंडोक्रीनॉलॉजी और चयापचय 17 इंडियन जर्नल (1): 101-104

नाग टी और घोष ए 2013, एशियाई भारतीय आबादी में हृदय रोग केजोखिम कारकोंः हृदय रोग अनुसंधान 4 के एक व्यवस्थित समीक्षा जर्नल (4): 222-228

घोष ने एक और भगत एम 2014, ग्रामीण एशियाई भारतीय महिलाओं में केंद्रीय मोटापा स्थिति केसाथ टीवी देखने केसमय की एसोसिएशनः शांतिनिकेतन महिलाओं का अध्ययन। मानव जीवविज्ञान 26 केअमेरिकन जर्नल (3): 427-430

घोष ए 2014, बच्चों और एशियाई भारतीय मूल केकिशोरों में अधिक वजन और मोटापे की व्याख्याः कलकत्ता बचपन मोटापे का अध्ययन। पब्लिक हेल्थ 58 इंडियन जर्नल (2): 125-128

ज्योति रतन घोष

पेपर्स

2013: ज्योति रतन घोष और अरूप रतन बंद्योपाध्याय 'सेंट्रल एडिपोसिटी और एशियाई भारतीय लड़कियों में उच्च रक्तचाप का खतरा' बाल रोग विश्व जर्नल में। 9: 256-260।

2013: ज्योति रतन घोष और बाल स्वास्थ्य की श्रीलंका जर्नल में अभिप्सा सरकार 'बीरभूम जिला, पर्ि चम बंगाल के संताल बच्चों केबीच कुपोषण की व्यापकता, भारत'। 42: 147-150.

21-23 फ़रवरी 2014: प्रियंका दास, अरूप रतन बंद्योपाध्याय और 11 वीं आईएनसीएए कांग्रेस में ज्योति रतन घोष 'केंद्रीय मोटापा और टाइप 2 मधुमेह' डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, असम में आयोजित किया। (पीपी 90)

26-28 मार्च 2014: प्रियंका दास, अरूप रतन बंद्योपाध्याय और ज्योति रतन घोष सामाजिक न्याय पर भारत और अम्बेडकर के विचार में जातीय विविधता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'वयस्क बंगाली महिलाओं केशरीर में वसा वितरण और रक्त शर्करा केस्तर केबीच केरिश्ते पर एक अध्ययन' मानव विज्ञान, कलकत्ता विश्वविद्यालय केविभाग में। (पीपी1)

रंगिया गाछुई

20-21 फ़रवरी 2014: भाषा-भवन का असमिया, मराठी और तमिल भाषा इकाई, विश्वभारती द्वारा आयोजित आदिवासी भाषा साहित्य और संस्कृति, पर वैश्वीकरण केसेमिनार प्रभाव में 'मणिपुर के कोईरेंज जनजाति केस्थानीय

स्वशासन संस्थाओं' केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के सहयोग से।

25-26 मार्च 2014: 'मणिपुर के ताराओ जनजाति के स्थानीय स्वशासन संस्थाओं' यूजीसी में राष्ट्रीय संगोष्ठी में भारत के मानव विज्ञान सर्वेक्षण के सहयोग से मानव विज्ञान, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय के विभाग द्वारा आयोजित 21 वीं सदी में मानव विज्ञान शीर्षक प्रायोजित।

27-28 मार्च 2014: मानव विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सामाजिक न्याय की भारत और अम्बेडकर के विचार में संगोष्ठी का शीर्षक जातीय विविधता में 'इनपुई युवा छात्रावास'।

प्रकाशन

पुस्तक अध्याय में अनुच्छेद:

काम पर एक अनियम पौमाई पॉटर: चीनी मिट्टी एथनोऑर्केलॉजी के लिए कुछ निहितार्थ '50 साल के बाद दौजली-हाडिंग : पूर्वोत्तर भारत के पुरातत्व में दृष्टिकोण उभरते:। तरुण चंद्र शर्मा के सम्मान में निबंध तिआतोसी जमीर और मंज़िल हजारिका द्वारा संपादित; नई दिल्ली, रिसर्च इंडिया प्रेस, 2014: 218-226, आईएसबीएन: 978-81-89131-90-6

दर्शनशास्त्र तथा तुलनात्मक धर्म विभाग

अप्रैल, 1964 में यह विभाग दर्शन में अग्रिम अध्ययन के एक केंद्र के रूप में परिवर्तित कर दिया गया। देश और बाहर के अन्य विश्वविद्यालय के विद्वानों के सहयोग से तत्वमीमांसा में उच्च शिक्षआ और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए केंद्र को डिजाइन किया गया था। केंद्र में अनुसंधान की योजना निम्नलिखित तरीके से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा तैयार किया गया था। 1) वर्तमान आध्यात्मिक विरोधी आंदोलनों के औचित्य की जांच करने के लिए, 2) विरोधी आध्यात्मिक विचारकों द्वारा इसके खिलाफ लाये आारोपों के आलोक में तत्वमीमांसा के पुनर्निमाण के लिए और 3) नीतिशास्त्र, सौन्दर्य और धर्म की आधुनिकता विरोधी आध्यात्मिक विचारकों 'पुनरभिविन्यास कितनी दूर तक देखने के लिए तर्कसंगत है। केंद्र में काम कर रहे विद्वानों के पास धारणा की समस्याओं से लेकर धर्म की समस्याओं तक विषयों का एक व्यापक विकल्प मौजूद था। विदेश से केंद्र में आने वाले विजिटिंग फेलोज में प्रो.एच.डी. लुईस, प्रो. जॉन हिक, प्रो. जॉर्ज बुर्च और प्रो. ड्ब्ल्यू. एच.वॉल्श जैसे प्रख्यात विद्वान शामिल थे। केंद्र के पहले निदेशक प्रो. कालिदास भट्टाचार्य, जो कि स्वयं एक प्रख्यात दार्शनिक थे।

विभाग 1985 से 1990 तक 5 साल के लिए विशेष सहायता कार्यक्रम प्राप्त किया। विभाग का प्रधान उद्देश्य विभाग के विद्वान और अन्य बाहर के विद्वानों के बीच प्रभावी संचार की स्थापना है। यह संचार विभाग द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सेमिनार के माध्यम से और विजिटिंग फैलोज के कार्यों के माध्यम से स्थापित किया गया है।

वर्तमान मं यह विभाग अंडर ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट पाठ्यक्रमों के साथ ही अनुसंधान गतिविधियों के माध्यम से सभी सर्कल के लोगों के लिए दार्शनिक और धार्मिक ज्ञान का निरपेक्षत रूप से प्रसार कर रहा है।

संगठित संगोष्ठी / व्याख्यान / सम्मेलनः

1. दो दिवसीय राष्ट्रीय श्री रामकृष्ण परमहंस पर संगोष्ठी और 18-19 पर पूर्वी भारत का फकीर परंपरा फ़रवरी 2014्।

2. एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी एस राधाकृष्णन के दर्शन पर 5 सितंबर 2013 को शिक्षक दिवस निरीक्षण करने के लिए्।

3. 21 नवम्बर, 2013, भारतीय संस्कृति और दर्शन के पुनरुत्थान में स्वामी विवेकानंद पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी विश्वदर्शन दिवस निरीक्षण करने के लिए।

4. प्रो अमिता चटर्जी, दर्शनशास्त्र के पूर्व प्रोफेसर, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा वितरित 6 मार्च 2014 पर विश्वभारती में बिनोदिनी मेमोरियल बंदोबस्ती व्याख्यान।

5. प्रो. दिलीप कुमार मोहन्ता, पूर्व कुलपति, कल्याणी विश्वविद्यालय, कल्याणी द्वारा दिया 11 मार्च 2014 पर प्रबोध चंद्र बागची मेमोरियल बंदोबस्ती व्याख्यान।

6. संताल संस्कृति और उनके धार्मिक विश्वासों पर विश्वभारती में 25-26 मार्च, 2014 को भारत, कोलकाता के मानव विज्ञान सर्वेक्षण के सहयोग से दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

7. प्रो फेलिक्स पैडेल, वरिष्ठ रिसर्च एसोसिएट, पर्यावरण इतिहास, ससेक्स विश्वविद्यालय के लिए केंद्र, ब्रिटेन विभाग का दौरा किया और आदिवासी धर्म 20-03-2014 के कुछ मुद्दों पर चर्चा की।

8. डॉ कल्याण कुमार बागची, अवकाश प्राप्त प्रोफेसर, विश्वभारती 17-08-2013 पर दार्शनिक मुद्दों पर विभाग और वर्तमान दुनिया में एक व्याख्यान दिया।

मोहम्मद सिराजुल इस्लाम

सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशालाओं में भाग लिया

15-16 दिसम्बर 2013 यूजीसी दर्शन, आरआईएचएस, भोगराई, बालासोर, ओडिशा विभाग द्वारा आयोजित नक्सली आंदोलन में नैतिकता का स्थान 'विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रायोजित। एक प्रदर्शनीः नक्सली आंदोलन में नैतिकता के स्थान पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

4 फ़रवरी 2014 तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शिक्षा विभाग, विनयभवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित और विश्व शांति और मानसिक शांति के लिए शिक्षा के सूफी दर्शन पर 4 फ़रवरी 2014 पर एक व्याख्यान दिया।
विभाग द्वारा आयोजित इस्लाम में प्रगतिशील विचार के रुझान पर।
25 फ़रवरी 2014 एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी। इस्लामी इतिहास और संस्कृति, कोलकाता, कोलकाता विश्वविद्यालय के 25 फ़रवरी 2014 पर है और इस्लाम एक कागज पर प्रगतिशील प्रस्तुत? राज भवन (राज्यपाल निवास), कोलकाता में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर को नोबेल पुरस्कार के सौंपने की
29 जनवरी 2014 शताब्दी अवसर पर संयुक्त रूप से सूचना और सांस्कृतिक मामलों के विभाग और विश्वभारती और रवींद्र भारती विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की।
एथेंस, एथेंस, ग्रीस के विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दर्शन के 04-10 अगस्त 2013 23 वर्ल्ड कांग्रेस। वैश्विक परिप्रेक्ष्य में चैलेंज और वादा: बौद्ध धर्म और पारिस्थितिक संकट पर पर्यावरण दर्शन अनुभाग में एक पेपर प्रस्तुत किया।
17 सितंबर 2013 से एक दिन देर से माननीय अंगारिका धर्मपाल की 149 वीं जयंती के अवसर में भारत, कोलकाता महाबोधि सभा द्वारा आयोजित 'अनागारिक धर्मपाल में बुद्ध और स्वामी विवेकानंद के जीवन पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी। भारतीय समाज और संस्कृति पर प्रभाव बौद्ध धर्म पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
09-10 अक्टूबर, 2013 भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, नई दिल्ली यूनिवर्सिटीस एविर्टा इंटर अमेरिकना, बुयन्स आयर्स, अर्जेंटीना में अर्जेंटीना के भारतीय दूतावास, बुयन्स आयर्स, अर्जेंटीना द्वारा आयोजित स्वामी विवेकानंद की 150 वीं जयंती के स्मरणोत्सव पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन प्रायोजित और एक पेपर प्रस्तुत सार्वभौमिक धर्म के स्वामी विवेकानंद की धारणा पर।
27 नवंबर 2013 को राष्ट्रीय एकता को बनाए रखने के लिए एनएसएस की भूमिका पर कवि जय देव कॉलेज, इल्लम बाजार, बर्दवान विश्वविद्यालय में एक व्याख्यान दिया।

रिसर्च पेपर्सः

पर एक लेख प्रकाशित सूफीवादः सहज साधन्या मानब धर्म वर्णपरिचय, 1 वर्ष, नंबर 2, कोलकाता, 2013. (बंगाली में) 56-64।
एक लेख राष्ट्रीय एकता के लिए इकबाल के काव्य रचनात्मकता और दार्शनिक कुशाग्र बुद्धि प्रकाशित, विश्वभारती त्रैमासिक, वॉल्यूम-20 (संख्या-3 व 4) और (2013 में प्राप्त) 21 (संख्या 1 और 2) 2011-12, आईएसएसएन वाल्यूम- पीपी 129-136। 978-81-926244-2-6:
प्रोजित कुमार पालित, डेल्टा किताब दुनिया, नई दिल्ली, 2013, आईएसबीएन द्वारा संपादित इस्लामी दृष्टिकोण में एक विश्लेषण, किताब स्वामी विवेकानंद और राष्ट्रीय एकता,: स्वामी विवेकानंद और राष्ट्रीय एकता पर एक लेख प्रकाशित , पीपी 121- 136।
सूफी आध्यात्मिकता और अपने सार्वभौमिक आउटलुकः एक वि लेषण 'विषय पर एक लेख प्रकाशित विश्वभारती त्रैमासिक में, माप-22, नंबर 3 व 4, अक्टूबर 2013 से मार्च 2014,66-79। आईएसएसएनः 0972043x।

अन्य

सामाजिक दर्शन के महासचिव अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस (आईसीएसपी), 2013-14।
लोग (स्नैप), कोलकाता, 2012-13 के लिए सहायता के लिए संयुक्त सचिव, सामाजिक नेटवर्क।
सदस्य, कार्यकारी परिषद, एलिआ विश्वविद्यालय, कोलकाता 2013-14
राष्ट्रपति, विश्वभारती विश्वविद्यालय के संकाय एसोसिएशन (वीबीयूएफए),विश्वभारती, शांतिनिक्तन।
सम्मान अंगारिकाधर्मपाल 17-09-2013 को आयोजित स्वर्गीय ज्ड्डद'ड्थ्ड्ड की 149 वीं जयंती के अवसर पर भारत, कोलकाता महाबोधि सभा से प्राप्त किया।
नतुन गति विश्व नवी 2014 पुरस्कार मुस्लिम संस्थान हॉल, हाजी मोहम्मद महसीन स्क्वायर, कोलकाता में प्राप्त किया।
सम्मान श्री भक्ति विनोद ठाकुर की 150 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर 2014 में गौड़ीय मिशन, अमलाजोर, दुर्गापुर, बर्दवान से प्राप्त किया।

सम्मान 2014 में कोलकाता, बंगाली विभाग, रवींद्र भारती विश्वविद्यालय से प्राप्त की।

मंजरी चक्रवर्ती

सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशाला में भाग लिया

04-06 जुलाई 2013 से ISEG में दर्शन और प्रौद्योगिकी (एसपीटी) के लिए सोसायटी की 18 वीं द्विवार्षिक सम्मेलन, लिस्बन, पुर्तगाल के तकनीकी विश्वविद्यालय। प्रस्तुत कागज का शीर्षकः सामग्री कलाकृतियों और मानव जीव के बीच संबंध परः प्रौद्योगिकी के दर्शन संज्ञानात्मक पुरातत्व के लिए उपयोगी हो सकता है?

15-18 दिसम्बर, अनुवाद, कम्परेटिज्म और ग्लोबल दक्षिण मैसूर, कर्नाटक में आयोजित समकालीन सिद्धांत पर फोरम (एफसीटी) द्वारा आयोजित पर 2013 में 16 वीं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। प्रस्तुत कागज तारतम्यहीनता इनकम्पराबिलिटी और अचिंतनीयता मतलब?

18-19 दिसम्बर, विज्ञान के दर्शन पर 2013 राष्ट्रीय कार्यशाला दर्शनशास्त्र विभाग, हैदराबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय में दौरान आयोजित किया। प्रस्तुत कागजः सामग्री कलाकृतियों की एक दार्शनिक अध्ययन

2-5 फ़रवरी, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और मूल्यों 'पर 2014 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ज्ञाना-दीपा विद्यापीठ (जेडीवी), पुणे से साथ मिलकर विज्ञान और धर्म के भारतीय संस्थान द्वारा आयोजित। प्रस्तुत कागज का शीर्षकः मानव प्रौद्योगिकी संबंधों के एक दार्शनिक अध्ययन

13-14 फ़रवरी, दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित दर्शन में उत्तरआधुनिक प्रतिमान 'पर 2014 राष्ट्रीय संगोष्ठी, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय के विशेष सहायता कार्यक्रम प्रस्तुत कागज के यूजीसी टाइटिल, की (एसएपी) के तहतः फाउंडशिअनिस्ट एक आलोचना कारण के आदर्शः पोस्टमॉडनिस्ट वी / एस पॉपर

रंजन मुखोपाध्याय

14-29 जून 2013 'इंदिरादेवी धनराजगिरी बंदोबस्ती प्रोग्राम' के तहत 'सटीक मानवता के लिए केन्द्र', आईआईआईटी, हैदराबाद, द्वारा आयोजित 'न्याय- वैसेसिका के आधार पर औपचारिक और दार्शनिक दृष्टिकोण मन का काम पर 2 समर स्कूल कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति आईआईटी-बीएचयू, वाराणसी द्वारा की मेजबानी की। अक्टूबर 9-23 2013 में 15 दिनों के लिए जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के दर्शन विभाग में विजिटिंग फेलो।

17-18 दिसम्बर, दर्शन, हैदराबाद विश्वविद्यालय के विभाग द्वारा आयोजित 'विज्ञान के दर्शन पर राष्ट्रीय कार्यशाला' में 'तर्क और गणित में विरोधाभास है शीर्षक से 2013 प्रस्तुत कागज,।

30-31 जनवरी, 'भाषा और मन - ट्वेंटिएथ सेंचुरी पर्सपेक्टिव' पर एक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में परिभाषाएँ शीर्षक से 2014 प्रस्तुत कागज दर्शनशास्त्र विभाग, यादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित, हेमवती नंदन द्वारा आयोजितः 'ए वार्ता मन, पदार्थ और गणित' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में, - 12 अध्यक्ष आमंत्रित किया और गणित की आधारशिला में एक जांचः शास्त्रीय और इंस्टीट्यूनिस्ट तर्क पर एक बात छुड़ाया 14 मार्च, 2014 बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, नई टिहरी, गढ़वाल, उत्तराखंड।

गौर हाजरा

प्रकाशन

अहिंसा के जैन अवधारणा और आधुनिक समाज में अपनी प्रासंगिकता अनुकृत्य 1193 - आईएसएसएन नं 2250

स्वामी विवेकानंद के नव-वेदांत और इसकी महत्वपूर्ण इवालुएशन 'ज्ञान हेराल्ड' आईएसएसएन 2231 - 1483

सर्वज्ञता (केवलज्ञान) के जैन अवधारणा - एक गंभीर और तुलनात्मक अध्ययन। अनुशीलन'आईएसएसएन 0973 - 8762

जैन नैतिकता और समाज पर इसके प्रभाव। शोध दृष्टि 'आईएसएसएन 0976 - 6650

अन्य

विश्वभारती, शांतिनिकेतन में 18-19 फ़रवरी, 2014 को रामकृष्ण परमहंस और भारत की रहस्यवादी परंपरा 'विषय पर एक दो दिन राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयुक्त समन्वयक।

माया दास

सेमिनार / सम्मेलन आदि

5 - 6 सितंबर 2013: विनय-भावना, विश्वभारती द्वारा आयोजित नई विश्व व्यवस्था में भारत का प्रतिनिधित्व करनाः राधाकृष्णन की विरासत पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। पेपर प्रस्तुत कियाः राधाकृष्णन केदर्शन और यूनिवर्सल दर्शकों इसके अलावा संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।

21 नवंबर 2013: दर्शन और धर्म, विश्वभारती, शांतिनिक्तन, प्रस्तुत कागज विभाग द्वारा आयोजित भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय एकता के पुनरुत्थान में स्वामी विवेकानंद, पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठीः भविष्य के लिए स्वामी विवेकानंद के दार्शनिक विचारों्।

31 दिसम्बर, 2013-1 जनवरी, 2014 : व्यक्तित्व 'पर व्याख्यान दिया सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित शिक्षा, विनय-भावना, विश्वभारती, शांतिनिक्तन, विभाग द्वारा आयोजित एक जग राष्ट्रीयता, के लिए दो व्यक्तित्व पर दिन शीतकालीन शिविर और नेतृत्व विकास विकासः इसका उद्देश्य और जरूरत है

18 -19 फरवरी 2014 : श्री रामकृष्ण परमहंस और भारत की रहस्यवादी परंपराओं पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी; दर्शन और धर्म, विश्वभारती, शांतिनिक्तन, प्रस्तुत कागज विभाग द्वारा आयोजितः श्री रामकृष्ण परमहंस और भारतीय रहस्यवाद्।

प्रकाशन

पुस्तक अध्याय में अनुच्छेदः भविष्य के लिए स्वामी विवेकानंद के दार्शनिक विचारों की प्रासंगिकता, पहली बार प्रकाशित स्वामी सुपर्णानन्द, सचिव, संस्कृति के रामकृष्ण मिशन संस्थान, कोलकाता, भारत, द्वारा प्रकाशित विवेकानंद, समझनाः सितम्बर 2013, 224-254, आईएसबीएन 978- 93-81325-31-5।

रेखा ओझा

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार / सम्मेलन आदि

5 सितंबर 2013- राष्ट्रीय संगोष्ठी राधाकृष्णन की विरासत परः विनय-भावना, विश्वभारती, 5-6 सितम्बर, 2013 से शांति निक्तन द्वारा आयोजित नई विश्व व्यवस्था में भारत का प्रतिनिधित्व करना; एक बहसः राधाकृष्णन आयोग में महिला शिक्षा 'पर एक प्रस्तुति पेश की।

21 नवंबर, 2013- विश्व दर्शन दिवस, दर्शन और तुलनात्मक धर्म, विश्वभारती विभाग द्वारा आयोजित भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय एकता के पुनरुत्थान में स्वामी विवेकानंद पर राष्ट्रीय संगोष्ठी; 2013 नवंबर, 21-22 '21 वीं सदी में महिलाओं पर स्वामी विवेकानंद के दृष्टिकोण की प्रासंगिकता' विषय पर एक प्रस्तुति पेश की।

3 फ़रवरी, 2014- राष्ट्रीय संगोष्ठीः; महिलाओं के प्रति वैदिक रुख ट्रांक्यूलिटी का खजाना शिक्षा, विनय भवन, विश्वभारती, 3-4 फरवरी, 2014 से शांतिनिकेतन विभाग द्वारा आयोजित भारतीय शिक्षा के दार्शनिक विरासत पर एक प्रस्तुति पेश की' और इक्कीसवीं सदी में अपनी प्रासंगिकताः एक नारीवादी दृष्टिकोण।

9 फ़रवरी, 2014- पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, एक के रूप में भारत में नारीवादी रंगमंच कर्मीमंडली विश्वभारती, 9-10 फरवरी, 2014 से शांतिनिक्तन के साथ संघ में महिला अध्ययन केद्र द्वारा थियेटर ऑर्गनाइज्ड भारतीय में महिलाओं की उपलब्धियों पर एक प्रस्तुति पेश की' महिलाओं के मुद्दों 'पेश की स्रोत है।

18 फ़रवरी, 2014 रामकृष्ण परमहंस और 18-19 फ़रवरी, 2014 से दर्शन और तुलनात्मक धर्म, विश्वभारती, शांतिनिकेतन विभाग द्वारा आयोजित पूर्वी भारत का फकीर परंपराओं के रूप में राष्ट्रीय संगोष्ठी; 'श्री रामकृष्ण की महिला चेलों' पर एक प्रस्तुति पेश की।

25 मार्च 2014- संताल संस्कृति और पर राष्ट्रीय संगोष्ठी उनके धार्मिक विश्वासों 'दर्शन और धर्म, विश्वभारती, शांतिनिक्तन और 25-26 मार्च, 2014 से भारत, कोलकाता के मानव विज्ञान सर्वेक्षण विभाग द्वारा आयोजित; पर एक प्रस्तुति पेश की' खनन क्षेत्र में आदिवासी महिलाओं पर खनन परियोजना का प्रभाव एक डिसकोर्स।

प्रकाशन

योग और महिलाओं के सशक्तिकरण में ध्यानः एक नैतिक परिप्रेक्ष्य; वैज्ञानिक अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय संगठन; वॉल

3; अंक 4; अप्रैल 2013; आईएसएसएनः 2278-8719

'भारत में महिलाओं और प्रौद्योगिकीः एक दार्शनिक प्रवचन, वैज्ञानिक और अनुसंधान प्रकाशन के इंटरनेशनल जर्नल; वॉल 3; समस्या 7; जुलाई 2013; आईएसएसएनः 2250-3153

इंटरसेक्सऔर पहचान केसंकट यूजीसी-ए एस सी नैनीताल 'क्वेस्ट' केजर्नल; वाल्यूम समस्या 3; सितंबर 2103; आईएसएसएनः 2249-0035

अन्य

बर्दवान विश्वविद्यालय में 'महिलाओं केअध्ययन', प. बंगाल 2013/10/22 से 2013/11/11 पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम

एशियाई और प्रशांत अध्ययन केलिए भारतीय एसोसिएशन केसदस्य

विषयों पर निर्देशित बीए निबंधः संथाल देवताओं और देवी और उनकेधार्मिक इतिहास,

रामकृष्ण मठ और मिशन, भारत सावास्रन संगर सेवा भावना

संयुक्त रूप से 2013 आंतर विश्वविद्यालय युवा महोत्सव का आयोजन किया।

संयुक्त रूप से काम निष्पक्ष, 2014 केलिए क्ज जागरूकता तैयारी क्लास का आयोजन।

संयुक्त रूप से साक्षात्कार का सामना करने केलिए 'पर कैसे काम निष्पक्ष प्रतिभागियों केलिए विशेष वर्ग का आयोजन

एमपी. टेरेंस शमूएल

सेमिनार / सम्मेलन आदि

26 सितंबर 2014: राष्ट्रीय संगोष्ठी ', 19 वीं सदी में तमिल सोसायटी', कालाचुवादु प्रकाशकों केसाथ सहयोग में पत्रकारिता और विज्ञान संचार, मदुरै कामराज विश्वविद्यालय केविभाग द्वारा आयोजित किया। एक कागज, शानर नादोराना वोरोलारू (परंपरा की आधुनिकता- नदर्स बनना शनर्स ए हिस्ट्री) नवीनामागुम माराबुगल प्रस्तुत किया।

12 मार्च 2014: पर राष्ट्रीय संगोष्ठीः धर्म के स्कूल केइंटर-धार्मिक विद्वानों 'फोरम द्वारा आयोजित' धर्म, साहित्य वैचारिक संरचनाओं ', दार्शनिक और मानवतावादी सोचा, मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै। एक कागज, '-फैनोन केपरिप्रेक्ष्य औपनिवेशिक प्रवचन के एपिस्टमॉलॉजी प्रस्तुत किया।

प्रकाशन

पत्रिकाओं / संगोष्ठी कार्यवाही में लेख

'डबल चेतना - ब्रह्मवाद तर्क केलिए एक मातहत प्रतिरोध', सामाजिक विज्ञान और मानवता रिसर्च जर्नल, वॉल्यूम। मैं, नंबर 2, जुलाई-दिसम्बर, 2013, एड। 271. 2321-8908 - 259: विनय बर्मन, बांकुड़ा, 2013।

सह लेखक जेंडर्ड मनु केकानूनों में भेदभावः महिलाओं केकुलपति वस्तु का एक वि लेषण', सामाजिक विज्ञान और मानवता रिसर्च जर्नल, वॉल्यूम। मैं, नंबर 2, जुलाई-दिसम्बर, 2013, एड। 324 ISSN 2321-8908 - 317: विनय बर्मन, बांकुड़ा, 2013।

'औपनिवेशिक प्रवचन के एपिस्टेमॉलॉजी - फैनोन केपरिप्रेक्ष्य', नेशनल पर संगोष्ठी की कार्यवाही 'धर्म, साहित्यः वैचारिक संरचनाओं', एड। पी दिव्या, एट अल, मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै, 2014:। 534 - 538. आईएसबीएन 978-81-910214-7-9

फरहा नाज़

आलोच्य अवधि केदौरान इब्न अल-अरबी केदर्शन में परफेक्ट मैन की अवधारणा पर विश्वभारती द्वारा असाइन नहीं की गई अनुदान द्वारा वित्तपोषित एक नाबालिग परियोजना केरूप में कुछ शोध कार्य किया।

मौसमी रॉय

पुन चर्या पाठ्यक्रम, एएससी राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, दिसम्बर 9- 28 दिसंबर 2013 में भाग लिया।

पत्रकारिता एवं जन-संचार केन्द्र

छात्रों के नाम यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / स्लेट और गेट परीक्षा में योग्य .:

प्रियंका रॉय (1 - नेट जून, 2013)

विभागीय संगोष्ठी (वक्ताओं, संगोष्ठी, तिथि का शीर्षक):

डॉ प्रवीण सिन्हा (वरिष्ठ सलाहकार-एफईएस), डॉ एसपी श्रीवास्तव (नेशनल लेबर लॉ एसोसिएशन), प्रो प्रशांत घोष (वीबी), डॉ सुजीत पाल (वीबी) - बीरभूम में मुख्य श्रम मुद्दों 'पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, प. बंगाल 'फ्रेडरिक एबर्ट स्टीफटंग के सहयोग से 05-06 अप्रैल 2013 (एफईएस), जर्मनी

श्री एम जे अकबर, किरण प्रसाद, एशियाई संचार एवं राष्ट्रीय एकता के लिए संचार पर मीडिया कांग्रेस-नेशनल विवेचनाः 20 अप्रैल 2013 पर मीडिया की भूमिका 'में मुद्दे।

16 सितंबर 2013 को अखबारों के संपादन पर कार्यशाला।

15 नवम्बर 2013 को विज्ञापन पर कार्यशाला।

16 सितंबर, 2013 पर सार्वजनिक संबंध और मीडिया प्रबंधन पर कार्यशाला।

4 अप्रैल 2013 पर मीडिया संगठन प्रबंधन पर कार्यशाला।

20 नवंबर, 2013 पर विकास संचार पर कार्यशाला।

प्रो. सुरंजन दास, कुलपति, कलकत्ता विश्वविद्यालय, डॉ. बुरोशिवा दासगुप्ता, एनएसएचएम, स्नेहाशीष सुर, दूरदर्शन, प्रो दीपांकर सिन्हा, कलकत्ता विश्वविद्यालय, शुभ्र नियोगी, पत्रकार, टाइम्स ऑफ इंडिया, देबाशीष मजूमदार, सिर वित्त एवं लेखा, फेस, प्रो. सोमदत्ता मंडल, वीबी, प्रो तापती मुखर्जी, वीबी - 'सोशल मीडिया की भूमिकाः लोकतंत्र में एक नई आवाज' सहयोग से फ्रेडरिक एबर्ट स्टिफटंग (एफईएस) जर्मनी के साथ 28 -29 सितम्बर 2013 'पुनर्परिभाषित पत्रकारिता आचरण सुहृद पत्रकारिता' - प्रो संदीप मुप्पीदी (हार्टफोर्ड विश्वविद्यालय), श्री पी साईनाथ (पत्रकार), श्री पराञ्जय गुहा ठाकुरता (पत्रकार), प्रो. सोमदत्ता मंडल, वीबी आईसीएसएसआर पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन प्रायोजित 19 जनवरी 2014।

18 जनवरी 2014 - 'असमानता और कृषि संकट भारत में करोड़पति बनाम स्लमडॉग्स' पर पी साईनाथ द्वारा विशेष व्याख्यान।

19 दिसंबर, 2013 पर हिरण्मय कर्लेकर द्वारा विशेष व्याख्यान।

13 जनवरी 2014 पर परञ्जय गुहाठाकुरता द्वारा विशेष व्याख्यान।

केवल राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी

विवरण में शिक्षक / अनुसंधान विद्वानों द्वारा भाग लियाः

बिप्लव लोहा चौधरी

13 फ़रवरी 2014: संचार, अहमदाबाद मुद्रा संस्थान में अंतर्राष्ट्रीय संचार प्रबंधन संगोष्ठी में 'भारत में समकालीन स्वास्थ्य नीति में स्वास्थ्य संचार स्थिति की समीक्षा' पर आमंत्रित व्याख्यान।

18 मार्च 2014: अतिथि वक्ता इक्फाई विश्वविद्यालय में, अगरतला, त्रिपुरा 'मैन प्रबंधन के लिए संचार' विषय पर व्याख्यान दिया।

अन्य

देश निदेशक, एशियाई संचार एवं मीडिया कांग्रेस

प्रबंध समिति के सदस्य, शिक्षा, सूरी की अर्कद्युति कॉलेज

भारत की मीडिया सूचना और संचार केंद्र के सदस्य

सदस्य, न्यासी बोर्ड, जीआरटीएफ, नई दिल्ली

मौसमी भट्टाचार्य

19 अप्रैल 2013: करने केलिए एक नया उपकरणः अप्रैल, 2013 में अटलांटा में आयोजित केन्नेस राज्य विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा आयोजित और मोबाइल फोन पर एक पेपर प्रस्तुत 'एशिया यूएसए भागीदारी के अवसर पर संगोष्ठी' के वैज्ञानिक समिति में भारत की ओर से नामांकित ग्रामीण भारत के सशक्तीकरण '।

18-19 जनवरी 2014: हकदार एक पेपर प्रस्तुत 'सोशल मीडिया एक पवित्र गाय है?' ': पुनर्परिभाषित पत्रकारिता आचरण सुहृद पत्रकारिता' विश्व भारती, शांति निकेतन में आयोजित आईसीएसएसआर में पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को प्रायोजित किया।

27-28 फ़रवरी 2014: 'उच्च शिक्षा व्यवस्था और मीडिया पर लिंग स्थिति' पर जीजीएस इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय में एक पेपर प्रस्तुत किया। आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी मे्।

30 जनवरी 2014: शीर्षक से एक कागज प्रस्तुति सत्र में भाग लिया एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में अमेरिकन सेंटर, कोलकाता और एनएसएचएमए, मीडिया और डिजाइन संस्थान द्वारा आयोजित 'में मीडिया और संचार शिक्षा डिजिटल युग'।

18-19 जनवरी 2014: संगोष्ठी के निदेशक के रूप मेंः आईसीएसएसआर आयोजित 'पुनर्परिभाषित पत्रकारिता आचरण सुहृद पत्रकारिता' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को प्रायोजित किया।

5-6 अप्रैल 2013: फ्रेडरिक एबर्ट स्टिफटंग (एफईएस), संगोष्ठी के निदेशक के रूप में जर्मनी के सहयोग से 'बीरभूम, प. बंगाल में मुख्य श्रम मुद्दों' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित।

28 -29 सितंबर 2013: फ्रेडरिक एबर्ट स्टिफटंग (एफईएस), संगोष्ठी के निदेशक के रूप में जर्मनी के सहयोग सेः 'लोकतंत्र में एक नई आवाज सोशल मीडिया की भूमिका' आयोजित।

अन्य

सदस्य, युवा नेता के थिंक टैंक - भारत, फेस, जर्मनी

भारत, नई दिल्ली के सदस्य, मीडिया सूचना और संचार केंद्र

सदस्य, मीडिया पेशेवरों के लिए फाउंडेशन, नई दिल्ली

संयोजक, महिला अध्ययन केंद्र बोर्ड, विश्वभारती

सदस्य, बड़े समिति में विश्व, विश्व भारती

कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम के लिए अध्यक्ष, आंतरिक शिकायतें 'समिति, विश्व भारती

संयुक्त सांस्कृतिक सचिव, कर्मीमंडली, विश्वभारती (ऊपर जून 2013 तक)

संहिता चटर्जी

20 अप्रैल 2013: प्रस्तुत हकदार एक पेपर 'नेटवर्क रिक्त स्थानः भारत में सामाजिक विरोध के उभरते फ़ॉर्म' राष्ट्रीय एकता के लिए संचार पर राष्ट्रीय विवेचना मेंः मुद्दे सहयोग में पत्रकारिता के लिए केंद्र द्वारा आयोजित मीडिया और मास कम्युनिकेशन, विश्वभारती की भूमिका में एशियाई संचार और मीडिया कांग्रेस, भारत अध्याय के साथ।

23-24 अगस्त 2013: ': भारतीय संदर्भ नई नेटवर्क क्षेत्र में लोकतंत्र और पावर के परस्पर क्रिया' पूछताछ पहचान पर एक राष्ट्रीय सेमिनार मेंः राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित समकालीन भारत में राज्य और समुदाय की प्रतिक्रिया हकदार एक पेपर प्रस्तुत बैरकपुर राष्ट्रगुरु सुरेंद्रनाथ कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय संबंधों के यादवपुर एसोसिएशन के सहयोग से समाजशास्त्र, बैरकपुर राष्ट्रगुरु सुरेंद्रनाथ कॉलेज।

28-29 सितंबर 2013: पत्रकारिता और जनसंचार, विश्वभारती में के लिए केंद्र द्वारा आयोजित लोकतंत्र में एक नई आवाजः सोशल मीडिया की भूमिका पर एक राष्ट्रीय सेमिनार मेंः 'समय की जरूरत भारत में डिजिटल साक्षरता' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत सहयोग फ्रेडरिक एबर्ट स्टिफटंग (एफईएस) जर्मनी।

7-8 मार्च 2014: भारत में लोकतंत्र पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में इलाहाबाद विश्वविद्यालय में 'चुनाव पूर्व जनता की राय को प्रभावित करने में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की भूमिका पर सवाल' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत कियाः

यूजीसी सैप, राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित रुझान इमर्जिंग और नेहरू अध्ययन केंद्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय।

10-12 दिसंबर 2013: ग्लोबल आदेश फिर से कल्पना पर वार्षिक इंटरनेशनल स्टडीज कन्वेंशन 2013 पर: 'भारतीय परिप्रेक्ष्य पावर और काउंटर पावर की परस्पर क्रिया के माध्यम से नए नेटवर्क क्षेत्र के उभार': हकदार एक पेपर प्रस्तुत दक्षिण से परिप्रेक्ष्य द्वारा आयोजित गुजरात के केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कलकत्ता विश्वविद्यालय, हैदराबाद विश्वविद्यालय, पुणे विश्वविद्यालय, पांडिचेरी विश्वविद्यालय और पंजाब विश्वविद्यालय के साथ साझेदारी में इंटरनेशनल स्टडीज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के स्कूल।

20-22 फ़रवरी, 2014: 'महिला आरक्षण विधेयक पर आरक्षण - भारत में महिला सशक्तिकरण पर इसके संभावित असर का मिलान' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया पर आईसीएसएसआर प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'अंतरराष्ट्रीय संबंध की सीमाओं रीड्राविंग: राज्य और शक्ति से परे जा रहे हैं' राजनीति विज्ञान विभाग, रावेनशॉ विश्वविद्यालय, भारत द्वारा आयोजित।

18-19 जनवरी 2014: संयोजक के रूप में: आईसीएसएसआर आयोजित 'पुनर्परिभाषित पत्रकारिता आचरण सुहृद पत्रकारिता' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को प्रायोजित किया।

5-6 अप्रैल 2013: फ्रेडरिक एबर्ट स्टिफटंग (एफईएस), संयोजक के रूप में जर्मनी के सहयोग से 'बीरभूम, प.बंगाल में मुख्य श्रम मुद्दों' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित।

28 -29 सितंबर 2013: सहयोग से फ्रेडरिक एबर्ट स्टिफटंग (एफईएस), संयोजक के रूप में जर्मनी के साथ: 'लोकतंत्र में एक नई आवाज सोशल मीडिया की भूमिका' आयोजित।

अन्य

सदस्य, " छात्र गतिविधि केन्द्र', विश्व भारती।

छात्र मामलों, प्रभारी, सीजेएमसी, विश्व भारती में्।

विभाग में चल रहे अनुसंधान परियोजनाएं: कोई नहीं

विस्तार गतिविधियों / एनएसएस / सांस्कृतिक और शिक्षकों और विभाग के छात्रों द्वारा विभाग द्वारा आयोजित और भाग लिया अन्य गतिविधियों:

1. संगठित फ्रेशर्स, विदाई कार्यक्रम, पिकनिक आदि में आपका स्वागत है

2. 'वृक्षारोपण', 'पौष उत्सव', 'वसंत उत्सव' आनंदबाजार और 2013-14 के दौरान अन्य विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों और समारोहों में भाग लिया।

3. सीजेएमसी विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन में इंदिरा गांधी सेंटर, अर्थशास्त्र विभाग और राजनीति विज्ञान आदि के साथ सहयोग किया।

शिक्षकों द्वारा प्राप्त की शैक्षणिक भेद/(आदि डीएसए या कैस के रूप में मान्यता की तरह) एक पूरे के रूप में विभाग के विद्वान

बिप्लव लोहा चौधरी

सदस्य, पत्रकारिता एवं जनसंचार में अनुसंधान अध्ययन के बोर्ड, बर्दवान विश्वविद्यालय, प.बंगाल (आज तक)

सदस्य, पत्रकारिता में बोस, प.बंगाल राज्य पाठ्य पुस्तक बोर्ड (आज तक)

सदस्य, यूजीबोर्ड प.बंगाल स्टेट यूनिवर्सिटी, बारासात (आज तक)

सदस्य, स्नातकोत्तर बोर्ड, प.बंगाल स्टेट यूनिवर्सिटी, बारासात (आज तक)

पत्रकारिता एवं जनसंचार में रिसर्च की समिति, एन एस ओ यू, कोलकाता के सदस्य

सदस्य, मीडिया अध्ययन के लिए पाठ्यक्रम पर एनसीईआरटी कमेटी, 2010

पत्रकारिता एवं जनसंचार, डब्ल्यूबीएसबीबी, कोलकाता में पांडुलिपि समीक्षक

मौसमी भट्टाचार्य

सदस्य, सलाहकार समिति, संचार विकास, नई दिल्ली के इंटरनेशनल जर्नल

अतिथि संपादक, ग्लोबल मीडिया जर्नल - भारत (न्यू मीडिया पर ग्रीष्मकालीन अंक)

कुलपति के उम्मीदवार, अध्ययन के बोर्ड, जनसंचार एवं वीडियोग्राफी, विद्यासागर विश्वविद्यालय, मिदनापुर, प.बंगाल में पीजी डिप्लोमा कोर्स

बाहरी सदस्य, बोस, पत्रकारिता एवं जनसंचार, दूरस्थ शिक्षा, कल्याणी विश्वविद्यालय, प.बंगाल

बाहरी विशेषज्ञ, बोस, मास कम्युनिकेशन और वीडियोग्राफी, रवींद्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता, प.बंगाल

बाहरी विशेषज्ञ, बोस, पत्रकारिता एवं जनसंचार, दूरस्थ शिक्षा, कल्याणी विश्वविद्यालय, कल्याणी, प.बंगाल

शिक्षा विभाग और साक्षरता, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के तहत मुक्त विद्यालयी शिक्षा के लिए राष्ट्रीय संस्थान के लिए बाहरी विशेषज्ञ, संरचना 'साउंड डिजाइनिंग कोर्स'

बाहरी विशेषज्ञ, बोस, पत्रकारिता विभाग, सेंट जेवियर्स कॉलेज

वर्ष के भीतर प्रकाशन अप्रैल 2013 - मार्च 2014

बिप्लव लोहा चौधरी

रवीपुत्र रथीन्द्रनाथ (बंगाली), अंतरबाहा, आईएसएसएन 2278-7380, वाल्यूम 12, मई 2013: आत्मबय जयते पुत्राः पर पेपर

संयुक्त रूप से मीडिया और संचार, फरवरी 2014, आईएसबीएन 978-81-922957 में मुद्दों पर किताब संपादित

मौसमी भट्टाचार्य

'लोकतंत्र में सामाजिक मीडिया की आवाज' (: 978-81-7522-584-8 जनवरी 2014, आईएसबीएन) हकदार संपादित पुस्तक

'लोकतंत्र में सामाजिक मीडिया की आवाज' नामक एक किताब में (जनवरी 2014, आईएसबीएन : 978-81-7522-584-8): 'विज्ञान के लिए जनता के लिए पथ सोशल मीडिया और डिजिटल साक्षरता' नामक अध्याय।

संहिता चटर्जी

डॉ मौसमी भट्टाचार्य द्वारा संपादित 'लोकतंत्र में सामाजिक मीडिया की आवाज' नामक एक किताब में (जनवरी 2014, आईएसबीएनः 978-81-7522-584-8): 'का पर्याय बन गया सामाजिक परिवर्तन के साथ न्यू मीडिया' नामक अध्याय।

नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या विभाग द्वारा शुरू की किसी भी अन्य शिक्षण नवाचारों डिजाइनिंगः

1. छात्रों को भविष्य में अधिक से अधिक चुनौतियों के लिए खुद को तैयार करने के लिए संकायों और उद्योग पेशे ए एल एस द्वारा आदि प्रस्तुति कौशल, साक्षात्कार तकनीकों को लोगों तक पहुंचाने के लिए दिया जाता है।

2. इवेंट प्रबंधन कौशल के माध्यम से सिखाया जाता है, आदि सम्मेलनों, सेमिनारों, कार्यशालाओं, फिल्म प्रदर्शन, विशेष व्याख्यान जैसे विभिन्न समारोहों का आयोजन

विकास के लिए भविष्य की योजनाओं का एक संकेत के साथ संबंध विभाग के विकास पर एक संक्षिप्त **इतिहासः**

मीडिया में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के हित में अच्छी तरह से जाना जाता है। विभिन्न साहित्यिक पत्रिकाओं और 'आकाशवाणी' के रूप में उनकी नामकरण भारतीय प्रसारण सेवा में अपना योगदान भी बहुत अच्छी तरह से जाना जाता है। विश्वभारती पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कोर्स के साथ 2000 में पत्रकारिता एवं जनसंचार के लिए अपने केंद्र (सीजेएमसी) शुरू किया, यह था ठीक ट्यून्ड दुनिया भर के लोगों को जोड़ने के लिए भविष्य संचारकों की तैयारी शुरू कर दिया जो संस्थापक के लक्ष्य।

2000-2001 में, अपने 14 महीने डिप्लोमा कार्यक्रम 23 छात्रों की थी। पीजी डिप्लोमा कोर्स के छात्रों के लिए एमए के लिए अग्रणी विशेष रूप से डिजाइन ब्रिज कोर्स 2002-2003 में शुरू किया गया था। 2003-2004 से, एक पूर्ण 2 साल एमए की डिग्री पाठ्यक्रम में 25 छात्रों के साथ शुरू किया गया था। 2004-2005 में, और अधिक छात्रों को प्रवेश ले लिया। वर्तमान विदेशी छात्रों पर भी सीजेएमसी पर अध्ययन कर रहे हैं।

2009-10 के सत्र से, सेमेस्टर सिस्टम शुरू किया गया है। पीजी डिग्री पाठ्यक्रम अब चार सेमेस्टर में (छह महीने की अवधि प्रत्येक) विभाजित है। पहले सेमेस्टर (रवींद्र अध्ययन पर जोर के साथ) संचार के सिद्धांत, मीडिया कानून, प्रेस, रिपोर्टिंग और प्रिंट पत्रकारिता के संपादन, विरासत और सांस्कृतिक अध्ययन के इतिहास का ख्याल रखता है।

सेकंड सेमेस्टर उन्मुख ज्यादातर व्यावहारिक है। कम्युनिकेशन रिसर्च छात्रों के साथ प्रिंट, टेलीविजन और रेडियो पत्रकारिता के विवरण के साथ प्रशिक्षित किया जाता है। अनिवार्य दृश्य, रेडियो और समाचार पत्र परियोजनाओं रहे हैं। छात्रों को अपने दूसरे सेमेस्टर में वृत्तचित्र फिल्मों, रेडियो जिंगल / वार्ता / साक्षात्कार तैयार करते हैं। तीसरे सेमेस्टर विज्ञापन, जनसंपर्क, विकास और ग्रामीण संचार के लिए समर्पित है। चौथे सेमेस्टर में, हर छात्र मीडिया प्रबंधन और फिल्म अध्ययन और वेब पत्रकारिता के बीच विषयों में से एक में माहिर हैं। इस वर्ष में, हर छात्र एक शोध प्रबंध पूरा करती है। फिल्म अध्ययन और वेब पत्रकारिता के छात्रों लघु फिल्म और वेब परियोजनाओं तैयार करते हैं। 2013-2014 सत्र में, वे 'राशि के लिए शॉर्टकट' नाम से एक फिल्म बना दिया है।

सीजेएमसी वर्तमान में अतिथि व्याख्याताओं (आंतरिक) का एक पूल द्वारा समर्थित (कैस) के माध्यम से एक प्रोफेसर, एक एसोसिएट प्रोफेसर और एक सहायक प्रोफेसर और एक सहायक प्रोफेसर है। सीजेएमसी भी छात्रों के नियमित रूप से क्षेत्र की गतिविधियों का आयोजन करता है और विभागीय प्रकाशन 'विश्व भारती क्रॉनिकल' में प्रकाशित खबर के आइटम निर्देशांक जो एक फील्ड ऑफिसर है।

छात्रों में से कई, भारत, टेलीग्राफ, आनंद बाजार पत्रिका, स्टेट्समैन, हिंदुस्तान टाइम्स, प्रभात खबर, स्टार आनंद, ई-टीवी बांग्ला, ई टीवी राजस्थान, इंडियन एक्सप्रेस, तीस, एक्सिस बैंक, सिलीगुड़ी कॉलेज के टाइम्स में लीन थे सिलीगुड़ी, युवा परिवर्तन (नई दिल्ली), रानी बिरला कॉलेज, कोलकाता, भारतीय सूचना सेवा, सूचना और सांस्कृतिक सेवा (पर्ि चम बंगाल), कैवल्य फाउंडेशन, नई दिल्ली आदि

सीजेएमसी मास कम्युनिकेशन स्टडीज के तहत ग्रामीण संचार और नए मीडिया पर एक विशेष जोर देने के साथ वर्तमान पाठ्यक्रम को अद्यतन करने के लिए करना है। इसके अलावा आदि विज्ञापन, जनसंपर्क, विज्ञान संचार पर अल्पकालिक पाठ्यक्रम शुरू करने की संभावना का पता लगाना।

किसी भी अन्य प्रासंगिक जानकारी:

सीजेएमसी तीन (2012-2013 सत्र के दूसरे सेमेस्टर के छात्रों द्वारा बनाई गई) वृत्तचित्र और (2011-2013 सत्र के चौथे सेमेस्टर के छात्रों द्वारा बनाई गई) एक लघु फिल्म के साथ 18 जनवरी 2014 को एक छात्र फिल्म की स्क्रीनिंग का आयोजन

2013-14 सत्र में, एक छात्र को एक प्रसिद्ध संगठन कैवल्य फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित 'गांधी फेलोशिप' मिला है।

सीजेएमसी के दो छात्रों युवा परिवर्तन, नई दिल्ली द्वारा चयन किया गया था।

पब्लिक रिलेशन्स (सेमेस्टर तृतीय, कागज नौवीं) अव्वल, ईशा चक्रवर्ती (2011-2013 सत्र) भारत के पब्लिक रिलेशन्स सोसायटी, कोलकाता चैप्टर द्वारा सम्मानित किया गया था।

सीजेएमसी आधारित व्यावहारिक कार्यशालाओं / परियोजनाओं क्षेत्र से संबंधित सभी परियोजनाओं का समन्वय करता है जो एक फील्ड अधिकारी (चंद्रनाथ बनर्जी), है -

जनवरी 2014 18-19 संयोजक के रूप में: आईसीएसएसआर के आयोजन में समन्वित 'पुनर्परिभाषित पत्रकारिता आचरण सुहृद पत्रकारिता' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को प्रायोजित किया।

बीरभूम में 'कुंजी श्रम के मुद्दे पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन में समन्वय किया। फ्रेडरिक एबर्ट स्टिफटंग के सहयोग से 05-06 अप्रैल 2013 (एफईएस), जर्मनी पर प.बंगाल '।

सहयोग में फ्रेडरिक एबर्ट स्टिंफटंग (एफईएस), जर्मनी के साथ 28 -29 सितम्बर 2013 पर: 'लोकतंत्र में एक नई आवाज सोशल मीडिया की भूमिका' के आयोजन में समन्वय किया।

शिक्षा-भवन
(विज्ञान-संस्थान)

शिक्षा भवन (विज्ञान संस्थान) में अब ग्यारह संघटक समाविष्ट हैं : दस विभाग और एक केन्द्र, यथा-रसायन, गणित, भौतिकी, वनस्पति विज्ञान, जीव विज्ञान, सांख्यिकी एवं कम्प्यूटर एवं सिस्टम विज्ञान, बायोटेकनॉलॉजी, एनवायरमेण्टल स्टडीज, इन्टिग्रेटेड साइन्स एडुकेशन एवं मैथमेटिक्स एडुकेशन रिसर्च केन्द्र, जहाँ अध्यापन और शोध दोनों के कार्यक्रम चलते हैं, जो बी.एससी. (प्रतिष्ठा), एम.एससी. तथा इंटीग्रेटेड एम.एस.सी. एवं पीएच.डी. की डिग्रियाँ प्रदान कराते हैं। इस संक्षिप्त समय सीमा में इस भवन ने अध्ययन तथा शोध के क्षेत्रों में रेखांकित करने योग्य कार्य किया है एवं अपने अतिरिक्त कार्यक्रमों के द्वारा इसने अपने चतुर्दिक की आबादी में गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर के विचारों के साथ तालमेल रखते हुए वैज्ञानिक-संचेतनता का संचार किया है। अध्यापन तथा शोध के बहुआयामी-कार्यक्रमों का विकास हुआ है तथा संस्थान ने विलक्षण स्नातकों को तैयार किया है जो समाज की सेवा अपने कार्यों के द्वारा देश के विविध क्षेत्रों तथा विश्व प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों, संस्थानों तथा संगठनों के माध्यम से कर रहे हैं। सभी विभाग तथा केन्द्र नये पाठ्यक्रमों की उन्नति तथा शोध के आदर्श-क्षेत्रों की तलाश में विशिष्टता के लिए प्रोत्साहन के साथ प्रशंसनीय कार्य कर रहे हैं। पाँच विभागों, भौतिकी, रसायन, गणित, जीव विज्ञान तथा वनस्पति विज्ञान ने एफ.आई.एस.टी. अनुदानों के द्वारा विज्ञान एवं तकनीकी विभाग, भारत सरकार के द्वारा पहले ही मान्यता प्राप्त कर ली है। गणित, रसायन शास्त्र एवं वनस्पति विज्ञान विभाग यू.जी.सी. के विशेष समर्थन कार्यक्रम (डी.आर.एस.) द्वारा पुरस्कृत हुए हैं। जीव विज्ञान विभाग को यू.जी.सी. ने सेन्टर फॉर एडवान्स्ट स्टडी (सी.ए.एस.) का पुरस्कार दिया है। जैव प्रौद्योगिकी केन्द्र का एम.एस.सी. कार्यक्रम जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा समर्पित है तथा इस पाठ्यक्रम में नामांकित विद्यार्थी वे हैं, जो जे.एन.यू., नई दिल्ली द्वारा संचालित अखिल भारतीय संयुक्त जैव प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करते हैं। इन विद्यार्थियों को प्रति माह 3000रु. की मासिक वृत्ति भी प्रदान की जाती है। पांच वर्षीय स्नातकोत्तर कोर्स विज्ञान में (फिजिकल साईस एवं लाइफ साइंस) संकाय सत्र 2009-2010 से सफलता पूर्वक चल रहा है। विद्यार्थियों को नेशनल इंट्रान्स स्क्रीनिंग टेस्ट (नेस्ट) के जरिए नामांकन दिया जाता है और 5000 रुपये की मासिक वृति आईएनएसपीआईआरई प्रोग्राम भारत सरकार के डीएसटी के तहत दिया जाता है।

राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं तथा गेट, नेट, आदि में इस भवन के छात्रों की भूमिका उत्साह-वर्द्धक रही है। इस प्रतिवेदन वर्ष में यू.जी.सी.-सी.एस.आई.आर. नेट एवं गेट परीक्षाओं में काफी संख्या में विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। शिक्षा भवन की ओर से एक मल्टिडिसिपलेनरी विशेष अनुसंधान केंद्र जिसका नाम बायो-रिसर्च रखा जाएगा का प्रस्तावना दिया गया है।

इस वर्ष शिक्षा-भवन संगोष्ठी व्याख्यान की एक बड़ी संख्या का आयोजनः

(क) एक मासिक व्याख्यान श्रृंखला शिक्षा-भवन संगोष्ठी सर्किल के नाम के तहत व्यवस्था की है, और भवन के संकाय सदस्यों लोकप्रिय व्याख्यान दिया गया थाः

तिथि	वक्ता	विषय
23-8-2013	प्रो एस पी अधिकारी, डिपार्टमेंट प्रौद्योगिकी	उनके संरक्षण के लिए जैव प्रौद्योगिकी में भारत की विरासत और प्रौद्योगिकी के सांस्कृतिक विभाग के पत्थर के स्मारकों की बाइडिटेरिओरेशन
20-9-2013	प्रो एस एन चक्रवर्ती भौतिकी विभाग	भोर हाइड्रोजन एटम मॉडल

31-10-2013	प्रो आरके कार वनस्पति विभाग	ऑक्सीजनः लाभ और पौधों के लिए खतरे
29–11-2013	प्रो आई एन बसु मल्लिक रसायन विज्ञान विभाग	भारत में ईंधन की कोशिकाओं और जैव ईंधन की कोशिकाओं की संभावनाएँ
20-12-2013	प्रो एस चौधरी विभागः	पर्यावरण अध्ययन बायोइंडीकेटर्स जलवायु परिवर्तन की भविष्यवाणी के लिए उपकरण
27-1-2014	प्रो एस पी सिन्हा बाबू प्राणि विज्ञान विभाग	भारत में उपेक्षित रोगों के साथ के जूलॉजी विभाग वर्तमान स्थिति लसीका फाइलेरिया पर विशेष जोर

(ख) जैव विज्ञान के लिए राष्ट्रीय केन्द्र, 27 फरवरी को बेंगलूर के प्रो. सुमंत चजर्टी, 2014 'तनाव, भावनात्मक यादें, और मस्तिष्क' पर आइंस्टीन भवन के सहयोग से शिक्षा-भवन द्वारा आयोजित एक आमंत्रित संगोष्ठी में बात करने दिया। माननीय कुलपति कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

2014 फ़रवरी 28 (ग)', शिक्षा-भवन विश्वभारती में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के पर्व उत्सव बना दिया। माननीय कुलपति का उद्घाटन किया और कार्यक्रम की अध्यक्षता की। प्रो. सुधेन्दु मंडल, अध्यक्ष, शिक्षा-भवन में आपका स्वागत भाषण दिया। प्रो अनिल कुमार - दो शिक्षा भवन के पूर्व वैज्ञानिकों मनाया। डी (रसायन विज्ञान) और प्रो समीर भट्टाचार्य (जूलॉजी) उनके जीवन समय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। माननीय कुलपति 'रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी' पर उपस्थित छात्रों के साथ एक इंटरैक्टिव ट्यूटोरियल ले लिया। प्रो विकास सिन्हा 'सर्न में भगवान कण और शिशु यूनिवर्स' पर एनएसडी ओरेशन व्याख्यान दिया।

व्याख्यान अत्यधिक दर्शकों द्वारा सराहना की गई।

कार्यक्रम में प्रो. आशीष भट्टाचार्या, उप प्रधानाचार्य, शिक्षा-भवन द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव के साथ समाप्त हो गया।

(डी) प्रो डी बालसुब्रमण्यन, रिसर्च के निदेशक, एलवी प्रसाद नेत्र संस्थान, हैदराबाद 15 मार्च 2014 पर लिपिका सभागार में 'जन्मजात आंख मोतियाबिंद के प्रोटीन संरचनात्मक औचित्य' पर एक विशेष संगोष्ठी व्याख्यान दिया।

27 मार्च 2014 को (ई), विज्ञान संगोष्ठी व्याख्यान माला (2014) - शिक्षा-भवन से एक नई पहल की वनस्पति विज्ञान विभाग के सेमिनार कक्ष में आयोजित किया गया। भवन के पांच जवान संकाय सदस्यों - डॉ बी बांध (बॉटनी विभाग), डॉ एस मुखर्जी (जूलॉजी विभाग), डॉ आर कुंडू (जूलॉजी विभाग), डॉ एच गुप्ता जोशी (बॉटनी विभाग) और डॉ एस बालाचंद्रन (पर्यावरण अध्ययन के विभाग) अपने वर्तमान अनुसंधान ब्याज पर वार्ता को जन्म दिया।

भौतिकी विज्ञान विभाग

विभाग के विस्तृत जानकारी

भौतिकी विभाग, विश्वभारती की स्थापना सन् 1963 में बीएससी ऑनर्स स्तर में अध्यापन केप्रावधान केसाथ किया गया था। बाद में, एमएससी शिक्षण कार्यक्रम भौतिकी में अनुसंधान सुविधाओं को विकसित करने के प्रयासों केसाथ सन् 1968 में शुरू किया गया था। आरंभ में विभाग ने अपनी कमी के वजह से सैद्धांतिक अनुसंधान पर अधिक जोर दिया। धीरे धीरे, विभिन्न एजेंसियों से धन प्राप्ति के साथ अब सैद्धांतिक साथ ही प्रायोगिक भौतिकी के विविध क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला पर भी अनुसंधान किया जाता है। वर्तमान में, सैद्धांतिक भौतिकी में संकाय सदस्य पार्टिकल फीजिक्स, स्केरिना थ्योरी, एनी बॉडी, इंटेरेक्शन सुपर सममित क्वांटम यांत्रिकी, क्वांटम मेकेनिक्स थ्योरी, लेटिक्स डाइनामिक्स, एस्ट्रोफिजिक्स, कास्मोलॉजी आदि। प्रयोगात्मक अनुसंधान द्वारा कवर क्षेत्र हैं- माइक्रोवेब इलेक्ट्रॉनिक्स, नाभिकीय भौतिकी, रेडियेशन भौतिकी, कंडेंसड मैटर फीजिक्स यूजिंग न्यूक्लियर टेक्नीकल, नैनो साइंस, आणविक चुंबकत्व, मोजबार स्पेक्ट्रोस्कोपी, एक्सपेरिमेंटल पार्टिकल फीजिक्स आदि। कई अनुसंधान परियोजनाएं विभिन्न आर्थिक सहायता एजेंसियों के समर्थन के साथ चलाई जा रही हैं, जैसे, डीएसटी, डीएई, एईआरबी, यूजीसी, सीएसआईआर, आईयूसी, आईयूएसी आदि का उपयोग कर संघनित पदार्थ फीजिक्स, इसके अलावा वीईसीसी, एनएससी और टीआईएफआर की प्रमुख त्वरक सुविधाओं का उपयोग कर प्रयोगात्मक कार्य भी चल रहा था. विभाग ने हाल ही मुट्ठी कार्यक्रम केतहत एक एक्सरे पाउडर डिफ्रैक्टोमीटर- (रिगाकू डी/अधिकतम चरम सीमा चतुर्थ स्वतः उच्च संकल्प प्रकार) की खरीद की गई है।

यह विभाग थ्योरेटिकल फीजिक्स संगोष्ठी सर्किट का एक सहयोगी केंद्र है। कुछ संकाय सदस्यों को विदेशी संस्थानों से अनुसंधान सहयोग प्राप्त हैं। हमारे देश और विदेश के प्रख्यात वैज्ञानिक नियमित रूप से इस विभाग में आते रहते हैं। विभाग पीजी और यूजी दोनों स्तर पर पाठ्यचर्या विकास में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। वर्तमान में विभाग के स्नातकोत्तर स्तर पर छह विशेष पत्रों (संघनित पदार्थ भौतिकी, कण भौतिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स, क्वांटम इलेक्ट्रॉनिक्स, और खगोल भौतिकी और ब्रह्माण्ड विज्ञान और परमाणु भौतिकी) की पेशकश की है। जैसा कि कम्प्यूटेशनल भौतिकी का ज्ञान अब भौतिकी पाठ्यक्रम का एक अनिवार्य अंग माना जाता है स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए 'कम्प्यूटर अप्लीकेशंस' कोर्स सन् 1987 से प्रभाव में है। छात्रों को इस तरह से प्रशिक्षित किया जाता है कि वे पीजी स्तर पास होने केबाद अपने भविष्य की आवश्यकताओं केसाथ सामना कर सकें।

छात्रों केनाम यूजीसी / सीएसआईआर / नेट /स्लेट / जेस्ट / गेट परीक्षा में अर्हता प्राप्त

जेस्ट 2013: (3 छात्र)

सौरव मंडल, इंद्रजीत ताह, सुमन गराई

जेस्ट-2014: (9 छात्र)

शौभिक मंडल, शमसूल अरेफिन, सब्यसाची पॉल, अर्जुन मणि

शिल्पा कस्था, अनिर्बान कुंडू, रिया सेबैट, शैली दत्ता, सौरभ मंडल

गेट- 2013: (4 छात्रों)

संचारी भट्टाचार्य, देबज्योति डी, इंद्रजीत ताह, सुमन चंद

गेट-2014: (11 छात्र)

शमशूल अरेफिन, सौभिक मंडल

शैली दत्ता, शिल्पा कस्था, अर्घ्य चट्टोपाध्याय, अर्जुन, मणि, अनिर्बान कुंडू

सौरव कुंडू, अलिक पांजा, जयद्वीप कर्मकार, संचारी भट्टाचार्य

नेट 2013: (8 छात्र)

सुमन मंडल, देबप्रिया रॉय, अरिंदम बिस्वास

सुमन गाराई, अर्जुन मणि, शुभराज घोष, शैली, दत्ता, महबूब एके नूरुद्दीन

विभागीय संगोष्ठी / संगोष्ठियों।

आदि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी / रिसर्च स्कॉलर विस्तार में शिक्षकों ने भाग लिया

बी. सी. गुप्ता

24-27 अक्टूबर 2013: 'स्ट्रक्चरल, की बिजली और गुण उत्प्रेरक प्लैटिनम नैनोट्यूब' इंटरनेशनल नैनोस्ट्रक्चर्स पर संगोष्ठी और पीकिंग विश्वविद्यालय, बीजिंग, चीन में अक्षय ऊर्जा में अपने आवेदन पर दिया।

22-23 नवंबर 2013: डोमकल कॉलेज, मुर्शिदाबाद द्वारा आयोजित सैद्धांतिक अवधारणाओं और अनुप्रयोग: और 'नैनो संरचनाओं और उनके अनुप्रयोग' राज्य स्तरीय संगोष्ठी हकदार क्वांटम मैकेनिक्स में 'क्वांटम मैकेनिक्स का उभार'।

29-31 अगस्त 2013: सीएमडीएवाईएस एनआईटी, राउरकेला में प्रस्तुतः 'सोने के तार संरचनाओं सी (001) 2नं.'।

एस. राय

8-10 नवंबर 2013: एक आमंत्रित शिक्षक के रूप में चंडीगढ़ में भारतीय विज्ञान अकादमी की 79 वीं वार्षिक बैठक में भाग लिया।

बिस्वजीत पांडे

11 जनवरी 2014: खगोल विज्ञान पर एक आईयूसीएए संक्षिप्त कोर्स में दो व्याख्यान दिया और खगोल भौतिकी इंजीनियरिंग एण्ड टैक्नोलॉजी, सूरी के बीरभूम इंस्टीट्यूट में आयोजित किया।

एस. सिल

13 जून 2013: राशबा और मार्टिन लूथर विश्वविद्यालय हाले, जर्मनी में श्रीकंठ एसआईएल द्वारा मेसोस्कोपिक रिंग में प्रभारी और स्पिन परिवहन पर ड्रेसेलहौज स्पिन कक्षा बातचीत का प्रभाव।

पी.के घोष

2-6 दिसंबर 2013: क्वांटम इंटीग्रेबल प्रणाली, एस.एन. पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन बेसिक साइंसेज, कोलकाता के लिए बोस नेशनल सेंटर फॉर्म 'क्वांटम इंटीग्रेबल सिस्टम के हरमीसियन विकार' पर बात करते हैं वितरित किया गया।

अनघा चक्रवर्ती

24-28 मार्च 2014: भाग लिया और परमाणु संरचना और क्षय डेटा पर संयुक्त ICTP-आईएईए कार्यशाला में 'गोलाकार नाभिक में कंपन संरचना की हाल की स्थिति' पर एक बात को जन्म दिया: सिद्धांत और मूल्यांकन ICT, ट्राइस्टे, इटली।

आदित्य साव मंडल

23-25 अप्रैल 2013: आईयूसीएए संसाधन केन्द्र (आईआरसी), भौतिकी विभाग, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय में एक्स-रे खगोल विज्ञान पर आईयूसीएए प्रायोजित कार्यशाला।

13-24 जनवरी 2014: आईयूसीएए, पुणे, भारत में क्षणिक खगोलीय सूत्रों का कहना है की एक्स-रे पढ़ाई पर एमआईटी-आईयूसीएए कार्यशाला

प्रो. स्वपन मंडल

13-14 सितंबर 2013: डीएचएसके कॉलेज, डिब्रूगढ़, असम में शारीरिक विज्ञान पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'दो युग्मित रैखिक ऑस्कीलेटर्स में क्वांटम उलझन'।

26-28 मार्च 2014: भौतिकी और टेक्नोफीजिक्स, विद्यासागर विश्वविद्यालय और शिक्षा-ओ-अनुसंधान- विश्वविद्यालय विभाग द्वारा आयोजित उन्नत ऑप्टिकल सामग्री और फोटोनिक्स (पीएओएसपी 2014) के भौतिकी पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'समय निर्भर मानकों के साथ शास्त्रीय और क्वांटम oscillators' भुवनेश्वर, ओड़िसा।

स्वपन कुमार मंडल

3-5 जुलाई 2013: स्वपन कुमार मंडल, वाई 'एसटीएम का उपयोग एकल अणु कनेक्ट कर रहा है ओर एकल

बहुलक श्रृंखला का निर्माण' पर दिया आमंत्रित बात करते हैं। इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी, एसआईएल, कोलकाता, भारत पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ओकावा और एम ऐनो।

20 दिसंबर 2013: एसटीएम का उपयोग एकल बहुलक नैनोवायर केनिर्माण, 385 वें मन संगोष्ठी, जापान एन आई एम एस, सुकुबा।

ए भट्टाचार्य

19-23 दिसंबर 2013: **ए भट्टाचार्य**, डी रॉय, एम रॉय, जे. के. थेरामंस 2013, भारतीय थर्मल वि लेषण सोसायटी (आईटीएएस), होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान, मुंबई, भारत।

12-13 अगस्त 2013: ए भट्टाचार्य, एच मंडल, एम रॉय और जे कुज़, ऊर्जा, पर्यावरण, स्वास्थ्य और सामग्री अनुसंधान (आईआईएमआई- 2013) में सीमाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनः भुवनेश्वर, आई एम एम टी, भारत।

आईसीएएमई 2013, ऑपटिजा, क्रोएशिया के आवेदनों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

25-27 सितंबर 2013: ए भट्टाचार्य, ए रूज, एम रॉय, जे कुज़ नई सामग्री अनुसंधान पर दूसरा राष्ट्रीय संगोष्ठी और नैनो - एनएसएनएमआर 2013, भौतिकी विभाग, गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज, ऊटी।

टी चट्टोपाध्याय

18-19 सितंबर 2013: सर्किट और कुआलालंपुर, मलेशिया में आयोजित सिस्टम (आईसीसीएएस-2013) पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अपने योगदान के कागज पर एक बात वितरित किया गया।

6-7 जनवरी 2014: इलेक्ट्रॉनिक्स, कम्प्यूटिंग और बंगलौर में आयोजित संचार प्रौद्योगिकी (सीओएनईसीसीटी-2014) पर इंटरनेशनल (आईईईई) सम्मेलन में उनके योगदान के कागज पर एक बात वितरित किया गया।

सुदीप्ता दास

नाभिकीय भौतिकी, कोलकाता के साहा इंस्टीट्यूट में आयोजित ग्रेविटी पर पहली सामयिक सम्मेलन और ब्रह्मांड विज्ञान (पूर्वी क्षेत्र): 13 दिसंबर 2013।

13-15 मार्च 2014: कण भौतिकी अनुसंधान के मौजूदा रुझान पर राष्ट्रीय सम्मेलन (सीटीपीपीआर 2014) भौतिकी, कल्याणी विश्वविद्यालय के विभाग में आयोजित किया।

अमिताभ बंद्योपाध्याय:

13-14 सितंबर 2013

'डायोड लेजर सूत्रों का कहना है: स्पेक्ट्रोस्कोपी के विभिन्न क्षेत्रों में उनके निर्माण और प्रयोग', शारीरिक विज्ञान पर राष्ट्रीय सम्मेलन, डीएचएसके कॉलेज, डिब्रूगढ़, असम टॉक आमंत्रित किया।

'एक क्षार वाष्प माध्यम की पारदर्शिता पर एक नियंत्रण संकेत के प्रभाव के एक अध्ययनः सीज़ियम डी संक्रमण के लिए आवेदन' - खैरुल इस्लाम, अरिंदम घोष, दीपांकर भट्टाचार्य, शारीरिक विज्ञान पर अमिताभ बंद्योपाध्याय-नेशनल सम्मेलन, डीएचएसके कॉलेज, डिब्रूगढ़, असम ।

6-9 दिसम्बर 2013: 'एक दिलचस्प परमाणु वाष्प के माध्यम से एक कमजोर सुसंगत जांच क्षेत्र के प्रसार पर एक सुसंगत नियंत्रण क्षेत्र का प्रभाव- खैरुल इस्लाम, अरिंदम घोष, दीपांकर भट्टाचार्य, अमिताव बंद्योपाध्याय, 5 भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस, विश्वभारती शांतिनिकेतन।

विभाग में रिसर्च प्रोजेक्ट्स

टी चट्टोपाध्याय

परियोजना का नामः सिंक्रनाइज़ अर्धचालक लेजर प्रतिक्रिया तीव्रता और आवृत्ति / चरण संग्राहक प्रकाश तरंगों को अनुदान एजेंसीः सीएसआईआर, नई दिल्ली।

1 वर्ष स्वीकृत राशिः 13,64,000 / - रूपए

प्रारंभ होने की तिथि: 10 मई 2013

पी. के. घोष

परियोजना का नामः के भौतिकी और गणित पीटी-सममित प्रणालियों

प्रायोजन एजेंसीः राज्य विद्युत विनियामक आयोग, डीएसटी, भारत सरकार अवधि 2013-2016 के लिए भारत

स्वीकृत राशिः रु. 13, 44, 000

एम मैती

प्रोजेक्ट का नामः सीएमएस के साथ नए कण के अध्ययन के बड़े हैड्रन पर
सर्न में एलएचसी के साथ कोलाइडर और हैवी आयन भौतिकी
प्रायोजन एजेंसीः विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, भारत सरकार के विभाग
स्वीकृत राशिः रु 431.30 लाख, अप्रैल 2009 - मार्च 2014

टी के कुंडू

परियोजना का नामः धातु नैनोकणों के लिए ऑक्साइड पतली फिल्मों में एम्बेडेड
मेमोरी डिवाइस आवेदन।
प्रायोजन एजेंसीः विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली भारत।
राशि मंजूरः रुपये 7.46 लाख

ए भट्टाचार्यः

परियोजना का नामः कुछ कम्पोजिट बायोपॉलिमर की विद्युत, चुंबकीय और माइक्रोस्ट्रक्टरल विशेषता
प्रायोजन एजेंसीः सीएसआईआर, भारत सरकार भारत की
उपरि अनुदान को छोड़कर 15.74 लाख रूपएः स्वीकृत राशि
(कार्यकाल जुलाई, 2011 - जून 2014)

एस.के मंडलः

परियोजना का नामः रासायनिक संस्लेषण और मल्टीफेरोइक नैनोस्ट्रक्चर्स की भौतिक गुणों्।
प्रायोजन एजेंसीः सीएसआईआर
राशि मंजूरः रुपये 15 लाख रूपए

बी मुखर्जी

परियोजना का नामः शीघ्र प्रोटॉन के मापन भारतीय गामा डिटेक्टर सरणी का उपयोग एन जेड नाभिक में डिकेड
प्रायोजन एजेंसीः इंटर यूनिवर्सिटी त्वरक केंद्र, नई दिल्ली (यूजीसी की एक स्वायत्त केंद्र)।
स्वीकृत राशिः एक एफआर फेलोशिप प्लस 25,000 रूपए समेकित / - प्रति वर्ष 3 साल के लिए्।

एस रॉय

परियोजना का नामः संपर्क तकनीकों के माध्यम से टपकन घटना की प्रायोगिक अध्ययन (एफ.नं. 41-1402/ 2012 (एसआर) 2012/07/30 दिनांकित)
प्रायोजन एजेंसीः विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत
स्वीकृत राशिः 1,70,000 / - रूपए आईएनआर

अनघा चक्रवर्ती

परियोजना का नामः 150 में गैर-ग्रास्ट कलेक्टिव राज्य अमेरिका के लिए खोज
प्रायोजन एजेंसीः साइंटिफिक रिसर्च, कोलकाता केंद्र के लिए यूजीसी-डीएई कंसोर्टियम।
स्वीकृत राशिः एक यूएफआर फेलोशिप प्लस 25,000 रूपए समेकित / - 3 साल के लिए प्रति वर्ष

स्वपन मंडल

परियोजना का नामः पॉल जाल में आयन की गतिशीलताः माइक्रोमोसन के प्रभाव, प्रायोजन एजेंसीः सीएसआईआर, भारत।
राशि मंजूरः भारतीय रुपये 13,42,000 तीन साल के लिए।
प्रोजेक्ट का नामः वेग बहुस्तरीय परमाणु प्रणालियों के चुनिंदा सुसंगत आबादी को फँसाने।
प्रायोजन एजेंसीः विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत।
राशि मंजूरः भारतीय रुपये 15,00,000 तीन साल के लिए।

अमिताभ बंद्योपाध्याय

इस परियोजना के नामः एक परमाणु वाष्प प्रणाली में जनसंख्या का हेरफेर सुसंगत लेजर बीम के माध्यम से

धन एजेंसीः विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), नई दिल्ली के विभाग।

स्वीकृति आदेश नहीं्। एसआर / एफ़टीपी / पी एस-079/2010, दिनांकः 14/08/2013

फंडः भारतीय रुपये 17.25 लाख

शिक्षक / विद्वान या (आदि एक डीएसए या कैस के रूप में मान्यता की तरह) एक पूरे के रूप में विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक भेद

टी चट्टोपाध्याय

इलेक्ट्रॉनिक पत्र (यू) का कागज की समीक्षा की

आईईईई के वरिष्ठ सदस्य (अमरीका)।

आईईटीई के फैलो (भारत)।

ए भट्टाचार्य

नाभिकीय भौतिकी, कोलकाता के साहा इंस्टीट्यूट में प्रोफेसर का दौरा (1 फरवरी - 31 अप्रैल 2013)।

ठोस राज्य कम्युनिकेशंस, माल पत्र, पर्यावरण निगरानी और आकलन जे भौतिकीः पत्रिकाओं के समीक्षक पदार्थ संघनित।

एस सील

29 जून 2013 को 18 मई से ड्यूसबर्ग के विश्वविद्यालय में प्रोफेसर, जर्मनी यात्रा पर जाने वाले।

पी.के घोष

भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली के वैज्ञानिक द्विपक्षीय आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत एक फैलोशिप से सम्मानित किया।

विश्वविद्यालय / संस्थान की मेजबानी	**यात्रा की अवधि**	**व्याख्यान का शीर्षक वितरित**
परमाणु भौतिकी संस्थान, एएससीआर प्राग	03/05/13 से 07/04/13	क्वांटम प्रणालियों के हेरिमिशियन विरूपण करने के लिए (19 अप्रैल 2013 पर संगोष्ठी)
एएससीआर के भौतिकी पालकी विश्वविद्यालय एवं संस्थान के प्रकाशिकी के संयुक्त प्रयोगशाला, ओलोमोक	23/04/13	- वही -
भौतिकी, ह्राडेक क्रलव विश्वविद्यालय के विभाग, ह्राडेक क्रलव को	24/04/13 से 25/04/13	- वही -
गणित और भौतिकी, चार्ल्स विश्वविद्यालय, प्राग	30/04/13	- वही -
गणित, एफएनएसपीई, चेक तकनीकी विश्वविद्यालय, प्राग	26/04/13	एक्सटेंसन के स्वायं एडज्वाइन तर्कसंगत कैलोगेरा मॉडल

स्वपन मंडल

20-21 फ़रवरी 2014

21 वीं प.बंगाल राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी कांग्रेस, बर्दवान विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग में प्रस्तुति के लिए अधिनिर्णायक।

ट्वास के एक सहयोगी सदस्य के रूप में जुलाई-अगस्त 2013 के दौरान भौतिकी, ला-प्लाटा, ब्यूनस आयर्स, अर्जेंटीना के विश्वविद्यालय के विभाग का दौरा किया।

दिसंबर 2014 के दौरान आईएनएसए-कार्यक्रम के तहत भौतिकी विभाग, हेरिओट- वाट विश्वविद्यालय, एडिनबर्ग का दौरा किया।

शैक्षणिक उपलब्धिः सदस्य, विज्ञान की तीसरी दुनिया अकादमी, ट्राइस्टे, इटली संबद्ध करें। 2013 में वैज्ञानिक

नामांकन का दौरा आईएनएसए-डव्क (रॉयल सोसाइटी ऑफ एडिनबर्ग)।

बी सी गुप्ता

ए पी पत्रिकाओं के समीक्षकः पीआरएल, पीआरबी आदि

भौतिकी, शिकागो में इलिनोइस विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका विभाग के सहायक के संकाय।

एस.के मंडल

प्रोफेसर, मन, पदार्थ विज्ञान के राष्ट्रीय संस्थान (एन आई एम एस) विजिटिंग, सुकुबा, जापान, 1-31 दिसंबर 2013।

विभिन्न अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के लिए समीक्षक (एआईपी, एसीएस, एल्सेविअर)।

अस्मिता सेनगुप्ता

पेशेवर समाज सदस्यता

1. स्विस केमिकल सोसायटी-2014
2. ब्रिटिश साइंस एसोसिएशन-2014

समीक्षकः फोटोकेमिस्ट्री और फोटोबायोलोजी बी के जर्नल - जीवविज्ञान (स्कोपों के एल्सेविअर),

प्योर एंड एप्लाइड रसायन विज्ञान जर्नल

यूरोपीय शारीरिक जर्नल -अप्लाइड भौतिकी,

अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रगति के इंटरनेशनल जर्नल (आईजेओएआरटी), भौतिकी के इंटरनेशनल जर्नल

सुदीप्ता दास

पत्रिकाओं के समीक्षकः नई खगोल विज्ञान (www.elsevier.com/locate/newast)

प्रमाण-भौतिकी जर्नल

वर्ष के भीतर पुस्तक प्रकाशन अप्रैल 2013 - मार्च 2014

आर.के सिंघा

आरकेसिंह, एसकेरे, एक संपादित पुस्तक में, ऑप्टोइलेक्ट्रानिक उपकरणों के लिए सिलिकॉन आधारित डिटेक्टरों और सूत्रों का कहना है' वेव प्रकाशिकी और फोटोनिक उपकरणों एड्स गाइडेड। श्यामल भद्र और अजय कश्मीर घटक, आदमी। 9, पीपी। 203-224, सीआरसी प्रेस, टेलर और फ्रांसिस, यूएसए द्वारा 17 मई 2013। आईएसबीएन 9781466506138।

मार्च 2014 - वर्ष अप्रैल 2013 भीतर रेफर्ड पत्रिकाओं में प्रकाशन

टी चट्टोपाध्याय

टी चट्टोपाध्याय और पी भट्टाचार्य, ऑप्टिक संचार, वॉल्यूम रेखा की भूमिका सिंक्रनाइज़ क्वांटम झरना लेजर, की आवृत्ति प्रतिक्रिया पर वृद्धि कारक चौड़ाई। 309, पीपी। 349-354, 2013, नवम्बर

टी चट्टोपाध्याय और पी भट्टाचार्य, कम शोर ऑप्टिकल पल्स पीढ़ी के लिए एक स्कीम, प्रकाशिकी के जर्नल, वॉल्यूम। 42, नहीं। 2, पृ. 148-155, अप्रैल-जून, 2013।

टी.के कुंडू

एल्युमिना टेंपलेटेड अनडोप्ड और सह के स्ट्रक्चरल और ऑप्टिकल गुण

डोप्ड जिंक ऑक्साइड नैनोकणों , नांटू करक, पियूष कांति सामंत, और

तापस कुमार कुंडू, नैनोइंजीनियरिंग और नैनोमैन्युफैक्चरिंग के जर्नल, 3, 1, 2013

बी सी गुप्ता

काम समारोह और प्लेटिनम नैनोट्यूब की यंग मापांकः घनत्व कार्यात्मक अध्ययन मनोज दास, प्रज्ञा मुखर्जी, एस कोनार और बिकाश सी गुप्ता द्वारा; फीजिका स्थिति सोलिडि (ख) 250, 1519 (2013)।

प्रज्ञा मुखर्जी, बिकाश सी गुप्ता और पुरु जेना, जे मानसिक .: कंडेंस द्वारा प्राचीन और संक्रमण धातु की इलेक्ट्रॉनिक और चुंबकीय गुण ZnTe नैनोवायर्स डाल दिया गया है। मामला 25, 266,003 (2013)।

बी. मुखर्जी

जीडीए के लिए आवेशित कण डिटेक्टर सरणी, एस. मुरलीधर, ए. मुखर्जी, आर.पी. सिंह, जी. मुखर्जी, पी जोशी, ए. पुनीथन, बी. साहु, ए. गुप्ता, आर आहुजा, आर. राम, एस राव, एसके सैनी, जे जाचारिस और आरके भौमिक परमाणु उपकरण और भौतिकी अनुसंधान एक वॉल्यूम 729, पृष्ठ 849-855, 2013 में तरीके।

शुभाशीष रॉय

एक एसी ससससेप्टोमीटर के लिए एक ग्ध्क्ष डेमन-आधारित तापमान नियंत्रक,

एस रॉय, ए चक्रवर्ती, एस एसआईएल; वॉल्यूम। 2, अंक 12 (दिसंबर 2013),जेएआरईईआईई

आर.के सिंघा

एस मन्ना, आर आलूगिरी, आरके सिंह, एस दास और एस रे,

ऑप्टिक्स एक्सप्रेस, 21 (23), इलेक्ट्रोलुमिनिसीन धातु-इन्सुलेटर-अर्धचालक सुरंग खोदने डायोड से आभासी सब्सट्रैट्स पर कम्प्रेजिवलीतनावपूर्ण जीई का उपयोग कर, पीपी 28,219-31, 18 नवंबर, (2013), डीओआई:10.1364/.21.028219

यिजहक याकोबी नाओमी इलफैसी, समित लालकृष्ण रे, राज कुमार सिंह, समरेश दास, इयाल कोहेन, शिरा योकेलिस, रॉय क्लार्क, योस्सी पालसियल, आकृति विज्ञान और छाया हुआ GeSI क्वांटम डॉट्स के विकास, जम्मू नैनोपार्ट रेस, पीपी। 1- 7, 15: 1608, 4 अप्रैल, (2013)। डीओआई 10.1007 / 11051-013-1608-3।

बिस्वजीत पांडे

शैनन एन्ट्रापी साथ ब्रह्मांडीय एकरूपता परीक्षण के लिए एक विधि, बिस्वजीत पांडे, 2013, रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी की मासिक सूचनाएं, 430, 3376

टेस्सेलेशन्स साथ मिलेनियम सिमुलेशन में गैर रेखीय घनत्व क्षेत्र की खोज - मैं प्रायिकता वितरण समारोह, बिस्वजीत पांडे, साइमन सफेद, वोल्कर स्प्रींगल, राउल एंगुलो, 2013, रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी की मासिक सूचनाएं, 435, 2968

एस. सील

एक बहु टर्मिनल मेसोस्कोपिक अंगूठी के माध्यम से स्पिन कक्षा बातचीत प्रेरित स्पिन सेलेक्टिव संचरण, एम डे। एस.के मैती, एस एसआईएल, और एस एन कर्मकार जोड़ मानसिक वॉल्यूम 114, पृष्ठ 164,318 (2013)

एक एसी सस्केपटमीटर के लिए एक एमपीआई डेमॉन आधारित तापमान नियंत्रक, एस. राय, ए चक्रवर्ती और एस एसआईएल, आईजेएआरईईआईई खंड 2, पृष्ठ 6264, (2013)।

जाली एक अर्ध-अव्यवस्थित माहौल में बोसॉनों: स्थानीयकरण पर होपिंग अगले निकटतम पड़ोसी के प्रभाव और आइंस्टीन संघनन बोस, आर रामकुमार, ए.एन. दास और एस एसआईएल, फीसिका एक वॉल्यूम 401, पृष्ठ 214 (2014)।

बिप्लव रायचौधुरी

बी रायचौधरी, (2 एवं 1)- डायमेंसनल गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र में सगनक प्रभाव,

मॉड मानसिक लेटिष एक वॉल्यूम। 29, नहीं। 3 1450014, (2014)

दोष टोपोलोजी पर बी रायचौधरी, एफ रहमान और एम कलाम और

ब्रह्माण्ड संबंधी स्थिरांक , मॉड। मानसिक लेटिष ए वॉल्यूम। 29, नंबर 1,1450007, (2014)

अपर्णा साहा

एक गैर क्षणिक ढांचे में डिस्सीपेटिव सिस्टम, उमापदा दास, अपर्णा साहा, सुब्रत घोष और बेनाय तालुकदार, फीसिका स्क्रिप्ट, वाल्यूम.87, (2013), 065,403।

गार्डनर समीकरण के लिए डाइनामिकल प्रणालियों सिद्धांत, अपर्णा साहा, बी तालुकदार और सुप्रिया चटर्जी, मानसिक। रेव ई, 89, (2014), 023,204।

सुप्रिया चटर्जी, अपर्णा साहा और बेनाय तालुकदार, निम्न, रीडबर्ग के स्थानीयकरण पर पैकेट लहर्। मानसिक। जर्नल डी, 67, (2013), 240। बेनाय तालुकदार, स्वपन कश्मीर घोष, अपर्णा साहा और देवव्रत पाल, मानसिक

मिलकर हिग्स क्षेत्र समीकरणों के समाधान। रेव ई, 88, (2013), 015,201।

एस.के. मंडल

महेश, स्वपन कुमार मंडल, विपुल, लालकृष्ण महतो, विभास राणा, और अंजन बर्मन, जे नैनोसी ओलिकएसिड में स्पष्ट मल्टीफेरोइसिटी कमरे के तापमान पर नैनोक्रिस्टल स्थिर्। नैनोटेक्नोल13, 4090, 2013्।

स्ट्रक्चरल और पॉलिमर में एकल क्रिस्टलीय बिस्मथ नैनोकणों के ऑप्टिकल गुण, लुटफुल कबीर और स्वपन कुमार मंडल, इंट्। रक्षा मंत्रालय के जे। मानसिक .: सम्मेलन श्रृंखला 22, 654 (2013)।

मरीना मकारोवा, स्वपन कुमार मंडल, युजी ओकावा, और मासाकाजु आओनो लंगम्यूर, 29, 7334 (2013) सोने के नैनोकणों की नियमित व्यवस्था के लिए एक खाका के रूप में आदेश दिया मोनोमोलेकुलर परत्।

ए भट्टाचार्य

भट्टाचार्य, ए, मंडल, एच, रॉय, एम, कुस्ज , जे और डब्ल्यू हॉफमेस्टर, माइक्रोस्ट्रक्चरल और भारत के प. बंगाल में ताप विद्युत संयंत्रों से फ्लाई राख के चुंबकीय विशेषता, पर्यावरण निगरानी और आकलन (स्प्रिंगर) 185 (2013) 8673-8683।

भट्टाचार्य, ए, रूज, ए, रॉय, डी, रॉय, एम, फेरोसीन की थर्मल अपघटन अध्ययन (सी5एच5)2एफइए
जे मानसिक (2014)। Doi: 10.1166 / jnn.2014.9231

भट्टाचार्य, ए, मंडल, एच, रॉय, एम, कुस्ज, जे, और होपमेस्टर, डब्ल्यू, प. बंगाल, भारत में तीन ताप विद्युत संयंत्रों से फ्लाई राख की शारीरिक विशेषताओंः एक तुलनात्मक अध्ययन, इंट्। जे रसायन। टेक रेस 5 (2013) 836-843।

अस्मिता सेनगुप्ता

विभिन्न फिलर्स के साथ प्राकृतिक रबर में पोज़ीट्रॉन लाइफटाइम माप, ए मंडल, एस मुखर्जी, एस पान, ए सेनगुप्ता, आधुनिक भौतिकी, वॉल्यूम के इंटरनेशनल जर्नल। 22 (2013) 112-117।

उच्च ऊर्जा इलेक्ट्रॉन में दोस्तों और डीएससी पढ़ाई सेमीक्रिस्टालिन पॉलीप्रापीलेने के किरणित, अरूणाभ मंडल, सुब्रत मुखर्जी, संदीप पान, अचिन्त्य कुमार साहा, और अस्मिता सेनगुप्ता, एआईपी सम्मेलन। प्रोक। 1536, पृ। 839-840, 2013।

हाई एनर्जी इलेक्ट्रॉन विकिरणित पॉलीस्टीरेने: निः शुल्क वॉल्यूम और दोस्तों और डीएससी अरूणाभ मंडल, संदीप पान, सुब्रत मुखर्जी, अचिन्त्य लालकृष्ण साहा, सी. रंगानाथाह, अस्मिता सेनगुप्ता, पॉलिमर और बायोपॉलिमर भौतिकी रसायन विज्ञान, 2013, वॉल्यूम के जर्नल द्वारा अध्ययन तापीय गुणों्। 1, नंबर 1, 26-30, उपलब्ध ऑनलाइन http://pubs.sciepub.com/jpbpc/1/1/5 में विज्ञान और शिक्षा प्रकाशन, संयुक्त राज्य अमेरिका।

सुब्रत मुखर्जी, संदीप पाल चौधरी, अरुणाभा मंडल संदीप पान, अचिन्त्य अस्मिता सेन गुप्ता 'अंतर स्कैनिंग कैलोरीमेट्री (डीएससी) द्वारा अध्ययन एचडीपीई और एलडीपीई पर उच्च ऊर्जा इलेक्ट्रॉन विकिरण का प्रभाव'; इंजीनियरिंग रिसर्च प्रौद्योगिकी इंटरनेशनल जर्नल (। आईएसएसएन कोई 22,780,181, ईएसआरएसए प्रकाशन), 2013, सम्मेलन की कार्यवाही, पृष्ठ सं: 34-35

'140 एमईवी ऑक्सीजन में दोष अन्नीआलिंगके विकिरणित अर्द्ध इन्सुलेट फ़े-डाल दिया गया ईण्डीयुम फास्फाइड-रूप पोजीट्रान विनाश तकनीक द्वारा अध्ययन', संदीप पान, अरूणाभ मंडल, सुब्रत मुखर्जी, अचिन्त्य कुमार साहा, दीपांकर दास और अस्मिता सेनगुप्ता; इंजीनियरिंग रिसर्च प्रौद्योगिकी इंटरनेशनल जर्नल (। आईएसएसएन कोई 22,780,181, ईएसआरएसए प्रकाशन), सम्मेलन की कार्यवाही, पृष्ठ सं: 32-33, 2013

अरुणाभा मंडल, संदीप पान, सुब्रत मुखर्जी, अचिन्त्य लालकृष्ण साहा,सी. रंगनाथाह अस्मिता सेनगुप्त अंतर स्कैनिंग कैलोरीमेट्री द्वारा अध्ययन हाई एनर्जी इलेक्ट्रॉन विकिरणित पॉलीस्टीरेने में थर्मल वि लेषण'; इंजीनियरिंग रिसर्च प्रौद्योगिकी इंटरनेशनल जर्नल (आईएसएसएन 22,780,181, ईएसआरएसए प्रकाशन), सम्मेलन की कार्यवाही, पृष्ठ सं: 30-31 2013

संदीप पान, अरुणाभा मंडल, सुब्रत मुखर्जी, अचिन्त्य लालकृष्ण साहा, अनिर्बन रॉयचौधरी, दीपांकर दास, अस्मिता

सेनगुप्ता, आईरेआईआरएसईटी, वाल्यूम 3 अल्फा के दोष अध्ययन पोजीट्रान विनाश स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग अनडोप्ड किरणित, विशेष आईएसएसएन-23476710

, अरूणाभ मंडल, संदीप पान, सुब्रत मुखर्जी, अचिन्त्य लालकृष्ण साहा, साबू थॉमस, अस्मिता सेनगुप्ता अंतर स्कैनिंग द्वारा अध्ययन के रूप में अलग से भरा प्राकृतिक रबर में विशिष्ट ऊष्मा और माइक्रोस्ट्रक्टर में बदलाव पॉलिमर के जर्नल और बायोपॉलिमर भौतिकी रसायन विज्ञान। 2014, 2 (1),

सुदीप्ता दास

थ्योरी में डार्क एनर्जी का एक बातचीत मॉडल सुदीप्ता दास, अब्दुल्ला अल अमन अंतरिक्ष विज्ञान 351, 651 (2014)।

सम्मेलन की कार्यवाहीः

टी चट्टोपाध्याय

टी चट्टोपाध्याय और पी भट्टाचार्य, एसडी मजुमदार और बीजे मंडल, (आईईईई) सिग्नल प्रोसेसिंग और संचार-2014 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (की कार्यवाही डिजाइन और एक माइक्रोवेव बैंड का वि लेषण, एक डबल जादू टी का उपयोग कर फ़िल्टर अस्वीकार बैचलर ऑफ साइंस (आईआईएससी।) बंगलूरू, 22-25 जुलाई, 2014, आईईईई एक्सप्लोर इंडियन इंस्टिट्यूट्।

टी चट्टोपाध्याय और पी भट्टाचार्य, दो दखल टन की उपस्थिति में एक माइक्रोवेव पायदान फ़िल्टर की आवृत्ति प्रतिक्रिया, आईईईई 2014 की कार्यवाही, आईईईई छात्र प्रौद्योगिकी संगोष्ठी 2014 (2014 आईईईई), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर 28 फ़रवरी - 2 मार्च, 2014, आईईईई एक्सप्लो।

टी चट्टोपाध्याय और पी भट्टाचार्य, माइक्रोवेव एफएम / संक्ेत विभाजकः डिजाइन और वि लेषण, आईईईई -2014 की कार्यवाही, इलेक्ट्रॉनिक्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कम्प्यूटिंग और संचार प्रौद्योगिकी (- 2013), भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) बंगलौर, 6-7 जनवरी, 2014, आईईईई एक्सप्लो।

टी चट्टोपाध्याय और पी भट्टाचार्य, बी.जे. मंडल और एसडी मजुमदार, डिजाइन और मैजिक टीस की एक जोड़ी का उपयोग माइक्रोवेव पायदान फ़िल्टर का वि लेषण, (आईईईई) -2013, माइक्रोवेव और फोटोनिक्स-2013 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, इंडियन स्कूल की कार्यवाही माइंस (आईएसएम), धनबाद, झारखंड, भारत, 13-15 दिसम्बर, 2013 की।

टी चट्टोपाध्याय और पी भट्टाचार्य, 94 गीगा मिलीमीटर वेव सिग्नल की ऑप्टिकल जनरेशन, सर्किट और सिस्टम्स (क्ष्क्क्ऋ 2013), पीपी। 56-59, कुआलालंपुर, मलेशिया, 18-19 सितम्बर, 2013 को आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही , आईईईई एक्सप्लोर।

टी.के कुंडू

संशोधित जिंक आक्साइड से दृष्टिगोचर एन करक, पी बारिक और टीके कुंडू, भौतिकी सम्मेलन के अमेरिकी संस्थान। प्रोक 1536, 181 (2013);

ए घोष, एन करक और टी.के. कुंडू भौतिकी के अमेरिकी संस्थान सह पर प्रभाव जेडएनओ में ऑप्टिकल व्यवहार पर डोपिंग्। 1536, 177 (2013); 10.1063 / 1.4810158

रसायन विज्ञान विभाग

रसायन विज्ञान विभाग ने अपने स्नातक स्तरीय कार्यक्रम का प्रारंभ 1962 ई. में तथा स्नातकोत्तर-कार्यक्रम का आरंभ 1969 ई. में किया। मूलभूत आवश्यकताओं तथा आर्थिक समस्याओं के होते हुए भी विभाग ने सर्वोपरि अत्यन्त संतोषजनक प्रदर्शन किया है। विद्यार्थी जी.ए.टी.ई., एन.ई.टी. एवं अन्य उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धा परीक्षाओं में विलक्षण प्रदर्शन कर रहे हैं। विभाग थ्योरेटिकल केमिस्ट्री, नेचुरल प्रोडक्ट्स, सिन्थेटिक ऑर्गानिक केमिस्ट्री, ग्रीन केमिस्ट्री, नेचुरल प्रोडक्ट्स, सिन्थेटिक ऑर्गानिक केमिस्ट्री, ग्रीन केमिस्ट्री, सुपरमाल्यूक्यूलर केमिस्ट्री, को ऑर्डिनेशन केमिस्ट्री, सॉल्यूशन केमिस्ट्री, बायोकेमिकल थर्मोडाइनामिक्स एवं नन-कन्वेन्शनल एनर्जी सोर्सेस आदि क्षेत्रों में सक्रिय शोधकार्य में सलग्न है। विभाग ने वर्तमान क्षेत्रों में प्रगतिशील पाठ्यक्रम एवं अप्लाइड केमिस्ट्री के क्षेत्र में नये पाठ्यक्रम का आरंभ किया है। इसने इस शैक्षिक सत्र में लगभग 118 शोध लेख प्रकाशित किए हैं।

यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/गेट परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों के नाम

नेट- मो. आशिफ आमिन, कलोल मुखर्जी, सुदीप दास, शारबनी मंडल

गेट- मो. आशिफ आमिन, कलोल मुखर्जी, सर्बानी मंडल, अदिति पंजा, चंदन घारुई, सुमन कुमार मंडल, तनुश्री सुत्रधार, जयदीपदास

विभागीय संगोष्ठी/ कॉन्फरेंस/ कार्यशाला

26जुलाई 2013 प्रो. स्वदेश मुकुल सांतरा, यूनिवर्सिटी ऑफ सेंट्रल फलोरिडा, यूएस.ए इंजिनियरिगं एंड स्टडी ऑफ नैनोमैटेरियलस फॉर बियोमैगिक, बियोसेंसिंग एंड क्रोप प्रोटेक्शन पर व्याख्यान दिया।

7 अगस्त, 2013 प्रो. दुलालचन्द घोष, (अवकाश प्राप्त) कल्याणी विश्वविद्यालय ने न्यू इलेक्ट्रोनेगेटिविटी स्केल पर व्याख्यान दिया।

3अक्टूबर, 2013, डॉ. सुमन चक्रवर्ती, एनसीएल, पुणे, ने रैंडममैट्रिक्स थ्योरी- ए रिलेटीविली न्यू मैथेड फॉर कैलकुलेशन ऑफ इलेक्ट्रानिक स्ट्रक्चर ऑफ मॉलिक्यूलर पर व्याख्यान दिया।

8 फरवरी, 2014, प्रो. आर.एन. जारे, स्टैण्डफोर्ट यूनिवर्सिटी, यूएसए ने द केमिस्ट्री ऑफ ड्रिंक : ह्यूमन अल्कोहलिस पर व्याख्यान दिया।

9 मार्च, 2014, राष्ट्रीय संगोष्ठी रिसेंट एडवांस इन केमिस्ट्री पर रसायन विभाग, विश्वभारती द्वारा एक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के संगोष्ठी /कार्यशाला/कांफरेंस/प्रदर्शनी का आयोजन

28 जून, 2013, एएससी वर्दवान विश्वविद्यालय द्वारा 28 जून, 2013 से 18 जुलाई, 2013 तक आयोजित रिफ्रेसर कोर्स में डॉ. नजनिन आरा बेगम ने भाग लिया।

12 जुलाई 2013: 12-13 जुलाई, 2013 से प्रौद्योगिकी सूरतकल, मंगलौर, कर्नाटक, भारत के संस्थान द्वारा आयोजित सीआरएसआई मिड वर्ष संगोष्ठी 2013; डॉ कार्तिक चन्द्र भौमिक पर एक प्रस्तुति पेश की 'जलीय मीडिया में वास्तव में एक उत्प्रेरक और अत्यधिक इनान्सिओइलेक्टिव प्रत्यक्ष अल्डोल प्रतिक्रियाः। चार-हाइड्रोक्सी-एल-प्रोलाइन और अबेटिक एसिड से ली गई एक नई उत्प्रेरक का अनुप्रयोग'

26 सितंबर 2013: 26-28 सितम्बर, 2013 से भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई द्वारा आयोजित सैद्धांतिक रसायन विज्ञान में रुझान पर राष्ट्रीय सम्मेलन; प्रो प्रणव सरकार भाग लिया था।

26 सितंबर 2013: भौतिक रसायन विज्ञान अनुसंधान पर राष्ट्रीय सम्मेलनः शिक्षण और रसायन विज्ञान, जादवपुर विश्वविद्यालय, 28 सितंबर, 2013 केविभाग द्वारा आयोजित औद्योगिक परिप्रेक्ष्य (पीसीआरटीआईपी- 2013) ; डॉ मानस घोष भाग लिया था।

3 अक्टूबर 2013: अक्टूबर 3-5, 2013 से रसायन विज्ञान एनआईटी दुर्गापुर, प. बंगाल विभाग द्वारा आयोजित

रसायन विज्ञान में हाल ही में विकास पर राष्ट्रीय सम्मेलन में डॉ आदिनाथ माँझी। बधिया रिएक्शनः एक ग्रीन प्रोटोकॉल' पर एक प्रस्तुति पेश की, डॉ बिस्वजीत डे एक पोस्टर प्रस्तुत किया और डॉ. शोभन मंडल पर एक प्रस्तुति पेश की 'दाहिनी ओर की स्मृति के साथ इनेडियन्स की इनन्सिओसेलेक्टिव झरना पुनर्व्यवस्था।'

4 अक्टूबर 2013: रसायन विज्ञान, प्रौद्योगिकी के धीरजलाल गांधी कॉलेज, सेलम-636 309 4 अक्टूबर 2013 पर विभाग द्वारा आयोजित मौलिक एप्लाइड कैमिस्ट्री (एनएसीईएसी-2013) पर राष्ट्रीय सम्मेलन; प्रो प्रणेश चौधरी पर एक प्रस्तुति पेश की 'रंगों का रासायनिक आधार / कूपरिक आयन सिलिका सतह पर जटिलः। सं लेषण, लक्षण और वि लेषणात्मक आवेदन'

7 अक्टूबर 2013: 07-08 अक्टूबर, 2013 से बुनियादी विज्ञान के लिए एस एन बोस नेशनल सेंटर, कोलकाता द्वारा आयोजित बायोकेमिकल और बॉयोफीजिकल मॉडलिंग में मौजूदा रुझान (2013 बी बी एम) पर राष्ट्रीय सम्मेलन; डॉ बिधान चंद्र थैला प्रोटीन तह कैनेटीक्स पर सिद्धांत क्रामर्स के उल्लंघन के खाते में नए तंत्र' पर एक आमंत्रित बात दे दी है। '

11 अक्टूबर 2013: संयुक्त रूप से नैनोसाइंस और नैनो, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टयम, रासायनिक प्रौद्योगिकी के बीजिंग विश्वविद्यालय, बीजिंग, चीन, प्रौद्योगिकी की व्रोकला विश्वविद्यालय, व्रोकला के लिए अंतरराष्ट्रीय और इंटरयूनिवर्सिटी केन्द्र द्वारा आयोजित उन्नत पोलीमेरिक सामग्री (आईसीएपीएमए-2013) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 11-13 अक्टूबर, 2013 से नैनोसाइंस और नैनो, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टयम के लिए मैक्रोमॉलिक्यूलर विज्ञान और इंजीनियरिंग (आईयूएमएसई), महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम, केरल, इंडिया इंटरनेशनल में और इंटरयूनिवर्सिटी केंद्र पर, पोलैंड और इंटरनेशनल यूनिट; डॉ नाजनिन आरा बेगम एक आमंत्रित बात दे दी है और यह भी एक सत्र की अध्यक्षता की।

20 नवंबर 2013: 20-23 नवम्बर, 2013 से रसायन विज्ञान, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, भारत विभाग द्वारा आयोजित कोलॉइड और इंटरफ़ेस विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में; डॉ सुदीप कुमार मंडल एक पोस्टर प्रस्तुत किया, डा बिस्वजीत डे एक पोस्टर प्रस्तुत किया और डॉ शोभन मंडल पर एक प्रस्तुति पेश की 'सोने के नैनोकणों और उनके डीएनए विखंडन क्रियाएँ पर अध्ययन लेपित नई थिओल की फोटोएक्टिवेटेड बर्गमैन चक्रगति।'

4 दिसंबर 2013: 04-05 दिसम्बर, 2013 से बर्दवान एमयूसी महिला कॉलेज, बर्दवान द्वारा आयोजित रसायन विज्ञान अनुसंधान में सीमाओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन; प्रो प्रणव सरकार भाग लिया था।

6 दिसंबर 2013: कांग्रेस संयुक्त रूप से विश्व भारती में एस आर एम विश्वविद्यालय और विश्व भारती, शांति निकेतन, प चिम बंगाल द्वारा आयोजित 5 वीं जवानी में 6-9 दिसम्बर, 2013 से, प्रो प्रानेश चौधरी पर एक प्रस्तुति पेश की 'पाली (विनाइल शराब) छाया हुआ चांदी नैनोकणों और अपने विरोधी फाइलेरिया गतिविधि के मूल्यांकन के सोनोकेमिकल सं लेषण उन्होंने यह भी कहा, 'पानी में घुलनशील बॉयोकॉम्पेटिबल पॉलिमर की उपस्थिति में बायोएक्टिव नैनो कणों का टीरोसिन नियंत्रित हरी सं लेषण' और पर एक प्रस्तुति पेश की 'सं लेषण और बहुलक प्रेरित ग्राफीम की विशेषता।' 'सं लेषित एनिलिन / सिलिका समग्र द्वारा सोखना व्यवहार और सीआर (तृतीय) की रीसाइक्लिंग' पर एक प्रस्तुति भी उसके द्वारा बनाया गया था। डॉ सुदीप कुमार मंडल ने भाग लिया था मौखिक और पोस्टर प्रस्तुति और डॉ नाजनिन आरा बेगम के लिए जजों के सदस्य के रूप में भाग लिया और रसायन विज्ञान / भौतिकी और गणित वर्गों के लिए दूत के रूप में अभिनय किया था।

12 दिसंबर 2013: फोटोसाइंस पर राष्ट्रीय सम्मेलनः समकालीन चुनौतियों और भविष्य परिप्रेक्ष्य, भारतीय फोटोबॉयोलॉजी समाज और रसायन विज्ञान, जादवपुर विश्वविद्यालय, 12-14 दिसम्बर, 2013 विभाग द्वारा आयोजित; डॉ मानस घोष एक पोस्टर प्रस्तुति दी।

4 जनवरी 2014: गैर संतुलन सांख्यिकीय भौतिकी और 2-4 जनवरी, 2014 से आईएसीएस, जादवपुर द्वारा आयोजित गैर रेखीय गतिशीलता पर राष्ट्रीय सम्मेलन; प्रो प्रणव सरकार भाग लिया था।

6 जनवरी 2014: गाऊसी का परिचय पर राष्ट्रीय सम्मेलनः सिद्धांत और 06-10 जनवरी, 2014 से नई दिल्ली,

भारत द्वारा आयोजित अभ्यास; 'धातु आइसोमेरिजेशन प्रतिक्रिया उत्प्रेरित पर रिएक्शन मॉडलिंग' डॉ गौरव कांति दास पर एक प्रस्तुति पेश की

13 जनवरी 2014: 13-17 जनवरी, 2014 से आईएसईआरसी, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित डीएसटी आईएसपीआईआरई इंटर्नशिप सर्दियों शिविर; डॉ आदिनाथ माझी पर एक आमंत्रित बात दे दी है 'ग्रीन कैमिस्ट्रीः। सतत विकास और बेहतर भविष्य की ओर एक कदम'

23 जनवरी 2014: रसायन विज्ञान, पीटी में अध्ययन के स्कूल द्वारा आयोजित रसायन विज्ञान में हाल के रुझानों पर राष्ट्रीय सम्मेलन। रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़-492,010 23-25 जनवरी, 2014 से; प्रो. प्रानेश चौधरी पर एक प्रस्तुति पेश की 'पानी में घुलनशील फ्लोरोसेंट चांदी नैनोक्लूस्टरऔर Hg2 संवेदन की सोनोकेमिकल सं लेषण'

29 जनवरी 2014: दोहन प्राकृतिक सतत विकास के लिए संसाधनों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनः 29-31 जनवरी, 2014 से कॉटन कॉलेज, गुवाहाटी, असम द्वारा आयोजित वैश्विक रुझान; डॉ आदिनाथ माझी पर एक प्रस्तुति पेश की 'कुछ अच्छी तरह से ज्ञात जैविक प्रतिक्रियाओं के लिए ग्रीन दृष्टिकोण।

5 फरवरी, 2014 : मैटेरियल्स साइंस सेंटर, आईआईटी, खड़गपुर द्वारा फरवरी 5-7, 2014 से फंक्शनल मैटेरियल्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन; प्रो. प्राणेश चक्रवर्ती ने 'स्ट्डीज ऑन फ्लोरेसेन्स प्रॉपटीज़ ऑफ पॉलिमर ग्राफ्रेम ऑकसाइड नैनोयार्टिकल्स', क्वानटेटिव इनॉबलाइजेशन ऑफ थायोएशिडामाइड ऑनटू सिलिका गेट फॉर ईजी डिटेक्मन्ड सेपारेशन ऑफ नरक्यूरिक ऑयल एवं 'पॉलिमर इन्सपायर्ड सिल्वर नैनोपार्टिकल्सः ए पोटेन्सियल एंटीफिलारियल एजेंट' पर अपनी प्रस्तुती दी।

6 फरवरी, 2014 : स्कूल ऑफ केमिकल साइंसेस, नार्थ महाराष्ट्र यूनिवर्सिटी जलगाँव, म.प्र., इंडिया द्वारा फरवरी 6-8, 2014 से रसायनशास्त्र व तकनीक में नवीनतम विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय सुविधाएं विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन; प्रो. गौतम भट्टाचार्य ने 'डिजाइनिंग एनर्जी इफिशिएन्सी इन केमिकल ट्रांसफॉरमेशन्सः एन इमरजिंग एंड प्राग्मेटिक डोयेन फॉर दि सिंथेटिक आर्गेनिक केमिस्ट, ऑन '3-ऑक्सोओलिन-12 (13), 18 (19)-डाएन-29 ए कार्वोऑक्सिलिक एसिड : ए पोटेन्ट एंटीबैक्टीरियल ट्राईटरपेनॉयड फ्रॉम लिम्नोफिला इंडिका (स्क्रॉफुलारियासे), एवं 'डेवलपमेंट ऑफ एन इफीशिएन्ट एमसीआर-प्रोटोकॉल फॉर दि फेसियल बन-पॉट सिंथेसिस ऑफ बॉयोलॉजिकली रिलेवेन्ट 4 एच-पाईएन-एनुलेटेड हेटेरोसाइक्लिक स्कैफोल्ड्स ऐट रूम टेम्परेचर' पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।

7 फरवरी, 2014 : इंडियन बॉयोफिज़िकल सोसाइटी एंड साहा इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर फिज़िकल द्वारा फरवरी 7-10, 2014 से साहा इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर फिज़िक्स में राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन; डॉ. गौरव कांति दास ने एक पोस्टर प्रदर्शित किया।

22 फरवरी, 2014 : वीरभूम इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी द्वारा फरवरी 22-23, 2014 से डेवलपमेंट ऑफ मॉर्डन टेक्नोलॉजी : ए कैटालिस्ट फॉर दि ऐडवांसमेंट ऑफ साइंस (डीएमटीसीएएस-2014) पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन; डॉ. विजय कृष्ण दोलुई ने "टाइटिल-स्ट्डी ऑफ सॉल्वेशन प्रॉसेस ऑफ ए सीरिज़ ऑफ होमोलोगस?-एमिनो एसिड्स इन नॉन-एक्वाएस बिनारी मिक्सचर ऑफ प्रोटोजिक ईजी एंड प्रोटोफॉबिक डिपोलर एप्रोटिक डीएमएसओ" पर प्रस्तुति दी।

24 फरवरी, 2014 : डिपार्टमेंट ऑफ जूलोजी, विश्व भारती यूनिवर्सिटी, शांतिनिकेतन, इंडिया द्वारा फरवरी 24-26, 2014 से इनवायरनमेंटल बॉयोलॉजी एंड इकोलॉजिकल मॉडलिंग (आईसीईबीईएम, 2014) पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन; डॉ. विजय कृष्ण दास ने एक पोस्टर प्रर्दशित किया; डॉ. कार्तिक चन्द्र भौमिक ने 'एन इनवायरनमेंटली बिनाइन डाईरेक्ट एसाईमेट्रिक अटडोल रिएक्शन पर प्रस्तुति दी, डॉ. भवतोष मंडल ने 'क्रोमैटोग्राफिक मेथड ऑफ प्री-कन्सेनट्रेशन, सेपारेशन, रिमूबल ऑफ रिकबरी ऑफ जिंक (11) फ्राम एक्वेअस सोलुशन विथ वायाबल एंड इनऐक्टीबेटेड माइक्रोएलजेई इन फिक्स्ड बेड रिएक्ट्र्स एंड डेन्सिटी फंक्शनल ऑप्टीमाइजेशन ऑफ एक्सट्रॉक्टेड स्पेसिज़' पर प्रस्तुतिकरण दिया, डॉ. विश्वजीत दास ने एक पोस्टर प्रस्तुत किया एवं डॉ. शोभन

मंडल ने 'डीएनए क्लिएवेज़ एक्टिविटिज़ ऑफ न्यू थॉयल-कन्टेनिंग इनेडिनेस कोटेड गोल्ड नैनोपार्टिकल्स' पर प्रस्तुति दी।
आईआईटी, खड़गपुर, पं. बंगाल, भारत द्वारा फरवरी 24-25, 2014 से लाइट्स इन केमिस्ट्री मैटेरियल्स विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन; डॉ. सुदीप कुमार मंडल ने एक मौखिक प्रस्तुति दी।
9 मार्च, 2014 : रसायनशास्त्र विभाग, विश्व भारती द्वारा 9 मार्च, 2014 को रसायनशास्त्र में हाल की अग्रगति पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन, प्रो. प्राणेश चक्रवर्ती ने 'सिंथेसिस ऑफ पॉलि 'एन-आईसोप्रोपिल एक्रिलामाइड/ मेसोपोटोस सिलिका नैनोकम्पोजिट एवं 'सिंथेसिस ऑफ पीएमईटीस/एनडीएनपी कम्पोजिट : स्ट्डी ऑफ इट्स एनॉयन सेलेक्टिविटी' पर प्रस्तुतिकरण दिया, प्रो. प्रणव सरकार, नाज़निन आरा बेगम, डॉ. स्वपन कुमार चन्द्र, डॉ. मो. मोतिन शेख, सुश्री बुला सिंह एवं प्रो. असीम कुमार दास ने भाग लिया, डॉ. शोभन मंडल ने 'सिंथेसिस ऑफ फ्यूज्ड सुल्टोन्स बाई रिंगक्लोजिंग मेटाथिसिस' पर प्रस्तुति दी, डॉ. प्रीथिदीपा साहू एवं डॉ. विजय कृष्ण दोलुई ने पोस्टर-प्रस्तुतिकरण दिया एवं प्रो. गौतम ब्रह्मचारी ने 'फेसाइल एक्सेस टू सिमेट्रीकल बिस (बेनजिड्रिल) ईथर यूजिंग पी-टोलुशन सिफोनिल ऑफ जेम-डिहेटेरोआर्लिमिथेन डेरीवेटिव्स वाया सॉल्वेन्ट फ्री ग्राइण्डिंग ऑपरेशन अंडर रूम टेम्परेचर कन्डीशन' मैग्नेटिकली रयूसेबल MnFe204 नैनो-मैटेरियल; सिंथेसिस एंड ऐप्लिकेशन इन दि सिंथेसिस ऑफ बेन्जीमिडाजोल्स एंड क्विनोऑक्सालाइन्स ऐट रूम टेम्परेचर अंडर एयरोबिक कंडीशन्स, एवं 'एन ऐन्थ्राक्विनोन डेरीवेटिव फ्रॉम कासिया सोफेरा लिन 'कईसालपिनिएशिए' पर प्रस्तुति दी।
12 मार्च, 2014 : विश्व भारती द्वारा रवीन्द्रनाथ एवं शांतिनिकेतन पर 23 फरवरी एवं 12 मार्च, 2014 को आयोजित ओरियेंटेशन कार्यक्रम; डॉ. शोभन मंडल ने सहभागिता की।

विभाग में चल रही अनुसंधान परियोजनाएँ :

शिक्षक का नाम : प्रो. पी. चौधुरी
परियोजना का नाम : (i) सेलेक्टिव एक्सट्रैक्शन के लिए क्वाटरनाइज्ड पॉलिमर्स पर रेज़िन आधारित हाई परफॉरमेन्स ऑयन एक्सचेंज का विकास एवं इंडस्ट्रियल वेस्टवाटर से क्रोमियन की रिकवरी (ii) डेवलपमेंट ऑफ न्यू बॉयोकम्पोटिबल हाईब्रिड मैटेरियल्स बेस्ड ऑन ग्रैफ्टिंग ऑर्गेनिक पॉलिमर्स ऑनटू नैनो पार्टिकल्स (iii) डिज़ाइन, सिंथेसिस एंड कैरेक्टराजेशन ऑफ न्यू बॉयोकम्पेटिबल हाईब्रिड मैटेरियल्स बेस्ड ऑन ग्रैफ्टिंग आर्गेनिक पॉलिमर्स ऑनटू इनॉर्गेटिक नैनो पार्टिकल्स।
प्रायोजक एजेंसियां : सीएसआईआर एवं डीएसटी, नयी दिल्ली
स्वीकृत धनराशि : 15 एल, 16 एव व 30 लाख आईएनआर
परियोजना की अवधि : 4, 4 एवं 3 वर्ष
शिक्षक का नाम : प्रो. पी. सरकार
परियोजना का नाम : इलेक्ट्रॉनिक स्ट्रक्चर ऑफ कार्बन बेस्ड नैनोहाईब्रिड मैटेरियल्स
प्रायोजक एजेंसियां : सीएसआईआर, नयी दिल्ली
स्वीकृत धनराशि : 10 लाख, आईएनआर
परियोजना की अवधि : 3 वर्ष
शिक्षक का नाम : प्रो. जी. ब्रह्मचारी
परियोजना का नाम : ए सिन्सियर ड्राइव टू डेवलप इको-फ्रेंडली मेथॉडालॉजिस फॉर सम यूजफुल आर्गेनिक ट्रांसफॉरमेशन्स इन दि ऐबसेन्स ऑफ आर्गेनिक सॉलवेंट्स
एजेंसी : सीएसआईआर, नयी दिल्ली
स्वीकृत धनराशि : 13 लाख, आईएनआर
परियोजना की अवधि : 3 वर्ष
शिक्षक का नाम : डॉ. जी. के दास

परियोजना का नाम : थियोरेटिकल इन्वेस्टीगेशन ऑन दि मेकानिज़्म ऑफ वेरियस ट्रांसफॉरमेशन्स ऑफ बॉयोमॉलिक्यूल बाई को-फैक्टक डिपेंडेंट एनजाइन्स
एजेन्सी : यूजीसी, नयी दिल्ली
स्वीकृत धनराशि : 7 लाख, आईएनआर
परियोजना की अवधि : 3 वर्ष
शिक्षक का नाम : डॉ. एस. के. चन्द्र
परियोजना का नाम : सिंथेसिस, स्ट्रक्चर, कैरेक्टाराइजेशन एवं मैग्नेटिक प्रॉपर्टीज ऑफ ट्रांजिशन मेटल कॉम्प्लेक्स विथ मल्टीडेनेट लिगांड्स
एजेंसी : डीएसटी, नयी दिल्ली
स्वीकृत धनराशि : 24 लाख, आईएनआर
परियोजना अवधि : 3 वर्ष
शिक्षक का नाम : डॉ. एन. ए. बेगम
परियोजना का नाम : (i) स्ट्डीज ऑन बॉयोजेनिक सिंथेसिस ऑफ मेटल नैनोपार्टिकल्स विथ टेलर-मेड स्ट्रक्चरल प्रॉपर्टीज, (ii) टू स्ट्डी दि मेकॉनिज़्म ऑफ ऐन्टीऑक्सीडेंट ऐज वेल ऐज डीएनए डैमेज प्रिवेंशन एक्टिविटिज़ ऑफ डिफरेंट नैचुरेली ऑकरिंग फ्लैवोनॉयड्स एंड देयर सिंथेटिक डेरिवेटिव्स
प्रायोजक एजेसिंयां : सीएमआईआर एवं डीएसटी, नयी दिल्ली
स्वीकृत धनराशि : 21 एवं 24 लाख आईएनआर
परियोजना अवधि : 3 वर्ष
शिक्षक का नाम : डॉ. ए. हाजरा
परियोजना का नाम : एक्सप्लोरेशन ऑफ फंक्शनलाइज्ड नैनोमैटेरियल्स इन कपलिंग रिएक्शन : सिंथेसिस ऑफ आर्गेनिक मॉलिक्यूल्स हैविंग पोटेन्शियल ऐप्लिकेशंस इन मेडिसिनल एंड मैटेरियल कैमिस्ट्री
एजेंसी : सीएसआर, नयी दिल्ली
स्वीकृत धनराशि : 23 लाख, आईएनआर
परियोजना अवधि : 3 वर्ष
शिक्षक का नाम : डॉ. बी. दे
परियोजना का नाम : एक्सप्लोरेशन ऑफ इन्ट्राग्युंइग सुप्रामॉलिक्यूलर फीचर्स ऑफ वेरियस मेटालो सुप्रामॉलिक्यूलर नेटवर्क्स ऑफ ट्रांजिशन मेटल ऑयन्स विथ एन. एस. ओ–डोनोर आर्गोनिक लिगांड्स इन बाटर मीडिया
एजेंसी : डीएसटी, नयी दिल्ली
स्वीकृत धनराशि : 25 लाख, आईएनआर
परियोजना अवधि : 3 वर्ष
शिक्षक का नाम : डॉ. एस. के. मंडल
परियोजना का नाम : बेटर अंडरस्टैंडिंग ऑफ इलेक्ट्रोस्टैटिक एंड डायनामिक्स इन प्रोटीन एंड देयर रोल इन प्रोटीन फंक्शन यूजिंग न्यू सिंथेटिक फ्लोरेसेंट एभिनो एसिड्सो ऐज़ प्रोव
एजेंसी : यूजीसी, नयी दिल्ली
स्वीकृत धनराशि : 6 लाख, आईएनआर
परियोजना अवधि : 2 वर्ष
शिक्षक का नाम : पी. साहू
परियोजना का नाम : वाटर सॉल्योबल फोटोरेस्पॉन्सिव फ्लूओरोईनोफोर विथ स्मॉल कैविटेंड : डिज़ाइन सिंथेसिस एंड लिविंग-सेल इमाजिंग फॉर हेवी मेटल ऑयन्स

एजेंसी : नयी दिल्ली
स्वीकृत धनराशि : 6 लाख, आईएनआर
परियोजना अवधि : 2 वर्ष
शिक्षक का नाम : डॉ. एस. मंडल
परियोजना का नाम : सिंथेसिस ऑफ बॉयो-एक्टिव हेटेरोसाइकल्स
एजेंसी : डीएसटी, नयी दिल्ली
स्वीकृत धनराशि : 35 लाख, आईएनआर
परियोजना अवधि : 3 वर्ष

विभाग द्वारा विस्तृत कार्यकलाप/एनएसएस/सांस्कृतिक एवं अन्य कार्यकलाप एवं विभाग के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा सहभागिता :

दूर-दराज के ग्रामीण देहात को कवर करने के लिए रसायनशास्त्र विभाग के हमारे विश्वविद्यालय के विस्तृत कार्यकलापों में शामिल कार्यक्रम निम्न प्रकार हैं :

(i) प्रतिदिन की जीवन शैली में रसायन के सुरक्षित एवं दायित्वपुर्ण उपयोग संबंधी सचेतनता के सृजन हेतु सेमिनार का आयोजन, लघु स्तरीय हस्तकला व्यापार एवं कृषि

(ii) स्थानीय उपलब्ध पराम्परागत उपयोगी पौधे एवं उनके फाइटोकेमिक्ल्स प्रोफाइल्स के लिए डाटा बेस तैयार करने के लिए कार्यक्रम की पहल। ये डाटा सहायक हैं (अ) कम लागत वाली स्रोत के प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट्स की खोज, जो उसके कुपोषण का मुकाबला करेगा

एवं (ब) पिग्मेंट्स आधारित प्राकृतिक रूप से उपलब्ध नॉनटॉक्सिक प्लांट्स का पता लगाना, जिसे सिंथेटिक डाइस में बदला जा सकता है एवं (स) स्थानीय उपलब्ध वाले बॉयोपेस्टीसाइड्स के संबंध में लोगों को प्रशिक्षित करना

(iii) एनएसएस, स्कूल स्तरीय संगोष्ठी

अप्रैल 2013—मार्च 2014 वर्ष के अंदर प्रकाशन :

प्रो. ए. के. दास : फंडामेंटल कॉन्सेप्ट्स ऑफ इनआर्गेनिक केमिस्ट्री, अंक-1-7, सीबीएस पब्लीशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, आईएसबीएन नं. : 978-81-239-2351-2; 978-81-239-2352-9; 978-01-239-2353-6; 978-81-239-2353-3

गौतम ब्रह्मचारी (2013), केमिस्ट्री एंड फर्माकोलॉजी ऑफ नैचुरल ऑकरिंग बॉयोऐक्टिव कम्पाउंड्स : एन प्रगतिशील दृष्टिकोण, इन : केमिस्ट्री एंड फर्माकोलॉजी ऑफ नैचुरल ऑकरिंग बॉयोऐक्टिव कम्पाउंड्स, गौतम ब्रह्माचारी (संपादक), सीआरसी प्रेस (टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप), यूएसए, पीपी-1-8

गौतम ब्रह्माचारी (2013), गैम्बॉगिक एसिड : ए केज्ड प्रीनाईलेटेड गारसीनिया एक्सएन्थोन पोटेन्ट एंटीकैंसर एजेंट ऑफ फर्मास्यूटिकल प्रॉसिस, इन : केमिस्ट्री एंड फर्माकोलॉजी ऑफ नैचुरली ऑकरिंग बायोऐक्टिव कम्पाउंड्स, गौतम ब्रह्माचारी (संपादक), सीआरसी प्रेस (टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप), यूएसए, पीपी-393–415

केमिस्ट्री एंड फर्माकोलॉजी ऑफ नैचुरल ऑकरिंग बायोऐक्टिव कम्पाउंड्स, गौतम ब्रह्माचारी द्वारा संपादित (प्रो. डॉ. राफेल मेकोलम एवं प्रो. डॉ. ताकुओ ओकुडा के प्रस्तावना के साथ) सीआरसी प्रेस/टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप, एलएलटी, यूएसए, 2013

नैचुरल बॉयोऐक्टिव मॉलिक्यूल्स : इम्पैक्ट एंड प्रॉसपेक्ट्स, गौतम ब्रह्माचारी द्वारा संपादित (डॉ. आर्नोल्ड डिमेन के प्रस्तावना के साथ), अल्फा साइंस इंटरनेशनल लिमिटेड, ऑक्सफोर्ड, यू. के. 2013 (आईएसबीएन : 978-1-84265-780-5) : सहयोगी प्रकाशन : नारोसा पब्लिकेशन हाउस प्रा. लिमिटेड, नयी दिल्ली, इंडिया, 2013 (आईएसबीएन : 978-81-8487-235-4)

(ii) अन्य पुस्तक :

गौतम ब्रह्मचारी (2013), केमिस्ट्री एंड फर्माकोलॉजी ऑफ नैचुरल ऑकरिंग बॉयोऐक्टिव कम्पाउंड्स : ऐन

ओवरव्यू इन : केमिस्ट्री एंड फर्माकोलॉजी ऑफ नैचुरल ऑकरिंग बॉयोऐक्टिव कम्पाउंड्स, गौतम ब्रह्माचारी (संपादक), सीआरसी प्रेस (टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप), यूएसए, पीपी-1-8

गौतम ब्रह्माचारी (2013), गैम्बॉगिक एसिड : ए केज्ड प्रीनाईलेटेड गारसीनिया एक्सएन्थोन पोटेन्ट एंटीकैंसर एजेंट ऑफ फर्मास्यूटिकल प्रॉसिस, इन : केमिस्ट्री एंड फर्माकोलॉजी ऑफ नैचुरली ऑकरिंग बायोऐक्टिव कम्पाउंड्स, गौतम ब्रह्माचारी (संपादक), सीआरसी प्रेस (टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप), यूएसए, पीपी-393–145

केमिस्ट्री ऑफ फर्माकोलॉजी ऑफ नैचुरल ऑकरिंग बायोऐक्टिव कम्पाउंड्स, गौतम ब्रह्माचारी द्वारा संपादित (प्रो. डॉ. राफेल मेकोलम एवं प्रो. डॉ. ताकुओ ओकुडा के प्रस्तावना के साथ) सीआरसी प्रेस/टेलर एंड फ्रांसिस ग्रुप, एलएलटी, यूएसए, 2013

नैचुरल बॉयोऐक्टिव मॉलिक्यूल्स : इम्पैक्ट एंड प्रॉसपेक्ट्स, गौतम ब्रह्माचारी द्वारा संपादित (डॉ. आर्नोल्ड डिमेन के प्रस्तावना के साथ), अल्फा साइंस इंटरनेशनल लिमिटेड, ऑक्सफोर्ड, यू. के. 2013 (आईएसबीएन : 978-1-84265-780-5) : सहयोगी प्रकाशन : नारोसा पब्लिकेशन हाउस प्रा. लिमिटेड, नयी दिल्ली, इंडिया, 2013 (आईएसबीएन : 978-81-8487-235-4)

विटामिन बी6 डिराइण्ड कोफैक्टर पाईरीडॉक्सल-5’ फॉस्फेट : पॉर्मिसिंग रोल इन ड्रग डेवलपमेंट प्राग्राम, के. चक्रवर्ती एवं जी. के. दास, इन नैचुरल बॉयोएक्टिव मॉलिक्यूल्स : इम्पैक्ट्स एवं प्रॉसपेक्टस (जी ब्रह्मचारी द्वारा संपादित) नारोसा पब्लिशिंग हाउस, पीपी-7.3-7.23, 2014

(iii) मोनोग्रॉफ्स-शून्य

(iv) समकक्ष समीक्षा पत्रिका (राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय) में अनुसंधान दस्तावेज़

लिगैंड मेडिएटेड ट्यूनिंग ऑफ दि इलेक्ट्रॉनिक एनर्जी लेवल्स ऑफ Zno नैनोपार्टिकल्स, साहा, एस., सरकार, एस.; पाल, एस,; सरकार, पी. आरएससी ऐडवांसेस 2013, 3, 532।

इलेक्ट्रॉनिक स्ट्रक्चरल ऑफ Zno/Zns कोर/शेल क्वान्टम डॉट्स। साहा, एस., सरकार, पी. केम. फिज़िक्स एलटीसी 2013, 555, 191।

‘दि जीए-डीएफडीबी मेथड : ए न्यू एवेन्यू फॉर फाइंडिंग दि लोवेस्ट एनर्जी स्ट्रक्चर ऑफ क्वान्टम डॉट्स’, इन ‘कलेक्गन्स ऑन रिसेन्ट ऐडवांसेस इन केमिकल साइंसेस’ सरकार, पी. आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र राय की याद में, रसायन शास्त्र विभाग, बर्दमान विश्वविद्यालय, 2013 द्वारा प्रकाशित, 5.

नियरली लीनियर स्कैलाबिलिटी ऑफ दि टाइम-डिपेन्डेंट डिस्क्रिएट वैरिएबल रिप्रेजेंटेशन (टीडीडीवीआर) मेथड फॉर दि डायनामिक्स ऑफ मल्टी-सरफेश, मल्टी-मोड हैमिलटोनियन। अहमद 9 बी., सरदार, एस., साहू, टी., सरकार पी.; अधिकारी, एस. जे. थियो. कम्प्यूट. केम, 2013, 12, 1350042।

एनरजेटिक्स एंड इलेक्ट्रॉनिक स्ट्रक्चर ऑफ इनकैपसुलैटेड ग्राफेन नैनोरिबन्स इन कार्बन नैनोट्यूब। मंडल, बी.; सरकार, पी. जे. फिजिक्स.केम ए 2013, 117, 8568

ट्यूनिंग दि बैंड एनर्जी एलाइनमेंट ऑफ सेमिकंडक्टर नैनोहाईब्रिड्स फॉर पोटोवोल्टायक ऐप्लिकेशंस। साहा, एस.; सरकार, एस.; सरकार, पी. आईएसआरएपीएस बुलेटिन 2013, 25, 44।

ट्यूनिंग दि एनर्जी लेवेल्स ऑफ Zno/Zns कोर/शेल नैनोवायर टू डिज़ाइन ऐन इफीशिएंट नैनोवायर बेस्ड डाई-सेन्सीटाइज़्ड सोलर सेल। साहा, एस.; सरकार, एस.; पाल, एस.; सरकार, पे.जे फिजिक्स.केम. सी, 2013, 117, 15890

चेयर लाइफ : क्लस्टर असेम्बलीज़ एंड कं.ऑक्सीडेशन स्ट्डी बाई एबी इनीसियो मेथड्स। निगं एस.; साहू, एस. के.; मजूमदार, सी.; सरकार, पी. केम. फिज़ि. एलईटीटी 2013, 584, 108।

थियोरेटिकल प्रीडिक्शन ऑफ ए न्यू टू-डायमेंशनल कार्बन एलोट्रॉप एंड एनडीआर विहैवियर ऑफ इट्स वन-डायमेंटशनल डेरिवेटिव्स। मंडल, बी.; सरकार, एस.; प्रामाणिक ए.; पी. फिज़ि 2013, 15, 21001।

पिओर कार्बन-बेस्ड स्कॉटकी डायोड, एन इप्लीकेशन ऑफ स्ट्रेच्ड कार्बन नैनोवायर। मंडल, बी.; प्रामाणिक, ए.; सरकार, एस.; सरकार, पी.जे.सेप. फिज़िक्स, 2013, 114, 173701

मेकॉनिज़्म ऑफ दि गोल्ड (III) कैरालाइज़्ड आईसोमराईजेशन ऑफ सब्सीच्यूटेज एलिन्स कन्जुगेटेड डाईन्सः ए डीएफटी स्ट्डी। बसाक, ए.; चक्रवर्ती, के,; घोष, ए.; दास, जी. के. जे. आर्ग.केम 2013, 78, 9718।

न्यू बाईमॉलिक्यूलर मेकॉनिस्टिक पाथवे फॉर 1, 3-हाईड्रोजेन शिष्ट इन एलेनामाइड एंड एलिन सिस्टम : ए थियोरेटिकल प्रीडिक्शन।

बसाक, ए.; गुप्त, एस. एन.; चक्रवर्ती, के.; दास, जी. के. कम्प्यूट. थियोरे.कम 2013, 15, 1007।

ए न्यू कीलोरीमेट्रीक (काउरेमिन) मिथाइलिन प्रॉब फॉर सिग्नलिंग मोड। महाराज, ए. के.; माइती, के.; साहू, पी.; नंदी, पी.के. जर्नल ऑफ लुमिनेसेन्स 2013, 143स 349।

कार्बोजोल फिनाइलथायोसेमिकार्बोजन–बेस्ड एनायेल ऑफ Hg2+ ऐज सेलेक्टिव टर्न-ऑन सेंसर टूवार्ड साइस्टिन इम वाटर। महापज, ए. के.; राय, जे.; साहू, पी.; मुखोपाध्याय, एस. के.; बनिक, ए.; मंडल, डी. टेट्राहेड्रॉन एलईटीटी. 2013, 542, 946।

'इन्फ्लुएन्स ऑफ ऑसिलेटरी इम्प्युरिटी पोटेन्सियल एंड कन्करेंट गेसपिंग ऑफ इम्प्युरिटी स्प्रेड ऑन एक्साइटेशन प्राफाइल ऑफ डॉप्ट क्वान्टम डॉट्स', पाल एस.; घोष, एम. जर्नल ऑफ मैटेरियल्स 2013 आर्टिकल आईडी 795450, पृष्ठ 7 (आमंत्रित आर्टिकल)।

इम्फ्लुएन्स ऑफ एक्सटरनल फील्ड एंड कॅन्सक्वेन्ट इम्प्युरिटी ब्रेदिंग ऑन एक्साइटेशन प्रोफाइल ऑफ डॉफ्ट क्वान्टम डॉट्स। पाल, एस.; घोष, एम. जर्नल ऑफ लुमिनेसेन्स 2013, 138, 48।

एक्साइटेशन काइनेटिक्स ऑफ इम्प्युरिटी डॉप्ट क्वान्टम डॉट ट्रिगर्स बाई गावसियन ह्वाईट न्वॉयज़। पाल, एस,; सिन्हा, एस. एस.; गांगुली, जे.; घोष, एम. आईएसआरएन कन्डेस्ड मैटर फिज़िक्स 2013, आर्टिकल आईडी 978153, पृष्ठ 6 (आमंत्रित आर्टिकल)

एक्ससाईटेशन काइनेटिक्स ऑफ क्वान्टम डॉट इन्ड्यूश्ड बाई डैम्प्ड प्रोपोगेशन ऑफ डोपेंट : रोल ऑफ कम्फाइनमेंट पोटेन्शियल एंड मैग्नेटिक फील्ड। पाल, एस.; घोष, एम. केम. फिज़ि 2013, 423, 151।

इन्फ्लुएन्स ऑफ डैम्प्ड प्रोपोगेशन ऑफ डोपेन्ट ऑन दि एक्साईटेशन काइनेटिक्स ऑफ डॉप्ड क्वान्टम डॉट्स। पाल, एस.; दत्त, एन.के.; घोष, एम.जे. फिज़ि.केम सी 2013, 117, 14435।

मोडुलेशन ऑफ एक्साइटेशन काइनेटिक्स ऑफ इम्प्युरिटी डॉप्ड क्वान्टम डॉट्स बाई दि इन्टरप्ले बिटविन कन्फाइमेंट सोर्सेस एंड मल्टीकेटिव गाउसियन ह्वाईट न्वॉयज", गांगुली, जे.; पाल, एस.; घोष, एम., सुपरलैटिसेस एंड माइकोस्पक्चर्स 2013, 63, 110।

एडिटिव गाउसियन ह्वाईट न्वॉयज मोडुलेटेड एक्साइटेशन काइनेटिक्स ऑफ इम्प्युरिटी डॉप्ड क्वान्टम डॉट्स; रोल ऑफ कन्फाइनमेंट सोर्सेस", गांगुली, जे.; पाल, एस.; घोष, एम. सुपरलैटिसेस एंड माइक्रोस्ट्रक्चार्स 2013, 63, 215।

एक्साइटेशन काइनेटिक्स ऑफ इम्प्युरिटी डॉप्ट क्वान्टम डॉट ड्रिवेन बाई गावसियन ह्वाईट न्वॉयज़ : इन्टरप्ले विथ एक्सटरनल फील्ड", पाल, एस,; सिन्हा, एस. एस.; गांगुली, जे.; घोष, एम.केम. फिजि 2013, 426, 54।

कैपल्ड इन्फ्लुएन्स ऑफ डैन्टड प्रोपेगेशन ऑफ डोपेन्ट एंड ऑसिलेटरी कन्फाइमेंट सोर्सेस ऑन एक्साईटेशन काइनेटिक्स ऑफ डॉप्ड क्वान्टम डॉट। पाल, एस,; घोष, एम. यूरो. फिजि. जे. बी 2013, 86, 498।

फेरिमैग्नेटिज़्म अथ टू 200 के इन टाई-रिच डबल पेरोव्यकाइस्ट रोल ऑफ डबल एकेसचेंज मेकानिज। शेख, एम.एम.; कैग्नर्ट, वी.; प्रलॉंग, वी.; राविएव, बी. ऐप. फिजि. एलईटीटी 2013, 103, 082401।

दि आर्डर्ड डबल पेरोवस्काइट ProBaCO206 : सिंथेसिस, स्ट्रक्चर एवं मैग्नेटिज़्म। शेख, एम.एम.; प्रलॉंग, वी.; लेबेदेव, ओ. आई.; कैग्नेर्ट, वी.; रावेउ, बी. जे. ऐप. फिजि. 2013, 114, 013902।

इन्फ्लुएन्स ऑफ बिस्मथ ऑन दि मैग्नेटिक एंड इलेक्ट्रिकल प्रॉपर्टीज ऑफ LazMnNiO6। नौटियाल, पी.; शेख, एम.एम.; प्रलॉंग, वी.; कुंडू, ए.के.जे.मैग्न. मैटर 2013, 347, 111।

हिट कैमेशिटी, थर्मोपावर एंड मैग्नेटोरेजिस्टेन्स इफेक्ट्स इन मल्टीफेरोइक Lao.5 BiO.5MnO.5 Feo.503 झा, वी.के.; नैटियाल, शेख, एम.एम.; चटर्जी, आर.; महेन्दिरान, आर.; कुंडू, ए.के.जे.मैटे. साइ. 2013, 48,7629।

इम्पैक्ट ऑफ Mn3+ अपॉन स्ट्रक्चर एंड मैग्नेटिज़्म ऑफ दि पेरोवस्काइट डेरिवेटिव Pb2?xBaxFeMnO5

(x~0.7) बैरियर, एन.; लेबेदेव, ओ.आई.; शेख, एम.एम.; पोर्चर, एफ.; राथिएव, बी. इनआर्ग.केम. 2013, 52, 6073।
कॉम्प्लेक्स मैग्नेटिक फेज़ सेपारेशन इनड्यूश्ड बाई Li-डॉपिंग इन दि CaBaCo407 कोूलटाइट। शेख, एम. एम.; सरकार, टी.; प्रलाँग, वी.; कैग्नेर्ट, वी.; रावेव, बी.जे.ऐप. पिजि 2013, 113, 053910।
भैग्नेटिक प्रॉपर्टीज ऑफ मेसोपोरोस कोबाल्ट-सिलिका-अलुमिना टेनरी मिक्स्ड ऑक्साइड्स। पाल, एन.; शेख, एम. एम.; भौमिक, ए. जे. सॉलिड स्टेट केम. 2013, 198, 114।
इफेक्ट ऑफ निकेल ऑन दि मैग्नेटिक एवं मैग्नेटोट्रांसपोर्ट पॉपर्टीज़ ऑफ Lao.7 BiO.3Mn03। झा झा, वी.के.; शेख, एम. एम.; चटर्जी, आर.; कुंडू, ए. के.; साइंसजेट 2013, 2, 31।
ग्रीन केमिस्ट्री फॉर नैनोकेमिस्ट्री : एक्सप्लोरिंग मेडिसिनल प्लांस्स फॉर दि बॉयोजेनिक सिंथेसिस ऑफ प्रॉपर्टीज़। आलम, एम. एन.; राय, एन.; मंडल, डी.; बेगम, एन.ए.आरएससी ऐड 2013, 3, 11935।
निकेल (II) क्लोराइड हेक्साहाईड्रेड कैटालाइज़्ड रिएक्शन ऑफ एरोमेटिक अल्डिहाईड्स विथ 2- मरकैप्टो थानोलः फॉर्मेशन ऑफ सुप्रामॉलिक्यूलर हेलीकल असेम्ब्लेज ऑफ दि प्रोडक्ट।
लस्कर, आर.ए.; बेगम, एन.ए., मिर, एम.एच.; रहमान, एम.आर.; खान.एन.टी. रेट्राहेड्रॉन एलईटीटी 2013, 5839।
वैनाडियम (IV) एसिटीलासेटोनेट कैरालाइज़्ड स्टीरियोसेलेक्टिव सिंथेसिस ऑफ? ईनामिनोएस्टर्स एंड? इनामिनन्स। लस्कर, आर.ए.; बेगम, एन.ए.; मीर, एम. एच.; अली, एस.; खान, ए.टी.; रेट्राहेड्रॉय एलईटीटी 2013, 54, 4361।
सिंथेसिस ऑफ क्वाटरनाइज़्ज पॉलि (4-विनाइड पाथरीडाइन) एंड दि स्ट्डी ऑफ एक्सचेंज प्रॉपर्टी। चौधुरी, पी.; साहा, एस.के.; बाएन, एस.पी.जर्नल ऑफ मैक्रोमॉलिक्यूलर साइंस-पार्ट ए; पियोर एंड ऐप्लाईड केमिस्ट्री 2013, 50, 976।
सिंथेसिस ऑफ नावेल एनिलिन इमॉबलाइज़्ड सिलिका गैट फॉर दि सेलेक्टिव एक्सट्राक्शन ऑफ Cr (III)। चौधुरी, पी.; बाएन, एस.पी. डिसैलिनेशन एंड वाटर ट्रीटमेंट, 2013, डीओआई : 10.1080/19443994-2013.803652।
सिंथेसिस ऑफ पॉलि (2-मेथाक्राईलॉयलॉक्सी)–इथाइल ट्राईमिथाइल अभोनियम क्लोराइड)/ सिलिकॉन डाईऑक्साइड नैनोपावहर कम्पोज़िट : स्ट्डी ऑफ इट्स एनियान सेलेक्टिविटी, बायोकम्पेटीबिलिटी एंड एंटीबैक्टीरियल ऐक्टिविटी। चौधुरी, पी.; बाएन, एस.पी.; मंडल, पी.; साहा, एस.के जर्नल ऑफ पॉलिमेरिक मैटेरियल्स 2013, 30 (3), 239।
ऐन इम्प्रुण्ड प्रॉसिड्योर ऑफ मियारनहिता फ्रेटोकॉल फॉर दि प्रिपरेशन ऑफ यूरिडोमियाइलिन डेरीवेटिव्स ऑफ 1, 3-डाईफॉर्बोनिल कम्पाउंड्स। माजी, ए.; कुंडू, एस.के.; सांतरा, एस.; हाजरा, ए. इंडियन जे. केम. 2013, 53, 124।
जिंक ऑयोडाइड : ए माइल्ड एंड इफीशिएन्ट कैटालिस्ट फॉर वन-पॉट सिंथेसिस ऑफ अमिनोइंडोलाइजिन्स वाया सेक्वेशनल A3 कथलिंग/साईक्लोआईसोमराजेशन। मिश्रा, एस.; बाग्दी, ए.के.; हाजरा, ए. आरएससी ऐडवांसेस 2013, 4, 6672।
फोटोफिजिक्स ऑफ सोरेट-एक्साइटेड फ्री बेस रेट्राफिनाइलपॉरफिरिन एंड इटंस जिंक एनॉलाग इन सोलुशन। घोष, एम.; मोरा, ए.के.; नाथ, एस.; चन्द्र, ए.; के.; हाजरा, ए.; सिन्हा, एस।
स्पेक्ट्रोचिमाइका ऐक्टा पार्ट ए : मॉलिक्यूलर एंड बायोमॉलिक्यूलर स्पेक्ट्रोस्कॉपी 2013, 166, 466।
फ्लोरेसेंस सेल्फ-क्वेन्चिंग ऑफ टेट्राफिनाइल पॉरफिरिन एंड इट्स जिंक एनालॉग इन सोलुशन। घोष, एम.; नाथ, एस.; हाजरा, ए.; सिन्हा, एस. जर्नल ऑफ लुमिनेसेन्स 2013, 141, 87।
नैनो इंडियन ऑक्साइड कैटालाइज्ड टंडेम साइक्लाईजेशन ऑफ एमिडाइन विथ नाइट्रोओलेफिन। मित्रा, एस.; बाग्दी, ए. के.; माजी, ए. हाजरा, ए-टेट्राहेड्रॉन एलईटीटी-2013, 54, 4982।
ए सिम्पल एंड इफीशियंट अप्रोच फॉर दि सल्फोनाईलेशन ऑफ इंडोल्स कैटालाइज्ड बाई कुईआई रहमान, एम.; घोष, एम.; हाजरा, ए.; माजी, ए जर्नल ऑफ कल्फर केमिस्ट्री 2013, 34, 342।
रेजियोसेलेक्टिव सिंथेसिस ऑफ पाईरानो (3, 2-a) काउनरिन्स वाया Cu (II) –कैटालाइज्ड टंडेम रिएक्शन, बाग्दी, ए.के.; माजी, ए.; हाजरा, ए. टेट्राहेड्रॉन एनईटीटी 2013, 54, 3892।
सिंथिसिस, स्ट्रक्चर एंड कैटालिटिक ऐस्पेक्ट्स ऑफ दि पलाडियम (II) कॉम्लेक्स [PaLcl] (जहाँ LH=2 फॉरमिल-4 मिथाइल-6-एन इथाइल पाइपेरीडाइनइनमिथाइलफेनॉल) दास, डी.; माइती, पी.; बाग्दी, ए.के.; घोष;

टी.; चट्टोपाध्याय, टी.; दास, एस.; दास, एस.; हाजरा, ए. इंडियन जे. केम. सेक्शन ए 2013, 52, 863।

कॉपर कैटालाइज्ड सिंथेसिसि ऑफ इमिडॉजो [1.2a] पाईराईडाइन्स थ्रू टंडेम इमिन फॉरमेशन ऑक्सीडेटिव साईक्लाजेशन अंडर एम्बिएंट एयर; वन स्टेप सिंथेसिस ऑफ जोलिमिडाइन ऑन ए ग्राम स्केल। बाग्दी, ए. के.; रहमान.; सांतरा, एस.; माजी, ए.; हाजरा, ए. ऐडव, सिंथ. कैरल. 2013, 355, 1741।

आयरन (III) कैटालाइज्ड कैस्केड रिएक्शन बिटविन नाइट्रोऑलिफिन्स खंड-2 अमिनोपाईराईडिन्स; सिंथेसिस ऑफ इमिडॉजो [1,2 a] पाईराईडिन्स एंड इजी एक्सेस

टूवाड्र्स जोलिमिडाइन। सांतरा, एस.; बाग्दी, ए. के.; माजी, ए.; माजी, ए.; हाजरा, ए. ऐडव, सिंथ. कैरल, 2013, 355, 1065।

ट्यूनिंग ऑफ बैरियर क्रॉसिंग टाइम ऑफ ए पार्टिकल बाई टाइम डिपेन्डेट मैग्नेटिक फील्ड; अलेन्दु बरुआ, सोमृता राय एवं विधान चन्द्र बाग, जे.केम. फिजि. 138, 244110 (2013)।

सिनक्रोनाइजेशन ऑफ नॉनआईडेन्टिकल कैपल्ड फेज़ ऑसिलेटर्स इन दि प्रेजेन्स ऑफ टाइम डिले एंड न्वॉमज़; सोमृता राय, मनोज कुमार सेन, अलेन्दु बरुआ एवं विधान चन्द्र बाग, जर्नल ऑफ कॉम्प्लेक्स सिस्टेम्स, 2013, आर्टिकल आईडी 591513, पृष्ठ : 8, http://dx.doi.org/10.1155/2013/591513 (आमंत्रित आर्टिकल)

मैग्नेटिक फील्ड इनड्यूस्ड डायनॉमिकल चाओज़; सोमृता राय, अलेन्दु बरुआ एवं विधान चन्द्र बाग, चाओज़ 23, 043121 (2013); doi : 10-1063/1.4832175।

मेटल नैनो पार्टिकल्स इन "ऑन-वाटर" आर्गेनिक सिंथेसिस : वन-पार्ट नैनो Cuo कैटालाइज्ड सिंथेसिस ऑफ आईसोइंडोला [2,1-a] क्विनाजोलाइन्स। सांतरा, एस.; बाग्दी, ए.के.; माजी, ए.; हाजरा, ए. आरएसी ऐडवांसेस 2013, 3, 24931/ सिंथेसिस ऑफ पॉलिसब्सीट्यूटेड क्विनोलाइन्स वाया कॉपर (II)–कैटालाइज्ड एनुलेशन ऑफ 2- अमिनोएरिल किटोन्स विन एल्काईनोट्स। बाग्दी, ए.के.; सांतरा, एस.; माजी, ए.; हाजरा, ए. आएससी ऐडवांसेस 2013, 3, 24034।

मैग्नेटिकैली सेपारेबल MnFe204 नैनो-मैटेरियल : एन इफिशिएन्ट एंड रिउसेबल हेट्रोजीनियस कैटालिस्ट फॉर दि सिंथेसिस ऑफ 2-सब्सिट्यूटेड बेन्जिमाईडैजोल्स एंड दि एक्सटेन्डेड सिंथेसिस ऑफ क्विनऑक्जालाइन्स ऐट रूम टेम्परेचर ब्रह्मचारी, जी.; लस्कर, एस.;

बारिक, पी.आरएसपी एडवांसेस 2013, 3,14295।

ए न्यू पेंटसाइक्लिक ट्राईटरपेने विथ पोटेन्ट एंटीनैक्टीरियल एक्टिविटी फ्रॉम लिम्नोफिला इंडिया लिन. (डुसे). ब्रह्मचारी, जी; मंडल, एन.सी.; राय, आर; बर्मन, एस,; घोष, आर.; सरकार, एस.के. फिटोटेराविया 2013, 90,104।

डेवलपमेंट ऑफ एन इको फ्रेंडली प्रोटोकॉल पऑर दि एंटीकम्पोनेंटेड वन पॉट सिंथेसिस ऑफ बेंजोपायरानोपिरामिडिक्स एंड 4एच- क्रोमेन्स एट रूम टेम्परेचर यूजिंग सोडियम फॉरमेट ओ ा नॉन-टॉक्सिक कैटालिस्ट। ब्रह्मचारी; जी; एस, एस. हेरेरोसाइक्लिक केम 2013 की पत्रिका (स्वीकृत)'

ब्रह्मचारी, जी; दास, एस. ए. सिम्पल एंड स्ट्रेट पारवर्ड मेथड फॉर वन-स्पॉट सिंथेसिस ऑफ 2, 4, 5- ट्राईअरीलिमिडाजोल्स यूजिंग टिटानियम डॉयऑक्साइड एच एन इको-फ्रेंडली एंड रिसाईक्लेबल कैटालिस्ट ्डर सॉलनेक्ट-फ्री कंडीशन्स। इंडियन डे. केम. 2013, 52बी, 387' सिंथेसिस, स्पेक्ट्रोटकॉपिक कैरैक्टराईजेशन एंड एक्स-रे एनालिसिस ऑफ सिमेक्ट्रीकल विस (बिस-(4-क्लोरोफिनाइल)- मिथाइल) एवं बिस (बिस-(4-फ्लुओरोफिनाइल)-मिथाइल) इथर्स। बनर्जी, जी.; गुप्ता, बी.के.; अंथाल, एस.; कांत, आर.; ब्रह्मचारी, जी. साइनपोस्ट ओपन एक्सेस जर्नल ऑफ आर्गेनिक एंड बायोमॉलिक्यूलर केमिस्ट्री 2013, 1, 231

Ni (clo4)2.6H2o : एन इफीसिएंट कैटालिस्ट फॉर वन पॉट सिंथेसिस ऑफ डेन्सली पंक्शनलाइण्ड पाइपराडाइन स्कैफोल्ड्स वाया मल्टीकम्पोनेंट रिएक्शन इन इथॉनॉल एट रुम टेम्परेचर। दास, एस.; ब्रह्मचारी, जी. साइनपोस्ट एपन, एक्सेस जर्नल ऑफ आर्गेनिक एंड बॉयोमॉलिक्यूलर केमिस्ट्री 2013, 1, 33

रिसेन्ट प्रॉसेस इन दि रिसर्च ऑफ नैचुरल ऑकरिंग फ्लैकेनॉयड्स : ए लुक भू. जाश, एस.के.; ब्रह्मचारी जी साइनपोस्ट ऑफ एक्सेल जर्नल ऑफ आर्गेनिक एंड बॉयोमॉलिक्यूलर केमिस्ट्री, 2013, 1, 65।

नैचुरली ऑकरिंग कैलानोलाइड्स : एन अपडेट ऑन देयर एंटीसच आईवी पोटेन्सियल। ब्रह्मचारी जे. जाश, एस.के. रिसेन्ट पेटेन्ट्स ऑन बॉयोटेक्नोलॉजी, 2013, प्रेस में (एचटी-एसबीजे. बीआईओटी- 0003 - एमएसआई)।

आर्गेमोन मेक्सिकाना : केमिकल एण्ड कर्माकोलॉनिकल एस्थेक्ट्स, ब्रह्मचारी, जी; गोराई, डी.; राय, आर. रिबिस्ट्रा ब्रासिलेइरा डे फर्माकॉग्नोसिया (ब्राजिलियन जर्नल ऑफ कर्माकॉग्नोसी) 2013, मुद्रण की ओर। ई पब मार्च 05, 2013, आईएसएसएन 0102-695 एक्स।

फर्मालॉजिकल प्रॉपर्टीज ऑफ ब्लुटामेटर्जिक ड्रग्स टार्गेटिंग एनएमडीए रिसेप्टर्स एम.; एन्नामोरली, एम.; द्विवेदी, बाई.; ब्रह्मचारी, जी.; गिरार्डि, पी. करेंट फर्मास्यूटिकल डिज़ाइन 2013, 19, 1898।

फेसाइल सिंथेसिस ऑफ सिमेट्रिकल बिस (बेन्जीड्रिल) इथर्स यूजिंग पो. टोलुइनसल्फोनिल फ्लोराइड अंडर सॉल्वेन्ट फ्री कंडीशन्स। जी.; ब्रह्मचारी, बी.बनर्जी आर्गे. मेड. केम. एलईटीटी. 2013, 3 : 1।

इथाइल 4-एनिलियो-2, 6- बिस (4-फ्लोरोफिनाइल)-1 फिनाइल-1, 2, 5, 6 टेट्राहाइड्रोपायरिडाइन-3- कार्वोऑक्सीलेट। संथाल, एस. ; ब्रह्मचारी, जी; दास, एस.; कांव, आर,; गुप्ता, बी.के. एकता क्रिस्टोलाग्राफिका 2013, ई 64,0373-0373।

इथाइल 2,6-बिस (4-क्लोरोफिनाइल)-4- (4- फ्लूरोएनिलिनो)-1-(4-फ्लुरोफिनाइल)-1, 2, 5, 6 टेट्राहाईको पायरिडाइन-3- कार्बोऑक्सालेट, अंथाल, एस.; ब्रह्मचारी, जी.; दास, एस.; कॉल आर.; गुप्ता, बी.के. एकता क्रिस्टालोग्राफिका 2013, ई-69-0454-0455।

वन-पॉट सिंथेसिस ऑफ 3-(एन एल्की लानिलिनो (एरिल) मिथाइल)इंडोल्स वाया ए ट्रांजिशन मेटल एलिस्टेड थ्री कम्नोनेंट कन्डेनमेसन एट रूप टेम्परेचर। ब्रह्मचारी, जी.; द्वारा एस.जे. हेटरोसाइक्लिक केम. 2013, स्वीकृत, प्रेस में (जेएचईटी-1909)।

इको-फ्रेंडली, वन-पॉट मल्टीकम्पोनेंट सिंथेसिस ऑफ पायरान एकुलेट्े हेटरोसाइक्लिक स्केफोल्ड्स एट रूम टेम्परियर यूजिंग अमोनियम अथवा सोडियम फॉरमेट एन मॉय-टॉक्सिक कैटालिस्ट। ब्रह्मचारी, जी; लस्कर, एस.; बनर्जी, बी.जे. हेटरोसाइक्लिक, केम. 2013 स्वीकृत, प्रेम में (जेएचईटी-0566)

स्टेपवाइज़ फॉरमेशन ऑफ ए पैटान्यूक्लियर ni+ca हेप्टोमेटॉलिक कॉम्प्लेक्स एक्जीव्हीटिंग एक परटेक्स. रोयरिंगडिफेक्टिव डबल क्यूबेन कोर एंड डायफेनोऑक्सो एंड फेयाक्सो। एलाइड बिजिंग ग्रुप्स : ए मैंग्नेटी स्ट्रक्चरल एंड प्रीएफी तियोरेटिकल स्टडी, प्रमाणिक, के.; मालपहाड़िया, पी.; मोटा, ए.जे.; कोलासियो, ई.; दास, बी.; एल लॉरेट, एफ.; चन्द्र, एस.के. इनआर्गे. केम. 2013-52, 3995।

ए लुमिनेएन्ट- वाटर सोल्यूबल इन आर्गेनिक को क्रिस्टल फॉर` सेलेक्टिव पिको-मोलर रेंच आर्सेनिक (आईआईआई) सेंसर इन वाटर मीडियम। दे, बी.; सारा, आर.; मुखर्जी, पी.केम.- कम्युन, 2013, 49, 7064।

फोटोएक्टीवेटेड साइक्लाइजेशन ऑफ एरिल- कंटेनिंग इनेडिएन्स कोटेड गोल् नैनोपार्टिकल्सः इनहैन्समेंट ऑफ दि डीएनए क्लिवेज़ एनिलिटी ऑफ इनेडिएन्स : मंडल, एस., डुमुर, एफ. जिग्नेश, डी. बर्टिन, डी. ; बरट्रांड, एम.पी.एंड नेचाब एम. कोलॉयड्स एंडसरफेशेस बी बॉयोइन्टरफेसेस, 2013, 562, 563।

कोऑपरेटिव यूज़ ऑफ बीसडी एंड एक्सआरडी फॉर दि डिटरमिनिशन ऑफ टेट्राहाइड्रोने-जोइसोक्विनोलाइन्स ऐबसोलुट कंफिगरेंशन : ए रिलायब प्रुफ ऑफ मेमोरी ऑफ चिरालिटी एंड रिटेंशन ऑफ कंफिगरेशन इन इनेडिएने रियेरेंचमेंट्स, मंडल एस.; नाउब्रॉन, जे.; कैम्पोलो, डी.; जिआर्जि, एम.; बरट्रांड एम.पी.; नेचान, एम,; चिरालिटी 2013, 25, 832।

न्यू थॉयल्स फॉर फोटोएनिसिएटर-फ्री-थिओल- पॉलिमराज़ेशन। तेफे. एम.; नेचाब, एम; डुगुर, एफ.; बरट्रांड एनान्सियोसेलेक्टिव सिंथेसिस ऑफ कार्बोसाइकल्स एंड हेटरोहराइकल्स बाया रेडिकल। पोलर (एंडवाइए वरसा) कैस्केड्स, मंडल, एम.; नेचाब, एम.; बरट्रांड एम.पी एन्जिउ; केम, ईट-ईडी. 2013, 52,309; एन्जिउ, केम-2013, 225, 839।

एक्सट्रैक्शन क्रोमेटोग्राफिक मेथड ऑफ प्रिकन्सट्रेशन, एस्टीमेशन, एंड कॉन्कोमिटेन्ट सेपारेशन ऑफ नैनाडियम (4) विथ सिलिका जेल-नसीटिक 10 कम्पोजिट। मंडल, बी.; बर्मन, एम.के; श्रीवास्तव, बी.जे क्रोमेटोग्र साइन्स, 2013 डीआई : 10, 1093/क्रोयसी / बीएमटी 160।

डिटेक्शन ऑफ एचजी (2) समिड्स्ट सेवरल हेवी एंड टॉक्सिक मेटल ऑयन्स ऑफ्टर देयर सेलेक्टिव सेपारेशन बाई क्रोमैटो ग्राफी : रेसनलाईजेशन ऑफ सेवारेशन फैक्टर्स इन टर्म्स ऑफ डेन्सिटी फंक्शनल (हाईनेंस) इन्डेन्स श्रीवास्तव, बी.; बर्मन, एम.के.; मंडल, बी. डिसालिनेशन एंड वाटर ट्रीटमेंट 2013, डीआईः 10/1080/19443994.2013.841101।

अल्डोल-टिसचेन्को-टिस्चेन्को रिएक्शन : सोडियम से बुयेऑक्साइड मेडिस्टे का स्टेप फॉरमेशन ऑफ 1, 3-ग्लाईकॉल डाईइस्टर, फ्रॉम बेंजल डिहाइउ एंड आइसो ब्यूटिरोफेनॉन, बौमिक, एस.; बोमिक, के.सी मेन्डेलिव कम्युनिकेशन्स 2013, 33, 76।

थर्मोडायनॉमिक सॉल्वेशन ऑफ? अमीनो ब्यूरिक एसिड इन एक्वश मिक्सचर ऑफ डिपोलर एसोटिक एन.एन. डाईमियाइल फॉर्मागाइड. एम.एस.' महाली, के.; अख्तर, एस.; दोलुई, बी.के. एशियान जर्नल ऑफ केमिस्ट्री 2013, 25, 66681।

सॉल्वेशन थर्मोडाययामिक्स ऑफ एक सीरिजी ऑफ होमोलोग? - अमिनो एसिड्स इन मॉय-एक्वेयस बिनारी ऑफ प्रोटिक इथिलिन ग्लाईकॉल एंड डियोलर एप्रोटिक एसिटोनाईट्राइल। महाली, के. ; राय, एस.; कोलुई, बी.के. जर्नल ऑफ सोल्युशन केमिस्ट्री 2013, 42, 1096।

थर्मोडायनामिक इंटरेक्शन्स ड्यू टू ट्रांसफर ऑफ एमिनो एसिड्स, ग्लाईसाइन एंड डीएल-एलामाइन इन एक्वेयस मिक्सचर ऑफ के सोनोफिलिक डिपोलरा एप्रोटिक एन एन-डिमिथाइल फर्मासाइड, राय, एस.; महाली, के.; सेलुई, बी.के. एशियन जर्नल ऑफ केमिस्ट्री 2013, 25, 2037।

थर्मोडायनामिक सॉल्वेशन ऑफ ए सीरिज़ ऑफ होमोलोगस ? - अमिनो एसिड्स इन`क्वेयस मिक्सचर ऑफ 1, 2-आईमिथोऑक्सीमिथन; राय, एस.; महाली, के.; दोलुई, बी.के.; जर्नल ऑफ सोल्युशन केमिस्ट्री 2013, 42, 2472।

सॉलवेशन केमिस्ट्री ऑफ डीएल- और वलाइन इन एक्वेयस मिक्सचर ऑफ डिपोलर एप्रोटिक ओ एन, एन- डाईमिथाइल -फॉस्मामाइड, महाली, के.; राय, एस.; दोलुई, बी.के. जर्नल ऑफ चाइनीज़ केमिकल सोसाइटी 2013 (स्वीकृत)।

केमिलकल ट्रांसफर इमरजेटिक ऑफ सीरिज ऑफ होमोलोगस? अमिनो रासिड्स इन क्वासी एओटिक 2-मेथॉक्सइथामॉल - वाटर मिक्सचर्स। राय, एम.; महाली, के.; दोलुई, बी.के. जर्नल ऑफ सोलुशन केमिस्ट्री 2013 (प्रेस में)।

कंट्रोलिंग दि इलेक्ट्रानिक एनर्जी लेवल्स ऑफ जेडएनओ क्वॉन्टम डॉट यूजिंग मिक्स्ड कैपिंग लिगैंड्स, साहा, एस.; सरकार, प्रो. आरएससी एडवांसेस 2014, 4, 1640।

बैंडगेप इंजीनियरिंग, ऑफ सीओत टीई नैनोट्यूबल फुलरेने डाईब्रिड नैनोस्ट्रक्चर्स फॉर फोटोबोल्टाइक एथ लिकेशन्स, सरकार, एस.; साहा, एस.; पाल, एस.; सरकार, पी. आरएससी एडवांसेस 2014 (प्रेस में)

इफेक्ट ऑफ एज स्टेट्स ऑफ दि ट्रांसपोर्ट प्रापर्टीज ऑफ पेन्टासेने ग्राफिन नैनोजंक्शन्स, प्रमाणिक , ए.; सरकार, एस.; मंडल, बी.; सरकार, पी. केम. फिजि. एलईटीटी. 2014 (प्रेस में)।

नॉनइक्विलीबीरियम एनट्रापिक टेम्परेचर एंड इट्स लोअर बाउंड और क्वोन्टम स्टोचैस्टिक प्रॉसेसेस. सोमृता राय, अलेन्दु बरुआ, एवं विधान चन्द्र बाग, फिजि. रेक ई 09, 032248 (2014)

कपल्स इनफ्युएन्स ऑफ डैम्प्ड प्रोपोगेशन ऑफ डोपेंट एंड एक्सटर्नल ऑसिलेटरी फिल्ड ऑन एक्साईटेशन काईनेटिक्स ऑफ डॉट ो क्वान्टम डॉट, पाल, एस.; घोष, एम.फिजिका स्ट्रेस सॉलिडी. बी. 2014251, 462

लोकल मेल्टिंग ऑफ चार्ज आईरिंग इन CaBaCo407 बाई सीनि. डॉपिंग। शेख एमएम; प्रलॉग, वी.; कैग्नर्ट, बी.; रावेउ, बी.जेड, अनार्ग, एएलएलजी. केम. 2014 (स्वीकृत)

हाई सेन्सिटिविटी ऑफ मैग्नेरिज्म ऑफ दि "104" फेरीमैग्नेट CaBaCo407 टू स्टोईचिमेट्री डेविसशन, शेख, एम.एम. कैग्नर्ट, बी.; प्रलॉग, बी.; रावेव, बी.जे. फिजिक्स, केम. सॉलिड्स 2014, 75, 79।

क्यूबिक स्ट्रक्चर एवं कैंटेड एन्टीफेरोमैग्नेरिज्म ऑफ CaM27012 डॉप्स विथ ट्राईवैलेन्ट केशन्स (Fe, Al, Cr) शेख एम.एम. कैग्नर्स, बी.; लेकेदेब, ओ. आई.; रावेव, बी. सॉलिड स्टेट कम्युन 2014, 180, 52।

सुरीया कोएनेजी स्प्रेंस लिक एक्सईक्ट : एन इफीसिएन्स शीप मल्टी फंकशनल एजेन्ज फॉर दि कंट्रोल्ड सिंथेसिस

ऑफ एयू नैनौपार्टिकल्स आलम, एम.एन.; दास, एस,; बटुटा, एस.; राय, एन.; चटर्जी, ए.; मंडल, डी.; बेगम, एन.ए.; दास, एस.; बटुटा, एस.; राय, एन.; चटर्जी, एन.; चटर्जी, ए.; मंडल, डी.; बेगम, एन.ए.; एसी रूम सस्टेन, केम. ईएनजी 2014 (एएसएपी)डीओआई : 10, 1021/एससी 400562 ओडब्ल्यू।

अल्ट्रासाउंड एसिस्ट्रेड ग्रीन सिंथेसिस ऑफ पॉलि (बिनाइल अल्कोहल) कैप्ड सिल्वर नैनौपार्टिकल्स फॉर दि स्टडी ऑफ इट्स इंटीफिलारियल इफीकेशी,

साहा, एस के.; चौधुरी, पी., सैनी, सिन्हा बाबू, एस.पी. ऐप्लाइड सरफेश साइंस, 2014, 288, 625।

फंक्शनलाईजेशन ऑफ एसपी बॉण्ड वाया रिडॉक्स-न्यूटूल डोमिनो रिएक्शन : डिसास्टेरियोसेलेक्टिव सिंथेसिस ऑफ हेक्साहाईड्रापाईरोली (2,1-बी) ऑक्साजोल्स। हाजरा, ए.; रहमान, एम.; बाग्दी, ए.के.; मिश्रा, एस.केम. कम्युन 2014, 50, 2951।

नैनो इंडिया ऑक्साइड : सेन इफीशिएन्ट कैटालिस्ट फॉर वन-पॉट सिंथेसिस ऑफ 2,3-डिहाईड्रोक्विजाजोलिन-4 (1 एच)-वन्स विथ ए ग्रीनर प्रॉसपेक्ट। सांतरा, एस.; रहमान, एम.; राय, ए.; माजी, ए.; हाजरा, ए. कैरल, कम्युन, 2014 (प्रेस में)

कॉपर (II)-कैटालाइज़्ड एरोलाइज्ड ऑक्सीडेटिब कपलिंग बिटवीन चालकोन एंड 2-एमिनोपाइरिडाइन वाया सी-एच एमिनेशन : ऐन एक्सपीडिएंट सिंथेसिस ऑफ अरायलीमिडाजो [1, 2a] पाइरीडाइन्स, मोनिर, के.; बाग्दी. ए.के.; मिश्रा, एस.; माजी, ए.; हाजरा, ए.; ऐडवांस, सिंथ, कैरल. 2014 (प्रेस में)

आर्गेनोकैटालिसिस बाई ऐन अप्रोटिक इमिडाजोलियम विहेरियन : ए ड्रामाटिक एनियन-केशन कोऑपरेटिव इफेक्ट ऑन एजाइड-नाइट्राइल साइक्लोएडिशन। रहमान, एम.; राय, ए.; घोष, एम.; माजी, ए.; हाजरा, ए.; आरएससी ऐडवांसेस 2014, 4, 6116।

फेसाइल एंड वन-पॉट एक्सेस टू डाइवर्स एंड डेन्सली फंक्शनलाइज्ड 2-अमिनो-3-सिएनो-4 एच-पाइरन्स एंड पायरन-एनुलेटेड हेटेरोसाइक्लिक स्कैफोल्ड्स वाया एन इको-फ्रेंडली मल्टीकम्पोनेंट रिएक्शन एंड रूम टेम्परेचर यूजिंग यूरिया ऐज ए नावेल आर्गेनो-कैटालिस्ट। ब्रम्हचारी, जी.; बनर्जी, बी. एसीएस सस्टेनेबल केमिस्ट्री एंड इंजीनियरिंग 2014, डीएक्स. डीओआई.ओआरजी/10.1021/sc 40031 एन।

(द) कम्प्यूटेशनल स्ट्डीज ऑन दि इफेक्ट ऑफ सॉल्वेन्ट्स एंड कैटालिस्ट ऑन दि स्टोरियो-एंड रेजियो-स्पेसिफिसिटी ऑफ 1, 3-एच शिफ्ट रिएक्शन्स रिलेवेन्ट टू दि सिंथेसिस ऑफ बॉयो-ऐक्टिव आर्गेनिक कम्पाउंड्स।

(ई) ईको-फ्रेन्डली एंड इकोनॉमिक सिंथेसिस एंड कैरेक्टाराइजेशन ऑफ एनर्जी रिलेवेन्ट नैनोमैटेरियल्स उदाहरणार्थ सेमिकण्डक्टर एंड मैग्नेटिक नैनोमैटेरियल्स विथ एन इम्फेजाइज़ ऑन देयर कंट्रोलेबल स्ट्रक्चर्स एंड टेलर्ड रिएक्टिविटी।

(च) डेवलपमेंट ऑफ बॉयोजेनिक/ग्रीन रुट्स फॉर दि सिंथेसिस ऑफ बॉयो-कैम्पीटेबल पॉलिमेरिक।

(छ) नैनोकम्पोजिट्स एंड मेटल नैनोपार्टिकल फॉर देयर बॉयो-मेडिकल ऐपलिकेशन्स।

(ज) एक्सप्लोरेशन एंड एक्सप्लॉयटेशन ऑफ नॉवेल एंड ग्रीन नैनो-कैटालिस्ट फॉर दि सिंथेसिस ऑफ बॉयोलॉजिकैली रिलेवेन्ट मॉलिक्यूल्स।

(झ) डेवलपमेंट ऑफ फेसाइल सिंथेटिक रुट्स फॉर वर्सार्टाइल आर्गेनोमेटालिक सुप्रामॉलिक्यूलर आर्किटेक्चर्स एंड इनआर्गेनिक को-क्रिस्टल्स फॉलोड बाई देयर कैरेक्टाराइजेशन।

(स) सिंथेसिस एंड स्ट्डीज ऑन दि प्रॉपर्टीज ऑफ ट्रांजिशन मेटल ऑक्साइड्स विथ ट्रांगुलर एरेंजमेंट ऑफ ऑक्सीजन फ्रेमवर्क (ट्रांगुलर एंड कागीमे लैरिसेस) एक्जीव्हीटिंग मैग्नेटिक फ्रस्ट्रेशन।

(ट) डेवलपमेंट ऑफ बायो-फ्रेंडली सॉल्डि फेज़ एक्सट्राक्टर्स फॉर मेटल ऑयन सेपारेशन।

(ठ) इको-फ्रेंडली सिंथेसिस ऑफ बॉयोकम्पेटिबल, थर्मो-सेंसिटिब एंड कंडक्टिंग पॉलिमर एंड पॉलिमर/सिलिका नैनोपार्टिकल कम्पोज़िट।

(ड) स्ट्डीज ऑन दि काईनेटिक्स ऑफ मेटल नैनोपार्टिकल कैटालाइज्ड रिडक्शन्स ऑफ बॉयोलॉजिकली रिलेवेन्ट ट्रांजिशन मेटल कॉम्प्लेसेस टू एक्सप्लोर मेकानिल्टिक पाथवेज़ ऑफ सम इम्पोर्टिन्ट बॉयोलॉजिकल रिडॉक्स प्रॉसेसेस।

कोई अन्य सम्बद्ध सूचना

हमारे पाठ्यचर्या अध्ययन कार्यक्रम के अतिरिक्त हम निम्नलिखित कार्यक्रम का आयोजन करेत हैं :

(1) रसायन शास्त्र के उच्च शिक्षा विषय पर विद्यार्थियों की संगोष्ठी एवं सामूहिक बातचीत लागू किये गये हैं। विद्यार्थियों की अपने वि,य पर बातचीत के लिए प्रस्तुतिकरण के योग्य के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

(2) सक्षम व्यक्ति एवं पूर्व विद्यार्थियों (विभाग के विशिष्टों) को मौजूदा विद्यार्थियों एवं सदस्यों के साथ बातचीत करने एवं उन्हें दिशा-निर्देशित करने के लिए आयोजित किया जाता है।

(3) नियमित अन्तराल से कल मैगाजिन का प्रदर्शन हमारे विभाग का जाना पहचाना अभ्यास है।

गणित विभाग

यूजीसी/सीएसआईआर-नेट, सेट, गेट

नाम यूजीसी/सीएसआईआर-नेट/सेट/गेट

अभिषेक सरकार, लेक्चरशिप : (सीएसआईआर-नेट), गेट

आइनूल हॉक, लेक्चरशिप : (सीएसआईआर-नेट), गेट

लोकनाथ कुन्डू, लेक्चरशिप : (सीएसआईआर-नेट)

मनामी चटर्जी, लेक्चरशिप : (सीएसआईआर-नेट), गेट

स्वराज पॉल जेआरएफ : (सीएसआईआर-नेट), गेट

तुषार कांति दास : जेआरएफ : (सीएसआईआर-नेट), गेट

उपासना सामंत : सीएसआईआर-नेट लेक्चरशिप

कणिका मंडल : गेट

विभागीय , संगोष्ठी (वक्ता, संगोष्ठी का विषय, तिथि) :

अ. राष्ट्रीय संगोष्ठी

राष्ट्रीय संगोष्ठी का विषय :नॉनलाइनियर मैथमेटिक्स पर वर्तमान दृष्टिकोण एंड उसके प्रयोग, तिथि : 25-26, मार्च 2014, डी.आर.एस.एस.पी. के अधीन (फेज-II)

इस संगोष्ठी का उद्देश्य सभी थियोरीटिसियन्स की जो, विभिन्न प्रकार के गणितीय औजारी एवं तकनीकी विकास में लगें है उन्हें एवं गणित, जीव विज्ञान रसायन विज्ञान आदि क्षेत्रों के शोधकर्ताओं की एक साय लाना था एवं नॉनलाइनियर मैथमैटिकल पद्धति पर उपलब्ध औजारी, कार्यप्रणाली सामयिकी सूचनाओं पर विस्तृत चर्चा करना था। हम दृढ़ता से विश्वास करते हैं कि वे नॉनलाइनियर मैथमैटिकल विज्ञान के वर्तमान विकास के पहलुओं पर अपनी विचार एवं मतों का आदान-प्रदान करेंगे एवं बातचीत, विस्तृत विचार विमर्श के द्वारा नॉनलाइनियर विज्ञान पर हमें एक नवीन दृष्टिकोण प्रदान करेंगे। आमंत्रित वक्तायों की सूची : 1. डॉ. ए. बन्दोपाध्याय, यादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता, 2. प्रो. बी. समाद्दार, बेसु, हावड़ा, 3. प्रो. चंचल कुमार बासु, पं. बंगाल राज्य विश्वविद्यालय, बारासात, 4. डॉ. डी. दे, कल्याणी विश्वविद्यालय, कल्याणी, 5. प्रो. डी. के. गांगुली, कलकत्ता विश्वविद्यालय, 6. प्रो. डी. पी. दत्ता. नार्थ बेंगल विश्वविद्यालय, दार्जिलिंग, 7. प्रो. जी. पी. सामंत, बेसु, हावड़ा, 8. प्रो. जी. रंगराजन, आईआइएससी, बैंगलूर, 9. प्रो. के. कुमार, आइआइटी, खड़गपुर, 11. डॉ. एस. साहा, वर्धमान विश्वविद्यालय, 12. प्रो. पी. गुहा, एसएनबीएनसीबीएस, कोलकाता, 13. डॉ. पी. पाल, एनआइटी, दुर्गापुर, पं. बंगाल, 14. प्रो. आर साहादेवन, आरआईएएसएम, मद्रास विश्वविद्यालय, 15. प्रो. एस. भट्टाचार्य, आइआइटी, खड़गपुर, 16. प्रो. एस. चक्रवर्ती, यादवपुर विश्वविद्यालय, 17. डॉ. एस. घोष, कलकत्ता विश्वविद्यालय।

(बी) विभाग के विजिटिंग प्रोफेसर :

प्रो. एम. वन्निनाथन टीआइएफआर सेंटर फॉर एपलिकेवल मैथमैटिक्स, गणित विभाग का दौरा किया 28 फरवरी से 15 मार्च, 2014 फॉर्मेसन ऑफ डिफरेंसियल इक्युएशेन पर एक वक्तव्य दिया।

1-2 मार्च, 2014 : राष्ट्रीय कार्यशाला : मैथमैटिक्स टीचिंग अंडर सेमेस्टर सिस्टिम एट अंडरग्रैजुएट लेवेलः प्रेस-पेक्टिक्स एवं स्ट्रेटिज्स। सेंटर फॉर मैथमैटिक्स एडुकेशन, गणित विभाग में आयोजित हुआ, शिक्षा भवन, विश्व भारती, शांतिनिकेतन। निम्न शिक्षकों ने भाग लिया – प्रो. श्यामल कुमार सामंत, प्रो. दुलाल पाल, प्रो. शांताव्रता चक्रवर्ती, प्रो. स्वपन राहा, डॉ. पी. चटर्जी, डॉ. प्रशांत कुमार मंडल, डॉ. मदन मोहन पांजा, डॉ. तारापद बाग, डॉ. दिवेन्दु बनर्जी, डॉ. तापस राय महापात्र, डॉ. अंजन कुमार भूनिया, डॉ. सुभासिस राय, डॉ. अमर प्रसाद मिश्रा, मि. कल्याण हाँसदा, मि. लक्ष्मी नारायण गुइन, मि. निखिल पाल, मि. मिजानपुर रहमान एंड

अंतर्राष्ट्रीय कॉनफारेंस ऑन नॉन-लिनिआर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग :

डॉ. सर्वानी देवनाथ

23-24 दिसंबर, 2013 : मॉडलिंग ऑफ क्वांटम प्लाजा पर वक्तव्य : साम अपलिकेशंस डॉ. अमर प्रसाद मिश्रा द्वारा नॉनलिनियर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के अंतर्राष्ट्रीय कॉनफारेंस में कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एवं मैनेजमेंट, कोलकाघाट, पं. बंगाल में।

28-30 जनवरी, 2014 : तृतीय अंतर्राष्ट्रीय कॉनफारेंस मैथमैटिक्स एवं एपलिकेशन गणित विभाग, बर्धमान विश्वविद्यालय, में डॉ. अमर प्रसाद मिश्रा द्वारा 'जेनेरेशन ऑफ रॉग वेब्स इन प्लाजा' पर पेपर पढ़ा गया।

6-7 मार्च, 2014 : राष्ट्रीय संगोष्ठी एमरजिंग ट्रेंड्स इन फिजिक्स ऑफ प्लुयड्स एवं सॅलिड्स, गणित विभाग, यादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता में डॉ. अमर प्रसाद मिश्र द्वारा 'सॉलिटरी वैब्स इन एक्स मैगनेटाइज्ड डॉस्टि इत्कॉट्रान फ्री प्लाजा' पर पेपर पढ़ा गया।

10-12 मार्च, 2014 : एक प्रस्तुति हुई "ए भुलेशन ऑफ स्पाटियोटेमपेरोव कॉउस इन प्लाजा" डॉ. अमर प्रसाद मिश्र के द्वारा तृतीय अंतर्राष्ट्रीय सिमपोसियम ऑन कॉमप्लेस डाइनामाइसियल सिस्टम एवं एपलिकेशंस एट इंडियन स्टेटिसटिकल इन्सट्यूट, कोलकाता।

शोधरत कार्य :

राष्ट्रीय : (1) डीएसटी प्रायोजित कार्य शीर्षक "नॉनलाइनियर स्ट्रस्चरस इन क्वांटम प्लाजा" (2012 से अब तक) अनुदान प्राप्त रु. 13, 70,000.00

(2) यूजीसी द्वारा प्रायोजित लघुकार्य शीर्षक "द स्ट्डी ऑफ द स्टेबिलिटी एंड स्पेटियल पेंटर्न थ्रॉ डिफुशन-ड्राइवन इंसट्बलिटी इन ए प्रोडेटर-प्रे मॉडल" दो साल की अवधि वी. इ. ए. 01. 07. 2012 अनुदान प्राप्त–रु. 66,000.00।

(बी) अंतर्राष्ट्रीय वृत्तिय संख्या–कोई नहीं

विस्तार गतिविधियों/एनएसएन/सांस्कृतिक एंड अन्य कार्यसूचियों जो विभाग की तरफ से हुआ एवं जिसमें विभाग के शिक्षक एवं छात्रों ने भाग लिया :—

विभाग की तरफ से वार्षिक भ्रमण 2013-14 का आयोजन हुआ तिरूवन्नंतपुरम एवं चेन्नई के लिए एवं 29 दिसंबर 2012 से 5 जनवरी 2013 तक आस-पास के क्षेत्र का भ्रमण। 95 छात्रों ने भाग लिया, शिक्षकों के अनुरक्षक में।

शीर्षक उच्चता प्राप्ति शिक्षको/विज्ञानों द्वारा या संपूर्ण विभाग :

विभाग एक विशेष सहायता कार्यक्रम शुरू कर रहा है शीर्षक "नॉनलाइनियर सिस्टेम्स विथ थ्रस्ट ऑन फ्लुयड मेकिनस सॉपोटैड बाई क्वांट्म मेकनिस एंड फजी मैथमैटिक्स" विभाग को डीएसटी भारत सरकार के अधीन फीस्ट कार्यक्रम 2004 से (एसएपी-डीआरएस फेज-II) यूजीसी 2013-14 के दौरान नामंकित से आर्थिक सहायता भी प्राप्त हो चुका है।

(बी) शैक्षणिक उच्चता प्राप्त शिक्षक

एस. के. सामंत

निम्न जर्नलस के संपादकीय-बोर्ड के सदस्य :-

नॉनलाइनियर विज्ञान एवं अनुप्रयुक्त का जर्नल फिक्सड पॉवंट थियोरी एवं अनुप्रयुक्त का जे. पी. जर्नल।

निम्न अंतर्राष्ट्रीय जर्नल समीक्षक :-

फजी सेट्स एवं सिस्टम्स (एलसिवर)

कॉम्प्यूटरस एवं मैथमैटिक्स विथ एपलिकेश (एलसिवर)

सूचना विज्ञान (एलसिवर)

कॉम्प्यूटर मैथमेटिक्स का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल

दुलाल पाल

जर्नल समीक्षक :-

स्पेशल टॉपिक्स एवं रिम्यूस इन पोर्स इंडिया (बेंगल हॉवस)

केमिकल इंजीनियरिंग कॉम्यूनिकेशंस (टेयलर एवं फ्रेंसिस)
कम्यूनिकेशन इन नॉनलाइनियर विज्ञान एवं न्यूमेरिकल स्मूयलेशन्स (एलजिवर)
एनर्जी–5 इंटरनेशन जर्नल (एलजीवर)
इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हीट एवं ट्रांसफर (एलजीवर)
मेकानिका (स्प्रिंजर)
इंटरनेशनल जर्नल ऑफ थर्मल विज्ञान (एलजीवर)
जर्नल ऑफ पोरस इंडिया (बेंगल हॉवस)

एस. चक्रवर्ती

अमेरिकन मैथमैटिकल सोसाईटी (एएमएस) एवं कलकत्ता मैथमैटिकल सोसाईटी के सदस्य

निम्न जर्नल के समीक्षक :—

इंटरनेसनल जर्नल ऑफ बॉयोमैथमैटिकल (वर्ल्ड सांटिफिक पब्लिशिंग कंपनी)
केमिकल इंजीनियरिंग कॉम्युनिकेशंस (टेलर एवं फ्रांसीस ग्रूप) जर्नल ऑफ मेकानिक्स इन मेडिसिन एवं बॉयलॉजी (वर्ल्ड साइटिफिक पब्लिशिंग कंपनी)।
एपलिकेशंस इन एप्लाइड मैथमैटिक्स (ए एवं एम विश्वविद्यालय, टेक्सस, यूएसए)

स्वपन राहा

निम्नलिखित जर्नल के समीक्षकः
आईईईई ट्रांजेक्सन ऑन फिजी सिस्टम

प्रशांत चटर्जी

आजीवन सदस्य, ऐशियन अफ्रीकी एसोसियशन फॉर पलासमा।

निम्नलिखित पत्रिकाओं के समीक्षकः

इंडियन जे फिजिक्स
फार्मा जर्नल ऑफ फिजिक्स
यूरोफिजिक्स लेटर्स
अर्थ मून एंड पलांटस
एस्ट्रोफिजिक्स एंड स्पेश साइंस
एडभांस इन स्पेश रिसर्च

प्रशांत कुमार मंडल

बायोमेडिकल इंजीनियरिंग के आईएसआरएन जर्नल (हिंदवी प्रकाशन) के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के सदस्य, जीवन सैद्धांतिक और व्यावहारिक यांत्रिकी के लिए भारतीय समाज के सदस्य (इसतामा) और गणितीय अमेरिकन सोसायटी के सदस्य।

निम्नलिखित पत्रिकाओं के समीक्षकः

मेकानिका (प्रेसः स्प्रिंगर)
केमिकल इंजीनियरिंग कम्युनिकेशंस (प्रेसः टेलर एंड फ्रांसिस)
बायोमेकेनिक और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में कम्प्यूटर तरीके (प्रेसः टेलर एंड फ्रांसिस)
तरल पदार्थ में संख्यात्मक तरीकों के लिए इंटरनेशनल जर्नल (प्रेसः जॉन विले एंड संस लिमिटेड)
बायोमेडिकल इंजीनियरिंग में संख्यात्मक तरीकों के लिए इंटरनेशनल जर्नल (प्रेसः जॉन विले एंड संस लिमिटेड)
थर्मल विज्ञान के इंटरनेशनल जर्नल (प्रेसः एल्सेविअर)
गैररेखीय विज्ञान और संख्यात्मक सिमुलेशन में कम्युनिकेशंस (प्रेसः एल्सेविअर)
अनुप्रयुक्त गणित और संगणना (प्रेसः एल्सेविअर)

गणितीय समीक्षा (प्रेसः गणितीय अमेरिकन सोसायटी)

मदन मोहन पांजा

23-28 सितंबर 2013: डीएसटी, भारत सरकार द्वारा प्रायोजितः जटिल प्रणाली की गतिशीलता, एनपीडीए -टीसीए के तहत अंतर नन लाईनर समीकरणों पर उन्नत स्तर कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति। भारत की अनुप्रयुक्त गणित, कलकत्ता विश्वविद्यालय के विभाग द्वारा आयोजित।

कोलकाता के जादवपुर विश्वविद्यालय के एक स्नातक छात्र के प्रेरित फैलोशिप के तहत निर्देशित परियोजना का काम।

दिब्येंदु बनर्जी

निम्नलिखित जर्नल के समीक्षकः

गैररेखीय विज्ञान और अनुप्रयोगों के जर्नल ब्रैडफोर्ड, ब्रैडफोर्ड में पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय।

तारापदा बैग

निम्नलिखित पत्रिकाओं के समीक्षकः

ईरानी फजी प्रणालियों के जर्नल (सिस्तान के विश्वविद्यालय और बालुचिस्तान, ईरान)

फजी सूचना और इंजीनियरिंग (स्प्रिंगर-वेरलाग)

गणितीय समीक्षा (गणितीय अमेरिकन सोसायटी)

अंजन कुमार भुनईया

निम्नलिखित पत्रिकाओं के समीक्षकः

सेमिग्रुप फोरम

सॉफ्ट कम्प्यूटिंग

फिलोमाट

गणित के दक्षिण पूर्व एशियाई बुलेटिन

अमर प्रसाद मिश्र

प्लाजा साइंस सोसाईटी ऑफ इंडिया (पीएसएसआई) एवं आईएसीएस, कोलकाता के आजीवन सदस्य।

निम्न जनरल के समीक्षक :

फिजिक्स ऑफ प्लाजास् (अमेरिकन इन्सट्यूट ऑफ फिजिक्स)

फिजिक्स लेटरस ए (एलसेवियर साइंस)

प्लाजा फिजिक्स एवं कनट्रोल्ड फ्यूसन (आईओपीएससी) जनरल ऑफ जियोफिजिकल रिसर्च (विलेय ऑनलाइन लाइब्रेरी)

एस्ट्रीफिजिक्स एवं स्पेस साइंस (स्प्रिंजर)

जनरल ऑफ प्लाजा फिजिक्स (अक्सफोर्ड विश्वविद्यालय प्रेस)

ऑपटिक्स एंड लेजर टेक्नॉलजि (इलसेभियर साइंस)

यूरो फिजिक्स लेटरस (ईपीएस एवं आई ओ पी)

युरोपियन फिजिकल जनरल बी, डी एंड ई, फ्रांस एडवांससेस इन स्पेस रिसर्च (एलसिभर साइंस) आईईटी ट्रांससेक्सनस ऑन प्लाजा साइंस वेबस इन रेनडम एंड काम्पेलक्स मीडिया (टेलर एवं फ्रांसिस) आपटिक्स कॉम्यूनिकेशंस (एलसिभर साइंस)

फिजिक्स रोभिउ एवं रिसर्च इंटरनेशनल (साइंसडोमेन इंटरनेशनल)

अप्रैल 2013–मार्च 2014 के प्रकाशन

एस. के. सामंत

फिनिट डाईमेनसिनल फजी नर्मड लाइनियर स्पेस, टी बाग एंड एस. के. सामंत, द एनलस ऑफ फजी मैथमैटिक्स एंड इंफरमेटिक्स, 6 (2), 2013, 271-203, आईएसएसएन : 2093-9310

'साफटनेस ऑफ ए साफ्ट सेट : सॉफ्ट सेट इनट्रोपी, पी. मजुमदार एवं एस. के सामंत, द एनल ऑफ फजी मैथमैटिक्स एंड इनफरमेटिक्स, वॉल्यूम 6, नं.-1, (2013), 57-68, आईएसएसएन : 2093–9310
रिलेशन विटविन फजी नर्मड लाइलियर स्पेज एंड जेनेरेटिंग स्पेस ऑफ क्वासि-नार्म फैमिली, जी. रीनू, टी बाग एवं एस. के. सामंत, द जनरल ऑफ फजी मैथमैटिक्स, वॉल्यूम 21 (3), 2013, 677-688, आईएसएसएनः 1066-8950
फाइनिट डाइमेंशल जेनेरेटिंग स्पेस ऑफ क्वासि-नार्म फैमिली, जी. रानी, टी बाम एंड एस. के. सामंत, इरानियन जनरल ऑफ फजी सिस्टम वॉल्यूं 10 (5) 2013, 113-125
एसटेंशनस ऑफ आर.बी.ओ. टोपोलोजिकल स्पेस, सुजय दास एवं एस. के. सामंत, द एनल ऑफ फजी मैथमटिक्स एंड इनफॉरमेटिक्स, वॉल्यूम 6, नं. 2 (2013), 295-314, आईएसएसएन : 2093-9310
ऑन ए फिकस्ड पॉवेंट थिपोरम फॉर ए साइक्लिकल केतनन-टाइप मैकिंग, मित्रोपम चक्रवर्ती एंड एस.के.सामंत, फैक्टा विश्वविद्यालय (एनआईएस), वॉल्यूम 28, नं. 2, (2013), 170-188
ऑन मल्टिसेट्स एंड मल्टिग्रूप्स, द एनल ऑफ फजी मैथमैटिक्स एंड इनफॉरमेटिक्स, एस के नाजमूलस पी. मजुमदार एंड एस. के. सामंत, वॉल्यूम 5, नं. 3, (2013), 643-656, आईएसएसएन : 2093-9310
'कॉनेक्टएडनेज इन टॉपलॉजी ऑफ इनट्यूटिऑनिस्टिक फजी रॉफ सेट्स', एच. हाजरा एंड एस. के. सामंत, साइंटिया मागना, वॉल्यूम 9 (2013), नं. 2, 1-2
ऑन साफ्ट मैट्रिक स्पेस, सुजय दास एंड एस. के. सामंत, जे. फजी मठ, वॉल्यूम-21, 3, (2013), 707-734
इनट्यूटिऑनिस्टक एल-फजी साफ्ट सेट्स एंड इनस्टूटिऑनिस्टिक एल-फजी सफ्ट ग्रूप्स; एस. के. नाजमूल एंड एस. के. सामंत, जनरल ऑफ फजी मैथमैटिक्स वॉल्यूम 21, नं. 2. 2013, 371-286
'साफ्ट मेट्रिक', सुजय दास एंड एस. के. सामंत, एनल्स ऑफ फजी मैथमैटिक्स एंड इनफॉरमेटिक्स, वॉल्यूम-6, नं.1, 2013, 77-94, आईएसएसएन : 2093–9310
डिसिसन मेकिंग बेसड ऑन सिमिलॉरिटी मेर्जस ऑफ वेग्यु साफ्ट सेट्स, पी. मजुमदार एवं एस. के. सामंत, जनरल ऑफ इटेलिजेंट एंड फजी सिस्टेमस, वॉल्यूम-24, नं.-3, 2013, 637-646
नेवरहुड प्रोपार्टीज ऑफ साफ्ट टोपोलीजिकल स्पेस, एस. के. नाजमूल एंड एस. के. सामंत
एनल्स ऑफ फजी मैथमैटिक्स एंड इनफॉरमेटिक्स, वॉल्यूम-6, नं. 1, 2013, 1-5, आईएसएसएन : 2093-9310
ऑन इनट्यूटिऑनिस्टिक फजी कॉनट्यूनिटी एंट वाउंडनेस, पी. मजुमदार एंड एस. के. सामंत, द जनरल ऑफ फजी मैथमैटिक्स, 21 (3), (2013), 531-542, आईएसएसएन : 1066-8950
ऑन सिमिलारिटी एंड इनट्रीपी ऑफ न्यूट्रीसीफिक सेट्स, पी. मजुमदार एंड एस. के. सामंत, जनरल ऑफ इंटेलिजेंट एंड फजी सिस्टम 26 (2013), 1245-1252
हाहन वानथ एक्सटेंशन थियॉरम इन जेनेरेटिंग स्पेस ऑफ क्वासि नार्म फैमिली', जी रानी, टी बाग एवं एस. के. सामंत, द एनल ऑफ फजी मैथमैटिक्स एंड इनफॉर मेटिक्स, वॉल्यूम 7 नं. 2 (2014), 239-249, आईएसएस एन : 2093-9310
साफ्ट लाइनियर फांसनल इन साफ्ट र्मड लाइनियर स्पेस सुजय दास एंड एस. के. सामंत, एनल्स ऑफ फजी मैथमैटिक्स एंड इनफारमेटिक्स, वॉल्यूम 7 (4), 2014, 629-651, आईएसएसएन : 2093-9310

दुलाल पाल

एमएचडी मिक्सड कॉनमेक्टिव हीट एंड मॉस ट्रांसफर इन ए भिसकोइतासटिक फ्लूइड इन ए पोरस मिडियम टूवर्डस ए स्ट्रेचिंग सीट विथ वीकस ओह्मिक हीटिंग एंड केमिकल रिएकसनु दुलाल पाल एवं स्वेली चटर्जी, केनाडियन जनरल ऑफ केमिकल इंजीनियरिंग, वॉल्यूम 91, 2013 (प्रकाशित ऑनलाइन : 25 जुलाई 2013) (विले जनरल) डीओआई : 10.1002/सी.जे.सी.ई.21829, आईएसएसएन : 1939-019एक्स।
'एमएचडी कॉनवेक्शन-डिस्सीपेंसन हीट ट्रांसफर ओवर ए नॉनलाइनियर स्ट्रेचिंग एंड शिरकिंग सीट्स इन नैनोफ्लूइड्स विथ थर्मल रेडियेशन', दुलाल पाल, गोपीनाथ मंडल, के. वाजरामेलू इंटरनेशनल जनरल ऑफ हीट एंड मॉस

ट्रांसफर 65 (2013) 481-490 (इलसेवियर जनरल) आईएसएसएन : 0017-9310

'इनफ्लूयेंस ऑफ हॉल कॉरेन्ट ऐ थर्मल रेडियेशन ऑन एमएचडी कॉनमेकटिव हीट एंड मॉसल ट्रांसफर इन ए रोटिंग पोरस चैनल विथ केमिकल रिएक्सन', दुलाल पाल एवं बाबूलाल तालुकदार, इंटरनेशनल जनरल ऑफ इंजीनियरिंग मैथमैटिक्स, वॉल्यूम 2013, आर्टिकल आइडी 367064 (2013) 13 पेजे, (हिंदगे प्रकाशन)

हॉल कारेंट एंड एमएचडी एफेक्ट ऑ हीट ट्रांसफर ओवर एन अनस्टीडी स्ट्रेचिंग परमियेबल सरफेस विथ थर्मल रेडियेशन', दुलाल पाल, कम्प्यूटर्स एंड मैथमैटिक्स विथ एपलिकेशनस, 66 (2013) 1161–1180 (एलसेवियर जनरल) आईएसएसएन : 0898-1221

'कॉनमेक्टिव-रेडियेशन एफेक्ट ऑन स्टेगनेशन पांवट फलो ऑफ नॉनोफ्लूइड ओवर एक स्ट्रेचिंग। सिकिंग सर्फेस विथ विसकॉस डिस्सिपेसन', दुलाल पाल, गोपीनाथ मंडल, के. वाजरा भेलू, जनरल ऑफ मैकानिकलस, मार्च 2014 पीपी–1 ऑनलाइन प्रकाशित) (केमब्रिज विश्वविद्यालय प्रेस, युनाइटेड किंगडम) डीओआई : 10.1017/ जेएमडीएच. 2014.8, आइएसएसएन : 1727-7191, ईआईएसएसएन : 1811-8216

ऐफेक्ट ऑफ टेम्परेचर–डिपेंडेट बिसकोसिटी एंड भेरेएवल थर्मल कॉनडॉक्टबिटि ऑन एमएचडी नॉन–डारसि मिकस्ड कॉनमेक्टिव डिफ्यूशन ऑफ स्पिसिस ओवर ए स्ट्रेचिंग सीट; दुलाल पाल एवं हिरणमय मंडल, जनरल ऑफ इज्पिटियन मैथमेटिकल सोसाइटी 22 (2014), 123-133 (एलसेवियर जनरल) आइएसएसएन : 1110-256एक्स।

सीरेट-ड्यूफर एफेक्ट ऑन हाइड्रोमैग्नेटिक नॉन-डारसि कॉनमेक्टिव-रेडियोटिव एंड मॉस ट्रासंफर ओवर ए स्ट्रेचिंग सीट इन पोरस मीडियम विथ मिसकॉस, डिस्सिपेशन एंड मोहमिक् हीटिंग', दुलाल पाल एवं हिरणमय मंडल, जनरल ऑफ एपलाइड फ्लूइड मैकानिकस 7 (3), अक्टूबर 2014। (पेपर आईडी : 20357), आईएसएसएन : 1735-3572, ईआईएसएसएन : 1735-3645।

ऐफेक्ट ऑफ रेडियेशन ऑन डॉरसि–फारनियर कॉनवेंटिव फ्लो ओवर एवं स्ट्रीचिंग सीट इन ए माइक्रोपोलर फ्लूइड विथ नॉन-यूनिफर्म हीट सीसि। सिंक' दुलाल पाल एवं स्वेली चटर्जीस जनरल ऑफ एपलाइड फ्लूइड मैकानिक्स, मार्च 2014, आइएसएसएन : 1735-3572, ईआईएसएसएन-1735-3645

शांताव्रता चक्रवर्ती

न्यूमेरिकल सिमूलेशन ऑफ केशॉन फ्लूइड फलो थ्री डिफरेंटलि सेप्ड आर्टिकल स्टेनोसेस; सरिफ्फूदित एस. चक्रवर्ती एंव पी. के. मंडल, जेएएमप (डीओआई 10.1007/एस. 00033-013-0374-5) (2013)

फिजियोलॉजिकल फजी ऑफ सेयर-थिनिंग विसकोएलास्टिक फ्लूइड पास्ट एन इरेगुलार आर्टिकल कॉन्सटिक्स शरीफउद्दीन, एस. चक्रवर्ती एवं पी. के. मंडल, कोरिया, अस्ट्रेलिया रियोलॉजि जनरल, वॉल्यूम-25, नं. 3, 163-174 (2013)

हीट ट्रास्फर टू माइक्रोपोलर फ्लूइड फ्लोइंग थ्रो एन इरेगुलार आर्टियल कॉन्सट्रिकसन, शरीफउद्दीन, एस. चक्रवर्ती एवं पी. के. मंडल, इंटरनेशनल जनरल ऑफ हीट एंड मॉस ट्रांसफर, वॉल्यूं 56, 538-551 (2013)

स्पप्न राहा

'फजी फिलप–फ्लॉप एस फजी सिस्टमस', एच. एस. गुप्ता एस. राहा, एनल्स ऑफ फजी मैथमैटिक्स एंड इनफॉरमेटिक्स, वॉल्यूम-7, नं. 4, 2014, पीपी-579-606।

जेनेरालाइस्ड डिसजंटिव सिल्लोजिस्म इन इनभर्स एप्परोसि मेट रिंसनिंग', बी. मंडल, एस. राहा, इन प्रो, ऑफ द द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय कॉनफारेन्स अन रॉफ सेट्स, फजी सेट्स एंड सफ्ट कॉम्प्यूटिंग (आइसीआरएफएससी 12), गणित विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय, सुयमिनीनगर, त्रिपुरा, भारत, जनवरी 17-19, 2013।

प्रो. प्रशांत चटर्जी

इंटरऐकशन ऑफ सिलींड्रिक्ल एंड स्फेरिक्ल आयन एकोस्टिक सॉलिटरी वेबस विथ सुपरथरमल इलेक्ट्रानस एंड पीसिट्रांस', युएन घोष एंड पी. चटर्जी, एस्ट्रीफिजिक्स एंड स्पेस विज्ञान 344, 127 (2013)

सीलिटन एंड साकस इन पेयर आयन प्लाजा इन प्रेसेंस ऑफ सुपरथरमल इलेक्ट्रान', यु सामंत, पी चटर्जी एंड म मेज, एस्ट्रोफिजिक्स एंड स्पेस साइंस, 345, 291 (2013)।

हेड-ऑन कॉलिशनस ऑफ आयन एकोस्टिक कोर्टवेज डे मेरिज/मीडिफाइड कोर्टवेज डे मेरिज सीलिटंस् इन ए मेगनेटाइज्ड क्वांटम इलेक्ट्रान–पोसिट्रान-आयन प्लाजा', एम. के. घोरूई, यु सामंत, पी. चटर्जी, एस्ट्रोफिजिक्स एंड स्पेस विज्ञान, 345, 273 (2013)

एफेक्ट ऑफ नॉनएक्सटेनसिनिटी ड्यूरिंग द कॉलिशन विटविन इनगर्ड एवं आउटवर्ड आयन एक्वोसिट, सॉतिटरी वेभस इन सिलिनड्रिक्स एंड स्फेरिक्त ज्योमितिय', यु. न. घोष एवं पी. चटर्जी, जे प्लाजा फिजिक्स (2013) (स्वीकृत)

नॉनप्लानर आयन एक्वीसिट सॉलिटरी वेभस इन इलेक्ट्रान पोसिट्रान- आयन प्लाजा विथ वार्म एंड इलेक्ट्रान एंड पोसिट्रान फ्लोइंग फजी-नॉन एक्सटेंसीव भेलोसिटी डिस्ट्रिव्युशन', डी. के. घोष, यु. एन. घोष, जी. मंडल एंव पी. चटर्जी, आइईईईई ट्रांस प्लाजा विज्ञान 41, 1600 (2013)

'हायर आर्डर कॉरेकशन टू डस्ट–एक्वोजिटिक जेके-सालिटन्स इन ए मैगनेटाइन्ड क्वांटम डस्टी प्लाजा', एम. के. घोरूई, जी. मंडल एवं पी. चटर्जी, एस्ट्रोफिजिक्स एंड स्पेस विज्ञान... 346, 191 (2013)

बाइफरकेशन ऑफ नॉननाइनियर आयन एकसीटिक ट्रेवेलिग वेबस इन द फ्रेम ऑफ ए जेके यक्युएशन इन मैगनेसाइज (लाज्मा वईथ ए कप्पा डिस्ट्रिमुटेड इलेकट्रान, 'यु. सामंत, ए. साहा एंड पी. चटर्जी, फिजिक्स, प्लाजा, 20,052111 (2013) इलेक्ट्रान एकसोस्टिक ड्रेस्ड सलिटोन इन क्वांटम प्लाज्मास् पी. चटर्जी, जी. मंडल एंड सी. एस. वंग, इण्ड जे फिजिक्स, 87, 827-834 (2013)

रिसपेंस टू कामेंट्स ऑ "नॉनप्लानर डस्ट आयन अक्सोटिक गार्डनर सलिटन इन ए डस्टी प्लाजा वईय क्यो नॉनएक्सर्टेसिक इलेक्ट्रान भेलीसिटी डिस्ट्रीव्यूशन", फिजिक्स (लाज्मा) 20.044-703 (2013)

लार्ज एमलिट्यूड डबल लेयर्स इन ए डस्टी प्लाजा वईय नॉनथर्मल इलेक्ट्रान फिचारिंग सालिस डिस्ट्रीव्यूशन, के. राय, टी. साहा एंड पी. चटर्जी, एस्ट्रोफिजिक्स स्पेस विज्ञान (2013), 746 : 409–413

नॉनप्लानर आयन एक्सोटिक शक्स इन इलेक्टान–पोसीट्रान आयन-प्लाजा : ऐफेक्ट ऑफ सुपरथर्मल इल्केट्रास', डी. के. घोष, पी. चटर्जी, पी. के. मंडल एंड बी साहु, प्रमणा-जे, फिजिक्स 81, 491 (2013)।

कप्पा प्रभाव–डिसट्रीव्यूटेड इलेक्ट्रान ऑन-आयन एक्सोस्टिक शॉक वेब्स इन एन ई-पी-आई प्लाज्मा इन नॉन प्लालर प्रामिती', के. राय, ए. पॉल, जी मंडल, पी. चटर्जी, जनरल ऑफ इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साइंस 17, 1 (2013) (आइएसएसएन : 0974-9373)।

बाइफरकेशन ऑफ आयन एक्टीस्टिक ट्रावेलिंग वेब्स इन ए मैगनेटाइज्ड क्वांटम डस्टी प्लाजा, यु. के. सामन्त, ए साहा, पी. चटर्जी, एस्ट्रोफिजिक्स एवं स्पेस विज्ञान (2013) 347: 293-298 'ऐफेक्ट ऑफ आन वाइनेमिटिक भिस्टोसिटी ऑन चार्ज एमप्लिट्यूड डस्ट आयन एक्वीस्टिक सोलिटरी वेब्स', 'टी. साहा, के. राय, पी. चटर्जी, एस्ट्रोफिजिक्स एवं स्पेस विज्ञान (2014) 349: 745-751।

हेड-आन कॉलिशन ऑफ इलेक्टान एक्वीस्टिक करजेज-डे भराइस सलिटंस इन ए मैगनेटाइज क्वांटम प्लाजा, एम. के. घोरूई, यु. के. सामंत एंड पी. चटर्जी, एस्ट्रोफिजिक्स एवं स्पेस विज्ञान डीओआई : 10,1007/एस 10509-013-1535एक्स।

बाइफरकेशन ऑफ इलेक्ट्रान एक्सोस्टिक ट्रावेलिंग वेब्स इन ए अनमैगनेटाइज्ड क्वांटम प्लाजा विथ हॉट एवं कोल्ड इलेक्ट्रान', ए. साहा एंड पी. चटर्जी, एस्ट्रोफिजिक्स एवं स्पेस विज्ञान 349, 239-244 (2014)।

डस्ट आयन एक्वोसिट ट्रावलिंग वेब्स इन द प्रोमउर्क ऑफ ए मॉडिफाइड काडोमटसेन-पेटभेसभिली यक्यूशेन इन ए मैग्नेटाइज इस्टी प्लाजा। विथ सुपरथर्मल इलेक्टान, ए साहा एंड पी. चटर्जी, एस्ट्रोफिजिक्स एंड स्पेस साइंस, डीओआर : 10.1067/एस.10509-013-1685एक्स।

सिलिंड्रिक्ल जरगरोव-क्यूजनेसटीव यक्यूशेन फॉर आयन एक्वीस्टिक वेब्स विथ इलेक्ट्रान फिचरिंग नॉन-एक्सर्टेसिव डिसटीव्लूशन यू एन घोष, पी. के. एंड पी. चटर्जी, एस्ट्रीफिजिक्स एंड स्पेस विज्ञान, डीओआई : 10.1007/एस10509-013-1670-4

बाइफरकेसन ऑफ आयन एक्वीसिट सोलिटरी वेब्स एंड पेरिओडिक वेब्स इन एन अनमैगनेटाइज्ड प्लाजा विछ कप्पा डिस्ट्रीव्यूटेड मल्टी-टेम्परेचर इलेक्ट्रान', ए. साहा, पी. चटर्जी, एस्ट्री फिजिक्स एंड स्पेस विज्ञान, डीओआई:

10.1007/एस10509-014-1796-ज़ेड।

सॉक वेब्स इन ए डस्टी प्लाजा हैविंग क्यू-नॉनएक्सटेंसिव इलेक्ट्रान भेलोसिटी डिस्ट्रीव्यूशन, के. राय, पी चटर्जी, एस. एस. कौशिक एवं सी. एस. वंग, एस्ट्रोफिजिक्स एंड स्पेस साइंस, डीओआई : 10.1007/एस.10509-014-1763-4

'न्यू एनालिटिकल सलूसन पर डस्ट एक्वीस्टिक सॉलिटरी एंड पेरियोडिक वेब्स इन एन अनमैगनेटाइज्ड डस्टी प्लाजा विथ कप्पा डिस्ट्रीव्यूटेड इलेक्ट्रान एवं आयनस्' ए. साहा एवं पी. चक्रवर्ती, फिजिक्स ऑफ प्लाजा, 21.022111 (2014)।

बाइफरकेशन ऑफ आयन एक्वोस्टिक सॉलिटरी एंड पेरियोडिक वेब्स इन एन इलेक्ट्रान-पोसिट्रान–आयन प्लाजा थ्र नॉन परट्रबेटिव एप्रोच', चटर्जी, जनरल ऑफ प्लाजा फिजिक्स (2014)।

बाइफरकेशन ऑफ डस्ट एक्वीस्टिक सॉलिटरी वेब्स एंड पेरियोडिक वेब्स इन एन अनमेंगनेटाइज्ड प्लाजा विथ नॉनएस्कटेंसिव आयन, ए साहा एंड पी. चटर्जी, एस्टोफिजिक्स एवं प्सेस विज्ञान, डीओआई : 10.1007/एस.10509-014-1849-3

प्रशांत कुमार मंडल

परस्सिटेंश एंड ग्लोबल स्टेबेलिटी ऑफ बेजोकिन पेरिडेटर-प्रे मॉडल विथ बेडिगटन डे-ऐंजेलि रिसपॉस फंसन', एस सरर्वाडी, एक हॉक एंड पी. के. मंडल, कम्यूनिकेशन इन नॉनलाइनियर विज्ञान एवं न्यूमेरिकल स्यूमलेशन, 19, 189–109 (2014)

फिजियोलॉजिकल फ्लो ऑफ स्थिर-टिचिंग मिस्को इलास्तिक फ्लूइड पास्ट एन इरेगुलार अरटेरियन कॉनसट्रिकसन शरीफउद्दीन, एस. चक्रवर्ती एवं पी. के. मंडल, कोरिया-अस्ट्रेलिया रियोलॉजी जर्नल, 25 पीपी. 163-174 (2013)

बाइफरकेसन एनालाइसिस ऑफ ए मॉडिफाइड लेससि-गोयर प्रेडेटर–प्रे मॉडल विथ वेडिंगटन-डे एंजेलिस फंसनल रिसपंस एंड स्ट्रग एलि एफेक्ट, पी. जे पाल एंड पी. के. मंडल, मैथमैथटिक्स एंड कम्प्यूटर इन सिमुलेशन ऑनलाइन 28 अगस्त (2013)

डाइनेमिकल विहेवियर ऑफ ए टू परेडेटर मॉडल विथ प्रे रेफूज ए. सरवार्राड, पी. के. मंडल एंड एस. राय. जनरल ऑफ वायोलॉजिकल फिजिक्स 39 (4), पीपी 701-722 (2013)

मदनमोहन पांजा

एभालूयेशन ऑफ सिंगुलर इंटिग्राल्स विथ डॉक्वेयिस रिफिनेबल फंसनल, एम-एम पांजा एवं बी एन मंडल, इंभेसटिगेशन इन मैथमैटिकल साइंस 3 (प्रेस में), 2013

डाउवेयिंस स्केय पंकशन बेस्ड क्वाड्राचर रूल्स फर सिमगुलर एंड हाइपरसिंगुलर इंटेग्टल्स विथ भेरिएवल सिंगुलरेटिस', एम-एम पांजा एवं बी. एम. मंडल इनभेंसटिगेशन इन मैथमैटिकल साइंस 3, 155–176 (2013)

तापस राय महापात्र

स्टाबिल्टी ऑफ ड्यूल स्लूयशन इन स्टेगनेशन-पावंट फली एंड हीट ट्रांसफर ओवर ए पोरस सिकिंग सीट विथ थर्मल 48 (2013), 23-32।

मिकस्ड कॉनभेक्सशन इन ए लिड-ड्राइभेन स्कावयर केंगिटी फिल्ड विथ पोरस मिडियम इन द प्रेसेंस ऑफ थर्मल रेडियेशन एंड नॉन-युनिफार्म हिंटिग; टी. आर. महापात्र–डी पाल एंड एस. मंडल। इंटरनेशनल जनरल ऑफ एपलाइड मैथमैटिक्स एवं मेकानिका वॉल्यूम-9 (13), (2013), पीपी 23-51।

एफेक्टस ऑफ स्लिप एंड हीट जेनेरेशन/एवसॉरपशन ऑन एमएचडी स्टेगनेशन फली ऑफ नैनोफ्लूइड पास्ट ए स्ट्रेचिंग/स्किकिंग सरफेस विथ कॉनभेक्टिव वाउडरी कॉनडिशन, समीर कुमार नंदी, तापस राय महापात्र, इंटरनेशनल जनरल ऑफ हीट एंड मॉस ट्रांसफर, वॉल्यूम 64 (2013), पीपी 1091-1100।

दिव्येन्दु बनर्जी

ऑन मैकिसम्य मॉड्यूल्स एवं मैक्सिम्म टर्म ऑफ इटीरेटड इंटायर फंसन, दिवेन्दु बनर्जी एवं नीलकांत मंडल, इंडियन जनरल ऑफ मैथमैटिक्स प्रेस में (2014)।

तारापद बैग

ए फिक्सिड पावंट थियोरॉय डिसलोकेटेड फजी वगसीमेट्रिक स्पेस, जी रानी, टी बाग, इंटरनेशनल जनरल ऑफ मैथमैटिक्स एंड साइटिफिक कॉम्प्यूटिंग वॉल्यूम 3 (1), 2013, 1-3, आईएसएसएन : 2231-5330।

फिनिट डाइमेंशनल फजी नार्मड लाइनियर स्पेस, टी. बाग, एस. के. सामंत, एनलस ऑफ फजी मैथमैटिक्स एंड इनफॉरमेटिक्स, वॉल्यूम 6 (2), 2013, 271-283, आईएसएसएन : 2287-6235।

फजी रियल इनर प्रोडक्ट स्पेस', एस. चक्रवर्ती, टी बाग, एनलस ऑफ फजी मैथमैटिक्स एंड इंफरमेटिक्स, वॉल्यूम-6 (2), 2013, 377-389, आईएसएसएन : 2287-6235।

फिनिट डाइमेंशनल फजी कोन नार्मड लाइनर स्पेस, टी. बाग, इंटरनेशनल जनरल ऑफ मैथमैटिक्स एंड साइंटिफिक कम्प्यूटिंग, वॉल्यूम-3 (1), 2013, 9-14, आईएसएसएन : 2231-5330।

अंजन कुमार भुईयां

स्ट्रचर एंड सम कैरेक्टाराइजेशंस ऑफ लेफट के-क्लिफओरड सेमिरिंग्स, एशियन-युरोपियन जे मठ 06,13500056 (2013)।

सुभासिस राय

इंटिग्रेसन बाई पार्टस ऑफ लाप्सेस-पेरोन इंटेग्रेन', एस. राय एवं टी. गराई, रेम बुल. कॉल भैंय, सो 21 (1), 2013, पीपी-78, आईएसएसएन : 0008-0659।

कॉनभेक्सिटी कॉनडिसन्स फॉर द हाइयर आर्डर सिम्मेट्रिक लाप्लेस डेरिएवल फंसनस', ए. गराई एवं एस राय, इलाहाबाद मैच, सो; वॉल्यूम 28, नं.-2, 2013 (0971-0493)।

कॉनवेक्सिटी कॉनडिसन पर एप्रिसिमेट जेनेरालाइज्ड रोमॉल डेरिएभल फंसन्स; एस. राय एवं टी. गराई, इंडियन जनरल ऑफ मैथमैटिक्स, वॉल्यूम 55, नं. 3, 2013, आईएसएसएन : 0019-5324।

अमर प्रसाद मिश्रा

इलेक्ट्रोस्टेटिक सॉलिटरी वेब्स इन डस्टी पेपर आयन प्लाजा, ए. पी. मिश्रा एवं एन. सी. अधिकारी, फिजिक्स प्लाजा 20, 102309 (12 पेज), 2013।

लक्ष्मी नारायण गुइन

एक्सजिसटेंश ऑफ स्पेरियल पेंटन इन ए पेरेडटर प्रे मॉडल विथ स्लेफ एवं क्रास डिफउशन', एल. एन. गुइन, एपलाइड मैथमैटिकल एंड कॉमपुटेसन-डीओआई : 10,1016, जेएएनसी : 2013.10.005

स्पेटियोटेमपोरल डाइनेमिक्स ऑफ रियेकशन डिफूयशन मॉडल ऑफ इंटरएक्टिंग पॉपूलेशन', एल.एन गुइन एवं पी.के. मंडल, एपलाइड मैथमेटिकल मॉडलिंग, 2014 (डीओआई : एचटीटीपी//डीएक्स.डीओआई.ओआरजी/10.1016/जे एपीएम. 2014.02.022)।

नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या विभाग द्वारा शुरू की किसी भी अन्य शिक्षण नवाचारों डिजाइनिंगः

गणित विभाग को संशोधित करने और तीन साल बीए / बी एस सी (ऑनर्स) और दो साल एमए / एम एस सी पाठ्यक्रमों केलिए अपने मौजूदा पाठ्यक्रम केउन्नयन केएक उन्नत चरण में है। बीए / बी एस सी (ऑनर्स) पाठ्यक्रम अंतिम बार संशोधित और सेमेस्टर प्रणाली 2009 में / एम एस सी कोर्स दो साल एमए में पेश किया गया था 2009 में उन्नत और पाठ्यक्रम तदनुसार उन्नत बनाया गया था।

विभाग अब स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर दोनों च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम शुरू की है। पाठ्यक्रम में गणित अध्ययन केबोर्ड (बीओएस) द्वारा डिजाइन किया गया था। इस क्एक्च प्रणाली शैक्षणिक सत्र 2011-2012 से प्रभाव केसाथ पेश किया गया है।

विकास केलिए भविष्य की योजनाओं का एक संकेत केसाथ संबंध भवन / सदन / विभाग केविकास पर एक संक्षिप्त इतिहासः

गणित विभाग शिक्षा-भवन (विज्ञान संस्थान) केतहत सबसे पुराना विभाग है। यह गणित में बीए / बी एस सी (ऑनर्स) की शुरूआत केसाथ 1961 में स्थापित किया गया था। इसकेबाद 1963 में गणित में दो साल एमए/

एम एस सी पाठ्यक्रम नियमित पीएचडी। डी कार्यक्रम के साथ साथ विभाग में शुरू किया गया था।
फिलहाल, संकाय के सदस्यों के अनुसंधान के निम्नलिखित क्षेत्रों में लगे हुए हैं:
(क) वास्तविक वि लेषण, (ख) जटिल वि लेषण, (ग) कार्यात्मक वि लेषण, (घ) फजी टोपोलॉजी, (ई) फजी कार्यात्मक वि लेषण, (च) सार बीजगणित, (क्र) द्रव यांत्रिकी, (ज) कम्प्यूटेशनल द्रव डायनेमिक्स, (मैं) वायुमंडलीय विज्ञान, (जे) बायोमैकेनिक्स, (कश्मीर) प्लाज्मा फिजिक्स, गतिशीलता (एल) समरूपता और अंतर समीकरणों के वि लेषण, (एम) आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एन) क्वांटम बिखर सिद्धांत, (पी) तरंगिका आधारित संख्यात्मक वि लेषण ।
अपने अनुसंधान के क्षेत्र में संकाय सदस्यों के योगदान को मान्यता देते हुए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशन की संख्या और उत्कृष्ट गुणवत्ता में सबूत के रूप में, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अपनी विशेष सहायता कार्यक्रम के तहत गणित विभाग में लाया गया है (एसएपी) - डीआरएस (चरण - द्वितीय)। विभाग अगले पंचवर्षीय योजना के दौरान विकास के बजट में एक अध्ययन के लिए केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव है।

विभाग के प्रमुख की राय में लायक रिपोर्टिंग है जो किसी भी अन्य प्रासंगिक जानकारी, शामिल किया जाना चाहिएः

पिछले शैक्षणिक वर्ष 2013-2014 के दौरान, गणित विभाग के पीएचडी पाठ्यक्रम काम के लिए 15 छात्रों, नौ छात्रों को पीएच.डी. सम्मानित किया गया है भर्ती कराया डिग्री और 5 उनके शोध प्रस्तुत किया है।

प्राणि विज्ञान विभाग

विभाग का नाम : प्राणि विज्ञान
यूजीसी - सीएसआई आर नेट / स्लेट और गेट परीक्षा में सफल छात्रों का नाम :
श्वाति गुप्ता (नेट- एल एस)
पोउलमी नाथ (नेट- एल एस)

विभागीय सेमिनार्स :-

प्राणि विज्ञान विभाग, विश्व भारती ने 24-26 फरवरी 2014 के दौरान अन्तर्राष्ट्रीय सोसाईटी के सहयोग के साथ पर्यावरणीय मॉडलिंग (आईएसईएम) के लिए पर्यावरण संबंधी जीव विज्ञान तथा पर्यावरणीय मॉडलिंग (आई सी ई बी ई एम) के उपर एक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन को संयोजित किया। यह सम्मेलन पर्यावरण संबंधी जीव विज्ञान तथा पर्यावरणीय मॉडलिंग के विशेष प्रभाव के साथ जीव विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में आधुनिक ट्रेण्ड को बेहतर समझने का बहुत ही अच्छा अवसर प्रदान किया। सम्मेलन में 250 भागीदार थे जिसमें 10 वैज्ञानिक थे जो 6 विदेशों से सम्बन्धित थे। उन देशों का नाम है :- अमेरिका, ईटली, जापान, दक्षिण कोरिया, चीन और बंगलादेश है जो सम्मेलन को एक सच्चे अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सुरस बनाया है।

सम्मेलन का उदघाट्न आदरणीय वाईस चैन्सलर सुशान्त दत्त गुप्ता ने किया। प्रोफेसर बर्नाड सी.पैटेन, प्रो. ब्रायन डी. फैत और शिक्षा भवन के प्राधानाअध्यापक, प्रो. सुधेन्धू मण्डल नें आयोजन की शोभा बढ़ाई। उद्घाटन सत्र में प्रो.बर्नाड सी. पैटन, इमेरिटस रिजेन्ट प्रो.— अड्म स्कूल आफ् इकोलोजी, यूनीवरसीटी आफ जरजीया, यू., एस ए. ने मूल भाषण दिया तथा प्रो. ब्रायन डी. फैत टाउजन यूनीवरसीटी, यू. एस ए. ने सम्पूर्ण भाषण दिया। तीन दिवसीय सम्मेलन में प्रसिद्ध वैज्ञानिको से प्रतिष्ठित त्यारत्यान, नवोदित वैज्ञानिक तथा युवा वैज्ञानिक के दोनो मौखिक तथा पोस्टर प्रस्तुतियों के साथ छात्र भी शामिल थे। लगभग 77 व्याख्यान थे जिसमें दो मुख्य नोट त्याख्यान, एक पूर्ण त्याख्यान, सात आमंत्रित व्याख्यान, बारह बारह विशेष व्याख्यान पचपन मौखिक व्याख्यान थे। इसके अतिरिक्त 98 पोस्टर व्याख्यान थे।

राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन/सेमिनार/वर्कशाप/प्रदर्शनी आदि का विवरण जिनमे शिक्षक/शोध छात्रों ने भाग लिया।

वी. सी. जॉय

19 दिसम्बर 2013 : कनट्रीब्यूटेड लीड आर्टिकल अन सोयल बायोटा एज इन्टीकेटर्स ऑफ सोयल हेल्थ, पेज न. 028, इकोटोक्सीकोलोजीकल ईभालसन अफ फलाई ऐस एण्ड हेभी मेटल पोलूसन इन लेटराईट सोयल यूजींग बायोकेमिकल पैरामीटर इन काईफोडेरस जावनस ब्रोर्नर (कोलेम्बोला इनसेक्टा) वीथ ऐटरी सहना। प्रेजेनटेड ए पेपर अन शर्ट-र्त्म इल इफेक्टेड अफ आई. जी.आर पेसटीसाईड अन द ग्रोथ एण्ड रीप्रोडक्सन अफ नन टारगेट सोयूल कोलेम्बोला काईफोडेरस जावनस बोर्नर बाई ईपसीता साहा एण्ड वी. सी. जायॅ इन द 10वां राष्ट्रीय साईपोजीयम अन प्राणी विज्ञान एण्ड इकोलोजी, आयोजित किया गया यूनीवरसीटी अफ ऐग्रीकलचर साईन्स के द्वारा दिसम्बर 19-21, 2013 को।

17 फरवरी 2014: बायोमारकर इनटीसेस इन काईफोडेरस जावनस बोर्नर (कोलेमबोला : इनसेक्ता) फर ईभालसन अफ फलाई एस एण्ड भाड़ी मेटल टोक्सीटी इन लेटरीया मिट्टी बाई ऐटेरई साहना और बी. सी. जाय और ईफेक्ट आफ आई जी. आर. पेसटीसाईड अन द लाईफ हिस्ट्री पैरामीटर इन नन टारगेट सोयल कोलेमबोला काईफोडेरस जावनस बोर्नर बाई ईपसिता साहा एण्ड वी. सी. जाए के द्वारा फरवरी 17-19 2014 को भारत में 4था अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन ईकोटोक्सीकोलोजी तथा पर्यावरण विज्ञान पर नई दिल्ली में आयोजित की गई।

24 फरवरी 2014 : शर्ट टर्म ईभालसन अफ फलाई एस एण्ड हैभी मेटल टोक्सीसीटी इन लेटरीक सोयूल यूजींग बायोमारकेट इनडीसेस अफ काईफोडेरस जानवस बोर्नर (कोलेमबोला : इनसेकटा) बाई अत्री साहना एण्ड वी.सी. जोय और ईभालसन अफ टोक्सीसीटी और पेरसीसटेन्स अफ आई. जी. आर. पेसटीसाईड इन लेटेरीटीक सायूल यूजींग लाईफ -हीस्ट्री पैरामीटर इन नन् टारगेट सायूल कोलेमबोला साईफोडेरस जावनस बोर्नर बाई ईपसीता साहा एण्ड वी. सी. जाए, पर्यावरण सम्बन्धी तथा इकोलोजीकल मोडलिंग (आई. सी. ई. बी. ई. एम) के उपर प्रणि विज्ञान विभाग ने अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

विश्व भारती, शांतिनिकेतन।

सोमेन कुमार मैत्र

09 जुलाई 2013 : बर्द्धमान विश्वविद्यालय के द्वारा जीव विज्ञान में 5वां रिफ्रेशर कार्श का आयोजन किया गया। डेलिभर्ड कीनोट ऐड्रेस एण्ड ए लेकचर।

20 जुलाई 2013 : बर्द्धमान विश्वविद्यालय के द्वारा 91वा अनूष्ठापन का आयोजन किया गया जिसमे दो व्याख्यान दिया गया।

17 सितम्बर 2013 : 17-19 सितम्बर, 2013 के दौरान इनडोक्रीनोलोजी विभाग पी. जी. इन्स्ट्यूट आफ बेसिक मेडिकल साइन्स , मद्रास विश्वविद्यालय, तारामनी, चैन्नई ने आमंत्रित व्याख्यान दिए।

28 सितम्बर 2013 : प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा साईन्स एकाडेमिक शर्ट टर्म लेकचर वर्कशाप स्पोन्डर्ड बाई इनडियन एकाडमी साईन्स का आयोजन किया। बेथून कॉलेज कोलकाता डेलिर्भड एन इनभाईटेड लेकचर वन रीसेन्ट एडयान्स इन ऐनिमल साईन्स रिसर्च।

09 जनवरी 2014 : कलकत्ता विश्व विद्यालय ने रिफ्रेशर कोर्स इन लाईफ साइन्स का आयोजन किया। लेकचर दिया।

21 जनवरी 2014 : बर्द्धमान विश्वविद्यालय के द्वारा 93वा ओरियनटेसन कार्यक्रम का आयोजन किया। दो व्याख्या दिया।

18 मार्च 2014 : मार्च 18-24,2014 के दौरान सातवा इतर कांग्रेस साइमोसीयम अफ द एशिया एण्ड ओसिनिया सोसाईटी फोर कोमपेरेटिभ इनड्रोक्रीनोलोजी (ए. ओ. एस. सी. ई.) को राष्ट्रीय ताईवान ओसियन विश्वविद्यालय किलेग, ताईवान में आयोजित किया गया जिसमे की नोट व्याख्या दिया गया।

शांति प्रसाद सिनहा बाबू :

27 अप्रेल 2013 : सरफेस प्रोटिन्स फार्म सेटेरिया कर्मी ए बोभिन फिलेरियल एकटिभ मैकरोफेज थ्रू रोल लाईफ रीसीपटोर 4 (टी. एल आर 4) मेडिटेड सीगनलिंग पाथवे, पी-47-48, बाई मुखर्जी, एस मुखर्जी, एन सैनी, पी. राए पी. एण्ड सीनहा बाबू, एस. एस. पी. एनटीफीलेरियल एक्टीभीटी आफ एन-बुतनोल फ्रेक्सन ओब्टेन फार्म स्टेम बार्क आफ डीओसपाईरोस पेरगरीना, पी.- 66 बाई सैनी पी. मुखर्जी, एन. मुखर्जी, एस राए पी. एण्ड सिन्हा बाबू, एस पी. एण्ड एजडीरचता इण्डिका ए. पोसिबल रीमेडी टूवर्डस लाईफेटीक फेलरीअसीसः ए. मोलीकुलर एण्ड बायोकेमिकल अध्ययन मुखर्जी, एन सैनी, पी.मुखर्जी एस रोय पी. रिसर्च सेन्टर ट्रीबलस (आई सी. एम आए) के लिय जबलपुर, मध्यप्रदेश, अप्रेल 27-29, 2013 के दौरान हुआ।

06 दिसम्बर 2013 : दिसम्बर 6-9, 2013 के दौरान विश्व भारती शांतिनिकेतन के द्वारा टाईरोसीन कन्ट्रोल ग्रीन सीनथेसिस आफ बायोएकटीभ सीलभर नैनों पार्तिकल इन परसेन्स आफ सोलूबल बायोंकमपेतीबल पोलिमर्स, पी. -130; का बी. मुखर्जी, एन चौधुरी, पी. और सिनहा बाबू, एस. पी. के द्वारा 6वा इण्डियन यूथ साईन्स कांग्रेस का आयोजन हुआ।

24 फरवरी 2014 :- प्राणि विज्ञान विभाग, विश्वभारती शांतिनिकेतन में 24-26, 2014 के दौरान आयोजित कार्यक्रम में पर्यवरणीय जीव विज्ञान और पर्यावरणीय मोडलिंग के उपर, मुखर्जी एन सैनी, पी. मुखर्जी एस राय, पी. और सिनहा बाबू, एस पी. एण्ड उरसोलिक एसिड फार्म नाईकैनटेथिस एरोबोट्रीसीटीस, ए. पोटेसियल कम्पाउन्ड फार

द ट्रीत्मेन्ट आफ बैनक्रोफरीयन फिलरसीस, पी.- 277 बाई सैनी पी. गायन, पी. मुखर्जी के द्वारा एण्ड ओपतिमीजेसन अफ इनफुलेनसीयल पैरामीटर फोर रमपूभ्ड ग्रो अफ पीचिया गुलेरेमोनडी, ओपरचुनिस्टीक थीस्ट आइसोलेटेड फार्म माइक्रोफोलेरमिक पेसेन्ट ए मोडलिंग एप्रोच, का आयोजन हुआ।

05 मार्च 2014 :- सेटरिया कर्मी ए बोभाईन फिलरीयल पैरासाईट एक्टीभेटस मैक्रोफेज थ्रू टोल लाईफ रीसीपटोर 4 (टी. एल.आर 4) मेडिटेटेड सिगनलिंग पाथवे : इन भीट्रो एप्रोएच, पी - 106-107 बाई मुखर्जी, एस सील, एस, मुखर्जी, एन भट्टाचार्य, एस, एण्ड सिनहा बाबू, एस. पी. इठानोलिक इक्सटैक्ट अफ अजादीराचता इण्डिका कजिंग एपोपटोसीस बाई रोस इनहेन्समेंट इन डिरोफिलरीया इम्मीटीस माईक्रोफीलरीयाः इन भीट्रो एण्ड इन भीभो स्टडी, पेज-107-108 बाई मुखर्जी एन सैनी पी. मुखर्जी एस राए, पी. एण्ड सिनहा बाबू, एस. पी. एण्ड यूरसोलिक एसिड फार्म नाईसिनथेसिस एरबोरटीस्टः ए पोटेनसीयल कम्पाउन्ड फोर ट्रीटमेन्ट अफ बैनक्रोफीटीयन फीलारसीस पी-277, बाई सैनी, पी. गयान, पी. मुखर्जी, एन मुखर्जी एस एण्ड सिनहा बाबू, एस.पी. ने 6वा एसियन कांग्रेस आफ ट्रापिकल मेडिसीन पैरासीटोलोजी (ए सी टी एम पी) का आयोजन मलेसियन सोसाईटी अफ पैरासीटोलोजी एण्ड ट्रोपिकल मेडिसीन, कुअला लुमपुर मलेसिया में मार्च 5-7, 2014 के दौरान हुआ।

सांतनु राय :-

24 फरवरी 2014 : प्राणि विज्ञान विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन में 24-26, 2014 के दौरान पर्यावरण संबंधी जीव विज्ञान और, पर्यावरणीय माडलिंग (आई.सी.ई.बी.ई.एम) के उपर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। संयुक्त रूप से संयोजक का कार्य किया।

08 जुलाई 2013 : साउथ ऐसियन एण्ड अफ्रिकन रीभर डेल्टा ऐलाइन्स (सारदा), सेन्टर फोर पोलिसी डाइलॉक (सी.पी.डी.) ढ़ाका, बंगलादेश, फार्म जुलाई 8-10, 2013

27 अक्टूबर 2013 : फ्रांस, टोऔलस, 27-31 अक्टूबर 2013 के दौरान 19वा बेनियल इनटरनेशनल कन्फरेन्स सोसाईटी फोर इकोलोजिकल माडलिंग इकोसिस्टम सस्टेनेबिलीटी इन द कनटेक्स्ट आफ ग्लोबल चेंज।

27 दिसम्बर 2013 कालेज आफ इन्जीनियर एण्ड मैनेजमेन्ट भारत, कोलाघाट दिसम्बर 27-29, 2013 के दौरान अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन रिसेन्ट ट्रेन्ड इन साइन्स एण्ड टेकनोलाजी (आई.सी.आर.टी.एस.टी.) पर हुआ।

01 मार्च 2014 : कलकत्ता विश्वविद्यालय, कलकत्ता में 'मॉर्डन ट्रेण्ड्स इन नेटवर्क बाइलोजी" पर एक दिवसीय सेमीनार हुआ।

अंशुमान चट्टोपाध्याय

24 फरवरी, 2014 प्राणि विज्ञान विभाग, विश्व भारती, शान्तिनिकेतन में 24 से 26 फरवरी 2014 के दौरान, "इफेक्ट ऑफ सोडियम फ्लूराइड ऑन ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस एण्ड एमआरएनए एक्सप्रेशन पैटर्न ऑफ एंटीऑक्सीडेंट जीन्स इन जैब्राफिस (डैनियो रेशियो) बाइ मुकोपाध्याय डी. एण्ड चट्टोपाध्याय ए, आर्शेनिक इंक्लूडेड जेनोटोक्सीसाइटी इन सूटाथीओन डीप्लेटेड   मैनालियन रोल्स डिफरेन्सियल रिस्पोन्स इन विट्रो एण्ड इन विवो' बाइ श्रीवास्तव आर एनगुप्त ए., बनर्जी पीपी, भट्टाचार्य एस., चट्टोपाध्याय ए., 'एण्टी कैन्सर एक्टीविटी ऑफ इंडोफाइटिक फंगी एसोसिएटेड विद पोटेन्टिला फालगेन्स एल; एन इद्नोमेसीनल प्लान्ट ऑफ नार्थ इस्ट इंडिया' बाई बनर्जी पीपी नाथ ए, सेनगुप्त ए. मुखर्जी एस., मुखोपाध्याय डी,. जोशी, एस.आर., भट्टाचार्य, एस. चट्टोपाध्याय ए, एण्ड 'बायलोजिकल एफिकेसी ऑफ क्रड जीएनआरएन एक्ट्रेक्ट फ्रॉम इंडियन म्यूरल एण्डइट्स कम्पेरिजन विद ओवप्रिम ट्रीटमेंट एनुअल रि प्रोडक्टिव फेन रिलेटेड स्टेरोडोजेनेसिस एण्ड इन्ड्यूस्ड स्पेवनिंग ऑफ लावियो रोहिता हम। बाय सेनगुप्त ए, साहा एक.के., चट्टोपाध्याय ए, इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंश में इनभोरमेंटल बायलोजी एण्ड इकोलॉजी मॉडलिंग को प्रस्तुत किया गया।

समर कुमार साहा :

05 दिसम्बर 2013 प्राणि विज्ञान विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय प. बंगाल में 5 से 6 दिसम्बर 2013 के दौरान 'बायोप्रेसपेक्टिंग ऑफ नेचुरल प्रोडक्ट्स' के ऊपर युजीसी-डीआरएस राष्ट्रीय सेमिनार में अनिर्बन बनर्जी, शुभा

मान्ना, समर कुमार साहा ने प्रस्तुत किए - "इफेक्ट ऑफ अजाडिराचता इंडियन ए. बुश (नीम) ऑान ओसाइट मेटूरेशन, ोविजिसन, रिप्रोडक्टिव पोटेन्सियलस एण्ड इम्ब्रेओनिक डेवेलपमेंट ऑफ ए फ्रेश वाटर पिश एक्टोपारेसाइट आरगुल्स बंगालेंसिस रामकृष्ण, 1951 (क्रन्टसिप : बानचुरा)

24 फरवरी. 2014 प्राणि विज्ञान विभाग, विश्व भारत, शांति निकेतन में 24 फरवीर से 26 फरवरी 2014 के दौरान संघमित्रा दास, अनिर्बन बनर्जी, समर कुमार साहा, शांति प्रसाद सिन्हा बाबू इन्टरनेशनल कांफ्रेंस ऑन इन वोयरोमेंटल बायलोजी एण्ड श्कोलोजीकल मॉडलिंग (आईसीईबीईएण-2014) में अस्थित हुए टिस्यु स्पेसिफिक बेरिएसन ऑफ माइट्रोकाड्रिया ऑफ फिस इक्टोपारेसाइट ारगुलस बेगालेन्सीस रामकृष्ण, 1951 (कुस्टेसियाः ब्रान्चुमरा) : फंक्शनल इम्पली केशनस'

लरिसा एम लिंदेम :

27 अप्रैल 2013 : अप्रैल 27-29, 2013 के दौरान जबलपुर में आरएमआरसी के द्वारा 24 नेशनल कांग्रेश ऑफ पैरासीटोलॉजी का आयोजन हुआ।

सप्तर्षि राय, सुमन कुण्डु और लरिसा एम. लिंदेम : एन इन भीट्रो इफेक्ट ऑफ सम मेडिसिनल प्लान्ट अन गोट ट्रेमाटोड परमाफ्रीसटोमम एस.पीः लाइट स्टाफ पर भविष्य की संभावना।

07 मई 2014: नामी नर्थ ईस्ट रीज लोकल चेप्टर, शिलांग ने कीन कॉलेज शिलांग के सहयोग से महिला वैज्ञानिक और शिक्षक के भूमिका की परिभाषा तथा "परमोशन एण्ड एपलिकेशन ऑफ साइन्स एण्ड टेकनोलॉजि नर्थ इस्ट इण्डिया पर पर्सपेक्टिभ, शिलांग भारत में कार्यक्रम का आयोजन किया तथा " द स्टेट्स ऑफ एडुकेशन ऑफ ट्राईबल वीमन इन नर्थ ईस्ट इंडिया" पर आमंत्रित व्याख्यान दिए।

08 सितम्बर 2013 : "इंस्टीट्यूट फॉर होलिस्टिक मेडिकल साइन्स" (आईएचएमएस) कोट्टायम, केरला में होलिस्टिक मेडिसीन पर तीसरा इयूरो इण्डिया अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन हुआ जिसमें "इनभाईटेड लेक्चर ऑन हाईमेनोलेपिस क्रिमीनूटा अल्ट्राइस्ट्रक्चर एण्ड बायोकेमिकल स्टडी ऑफ द इन मीटरों इफेक्ट ऑफ कास्मीया प्लान्ट" पर व्याख्या प्रस्तुत किया गया।

05 दिसम्बर 2013 : बर्दमान विश्वविद्यालय में दिसम्बर 5-6 के दौरान 2013 में सुरंजना नंदी, सप्तर्षि राय, बिदिशा, सुमन कुण्डु और लरिषआ एम लिंदेम के द्वारा "इन भीट्रो एनथेलमीनीटीक इफेक्ट ऑफ स्लेरोडेनड्रम बीस्कोसम" अन परमाफिस्टोमम एल.पी. पर तथा सप्तर्षि राय, सुमन कुण्डुएण्ड लरिषा एम लिंदेम के द्वारा "एनसेलमीनटीक ईफीसियेन्सी ऑफ इनथानोल इक्सट्रेट ऑफ लीभ ऑफ कस्सी ए प्लान्ट अन परमकिस्टोमम कर्मी पर यूजीसी - डीआरएस में राष्ट्रीय सेमिनार "बायप्रोसपेक्टींग ऑप नेचूरल प्रोडक्ट" पर आयोजित हुआ।

सुदीप्त मैत्र :

21 अक्टूबर 2013 : आरडीएम नागपुर विश्वविद्यालय में प्राणि विज्ञान विभाग ने अक्टूबर 21-23, 2013 के दौरान "इन्ड्रॉफिरनोलाजी एंड फिजीयोलाजी" पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन हुआ जिसमें एक आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।

18 दिसम्बर 2013 : दिसंबर 18-20, 2013 के दौरान केरला विश्वविद्यालय में "सेन्टर फॉार इबोलुसनरी एंड इन्टरग्रेटिंग बायोलॉजी के द्वारा इंटरग्रेटिभ एंड कमपरेटिभ फिजीथोलॉजी (एसईआई की 2013) पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन हुआ।

सुर्य सैकिया

01 मार्च, 2014 "प्रोडक्सन एंड ससटेनबल मैनेजमेंट ऑफ न्यूट्रेट रीच स्माल पीस (एसआईएस) इन पान्ड एंड वेटलेण्ड फॉर इमप्रूभ न्यूट्रिसन इन साउथ एसिया इन बांग्लादेश में वर्ल्ड पीस के द्वारा कार्य 01-02, 2014 के दौरान आयोजन हुआ जिसमें वर्कशॉप में हिस्सेदारी लिया गया।

राकेश कुण्डु

27 मार्च 2014, बोटनी विभाग, विश्वभारती शांतिनिकेतन में साइनन्स सेमिनार लेक्चर सीरीज (2014) का आयोजन किया गया तथा "ट्रेनिंग द मिसट्री ऑफ हिलसा (तेनूआसोला इलिस हम) माईग्रेसन एन अबजरभेसन" पर व्याख्यान दिया।

सुतपा मुखर्जी

27 मार्च 2014 : बोटनी विभाग, विश्वभारती शांतिनिकेतन में "साइन्स सेमिनार लेक्चर सीरीज (2014) का आयोजन लिया गया तथा "अन्डरस्टेडिंग द मोलेकूलर मेथानिज्म ऑफ एडिपोज ईस आईस फंक्शनल इन ओबेसीटी मेडीटेटेंड इनसूलिन ऐसीसटेन्स के ऊपर व्याख्यान दिए गये।

21 मार्च 2014 : जैव प्रौद्योगिकी विभाग, उत्कल विश्वविद्यालय मुवनेश्वर में मार्च 21-30, 2014 के दौरान "सप्लीमेन्सन ऑफ टी थ्री रीकोभर्स हेप्टोभईटेस फार्म ऑक्सीडेटीभीली डैमेणअड इन्नर माइट्रो कान्ड्रीयल मेमब्रेन लिडींग टू एपोपटोसीस इन हाइपोथाइरोड रेट्स पी-79, बाई एस मुखर्जी एल समानता, ए. राय, एस. बहानल एण्ड जी.बी.एवं पैनी एण्ड इमोंलीलाईज्म लैफेस पोटेंसियल रोल आफ 1 बायोक्रेटलियस्ट इन न्यूट्रोलाइसिंग लेक्सीक कम्पाउण्ड, पी-53 बाईएस, घोष एंड एस. मुखर्जी के द्वारा "नेशनल साईपोजीयम जन ईमरजींग ट्रेण्ड इन बायोटेक्नोलॉजी प्रेजेन्ट स्केलरीयो एंड फ्यूचर डाइमसीनस का आयोजन हुआ।

समीर भट्टाचार्य :

28 अगस्त 2013 : डिपार्टमेन्ट ऑफ बायोमैडिकल साईन्स, क्योलिन कॉलेज ऑफ मेडिसीन, ईस्ट स्टेट टेनेसी विश्व विद्यालय जोहनसन सीटी, टेनेसील, यूएसए अपने व्याख्यान में लीपीड इनड्यूसेड इनसूलिन एसीसटेन्स, इनफ्लेमेसनएण्ड इम्यूनीटी के संबंधों के बारे में अपने योगदान को समझाया।

शैली भट्टाचार्य

7 अक्टूबर 2013 : बॉयोकेमिकल विज्ञान विभाग, किवलिन कॉलेज ऑफ मेडिसिन, पिस्ट स्टेट टेनसि विश्वविद्यालय, जनसन सिटी, टेनसि युएसए, अच्छाटिना सी रिएटिक प्रोटीन इनडियूस एपोपटीसिस लाइक डेय ऑफ बैक्टीरिया पर व्याख्यान दिया।

17 नवम्बर 2013 : सेटॉक, 34वां वार्षिक सम्मेलन, नार्थ अमेरिका, नाशलिला, टीन से नवम्बर 17-21-2013; सरकार एस, मुख्रजी, एस, चट्टोपाध्याय ए, भट्टाचार्य एस, मेनिफेसटेशन ऑफ आर्निनिक इनड्यूस्ड जेंजल इन जेबराफिस डानियोरेरियी

28 जनवरी 2014 : डीसटी इंसपायर का अनुष्ठआन उज्जैन में 28 से 31 जनवरी 2014 तक, स्टेम सेल रिसर्च महत्व एवं संभावनाएं पर एक वक्तव्य दी।

24 फरवरी 2014 : ली डीस आर्निनिक ट्राइअक्साइड इनड्यूस्ड ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस इन लिवर ऑप जेबराफिस, डानियो रेरियो सरकार इस, मुखर्जी, एस, चट्टोपाध्याय ए, भट्टाचार्य एस के द्वारा क्रानसेट्रेशन डिपेडेट स्विच भीवर ऑफ टाइप 1 एवं टाइप 2 सेल देय इन मॉरक्यूरी इनड्यूस्ड रेट हैफटाइटिल' चटर्जी एस, राय ए, चट्टोपाध्याय ए, भट्टाचार्य एस, एंटी कैंसर एक्टिविटी ऑफ इंडोफाइटिक फंगी एसोसियेटेंड विथ पोटेंटिला फलगेंस एस, एन एयोमेडिसिनल प्लांट ऑफ नार्थ ईस्ट इंडिया, बैनर्जी पीपी, नाथ ए, सेनगुप्त ए, मुखर्जी एस, मुखोपाद्याय डी, जशी एस आर, भट्टाचार्यएस, चट्टोपाध्याय ए एवं आर्निनिक इनड्यूस्ड जेनोटॉक्ससिटी इन ग्लूटायिऑन डिप्लेटेड मेमलियन सेल : डिफरेंसियल रिसपांस इन भिटरी एंड इन बिभो श्रीवास्तव आर, सेनगुप्ता ए, बनर्जी पीपी, भट्टाचार्य एस. चटोपाध्याय ए, एंड टॉक्सिकोलॉजि ऑफ पेस्टसाइड - एक जरनी फ्रम इनभारमेंटस स्टडीस टू ए डिटेक्शन टूल शैली भट्टाचार्य के द्वारा एक अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस में यह आख्यान कहा गया। जंतुविज्ञान विभाग के इंभारीमेंट जीवविज्ञान एवं इकोलॉजिकल मॉडलिंग (आइलीयीबीडीएम-2014) विश्वभारती, शांतिनिकेतन, 24 से 26 फरवरी, 2014.

विभाग में चल रही अनुसंधान योजना :

क) शिक्षक का नाम : अरुण कुमार राय (राआई)

ख) प्रोजेक्ट का नाम : मॉड ऑफ एसोशियेसनऑफ ऑटोनोऑन बैक्टीरिया इन द गैस्टीरइनहैसटाइनल ट्राक्ट ऑफ सम फ्रेश वाटर फिश एंड देयर आइडेंसिफिकेशन।

ग) प्रायोजक : यूजीसी, भारत सरकार

घ) राशि स्वीकृत : सात लाख

च) शिक्षक का नाम : अरुण कुमार राय (पीआई)

छ) परियोजना का शीर्षक : केरेटरराइजेशन एंड आइडेंटिफिकेशन ऑफ फाइटेंश प्रोग्रेशिंग वैक्टीरिया फर्म फिस गेट एंड देयर एजिवेशन इन फरमुलेशन ऑफ प्लांट बेस्ड कीप डिट्स।

ज) प्रयोजक : सीएसआईआर, भारत सरकार

झ) राशि स्वीकृत : 12 लाख

ट) शिक्षक का नाम : सोंमेन कुमार मैत्र (पीआई)

ठ) परियोजना का शीर्षक : रोल ऑफ मेलटीविन इन गोंडल मैचुरेशन इन इंडियन कार्य काटला, काटला

ड) प्रायोजक : डीबीट, भारत सरकार (रेफ न. बीटी/पीआ◌ी 11423/ एएक्यू/03/421/2008।

ढ) समय अवधि : 2013 के अप्रैल में पूरा।

1) शिक्षक का नाम : सौमेन कुमार मैग (पीआई) के लाय

ए) नार्वेगन साईंस एंव टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय (एनटीएनयू)

बी) किसारिस रिसर्च डिविजन, नेपाल रिसर्च कॉउंसिल (एनएआरसी)

सी) काठमांडू विश्वविद्यालय एक्वाटिक रिसर्च यूनिट (एक्वाटिक इकोलॉजी सेंटर)

डी) दिल्ली विश्वविद्यालय

ई) स्वेको ग्रोनर

2) प्रोजेक्ट का शीर्षक फिस फार्मिंग टेवलपमेंट ऑफ नेपाल (एपएफडीएन)

3) सर्व अधीक्षक - द नॉरबेगन मिनिस्टरी ऑफ काईन ए फेयरस।

4) राशि स्वीकृत - 18, 400, 001 (अठारह भारत, चालीस हजार नॉखेगन क्रोनर) 9000,000 (नौ लाख नॉरटेगर क्रोनर एनटीएनयू के लिए साथ में विश्व भारती विश्वविद्यालय एंव दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत)

1) शिक्षक का नाम : सोमेन कुमार मिग (पीआई)

2) परियोजना का शीर्षक : फंकसनल कैरटरराइरजेशन ऑफ गैसटूइंटेसटाइनल मेलाटीनिन जेप काटला काटला

3) प्रायोजक : सीएसआईआर भारत सरकार (रिफरेश न. 37 (1390)/09/डीएमआर-आई दिनांक 07-10-2009)

4) राशि स्वीकृत : 13, 42, 485

5) अवधि - फरवरी 2014 में पूरा हुआ।

1) शिक्षक का नाम : शांति पी. लिंटा बाबू (पीआई) समीर भट्टाचार्य (सीडी-पीआई) के साथ श्री रामचन्दू विश्वविद्यालय, चेन्नई एवं एम एक्स इस्ट इंडिया फर्मा लिउटिकल वर्क्स लिमिटेड, कोलकाता।

2) प्रोजेक्ट का शीर्षक : प्रोडेकर डेवलपमेंट ऑफ फाइलनयस निरूरी एवं ग्लाइलिन मैक्स (एल) भेर फरमुलेशन फॉर द मैंनेजमेंट ऑफ डाइबेटेस एंड एसोसियेटेड कम्पिलिकेशन इट्स भेलिडेशन, स्टैण्डरराइजेशन, प्रेक्लिनिकल एंड फर्मा क्लोजिकल एभुनियेशन

3)प्रयोजक : डीएसटी भारत सरकार वीआई/डी एंव पी /473/2012-2013/टीडीटी (सी)

4) राशि स्वीकृत : 63.65 लाख

5) अवधि : 2012 अगस्त-2018 अगस्त

1) शिक्षक का नाम : शांति पी सिन्हा (पीआई)
2) प्रोजेक्ट का शीर्षक : करकुमिन : ए पोटेंशियल कम्पाउण्ड फॉर द कंट्रोल ऑफ बानक्रीफटियन फिलरियेसिस
3) प्रायोजक (-) सीएसआईआर - भारत सरकार (ग्राट नं. 27 (1516) /2/डीएफआर-2)
4) राशि स्वीकृत : 19, 07, 560.00
5) समय अवधि : दिसम्बर 2011 - दिसम्बर 2014
1) शिक्षक का नाम : शांति पी सिन्हा बाबू (पीआई)
2) प्रोजेक्ट का शीर्षक : फेरुलिक एलिड फरम भारटेक्स नेगुंडी : ए पोटोनशियल कम्पाउण्ड फर द कंट्रोल ऑफ वैनक्रोकटियन फिलरियासिस
3) प्रयोजक : यूजीसी बारत सरकार (ग्रांट नं. 42-534/2013 (एसआर)
4) राशि स्वीकृत : 12, 90, 800
5) समय अवधि : अप्रैल 2013 - अप्रैल 2016
1) शिक्षक का नाम : अंशुमान चटर्जी (पीआई)
2) प्रोजेक्ट का शीर्षक : आर्सिनिक इनड्यूस्ड मॉडूलेशन ऑफ ड्रेस एलिमेंट इन मैमलियन सेल
3) प्रयोजक : सूवीसी-डीएडी - सीएसआर (कॉलगेरेटिव (रिसर्च स्कीम)
4) राशि स्वीकृत : 10 लाख
5) अवधि : अक्टूबर 2009 - अक्टूबर 2013
1) शिक्षक का नाम : अंशुमान चटर्जी (पीआई)
2) प्रोजेक्ट का शीर्षक : आइसोलेशन कैरेटराइजेशन एंड एंटी कैंसर प्रोपर्टी ऑफ इंडीकाइटिक फंगल मेटावलिटिस कैरम नर्थ इस्टर्न इंडिया
3) प्रयोजक : डीबीटी ट्विनिंग प्रोजेक्ट
4) राशि स्वीकृत : 82 भारत विथ वीमी काम्पोनेंट 96 लाख
5) समय अवधि : दिसम्बर, 2010 जून 2014

1) शिक्षक का नाम : अंशुमान चटर्जी (पीआई)
2) प्रोजेक्ट का शीर्षक : जेनटालिटी एंड एपीक्टीसिस इंडक्सन आफटर को एक्सपोलर टू आर्निनिक एंड फ्लूराइड इन मैमलियन सेल्स : रेडियोसेलटिविटी पर प्रभाव एवं ट्रेस एलिमेंट्स का माड्यूलेशन
3) प्रायोजक : यूजीसी - डीएई - सीएस आर
4) राशि स्वीकृत : 58.8 भारत वीभी काम्पोनेंट 25 लाख
5) समय अवधि : जनवरी 2014 - जनवरी 2017
1) शिक्षक का नाम : अंशुमान चट्टोपाध्याय (पीआई) शैली भट्टाचार्य (सह पीआई)
2) प्रोजेक्ट का नाम : पीपिमार स्पोर्टेड ग्रीन सिल्वर नैनोपार्टिकल्स : जुलिंट प्लाट्स ऑफ नर्थ इस्ट बारत, स्टडीस ऑन टकसीसिटी एंड एंटी कैंसर प्रापर्टी
3) प्रायोजक : डीबीटी ट्विनिंग प्रोजेक्ट (रेफ. नं. बीटी / 473/एन.डी./बीजीपी/2013)
4) राशि स्वीकृति : 58.8 लाख वीसी कॉम्पोनेंट-23 लाख।
5) समय अवधि : फरवरी 2014 - फरवरी 2017
1) शिक्षक का नाम : सुदीप्त मैत्र (पीआई), समीर भट्टाचार्य (सह पीआई)
2) प्रोजेक्ट शीर्षक : एक्सटैम्पट इ कनसर्न इनडेंबर्ड केंटफिसीस ऑफ अरुणाचल हिल स्ट्रिमस बाई मैलुश्लेटिंग जर्म सीप मेडरेशन
3) प्रायोजक : डीबीटी भारत सरकार

4) राशि स्वीकृत : 75 लाख जिसमें 35-48लाख वी बी कॉम्पोनेंट है।
5) अवधि : मार्च 2011-2014
1) शिक्षक का नाम : सुदीप्त मैत्र (पीआई)
2) प्रोजेक्ट का नाम : रेगुलेशन ऑफ गीनाडीट्रीकिल डेपेंडेंट सोसाइटी मैचूरेंशनल कॉम्पिटेंल इन कैटफिश (क्लैरियल बाटरायस)
3) प्रायोजक : यूजीसी, भारत सरकार
4) राशि स्वीकृत : 6.91 साथ
5) अवधि : 2011-2014 2014 जनवरी
1) शिक्षक का नाम : रोली भट्टाचार्य (पीआई) समीर भट्टाचार्य (मिशन निदेशक) डॉ. सुदीप्त मैत्र (प्रोग्राम कॉसारडिनेटर) सीएसआरआर - एनडीआईएलटी पीरहाट के साथ)
2) प्रोजेक्ट का नाम : नर्थ इस्ट एक्सप्लीटेशन पर फरमाल्यूटिकल (ए प्लान पिरीमड प्रोजेक्ट 5 लाख के लिए)
3) प्रायोजक : सीएसआरआर, भारत सरकार (एचसीपी 0005)
4) राशि स्वीकृत : 214 लाख
5) अवधि : 2012-2017
शिक्षक का नाम : समीर भट्टाचार्य (सीसी पीआई) सुर्या कुमार साइकिया (सीआई) राकेश कुंडू (सीआई)
2) प्रोजेक्ट का नाम : स्टॉक कैरेक्टरराइजेशन कैपटिव रीडिंग लीड प्रोडक्शन एंड कल्चर ऑफ हिल्सा (टेनो. भूलूसा इलिसा)
3) प्रायोजक : आईसीएआर, भारत सरकार (रेफ नं. एनएपबीएलएपएआरए /3021/2012-13) कोलाबोरेटिक रिसर्च प्रोजेक्ट
4) राशि स्वीकृत : 159.7478 लाख
5) समय अवधि : 2012-17
1) शिक्षक का नाम : समीर भट्टाचार्य (सह पीआई), मिहिर कुमार चौधरी, वाईस चोसलेर तेजपुर विश्वविद्यालय (पीआई) सुबीर एस मजुमदार, वैज्ञानिक नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनलॉजी (पीआई)
2) प्रोजेक्ट का शीर्षक : ए नॉनल स्टेबल मेनाडियम कामपाउण्ड फर द एलिमियेशन ऑफ डाइवेटिस
3) प्रायोजक : डीबीटी, भारत सरकार (बीटी/367/एनडी/टीबीपी/2012)
4) राशि स्वीकृत : 76.70 लाख
5) अवधि : 2014-2017
1) शिक्षक का नाम : समीर भट्टाचार्य (पीआई)
2) प्रोजेक्ट का नाम : टाइप 2 डायेवेटिस एंड इट्स एमेलियोरेशन)
3) प्रायोजक : नाली प्रोजेक्ट (रेन नं. एनएल/598/12/2012-13)
4) राशि स्वीकृत : 1 लाख
5) समय अवधि : 5 साल
1) शिक्षक का नाम : रोली भट्टाचार्य (पीआई)
2) प्रोजेक्ट का शीर्षक : स्टेमनेल एंड डिप्रेटिएशन रैट एडन्ट हैपाटिक स्टेम सेन इंटरएक्सन चित्र मेंटल
3) प्रायोजक : नासी प्रोजेक्ट (रेफ नं. नाल/71/5/2011-12)
4) राशि स्वीकृत : 1 लाख
5) साल : 5 साल
1) शिक्षक का नामः राकेश कुन्डू (पीआई)
2) प्रोजेक्ट का नाम : अंडरटेकिंग द रोल ऑफ एनआरएफ 2-कीप। पॉथवेय इन डेमलॉपिंग ड्रग रेसिस्टेंस इन लंगस

कैंसर सेन।
3) प्रायोजक : यूजीसी- एफआरपीएस स्टार्ट अप ग्रांट, भारत सरकार
4) राशि स्वीकृत : 6 लाख
5) समय अवधि : 2 साल
1) शिक्षक का नाम : स्नतया मुखर्जी (पीआई)
4) प्रोजेक्ट का शीर्षकः टू स्टडी लिपिडि इनड्यूस्ड चेंज्स इन एडिफीसािट एंटीऑक्सिडेंट सिंपल एंड द सेल ऑफ एनएडीपीएच ऑक्सीडेंस इन ओबीसीटी मेडियेट्ड इनसुलिन रेसिसटेंश
3) प्रायोजक : यूजीसी एफआरपीएल स्टाट अप ग्राट - भारत सरकार
4) राशि स्वीकृत - 6 लाख
5) अवधि - 2 लाख

विस्तार गतिविधियों / एनएलएस/ सांस्कृतिक और अन्य गितिविधियों पर विभाग द्वरा आयोजित जिसमें विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया।

विभाग ने 29 दिसम्बर, 2013 से जनवरी 2, 2014 से बीएससी (सेम-4) एवं एमएससी (सेन-2) के छात्रों एवं शित्रकों को लेकर सुंदरवन भ्रमण का आयोजन किया। यह शैक्षिक भ्रमण चात्रों की इकोसिस्टम की जानकारी से समृद्धि किया। बायोडॉइर्मसिटी, फारेस्ट इकोसिस्टम, कोसरवेशन एवं जंगली जीवजंतु एवं स्थानीय लोगं के बीच के संघात को भी जान पाये।

ए. विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टता

युजीसी , भारत सरकार से इसे एसए सेंटर ऑफ एडवांस स्टडी (सीएएस विभाग) 2007 के अप्रैल से, मान्यता प्राप्त है। पहला कैस सफलतापूर्वक अप्रैल 2007 से 2012 मार्च तक पूरा किया गया। दूसरा कैस 01 अप्रैल 2012 से शुरू किया गया और 5 लाख के लिए जारी रहेगा।

बी. शिक्षकों द्वारा प्राप्त शैक्षणिक विशिष्टता

समीर भट्टाचार्य

समीर भट्टाचार्य भारत सरकार की तरफ से सीएसआरआर टेक्नोलॉजी पर 2013 में अवार्ड प्राप्त किया कर डिसकमरिंग एंटी अर्थिरिटिस मेडिसिन ए लोंग विथ सीएसआईआर-नीइआइएसटी, बीरहट क्लिनिक केरेले विश्वविद्यालय की तरफ से 22, अक्टूबर 2013 में जी.के. मान्ना मेमोरियल आवर्ड दिया गया।

अरुण कुमार राय

फिश माइक्रोबायोलॉजी के एरेना में प्रोफेसर एईआरटी डिपार्टमेंट आफ मेरीन बायतकनोलाजी, नर्शिगयस कॉलेज ऑफ पिरारी सायंस, युनिवर्सिटी ऑप टॉम्सी, सर्वे के साथ कलेक्टिव रिसर्च एक्टा इच योलाजिक।

एट पिस्केटोरिया (पोलैंड) जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य निम्नलिखित पत्रिकाओं के समीक्षक : एक्वाकल्चर (एनीविएर)

एक्वाकल्चर रिसर्च (ब्लेकटेल)
एक्वाकल्चर न्यूट्रिसन (ब्लैकटेल)
जर्नल ऑप द वर्ल्ड एक्वाकल्चर सोसायटी (ब्लैकवेल)
बॉयोरिसोर्स टेकनॉलॉजी (एलेवियेर)
एक्ट इयगोलजिका एट पिस्केटीरिया (पोलैंड)
नेचुरल प्रोडक्ट रिडाएन्स (सीएसआईआर, भारत)
इजरायली जर्नल ऑफ एक्वाकल्चर (बामिडगेह, इजराइल)
फूड एंड केमिकल टाक्सिकलाजी (एनेविएर)
प्रीपिडिंग्ल ऑफ द जुलोजिकल सोसाइटी (कोलकाता), स्पिंगर)

सोमेन कुमार मैत्र

सोमेन कुमार मैत्रा को त्रिपुरा विश्वविद्यालय ने पीजी बोर्ड ऑफ स्टडीज जंतुविज्ञान में एक्सरटरनल एक्सपर्ट के रूप में 2014-2016 तक मनोनीत किया।

वे निम्नलिखित अंतराष्ट्रीय पत्रिकाओं के समीक्षक है-

जनरल एंड कम्परेटिव जूलोजिकल साइंस (एनेविएर)

कम्परेटिव बायोकेमिस्ट्री एंड फिजियोलोजी (एनिविएर)

न्यूरोकेमिस्ट्री अन्तर्राष्ट्रीय (एनिविएर)

एक्वाकल्चर रिसर्च (एनिविएर)

थेराप्यूटिकल एडवांसेस इन इन्डोक्रिनोलॉजी एंड मेटाबोलिज्म (एसयूजीइ पब्लिकेशन्स)

ईकीटोक्सिकोलोजी और इन्विरानमेंट सेफ्टी (एनीवेर)

वेटेनरी क्लिनिकल पैथोलॉजी (बिले-ब्लैकसेल)

जर्नल ऑफ फिश बायोलॉजी (विले ब्लैकवेल)

अफ्रीकन जर्नल ऑफ इन्विरानमेंट साइंस एंड टेक्नालॉजी एशियन फिशरीज साइंस जर्नल (सेलान्गीर, मलेशियम)

शांति पी सिंहा बाबू मूल्यांकन कर्ता के रूप में माइनर रिसर्च प्रोजेक्ट परोपसल (यूजीसी) नर्थ इस्ट रिजन के कॉलेज से प्राप्त किया।

निम्नलिखित पत्रिकाओं के एक समीक्षक के रूप में आमंत्रित माइक्रोस्कोपी रिसर्च एंड टेक्नीक (जॉन विले एंड सेंस) इम्यूनीलाजिकल इन्वेस्टिगेशन्स (टेलर और फ्रोसिस) फार्मास्युटिकल बायलाजी (इनकीर्मा फार्माल्युजिकल साइंस)जर्नल ऑफ पेरालिटिक डिपीजेजे (स्प्रिंगर)

सेल प्रोलिफेरेशन

बीएमसी कैंसर

शान्तनु राय चेयरमैन के रूप में सेवा 19वां इकोलॉजिकल मॉडलिंग फार इकोसिस्टम सल्टेनेबिलिटी इन कांटेक्स्ट ऑप ग्लोबल चेंज पर 27-31 अक्टूबर 2013 तक प्रायोजित इन्टर नेशनल कांफ्रेंस में इंटरनेशनल आर्गनाईजिंग कमेटी के मेम्बर चयनित हुए।

एसीलिएट एडीटर इकोलॉजिकल मॉडलिंग एन इंटरनेशनल जर्नलऑन इकोलाजिकल मॉडलिंग एंड सिस्टम इकोलॉजी पब्लिस्ड बाई एल्सेसिएर, नीदरलैंड (जनवरी 2009 से)

निम्न जर्नल के एडिटोरियल मेम्बर

इकोलॉजिकल इन्फोर्मेटिक्स (एक्सेवियर) (फ्रर्स्ट एंड ओनली मेम्बर ऑफ इंडिया, नवंबर आदि)

नेटवर्क बॉयोलॉजी (इंटरनेशनल एकेडमी ऑप इकोलॉजी एंड इंटरनेशनल साइंसेस, आइएसएलएन 2220-8879)

कम्प्यूटेशनल इकोलॉजी एंड सॉफ्टवेयर (अंतर्राष्ट्रीय एकेडमी ऑप इकोलॉजी एं इनवायरमेंटल साइंस, आईएसएसएन 2220-721 एक्स)

जर्नल ऑफ इकोसिस्टम (हिंदवी प्रकाशन), यूएसए

चाइनीज जर्नल ऑफ पीपुलेशन रिसोर्सेज एंड इनवायरमेंट टेलर और फ्रोसिस)

बॉयोस्पेक्ट्रा अन्तर्राष्ट्रीय जर्नल ऑफ लाइफ साइंस (माधवी श्याम एजुकेशनल ट्रस्ट, रांची, झारखंड, इंडिया) आईएसएसएन 2220-8879)

जर्नल ऑफ थियोरेटिकल एंड एक्सपेरिमेंटल बॉयोलॉजी सेन इंटरनेशनल जर्नल ऑन बेसिक एंड एप्लाइड बॉयोलॉजी (एलियास एकेडमिक पब्लिशर्स, इंडिया)

रिन्यूवर ऑर दि फालीइंग जर्नल्स

इकोलॉजिकल कोम्प्लेक्विटी (एल्र्सवियर, यूएसए)

जर्नल ऑफ बॉयोलॉजिकल सिस्टम (वर्ल्ड साइंटिफिक पब्लिकेशन को, कनाडा) वीएससी इकोलॉजी (बॉयोमेडिकल

सेंटर, मिशिगन)
अंतर्रराष्ट्रीय जर्नल ऑफ फित्तोरेमिडीएशन (टेलर एंड फ्रंसिस, यूएसए)
जर्नल ऑफ टयोरेटिकल बायोलॉजी (एनीविएर, नीदरलैंड)
मैत्रमेटिकल एंड डायनामिक्स सिस्टम इन बॉयोलॉजिकल साइंकिल (प्राप्त)
करेंट साइंस (इंडियन एकेडमी ऑफ साइंस, बैंगलौर, इंडिय)
रिसर्च एं रिव्यूज इन बॉयोलाइसेज (ट्रंड साइंस इंक, इंडिया)
जर्नल ऑफ थ्योरिटिकल एंड एक्सपेरिमेंटल बॉयोलॉजिक (एक्स बियास एकेडमिक पब्लिशर्स, इंडिया)
साइंस एंड कल्चर (इंडियन साइंस न्यूज एसोसिएशन)
कलाइमेट चेंज (स्प्रिंगर)
इकोलोजिकल इंजीनियरिंग (एक्सेविएर)
एप्लाइड मॉडलिंग (एन्सेविएर)
इकोलीजिकल इन्फोरमेशन (एल्सेविएर)
राकेश कुंडु राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय समान के सदस्य
इंडियन नेशनल विज्ञान कांग्रेस एसोशिएशन, कोलकाता, भारत
सोसाइटी ऑफ बॉयोलोजिकल केमिस्ट, बेंगलौर, भारत
अमेरिकल सोसाइटी पर फर्माकॉलोनी एंड एक्सपेरिमेंटल तेरोपियोटिस (एक्सपेट) बेयेलडा भडी
युरोपियन सोसाइटी फर कम्परेटिव इंड्रोकिर्नीलॉजी जूरिरत, स्वीजरलैंड
राकेश कुंडू प्लीस ऑन जर्नल के समीक्षक रहे
सुतापा मुखर्जी नेशनल सोसाइटी के आजीवन सदस्य हो गई।
इंडियन नेशनल साइंस कांग्रेस एसोशियेशन, कोलकाता, भारत
सोसाइटी ऑफ बॉयोलॉजिकल केमिस्ट, बेंगलूर, भारत
सोसाइटी, ऑफ रिपीडिक्टव बॉयोलोजी एंड कम्परेटिव इंडोक्नीलॉजी, चेन्नई, भारत

अप्रैल, 2013- मार्च 2014 से प्रकाशित

ए. किताबें

एस के लाइका एवं डीएन दास, लेब्रोटरी हैडबुक ऑन बेसिक इकोलॉजी (मिटटी, जल, प्लांकटन एंड फीडिंग यूकोलॉजी विभ स्पेशल मेंसन टू पीरिफायटन) विज्ञान प्रकाशन ग्रुप, न्यूयार्क 100018, यूएसए (आइएसबीएन 978-1-940966-08-01)2014

बी. जर्नल में आर्टिकल्स

अलकारियन, एफ.एल, स्पेरस्टेड डी.एल. मेरीफील्ड, ए.के. राय एवं डी रिंगी, द एफेक्ट ऑफ डिफरेंट फिडि रिजिकल यान ईजाइम एक्टिविटी ऑफ एंटलांटिक कॉज (गाड्मॉत मारहुआ एल) गट माइक्रोबाइटो, जलसंस्कृति रिसर्च, वॉल्यूम-1 44-पा. 6, पीपी- 541-546, 201). राय, टी.जी. बनर्जी, एस.के. डान एंड ए.के. राय, अपार्टमाइजेशन ऑफ फर्मेंटेशन कोडियन फर फाइटेस प्रोडक्शंसन वाई टू स्ट्रेस ऑफ बॉलिलान लिपिनिफर्मिस (एलएफआई एवं एलएच)आईसी लेटेड फरम द इंटेसटाइन ऑफ रोइ लानियी रोहिता (हैमिन्स) प्रीसिडिंग ऑफ द जन्तुविज्ञान संख्या वॉल्यूम - 66, न.-1, पीपी- 27-35, 2017.

बनर्जी, जी, ए.के. राय, एफ. असकरेयन एंड इ रिंगी, कैरटर राइजेशन एंड आइडेंटिफिकेशन ऑप इंजाइम प्रोडयूगिंग ऑटोकीनल बैक्टीरिया से द गैस्ट्रीइनटेसटाइनियल ट्राक्ट ऑफ दी बारतीय हवा में सास लेनेवाली मछली, लाभदायक माइक्रोब्स, वॉल्यूम-4, नं.-3, पीपी 297-284, डीओआई-10, 3920 / बीएम 2012, 0051, 2013.

बनर्जी जी एवं ए.के. राय, कैरटरराईजेशन एंड आइडेंटिफिकेशन ऑफ प्रीटिस एंड एमिलेस प्रड्यूलिंग बैक्टीरिया आइसोलेटेड फ्राम द गैस्ट्रीइंटेलटानियल ट्रास्ट ऑफ क्लाइमिंब परम, एनाबस टेसट्यूडिनियस (बंगीय) डेकन करेट

विज्ञान वॉल्यूम - 9-10-1, पी.पी.- 150-159-2013.
डान, एस.के. एंड ए.के. राय कैरेक्टरराइजेशन एंड आइडेंट टिपिकेशन ऑफ पाइटेल प्रोड्यूसिंग बैक्टीरिया आइसोलेटेड फ्राम द गैस्ट्रोइंटेसटाइनल ट्राक्ट ऑफ चार फ्रेशनर टेलेओस्ट एनलस ऑफ सूक्तजैविकी डीओआई : 10, 1007/13213-013-0664-3 (प्रेस में)
राय, टी.जी. बनर्जी एस.के. दान, पी. घोषएंड ए.के. रॉय, टी.जी. बनर्जी एस.के. दान, पी.घोष एवं ए.के. राय इप्रूवमेंट ऑफ न्यूट्रिटिक वैल्यू ऑप सिसेम आयलसीड मील ने फार्मूलेटेड ड्राफ्ट कर रोहू, रेबिया रीहिता (हेमिल्टन), फिंगरलिंग्स आफ्टर फरमेटेशन विथ टू फाइटेस- उत्पन्न बैक्टीरिया स्ट्रेन आइसोलेटेड फिसगट ले. अंतर्राष्ट्रीय जल संस्कृति डीओआई : 10,1007/एस 10499-013-9691-0 (प्रेस में)
रायजी एवं जय भी.सी. डील वेस्ड इमपरफेक्ट ऑफ कीवफ्लाई एस ऑन युकोलॉजिकली महत्वपूर्ण माइक्रोबाइल फंक्शन इन लैटरिटिक कॉषि मिट्टी, जर्नल ऑफ सोयल बायोलाजी एवं यूकोलॉजी वाल्यूम-33, नं. -1 एवं 2 पीपी 95-103, 2013.
मुखर्जी, एस राय एल एंड जॉप, भी.सी., इंहैसमेंट ऑफ लायल इंजाइम एक्टिविटि बाई द फिडिंग इम्पेंट ऑफ इंटरिटि और आर्मीपडल ऑन ट्रापिकल फारेस्ट ट्रि लिफ लिटर, ट्रापिकल ऑकोलॉजी, वॉल्यूम - 55, नं. 1, पीपी- 95-110, 2014.
अत्रेय लहाना एवं जय, बी.सी. "टेम्पीरल चेंजल ऑप कोलेमबोला पॉपूलेशन एंड अलटररेशन ऑफ लाइफ हिस्ट्री पैरामीटर्स एंड एसिटाइकोलाइनेसट्रेस एवं सुपरअक्साइड डिसमुटेस एक्टिविटी इन साइपीडेरस जावानूस (कीलमनीला) पूस बॉयोमार्क्स ऑफ फ्लाई एस पालूशन इन लैटरिटिक लायल, टॉक्सिलीजिकल एंड इंनआमीमेंटल केमिस्ट्री वॉल्यूम 95, नं-8, पीपी 1359-1368. 2014
इप्सिता साहा एवं जय भी.सी. पोटैंसियल टूल एफेक्ट ऑप आइजआर पेस्टसाइडस ऑन लाइफ डिस्ट्रि पैरामीटर इन यूकोलॉजिकल इम्पोर्टेड मिट्टी कोलेनबोला साइपडीरान जाबानूस बर्नर, इंटरनेशनल जनरल ऑफ साइंस इंभारमेंट एंड टेक्नोलॉजी, वॉल्यूम-3, नं.-2, पीपी-365-373, 2014.
अत्रैय सहाना, भौमिक अग्रवाल, शैली भट्टाचार्य एवं जय वडकिपुरम चॉचकी, ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस। रसपॉनरींग इन लाि कोडेरल जवानस बर्नर (कोलेमबोला) फर कोटाकिसलॉजिकल मॉनिटॉरिंग ऑप हेभी मेटल प्रदूषण इन लेटेरिक सायन प्रदूषण रिसर्च, वॉल्यूम-33 नं. -4 (प्रेस में)
मैत्री एस.के. चट्टीराज, ए.के. मुखर्जी एस, एंड मानिरुजामन एस. भेताटिनिन : ए पीटेट कैंडिडेट इन द रेगुलेशन ऑफ फिसओसाइट ग्रीथ एंड मैचुरेशन : जनरल एंड कमपैरेटिव इंडोक्रिनोलॉजी, वॉल्यूम-181, पीपी- 215-222, 2013.
मुखर्जी एस. मीनिरुयजजमन एम.एवं मैत्र एस.के. डैली एंड सिसनल प्रोफाइलस ऑफ गट मेलाटोनिन एवं देयर टेम्पोरल रिलेशनशिप विथ मिनियल एंड सिरम मेलाटोनिन इन कार्य काटला काटला अंडर नैचूरल फ्रंटो थर्मल कंडिसन वॉयोलॉजिकल रियम रिसर्च, वॉल्यूम-45, पीपी-301-315, 2014.
मुखर्जी ए एंड सिनहा बाबू एस.पी. पीस्यूप्रेसस फ्लोरीसेन्स मेडीटटेंड सुपरीसन ऑप मेलोडोजीयन इनकोगनीता इनफेंसन ऑप कोउपिया एंड टोमेटो, आरचिभ ऑफ पाइले पैथोलॉजी खंड प्लान्ट प्रोटेक्सन ओल 46 पीपी 607-616, 2013.
गयान पी, नायक ए, सैनी पी मुखर्जी एन मैत्र एस, शंकर पी सिन्हा बाबू, एस.पी.ए. डबल-ब्लाइंड कन्ट्रोल्ड फीलड ट्रायल अप डोक्सीक्लाईन एंड एलबेन्डाजोलेन इन क्रमणइनेसन जोर द ट्रिटमेंट अप बैनफ्रोफीटन फिल्मरीयासिस इन इंडिया एक्टा ट्रापिक, भोल. 125, पीपी 150-156, 2013
जीरी बी.आर राय ब सिन्हा बाबू, एस.पी. 'इभीडेन्स आफ ए पोपटोसीस इन रैली ईटीना इचीनोबोरथिया इनड्यूलिड बाई मैथानोलिक एक्ट्रा ऑफ श्री ट्रेडिसनल मेडिकल प्लान्ट नर्थ एस्टर्न इंडिया, एक्सपेरिमेंटल पैरासिस्टोलॉजी, भोल. 134 पपी 466-473, 2013.

मुखर्जी एन, मुखर्जी एल सैनी पी,राय वी, सिन्हा बाबू एस.पी. एनटीफीलारीयल इफेक्ट आफ पोलिफेनल रीच इथनोलीक इवसटरा जर्म द लिव ऑफ अजादीरायता इंडिका थ्रू मोलेकूलर एण्ड बॉयोकेमिकल एप्रोच डिसक्राइबिंग रीएक्टीव आक्सीजन, स्पेसिस (आरओएस) मेडिटेटेड एपोटोसिस ऑप सेटरिया कर्मी, एक्सपेरिमेंटल पैरासिस्टोलॉजी, भोल. 136. पीपी 41-58, 2014.

साहा एस.के. चौधुरी जी शैनी पी, सिन्हा बाबू, एस.पी., अलट्रासाउंड एसिसटेड ग्रीन सिनथेसिस अप पोलि (भिनयल अलकोहल) कैंड सिलवर नैनोपार्टिकल्स फार द स्टडी अप इट्स एन्टीफिलारीयल इफिकेसी एप्लाइड सरफेस साइंस भोल 288, पीपी- 625-632, 2014.

मुखर्जी, एस, मुखर्जी एन, सैनी, पी. गयान पी. राय, पी. एंड सिनहा बाबू एस पी मोडेकूलर इभीडेन्स अन द अकूरेन्स अप को इनपेक्सन वित पीचया गुलेर मोनडी एंड उचेरीतिया बैनकाकट्री इन टू फिलारीया इनडेमिक डिस्ट्रीक अप इंडिया, बी.एम. सी. इन्फेकसन डीजीज अप पोभर्ती भोल 3–:13 एई 10-11-86/2049-9957-3-13, 2014.

मुखर्जी एन. सैनी पी, मुखर्जी एल, राय पी., सिन्हा बाबू, एस.पी. इन भीट्रो एंटीफिलारीयल एक्टीभीटी अफ अजाडीरायता इंडिका एक्यूएसस एक्सट्राह थ्रू रीएक्टीभ आक्सीजन स्प्रेसिस इनहेसमेंट, एसिया पैसिफिक जनरल अप ट्रोपीकल मेडिसीन (इन प्रेस)

सरवारदी, एस मंडल, वी.के. एंड राय, एस. इफेक्ट अफ रीफ्यूज यूज्ड बाई प्रे इन प्रीडेहोर प्रे मोडल विद कमपेसेंसुन इन प्रेडिटार स्पेसिस अनली जनरल अफ बायोलोजिकल फीसीस भोल - 39 पीपी - 701-722, 2013

प्रसाद बी.एस.आर.भी. श्रीनावासु, पी.एन.डी.सारदा वर्मा, पी. रमन ए. भी एंड राय एस डाइनेेमिक अप डिसोल्यड ऑक्सीजन इन रिलेसन टू सेटूरेसन एण्ड हेल्थ अपएन एक्यूटीक बाडी ए फेंस फार चिलका, लगून, इंडिया, जनरल ऑफ इकोसिस्टम, आर्टिकल आई.डी. 526245, 17 पेज, डाई. आरजी/10-1155/2014/526245,2014

चटर्जी एस. बनर्जी पीपी चट्टोपाध्याय ए, भट्टाचार्य एस., लो कनेकट्रेसन अफ एसजी 612 ड्राइल रेट हेपोटाइसिस टू ओपेजी /एपोपटोसीस / न्यूरोपरोसीस, इन ए टाइम - डिपेन्डेन्ट मैबर, टैक्सीकोलोजिकल एंड इन्भास्योमेंट केमस्ट्री, भोल. 95 पीपी 1192-1207, डी.ओ.आई. 10-1080/02772248, 2018, 862392, 2013.

श्रीवास्तव आर.सेनगुप्ता ए। मुखर्जी एस, चटर्जी. एस. सुदर्शन एम, चक्रवर्ती ए. भट्टाचार्य एस. चट्टोपाध्याय ए, “इन भीभो इफेक्ट अफ अरसेनिक ट्रीओक्सोसाइड अन कीपल 1- पी62- एन.आर.एफ. टू सीगनलिंग पैथवे इन माउस लीभर एक्सप्रेसन ऑफ एनटीनो - एक्सीडेन्ट रीसपोनसिभ इलिमेंट ड्राईभ गेन्स, रीलेटेड टू ग्लूटेथीवन मेटाबीलिज्म, आईएलआरएन, हेप्टोलॉजी, भोल. 2013, आर्टिकल आईडी 817693, 13 पेज, डीओआई 10.1155/2013/818693, 2013.

नाथ ए. चटोपाध्याय ए, जोशी, एस.आर, बॉयोलोजिकल एक्टीभीटी अप इंडोफीलेक फंगी अप रुबोलफिया सेपरेनटीना बेथ : एन इथोमेडिकनल प्लान्ट यूज्ड इन फील्ड मेडिसीन इन नर्थ ईस्ट, इंडिया, प्रोसेडींग अफ द नेशनल एकाडेमी अप साइंस इंडिया सेक्सन की. बॉयोलोजिकल साइंस, पीपी- 1-8, 2013.

मुखोपाध्याय डी. चट्टोपाध्याय ए. इनडक्सन अप आवर्तीडेटिंग स्ट्रेस एंड रीलेट ट्रानलक्रीपीटनल इफेक्ट अप सोडियम क्लोरीड इन फिमेल जेबराफिस लीभर, बुलेटन अप इनमामोमेंटल कोनट्रामीनेशन एंड लेक्सीयोलॉजी डीओआई - 10.1007/500128-014-12710, 2014.

चटर्जी एस, मुंशी सी. चट्टोपाध्याय ए, भट्टाचार्या एस. मरकरी क्लोराइड इफेक्ट अन एडल्ट रेट ओभल सेल्स इन्डयूस्ड एपोपटोसील, टोक्सीक्लोजीकल एंड इनभार्योमेंट केमेस्ट्री, डीओआई 10-1080/02-772248, 2014, 904085, 2014.

सेनगुप्ता ए, मुखर्जी एस, भट्टाचार्या ेस, शाहा एल.के. चट्टोपाध्याय ए, एक्सप्रेसन पैटर्न ऑफ आईजेनिक रेगुलटरी ट्रांसक्रिप्सन फैक्टर एमआरएनएएसइन इमब्रायो एंड एडल्ट लेबियो रोहीता हमीलासन, 1822) अन्तर्राष्ट्रीय जनरल ऑफ जूलॉजी, भोल 2014, आर्टिकल आईडी 259685, 9 पेज, डीओआई, 10, 1155/2014/259685, 2014.

अधिकारी एस घोष ए. मंडल एल,सेनगुप्त ए. चट्टोपाध्याय ए. मैटालोबस जेएस लोहार एस. दास डी. भीजिबल लाईट एक्ससाइटेबल अन. फ्लूरेनल एंड नेक्ड आई डेटेक्शन अप नी. यू 2 प्लस भीथा हाइड्रोलाईसीस अप रहोडेनिम-थी ओफेन कनजुगेट हुमन ब्रस्ट कैंसर सेल (एमसीएफ-7) इमैजिंग स्टडी, डाल्टन ट्रानसेक्सन, भोल 43, पीपी 7747-7751, डीओआई : 10, 1039/ई4डी प्लस 00002ए. 2014

देवश्री घोष एंड दिपक कुमार मंडल, "मेडीयन लेलरेन्स लिमिट (टीएलएम) एंड सेफ असेट्रेशन ऑफ मेकूरीक क्लोराईड फॉर एन इंडियन मेजोरक्राप, लेबियो रोहिता (हेमिल्टान) एसियन जनरल अप एक्स पेरिमेन्टल बॉयोलोजिकल साइनस भोल 4, 302 पीपी 310-314, 2013.

देवराज राय,देवर्षि घोष, एवं दीपक कुमार मंडल कैडमिमम इंडयूस्ड हिस्ट्रीपैथलॉजि इन द अलफैक्टरी यूपियैलियम ऑफ परा पंकटेटस (ब्लोच) इंटरनेशनल जनरल ऑप एक्वोटिक बॉयोलॉजि, वॉल्यूम-1 नं. 3 पीपी 221-227, 2013

अरिजित गांगुली, रनिता चक्रवर्ती मौसमी दास, मौमिता गुप्ता, दीपक कुमार मंडल, परिमलेन्दु हालदार, जुलियेटा रैमस एलरडी एवं जोश मैन्डयन पिनो मोरेनी, ए प्रिलिमिनेरी स्टडी ऑन द रस्टिमेशन ऑप न्यूट्रिएंटस एवं एंटी न्यूट्रिएंटस इन ओएडालियल एबरपटस (यंगर्बज) (अर्मीपेटरा : एकरिडिडे) इंटरनेशनल जनरल ऑफ न्यूट्रिसन एंड मेटाबलिज्म, वॉल्यूम -6, नं.-3, पीपी 60-652013 देवर्षि घोष एवं दीपक कुमार मंडल, मरक्युरी इनड्यूस्ड टक्सिमिटी रिसपॉनसेल इन द ऑल फैक्टरी एपियेलियम ऑफ लॉबिमी रीहिता (हैमिल्टन), जनरल ऑफ फिस फिजियोलॉजी एवं बॉयोकेमिस्ट्री, वॉल्यूम - 44 नं. 1, पीपी 83-92, 2014.

सुभाशीष घोष, परिमलेन्दु हालदार एवंदीपक कुमार मंडल, सुटेबल फुड प्लांटस पर मास रिपेरिंग ऑफ इन असरिटिस अक्सया हामला, हामला, युरोपियन जनरल ऑफ इंटोमृलपि, वॉल्यूम-111, नं. 3 (ऑनलाइन प्रकाशित) 2014

गुहा, ए, साहित्य, जी. एवं साहा. एस.के. 'सरवाइनरसिप एवं केकनडिटी ऑफ आरगुलस बेंग्लोसिल (क्रुसटासिया : ब्रानयुरिया) अण्डर लैबकी स्थिति इनभरटिब्रेट रप्रोडक्शन एवं डेवलपमेंट, डीओआई : 10, 1080/0 प्लस 924259-2013, 93217, 2013.

बैनर्जी, ए. एंड साहा, ए.के. टिसू स्पेफिक स्ट्रार्चल भेरियान ऑफ माइट्रीकाइड्रिया ऑफ फिस एकटीपैरासाइट आर्गुलस बेंगलानेसिस रामकृष्ण, 1951 (क्रस्टेलिया : ब्रानसिउरा) : फसंलन इम्पिलिकेशन, जनरल ऑफ आडवान्स्ड रिसर्च (प्रेस में) डीओआई : 10.1016/जे.जेयर. 2013.04.004

बनर्जी, ए एंड साहा, ए.के. विपदासिक कंट्रोल ऑफ आंगुलिस बेंगलानिसिस रामकृष्ण, 1951 (कुलटासिया : ब्रानचिउरा) विथ प्लान्ट डेरिवेटिब्स, कंवाकल्चर वॉल्यूम 414-415, पीपी 202-009, 2013.

रायकीया एस.के. मजुमदार एस.नंदी एस एंड साहा एस. के. मारफीडिंग अकोलॉजी ऑफ द फ्रेशवॉटर फिश रोहू लेबिया रोहिती (हेमिल्टन 1822) : ए केस ऑफ इंटेलिजेंट फीडिंग इन पेरिफायटॉन बेलड यनमॉसरमेंट, जन्तुविज्ञान एवं परिवेश विज्ञान वॉल्यूम 23, नं.-4, पीपी 266-274, 2013.

बनर्जी, ए मान्ना एस एंड साहा ए.के. मॉरफीलीमिकल कैरेटाइजेशन ऑप टेस्टिकूलर सेल, स्पार्माटोबेनसिस एंड फॉरमेशन ऑफ स्पामीटो फोरस इन ए फिश एक्टोपेरासाइटस आरगुलस बेंगलानेनसिस रामकृष्ण, 1951 (कुसटासिस : मानचिउरा) टिलू एवं सेल वॉल्यूम 46, नं. 1 पीपी 59-69, 2014.

साहा ए.के. दास, पूस, चौधरी पीएंड साहा ए.के. बायोकॉमपौटबिल्टी ऑफ ए सॉनोकैमिकली हिनर्थसाइज्ड पॉली(एनआरसी प्रोपाइलएक्रिभासाइड) सिलिका नैनोकम्पीेल्टि, आरएससी एडवांसले वॉल्यूम-4 पीपी- 14457, 14467, 2014.

सुमन कुंडू, सप्तर्षि राय, लरिसा मॉरवलिंग लिंड्स, वर्ड स्पेट्म एंथलमेंटिक पॉटेंशिलयल ऑफ कॉसिया पलांट्स 'एशियन पेसिफिक जरनल ऑप ट्रापिकल बॉयोमेडिसिन डीओआई : 10, 12980/यूपीजेटीबी. 4.2014सी1252, 2014.

दास डी खान पीपी, मैत्र एस. पार्टसिपेसन ऑफ पी 13-किनाप /प्रकट सिगनालिंग इन इनसुलिन ल्ट्रिमुलेशन ऑफ

पी34 सीडीसी 2 एक्टिवेंगन इन जेबराफिस ओकोलाइटच कोस्पोजइस्ट्रेस 3 एक्स ए पोटेंसियल डाइनस्ट्रिम टार्गेट मॉलिक्यूलर एंड सेलुलर इंडोक्रिनोलॉजी वॉल्यूम - 374, पीपी, 46-55.2013.

आकाश काधारी, बुद्धिन गगोई, रशमी द्वारा कामकर आरन, पृथा घोष, सुदीप्त मैत्र, शमीर भट्टाचार्य, देवांशु एन दास, हैबिटेट प्रिफरेंस ऑफ एन इनडेंजरड हिल स्ट्रिम कैट फिस ओलियरा लॉगिकेउडाटा अरुणाचल प्रदेस से, भारत, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फिसारिस एंड एक्वाटिक स्टडीज वॉल्यूम . नं. 3, पीपी 86-93.02014

एस.के. लाािकिया, एस नंदी एस. मजुमदार, ए रिभियू ऑन द रोल ऑफ - न्यूट्रिरेंस इन डेवलपमेंट ेंेंड अरगानाइजेशन ऑफ पेरिपायटन जर्नल ऑप रिसर्च इन बॉयोलोजी- बाल्यूम -3 नं. 1 पीपी 280, 2013.

एस.दास, एस नंदी एस मुजमदार एंड एम के साइकिया, न्यू कैरटर आइजेशन ऑफ पीडिंग हैविट्स ऑप पॉनटिप्रान स्कोर (हेमिलन- 1822) थ्रा मॉफोमेट्रि, जर्नल ऑफ फिलरीलाईसडॉट.कॉम वॉल्यूम-7, न.3 पीपी 225-231. 2013.

टी. मंडल एल मजुमदार एंड एल. के साइकिया, एन. एनासाइसिस ऑफ गर्भ लेंग टू मरफोमेट्रिक मेसर ऑफ लाबियो बॉटा (हेमिल्टन 1822) इंटरनेशनल जनरल ऑफ साइंटिफिक रिसर्च, वॉल्यूम 2, नं.-1, पीपी 16-1, 2013.

एस.के. साइकिया, एस के. साहा एंड एस. मजुमदार, प्रिलिभिनारी इंभेसटिगेशन ऑन द डाईभरसिटी ऑप प्लांकटन एंड पेरिफाइटन फ्राम ए फ्रेश वाटर पउंड स्टक्ड विथ रोहू, लीबिया रोहिता (हेमिल्टन, 1822) ऐसे जनरल ऑफ फिलारिस एंड एक्वाटिक साइंस वॉल्यूम 30, नं. 4, पीपी 183-186, 2013.

आई समाजदार एवं एल के. साइकिया, ट्रेडिशनल फीलिंग गियर्स ऑफ ट्रेडिशनल नॉलेज, वॉल्यूम - 13, नं. 1 पीपी 187, 194, 2014.

एल चट्टोपाध्याय, एस नंदी एंड एस.के. ाइकिया, माउथ मरफोमेटरी एंड आर्किटेक्चर ऑफ फ्रेसवाटर कैट फिरा मिसटस सिटाटस ब्लाच (1974) (सिलपुरीफार्मान, बार्गिडे) इन रिलेशन टू इट्स पीडिंग हैबिट 'जनरल ऑफ लांटिफिक रिसर्च वाल्यूम-6, नं. 1 पीपी-169-174, 2014.

एस.के. साइकिया एंड डी.एन. दास, सस्टेंनेेबल एक्वाकल्चर एगरी-यकिलोजिकल रोल ऑफ पेरिफाइटन इन राइस फिस फार्मिंग रिभूल इन एक्वाकल्चर वॉल्यूम-6, पीपी - 1-16, जीबीआई 10.1111/आरएक्यू 12062 (प्रेस में)

एस. डेंजर एस मजुमदार एंड एस.के. साइकिया, बैंक कैलकुलेशन ऑफ बॉडी वेट ऑफ लेबियी रोहिता फ्राम डिफ्रेंट स्केल मेजर्स जर्नल ऑफ फ्रांटायर रिसर्च एक्सएक्स-एक्सएक्स (प्रेस में)

एस मुखर्जी एस चटर्जी एस सरकार एल भगरवील, एम अगरवाल आर कुंडु, एस मैत्रा, एस भट्टाचार्य, मल्यूस क्रिएटिव प्रोटीन क्रासेस स्पेसिस बेरियर एंड रिर्भसेस हेपाटीटोसिटी ऑफ लीड इन रॉडेंट मॉड्लस, इंडियन जर्नल ऑप एक्सपेरिमेंटल बॉयोलोजी वॉल्यूम-51, पीपी 623-634, 2013.

ली जी मैं, मुखर्जी एस युन के एच, द्विवेदी एम एवं बद्योपाध्याय थे, द मल्टिपल फेसेस ऑफ कैंल्सिन्यूरिन , दिनैसिंद इन ताइनोकाडा बडिटिस एनिंगेल डेभलपमेंट, विहेवियेर एंड एजिंग, जनरल ऑफ बॉयोसाइंस, वॉल्यूम- 38 नं. 2 पीपी 417-931, डीओआई 10, 100713 12038-013-9319-6, 2013 (मैं निरतक समन रूप में सहायता)

पी चटर्जी, एल, सील एल. मुखर्जी आर कुंडू, एस मुखर्जी, एन राय , एस, मुखोपाध्याय, एस.एस. मजुमदार, एंड एल भट्टाचार्य एडिपोसाइट फेटू िन-ए कंर्टिन्यूट टू एंड देयर पोलाराइजेशन मैकरीफैज माइग्रेसन टूंटू एडिपीस टिसू, जर्नल ऑप वॉयी लोजिकल केमिस्ट्री वॉल्यूम, 288, पीपी - 28324-28330, 2013.

अग्रवाल एस. अमीन के एस जगदीश एस, वैशी जी, रॉड पीजी, बरुआ एन सी, भट्टाचार्य एस. बैनर्जी पीपी, महानाइन रिस्ट्रोल रासफ 1 एसप्रेशन बाई डाउन- रेगूलेटिंग डीएनएमटी1 एंड डीएनमटी 3बी इन प्रोसटेट कैंसर सेल, मल्यूकूलर कैंसर वॉल्यूम 12, नं. -1 पीपी - 99 डीोआई- 10-1186/1476-4598-12-99, 2013.

अमीन के एस, जगदीश एस, वैश्य जी रॉव पीजी बरुआ एनसी. भट्टाचार्य एस. बनर्जी पीप ए नैचरुमली डिराइमड

स्मल मालिक्यूल डिस्रप्टस लिगेंड डिपेडेंट एंड लिंगेड इनडिपेंडेट एडीबेन रिलीटर स्निलिंग इन ह्यूमेन प्रोस्टेट कैंसर सेलस, मॉलिकूलर कैंसर पैराप्यूटिस, डीसीआई छ 10, 1158/1535-7163, एमसीटी- 13-0478-2013.
रॉय ए. चैटर्जी एस. मुखर्जी एस. भट्टाचार्य एस, इंटरप्ले ऑप लस ऑस इआरवी डेपिंडेस एंड एम्पिलिफिकेशन ऑफ एपीपटोटिक लिगलंस इन आर्सेनिक ट्रिटेड रैट हैपाटासाइटिस, नेशनल एकाडमी ऑप साइंस लेटर्स वॉल्यूम 36, 10-6, पीपी 599-602, 2013.
राय ए चटर्जी एल, मुखर्जी एस, भट्टाचार्य एस., आर्मेनिक ट्रायमक्साइड इनड्यूस्ड इंडारेक्ट एंड डारेक्ट इनहिबेशन ऑफ ग्लूयायिओन रेड्रकटेस लीड टू एपीपटीलिस इन रैट चैपाटोसाइटिंस, बॉयोमेटल्स (डीओआईः 10. 1007 / एस 10534-014-9722 वाई), 2014

सी. आर्टिकल इन बुक चेपटर्स

चट्टोपाध्याय ए पोद्दार एस, भिनरल फ्लूरॉइड (पाठ) किताब इनसाइक्लोपीडिया ऑप टॉकिसकलॉजि, तृतीय एडिसन, वॉल्यूम-4 एलसिवर आईएनसी, एकाडेमिक प्रेस संपादक - बेक्सभर पीपीपी - 929-941. 2014

पेटेंट अपलाइड

चौधरी एम के, हुसैन एल, भरद्वाज एस, सिंहा युबी, तालुकदार डी बोस यु, मजुमदार एल एस, भट्टाचार्य एस. दासगुप्ता एस, कुंडु आर, भट्टाचार्य एस, भट्टाचार्य एस (2013) इनसुलिन मिमिटिक रक्टिव कॉमप्राइबिंग ऑक्सोडाईप्रेरक्सी भानडिट्स एंड ए कमरिप्यूटिकल कॉमपीपीशन नं. 14/007506
सील एस, चटर्जी पी. भट्टाचार्य एस पाल डी दासगुप्ता एस कुंडू आर, वैश्वय जी बरुआ पीके बरुआ एनसी रोड पीजी, भट्टाचार्य एस (2013) ए सिनरजिस्टिक फर्मासिउटिकल कम्पीजिशन फूल फेफड़े के कैंसर के लिए उपयोगी पीसीटी इंटरनेशनल, आवेदन न. पीसीटी य आइएन2012/000581 (डब्ल्यू ओ 2014002104)
भू यान, एम, बरुआ, एन सी, बरुआह, पीके एवं रामी, पीजी चटर्जी पी, सील, एस, कुंडु भार, मुखर्जी, एस, भट्टाचार्य, एस (2013) महानाइन एरेस्ट ग्रोथ एम इंड्यूस यूपीपटीटिक मृत्यु ऑफ लंग्स कैंसर सेल वाई टार्गिटिंग एम टी भी आर सी।
एंडएमटी ओभारसी 2 काम्पेलक्सेल, पेटेंट नं. 0275 एनएफटी 2013.

नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या विभाग द्वारा शुरू की किसी भी अन्य शिक्षण नवाचारों डिजाइनिंगः

बीएससी के लिए विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली और एमएससी और पीएच.डी. के लिए अनिवार्य पाठ्यक्रम का काम शुरू किया गया है। वर्तमान में, बीएससी के पाठ्यक्रम (ऑनर्स।), एमएससी और पीएच.डी. पाठ्यक्रम काम संशोधित किया जा रहा है। संगोष्ठी पुस्तकालय और वाचनालय की सुविधा पुनर्निर्मित।

विकास के लिए भविष्य की योजनाओं का एक संक्त के साथ संबंध भवन / सदन / विभाग के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहासः

विभाग के बारे में

शिक्षा-भावना के तहत जूलॉजी, अग्रणी विभागों में से एक विभाग (विज्ञान संस्थान) शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में 46 से अधिक वर्षों के लिए सर्मपित शैक्षिक सेवा के एक गर्व का इतिहास रहा है। विभाग का मुख्य आकर्षण का कुछ जीवन विज्ञान, अनुसंधान के लिए बाह्य वित्त पोषण की मात्रा, की संख्या की सीमा क्षेत्रों में अंतःविषय शिक्षण और अनुसंधान कर रहे हैं पर जा अनुसंधान परियोजनाओं का उत्पादन किया है Ph.Ds की संख्या, इंटरनेशनल में प्रकाशित शोध पत्र की संख्या और राष्ट्रीय पत्रिकाओं, पेटेंट की संख्या दायर की है, और समझौता ज्ञापन अनुसंधान संस्थानों के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान के लिए हस्ताक्षर किए्।
वर्तमान में विभाग द्वारा की पेशकश की पाठ्यक्रमों बीएससी कर रहे हैं जूलॉजी में बीएससी (ऑनर्स) और ग.च्ड्। आने वाले वर्षों में हमारे निरंतर प्रयासों के शिक्षण और अनुसंधान के लिए सभी आधुनिक सुविधाओं के साथ उत्कृष्टता के एक केन्द्र के लिए इस विभाग का निर्माण करने के लिए किया जाएगा। इस विभाग में अच्छी तरह से एकीकृत जीवविज्ञान की किसी भी शाखा में उपक्रम में गहराई से अनुसंधान के लिए बुनियादी ढांचे और अत्याधुनिक

उपकरणों का विकास किया है। विभाग डीएसटी से यूजीसी से क्र्ख्क्ष्च्च्‌ और मुट्ठी की तरह प्राप्त अनुदान 1994 में सैप केतहत विशेष सहायता उपलब्ध कराने और उसकेबाद केलिए यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त किया गया है। क्योंकि शिक्षण और अनुसंधान केनिरंतर गुणवत्ता केयूजीसी जूलॉजी में एडवांस्ड स्टडी सेंटर (कैस) केरूप में विभाग को मान्यता दी गई है। 1 कैस सफलतापूर्वक अप्रैल केदौरान पूरा किया गया 2007-मार्च 2012 के2 कैस 1 अप्रैल 2012 से शुरू किया गया है और अगले पांच साल केलिए जारी रहेगा। डीएसटी मुट्ठी (लेवल-द्वितीय) ने भी 2012 से शुरू किया गया है।

विभाग केप्रमुख की राय में लायक रिपोर्टिंग है जो किसी भी अन्य प्रासंगिक जानकारी, शामिल किया जाना चाहिए।

मौजूदा पाठ्यक्रम सैद्धांतिक और व्यावहारिक पाठ्यक्रमों दोनों को कम या ज्यादा समान महत्व देता है। विभाग शिक्षण और अनुसंधान केलिए इस्तेमाल लाइव / संरक्षित पशु नमूनों को संभालने केलिए व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया गया है। मौजूदा पशु कमरा छोटा है, लेकिन सामान्य वर्गों और अनुसंधान केलिए आवश्यक घर खरगोश, चूहों और चूहों केलिए सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। हालांकि, पशु आचार समिति की सिफारिशों केअनुसार पशुओं के आवास केविभिन्न समूहों केलिए उचित सुविधाओं केसाथ एक बड़ा जानवर घर की आवश्यकता है। विभाग प्रसंस्करण केअंतर्गत है जो पशु हाउस केलिए एक प्रस्ताव रखा गया है। विभाग वर्ग और अनुसंधान प्रयोजनों के लिए जानवरों की तैयारी केनैतिक पहलुओं को सुनिश्चित करने केलिए सभी उपाय करता है। मौजूदा पाठ्यक्रम व्यावहारिक प्रदर्शन और अन्य प्रयोगों केलिए जानवरों का ही आसानी से उपलब्ध/ कृषि योग्य समूहों में से कम से कम उपयोग होता है। स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में हमारे छात्रों जूलॉजी केसभी पहलुओं में भी है लेकिन जैव रसायन, कोशिका जीव विज्ञान, जेनेटिक्स, पारिस्थितिकीय, इम्यूनोलॉजी की तरह जीवन विज्ञान की अन्य शाखाओं में न केवल सबसे अच्छा व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं, और अत्याधुनिक उपकरणों का उपयोग कर आधुनिक प्रयोगात्मक तकनीक सीखना। हम गर्व से उन्नत सुविधाओं केइस प्रकार केकेवल बुनियादी ढांचे केविकास केलिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और डीएसटी से प्राप्त उदार अनुदान केमाध्यम से छात्रों केलाभ केलिए और शिक्षकों केकठिन परिश्रम केद्वारा बनाया जा सकता है कि स्वीकार करते हैं। बहरहाल, अब हम निर्माण और क्लास रूम, व्यावहारिक प्रयोगशालाओं, अनुसंधान प्रयोगशालाओं, पशु / मछली पालन कमरे, शौचालय, आदि जैसे छात्र सुविधाओं केविकास केआगे विस्तार केलिए अंतरिक्ष की भारी कमी का सामना कर रहे।

वनस्पति विज्ञान विभाग

(1) के छात्रों को नेट 4 में योग्य

(2) के छात्र गेट 8 में योग्य

विभागीय सेमिनार / कार्यशालाः

संगोष्ठी 4

(क) राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानक सम्मेलन / सेमिनार / संकाय सदस्य ने भाग लिया आदि कार्यशालाएंः

(ख) देबीदास भट्टाचार्य बंदोबस्ती व्याख्यान, 19 दिसंबर, वनस्पति विज्ञान और पूर्व प्रमुख, वनस्पति विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय में उन्नत अध्ययन के लिए 2013 प्रोफेसर सुमिता झा प्रमुख, जेनेटिक्स विभाग और समन्वयक, सेंटर पर बंदोबस्ती व्याख्यान दिया औषधीय पादप जैव प्रौद्योगिकी।

प्रो सुधेन्दु मंडल

ए. पीएच.डी. छात्रः

कार्यः आठ (दो - सीएसआईआर नेट, एक-बीएसआई बंदे, 3-शिक्षक पद के उम्मीदवार और 2-अन्य साथी

बी. कान्फरेंस/ सेमिनार / कार्यशाला, आदि में भाग लियाः

1. भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के पादप वर्गीकरण पर एक दिवसीय बुद्धिशीलता सत्र में पादप वर्गीकरण विश्वविद्यालयों में अध्यापन पर रिसोर्स पर्सन के रूप में वितरित आमंत्रित व्याख्यान (पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत भारत सरकार) केन्द्रीय राष्ट्रीय वनस्पति संग्रहालय, भारतीय पर बॉटनिकल गार्डन, शिबपुर, 25 अप्रैल 2013 पर हावड़ा।

2. 24 जून 2013 को भारतीय सांख्यिकीय संस्थान के तकनीकी सलाहकार समिति (टीएसी) की बैठक में भाग लिया।

3. 28 जून 2013 को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली में विज्ञान अनुसंधान की उत्पत्ति और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, प. बंगाल की अकादमी पर व्याख्यान आमंत्रित दिया।

4. 9 जुलाई 2013 पर बोस संस्थान, कोलकाता में भारतीय विज्ञान समाचार एसोसिएशन के 79 वें स्थापना दिवस पर स्वागत भाषण और परिचयात्मक व्याख्यान दिया।

5. सदस्य सचिव के रूप में कोलकाता में भारतीय विज्ञान समाचार एसोसिएशन की कार्यकारी परिषद की तीन बैठकों में भाग लिया।

6. संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता में विज्ञान पत्रिका और संस्कृति के दो संपादकीय बोर्ड बैठकों में भाग लिया।

7. उपराष्ट्रपति के रूप में वनस्पति विज्ञान, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता के विभाग में प्लांट फिजियोलॉजी फोरम के दो कार्यकारी परिषद की बैठक में भाग लिया।

8. कोषाध्यक्ष के रूप में कोलकाता, आईआईसीबी में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के पि चम बंगाल अकादमी के कार्यकारी परिषद की तीन बैठकों में भाग लिया।

9. तकनीकी सत्र मैं अध्यक्षता की और 22 एस.एम. पर संबोधित वनस्पति विज्ञान विभाग में प्लांट फिजियोलॉजी फोरम की सरकार सम्मेलन 2013, 12 अगस्त 2013 को कलकत्ता विश्वविद्यालय।

डीबीटी ऑफिस पर इम्फाल, मणिपुर और मानव स्वास्थ्य पर उनके प्रभाव में ठोस अपशिष्ट डंपिंग साइट पर 10. एयरबोर्न माइक्रोबायोटा पर वितरित परियोजना से संबंधित प्रस्तुति, भारत सरकार, भारत, 3 सितंबर, 2013 को नई दिल्ली के।

11. मिलो में 'भारत में विज्ञान शिक्षा की उत्पत्ति डीएसटी, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित विज्ञान संचार और मीडिया अभ्यास पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के वैज्ञानिक कार्यक्रम पर व्याख्यान आमंत्रित दिया। भारत की, नई दिल्ली 21 सितंबर 2013 को 9 जुलाई से भारतीय विज्ञान समाचार एसोसिएशन, कोलकाता द्वारा आयोजित।

12. वितरित व्याख्यान, 6 अक्टूबर 2013 को बोलपुर हाई स्कूल, बोलपुर की तीन दिवसीय वार्षिक समारोह में सम्मानित अतिथि के रूप में ।

13. लिपिका सभागार, शांतिनिकेतन में 11 अक्टूबर 2013 को भारत और विश्वभारती के माननीय राष्ट्रपति की उपस्थिति में - गीतांजलि से कुछ गीत पेशकश एशिया के प्रथम नोबेल पर कार्यक्रम में भाग लिया

14. भाग लिया और नवंबर 2013 15-17 पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन में अल्गोलोजी और जैव प्रौद्योगिकी (2013) में फ्रंटियर्स 'पर राष्ट्रीय सम्मेलन भाग लिया।

15. 26 सितंबर, 2013 पर स्वागत भाषण और बोस संस्थान, कोलकाता में भारतीय विज्ञान समाचार एसोसिएशन के 78 वें वार्षिक आम बैठक में परिचयात्मक टिप्पणी वितरित किया गया।

16. एमएसएसआरएफ, एस आर एम विश्वविद्यालय, युवा विकास के राजीव गांधी राष्ट्रीय संस्थान और विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित 6-9 दिसंबर 2013 से शांतिनिकेतन में 5 युवा विज्ञान कांग्रेस में भाग लिया और जैविक विज्ञान पर वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता ..

17. भाग लिया और 17 दिसम्बर 2013 पर आईआईसीबी, कोलकाता में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के पर्श्चिम बंगाल अकादमी की वार्षिक आम बैठक में कोषाध्यक्ष की रिपोर्ट प्रस्तुत किया।

18. उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की और 13 जनवरी 2014 को एकीकृत विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र, विश्वभारती, शांतिनिकेतन से - संस्थापक डीएसटी प्रेरित इंटर्नशिप शीतकालीन शिविर में टैगोर और पुस्तकालय पर व्याख्यान आमंत्रित दिया।

19. यूजीसी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में वितरित मुख्य भाषण राष्ट्रीय संगोष्ठी पर्यावरण क्षरण और उत्तर पूर्व भारत के विशेष संदर्भ में जर्मप्लाज्म पर इसके प्रभाव वनस्पति विज्ञान विभाग में, डी.के प्रायोजित कॉलेज (गुवाहाटी विश्वविद्यालय), मेजिया 23 पर असम जनवरी 2014।

20. 29 जनवरी 2014 पर राजभवन, कोलकाता में देने पदक और गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर को नोबेल पुरस्कार के डिप्लोमा के अवसर के उपलक्ष्य में कार्यक्रम में भाग लिया।

21. 30 जनवरी 2014 पर सिलुट वसन्तपुर हाई स्कूल, बर्दवान में गणित की शिक्षा के लिए केंद्र के विस्तार कार्यक्रम में उद्घाटन भाषण दिया और पहले तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

22. 10 फ़रवरी 2014 पर सत्यनारायण सिलुट वसन्तपुर हाई स्कूल, बर्दवान के स्वर्ण जयंती समारोह कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में वितरित व्याख्यान।

23. टैगोर स्टडीज, रवींद्रभवन, शांति निकेतन में बीओएस द्वारा आयोजित 23 फ़रवरी 2014 पर रवीन्द्रनाथ और शांतिनिकेतन पर अभिविन्यास कार्यक्रम में भाग लिया।

24. पर्यावरण जीव विज्ञान और पर्यावरण मॉडलिंग (ICEBEMÂ 2014) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन कार्यक्रम में अध्यक्षीय भाषण दिया और जूलॉजी के कैस विभाग द्वारा आयोजित शांति निकेतन में 24 फ़रवरी 2014 पर वैज्ञानिक सत्र (इकोलॉजिकल मॉडलिंग और फील्ड पारिस्थितिकीय) की अध्यक्षता की , विश्वभारती।

25. भारतीय विज्ञान समाचार एसोसिएशन, कोलकाता द्वारा आयोजित 26 फ़रवरी 2014 पर बोस संस्थान, कोलकाता में: राज्य विशिष्ट मूल्यांकन के लिए की जरूरत विज्ञान और प्रौद्योगिकी नीति 'पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में स्वागत भाषण और व्याख्यान दिया।

26. स्नातक स्तर पर सेमेस्टर प्रणाली के तहत गणित पढ़ाने: परिप्रेक्ष्य और शक्ति 'पर राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन कार्यक्रम में अध्यक्षीय भाषण दिया 1 मार्च 2014 पर शांति निकेतन में।

27. 9 मार्च 2014 पर रसायन विज्ञान, विश्वभारती, शांतिनिकेतन के विभाग में रसायन विज्ञान में हाल के अग्रिमों पर यूजीसी सैप डीआरएस राष्ट्रीय संगोष्ठी में अध्यक्षीय भाषण दिया।

28. शांतिनिकेतन में 19 मार्च 2014 पर उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की और उपयोगिता और जलवायु परिवर्तन संयंत्र विविधता 'विषय पर कार्यशाला में संयंत्रों, पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य' विषय पर बात करते निमंत्रित दिया।

29. 22 मार्च 2014 को बंगाल प्रबंधन संस्थान, शांतिनिकेतन में RAMEM 2014 पर राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में वितरित व्याख्यान।

30. तीन दिवसीय आवासीय क्षेत्र प्रशिक्षण कार्यक्रम प. बंगाल जैव विविधता बोर्ड, विभाग पर्यावरण के द्वारा आयोजित आम के पौधों की पहचान में समापन भाषण दिया (प.बंगाल सरकार), बीएसआई (सरकार भारत के) और विश्वभारती शांतिनिकेतन में 24 मार्च 2014।
31. उद्घाटन यूजीसी डीआरएस गणित, विश्वभारती, शांतिनिकेतन विभाग में 25 मार्च 2014 पर नॉनलिनियर गणित और उसके आवेदन पर हाल के परिप्रेक्ष्य' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रायोजित।
32. उद्घाटन भाषण दिया और 28 मार्च 2014 को बॉटनी, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, विभाग में 'जैव विविधता और सतत विकास' विषय पर यूजीसी डीआरएस संगोष्ठी में सत्र की अध्यक्षता की।

सी. शैक्षणिक भेदः

1. 1 जनवरी 2014 पर डीन, शिक्षा-भवन (विज्ञान संस्थान), विश्वभारती, शांतिनिकेतन के रूप में शामिल हुए।
2. उपराष्ट्रपति और कार्यकारी परिषद के सदस्य, प्लांट फिजियोलॉजी फोरम, कोलकाता
3. मानद सचिव और कार्यकारी परिषद के सदस्य, भारतीय विज्ञान समाचार एसोसिएशन, कोलकाता।
4. मानद कोषाध्यक्ष और कार्यकारी परिषद के सदस्य, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, कोलकाता प चिम बंगाल अकादमी।
5. राष्ट्रपति (मानद), बीरभूम बानाबानी चेतना उद्योग, बोलपुर
6. बाजरा की पंचवार्षिक रिव्यू टीम के विशेषज्ञ सदस्य और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अखिल भारतीय बाजरा सुधार परियोजना (आईसीएआर), नई दिल्ली (2012-2013)।
7. विशेषज्ञ सदस्य, लाइब्रेरी, प्रलेखन की तकनीकी सलाहकार समिति (टीएसी) और भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता की सूचना विज्ञान प्रभाग।
8. पदोन्नति / कैरियर एडवांसमेंट एंड स्क्रीनिंग-आकलन / एफसीएस के आकलन के लिए समिति के विशेषज्ञ सदस्य बोस संस्थान, कोलकाता।
9. सहायक प्रोफेसर / एसोसिएट प्रोफेसर / विभिन्न विश्वविद्यालयों / संस्थानों के प्रोफेसरों के पदों के लिए विशेषज्ञ सदस्य, चयन समिति।
10. 13-17 जनवरी 2014 से एकीकृत विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित डीएसटी प्रेरित इंटर्नशिप शीतकालीन Camp- 2014 पर विशेष व्याख्यान देने के लिए अध्यक्ष को आमंत्रित किया।
11. सदस्य, विज्ञान संचार पर 27 प्रशिक्षण कार्यक्रम की आयोजन समिति और भारतीय विज्ञान समाचार एसोसिएशन के मीडिया प्रैक्टिस 2013, कोलकाता विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित। भारत, नई दिल्ली।
12. संपादकीय सलाहकार बोर्ड और पत्रिकाओं की समीक्षा सदस्यः (ए) विज्ञान और संस्कृति, (वी) वर्तमान साइंसेज के जर्नल, (सी) पर्यावरण एवं इंडियन जर्नल, (डी) इंटरनेशनल जर्नल मेंडेल, (ई) इंडियन जर्नल प्रणालियों परिदृश्य और पर्यावरण अध्ययन, (एफ) एवरीमैन विज्ञान, (जी) न्यूक्लियस, (एच) वनस्पति विज्ञान की बांग्लादेश जर्नल और (आई) के माइक्रोबायोलॉजी के ब्राजील के जर्नल।
13. बाहरी सदस्य, नॉर्थ ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान, बर्दवान विश्वविद्यालय और गौर बंगा में अध्ययन के बोर्ड।
14. अध्यक्ष / मुख्य अतिथि / अध्यक्ष / भारत के विभिन्न भागों में विभिन्न राष्ट्रीय स्तर सेमिनार / सम्मेलन/ कार्यशालाएं में मुख्य वक्ता।
15. पीएच.डी., एम.फिल के लिए मध्यस्थ और बाहरी परीक्षक और एमएससी असम, बर्दवान, कल्याणी, कोलकाता, गुवाहाटी, उत्तरी उड़ीसा, नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, संबलपुर, उत्कल और विद्यासागर जैसे विश्वविद्यालयों की।

डी. अनुसंधान प्रकाशन

1. मंडल, एस (2013)। पुस्तकालय, टैगोर और कॉपीराइट्। अधिकार और कॉपीराइट पर एक बहस मेंः डीके सिन्हा एट अल) समकालीन पहलुओं्। पब्लिकेशन्स भारतीय सांख्यिकी संस्थान (978-81-927468-0-7), कोलकाता, 11-17।

2. बिस्वास, केएच., मंडल, एस, और मंडल, एस (2013)। सोलेनम टोरवुम स्वाट्र्ज की इन विट्रो पराग अंकुरण पर कुछ पोषक तत्वों की भूमिका। जैव प्रोटोकॉल का सिबटेक जर्नल, 2 (1): 32-38।

3. बिस्वास, केएच., मंडल, एस, और मंडल, एस (2013)। पुष्प जीव विज्ञान और सोलेनम के 5 (6): 1429-1433।

4. बिस्वास, केएच., मंडल, एस, और मंडल, एस (2013)। पुष्प जीव विज्ञान और औषधीय पौधों में शिखा एल के पराग प्रसारः विभिन्न दृष्टिकोणों। बर्दवान विश्वविद्यालय, 277-282।

5. भट्टाचार्य, लालकृष्ण और मंडल, एस (2013)। बर्दवान, प. बंगाल के जिले के औषधीय पौधों की विविधता का अध्ययन। 5 (7): 1635-1643।

6. चौधरी, एस, रहमान, दर्पण, मंडल, एस और घोष (2013))। बीरभूम जिले, प. बंगाल, भारत का परीक्षण बेल्ट के औषधीय उपयोग पर लोकगीत ज्ञान। वनस्पति विज्ञान और अनुसंधान, 3 (2): 43-50।

7. चौधरी, एस, रहमान, सी.एच. और मंडल, एस (2013)। ककड़ी वंश का एक औषधीय पौधे - भेषज और रोगाणुरोधी पढ़ाई एल कुकुमेरिना औषधीय पौधों में: विभिन्न दृष्टिकोणों। बर्दवान विश्वविद्यालय। पीपी 142-156।

8. माइती रॉय, ए, बनर्जी, एन और मंडल, एस (2013)। Catharanthus roseus (एल) G.Don की म्यूटेंट में उपक्षार उपज पर अध्ययन। चरित्र सहसंबंध और पथ वि लेषण के माध्यम से। अमृत एप्लाइड वनस्पति विज्ञान, 64: 19,193-19,198।

समित राय

5- 6 सितंबर 2013: रवीन्द्रनाथ टैगोर और सर्वेपल्ली राधाकृष्णन भारतीय शिक्षा में विनय-भावना, विश्वभारती द्वारा आयोजित।

19-26 नवंबर, 2013: पाठ्यचर्या से आवेदन करने के लिए वनस्पति विज्ञान विभाग, ब्रायोफाइट्स में प्रशिक्षण पर दिया व्याख्यान और हाथों के साथ सहयोग में प्रोबीर चटर्जी रिसर्च फाउंडेशन द्वारा आयोजित।

जनवरी 2014: विश्वभारती में डीएसटी-प्रेरित इंटर्नशिप सर्दियों शिविर - दुनिया जीने का वर्गीकरण। डीएसटी, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित। भारत की।

28 मार्च 2014: डीबीटी, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित जैव प्रौद्योगिकी में खाका हकदार जैव प्रौद्योगिकी, बर्दवान विश्वविद्यालय के विभाग में संवर्धन। अल्गल जैव प्रौद्योगिकी - भारत की।

6- 9 दिसंबर, 2013: 5 भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस, विश्वभारती, युवा विकास पर, शांतिनिकेतन

काशीनाथ भट्टाचार्य

27 अक्टूबर 2013: एलर्जी और अस्थमा रिसर्च सेंटर, कोलकाता द्वारा आयोजित श्वसन एलर्जी और इम्यूनोलॉजी पर 3 राष्ट्रीय सम्मेलन में 'सांस की एलर्जी पैदा करने में पराग अनाज की भूमिका' नामक एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

18 दिसंबर 2013: 18 वीं प्रो ए.के वनस्पति विज्ञान विभाग में बंगाल की वानस्पतिक सोसायटी, कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'जीवन एक तार्किक दृष्टिकोण की उत्पत्ति और विकास' पर घोष मेमोरियल लेक्चर,।

3- 7 फ़रवरी 2014: भाग लिया और 101 भारतीय विज्ञान कांग्रेस (धाराः पर्यावरण विज्ञान) में 'पराग अनाज मानव श्वसन एलर्जी के कारण वायुमंडलीय का गठन' नामक एक आमंत्रित व्याख्यान प्रस्तुत जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू में आयोजित किया।

19 मार्च 2014: विश्वभारती में आयोजित उपयोगिता और जलवायु परिवर्तनः एक आमंत्रित संयंत्र विविधता पर एक दो दिवसीय कार्यशाला में व्याख्यान दिया।

26 अप्रैल 2014: वितरित एक आमंत्रित व्याख्यान हकदार, 'पराग वि लेषण - हाल ही में और उप-हाल ही में' कार्यशाला चतुर्थ में (विषयः हाथ-पर पुरा-वनस्पतिक और पालिनोलोजिका तकनीक पर प्रशिक्षण) शताब्दी समारोह समिति, वनस्पति विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की।

निर्माल्य बनर्जी

6- 9 दिसंबर 2013: एमएसएसआरएफ, एस आर एम विश्वविद्यालय, युवा विकास के राजीव गांधी राष्ट्रीय संस्थान और विश्वभारती द्वारा आयोजित 5 वीं भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस में भाग लिया .. इसके अलावा एक सत्र की

अध्यक्षता की।

19-20 मार्च 2014: विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजितः उपयोगिता और जलवायु परिवर्तन संयंत्र विविधता 'विषय पर कार्यशाला में एक प्रस्तुति पेश की।

28 मार्च 2014: भाग लिया और विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित 'जैव विविधता और सतत विकास' विषय पर संगोष्ठी की अध्यक्षता की।

रूप कुमार कर

28 फरवरी 2 मार्च 2014: वर्तमान जीवन विज्ञान अनुसंधान में रुझान और चुनौतियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन आगे लाइफ साइंसेज के स्कूल, संबलपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा द्वारा आयोजित। पर पूर्ण व्याख्यान 'प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन प्रजातियों: नए चेहरे से पता चला है'।

07- 10 मार्च 2014: संयंत्र संकेतन और व्यवहार और वनस्पति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली सोसायटी द्वारा आयोजित संयंत्र सिग्नलिंग और व्यवहार पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी। विग्ना रेडियाटा बीजों के अंकुरण के दौरान रिएक्टिव ऑक्सीजन प्रजातियों (आरओएस) मध्यस्थता वृद्धि और भ्रूण कुल्हाड़ियों के ग्राफिसेनसिबिटि पर मौखिक प्रस्तुति।

नारायण चंद्र मंडल

6- 9 दिसंबर 2013: एमएसएसआरएफ, एस आर एम विश्वविद्यालय, युवा विकास के राजीव गांधी राष्ट्रीय संस्थान और विश्वभारती द्वारा आयोजित 5 वीं भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस में भाग लिया .. आयोजकों और पंजीकरण डेस्क के समन्वयक के रूप में काम किया।

सुब्रत मंडल

6- 9 दिसंबर 2013: भाग लिया और एमएसएसआरएफ, एस आर एम विश्वविद्यालय, युवा विकास के राजीव गांधी राष्ट्रीय संस्थान और विश्वभारती द्वारा आयोजित 5 वीं भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस में काम प्रस्तुत किया।

चौधरी हबीबुर रहमान

22-23 नवंबर, 2013: पर्यावरण मुद्देः सुरक्षा, संरक्षण एवं प्रबंधन': भारतीय परिदृश्य संरक्षण और संयंत्र संसाधनों के प्रबंधन में मात्रात्मक एथनोबोटानिकल रिसर्च' पर्यावरण अध्ययन विभाग, विश्व भारती.मेड पर एक मौखिक प्रस्तुति द्वारा आयोजित।

5-6 दिसम्ब, 2013 पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया, वर्दमान डेलिवर्ड विश्वविद्यालय एथनोवोटानी और प्राकृतिक उत्पादों की बायोप्रोसपेक्टिंग 'पर एक आमंत्रित व्याख्यान - एथनोवोटानी के संदर्भ में एक समीक्षा बीरभूम जिले के, प. बंगाल, भारत'।

27-29 दिसंबर 2013: वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित पादप वर्गीकरण रिसर्च में हाल के अग्रिमों पर जाने वाली आवृत्तबीजी वर्गीकरण के लिए भारतीय संघ के तेईसवें वार्षिक सम्मेलन, एस महाराज नागपुर भारत में मात्रात्मक रिसर्च 'पर एक मौखिक प्रस्तुतिः एक सिंहावलोकन '। इसके अलावा एक तकनीकी सत्र में न्यायाधीश के रूप में काम किया।

7-9 मार्च 2014: पर केलिए सोसायटी के अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेसः फार्मेसी संकाय, श्री रामचंद्र यूनिवर्सिटी, पोरुर, चेन्नई द्वारा आयोजित वैश्वीकरण पारंपरिक चिकित्सा वर्तमान और भविष्य की संभावनाएं्।ःअपनी बायोप्रोस्पेकिंगयोग्यता के लिए एक खोज पि चम बंगाल के लेटराइट जोन के क्ष्यण्दद्दृश्ड्ढ्ढत्ड़त्दड्ढ्ठ संयंत्र संसाधनों पर मौखिक प्रस्तुति।

19-20 मार्च 2014: में संयुक्त आयोजन सचिव संयंत्र विविधता पर दो दिवसीय कार्यशालाः उपयोगिता और जलवायु परिवर्तन विश्वभारती द्वारा आयोजित।

22-24 मार्च 2014: आम के पौधों की पहचान पर तीन दिवसीय आवासीय क्षेत्र प्रशिक्षण कार्यक्रम पि चम बंगाल जैव विविधता बोर्ड, पर्यावरण विभाग, भारत सरकार द्वारा आयोजित की। पि चम बंगाल के भारत, भारत सरकार और विश्व भारती की वानस्पतिक सर्वेक्षण के सहयोग से वनस्पति विज्ञान, विश्वभारती के विभाग में आयोजित किया।

29 दिसंबर 2013: वनस्पति विज्ञान विभाग, महाराज नागपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पादप वर्गीकरण रिसर्च में हाल के अग्रिमों पर जाने वाली आवृत्तबीजी वर्गीकरण के लिए भारतीय संघ के तेईसवें वार्षिक सम्मेलन के तकनीकी

सत्र में न्यायाधीश के रूप में काम किया।

सोमा सुकुल नी चुनरी

3- 4 सितम्बर 2013: 'नई होम्योपैथिक पौधों की वृद्धि और विकास को बढ़ावा देने' और 'तांबा - एक होम्योपैथिक दवा, घन के जहरीले प्रभाव का मुकाबला विग्ना एल में बीज अंकुरण और गतिविधि को बढ़ावा देने के कर सकते हैं' गिरि संगोष्ठी, बर्न, स्विट्जरलैंड म्।

6-9, दिसंबर 2013 : 5 भारतीय युवा विज्ञान सम्मेलन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन।

अदानी लोखो

22-24 मार्च 2014: विश्वभारती, शांतिनिक्तन में 'आम के पौधों की पहचान' पर तीन दिन के आवासीय क्षेत्र प्रशिक्षण कार्यक्रम। विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

हेमा गुप्ता (जोशी)

27 मार्च 2014: विज्ञान संगोष्ठी व्याख्यान माला (2014) शिक्षा-भावना, विश्वभारती द्वारा आयोजित। 'पि चम बंगाल के दो शुष्क पर्णपाती जंगलों में वनस्पति संरचना और मिट्टी एन परिवर्तन दरों' पर प्रस्तुति।

बोम्बा दाम

दिसंबर 2013 6-9: विश्वभारती, शांतिनिक्तन में 5 भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस। सक्रिय रूप से भाग लिया और एक वैज्ञानिक सत्र के दूत के रूप में काम किया।

27 मार्च 2014: विज्ञान संगोष्ठी व्याख्यान माला (2014) शिक्षा-भावना, विश्वभारती द्वारा आयोजित।': ग्लोबल वि लेषण के लिए एक उपन्यास दृष्टिकोण आरएनए' पर प्रस्तुति।

सतीश कुमार वर्मा

6-9 दिसंबर, 2013: संयुक्त रूप से विश्वभारती में 5 भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस 2014, 6-9 दिसम्बर से बंगाल; सक्रिय रूप से भाग लिया और जीवन विज्ञान मौखिक और पोस्टर सत्र के लिए मूल्यांकनकर्ता के रूप में काम किया।

22-24 मार्च 2014: प.बंगाल जैव विविधता बोर्ड द्वारा आयोजित विश्वभारती, शांतिनिक्तन में 'आम के पौधों की पहचान'; सक्रिय रूप से विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया।

नंदलाल मंडल

6-9 दिसंबर 2013: 5 भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस संयुक्त रूप से विश्वभारती, शांतिनिक्तन, 2014 06-09 दिसम्बर से प.बंगाल में एमएसएसआरएफ, एस आर एम विश्वविद्यालय, युवा विकास और विश्वभारती के राजीव गांधी राष्ट्रीय संस्थान द्वारा आयोजित और आयोजित; सक्रिय रूप से भाग लिया और जीवन विज्ञान मौखिक और पोस्टर सत्र के लिए मूल्यांकनकर्ता के रूप में काम किया।

(बी) राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानक सम्मेलन/संगोष्ठियों रिसर्च स्कॉलर्स/एसोसिएट्स ने भाग/कार्यशालाएं:

निम्नलिखित रिसर्च स्कॉलर्स / एसोसिएट्स विभिन्न सेमिनारों और कार्यशालाओं में भाग लिया:

जलधर पाल, टुस्टु मंडल, अनिर्बान पॉल, सुमना आदित्य, जीता सरकार, सत्यजीत दास, लिली पाल, अनिन्दिता मुखर्जी, सुचेता दास, रंजन घोष, सोमा बर्मन, रमनजान घंटा, मेघा दत्ता मुदी, बंदना प्रधान, उदय दास, स्वर्णेन्दु मंडल, सुमन कल्याण मंडल, साथी साहा, कुमारेश पाल, सुमन कर्मकार, पार्थ घोष, एस, बिस्वास, जे सूत्रधर, संगीता गांगुली, सुभजीत मण्डल

विभाग में चल रहे अनुसंधान परियोजनाएं:

समित राय

हकदार परियोजना (सितंबर 2013 में पूरा) सीएसआईआर द्वारा प्रायोजित साइएनोबैक्ट्रिया से पूर्वेक्षण रसायन घटकों पराबैंगनी विकिरण से निपटने के लिए; राशि रु। 25.0 लाख।

काशीनाथ भट्टाचार्य

हकदार परियोजना पि चम बंगाल जैव विविधता बोर्ड, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित बीरभूम जिले के लोगों की जैव विविधता रजिस्टर, प.बंगाल की तैयारी्। प.बंगाल की; राशिः रु। 4.56 लाख

(पीआई) के रूप में्।

परियोजना पहचान और पा चम बंगाल की फंगल बीजाणु एलर्जी के लिए लक्षण वर्णन हकदार; विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित। भारत की; राशिः (पीआई) के रूप में रुपये 12,80,300।

निर्माल्य बनर्जी

आणविक तकनीक के माध्यम से अपने आनुवंशिक निष्ठा की इन विट्रो प्रचार और संरक्षण के दुर्लभ और लुप्तप्राय प्रजातियों की और मूल्यांकन हकदार परियोजना; विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित। भारत की; राशिः 7 रुपये, 36,300 (पीआई के रूप में)

रूप कुमार कर

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित परियोजना हकदार प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन प्रजातियों और बीज अंकुरण के दौरान अक्ष विकास को विनियमित करने में इथाइलीन की बातचीत। भारत की; राशिः रु.10.62 लाख (पीआई) के रूप में्।

नारायण चंद्र मंडल

विज्ञान और प्रौद्योगिकी (सीएसआईआर) के उत्तर पूर्व संस्थान के एक संयंत्र के अर्क के विरोधी कवक गतिविधि का आकलन और कार्रवाई के अपने संभावित तंत्र के लिए खोज सीएसआईआर, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित हकदार परियोजना। भारत की; राशिः रु। 20 लाख रुपए (पीआई) के रूप में्।

डीबीटी-ट्विनिंग परियोजना डीबीटी, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित त्रिपुरा और उन पौधों की रोगाणुरोधी क्षमता के आकलन के स्वदेशी जाने वाली आवृत्तबीजी वनस्पतियों का एक जातीय-वानस्पतिक सर्वेक्षण हकदा। भारत की; राशिः रु। 34.10 लाख रुपए (विश्वभारती के लिए 14.5 लाख रुपए) (पीआई) के रूप में्।

सुब्रत मंडल

परियोजना यूजीसी, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित की कुछ प्रजातियों के परागण पारिस्थितिकी हकदा। भारत की; राशिः रु। 11,65,800 (पीआई) के रूप में्।

चौधरी हबीबुर रहमान

परियोजना हकदार और चयनित प्रजातियों के पौधे के के विशेष संदर्भ में पा चम बंगाल के लेटराइट जोन से पौधों के दस्तावेज विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित। रुपयेः राशि, भारत की। 11.58 लाख (पीआई) के रूप में।

मात्रात्मक एथोबोटानी, संरक्षण प्राथमिकताएं हैं और कुछ कम ज्ञात जड़ दवाओं की जैविक गतिविधि के अध्ययन के संदर्भ में बीरभूम जिले, प.बंगाल के औषधीय पौधों के सतत उपयोग विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित हकदार परियोजना। प.बंगाल, कोलकाता; राशिः रु। 16.19 लाख (पीआई) के रूप में्।

सोमा सुकुल नी चुनरी

परियोजना हकदार डॉ भोलानाथ चक्रवर्ती मेमोरियल ट्रस्ट, हावड़ा-1 द्वारा वित्त पोषित संयंत्र मॉडलों के माध्यम से होम्योपैथिक की कार्रवाई के तंत्र के एक अध्ययन। (फ़रवरी 2013- फ़रवरी 2016)।

बोम्बा दाम

परियोजना, हकदार सर्ब द्वारा युवा वैज्ञानिकों योजना के तहत मंजूर उनके एंटीबायोटिक प्रतिरोध क्षमता पर विशेष जोर देने के साथ अपने विकास के चरण के साथ अंडा (चिकन) पेट में माइक्रोबियल समुदाय संरचना में बदलाव (स्वीकृति नहीं्। एस.बी. / वाईएस / LS- 16/2013) । राशिः 23.9 लाख, 2013-16।

सुरेंद्र कुमार गोंड

परियोजना यूजीसी, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित प.बंगाल, भारत से और के लिए सर्पगन्धा से कवक के हकदार भारत की; राशिः रु. 6.0 लाख; (पीआई) के रूप में्।

शिक्षक / विद्वान या (डीएसए या कैस आदि के रूप में मान्यता) की तरह एक पूरे के रूप में विभाग द्वारा प्राप्त

शैक्षणिक भेदः

काशीनाथ भट्टाचार्य

भारतीय विज्ञान कांग्रेस, 2014-15 के पर्यावरण विज्ञान की धारा के राष्ट्रपति चुने गए।

2012-14 के लिए भारतीय एरोबायोलजिकल सोसाइटी के अध्यक्ष चुने गए।

प्रमुख सदस्य, प्रो सैंडी हैरिसन, ब्रिस्टल विश्वविद्यालय के नेतृत्व में आईजीबीपी के तत्वावधान (इंटरनेशनल बायोस्फीयर कार्यक्रम) के तहत (भारतीय उप महाद्वीप बायोमिजेशन) परियोजना।

मैं) इंडियन जर्नल, द्वितीय) एवरीमैन विज्ञानः संपादकीय बोर्ड के सदस्य

अध्ययन के बोर्ड के सदस्य, पर्यावरण विज्ञान विभाग, बर्दवान।

निम्नलिखित पत्रिका समीक्षकः

चतुर्धातुक रिसर्च-स्प्रिंगर; पेलेबोटानी और प्लेनोलॉजी-एल्सेविअर की समीक्षा करें; - स्प्रिंगर; - टेलर एंड फ्रांसिस; इंडोर और निर्मित पर्यावरण; वर्तमान विज्ञान - भारतः विज्ञान एवं संस्कृति भारत; भारतीय वानस्पतिक समाज भारत के जर्नल और रेखा पत्रिकाओं पर अन्य कई।

निर्माल्य बनर्जी

वनस्पति विज्ञान और सूक्ष्म जीव विज्ञान और वनस्पति विज्ञान के विभागों में शोध अध्ययन के बोर्ड के सदस्य।

अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं (संयंत्र सेल ऊतक और अंग संस्कृति, संयंत्र सेल रिपोर्ट, जैव प्रौद्योगिकी के जर्नल, जैव प्रौद्योगिकी इंडियन जर्नल) के समीक्षक

बर्दवान विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय, कलकत्ता विश्वविद्यालय, बिधान चंद्र कृषि, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, त्रिपुरा विश्वविद्यालय की चयन समिति के सदस्य।

अध्यक्ष, एडमिशन सह समन्वय प्रकोष्ठ, विश्वभारती के रूप में काम किया।

सह समन्वयक / निदेशक, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल, विश्वभारती।

रूप कुमार कर

पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड के सदस्य (क) कृषि विज्ञान (IDOSI) (ख) सैद्धांतिक और प्रायोगिक जीवविज्ञान के जर्नल (इलिअश अकादमिक प्रकाशक) की दुनिया जर्नल।

अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं (प्रोटोप्लाजमा संयंत्र विकास नियमन, कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के जर्नल, कृषि विज्ञान के जर्नल और फसल विज्ञान) के समीक्षक

नारायण चंद्र मंडल

देखरेख भारतीय विज्ञान अकादमी की ग्रीष्मकालीन फैलो कार्यक्रम

सरकार के मूल्यांकनकर्ता। सीएसआईआर (भारत सरकार), आईसीएमआर और डीएसटी प.बगाल सरकार, की वित्त पोषित परियोजनाओं

इस तरह 3-बायोटेक, अफ्रीकी पत्रिकाओं, प्रक्रिया बायोकैमिस्ट्री, क्ष्खएए, जैवसंसाधन तकनीक के रूप में कई पत्रिकाओं के शोध पत्रों की समीक्षा

बाहरी सदस्य, एम.टेक। एनआईटी के कार्यक्रम, दुर्गापुर

जादवपुर विश्वविद्यालय में पाठ्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में काम किया

विशेषज्ञ सदस्य, वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली, भारत सरकार, आयोग हिंदी और अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में वनस्पति विज्ञान शब्दावली तैयार करने के लिए

गौड़ बंग विश्वविद्यालय में शोध अध्ययन मंडल के बाहरी विशेषज्ञ सदस्य

अध्ययन के बोर्ड बर्दवान विश्वविद्यालय के पौध संरक्षण के (यूजी) के विदेश विशेषज्ञ सदस्य है।

बोंबा दाम

इंटरनेशनल जर्नल, सूक्ष्मजीवविज्ञानी रिसर्च, एल्सेविअर के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

पशु चिकित्सा जन स्वास्थ्य शिक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, रोगाणुओं और स्वास्थ्य,

बांग्लादेश सोसायटी के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

सुरेंद्र कुमार गोंड

18/12/2013 17/12/2014 करने के बाद से प्लांट बायोलॉजी विभाग और पैथोलॉजी, रटगर्स विश्वविद्यालय, न्यू जर्सी, संयुक्त राज्य अमरीका में वैज्ञानिक विजिटिंग

एक पूरे के रूप में विभाग

प्राप्त लेवल-मैं डीएसटी मुट्ठी अनुदान (रू। 150.00 लाख)।

वर्ष 2012 अप्रैल से मार्च, 2013 के भीतर प्रकाशनः

समित राय

भट्टाचार्य, एस, रथ, जे और रे, एस (2013)। भट्टाचार्य, एस, रथ, जे, और रे, बीरभूम जिला, प. बंगाल के वन मिट्टी से मिट्टी की परत के एस 2013 - मिट्टी मानकों के संबंध में प्रजातियों का वितरण, 43 (20): 1-8।

भट्टाचार्य, एस, रथ, जे और रे, एस (2013)। पूर्व जन्मे एट एक मिट्टी-परत सायनोबैक्टीरिया में पीएच का प्रभाव और आकृति विज्ञान, विकास और गतिविधि पर नाइट्रेट, फॉरेस्ट और लोहे के अलग एकाग्रता। 63 (3 4): 101-111।

भट्टाचार्य, एस, रथ, जे और रे, एस (2014)। जलोढ़ क्षेत्र के साथ एक तुलना, भारतीय हाइड्रोबाइलजि, 16 (2): 87-98 जिले बीरभूम, प चिम बंगाल की लाल मिट्टी क्षेत्र में मिट्टी-परत सायनोबैक्टीरिया की जाति की संरचना।

रॉय, एस, देबनाथ, एम और रे, एस 2014, प.बंगाल, भारत, 44 में भूतापीय वसंत से वनस्पतियों का अध्ययन (1): 1-8।

रॉय, एस भट्टाचार्य, एस, देबनाथ, एम, और रे, प. बंगाल, भारत की भू-तापीय स्प्रिंग्स के वनस्पति के एस 2013 विविधता - द्वितीय। एग्लोजिकल स्टडीज (प्रेस में)।

काशीनाथ भट्टाचार्य

प.बंगाल में तेज पत्ता पराग की हुसैन एम एम, मंडल जे एंड भट्टाचार्य लालकृष्ण 2013 एयरबोर्न भार पूर्वी भारतः अपनी वायुमंडलीय परिवर्तन और स्वास्थ्य प्रभाव।

एप्लाइड साइंसेज 3: 362-369्। (2319-7706)। 1.54

ब्रह्मचारी जी, मंडल, नेकां, राजीव राय, घोष, आर, बर्मन, एस, सरकार, एस, ख्रुह्मण, एसके और मंडल, एस (2013) इंडिका लिन से शक्तिशाली जीवाणुरोधी गतिविधि के साथ एक नया 90: 104-111। (एल्सेविअर) यदिः 2.37

मुखोपाध्याय, एस, बर्मन, एस, मंडल, नेकां, भट्टाचार्य, एस (2014) भारतीय जे ऍक्स्प। बॉय। निस्केयर, सीएसआईआर प्रेस में्। यदिः 1.37

गोस्वामी, एल, सरकार, एस, मुखर्जी, एस, दास, एस बर्मन, एस, पॉल, पी भट्टाचार्य, पी, मंडल, नेकां, भट्टाचार्य, एस और भट्टाचार्य, एस एस (2014) चाय कारखाने कोयले की राख की जैव खादः धातु संचय और और में प्रतिक्रिया। प्रेस में तकनीक (एल्सेविअर)। यदिः 5.17

दास, एस और मंडल, नेकां (2013) (डीएसटी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी) जैव प्रौद्योगिकी में नए क्षितिज में खाद्य संरक्षण में एक लैक्टोबैसिलस प्रजातियों (8) की भूमिका, आईएसबीएन 978- 81- 927768- 0- 4, 150-156।

सुब्रत मंडल

घंटा, आर और मंडल, एस (2013)। की इन विट्रो पराग अंकुरण पर कुछ पोषक तत्वों का प्रभाव जैव प्रोटोकॉल के एल 2 (1)। 1-7।

बिस्वास, लालकृष्ण मंडल, एस और मंडल, एस (2013)। सोलेनम की इन-विट्रो पराग अंकुरण पर कुछ पोषक तत्वों का रोल जैव प्रोटोकॉल का 2 (1)। 32-38।

घंटा, आर और मंडल, एस (2013)। (एल) की इन विट्रो पराग अंकुरण पर कुछ पोषक तत्वों का प्रभाव संयंत्र विज्ञान के इतिहास 2 (6)। 182-187

बिस्वास, लालकृष्ण मंडल, एस और मंडल, एस (2013) पुष्प जीवविज्ञान और सोलेनम के परागण वर्तमान

अनुसंधान केइंटरनेशनल जर्नल 5 (6) 1429-1433।

घंटा, आर और मंडल, एस (2013)। अगस्ता केपराग अंकुरण पर इन विट्रो अध्ययन में्। पराग बीजाणु अनुसंधान केक्षेत्र में अग्रिम। 30. 61-68।

चौधरी हबीबुर रहमान

साहा, एस और रहमान, हुक का भेषज और संरचनात्मक अध्ययन करता है। और आर्न। - एक वादा औषधीय पर्वतारोही, अंतर्राष्ट्रीय जे रेस आयुर्वेद एवं फार्मेसी, वॉल्यूम 4, नंबर 2, 2013: 186- 191 2229-3566।

पाल, केएच. और रहमान, व.क्त पत्ते एपिडर्मल वनस्पति एनाटॉमी और केचार सदस्यों की जाइलम तत्वों, वर्तमान अनुसंधान, वॉल्यूम के इंटरनेशनल जर्नल पर अध्ययन। 6, नंबर 02, 2014: 4968-4975्। आईएसएसएन 0975-833।

दास, यू और रहमान, पर एक अवलोकन बीरभूम और बर्दवान जिलों, प.बंगाल, भारत, जे में कुछ वन क्षेत्रों के आदिवासी लोगों द्वारा पौधों केउपयोग करता है। फार्म। विज्ञान, वॉल्यूम 4, नं 04, 2014: 072-078। 2231-3354।

चौधरी, एस, रहमान, व.क्त विभिन्न दृष्टिकोणों एड्सः औषधीय पौधों - और मंडल, एस ककड़ी वंश का एक औषधीय पौधे भेषज और की रोगाणुरोधी पढ़ाई एल और बर्दवानः बर्दवान विश्वविद्यालय, 2012: 142- 156 क्ष्च्एग: 81-87259-85-एक्स, 2013, अप्रैल में प्रकाशित किया।

सोमा सुकुल नी चुनरी

बनर्जी सोमा 2013 - एक होम्योपैथिक दवा, घन केजहरीले प्रभाव का मुकाबला विग्ना एल में बीज अंकुरण और गतिविधि को बढ़ावा दे सकते हैं', गिरि संगोष्ठी की कार्यवाही; 2013 03-04; बर्न (स्विट्जरलैंड), इंट जम्मू उच्च कमजोर पड़ने रेस; 12 (44): 129-130।

सोमा, निर्मल चंद्र, मंडल अनिर्बान। 2013 'नई होम्योपैथिक पौधों की वृद्धि और विकास को बढ़ावा देने,' XXVII गिरि संगोष्ठी की कार्यवाही; 2013 03-04; बर्न (स्विट्जरलैंड), इंट जम्मू उच्च कमजोर पड़ने रेस; 12 (44): 98-99।

अदानी लोखो

डेनड्रोवियन तैर की विविधता। इसकेवितरणात्मक पैटर्न और पूर्वोत्तर भारत में वर्तमान स्थिति', वैज्ञानिक इंटरनेशनल जर्नल और अनुसंधान प्रकाशन, वॉल्यूम मई 2013 में 3, नग 5, आईएसएसएनः 2250-3153।

2013: वैज्ञानिक इंटरनेशनल जर्नल और अनुसंधान प्रकाशन, वॉल्यूम 'मणिपुर में माओ नागा, पूर्वोत्तर भारत के लोक औषधीय पादप' 2, नग 6 जून 2013, आईएसएसएनः 2250-3153। लालकृष्ण ए और वी 2013 'परिकलित पर -वर्गीकरण अध्ययनः नागालैंड, पूर्वोत्तर भारत से', पादप विज्ञान, वॉल्यूम इंडियन जर्नल। 2, स्। 2 (3), 66-72्। जुलाई-सितंबर 2013, आईएसएसएनः 2319-3824।

हेमा गुप्ता (जोशी)

नाग, ए और एच गुप्ता (जोशी)। में और शांतिनिक्तन, प.बंगाल, भारत केआसपास कुछ पानी तालाबों का भौतिक वि लेषण। पर्यावरण विज्ञान वॉल्यूम केइंटरनेशनल जर्नल। 4 (5) एकीकृत प्रकाशन एसोसिएशन, 2014: 676-682। 4402 - आईएसएसएन 0976

गुप्ता जोशी, एच एंड एम घोष सामुदायिक संरचना, प्रजाति विविधता और सुंदरवन सदाबहार दलदलों केपूल बायोमास। उष्णकटिबंधीय पारिस्थितिकीय वॉल्यूम। 55 (3) उष्णकटिबंधीय पारिस्थितिकीय, वाराणसी, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, 2014 केलिए इंटरनेशनल सोसायटी: 283-303। 0564-3295

बोंबा दाम

बांध बी, बांध एस, किम वाई, ल्युसेक डब्ल्यू (2014) अमोनियम मेथीलोसिस्टिज सपा में मीथेन और नाइट्रोजन चयापचय से संबंधित जीन का अंतर अभिव्यक्ति लाती है। तनाव SC2 पर्यावरण माइक्रोबायोलॉजी। (प्रभाव

कारकः 5.76)।

सुरेंद्र कुमार गोंड

गोंड एसके मिश्रा ए, शर्मा वीके और आर.एन. (2013) अलगाव और, बिल्व के एक कवक से जीवाणुरोधी नेफ़थलीन व्युत्पन्न की विशेषता। वर्तमान विज्ञान 105: 167-169।

वर्मा एस.के गोंड एसके मिश्रा ए, शर्मा वीके कुमार जम्मू, सिंह डी.के, कुमार ए, गौतम जे, और आर.एन. इंडिका से अलगाव, विविधता और फंगल समुदायों की जीवाणुरोधी गतिविधि पर पर्यावरण चर के (2013) प्रभाव भारत में विभिन्न स्थानों पर माइक्रोबायोलॉजी डीओआई 10.1007/13213-013-0707-9 के इतिहास।

कुमार ए, गोंड एसके मिश्रा ए, शर्मा वीके वर्मा एसके और आर.एन. वाराणसी से मिट्टी की साइट विशेष अलगाव और वितरण पैटर्न पर विभिन्न चर के (2013) की भूमिका। 26 (1): 88-95।

सतीश कुमार वर्मा

सतीश कुमार वर्मा, एसके गोंड, ए मिश्रा, वीके शर्मा, जे कुमार, डीके सिंह, ए कुमार, जे गौतम एवं आर.एन. इंडिका से अलगाव, विविधता और फंगल समुदायों की जीवाणुरोधी गतिविधि पर पर्यावरण चर का प्रभाव भारत में विभिन्न स्थानों पर सूक्ष्म जीव विज्ञान (2013) 10.1007/13213-013-0707-9 डीओआई के इतिहास। आईएसएसएनः 1590-4261 (प्रिंट) आईएसएसएनः 1869-2044 (इलेक्ट्रॉनिक) (प्रभाव कारक- 1.55)

अनुज कुमार, एसकेगोंड, अमित मिश्रा, वीकेशर्मा, सतीश कुमार वर्मा और, आर.एन.। वाराणसी से मिट्टी की साइट विशेष अलगाव और वितरण पैटर्न पर विभिन्न चर की भूमिका। (2013) 26 (1): 88-95्। आईएसएसएनः 2229-4473 (ऑनलाइन) आईएसएसएनः 0970-4078 (प्रिंट) (प्रभाव कारक 0.019)

सुरेंद्र कुमार गोंड, आशीष मिश्रा, विजय कुमार शर्मा, सतीश कुमार वर्मा, रवींद्र एन। अलगाव और बिल्व के एक कवक से जीवाणुरोधी नेफ़थलीन व्युत्पन्न की विशेषता। वर्तमान विज्ञान (2013) वॉल्यूम। 105, नं 2. आईएसएसएनः 0011-3891 (प्रभाव कारक 0.935)

नंदलाल मंडल

आमोद कुमार और मंडल (2013) गेहूं अनाज के किस्मों के खनिज सामग्री में पोस्ट-भंडारण बदल जाता है। जिब्स के लिए भेजी।

लालकृष्ण रॉय, नाथन मंडल और श्वेता रॉय (2013) माइकोटॉक्सिन और - एक अवलोकन, संपादक बी एन चक्रवर्ती को एनबीयू, सिलीगुड़ी प्रकाशित किया।

विकास के लिए भविष्य की योजनाओं का एक संकेत के साथ संबंध विभाग के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहासः

वनस्पति विज्ञान, विश्वभारती विभाग जीवन-विज्ञान के स्कूल जूलॉजी विभाग के साथ मिलकर विकसित किया है और पाठ्यक्रम तदनुसार संशोधित किया गया है, बाद में 1969 में वनस्पति विज्ञान में 1965 में वनस्पति विज्ञान में स्नातक पाठ्यक्रम शुरू किया और स्नातकोत्तर कोर्स किया है। सभी क्षेत्रों में जैव प्रौद्योगिकी दृष्टिकोण पर वर्तमान जोर ध्यान में रखते हुए, जैव प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी बॉटनी और जूलॉजी विभाग और अन्य विज्ञान दोनों विभागों को शामिल जीवन विज्ञान के स्कूल के तहत 1997 में शुरू किया गया है। भविष्य विभाग में और अधिक अनुसंधान गतिविधियों को विकसित और आधुनिक विज्ञान की मांग क्षेत्रों में नए पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना बना रहा है। विभाग के शिक्षकों के पाठ्यक्रम उन्नयन और अपने व्यावहारिक कक्षाओं में आधुनिक तकनीकों में शामिल करने के लिए सभी कदम उठा रहे हैं।

सांख्यिकी विभाग

विभाग के स्नातक अध्ययन के तहत के साथ वर्ष 1999 में स्थापित किया गया था। पोस्ट ग्रेजुएट पढ़ाई वर्ष 2003 वर्तमान में शुरू किया था, यह बीएससी प्रदान करता है (ऑनर्स), एमएससी और पीएच.डी. सांख्यिकी में पाठ्यक्रम।

विभागीय संगोष्ठी

ओपी घोष, राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ), भारत सरकार, भारत के क्षेत्र ऑपरेशन डिवीजन (एफओडी), प.बंगाल (नॉर्थ जोन) 19 सितंबर, 2013 पर भारतीय अधिकारी सांख्यिकी प्रणाली 'पर व्याख्यान दिया।

सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि

काशीनाथ चटर्जी

19 अक्टूबर 2013: गणित विभाग, ख्द्मणद्द्व विश्वविद्यालय, हुनान, चीन में एक वार्तालाप बात करते हैं वितरित किया गया।

29 अक्टूबर 2013: सांख्यिकी विभाग, शंघाई सामान्य विश्वविद्यालय शंघाई, चीन में एक वार्तालाप बात करते हैं वितरित किया गया।

12 नवंबर 2013: सैद्धांतिक अध्ययन के लिए केन्द्र द्वारा आयोजित गणित विभाग में विषयेतर ऐरे और उनके निर्माण की प्रक्रिया पर एक संगोष्ठी में बात करते हैं, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खड़गपुर वितरित किया गया।

20 दिसंबर 2013: सांख्यिकी के क्षेत्र में अग्रिमः तकनीक और अनुप्रयोग पर दो दिनों के राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया आशुतोष कॉलेज, कोलकाता में है और एक सत्र की अध्यक्षता की।

21 फ़रवरी 2014: स्टोचास्टिक प्रक्रियाओं-हाल के रुझानों और विचारों के लिए निष्कर्ष पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया कृषि सांख्यिकी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित और एक सत्र की अध्यक्षता की।

सुधांशु एस माईति

30-31 अक्तुबर 2013 : उन्नत प्रौद्योगिकी और प्रबंधन, भारत के दुर्गापुर संस्थान में आयोजित एप्लाइड साइंसेज और मानविकी में हाल के रुझानों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'गुणवत्ता प्रबंधन में सामान्यीकृत प्रक्रिया क्षमता सूचकांकों की भूमिका'।

दिसंबर 2013 21-23: विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास के लिए गणितीय विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'गतिशील पी (एक्स वाई) और संबंधित निष्कर्ष' क्ष्एक्ष्व, कोलकाता, भारत में आयोजित किया।

21-22 फ़रवरी 2014: 'प्रक्रिया गुणवत्ता प्रबंधनः एक सामान्यीकृत दृष्टिकोण और सांख्यिकीय अनुमान' EES विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती पर पर आयोजित स्टोचास्टिक प्रक्रियाओं-हाल के रुझानों और विचारों के लिए निष्कर्ष पर राष्ट्रीय सम्मेलन में।

19-21 फ़रवरी 2014: भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता में आयोजित विश्वसनीयता थ्योरी, अस्तित्व वि लेषण और संबंधित विषयों पर रिसर्च स्कॉलर्स बैठक में भाग लिया और एक सत्र की अध्यक्षता की।

शैक्षणिक भेद

काशीनाथ चटर्जी

16-23 अक्टूबर 2013 : वैज्ञानिक अतिथि के रूप में सांख्यिकी विभाग, मध्य चीन नॉर्मल यूनिवर्सिटी, वुहान, चीन का दौरा किया।

18-19 अक्टूबर 2013: सांख्यिकी विभाग, जीसौ विश्वविद्यालय, चीन का दौरा किया।

24-26 अक्टूबर 2013: वैज्ञानिक अतिथि के रूप में, अनुप्रयुक्त गणित विभाग, डोंघुआ विश्वविद्यालय, संघाई, चीन का दौरा किया।

26 अक्टूबर - 5 नवंबर 2013: सांख्यिकी विभाग, संघाई सामान्य विश्वविद्यालय शंघाई, चीन का दौरा किया।

पत्रिकाओं के लिए समीक्षक (क) सांख्यिकी और संभाव्यता पत्र, (ख) सांख्यिकी में सांख्यिकीय प्लानिंग और अनुमान, (ग) संचार के जर्नलः सिद्धांत और तरीके, (घ) मेट्रिका।

कृषि सांख्यिकी इंडियन सोसाइटी के जर्नल के एक सहयोगी संपादक के रूप में कार्य करना।

सुधांशु एस माईति

2013 के लिए सदस्य, निदेशकों की परिषद, कलकत्ता सांख्यिकीय एसोसिएशन, कोलकाता चुने गए।

पत्रिकाओं - भारतीय (क) संचार सांख्यिकी-सिद्धांत और तरीके में, (ख) भारतीय सांख्यिकीय एसोसिएशन के जर्नल, (ग) सांख्यिकी पाकिस्तान जर्नल, (घ) के गणितीय और प्रबंधन विज्ञान के अमेरिकन जर्नल, (ई) जर्नल के लिए समीक्षक सांख्यिकीय एसोसिएशन।

प्रकाशन

काशीनाथ चटर्जी

एनजेलोपोलिस पी, कौकोउभिनस, सी और चटर्जी, लालकृष्ण (2013)। एक कम सामान्य असममित भाज्य प्रयोगों में मुख्य प्रभाव योजनाओं के लिए ऑपटिमालिटि के उपाय करने के लिए बाध्य। सांख्यिकी, 47, 2, 405-410।

कौकोभिनस सी, चटर्जी, लालकृष्ण और ऐनजेलोपाउलस, पी (2013)। विषयेतर एरियास से खोज डिजाइन का निर्माण जर्नल स्टेट्। सिद्धांत और व्यवहार 7, 774-782।

यू, रोंग-जियान, ज़िन, लियू और चटर्जी, लालकृष्ण (2014)। एक गुणात्मक पहलू के साथ मल्टिरेसपन्स लीनियर मॉडल के लिए न्न-इष्टतम डिजाइन। बहुभिन्नरूपी वि लेषण के जर्नल, 124, 57-69 जुजुन, कहां, किन।, एच और चटर्जी, लालकृष्ण (2013)। एक कम असममित फैक्टोरियल्स के तहत संयुक्त डिजाइन पर केंद्रित L2-डिसक्रिपेन्सी के लिए बाध्य। सांख्यिकी। 47, 5, 992-1002।

सिमलाइ, ए, चटर्जी, लालकृष्ण और रॉय, ए (2013): भारत में व्यापक रूप से सेवन कुछ पत्तेदार सब्जियों के एंटीऑक्सीडेंट क्षमता पर एक तुलनात्मक अध्ययन। खाद्य जैव रसायन के जर्नल। (डीओआईः 10.1111/जेएफबीसी/12,062।)

सुधांशु एस माईति

मैती, एस एस और मुर्मू, (2013) एसः गतिशील पी (एक्स वाई) और संबंधित निष्कर्ष, गणित के लिए संस्थान, जैव सूचना विज्ञान, सूचना-प्रौद्योगिकी और कंप्यूटर विज्ञान, 2, 92-108 की कार्यवाही।

डे, एस, डे, टी और मैती, एस एस (2013): मैक्सवेल पूर्व साधना के तहत वितरण, मॉडल असिस्टेड सांख्यिकी और अनुप्रयोगों के लिए बायेसियन आकलन और भविष्यवाणी अंतराल, 8 (3), 193-203।

साहा, एम और मैती, एस एस (2013): सामान्यीकृत प्रक्रिया क्षमता सूचकांक के आकलनः एक तुलनात्मक अध्ययन, जर्नल ऑफ एप्लाइड सांख्यिकी विज्ञान, 20 (2), 1-10।

सौमाल्य मुखोपाध्याय

सरदार, टी, मुखोपाध्याय, एस, भौमिक, ए.आर. और चट्टोपाध्याय, (2013) जेः 2008-2011 जिम्बाब्वे हैजा मौसमी डाटा, एक पीएलओएस, वॉल्यूम पर एक इष्टतम मूल्य प्रभाव का अध्ययनः 8 मुद्राः 12, पृष्ठः 81231

सौरभ राणा

राणा, एस भट्टाचार्य, एस, पाल, जे, गुयरएकता, जीएम और चट्टोपाध्याय, जे (2013): संवर्धन के विरोधाभासः स्मृति के साथ एक आंशिक अंतर दृष्टिकोण। फिसिका ए, 392, 3610-3621।

रॉय, पी, मंडल, जे, राणा एस और दत्ता, ए (2013): एक गणितीय दृष्टिकोणः आंशिक क्रम के व्युत्पन्न का उपयोग वसूली दर के साथ होस्ट रोगज़नक़ बातचीत। ननलिनियार स्टडीज, 20 (2), 251-261।

रॉय, पी, राणा एस दत्ता, ए, एसआईएल, एन और भट्टाचार्य, (2013) एसः थीटा-रसद विकास जनसंख्या गतिशीलता पर किसी भी स्थिर प्रभाव है? - सैल्टन सागर पारिस्थितिकी पर अध्ययन। बुलेटिन कलकत्ता के गणितीय सोसायटी, 105 (5), 333-348।

कम्पूटर एवं प्रणाली विज्ञान विभाग

छात्रों के नाम यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / स्लेट और गेट परीक्षा में अर्हता प्राप्त की।

एक। अर्नब साधु (गेट), बी। कृष्णा दरिपा (गेट) सी। अभिषेक नंदी (गेट

परमार्थ दत्ता

29 जनवरी 2013 को पि चम बंगाल प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित छात्र रिसर्च कन्वेंशन के जजों के पैनल के सदस्य,।

2013 के बाद से कंप्यूटर साइंस और त्रिपुरा विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग में स्नातकोत्तर अध्ययन में अध्ययन के बोर्ड के सदस्य।

वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान (सीएसआईआर), भारत सरकार की परिषद द्वारा वित्त पोषित केन्द्रीय मैकेनिकल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट, दुर्गापुर के सलाहकार 2013 के बाद से एंबेडेड सिस्टम लेबोरेटरी में कुशल प्रौद्योगिकी पर्यावरण स्मार्ट होम ऊर्जा पर उनके अनुसंधान परियोजना के लिए भारत की।

13 मार्च 2013 को एक यात्रा में पि चम बंगाल प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त विशेषज्ञ निरीक्षण दल के सदस्य।

आसनसोल इंजीनियरिंग कॉलेज की दोषपूर्ण मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य 17 अगस्त 2013 को आयोजित की।

विभिन्न सम्मेलन सत्रों के अध्यक्ष

31 अगस्त 2013 पर उपस्थित वायरलेस क्रांति में आईसीटी पर जोनल संगोष्ठी में तकनीकी सत्र।

कम्प्यूटेशनल खुफिया पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में तकनीकी सत्रः मॉडलिंग, तकनीक और अनुप्रयोग (2012 CIMTA), कल्याणी, भारत, सितम्बर 2013।

व्याख्यान

12-14 अप्रैल के दौरान कम्प्यूटर साइंस और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अगरतला के इंजीनियरिंग विभाग में सिस्टम विश्लेषण और डिजाइन पर व्याख्यान श्रृंखला आमंत्रित किया।

टीईक्यूआईपी में विकासवादी एल्गोरिथ्म की गतिशीलता में एक अंतर्दृष्टि पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया (चरण - II) 3 जुलाई 2013 पर, कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय संस्थान के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित सॉफ्ट कम्प्यूटिंग पर बर्दवान कर्मचारी विकास कार्यक्रम प्रायोजित

टीईक्यूआईपी में मशीन लर्निंग में फजी गणित पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया (चरण - 2) 16 जुलाई को, कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी की विरासत संस्थान के इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित मशीन खुफिया में सतत् शिक्षा कार्यक्रम पर कोलकाता कर्मचारी विकास कार्यक्रम प्रायोजित 2013।

टीईक्यूआईपी में सीवर गैसों के वि लेषण के लिए एक बुद्धिमान गैस पहचानकर्ता का विकास 'विषय पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया (चरण-II) पूर्वोत्तर के कम्प्यूटर साइंस विभाग और इंजीनियरिंग द्वारा आयोजित कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रिम पर कर्मचारियों विकास कार्यक्रम प्रायोजित विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रीय संस्थान, 28 अगस्त 2013 को अरुणाचल प्रदेश।

यूजीसी में लेटेक्स का परिचय पर आमंत्रित व्याख्यान 31 अगस्त 2013 पर यूजीसी अकादमिक सामग्री बर्दवान विश्वविद्यालय के कॉलेज, बर्दवान द्वारा आयोजित कम्प्यूटेशनल उपकरण और खुला स्रोत सॉफ्टवेयर पर कार्यशाला प्रायोजित।

टीईक्यूआईपी में फजी गणित और मशीन लर्निंग पर आमंत्रित व्याख्यान (चरण-II) 10 नवम्बर 2013 पर इंजीनियरिंग और प्रबंधन, कोलाघाट के कॉलेज के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र

में हाल के रुझान पर संकाय विकास कार्यक्रम प्रायोजित किया।

टीईक्यूआईपी में मल्टी उद्देश्य अनुकूलन पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया (चरण-II) 13 नवम्बर 2013 पर कम्प्यूटर साइंस और नरूला प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता के इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित सॉफ्ट कम्प्यूटिंग और उसके आवेदन पर सतत शिक्षा कार्यक्रम को प्रायोजित किया।

टीईक्यूआईपी में विकासवादी एल्गोरिथ्म की गतिशीलता में एक अंतर्दृष्टि पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया (चरण-II) कम्प्यूटर साइंस और सरकार के इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में हाल ही में विकास 'विषय पर संकाय विकास कार्यक्रम प्रायोजित किया। 16 नवंबर, 2013 पर इंजीनियरिंग और वस्त्र प्रौद्योगिकी, बरहामपुर, प बंगाल के कॉलेज

टीईक्यूआईपी में फजी नियम गाइडेड छवि विभाजन 'पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया (चरण-II) इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, बरहामपुर, प.मुर्शिदाबाद कॉलेज के कम्प्यूटर साइंस विभाग और इंजीनियरिंग द्वारा आयोजित छवि प्रसंस्करण में हाल के अग्रिमों पर संकाय विकास कार्यक्रम प्रायोजित 16 नवंबर 2013 को बंगाल

टीईक्यूआईपी में - एक इनसाइट लेटेक्स के तकनीकी सुविधाओं पर आमंत्रित व्याख्यान श्रृंखला (चरण-II) 23 के दौरान, पटना कम्प्यूटर साइंस और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित 'लेटेक्स का उपयोग दस्तावेज तैयार करने' पर राष्ट्रीय कार्यशाला प्रायोजित-24 दिसंबर 2013।

टीईक्यूआईपी में - एक क्वांटम डॉट सेलुलर ऑटोमेटा दृष्टिकोण सीएमओएस के परे प्रौद्योगिकी पर पूर्ण व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया (चरण - 2) कम्प्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग कॉलेज के इंजीनियरिंग और विभाग द्वारा आयोजित विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हाल के रुझान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन प्रायोजित प्रबंधन, कोलाघाट पर 28 दिसंबर 2013।

उत्पल रॉय

7-8 सितंबर 2013: उद्घाटन किया और जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ड्यूरींगट कृषि संस्कृति द्वारा आयोजित इलेक्ट्रॉनिक कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग शक्ति और नियंत्रण (ईसीईपीसी-2013) में हाल के रुझान, पर वैश्विक सम्मेलन में मुख्य भाषण दिया.

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कम्प्यूटर साइंस-2014, बांडुंग, इंडोनेशिया पर 2 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

6-7 दिसंबर 2013: यूजीसी में भाषण एअर इंडिया और गौर बंगा महाविद्यालय में आयोजित आधुनिक आईटी वर्ल्ड पर इसके प्रभाव पर राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रायोजित वितरित किया गया।

13-17 नवंबर 2013: एक आमंत्रित बात छुड़ाया और गणित के दौरान, प्रौद्योगिकी दुर्गापुर के राष्ट्रीय संस्थान विभाग द्वारा आयोजित एक उन्नत अनुकूलन तकनीकों (एसटीएओटी-2013) पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला में सत्र की अध्यक्षता की कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग में गेस्ट फैकल्टी, त्रिपुरा केंद्रीय विश्वविद्यालय, अगरतला के रूप में कार्य किया।

वैज्ञानिकों का फोरम, इंजीनियर्स और प्रौद्योगिकीविदों के आजीवन सदस्य।

अध्ययन के बोर्ड के विदेश सदस्य, कम्प्यूटर साइंस एण्ड इंजीनियरिंग, गौड़ बंग विश्वविद्यालय, मालदा विभाग।

पांडा सहयोग के आजीवन सदस्य 2013 के बाद से नवंबर

अन्य :

आजीवन सदस्य भारतीय विज्ञान कांग्रेस में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली-110067 2013 सितम्बर 07-08 के दौरान कृषि संस्कृति द्वारा आयोजित इलेक्ट्रॉनिक कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग शक्ति और नियंत्रण (ECEPC-2013) में हाल के रुझान, पर वैश्विक सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप भाषण दिया।

06-07 दिसम्बर, 2013 के दौरान (गौड़ बंग विश्वविद्यालय के अंतर्गत) गौड़ बंग महाविद्यालय में आयोजित यूजीसी प्रायोजित नेशनल एअर इंडिया पर संगोष्ठी और आधुनिक आईटी वर्ल्ड पर इसके प्रभाव में एक मुख्य भाषण दिया।

पैटर्न मान्यता और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए आजीवन सदस्य भारतीय इकाई (पैटर्न मान्यता के लिए इंटरनेशनल एसोसिएशन से संबद्ध)

वैज्ञानिकों का फोरम, इंजीनियर्स और प्रौद्योगिकीविदों (क्ष्च्क्त) के आजीवन सदस्य।

प्रकाशन

परमार्थ दत्त

पुस्तकें

लेखक / सह-लेखक

जून 2013 में मैट्रिक्स Educare आठवीं संस्करण द्वारा प्रकाशित पी दत्ता और (कम्प्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग के लिए) डिजाइन और एल्गोरिदम के वि लेषण के लिए पूर्ण संदर्भ हकदार ए पाल, लेखक बुक,।

जनवरी 2013 में मैट्रिक्स Educare सातवें संस्करण द्वारा प्रकाशित उन्नत कंप्यूटर वास्तुकला के लिए पूर्ण संदर्भ हकदार पी दत्ता और ए पाल, लेखक बुक,।

पत्रिकाओं में लेख

ए बनर्जी, पी दत्ता और एस घोष, फजी नियंत्रित ऊर्जा कुशल रूटिंग प्रोटोकॉल मोबाइल तदर्थ नेटवर्क के लिए (FE2RP), कंप्यूटर अनुप्रयोग का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम 61, नंबर 7, 2013।

एस दासगुप्ता और पी दत्ता, वायरलेस सेंसर नेटवर्क में क्लस्टर हेड चयन के लिए एक उपन्यास खेल रिप्ले दृष्टिकोण, नवीन प्रौद्योगिकी का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल और इंजीनियरिंग तलाश, वॉल्यूम दो, नंबर 3, पृ 40-43, 2013 फरवरी।

एस दासगुप्ता और पी दत्ता, CIAC: वायरलेस सेंसर नेटवर्क का लाइफटाइम समय को बढ़ाने के लिए क्लस्टर हेड प्रेरित आत्मीयता आधारित क्लस्टरिंग, कंप्यूटर अनुप्रयोग, वॉल्यूम के इंटरनेशनल जर्नल 75, नहीं, 10, पृ। 18-23, अगस्त 2013।

ए बनर्जी, पी दत्ता और एस घोष, अनुभव आधारित ऊर्जा कुशल रिएक्टिव रूटिंग प्रोटोकॉल मोबाइल तदर्थ नेटवर्क केलिए (EXERP), विज्ञान और इंजीनियरिंग, स्प्रिंगर, 2013, आईएसएसएन 1319-8025, डीओआई 10.1007 के लिए अरब जर्नल / s13369-013-0813-9

जे हाजरा, ए रायचौधरी और पी दत्ता, भारित सांख्यिकीय प्रतिगमन का उपयोग कर एक ग्रे छवि के रोटेशन के कोण का निर्धारण करने के लिए एक दृष्टिकोण है, वैज्ञानिक और इंजीनियरिंग रिसर्च, वॉल्यूम के इंटरनेशनल जर्नल। 4, मुद्दा 8, पीपी 1006 -। 1013, 2013।

डी दत्ता, पी दत्ता, और जे एसआईएल, क्लस्टर विश्लेषण में मल्टी उद्देश्य आनुवंशिक एल्गोरिथ्म का उपयोग स्पष्ट फ़ीचर कमी, कम्प्यूटेशनल विज्ञान, स्प्रिंगर, वॉल्यूम पर LNCS लेन-देन। 189, 2013 -। 21, पीपी 164।

सम्मेलन की कार्यवाही

डी दत्ता, पी दत्ता, और जे एसआईएल, बहु उद्देश्य आनुवंशिक एल्गोरिथ्म द्वारा एक साथ निरंतर सुविधा चयन और कश्मीर क्लस्टरिंग, 3 आईईईई अंतर्राष्ट्रीय एडवांस कम्प्यूटिंग सम्मेलन की कार्यवाही (2013 IACC), ' प्रेस, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश में, भारत, 2013 के फरवरी, पीपी 928-933, डीओआईः। 10.1109 /2013्। 6,514,352।

दासगुप्ता, जेके मंडल और पी दत्ता, तकनीक और अनुप्रयोग (CIMTA2013), 2013 प्रौद्योगिकी, एल्सेविअर, पीपी मॉडलिंग, कम्प्यूटेशनल खुफिया पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में, आनुवंशिक एल्गोरिथ्म (जीए) का उपयोग वीडियो स्टेग्नोग्राफ़ी अनुकूलित्। 131-137, आईएसएसएनः 2212-0173।

दासगुप्ता, बी मंडल, पी दत्ता, जेके मंडल और एस बांध, तकनीक और अनुप्रयोग, कम्प्यूटेशनल खुफिया पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में, मॉडलिंग लोड क्लाउड कम्प्यूटिंग के लिए रणनीति संतुलन आधारित एक आनुवंशिक एल्गोरिथ्म (जीए) (CIMTA2013), 2013 प्रौद्योगिकी, एल्सेविअर, पीपी 340-347, आईएसएसएनः। 2212-0173।

ए पाल, जेपी सिंह और पी दत्ता, तकनीक और अनुप्रयोग (CIMTA2013) मॉडलिंग, कम्प्यूटेशनल खुफिया पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में, 2013 प्रौद्योगिकी, एल्सेविअर, पीपी MNET औसत मॉडल चल रहा है का उपयोग करने के लिए पथ की लंबाई भविष्यवाणी । 882-889, आईएसएसएनः 2212-0173।
पी दत्ता और डी मुखोपाध्याय, 48 वार्षिक सम्मेलन (सीएसआई - 2013) की कार्यवाही में, नई वास्तुकला फ्लिप के लिए क्वांटम डॉट सेलुलर ऑटोमेटा का उपयोग करते हुए फ्लॉप, कम्प्यूटेशनल खुफिया पर विशेष सत्र - उपकरण और तकनीक आईटी उत्कृष्टता, स्प्रिंगर वरलैग के लिए , वॉल्यूम। 714, 2013 -। 249, पीपी 707-714, 2013।

पर्यावरण अध्ययन विभाग

पर्यावरण अध्ययन विभागः विभाग का नाम

छात्रों के नाम यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / स्लेट और गेट परीक्षा में अर्हः रूमी राभा (यूजीसी-जेआरएफ)
विभागीय संगोष्ठीः लोक स्वास्थ्य इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (IPHE), भारत डॉ केजे नाथ, राष्ट्रपति के सहयोग से नवम्बर 22-23, 2013 के दौरान सुरक्षा, संरक्षण और प्रबंधनः विभाग पर्यावरण के मुद्दों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी शीर्षक से एक दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन , IPHE भारत उद्घाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता की। प्रो सुदीप्ता नारायण राय, प्राचार्य, शिक्षा-भवन अतिथियों का परिचय डॉ। अशोक सान्याल, अध्यक्ष, जैव विविधता बोर्ड, भारत सरकार प. बंगाल के मुख्य अतिथि थे और की समृद्ध जैव संसाधनों के बारे में बात की थी भारत। 100 से अधिक ने भाग लिया, और दो कमरों में एक आयोजित संगोष्ठी के 10 तकनीकी सत्र में कागजात। प्रत्येक सत्र प्रो अनुसूचित जाति संतरा, पर्यावरण विभाग स्टडीज, कल्याणी यूनिवर्सिटी, श्री एके सेनगुप्ता द्वारा एक मुख्य भाषण से पहले था प्रस्तुत महानिदेशक, सुलभ इंटरनेशनल, नई दिल्ली, डॉ दीपांकर आढ्य पर्यावरण संरक्षण अभियंता, कोलकाता, डॉ आरई मेस्टो, वैज्ञानिक CMIFR (सीएसआईआर), धनबाद और प्रो एमके घोष, एमेरिटस प्रोफेसर WBUT कोलकाता।

इसके अलावा, विभाग भी निम्न व्याख्यान का आयोजन कियाः

04/07/2013: 'अप स्वच्छ पर्यावरण और जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों के लिए शोषण रोगाणुओं' पर डा शुभांकर चटर्जी।
13-07-2013: 'भारत पर कुल ओजोन स्तंभ में लंबी अवधि के बदलाव' पर डा अंकित टंडन।
27-07-2013: 'स्थायी ऊर्जा आपूर्ति के लिए अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकी' पर प्रो एस रेड्डी।
27-08-2013: डॉ सुनन्दन लाला, प्रोक्सेर इंडिया प्रा। अपशिष्ट रिटेडोस निगम
27-08-2013: प्रो. रंजना मदन लाला, एमोरी विश्वविद्यालय, 'माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग और मेजबान उन्मुक्ति के इंटरफेस' पर अटलांटा।
26-11-2013: सतत पर्यावरण प्रबंधन और एक अच्छी गुणवत्ता की तैयारी के फायदे के लिए एक उपकरण ईआईए पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन' पर प्रो सीके वर्षणे।
30-11-2013: अतीत, वर्तमान और भविष्य के पर्यावरण मुद्दों' पर डा रमेश करुपा
11/02/2014: पर्यावरण कानून' पर बैरिस्टर अनिन्दा मित्रा।
इसके अलावा, पीएच.डी. से लगभग 20 संगोष्ठी प्रस्तुतियों कर रहे हैं विद्वानों और एमएससी पिछले एक वर्ष के दौरान विभाग के छात्रों को।

विस्तार में शिक्षक / अनुसंधान विद्वानों ने भाग लिया आदि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी/ कार्यशाला / प्रदर्शनी

शिबानी चौधरी

22 नवंबर 2013: अमेरिकी मेजी, जीएन द्वारा कागजात 'सटे कृषि भूमि पर कोल बेड मीथेन का उत्पादन पानी के साथ कोई समस्या' चट्टोपाध्याय, एस चौधरी और बी.सी. रॉय, देबप्रिय भट्टाचार्य, सोहिनी बनर्जी और शिबानी चौधरी द्वारा 'रासायनिक प्रजातीकरण का उपयोग कर मिट्टी में भारी धातु जैव उपलब्धता पर एक अध्ययन', और' बास्ताकोला कोलमाइन क्षेत्र में सतह और भूमिगत जल पर कोयला खनन गतिविधियों के प्रभाव, झरिया कोल फील्ड, भारत' अभिजित चौधरी, शिबानी चौधरी, पुलक के आर द्वारा। पत्र प्रस्तुत किए गएः राष्ट्रीय संगोष्ठी में पर्यावरण के मुद्दों परः संयुक्त रूप से विभाग द्वारा पर्यावरण अध्ययन विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन और सार्वजनिक स्वास्थ्य इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स, भारत द्वारा आयोजित संरक्षण, संरक्षण और प्रबंधन, 22-23 नवम्बर, 2013, पर्यावरण विज्ञान, शिक्षा भवन, विश्वभारती।

10 दिसंबर 2013: कागजात 'पानी जलकुंभी से बायोगैस उत्पादन और सल्विनिया की तुलना' मैथ्यू एके गोस्वामी आर, बनर्जी एस.एन., शोम ए, चक्रवर्ती एके, बालचंद्रन एस, शिबानी चौधरी, और 'द्वारा डिजाइन अवधारणा और

टी मल्लिक, एन सम्राह, एसएन बनर्जी, एल मिशेली, के एस रेड्डी, पीसी घोष, जी वाकर, शिबानी चौधरी, एम. पौरकशनियन जम्मू हैमिल्टन ने बॉयोसीपीवी परियोजना 'के माध्यम से भारत में ग्रामीण विद्युतीकरण के लिए एक संकर नवीकरणीय ऊर्जा प्रणाली के विन्यास, डी गिडिंगस, एम वाकर, कश्मीर मनिक्क्कम, एक हजारा, एस बालाचंद्रन, एस, डी अनुदान, एके मैथ्यू, प्रौद्योगिकी, मुंबई के भारतीय संस्थान द्वारा आयोजित उन्नत ऊर्जा अनुसंधान, 10-12 दिसंबर, 2013 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किए गए ।

30 जनवरी 2014: कागजात फ्लाई ऐश में कुछ तत्वों का पता लगाने के रासायनिक प्रजातीकरण का अध्ययनः धातु जैव उपलब्धता और संवर्धन पर परिप्रेक्ष्य' डी भट्टाचार्य और शिबानी चौधरी द्वारा, सोहिनी बनर्जी द्वारा 'कोयले की खान मिट्टी दूषित भारी धातु में जीवाणु' और शिबानी चौधरी, मैथ्यू एके गोस्वामी आर, बनर्जी एस.एन., शोम ए, चक्रवर्ती एके, बालचंद्रन एस, शिबानी चौधरी ने 'शांति निकेतन में और आसपास मौजूद जलीय बायोमास से बायोगैस उत्पादन'। , प्रदूषण और संरक्षण आयोजितः और शोम, रामान्सु गोस्वामी, अनिल कुमार मैथ्यू, एस एन बनर्जी, अमित कुमार चक्रवर्ती, एस बालाचंद्रन, शिबानी चौधरी द्वारा 'बायोगैस उत्पादन में रोगाणुओं की भूमिका' पर्यावरण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किए गए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दुर्गापुर से।

3 फ़रवरी 2014: कागजात डी भट्टाचार्य और शिबानी चौधरी और 'कोल बेड के प्रभाव से' बीरभूम, पि चम बंगाल, भारत के लाल और लैटरिटिक मिट्टी में इलाज रासायनिक प्रजातीकरण और सीडी, सीआर, फ्लाई ऐश में नी की गतिशीलता पर एक अध्ययन 'कृषि योग्य मिट्टी पर्यावरण और उत्पल माझी, जी एन चट्टोपाध्याय, और शिबानी चौधरी द्वारा उनके शमन 'पर पानी फ़रवरी 2014 3-7द्यण, जम्मू भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन द्वारा आयोजित, 101 भारतीय विज्ञान कांग्रेस में प्रस्तुत किए गए।

17 फ़रवरी 2014: कागजात और लैम्पिटो औद्योगिक मूल के प्रदूषित मिट्टी के संपर्क में जीएसटी और कुल बायोमास का एक तुलनात्मक अध्ययन' डी भट्टाचार्य और शिबानी चौधरी द्वारा, 'मिट्टी पर्यावरण पर कोल बेड पानी की विषाक्त प्रभाव और डी भट्टाचार्य, एम गोप, एस बालाचंद्रन ने शांति निकेतन में आकलन इंडोर वायु गुणवत्ता के लिए एयर कंडीशनर फिल्टर में फंस धूल में तत्वों का पता लगाने " उत्पल शिबानी चौधरी और बी.सी.रॉय और 'द्वारा उनके शमन और शिबानी चौधरी ईकोटोकसीकोलौजी और पर्यावरण विज्ञान संस्थान द्वारा आयोजित ईकोटोकसीकोलौजी एवं पर्यावरण विज्ञान (आइसीइइएस'14), दिल्ली, 17 वीं, 19 वीं फरवरी 2014, पर 4 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किए गए।

प्रताप कुमार पाढ़ी

23 नवंबर 2013: द्विचर भाव और बहुभिन्नरूपी सांख्यिकीय दृष्टिकोण के: नाएक, एस और पाधी. पी.के नदी सुसवा प्रणाली, गंगा बेसिन के 'जल गुणवत्ता मूल्यांकन द्वारा कागजात' बायोमास ईंधन जलने से ग्रामीण रसोई घर में पार्टिकुलेट लोड "मनोज, लालकृष्ण और पाधी, पी के द्वारा,' स्वास्थ्य पर भारत और इसके प्रभाव में ठोस बायोमास ईंधन का प्रयोग करें: दामोदर नदी के पानी की गुणवत्ता की भौतिक-रासायनिक लक्षण वर्णन 'राभा, आर और पाधी पी, और' द्वारा एक समीक्षा, 22-23 नवंबर 2013 के दौरान सुरक्षा, संरक्षण और प्रबंधन, IPHE, कोलकाता के सहयोग से पर्यावरण अध्ययन विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजितः कर्मकार, डी और पाधी द्वारा भारत ', पीके पर्यावरण के मुद्दों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किए गए।

13-17 जनवरी 2014: 'इनडोर वायु प्रदूषणः एक प्रमुख पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता का विषय', डीएसटी प्रेरित कार्यक्रम, विश्वभारती में आमंत्रित व्याख्यान।

1-3 फ़रवरी 2014: 'हवा वन संसाधनों पर प्रदूषण और उसके संभावित प्रबंधन का प्रभावः बीरभूम लालपाहाड़ी वन, के एक मामले का अध्ययन' ASEPAN, पल्ली विभाग द्वारा आयोजित बदलते परिदृश्य में कृषि और जैव सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत शिक्षा भवन, विश्वभारती।

3-7 फ़रवरी 2014: मनोज, लालकृष्ण द्वाराः नाएक, एस और पी, 'गुणवत्ता सूचकांक और ग्राफिकल चित्र वर्गीकरण और एक दक्षिण एशियाई नदी के लक्षण वर्णन' द्वारा 'रसोई बायोमास धुएं के संपर्क में ग्रामीण महिलाओं में कम फेफ़ड़ों प्रदर्शन' और पी, 'मूल्यांकन और स्टील सिटी दुर्गापुर, भारत के भूजल के बहुभिन्नरूपी सांख्यिकीय वि

लेषण' भट्टाचार्य, आर, मनोज, लालकृष्ण और, पी केद्वारा, 101 भारतीय विज्ञान कांग्रेस (धारा 7, पृष्ठ में प्रस्तुत किए गए 119), 2014 03-07 फ़रवरी केदौरान जम्मू, जम्मू विश्वविद्यालय में आयोजित किया।

24-26 फ़रवरी 2014: रामांसु गोस्वामी, मजुमदार, एस और पाधी पीके द्वारा 'विकास, संरचना और मछली से अलग की डाह पर तीव्र और जीर्ण आर्सेनिक जोखिम का प्रभाव', और 'में इनडोर वायु गुणवत्ता की स्थिति का आकलन 2014 फ़रवरी 24-26 दौरान जूलॉजी, विश्वभारती, शांतिनिकेतन केविभाग द्वारा आयोजित - पाधी पी के द्वारा भारत के पूर्वी भागों 'के ग्रामीण आदिवासी घरों, पर्यावरण जीव विज्ञान और पर्यावरण मॉडलिंग (2014 आईसीईबीईएम) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किए गए ।

भूगोल, विभाग द्वारा आयोजित मनुष्य प्रकृति इंटरफेस में अनुसंधान सीमाओं पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में पाधी पी कश्मीर से 1-2 मार्च 2014' प.बंगाल में उजागर समुदाय केबीच श्वसन स्वास्थ्य पर घर केअंदर वायु प्रदूषण प्रभाव का मूल्यांकन' भारती और प्रैक्टिसिंग भूगोल, कोलकाता फाउंडेशन। इसके अलावा एक सत्र की अध्यक्षता की।

पुलक कुमार पात्र

5-6 सितंबर 2013: 'आदमी और पर्यावरणः रवीन्द्रनाथ और राधाकृष्णन केविचार' नेट में प्रस्तुत किया। सेम। राधाकृष्णन की विरासत पर विनय भावना, विश्वभारती द्वारा आयोजित।

22-23 नवंबर 2013: अभिजित चौधरी, शिबानी चौधरी व पुलक केआर द्वारा' कोलमाइन क्षेत्र, झरिया कोल फील्ड, भारत में सतह और भूमिगत जल पर कोयला खनन गतिविधियों केप्रभाव'। सुरक्षा, संरक्षण और प्रबंधन, पर्यावरण विभागः पर्यावरण के मुद्दों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत पात्रा,। अध्ययन, विश्वभारती।

22-23 नवंबर 2013: साउन बनर्जी, सुभरंजन दास, सुमन सामंत, आशीस मुखर्जी और पुलक कुमार द्वारा 'फसल उत्पादन पर जलवायु परिवर्तन के केलिए फसल वृद्धि सिमुलेशन मॉडल की संभावना'। पौधों से फ्लोराइड की पात्रा, 'तेजः एक समीक्षा। सुरक्षा, संरक्षण और प्रबंधन 'शकुंतला चक्रवर्ती, प्रियंका बिस्वास और पुलक कुमार पात्रा से, और' पश्चिम के तराई क्षेत्र केकुछ कृषि मिट्टी में रासायनिक उर्वरकों केअत्यधिक उपयोग केलिए मृदा स्वास्थ्य और पर्यावरण पर प्रभावः पर्यावरण के मुद्दों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत पेपर सुरक्षा, संरक्षण और प्रबंधन, पर्यावरण विभागः दीपांकर पाल, दिब्येंदु मुखोपाध्याय और पुलक कुमार पात्रा ने बंगाल 'पर्यावरण केमुद्दों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में थे। अध्ययन, विश्वभारती।

23-24 नवंबर 2013: 'समग्र विकास के लिए वाटरशेड प्रबंधन' नेट में प्रस्तुत किया। सेम। चुनौतियां और अर्थशास्त्र के समावेशी विकास विभाग, विश्वभारती की संभावनाओं पर

24-26 फ़रवरी 2014: फर्मामिनिफेरियल वितरण अध्ययन केमाध्यम से प्रदूषण निगरानीः भारत केपूर्वी तट से एक मामला' पुलक कुमार पात्रा और प्रवासिनि पति से, पर्यावरण जीवविज्ञान और पर्यावरण मॉडलिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया है, जूलॉजी, की, विभाग भारती।

9 मार्च 2014: 'मेडिकल बॉयोमेट्रिक्सः परिप्रेक्ष्य और संभावनाएँ पेपर' रसायन विज्ञान में हाल के अग्रिमों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया।

21-22 मार्च 2014: फसल केपौधों में पुलक कुमार पात्रा और शकुंतला चक्रवर्ती फ्लोराइडः सुरक्षा पेपर नेट में प्रस्तुत एक चिंता का विषय। सेम। खाद्य सुरक्षा और पोषण में हाल के अग्रिमों पर, संबलपुर विश्वविद्यालय।

25-26 मार्च 2014: छवियों के : एक समीक्षा' गैररेखीय गणित और उसके आवेदन पर हाल केदृष्टिकोण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया, गणित, विश्वभारती विभाग।

एस बालाचंद्रन

22-23 नवंबर 2013: मानश गोप, एस बालाचंद्रन पर्यावरण केमुद्दों पर राष्ट्रीय संगोष्ठीः सुरक्षा, संरक्षण एवं प्रबंधन में भारत केसड़क धूल में तत्वों का पता लगाने केवितरण पर एक समीक्षा पर्यावरण अध्ययन विभाग, शिक्षा-भावना, विश्वभारती।

10-12 दिसंबर 2013: मैथ्यू एकेगोस्वामी आर, बनर्जी एस.एन., शोम ए, चक्रवर्ती एके, बालचंद्रन एस, चौधरी, एस प्रस्तुत किया और टी 'बायोगैस पानी जलकुंभी से उत्पादन और शल्भिनिया की तुलना' मलिक, एन.शर्माह, एसएन बनर्जी, एल मिशेली, केएस रेड्डी, पीसी घोष, जी वॉकर, एस चौधरी, एम पौरकाशिनियन, जम्मू हैमिल्टन, डी.

गीर्दीग, एम वाकर, कश्मीर मनिक्क्कम, एक हजारा, एस बालाचंद्रन, एस लोकेश्वरण, डी अनुदान, एकेमैथ्यू उन्नत ऊर्जा अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, प्रौद्योगिकी, मुंबई, आईएसबीएन इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ में परियोजना के माध्यम से भारत में ग्रामीण विद्युतीकरण केलिए एक संकर नवीकरणीय ऊर्जा प्रणाली केडिजाइन अवधारणा और विन्यास' प्रस्तुत किया: 978-81-928795-0-5 ।

30 जनवरी - 1 फ़रवरी 2014: मैथ्यू एकेगोस्वामी आर, बनर्जी एस.एन., शोम ए, चक्रवर्ती एके बालचंद्रन एस, चौधरी, एस, 'में और शांति निकेतन के आसपास मौजूद जलीय बायोमास से बायोगैस उत्पादन' और देवप्रिय भट्टाचार्य, एस बालाचंद्रन प्रस्तुत एस चौधरी फ्लाई ऐश में कुछ तत्वों का पता लगाने केरासायनिक प्रजातीकरण का अध्ययन: धातु जैव-उपलब्धता और संवर्धन पर परिप्रेक्ष्य' प्रस्तुत किया है और बनर्जी एस.एन., शोम ए, गोस्वामी आर, मैथ्यू एके बनर्जी एस.एन., चक्रवर्ती एके बालचंद्रन एस, चौधरी प्रदूषण और सुरक्षा, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दुर्गापुर: एस राष्ट्रीय पर्यावरण पर संगोष्ठी में 'बायोगैस उत्पादन में रोगाणुओं की भूमिका' प्रस्तुत किया।

3-7 फ़रवरी 2014: मानश गोप, एस बालाचंद्रन 'आसनसोल, प.बंगाल, भारत केसड़क केकिनारे जमा धूल में इद की रासायनिक प्रजातीकरण' प्रस्तुत किया। यह भी 101भारतीय विज्ञान कांग्रेस-2014, जम्मू में मौखिक प्रस्तुति केलिए स्वीकार कर लिया गया।

17-19 फ़रवरी 2014: देवप्रिय भट्टाचार्य, मानश गोप, एस बालाचंद्रन, एस चौधरी ईकोटोकसीकोलौजी एवं पर्यावरण विज्ञान पर 4 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'शांति निकेतन में आकलन इंडोर वायु गुणवत्ता केलिए एयर कंडीशनर फिल्टर में फंस धूल में तत्वों का पता लगाने' प्रस्तुत ईकोटोकसीकोलौजी के संस्थान और पर्यावरण विज्ञान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ईकोटोकसीकोलौजी केसंस्थान और पर्यावरण विज्ञान, वायएमसीए, नई दिल्ली द्वारा आयोजित।

27 मार्च 2014: 'सीडी आसनसोल की सड़क धूल में, कागज में प्रस्तुत किया है, विज्ञान संगोष्ठी व्याख्यान माला (2014)', सेमिनार कक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग, शिक्षा-भावना, विश्वभारती।

विभागों में चल रहे अनुसंधान परियोजनाएं:

शिबानी चौधरी

ए) परियोजना के नाम: औद्योगिक मूल केमिट्टी में केंचुआ तंत्र और Eisenia fetida का एक तुलनात्मक अध्ययन।
एजेंसी केप्रायोजन: विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली
राशि मंजूर: रु. 8,70,800 / -

ए) परियोजना के नाम: विकास और बायोमास की एकता और ग्रामीण और शहरी ऊर्जा ब्रिज केलिए फोटोवोल्टिक प्रणाली ध्यान दे: बॉयोसीपीवीए
शहरी और ग्रामीण अंतर को पाटने पर भारत-ब्रिटेन सहयोगात्मक अनुसंधान पहल के तहत एक अनुसंधान परियोजना।
एजेंसी केप्रायोजन: डीएसटी, नई दिल्ली (भारतीय पक्ष)
राशि मंजूर: रु. 5,57,17,125 / - विश्वभारती केलिए जो राशि की रु.2,26,70.325 / - है। शिबानी चौधरी (पीआई), प्रो ए हाजरा (सह पीआई) और डॉ एस बालाचंद्रन (सह पीआई)। अन्य सह छ्क्ष्म आईआईटीएम और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई से हैं।

प्रताप कुमार पाढ़ी

परियोजना का नाम: नदी अजय केभौतिक-रासायनिक केरेकटेराइजेशन गंगा (अप्रैल 2013 - मार्च 2016) की एक सहायक नदी (सह पीआई, डॉ यूकेसिंह, दिसर, विश्वभारती पीआई केरूप में)।
प्रायोजन एजेंसी: विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली।
स्वीकृत राशि: रुपये 12.06 लाख
एजेंसी केप्रायोजन: विश्वभारती।
राशि मंजूर: रुपये 10,000 / -

पुलक कुमार पात्रा

परियोजना का नामः हाइड्रोकेमिकल और बीरभूम जिला, पि चम बंगाल, भारत के कुछ हिस्सों में भूजल का फ्लोराइड संवर्धन प्रक्रिया पर स्थिर आइसोटोप जांच

प्रायोजन एजेंसीः विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली।

राशि मंजूरः रुपये 2,29,500 / -

विश्वविद्यालय से सामान्य अनुसंधान अनुदानः प्रोजेक्ट का नाम।

एजेंसी के प्रायोजनः विश्वभारती।

राशि मंजूरः रुपये। 10,000 / -

एस बालाचंद्रन

परियोजना का नामः विकास और बायोमास की एकता और ग्रामीण और शहरी ऊर्जा ब्रिज के लिए फोटोवोल्टिक प्रणाली ध्यान देः

शहरी और ग्रामीण फूट डालो को पूरा करने पर भारत-ब्रिटेन सहयोगात्मक अनुसंधान पहल के तहत एक अनुसंधान परियोजना।

एजेंसी के प्रायोजनः डीएसटी, नई दिल्ली (भारतीय पक्ष)

राशि मंजूरः रु.5,57,17,125 / - विश्वभारती के लिए जो राशि की डब्ल.2,26,70.325 / - है। प्रो शिबानी चौधरी (पीआई), प्रो ए हाजरा (सह पीआई) और डॉ एस बालाचंद्रन (सह पीआई)। अन्य सह PIs आईआईटीएम और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई से हैं

विस्तार गतिविधियों / एनएसएस / सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने विभाग द्वारा आयोजित और भाग लिया

एमएससी छात्रों, शोधार्थियों और पर्यावरण अध्ययन विभाग के संकाय सदस्यों (डेस) (एयर सक्रिय रूप से, डेस के छात्रों और संकाय सदस्यों को विभिन्न पर्यावरण की गुणवत्ता के मानकों पर नजर रखी इस तीन दिन के कार्यक्रम के दौरान पौष मेला 2013 में पर्यावरण जागरूकता अभियान में शामिल थे, शोर, मेला मैदान से पानी) और उसके आसपास के क्षेत्र। पर्यावरण प्रकोष्ठ, विश्वभारती पौष मेला के दौरान प्लास्टिक कैरी बैग और प्लास्टिक के कप के खतरे के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए मेला मैदान में जुलूस बाहर किया। चित्रकारी और स्लोगन प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। आम जनता सहित गृहिणियों से इन प्रतियोगिताओं के लिए प्रतिक्रिया उत्साहजनक था। स्थानीय आदिवासी समुदाय को भी इस कार्यक्रम में स्वेच्छा से और स्टाल से (जैसे वर्मी कम्पोस्ट खाद, कागज और बोरे और हस्तशिल्प आदि के रूप में) अपने पर्यावरण के अनुकूल माल बेच दिया।

अन्य

शिबानी चौधरी

संयंत्र विविधता पर कार्यशाला पर संयोजकः 19-20 मार्च, 2014 को विश्वभारती के वर्गीकरण समिति द्वारा आयोजित इउटिलाइजेशन और जलवायु परिवर्तन।

प्रताप कुमार पाढ़ी

आज तक के लिए अप्रैल 2007 के बाद से बुक बैंक के प्रभारी, शिक्षा-भावना, विश्वभारती के रूप में अभिनय।

6-9 दिसंबर 2013 के दौरान प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और विश्वभारती द्वारा आयोजित 5 वीं यूथ विज्ञान कांग्रेस की आजीविका धारा के लिए दूत के रूप में काम किया।

संसाधन व्यक्ति, इनडोर वायु प्रदूषणः एक प्रमुख पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता का विषय है, डीएसटी प्रेरित कार्यक्रम, विश्वभारती, 13-17 जनवरी, 2014।

21 वीं प. बंगाल राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी कांग्रेस, 2014 के पर्यावरण विज्ञान वर्ग में (एक मौखिक और एक पोस्टर) की अध्यक्षता में दो सत्रों, संयुक्त रूप से बर्दवान विश्वविद्यालय और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सरकार के विभाग द्वारा आयोजित 20-21 फ़रवरी 2014 के दौरान प.बंगाल

पुलक कुमार पात्र

विश्वभारती 6-09 दिसम्बर 2013 तक आयोजित की 5 वीं यूथ विज्ञान कांग्रेस में सदस्य, जजों के पैनल, 2014 वर्ष अप्रैल 2013 मार्च के भीतर प्रकाशनः

शिबानी चौधरी

डी भट्टाचार्य; एस बालाचंद्रन; शिबानी चौधरी। 2014 'फ्लाई ऐश में कुछ तत्वों का पता लगाने के रासायनिक प्रजातीकरण और गतिशीलता'। मिट्टी और तलछट संदूषणः एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, आईएसएसएनः 1532-0383 (प्रिंट), 1549-7887 (ऑनलाइन) डीओआईः 10.1080 / 15320383.2014.892915, ऑनलाइन प्रकाशितः 18 मार्च 2014

मैथ्यू एके गोस्वामी आर, बनर्जी एस.एन., शोम ए, चक्रवर्ती एके, बालचंद्रन शिबानी चौधरी, पानी जलकुंभी से बायोगैस उत्पादन केएस तुलना, उन्नत ऊर्जा अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में, 10-12 दिसम्बर, 2013, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई, 1535-1540, ISBN: 978-81-928795-0-5।

टी मल्लिक, एन शर्माह, एसएन बनर्जी, एल मिशेली, केएस रेड्डी, पीसी घोष, जी वाकर, शिबानी चौधरी, एम, जम्मू हैमिल्टन, डी गार्दींग, एम वाकर, कश्मीर मनिक्क्कम, एक हजारा, एस बालाचंद्रन, एस लोकोश्वरण डी ग्रांट एके मैथ्यू। डिजाइन अवधारणा और परियोजना के माध्यम से भारत में ग्रामीण विद्युतीकरण के लिए एक संकर नवीकरणीय ऊर्जा प्रणाली के विन्यास। 978-81-928795-0-5: उन्नत ऊर्जा अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 10-12 दिसंबर, 2013, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई, 1659-1667, आईएसबीएन की कार्यवाही में।

कुणाल बंद्योपाध्याय, शिबानी चौधरी, अमित कुमार हाजरा। सतत ग्रामीण विकास के लिए अक्षय ऊर्जाः प्रौद्योगिकी के एक हस्तांतरण। 978-81-928795-0-5: उन्नत ऊर्जा अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 10-12 दिसंबर, 2013, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई, 1541-1547, आईएसबीएन की कार्यवाही में्।

प्रताप कुमार पाढ़ी

राउत, टी, राम, नियंत्रण रेखा, जॉर्ज, जे और, पी (2013)। मानव स्वास्थ्य का आकलन एक कोयला खनन क्षेत्र में घर के बाहर धूल के नमूने में भारी धातुओं से जोखिम। पर्यावरण बॉयोमेट्रिक्स और स्वास्थ्य, 35, 347-356्।

मनोज कुमार, भट्टाचार्य आर और पी (2013)। उत्तरी भारत के प.बंगाल के वन और वन्य जीव परिदृश्यः एक समीक्षा। जीव विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका, 2 (7), 70-79 जुलाई, (2013)।

मनोज, केएच., घोष, एस और पी.के (2013)। विशेषता और का वर्गीकरण बहुभिन्नरूपी चित्रमय और तकनीक का उपयोग कर रसायन विज्ञान की शोध पत्रिका, 3 (5), 32-42 मई, (2013)।

पी.के (2014)। जल संसाधन, मत्स्य पालन और जलीय कृषि पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव वैश्विक जलवायु परिवर्तन, समुद्र का स्तर बढ़ने पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही में जूलॉजी विभाग के सेमिनार हॉल में पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय भारत के सरकार द्वारा प्रायोजित तटीय प्रदूषण और केन्द्र और संस्कृति मत्स्य और सतत समुद्री मत्स्य संसाधन प्रबंधन पर उसके प्रभाव , उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ओडिशा। 9-10 मार्च, 2014, पृ। 14-22 दौरान खुर्दा, द्वारा आयोजित की।

पुलक कुमार पात्रा

एस चक्रवर्ती, पी.के पात्रा, चार संयंत्र फसलों में गतिविधि पर फ्लोराइड की 2013 प्रभाव फ्लोराइड वी 46 (2): 59-62

एस चक्रवर्ती, पी.के पात्रा, बीज अंकुरण पर सोडियम फ्लोराइड की 2013 प्रभाव, धान के अंकुर विकास और जैव रसायन (ओराय्ज़ा सैटिवा एल) एशियाई जे ऍक्स्प। बॉय। विज्ञान। ६.4 (4) 2013 540-544

पी के पति और पीके पात्रा, भारत के पूर्वी तट के साथ उत्तरी ओडिशा के प्रमुख ज्वारनदमुख में 2013 भारी धातु वितरणः एक अनुक्रमण दृष्टिकोण पृथ्वी विज्ञान और इंजीनियरिंग, 6 का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, (05), 2013, 1094 -1102

पात्रा, पी, 2014, समन्वित जल संसाधन प्रबंधनः एक ग्रामीण आजीविका परिप्रेक्ष्य, भारत की उभरती हुई

अर्थव्यवस्था में आर्थिक विकास और विविधीकरण की कुछ अनुभवजन्य पहलुओं के बारे में्। ईडी। पी.के चट्टोपाध्याय नई दिल्ली प्रकाशक, नई दिल्ली 83-92।

प. बंगाल में पात्रा, पी, 2014, भूजल गुणवत्ताः ग्रामीण विकास .. एड के पहलुओंः विकास में जल सुरक्षा शराब पीने और विविधीकरण के लिए चुनौतियां्। पी.के चट्टोपाध्याय नई दिल्ली प्रकाशक, नई दिल्ली 321-330।

एस बालाचंद्रन

डी भट्टाचार्य; एस बालाचंद्रन; शिबानी चौधरी। फ्लाई ऐश में कुछ तत्वों का पता लगाने के 2014 रासायनिक प्रजातीकरण और गतिशीलता। मिट्टी और तलछट संदूषणः एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, आईएसएसएनः 1532-0383 (प्रिंट), 1549-7887 (ऑनलाइन) डीओआईः 10.1080 / 15320383.2014.892915, ऑनलाइन प्रकाशितः 18 मार्च 2014्।

उन्नत पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में मैथ्यू एके गोस्वामी आर, बनर्जी एस.एन., शोम ए, चक्रवर्ती एके एस बालाचंद्रन, शिबानी चौधरी, जल जलकुंभी और से बायोगैस उत्पादन के एस तुलना, ऊर्जा अनुसंधान, 10-12 दिसंबर, 2013, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई, 1535-1540, 978-81-928795-0-5।

टी मल्लिक, एन शर्माह, एसएन बनर्जी, एल मिशेली, केएस रेड्डी, पीसी घोष, जी वाकर, शिबानी चौधरी, एम जम्मू हैमिल्टन, डी एम वाकर, कश्मीर मनिक्क्कम, एक हजारा, एस बालाचंद्रन, एस डी ग्रांट एके मैथ्यू। डिजाइन अवधारणा और परियोजना के माध्यम से भारत में ग्रामीण विद्युतीकरण के लिए एक संकर नवीकरणीय ऊर्जा प्रणाली के विन्यास। 978-81-928795-0-5: उन्नत ऊर्जा अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 10-12 दिसंबर, 2013, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मुंबई, 1659-1667, आईएसबीएन की कार्यवाही में।

विकास के लिए भविष्य की योजनाओं का एक संकेत के साथ संबंध भवन / सदन / विभाग के विकास का एक संक्षिप्त इतिहासः

पर्यावरण अध्ययन विभाग (डेस), शिक्षा भवन, विश्वभारती विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आर्थिक रूप से समर्थित पर्यावरण अध्ययन के लिए केंद्र के रूप में नौवीं योजना अवधि के दौरान 1999 में स्थापित किया गया था। 2012 से केंद्र शैक्षणिक परिषद और कार्यकारी परिषद के अनुमोदन के बाद एक विभाग बन गया। विभाग विश्वविद्यालय के सभी दूसरे वर्ष स्नातक छात्रों के लिए, सत्र 2000-2001 से अपनी शैक्षिक पाठ्यक्रम शुरू कर दिया। इस सत्र के लिए (2013-2014) के 1000 से अधिक छात्रों को इस कोर्स ले रहे हैं्। विभाग एम.एससी शुरू कर दिया। सत्र 2003-04 से पर्यावरण विज्ञान में पाठ्यक्रम। इस वर्ष के दौरान विभाग रुपये की डीएसटी मुट्ठी मंजूरी अनुदान मिला है। मुट्ठी अनुदान में से खरीद उपकरणों के साथ, विभाग पर्यावरण के विभिन्न क्षेत्रों में, गुणवत्ता अनुसंधान के लिए अच्छा बुनियादी ढांचे का विकास होगा और 1.0 करोड़। अपनी स्थापना के उद्देश्यों में से एक पर्यावरण अध्ययन के क्षेत्र में, पूर्वी भारत में एक नोडल विभाग के रूप में कार्य करने के लिए दिया गया है।

किसी भी अन्य प्रासंगिक जानकारीः

श्रीनिकेतन - बोलपुर क्षेत्रों डेस के संकाय सदस्यों को सक्रिय रूप में और शांतिनिक्तन के आसपास पर्यावरण के प्रति जागरूकता कार्यक्रम में भाग लेते हैं्। संसाधन व्यक्तियों विभिन्न पर्यावरणीय गतिविधियों में छात्रों की मदद करने के लिए विभाग के लिए आमंत्रित कर रहे हैं।

बायो-टेक्नोलॉजी विभाग

क : विभाग द्वारा आयोजित सम्मलन :

डीबीटी, डीएसटी द्वारा प्रायोजित नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन ऑलगोलोनी तथा एगल बायो टेक्नोलॉजी, सीएसआईआर, भारत सरकार तथा कृषि विभाग के सहयोग से 15-17 नवंबर, 2013 को 'श्रीनिकेतन' में किया गया। जिसमें 200 प्रतिभागियों ने भारत से तथा 4 विदेशी प्रतिभागियों ने भाग लिया।

(सभा बुलाने वाले : प्रो. एस. पी. अधिकारी)

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर "खाद्य-सुरक्षा तथा जीएम क्रास" पर एक दिवसीय कार्यक्रम 31 अक्टूबर, 2013 को शांतिनिकेतन में आयोजित किया गया। डब्लयूबी-डीएसटी ने कार्यक्रम को प्रायोजित कियाा।

(कन्वेनर : डॉ. जोली बसाक, डॉ. नरोत्रम दे)

ख. बाहरी विशेषज्ञों द्वारा विभागीय सम्मेलन :

तारीख : 24/03/2014

अध्यापक का नाम : डॉ. पिनाकी सरकार, एसोसिएट प्रोफेसर आईआईटी, खड़गपुर। मइक्रोबॉयोलॉजीकल डावसिर्टी एंड बायो-रेकेमीडिटेशन : इनसाइट फार्म ओएमआईसी एप्रोर्चेस

तारीख : 24/03/2014 व 25/03/2014

अध्यापक का नाम : डॉ. सुदीप्त चट्टोपाध्याय प्रोफेसर एनआईआईटी, दुर्गापुर।

विषय : लाईट सिग्नल ट्रान्सडक्सन एंड फोटो मारफो गेनिसिस।

तारीख : 25/03/2014

अध्यापक : डॉ. तापस चन्द्र घोष, बोस इन्स्टीट्यूट, कोलकाता।

विषय : बेसिक फोर बायो-इन्फारमेटिक्स

तारीख : 29/03/2014

अध्यापक : डॉ. संतासबुज दास, एनसीईडी, कोलकाता।

विषय : सायमोनेया यापी–एन मनयूजवल इन्ट्रा सेलुलर प्रायोजित।

प्रकाशन :

क : किताबें

प्रोफेसर एस. पी. अधिकारी

फ्रेश वाटर एलजी ऑफ ईस्टर्न इंडिया

लेखक : डॉ. एस.के. दास तथा एस. पी. अधिकारी, नई दिल्ली।

एस्टूल पब्लिकेशन 526, 2014, आईएसबीएन : 9789351242796

ख : जर्नल में रिसर्च पेपर

एस.पी. अधिकारी

केसरी एन और अधिकारी एस.पी. 'डूवसिटू ऑफ सनोबैट्रिया ऑन स्टोन मोनोमेन्टस एंड बिल्डिंग फेशड ऑफ इंडिया एंड देयर पोयोजेनिटिक एनालिसिल' इंटरनेशनल बायोडिटेरेक्सन एंड बायोडिग्रेशन 90:4551, 2014, आईएसबीएन : 09648305

जेना एम बोक सी, बेहरा सी, अधिकारी एस. पी. एंड क्रीनट्राईज एल 'स्टेन सर्वे आन थ्री कन्टेन्स कर्न्फेमस द पोलीफाई ऑफ द जीनस पीरियास्टम (हाड्रोडीसियटी, क्रोलोफाईस)' फोटो ओलोयाट 14 : 63-76 2014 आईएसबीएन : 1802-5439

मोहन्ती डी तथा अधिकारी एस. पी. "एस्टमेन्ट ऑफ चेन्जस इन द एगल डूावसिटी ऑफ चिल्का लागून आफर द

ओपनिंग ऑफ न्यू माऊथ टू बे ऑफ बंगाल"। जे वाटर रिसोसेज प्रोटेशन 5:611-623 2014 आईएसबीएन 1945 3094।

कैसरी इन एंड अधिकारी एस. पी. 'केरेक्टर राइजेशन ऑफ सानोबेट्रिया आइसोलेटड फॉरम मोनिमेन्टस एट शांतिनिकेतन इंडिया बायोफालुनिंग' 29 525 536 2013 आईएसबीएन : 0892-7014।

भक्ता एस तथा अधिकारी एस. पी. टू न्यू ट्रेक्सा ऑफ इकबेलोशष्टिटोपोसीस (क्लोरोप्यारा) फ्रार्म ईस्टन इंडिया, नीलेम्वो (वुलेटिन ऑफ बोटेनिक्ल बार. सर्वे ऑफ इंडिया) 55 : 1-4, 2013

अमित राय

गुप्ता वी. के. कौर सी सिमलाई ए और रॉय ए "एण्डी माइक्रोबाईल एकिवीटी ऑफ पवमएनडीका लीवर्स" जर्नल ऑफ एप्लाईड फार्मास्टिकल साइंस (अप्रैल 2013) वॉल्यूम 3 (04) पेजेस-078-082 डीओआई–10: 7324/ आईएपीएस 2013, 3414, आईएसएसएन : 2231-3354।

सिमलाई ए एंड रॉय ए 'बायोलोजिक एकिवीटीस एंड केमिकल कन्सटुन्टेस ऑफ सम मैनग्रो ईसपी सेज फ्राम सुंदरम इस टुओरी : एन ओवर वूय' फार्मा कोगोनोसी रिव्यू जुलाई-दिसंबर ईसू 2013 ऑनलाइन अक्टूबर 2013 वॉल्यूम 7 ईसू 14. 17-178 डीओआई : 10 4103/0973-7874 120578 प्रकाशक मेडनोव पब्लिकेशन क्यूवेयर आईएसएसएन प्रिंट 0973 7847 ऑनलाइन 0976-2787 सिमलाई ए चटर्जी के तथा राय ए 'ए कमपिरेटिम स्ट्डी ऑन एंडी आक्सीडेन्ट पोटेन्सियल ऑफ सम यीफी वेगिटेवल कन्जूमड।

वाईडली इन इंडिया जर्नल ऑफ फूड बायोकेमिस्ट्री अरली व्यू ऑनलाइन पब्लिकेशन ऑन 17 दिसंबर 2013 डीओआई.10.1111/जेएफबीई 12062 ऑनलाइन आईएसएसएन 1745 4514 प्रकाशक वीले ऑनलाइन लाइब्रेरी गुप्ता वी. के., सिमलाई ए., तिवारी एम., भट्टाचार्य के. तथा राय ए. "फेटोकेमिकल कन्टेनस, एंटी माइक्रोबाइल तथा एंटीआवसीडेटीम एकीमीटीस ऑफ सेलानूयमिसिस सिमब्रीलीफोलियम" जर्नल ऑफ एप्लाइड फार्मास्टिकल साइंस वाल्यूम 4 (03), पेज संख्या (075-080, मार्च, 2014)। डीओआई. 10. 1324/आईएपीएस 2014 40315 आईएसएसएन 2231-3354।

तथागत चौधरी

साहू एस.के., मोहन्ती एस, कुमार ए., कुंडू सी. एन., वर्मा एस. सी., चौधरी टी 2014, एपस्टेन बार वायरस न्यूक्लियर एंटीजन 3सी इनरेक्ट्स वीथ पी73: इंटरप्लेय वीटवीन ए वायरल आनको प्रोटीन एंड सेलुरर टियुमर सप्रेसर. वाइरोलोजी 448 : 333-343 (आई.एफ. : 4) आईएसएसएन : 0042 6822

सिद्धार्थ एस, मोहापात्रा पी., प्रीत आर., दास टी., सत्यपति एस. आर., चौधरी टी., कुंडू सी. एन., 2013 इनडक्शन ऑफ एपोपीटोसीस बाइ 4-3 (ट्रेट वूराइल एमीनो) इमीडेजो (1.2-?) प्रीरीडीन 2-4 ()

बेन्जोईक एसीड इन ब्रेस्ट कैंसर सेन्स वाया अपरेगुलेशन ऑफ पी.टी.ई.एन., आनकोल रेस 21: 1-13 (एफः 3) आईएसएसएन 0965-0407

साहू एस.के. चौधरी टी : 2013 लैक ऑफ एसोसिएशन बीटवीन बेक्स प्रोमेटर (–248 जी7ए) सिंगर न्यूक्लिटाईड पोलीमोरफीज्म एंड सस्पेबिलिटि टूवर्ल्डस् कैंसर : एवीडेन्श फॉर्म ए मेटा एनालिसिस पीएलओएस वन अक्टूबर 17 : 8 (10) ई77534 (आईएफ :4) आईएसएसएन 1931-6203

सत्यापथी एस.आर., मोहापात्रा पी., प्रीत आर, दास डी., सरकार बी., चौधरी टी., वायट एम.डी., कुंडू सी. एन., 2013, सिल्वर बेस्ड नैनोपार्टिकल्स इनडूयस एपोपाटोसिस इन ह्यूमन कोलन कैंसर सेन्स मेडिकेटेड थ्रू पी53, नैनोमेडिसिन (लंदन) 8:1307–1322 (आईएफ :6) आईएसएसएन : 1549 9634।

मोहापात्रा पी., प्रीत आर., दास डी., सत्यापथी एस.आर., चौधरी टी., वायट एम. डी., कुंडू सी.एन. 2013। द कन्ट्रीबुटेशन ऑफ हैवी मेटल्स इन सिगरेट स्मोक कन्डेनसेट टू मैलिगनेट ट्रान्सफॉरमेशन ऑफ ब्रेस्ट इपिथियियल सेल्स एंड इन वीमो इनसिटेशन ऑफ नियोपल्सिया थ्रू इनडक्शन ऑफ ए. पी.13के.–ए.के.टी.–एन.एफ बी. कैसाकैड टोक्सीकोल एप्लाईड फार्माकोल 15 275 (3) 221-31 (आईएफ :3) आईएसएसएन : 0041–

008एक्स।

जौली बसाक

बहादूर आर.पी. एंड बसाक जे., मोलीकुलर मॉडलिंग ऑफ प्रोटीन-प्रोटीन इंटर एक्शन इन डेसीफर द स्ट्रकलर मेकनिज्म ऑफ नॉनहोस्ट रजिस्टेशन इन राइस. जो बायो मोलस्टार्डन 32 669-81, 2014 (आई.एफ.5) आईएसएसएन : 0739–1102 सिंह जे., हेमबरम पी. एंड बसाक जे., पोटेंशल ऑफ विगना अनगूलकूलाटा एज ए पाथ्रो मेडिटेटशन प्लांट इन द रिमिडिकेशन ऑफ फ्राम कान्ट्रामिन्टेड सॉवल ए. एम. जे. प्लांट साइंस 5 : 1156--1162, 2014 (आई.एफ.ओ. 3), आईएसएसएन : 2158–2742

बेग एस. एंड बसाक जे., माइक्रो आई.एन.ए.एस., द प्रोटेंशियल बायोमेकर्स इन प्लांट स्टेस रिसपांस एम.जे. प्रलांट साइंस। डीओआई : 10 4236/ए.जे.पी.एस. 2014 55089 (आई.एफ.ओ.3), आईएसएसएन : 2158 2742।

हिंगसिंगर डी.डी., बसाक जे., गाब्रेडेवल एम, क्रूएड सी., ब्रेटालिनो पी., फ्रास्केरिया–लेक्टोज एन. एंड बाउस्वेट जे., द फालोगेनी एंड बायोजियोग्राफी हिस्ट्री ऑफ एशेज (फ्रासिनस, ओलिसिय) हाईलाइट द रोल्स ऑफ माइग्रेसन एंड वीकारीनेसी इन ड्राईवर्सीफिकेशन ऑफ टेम्परेचर ट्रीस 8 1-14 - 4 आईएसएसएन-1932 6203.

लोधा टी. डी., हेम्ब्रम पी., टेप एन एंड बसाक जे. 2013। प्रोटियोमिक्स : ए स्कसेस फूल एप्रोच टू अंडर स्ट्रैंड द मोलिकुलर मेकनिज्म ऑफ पंयाट पैयोजन इंटरएक्शन एम. जे. प्लांट साइंस आईएसएसएन41212-1226 (आई.एफ.ओ. 3) आईएसएसएन : 2158-2742

नरोत्तम दे

गैनी एस.ए., कर्मकार जे., रायचौधरी आर., मंडल टी.के. एंड दे एन., "एस्समेन्ट ऑफ जेनेटिक ड्राईवसिटी इन स्लॉट टोलरेन्ट राइस एंड इट्स वाइल्ड रिलेटिव्स फॉर टेन एस.एस.आर. लूसी एंड वन एलिलि माइनिंग प्राइमर ऑफ स्लाट जीन लोकेटेड ऑन फर्स्ट क्रोमोजोम प्लान स्टिस वॉल्यूम" (ऑनलाइन पब्लिश्ड डीओआई 10 1007/एस 00606-014-0999-7)

रेड्डी बी.एस., कर्मकार जे., रायचौधरी आर. एंड दे एन., "ओपटिजाइजेशन ऑफ केलस इनडक्शन एंड केल्स मल्टीपिकेशन इन राइस" (ओरिजास्टेइटा 2) लैंडरेस रेस इन प्लांट बॉलोजी 3 (5) 41-44, आईएसएसएन : 2231-5101

रायचौधरी आर, कर्मकार जे., अदक एम.के. एंड दे एन. "फिजीओ-वायो केमिकल एंड माइक्रो स्टेटलाईटी बेसड प्रोफिलिंग आफ लो लैंड राइस लैंडरेश फॉर ओसमोटेटिक स्ट्रेस टालरेन्स एम जे प्लांट साइंस" 4-52-63, आईएसएसएन : 2158 2742।

छाया एस., कर्मकार जे., गानी एस.ए., रायचौधरी आर., पाल ए., अदक एम.के. एंड दे. एन. "जेनेटिक प्रोफिलिंग ऑफ ए स्मॉल हेट्रोजिनियस पॉपुलेशन प्रेजेंटिग ट्रेडिशिनल, वाईल्ड एंड वाईल्ड रिलेटिम ऑफ राइस (ओरिजवासतविता एल.) इन रिलेशन टू ओसमोटी स्ट्रेस टोलूरेशन" एल.बी.यू प्लांट साइंस 7 (1): 63-69, आईएसएसएन नं. : 09746927।

समीरन साहा

साहा एस., वनर्जी ए., वर्मा ए., झा सी.के., "ओरथ ट्रीटमेन्ट विथ एक्यूसियस सोलुसन ऑफ काफी एनी फोरा इन्ड्स प्रोटेटिभ इमून रिसपान्स टू रिडूस पौरासाइटिक बर्डन इन एक्सपेरिमेंटल वीसरल लीशमेनीसिस एम.जे. फीटक्लींटर 2, 242-257-2014.

(ग) वस्तुएं (सामग्री) किताबों में अध्याय रूप

एस.पी.अधिकारी

केकारी नंद अधिकारी एस पी. इकोलोजी ऑफ समनो लैक्ट्रिया ऑन स्टोन मोलमेंटमल, बायो डी डेटोरेशन एण्ड द कर्नवसन ऑप कल्चर हेरिटेज इन समनो बैक्ट्रिया एन इकनोमी प्रोसपेरेटिब इड्स शर्मा एन.के. राय ए.के. एंड स्टल एच.जे., विली ब्लैकवेल पी. 73-90 2014, आईएसबीएन - 978-119-94127-9

अधिकारी एस. पी., सेठी एसके. तथा साहू जे.के. रिकवरी ऑफ कोयरफिल -ए-एंड न्यूट्रोजिनल एक्टिविटी इन डिफरेंट पॉपुलेसन साइंस ऑफ साइनो बैक्टीरिया आफ्टर एक्सपोजर टु कमर्शियल फर्टिलाइजरल इन माइक्रो बॉयोलॉजी एंड एप्लिकेशन्स एंड रथ सी.सी.हिरकिशन भल्ला एंड सन्स देहरादून 365 379, 2013.

रथ, जे., जाना एम. एंड अधिकारी एस.पी. बायोट्रावशीटी राना लिसिस ऑप स्वाल एंड फ्रेश वाटर एलनी ऑफ ईस्टन एंड नार्थ ईस्टन रिजनल्स ऑफ इंडिया इन इकोरिस्टोरेशन एंड बायोइबसिटी क्रंजवेशन एडिटर्स गुप्ता ए. एंड मिश्रा जी.पी., आविष्कार पब्लिशर्स ट्रिटिब्यूटरस, जयपुर - 302003, पीपी 32-54, 2013 आईएसबीएन- 978-81-7910-418-7

डॉ. न्‌रोत्तम दे

दे, एन. (2013) रोज ऑफ बायोटेक्नोलार्जी एंडजिनोनिकल्‌ इन सस्टेनवल राइस प्रोडक्शन इन इको क्रांनवेशन एंड स्टेसटेनुबल लिनिंग नरोसा पब्लिसिंग हाउस न्यू दिल्ली इंडिया (आईएसबीएन 978 1-8487 - 216-3) चैप्टर 14 पेप्स 162-166

राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीयसम्मेलनों में प्रतिभागिता

एस.पी. अधिकारी

25 अप्रैल 2013, ब्रेन स्ट्रोमिंग सेमिनार ऑन प्लांट टेक्सोनोमी एट बोगिनिकल सर्वे ऑप इंडिया हावड़ा डिलिवर्ड एन इनवाईटेड लेचर.

16-18 अगस्त 2013 इंटरनेशनल कान्फ्रेंस ऑन कनवर्जिन बायो ड्रावसिटी फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट एट एनआईटी राउर केला इन्वाइटेड लेचर.

30-31 अगस्त 2013 नेशनल सेमिनार ऑन न्यू होराइजिनस इन बायो टेक्नोलॉजी, इंडिया इनस्टुट ऑफ टेक्नोलॉजी, हल्दिया आमंत्रित-लेचर.

22-26 नवम्बर 2013 नेशनल सेमिनार ऑन क्राई पेरोगमस्‌ फ्रॉम कुरिकुलम टू एपलिकेशन एट्‌ डिपार्टमेंट ऑफ बोर्टनी कोलकाता विश्वविद्यालय आभ्रान्तित लेचर

7-11 दिसम्बर 2013 आधुनिक जैव तकनीकी पर कार्यशाला : एपलिकेशन्स ऑफ माइक्रो एंड नैनो टेक्नॉलॉजी सिस्टम एट्‌ एनआईटी दुर्गापुर, आभ्रान्तित लेचर

24-26 फरवरी 2014 सिमपोजियम ऑन बायोटेक्नोलॉजी एंड स्ट्रेस बॉयलॉजी ऑप रायजी एंड साएनो बैक्टीरिय सी.ए.एस. बोटनी बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय, वाराणसी प्लेनरी लेचर.

28 फरवरी 2 मार्च 2014 नेशनल कान्फ्रेंस ऑन करंट ट्रेन्ड्स इन लाइफ साइंस रिसर्च एण्ड चैलैंजर्स अहेड सम्बल पुर विश्वविद्यालय , बुरिया, ओडिसा प्लेनरी लेचर.

24-25 मार्च 2014 : नेशनल कांफ्रेंस ऑन बायोरिसोज एंड इट्स यूटिलाइजेसन नार्थ ओडिसा विश्वविद्यालय बरीपदा ओडिसा , मुख्य वक्ता

29-30 मार्च 2014 “नेशनल सिमपोजियम ऑफ डेवलपमेंट एंड बायोटेक्नोलॉजी इन नेशनल सिनिरियो उत्कल विश्व विद्यालय, भुवनेश्वर ओडिसा प्लेनरी लेचर

20-21 फरवरी 2014 “वेस्ट बंगाल स्टेट साइंस एंड टेक्नोलॉजी वर्दवान विश्वविद्यालय एक सत्र का संचालन

अमित राय

26-28 फरवरी 2013 : एंटीमाइक्रोबायल पोटोनसियल ऑफ इ मैन ग्रो प्लांट फार्म सुंदरवन ईस्टुरी पोस्टर प्रेजेंटेड बाई डॉ. अमित राय 5वां अन्तर्राष्ट्रीय सिमपोजियम ऑन ड्रग डेवलपमेंट फॉर आरफेन। नेगलेटेड डिजीज्स एट्‌ सीएसआईआर ड्रग

रिसर्च लखनऊ यू.पी. इंडिया आयोजित द्वारा सेंट्रल ड्रग इन स्टिट मूड लखनऊ.

17-20 नवम्बर 2013 : ए.टी. माइक्रोनियल एटीवीटी ऑफ सोन्नराटिएससिलेरिस बार्क पोस्टर प्रस्तुतकर्ता डॉ. अमित रय 54वां वार्षिक सम्मेलन एएमआई तथा अन्तर्राष्ट्रीय सिमपोजियम ऑन फ्रंटियर डिसकवरीज्स्‌ एंड

इनोवेकेशन इन माइक्रोकॉलॉजी एंड इट्स इंटर डिसिपिलरनरी रिलिवेनस (एफडीएमआईआर - 2013) महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक इंडिय आयोजक एसोसियेशन ऑप माइक्रोबॉयोजिस्ट इन इंडिया.

21-23 नवम्बर 2013, पार्टियल स्लोनिंग ऑफ ए जीन इनकोडिंग फास्पोकिटोलेज फ्राम टरमिटोमाइसिको पीटस् प्रस्तुतकर्ता डॉ. अमित राय बायो संगम 2013 - अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन हेल्थ, इनवारमेंट एंड इंड्रस्टयल बायो टेक्नोलॉजी एम एन एनआईटी इलाहाबाद बायो टेक्नोलॉजी विभाग मोतीलाल, नेहरू नेशनल इन स्टिट मूल ऑफ टेक्नोलॉजी इलाहाबाद, यू.पी.

1-3 फरवरी 2014 : "एग्रीकल्चर एंड बायोसिक्युरीटी अंडर चैनजिन सिनिरियो" विषय पर प्लसी शिक्षा भवन, विश्व भारती में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

तथागत चौधरी

18-24 अक्टूबर 2013 : "मूलऑफ क्योस्मट्रोमेट्री इन वाइयरल स्टडिजस्" विषय पर आयोजित 14वाँ इन्डो यूएस कार्यशाला, आईयूएसटीएफ भुवनेश्वर, में एक रिसोज परसन की हैसियत से भाग लिया।

जौली बसाक :

24-25 मार्च 2014 : "क्लोनिंग एंड करेटराइजेशन ऑफ एन एमीनो एसिड परमिएज जीन फ्राम फासिलोस वायपौरिस" हेमकरम पी., चक्रवर्ती एन., बनर्जी पी., मराई पी., एण्ड बसाक जे.यू.जी.सी. द्वारा आयोजित सेमिनार ऑन फाइट्रोरिसोर्स यूटिलाइजेशन एंड कनवरजन बोटनी विभाग नार्त ओडिसा विश्वविद्यालय बरीपदा द्वारा आयोजित

15-16 फरवरी 2014 'स्क्रीनींग ऑफ नाइन कलटीनेटरल ऑफ पासिलोस बल्गारिस फॉर रजिस्टेन/सस्पिबिलिटि अग्नेस्ट मूंग वीन मेलो मोसेम्स इंडिया डिजिज" परवा एन एंड बसाक जे. अन्तर्राष्ट्रीय सिमफेनियम ऑन ट्रेंड्स इन प्लांट साइंस रिसर्च ड्रिफेरेन्सियल रिसपोर्सेज ऑफ सेवन कल्टीवेटर्स ऑफ पासिस वोल्स वल्गेरिल अग्रेण्ट स्लेनेटी स्ट्रेस हेनबरम पी., बेज एस एंड बसाक जे.

इंटरनेशनल सिमपोजियम ऑन ट्रेण्ड्स इन प्लांट साइंस रिस्च आयोजित द्वारा सेनिटेनरी सेलेनिरेशन कमिटी ब्राट्रोनी विभाग कोलकाता विश्व विद्यालय

15-16 फरवरी 2014 : "मोलिकूलर क्लोनिंग एंड इन सिलिको करेटरािजेशन ऑफ एन एमिनो एसिड परमिसेज जीन फ्राम फासिल्स वर्ल्गरिस" चक्रवर्ती एन, बनर्जी पी., गराई पी. एंड बसाक जे 'इंटरनेशनल सिमपोजियम ऑन ट्रेण्ड्स इन फ्लांट साइंस रिसर्च आयोजक बनस्पति विभाग कोलकाता विश्वविद्यालय

3-7 फरवरी 2014 : "प्रेरिडिक्शन ऑफ थ्री ट्राइमेन्सन्स स्ट्रक्चर ऑफ एन एमिनो एसिड प्रीमीसेज फ्राम फासिल्स वर्लारिस "ह्वेनबरम पी., चक्रवर्ती एन. एंड बसाक जे. 101 इंडियन साइंस कांग्रेस आयोजक जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू

30-31 अगस्त 2013 "एमपिलिफिकेशन एंड करेटराइनेशन एंड करेटराइजेशन ऑफ एन एमिनो एसिड परमिसेज जीन फ्राम फासिल्स वर्ल्गरिफ चक्रवर्ती एन., हेमबरम पी, बेसरा ए एंड नामक को पेज 52 प्रेसिडिंग्स ऑफ नेशनल सेमिनार ऑान न्यू होराइजनल इन बायो टेक्नोलॉजी आयोजक - इंडिया इनस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी हल्दिया

30-31 अगस्त 2013 परवा एन, माल डीपी एण्ड बसाक जे. ट्रिफेन्सियम रिसपांस ऑफ मूंग बीन योलो मोसेक इंडिया वाइरस इनफेक्शन इन सेवन बेराइटिज ऑफ फासिल्स वर्ल्गरिस (फ्रेंच बीन) पेज 47-48 प्रोसिडींग ऑफ नेशनल सेमिनार ऑन न्यू होराइजनेस इन बायोटेक्नोलॉजी आयोजक : हल्दिया इनस्टीट्यूट ऑप टेक्नोलॉजी हल्दिया.

नरोत्तम दे

01 मार्च 2014 : पाल एफ, फाल ए., एंड डे एन, जेनेटिक ट्रार्वसिटी एंड पापुलेशन स्ट्रक्चर ऑफ हेटरोजिनस क्लेशन ऑफ राइस लैण्डरेल गोस्वामी एस, लोबोर आर, पॉल ए एंड के एन., "यूलाइजेसन ऑफ लैण्डरेस फॉर इमप्रोभमेंट ऑफ सनभरजेनस टोलरेंस इन राइस (ओरिजवासविता) प्रेजेन्ट इन एक नेशनल सिमपोजियम ऑन ससटेन एबुज एग्रीकल्चर फॉर फूड एंड न्यूट्रिशनल सिक्टुरटी इन इस्ट एंड नार्थ फर्स्ट इंडिया प्रोसेक्ट एंड फ्यूचर.

1-3 फरवरी के. एन, “यूटिलाइजेशन ऑफ नेचुरल जेनेटिकट रिसोसेच फॉर मैनेजमेंट ऑफ एनायोटिक स्ट्रेस टोलरेशन इन राइस प्रजेन्टेड इन ए नेशनल सेमिनार ऑन एग्रीक्चर एंड वायो सिकुरटी इन चैजिंग सिनिरियो एट डिपार्टमेंट ऑफ एएसईपीएएन विश्वभारती

30-31 अगस्त 2013 करमाकर जे., गोस्वामी एस एंड दे एन. “स्टडी ऑप प्लांट ग्रोत प्रोमोटिंग राइजोबैक्टीरिया (पीजीपीआई) फॉर एवायोटिक स्ट्रेस टोलरेशन. प्रेजेन्टेड इन ए नेशनल सेमिनार ऑन न्यू होराइजनस इन बायोटेक्नोलॉजी बायोटेक्नोलॉजी विभाग हल्दिया इनसिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी हल्दिया.

23-25 नवंबर 2013: डे एन पारंपरिक राइस जर्मप्लाज्म-अपने महत्व और उपयोगिता। कर्माकर जम्मू, गोस्वामी एस और डे एन घ्क्र्च्ङ और अजैविक विश्वभारती? भारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन में 5 भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस में प्रस्तुत किया है, सहिष्णुता तनाव

डॉ समीरन साहा

तीन तकनीकी सत्र में 15-17 फ़रवरी 2014 सह-अध्यक्ष। आंशिक पहचान और पतली परत क्रोमैटोग्राफी के माध्यम से निकालने में घटकों के एंटीऑक्सीडेंट गतिविधि की विशेषता। एडवांस लाइफ साइंसेज में 21 वीं सदी अनुसंधान की प्रगति और संभावना पर गांगुली एस सिन्हा एस, बनर्जी और साहा एस अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी। वनस्पति विज्ञान, विवेकानंद महाविद्यालय, हुगली विभाग

26 जून-16 जुलाई 2013: खाद्य प्रौद्योगिकी और बायोकेमिकल इंजीनियरिंग, जादवपुर विश्वविद्यालय के विभाग में पुन चर्या पाठ्यक्रम में: 'एक वैश्विक चुनौती का नियंत्रण' हकदार मौखिक प्रस्तुति।

अन्य

नीलांजना दास

11अक्टूबर-10 नवम्बर 2013: एडिनबर्ग द्विपक्षीय एक्सचेंज फेलोशिप 2013 की आईएनएसए रॉयल सोसाइटी के माध्यम से एडिनबर्ग के लिए जाएँ।

एस पी अधिकारी

21जनवरी-5 फ़रवरी 2014: यूजीसी-भारत-हंगरी शैक्षिक आदान-प्रदान कार्यक्रम 2013-14 के माध्यम से कम से पि चम हंगरी विश्वविद्यालय का दौरा किया।

वनस्पति विज्ञान में उन्नत अध्ययन के लिए केंद्र में संकाय सलाहकार समिति, जीवन विज्ञान विद्यापीठ, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, 2013-14 का सदस्य।

वनस्पति विज्ञान में उन्नत अध्ययन के लिए केंद्र में संकाय सलाहकार समिति, नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग, मेघालय, 2013-14 का सदस्य।

अजैविक के राष्ट्रीय संस्थान के अनुसंधान सलाहकार समिति के सदस्य प्रबंधन, बारामती, महाराष्ट्र, 2013- 2014 तनाव

समुद्री शैवाल से जैव ईंधन, 2013 पर कार्यक्रम न्यू मिलेनियम भारतीय प्रौद्योगिकी नेतृत्व पहल, के लिए सीएसआईआर की निगरानी समिति के सदस्य।

कृषि और संबद्ध विज्ञान, 2014 में उत्कृष्ट शोध डॉक्टरेट अनुसंधान के लिए जवाहर लाल नेहरू पुरस्कार के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के पहचानने समिति के सदस्य।

कृषि विज्ञान, 2013 में स्वामी सहजानन्द सरस्वती बकाया विस्तार वैज्ञानिकों पुरस्कार के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की विशेषज्ञ समिति के सदस्य।

2014 जन्मजात उन्मुक्ति नियमन में जातीवृति के आधार पर अलग-अलग मछली प्रजातियों-अपने योगदान में टोल की तरह रिसेप्टर्स भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की परियोजना के कंसोर्टियम सलाहकार परिषद के सदस्य।

प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, 2014 को अनुभागीय समिति में राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी के कार्यकारी परिषद के सदस्य।

आईआईटी, चेन्नई, 2013 द्वारा समन्वित माइक्रोबायोलॉजी की बुनियादी बातों पर एनपीटीईएल में वेब आधारित पाठ्यक्रम के लिए समीक्षक के रूप में सेवारत सदस्य।

स्नातकोत्तर की सलाहकार समिति के सदस्य विभाग जैव प्रौद्योगिकी, त्र्थ्ङ्कत्त्ड्ढ्रग्त भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर, 2013-14्।

केंद्रीय विश्वविद्यालय, झारखंड और एफएम पर शिक्षकों के पदों की नियुक्ति के लिए चयन समिति के सदस्य विश्वविद्यालय, बालासोर, 2013-14्।

7 अक्टूबर 2013: अकादमिक स्टाफ कॉलेज, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय में लाइफ साइंसेज में पुन चर्या पाठ्यक्रम। संसाधन व्यक्ति के रूप में दो व्याख्यान दिया।

निम्नलिखित पत्रिकाओं के लिए प्रस्तुत कागज के समीक्षकः (1) के जीन (एल्सेविअर); (2) के फोटोकेमिस्ट्री और फोटोबॉयोलॉजी (एल्सेविअर); (3) केएप्लाइड फिकोलॉजी के जर्नल (टेलर एंड फ्रांसिस); माइक्रोबायोलॉजी (भारत के सूक्ष्म जीव विज्ञानियों की एसोसिएशन के जर्नल) इंडियन जर्नल; भारत के सोसायटी); समुद्री शैवाल अनुसंधान और उपयोगिता जर्नल (समुद्री शैवाल अनुसंधान और उपयोगिता एसोसिएशन); वर्तमान विज्ञान; शुष्क भूमि प्रबंधन (एल्सेविअर), जीवविज्ञान और मिट्टी की उर्वरता (स्प्रिंगर); कृषि अनुसंधान (स्प्रिंगर

तथागत चौधरी

संपादकीय बोर्ड के सदस्य भारतीय सोसायटी की ओर से स्प्रिंगर द्वारा प्रकाशित पत्रिका विषाणु रोग के लिए (एसोसिएट संपादक)

संपादकीय बोर्ड के सदस्य इम्यूनोलॉजी और वैक्सीन प्रौद्योगिकी के जर्नल के लिए (एसोसिएट संपादक)

सदस्य भारत की जैव सुरक्षा समिति के लिए (बाहरी विशेषज्ञ),

31 जुलाई 2013 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद अनुसंधान परिसर बारापानी में औषधीय और सुगंधित पौधों परियोजना में प्राप्त समीक्षा समिति की अवधारणा नोट्स के लिए सदस्य।

सदस्य सलाहकार समिति औषधीय और सुगंधित पौधों आईसीएआर अनुसंधान परिसर बारापानी में बोर्ड।

निम्नलिखित पत्रिकाओं के लिए प्रस्तुत कागज के समीक्षकः विषाणु विज्ञान (एल्सेविअर), छ्व्रग्1, विषाणु रोग (स्प्रिंगर), वैज्ञानिक संचार (विज्ञान)

जॉली बसाक

स्नातकोत्तर की मॉडरेशन बोर्ड के सदस्य माइक्रोबायोलॉजी विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय, 2013-14्।

जैव प्रौद्योगिकी इंडियन जर्नल को प्रस्तुत कागज के समीक्षक

फंडिंग एजेंसियों से 6. अनुसंधान परियोजनाओं 2013-14 के दौरान गड़बड़ी के रूप में संचालितः

एस.पी. अधिकारी

लैब-टू-लैंड परियोजना हकदार 'में दालों और सब्जियों की फसलों और विकास के लिए चिलिका झील के समुद्री शैवाल से समुद्री शैवाल तरल उर्वरक के विकास को ग्रामीण क्षेत्रों में' विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित। भारत, नई दिल्ली, 2011-2014 की। परियोजना में किसानों के बीच समुद्री शैवाल तरल उर्वरक, बेरोजगार युवाओं, च्च्क्त्र्न्न् में उद्यमियों को विकसित करने के उद्देश्य से विश्व भारती और गंजम जिले में उड़ीसा के करीब गांवों के पल्ली-शिक्षा भवन द्वारा रूपांतरित बोलपुर ब्लॉक के गांवों में लागू किया जाएगा पर्ि चम बंगाल और उड़ीसा के ग्रामीण क्षेत्रों में्। राशि मंजूरः रु.10,61,000 / -

जैव प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक विरासत के लिए ग्र्ठ्ठददृद्यड्ढड़ण्ददृथ्ढ़त्ड्ढन्न पर विश्वभारती और रोम विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन ; जीवविज्ञान डिवीजन के विश्वविद्यालय में विश्वभारती प्रो सपा अधिकारी और पीआई में गड़बड़ी; 2011-2014्।

डॉ बीपी पर्यावरण एवं वन मंत्रालय, भारत सरकार के जैव विविधता परियोजना पर पाल राष्ट्रीय पर्यावरण फैलोशिप अवार्ड। उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के शैवाल और सायनोबैक्टीरिया पूर्वी हिमालय से और आकर्षण के केंद्र की जैव विविधता

निर्धारण 'पर भारत की; 2012-2014्।

अमित रॉय

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरकार स्क्रीनिंग और भारतीय सुंदरबन मुहाना से एक लाभकारी सदाबहार पौधे से रोगाणुरोधी यौगिक (एस) के लक्षण वर्णन, 2011-2013, ड्स्र.9.15 लाख हकदार भारत से वित्त पोषित अनुसंधान परियोजना की।

तथागत चौधरी

डीबीटी वित्त पोषित परियोजना के हकदार अव्यक्त डीएनए एक यंत्रवत दृष्टिकोण में प्रतिकृति, 2010-13, रुपये। 30 लाख रुपए्।

डीबीटी वित्त पोषित परियोजना, 2010-13, सिगरेट के धुएं प्रेरित स्तन कैंसर में तंत्र का मूल्यांकन रुपये के हकदा। 34.52 लाख रुपए्।

डीबीटी भारत, 2011-16, रु। 799.34 लाख रुपए के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में कार्सिनोमा (एनपीसी) की एक व्यापक समझ के हकदार परियोजना वित्त पोषित।

नीलांजना दास

सीएसआईआर प्रायोजित अनुसंधान परियोजना 2013-15 रुपए विरोधी ऑक्सीडेटिव बचाव में उम्र जुड़े परिवर्तन का मूल्यांकन तनाव के संचय में अपनी भूमिका। 28 लाख रुपए्।

यूजीसी रुपये 1.2 लाख रुपए के लिए उम्र और / या जैव सूचना विज्ञान उपकरण का उपयोग कर तनाव के लिए प्रोटीन के चुनिंदा संवेदनशीलता के पीछे संभावित कारणों पर एक अध्ययन हकदार नाबालिग अनुसंधान परियोजना, 2013-2015 प्रायोजित।

जॉली बसाक

हकदार डीएसटी-फास्ट ट्रैक अनुसंधान परियोजना: सीडीएनए-विभिन्न पीले मोज़ेक भारत वायरस 2012-2015 रुपये के साथ टीका पर जीन व्यक्त की पहचान करने के लिए 24 लाख रुपए्।

डीबीटी, भारत सरका। भारत की अनुसंधान परियोजना हकदार प्रायोजित: की पहचान और लक्षण वर्णन छोटे आरएनए की गहरी अनुक्रमण द्वारा जैविक तनाव हालत में व्यक्त 2012-2015 रुपये। 44.5 लाख

नरोत्तम डे

डीएसटी, भारत सरका। 2011-2014 कुल मंजूरी पैसे-रुपये अजैविक तनाव सहिष्णुता के संदर्भ में पि चम बंगाल के लोक चावल जर्मप्लाज्म के बायोकेमिकल और आण्विक रूपरेखा हकदार पि चम बंगाल के वित्त पोषित परियोजना की। 10, 26,800 / -

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरका। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्त पोषित। 2011-2014्। कुल मंजूरी पैसे-रुपये। चावल (ओराय्ज़ा सैटिवा एल) के पारंपरिक और जंगली रिश्तेदार में तनाव सहिष्णुता के लिए ऐल्लि खनन हकदार भारत से वित्त पोषित परियोजना के 8, 99, 300 /

समीरन साहा

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरका। भारत से वित्त पोषित शोध 'चिकित्सीय और प्रतिरक्षा संभावित हकदार परियोजना, और एसपीपी की कार्रवाई की व्यवस्था की। आंत लीशमनियासिस ', 2013-16, रुपये के खिलाफ। 13.19 लाख

नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या विभाग द्वारा शुरू की किसी भी अन्य शिक्षण नवाचारों डिजाइनिंग:

एमएससी सेमेस्टर प्रणाली के साथ जैव प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम 2013-15 में फिर से संशोधित और में बुनियादी जैव प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम पर जोर देने के साथ समान रूप से पढ़ाने के लिए विभाग, पाठ्यक्रम के वितरण के सात संकायों की विशेषज्ञता पर शैक्षणिक वर्ष 2013-15 के आधार से लागू किया गया था 1 और 2 सेमेस्टर, और 3 और 4 सेमेस्टर में और 4 सेमेस्टर में प्रत्येक संकाय की देखरेख में वैकल्पिक विषय के कागजात के साथ बौद्धिक संपदा

अधिकार, उद्यमशीलता और परियोजना के काम सहित लागू पाठ्यक्रम, और भी अन्य पाठ्यक्रमों के लिए विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली के एक प्रावधान के साथ विश्वविद्यालय के।

विकास के लिए भविष्य की योजनाओं का एक संक्ेत के साथ संबंध भवन / सदन / विभाग के विकास का एक संक्षिप्त इतिहासः

ग.च्ड़ में जैव प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम, 10 के स्तर के छात्रों के सेवन के साथ वर्ष 1997 में लाइफ साइंसेज के स्कूल के तहत विश्वभारती में शुरू किया गया था। इसके बाद वर्ष 2004 में पाठ्यक्रम डीबीटी-मानव संसाधन विकास कार्यक्रम के माध्यम से जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा समर्थित किया गया था, और पाठ्यक्रम में भर्ती कराया छात्रों को प्रति वर्ष 10 छात्रों में से एक सेवन के साथ पाठ्यक्रम के लिए जेएनयू द्वारा आयोजित संयुक्त प्रवेश परीक्षा जो अर्हता प्राप्त कर रहे हैं । वर्ष 2009-10 से यह 15 के लिए बढ़ा दिया गया था और 2010-11 में यह प्रति वर्ष 19 है। छात्रों को 50,000 रुपये के अलावा प्रति माह छात्रवृत्ति 3000 प्राप्त / - प्रति छात्र एक शोध प्रबंध के लिए अग्रणी परियोजना के काम के लिए। जैव प्रौद्योगिकी शिक्षा देने के लिए केंद्र सरकार 2012-13 शैक्षणिक सत्र से विश्वविद्यालय द्वारा विभागीय दर्जा दिया गया था। वर्तमान में विभाग के जैव प्रौद्योगिकी के तहत विशेषज्ञता के विविध क्षेत्र के साथ सात स्थायी संकायों के मार्गदर्शन के तहत वर्तमान में शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में राज्य के कला की सुविधा है। सिलेबस लगभग राष्ट्रीय स्तर पर जैव प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम के लिए पीछा किया ही है।

वर्तमान में शिक्षकों को यूजीसी, डीएसटी, डीबीटी, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय और प चिम बंगाल-डीएसटी से और अंतरराष्ट्रीय सहयोगात्मक अनुसंधान के लिए रोम के विश्वविद्यालय के साथ एक समझौता ज्ञापन पर लागू किया गया है, इसके अलावा में परियोजनाओं के माध्यम से अनुदान दिया है। इसके अलावा पाठ्यक्रम के लिए वार्षिक डीबीटी-मानव संसाधन विकास अनुदान आने वाले वर्षों में विकास के लिए अपनी क्षमता दिखा रहा है।

गणित शि)क्षा केन्द्र

प्रकाशनों की सूची सहकर्मी में (राष्ट्रीय) पत्रिकाओं / पुस्तकें / कार्यवाही की समीक्षा कीः

पीएच.डी. विद्वानों / शोध करे प्रस्तुत / शैक्षणिक वर्ष के दौरान सम्मानित किया पंजीकृतः

शोध छात्र का नाम	**शोध विषय**	**गाइड्स का नाम**	**पीएच.डी. स्टेट्स**
अविजित रॉय	गणितीय पर एक अध्ययन रचनात्मकता और इसकी के कुछ सातवीं की संबद्ध है और आठवें मानक बंगाली मध्यम विद्यालय के छात्रों	प्रो एसके सामंत और डॉ आलोक सेनशर्मा	
दिलीप कुमार गुईन	पहचान कारणों में से चिंता और भय की बीच में गणित माध्यमिक के छात्रों स्कूलों और उभरती एक न्यूनतम करने के लिए रणनीति समान	प्रो एसके सामंत और प्रो तारकनाथ पान	

सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशालाओं / संगोष्ठियों के शिक्षकों ने भाग लियाः

विभाग द्वारा आयोजित सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशालाएं / संगोष्ठियोंः

1. कार्यशालाः गणित स्नातक स्तर पर सेमेस्टर प्रणाली केतहत टीचिंगः परिप्रेक्ष्य और रणनीति, 2014, 01-2 मार्च

2. विस्तार कार्यक्रमः

तीन स्थानों पर गणित में विस्तार कार्यक्रम

1. सिलुट बसंतपुर हाई स्कूलः 30-31 जनवरी, 2014
2. सिमलापाल मदन मोहन हाई स्कूलः 15. 02.2,014
3. के श्रीनिकेतन सामुदायिक हॉल; 25-26 फ़रवरी, 2014

समकालीन विज्ञान एवं शोध केन्द्र (आईएसईआरसी)

विभाग का नाम : समकालीन विज्ञान एवं शोध केन्द्र (आईएसईआरसी)

यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / स्लेट और गेट में सफल छात्र का नामः

(आईएसइआरसी) पंचवर्षीय एकीकृत एम.एससी के लिए छात्रों के पहले बैच के साथ अपने पहले सत्र शुरू हो गया है। भौतिक विज्ञान में पहले बैच से हमारे छात्रों के 2009 दो में, श्री अभिनव बाजपेयी और श्री दत्तात्रेय मजुमदार , गेट 2014 में योग्य है।

विभागीय संगोष्ठीः एक

1) डीएसटी प्रेरित शिविर 13-17 जनवरी, 2014 के दौरान

आदि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला अध्यापक / रिसर्च स्कॉलर ने भाग लिया

सुब्रत सिन्हा

1-2 मार्च 2014: गणित शिक्षण के तहत सेमेस्टर प्रणाली पर राष्ट्रीय कार्यशाला के तहत स्नातक स्तर परः गणित शिक्षा, विश्वभारती के लिए केंद्र में परिप्रेक्ष्य और रणनीतियाँ।

सुशांत घोष

1-2 मार्च 2014: गणित शिक्षण के तहत सेमेस्टर प्रणाली पर राष्ट्रीय कार्यशाला के तहत स्नातक स्तर परः गणित शिक्षा, विश्वभारती के लिए केंद्र में परिप्रेक्ष्य और रणनीतियाँ।

9 मार्च 2014: विश्वभारती रसायन विज्ञान विभाग में रसायन विज्ञान में हाल की प्रवृत्ति पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी।

उमेश कुमार सिंह

5-8 अगस्त 2013: में शैक्षिक योजना एवं प्रशासन, (एनसीईआरटी कैम्पस) नई दिल्ली के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षा के अधिकार पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम।

22-23 नवंबर 2013: पर्यावरण के मुद्दों पर राष्ट्रीय संगोष्ठीः विश्वभारती, शांतिनिकेतन में सुरक्षा, संरक्षण और प्रबंधन।

6-9 दिसंबर 2013 विश्वभारती, शांतिनिक्तन में पांचवें भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस।

21-25 मार्च 2014: पंतनगर, उत्तराखंड राज्य में सिविल इंजीनियरिंग विभाग में तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टीईक्यूआईपी-द्वितीय), प्रौद्योगिकी के कॉलेज, कृषि और प्रौद्योगिकी के जीबी पंत विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित जमीन पानी पर एक सप्ताह कार्यशाला कार्यक्रम ।

स्वपन कुमार पंडित

1-2 मार्च 2014: गणित शिक्षण के तहत सेमेस्टर प्रणाली पर राष्ट्रीय कार्यशाला के तहत स्नातक स्तर परः गणित शिक्षा, विश्वभारती के लिए केंद्र में परिप्रेक्ष्य और रणनीतियाँ।

21-25 अक्टूबर 2013: अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला प्रौद्योगिकी मद्रास, भारत के भारतीय संस्थान में घ्क्क मॉडलिंग के क्षेत्र में अग्रिम और संगणना 2013 (एपीडीईएमसी-2013)।

12-14 फ़रवरी 2014: कलकत्ता विश्वविद्यालय, भारत में अनुप्रयुक्त गणित में उभरते रुझान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2014 (आईसीईटीएएमए-2014)।

पर जा रहा है विभाग में रिसर्च प्रोजेक्ट्सः

सुब्रत सिन्हा

‘अवगत सौर सेल डाई: 4 वर्षों (2010-2014) केलिए नैनो संरचित फिल्मों से जुड़ी पॉरफाइरिन आधारित डोनार-स्वीकर्ता डाइएडस में फोटो प्रेरित इलेक्ट्रॉन हस्तांतरण’ डीएई-बीआरएनएस द्वारा वित्त पोषित रू. 31,80,463.00 की राशि के लिए।

उमेश कुमार सिंह

’नदी अजय के पानी की गुणवत्ता का आकलन - 3 वर्ष की अवधि (2013-2016) के लिए गंगा नदी की एक सहायक नदी’ रुपये की राशि के लिए। रू. 12, 06,800 यूजीसी, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित

विस्तार गतिविधियों विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने विभाग द्वारा आयोजित और भाग लिया:

शिक्षक दिवस एकीकृत विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र के छात्रों द्वारा एक गंभीर कार्यक्रम में (आईएसइआरसी) मनाया गया

वर्ष के भीतर प्रकाशन अप्रैल 2013- 2014 मार्च

इंटरनेशनल में नेशनल में एक और 11: पत्रों पत्रिकाओं में प्रकाशित

सुब्रत सिन्हा (भौतिकी)

सहकर्मी की समीक्षा की पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्रों

’जिंक आयोडाइड: अनुक्रमिक ए-3 के युग्मन /साइक्लोइसोमेरीजेशन के माध्यम से एमिनोइनडोतगजिन्स के एक बर्तन सं लेषण के लिए एक हल्के और कुशल उत्प्रेरक’। सुभाजीत मिश्रा, अविक कुमार बागड़ी, मनोरंजन घोष, सुब्रत सिन्हा, अलकानंदा हाजरा, आरएससी अभिभाषक, 4, 6672-6676 से, 2014।

मिहिर घोष, बिस्वजीत रॉय, अभिमन्यु झा, सुब्रत सिन्हा, केम द्वारा ‘खुशबूदार सॉल्वैंट्स के साथ कुछ मेटाल्लोपरफिरिन्स की जमीन राज्य चार्ज हस्तांतरण जटिल गठन’। मानसिक। लेटिष।, 592, 149-154, 2014।

‘सोरेत उत्साहित मुक्त आधार टेट्राफेनिलपरफिरिन की फटोफाइसिक्स और समाधान में अपनी जस्ता अनुरूप’ मिहिर घोष, अरुणा लालकृष्ण मोरा, सुखेन्दु नाथ, असित के चन्द्र, अलकानंदा हाजरा, सुब्रत सिन्हा, स्पेक्ट्रोचिम द्वारा। एक्टा भाग एक: मॉल बाओमॉल स्पेकट्रोस 116, 466-472, 2013।

मिहिर घोष, सुखेन्दु नाथ, अलकानन्दा हाजरा , सुब्रत सिन्हा, जे लुमिन।, 141, 87-92, 2013 तक ‘तरल माध्यम में टेट्राफेनिलपरफिरिन की प्रतिदीप्ति स्वयं शमन’।

सम्मेलन में प्रस्तुत पत्रों / आमंत्रित वार्ता

6-9 जनवरी 2014: केएस सिन्हा ने ’तरल माध्यम में स्थित दाता स्वीकर्ता प्रणाली पॉरफाइरिन में फटोइण्डुइसड इलेक्ट्रॉन हस्तांतरण’, एम घोष और एस सिन्हा ने ’खुशबूदार सॉल्वैंट्स के साथ मेटाल्लोपरफिरिन्स की जमीन राज्य जटिल गठन’, फटोफिसिकल पढ़ाई जस्ता तरल माध्यम में पाली के फटोफिजिक्स एच-(फ्लोरेन्स-2,7-भिनालिन) ’बी रॉय और एस सिन्हा, और’ द्वारा तरल मीडिया में टेट्रापाइरिडाइलपरफिन और पतली फिल्म ’एस लायेक और एस के सिन्हा ने भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई, भारत में विकिरण और फटोकेमिस्ट्रि (टाएसआरपी-2014) पर टरॉम्बे संगोष्ठी में प्रस्तुत किए गए,

17-21 सितंबर 2013: एस के सिन्हा, एम घोष और एस सिन्हा द्वारा ’मुक्त आधार अक्टाथाइलोफिरिन की सॉल्वेंट संवेदनशीलता’, बी रॉय और से ’मुक्त आधार टेट्रापाइरिडाइलपरफिन की फटोफिजिक्स’ द्वारा ’यूवी दृश्य स्पेक्ट्रोस्कोपी में बेसिक प्रयोगात्मक तकनीक’ , भौतिकी, एनआईटी दुर्गापुर, भारत के विभाग में, - एस के सिन्हा, सामग्री प्रसंस्करण और विशेषता (2013 एमपीएसी) में आधुनिक तरीकों में प्रस्तुत किए गए

20-22 मार्च 2013: एम घोष और एस सिन्हा ने परफिरिन्स की फटोफिजिकल संपत्तियों पर सॉल्वेंट, विकिरण और फॉटोकेमिस्ट्री (एनएसआरपी-2013), रसायन विज्ञान विभाग, नेहू, शिलांग, भारत पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया गया था।

13-17 जनवरी 2014: ’लाइट: हम देखते हैं और उससे आगे क्या’ डीएसटी प्रेरित इंटर्नशिप शीतकालीन शिविर में आईएसइआरसी में, विश्वभारती।

21 मार्च 2013: रसायन विज्ञान, नेहू, शिलांग विभाग में, रसायन विज्ञान में पुन चर्या पाठ्यक्रम केदौरान दिया और 'प्लास्टिक से विलंबित प्रकाश' दो व्याख्यान 'प्लास्टिक से शीघ्र प्रकाश'।

22-28 मार्च 2014: 'यूवी दृश्य स्पेक्ट्रोस्कोपी की बुनियादी बातोंः लेजर स्पेक्ट्रोस्कोपी और अनुप्रयोग में प्रगति पर शीतकालीन स्कूल भौतिकी विभाग में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय।

सुशांत घोष (कैमिस्ट्री)

सहकर्मी की समीक्षा की पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्रों

अभीक चटर्जी, अनुसंधान में सुशांत घोष और आई.बसुमल्लिक और इलेक्ट्रोकेमिस्ट्रि में समीक्षा, 4 (4), (2013), 136-139 द्वारा सारफाकटेन्ट मीडिया में इजोप्रोपेनल केइलेक्ट्रो ऑक्सीकरण अध्ययन'।

1519 - एप्लाइड साइंस एंड टेक्नोलॉजी, 4 (10), 2014, 1509 केब्रिटिश जर्नल में बिकाश मंडल, आई बसुमल्लिक और सुशांत घोष ने राचार्जवल ली आयन बैटरी केलिए डाल दिया गया कार्बन लेपित कैथोड सामग्री की एक पॉट सं लेषण'।

पत्र प्रस्तुतः

विश्वभारती विश्वविद्यालय, शांतिनिकेतन में आयोजित 5 वीं भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस (रसायन विज्ञान अनुभाग) में एक पोस्टर केरूप में प्रस्तुत (सीएन) में ली / आयन एक्सचेंज व्यवहार पर विद्युत पढ़ाई ली, कश्मीर-आयन बैटरी केलिए 6 कैथोड सामग्री' 6-9 दिसंबर, 2013 केदौरान।

डॉ महाश्वेता नंदी (कैमिस्ट्री)

'सोखना आधारित कार्बन केऊपर', महाश्वेता नंदी, अर्घ्य दत्ता, कुमार पात्रा, असीम भौमिक और हिरोशी 298 (2013) 1512 कार्यवाही एआईपी सम्मेलन।', निदेशक और तांबे से साईलोंकी की अलावा (द्वितीय) परिसरों', महाश्वेता नंदी और पार्थ रॉय, रसायन विज्ञान इंडियन जर्नल, खंड 52(2013) 1263-1268्।

बहुलक टेम्पलेट के रूप में मिसेलस और एक दवा वितरण वाहक के रूप में अपने आवेदन पत्र, मनिक्कम शशिधरन, महाश्वेता नंदी, असीम भौमिक और केनिची नक्षिमा डाल्टन लेन-देन 42 (2013) 13,381-13,389 का उपयोग कर खोखला सिलिका

उमेश कुमार सिंह (एनवायरनमेंटल साइंस)

कागज सम्मेलन में प्रस्तुत किया

बलवंत कुमार, उमेश कुमार सिंह, पंकज मेहता एक वायु प्रदूषण की समीक्षा करने और मानव स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव पर्यावरण केमुद्दों पर राष्ट्रीय संगोष्ठीः सुरक्षा, संरक्षण और प्रबंधन (22-23 नवम्बर, 2013), विश्वभारती,

स्वपन कुमार पंडित (गणित)

सहकर्मी की समीक्षा की पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्रों

खुली मध्यम, स्वपन कश्मीर पंडित और अनिर्बान चट्टोपाध्याय, गर्मी केइंटरनेशनल जर्नल और जन स्थानांतरण, 75 (2014) 624-636 केसाथ एक गहरी गुहा में क्षणिक प्राकृतिक संवहन की उच्च आदेश कॉम्पैक्ट संगणना।

सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया

प्रौद्योगिकी मद्रास, भारत केभारतीय संस्थान में मॉडलिंग और संगणना 2013 (एपीडीइएमसी-2013) में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में स्वपन कश्मीर पंडित द्वारा 'एक आयताकार गुहा में क्षणिक प्रवाह की कॉम्पैक्ट संगणना'।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में गणितीय मॉडलिंग और अनुप्रयोगों-2014 (आइसीएमएमसीएसए-2014) के साथ कंप्यूटर सिमुलेशन पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अनिर्बान चट्टोपाध्याय, श्रीजीता सेनशर्मा, स्वपन कश्मीर पंडित द्वारा 'गुहा प्रेरित एक झरझरा डबल ढक्कन में मिश्रित संवहन केसंख्यात्मक सिमुलेशन',भारत।

स्वपन कश्मीर पंडित द्वारा, 'एक एडियाबेटिक शरीर केसाथ एक स्क्वायर गुहा में प्राकृतिक संवहन और एन्ट्रॉपी पीढ़ी केसंख्यात्मक सिमुलेशन', स्वपन कश्मीर पंडित, अनिर्बान चट्टोपाध्याय, श्रीजीता सेनशर्मा और 'न्यूमेरिकल' असंपीड्य चिपचिपा की संख्यात्मक समाधान गुहा संचालित डबल ढक्कन में फ्लो 'असंपीड्य चिपचिपा का समाधान

कलकत्ता विश्वविद्यालय, भारत में, अनुप्रयुक्त गणित में उभरते रुझान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में हेमंत कर्मकार, स्वपन कश्मीर पंडित द्वारा 'गुहा 2014 (आइसीइटीएएम-2014) संचालित एक डबल ढक्कन में बहती है।

नीलांजन बन्दोपाध्याय (भौतिकी)

सहकर्मी की समीक्षा की पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्रों

दिब्येंदु रॉय और नीलांजन बन्दोपाध्याय, फिसिक्सल की समीक्षा ए, 89, (2014) 043,806 से 'एक आयामी खुले अंतरिक्ष में एक संचालित तीन स्तरीय एमीटर से बिखरे हुए फोटॅानों के आंकड़े बताते हैं कि'।

दिब्येंदु रॉय, नीलांजन बन्दोपाध्याय और सुमन्त तिवारी, फिसिक्सल रिव्यू बी, 88 (2013) 020502 द्वारा 'सीमा प्रभाव से अर्धचालक तारों में तुच्छ शून्य पूर्वाग्रह प्रवाहकत्त्व शिखर'।

नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या विभाग द्वारा शुरू की किसी भी अन्य शिक्षण नवाचार डिजाइनिंग।

केंद्र भी पीएच.डी. शुरू कर दिया गया है भौतिकी (स्पेक्ट्रोस्कोपी, उच्च ऊर्जा भौतिकी) रसायन विज्ञान (इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री) सामग्री विज्ञान), पर्यावरण विज्ञान (जल विज्ञान, जल एवं मृदा प्रदूषण), गणित (कम्प्यूटेशनल द्रव डायनेमिक्स) और लाइफ साइंस (कैंसर जीवविज्ञान, तंत्रिका जीव विज्ञान, आणविक निदान) में कार्यक्रम।

डीएसटी-प्रेरित फेलोशिप के दिशा-निर्देशों के अनुसार, छात्रों के साथ अपनी परियोजना के काम करने के लिए आईआईटी-बॉम्बे, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी-गुवाहाटी, आईआईटी-चेन्नई, आईआईटी खड़गपुर, टीआईएफआर, मुंबई और आईआईएससी, बंगलौर जैसे विभिन्न राष्ट्रीय संस्थानों और विश्वविद्यालयों के लिए सिफारिश कर रहे हैं उनके आकाओं्।

विकास के लिए भविष्य की योजनाओं का एक संक्ते के साथ संबंध केंद्र / विभाग के विकास का एक संक्षिप्त इतिहास

अपनी ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत के माननीय राष्ट्रपति एक पांच साल एकीकृत कार्यक्रम शुरू करने के लिए उच्च स्तरीय समिति विश्वभारती विश्वविद्यालय के परिदर्शक (आगंतुक द्वारा गठित रूप में (एचएलसी) की सिफारिश को स्वीकार कर लिया गया है शिक्षा-भावना के तहत भौतिक विज्ञान (विज्ञान संस्थान), विश्वभारती में्। पिछले शैक्षणिक वर्ष के दौरान, जीवन विज्ञान पंचवर्षीय एकीकृत कार्यक्रम पेश किया गया है। पाठ्यक्रम बुनियादी विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान और शिक्षा के लिए बेहद प्रेरित छात्रों को आकर्षित करने के लिए करना है। बेशक, एक पंचवर्षीय एकीकृत एम.एससी के सफल समापन के बाद्। भौतिकी / रसायन विज्ञान / गणित / लाइफ साइंस प्रमुख के साथ डिग्री उम्मीदवारों को सम्मानित किया जाएगा।

किसी भी अन्य प्रासंगिक जानकारीः

डॉ स्वपन कुमार पंडित, 1 अक्टूबर 2013 को 11 सितम्बर के दौरान, अकादमिक स्टाफ कॉलेज, बर्दवान विश्वविद्यालय में सूचना संचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में 5 पुन चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

कला भवन
(ललित कला संस्थान)

आधुनिक भारतीय कला का प्रथम बीज कोलकाता में 19वीं शताब्दी के अंत में ई. बी. हॉवेल और अवनीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा रोपा गया। तदुपरांत कला-भवन, विश्व-भारती (1921) की स्थापना के दो वर्ष पूर्व 1919 में स्थापित किया गया, जहाँ नन्दलाल बोस ने रबीन्द्रनाथ के शिक्षा-दर्शन एवं राष्ट्र निर्माण में संस्कृति की भूमिका पर आधारित एक नये कला आंदोलन को विकसित करना प्रारंभ किया। जैसे ही उनका प्रयास रुपायित होने लगा, कला-भवन विश्वभारती का एक अत्यंत महत्वपूर्ण संस्थान हो गया।

कला भवन के शैक्षणिक कार्यक्रम की सफलता बड़ी संख्या में इसके विशिष्ट छात्रों की उपस्थिति से प्रतिबिम्बित हुई। इन विशिष्टों में बिनोद बिहारी मुखर्जी, रामकिंकर बैज़, सत्यजीत रे, कृष्णा रेड्डी, प्रीथिस नियोगी, हरिहरन, जया अप्पास्वामी, के. जी. सुब्रमण्यम, जगदीश मित्तल, सांखो चौधुरी, रितेन मजूमदार, कृपाल सिंह शेखावत, ए. रामचन्द्रन, बलबीर सिंह कैट, शीला गोडा, सितिछाई (थाईलैंड), शकुंतला कुलकर्णी एवं अन्य प्रमुख थे, जिन्होंने चित्रकारी, मूर्तिकला, भित्तिचित्र, पर्यावरणीय कला, वस्त्र डिज़ाइन, वाणिज्यिक कला, फिल्म निर्माण, मिट्टी के बर्तन, प्रिंटमेकिंग, म्यूजियोलॉजी, इतिहास कला, आर्ट क्रिटिसिज़्म, पुस्तक चित्रण एवं इससे भी कहीं अधिक अंतरअनुशासनात्मक उच्चस्तरीय बहुमुखी प्रतिभा प्रदर्शित करते हुए अपनी विशिष्ट छाप छोड़ी। सृजनशील मानव के प्रतीक के रूप में स्वयं को चिन्हित करने के अतिरिक्त, कई पूर्व छात्रों ने विभिन्न आर्ट कॉलेजों में बतौर शिक्षक के रूप में भारतीय कला शिक्षा पर अपना प्रभाव विस्तार किया।

वर्तमान में, कला-भवन के पाँच विभाग हैं, जहाँ अध्ययन की पाँच सतत धाराएँ प्रवाहित हैं : ये हैं चित्रकारी (भित्तिचित्र शाखा के साथ), मूर्तिकला, ग्राफिक आर्ट (प्रिंट मेकिंग), डिज़ाइन : टेक्सटाइल और सिरेमिक तथा ग्लास और इतिहास कला।

इन सभी क्षेत्रों में 4 वर्षीय अंडरग्रैजुएट (ऑनर्स) एवं डिप्लोमा कार्यक्रमों के अलावा 2 वर्षीय पोस्टग्रैजुएट एवं ऐडवांस्ड डिप्लोमा कार्यक्रम शामिल हैं।

अंडरग्रैजुएट पाठ्यक्रम के प्रारंभिक वर्ष में, अर्थात विशेषज्ञ हासिल करने के लिए तीन वर्षीय पाठ्यक्रम में जाने के पहले समन्वित कार्यक्रम के माध्यम से अग्रसारित किया गया। स्टूडियो को इस प्रकार सुव्यवस्थित किया गया है ताकि अंतरविभागीय सम्पर्क संभव हो सके, अभी और बाद में भी। इसके अलावा, अनुसंधान सुविधाओं के साथ पारस्परिक, आधुनिक, नॉन-प्रोफेशनल लोक कला एवं हस्तशिल्प के 2 वर्षीय पाठ्यक्रम में पीएच.डी कार्यक्रम को शामिल किया गया है। साथ ही विदेशी विद्यार्थियों के लिए एक वर्ष का प्रारंभिक कोर्स भी उपलब्ध कराया जा रहा है, जो भारतीय कला अध्ययन और अभ्यास के पहलुओं के साथ स्वयं को जोड़ने की इच्छा रखते हैं। शिक्षा विभाग के अतिरिक्त, यहाँ एक-एक म्यूज़ियम भी है जहाँ रबीन्द्रनाथ टैगोर, अबनीन्द्रनाथ टैगोर, गज़नेन्द्रनाथ टैगोर, नन्दलाल बोस, बिनोद बिहारी मिश्र, रामकिंकर बैज़ सरीखे महान कलाकारों की अति उत्कृष्ट कलाकृति बड़ी संख्या में संग्रहित है। इन संग्रहित कलाकृतियों के अलावा म्यूज़ियम में भारत, जापान और चीन के परम्परागत कलाओं की झलक साफ झलकती है। बड़े पैमाने पर परिधानों के प्रस्तुतिकरण, मास्क्स, खिलौने, लोक चित्रकारी एवं मूर्तिकला एवं आधुनिक भारतीय कला के नमूने इस

म्यूज़ियम की शोभा बढ़ा रहा है।

कला-भवन में दुर्लभ पुस्तकों का संग्रह भी एक विशेष उल्लेखनीय है। इसकी शुरुआत कला-भवन के प्रारंभिक दिनों में उस समय की गयी, जब रबीन्द्रनाथ टैगोर ने समूचे विश्व की पुस्तकों का संग्रह करना आरंभ किया। भवन अब अंतरअनुशासनात्मक कला अभ्यास का एक महत्वपूर्ण केन्द्र है, जहाँ नवयुगीन कला अभ्यास की बढ़ती मांग का समर्थन करने के साथ-साथ विशेषज्ञता पर आधारित परम्परागत कला-शिक्षा पर बल दिया जाता है।

डिजाइन विभाग

केवल राष्ट्रीय और विवरण में शिक्षक / अनुसंधान विद्वानों ने भाग लिया आदि अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनीः

डिजाइन विभाग की कार्यशाला कला भवन 2013-2014

मालंच, शांति निकेतन में 'शिक्षक दिवस' के अवसर पर 5 सितम्बर 2013 पर एक कार्यशाला आयोजित।

मार्च 2014 के महीने में साथ प्रख्यात मिट्टी के पात्र पीआर डारोज साथ सिरेमिक में डिजाइन विभाग में एक कार्यशाला आयोजित।

फ़रवरी 2014 के महीने में प्रख्यात मिट्टी के पात्र नॉक वनविया जैक्रचंग के साथ सिरेमिक में डिजाइन विभाग में एक कार्यशाला आयोजित।

वर्ष 2014 में टेक्सटाइल डिजाइन सॉफ्टवेयर अनुप्रयोग पर डिजाइन विभाग में एक कार्यशाला आयोजित।

अशोक भौमिक

प्रदर्शनीः

अमल ललित कला अकादमी पटना,2013 में एक समूह दिखाएँ।

सीआईएमए आर्ट गैलरी, कोलकाता, 2013 में ग्राफिक प्रिंट की प्रदर्शनी।

ललित कला अकादमी, कोलकाता, 2014 पर चित्रा कला परिषद द्वारा आयोजित एक प्रदर्शनी में भाग लिया।

ललित कला अकादमी, नई दिल्ली, 2013 में अमल एक समूह दिखाएँ

पुरस्कारः

सूचना और संस्कृति, पर्ि चम बंगाल सरकार के मंत्रालय की ओर से '2014 शिल्पी समान्ना' प्राप्त किया।

कार्यशालाः

मालंच, श्रीनिकेतन, 2013 पर शिक्षक दिवस के अवसर पर, 5 सितंबर को एक कार्यशाला में भाग लिया

2013 कलाभवन में ग्राफिक्स कार्यशाला

शिशिर सहाना

अन्य :

पटना में काला-भवन के सभी संकाय सदस्यों के एक समूह शो में भाग लिया।

रवींद्र भवन, नई दिल्ली, 2013 में काला-भवन के सभी संकाय सदस्यों के एक समूह शो में भाग लिया

बुराफा विश्वविद्यालय द्वारा आमंत्रित किया, थाईलैंड काला-भावना के साथ छात्र विनिमय कार्यक्रम के लिए समझौता ज्ञापन पर विकसित करने के लिए।

फिल्म मेकिंगः

वृत्तचित्र फिल्मः

जीवन और कला ': एक वृत्तचित्र फिल्म' के माध्यम से एक यात्रा सूर्यप्रकाश 'का निर्देशन किया। फिल्म, 2013 जून में, नई आशा है कि फिल्म महोत्सव, संयुक्त राज्य अमेरिका में जांच की गई थी।

निर्देशित और नाम के एक वृत्तचित्र फिल्म का निर्माणः

'नंदन मेला, काला-भवन और शांति निकेतन ए कलेक्टिव आत्मा'।
फिल्म वाइस चांसलर, विश्वभारती ने भाग लिया, काला-भवन में जांच की गई थी। 2013
फिल्म बुराफा विश्वविद्यालय, थाईलैंड और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, कोलकाता, 2014 में जांच की गई थी।

गौतम कुमार दास

प्रदर्शनीः

रतचामनोएन समकालीन कला केंद्र, बैंकॉक, थाईलैंड, 19 जनवरी, 22 मार्च 2013 को 27 वें एशियाई अंतरराष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में भाग लिया।
कला-भवन एवं बिहार राज्य सरकार द्वारा आयोजित पटना, बिहार में एक प्रदर्शनी में भाग लिया। 2014
आमंत्रित किया संाघाइ और चांघु, चीन, 2013 में 1 अंतरराष्ट्रीय कला कार्यशाला एवं प्रदर्शनी में भाग लिया।
आमंत्रित किया और नारेसुआन विश्वविद्यालय, फिट्सानुलॅाक, थाईलैंड 2013 में 1 अंतरराष्ट्रीय कला कार्यशाला एवं प्रदर्शनी में भाग लिया।
मार्च, 2013 में रॉयल कलकत्ता टर्फ क्लब में आकृति आर्ट गैलरी द्वारा आयोजित एक प्रदर्शनी में भाग लिया।

कार्यशालाः

आमंत्रित किया और राजा मंगला विश्वविद्यालय, 2013 तक संगठित, थाईलैंड में फोचांग-9 अंतरराष्ट्रीय कला महोत्सव एवं कार्यशाला में भाग लिया।
वर्ष 2014 में एक अंतर्राष्ट्रीय शिल्पाकोर विश्वविद्यालय में कार्यशाला, थाईलैंड में भाग लिया।
आमंत्रित किया और दो एमएफए केसाथ अंतरराष्ट्रीय सिरेमिक कार्यशाला में भाग लिया शिल्पाकोर विश्वविद्यालय, 2013, द्वारा आयोजित छात्रों।

अन्य

फरवरी में समझौता ज्ञापन केलिए बुराफा विश्वविद्यालय थाईलैंड का दौरा किया, 2014 में रॉयल कलकत्ता टर्फ क्लब में बचावत नींव कला दिवस केअवसर पर भाग लिया। एक मूर्तिकला ट्रॉफी बनाया गया है और मार्च, 2013 में मार डाला गया था जिसमें रेस विजेता केलिए प्रस्तुत किया गया था।

कार्यशालाः

वर्ष 2013 में कला-भवन शिक्षक कार्यशाला में भाग लिया।

प्रसून कांति भट्टाचार्य

अन्य

अमल एक समूह दिखाएँ संगीत कला अकादमी, पटना, बिहार, नवंबर 2013 में, ललित कला अकादमी, नई दिल्ली में कलाभवन शिक्षक प्रदर्शनी में भाग लिया
सीआईएमए, आर्ट गैलरी, कोलकाता, 2013 में ग्राफिक प्रिंट की प्रदर्शनी।
इमामी चियासेल आर्ट गैलरी, कोलकाता, 2013 पर चित्रकारी की प्रदर्शनी।
हारिंगटन स्ट्रीट आर्ट सेंटर, कोलकाता-71, 2014 में, एक प्रदर्शनी, जाक्सटापोज (आर्ट एंड इंटीरियर डिजाइन का एक सम्मेलन) में भाग लिया।
स्वामी विवेकानंद, 2014 की 158 वीं जयंती की घटना में, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, कोलकाता में एक

राष्ट्रीय स्तर प्रदर्शनी में भाग लिया।

कार्यशालाः

2013 'कलाभवन शिक्षकों द्वारा आयोजित टेपेस्ट्री पर, कार्यशाला' कलाभवन शिक्षकों ने भाग लिया।

देबाशीष महलानबीश

संगोष्ठीः

'मिट्टी की उसके बेटे द्वारा खड़दह गांव जिज्ञासु खोज में मंदिरों की आकाशगंगा' पर प्रस्तुत भूगोल और कागज अभ्यास के फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'भौगोलिक रिसर्च में हाल के रुझान', पर राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी में भाग लिया।

सम्मेलनः

भाग लिया और भूगोल पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ऑरगानाइजड- बर्दवान विश्वविद्यालय, 2013 तक पेपर प्रस्तुत किया।

अन्य :

डीवीसी द्वारा आयोजित ऊर्जा संरक्षण पर राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल सदस्य के रूप में काम किया

प्रकाशन

गाथा जारी है - प्रकृति, संस्कृति शिल्प के साथ झिल्लीदार; वस्त्र प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी गवर्नमेंट कॉलेज, बरहामपुर, 2013 विभाग द्वारा आयोजित वस्त्र, फाइबर और परिधान इंजीनियरिंग में उभरते रुझान, पर राष्ट्रीय सम्मेलन में (आईएसबीएनः 978-1-63068-205-7)

खाड़दह में 26 शिव मंदिरों में से मुन्ना शक्तिशाली रहस्यः उसके बेटे द्वारा खोज से पता चला है; प्रैक्टिसिंग जिओग्राफार्स - वॉल्यूम 17 के फाउंडेशन के जर्नल, नंबर 2, सर्दियों 2013 (0975-3850 आइएसएसएन) में तीनोंः प्रकृति, कलाकार और डिजाइन , 35 भारतीय भूगोल 'मिलो अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, भूगोल विभाग, बर्दवान विश्वविद्यालय, 2013 तक आयोजित की।

रितुआलिजम प्रकृति के साथ सप्तपर्णी के धागे बिन्देद; भूगोल, विश्वभारती और प्रैक्टिसिंग भूगोल के फाउंडेशन, कोलकाता, 2014 विभाग द्वारा आयोजित मनुष्य प्रकृति इंटरफेस में अनुसंधान सीमाओं पर राष्ट्रीय संगोष्ठी म्।

खड़दह गांव में मंदिरों की आकाशगंगाः मिट्टी की उसके बेटे द्वारा जिज्ञासु खोज; भौगोलिक रिसर्च में हाल की प्रवृत्ति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में, प्रैक्टिसिंग भूगोल के फाउंडेशन, कोलकाता, 2013 तक आयोजित की।

अन्य

सीआईएमए, 2013 को काला-भवन के संकाय सदस्यों द्वारा प्रयोगात्मक काम करता है, के एक समूह के शो 'सतह के नीचे'।

'अमल', ललित कला अकादमी, रवींद्र भवन, नई दिल्ली, 2013 में काला-भवन के संकायों के एक समूह प्रदर्शनी 'अमल', पटना आर्ट गैलरी में 2013 को काला-भावना संकायों की एक सामूहिक शो।

2013 'कलाभवन शिक्षकों द्वारा आयोजित टेपेस्ट्री पर, कार्यशाला' कलाभवन शिक्षकों ने भाग लिया।

कृषेन्दु बाग

अन्य

सीआईएमए, 2013 को काला-भवन के संकाय सदस्यों द्वारा प्रयोगात्मक काम करता है, के एक समूह के शो 'सतह

केनीचे'।

'अमल', ललित कला अकादमी, रवींद्र भवन, नई दिल्ली, 2013 में काला-भवन केसंकायों केएक समूह प्रदर्शनी।

'अमल', 2013 पटना आर्ट गैलरी में कला-भवन संकायों की एक सामूहिक शो

'भगवा विद्रोही', नंदलाल बोस और जामिनी रॉय आर्ट गैलरी आईसीसीआर कोलकाता, 2013 में स्वामी विवेकानंद की 150 वीं जयंती केउपलक्ष्य में पेंटिंग्स, मूर्तियां, और ग्राफिक्स की एक प्रदर्शनी।

कार्यशालाएंः

2013 एक संयोजक और संसाधन व्यक्ति केरूप में मालंच, शांति निक्त्तन में टेक्सटाइल फ्रेम भित्ति और टेपेस्ट्री में काला-भावना संकायों 'कार्यशाला में भाग लिया, और अभिनय

डिजाइन विभाग, कला-भवन, विश्वभारती, 2013 द्वारा आयोजित प्राकृतिक रंगों, साथ बाटिक पर इंटर विभाग छात्रों को 'कार्यशाला में एक संयोजक और संसाधन व्यक्ति केरूप में काम किया।

01 नवंबर से 21 नवंबर 2013 से डिजाइन विभाग, कला-भवन, विश्वभारती, द्वारा आयोजित वस्त्र फ्रेम भित्ति (फाइबर कला), पर विभागीय छात्र (एमएफए) कार्यशाला में संयोजक और संसाधन व्यक्ति।

देबाशीष दास

दूसरेः

भारत भवन, भोपाल, 2013 में अखिल भारतीय (चीनी मिट्टी) माटी प्रदर्शनी

कोलकाता और दिल्ली, 2013 में प्रणब मुखर्जी ने भारत केमाननीय राष्ट्रपति, केएक साल प्रेसीडेंसी ज न मनाने केलिए अरण्य प्रकाशक द्वारा आयोजित एक समूह शो में भाग लिया।

अमल ललित कला अकादमी में एक समूह दिखाएँ, 2013 नई दिल्ली।

अमल ललित कला अकादमी में एक समूह दिखाएँ। पटना। 2013।

कोलकाता 2014 में माया कला स्पेस गैलरी द्वारा आयोजित एक समूह शो 'मिट्टी पर मार्क में भाग लिया।

कार्यशालाः

मालंच, शांति निक्त्तन, 2013 में एक कार्यशाला में भाग लिया

मार्च 2014 केमहीने में प्रख्यात मिट्टी केपात्र पीआर डारोज केसाथ सिरेमिक में डिजाइन विभाग में एक कार्यशाला में भाग लिया।

फ़रवरी 2014 केमहीने में प्रख्यात मिट्टी केपात्र नॉक केसाथ सिरेमिक में डिजाइन विभाग में एक कार्यशाला में भाग लिया।

भावना खजूरिया बासुमातारि

सेमिनार

भाग लिया अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, सुहृद संवाददाताः पत्रकारिता प्रथाओं को पुनर्परिभाषित पत्रकारिता एवं जन संचार (सीजेएमसी), शांति निक्त्तन-2014 विश्वभारती, केलिए केन्द्र की ओर से आयोजित किया।

अन्य

ललित कला अकादमी, पटना-2013 में समूह दिखाएँ।

भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, कोलकाता-2013 में एक समूह केशो में प्रतिभागी को आमंत्रित किया।

2013 - ललित कला अकादमी, रवींद्र भवन, नई दिल्ली में समूह दिखाएँ।

कार्यशाला

कला भवन, विश्व भारती, शांति निकेतन-2013 पर बुनाई पर कलाभवन शिक्षक कार्यशाला में भागीदारी।

मादी लिंडा

संगोष्ठीः

वर्ष 2014 में एक राष्ट्रीय स्तर की बनारस हिंदी विश्वविद्यालय में सेमिनार, वाराणसी में भाग लिया।

प्रदर्शनीः

अमल ललित कला अकादमी, नई दिल्ली, 2013 में एक समूह दिखाएँ।

ललित कला अकादमी, पटना 2013 में अमल एक समूह दिखाना,

समूह कला प्रदर्शनी- 2013, कला, संस्कृति विभाग, झारखंड, 2013।

काला 2013 काल-भवन रांची कला, संस्कृति, विभाग, झारखंड, 2013।

समूह 2013 काल-भवन रांची कला, संस्कृति, विभाग, झारखंड, 2013।

कार्यशालाः

राष्ट्रीय बॉल भवन (एनटीआरसी) नई दिल्ली, 2013 में चीनी मिट्टी पर एक कार्यशाला समन्वित

मार्च 2014 के महीने में प्रख्यात मिट्टी के पात्र पीआर डारोज द्वारा की मेजबानी सिरेमिक में डिजाइन विभाग में एक कार्यशाला में भाग लिया।

अन्य

2014 बीएफए 8 सेमेस्टर परीक्षा के लिए बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में बाहरी परीक्षक के रूप में काम किया

अनुपम

अन्य

अमल ललित कला अकादमी, नई दिल्ली में एक समूह दिखाएँ। 2013

अमल ललित कला अकादमी में एक समूह दिखाएँ। पटना, 2013

कार्यशालाएंः

शांति निकेतन, 2013 में एक कार्यशाला में भाग लिया

मार्च 2014 के महीने में प्रख्यात मिट्टी के पात्र पीआर द्वारा की मेजबानी सिरेमिक में डिजाइन विभाग में एक कार्यशाला में भाग लिया।

फ़रवरी 2014 के महीने में प्रख्यात मिट्टी के पात्र नॉक के साथ सिरेमिक में डिजाइन विभाग में एक कार्यशाला में भाग लिया।

अर्चना दास

प्रदर्शनियाँः

ललित कला अकादमी, नई दिल्ली, 2013 में अमल एक समूह दिखाएँ

अमल संगीत में एक समूह दिखाएँ, पटना, 2013

2014 भारत भवन भोपाल में एक चीनी मिट्टी समूह दिखाएँ

कार्यशाला

2013 कलाभवन, शांति निकेतन, पर वस्त्र टेपेस्ट्री पर एक संयुक्त कार्यशाला

विकास के लिए भविष्य की योजनाओं का एक संकेत के साथ संबंध भवन / सदन के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास।

डिजाइन विभाग अर्थात पढ़ाई के दो प्रमुख डिजाइन पाठ्यक्रम के होते हैं। टेक्सटाइल डिजाइन और बीएफए / मिट्टी

में एमएफए / एडवांस्ड डिप्लोमा और ग्लास डिजाइन में बीएफए /डीएफए, एमएफए / एडवांस्ड डिप्लोमा। इन दो प्रमुख पाठ्यक्रमों के अलावा, डिजाइन, डिजाइन में एक साल विदेशी डिजाइन में आरामदायक कोर्स, और एक वर्ष के भारतीय आरामदायक कोर्स में दो साल के सर्टिफिक्ट कोर्स का एक कोर्स डिजाइन विभाग के एक ही छत के नीचे, वहाँ भी है। विभाग को उनके उत्कृष्ट रचनात्मक प्रदर्शन के साथ अपने-अपने क्षेत्र में खुद को स्थापित किया है, जो विशेषज्ञ शिक्षकों का एक पैनल है। 2013-2014 के शैक्षणिक सत्र, संतोषजनक ढंग से समाप्त हो गया है।

अतीत में के रूप में, विभाग को सफलतापूर्वक, आचार्य नंदा लाल बोस की जयंती के अवसर पर शिक्षकों और छात्रों के साथ काम करता नंदन मेला का आयोजन किया गया है। इसके अलावा अनुसूचित शैक्षणिक गतिविधियों से, छात्रों को भी विभिन्न कार्यशालाओं / प्रदर्शनियों में भाग ले रहे हैं।

डिजाइन विभाग में इस तरह के कार्बनिक और पारंपरिक सामग्री में पाठ्यक्रम के रूप में कहीं कला कॉलेजों में उपलब्ध नहीं हैं, जो कुछ पाठ्यक्रमों के लिए उपयुक्त स्थल होने का प्रयास। डिजाइन विभाग भारत में और विदेश दोनों में, टेक्सटाइल डिजाइन के समकालीन रचनात्मक क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

मूर्तिकला विभाग

विभागीय सेमिनार / कार्यशाला (वक्ताओं, संगोष्ठी का शीर्षक, दिनांक)
स्टीफन कॉक्स (प्रख्यात ब्रिटिश मूर्तिकार) द्वारा 16 नवंबर 2013 स्लाइड शो प्रस्तुति और बात करो।
केवल अंतरराष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला प्रदर्शनी विस्तार में शिक्षकों / रिसर्च स्कॉलर्स ने भाग लिया आदि
पंकज पंवार
प्रदर्शनियों (आमंत्रित भागीदारी)
डेनिश दूतावास, 2013 को नई दिल्ली में कला प्रदर्शनी
ललित कला अकादमी, 2014 को नई दिल्ली में काला-भवन शिक्षक प्रदर्शनी
20 वीं वर्षगांठ प्रदर्शनी, सीआईएमए, कोलकाता, 2013-14
2014 भारत भवन, भोपाल, पर राष्ट्रीय सिरेमिक प्रदर्शनी
ओपन एयर मूर्तिकला शांतिनिकेतन 2014 में परियोजना (जारी)
आमंत्रित भागीदारीः
निवास में विद्वान / कलाकार संगीत और ललित कला, केरल 2014 के कॉलेज
ललित कला संकाय, 2014 त्रिपुरा विश्वविद्यालय में फेलो विजिटिंग
चांसलर (गवर्नर, प. बंगाल) रवींद्र भारती विश्वविद्यालय 2013 के चुनाव में / स्क्रीनिंग समितियों के लिए नामित
चयन समिति (मूर्तिकला, विजुअल आर्ट्स), बीएचयू बनारस के बाहरी विशेषज्ञ सदस्य। 2013।
विषय विशेषज्ञ (मूर्ति), चयन समिति, 2013 ओडिशा लोक सेवा आयोग
चयन समिति के बाहरी विषय विशेषज्ञ (मूर्ति) के सदस्य, 2013 में पटना विश्वविद्यालय
सलाहकार बोर्ड के सदस्य, कोलकाता, प.बंगाल (ललित कला के राज्य अकादमी)।
शांतनु चटर्जीः
कोलकाता 2013 भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के साथ प्रो धीरज चौधरी सहयोग द्वारा आयोजित रवीन्द्रनाथ टैगोर सेंटर, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, कोलकाता, कोलकाता, पर एक कला प्रदर्शनी
डा, अर्चना रॉय, 2013 द्वारा क्यूरेट इमामी छेनी कला
" सतह के नीचे '- केबी की एक एचिंग प्रदर्शनी 2013 - शिक्षकों सीआईएमए, कोलकाता में, काम करते हैं।
'ललित कला अकादमी में -कलाभवन शिक्षकों प्रदर्शनी, नई दिल्ली-2013
'-काला भारतीय नृत्य-कला ललित कला अकादमी, बिहार में भवन शिक्षक की प्रदर्शनी। - 2013।
कार्यशालाः
कलाभवन शिक्षकों शांतिनिकेतन में कार्यशाला टेपेस्ट्री। - 2014।
समन्वित, पुनर्निर्मित और कृषि अर्थशास्त्र केंद्र, शांति निकेतन-2013 पर सुरेन डे ने की एक आउटडोर मूर्तिकला की देखरेख
अन्य :
'भास्कर जामिनी '- नाम के एक छोटे से पत्रिका में एक लेख 2014।
राज्य भारत सरकार द्वारा 'बिकास देबनाथ- पुस्तक प्रकाशन। प. बंगाल-2014 की।
रामकिंकर बैज के बारे में च्द्धद्मण्ड्ढद घोष के साथ साक्षात्कार के आधार पर एक निबंध

माटीलाल कलाई

प्रदर्शनीः

अमल ललित कला अकादमी, नई दिल्ली-2013 पर काला-भवन कला शिक्षकों केएक समूह प्रदर्शनी में भाग लिया।

अमल भारतीय नृत्य-कला मंदिर ललित कला अकादमी में काला-भवन कला शिक्षकों केएक समूह प्रदर्शनी, 2013 पटना में भाग लिया।

अन्य

कृषि अर्थशास्त्र केंद्र, शांति निकेतन-2013 पर सुरेन डे ने विस्तीवाला की आउटडोर मूर्तिकला पुनर्निर्मित।

काला भवन शिक्षकों शांतिनिकेतन में टेपेस्ट्री कार्यशाला। - 2014।

कमल धर

अमल ललित कला अकादमी नई दिल्ली, 2013 में काला-भवन कला शिक्षकों केएक समूह केशो में भाग लिया।

अमल, भारतीय नृत्य-कला मंदिर ललित कला अकादमी पटना, 2013 को काला-भवन कला शिक्षकों केएक समूह केशो में भाग लिया।

राजस्थान में लोक कला कार्यशाला और सेमिनार। 2013।

अखिल भारतीय कला प्रदर्शनी आईसीसीआर, कोलकाता। 2014।

ऋषि बरुआ

उप प्रधानाचार्य प्रशासन केपद पर कार्य किया।

पार्क गैलरी, चीन में अंतरराष्ट्रीय कला प्रदर्शनी केद्वारा पीछा अक्टूबर 2013 में शंघाई में अंतरराष्ट्रीय कला शिविर और पार्क, चीन, पर आमंत्रित कलाकार

अमल ललित कला अकादमी नई दिल्ली 2013 में और भारतीय नृत्य-कला ललित कला अकादमी पटना, 2013 को काला-भवन कला शिक्षकों केएक समूह केशो में भाग लिया।

आईसीसीआर गैलरी, कोलकाता, मार्च 2014 में संगठित और समन्वित स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष केछात्र की कला प्रदर्शनी

गोर्की सदन, कोलकाता, अप्रैल 2014 में संगठित और समन्वित स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की छात्रा की कला प्रदर्शनी

जनवरी 2014 में बि नुपुर में छात्रों केअध्ययन यात्रा केलिए प्रभारी शिक्षक।

अमित कुमार धारा

अमल ललित कला अकादमी में काला-भवन कला शिक्षकों केएक समूह प्रदर्शनी, 2013 नई दिल्ली- में भाग लिया।

अमल भारतीय नृत्य-कला मंदिर ललित कला अकादमी, पटना, 2013 को काला-भवन कला शिक्षकों केएक समूह प्रदर्शनी में भाग लिया।

कृषि अर्थशास्त्र केंद्र, शांति निकेतन-2013 पर सुरेन दे ने आउटडोर मूर्तिकला पुनर्निर्मित।

काला शिक्षकों शांतिनिकेतन में कार्यशाला टेपेस्ट्री। - 2014

लवानशैभा खार्मावलोंग

प्रदर्शनीः

अमल ललित कला अकादमी नई दिल्ली 2013 में काला-भवन कला शिक्षकों केएक समूह केशो में भाग लिया।

अमल भारतीय नृत्य-कला मंदिर ललित कला अकादमी पटना, 2013 को काला-भवन कला शिक्षकों के एक समूह के शो में भाग लिया।

काला भवन शिक्षकों शांतिनिकेतन में कार्यशाला टेपेस्ट्री। - 2014।

साजद एच हामदानि

सह राष्ट्रपति भारत राष्ट्रीय समिति ठठोलिया विश्व कला खेलों मुख्यालय ज़गरेब क्रोएशिया।

रीशेंट शो :

इंटरनेशनल

विश्वविद्यालय बैंकाक 2014 में सबसे पहले अंतरराष्ट्रीय कला प्रसार 2014 में एक आमंत्रित कलाकार के रूप में एक समूह प्रदर्शनी में भाग लिया।

अमल ललित कला अकादमी नई दिल्ली 2013 में काला-भवन कला शिक्षकों के एक समूह के शो में भाग लिया।

साजद एच हामदानि द्वारा एक कविता सिरजा अंग्रेजी में प्रकाशितः। संस्कृति और साहित्य, वॉल्यूम नौवीं संख्या 4 अक्टूबर-दिसंबर 2013 की तिमाही जर्नल कला संस्कृति और भाषाओं के जम्मू-कश्मीर अकादमी द्वारा प्रकाशित

विस्तार गतिविधियाँ

विभागीय छात्रों 1-3 दिसंबर 2013 से, नंदन मेला, आचार्य नंदलाल बोस के जन्मदिन के वार्षिक उत्सव में भाग लिया।

शिक्षक / विद्वान या (आदि डीएसए या कैस के रूप में मान्यता) की तरह एक पूरे के रूप में विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक भेद शून्य

विकास के लिए भविष्य की योजनाओं का एक संकेत के साथ संबंध भवन / सदन / विभाग के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास

मूर्तिकला की कला भवन विभाग की शुरुआत वैकल्पिक कला अभ्यास के लिए एक केन्द्र के रूप में संस्थान के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और आधुनिक भारतीय कला के संदर्भ में एक नया मंच की स्थापना के बाद से। रवीन्द्रनाथ टैगोर एक महान विचारक और नंदलाल बोस, अवनींद्र नाथ टैगोर के शिष्य की विचारधारा बीसवीं सदी के शुरू में शांति निकेतन स्कूल के विकास के लिए योगदान दिया। विभाग रामकिंकर बैज के तहत, शुरू में 1932 में रामकिंकर बैज के मार्गदर्शन में अनौपचारिक रूप से शुरू किया गया था, और बाद में सबरी रॉयचौधरी, अजीत चक्रवर्ती, विपिन गोस्वामी, बिकाश देबनाथ, सुशेन घोष और सुरेन डी के तहत, विभाग, जो बाद में असंख्य छात्रों को प्रशिक्षण दिया भारत के प्रख्यात मूर्तिकारों के रूप में अपनी छाप छोड़ी।

विभाग आदि जैसे जापान, कोरिया, थाईलैंड, ब्रिटेन, फ्रांस, अमेरिका, बांग्लादेश, मारीशस, सोवियत संघ, श्रीलंका जैसे देशों के साथ ही विदेश में विभिन्न देश के कुछ हिस्सों से छात्रों को आकर्षित

और शुरू के विकास में योगदान दिया है, जो विभाग में अध्ययन कई महत्वपूर्ण वास्तुशिल्पियों

नई शब्दसंग्रह समकालीन मूर्तिकला में, विभिन्न पीढ़ियों से कुछ नाम करने आदि शंखो चौधरी, प्रभास सेन, जितेंद्र कुमार, अवतार गाओ पंवार, एम, मदन, सुरेन पांडेय, बलबीर गाओ हैं।

विभागीय लाइब्रेरी के विवरण में विवरण

कला-भवन प्रोफाइल के साथ संलग्न।

विभाग के प्रमुख की राय में लायक रिपोर्टिंग है जो किसी भी अन्य प्रासंगिक जानकारी, शामिल किया जाना चाहिए।

1. कौशिक हलदर - ललित कला अकादमी, दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार 2014्।
2. मंत्रालय, मानव संसाधन विकास, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय छात्रवृत्ति।
3. निखिल बॉन्ड - मंत्रालय, मानव संसाधन विकास, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय छात्रवृत्ति।
4. श्वेता नाईक। - चीन के लिए चीनी छात्रवृत्ति।
5. जगविंदर सिंह - चीन के लिए एक्सचेंज प्रोग्राम। 2014्।
6. असलम और बिस्वजीत - कानपुर आईआईटी में एक कार्यशाला के लिए आमंत्रित किया। 2013्।

चित्रकला विभाग

भवन का नामः कला भवन,
विभाग का नामः चित्रकारी, कला भवन,
प्रो शिशिर सहानाः भवन का नाम
श्री अर्घ्य प्रिया मजूमदारः विभाग के मुखिया का नाम
छात्रों के नाम यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / सलेट और गेट परीक्षा में योग्य
(पीएचडी डी।, फैलोशिप के साथ यूजीसी नेट अर्हताप्राप्त)
ए) भास्कर हजारिका (2013)
बी) सेनगुप्ता (2013)
सी) दास (2013)
विभागीय सेमिनार / कार्यशाला (वक्ताओं, सेमिनार और तिथि का शीर्षक
थंका पेंटिंग पर 2014/03/27 कार्यशाला और व्याख्यान प्रदर्शन करने के लिए 2014/03/17, कलाकार पेमा, भूटिया, सिक्कम
श्री दिलीप मित्रा द्वारा समन्वित। एसोसिएट प्रोफेसर, चित्रकारी के विभाग। शिक्षकों और चित्रकारी विभाग के छात्रों को सभी भाग लिया। कलाभवन में ट्रेसी ली, हारा कुमार हाजरा से गुप्ता, एमडी। पटेल नगर बाज़ार, बीरभूम द्वारा नंदन मेला, 2013 में लेटो नाटक के 2014 संगठित पारंपरिक लोक संगीत प्रदर्शन द्वारा आयोजित मंजिल पर 3 डी चित्रकारी पर कार्यशाला।
2013 हेतल चुदाशाम (बड़ौदा से कलाकार) और मार्कस लकड़ी (ब्रिटेन आधारित कलाकार) द्वारा प्रस्तुति और प्रदर्शन
संगठित समकालीन प्रदर्शन ज्योति डोगरा, मुंबई आइएफए साथी, 2013 तक, चाय पर नोट्स्।
संगठित प्रस्तुति और फिल्म तमिल समकालीन द्वारा स्क्रीनिंग कवि लीना मणिमेकलाई, 2013
मीकल गितकसॉन, पीएचडी स्कॉलर, एक विजिटिंग फैलो 2013 के रूप में ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालय द्वारा कथा पत्रिका चित्रकारी पर कार्यशाला और व्याख्यान प्रदर्शन
उसकी आइएफए फाउंडेशन फैलोशिप, 2013 के भाग के रूप में प्रस्तुति और इंदर सलीम प्रदर्शन कलाकार द्वारा प्रदर्शन कला पर कार्यशाला
आदि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी विवरण में शिक्षक / रिसर्च स्कॉलर ने भाग लिया।
नंददुलाल मुखर्जीः
अमल - कलाभवन संकायों, ललित कला अकादमी, नई दिल्ली में 1 की एक यात्रा शो,
पटना ललित कला अकादमी, पटना, बिहार, दिसंबर 2013 पर कलाभवन शिक्षकों समूह कला शो। सतह के नीचे प्रायोगिक एचिंग के एक समूह के शो संकाय सदस्यों द्वारा काम करता है कला भवन, शांति निकेतन की; सीआईएमए आर्ट गैलरी, कोलकाता में
नंदन आर्ट गैलरी, कला भवन में प्रिंट की प्रदर्शनी।
डिजाइन विभाग, कला भवन, विश्वभारती सितंबर-2013 द्वारा आयोजित टेपेस्ट्री कार्यशाला में भाग लिया
दिलीप मित्राः
शिक्षकों कार्यशाला-2013 के भाग के रूप में, डिजाइन, कला भवन विभाग द्वारा आयोजित वस्त्र कार्यशाला में भाग लिया

नंदन आर्ट गैलरी, कला भवन, पर प्रिंट की ए समूह शो सतह के नीचे और बाद में सीआईएमए कला पर गैलरी, कोलकाता, -2013
अभ्यास 24-30 अक्टूबर 2013 ललित कला अकादमी नई दिल्ली बाद में पटना ललित कला अकादमी में कला भवन संकायों, की एक सामूहिक
23 कलाकार चित्रकला / मूर्तिकला / 27 सितम्बर 2013 को माया आर्ट स्पेस, कोलकाता 13 पर ग्राफिक शो।
कोलकाता 2014 में, राज्य चारूकला प्रसाद में एक आमंत्रित कलाकार के रूप में भाग लिया

शितांशु मुखोपाध्यायः

अमल - कलाभवन संकायों, ललित कला अकादमी, नई दिल्ली, 2013 में 1 की एक यात्रा शो
पटना ललित कला अकादमी, पटना, बिहार, दिसंबर 2013 पर कलाभवन शिक्षकों समूह कला शो।
कला भवन, शांति निकेतन के संकाय सदस्यों द्वारा प्रयोगात्मक एचिंग काम करता है के एक समूह के शो सतह के नीचे; सीआईएमए आर्ट गैलरी, 2013 कोलकाता में
डिजाइन विभाग, कला भवन, विश्वभारती सितंबर 2013 द्वारा आयोजित टेपेस्ट्री कार्यशाला में भाग लिया

संचयन घोषः

उलट परिप्रेक्ष्यः लैंडस्केप अध्ययन पर तीन एक अंतः विषय वास्तु हस्तक्षेप, प्रयोगकर्ता, कोलकाता में बीरभूम के लैंडस्केप, 2013-14 पर ध्यान केंद्रित
2013 श्रीनगर आर्ट कॉलेज, श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर के छात्रों के साथ ध्वनि और प्रदर्शन कला पर कार्यशाला का आयोजन
सीमा मुकोपाध्याय मुखोपाध्याय, रंगगरुप, 2013 कोलकाता से मोहित चट्टोपाध्याय द्वारा लिखित और निर्देशित डिज़ाइन प्ले नील रेंजर घोरा ,
डिज़ाइन खेलने, 2013 सुमन मुखोपध्याय सूत्र, कोलकाता, द्वारा निर्देशित,
2013 मनीष मित्रा, अर्घ्य, कोलकाता, द्वारा निर्देशित डिज़ाइन खेलते हैं,
अमल - कलाभवन संकायों, ललित कला अकादमी, नई दिल्ली, -2013 में 1 की एक यात्रा शो
2, बिहार ललित कला अकादमी, पटना -2013
नंदन आर्ट गैलरी में प्रिंट की प्रदर्शनी, कला भवन 2013
परिप्रेक्ष्य -II, ब्लैक बॉक्स उल्टाः घूमना एज परः इस शो के हिस्से के रूप में प्रकृति मोर्टे गैलरी, नई दिल्ली, में हारा कुमार गुप्ता (एक लेटो कवि) के जीवन पर आधारित एक साइट विशिष्ट स्थापना सं क्षितिज, 2014
संयुक्त रूप से, अपने प्रकाशनों के दस साल का ज न मनाने के लिए शौमिक नंदी मजूमदार आबनूसी से आमंत्रण पर जादवपुर विश्वविद्यालय परिसर में कला भवन के छात्रों के साथ हिंसा और लिंग के मुद्दों पर एक स्थापना और कार्यक्षमता के साथ क्यूरेट टैगोर सेंटर, जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित
कला के विभाग, सुनार, लंदन द्वारा आयोजित बर्लिन जर्मनी में 11 और 12 अप्रैल 2014 में टैगोर, अध्यापन और समकालीन दृश्य संस्कृति नेटवर्क पर कार्यशाला में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया
बर्लिन, जर्मनी, 2014 में शो टैगोर के डाकघर के हिस्से के रूप में आयोजित की संगोष्ठी में ध्वनि संबंध और पर एक प्रदर्शन प्रस्तुत
2014 देबांशु मजूमदार, द्वारा निर्देशित डिज़ाइन खेलने
2014 कौशिक सेन, स्वप्ना, कोलकाता, द्वारा निर्देशित डिज़ाइन खेलने देश,

अर्घ्य प्रिया मजुमदारः

अमल - कलाभवन संकायों, ललित कला अकादमी, नई दिल्ली, 2013 में 1 की एक यात्रा शो
पटना ललित कला अकादमी, पटना, बिहार, दिसंबर 2013 पर कलाभवन शिक्षकों समूह कला शो।
सतह के नीचे प्रायोगिक एचिंग के एक समूह के शो संकाय सदस्यों, 2013 तक काम करता है

कला भवन, शांति निक्तन की; सीआईएमए आर्ट गैलरी, 2014 कोलकाता में
डिजाइन विभाग, कला भवन, विश्व भारती 2013 द्वारा आयोजित टेपेस्ट्री कार्यशाला में भाग लिया

अम्बरीश नंदनः

डिजाइन विभाग, कला भवन, विश्वभारती 2013 द्वारा आयोजित टेपेस्ट्री कार्यशाला में भाग लिया
नंदन आर्ट गैलरी, कला भवन, पर प्रिंट की ए समूह शो सतह के नीचे और बाद में सीआईएमए कला पर गैलरी, कोलकाता, -2013
(कला प्रदर्शनी) कलाभवन संकायों, ललित कला अकादमी, नई दिल्ली, 2013 को नई दिल्ली के एक सामूहिक दिखा।
पटना ललित कला अकादमी, पटना, बिहार, 2013 में कला भवन शिक्षकों समूह कला शो।
पर, कला परिवार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर समूह शो में भाग लिया
कला और संस्कृति, कोलकाता, 2014 बिरला अकादमी।
सोचा हैंगिंग शीर्षक से राष्ट्रीय स्तर समूह शो में भाग लिया,
2014 लखनऊ ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश, पर
विभाग, कला भवन, विश्व भारती चित्रकारी द्वारा आयोजित थंका चित्रकला कार्यशाला में भाग लिया,
संकाय विकास कार्यक्रम के तहत 17 मार्च से 27 मार्च 2014 को।
कला परिवार में प्रकाशित एक लेख (बंगाल की एक अद्वितीय दुर्गा प्रतिमा),
(कला और सौंदर्यशास्त्र-आईएसएसएन कोई 2249-0248 की एक अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका

प्रशांत साहूः

डीएलएफ औरअपसा कला द्वारा आयोजित डीएलएफ गुड़गांव में ए समूह शो, जीवन-2 के लिए कला ', नई दिल्ली-2013
अमल - कलाभवन संकायों, ललित कला अकादमी, नई दिल्ली, -2013 में 1 की एक यात्रा शो
2, बिहार ललित कला अकादमी, पटना -2014
अनुचित्रा कनटमपरोरी लघुचित्र, गंगा आर्ट गैलरी में एक समूह शो, कोलकाता-2013
सतह के नीचे प्रायोगिक एचिंग के एक समूह के शो संकाय सदस्यों द्वारा काम करता है
कला भवन, शांति निक्तन की; सीआईएमए आर्ट गैलरी में, कोलकाता-2013
नंदन आर्ट गैलरी में प्रिंट की प्रदर्शनी, कला भवन -2013
सेगरोम हे श्रमिक, गंगा आर्ट गैलरी में एक समूह शो, कोलकाता -2013
ओपन स्टूडियो दिवस ए समूह प्रदर्शनी और कलाकारों और दर्शकों के बीच विचार-विमर्श सत्र
प्रियाश्री आर्ट गैलरी में,-2013
भारतीय सिनेमा के 100 साल - सर्जन आर्ट गैलरी में एक समूह शो, 2014
गैलरी कला सर्द, जयपुर में संगम डेस आर्ट्स ए समूह दिखाएँ। -2013
आधुनिक और समकालीन भारतीय कला नीलामी स्प्रिंग-2013, उदात्त गैलेरिया द्वारा व्यवस्था एक समूह शो सह नीलामी और कला चटनी, पर बैंगलोर -2013
इंडिया टुडे, कोपेनहेगन कल, डेनमार्क दूतावास में एक मूर्ति समूह प्रदर्शनी, नई दिल्ली, संयुक्त रूप से आयोजित गैलरी स्पास, नई दिल्ली और गंगा आर्ट गैलरी, कोलकाता2013 तक
मेरे समुदाय में शामिल शिविर द्वीप, मुंबई में, सेठी व हर्ष 2013 द्वारा आयोजित
उत्तराखंड-201 के लिए कोष जुटाने के लिए इमामी छेनी आर्ट गैलरी कोलकाता में शिक्षकों -2013 समूह प्रदर्शनी के हिस्से के रूप में डिजाइन, कला भवन, विभाग द्वारा आयोजित वस्त्र कार्यशाला में भाग लिया
राज्य चारूकला प्रसाद 2014 कोलकाता में एक आमंत्रित कलाकार के रूप में भाग लिया

राजर्षि बिस्वास
इमामी छेनी कला, कोलकाता, 2013 में नानक गांगुली द्वारा 'निर्बाध मुठभेड़ों'।
कला संस्कृति एवं युवा, भारत सरकार के विभाग। बिहार प्रदर्शनी अमल, एक सामूहिक शो प्रस्तुत की के कलाभवन भारतीय नृत्य कला मंदिर, पटना, बिहार, 2013 में संकायों।
प्रैक्सिस ... कलाभवन की एक सामूहिक इठलाना कला कृतियों की एक प्रदर्शनी संकायों ललित कला अकादमी, रवींद्र भवन, नई दिल्ली, 2013 में।
'सतह के नीचे' प्रयोगात्मक एचिंग के एक समूह के शो काला के संकाय सदस्यों द्वारा काम करता है सीआईएमए गैलरी में भवन, कोलकाता, 2013।
थंका कार्यशाला और थंका चित्रकला पर व्याख्यान प्रदर्शन, कलाकार पेमा में भाग लिया भूटिया, 2014/03/17 to27.03.2014।

शेख शाहजहाँ
ललित कला अकादमी, नई दिल्ली, 2013 में कला भवन संकायों के एक सामूहिक इठलाना और बाद में पटना ललित कला अकादमी में।
कला कोलकाता, -2014 द्वारा आयोजित 1 वार्षिक प्रदर्शनी 2014 समकालीन भारतीय कला।
शिक्षकों के हिस्से के रूप में, डिजाइन, कला भवन विभाग द्वारा आयोजित वस्त्र कार्यशाला में भाग लिया कार्यशाला -2013।
सीआईएमए आर्ट गैलरी, कोलकाता, -2013 में सतह के नीचे।

धारित्री बोरो
प्रदर्शन, कोलकाता इंटरनेशनल प्रदर्शन कला महोत्सव 13 के तहत एक सार्वजनिक डोमेन पर 'Load- अनलोड', कोलकाता, 2013
बुक कवर शीर्षक टुपोआइंट 2013 दिव्या ज्योति हजारा ने कविता की किताब
डिजाइन विभाग, कला भवन, विश्वभारती सितंबर 2013 द्वारा आयोजित टेपेस्ट्री कार्यशाला में भाग लिया
अभ्यास ... .., 2013 ललित कला अकादमी नई दिल्ली में कलाभवन संकायों की एक सामूहिक इठलाना और बाद में पटना ललित कला अकादमी में्।
2013 जयपुर कला महोत्सव, राजस्थान, के साथ सहयोग में, ललित कला अकादमी द्वारा आयोजित जयपुर अंतरराष्ट्रीय कला महोत्सव,

विभाग में परियोजनाओं के लिए अनुसंधान :
लोक लेटो संगीत की रिसर्च प्रलेखन और बीरभूम 2013-14 के प्रदर्शन की परंपरा
संचयन घोष द्वारा समन्वित
2013 विभाग कलाभवन पेंटिंग में केरल भित्ति चित्र की तकनीक के दस्तावेजों के डिजिटलीकरण
प्रो. नंददुलाल मुखर्जी, अम्बरीश नंदन।

विस्तार गतिविधियाँ
ए) नंदन मेला गतिविधियों - 2013।
स्थानीय संयंत्र और पेड़, नवंबर 2013 के तंतुओं की खोज कागज बनाने पर चित्रकारी विभाग द्वारा एक परियोजना।
लाकुअर खिलौना बनाने कार्यशाला
सारा पेंटिंग कार्यशाला
मीनाकारी पेंटिंग कार्यशाला
तामचीनी कागज वजन
मास्क, बधाई कार्ड, स्टीकर बनाने कार्यशाला

सिल्क स्क्रॉल और रिवर्स पेंटिंग कार्यशाला।
ड्राइंग और कैलेंडर डिजाइनिंग

नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या विभाग द्वारा शुरू की किसी भी अन्य शिक्षण नवाचारों डिजाइनिंग

इंटरेक्टिव मीडिया अभ्यास पर बुनियादी ज्ञान
परिचय वीडियो कला (प्रकाश की खोज के विचारों के साथ वृत्तचित्र आधारित डिजिटल संपादन)

विकास के लिए भविष्य की योजनाओं का एक संकेत के साथ संबंध भवन / सदन / विभाग के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास

चित्रकारी विभाग, कलाभवन भारत में आधुनिक कला अभ्यास का एक वैकल्पिक केंद्र के रूप में नंदलाल बोस द्वारा शुरू किया गया था। तब से यह परंपरा और समकालीन कला अभ्यास के साथ एक करीबी संपर्क पर आधारित है कि एक शैक्षणिक अभ्यास को बनाए रखा है। विभाग आधुनिकता सामान्य में और विशेष रूप से यूरोप में भारत और एशिया में पारंपरिक कला अभ्यास के साथ निकट संपर्क रखने का विचार करने के लिए एक प्रासंगिक दृष्टिकोण का पता लगाया गया है। इसके दीक्षा से, सुलेख, पुस्तक पेंटिंग, भारतीय लघु और विभिन्न अन्य भित्ति तकनीकों के सुदूर पूर्वी तकनीक के छात्रों के लिए शुरू की जा रही हैं। यह कला गतिविधि के लिए एक महत्वपूर्ण और प्रयोगात्मक दृष्टिकोण उत्पन्न किया है कि भारत में केवल केंद्र रहा है।

वर्तमान समय में कला की दुनिया तेजी से वैश्वीकरण और समकालीन कला अभ्यास की उम्र में नया संचार प्रणालियों के उद्भव के साथ बदल गया है भी समकालीन दृश्य संस्कृति से नए नवाचारों की कामचलाऊ व्यवस्था सहित हस्ताक्षर करने की नई प्रणाली विकसित हुआ।

इस संबंध में विभाग सेमेस्टर प्रणाली शुरू की है और तरीकों और विचारों के लिए एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण के संदर्भ में अंतर-अनुशासनात्मक कला गतिविधि के लिए ध्यान केंद्रित करने देने के कला शिक्षण के नए तरीकों को लागू किया है। नए तरीके और नए मीडिया की तरह सामग्री का परिचय, पाठ्यक्रम में स्थापना गतिशील प्रयोगों और अभिनव प्रथाओं पैदा कर रहा है, जो विभाग में एक नया माहौल पैदा हो गया है।

छात्रों प्रस्तुतियों और व्याख्यान प्रदर्शनों देने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से नियमित रूप से आमंत्रित विशेषज्ञों ने दुनिया भर से कलाकारों, कला इतिहासकारों और कला आलोचकों अभ्यास के साथ बातचीत करने के लिए विभाग के सुनहरे अवसर पैदा कर रही है।

ऑस्ट्रेलिया, पोलैंड, हॉलैंड, ब्रिटेन, जापान, बांग्लादेश से पिछले एक वर्ष के विशेषज्ञों में विभाग का दौरा किया और छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ अपने अनुभव को साझा किया है। विभाग की वर्तमान फोकस दृश्य अनुप्रयोगों के कई रूपों के लिए एक ओपन एंडेड दृष्टिकोण पैदा करते हैं और छात्रों के कलात्मक अभिव्यक्ति के नए क्षेत्रों को प्रतिबिंबित करने के लिए अभिनव में संलग्न करने के लिए अवसर प्रदान करना है।

विभागीय पुस्तकालय के विवरण में ब्यौरे: कला भवन प्रोफाइल के साथ संलग्न।

विभाग के प्रमुख की राय में लायक रिपोर्टिंग है जो किसी भी अन्य प्रासंगिक जानकारी, शामिल किया जाना चाहिए।

2013-14 में छात्र की गतिविधि
क) राष्ट्रीय छात्रवृत्ति (2013-15)
1. चंदन श्रीवास्तव
2. विप्रना विज्ञनकर
ख) ऊंट कला पुरस्कार 2013।
1. मिथुन दास
ग) भारत -2013 स्टेट बैंक द्वारा आयोजित कला शिविर में भाग लिया।
1. सुजॉय मलकर

2. सिम चुमवाग
3. शुरोजित विश्वास
4. अपरनिता दासगुप्ता
5. रेखा पांडा
6. अनिमेष मैती
घ) एलिजाबेथ ग्रीन शील्ड पुरस्कार, कनाडा
1. संपति मंडल
ई) कला बिरला अकादमी और संस्कृति पुरस्कार 2014
1. मिथुन दास
च) इमामी छेनी कला वार्षिक प्रदर्शनी पुरस्कार
1. तारक नाथ दास
2. शुरोजित बिस्वास
छ) अंतरराष्ट्रीय कला रेजीडेंसी कार्यक्रमः

एमएफए की सुजॉय मलकर छात्र दरार, युवा कलाकार रेजीडेंसी कार्यक्रम द्वारा आयोजित कलाकार रेजीडेंसी कार्यक्रम में भाग लेने के लिए बांग्लादेश का दौरा किया।

ज) भाग लिया और गुजरात राज्य सरकार द्वारा आयोजित गुजरात कला महोत्सव में सम्मानित किया एमएफए चित्रकारी, से सुरोजित बिस्वास

निष्पक्ष ललित कला (नंदन मेला) के अवसर पर सभी शिक्षकों और चित्रकला विभाग के छात्रों को सक्रिय रूप से भाग लिया और इस तरह के आदि चित्रित कैलेंडर, मिट्टी के खिलौने, व्यक्तिगत चित्रों, मीनाकारी पेंटिंग, प्रदर्शन के रूप में काम करता है कला की एक विशाल विविधता का उत्पादन।

लेखचित्र कला विभाग

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तरीय सम्मेलन / सेमीनार / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि में उपस्थित हुए शिक्षकों / शोधकर्ता पात्र का विवरण :

निर्मलेन्दु दास

प्रदर्शनी

1. निजी से जनसाधारण, जीवन पद्धति तक दुगने उत्साह से 2012 में नन्दन मार्ट गैलेरी और जे एन यू नई दिल्ली में प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
2. मल्टीप्ले इनकाउन्टर द्वितीय संस्करण 2012 के नाम से इन्डो-यू एस ए प्रिन्ट में किंग प्रदर्शनी किया गया।
3. बंगाल का श्रेष्ठ छापने वाला चित्रक गलेरी. ढाका, बांग्लादेश-2012
4. रविन्द्रनाथ टैगोर का 150वां वर्ष गाठ, छपाई प्रदर्शनी मौरीटीयल और शांति निकेतन के चुने हुए कलाकारों का चित्रकला और पेन्टीज - आर टी आई मोरिटियल-2012

कार्यशाला-

1. प्रिन्ट मेकिंग कैम्प, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार और ग्राफिक आर्ट विभाग, कला भवन, शान्ति निकेतन, विश्व भारती द्वारा संयुक्त रूप से 2012 में आयोजित किया गया।

प्रकाशन :

1 मल्टी प्ले इनकाउन्टर द्वितीय संस्करण इनडो यूएल में प्रिंट मेकिंग प्रदर्शनी, निर्मलेन्दु दास और सन्तकार पीपी 22-27 में बातचीत के बाद सनरीता भोवाल आर्टीकल का नई दिल्ली में सम्पादन करना।

2. कृष्णा रेड्डी, संग्रहालयाध्यक्ष का जीता जागता छवि, निर्मलेन्दु दास द्वारा आर्टिकल रूबिना कारोडे, भारतीय प्रिंटमेकिंग के इति हास में कृ,्णआ रेडी - आईजीएनसीए- नई दिल्ली

अन्य -

1. आर्ट और सौन्दर्य शास्त्र संबंधी बोर्ड आर्ट फेमली और अन्तर्राष्ट्रीय जरनल का यूपी आईएलएलएन न. 22490248।
2. रवीन्द्रनाथ टैगोर के 150वां जन्मशताब्दी पर नेशनल गैलेरी का गार्डन और समकालीन आई रोग-इटली 2012 में कीर्तिगान का प्रदर्शनी।
3. वर्दमान विश्वविद्यालय 2012 के यूजीसी द्वारा दिये गये कैरियर निरस्तीकरण या कला और व्यवहार पर पारस्परिक कार्यक्रम- सीएडी।
4. नरेसुन विश्वविद्यालय थाईलैंड 2012 में आर्ट और डिजाइन पर आरमान प्रदर्शन।

पिन्की बरुआ

प्रदर्शनी

कार्यशाला

1. प्रिन्टमेकिंग कैम्प कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार और ग्राफिक आर्ट विभाग, कला भवन, शान्ति निकेतन, विश्व भारती द्वारा संयुक्त रूप से 2012 में आयोजित किया गया।

अजीत सील

प्रदर्शनी

1. मल्ीप्ले इनका इन्टर द्वीय संस्करण 2012 के नाम से इन्डो यूएसए प्रिन्टमेकिंग प्रदर्शनी किया गया।
2. सीआईएनए आर्टगैलेरी कोलकाता में कला मेला 2012

कार्यशाला

1. ललित कला एकाडमी क्षेत्रीय केन्द्र, भुवनेश्वर, उडीसा-2013 में प्रिन्टमेकिंग कार्यशाला।

2. प्लैरोग्राफी पर एसएन स्कूल हैदराबाद विश्वविद्यालय, फानि आर्ट विभागः 2012 में योग्यता कार्यक्रम आमंत्रित।
3. 35वाँ उडीसा आर्ट प्रदर्शनी स्टेट ललित कला एकाडमी 2012 में निर्णायक समिति के लिए आमंत्रित।
4. प्रिंटमेकिंग कैम्प, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार और ग्राफीक आर्ट विभाग कला भवन, शान्ति निकेतन विस्वभारती द्वारा संयुक्त रूप से 2012 में आयोजित किया गया।
5. इमामी चिसेल द्वारा कोलकाता 2012 में आर्ट मेला का आयोजन।

अर्पण मुखर्जी

प्रदर्शनी

1. गैलेरी 88 कोलकाता द्वारा समर सो का आयोजन।
2. रवीन्द्रनाथ टैगोर का 150वां वर्षगाठ, छपाई, प्रदर्शनी मौरीटीयस और शांतिनिकेतन के चुने हुए कलाकारों का चित्रकला और पेंटींग आरटीआई मोरिटीयस-2012
3. हिंसा पर सरकारी रूप से प्रदर्शन कला और सौन्दर्य शास्त्र और कला का स्कूल, जे.एन यू, नई दिल्ली।
4. आईसीसीआर एण्ड एलएफ कोलम्बो, श्रीलंका द्वारा आयोजित "चारोध्याय" एक सहकारी प्रदर्शन।
5. 'गम विक्रोमेट' सहकारी प्रदर्शनी का गम प्रिंट्स सहकारी द्वारा पी मधुवन / गोवा - कप, तमिल, बैंग्लोर।
6. नन्दन आर्ट गैलेरी, कला भवन, शांति निकेतन में सहकारिता विकासन वार्षइक फोटोग्राफी प्रदर्शनी - 2013

कार्यशाला

1. कल्चर विभाग, विहार सरकार, शांतिनिकेतन द्वारा प्रिंट मेकिंग कार्यशाला का आयोजन।
2. ललित कला एकाडेमी, भोपाल द्वारा फोटोग्राफि कार्यशाला का आयोजन।
3. गोवा-कप एन्टलैव, गोवा द्वारा अल्टरनेटींग फोटोग्राफी प्रिंचमेकिंग कार्यशाला का आयोजन किया।

संग्रह :

1) ललित कला एकाडमी, भुवनेश्वर
2. गोवा-कप, अल्ट लेस, गोवा

पुलक दत्ता

कार्यशाला

1. प्रिंटमेकिंग कैम्प, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार और ग्राफीक आर्ट विभाग, कला भवन, शान्तिनिकेतन, विश्वभारती द्वारा संयुक्त रूप से 2012 में आयोजित किया गया।

सलिल साहनी

प्रदर्शनी

1. मल्टीप्ले इनकाउन्टर द्वितीय संस्करण 2012 के नाम से इनडो-यू एस ए प्रिन्टमेकिंग प्रदर्शनी किया गया।

कार्यशाला :

1. प्रिंटमेकिंग कैम्प कला संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार और ग्राफीक आर्ट विभाग कला भवन, शान्ति निकेतन, विश्वभारती द्वारा संयुक्त रूप से 2012 में आयोजित किया गया।
2. इमामी लिसेल द्वारा कोलकाता 2012 में आर्ट मेला का आयोजन

उत्तम कुमार बसाक

प्रदर्शनी

1. यूनाइटेड आर्ट मेला, नई दिल्ली-2012
2. इनडो- यूएसए प्रिंटमेकिंग प्रदर्शनी शीर्षक के अन्तर्गत मल्टीप्ले इनकाउन्टर द्वितीय संस्करण-2012
3. इमामी विसेल द्वारा आयोजित आर्ट मेला कोलकाता 2012 में इटचित्र कार्यशाला 5 सितम्बर से 11 सितम्बर 2012 तक जिसमें कला भवन का सम्मानित सदस्य भाग लिये।

4. इटचिंग कार्यशाला का आयोजन नन्दा गैलेरी में 27 नवम्बर 2012 से ग्रुप सी में सम्मिलित।
5. बंगाल के चित्रक गैलेरी, ढ़ाका, बांग्लादेश 2012 के श्रेष्ठ प्रिंचमेकर।

कार्यशाला

1.सभी भारतीय सिनीयर आर्टीस्ट कैम्प का एआईएफएसीएल द्वारानई दिल्ली 2013 आयोजित
2. क्षेत्रीय प्रिंटमेकिंग कैम्प शांतिनिकेतन, प.बंगाल के कोलकाता एकेडमी कोलकाता में आयोजित।
3. प्रिंटमेकिंग कैम्प, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार और ग्रापीक आर्ट विभाग, कला भवन, शान्तीनिकेतन, विश्वभारती द्वारा संयुक्त रूप से 2012 में आयोजित किया गया।

संग्रह

1. 2013 में ललित कला एकाडमी, नई दिल्ली

एम. थोमस सिंह

प्रदर्शनी

1. दिल्ली, नगई, चेन्नई, पश्चिम बंगाल आदि में समूह प्रदर्शन।

कार्यशाला

1. पूर्वी क्षेत्र के कालकाता में आरएलकेके द्वारा प्रिंटमेकिंग कार्यशाला का आयोजन -2001
2. प्रिंटमेकिंग कैम्प, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार और ग्राफीक आर्ट विभाग कला भवन शांति निकेतन विश्व भारती द्वारा संयुक्त रूप से 2012 में आयोजित किया गया।
3. कला मेला का आयोजन कोलकाता में इमामी विसेल द्वारा 2012 में किया गया. बंगाल फिल्म आर्ट कॉलेज द्वारा यूजीसी के सहयोग से बंगाल के सभी शिक्षकों / विश्वविद्यालयों में पेन्टींग कार्यशाला का आयोजन 2009 में किया गया।

प्रशान्त फिरांगी

कार्यशाला

1. एमएमके कालेज भीजुवल आर्ट गुलबर्गा, कर्नाटक में एलुमनी कैम्प 2012
2. राष्ट्रीय स्तर सेमीनार में गुलबर्गा विश्वविद्यालय, कर्नाटक में 2012 में भाग लिया।

कला इतिहास विभाग

विभाग का नाम : और प्रोफार्मा 2 के अनुसार विस्तृत जानकारी संलग्न : कला का इतिहास विभाग
छात्रओं के नाम जो यूपीजी /जीएसआईआर/ नेट /स्टेल/गेट परीक्षा में योग्यता प्राप्त किया है : श्रीताबा हालदर (यूजीसी-नेट)

विभागीय संगोष्ठी (वक्ताओं, संगोष्ठी का शीर्षक, दिनांक)

व्याख्यान : 1. डॉ. अशोक कुमार दास, मुगल जेड्स 12 जुलाई 2013

2. डॉ. अशोक कुमार दास, मुगल मूर्तिकला 13 जुलाई 2013

3. प्रो. हुआन होंग (गुआंग झो विश्व विद्यालय) क्लिनींग्स में चित्रकारी , कट्टरपंथिया और व्यक्तिवाद

4. प्रो. हुआन होंग, आधुनिकयुक्त में चीनी चित्रकारी एक क्रान्ति 12 नवम्बर 2013

केवल राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन /संगोष्ठई/कार्यशाला प्रदर्शनी आदि में भाग लेने वाले शिक्षकों एवं अनुसंधान विद्वानो का विवरण :

आर. शिवकुमार

प्रथम गम वर्गा स्मारक व्याख्यान - रवि वर्मा स्कूल ऑफ फाइन आर्ट्स मवेलिकरा, 13 अगस्त 2013

आकार प्रकार गैलरी कोलकाता अपने कार्य के प्रदर्शनी के साथ संयोजित राम किंकर पर व्याख्यान - 23 अक्टूबर 2013

नन्दलाल बोस के साथ भारतीय कला पर वार्ता : 29वाँ आनन्द कुमार स्वामी स्मारक व्याख्यान, छत्रपति शिवाजी महाराज वस्तु संग्रहालय मुम्बई 13 नवम्बर 2013.

रवीन्द्र नाथ टैगोर के साथ दुनिया का सामना 14 नवम्बर 2013

'आधुनिकता केसाथ रामकिंकर बैज, शांति निक्तेन और उसकी भेंट,' कोचीन में केंद्रीय ललित कला अकादमी द्वारा आयोजित व्याख्यान, 16 नवंबर 2013।

सत्र, कोलकाता लिटरेरी फेस्टिवल, कोलकाता 'कला में एक लाइफ', 29 जनवरी 2014।

'रवीन्द्रनाथ केशिक्षा दर्शन और शांति निक्तेन में कला शिक्षाशास्त्र', सुनार कॉलेज, लंदन केसहयोग से अंतर्राष्ट्रीय दृश्य कला संस्थान, और डच कला संस्थान, शांति निक्तेन फ़रवरी 2 पर एक टैगोर अनुसंधान परियोजना पर काम कर रहे एक शोध समूह केलिए दिया व्याख्यान। 2014।

अरविंदनाथ और रवीन्द्रनाथः सहभागिता', अंतर्राष्ट्रीय रवीन्द्रनाथ पर संगोष्ठी एवं स्थानीय / ग्लोबल हस्तियों केसाथ अपनी मुलाकातों, विश्व भारती, शांति निक्तेन, 2014 21-24 मार्च

शौमिक नंदी मजुमदार

कला की प्रशंसा कार्यक्रम, कोलकाता, 5 और 6 सितंबर 2013 - 'आधुनिक पि चमी कला केक्षेत्र में विकास' पर दो सचित्र व्याख्यान दिया।

बांग्ला अकादमी, कोलकाता, 16 सितंबर 2013 में आयोजित बंगाल और पोस्ट आधुनिकता की पारंपरिक कला हकदार एक सेमिनार में 'बंगाल पोस्ट-आधुनिकता केसंक्त' पर एक पत्र वितरित'- समय केसाथ खेलने से भारतीय लोक कला', इमामी चिसेल कला, कोलकाता, 21 दिसंबर, 2013 पर एक व्याख्यान-प्रस्तुति वितरित

स्वदेशी कला के रू-बरू पर विचार बदलने पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'लोक कला की दुनिया को बदलने' शीर्षक से एक व्याख्यान-प्रस्तुति वितरित

ललित कला संकाय, एमएस विश्वविद्यालय, बड़ौदा में ललित कला लखनऊ द्वारा आयोजित वर्तमान कला साधना के संदर्भ, 21 फ़रवरी 2014।

रिसभ गांधार नाजारी

ललित-कला अकादमी नई दिल्ली और पटना अक्टूबर 2013- जनवरी 2014 में आयोजित कला भवन संकाय सदस्यों ने कला 'अमल' में भाग लिया।

शिक्षकों / विद्वानों या (डीएसए या कैस आदि के रूप में मान्यता) की तरह एक पूरे के रूप में विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक भेदः

आर शिव कुमार

दरबार हॉल, एर्नाकुलम, 11-25 अगस्त 2013 में वढेरा गैलरी द्वारा आयोजित 1964 -2013 से चयनित काम करता हैः ए.रामचंद्रण प्रदर्शनी क्यूरेट।

वर्ष 2014 के अप्रैल 2013 से मार्च के भीतर प्रकाशन

आर शिव कुमार

पुस्तकः

13 अगस्त 2013 सबसे पहले राम वर्मा मेमोरियल लेक्चर, ललित कला, मवेलीकारा लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के रवि वर्मा स्कूल।

आकार गैलरी, कोलकाता, 23 अक्टूबर 2013 में अपने काम करता है की प्रदर्शनी के साथ संयोजन के रूप में व्याख्यान।

29 आनंद कुमारस्वामी मेमोरियल व्याख्यान, छत्रपति शिवाजी महाराज वास्तु संग्रहालय, मुंबई, 13 नवंबर 2013 'नंदलाल बोस के साथ भारतीय कला वार्ता'।

29 आनंद कुमारस्वामी मेमोरियल व्याख्यान, छत्रपति शिवाजी महाराज वास्तु संग्रहालय, मुंबई, 14 नवंबर 2013 'रवींद्रनाथ टैगोर के साथ दुनिया का सामना'।

'आधुनिकता के साथ रामकिंकर बैज, शांति निकेतन और उसकी भेंट,' कोचीन में केंद्रीय ललित कला अकादमी द्वारा आयोजित व्याख्यान, 16 नवंबर 2013्।

सत्र, कोलकाता लिटरेरी फेस्टिवल, कोलकाता 'कला में एक लाइफ', 29 जनवरी 2014्।

'रवीन्द्रनाथ के शिक्षा दर्शन और शांति निकेतन में कला शिक्षाशास्त्र', सुनार कॉलेज, लंदन के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय दृश्य कला संस्थान, और अरहनीम में डच कला संस्थान, शांति निकेतन फ़रवरी 2 पर एक टैगोर अनुसंधान परियोजना पर काम कर रहे एक शोध समूह के लिए दिया व्याख्यान । 2014्।

अरविंदनाथ और रवीन्द्रनाथः सहभागिता', अंतर्राष्ट्रीय रवीन्द्रनाथ पर संगोष्ठी एवं स्थानीय / ग्लोबल हस्तियों के साथ अपनी मुलाकातों, विश्व भारती, शांति निकेतन, 2014 21-24 मार्च

सौमिक नंदी मजूमदार

कला की प्रशंसा कार्यक्रम,कोलकाता, 5 और 6 सितंबर 2013 - 'आधुनिक पश्चिमी कला के क्षेत्र में विकास' पर दो सचित्र व्याख्यान दिया।

बांग्ला अकादमी, कोलकाता, 16 सितंबर 2013 में आयोजित बंगाल और पोस्ट आधुनिकता की पारंपरिक कला हकदार एक सेमिनार में 'बंगाल पोस्ट-आधुनिकता के संकेत' पर एक पत्र वितरित'- समय के साथ खेलने से भारतीय लोक कला', इमामी कला, कोलकाता, 21 दिसंबर, 2013 पर एक व्याख्यान-प्रस्तुति वितरित

प्रकाशन (अप्रैल 2013 से मार्च 2014)

आर शिव कुमार

पुस्तकः

ए रामचंद्रनः 1964-2013 से काम करता है, वढेरा आर्ट गैलरी, नई दिल्ली, 2013 978-93-80001-63-0

आलेख :

बौहास इन कोलकाता। एइने बेगेगनूंग कॉस्मोपॉलीटीसचर एवेन्ट गार्डेन बौहास एडिशन 36, हाट्र्स कान्ट्स वेरिआग ओस्टीफिलडर्न 2013, पीपी 111-118, आईएसबीएन 978-377573656-5

ए प्लेफुल एंड पोयेटिक विजन मैथॉलॉजिक गैलरी-88, कोलकाता एंड प्रोजेक्ट 88 मुंबई दिसम्बर 2014

लार्डलेट ईच डे माइंड फेस्टिबल सेलिबरेशन ए कन्वर्शेसन आर. शिवाकुमार और के.जी सुब्रमण्यम के मध्य, के.जी. सुब्रमण्यम : न्यू वर्क, सिगुल फाउंडेशन फॉर आर्ट कोलकाता फरवरी 2014

सौमिक नंदी मजूमदार

सुकुमार राय ग्रंथचित्रण 1778 ग्रंथचित्रा , खंड 1, नंबर 1, कोलकाता, दिसंबर 2013, (14871/25 / 1/2013 टीसी)

सूची लिखने के बिस्वजीत दास गुप्ता, जनवरी, 2014

अंशुमान दास गुप्ता

लेखः

क्यूरेटरः के एक दर्शन (ईडी जीन पॉल), निबंधः मेंः और क्यूरेटर की दिशा में प्रारंभिक नोट्स, ब्लूम्सबरी शैक्षणिक 2013 तक प्रकाशित होने के लिए

http://www.amazon.com/The-Curatorial-A-Philosophy-Curating/dp/1472525604

आई-10: 1472525604, आई-13: 978-1472525604

अंतरराष्ट्रीय दृश्य कला संस्थान, 2014 को लंदन में जनवरी में प्रकाशित एक बात का टेप

मेघाली गोस्वामी

गोस्वामी, एमः (2013) निरमालेंदु दास; दृश्य कला खंड 13 दुनिया में एक कीमियागर, काला अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 26

गोस्वामी एम; (2013) 27 जनक झंकार, दृश्य कला खंड 14 का काला इंटरनेशनल जर्नल के साथ बातचीत।

गोस्वामी, एम फोटोग्राफ़ी फोकस करने के लिए कहां आर्ट एंड डील अंक 61 खंड 9, जुलाई 2013

अक्टूबर 24 से 30, 2013 ललित-कला अकादमी नई दिल्ली में आयोजित कला भवन संकाय सदस्यों ने कला 'अमल' समन्वित

ललित-कला अकादमी पटना, जनवरी 2014 में आयोजित कला भवन संकाय सदस्यों ने कला 'अमल' समन्वय किया।

चित्रकारी की भाग लिया राष्ट्रीय शिविर, पटना ललित कला अकादमी, 2014

गोस्वामी, एम, अजीत सील काला इंटरनेशनल जर्नल, 2014 जयपुर के प्रिंट बनाने मुहावरा, मार्ग और परिवेश

नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या विभाग द्वारा शुरू की किसी भी अन्य शिक्षण नवाचार डिजाइनिंगः

पाठ्यक्रमों और कार्यक्रमों संशोधित और अद्यतन

विकास के भविष्य की योजना का एक संकेत के साथ संबंध भवन / सदन / विभाग के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहासः

कला के इतिहास विभाग, कला भवन, अपनी स्थापना के बाद संस्था के शिक्षण कार्यक्रम का हिस्सा था कि अनौपचारिक कला विचार विमर्श की एक लंबी परंपरा से बाहर हो गया। यह संकाय को मजबूत किया गया था और कला इतिहास में विशेषज्ञता के स्नातक स्तर पर शुरू की 1960 और 1970 में 1957 में शिक्षा और परीक्षा का औपचारिक विषय बन गया। कला इतिहास में पोस्ट ग्रेजुएशन 1979 में पेश किया गया था और उसके बाद से विभाग के कला संस्थानों के भारत में और विदेशों में अध्यापन कर रहे हैं, जिनमें से कई युवा कला इतिहासकारों,

की एक छोटी लेकिन अच्छी तरह से मान्यता प्राप्त समूह का उत्पादन किया गया।

वर्तमान में यह पहले से ही सहकर्मी मान्यता प्राप्त की है और उनके लेखन के माध्यम से भारतीय कला परिदृश्य पर एक निशान बना दिया है, जो अपेक्षाकृत युवा कला इतिहासकारों के एक संकाय है। संकाय से 19 वीं और 20 वीं सदी कला और स्थानीय परंपराओं के अध्ययन में विशेष रूप से मजबूत है। विभाग अपने संसाधनों और पहल के माध्यम से एक अभिलेखीय प्रलेखन का निर्माण करने की कोशिश कर रहा है, और एक संपूर्ण कला इतिहास संसाधन केन्द्र में इसे विकसित करने का इरादा रखता दिया गया है।

विभागीय लाइब्रेरी का विस्तार से विवरणः यूजीसी द्वारा वांछित के रूप में हर कॉलम भरा जाना चाहिए कृपया ध्यान दें कि कोई विभागीय पुस्तकालय वर्तमान में नहीं है; कला भवन पुस्तकालय सभी विभागों के लिए आम है। कलाभवन वार्षिक रिपोर्ट देखें।

नन्दन संग्रहालय

कला वस्तु के डिजिटलीकरण / प्रलेखन: 1683
परिग्रहण और कला वस्तु का प्रलेखन (मजबूत कमरे 1): 2206
परिग्रहण और कला वस्तुओं की डॉक्युमेंटेशन (मजबूत कमरे 2): 0302
कला वस्तुओं के निवारक और उपचारात्मक संरक्षण
धूनी और यांत्रिक सफाई: 460
उपचारात्मक संरक्षण: 025
एसिड मुक्त माउंट बोर्ड के साथ बढ़ते: 247
टिका की माइनर मरम्मत एवं फिक्सिंग: 072
बढ़ते और प्रदर्शनी के लिए तैयार: 102
कीट और कीट नियंत्रण प्रबंधन: 003
(मजबूत कमरे और संग्रहालय परिसर)
विशेष सेवाओं के लिए दिया
प्रो भारती रे, कोलकाता
श्रीमती सुप्रिया रॉय, शांतिनिक्तन
प्रो सोनल खुल्लर, वाशिंगटन, संयुक्त राज्य अमरीका के विश्वविद्यालय
माईकल ग्लीक्शन, आस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी
रबी बिस्वास, शांतिनिक्तन
मनीन्द्र गुप्ता, कोलकाता
पल्लव कीर्तनिया कोलकाता
प्रो निसार हुसैन, ढाका, बांग्ला देश
वी आर वैसवी पीरामल आर्ट फाउंडेशन, चेन्नई
प्रियब्रत देब, कोलकाता
प्रो आर शिवकुमार, शांतिनिक्तन
अर्कप्रभा बोस, शांतिनिक्तन
अमिताभ भट्टाचार्य, मौलाना अबुल कलाम आजाद संस्थान, कोलकाता
पलाक्षी दास, कलाभवन, शांतिनिक्तन
बालक चौड़ी कलाभवन, शांतिनिक्तन
विशिष्ट आगंतुक
सिद्धार्थ टैगोर, नई दिल्ली
इरीना के. बासकीरोहा कोलकाता में रूसी संघ के महावाणिज्य, मेक्सिको
श्री दीपक रे, मस्कट
मार्टिन हेलर
महेश नैथानी, न्यूयॉर्क
शवी अहमद, पुरालेख, हांगकांग
हान गिल सूर्य, कला, कोरिया के जेजू संग्रहालय
डॉ जिनि ओपेनसाउ स्कॉटलैंड, ब्रिटेन

अन्स्र्ट डब्ल्यू कोयलनासपारचार
डॉ वेरना वेलवेट ऑस्ट्रेलिया
माइकल ब्राउडी न्यूयॉर्क
श्री फेवरिस एथिनी, कोलकाता में फ्रांस के महावाणिज्य
उर्सुला राब, सद्भावना हिमालयन इंस्टिट्यूट और लिविंग एथिक्स, कलिम्पोंग
प्रो आनंद रूप रे, संयुक्त राज्य अमेरिका
शैलेश पारेख, गांधी नगर, अहमदाबाद
डॉ अशोक दास और श्यामली दास, शांति निक्तेन

विशेष प्रदर्शनी एवं नंदन गैलरी, कला भवन संग्रहालय में अन्य गतिविधियों

11 मई 2013 1929, ईओ होप्स के शांतिनिक्तेनः- विक्टोरिया मेमोरियल, कोलकाता से फोटो
16 जुलाई 2013 - वस्त्र, ढाका, बांग्लादेश की प्रदर्शनी
2 अगस्त 2013 - भास्कर मुखर्जी, कोलकाता की कलाकृतियों की प्रदर्शनी
लकड़ी कट प्रिंट, रानी चंदा - 17 अगस्त 2013
6 सितंबर 2013 - विश्वभारती, श्रीनिक्तेन की वार्षिक प्रदर्शनी
15 नवंबर 2013 - फोटोग्राफी, युवा एसोसिएशन, कोलकाता की प्रदर्शनी
22 नवंबर 2013 - लकड़ी कट प्रिंट और सुलेखन का काम है, सीएडी, बर्दवान की प्रदर्शनी
29 नवंबर 2013 - गगनेन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा चित्र के 100 साल
6 दिसंबर 2013 - पाठभवन, विश्वभारती, शांतिनिक्तेन की वार्षिक प्रदर्शनी
चित्र और प्रिंट्स, कोलकाता - 13 दिसंबर 2013
'लोकतंत्रः - 15 फ़रवरी 2014 अमित मुखर्जी
28 फ़रवरी 2014 - निकोलाई और गोर्की सदन, कोलकाता की पेंटिंग्स

संगीत भवन

रवींद्र संगीत, नृत्य व नाटक विभाग

विभागीय संगोष्ठी (वक्ताओं, संगोष्ठी का शीर्षक, दिनांक)

21-22 जून, 2013, भारतीय शास्त्रीय संगीत के सौंदर्यशास्त्र पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

प्रो इंद्राणी मुखोपाध्याय, मणिलाल नाग, प्रो अरुण बसु, प्रो कबेरी कार, प्रो मोहन सिंह, शंकरलाल भट्टाचार्य, प्रो सितांशु राय, प्रो तापती मुखोपाध्याय अवसर पर बात की थी। पीटी द्वारा सितार वादन। मणिलाल नाग, मीता नाग, गायन वादन, पं द्वारा प्रदर्शन व्याख्यान। दालचंद शर्मा, पूर्णिमा सेन ने पंडित गोविन्द बसु, गायन वादन से तबला पर व्याख्यान इस संगोष्ठी का आकर्षण जोड़ा गया था।

29-31 अगस्त 2013, रवीन्द्रनाथ बांग्ला पर राष्ट्रीय संगोष्ठीः अतुल प्रसाद, दिलीप कुमार और नजरूल।

प्रो अरुण बसु, श्री देबाशीष रायचौधरी, श्री पंकज साहा, श्री गौतम घोषाल श्रीमती सभा गायन वादन को संबोधित किया। प्रो स्वस्तिक मुखोपाध्याय ने अपर्णा मजूमदार और रवींद्र संगीत गायन दर्शकों उत्साहित। श्री अपूर्बा बिस्वास, श्रीमती नुपुरछंदा घोष, श्री दिलीप कुमार रे, श्रीमती शिखा बसु, श्री देबासीस बसु, श्रीमती अर्चना भौमिक और श्रीमती। माइत्रेयी मजूमदार ने भाग लिया।

11-12 सितम्बर, 2013, 'रवींद्र संगीत भवन' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

जिसे उपयुक्त संगीत भवन के शिक्षकों और छात्रों के संगीत गायन के द्वारा समर्थित है, 'रवींद्रनाथ में पता चला रवीन्द्रनाथ, विज्ञान के दर्शन की शिक्षा और पर्यावरण चेतना' प्रो सुशांत दत्तागुप्ता, वाइस चांसलर विश्वभारती पर एक विद्वानों प्रस्तुति दी। श्रीमती। पुरवी मुखोपाध्याय, प्रो अल्पना रे, प्रो मोहन सिंह खंगूरा, प्रो सितांशु राय, प्रो करुणासिंधु दास, श्री द्विजेन मुखोपाध्याय और दूसरों संगोष्ठी में अपने प्रस्तुतीकरण किया।

शिक्षकों ने भाग लिया राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के मानक सम्मेलन / सेमिनार / कार्यशाला / प्रदर्शनियों / प्रदर्शन, विवरण में रिसर्च स्कॉलर्स

इंद्राणी मुखोपाध्याय

2 अप्रैल 2013: संगीत भवन, टैगोर के गीतों और नृत्य के द्वारा समर्थित, निर्देशित और प्रो सुशांत दत्तगुप्त, वाइस चांसलर, समग्र शिक्षा की टैगोर मॉडल पर विश्वभारती द्वारा प्रस्तुत एक व्याख्यान-प्रदर्शन में भाग लिया भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, कोलकाता में भारती। इस कार्यक्रम बंगाल पहल द्वारा आयोजित किया गया था।

1 जून 2013: निर्देशित और मो यान को टैगोर से अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रदर्शन कियाःटोंगी विश्वविद्यालय, संघाइ द्वारा आयोजित एक सौ प्राच्य संस्कृति की सार्वभौमिकता।

4 जून 2013: निर्देशित और प्रो सुशांत दत्तगुप्त वाइस चांसलर, टैगोर-गाने और नृत्य पर संगीत-भवन द्वारा निष्पादित एशियाई प्रथम नोबेल पुरस्कार और कुछ गीत प्रसाद के साथ विश्वभारती द्वारा प्रस्तुत एक व्याख्यान प्रदर्शन में प्रदर्शन युन्नान विश्वविद्यालय, कुनमिंग, चीन म्।

6 जून 2013: युन्नान विश्वविद्यालय में निर्देशित और प्रो सुशांत दत्तगुप्त, वाइस चांसलर, हिग्स बोसॉन को विश्व परिचय से पर संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ-साथ विश्व भारती द्वारा प्रस्तुत एक व्याख्यान प्रदर्शन में प्रदर्शन कुनमिंग, चीन।

19 जून 2013: निर्देशित और जे.सी. पर एक प्रस्तुति में भाग लिया बोस और रवींद्रनाथ : बोस संस्थान कोलकाता में प्राकृतिक विज्ञान और दर्शन के टैगोर सेंटर द्वारा आयोजित संगीत-भावना, द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ साथ प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा दिया ब्रह्मांड के दो।

21 - 23 जून 2013: लिपिका सभागार, शांतिनिकेतन में आयोजित भारतीय शास्त्रीय संगीत के सौंदर्यशास्त्र शीर्षक से एक तीन दिनों हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत विभाग के राष्ट्रीय संगोष्ठी, संगीत-भावना, विश्वभारती का उद्घाटन

किया।
28 जून 2013: निर्देशित और श्री एम.के की उपस्थिति में, विश्वभारती द्वारा आयोजित रवीन्द्रनाथ टैगोर को नोबेल पुरस्कार के100 वर्ष केअवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया नारायणन शांति निकेतन में माननीय राज्यपान
25 जुलाई 2013: संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य केसाथ-साथ, निर्देशित और प्रो सुशांत दत्तगुप्त, वाइस चांसलर द्वारा दिया कुछ गाने केप्रसाद केमाध्यम से एशियाऋ प्रथम नोबेल और शांति निकेतन मौसम पर प्रस्तुति में भाग लिया, इलाहाबाद द्वारा आयोजित।
26 जुलाई 2013: निर्देशित और पर एक व्याख्यान प्रदर्शन में भाग लिया संगीत द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य केसाथ साथ प्रो सुशांत दत्तगुप्त वाइस चांसलर, विश्वभारती द्वारा वितरित केटैगोर मॉडल शिक्षा-से जमीनी हिग्स बोसॉन केलिए टैगोर पब्लिक स्कूल, इलाहाबाद द्वारा आयोजित
23 अगस्त 2013: निर्देशित और श्री विजी आयंगर, कलकत्ता प्रचार, कोलकाता, टॉलीगंज, कोलकाता में अगस्त, 2013 में, नृत्य नाटिका में प्रदर्शन किया।
27 अगस्त 2013: रथिन्द्रनाथ ठाकुर पर संगोष्ठी में भाग लियाः गुमनाम नायक रवींद्र भवन केसहयोग से।
29 - 31 अगस्त 2013: दिलीप कुमार और नजरूलः रवीन्द्रनाथ बांग्ला पर रवींद्र संगीत, नृत्य और नाटक, संगीत-भावना, विश्वभारती विभाग केराष्ट्रीय संगोष्ठी केसमन्वयक '।
11 सितंबर 2013: निर्देशित, कोलकाता और संगीत द्वारा आयोजित टैगोर-गाने केसाथ-साथ, प्रो सुशांत दत्तगुप्त वाइस चांसलर, विश्वभारती द्वारा वितरित चिन्ता शिक्षा, पर एक व्याख्यान प्रदर्शन में भाग लिया -विश्वभारती, शांतिनिकेतन।
11-12 सितम्बर, 2013: राष्ट्रीय संगोष्ठी संयुक्त रूप कोलकाता में 'रवींद्र पर संगीत-भावना, विश्वभारती शांतिनिकेतन और कोलकाता द्वारा आयोजित एक दो दिनों केसमन्वित।
14 सितंबर 2013: थाई छात्रों द्वारा आयोजित, निर्देशित और एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रदर्शन किया, थाई कंसोल जनरल की यात्रा केअवसर पर में संगीत-भावना।
21 सितंबर 2013: निर्देशित और पर एक व्याख्यान प्रदर्शन में भाग लिया एशियाऋ प्रथम नोबेल ... और एक 'कुछ गीत पेशकश टैगोर-गाने केसाथ प्रो सुशांत दत्तगुप्त वाइस चांसलर, विश्वभारती द्वारा दिया गीतांजलि से और संगीत-भावना केद्वारा प्रदर्शन किया नृत्य सीएनआर द्वारा आयोजित राव शिक्षा फाउंडेशन, एडवांस साइंटिफिक रिसर्च, बंगलौर, कर्नाटक केलिए जवाहर लाल नेहरू सेंटर में भारतीय विज्ञान संस्थान।
29 सितंबर 2013: द्वारा आयोजित टैगोर-गाने और नृत्य केसाथ-साथ कुलपति प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा दिया, निर्देशित और गीतांजलि से एशिया प्रथम नोबेल-और-कुछ गीत पेशकश 'पर एक व्याख्यान प्रस्तुति में भाग लिया दूरदर्शन केन्द्र, कोलकाता से प्रसारित किया गया था जो संगीत-भावना,।
11 अक्टूबर 2013: एशिया पहला उपन्यास और एक-कुछ गाने पर व्याख्यान केमहामहिम श्री प्रणव मुखर्जी, भारत केमाननीय राष्ट्रपति और विश्वभारती केआगंतुक की यात्रा केअवसर केसाथ ही कार्यक्रम पर लिपिका सभागार, शांति निकेतन में संगीत-भवन द्वारा आयोजित टैगोर-गाने और नृत्य केसाथ-साथ सम्मान प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा दिया गीतांजलि से प्रसाद्।
6 दिसंबर 2013: महामहिम श्री प्रणव मुखर्जी, भारत केमाननीय राष्ट्रपति और विश्वभारती केआगंतुक यात्रा के अवसर पर संगीत भवन द्वारा आयोजित 'यूथ कांग्रेस' केएक कार्यक्रम में प्रदर्शन किया शांतिनिकेतन।
17 दिसंबर 2013: निर्देशित और आईआईसीबी, कोलकाता में संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ-साथ कुलपति प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा वितरित समग्र शिक्षा की मॉडल 'पर एक व्याख्यान में भाग लिया।
22 जनवरी 2014: निर्देशित और पर एक व्याख्यान में भाग लिया एशिया प्रथम नोबेलः गीतांजलि 'से गाने प्रसाद' 'संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य केसाथ-साथ कुलपति प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा दिया, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में्।

24 जनवरी 2014: निर्देशित और वाइस चांसलर द्वारा वितरित विस्वा परिचय से भगवान कण पर एक व्याख्यान में भाग लिया, प्रो सुशांत दत्तगुप्त इन्द्रधनुष ऑडिटोरियम, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ साथ ।
29 जनवरी 2014: निर्देशित और वाइस चांसलर प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा दिया 'गीतांजलि' से 'गाने के प्रसाद के लिए संक्रमण पर एक व्याख्यान में भाग लिया राज भवन, कोलकाता में संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ साथ राज भवन, कोलकाता में 1914 में इस दिन पर गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर को नोबेल पुरस्कार के 'सौंप' की शताब्दी के अवसर।
19 फ़रवरी 2014: प्रो अजंता चौधरी, एसोसिएशन, लेडी कॉलेज, कोलकाता द्वारा के निमंत्रण पर लेडी कॉलेज, कोलकाता में, श्यामा नृत्य नाटिका खेला में प्रदर्शन किया।
12 मार्च 2014: निर्देशित और लिपिका सभागार में संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ-साथ कुलपति प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा वितरित एक व्याख्यान में भाग लिया।
16 मार्च 2014: विश्वभारती, शांतिनिकेतन के अवसर पर रवीन्द्रनाथ नृत्य नाटिका श्यामा में प्रदर्शन किया।

माधवी रुज (घोष)

2 अप्रैल 2013: संगीत भवन, विश्वभारती में से टैगोर के गीतों और नृत्य द्वारा समर्थित प्रो सुशांत दत्तगुप्त वाइस चांसलर, समग्र शिक्षा की मॉडल पर विश्वभारती द्वारा प्रस्तुत एक व्याख्यान-प्रदर्शन, में प्रदर्शन भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, कोलकाता। इस कार्यक्रम बंगाल पहल द्वारा आयोजित किया गया था।
21 मई 2013: निर्देशित और विश्वभारती प्रकाशन विभाग के निमंत्रण द्वारा जीडी बिरला च्छ्डण्ड्ढ़ण्ड्ढ, कोलकाता, पर रवींद्र के अवसर पर प्रदर्शन
1 जून 2013: टोंगी विश्वविद्यालय, आयोजित एक सौ प्राच्य संस्कृति की सार्वभौमिकता: मो यान को टैगोर से अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रदर्शन किया।
4 जून 2013: युन्नान में एशियाई प्रथम नोबेल पुरस्कार और कुछ गीत प्रसाद पर संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ साथ प्रो सुशांत दत्तगुप्त, वाइस चांसलर, विश्वभारती द्वारा प्रस्तुत एक व्याख्यान प्रदर्शन में प्रदर्शन विश्वविद्यालय, कुनमिंग, चीन।
6 जून 2013: युन्नान विश्वविद्यालय, कुनमिंग में प्रो सुशांत दत्तगुप्त वाइस चांसलर, हिग्स बोसॉन को विश्व परिचय से पर संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ-साथ विश्व भारती द्वारा प्रस्तुत एक व्याख्यान प्रदर्शन में प्रदर्शन , चीन।
19 जून 2013: जे.सी. पर एक व्याख्यान में प्रदर्शन बोस और रवींद्रनाथ: बोस संस्थान कोलकाता में प्राकृतिक विज्ञान और दर्शन के टैगोर सेंटर द्वारा आयोजित संगीत-भावना, द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ साथ प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा दिया ब्रह्मांड ।
21 - 23 जून 2013: हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत विभाग, संगीत-भावना, विश्वभारती के राष्ट्रीय संगोष्ठी लिपिका सभागार, शांति निकेतन में आयोजित भारतीय शास्त्रीय संगीत के सौंदर्यशास्त्र शीर्षक से एक तीन दिनों में प्रदर्शन किया।
28 जून 2013: श्री एम.के की उपस्थिति में, विश्वभारती द्वारा आयोजित रवीन्द्रनाथ टैगोर को नोबेल पुरस्कार के 100 वर्ष के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में प्रदर्शन किया नारायणन, शांति निकेतन में माननीय राज्यपाल
25 जुलाई 2013: संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ साथ प्रो सुशांत दत्तगुप्त, वाइस चांसलर, द्वारा दिया कुछ गाने के प्रसाद के माध्यम से एशिया प्रथम नोबेल और शांति निकेतन मौसम पर एक प्रस्तुति में प्रदर्शन किया, संगठित इलाहाबाद द्वारा।
26 जुलाई 2013: पर एक व्याख्यान प्रदर्शन में प्रदर्शन किया संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ साथ प्रो सुशांत दत्तगुप्त वाइस चांसलर, विश्वभारती द्वारा वितरित के टैगोर मॉडल शिक्षा-से जमीनी हिग्स बोसॉन के

लिए टैगोर पब्लिक स्कूल, इलाहाबाद द्वारा आयोजित।

23 अगस्त 2013: श्री विजी आयंगर, कलकत्ता प्रचार, कोलकाता द्वारा टॉलीगंज, कोलकाता में अगस्त, 2013 में नृत्य नाटिका में प्रदर्शन किया।

27 अगस्त 2013: रवींद्र भवन के सहयोग सेः गुमनाम नायक रथिन्द्रनाथ ठाकुर पर एक संगोष्ठी में प्रदर्शन किया।

29 - 31 अगस्त 2013: दिलीप कुमार और नजरूल रवीन्द्रनाथ बांग्ला पर रवींद्र संगीत, नृत्य और नाटक, संगीत-भावना, विश्वभारती विभाग का एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रदर्शन किया।

11-12 सितम्बर, 2013: कोलकाता और संगीत द्वारा आयोजित टैगोर-गाने के साथ प्रो सुशांत दत्तगुप्त वाइस चांसलर, विश्वभारती, द्वारा दिया चिन्ता शिक्षा, एक व्याख्यान प्रदर्शन में प्रदर्शन विश्वभारती, शांतिनिकेतन।

21 सितंबर 2013: निर्देशित और पर एक व्याख्यान प्रदर्शन में भाग लिया एशियाऋ प्रथम नोबेल ... और एक 'कुछ गीत पेशकश टैगोर-गाने के साथ प्रो सुशांत दत्तगुप्त वाइस चांसलर, विश्वभारती द्वारा दिया गीतांजलि से और संगीत-भावना के द्वारा प्रदर्शन किया नृत्य सीएनआर द्वारा आयोजित राव शिक्षा फाउंडेशन, एडवांस साइंटिफिक रिसर्च, बंगलौर, कर्नाटक के लिए जवाहर लाल नेहरू सेंटर में भारतीय विज्ञान संस्थान।

29 सितंबर 2013: द्वारा आयोजित टैगोर-गाने और नृत्य के साथ-साथ कुलपति प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा दिया, निर्देशित और गीतांजलि से एशियाऋ प्रथम नोबेल-और-कुछ गीत पेशकश 'पर एक व्याख्यान प्रस्तुति में भाग लिया दूरदर्शन केन्द्र, कोलकाता से प्रसारित किया गया था जो संगीत-भावना,।

11 अक्टूबर 2013: एशिया पहला उपन्यास और एक-कुछ गाने पर व्याख्यान के महामहिम श्री प्रणव मुखर्जी, भारत के माननीय राष्ट्रपति और विश्वभारती के आगंतुक की यात्रा के अवसर के साथ ही कार्यक्रम पर लिपिका सभागार, शांति निकेतन में संगीत-भवन द्वारा आयोजित टैगोर-गाने और नृत्य के साथ-साथ सम्मान प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा दिया गीतांजलि से प्रसाद ्।

6 दिसंबर 2013: महामहिम श्री प्रणव मुखर्जी, भारत के माननीय राष्ट्रपति और विश्वभारती के आगंतुक की यात्रा के अवसर पर संगीत भवन द्वारा आयोजित 'यूथ कांग्रेस' के एक कार्यक्रम में प्रदर्शन किया शांतिनिकेतन।

17 दिसंबर 2013: निर्देशित और आईआईसीबी, कोलकाता में संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ-साथ कुलपति प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा वितरित समग्र शिक्षा की मॉडल 'पर एक व्याख्यान में भाग लिया।

22 जनवरी 2014: निर्देशित और पर एक व्याख्यान में भाग लिया एशिया प्रथम नोबेलः गीतांजलि 'से गाने प्रसाद' 'संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ-साथ कुलपति प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा दिया, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में्।

24 जनवरी 2014: निर्देशित और वाइस चांसलर द्वारा वितरित विस्वा परिचय से भगवान कण पर एक व्याख्यान में भाग लिया, प्रो सुशांत दत्तगुप्त इन्द्रधनुष ऑडिटोरियम, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ साथ ।

29 जनवरी 2014: निर्देशित और वाइस चांसलर प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा दिया 'गीतांजलि' से 'गाने के प्रसाद के लिए संक्रमण पर एक व्याख्यान में भाग लिया राज भवन, कोलकाता में संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ साथ राज भवन, कोलकाता में 1914 में इस दिन पर गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर को नोबेल पुरस्कार के 'सौंप' की शताब्दी के अवसर पर।

19 फ़रवरी 2014: प्रो अजंता चौधरी, एसोसिएशन, लेडी कॉलेज, कोलकाता द्वारा के निमंत्रण पर लेडी कॉलेज, कोलकाता में, नृत्य नाटिका खेला में प्रदर्शन किया।

12 मार्च 2014: निर्देशित और लिपिका सभागार में संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ-साथ कुलपति प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा वितरित एक व्याख्यान में भाग लिया।

16 मार्च 2014: विश्वभारती, शांतिनिकेतन के अवसर पर रवीन्द्रनाथ नृत्य नाटिका श्यामा में प्रदर्शन किया।

टी एस वासुन्नी

18 अप्रैल 2013: केरल में पारंपरिक कथकली कार्यक्रम।

8 जून 2013: पारंपरिक कथकली कार्यक्रम (केरल)।

9 जून 2013: कथकली क्लब केरल में पारंपरिक कथकली कार्यक्रम।

28 जून 2013: ख्रद्रत्त्ठु में पारंपरिक कथकली कार्यक्रम।

2 जुलाई 2013: टैगोर नृत्य नाटिका (थर्मल प्लांट)।

03-04 जनवरी, 2014: पारंपरिक कथकली कार्यक्रम।

स्वस्तिका मुखोपाध्याय

2 अप्रैल 2013: संगीत भवन, विश्वभारती में से टैगोर केगीतों और नृत्य द्वारा समर्थित प्रो सुशांत दत्तगुप्त वाइस चांसलर, समग्र शिक्षा की मॉडल पर विश्व द्वारा प्रस्तुत एक व्याख्यान-प्रदर्शन, में प्रदर्शन भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, कोलकाता। इस कार्यक्रम बंगाल पहल द्वारा आयोजित किया गया था।

21 मई 2013: निर्देशित और विश्वभारती प्रकाशन विभाग केनिमंत्रण द्वारा जीडी बिरला कोलकाता, पर रवींद्र के अवसर पर में प्रदर्शन

1 जून 2013: विश्वविद्यालय, द्वारा आयोजित एक सौ प्राच्य संस्कृति की सार्वभौमिकता: मो यान को टैगोर से अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रदर्शन किया।

4 जून 2013: युन्नान में एशियाई प्रथम नोबेल पुरस्कार और कुछ गीत प्रसाद पर संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य केसाथ साथ प्रो सुशांत, वाइस चांसलर, विश्वभारती द्वारा प्रस्तुत एक व्याख्यान प्रदर्शन में प्रदर्शन विश्वविद्यालय, कुनमिंग, चीन।

6 जून 2013: युन्नान विश्वविद्यालय, कुनमिंग में प्रो सुशांत दत्तगुप्त, वाइस चांसलर, हिग्स बोसॉन को विश्व परिचय से पर संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य केसाथ-साथ विश्व भारती द्वारा प्रस्तुत एक व्याख्यान प्रदर्शन में प्रदर्शन , चीन।

19 जून 2013: जे.सी. पर एक व्याख्यान में प्रदर्शन बोस और रवींद्रनाथ: बोस संस्थान कोलकाता में प्राकृतिक विज्ञान और दर्शन केटैगोर सेंटर द्वारा आयोजित संगीत-भावना, द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य केसाथ साथ प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा दिया ब्रह्मांड।

28 जून 2013: श्री एम.के की उपस्थिति में, विश्वभारती द्वारा आयोजित रवीन्द्रनाथ टैगोर को नोबेल पुरस्कार के 100 वर्ष केअवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में प्रदर्शन किया नारायणन, शांति निकेतन में माननीय राज्यपाल

25 जुलाई 2013: संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य केसाथ साथ प्रो सुशांत दत्तगुप्त, वाइस चांसलर, द्वारा दिया कुछ गाने केप्रसाद केमाध्यम से एशिया प्रथम नोबेल और शांति निकेतन मौसम पर एक प्रस्तुति में प्रदर्शन किया, संगठित इलाहाबाद द्वारा।

26 जुलाई 2013: पर एक व्याख्यान प्रदर्शन में प्रदर्शन किया संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य केसाथ साथ प्रो सुशांत दत्तगुप्त, वाइस चांसलर, विश्वभारती द्वारा वितरित केटैगोर मॉडल शिक्षा-से जमीनी हिग्स बोसॉन केलिए टैगोर पब्लिक स्कूल, इलाहाबाद द्वारा आयोजित।

27 अगस्त 2013: रवींद्र भवन केसहयोग से: गुमनाम नायक रथिन्द्रनाथ ठाकुर पर एक संगोष्ठी में प्रदर्शन किया।

11-12 सितम्बर, 2013: कोलकाता और संगीत द्वारा आयोजित टैगोर-गाने के साथ प्रो सुशांत दत्तगुप्त वाइस चांसलर, विश्वभारती, द्वारा दिया परिवेश चिन्ता ओ रबीन्द्रनाथेर शिक्षा, विज्ञान पर एक व्याख्यान प्रदर्शन में प्रदर्शन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन।

21 सितंबर 2013: निर्देशित और पर एक व्याख्यान प्रदर्शन में भाग लिया एशियात्र्न्न प्रथम नोबेल ... और एक 'कुछ गीत पेशकश टैगोर-गाने के साथ प्रो सुशांत दत्तगुप्त, वाइस चांसलर, विश्वभारती द्वारा दिया गीतांजलि से और संगीत-भावना केद्वारा प्रदर्शन किया नृत्य सीएनआर द्वारा आयोजित राव शिक्षा फाउंडेशन, एडवांस साइंटिफिक

रिसर्च, बंगलौर, कर्नाटक के लिए जवाहर लाल नेहरू सेंटर में भारतीय विज्ञान संस्थान।
29 सितंबर 2013: द्वारा आयोजित टैगोर-गाने और नृत्य के साथ-साथ कुलपति प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा दिया, निर्देशित और गीतांजलि से एशिया प्रथम नोबेल-और-कुछ गीत पेशकश 'पर एक व्याख्यान प्रस्तुति में भाग लिया दूरदर्शन केन्द्र, कोलकाता से प्रसारित किया गया था जो संगीत-भावना,।
11 अक्टूबर 2013: एशिया पहला उपन्यास और एक-कुछ गाने पर व्याख्यान के महामहिम श्री प्रणव मुखर्जी, भारत के माननीय राष्ट्रपति और विश्वभारती के आगंतुक की यात्रा के अवसर के साथ ही कार्यक्रम पर सभागार, शांति निकेतन में संगीत-भवन द्वारा आयोजित टैगोर-गाने और नृत्य के साथ-साथ सम्मान उपाचार्य प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा दिया गीतांजलि से प्रसाद।
6 दिसंबर 2013: महामहिम श्री प्रणव मुखर्जी, भारत के माननीय राष्ट्रपति और विश्वभारती के आगंतुक नाट्यघर पर की यात्रा के अवसर पर नाट्यघर, लिपिका पर संगीत भवन द्वारा आयोजित 'यूथ कांग्रेस' के एक कार्यक्रम में प्रदर्शन किया शांतिनिकेतन।
17 दिसंबर 2013: निर्देशित और आईआईसीबी, कोलकाता में संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ-साथ कुलपति प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा वितरित समग्र शिक्षा की टेगोरियन्स मॉडल 'पर एक व्याख्यान में भाग लिया।
22 जनवरी 2014: निर्देशित और पर एक व्याख्यान में भाग लिया एशियाऋ प्रथम नोबेल: गीतांजलि 'से गाने प्रसाद' 'संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ-साथ कुलपति प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा दिया, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में।
24 जनवरी 2014: निर्देशित और वाइस चांसलर द्वारा वितरित विस्वा परिचय से भगवान कण पर एक व्याख्यान में भाग लिया, प्रो सुशांत दत्तगुप्त इन्द्रधनुष ऑडिटोरियम, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ साथ।
29 जनवरी 2014: निर्देशित और वाइस चांसलर प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा दिया 'गीतांजलि' से 'गाने के प्रसाद के लिए संक्रमण पर एक व्याख्यान में भाग लिया राज भवन, कोलकाता में संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ साथ राज भवन, कोलकाता में 1914 में इस दिन पर गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर को नोबेल पुरस्कार के 'सौंप' की शताब्दी के अवसर पर
19 फ़रवरी 2014: प्रो अजंता चौधरी, एलामुनि एसोसिएशन, लेडी ब्राबन कॉलेज, कोलकाता द्वारा के निमंत्रण पर लेडी ब्राबन कॉलेज, कोलकाता में, टेगोरियन्स नृत्य नाटिका मायेर खेला में प्रदर्शन किया।
12 मार्च 2014: निर्देशित और लिपिका सभागार में संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ-साथ कुलपति प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा वितरित एक व्याख्यान में भाग लिया।
16 मार्च 2014: विश्वभारती, शांतिनिकेतन में बसन्तोतसव के अवसर पर रवीन्द्रनाथ टेगोरियन्स नृत्य नाटिका श्यामा में प्रदर्शन किया।

याकहोम हेमंत कुमार :

20 अप्रैल 2013: संगोष्ठी में भाग लिया और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, शिलंग और च्र्ण्दृत्ड्त देवी मणिपुरी नृत्य एंड रिसर्च सेंटर, मणिपुर द्वारा आयोजित जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादमी, इम्फाल, पर मणिपुरी शास्त्रीय नृत्य पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
28 जून 2013: मणिपुरी नृत्य, विश्वभारती में पर्ि चम बंगाल के श्री एम.के. नारायणन राज्यपाल द्वारा एक यात्रा के अवसर पर लिपिका हॉल में प्रस्तुत किया।
8 दिसंबर 2013: राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस के अवसर पर नाट्य घर में मणिपुरी रास प्रदर्शन।
12 दिसंबर 2013: सूरी गान हे नाच मेला (नृत्य और संगीत महोत्सव) में एक मणिपुरी शास्त्रीय नृत्य में भाग लिया।

15, 21 - 22 मार्च 2014: अकादमिक स्टाफ कॉलेज, मणिपुर विश्वविद्यालय में मणिपुर की कला प्रदर्शन पर प्रदर्शन व्याख्यान सह प्रदर्शनों।

21 मई 2014: अवार्ड प्रगतिशील कलाकार प्रयोगशाला, इम्फाल, मणिपुर द्वारा प्रायोजित गुरु तरुणकुमार मेमोरियल गोल्ड मेडल पुरस्कार प्राप्त किया।

के. सुनीता देवी

28 जून 2013: माननीय राज्यपाल एमकेनारायणन की उपस्थिति में ख्द्रत्त्ठु में भाग लिया और लाहारोवा मणिपुरी शास्त्रीय नृत्य की व्यवस्था की।

6 दिसंबर 2013: मणिपुरी शास्त्रीय नृत्य डठ्ठ्न्न्द्म में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लिया। नाट्यघलर, विश्वभारती में।

मलय शंकर चट्टोपाध्याय

9 मई 2013: मध्य कोलकाता संस्कृति ऋद्धढ्ठद में एकल कार्यक्रम केलिए आमंत्रित

16 मई 2013: रवींद्र जयंती के अवसर पर कोलकाता के सेंट हेलन स्कूल द्वारा उत्तम मंच संगठित पर सोलो कार्यक्रम केलिए आमंत्रित किया।

20 मई 2013: पि चम बंगाल की सरकार द्वारा आयोजित रवींद्र जयंती के अवसर पर रवींद्र सदन में एकल कार्यक्रम प्रदर्शन किया।

29 मई 2013: निर्देशित संगीत और विश्वभारती समूह केसाथ आईसीसीआर में गीतांजलि उत्सव में भाग लिया।

19 जून 2013: जे सी 'पर एक व्याख्यान प्रस्तुति में प्रदर्शन बोस और रवींद्रनाथः बोस संस्थान में प्राकृतिक विज्ञान और दर्शन केटैगोर सेंटर द्वारा आयोजित संगीत-भावना, द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य केसाथ साथ प्रो सुशांत दत्तगुप्त, कुलपति, विश्वभारती द्वारा दिया ब्रह्मांड , कोलकाता।

25 जुलाई 2013: संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य केसाथ साथ प्रो सुशांत दत्तगुप्त वाइस चांसलर, द्वारा दिया कुछ गाने केप्रसाद केमाध्यम से एशियाऋ्र प्रथम नोबेल और शांति निक्तन मौसम पर एक प्रस्तुति में प्रदर्शन किया, संगठित, इलाहाबाद द्वारा।

26 जुलाई 2013: पर एक व्याख्यान प्रदर्शन में प्रदर्शन किया संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य केसाथ साथ प्रो सुशांत दत्तगुप्त, वाइस चांसलर, विश्वभारती द्वारा वितरित केटैगोर मॉडल शिक्षा-से जमीनी हिग्स बोसॉन केलिए टैगोर पब्लिक स्कूल, इलाहाबाद द्वारा आयोजित।

23 अगस्त 2013: श्री विजी आयंगर, कलकत्ता प्रचार, कोलकाता द्वारा टलिक्लाब, टॉलीगंज, कोलकाता में अगस्त, 2013 में नृत्य नाटिका शापमोचन, में प्रदर्शन किया।

27 अगस्त 2013: रवींद्र भवन केसहयोग सेः गुमनाम नायक रथिन्द्रनाथ ठाकुर पर एक संगोष्ठी में प्रदर्शन किया।

29 - 31 अगस्त 2013: ': द्विजेन्द्रलाल, अतुलप्रसाद, रजनीकांत, दिलीप कुमार और नजरूल रवीन्द्रनाथ हे समसामयिक बांग्ला गीतिकारगान' पर रवींद्र संगीत, नृत्य और नाटक, संगीत-भावना, विश्वभारती विभाग का एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रदर्शन किया।

11-12 सितम्बर, 2013: ग्रंथन विभाग, कोलकाता और संगीत द्वारा आयोजित टैगोर-गाने के साथ प्रो सुशांत दत्तगुप्त, वाइस चांसलर, विश्वभारती, द्वारा दिया चिन्ता ओ शिक्षा, पर एक व्याख्यान प्रदर्शन में प्रदर्शन -, विश्वभारती, शांतिनिक्तन।

17 दिसंबर 2013: निर्देशित और आईआईसीबी, कोलकाता में संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ-साथ कुलपति प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा वितरित समग्र शिक्षा की मॉडल 'पर एक व्याख्यान में भाग लिया।

22 जनवरी 2014: निर्देशित और पर एक व्याख्यान में भाग लिया एशियाऋ्र प्रथम नोबेलः गीतांजलि 'से गाने प्रसाद' 'संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य केसाथ-साथ कुलपति प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा दिया, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में।

19 फ़रवरी 2014: प्रो अजंता चौधरी, एसोसिएशन, लेडी कॉलेज, कोलकाता द्वारा के निमंत्रण पर लेडी कॉलेज, कोलकाता में, नृत्य नाटिका खेला में प्रदर्शन किया।
12 मार्च 2014: निर्देशित और ख्द्र्त्त्छु सभागार में संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ-साथ कुलपति प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा वितरित एक व्याख्यान में भाग लिया।
16 मार्च 2014: विश्वभारती, शांतिनिकेतन में के अवसर पर रवीन्द्रनाथ टेगोरियन्स नृत्य नाटिका श्यामा में प्रदर्शन किया।

प्रशांत कुमार घोष

7 नवंबर 2013: शताब्दी के टैगोर के नोबेल के अवसर पर वेलाम्मल' इंटरनेशनल स्कूल, पोन्नरी, चेन्नई द्वारा आमंत्रित ललित कला अकादमी चेन्नई में प्रदर्शन रवींद्र संगीत (सोलो),।
9 अगस्त 2013: रवींद्र सदन के निमंत्रण द्वारा, रवींद्र नाथ की पुण्यतिथि 1420 के अवसर पर रवींद्र सदन में रवींद्र संगीत प्रदर्शन (सूचना और सांस्कृतिक मामलों, भारत सरकार प चिम बंगाल का।)।
27 अगस्त 2013: गुमनाम नायक सहयोग में रवींद्र भवन के साथः संगोष्ठी रथीन्द्रनाथ ठाकुर में भाग लिया।
15 मई, 2013: रवींद्र जन्मोत्सव 1420 के अवसर पर रवींद्र सदन में रवींद्र संगीत प्रदर्शन, रवींद्र सदन के निमंत्रण (सूचना और सांस्कृतिक मामलों, भारत सरकार प चिम बंगाल) से
भाग लिया और समग्र शिक्षा की टेगोरियन्स मॉडल 'पर व्याख्यान के कार्यक्रम में प्रदर्शन
टैगोर-गाने और नृत्य के साथ-साथ सम्मान उपाचार्य प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा दिया।
6 जून 2013: युन्नान विश्वविद्यालय, कुनमिंग, चीन इस कार्यक्रम में आयोजित किया गया।
26 जुलाई 2013: टैगोर पब्लिक स्कूल, इलाहाबाद द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में प्रदर्शन किया।
21ग्छ्र, 2013: संगीत निर्देशित और विश्वभारती प्रकाशन विभाग, कोलकाता के निमंत्रण द्वारा जी डी बिड़ल सभाघर, कोलकाता, पर रवींद्र जन्मोत्सव के अवसर पर प्रदर्शन रवीन्द्रनाथ टेगोरियन्स नृत्य-नाटक शापमोचन।
भाग लिया और एशिया के प्रथम नोबेल 'पर व्याख्यान और कुछ गाने के प्रसाद के कार्यक्रम में प्रदर्शन
। टैगोर-गाने और नृत्य के साथ-साथ सम्मान प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा दिया गीतांजलि से इस कार्यक्रम को आयोजित किया गया था:
21 मई 2013: ग्रन्थन विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित। जि.डि.बिड़ला सभाघर, कोलकाता में कोलकाता।
1 जून 2013: टोंगजी विश्वविद्यालय, संघाई, चीन द्वारा आयोजित।
4 जून 2013: युन्नान विश्वविद्यालय, कुनमिंग, चीन द्वारा आयोजित।
19 जून 2013: बोस इन्सटिटिउट पर कोलकाता द्वारा आयोजित।
25 जुलाई 2013: NASI, इलाहाबाद उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित।
21 सितंबर 2013: C.N.R. द्वारा आयोजित राव शिक्षा फाउंडेशन, आईआईसी और ख्क्रॄड़ बंगलौर।
29 सितंबर 2013: दूरदर्शन केन्द्र कोलकाता पर प्रसारण।
11 अक्टूबर 2013: लिपिका सभागार, महामहिम श्री प्रणब मुखोपाध्याय, भारत के माननीय राष्ट्रपति और विश्वभारती के परिदर्शक (आगंतुक) की उपस्थिति में शांति निकेतन
22 जनवरी 2014: संगीत द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ-साथ कुलपति, विश्वभारती, प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा वितरित गीतांजलि 'एशियाऋ प्रथम नोबेल' से गीत पेशकश " विषय पर व्याख्यान के कार्यक्रम में भाग लिया इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में -।
24 जनवरी 2014: इन्द्रधनुष ऑडिटोरियम, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ-साथ सम्मान प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा दिया भगवान कण को विस्वा परिचय से पर व्याख्यान के कार्यक्रम में भाग लिया।
29 जनवरी 2014: पर राजभवन, कोलकाता, पर संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ-साथ

सम्मान प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा दिया 'गीतांजलि' से 'गाने केप्रसाद केलिए संक्रमण पर व्याख्यान केकार्यक्रम में भाग लिया राज भवन, कोलकाता में 1914 में इस दिन पर गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर को नोबेल पुरस्कार के 'सौंप' की शताब्दी के अवसर

19 फ़रवरी 2014: टेगोरियन्स नृत्य नाटिका खेला में प्रदर्शन किया, लेडी कॉलेज, कोलकाता में प्रो अजंता चौधरी, एलामनि एसोसिएशन, लेडी ब्रेबन कॉलेज, कोलकाता द्वारा आमंत्रित किया जा रहा है।

2014/03/16: विश्वभारती, शांतिनिक्तन में वसन्तोतसव के अवसर पर रवीन्द्रनाथ टेगोरियन्स नृत्य नाटिका श्यामा में प्रदर्शन किया।

मोहन कुमारन पी

24। अप्रैल, 2013: का आयोजन किया और राष्ट्रीय नृत्य की उत्पत्ति और विकास 'विषय पर एक संगोष्ठी में' कथकली केक्रॉनिकल 'पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

पी मुकुंद कुमार

10 मई 2014: त्रिशूर कथकली क्लब में रंभा का प्रदर्शन किया।

12 मई 2013: तिरुवनंतपुरम में किराथम (अर्जुन) का प्रदर्शन किया।

24 नवंबर 2013: कोलकाता में उदयशंकर महोत्सव में शास्त्रीय कथकली प्रदर्शन किया।

13 जून 2013: (। मलप्पुरम डीएसटी) (बालारमण) पर प्रदर्शन किया

26 जनवरी 2014: प्रदर्शन (अर्जुन) गीतांजलि सभागार में

अर्पिता दत्ता (दास)

2 अप्रैल 2013: संगीत भवन, विश्वभारती में से टैगोर केगीतों और नृत्य द्वारा समर्थित प्रो सुशांत दत्तगुप्त, वाइस चांसलर, समग्र शिक्षा की टेगोरियन्स मॉडल पर विश्वभारती द्वारा प्रस्तुत एक व्याख्यान-प्रदर्शन, में प्रदर्शन भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, कोलकाता। इस कार्यक्रम बंगाल पहल द्वारा आयोजित किया गया था।

21 मई 2013: निर्देशित और विश्वभारती प्रकाशन विभाग केनिमंत्रण द्वारा जीडी बिरला च्छ्रडण्ड्ढ़ण्ड्ढ, कोलकाता, पर रवींद्र जन्मोत्सव के अवसर पर शापमोचन में प्रदर्शन

1 जून 2013: टोंगजी विश्वविद्यालय, सांघाइ द्वारा आयोजित एक सौ प्राच्य संस्कृति की सार्वभौमिकता: मो यान को टैगोर से अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रदर्शन किया।

4 जून 2013: युन्नान में एशियाई प्रथम नोबेल पुरस्कार और कुछ गीत प्रसाद पर संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य केसाथ साथ प्रो सुशांत दत्तगुप्त, वाइस चांसलर, विश्वभारती द्वारा प्रस्तुत एक व्याख्यान प्रदर्शन में प्रदर्शन विश्वविद्यालय, कुनमिंग, चीन।

6 जून 2013: युन्नान विश्वविद्यालय, कुन्मिंग में प्रो सुशांत दत्तगुप्त, वाइस चांसलर, हिग्स बोसॉन को विश्व परिचय से पर संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य केसाथ-साथ विश्व भारती द्वारा प्रस्तुत एक व्याख्यान प्रदर्शन में प्रदर्शन , चीन।

19 जून 2013: जे.सी. पर एक व्याख्यान में प्रदर्शन बोस और रवींद्रनाथ: बोस संस्थान कोलकाता में प्राकृतिक विज्ञान और दर्शन केटैगोर सेंटर द्वारा आयोजित संगीत-भावना, द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य केसाथ साथ प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा दिया ब्रह्मांड , दो।

21 - 23 जून 2013: हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत विभाग, संगीत-भावना, विश्वभारती केराष्ट्रीय संगोष्ठी सभागार, शांति निक्तन में आयोजित भारतीय शास्त्रीय संगीत केसौंदर्यशास्त्र शीर्षक से एक तीन दिनों में प्रदर्शन किया।

28 जून 2013: श्री एम.के की उपस्थिति में, विश्वभारती द्वारा आयोजित रवीन्द्रनाथ टैगोर को नोबेल पुरस्कार के100 वर्ष केअवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में प्रदर्शन किया नारायणन लिपिका शांतिनिकेतन में माननीय राज्यपाल

25 जुलाई 2013: संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य केसाथ साथ प्रो सुशांत दत्तगुप्त वाइस चांसलर, द्वारा दिया कुछ गाने केप्रसाद केमाध्यम से एशिया प्रथम नोबेल और शांति निक्तन मौसम पर एक प्रस्तुति में प्रदर्शन किया, संगठित NASI, इलाहाबाद द्वारा।

26 जुलाई 2013: पर एक व्याख्यान प्रदर्शन में प्रदर्शन किया संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य केसाथ साथ प्रो सुशांत दत्तगुप्त, वाइस चांसलर, विश्वभारती द्वारा वितरित केटैगोर मॉडल शिक्षा-से जमीनी हिग्स बोसॉन केलिए टैगोर पब्लिक स्कूल, इलाहाबाद द्वारा आयोजित।

23 अगस्त 2013: श्री विजी आयंगर, कलकत्ता प्रचार, कोलकाता द्वारा टलिक्लव, टॉलीगंज, कोलकाता में अगस्त, 2013 में नृत्य नाटिका शापमोचन, में प्रदर्शन किया।

27 अगस्त 2013: रवींद्र भवन केसहयोग सेः गुमनाम नायक रथिन्द्रनाथ ठाकुर पर एक संगोष्ठी में प्रदर्शन किया।

29 - 31 अगस्त 2013: : द्विजेन्द्रलाल, अतुलप्रसाद, रजनीकान्त, दिलीप कुमार और नजरूल रवीन्द्रनाथ हे बांग्ला पर रवींद्र संगीत, नृत्य और नाटक, संगीत-भावना, विश्वभारती विभाग का एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रदर्शन किया।

11-12 सितम्बर, 2013: कोलकाता और संगीत द्वारा आयोजित टैगोर-गाने के साथ प्रो सुशांत दत्तगुप्त, वाइस चांसलर, विश्वभारती, द्वारा दिया चिन्ता ओ रबीन्द्रनाथेर शिक्षा विज्ञान पर एक व्याख्यान प्रदर्शन में प्रदर्शन -भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन।

21 सितंबर 2013: निर्देशित और पर एक व्याख्यान प्रदर्शन में भाग लिया एशियार प्रथम नोबेल ... और एक 'कुछ गीत पेशकश टैगोर-गाने के साथ प्रो सुशांत दत्तगुप्त, वाइस चांसलर, विश्वभारती द्वारा दिया गीतांजलि से और संगीत-भावना केद्वारा प्रदर्शन किया नृत्य सीएनआर द्वारा आयोजित राव शिक्षा फाउंडेशन, एडवांस साइंटिफिक रिसर्च, बंगलौर, कर्नाटक केलिए जवाहर लाल नेहरू सेंटर में भारतीय विज्ञान संस्थान।

29 सितंबर 2013: द्वारा आयोजित टैगोर-गाने और नृत्य के साथ-साथ कुलपति प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा दिया, निर्देशित और गीतांजलि से एशियाऋ प्रथम नोबेल-और-कुछ गीत पेशकश 'पर एक व्याख्यान प्रस्तुति में भाग लिया दूरदर्शन केन्द्र, कोलकाता से प्रसारित किया गया था जो संगीत-भावना,।

11 अक्टूबर 2013: एशिया ऋपहला उपन्यास और एक-कुछ गाने पर व्याख्यान केमहामहिम श्री प्रणव मुखर्जी, भारत केमाननीय राष्ट्रपति और विश्वभारती के आगंतुक की यात्रा के अवसर के साथ ही कार्यक्रम पर ख्न्द्रत्त्छ सभागार, शांति निकेतन में संगीत-भवन द्वारा आयोजित टैगोर-गाने और नृत्य के साथ-साथ सम्मान उपाचार्य प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा दिया गीतांजलि से प्रसाद।

6 दिसंबर 2013: महामहिम श्री प्रणव मुखर्जी, भारत केमाननीय राष्ट्रपति और विश्वभारती केआगंतुक नाट्यघर पर की यात्रा केअवसर पर नाट्यघर, लिपिका पर संगीत भवन द्वारा आयोजित 'यूथ कांग्रेस' केएक कार्यक्रम में प्रदर्शन किया शांतिनिकेतन।

17 दिसंबर 2013: निर्देशित और आईआईसीबी, कोलकाता में संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य केसाथ-साथ कुलपति प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा वितरित समग्र शिक्षा की टेगोरियन्स मॉडल 'पर एक व्याख्यान में भाग लिया।

22 जनवरी 2014: निर्देशित और पर एक व्याख्यान में भाग लिया एशियाऋ प्रथम नोबेलः गीतांजलि 'से गाने प्रसाद' 'संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य केसाथ-साथ कुलपति प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा दिया, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली मे्।

24 जनवरी 2014: निर्देशित और वाइस चांसलर द्वारा वितरित विस्वा परिचय से भगवान कण पर एक व्याख्यान में भाग लिया, प्रो सुशांत दत्तगुप्त इन्द्रधनुष ऑडिटोरियम, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य केसाथ साथ ।

29 जनवरी 2014: निर्देशित और वाइस चांसलर प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा दिया 'गीतांजलि' से 'गाने केप्रसाद के लिए संक्रमण पर एक व्याख्यान में भाग लिया राज भवन, कोलकाता में संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य केसाथ साथ राज भवन, कोलकाता में 1914 में इस दिन पर गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर को नोबेल पुरस्कार के 'सौंप' की शताब्दी के अवसर पर।

19 फ़रवरी 2014: प्रो अजंता चौधरी, एलामनि एसोसिएशन, लेडी ब्राबन कॉलेज, कोलकाता द्वारा केनिमंत्रण पर लेडी ब्राबन कॉलेज, कोलकाता में, टेगोरियन्स नृत्य नाटिका मायेर खेला में प्रदर्शन किया।

12 मार्च 2014: निर्देशित और विड़ला सभागार में संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ-साथ कुलपति प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा वितरित एक व्याख्यान में भाग लिया।
16 मार्च 2014: विश्वभारती, शांतिनिकेतन में वसन्तोतसव के अवसर पर रवीन्द्रनाथ टेगोरियन्स नृत्य नाटिका श्यामा में प्रदर्शन किया।

नंदिता बसु सर्वाधिकारी

2013/05/29: संगीत निर्देशित और रवींद्र भारती द्वारा आयोजित भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद में गीतांजलि उत्सव के अवसर पर विश्व भारती द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम में भाग लिया।
23 जून 2013 को 21 वीं: लिपिका सभागार, शांतिनिकेतन में आयोजित भारतीय शास्त्रीय संगीत के सौंदर्यशास्त्र शीर्षक से एक तीन दिवसीय हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत विभाग, संगीत-भावना, विश्वभारती के राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
27 अगस्त 2013: रवींद्र भवन के सहयोग से: संगोष्ठी गुमनाम नायक रथीन्द्रनाथ ठाकुर में भाग लिया।
29 अगस्त 31 अगस्त 2013 को: द्विजेन्द्रलाल, अतुलप्रसाद, रजनीकान्त दिलीप कुमार और नजरूल: रवीन्द्रनाथ हे समसामयिक बांग्ला गीतिकारगन 'पर रवींद्रसंगीत, नृत्य और नाटक, संगीत-भावना, विश्वभारती विभाग के राष्ट्रीय संगोष्ठी समन्वित '।
12 सितंबर 2013 को 11 सितम्बर: संयुक्त रूप से कलाकुंज , कोलकाता में संगीत-भावना, विश्वभारती शांतिनिकेतन और ग्रन्थन विभाग, 'रवींद्र संगीतेर भुवन पर कोलकाता द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
6 दिसंबर 2013: महामहिम श्री प्रणव मुखर्जी, भारत के माननीय राष्ट्रपति की यात्रा और विश्वभारती के आगंतुक के अवसर पर एक कार्यक्रम में भाग लिया। इसके अलावा नाट्यघर, शांतिनिकेतन में संगीत-भवन द्वारा आयोजित युवा कांग्रेस में भाग लिया।

मानिनी मुखोपाध्याय

2 अप्रैल 2013: संगीत भवन, विश्वभारती में से टैगोर के गीतों और नृत्य द्वारा समर्थित प्रो सुशांत दत्तगुप्त, वाइस चांसलर, समग्र शिक्षा की मॉडल पर विश्वभारती द्वारा प्रस्तुत एक व्याख्यान-प्रदर्शन, में प्रदर्शन भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, कोलकाता। इस कार्यक्रम बंगाल पहल द्वारा आयोजित किया गया था।
21 मई 2013: निर्देशित और विश्वभारती प्रकाशन विभाग के निमंत्रण द्वारा जी.डी बिरला सभाघर, कोलकाता, पर रवींद्र जन्मोतसव के अवसर पर शापमोचन में प्रदर्शन
1 जून 2013: टोंगज विश्वविद्यालय, सांघाइ द्वारा आयोजित एक सौ प्राच्य संस्कृति की सार्वभौमिकता: मो यान को टैगोर से अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रदर्शन किया।
4 जून 2013: युन्नान में एशियाई प्रथम नोबेल पुरस्कार और कुछ गीत प्रसाद पर संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ साथ प्रो सुशांत दत्तगुप्त वाइस चांसलर, विश्वभारती द्वारा प्रस्तुत एक व्याख्यान प्रदर्शन में प्रदर्शन विश्वविद्यालय, कुनमिंग, चीन।
6 जून 2013: युन्नान विश्वविद्यालय, कुनमिंग में प्रो सुशांत दत्तगुप्त, वाइस चांसलर, हिग्स बोसॉन को विश्व परिचय से पर संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ-साथ विश्व भारती द्वारा प्रस्तुत एक व्याख्यान प्रदर्शन में प्रदर्शन , चीन।
19 जून 2013: जे.सी. पर एक व्याख्यान में प्रदर्शन बोस और रवींद्रनाथ: बोस संस्थान कोलकाता में प्राकृतिक विज्ञान और दर्शन के टैगोर सेंटर द्वारा आयोजित संगीत-भावना, द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ साथ प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा दिया ब्रह्मांड।
21 - 23 जून 2013: हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत विभाग, संगीत-भावना, विश्वभारती के राष्ट्रीय संगोष्ठी सभागार, शांति निकेतन में आयोजित भारतीय शास्त्रीय संगीत के सौंदर्यशास्त्र शीर्षक से एक तीन दिनों में प्रदर्शन किया।

28 जून 2013: श्री एम.के की उपस्थिति में, विश्वभारती द्वारा आयोजित रवीन्द्रनाथ टैगोर को नोबेल पुरस्कार के 100 वर्ष के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में प्रदर्शन किया नारायणन ख्द्रत्त्ड्ढ, शांति निकेतन में माननीय राज्यपाल
25 जुलाई 2013: संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ साथ प्रो सुशांत दत्तगुप्त वाइस चांसलर, द्वारा दिया कुछ गाने के प्रसाद के माध्यम से एशिया प्रथम नोबेल और शांति निकेतन मौसम पर एक प्रस्तुति में प्रदर्शन किया, संगठित, इलाहाबाद द्वारा।
26 जुलाई 2013: पर एक व्याख्यान प्रदर्शन में प्रदर्शन किया संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ साथ प्रो सुशांत दत्तगुप्त, वाइस चांसलर, विश्वभारती द्वारा वितरित के टैगोर मॉडल शिक्षा-से जमीनी हिग्स बोसॉन के लिए टैगोर पब्लिक स्कूल, इलाहाबाद द्वारा आयोजित।
23 अगस्त 2013: श्री विजी आयंगर, कलकत्ता प्रचार, कोलकाता द्वारा, टॉलीगंज, कोलकाता में अगस्त, 2013 में नृत्य नाटिका शापमोचन, में प्रदर्शन किया।
27 अगस्त 2013: रवींद्र भवन के सहयोग से: गुमनाम नायक रथिन्द्रनाथ ठाकुर पर एक संगोष्ठी में प्रदर्शन किया।
29 - 31 अगस्त 2013: ': दिलीप कुमार और नजरूल रवीन्द्रनाथ हे बांग्ला ' पर रवींद्र संगीत, नृत्य और नाटक, संगीत-भावना, विश्वभारती विभाग का एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रदर्शन किया।
11-12 सितम्बर, 2013: , कोलकाता और संगीत द्वारा आयोजित टैगोर-गाने के साथ प्रो सुशांत दत्तगुप्त, वाइस चांसलर, विश्वभारती, द्वारा दिया चिन्ता ओ शिक्षा, पर एक व्याख्यान प्रदर्शन में प्रदर्शन -, विश्वभारती, शांतिनिकेतन।
21 सितंबर 2013: निर्देशित और पर एक व्याख्यान प्रदर्शन में भाग लिया एशिया प्रथम नोबेल ... और एक 'कुछ गीत पेशकश टैगोर-गाने के साथ प्रो सुशांत दत्तगुप्त, वाइस चांसलर, विश्वभारती द्वारा दिया गीतांजलि से और संगीत-भावना के द्वारा प्रदर्शन किया नृत्य सीएनआर द्वारा आयोजित राव शिक्षा फाउंडेशन, एडवांस साइंटिफिक रिसर्च, बंगलौर, कर्नाटक के लिए जवाहर लाल नेहरू सेंटर में भारतीय विज्ञान संस्थान।
29 सितंबर 2013: द्वारा आयोजित टैगोर-गाने और नृत्य के साथ-साथ कुलपति प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा दिया, निर्देशित और गीतांजलि से एशियाऋ प्रथम नोबेल-और-कुछ गीत पेशकश 'पर एक व्याख्यान प्रस्तुति में भाग लिया दूरदर्शन केंद्र, कोलकाता से प्रसारित किया गया था जो संगीत-भावना,।
11 अक्टूबर 2013: एशिया ऋपहला उपन्यास और एक-कुछ गाने पर व्याख्यान के महामहिम श्री प्रणव मुखर्जी, भारत के माननीय राष्ट्रपति और विश्वभारती के आगंतुक की यात्रा के अवसर के साथ ही कार्यक्रम पर लिपिका सभागार, शांति निकेतन में संगीत-भवन द्वारा आयोजित टैगोर-गाने और नृत्य के साथ-साथ सम्मान प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा दिया गीतांजलि से प्रसाद।
6 दिसंबर 2013: महामहिम श्री प्रणव मुखर्जी, भारत के माननीय राष्ट्रपति और विश्वभारती के आगंतुक पर की यात्रा के अवसर पर संगीत भवन द्वारा आयोजित 'यूथ कांग्रेस' के एक कार्यक्रम में प्रदर्शन किया शांतिनिकेतन।
17 दिसंबर 2013: निर्देशित और आईआईसीबी, कोलकाता में संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ-साथ कुलपति प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा वितरित समग्र शिक्षा की मॉडल 'पर एक व्याख्यान में भाग लिया।
22 जनवरी 2014: निर्देशित और पर एक व्याख्यान में भाग लिया एशियाऋ प्रथम नोबेल: गीतांजलि 'से गाने प्रसाद' 'संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ-साथ कुलपति प्रो सुशांत द्वारा दिया, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में्।
24 जनवरी 2014: निर्देशित और वाइस चांसलर द्वारा वितरित विस्वा परिचय से भगवान कण पर एक व्याख्यान में भाग लिया, प्रो सुशांत दत्तगुप्त इन्द्रधनुष ऑडिटोरियम, राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ साथ ।
29 जनवरी 2014: निर्देशित और वाइस चांसलर प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा दिया 'गीतांजलि' से 'गाने के प्रसाद के लिए संक्रमण पर एक व्याख्यान में भाग लिया राज भवन, कोलकाता में संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ साथ राज भवन, कोलकाता में 1914 में इस दिन पर गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर को नोबेल पुरस्कार के

'सौंप' की शताब्दी के अवसर प।
19 फ़रवरी 2014: प्रो अजंता चौधरी, एसोसिएशन, लेडी ब्राबन कॉलेज, कोलकाता द्वारा के निमंत्रण पर लेडी ब्राबन कॉलेज, कोलकाता में, शापमोचन नृत्य नाटिका खेला में प्रदर्शन किया।
12 मार्च 2014: निर्देशित और ख्व्द्रत्त्छु सभागार में संगीत-भवन द्वारा प्रदर्शन टैगोर-गाने और नृत्य के साथ-साथ कुलपति प्रो सुशांत दत्तगुप्त द्वारा वितरित एक व्याख्यान में भाग लिया।
16 मार्च 2014: विश्वभारती, शांतिनिक्तन में के अवसर पर रवीन्द्रनाथ नृत्य नाटिका श्यामा में प्रदर्शन किया।

सप्तर्षि राय :

27-03-2013: शांति निक्तन में सुबह के सत्र में वसन्तोतसव में भाग लिया ..
27-03-2013: शाम के सत्र, शांति निक्तन में वसन्तोतसव में शापमोचन का प्रदर्शन किया।
15-04-2013: उपासना मंदिर, शांति निक्तन में नववर्ष के अवसर पर प्रदर्शन किया कोरस गाने
15-04-2013: पुरनो घन्टातला, शांतिनिक्तन में वर्षवरण में कोरस गाने प्रदर्शन
15-04-2013: दीनेन्द्र कुंज के उद्घाटन में प्रदर्शन गाने, शांतिनिक्तन
2013/09/05: कोरस गाने प्रदर्शन किया और 25 बैशाख, उपासना मंदिर, शांति निक्तन पर कार्यक्रम में भाग लिया
2013/09/05: एकल गीतों का प्रदर्शन किया और 25 बैशाख, श्यामली प्रांगन, उत्तरायण, शांतिनिकेतन, उपासना मंदिर, शांतिनिकेतन पर कार्यक्रम में भाग लिया
2013/08/08: भाग लिया और 22 श्रावण, उपासना मंदिर, शांति निक्तन पर गाने का प्रदर्शन किया।
2013/08/08: भाग लिया और पुरनो मेलार गणित, शांतिनिक्तन वृक्षरोपण में गाने का प्रदर्शन किया।
2013/12/03: भाग लिया और रवीन्द्र सप्ताह, लिपिका सभागार, शांति निक्तन के कार्यक्रम में गीतों का प्रदर्शन
13-08-2013: भाग लिया और रवीन्द्र सभागार, शांति निक्तन के कार्यक्रम में गीतों का प्रदर्शन
14-08-2013: भाग लिया और रवीन्द्र सप्ताह, सभागार, शांति निक्तन के कार्यक्रम में गीतों का प्रदर्शन किया।
15-08-2013: भाग लिया और स्वतंत्रता दिवस पर ध्वज आरोहण 'के कार्यक्रम में गीतों का प्रदर्शन किया। संयुक्त रूप से की देखरेख, शारीरिक शिक्षा जमीन, शांति निक्तन।
16-08-2013: भाग लिया और शांति निक्तन के कार्यक्रम में गीतों का प्रदर्शन किया।
28-06-2013: भाग लिया और उत्सव, उदयनाचार्य गृह, उत्तरायण, शांतिनिक्तन नोबल पुरस्कार के 100 साल के अवसर पर माननीय राज्यपाल की उपस्थिति में के उद्घाटन के कार्यक्रम का प्रदर्शन किया।
28-06-2013: नोबल पुरस्कार के 100 साल उत्सव के अवसर पर माननीय राज्यपाल को संबोधित कार्यक्रम में भाग लिया, लिपिका सभागार
21-23.06। 2013: भारतीय शास्त्रीय संगीत के सौंदर्य, ख्व्द्रत्त्छु सभागार पर संगोष्ठी में भाग लिया।
2013/08/31 के लिए 29:, लिपिका सभागार: दिलीप कुमार हे रवीन्द्रनाथ हे पर संगोष्ठी में भाग लिया
18-12-2013: प्रशिक्षित छात्रों ने भाग लिया, और, उपासना मंदिर, शांति निक्तन पर कोरस गाने प्रदर्शन
22-12-2013: भाग लिया और बैतालिक पर गीत का प्रदर्शन किया।
23-12-2013: भाग लिया और 7 पौष उपासना, शांतिनिक्तन पर गाने का प्रदर्शन किया।
25-12-2013: श्राद्धबासर में प्रदर्शन गाने, शांतिनिक्तन
25-12-2013: उपासना मंदिर, शांति निक्तन में भाग लिया और प्रदर्शन गाने
22-01-2014: भाग लिया और साप्ताहिक मंदिर, उपासना मंदिर, शांति निक्तन में एकल गीत का प्रदर्शन
25-01-2014: भाग लिया और में गाने का प्रदर्शन किया।
26-01-2014: भाग लिया और गणतंत्र दिवस परेड, शारीरिक शिक्षा जमीन, शांति निक्तन पर गाने का प्रदर्शन किया।

31-01-2014: भाग लिया और संगीत भवन में नई बिल्डिंग, उपासना मंदिर, शांति निक्तन के उद्घाटन में गाने का प्रदर्शन किया।

19-02-2014: मायेर खेला नृत्य नाटिका में प्रदर्शन किया, लेडी ब्राबन कॉलेज, कोलकाता।

15-03-2014: बसंत-उत्सव समारोह और एकल गायन, आश्रम मठ, शांति निक्तन में भाग लिया।

16-03-2014: सुबह के सत्र, आश्रम मठ, शांति निक्तन में वसन्तोतसव में भाग लिया।

16-03-2014: सोलो बसंत वसन्तोतसव की शाम, शांति निक्तन आश्रम मठ में गा

सुरजीत रेः

27-03-2013: शांति निक्तन में सुबह के सत्र में वसन्तोतसव में भाग लिया ..

27-03-2013: शाम के सत्र, शांति निक्तन में वसन्तोतसव में प्रदर्शन किया।

15-04-2013: उपासना मंदिर, शांति निक्तन में कोरस गाने प्रदर्शन

15-04-2013: शांतिनिकेतन में में कोरस गाने प्रदर्शन

15-04-2013: के उद्घाटन में प्रदर्शन किया कोरस गाने, शांतिनिक्तन

2013/09/05: कोरस गाने प्रदर्शन किया और 25 बैशाख, उपासना मंदिर, शांति निक्तन में कार्यक्रम में भाग लिया

2013/09/05: एकल गीतों का प्रदर्शन किया और 25 बैशाख, श्यामली, उत्तरायण, शांति निक्तन, उपासना मंदिर, शांति निक्तन में कार्यक्रम में भाग लिया

2013/03/07: भाग लिया और साप्ताहिक मंदिर में गाने का प्रदर्शन किया।

31-07-2013: साप्ताहिक मंदिर में भाग लिया और प्रदर्शन किया गाने, उपासना मंदिर, शांति निक्तन

2013/08/08: भाग लिया और 22, उपासना मंदिर, शांति निक्तन में गाने का प्रदर्शन किया।

2013/08/08: भाग लिया और गणित, शांतिनिक्तन में गाने का प्रदर्शन किया।

2013/12/03: भाग लिया और रवीन्द्र सभागार, शांति निक्तन के कार्यक्रम में गीतों का प्रदर्शन

13-08-2013: भाग लिया और रवीन्द्र सभागार, शांति निक्तन के कार्यक्रम में गीतों का प्रदर्शन

14-08-2013: भाग लिया और रवीन्द्र सभागार, शांति निक्तन के कार्यक्रम में गीतों का प्रदर्शन किया।

15-08-2013: भाग लिया और स्वतंत्रता दिवस पर ध्वज आरोहण 'के कार्यक्रम में गीतों का प्रदर्शन किया। संयुक्त रूप से की देखरेख, शारीरिक शिक्षा जमीन, शांति निक्तन।

16-08-2013: भाग लिया और 'के कार्यक्रम में गीतों का प्रदर्शन किया। संयुक्त रूप से की देखरेख, शांति निक्तन।

28-06-2013: भाग लिया और उत्सव, उदयनाचार्य गृह, उत्तरायण, शांतिनिक्तन नोबल पुरस्कार के 100 साल के अवसर पर माननीय राज्यपाल की उपस्थिति में गुहाघर के उद्घाटन के कार्यक्रम का प्रदर्शन किया।

28-06-2013: नोबल पुरस्कार के 100 साल उत्सव के अवसर पर माननीय राज्यपाल को संबोधित कार्यक्रम में भाग लिया, लिपिका सभागार

21-23.06्। 2013: भारतीय शास्त्रीय संगीत के सौंदर्य, लिपिका सभागार पर संगोष्ठी में भाग लिया।

2013/08/31 के लिए 29:, ख्र्द्रत्त्ठ्ठ सभागारः दिलीप कुमार हे रवीन्द्रनाथ हे पर संगोष्ठी भाग लिया

18-12-2013: प्रशिक्षित छात्रों ने भाग लिया, और उपासना मंदिर, शांति निक्तन पर कोरस गाने प्रदर्शन

22-12-2013: भाग लिया और पर गीत का प्रदर्शन किया।

23-12-2013: भाग लिया और 7 पौष उपासना, शांति निक्तन में गाने का प्रदर्शन किया।

25-12-2013: श्राद्धबासर में प्रदर्शन गाने, शांतिनिक्तन

25-12-2013: ख्रीस्टोत्सव उपासना मंदिर, शांतिनिक्तन में भाग लिया और प्रदर्शन गाने

22-01-2014: भाग लिया और साप्ताहिक मंदिर, उपासना मंदिर, शांतिनिकेतन में एकल गीत का प्रदर्शन

25-01-2014: भाग लिया और माघोत्सव में गाने का प्रदर्शन किया।

26-01-2014: भाग लिया और गणतंत्र दिवस परेड, शारीरिक शिक्षा जमीन, शांति निकेतन पर गाने का प्रदर्शन किया।
31-01-2014: भाग लिया और संगीत भवन में नई बिल्डिंग, उपासना मंदिर, शांति निकेतन के उद्घाटन में गाने का प्रदर्शन किया।
19-02-2014: मायेर खेला नृत्य नाटिका में प्रदर्शन किया, लेडी ब्राबन कॉलेज, कोलकाता।
15-03-2014: बसंत-उत्सव समारोह और एकल गायन, आश्रम मठ, शांति निकेतन में भाग लिया।
16-03-2014: सुबह के सत्र, आश्रम मठ, शांति निकेतन में बसन्तोतसव में भाग लिया।
16-03-2014: सोलो बसंतउत्सव की शाम, शांति निकेतन आश्रम मठ में गा

तखेल्लाबम ज्ञानापति देवीः

2013/08/08: वृक्षरोपण के जुलूस के लिए निर्देशित नृत्य।
16-08-2013: प्रदर्शन किया और वर्षामंगल के लिए नृत्य निर्देशन किया
16-03-2014: यह देखते हुए मंच प्रदर्शन और बसंत उत्सव के लिए बना नृत्य।

मृत्युंजय कुमार प्रभाकरः

डाइट, दरियागंज की पुतली के साथ थिएटर कार्यशाला था और लिखित और निर्देशित मेरे द्वारा 'रजिया सुल्तान' एक एक अधिनियम खेलने के लिए तैयार है।
10 मार्च 2014: कालिदास रंगालय पटना, बिहार में का शो, मेरे द्वारा लिखित और निर्देशित।

एन पी शंकरनारायणन

21 मई 2013: विश्वभारती ग्रन्थन विभाग, जीडी बिरला सभागृह, कोलकाता द्वारा आयोजित एक नृत्य नाटिका में भाग लिया।
28 मई 2013: केरल कलामंडलम, केरल में पर पारंपरिक कथकली कार्यक्रम प्रदर्शन किया।
8 और 9 जून 2013: केरल में पारंपरिक कथकली कार्यक्रम प्रदर्शन किया।
20 जून 2013: विश्वभारती, शांतिनिकेतन में नोबेल पुरस्कार समारोह के 100 साल के अवसर पर माननीय राज्यपाल, प. बंगाल की उपस्थिति में एक परंपरागत कथकली कार्यक्रम में ।
23 अगस्त 2013: प्रदर्शन टैगोर नृत्य नाटिका 'शेप-मोचन' टलि क्लब कोलकाता द्वारा आयोजित।
29-31 अगस्त 2013: तीन दिन सेमिनार- रवीन्द्रनाथ हे समसामयिक बांग्ला, अतुल प्रसाद, दिलीप कुमार और नजरूल
11 वीं और 12 सितंबर, 2013: रवींद्र पर एक संगोष्ठी में भाग लिया।
17 वीं -20 जनवरी 2014: महागमी संगीत अकादमी और सांस्कृतिक संबंध, औरंगाबाद मंत्रालय द्वारा आयोजित, संगीत और नृत्य, पर कथकली प्रदर्शन कार्यक्रम।
3 और 4 जनवरी 2014: अच्छी तरह से केरल में पारंपरिक कथकली कार्यक्रम में जाना जाता है का प्रदर्शन किया।
20 जनवरी 2014 को 17 वीं: महागमी संगीत अकादमी सी और सांस्कृतिक संबंध ओ सी मंत्रालय द्वारा आयोजित औरंगाबाद पर प्रदर्शन पारंपरिक कथकली कार्यक्रम सांलगदेव समारोह संगीत और नृत्य राष्ट्रीय महोत्सव
जनवरी 2014: माननीय राज्यपाल, प. बंगाल की बहुमूल्य उपस्थिति में के पारंपरिक प्रदर्शन खेला गया।
फ़रवरी 2014: गीतांजलि में पारंपरिक कथकली कार्यक्रम प्रदर्शन किया।
16 मार्च 2014: वसंत उत्सव, विश्वभारती, शांतिनिकेतन के अवसर पर 'टैगोर नृत्य प्रदर्शन किया।

मृत्युंजय कुमार प्रभाकरः -

26 मार्च 2014: 'भिखारी ठाकुर और बहिष्कार की राजनीति' कला और सौंदर्य, जेएनयू के स्कूल द्वारा आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी में प्रस्तुत कागज।

मनोज कुमार शर्माः

9 वीं और 10 फ़रवरी 2014: कर्मी मंडली, विश्वभारती, शांतिनिकेतन के साथ संघ में महिला अध्ययन केन्द्र द्वारा आयोजित 'भारतीय रंगमंच में महिलाओं की उपलब्धियों पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
19 फ़रवरी 2014: टेगोरियन्स नृत्य नाटिका मायेर खेला 'में सितार वादन में साथ थे, लेडी ब्रेबॉर्न कॉलेज, कोलकाता में प्रो अजंता चौधरी, एलामनि एसोसिएशन, लेडी ब्रेबॉर्न कॉलेज, कोलकाता द्वारा आमंत्रित किया जा रहा है।
23 अप्रैल 2014: रवींद्र उत्सव के अवसर पर विदेशी छात्रों के कार्यक्रम, संगीत-भवन का आयोजन।

अमर्त्य मुखर्जीः

2014/02/07: और एनएसएस और शारीरिक शिक्षा विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार के कार्यक्रम में प्रदर्शन किया।
19 02, 2014: लेडी ब्रेबॉर्न कॉलेज, कोलकाता में नृत्य नाटिका खेला, में प्रदर्शन प्रो अजंता चौधरी, एसोसिएशन, लेडी कॉलेज, कोलकाता द्वारा आमंत्रित किया जा रहा है।
2014/03/16: विश्वभारती, शांतिनिकेतन में के अवसर पर रवीन्द्रनाथ टेगोरियन्स नृत्य नाटिका श्यामा में प्रदर्शन किया।
2014/03/16: विश्वभारती, शांतिनिकेतन में वसन्तोतसव की सुबह कार्यक्रम में सुनाई्।
24 03, 2014 को 21: लिपिका ऑडिटोरियम में रवींद्रनाथ टैगोर और ग्लोबल / स्थानीय हस्तियों : चार दिनों सहभागिता पर रवींद्र भवन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

सुमित बसुः

25 मई 2013: कविगुरु स्मरणम में प्रदर्शन किया, गीतांजली, बोलपुर में, SSDA के साथ सहयोग में और रामधारी सिंह 'दिनकर' स्मृति न्यास, दिल्ली द्वारा आयोजित। पंडित की उपस्थिति म्। बिरजू महाराज्।
29, 30, 31 अगस्त 2013: लिपिका में आयोजित में भाग लिया दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी।
20 और 21 सितंबर, 2013: भाग लिया और पर पेपर प्रस्तुत 'भारतीय परंपराओं, पर मार्गेरिटा कॉलेज में मणिपुरी यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में सांस्कृतिक विरासत,' इंडियन परफॉर्मिंग आर्ट; विरासत और परंपरा ' डिब्रुगढ़ यूनिवर्सिटी के तहत, असमिया, मार्गेरिटा कॉलेज विभाग द्वारा आयोजित।
15 सितंबर 2013: दूरदर्शन शांतिनिकेतन में शास्त्रीय नृत्य प्रदर्शन किया।
14 से 16 / सितम्बर, 2013 वें: भाग लिया और हिंदी क्त्ध्छ्ध्म्ण उत्सव पर हिन्दी भवन के राष्ट्रीय में समारोह में तुलसी भजन के साथ नृत्य का प्रदर्शन किया।
01-07 अक्टूबर, 2013: नृत्य विभाग में विजिटिंग फैक्लटी के रूप में, सरोजिनी नायडू कला के स्कूल और संचार, हैदराबाद विश्वविद्यालय का दौरा किया।
31 अक्टूबर 2013: डॉ त्रिगुणा सेन सभागार, जादवपुर में, भानु सिंहेर पदावली प्रदर्शन किया।
15 और 17 नवंबर 2013: भाग लिया और और जैव प्रौद्योगिकी में फ्रंटियर्स, विश्व भारती पर राष्ट्रीय सम्मेलन में, 'भारतीय शास्त्रीय लोक धुन और शैली के साथ टैगोर नृत्य की झलक' पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।
का आयोजन किया और वैली अकादमी, रायपुर में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की कला रूपों पर दिया प्रशिक्षण,: 02/ 10 दिसंबर, 2013 को।
7 जनवरी 2014: कॉलेज, लखनऊ के सिटी ग्रुप में टैगोर संगीत और नृत्य प्रदर्शन किया।
6 जनवरी 2014: माननीय की उपस्थिति में, लखनऊ यूथ हॉस्टल में टैगोर संगीत और नृत्य प्रदर्शन किया। नारायण दत्त तिवारी, पूर्व राज्यपाल।
9 और 10 फ़रवरी 2014: महिला अध्ययन केंद्र, वीबी द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में, मणिपुरी गीतीनाट्य और नृतिनाट्य में महिलाओं की भूमिका पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
18-19 फ़रवरी, 2014: दर्शन और तुलनात्मक धर्म विभाग द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में श्री श्री रामकृष्ण के 'अध्यात्म' और मणिपुर के रहस्यवादी नृत्य परंपरा पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
5 जून 12, 2014 को: रवीन्द्रनाथ और शांति निकेतन, टैगोर स्टडीज यूनिट, विश्व भारती पर एक ओरिएंटेशन

कार्यक्रम में भाग लिया।
13 मार्च 2014: आकाशवाणी, शांति निकेतन में, रवींद्र नृत्य नाट्येर धारा केबारे में, मानशी में एक चर्चा में भाग लिया।
विभागों में अनुसंधान परियोजनाओं के लिए जा रहा परः
संगीत-भवन केलिए अपने सभी अनुसंधान गतिविधियों केंद्रित कर रहे हैं जिसके तहत रवींद्र संगीत गवेषणा केन्द्र के साथ ऊपर आ गया है। परियोजनाओं के कुछ अब तक कर रहे हैं- हाथ में लिया
1. शिक्षक का नामः - प्रो इंद्राणी मुखोपाध्याय
2. परियोजना का नाम - कालानुक्रमिक रवींद्र संगीत प्रकल्प (केआरएसपी)
3.. प्रायोजन एजेंसियां - विश्वभारती
4. स्वीकृत राशि - 10,00,000 / - प्रथम चरण में्।।
5. परियोजना केवी अवधि - 5 साल
एक परियोजना टेगोरियन्स फाल्गुनी आइडेनटिटिड किया गया है पुनर्जीवित करने केलिए और खुद को मंजूरी दे दी है टैगोर द्वारा मंचन के रूप में तैयारी फाल्गुनी की एक पुनरुद्धार के रूप में इसे करने के लिए मंच।
व्याख्यान प्रदर्शनों में टेगोरियन्स एकल और समूह गान की नियमित प्रस्तुति गवेषणा केन्द्र की एक विशेषता है।
विस्तार गतिविधियों / एनएसएस / सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों विभाग द्वारा आयोजित और विभाग के शिक्षकों द्वारा भाग लिया।
सांस्कृतिक कार्यक्रम
भवन द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम पहले से ही अलग-अलग प्रोफाइल में उल्लेख किया गया है।
शिक्षक / विद्वान या (डीएसए या कैस आदि के रूप में मान्यता की तरह) एक पूरे के रूप में विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक भेद्। : शून्य
वर्ष अप्रैल 2013-मार्च 2014 के भीतर प्रकाशन।
इंद्राणी मुखोपाध्यायः
2014/01/29: रवींद्रनाथ टैगोर, राजभवन, कोलकाता केलिए नोबेल पुरस्कार केपुरस्कार और हवाले की शताब्दी मना संयुक्त रूप से सुशांत दत्तगुप्त, समसामयिक पेपर 8 के साथ गीतांजलि को गीतांजलि (बंगाली) से संक्रमण (गीत पेशकश),।
माधबी रूजः
कलामंदिर कोलकाता में बीरभूमेर लोकसंगीत पर एक पुस्तक, 21 शतक: 11 सितम्बर 2013
स्वस्तिक मुखोपाध्यायः
सीडी प्रकाशनः
2013, मईः मोमो मनासा साथीः भावना रिकॉर्ड्स द्वारा प्रकाशित रवीन्द्रसंगीत की एक एकल एलबम
जुलाई 2013: तोमारी ओनुभोबे : रजनीकान्त सेन के गीतों का एक एल्बम, भावना रिकॉर्ड्स द्वारा प्रकाशित
अगस्त, 2013: अर्घ्यः रवींद्र संगीत का एक एलबम, संगीत 2000 द्वारा प्रकाशित
अक्टूबर 2013: जेई दीन फुटलो कमलः मुक्ता धारा की ओर से जारी एक सीडी। शीर्षक हज़ार कांथा के तहत नेताजी इंडोर स्टेडियम में एक जीने के प्रदर्शन।
नवंबर 2013: एसए द्वारा प्रकाशित शांतिनिकेतन से रत्न (दो गीत) गा मा रहे हैं्।
जनवरी 2014: संस्कृत रवीन्द्र संगीत : गाथानी रिकॉर्ड्स द्वारा प्रकाशित संस्कृत में टैगोर के गीतों
मोहन कुमारन पीः
अंतरराष्ट्रीय ई-पत्रिका 'संगीत आकाशगंगा' में सौंदर्यशास्त्र पर दो लेख प्रकाशित किया। http://sangeetgalaxy.co.in/ आईएसएसएन 2319 - 9695
पत्रिकाओं के संपादकत्वः अंतर्राष्ट्रीय ई जर्नल 'संगीत आकाशगंगा' http के लिए संपादकीय सलाहकार बोर्ड के

सदस्यः / sangeetgalaxy.co.in/ आईएसएसएन 2319-9695।

सप्तर्षि राय

सानाईयेर श्रवणशिल्पी रवीन्द्रनाथ साहित्य परिषद पत्रिका (वॉल्यूम। 117, No.2-4, 1417)

मृत्युंजय कुमार प्रभाकरः

'शशि देखो जग बंदना'-संकलित प्रकाशन द्वारा प्रकाशित एक नाटक, जनवरी, 2014, आईएसबीएन 9788192458939
इंकलिट प्रकाशन द्वारा प्रकाशित न्युगि वा थियंग का खेल 'ब्लैक साधु', फ़रवरी 2014, आईएसबीएन 9788192458922
के 'जायें करने जायें कहाँ' -एक अनुकूलन'अंधा युगः एक पुनरावलोकन' - पत्रिका सम्वेद में प्रकाशित एक लेख में, जून 2013, आईएसएसएन 2231-3885

नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या विभाग द्वारा शुरू की किसी भी अन्य शिक्षण नवाचारों डिजाइनिंगः

एम फिल की शुरुआत की। रवीन्द्रसंगीत में कोर्स

संगीत-भवन शैक्षणिक वर्ष 2014-15 से कोलकाता में रवींद्र संगीत में रवीन्द्रनृत्य और दो साल केसर्टिफिकेट कोर्स पर नए कालिकुलम शुरू करने की योजना बनाई है।

संगीत-भवन पांच विजिटिंग प्रोफेसरों, अवकाश प्राप्त प्रोफेसर और वे हैं दो सहायक प्रोफेसरों केलिए भाग्यशाली हैः

प्रो. सीतांशु रे, अवकाश प्राप्त प्रोफेर्स
प्रो. अरूप रतन बंदोपाध्याय, एमिरेटस प्रोफेर्स।
प्रो. अरुण कुमार बसु, विजिटिंग प्रोफेर्स।
प्रो. लालकृष्ण यतीन्द्र सिंह, विजिटिंग प्रोफेर्स।
प्रो. संदीप बसु सर्वाधिकारी, सहायक प्रोफेर्स।

विकास केलिए भविष्य की योजना का एक संकेत केसाथ संबंध भवन / सदन / विभाग केविकास पर एक संक्षिप्त इतिहास।

विश्वभारती विश्वविद्यालय केतहत संगीत, नृत्य और नाटक केएक संस्थान केरूप में संगीत भवन कार्यों और त्योहारों जैसे आयोजन में केरूप में ज्यादा अपने नियमित भागीदारी केरूप में प्रकृति में बिल्कुल अनोखा है बंगाली नव वर्ष केदिन और टेगिरियन्स जन्म दिन, 7 पौष, आदि बारिश, टैगोर सप्ताह, ट्री रोपण समारोह, शरद ऋतु महोत्सव, वसंत महोत्सव केरूप में अच्छी तरह से साप्ताहिक मंदिर सेवा (उपासना) केसमारोह में रखी नीचे केरूप में रवीन्द्रनाथ टैगोर केसमय केबाद विश्वविद्यालय की विधियों्। असंख्य अन्य संगीत सईरीस भी विश्वविद्यालय के सम्मान मेहमानों, अन्य विभाग केसेमिनार केसम्मान में प्रस्तुत कर रहे हैं्। साल भर में्। दबाव में मुख्य रूप से विभाग पर है। रवींद्र संगीत की और भी आंशिक रूप से विभाग पर नृत्य, की, जो सभी केविभाग केभीतर गिर जाते हैं्। रवींद्र संगीत, नृत्य और नाटक की। ये संस्थान के पाठ्यक्रम केबाहर झूठ लेकिन हमारे छात्रों को मंच प्रदर्शन से परिचित हो जाते हैं और जीवन में बाद में अलग-अलग कलाकारों बनने केलिए जो मदद एकीकृत कारक हैं जो गतिविधियों रहे हैं्। यह भी वर्तमान में पूरे देश केलिए जरूरी हो गया है, जो शांति निकेतन की परंपरा ऑपलिफट्स जो एक अनिवार्य पहलू केरूप में माना जाता है।

यह तेजी से रवींद्रनाथ टैगोर की नृत्य विचारों नृत्य केबारे में टेगोरियन विचारों का सार पेश करेंगे जो एक व्यवस्थित पाठ्यक्रम, भीतर रखा जाना चाहिए कि महसूस की गई है। इसलिए हम ईमानदारी से रवीन्द्रनृत्य पर हमारी आगामी कोर्स शांति निकेतन में परंपरा केलिए एक योगदान केसाथ आ जाएगा कि लग रहा है।

इसराज केलिए केंद्र भवन इसे टैगोर की एक पसंदीदा था जो इस दुर्लभ साधन, केसंरक्षण और अभ्यास केलिए योगदान देगा का मानना है कि जहां एक और क्षेत्र है। इस केंद्र केमाध्यम से हम खेल रहे हैं और सभी तरह केसाधन थिओराइजिंग, अभ्यास केसंरक्षण की उम्मीद है।

विभाग केप्रमुख की राय में लायक रिपोर्टिंग है जो किसी भी अन्य प्रासंगिक जानकारी, शामिल किया जाना

चाहिए।

हम समान रूप से नियमित रूप से शैक्षणिक कार्य के साथ शामिल हैं जो संस्थान के शिक्षकों की मदद से विभिन्न मौसमी और दिन के रूप में चिह्नित कार्यक्रम आयोजित करने के लिए जिम्मेदारी के साथ दिया जाता है। महान शिक्षक की दृष्टि रवीन्द्रनाथ आदि सब मानवीय और सांस्कृतिक पहलुओं, पारंपरिक मूल्यों, जीवन के दार्शनिक मूल्यों, विचारों, उन में आत्मसात किया जाएगा जिसके द्वारा छात्रों के लिए एक पूर्ण शिक्षा देने के लिए किया गया था। उनकी दृष्टि मात्र डिग्री धारकों के उत्पादन के लिए लेकिन मोल्ड और खुद में जीवन के सभी उच्च और सूक्ष्म मूल्यों होता है, जो एक असली आदमी के लिए छात्रों को आकार देने के लिए नहीं था। यह अफसोस शिक्षा, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के संबंध में विश्वभारती और विशेष रूप से संगीत-भवन टैगोर के विचारों के लिए है कि इसके विपरीत द्वारा महसूस की गई है अपने रिकॉर्ड पर यह तहत एक और केन्द्रीय विश्वविद्यालय बस में इस विश्वविद्यालय तब्दील हो गया है। कोई अन्य केन्द्रीय विश्वविद्यालय टैगोर की तरह एक दृष्टि से एक आदमी द्वारा स्थापित किया गया था के रूप में हमारी आवश्यकताओं और काम की प्रकृति हमारे देश में किसी भी अन्य केन्द्रीय विश्वविद्यालय के बराबर हेय दृष्टि से देखा नहीं जा सकता। कोई भी निर्णय लेते समय इसलिए, यह इन बातों विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है कि महसूस किया है।

संगीत-भवन की उपलब्धि के बारे में, यह विशेष रूप से रवींद्रनाथ टैगोर 150 वीं जयंती संगीत-भवन के अवसर पर प्रो के सक्षम नेतृत्व में सेमिनार आदि, कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया आयोजन किया और प्रदर्शन किया गया है, उल्लेखनीय है कि करने के लिए लायक है इंद्राणी मुखोपाध्याय, 2013-2014 के दौरान यहां शांतिनिकेतन और भारत के अन्य स्थानों में और विदेशों में हाल के दिनों में तो अब प्रधानाचार्य संगीत-भवन और प्रोवोस्ट।

हिन्दुस्तानी क्लासिकल संगीत

हिन्दुस्तानी क्लासीकल संगीत विभाग : यूजीसी/सीएसआईआर/नेट/एसएलईटी तथा गेट की परीक्षाओं में सफल छात्रों का नाम :

मोनाली बैरागी (नेट) विभागीय परिसंसद (वक्ता, परिसंवाद या शीर्षक तथा दिनांक)

21-06-2013 भारतीय क्लासीकल संगीत की उपयुक्तता पर परिसंवाद

वक्तागण : पं. मोतीलाल नाग, प्रो. अरुण बसु, प्रो. इन्द्राणी मुखोपाध्याय, प्रो. काबेरी कर, प्रो. मोहन सिंह खंगूड़ा।

22.06. 2013

वक्तागण : शंकरलाल भट्टाचार्य, प्रो. सितांशु राय तथा प्रो. ताप्ती मुखोपाध्याय। परिसंवाद के पश्चात् पं. मोतीलाल नाग तथा मीता नाग द्वारा सीतारवादन का आयोजन हुआ।

23.06.013

पद्मश्री वसीफुदीन डागर द्वारा स्वर संगीत, पं. दालचंद शर्मा द्वारा परवावज पर व्याख्यान....., तबला पर व्याख्यान पं. गोविन्द बसु, पूर्णिमा सेन द्वारा स्व संगीत।

केवल राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन/परिसंवाद/कर्मशाल/प्रदर्शनी/कार्य प्रदर्शन को शिक्षकों तथा शोध-विद्वानों ने संवोधित किया।

मोहन सिंह खंगूड़ा

16 फरवरी, 2014 को स्वामी विवेकानन्द के जन्मस्थान पर "जलसाघर" कोलकाता द्वारा आयोजित कार्यक्रम में ध्रुपद पर

शव्यसाची सार्खेल

27 मार्च, 2013 को वसन्तोत्सव के मौके पर नृत्य नाटिका "शापमोचन" शांतिनिकेतन में भाग

14 अप्रैल, 2013 पहला वैशाख को वर्दमान में सितारवादन

21 मई, 2013 तथा 23 अगस्त, 2013 को नृत्य नाटिका "शापमोचन" में "विरला शायागार" तथा कोलकाता टैलीक्लव में अंशग्रहण।

21-23 जून, 2013 संगीत भावना तथा विश्वभारती द्वारा डी.टी. जोशी को श्रद्धांजलि स्वरूप भारतीय क्लाशीकल संगीत की उपयुक्तता पर तीन दिवसीय परिसंवाद कार्यक्रम में मुस्तैदी से अंशग्रहण।

24 जून, 2013 : सिलीगुड़ी में सितारवादन।

25 जून, 2013 : कोलकाता के आकाशवाणी केन्द्र में सितारवादन।

29-30 अगस्त, 2013 : संगीत भावना तथा विश्व भारती द्वारा आयोजित रवीन्द्रनाथ, डी. एल. राय, अतुल प्रसाद, रजनीकान्त, दिलीप कुमार राय तथा नजरूल पर राष्ट्रीय परिसंवाद में अंशग्रहण।

16-18 दिसंबर, 2013 : रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय में संगीत पद्धति का प्रशिक्षण तथा पठन के लिए अंतर्राष्ट्रीय परिसंवाद में एक सत्र की अध्यक्षता।

6 तथा 7 सितंबर, 2013 : "विविधता में एकता, राष्ट्रीय परिसंवाद के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि : ईश्वरचन्द्र विद्यासागर कॉलेज, बेलोनिया, त्रिपुरा में भारतीय संस्कृति में टैगोर के विचार" पर

11-12 सितंबर, 2013 को कलाकुँज, कोलकाता में "रविन्द्र संगीतेर भुवन" पर राष्ट्रीय परिसंवाद में अंशग्रहण।

22-23 नवंबर, 2013 को पूर्व मेदिनीपुर के मुगबोरिया गंगासागर महाविद्यालय में राष्ट्रीय परिसंवाद में अंशग्रहण तथा संगीत की तार्किक परिदृष्टि के ऊपर व्याख्यान तथा

काबेरी कर

20-26 मई, 2013 : आईआईएम, जोका, कोलकाता में एसपीआईसी-एमएसीएवाई के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में

अंशग्रहण।
21-23 जीन 2013 "शांतिनिकेतन में भारतीय क्लासीकल संजी की उपयुक्तता" पर राष्ट्रीय परिसंवाद में सहयोगी।
13-15 अगस्त, 2013 : सांस्कृतिक मंत्रालय के अधीन हिन्दुस्थानी क्लासीकल संगीत युवा कलाकारों को चयन के लिए राष्ट्रीय छात्रवृद्धि योजना में जज नियुक्त।
29-30 अगस्त, 2013 : रविन्द्रनाथ, डी. एल. राय, अतुल प्रसाद, रजनीकांत, दिलीप कुमार राय तथा नजरूल के ऊपर संगीत शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद में अंशग्रहण किया।
2 अक्टूबर, 2013 : उत्तर कोलकाता संगीत चक्र द्वारा शोभावाज़ार ठाकुरवाड़ी में आयोजित ध्रुपद का प्रदर्शन किया।
17 नवंबर, 2013 : स्वामी विवेकानन्द सार्धशती के अवसर पर रामकृष्ण शारदा मिशन द्वारा यादवपुर विश्वविद्यालय में ध्रुपद का प्रदर्शन।
20 दिसंबर, 2013 संगीत भवन के छात्रों द्वारा हिन्दुस्तानी क्लासीकल संगीत के प्रशिक्षण में अंशग्रहण।
6-8 फरवरी, 2014 वाराणसी में बनारस ध्रुपद मेला द्वारा आयोजित ध्रुपद कार्यक्रम में प्रदर्शन।
20-21 मार्च, 2014 भारतीय संगीत के अभिप्राय तथा सौंदर्य एवं व्याख्यान माला में राष्ट्रीय परिसंवाद में संगीत, विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में अंशग्रहण।

सुनिल कबीराज

25 जुलाई, 2013 : उपकूलपति प्रो. सुशांत दत्तागुप्ता द्वारा एशिया के प्रथम उत्कृष्ट शांतिनिकेतन के समृद्धकाल-कुछ गीतों के माध्यम से के अन्तर्गत व्याख्यान में शामिल। यह कार्यक्रम एन. ए. एस.आई, इलाहावाद के तत्वावधान के संगीत भवन द्वारा प्रदर्शित किया गया।
26 जुलाई, 2013 "टैगोर माडल ऑफ हालिस्टिक एडुकेशन-फ्रोम ग्रासरुट टू दि हिग्स बोसान" पर व्याख्यान कार्यक्रम में अंशग्रहण। टैगोर पब्लिक स्कूल, इलाहाबाद के तत्ववावधान में संगीत भवन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सुशान्त दत्तागुप्ता द्वारा व्याख्यान।
28 जून, 2013 विश्व भारती, शांतिनिकेतन द्वारा "लीपीक" में महामहिन राज्यपाल की उपस्थिति में नॉवेल पुरस्कार के 100 वर्ष पुर्त्ति के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल।
19 जून, 2013 जेसी बोस तथा रविन्द्रनाथ "संसार की दो महान विभूत्तियों" पर सुशान्त दत्तागुप्ता द्वारा व्याख्यान तथा संगीत भवन द्वारा प्रदर्शित टैगोर नृत्य-गीत ते कार्यक्रम में शामिल।
21 दिसंबर, 2013 गीतांजली से उद्धृत इन्डियाज फस्ट नावेल....एण्ड ए फिउ सांग आफरिंग पर उपकुलपति प्रो. सुशांत दत्तागुप्ता द्वारा व्याख्यान में अंशग्रहण।
सी. एन. आर. राव एडुकेशन, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस द्वारा आयोजित जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस साइंटीफीक रिसर्च बैंगलोर के तत्वावधान में संगीत भवन द्वारा आयोजित टैगोर नृत्य-गीत में प्रदर्शन।

स्वपन कुमार घोष

24 मार्च, 2014 आकाशवाणी, दिल्ली के राष्ट्रीय कार्यक्रम में एकांत संगीत का प्रदर्शन।

निखिलेश चौधरी

21-23 जून, 2013 संगीत भवन, विश्व भारती के "लिपिका" में हिंदूस्तानी क्लासीकल संगीत विभाग द्वारा आयोजित "भारतीय क्लासीकल संगीत की उपयुक्तता" हिन्दुस्तानी क्लासीकल संगीत विभाग, संगीत भवन, विश्व भारती "लिपिका" में राष्ट्रीय परिसंवाद में अंशग्रहण।
25-31 अगस्त, 2013 "रवीन्द्रनाथ वो समसामयिक बांग्ला गीतीकाजेन—द्विजेन्द्रलाल, अतुल प्रसाद, दिलीप कुमार, नजरूल" संगीत भवन, विश्वभारती, लिपीक में आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद में अंशग्रहण।
28 मार्च, 2013 अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा तथा प्रबंध संस्थान, नई दिल्ली द्वारा "विशिष्ट शिक्षा" प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।

दिलीप कुमार कर्मकार

3 अगस्त, 2013 'संत तुलसीदास' पर हिन्दी भवन, विश्व भारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय परिसंवाद में अंशग्रहण।

25-31 अगस्त, 2013 'लिपिका' विश्वभारती कक्षैय रवीन्द्रनाथ वो समसामयिक बांग्ला गीतिकार्गन : द्विजेन्द्रलाल, अतुल प्रसाद, दिलीप कुमार, नजरूल" पर संगीत भवन द्वारा आयोजित परिसंवाद में अंशग्रहण।

बासवी मुखर्जी

25-26 मार्च यूनिवर्सिटी ग्रांट कमिशन द्वारा प्रतिवेदित "भारतीय संगीत का ध्रुविकरण पर प्रभाव" के सम्मेलन में दो सत्रों का अध्यक्षा के रूप में निवेहन।

10 अक्टूबर, 2013 : रखाल तथा सादाश का इन्टरनेट रेडियो "सुरतरंग" यू. के. का प्रदर्शन।

17 मार्च, 2014 : दुरदर्शन, शांतिनिकेतन के प्रातः काटारिन प्रसारन में ख्याल तथा ठुमरी राजका प्रदर्शन।

बुद्धदेब दास

12 अप्रैल, 2013 : शांतिनिकेतन के "लिपिका" समागार में "टैगोर ओकेम्पो" तथा नाटक "फाल्गुनी" का रवीन्द्र संगीत गवेशना केन्द्र द्वारा विशेष वर्षान्त में एशराज पर प्रदर्शन।

21 अप्रैल, 2013 : संगीत विद्यालय नादनिक सौदपुर एकान्त गीत-गापन।

7 मई, 2013 एसराज पर रवीन्द्रसंगीत कार्यक्रम में अंशग्रहण जिसे कोलकाता दूरदर्शन ने रिकॉर्ड कर 2 जून 2013 को प्रसार किया।

21 मई, 2013 एसराज पर एशिया का "फर्स्ट नवल : ए फिउ सांग आफरिंग" सम्मेलन जो रवीन्द्रनाथ टैगोर के जन्मदिन पर "शापमोचन" नृत्य-नाटिका के साथ जी.डी विड़ला सभागार, कोलकाता में अंशग्रहण।

27 मई, 2013 : आईसीसीआर, कोलकाता में "सांग आफटिंग ऑफ गीतांजली" के एक कार्यक्रम में एसराज पर प्रदर्शन।

26 जूनस 2013 : एसराज पर रवीन्द्र संगीत कार्यक्रम में अंशग्रहण जिसे कोलकाता दूरदर्शन ने रिकॉर्ड कर 8 जूलाई 2013 को प्रसारित किया।

23 अगस्त एसराज पर कार्यकर्ता का कोलकाता दूरदर्शन द्वारा रिकॉर्डिंग तथा 4 अगस्त 2013 को प्रसारण।

25 अगस्त, 2013 : गीतांजली के स्क्रीप्ट पर कोलकाता दूरदर्शन के कार्यक्रम जिसे विश्व भारती के उपकूलपति ने प्रदर्शित किया।

23 अगस्त, 2013 : "शापमोचन" नृत्य-नाटिका का टैलीक्लव, टालीगंज, कोलकाता द्वारा कार्यक्रम में अंशग्रहण।

31 अगस्त 2013 : रवीन्द्रनाथ टैगोर तथा समकालीन द्विजेन्द्रलाल, अतुलप्रसाद, रजनीकान्त, दिलीप कुमार, नजरूल पर संगीत भवन, विश्व भारती द्वारा लिपिका समागार में आयोजित कार्यक्रम में प्रदर्शन।

12 सितंबर, 2013 : कलाकुँज, सभागार, कोलकाता में विश्व भारती संगीत समिति तथा विश्व भारती ग्रन्था विभाग द्वारा आयोजित परिसंवाद में प्रदर्शित।

21 जनवरी, 2013 : इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में एशिया के "फर्स्ट नवेल : ए फिउ सांग अफरिंग" कार्यक्रम में अंशग्रहण।

24 जनवरी, 2014 : भारत के राष्ट्रपति के आमंत्रण पर एशिया के फर्स्ट नवेल, ए फिउ सांग आफरिंग के कार्यक्रम में अंशग्रहण।

28 जनवरी 2014 : पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के अनुरोध पर राजभवन कोलकाता में गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर को नावेल पुरस्कार प्रदान किये जाने के शतवार्षिकी के कार्यक्रम में प्रदर्शन।

7 फरवरी, 2014 एसराज, क्लासीकल गायन संगीत संस्था–ठाकुर नगर, वनगाँव उत्तर 24 परगना में हिन्द्रोल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रदर्शन।

12 फरवरी, 2013 : आकाशवाणी कोलकाता केन्द्र के प्रसारभारती द्वारा रिकॉर्डिंग कर क्लासीकल जसराज पर

कार्यक्रम का 18 फरवरी 2014 को प्रसारण।

28 फरवरी, 2013 : लेडी ब्रेबर्न कॉलेज, कोलकाता द्वारा आयोजित "मायार खेला" नृत्य-नाटिका में अंशग्रहण

संदीप कुमार घोष

5 मार्च, 2013 : एक कलाकार के रूप में इंदिरा गांधी नेशनल इंटिग्रेशन सेंटर द्वारा स्वामी विवेकानन्द के ऊपर एक कार्यक्रम में प्रद्रशित।

21-23 जून 2013 : हिन्दूस्तानी क्लासीकल संगीत विभाग संगीत भवन, विश्व भारती द्वारा भारतीय क्लासीकल संगीत की उपयुक्तला पर लिपिका सभागार, शांतिनिकेतन में तीन दिवसीय आयोजन में अंशग्रहण तथा प्रदर्शन।

24-31 मार्च, 2013 : रवीन्द्रनाथ तथा समकालिक बांग्ला गीतकारों के ऊपर एक परिसंबाद में अंशग्रहण।

5 मार्च, 2013 पश्चिम बंगाल सरकार के कविता उत्सव कार्यक्रम में बतौर कलाकार अंशग्रहणष

7 अगस्त, 2013 सत्यजीत राय सभागार, कोलकाता में रोटेरी क्लव ऑफ काशीपुर तथा पार्थ सुभम सोसाइटी, कोलकाता के संयुक्त कार्यक्रम में अंशग्रहण।

19-20 फरवरी, 2014 : आकाशवाणी, कोलकाता केन्द्र में तवलावादन।

24 मार्च, 2014 : आकाशवाणी, कोलकाता के राष्ट्रीय प्रसारण पर तवलावादन।

9 अप्रैल, 2014 : कलाकार के रूप में आकाशवाणी के कोलकाता केन्द्र नेम प्रदर्शन

20 जनवरी, 18 फरवरी–25 मार्च 2014 : अरविंद भवन, शांतिनिकेतन में तवला का प्रदर्शन।

तापस चटर्जी

21-23 जून-2012 : भारतीय क्लासीकल संगीत की उपकूलपति पर हिन्दूस्तानी क्लासीकल संगीत, संगीत भवन, विश्व भारती द्वारा लिपिका सभागार, विश्व भारती में राष्ट्रीय परिसंवाद में अंशग्रहण।

29-31 अगस्त, 2013 : रवीन्द्रनाथ तथा समसामयिक गीतकारों–द्विजेन्द्रलाल, अतुल प्रसाद, दीलिप कुमार, नजरूल पर लिपिका सभागार विशव भारती परिसंवाद में अंशग्रहण।

11-12 सितंबर, 2013 : "रवीन्द्र संगीतेर भवन" ग्रंथन विभाग, विश्व भारती द्वारा कलाकुँज में अंशग्रहण।

17-20 जनवरी, 2014 : औरंगावाद में "महागानी संगीत एकाडेमी तथा सांस्कृतिक मंत्रालय के संयुक्त कार्यक्रम में हिस्सा।"

इशिता चक्रवर्ती

17-18 अगस्त, 2013 : वर्दमान जिले के भारती भवन बर्नपुर में वार्षिक संगीत प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में नियंत्रण।

रंजीत दास

21-23 जून, 2013 : भारतीय क्लासीकल संगीत की उपयुक्तता परिसंवाद में अंशग्रहण जिसका आयोजन हिन्दूस्तानी क्लासीकल संगीत, संगीत भवन, विश्व भारती ने लिपिका सभागार में किया।

27-31 अगस्त, 2013 : रवीन्द्रनाथ तथा समसामयिक गीतकारों–द्विजेन्द्रलाल, अतुल प्रसाद, दीलिप कुमार, नजरूल पर लिपिका सभागार में परिसंवाद में अंशग्रहण।

अमित वर्मा

सिंतबर 2014 : राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में प्रदर्शन।

10 फरवरी, 2014 : कर्मी मंडली, विश्व भारती तथा नारी शिक्षा केन्द्र के संयुक्त आयोजन "भारतीय नाट्यशाला में महिलाओं की भागीदारी" पर कार्यशाला में अंशग्रहण।

3 दिसंबर, 2013 : हिन्दूस्तानी क्लासीकल संगीत में एकनिष्ट गायन कार्यक्रम रंजनी रामचन्द्रन, संगीत भवन, विश्व भारती द्वारा आयोजित अंशग्रहण।

8 दिसंबर, 2013 : नाट्यघर, शांतिनिकेतन में पंचम राष्ट्रीय युवा विज्ञान कांग्रेस में हिन्दूस्तानी क्लासीकल संगीत गायन।

20 दिसंबर, 2013 : विश्व भारती विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित छात्रों द्वारा संगीत गायन में प्रशिक्षण देने का जिम्मा जिसका आयोजन हिन्दूस्तानी क्लासीकल संगीत उत्सव द्वारा किया गया था।

28 दिसंबर, 2013 : विश्व कला संगम, चेन्नई द्वारा आयोजित हरिदास संगीत समारोह में प्रदर्शन।

9 फरवरी, 2014 : आईएनटी आदित्य विड़ला सेंटर फॉर परफर्मिंग आर्ट्स एण्ड रिसर्च में प्रदर्शन।

19 मार्च, 2014 : आईटीसी संगीत रिसर्च एकाडेमी, कोलकाता में संगीत कार्यक्रम।

20-22 मार्च, 2014 : "उत्तर भारतीय क्लसीकल संगीत : ट्रेडिशनाल नॉलेज एंड मर्डन इन्टरप्रेटेशन" पर यादवपुर विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ कल्चरल टेक्सट एंड रिकॉर्डस विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अंशग्रहण तथा प्रदर्शन।

मौसमी राय

21-22 जून, 2013 : भारतीय क्लासीकल संगीत की उपयुक्तता पर हिन्दूस्तानी क्लासीकल संगीत विभाग द्वारा संगीत भवन, लिपिका सभागार, विश्वभारती में अंशग्रहण।

29-31 अगस्त, 2013 : "रवीन्द्रनाथ और समकालीन बांग्ला गीतकारों–द्विजेन्द्रलाल, अतुल प्रसाद, दीलिप कुमार, नजरूल पर" राष्ट्रीय परिसंवाद में अंशग्रहण।

3 अगस्त, 2013 : 73 वें तुलसीदास जयंती के अवसर पर हिन्दी भवन, विश्व भारती द्वारा आयोजित "संत तुलसीदास" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय परिसंवाद में अंशग्रहण।

13 मार्च, 2014 : "हजरत अमीर खुसरो तथा उनका संगीत" पर जामिया मीलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के फारसी विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में स्मारक व्याख्यान

आवीर सिंह खंगूड़ा

5-13 से 17-13 : दो महीने यूरोपीयन देशों का दौड़ा कर भारतीय क्लासीकल वाद्य "एसराज" के प्रचार-प्रसार के लिए काफी प्रयास किये तथा 18 संगीत कार्यक्रम किए। जिन देशों का दौड़ा किया वे हैं–फीनलैंड, फ्रांस, जर्मनी, स्वीजरलैंड (अली अकवर संगीत कॉलेज) तथा बेल्जियम।

मनोज कुमार शर्मा

8 दिसंबर, 2013 : नाट्यघर, शांतिनिकेतन में पंचम राष्ट्रीय, युवा साइंस कांग्रेस में संगीत गायन।

19 दिसंबर, 2013 : संगीत भवन, विश्व भारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित "हिन्दुस्तानी क्लासीकल संगीत उत्सव में एकल गायन।"

9-10 फरवरी, 2014 : विश्व भारती के नारी शिक्षा केन्द्र तथा कर्मी मंडल के संयुक्त आयोजन में "भारतीय नाटक में महिलाओं की भागीदारी" पर राष्ट्रीय परिसंवाद में अंशग्रहण।

19 फरवरी, 2014 : "टैगोर की नृत्य-नाटिका, मायार खेला" के प्रो. अजन्ता चौधरी के आमंत्रण पर लेडी ब्रेवार्न कॉलेज में सितारवादन।

23 अप्रैल 2014 : रवीन्द्र उत्सव के अवसर पर "ऐयर टाइम मार्केटिंग एंड सेल्स इंडिया प्रा. लि." द्वारा कलकत्ता क्लव में आयोजित कार्यक्रम में विदेशी छात्रों को प्रशिक्षण कार्यक्रम।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

15 अप्रैल 2013 (बंग्ला नया साल) के अवसर पर भट्टाचार्य द्वारा "खयाल गायन"

6 दिसंबर, 2013 : भारत गणराज्य के माननीय राष्ट्रपति महामहिम श्री प्रणव मुखर्जी के आगमन पर नाट्यघर, शांतिनिकेतन में एक क्लासीकल संगीत तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें रंजनी रामचन्द्रन शुभायु सेन मजुमदार तथा आवीर सिंह खोगुड़ा ने भाग लिया।

21 मई 2013 : रवीन्द्र जन्मोत्सव के अवसर पर रवीन्द्रनाथ विड़ला की नृत्यनाटिका "शापमोचन" का मचन जी. डी विड़ला सभागार, कोलकाता में विश्व भारती के प्रकाशन विभाग के आमंत्रण पर किया गया था।

मोहन सिंह खंगुड़ा

भारतीय क्लासीकल संगीत तथा पंजाबी सांस्कृतिक में अहम योगदान के लिए भारत सरकार की पंजाबी एकाडेमी द्वारा मई 2013 में पुरस्कृत।

11 मई, 2014 को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में "संगीत नाटक एकाडेमी पुरस्कार से पुरस्कृत" मानवीय संस्कृति में उत्कृष्ट रचनात्मक योगदान के लिए एशियेटिक सोसाइटी द्वारा मई 2014 में "रवीन्द्रनाथ टैगोर जन्मशतवार्षिकी" के अवसर पर मई 2014 में पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा "बंगविभूषण" सम्मान से सम्मानित।

सव्यसाची सार्खेल

आकाशवाणी के नई दिल्ली केन्द्र के ऑडीशन बोर्ड द्वारा सर्वोच्चम पुरस्कार मार्च 2014।

स्वपन कुमार घोष

आकाशवाणी के कोलकाता केन्द्र ऑडीशन बोर्ड द्वारा सर्वोत्तम पुरस्कार नवंबर 2013।

मौसमी राय

8 दिसंबर, 2013 को विरला एकाडेमी ऑफ आर्ट एंड कल्चर में "सुरनन्दन भारती" द्वारा "नन्दनमी" सम्मान से सम्मानित।

रंजनी रामचन्द्रन

रामकृष्णबुका वेज युवा गायक पुरस्कार पुना द्वारा 3 दिसम्बर 2014 को उसी दिन गन्धर्व महाविद्यालय, पुणे, महाराष्ट्र में गायन कार्यकृत।

अप्रैल 2013 से मार्च 2014 में प्रकाशन

स्वपन कुमार घोष

ओरीजीन एंड इवोल्यूशन ऑफ परवावज का "न्यू डायमेन्शन ऑफ इंडियन म्यूजिक" नायक पुस्तक में पृष्ठ 170-177 पर प्रकाशित जिसका संवादन किया था तृप्ति वातवे ने—प्रकाशक है कनिष्का पब्लीशर्स, वितरक, नई दिल्ली--110002-201ईका आईएसबीएन– 978-81-8457-5323।

वासवी मुखर्जी

अ) सारेगम इंडिया लि., मुम्बई द्वारा 2013 दिसंबर में "रोमान्स ऑफ इन्डियन स्पीरीच्यूअलिटी" नामक धार्मिक गीतों का एलबम।

ब) एसपेम्ट ऑफ इम्प्राआइजेशन इन हिन्दूस्तानी क्लासीकल मयूजिक का प्रतिष्ठित पत्रिका "समकालिका संगीतम" में सितंबर 2013 में प्रकाशन।

स) प्रश्नोत्तर के रूप में विशेष साक्षात्कार साइवर लिटरेचर जर्नल के विशेष अंक में प्रकाशन नवंबर 2013।

मौसमी राय

"भैरवीसुर एक मानविक संपर्क, एक मानविक चेतना" नामक लेख का "रा-पत्रिका, कोलकाता-86" में 2013 में प्रकाशन।

"राग-रागीनीर घूम भांगानो द्विजेन्द्रलालेर गान" नामक लेख का 2013 के "आत्मविकास-कोलकाता-89" में प्रकाशन।

अमितकुमार वर्मा

सितंबर 2013 के कलाकुंज पत्रिका में "संगीत के विकास में संगीत पत्रिकाओं का योगदान" नामक लेख का प्रकाशन।

अगस्त 2013 के कलाकुंज पत्रिका में "नादाधिनाम" जगत नामक लेख का प्रकाशन।

जुलाई 2013 संगीत गैलेसी ई-जरनल में "तवला वादन में गणित के माध्यम से सौंदर्य सृष्टि" नामक लेख का प्रकाशन।

इन्टरनेट के माध्यम से संगीत शिक्षा : एक दृष्टि" जून के कलाकुंज प्रकाशित।

विनय भवन (शिक्षा संकाय)

यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / सेट/ और गेट परीक्षा में योग्य छात्रों का नाम

यूजीसी-नेटः 9 छात्रों

शबनम आरा यास्मीन, अरिफा सुल्ताना, छाया दास, अलका मोकतन, मनोजित कोले पतित पॉल, दिलबाग सिंह, कलपतरू मंडल और रथीन्द्र चंद्र डे

विभागीय सेमिनार (वक्ताओं, संगोष्ठी का शीर्षक, दिनांक)

10 अप्रैल 2013: स्वामी तनमयानंद, सचिव, रामकृष्ण वेदांत ट्रस्ट, अंबिकापुर, छत्तीसगढ़ से व्यक्तित्व एवं नेतृत्व विकास पर व्याख्यान।

4 जून 2013: डॉ एन प्रधान, प्रमुख, शिक्षा विभाग, रावेनशॉ विश्वविद्यालय, कटक, उड़ीसा द्वारा शिक्षा में गुणात्मक अनुसंधान पर व्याख्यान।

05-06 सितंबर 2013: इस तरह के प्रो आंद्रे बेटले, मुख्य अतिथि और प्रो. वी.सी वैशिसथा, लखनऊ विश्वविद्यालय (मुख्य वक्ता के अध्यक्ष) के रूप में अवकाश प्राप्त प्रोफेसर के रूप में भागीदारी के साथ नई विश्व व्यवस्था में भारत का प्रतिनिधित्व करनाः राधाकृष्णन की विरासत पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी ।

11 नवंबर 2013: प्रो. करूणा सिंधु, फॉरमर कुलपति, रवींद्र भारती विश्वविद्यालय, मुख्य अतिथि के रूप में कोलकाता के साथ राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाने के लिए 'शिक्षा का अधिकार' 'विषय पर एक रैली और एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन।

16-17 जनवरी 2014: स्वामी विश्वनाथानंदा, कोलकाता और डॉ राजा घोष, अध्यक्ष, उपस्थिति में बीरभूम जिले के प्राइमरी स्कूल में परिषद के साथ बीरभूम जिला, पश्चिम बंगाल के स्कूल शिक्षक (प्राथमिक स्तर) के मूल्य उन्मुख शिक्षा पर दो दिवसीय कार्यशाला।

03-04 फ़रवरी 2014: शांति के खजाने पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठीः प्रो मोहम्मद अख्तर सिद्दीकी (जामिया मिलिया इस्लामिया, मुख्य अतिथि और प्रो राकेश चन्द्र, लखनऊ विश्वविद्यालय के रूप में नई दिल्ली के साथ भारतीय शिक्षा के दार्शनिक विरासत, मुख्य वक्ता के अध्यक्ष के रूप में ।

24-25 मार्च 2014: स्वामी स्वरनंदा, सचिव, संस्थान और संस्कृति, रामकृष्ण मिशन, कोलकाता के साथ माध्यमिक स्कूल के शिक्षकों और व्यवस्थापकों के मान उन्मुखीकरण पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला।

केवल राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि शिक्षकों ने भाग लिया/ विवरण में अनुसंधान विद्वानोंः

सबुजकली सेन

2013/05/09 पर शिक्षा विभाग, विनयभवन, विश्वभारती द्वारा आयोजितः नई विश्व व्यवस्था में भारत का प्रतिनिधित्व करना राधाकृष्णन की विरासत 'विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में उद्घाटन भाषण दिया।

2014/01/01 के लिए 31/12/2013 दौरान शिक्षा विभाग, विनयभवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित, एक जग राष्ट्रीयता के लिए व्यक्तित्व और नेतृत्व विकास 'विषय पर शिविर में उद्घाटन भाषण दिया।

16/1/2014 पर शिक्षा विभाग, विनयभवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित बीरभूम, पर्ि चम बंगाल के स्कूल शिक्षक (प्राथमिक स्तर) के मूल्य उन्मुख शिक्षा 'विषय पर कार्यशाला में उद्घाटन भाषण दिया।

03-04 फ़रवरी, 2014 के दौरान शिक्षा, विनयभवन, विश्वभारती विभाग द्वारा आयोजित 'भारतीय शिक्षा के दार्शनिक विरासत शांति का खजाना', पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में उद्घाटन भाषण दिया।

24-25 मार्च, 2014 के दौरान शिक्षा विभाग, विनयभवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित, माध्यमिक स्कूल के शिक्षकों और प्रशासक के मूल्य अभिविन्यास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में उद्घाटन भाषण दिया।

21 पर अर्थशास्त्र, विश्वभारती, विभाग और 22 मार्च 2014 द्वारा आयोजित 'भारत में कृषि संकट और पर्यावरणीय चुनौतियों की राजनीतिक अर्थव्यवस्था' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में उद्घाटन भाषण दिया।

30 मार्च को नेताजी सुभाष ओपन यूनिवर्सिटी, 2014 द्वारा आयोजित टीचर्स एजुकेशन कोर्स का पाठ्यक्रम विकास 'विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।

8 मार्च 2014 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रवींद्र भवन और महिला अध्ययन केन्द्र, विश्वभारती द्वारा आयोजित 'भारतीय शास्त्रों में महिलाओं की स्थिति पर एक व्याख्यान दिया।

24 मार्च 2014 - 21 पर रवींद्र भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजितः रवीन्द्रनाथ और ग्लोबल / स्थानीय हस्तियों सहभागिता 'विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र की अध्यक्षता की।

शारीरिक शिक्षा विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजितः - खेल व्यक्तियों के न्यूरो पेशी सद्भाव के लिए एक महत्वपूर्ण कैरियर विकास और युवा खेल, मानसिक विश्राम के मनोवैज्ञानिक पहलुओं खेल और व्यायाम मनोविज्ञान पर खेल मनोविज्ञान के 24 वें राष्ट्रीय सम्मेलन पर उद्घाटन भाषण दिया , 4 जनवरी 2014 पर।

7 फ़रवरी 2014 पर शारीरिक शिक्षा विभाग, विश्व भारती, शांति निकेतन द्वारा आयोजित 'ग्लोबल मानव संसाधन के विकास के लिए पारंपरिक खेल और आधुनिक खेल पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पर उद्घाटन भाषण दिया।

2008 से अब तक के लिए संस्कृति के रामकृष्ण मिशन संस्थान, कोलकाता में विश्व पाठ्यक्रम के प्रमुख धर्मों, में संसाधन व्यक्ति। धार्मिक अध्ययन और बौद्ध धर्म के इतिहास पर नियमित रूप से व्याख्यान देने। निम्नलिखित तारीखों में दिया व्याख्यानः

2014/11/02 के लिए 2013/09/24, 2014/02/08 के लिए 2013/08/18, 2013/09/21, 2014/02/18 के लिए 2014/02/17 के लिए 2013/08/15।

बीरभूम जिला, प चिम बंगाल के स्कूल शिक्षक (प्राथमिक स्तर) की शिक्षा उन्मुखी मूल्यों पर कार्यशाला - 2014/01/16 पर एक व्याख्यान दिया।

3 फरवरी और 4 फ़रवरी 2014 को भारतीय शिक्षा के दार्शनिक विरासतः शांति के खजाने पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में उद्घाटन भाषण दिया।

24 मार्च और 25 मार्च 2014 पर माध्यमिक स्कूल के शिक्षकों और व्यवस्थापकों के मूल्यों उन्मुखीकरण पर राष्ट्रीय कार्यशाला में उद्घाटन भाषण दिया।

आईसीसीआर में छद्गठ्ठदत्ब्ढ्ढ की टैगोर के दर्शन 'विषय पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित 2013/12/15 पर।

इंटरनेशनल

2013/10/14 से दुनिया के विभिन्न देशों के शिक्षा प्रशासकों के लिए जेआईसीए द्वारा आयोजित निरक्षरता उन्मूलन पर एक माह की अवधि के कार्यक्रम में ओकिनावा में भारत, जापान का प्रतिनिधित्व किया।

पेपर्स प्रकाशित

श्री रामकृष्णः श्री रामकृष्ण के विचारों और हमारे समय में प्रकाशित नारीवादी नजरिए सेः एक स्मारक वॉल्यूम, संस्कृति, रामकृष्ण मिशन बेलूर मठ के रामकृष्ण मिशन संस्थान, 2013 आईएसबीएन नहींः 978-93-81325-25-4 ।

स्वामी विवेकानंदः 19 वीं सदी के स्वामी विवेकानंद में प्रकाशितः नए दृष्टिकोण, स्वामी विवेकानंद पर एक संकलन, संस्कृति, कोलकाता, 2013 के रामकृष्ण मिशन संस्थान, आईएसबीएन नहींः 978-83-81325-23-0

बेनुधर चिनारा

7 सितंबर 2013: भाग लिया और संयुक्त रूप से (सोमा बनर्जी) 'प्राथमिक विद्यालय में हिंसा की रोकथाम के माध्यम से शांति को बढ़ावा देनेः आसाम के एक मामले में' शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत श्रीधर विश्वविद्यालय, पिलानी द्वारा आयोजित 'अहिंसा और शान्ति शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी' एक में, राजस्थान।

18 अक्टूबर 2013: भाग लिया और संयुक्त रूप से (सत्यजीत भगदड़) महाविर महाविद्यालय, कोल्हापुर द्वारा आयोजित एक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित 'अध्यापक शिक्षा, शारीरिक शिक्षा और खेल में

चुनौतियां पर राष्ट्रीय सम्मेलन' में 'गुणवत्ता प्राथमिक शिक्षक शिक्षा के लिए अनुसंधान के महत्वपूर्ण क्षेत्र' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत , महाराष्ट्र।

16 जनवरी 2014: भाग लिया और 'मान-शासित स्कूलों में जीवनः शिक्षक आत्म प्रतिबिंब' शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत 'स्कूल शिक्षक (प्राथमिक स्तर) के मान-उन्मुख शिक्षा पर कार्यशाला' एक बीरभूम जिला प्राथमिक स्कूल परिषद द्वारा प्रायोजित में विभाग द्वारा आयोजित शिक्षा, विश्वभारती, शांतिनिकेतन की।

24 मार्च 2014: भाग लिया और एक कागज हकदार शिक्षा विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित 'माध्यमिक स्कूल के शिक्षकों और प्रशासकों के मान उन्मुखीकरण पर राष्ट्रीय कार्यशाला' एक 'में मूल्यों का एक वैचारिक स्पष्टीकरण' प्रस्तुत किया।

अन्य :

6 जनवरी 2014: शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित '। सामाजिक विज्ञान में पीएचडी स्कॉलर्स के लिए अनुसंधान क्रियाविधि कोर्स' एक आईसीएसएसआर के प्रायोजित में 11 जनवरी 2014 को 'मात्रात्मक अनुसंधान में एक अनुसंधान डिजाइन की मूल बातें समझना' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया, कोलकाता, कोलकाता विश्वविद्यालय।

28 फ़रवरी 2014: वितरित अनुसंधान क्रियाविधि 'हकदार वरिष्ठ कॉलेज और विश्वविद्यालय संकाय के व्यावसायिक विकास के लिए शिक्षा के क्षेत्र में एक शॉर्ट टर्म कोर्स में 5 मार्च 2014 को' शिक्षा के क्षेत्र में एक अनुसंधान समस्या के संचालन में कुछ बुनियादी अवधारणाओं की आपरेशनल स्पष्टीकरण 'शीर्षक से एक व्याख्यानः तथ्य और फिक्शन 'संयुक्त रूप से शिक्षा के अकादमिक स्टाफ कॉलेज और विभाग, कोलकाता, कोलकाता विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की।

5 सितंबर, 2014: पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में विषय 'शिक्षक शिक्षा और राधाकृष्णा' पर एक सत्र की अध्यक्षता की 'राधाकृष्णन की विरासतः में भारत का प्रतिनिधित्व नई विश्व व्यवस्था' शिक्षा विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित।

कान्हू चरण साहू

12 अप्रैल 2013: मुख्य नोट भाषण दिया और शिक्षा, विश्वविद्यालय, पुरुलिया, पि चम बंगाल विभाग द्वारा आयोजित शान्ति शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी,। 29 अप्रैल 2013: एच के सी सी, गंगटोक, सिक्किम द्वारा आयोजित और मुख्य अतिथि के रूप में 'शिक्षक शिक्षा के लिए गुणवत्ता इनपुट' पर एक व्याख्यान दिया अध्यापक शिक्षा में बढ़ाना गुणवत्ता के लिए रणनीतियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

5 सितंबर, 2013: नई विश्व व्यवस्था, शिक्षा संस्थान, विश्वभारती, शांतिनिकेतन में भारत का प्रतिनिधित्व करनाः राधाकृष्णन की विरासत पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

3 फ़रवरी 2014: ट्रांकुलिटी के खजाने पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लियाः 3-4 फरवरी को शिक्षा विभाग, विनयभवन द्वारा आयोजित भारतीय शिक्षा के दार्शनिक विरासत भाग लिया।

प्रह्लाद रॉय

5 सितंबर, 2013: राष्ट्रीय राधाकृष्णन की विरासत पर संगोष्ठीः नई विश्व व्यवस्था, शिक्षा, विश्वभारती, शांतिनिकेतन के संस्थान में भारत का प्रतिनिधित्व करना है, और एक पेपर प्रस्तुत किया।

3 फ़रवरी 2014: भारतीय शिक्षा के दार्शनिक विरासत शिक्षा विभाग, विनयभवन द्वारा आयोजितः ट्रांकुबलिटी के खजाने पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भागीदारी।

2 अक्टूबर 2013: आमंत्रित एवं बेसिक शिक्षा पर संसाधन व्यक्ति, भारतीय शिक्षा के मार्गदर्शक आत्मा, स्वराजनगर टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, बांकुड़ा, पश्चिम बंगाल के रूप में भाषण दिया।

7 मार्च 2014: आमंत्रित एवं बांग्ला भाषार बिबारतंर गतिधारा, विभाग पर मुख्य अतिथि के रूप में भाषण दिया। बंगाली और शिक्षा (सहयोग), श्रीलंका महाविद्यालय, श्रीलंका, असम की।

8 मार्च 2014: आमंत्रित और लोकतंत्र एवं महिला सशक्तिकरण, विभाग पर मुख्य अतिथि के रूप में भाषण दिया। राजनीति विज्ञान, श्रीलंका महाविद्यालय, श्रीलंका, असम की।

अन्य :

दौरा किया मनाया और शारीरिक शिक्षा, पलामू, झारखंड, अक्टूबर 2013 के लिए चंद्राबगची कॉलेज को सूचना दी।

का दौरा किया मनाया और 12 जनवरी 2014 आनंदपुर बी.एड कॉलेज, आनंदपुर, ओडिशा, पर सूचना दी।
का दौरा किया मनाया और 13 जनवरी 2014 माध्यमिक ट्रेनिंग स्कूल, क्योंझर, ओडिशा, पर सूचना दी।
का दौरा किया मनाया और 14 जनवरी 2014 माध्यमिक ट्रेनिंग स्कूल, आनंदपुर, ओडिशा, पर सूचना दी।
का दौरा किया, और देखा मधेपुरा बी.एड कॉलेज, मधेपुरा, बिहार, 8 फ़रवरी 2014 को सूचना दी।
का दौरा किया, और देखा जगतसिंहपुर बी.एड कॉलेज, जगतसिंहपुर, ओडिशा, 20 फ़रवरी 2014 को सूचना दी।
का दौरा किया मनाया और 6 मार्च 2014 अध्यापक शिक्षा, तेजपुर, असम, के लिए तेजपुर कॉलेज को सूचना दी।
16-17 जनवरी 2014, कार्यशाला सह-समन्वयक के रूप में संगठितः कार्यशाला स्कूल के शिक्षकों की मान-उन्मुख शिक्षा (प्राथमिक स्तर), विभाग प। शिक्षा, विनयभवन, विश्वभारती की।

आशीष श्रीवास्तव

5 सितंबर, 2013: राष्ट्रीय राधाकृष्णन की विरासत पर संगोष्ठीः शिक्षा, विश्वभारती, शांतिनिकेतन की नई विश्व व्यवस्था संस्थान में भारत का प्रतिनिधित्व करना, और 'नई विश्व व्यवस्था में शैक्षिक सुधारोंः पोस्ट आधुनिक भारतीय शिक्षा तलाश' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

9 दिसंबर 2013: बीएड पर कार्यशाला शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 2010 की लाइट में पाठ्यक्रम, और' -2009 में पाठ्यचर्या एवं शिक्षाशास्त्र' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

18 जनवरी 2014: शांतिनिकेतन चैरिटेबल ट्रस्ट, विश्वभारती द्वारा आयोजित इंटर धार्मिक समझ पर एक सम्मेलन।

3 फ़रवरी 2014: खजाने पर राष्ट्रीय संगोष्ठीः शिक्षा, विनयभवन विभाग द्वारा आयोजित भारतीय शिक्षा के दार्शनिक विरासत, और 'पोस्ट स्वतंत्र भारतीय शिक्षा में नव-यथार्थवादी अंतर्धारा' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

9 फ़रवरी 2014: महिला अध्ययन केन्द्र, विश्वभारती द्वारा आयोजित भारतीय रंगमंच महिला अध्ययन केंद्र में महिलाओं की उपलब्धियां, और 'आधुनिक भारतीय रंगमंच में नव यथार्थवाद' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

1 मार्च 2014: गणित स्नातक स्तर पर सेमेस्टर प्रणाली के तहत शिक्षण पर राष्ट्रीय कार्यशालाः परिप्रेक्ष्य और रणनीतियाँ गणित की शिक्षा, विज्ञान विश्वभारती, शांतिनिकेतन के संस्थान के लिए केन्द्र द्वारा आयोजित किया। 'सेमेस्टर प्रणाली में आकलन रणनीतियाँ' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

17 फ़रवरी 2014: आरटीई -2009 आर.आई.ई.-एनसीईआरटी, भुवनेश्वर, ओडिशा पर आरटीई -2009 प्रशिक्षण कार्यक्रम पर पश्चिम बंगाल राज्य के आहार शिक्षकों की ट्रेनिंग।

6 जनवरी 2014: शिक्षा के मिथकों और वास्तविकताओं विभाग, कोलकाता, कोलकाता विश्वविद्यालयः आईसीएसएसआर क्वालिटेटिव रिसर्च बनाम मात्रात्मक अनुसंधान क्रियाविधि कार्यक्रम प्रायोजित किया।

16 दिसंबर 2013: एक सप्ताह कार्यशाला पश्चिम बंगाल राज्य आर.आई.ई.-एनसीईआरटी, भुवनेश्वर, ओडिशा के लिए आरटीई अधिनियम 2009 (धारा 29) पर संसाधन सामग्री का विकास करना।

10 जून 2013: शिक्षा सदन, पोर्ट ब्लेयर, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में डीईपी-एसएसए, इग्नू-मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित अंडमान और निकोबार द्वीप, पोर्ट ब्लेयर के मास्टर ट्रेनर्स के लिए प्राथमिक शिक्षा में गुणवत्ता के मुद्दों पर एक सप्ताह के प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला ।

22 नवंबर 2013: कॉलेज, मालदा, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित बेहतर भविष्य के लिए समस्याएं और जिस तरह से आउटः शैक्षणिक एवं इसके समुचित क्रियान्वयन के अधिकार पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में संसाधन व्यक्ति
16 दिसंबर 2013: आर.आई.ई.-एनसीईआरटी, भुवनेश्वर, ओडिशा द्वारा आयोजित पश्चिम बंगाल राज्य के लिए आरटीई अधिनियम 2009 (धारा 29) पर संसाधन सामग्री के विकास पर एक सप्ताह कार्यशाला।

3 जून 2013: उत्तर प्रदेश आम सोसायटी द्वारा आयोजित आगरा में सेकेंडरी स्कूल मुस्लिम शिक्षक, के लिए 29 शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम में बढ़ाना शिक्षण कौशल पर रिसोर्स पर्सन के रूप में एक व्याख्यान दिया।

मोहम्मद शाईर सिद्दीकी

5-मार्च 2013: जवाहर लाल नेहरू अध्ययन केन्द्र द्वारा आयोजित जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी। ': शैक्षिक रूप से वंचित राष्ट्रीय अल्पसंख्यक के साथ विकास की रणनीति के आर्थिक विकास

की सीमांत लागत' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
9 मार्च 2013: पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। एक कागज हकदार ': शिक्षा, पर्यावरण और सतत विकास आधुनिकता का संकट' प्रस्तुत किया।
23 मार्च 2013: सामाजिक अध्ययन और ग्रामीण विकास, पल्ली चर्चा केन्द्र, श्रीनिकेतन विभाग द्वारा आयोजित विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। ': सतत विकास की दिशा में शिक्षा और सशक्तिकरण' गांवों हकदार एक पेपर प्रस्तुत किया।
5 सितंबर, 2013: विनयभवन द्वारा आयोजित विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पर 'राधाकृष्णन की विरासत' (शिक्षा संस्थान) पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। एक कागज शीर्षक ': भारतीय संस्कृति की सामंजस्यपूर्ण विरासत सूफीवाद' प्रस्तुत किया।
24 नवंबर 2013: 'चुनौतियां और ग्रामीण भारत में समग्र विकास की संभावनाएँ' 23 पर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी नवम्बर, 2013 -24द्यण, एकेद्वारा आयोजित पर हकदार योजना और विकास, अर्थशास्त्र और राजनीति, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, कागज की प्रस्तुति के लिए विभाग दासगुप्ता सेंटर 'ग्रामीण विकास के लिए गुणवत्ता शिक्षाः शिक्षा का अधिकार अधिनियम -2009 के तहत सामुदायिक भागीदारी की भूमिका'
14 दिसंबर 2013: नेहरू अध्ययन केंद्र और यूजीसी सैप, राजनीति विज्ञान, इलाहाबाद, इलाहाबाद, सूफीवाद 'पर हकदार कागज की प्रस्तुति के विश्वविद्यालय विभाग द्वाराः' आदर्शों और सक्रियतावाद शांति और सामाजिक न्याय आंदोलन ': पर राष्ट्रीय संगोष्ठी भारतीय संस्कृति में: प्रेम और भाईचारे का सामंजस्यपूर्ण विरासत '।
17 जनवरी 2014: पर यूजीसी-आईसीएसएसआर प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी: जाकिर हुसैन कॉलेज, वाणिज्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, 'शिक्षा और सतत आर्थिक विकास' पर हकदार कागज की प्रस्तुति द्वारा आयोजित 'विकास की चुनौतियों समग्रता को फिर से आना'।
3 फ़रवरी 2014: 3-4 के दौरान शिक्षा विभाग, विनयभवन (शिक्षा संस्थान) द्वारा आयोजित विश्वभारती, शांतिनिकेतन, फरवरी, 2014 में राष्ट्रीय संगोष्ठी भाग लिया, और बीआईएस शीर्षक से देखा एक पेपर प्रस्तुत कियाः पुनर्विचार शिक्षा के इस्लामी दर्शन '
19 फ़रवरी 2014: शिक्षा के पूर्वोत्तर क्षेत्रीय संस्थान शिलांग, एनसीईआरटी के एक घटक शरीर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। भाग लिया और 'स्कूलों में मानसिक का प्रबंधन और आध्यात्मिक स्वास्थ्य: नीतियां और दार्शनिक परिप्रेक्ष्य' शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया।
1 मार्च 2014: अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में राष्ट्रीय संगोष्ठी। भाग लिया और 'पिचम बंगाल में मदरसा शिक्षाः मुस्लिम अल्पसंख्यक के गायब पहचान, इस्लामी संस्कृति और शिक्षा के अधिकार' शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया।

अन्य :

22 जुलाई 2013: शिक्षा के अधिकार पर अभिविन्यास कार्यक्रम में भाग लिया 'शैक्षिक योजना एवं प्रशासन के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय (न्यूपा) द्वारा आयोजित।
9 दिसंबर 2013: 2009 की लाइट में शिक्षक-शिक्षा पाठ्यक्रम का विकास (बीएड व एमएड)' पर राष्ट्रीय कार्यशाला शिक्षा विभाग, विनयभवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित। ': स्थाई शिक्षक शिक्षा के लिए एक दृष्टिकोण शिक्षा की नींव' पर हकदार रिसोर्स पर्सन के रूप में कागज की प्रस्तुति।
24 दिसंबर 2013: यूजीसी-ए एस सी, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित आर सी / ओ पी सर्दियों स्कूल बराबर में भाग लिया।
24 मार्च 2014: राष्ट्रीय कार्यशाला शिक्षा विभाग, विनयभवन, विश्वभारती, द्वारा आयोजित माध्यमिक स्कूल के शिक्षकों और व्यवस्थापकों के मान उन्मुखीकरण प।

सरिता आनंद

5 सितंबर, 2013: पर राष्ट्रीय संगोष्ठी 'राधाकृष्णन की विरासत: में भारत का प्रतिनिधित्व नई विश्व व्यवस्था' शिक्षा विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित। पर एक पेपर प्रस्तुत 'शिक्षक: 21 वीं सदी में राधाकृष्णन के विजन की प्रासंगिकता'।

3 फ़रवरी 2014: 'शांति का खजानाः भारतीय शिक्षा के दार्शनिक विरासत' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी शिक्षा विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित। ': या बेकार? पारंपरिक और आधुनिक शिक्षण एड्स' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

अन्य :

20 नवंबर 2013: यूजीसी-ए एस सी बनारस हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित शीतकालीन स्कूल में भाग लिया।

शिल्पी घोष

17-23 फ़रवरी 2014: सामाजिक विज्ञान शोध में मुद्दों पर राष्ट्रीय कार्यशाला शिक्षा के संकाय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित। इसके अलावा दो सत्रों की अध्यक्षता की।

प्रसेनजीत साहा

5 सितंबर, 2013: शिक्षा विभाग, भवन विभाग, भारती द्वारा आयोजित 'राधाकृष्णन और महिला शिक्षा' पर एक पेपर प्रस्तुत कियाः नई विश्व व्यवस्था में भारत का प्रतिनिधित्व करना राधाकृष्णन की विरासत 'विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

3 फ़रवरी 2014: शिक्षा विभाग भवन विभाग, विश्व- भारती द्वारा आयोजित 'भारतीय शिक्षा के दार्शनिक विरासत की निधि पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। 'उनके शैक्षिक स्थिति के विशेष संदर्भ में भारतीय समाज में महिलाओं' शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया।

7 फ़रवरी 2014: शारीरिक शिक्षा विभाग, विश्व भारती द्वारा आयोजित पारंपरिक खेल और खेल पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। ': चीन के पारंपरिक प्रथा मार्शल आर्ट्स' पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

1 मार्च 2014: भूगोल विभाग, विश्व भारती द्वारा आयोजित मनुष्य प्रकृति इंटर में रिसर्च फ्रंटियर्स 'विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

तृष्णा बनर्जी

सितंबर 2013 5-6: विनय-भवन (शिक्षा संस्थान), विश्वभारती द्वारा आयोजितः नई विश्व व्यवस्था में भारत का प्रतिनिधित्व करना राधाकृष्णन की विरासत 'विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। बंगाली में प्रस्तुत कागज का शीर्षक': ज्ञान हे कर्मयोगी राधाकृष्णन।

16-17 जनवरी 2014: शिक्षा विभाग, विनय-भवन (शिक्षा संस्थान), विश्वभारती द्वारा आयोजित स्कूल शिक्षक (प्राथमिक स्तर) के मान-उन्मुख शिक्षा 'विषय पर कार्यशाला,। रिसोर्स पर्सन है- ': मध्यकालीन भारतीय भजन के बोल की प्रवर पढ़ना गीतों के माध्यम से मूल्यों को बढ़ावा देने' के रूप में प्रस्तुत कागज के शीर्षक।

3-4 फ़रवरी 2014:, शिक्षा विभाग, विनय-भवन (शिक्षा संस्थान), विश्वभारती द्वारा आयोजित 'भारतीय शिक्षा के दार्शनिक विरासत शांति का खजाना' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। कागज का शीर्षक है, 'भारतीय शिक्षा के विकास पर मध्यकालीन भक्ति दर्शन के प्रभाव एकता की भावना में देवत्व की अभिव्यक्ति' है- प्रस्तुत किया।

अन्य :

24-25 मार्च 2014: राष्ट्रीय कार्यशाला माध्यमिक स्कूल के शिक्षकों और प्रशासकों के मान अभिविन्यास पर, शिक्षा विभाग, विनय-भवन (शिक्षा संस्थान), विश्वभारती द्वारा आयोजित। ': रवींद्र संगीत में सौंदर्य, नैतिक और आध्यात्मिक गीतों के माध्यम से मूल्यों को बढ़ावा देने' रिसोर्स पर्सन है- रूप में प्रस्तुत कागज के शीर्षक।

भाग लिया और सफलतापूर्वक अकादमिक स्टाफ कॉलेज, बर्दवान विश्वविद्यालय में, ग्रेड ए प्राप्त करने, 10 मार्च 2014 को 18 फ़रवरी 2014 से पर्यावरण अध्ययन में यूजीसी प्रायोजित 22 पुन चर्या पाठ्यक्रम पूरा किया।

निबंध की प्रस्तुति पर संगीत-भावना, विश्वभारती से अक्टूबर 2013 में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की उपाधि से सम्मानित किया हकदार, मध्य भक्ति-आंदोलन हे भजन संगीत (भक्ति आंदोलन और मध्यकालीन भारत में भजन संगीत)।

विस्तार गतिविधियों / एनएसएस / सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों विभाग द्वारा आयोजित और विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया

क्र.सं.	तिथि	एक्टिविटी	रिसोर्स पर्सन	शीर्षक
1.	26/11/2013	रामकृष्ण शिक्षा मंदिर एवं बेलुर मठ, शिक्षा विभाग, पाठ भवन के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर	प्रो. सबुजकली सेन निदेशक, एसईआईआरआर एवं प्रिंसिपल, विनय भवन स्वामी तत्वोसरनानन्द, बेलुर मठ, हावड़ा डॉ. के.सी. साहू, एचओडी, डीओई	टू साइन द एमओयू (इन प्रोसेस-एप्रुव्ड इन द लास्ट एकेडेमिक काउंसिल मीटिंग, दिनांक 17.02.2014 इन प्रिंसिपल) - यूईए-ओ)
2.	31/12-2013 एवं 01/01/2014	दो दिवसीय शिविर	स्वामी तन्म्यानंद, सचिव, रामकृष्ण विकास वेदांत ट्रस्ट, अंबिकापुर, छत्तीसगढ़	व्यक्तित्व और नेतृत्व के विकास लिए जागृत राष्ट्रीयता
3.	14/01/2014	सांस्कृतिक कार्यक्रम	ए ट्रुप ऑफ गुवाहाटी, असम	असमिया लोक गीत व बिहू नृत्य
4.	16/02/2014	वन एक्ट प्ले	लकी गुप्ता, श्रीनगर से कलाकार	'मां मुझे टैगोर बना दो'
5.	22/02/2014	व्याख्यान	स्वामी सुदर्शननन्द, वरिष्ठ भिक्षु, रामकृष्ण विकास मिशन, शिलांग	व्यक्तित्व विकास

मार्च 2014 के लिए वर्ष अप्रैल 2013 के भीतर प्रकाशन

बेनुधर चिनारा

वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए शिक्षा। (संयुक्त)। शिक्षा में एक अंतरराष्ट्रीय संदर्भित जर्नल। मुद्दाः मैं जनवरी जून 2014, 65-75्। आईएसएसएनः 2277-3614्।

गुणवत्ता प्राथमिक शिक्षक शिक्षा के लिए अनुसंधान के महत्वपूर्ण क्षेत्र। (संयुक्त)। महावीर महाविद्यालय, कोल्हापुर, महाराष्ट्र, 18-19 अक्टूबर, 2013, 19-22 द्वारा आयोजित अध्यापक शिक्षा में चुनौतियां, शारीरिक शिक्षा और खेल पर दो दिनों के राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही। आईएसबीएनः 978 -81-927211-2-5्।

प्रहलाद रॉय

प्रकाशनः

पुस्तकें

रॉय, डॉ पी (2013 जुलाई)। अरुणाचल प्रदेश और पा चिम बंगाल की जनजातियों पर लोक साहित्य अध्ययन में पौराणिक शिक्षा।

रॉय, डॉ पी (2013 जुलाई)। रवीन्द्रनाथ टैगोर और महात्मा गांधी के दलित शिक्षा योजना।

रॉय, डॉ पी (2013) भारती के विनयभवन पर कार्य शिक्षा प्रकाशन, ए वी एंड कं किलोग्राम, हेनरिक-एसटीआर, 6-8,66121 जर्मनी, आईएसबीएनः। 978-3-659-45701-2्।

शैक्षिक प्रदर्शन और राष्ट्रीय बाल श्रम परियोजना, लापलमबट पब्लिकेशन, ए वी केजी. हेनरिक-एसटीआर, 6-8,66121 सारबरकेन दुतचलाद / जर्मनी, आईएसबीएन 978-3-659-49559-5 का दायित्व।

लेख

अगस्त, 2013, गोल्डन रिसर्च विचार, 2231-5063 'पा चिम बंगाल एक अध्ययन के बीरभूम जिले में प्राथमिक शिक्षा की स्थिति'।

'अपने बच्चों की शिक्षा के प्रति दिहाड़ी श्रमिक की धारणाः पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के एक अध्ययन', अगस्त 2013, सामाजिक विज्ञान कल, 2277-6168 के इंटरनेशनल जर्नल

'स्कूल के बच्चों में सेः पा चिम बंगाल के बीरभूम जिले के एक अध्ययन', सितंबर 2013, सोशल साइंस कल का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, आईएसएसएन 2277-6168्।

'दैनिक मजदूरी श्रमिकों के बच्चों के बीच शैक्षिक असमानताओंः एक अध्ययन', अक्टूबर 2013, सामाजिक विज्ञान

कल, 2277-6168 के इंटरनेशनल जर्नल

कला, विज्ञान, वाणिज्य, अक्टूबर 2013, अंतर्राष्ट्रीय संदर्भित शोध पत्रिका, आईएसएसएन 2231-4172 के शोधकर्ताओं ने विश्व जर्नल

मासिक इन दोनों क्षेत्रों रिसर्च जर्नलः शोध पत्रिका, नवंबर 2013, 2249-894 की समीक्षा।

'सामाजिक रूप से नुकसान समूह की उपलब्धि सीखना - एक अध्ययन', सामाजिक विज्ञान और अंतःविषय अनुसंधान के इंटरनेशनल जर्नल, नवंबर 2013, 2277-3630

'शैक्षिक बर्बादीः प्राथमिक शिक्षा की एक समस्या', मानविकी, कला में रिसर्च की अमेरिकन इंटरनेशनल जर्नल और सामाजिक विज्ञान दिसंबर 2013 से फरवरी 2014, 2328-3784्।

'शिक्षा की दिशा में दैनिक मजदूर के बच्चे की मनोवृत्तिः पर्ि चम बंगाल के बीरभूम जिले के एक अध्ययन', ज्ञान के जर्नल, अगस्त 2013, 2321-791

मासिक इन दोनों क्षेत्रों रिसर्च जर्नलः भारतीय धाराओं शोध पत्रिका, अगस्त 2013, क्ष्च्च् 2230-7850्।

पुस्तकें

एड 'शिक्षा के दार्शनिक विरासत'। मोहम्मद सिद्दीकी व आशीश श्रीवास्तव; नई दिल्ली; एपीएच प्रकाशनः मार्च 2014; आईएसबीएन ग़्दृ.978-93-313-2358-3

लेख

सूफीवाद में छात्रवृत्ति की 'गंभीरता' की अवधारणा समझने,' विश्वभारती, में प्रकाशित, रवींद्रनाथ टैगोर, विश्वभारती, शांतिनिक्तेन, पर्ि चम बंगाल मात्रा 21 नंबर 3 व 4, खंड 22 के द्वारा स्थापित किया गया। संख्याओं 1 और 2 सितंबर 2013: 0972-043

'अहंकार रचनावाद के लिए भारतीय दृष्टिकोण अध्यापक शिक्षा में' में प्रकाशित' बहु अनुशासनिक, द्विवार्षिक और सहकर्मी की समीक्षा जर्नल', कल्याणी, नादिया, पश्चिचम बंगाल, भारत वॉल्यूम - द्वितीय, अंक - 4, नवंबर 2013: । आईएसएसएन-2278-9545

क्रिसेंट मून 'में आ रहा है': बच्चे को शिक्षा का टैगोर के उपचार' ऑनलाइन रिसर्च आज -एक प्रिंट 'में प्रकाशित किया है और खुले उपयोग पत्रिका 1 अंक 3, 2013: 2278-7585

'शिक्षा और भारत के सामाजिक-आर्थिक विकास में महिलाओं की भागीदारीः चुनौतीपूर्ण दुनिया में बदलते परिदृश्य' नामक पुस्तक में प्रकाशित 'भारत में उच्च शिक्षाः सुधार और हकीकत', कोलकाताः महिला एवं प. बंगाल सरकार ने कॉलेज शिक्षकों के लिए शिक्षा के संस्थान एसोसिएशन, 2013: 978-81-8211-111-0

'शारीरिक दंड और शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009: कक्षा में गरिमा के साथ जीवन के लिए अभीप्सा', 'सभी के लिए शिक्षा' नामक पुस्तक में प्रकाशित, एड। जयंत बाँट देना, - नई दिल्लीः एपीएच प्रकाशन निगम, मार्च, 2014: 978-93-313-2283-8

चुनौतियां और रास्ता निकाल समावेशी विकास' अहमद आई 978-93-83334-66-7 द्वारा संपादित एके द्वारा प्रकाशितः 'सतत आर्थिक विकास के लिए शिक्षा पैरामीटर, प्रगति और संभावनाएँ' एक पुस्तक में प्रकाशित शीर्षक से प्रकाशन, दिल्ली वर्ष 2014

'नई दर्शन की भूमिका' एड 'शिक्षा के दार्शनिक विरासत' नामक पुस्तक में प्रकाशित किया है। मोहम्मद सिद्दीकी श्रीवास्तव; नई दिल्ली; एपीएच प्रकाशनः मार्च 2014; आईएसबीएन 978-93-313-2358-3

सरिता आनंद

राष्ट्रीय मनोवैज्ञानिक निगम, आगरा, 2013 से प्रकाशित एक अनुसंधान उपकरण हकदार कैरियर आकांक्षा स्केल (आईएसबीएन 978-93-83398)।

आशीश श्रीवास्तव

पुस्तकें

एड 'शिक्षा के दार्शनिक विरासत'। मोहम्मद सिद्दीकी व श्रीवास्तव; नई दिल्ली; एपीएच प्रकाशनः मार्च 2014;

आईएसबीएन 978-93-313-2358-3

लेख

आईएसएसएनः शैक्षणिक एवं सामाजिक विज्ञान जनवरी 2014 के साइनेज एक अंतर्राष्ट्रीय द्विपक्षीय वार्षिक एवं द्विवार्षिक बहुभाषी संदर्भित रिसर्च जर्नल में प्रकाशित जनजाति प्राथमिक स्कूल के छात्रों में गणित की समस्याएं 2321-6530

तृष्णा बनर्जी

(बंगाली में) द्विजेन्द्रलाल राय, वॉल्यूम। 2, नंबर 4, अप्रैल-जून 2013, एड। कुमार थैला, बर्दवानः डोंगी, 2013: 13-25्। आईएसएसएनः 2249-3751्।

नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या विभाग द्वारा शुरू की किसी भी अन्य शिक्षण नवाचारों डिजाइन

इस वर्ष शिक्षा विभाग बीएड के पाठ्यक्रम में संशोधन किया गया है ध्यान में रखते हुए 2010 के दिशा निर्देशों के अनुसार तीन निम्न

1. एनसीएफटीई 2010
2. 21 वीं सदी शिक्षा और शिक्षार्थियों में बदलती जरूरतों
3. अध्यापक शिक्षा के रवीन्द्रनाथ टैगोर की विचारधारा

कुछ नया भी इस प्रकार के रूप में, को बढ़ाने और विभाग में शिक्षण सीखने की प्रक्रिया का पुनरुद्धार करने के लिए इस साल ले लिया गया है

1. शिक्षा विभाग में विभिन्न पाठ्यक्रमों में पढ़ रहे छात्रों के लिए कम्यूनिकेटिव अंग्रेजी के लिए क्लासेस
2. एलसीडी प्रोजेक्टर की मदद से टीचिंग लर्निंग एंबेडेड आईसीटी।
3. हाथ अनुभव पर और कम्प्यूटर एडेड शिक्षण / प्रशिक्षण (कै / सीएएल) आईसीटी प्रयोगशाला सक्षम होना चाहिए्।
4. शैक्षिक अनुसंधान एवं गाइडेंस सेल और संपर्क शैक्षणिक व्यवस्था से यूजीसी-नेट / जेआरएफ के लिए मास्टर्स 'छात्रों की तैयारी
5. आमंत्रित वक्ताओं और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ख्याति के विशेषज्ञों रिसर्च की गुणवत्ता को बढ़ाने के क्रम में शैक्षणिक परिदृश्य को बदलने में तरीकों और शैक्षिक अनुसंधान के रुझान पर व्याख्यान / साझा अनुभव प्रदान करने के लिए।

भविष्य का एक संकेत के साथ भवन / सदन / विभाग संबंधितों के विभाग का एक संक्षिप्त इतिहास विकास के लिए योजनाओं

शिक्षा के संस्थान के रूप में जाना विनय-भावना, एक केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में विश्वभारती की मान्यता है और वर्ष 1951 में भारत का संसद के अधिनियम, सरकार द्वारा राष्ट्रीय महत्व की संस्था से पहले 1948 में एक शिल्प उन्मुख शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान के रूप में कामकाज शुरू कर दिया । बदलते समय के साथ तालमेल रखते हुए और इस संस्था की जरूरत हमेशा शिक्षक शिक्षा, विस्तार शिक्षा, कार्य शिक्षा, शिक्षा और शारीरिक शिक्षा को एकीकृत के माध्यम से शिक्षा के पेशेवर और उदार आयामों के बीच एक संतुलन कायम करने का प्रयास किया है। शिक्षा विभाग एक साल की बीएड प्रदान करता है शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम, दो साल एमए शिक्षा कार्यक्रम और शिक्षा में पीएचडी कार्यक्रम। शारीरिक शिक्षा विभाग को प्रदान करता है तीन साल बीए शारीरिक शिक्षा, एक साल बी। शारीरिक शिक्षा में पीएचडी के साथ साथ, और दो साल के एम पी इ डी शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में / बास्क (ऑनर्स)। भवन पुस्तकालय 20,655 किताबें और 3,456 पत्रिकाओं का एक समृद्ध संग्रह है। दोनों विभागों के छात्रों और शिक्षकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए पुस्तकालय में गीतांजलि नेट कनेक्शन की सुविधा नहीं है।

शिक्षा विभाग

शिक्षा विभाग की उत्पत्ति, विनयभवन एक शिल्प उन्मुख शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान के रूप में 1948 में वापस

तिथियाँ। अपनी स्थापना के समय से यह सिद्धांत और व्यवहार के बीच की खाई को पाटने के द्वारा शिक्षा के अमल सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य कर दिया गया है। अभिविन्यास और शिक्षकों का प्रशिक्षण शुरू में शिल्प की और बाद में माध्यमिक और मास्टर स्तर पर शिक्षकों के अपने प्रमुख चिंता का विषय रहा है। समय की और समकालीन की मांग के साथ तालमेल रखने में पारित होने के साथ ही, विभाग लगातार काम किया है और ए.क्ह्व.ड्डद्दु एम.एड. जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रमों जोड़कर अपनी टोपी को पंख जोड़ा पाठ्यक्रमों। समय बीतने के साथ विभाग को जोड़ने के माध्यम से इसकी गुंजाइश चौड़ी हो। व्यावसायिक शिक्षा के साथ-साथ शिक्षा का एक उदार धारा के रूप में एमए (शिक्षा) कार्यक्रम। डॉक्टरेट स्तर के अनुसंधान कार्यक्रम इस पल में विभाग में गति प्राप्त कर रहा है। इसके सम्मानित संकाय हमेशा राष्ट्रीय शिक्षा की नीतियां और एनसीटीई, एनसीईआरटी के पाठ्यक्रम चौखटे और यूजीसी की मॉडल पाठ्यक्रम तैयार करने की दिशा में उनके उल्लेखनीय योगदान दिया है।

रचनात्मकता और स्वतंत्रता की दर्शन से प्रेरित अध्यापन और पाठ्यक्रम में नवाचार, हमेशा शिक्षा विभाग, विनयभवन में गुणवत्ता की शिक्षा की योजना में एक केंद्र स्तर मिला है। शिक्षा का फल, गुरुदेव चाहता था, के रूप में विश्वविद्यालयों के हाथीदांत टावरों / परिसरों में ही सीमित नहीं किया जा रहा था, लेकिन समाज के लिए इस्तेमाल करते हैं और सेवा की हो। विभाग ने अपनी भावना को सही किया जा रहा है, हमेशा समुदाय केंद्रित किया गया है। यह शिक्षक प्रशिक्षण और नवीन तरीकों और पाठ्यक्रम लेन-देन के तौर-तरीकों की एक समृद्ध अनुभव और विरासत मिली है। अपने शिक्षक प्रशिक्षण के मामले में विभाग / भवन का क्रेडेंशियल ही शिक्षकों की भर्ती में विनयभवन उत्पादों को वरीयता देने के द्वारा, प.बंगाल की सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त है, लेकिन देश भर में अपने शिक्षकों की सराहना की तरह से नहीं किया गया है। विभाग का विस्तार विंग के प्रमुख स्वामी और माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के लाभ के लिए समय-समय पर विभिन्न सेवाकालीन कार्यक्रमों का आयोजन करता है।

भविष्य की योजनाओं: विभाग के सब एक विजन दस्तावेज 2020 विधिवत चर्चा की और अपने संकाय सदस्यों द्वारा विकसित के आधार पर भविष्य के लिए अपने सावधानीपूर्वक योजना के माध्यम से नए उच्च पैमाने पर करने के लिए निर्धारित है। के बाद विभाग के भविष्य के विकास के लिए प्रस्तावित कार्यक्रमों / गतिविधियों में से कुछ हैं:

नई के साथ और वर्ष क्रियाएँ दौर एक्सटेंशन विंग का पुनरुद्धार विभागीय जर्नल का प्रकाशन, दोनों प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक रूप में एमएड के पुनरुद्धार कोर्स बीएड में एक विधि विषय के रूप में शिक्षा का परिचय आसपास के गांवों / स्कूलों में विस्तार गतिविधियों के लिए आरईसी के साथ सहयोग वर्ष विभागीय, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशालाएं दौर मानव मूल्यों में अध्ययन के लिए केंद्र की स्थापना / युग विचारकों बनाने राष्ट्रीय महत्व के उभरते क्षेत्रों / विषयों में उपक्रम शोध और परियोजनाओं। कार्यालय और विद्यार्थी सहायता सेवाओं के संचालन

कर्मचारियों के विकास / संवर्धन गतिविधियों।

विभाग के प्रमुख की राय में लायक रिपोर्टिंग है जो किसी भी अन्य प्रासंगिक जानकारी, शामिल किया जाना चाहिए:

विभाग विधिवत यूजीसी का दौरा कर टीम द्वारा सराहना की गई है, जो एक अकादमिक स्टाफ कॉलेज की स्थापना के लिए पहले ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना में प्रस्ताव किया था। विश्वभारती, अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अकादमिक श्रेष्ठता के साथ निस्संदेह अकादमिक स्टाफ कॉलेज के लिए एक फिट जगह और अच्छे मेजबान है। 1948 के बाद से शिक्षक प्रशिक्षण के अनुभव को देखते हुए शिक्षा विभाग ने एक बार फिर उसी के लिए दोहराती है और संस्थापक और प्रस्तावित अकादमिक स्टाफ कॉलेज आवास की प्रक्रिया आरंभ करने के लिए अपना दावा जगह है। विनयभवन कैम्पस में अंतरिक्ष और माहौल भी दावे के लिए एक जोड़ा प्राकृतिक लाभ है।

शारीरिक शिक्षा विभाग

विभाग का नामः शारीरिक शिक्षा

छात्र का नाम यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / सेट और गेट परीक्षा में अर्हता प्राप्त की।

वर्ष	नाम	परीक्षा
2013 (जून)	चिरंजीत मंडल	यूजीसी - नेट
	दिनबंधु नस्कर	यूजीसी - नेट
	मोहम्मद हंशानुज रहमान	यूजीसी -। नेट
2013 (दिसंबर)	चुमकि दास	यूजीसी - नेट
	पलल्ब घोष	यूजीसी - नेट
	सुकांता कार	यूजीसी - नेट
	आदित्य नारायण अदक	यूजीसी - नेट
	संजीब घोष	यूजीसी - नेट

सेमिनार विभाग

क्र. सं. वर्ष	सेमिनार	वक्ता	टाइटिल
2014	अंतरराष्ट्रीय कॉन्फरेंस 24तम पान एशियन स्पोर्ट्स एंड फीजिकल एजुकेशन कॉफरेंस ट्रेडिशनल स्पोर्ट्स एंड मॉडर्न फॉर द डेवलपमेंट ऑफ ग्लोबल ह्युमल रीसोर्स	1. प्रो. जंगयंग ली 2. प्रो. गाई जोयेन 3. प्रो. एस.एच देशपाण्डे 4. प्रो. जन सौन्दर्स 5. प्रो. हेनरी दाउत 6. प्रो. पीटर एफ. इयांग 7. प्रो. मह. एहसानि 8. प्रो.नेनिता सांमग 9. प्रो. जेर्जि कोशिएज 10. मारिया जोयिसो 11. ड. सौमित्र मंडल 12. प्रो. लुइ सी- 13. प्रो. जुयान कार्लस 14. प्रो. भेन्जिओ बोटो 15. प्रो. एजेदिनि बौजिद 16. प्रो. अलक ब्यनर्जी 17. ड. सच्चीदानन्द बेहेरा 18. मह. सौकातुर रहमान	
2014	नैशनल कॉफारेन्स	1. प्रो. एम.एल कमलेश 2. प्रो. डी.के.धुरेहा 3. प्रो. एन.एन.मान 4. डा. अनिल आर	

5. डा. धनंजय साउ
6. डा. सौमेन्द्र सहा
7. डा. श्रीलेखा साहा
8. डा. रीना कौल

केवल आदि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी विवरण में शिक्षक / अनुसंधान विद्वानों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार / सम्मेलन / आदि।

अशोक कुमार गौन

4 जनवरी 2014: खेल और व्यायाम मनोविज्ञान पर खेल मनोविज्ञान के 24 वें राष्ट्रीय सम्मेलनः कैरियर विकास और युवा खेल, मानसिक विश्राम ए कुंजी के मनोवैज्ञानिक पहलुओं खेल व्यक्तियों, विश्वभारती, शांतिनिकेतन की मांसपेशियों सद्भाव न्यूरो करने के लिए।

7 फ़रवरी 2014: अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ग्लोबल ह्यूमन रिसोर्स, विश्वभारती, बीरभूम जिला, शांति निकेतन के आदिवासी पारंपरिक खेल के विकास के लिए पारंपरिक खेल और आधुनिक खेल।

7 फ़रवरी 2014: अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ग्लोबल ह्यूमन रिसोर्स, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, ठंडा पानी विसर्जन के विकास के लिए पारंपरिक खेल और आधुनिक खेलः तत्काल पैर की ताकत रिकवरी पोस्ट ज़ोरदार गतिविधि के लिए एक दुश्मन।

7 मार्च 2014: शारीरिक शिक्षा इंटर अनुशासनात्मक दृष्टिकोण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (2014), कोलकाता और बीरभूम जिला, गुवाहाटी के किशोरों की पुरुष फुटबॉल खिलाड़ी के कुछ मानवशास्त्रीय माप के साथ कुछ चयनित फुटबॉल कौशल के बीच का रिश्ता।

7 मार्च 2014: राष्ट्रीय संगोष्ठी, कोलकाता और बीरभूम जिला, ख्रक्ष्क्ष्क् गुवाहाटी के किशोरों की पुरुष फुटबाल खिलाड़ियों में से कुछ मानवशास्त्रीय माप के साथ कुछ चयनित फुटबॉल कौशल के बीच का रिश्ता।

शुमंत कुमार मंडल

20 सितंबर 2013: स्वास्थ्य के लिए शारीरिक शिक्षा के सतत विकास पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी, सक्रिय जीवन-शैली व छक्क्व, बहरमपुर, 2013 सितम्बर 20-21 द्वारा आयोजित 21 वीं सदी में अच्छी तरह से किया जा रहा; प्रस्तुत कागज, स्वास्थ्य और भलाई एक अंतःविषय परिप्रेक्ष्य।

5 सितंबर, 2013: राधाकृष्णन की विरासत 'पर राष्ट्रीय संगोष्ठीः नई विश्व व्यवस्था में भारत का प्रतिनिधित्व करना, 5-6 विनयभवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, सितम्बर, 2013 तक आयोजित; कुछ सोचाः सर्वपल्ली के मूल्य शिक्षा की पटरी पर एक कागज, खेल प्रस्तुत किया।

7 फ़रवरी 2014: शारीरिक शिक्षा, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, 2014 07-09 फ़रवरी विभाग द्वारा आयोजित खेल एवं शारीरिक शिक्षा, पारंपरिक खेल और खेल पर सम्मेलन का 24 एशियाई सोसायटी; प्रस्तुत कागज, आधुनिक खेलः प्राचीन खेल का एक विकासवादी फार्म।

सागरिका बंद्योपाध्याय

16 जनवरी 2014: 16-17 जनवरी, 2014 को शिक्षा विभाग, विनय-भावना, विश्वभारती द्वारा आयोजित स्कूल शिक्षक (प्राथमिक स्तर) की 'मान-उन्मुख शिक्षा पर कार्यशाला, संसाधन व्यक्ति।

20 अप्रैल 2013: महिलाओं के लिए शारीरिक शिक्षा, हेस्टिंग्स हाउस, कोलकाता 20 अप्रैल 2013 पर स्टेट इंस्टीट्यूट; वर्तमान दिवस के परिप्रेक्ष्य में स्कूली शिक्षा में शारीरिक शिक्षा के महत्व 'विषय पर संगोष्ठी बात करते हैं वितरित किया गया।

5 सितंबर, 2013: राधाकृष्णन की विरासतः नई विश्व व्यवस्था में भारत का प्रतिनिधित्व करना 'विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी 5-6 सितंबर, 2013 के दौरान विनय-भावना, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित; एक सत्र की अध्यक्षता की।

4 जनवरी 2014: 04-06 जनवरी, 2014 के दौरान विश्वभारती में आयोजित खेल और व्यायाम मनोविज्ञान पर

राष्ट्रीय सम्मेलन; एक सत्र की सह अध्यक्षता की।
19 सितंबर 2013: पीटी में यूजीसी प्रायोजित पुन चर्या पाठ्यक्रम में व्याख्यान वितरित श्रृंखला। विषयों पर 19-21 सितम्बर, 2013 केदौरान रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय, रायपुर केहकदारः माप वर्तमान मुद्दों और शारीरिक शिक्षा, स्वास्थ्य रुझान में नए मानदंड और विशेषताओं, महिला सशक्तिकरण खेल और खेल केमाध्यम से खेल और खेल में शारीरिक सेक्स अंतर और महिलाओं की भागीदारी, मानव प्रदर्शन रिसर्च में शारीरिक और कार्यात्मक स्वास्थ्य और शारीरिक संरचना माप।

समीरन मंडल

20 सितंबर 2013: पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी अर्ली शारीरिक स्वास्थ्य केलिए शारीरिक शिक्षा केसतत विकास, शारीरिक शिक्षा, संघ ईसाई ट्रेनिंग कॉलेज, विभाग द्वारा आयोजित सक्रिय जीवन शैली और 21 वीं सदी में अच्छी तरह से किया जा रहा है, पर एक प्रतिनिधित्व बनाया एक अध्यक्ष केरूप में भारतीय समाज केलिए एक अलार्म , 20 एवं 21 सितम्बर 2013 और अधिनियम - फिटनेस वेग
4 जनवरी 2014: खेल और व्यायाम मनोविज्ञान पर खेल मनोविज्ञान के24 वें राष्ट्रीय सम्मेलनः कैरियर विकास और शारीरिक शिक्षा और खेल बोर्ड, विश्वभारती, शांतिनिक्तन विभाग द्वारा आयोजित युवा खेल, केमनोवैज्ञानिक पहलुओं, जनवरी 2014 4-6; शारीरिक शिक्षा, विश्वभारती विभाग में मस्तिष्क और मानसिक समारोह शोध पर विकास व्यायाम का प्रभाव 'विषय पर एक संसाधन व्यक्ति केरूप में एक प्रतिनिधित्व कर दिया।
16 जनवरी 2014: शिक्षा, विनय-भावना, विश्वभारती विभाग द्वारा आयोजित स्कूल केशिक्षकों (प्राथमिक स्तर), केमूल्य उन्मुख शिक्षा पर कार्यशाला; 16-17, 2014; योग शिक्षा केमाध्यम से मूल्यों को बढ़ावा देने पर संसाधन व्यक्ति केरूप में एक प्रतिनिधित्व कर दिया।
7 फ़रवरी 2014: खेल के24 वें अखिल एशियाई समाज और पारंपरिक खेल और खेल पर विशेष जोर देने केसाथ शारीरिक शिक्षा सम्मेलन (यूनेस्को की विश्व अमूर्त विरासत मान्यता प्राप्त), शारीरिक शिक्षा और खेल बोर्ड, विश्वभारती, शांतिनिक्तन विभाग द्वारा आयोजित; 7-9, फ़रवरी 2014; : संरक्षण और संवर्धन विश्वभारती द्वारा भारतीय पारंपरिक खेल और खेल पर एक प्रतिनिधित्व कर दिया।
24 मार्च 2014: राष्ट्रीय कार्यशाला शिक्षा, विनय-भावना, विश्वभारती विभाग द्वारा आयोजित माध्यमिक स्कूल के शिक्षकों और प्रशासकों केमान उन्मुखीकरण पर; 24-25, मार्च 2014; और मूल्यों अभिविन्यास पर संसाधन व्यक्ति केरूप में एक प्रतिनिधित्व कर दिया।

सुदर्शन बिस्वास

13 जुलाई 2013: इंटर नेशनल कांफ्रेंस कज़ान, रूस में द्वारा आयोजित; 14-17, जुलाई 2013; विश्व में भाग लेने केलिए भारतीय विश्वविद्यालयों और सपने में प्रतियोगी महिला खेल पर एक प्रतिनिधित्व कर दिया।
7 फ़रवरी 2014: खेल के24 वें अखिल एशियाई समाज और पारंपरिक खेल और खेल पर विशेष जोर देने केसाथ शारीरिक शिक्षा सम्मेलन (यूनेस्को की विश्व अमूर्त विरासत मान्यता प्राप्त), शारीरिक शिक्षा और खेल बोर्ड, विश्वभारती, शांतिनिक्तन विभाग द्वारा आयोजित; 7-9, फ़रवरी 2014; एक कागज प्रस्तुति दी।
8 मार्च 2014: उत्तर पूर्व क्षेत्रीय केंद्र, शारीरिक शिक्षा, गुवाहाटी लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय संस्थान द्वारा आयोजित शारीरिक शिक्षा अंत:विषय दृष्टिकोण, पर राष्ट्रीय संगोष्ठी; अंतर्राष्ट्रीय इंटर विश्वविद्यालयों में भारतीय विश्वविद्यालयों और भागीदारी में महिलाओं केखेल पर एक प्रतिनिधित्व बनाया

महाश्वेता खेतमालिस

5 सितंबर, 2013: राधाकृष्णन की विरासत 'पर राष्ट्रीय संगोष्ठीः नई विश्व व्यवस्था में भारत का प्रतिनिधित्व करना, 5-6 विनयभवन, विश्वभारती, शांतिनिक्तन, सितम्बर, 2013 तक आयोजित; एक कागज, छात्र विकास के लिए सह पाठयक्रम गतिविधियों को प्रस्तुत किया।
20 सितंबर 2013: स्वास्थ्य केलिए शारीरिक शिक्षा केसतत विकास पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी, सक्रिय जीवन-शैली व बहरमपुर, 2013 सितम्बर 20-21 द्वारा आयोजित 21 वीं सदी में अच्छी तरह से किया जा रहा;

प्रस्तुत कागज, बचपन का मोटापा और व्यायामः एक संतुलन देखें।
4 जनवरी 2014: खेल और व्यायाम मनोविज्ञान पर खेल मनोविज्ञान के 24 वें राष्ट्रीय सम्मेलनः कैरियर विकास और शारीरिक शिक्षा, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, 2014 04-06 जनवरी विभाग द्वारा आयोजित युवा खेल, के मनोवैज्ञानिक पहलुओं; प्रस्तुत कागज, बच्चों के लिए आंदोलन संकल्पना।
7 फ़रवरी 2014: शारीरिक शिक्षा, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, 2014 07-09 फ़रवरी विभाग द्वारा आयोजित खेल एवं शारीरिक शिक्षा, पारंपरिक खेल और खेल पर सम्मेलन का 24 एशियाई सोसायटी; प्रस्तुत कागज, महाराष्ट्र में महिलाओं के लिए पारंपरिक खेल
7 मार्च 2014: गुवाहाटी, द्वारा आयोजित शारीरिक शिक्षा अंतःविषय दृष्टिकोण, 2014 मार्च 7-8 पर राष्ट्रीय संगोष्ठी; एक समीक्षाः छात्र अनुशासित के लिए कागज, मॉडल प्रस्तुत किया।
7 मार्च 2014: गुवाहाटी, द्वारा आयोजित शारीरिक शिक्षा अंतःविषय दृष्टिकोण, 2014 मार्च 7-8 पर राष्ट्रीय संगोष्ठी; प्रस्तुत कागज, शारीरिक शिक्षा सबक और शैक्षणिक शिक्षण समय।
27 अप्रैल 2014: भुवनेश्वर, 3 मई 2014 को 27 अप्रैल तक आयोजित अनुसंधान प्रणाली, पर राष्ट्रीय कार्यशाला भाग लिया।

कल्लोल चटर्जी

18 अक्टूबर 2013: जालना में आयोजित शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में इंटर अनुशासनात्मक दृष्टिकोण, पर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'आवासीय और गैर आवासीय शारीरिक शिक्षा कॉलेज के छात्रों के बीच मानवशास्त्रीय चर और शारीरिक स्वास्थ्य उपकरणों पर तुलनात्मक अध्ययन'।
4 जनवरी 2014: शारीरिक विभाग द्वारा आयोजित कैरियर विकास और युवा खेल के मनोवैज्ञानिक पहलू,: खेल पर खेल मनोविज्ञान के 24 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में और व्यायाम मनोविज्ञान 'विश्वविद्यालय स्तर अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा जाति फुटबॉल खिलाड़ियों के बीच प्रतियोगिता व्यवहार पर तुलनात्मक अध्ययन' शिक्षा, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, 4-6 जनवरी 2014।
26 फ़रवरी 2014: द्वारा आयोजित स्वास्थ्य और वेलनेस पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, ग्वालियर, 2014 25-27 फ़रवरी में और योग के बीच वसूली पल्स दर पर एक तुलनात्मक अध्ययन।
7 मार्च 2014: मार्च 2014 7-8 गुवाहाटी द्वारा आयोजित शारीरिक शिक्षा-इंटर अनुशासनात्मक दृष्टिकोण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में, 'टीम का खेल है और व्यक्तिगत खेलों के बीच पूर्व प्रतियोगिता चिंता पर तुलनात्मक अध्ययन'।

सेंटु मित्रा

8 फ़रवरी 2014: खेल के 24 वें अखिल एशियाई समाज और पारंपरिक खेल और खेल पर विशेष जोर देने के साथ शारीरिक शिक्षा सम्मेलन 7 से, शारीरिक शिक्षा और खेल बोर्ड, विश्वभारती, शांतिनिकेतन विभाग द्वारा आयोजित, (यूनेस्को की विश्व अमूर्त विरासत मान्यता प्राप्त) 2014 -9 गहन प्रशिक्षण अंतराल और फास्ट निरंतर प्रशिक्षण के प्रभाव पर एक प्रतिनिधित्व कर दिया।
5 जनवरी 2014: खेल और व्यायाम मनोविज्ञान पर खेल मनोविज्ञान के 24 वें राष्ट्रीय सम्मेलनः कैरियर विकास और शारीरिक शिक्षा और खेल बोर्ड, विश्वभारती, शांतिनिकेतन विभाग द्वारा आयोजित युवा खेल, के मनोवैज्ञानिक पहलुओं, जनवरी 2014 4-6; बास्केटबॉल खिलाड़ियों के बीच चिंता और प्रदर्शन पर भागीदारी के स्तर के प्रभाव पर एक प्रतिनिधित्व कर दिया।
6 सितंबर 2013: यूजीसी-अकादमिक स्टाफ कॉलेज, 3 अक्टूबर 2013 को 6 सितंबर 2013 से बर्दवान, बर्दवान विश्वविद्यालय में 92 अभिविन्यास कार्यक्रम और प्राप्त ग्रेड-

अभिजीत ठंडर

7 फ़रवरी 2014: खेल और शारीरिक शिक्षा के 24 पान एशियाई सोसायटी के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनः 9 फ़रवरी 2014 को 7 वीं से शारीरिक शिक्षा, विनयभवन और विश्वभारती खेल बोर्ड, विभाग द्वारा आयोजित पारंपरिक खेल व खेल, पर विशेष जोर देने के साथ; भूल पारंपरिक खेल और खेल और प चिम बंगाल में इसके संरक्षण 'विषय

पर एक पत्र पढ़ा।

प्रकाशन

पुस्तक

कल्लोल चटर्जी

मनोरंजनात्मक खेलों की पुस्तिका, आईएसबीएन 978-81-921354-1-0 एन्जिल प्रकाशन, सी-8/77-बी, **लेख**

आलेख

अशोक कुमार गुन

स्वास्थ्य और वेलनेसः बाइक भारत के दो पहियों स्वास्थ्य और कल्याण, एक भारत फ़िट भारत, फरवरी 2014, ग्वालियर, 363-367, 978-81-7879-801-1 पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही।

कोलकाता और बीरभूम जिले, 29, शारीरिक शिक्षा अंतःविषय दृष्टिकोण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही (2014), 978-93-83842-16-2 के किशोरों की पुरुष फुटबॉल खिलाड़ी के कुछ मानवशास्त्रीय माप के साथ कुछ चयनित फुटबॉल कौशल के बीच का रिश्ता।

महिला छात्रों स्वास्थ्य संबंधित शारीरिक स्वास्थ्य, पर पश्चिम बंगाल में रहते हुए उनके समकक्ष जा रहे सक्रिय स्कूल शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान, 40-42, 978-81-7524-743-7 पर राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही।

ग्रामीण और शहरी फ़ुटबॉल खिलाड़ी के चयनित फुटबॉल कौशल के प्रदर्शन पर एक अध्ययन, वैज्ञानिक अनुसंधान, .02, नहीं, 07 जुलाई, 2013 84-85, 2277-8179 के इंटरनेशनल जर्नल।

पहाड़ी क्षेत्र और मैदानी क्षेत्र, शारीरिक शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक विज्ञान के इंटरनेशनल जर्नल की महिला छात्रों जा रहे सक्रिय जनजातीय स्कूल में चयनित शारीरिक स्वास्थ्य चर की तुलना। ऑनलाइन जर्नल, 02, 02, 2013, 01-06, 2278-716

कॉलेज पुरुषों छात्रों, शारीरिक शिक्षा और संबद्ध विज्ञान, 2013, 22,307,397 के जर्नल के बीच छह सप्ताह वजन प्रशिक्षण और चयनित मोटर क्षमता घटकों पर प्रशिक्षण का प्रभाव

हिल एरिया किशोर पुरुष फुटबॉल प्लेयर, अनुसंधान वि लेषण के लिए ग्लोबल जर्नल, अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 73-74, 2277-8160 के कुछ मानवशास्त्रीय माप के साथ कुछ चयनित फुटबॉल कौशल के बीच का रिश्ता।

वैज्ञानिक अनुसंधान, ग्रामीण और शहरी फ़ुटबॉल खिलाड़ी पर चयनित फुटबॉल फुटबॉल कौशल के प्रदर्शन पर एक अध्ययन के इंटरनेशनल जर्नल

शारीरिक शिक्षा स्वास्थ्य और सामाजिक विज्ञान, सक्रिय जनजातीय स्कूल में चयनित शारीरिक स्वास्थ्य चर की तुलना के इंटरनेशनल जर्नल पहाड़ी क्षेत्र एवं मैदानी क्षेत्र की महिला छात्रों जा रहे हैं।

सुमंत कुमार मंडल

वॉलीबॉल, खेल 10 में स्वास्थ्य शारीरिक शिक्षा और कंप्यूटर विज्ञान के इंटरनेशनल जर्नल, नंबर 1 अप्रैल 2013, 2231-3265 में प्राप्त दौरान कोणीय कीनेमेटीक्स का एक अध्ययन।

स्वास्थ्य और भलाईः प्रस्ताव में एक अंतःविषय परिप्रेक्ष्य, आदमीः पश्चिम बंगाल, 978-81-923488-8-9 द्वारा आयोजित यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही।

प्रस्ताव में ट्रैक, आदमी चल रहा है विभिन्न वक्र त्रिज्या में जोनल वेग का एक अध्ययनः प चिम बंगाल, 978-81-923488-8-9 द्वारा आयोजित यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही।

स्व अलग विकलांग स्कूल जाने वाले बच्चों की संकल्पना, द्वितीय दिसम्बर 2013, 0974-9829 का तुलनात्मक अध्ययन।

सागरिका बंद्योपाध्याय

2, अंकः 5 मई, 2013, 72-74, 2277-8179 नॉर्म संदर्भित और मानदंड संदर्भित मानक, साइंटिफिक रिसर्च इंटरनेशनल जर्नल, वॉल्यूम द्वारा शारीरिक फिटनेस के।

शैक्षिक खेल विद्वान, वॉल्यूमः द्वितीय, मुद्दाः द्वितीय, मई 2013, 2277-3665 प चिम बंगाल, शारीरिक शिक्षा और खेल शोध पत्रिका के प्राथमिक स्कूलों में स्वास्थ्य और शारीरिक शिक्षा की स्थिति का परिदृश्य।

विविध पेस कॉलेज एथलीट, खेल में शारीरिक शिक्षा एवं कंप्यूटर विज्ञान केएशियाई जर्नल केअवायवीय क्षमताओं पर चलने केप्रभाव; वॉल्यूम 8, नंबर 1, जनवरी, 2013; पी। 19-25, 0975-7732्।

शारीरिक शिक्षा और संबद्ध विज्ञान, वॉल्यूम केएक अंतरराष्ट्रीय जर्नलः तनाव और कॉलेज युवाओं, की सामाजिक समायोजन क्षमता पर योग का प्रभाव और प्राणायाम। 2, संख्या 1, जून 2013, 16-21, 2249-717

व्यायाम प्रशिक्षण, वैज्ञानिक अनुसंधान केइंटरनेशनल जर्नल केप्रभाव केतहत कॉलेज पुरुषों केहृदय अनुकूलन और शारीरिक संरचना में परिवर्तन; मात्रा 2, अंक 7 जुलाई, 2013, पृ। 76-77, 2277-8179्।

प्रशिक्षण और बास्केटबॉल खिलाड़ी, अनुसंधान के इंडियन जर्नल की विशेष गति पर प्रतिरोध केप्रशिक्षण के प्रभाव; .2, मुद्दाः 7;, जुलाई 2013, 35-37, 2250-1991्।

भारत, भारतीय धाराओं शोध पत्रिका, तृतीय, अंक में महिलाओं में देश विशिष्ट कलन विधि का उपयोग मेजर ऑस्टियोपोरोटिक फ्रैक्चर और हिप फ्रैक्चर केखतरे की 10 साल की संभावना केसंबंध में ऑस्टियोपोरोसिस की व्यापकता, सप्तम / अगस्त - 2013, 1-4, 2230-7850्।

बास्केटबॉल खिलाड़ी, एप्लाइड रिसर्च, खंड इंडियन जर्नल केप्रदर्शन केसाथ चयनित मोटर फिटनेस घटकों केसंबंधः 3; मुद्दाः 8 अगस्त, 2013, 15-16, 2249-555

प्रस्ताव में मानवशास्त्रीय मापन एवं प्राथमिक लड़कों की मोटर घटकों, मनुष्य पर अध्ययनः पर कार्यवाही यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी (यू) द्वारा आयोजित 'स्वास्थ्य केलिए शारीरिक शिक्षा, सक्रिय जीवन शैली और सतत विकास केलिए 21 वीं सदी में भलाई' सितंबर 2013; 6-10, 978-81-923488-8-9्।

किशोर लड़कों का लचीलापन प्रदर्शन, शारीरिक शिक्षा स्वास्थ्य और खेल विज्ञान, वॉल्यूम केइंटरनेशनल जर्नल पर चयनित आठ सप्ताह केप्रभावः 02 अंकः 2 सितम्बर 2013, द्र134-138, 2279-0306्।

खेल में विभिन्न व्यायाम परीक्षण तरीकों, स्वास्थ्य के इंटरनेशनल जर्नल, शारीरिक शिक्षा और कम्प्यूटर साइंस, वॉल्यूम द्वारा का आकलन। नं 12, नंबर-1्। पीपी 101-104, 2231-3265्।

फुटबॉल गोलकीपर, क्रिकेट में विकेटकीपरों और खो-खो खिलाड़ी, एप्लाइड रिसर्च इंडियन जर्नल, फरवरी, 2014, खंड की प्रतिक्रिया समय केआकलनः 4 अंकः 2, 21-22, 2249-555

बास्केट बॉल खिलाड़ी, शारीरिक शिक्षा, स्वास्थ्य और खेल, मार्च 2014, खंड 3, अंक 1, 108-113, 2277-5447 केइंटरनेशनल जर्नल केबीच चिंता और प्रदर्शन पर भागीदारी केस्तर का प्रभाव

समीरन मंडल

वायु प्रदूषण स्वस्थ खेल की भागीदारी केशारीरिक स्वास्थ्य में परिवर्तन प्रेरित किया; आंदोलन शिक्षा और व्यायाम विज्ञान इंडियन जर्नल; वॉल्यूम, जून, 2013, पीपी-1-7; 2249-6246्।

व्यायाम केविज्ञानः प्राचीन भारतीय मूल; भारत केडॉक्टरों की एसोसिएशन केजर्नल; वॉल-61, अगस्त, 2013; पीपी 40-42; 0004-5772्।

शटल रन प्रदर्शन विभिन्न खेल सतहों पर स्कूल केलड़कों की चोट दरों प्रेरित; बायोफिज़िक्स केयूरोपीय जर्नल; वॉल-1, नहीं, 4 सितंबर, 2013; पीपी, 33-36; 2329-1745्।

व्यायाम का नियमित रूप से विभिन्न प्रकार के संबंध में निः शुल्क उत्पादन; वैज्ञानिक और इंजीनियरिंग रिसर्च इंटरनेशनल जर्नल; वॉल-4, अंक-10, अक्टूबर, 2013; पीपी 1406-1409; 2229-5518्।

स्कूली बच्चों में शरीर में वसा प्रतिशत पर योग आसन केप्रभाव; शारीरिक शिक्षा पर एक पत्रिका; वॉल-9, नहींः 2.2013; पीपी 10-23, 0974-9829।

मानसिक स्वास्थ्य विकास केलिए संगीत थेरेपी; यूजीसी से कागज का संग्रह संगीत केदार्शनिक दृष्टिकोण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रायोजितः सिद्धांत और व्यवहार; पश्चिम बंगाल; दर्शन और इतिहास विभाग के विभाग; पीपी 9-12; 2013; 978-93-82623-28-1।

महास्वेता खेतमिल्स

संज्ञानात्मक चिंता, क्रिकेट, फुटबॉल और हॉकी खिलाड़ियों, आंदोलन शैक्षणिक एवं सामाजिक विज्ञान केइंटरनेशनल

जर्नल, 2278-0793 के बीच दैहिक तनाव और आत्मविश्वास की तुलना

राष्ट्रीय स्तर के खेल व्यक्तियों के बीच पारस्परिक संबंध और नियंत्रण के बाहरी और आंतरिक लोकसः एक तुलनात्मक अध्ययन, अनुसंधान शिक्षण एवं प्रौद्योगिकी शिक्षा और आंदोलन विज्ञान में, .01-.04, जून 2013, 62-69 इंटरनेशनल जर्नल, 2319- 3050

दो, नहींः हृदय धीरज पर प्राणायाम, खेल झलक का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, वॉल्यूम के प्रभाव - 5027 में 2 मई, 2013, 36-39, 2278

शारीरिक शिक्षा सबक और शैक्षणिक शिक्षण समय, स्वास्थ्य और कल्याण पर कार्यवाही राष्ट्रीय संगोष्ठी, 25-27 फ़रवरी 2014, 270-273, 978-81-7879-801-1

शारीरिक शिक्षा सबक और शैक्षणिक शिक्षण समय, शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान, वॉल्यूम की नेशनल जर्नलः 1, नंबर 1, मार्च, 2014, 77-8, 2348-4713

कल्लोल चटर्जी

डेवलपमेंट रिसर्च वॉल्यूम के इंटरनेशनल जर्नल 'पहाड़ी और मैदानी क्षेत्र स्तर विश्वविद्यालय फुटबॉल खिलाड़ियों के बीच प्रतियोगिता व्यवहार पूर्व प्रतियोगिता चिंता पर एक तुलनात्मक अध्ययन'। 4, अंक, 3, पीपी 447-449, मार्च, 2014, आईएसएसएनः। 2230-9926

खेल विज्ञान और स्वास्थ्य, इंटरनेशनल जर्नल 'विभिन्न आवासीय विद्यालय के छात्रों के चयनित शारीरिक फिटनेस घटकों का एक तुलनात्मक अध्ययन' (1), 2014 माप 4

मानवशास्त्रीय चर और नीचे गरीबी रेखा और औसत गरीबी रेखा श्रेणी के शारीरिक शिक्षा के छात्रों के बीच शारीरिक फिटनेस घटकों का तुलनात्मक अध्ययन', आईएसएसएन-0974-9829

शारीरिक शिक्षा स्वास्थ्य और खेल विज्ञान के इंटरनेशनल जर्नल में 'पूर्व किशोर और किशोर स्कूल जा रहे बच्चों के बीच चपेट में तनाव पर एक तुलनात्मक अध्ययन'। वॉल-दो अंक-2, सितम्बर 2013, आईएसएसएन-2279-0306

वैज्ञानिक अनुसंधान के अंतरराष्ट्रीय संगठन में 'राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय महिला एथलीटों के बीच पूर्व प्रतियोगिता चिंता पर तुलनात्मक अध्ययन'। वॉल-एक अंक -2, नवंबर-दिसंबर, 2013, ई-आईएसएसएनः 2347-6745, पी-आईएसएसएनः 2347-6737

'एक तुलनात्मक 12 मिनट चलने के बाद वसूली पल्स दर पर अध्ययन और वैज्ञानिक अनुसंधान के द्वन्द्वद्य'- अंतर्राष्ट्रीय संगठन चलना। 2014 मार्च-अप्रैल

सेंटु मित्रा

बास्केटबॉल खिलाड़ियों के बीच चिंता और प्रदर्शन पर भागीदारी के स्तर का प्रभाव शारीरिक शिक्षा स्वास्थ्य और खेल, वॉल्यूम इंडियन जर्नल। 3, नंबर 1, मार्च 2014: 108-113, एड। मित्रा, सागरिका बंद्योपाध्याय और अरूप। आईएसएसएन 2277: 5447

क्रिकेट और खो-खो खिलाड़ियों में फुटबॉल गोलकीपर विकेटकीपरों की प्रतिक्रिया समय का आकलन। एप्लाइड रिसर्च इंडियन जर्नल वॉल्यूम। 4, नंबर 2, फ़रवरी 2014: 30-31, एड। अरूप मित्रा और सागरिका बंद्योपाध्याय। 2249-555

विभिन्न व्यायाम परीक्षण के तरीके से का आकलन। खेल में स्वास्थ्य के इंटरनेशनल जर्नल, शारीरिक शिक्षा एवं कम्प्यूटर साइंस वॉल्यूम। 12 नंबर 1, अक्टूबर-दिसंबर 2011: 101-104, एड। अरूप, सागरिका बंद्योपाध्याय और मित्रा। 2231-3265।

आठ सप्ताह के प्रभाव किशोर लड़कों का लचीलापन प्रदर्शन पर चयनित। शारीरिक शिक्षा स्वास्थ्य और खेल विज्ञान के इंटरनेशनल जर्नल वॉल्यूम। 02, नंबर 02, 2013: 134-138, एड। अरूप मित्रा और सागरिका बंद्योपाध्याय (सितंबर 2013)। 2279-0306

बास्केटबॉल खिलाड़ियों के प्रदर्शन के साथ चयनित मोटर फिटनेस घटकों का रिश्ता है। एप्लाइड रिसर्च इंडियन जर्नल

वॉल्यूम। 3, 8 वें नंबर, अगस्त 2013: 15-16, एड। मित्रा, सागरिका बंद्योपाध्याय और अरूप 2249-555
बास्केटबॉल खिलाड़ियों के विशिष्ट गति पर प्रशिक्षण और प्रतिरोध प्रशिक्षण के प्रभाव एप्लाइड रिसर्च के इंडियन जर्नल वॉल्यूम। 2, नंबर 7, जुलाई 2013: 35-37, एड। सागरिका बंद्योपाध्याय, मित्रा और अरूप 2250-1991
नॉर्म संदर्भित और मानदंड संदर्भित मानकों के द्वारा शारीरिक फिटनेस के विश्लेषण। वैज्ञानिक अनुसंधान, वॉल्यूम के इंटरनेशनल जर्नल। दो, नंबर 5, मई 2013: 72-74, एड। सागरिका बंद्योपाध्याय, अरूप और मित्रा। 2277-8179

अभिजीत ठंडर

वैज्ञानिक अनुसंधान, वॉल्यूम के इंटरनेशनल जर्नल 'व्यायाम प्रशिक्षण के प्रभाव के तहत कॉलेज पुरुषों के हृदय अनुकूलन और शारीरिक संरचना में परिवर्तन'। 02, अंक 07, जुलाई, 2013, पीपी 76-77; आईएसएसएन 2277-8179 प्रभाव कारक: 0.3317

विभाग में रिसर्च प्रोजेक्ट्स: (03)

शिक्षक का नाम: प्रो सागरिका बंद्योपाध्याय

ए. परियोजना का नाम: माइनर रिसर्च प्रोजेक्ट (सह-अन्वेषक)

- एजेंसियां प्रायोजन: यूजीसी
- स्वीकृत राशि: केवल
- परियोजना की अवधि: 18 महीने

शिक्षक का नाम: प्रो समीरन मंडल

- परियोजना का नाम: माइनर रिसर्च प्रोजेक्ट (प्रधान अन्वेषक)
- एजेंसियां प्रायोजन: यूजीसी
- राशि मंजूर: 1.10 लाख ही
- परियोजना की अवधि: 18 महीने

शिक्षक का नाम: डॉ महेश स्वेता खेतमिल्क

- परियोजना का नाम: माइनर रिसर्च प्रोजेक्ट (प्रधान अन्वेषक)
- एजेंसियां प्रायोजन: यूजीसी
- राशि मंजूर: 85 हजार ही
- परियोजना की अवधि: 18 महीने

शिक्षकों और विभाग के छात्रों द्वारा विभाग द्वारा आयोजित और भाग लिया विस्तार गतिविधियों / एनएसएस/ सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों

प्रो सागरिका बंद्योपाध्याय, डॉ मित्रा, श्री अभिजीत एवं श्री चौधरी (राज्यसभा) विश्वभारती समुदाय के बुजुर्ग महिलाओं के लिए 2013/04/24 पर अस्थि स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया।

वर्ष के भीतर प्रकाशन 2013 - 2014

डॉ अशोक कुमार गुंडा: (15)
प्रो स्वांता कुमार मंडल: (06)
प्रो सागरिका बंद्योपाध्याय: (08)
प्रो समीरन मंडल: (10)
डॉ सुदर्शन बिस्वास: (3)
डॉ महाश्वेता खेतामिल्स (12)
डॉ सेंटु मित्रा: (10)
श्री अभिजीत थानदेर (02)

विकास के लिए भविष्य की योजनाओं का एक संक्ते के साथ संबंध भवन / सदन / विभाग / के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास:

अपनी स्थापना के समय हमेशा के संरक्षण और पाठयक्रम और विस्तार गतिविधियों के माध्यम से इसे बढ़ावा देने के लिए प्रयास कर रहा है के बाद से खेल और खेल और शारीरिक गतिविधियों विश्वभारती और शारीरिक शिक्षा विभाग की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा रहा है। विनय-भवन (शिक्षा संस्थान) का अब एक घटक हिस्सा शारीरिक शिक्षा विभाग, शारीरिक शिक्षा में सर्टिफिकेट कोर्स के साथ 1997 में अपनी स्थापना के समय था। इसके बाद शारीरिक शिक्षा एच्क (ऑनर्स) में तीन साल के सम्मान की डिग्री कार्यक्रम वर्ष 1998 में शुरू की गई थी और यह समीक्षा की है और बीए करने के पुनर्गठन किया गया था / ए.एससी. (ऑनर्स) शारीरिक शिक्षा का उत्पादन करने के लिए कार्यक्रम एक समग्र प्रदान करने के लिए एक दृष्टिकोण के साथ स्नातकों मानव आंदोलन की गतिविधियों का वैज्ञानिक आधार में धारणा और मानव भलाई में इसके महत्व। इस स्नातक पाठ्यक्रम के अलावा, विभाग प्रदान करता है एक साल की अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम (बी), शारीरिक शिक्षा में होने के कारण एनसीटीई की मान्यता और पीएचडी प्रोग्राम के साथ दो साल के स्नातकोत्तर अध्ययन (एम पी इ डी)। विभाग शारीरिक शिक्षा और खेल के क्षेत्र में अनुसंधान और प्रशिक्षण में गहरी रुचि ले लिया गया है और इन क्षेत्रों में एक उल्लेखनीय प्रगति की है। प्रशिक्षण, शिक्षण और अनुसंधान के लिए कई इनडोर और आउटडोर में इनफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया गया है और कुछ के लिए निर्माण कार्य अभी भी प्रगति पर है। विभाग की आकांक्षा करने के लिए शारीरिक शिक्षा एवं खेल सेवाएं प्रदान करने के लिए अकादमिक खोज के लिए 'शारीरिक शिक्षा विभाग' और 'खेल विभाग' के शामिल शारीरिक शिक्षा और खेल के एक स्वतंत्र भवन (संस्था) के रूप में विकसित करने के लिए है विश्वभारती समुदाय। (बहुत एनसीटीई द्वारा निर्देशित के रूप में) पिछले एक दशक के भीतर विभाग अभी भी 'व्यायाम और खेल फिजियोलॉजी', 'व्यायाम और खेल जैव-यांत्रिकी' और 'व्यायाम और खेल मनोविज्ञान', लेकिन पर उच्च अध्ययन और अनुसंधान के लिए आवश्यक है, कई प्रयोगशालाओं विकसित किया गया है जिनमें से अनुसंधान समानांतर दुनिया की अग्रणी शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान संस्थानों / केंद्र को अत्यधिक तीव्र स्तर में काम करता है उपक्रम सुनिश्चित करेंगे परिष्कृत प्रयोगशाला उपकरणों की उपलब्धता में कमी होती है। विभाग पेशेवरों का उत्पादन के रूप में इसके अलावा, यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत सतहों और स्टेडियमों सभी आधार और अदालतों के साथ विश्वभारती समुदाय के लिए खेल और भलाई को बढ़ावा देने के लिए और साथ मैदान और कोर्ट, सिंथेटिक ट्रैक की सुविधाओं की आवश्यकता है कि गुणवत्ता व्यावसायिक शिक्षा के लिए आगे खेलते देख रहा है आसपास के समाज। निकट भविष्य में, विभाग लाभार्थियों को प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम, गर्मियों कार्यक्रमों, अभिविन्यास और पुन चर्या पाठ्यक्रम की पेशकश करने की योजना बना रहा है।

विभाग के प्रमुख की राय में लायक रिपोर्टिंग है जो किसी भी अन्य प्रासंगिक जानकारी, शामिल किया जाना चाहिएः

विभिन्न पदों पर कार्य

अशोक कुमार गोंड

आयोजित शिविर निदेशक, विश्वभारती शारीरिक शिक्षा दल

शारीरिक शिक्षा, बर्दवान विश्वविद्यालय, प.बंगाल में अनुसंधान बोर्ड के सदस्य।

राज्य विश्वविद्यालय, के विदेश सदस्य बोस,।

ब्रजनाथ कुंडू

एनसीटीई, भुवनेश्वर ईआरसी की टीम में आने के लिए विशेषज्ञ सदस्य।

प्रकाशित योग मीमांसा 'के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

शारीरिक शिक्षा के राष्ट्रीय संघ के आजीवन सदस्य।

संपादकीय बोर्ड के सदस्य, पूरे रिसर्च, नेशनल त्रैमासिक शोध पत्रिका (02565 / 13/1/2008-टीसी) 302,

योग इंडियन जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य, व्यायाम और खेल विज्ञान और शारीरिक शिक्षा (पंजीकरण संख्या 200722677, भारत सरकार भारत की।

सुमंत कुमार मंडल

शारीरिक शिक्षा, बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान, पा चम बंगाल में अंडर ग्रेजुएट स्टडीज के बोर्ड के सदस्य।
योग इंडियन जर्नल, व्यायाम और खेल विज्ञान 0975-265 के समीक्षक

सागरिका बंद्योपाध्याय

पेशेवर सदस्य, खेल चिकित्सा अमेरिकन कॉलेज
आजीवन सदस्य, भारतीय खेल मनोविज्ञान एसोसिएशन

समीरन मंडल

आजीवन सदस्य, शारीरिक शिक्षा और खेल, अमरावती, महाराष्ट्र के राष्ट्रीय संघ
कार्यकारिणी सदस्य (कोषाध्यक्ष), शारीरिक शिक्षा संस्थान के लिए पा चम बंगाल परिषद।
सदस्य, पा चम बंगाल शारीरिक शिक्षा छात्र और पेशेवर मंच
शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान के नेशनल एसोसिएशन के सदस्य।

सुदर्शन बिस्वास

कोलकाता सामाजिक, सांस्कृतिक अनुसंधान संस्थान 'के आजीवन सदस्य।
शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान के नेशनल एसोसिएशन के आजीवन सदस्य।
भारतीय खेल मनोविज्ञान एसोसिएशन के आजीवन सदस्य।
रोमानिया, खंड कला खेल ब्रा में विश्वविद्यालय के बुलेटिन के वैज्ञानिक समिति में सदस्य के रूप में मनोनीत।
कॉलेज उप-समिति के अध्यक्ष (यूके), भारतीय फुटबॉल एसोसिएशन (पा चम बंगाल) के रूप में नामित किया है।
कॉलेज के एक सदस्य और विश्वविद्यालय के उप-समिति (सीएबी) बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन के रूप में नामित किया है।
पा चम बंगाल बास्केटबॉल एसोसिएशन की कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में मनोनीत।
पा चम बंगाल जूडो एसोसिएशन के उपाध्यक्ष के रूप में नामित किया है।

महेश सवाता खेतमलिस

कलात्मक और एरोबिक जिम्नास्टिक के लिए सदस्य बंगाल एमेच्योर जिमनास्टिक्स एसोसिएशन।
कलात्मक और एरोबिक जिम्नास्टिक के लिए राष्ट्रीय न्यायाधीश
भारत के आजीवन सदस्य खेल मनोविज्ञान एसोसिएशन।
खेल मनोविज्ञान पर राष्ट्रीय सम्मेलन का संयुक्त सचिव

कल्लोल चटर्जी

शारीरिक शिक्षा, पा चम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय, पा चम-बंगाल में अंडर ग्रेजुएट स्टडीज के बोर्ड के सदस्य
शारीरिक शिक्षा के लिए पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट संस्थान में बी पी इ डी समन्वयक
ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी वॉलीबॉल टूर्नामेंट में भाग लिया है, जो प्रशिक्षित विश्वभारती वॉलीबॉल टीम।
2013-14 में आयोजित, शिविर में सरकारी, टीम,

सेंटु मित्रा

हेड, शारीरिक शिक्षा, एकेपीसीएम, बेंगाई
शारीरिक शिक्षा, बर्दवान विश्वविद्यालय में अध्यक्ष भाग-दो परीक्षा।

अभिजीत ठण्डर

बीसीसीआई - एनसीए मान्यता प्राप्त स्तर - एक क्रिकेट कोच
पारंपरिक खेल व खेलों के लिए सदस्य पैन एशियन सोसायटी
क्रय समिति के सदस्य, डीन कार्यालय, विश्वभारती, शांतिनिकेतन
मेगा कैम्पस नौकरी मेला (नौकरी मेला) 2014 विश्वभारती के संयुक्त संयोजक।
खेल मनोविज्ञान पर राष्ट्रीय सम्मेलन का संयुक्त सचि०।

पल्ली संगठन विभाग

(ग्रामीण विस्तार केन्द्र)

प्रस्तावना :

ग्रामीण विस्तार केन्द्र (आरईसी) विश्व भारती के अधीन एक प्राचीनतम विभाग है। स्थापना के आरंभ काल से ही यह केन्द्र ग्रामीणों की दशा में सुधार लाने के प्रति प्रतिबद्ध और सक्रिय है। वर्षों से यह केन्द्र ग्रामीण विकास समितियाँ, स्व-सहायता समूह, युवा संगठनों, महिला समितियों (वुमेंस फोरम) के गठन के माध्यम से ग्राणीणों को स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रोत्साहनस्वरूप विस्तार कार्यक्रमों पर अपनी पूरी शक्ति नियोजित करता आ रहा है। स्थापना काल से ही यह विभाग समन्वयन, स्थानीय पहल, स्थानीय नेतृत्व एवं स्थानीय स्व-सुशासन के साथ सहकारी जीवन की भावना को मूर्त रूप देने में पक्षपोषक की भूमिका निभाता आ रहा है।

ग्रामीण विस्तार केन्द्र के परिचालन क्षेत्रः

बलॉक कवर्ड : 2 (दो), 1) बोलपुर-श्रीनिकेतन 2) ईलम बाजार

ग्राम पंचायत 8 (आठ)

पंचायतों के नामः : बोलपुर-श्रीनिकेतन ब्लॉक के तहत 1) रायपुर-सुपुर 2)कोनाकाली 3) सीत्तोरी 4) कसबा 5) सेन-मल्लिक 6) रूपुर 7)अलबान्धा-शोरपालेनहा

8) ईलमबाजार ब्लॉक के तहत।

कुल गांवों जिनः 50 (पचास)

जाति वर्चस्व के मामले में गांवों की प्रकृतिः

अनुसूचित जनजाति के प्रभुत्व गांवों के एक) संख्याः 09 (नौ)

अनुसूचित जाति का प्रभुत्व गांवों के ख) संख्याः 04 (चार)

अल्पसंख्यक प्रभुत्व गांवों के सी) संख्याः 06 (छह)

मिश्रित जाति गांवों की घ) संख्याः 31 (इकतीस)

निम्नलिखित आरईसी का कई गुना और बहुमुखी गतिविधियों के बीच सबसे महत्वपूर्ण हैंः -

1) ग्राम विकास समितियोंः

एक नजर में ग्राम विकास समितियोंः

गाँव के प्रकार विकशित सोसाईटि	संख्या	गाँव का संख्या के अंदर	सोसाईटि रजिस्ट्रेशन एक्ट के तहद
यूथ सोसायटी	37	39	37
महिला सोसायटी	10	10	2
स्वास्थ्य सोसाइटी	1	1	1

इन ग्राम विकास समितियों को ग्रामीण विस्तार केन्द्र की सेवाओं का केन्द्र बिन्दु है।

इसके अलावा, गांवों क्लस्टर दृष्टिकोण के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया। पांच समूहों के नाम रथीन्द्र, कबिगुरू, प्रतिमा देबी, एलमाहिरस्ट, कालिमोहन है और इन सभी समूहों विकासात्मक गतिविधियों के लिए नियमित अंतराल पर अपनी बैठकों का आयोजन किया है।

इस वर्ष के दौरान वित्तीय सहायता समाज भवनों की मरम्मत, निर्माण, विद्युतीकरण के लिए 21 VDSs लिए दिया

गया था, आवश्यक सामग्री आदि की खरीद के ग्राम विकास समितियों को भी सांस्कृतिक कार्यक्रमों, स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, खेल और अन्य संचालन के लिए आंशिक वित्तीय सहायता के साथ मदद कर रहे हैं स्थानीय लोगों, संसाधनों और संस्थानों को शामिल करके उनके संबंधित गांवों में विस्तार प्रोग्राम। विभिन्न विस्तार गतिविधियों पर कौशल विकास कार्यक्रम भी विदेशी प्रतिनिधियों उपस्थित थे जहां रामनगर गांव में ग्राम विकास समितियों के सचिवों के लिए आयोजित कर रहे हैं्।

2) महिला समितियों (महिला मंच):

महिला समिति एक नजर में

महिला समिति की संख्या	गाँव की संख्या	पंजीकृत सोसाईटि की संख्या	सदस्य	आयोजन की संख्या
10	10	2	350	5

महिला सशक्तिकरण के अपने शुरुआती दिनों के बाद से ग्रामीण विस्तार केन्द्र के प्रधानमंत्री ध्यान क्षेत्र है। गांवों में महिला समितियों के गठन की जरूरत ग्रामीण विस्तार केन्द्र की स्थापना के समय से बहुत पहले महसूस किया गया था। महिलाओं के विषय में सामाजिक मुद्दों को संबोधित महिला समितियों का मुख्य काम है। इसके अलावा, वे योजना और गांवों में विकास कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में शामिल कर रहे हैं्। वर्तमान में, इस विभाग परिचालन क्षेत्रों में 10 महिला समितियों है। महिला सशक्तिकरण के संबंध में, जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के विभिन्न प्रकार महिला समितियों के सक्रिय सहयोग के साथ आयोजित किया गया है। विभिन्न गांवों में महिला समितियों उनके संबंधित गांवों में वर्षा मंगल, वृक्षारोपन और राखी बंधन कार्यक्रमों का निरीक्षण करने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं्।

3) बराती संगठनः

एक नजर में बराती

बराती दल की संख्या			गांव की संख्या	सदस्यों की संख्या		
पु.	म.	मिश्रित		म.	पु.	कुल
03	03	09	15	150	150	300

ग्रामीण लड़कों और उम्र के 9 और 14 साल के बीच लड़कियों समूहों में जुटाए और कल्याण गतिविधियों के लिए प्रेरित कर रहे हैं्। कार्यक्रम के उद्देश्य हैं: -

सामुदायिक सेवा की भावना का विकास करना।

एक स्वस्थ मन के साथ एक ध्वनि शरीर बनाने के लिए शारीरिक व्यायाम शुरू करने के लिए्।

प्राकृतिक संतुलन व पर्यावरण शिक्षा के बारे में जागरूकता विकसित करने के लिए्।

समूह की गतिशीलता के माध्यम से नेतृत्व के गुणों का विकास करना।

पिछले वर्ष के दौरान विभाग के 15 ऐसे बराती समूह का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम 5 दिन शारीरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल कार्यान्वयन के लिए बराती नेताओं के लिए आयोजित किया गया था। ग्राम विकास सोसाईटि के सक्रिय समर्थन (वीडीएस) के साथ बराती दल श्रमदान, ड्राइंग, सांस्कृतिक कार्यक्रम, शिल्प बनाने,

और पत्ता संग्रह आदि का आयोजन
7 फ़रवरी 2014 पर वार्षिक बराती हे युब उत्सव' के दौरान, के रूप में कई बराती बल और बराति नेताओं और पुस्तकालयाध्यक्षों, सहायक पुस्तकालय और स्वयं सहायता समूह के सदस्यों सहित भीडीएसएस से 318 युवा प्रतिनिधियों 332 के रूप में जमीन प्रदर्शन में भाग लिया।

4) स्वयं सहायता समूह (एसएचजी):

स्वयं सहायता समूह एक नजर में

समूह समूह की संख्या आर.ई.सी के अंतर्गत निर्मित अभि तक	समूह लिंग के अनुसार			समूह जाति के अनुसार				
	पु.	म.	मिश्रित	सा.	एससी	एसटी	मुश	मिश्रित
115	18	89	08	16	34	34	01	30

महिला सशक्तिकरण और सामुदायिक सशक्तिकरण कार्यक्रम केएक भाग केरूप में संगठन और स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की देखरेख में विभाग की एक अन्य विशेष कार्यक्रम है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हैं-
महिलाओं के लिए विशेष जोर देने के साथ ग्रामीण लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार करने के लिए्।
आत्म निर्भरता और आत्म-जीविका की भावना का विकास करना।
महिलाओं के समुदाय के बीच बचत की आदतों विकसित करने के लिए्।
अपने स्वयं केसंसाधनों पूल और विवेकपूर्ण तरीकेसे इसे उपयोग करने केलिए महिलाओं को सक्षम करने केलिए्।
समुदाय के भीतर सहयोग की भावना का विकास करना।
प्रत्येक समूह वर्ष दौर 10-12 बैठकों का आयोजन किया और सामाजिक और सांस्कृतिक विकास केएक भाग के रूप में आदि शिल्प बनाने, पशुपालन, लघु व्यवसाय की तरह विभिन्न आय सृजन कार्यक्रमों को हाथ में लिया, स्वयं सहायता समूहों के खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम, और सैर सपाटे के दौर का संचालन करने के लिए कदम उठाए गए थे साल। इस साल लड़ाकू बाल विवाह और महिलाओं की तस्करी पर एक जागरूकता कार्यक्रम भी गांव में स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के लिए आयोजित किया गया था। 120 स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों के बारे में जागरूकता कार्यक्रम में भाग लिया। जिला महिला संरक्षण अधिकारी, बीरभूम और जिला कानूनी एड्स के प्रतिनिधियों ने भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।
विश्वभारती क्षेत्र में सतत परिसर में सफाई क्रियाएँ: -
यह पहल पहले से ही विश्वभारती परिसर केभीतर चार आदिवासी बस्तियों में स्थित स्वयं सहायता समूह केसदस्यों की आय पीढ़ी के लिए विश्वविद्यालय द्वारा हाथ में लिया था। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सफाई गतिविधियों में आदिवासी परिवार केएसएचजी सदस्यों को शामिल स्वच्छ विश्वभारती परिसरों रखने के लिए और उपयुक्त मजदूरी कमाने केलिए है। शांतिनिकेतन आदिबासि महादल केतहत जनजातीय स्वयं सहायता समूहों को सफलतापूर्वक वर्ष दौर इस गतिविधि में संलग्न किया गया है।

5 ग्रामीण पुस्तकालय सेवाः

ग्रामीण पुस्तकालय सेवा साक्षरता आंदोलन गांवों में किया जाता है, जिसके माध्यम से ग्रामीण विस्तार केन्द्र की

महत्वपूर्ण सेवाओं में से एक हैं। इसके अलावा साक्षरता गतिविधियों से इस कार्यक्रम का एक अन्य उद्देश्य के लिए संबंधित गांवों में एक सूचना और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस कार्यक्रम के राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन (RRRLF), कोलकाता से एक सक्रिय और वित्तीय समर्थन के साथ 38 ग्रामीण पुस्तकालयों के नेटवर्क के माध्यम से बाहर किया गया है। पुस्तकालय और सहायक पुस्तकाध्यक्ष कार्यक्रम की स्थापना के बाद स्वेच्छा से काम कर रहा है।

कार्यक्रम के उद्देश्य हैं:

ग्रामीणों के बीच पढ़ने की आदतों का विकास करना।

एक सांस्कृतिक संचार और सतत शिक्षा केंद्र के रूप में पुस्तकालय का उपयोग करने के लिए।

आत्म निर्भरता और आत्म-विश्वास का विकास करना।

आधुनिक और उन्नत विज्ञान और प्रौद्योगिकी के बारे में सभी अद्यतन जानकारी प्रदान करना।

नव साक्षरों के लिए अधिग्रहीत की साक्षरता कौशल की अवधारण।

साझा बनाए रखने और लोगों के ज्ञान के आधार को मजबूत बनाने के लिए केंद्र।

ग्रामीण पुस्तकालय सेवा की झलक

ब्लाकों की संख्याः 02

(1) बोलपुर-श्रीनिकेतन

(2) ईलम बाजार

ग्राम पंचायतों की संख्याः 08

कवर गांवों की संख्याः 38

ग्राम विकास समितियों की संख्याः 38

कार्यात्मक पुस्तकालय में 34 की संख्या (अस्थायी रूप से निलंबित कर दो, दो शो का कारण)

विशेष रूप से स्वास्थ्य प्रयोजन के लिए लाइब्रेरीः 01

बच्चों के पुस्तकालय की संख्याः 12

बच्चों के कोने की संख्याः 01

वरिष्ठ नागरिक कॉर्नर की संख्याः 01

कंप्यूटर की संख्याः 08

पुस्तकों की स्थितिः

ग्रामीण पुस्तकालय में पुस्तकों की कुल संख्याः 1, 18,438

वर्ष के दौरान खरीदी गई पुस्तकों की संख्याः 3468

इस वर्ष के दौरान एकत्र की पुस्तकें नमूना प्रतियांः 593

पाठकों की स्थितिः

दाखिला लिया पाठकों की संख्याः 2488 (लगभग)

जारी किए गए पुस्तकें और रिटर्न की संख्याः 34119 (लगभग)

इस वर्ष के दौरान लाइब्रेरी की गतिविधियांः

लाइब्रेरी दिन अवलोकनः 07 पुस्तकालय

07 पुस्तकालयों: दीवार पत्रिका द्वारा प्रकाशित
17 पुस्तकालयों: के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम
निर्माण पुस्तकालय भवन की संख्या: 26

बुक बाइंडिंग:
ग्रामीण पुस्तकालयों की मांग के अनुसार वित्तीय सहायता पाठकों के उपयोग के लिए तैयार किए गए पुस्तकों की 593 संख्या क्षतिग्रस्त और गंदे पुस्तकों के लिए बाध्य है और एक परिणाम के रूप में उन्हें करने के लिए प्रदान किया गया था।

बच्चों के पुस्तकालय:
वर्तमान में ग्रामीण विस्तार केन्द्र इसकी कमान क्षेत्र के तहत 12 गांवों में स्थित बारह बच्चों के पुस्तकालय है। इन पुस्तकालयों बच्चों को किताबें, हर्षित अधिगम सामग्री, खेल सामग्री आदि से लैस हैं

ग्रामीण पुस्तकालय सेवा के अन्य गतिविधियों: -
1. आर.आर.एल.एफ चाईल्ड्इड कॉर्नर
2. वरिष्ठ नागरिक कॉर्नर
3. ग्रामीण पुस्तकालय के लिए कंप्यूटर उपकरणों
4. ग्रामीण लाइब्रेरी में इंटरनेट सुविधाएं प्रदान
5. श्रृष्टि पत्रिका के प्रकाशन
6. आयोजन पाठ चर्चा केन्द्र
7. ग्रामीण पुस्तकालयों के लिए कर्म क्षेत्र / कर्मा संस्थान के परिसंचरण।

6. स्वास्थ्य पर स्वास्थ्य विस्तार एवं संवेदीकरण कार्यक्रम:
इस कार्यक्रम के तहत गांवों के चार गरीब मरीजों के इलाज के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गई्। विभाग ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी के साथ स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और संवेदीकरण कार्यक्रम का एक सेट चलाया। श्रीनिकेतन में 'थैलेसीमिया' पर स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम ओनजिकर सोशल वेलफेयर सोसायटी, कोलकाता के सहयोग से विभाग द्वारा आयोजित किया गया था। पर एक और स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम भी ठाकुरपुकुर कैंसर अस्पताल से विशेषज्ञ डाक्टरों व्याख्यान दिया जहां श्रीनिकेतन में विभाग द्वारा आयोजित किया गया था 'हमें जीतना कैंसर चलो। पीयरसन मेमोरियल अस्पताल और राज्य सरकार, अस्पताल से डॉक्टरों को भी चर्चा में भाग लिया गया।

स्वास्थ्य विस्तार गतिविधियों के तहत महत्वपूर्ण पहल: -
स्वास्थ्य विस्तार गतिविधियों के तहत विभाग इकाइयों की जांच दो गांव स्तर के स्वास्थ्य खोल दिया है। हेल्थ चेक-अप यूनिट बिनुरिया और रायपुर गांव में खोला गया था। बिनुरिया स्वास्थ्य जांच इकाई लियोनार्ड नाइट और रायपुर गांव की स्वास्थ्य जांच यूनिट की 120 वीं जयंती के अवसर पर उद्घाटन किया गया सम्मानित कुलपति, विश्वभारती द्वारा उद्घाटन किया गया। ग्रामीणों इन दो स्वास्थ्य जांच इकाइयों से नियमित रूप से निः शुल्क उपचार की सुविधा मिल रही है। जनवरी तक, 2014 672 रोगियों इन दो इकाइयों द्वारा इलाज किया गया।

7. कृषि विस्तार:
इस विभाग आम तौर पर कृषि से संबंधित जागरूकता को बढ़ावा देता है और गांवों में कृषि विस्तार काम को

विस्तार देने में विभागों सहायता करते हैं। गांवों, फलों के पौधों और 'सेगुन' पौधों 9 अगस्त 2013 पर श्रीनिकेतन में हलाकर्षण उत्सव के अवसर पर समूहों के सभी लाभार्थियों को आपूर्ति की गई में बागवानी को बढ़ावा देने के लिए एक भाग के रूप में।

8. व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमः

जनसंख्या के विभिन्न अनुभाग के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करने के ग्रामीण विस्तार केन्द्र के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में से एक है। विश्वभारती के 188 आकस्मिक श्रमिकों के लिए इस साल ग्रामीण विस्तार केन्द्र का आयोजन कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों हैंः -1. बेसिक कम्प्यूटर प्रशिक्षण; 2. विद्युतीय रखरखाव; 3. प्रयोगशाला परिचर; 4. ग्रैंडिंग; 5. ऐ.सी मरम्मत; 6. पलम्बिंग और पम्प; 7. अस्पताल परिचर; 8. पुस्तकालय परिचर; 9. बेसिक परिचर प्रशिक्षण कार्यक्रम। 12 ग्रामीण महिलाओं के लिए मशीन के माध्यम से फंसाना ऊन पर इस वर्ष, एक माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम भी निर्भर उनकी आय स्वयं के लिए विभाग द्वारा आयोजित किया गया था।

कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का विवरण

क्र.	प्रशिक्षण का नाम	अवधि	स्थान	भागीदारीयों की संख्या
1.	कौशल विकाश प्रशिक्षण	1 दिन	लिपिका, शांतिनिकेतन	118
2.	बेसिक कम्पयूटर प्रशिक्षण	10 दिन	कम्प्यूटर विभाग शांतिनिकेतन	32
3.	बिद्युतीय रखरखाव प्रशिक्षण	10 दिन	आरईसी	14
4.	लेबोरेट्री एटेंडेड प्रशिक्षण	15	समाज विज्ञान एवं कृषि लेबोरेटरी, ऐसिपन, पीएसबी, श्रीनिकेतन	14
5.	ग्रेंडिग प्रशिक्षण-1	20 दिन	हौटीकल्चर्ल फार्म, पल्ली शिक्षा भवन	
	ग्रेंडिग प्रशिक्षण-2	20 दिन	बगीचा क्षेत्र, शांतिनिकेतन	68
6.	ऐसी मरम्म्त प्रशिक्षण	20 दिन	नितांजलि, कालीमंदिर के निकट शांतिनिकेतन	17
7.	पलंबिंग एंव पम्प मरम्मत	20 दिन	नितांजलि, कालीमंदिर के निकट शांतिनिकेतन	14
8.	अस्पताल प्रिशिक्षण	20 दिन	पी.एम अस्पलात, शांतिनिकेतन	12
9.	पुस्तकालय ऐटेंडेड प्रशिक्षण	15 दिन	केन्द्रीय पुस्तकालय, शांतिनिकेतन	17
10.	बेसिक ऐटेंडेट प्रशिक्षण	2 दिन	लिपिका, शांतिनिकेतन	188
11.	वेलिडिकेशन	1 दिन	लिपिका शांतिनिकेतन	

9 शिक्षा कार्यक्रम को जारी रखते हुएः
जागरूकता और संवेदीकरण कार्यक्रमों केसतत शिक्षा कार्यक्रम अलग तरह केतहत समुदाय की जरूरत केअनुसार आयोजित की गई्। चयनित ग्राम विकास सोसायटी केसदस्यों ने भाग लिया, जहां एक दिन फुटबॉल टूर्नामेंट supur गांव में आयोजित किए गए्।

प्रशिक्षण /सेंसिटेशेटेशन / जागरूकता सृजन कार्यक्रम एक नज़र मेंः -

क्र.	प्रशिक्षण का नाम	स्थान	भागीदारीयों की संख्या	आयोजन कर्ता संस्था सदस्य
1.	बाल विवाह एवं महिला तस्करी	कानकुतिया	120	जिला कानून प्रकोष्ठ महिला सुरक्षा अधिकारी, बिरभूम जिला
2.	कैंसर पर कैसे विजय प्राप्त करें	सेमिनार हॉल, आरईसी	80	ठाकुरपुकुर कैंसर हॉस्पिटल पी.एम.मेमोरियल अस्पलात
3.	सामुदायिक कॉलेज योजना	सेमिनार हॉल, आरईसी	50	ईगनु, टीई औरटी, प.बंगाल सरकार
4.	थैलेसिमिया जागरूकता कैंप	सेमिनार हॉल, आरईसी	50	ओगनिकर सोशल वेलफेयर सोसाइटि, शांतिनिकेतन, चैरिटेबल सोसाइटि

10. युवा नेता प्रशिक्षणः
इस वर्ष विभाग इलमबाजार ग्राम पंचायत केरामनगर गांव में विश्वभारती केविभिन्न विस्तार गतिविधियों पर एक दिन की क्षमता विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। ग्राम विकास समितियों और महिला समितियों से सचिवों इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। ग्रामीण पुनर्निर्माण और विभिन्न विभागों (कृषि, सदन, केव्वीके) विश्वभारती के विभिन्न विस्तार गतिविधियों के विभिन्न पहलुओं संसाधन व्यक्तियों द्वारा चर्चा की गई्। निदेशक, अध्ययन, शैक्षिक नवाचार, और ग्रामीण पुनर्निर्माण विश्व भारती, श्रीनिकेत्तन इस अवसर पर व्याख्यान दिया। जर्मनी से कुछ विदेशी प्रतिनिधियों को भी इस कार्यक्रम में भाग लिया गया।

11. खेल और खेलः
खेल और खेल को बढ़ावा देने केएक भाग केरूप में कमान क्षेत्र केग्राम विकास समितियों फुटबॉल, वॉलीबॉल और जैसे विभिन्न खेल सामग्री की खरीद केलिए न्यूनतम वित्तीय सहायता केसाथ मदद कर रहे थे शुद्ध विशेष अभियान भी खेल को बढ़ावा देने केलिए ग्रामीण युवाओं को प्रोत्साहित करने केलिए लिया गया था आदि अपने गावों में गतिविधियों्। आदि रस्सी लंघन विभिन्न खेल सामग्री कैरम बोर्ड, फुटबॉल, वॉलीबॉल, वॉली गेंद नेट यानी एक उपाय है, डिस्क उड़ान केरूप में, उनकी आवश्यकताओं केअनुसार 21 ग्राम विकास समाजों केबीच वितरित किया गया।

12. लोक सांस्कृतिक गतिविधियांः
पारंपरिक लोक संस्कृति को पुनर्जीवित करने और ग्रामीण क्षेत्रों में इस पारंपरिक परिसंपत्ति केमाध्यम से रचनात्मक क्षमता को प्रोत्साहित करने केलिए इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। लोक सांस्कृतिक कार्यक्रमों केविभिन्न प्रकार ग्राम विकास समितियों केसदस्यों द्वारा आयोजित किए गए्। वर्ष केदौरान ग्रामीण विस्तार केन्द्र गांव लोक कलाकारों केसाथ सक्रिय भागीदारी केसाथ लोक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया। श्रीनिकेत्तन माघ मेला (2014)

केदौरान, ग्रामीण विस्तार केन्द्र विभिन्न गांवों से कलाकारों ने भाग लिया गया है, जहां लोको सांस्कृतिक आसोर नामक कार्यक्रम में भाग लिया। केरूप में कई केरूप में 13 ग्राम विकास समितियों को उनकेगांवों में विभिन्न लोक मनोरंजक आइटम केआयोजन केलिए वित्तीय अनुदान प्राप्त किया।

13. शिल्प संवर्धन कार्यक्रमः

संवर्धन और पारंपरिक शिल्प के पुनरुद्धार के इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। 2001 के शांति निक्तन - Sriniketan क्राफ्ट सोसायटी कहां से व्यथित कारीगरों को मंच देता है जो आरईसी के तहत एक पंजीकृत सोसायटी है के बाद से उद्यमिता विकास कार्यक्रम केएक भाग केरूप में ग्रामीण विस्तार केन्द्र शिल्प को बढ़ावा देने केकार्यक्रम शुरू किए हैं जैसे बांस का कान, बार्निश आधारित हैण्डीक्रॉफ्ट, ग्रामीण विस्तार केन्द्र प्रमुख अवसरों के दौरान ग्रामीण आर्टिसनरी का कर्न प्रदर्शनी व निदर्शन आयोजित करता है। पौष मेला 2014, मादा उत्सव 2014 के दौरान निदर्शन व विक्रय काउन्टर क्रॉफ्ट्समेन स्थापित करते हैं।

14. विनाश प्रबंधन के लिए आरईसी का विशेष प्रयास

डासेंडा गंव के 10 मकानों को विनाशक आग नष्ट कर दिया जिससे 18 परिवार प्रभावित हुए। ग्रामीण विस्तार केन्द्र शांति-निकेतन खैराती ट्रस्ट के सहयोग के साथ प्रभावित परिवारों को पुस्तकें और स्कूली बच्चों को बैग और त्रिपाल, सतरंगी आदि उपलब्ध कराया। दिनांक 14-05-2013 को डरीण्डा गांव के इन वस्तुओं के वितरण करने के लिए एक छोटा कार्यक्रम आयोजित किया गया था। प्रोफेसर सुशांत दत्ता गुप्ता वाइस-चांसलर, विश्वभारती और प्रोफेसर सबुजकोली सेन, निदेशक, एस.ई.आई. एवं आर.आर. वी. निकेतन इस अवसर पर उपस्थित थे।

15. विभाग के ऑडियो-विजुयल सेक्शन

गतिविधियों को भविष्य में व्यवहार के लिए प्रिंट और फोटो ग्रॉफिक दस्तावेजतैयार करने का प्रसंशनीय हस्तक्षेप किया है। यह स्कंध इस विभाग के सभी घटनाओं के दैनिक काम स्कील और विडियोग्राफिक दस्तावेज का संचालन कर रहे हैं।

ऑडियो-विजुयल यूनिट के कार्य निम्न अनुसार है :

(1) फोटो और विडियो आरक्विज की दैनिक अद्यतन और विडियो फिल्म शो के द्वारा विभागीय गतिविधि का प्रतिनिधित्व करना, छोटी पुस्तक बनाना, जर्नल और क्रोनिकल का प्रकाशन।

(2) इसके अलावे यह यूनिट विश्व भारती के वार्षिक रिपोर्ट (2012-13) तैयार करने में सक्रिय रूप से लगे हैं और विश्व विद्यालय के सभी स्टाफ सदस्यों के पहचान पत्र तैयार करना।

(3) पौष मेला के दौरानयह यूनिट विभाग के एक प्रदर्शिनी तैयार किया जिसे सभी ने प्रसंशा किया।

16. म्यूजिक यूनिट की गतिविधियां

आर.ई.सी. के म्यूजिक यूनिट के थ्रस्ट क्षेत्र का विस्तार करना और चारों तरफ के ग्रामीण क्षेत्रों में रबीन्द्र म्यूजिक का शिक्षा देना। श्रीनिकेतन और शान्ति निकेतन के विभिन्न उत्सवों और त्योहारों में बच्चों को बाग लेने का सुअवसर प्रदान किया जाता है। यह यूनिट प्रायः श्रीनिकेतन के विभिन्न उत्सवों और त्योहारों को आयोजित करने में आगे आता है।

साप्ताहिक मंदिर में म्यूजिक यूनिट, विश्वविद्यालय के अन्य उत्सव और त्योहारों में भाग लेना।

वर्ष 2013-14 के दौरान, गांवों के छात्र साप्ताहिक मंदिर में म्यूजिक यूनिट / उपासना गृह, वर्षा मंगल और बसंत उत्सव (स्प्रींग फेस्टीबल), नव वर्षा में सक्रिय रूप से भाग लेने हैं। उनके हस्तक्षेप ग्रामीण विस्तार कार्यक्रमों में एक नया आयाम लाया।

17. प्रमुख घटनाओं / दिनों का समारोह

(1) पुस्तकालय दिवस 20 दिसम्बर को 15 ग्रामीण पुस्तकालयों द्वारा समारोह मनाया गया। वे सभी एक दिवसीय

ग्रामीण पुस्तकालय सतर्कता कार्यक्रम, विभिन्न पोस्टरों के साथ ग्राम रैली, चाट्‌र्स और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का पालन किया। इस अवसर पर ग्रामीण ग्रामवासियों से पुस्तकें एकत्र किया। इस अवसर पर, 4 पुस्तकालयों ने दीवाल मैगनीज प्रकाशित किया।

(2) 8वीं दिसम्बर को बिनुरिया गांव में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर सुप्रिया टैगोर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे और सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर हमारे कमाण्ड एरिया ग्राम के माध्यमिक में सफल छात्रों और हायर सेकेण्डरी परीक्षा में सफल छात्रों को विभाग द्वारा अभिनन्दन किया गया। इस कार्यक्रम में सभी सचिव, पुस्तकालयाध्यक्ष, एस.एच.जी. के प्रतिनिधिगण, बराती नेताओं ने भाग लिया।

(3) 14वीं नवम्बर को चिल्ड्रेन दिवस केन्द्रीय रूप से फ्रेसको श्री निकेतन में मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न समुदायों के चिल्ड्रेन प्रतिनिधियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम किया। श्रीमती शुभ्रा टैगोर, भूतपूर्व अध्यापक, विश्व भारतीइस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। इस अवसर के दौरान गांव के प्रतिभागियों के बीच ड्राइंग प्रतियोगिता आयोजित की गयी थी।

(4) 6वी जून को बिनूरिया गांव में इल्मतुष्ट जन्म दिवस मनाया गय। विभिन्न ग्राम विकास सोसाइटी के प्रतिनिधियों ने इसमें भाग लिया। इस स्मरणीय अवसर पर एक स्वास्थ्य चेक-अप यूनिट बिनूरिया ग्राम में प्रारंभ किया गया जिससे बिनूरिया के ग्रामीणों और आस-पास ग्रामों को मुफ्त स्वास्थ्य चेक-अप सुविधा उपलब्ध हो सके। निदेशक, एस.ई.आई.और आर.आर. रजिस्ट्रार वी.बी. वित्त अधिकारी, वी.बी., सी.एम.ओ.एच.पी.एम. हॉस्पिटल इस अवसर पर उपस्थित थे।

18. संपर्क विकास

ग्रामीण विस्तार केन्द्र, विश्व भारती निम्नलिखित संस्थानों से संपर्क (संबंध) विकसित कर रही है :

वाह्य :

01. पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, प.बं. सरकार
02. सेल्फ हेल्थ ग्रूप एवं स्वनियोजन मंत्रालय, प.बं. सरकार
03. जिला ग्रामीण विकास सेल, सूरी, वीरभूम
04. समुदाय अध्ययन का इरामर्टिस्ट इंस्टीट्यूट, शांतिनिकेतन,
05. ग्रामीण विकास के लिए टैगोर सोसाइटी, बोलपुर
06. पश्चिम बंग ग्रामीण बैंक, इस्लामपुर श्री निकेतन बोलपुर
07. प्रखण्ड विकास कार्यालय, इस्लामपुर, बोलपुर, श्रीनिकेतन
08. प्रखण्ड प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बोलपुर एवं इस्लामपुर
09. ऑगिकर सामाजिक कल्याण सोसाइटी
10. जिला विधि एड प्राधिकारी, बीरभूम

आंतरिक

01. सामाजिक निर्माण विभाग (सामाजिक निर्माण वबाग एक वर्ष के लिए कोल्ड नियोजन के लिए 2 छात्र)
02. पल्ली चर्चा केन्द्र
03. शिल्प सदन
04. रथीन्द्र कृषि विज्ञान केन्द्र
05. पल्ली शिक्षा भवन
06. शिक्षा सत्र
07. कला भवन
08. शिक्षा भवन
09. पाठ भवन

10. रबिन्द्र भवन
11. महिला अध्ययन केन्द्र
12. बिनय भवन (शिक्षा विभाग)

19. सेमिनार / कार्यशाला / सम्मेलन / प्रशिक्षण

आर.ई.सी. के तकनीकी स्टाफ सदस्य कई कार्यशालाएं, सेमिनार, सम्मेलनों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल हुए। तकनीकी स्टाफ सदस्य संसाधन व्यक्तियों के रूप में अन्य गैर सरकारी और सरकारी संगठनों द्वारा आयोजित कई कार्यक्रमों में भाग लिया। जीवनपर्यन्त शिक्षा और विस्तार विभाग (ग्रामीण विस्तार केन्द्र), पल्ली संगठन विभाग, श्रीनिकेतन, विश्व भारती - 731236.

विभागीय सेमिनार (वक्ता, सेमिनार, शीर्षक, तारीख)

'समुदाय कॉलेज' पर राष्ट्रीय कार्यशाला दि. 12वीं अगस्त, 2013 को वक्ता : प्रोफेसर सुशांत दासगुप्ता, उप-कुलपति, विश्वभारती, प्रोफेसर सबुजकली सेन, निदेशक, एस.ई.आई. और आर.आर. श्रीनिकेतन प्रोफेसर सी.के घोष इग्नू, नई दिल्ली, डॉ. शांतनु चक्रवर्ती, टी.ई.एवं टी., पश्चिम बंगाल सरकार, डॉ. सैबल मुखोपाध्याय, टी.ई. एवं टी. प.बंग सरकार।

सिर्फ राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर सम्मेलन / सेमिनार / कार्यशाला /प्रदर्शनी आदि में शामिल शिक्षक / अनुसंधान विद्वानों के ब्योरे :

सुजीत कुमार पाल :

12 अगस्त, 2013 : जीवन पर्यन्त शिक्षा और विस्तार विभाग (ग्रामीण विस्तार केन्द्र), द्वारा आयोजित कम्युनिटी कॉलेज पर राष्ट्रीय कार्यशाला, पी.एस.भी. विश्वभारती, श्रीनिकेतन 'श्रीनिकेतन इक्सप्रीमेंट और समुदाय कॉलेज' पर प्रस्तुतीकरण तैयार किया।

30 अगस्त 2013 : शिक्षा के अधिकार (आर.टी.ई.) पर राष्ट्रीय सेमिनार : ग्रामीण विकास के राष्ट्रीय इंस्टीट्यूट, हैदराबाद, भारत द्वारा आयोजित 'पनौरी और कार्यनिति'।

आदिवासी परिवारों के प्रथम पीढ़ी छात्रों की शिक्षा पर प्रस्तुतीकरण तैयार कियाः पश्चिम बंगाल के आदिवासी गांवों में विकास संगठन के प्रयासों पर एक अध्ययन।

5 सितम्बर 2013 : राधाकृष्णन के वसीयत-संपदा पर राष्ट्रीय सेमिनार : न्यू ग्लोबल आर्डर में भारत के प्रस्तुतीकरण, बिनय भवन द्वारा आयोजित, विश्व भारती 'निरन्तर शिक्षा द्वारा महिला सशक्तिकरण' पर प्रस्तुतीकरण बनाया।

12 सितंबर 2013, विकेन्द्रीकृत शासन और ग्रामीण क्षेत्रों में विकास के बदलते विरोधाभास पर राष्ट्रीय सेमिनार, झारखण्ड के केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'विकेनद्रीत योजना द्वारा ग्रामीण विकास' पर प्रस्तुतीकरण। 'पश्चिम बंगाल के वास्तविक दृश्य'।

21 अक्टूबर 2013 : नागरिक समिति संगठन और विकास पर अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार, विश्व शिक्षा संघ द्वारा आयोजित डेनमार्क 'प्रबोधन और विकास-एक दृष्टि' पर प्रस्तुतीकरण।

29 अक्टूबर 2013: ': भारत में अनुभव निगमित सामाजिक दायित्व' विश्व शिक्षा, के लिए एसोसिएशन द्वारा आयोजित कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, डेनमार्क पर एक प्रस्तुति पेश की।

31 अक्टूबर 2013: कोपेनहेगन विश्वविद्यालय, डेनमार्क में पेश हस्तक्षेपः टैगोर केग्रामीण पुनर्निर्माण प्रयोग पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

11 नवंबर 2013: विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, शिक्षा और वयस्क, सतत् शिक्षा एवं विस्तार, विश्वविद्यालय विभाग केरामकृष्ण मिशन ब्रह्मानंद कॉलेज द्वारा आयोजित शिक्षा और विकास पर राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रायोजित 'टैगोर की श्रीनिक्तन प्रयोगः वर्तमान हस्तक्षेप' पर एक प्रस्तुति पेश की।

22 नवंबर 2013: पर्यावरण केमुद्दों पर राष्ट्रीय संगोष्ठीः पर्यावरण अध्ययन विभाग, विश्वभारती, शांतिनिक्तन एवं लोक स्वास्थ्य इंजीनियर्स संस्थान, भारत, द्वारा आयोजित संरक्षण, संरक्षण एवं प्रबंधन, जलवायु परिवर्तन 'पर

प्रस्तुति और ग्रामीण आजीविका संरचना के बदलते परिदृश्य बनाया: एक हिमाचल प्रदेश के कुल्लू ब्लॉक से केस स्टडी

7 दिसंबर 2013: भारत में आदिवासी समाज को बदलने पर राष्ट्रीय संगोष्ठी: ': आदिवासी शिक्षा पर प्रभाव पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति' सामाजिक अनुसंधान और एप्लाइड नृविज्ञान संस्थान, पश्चिम मिदनापुर, पश्चिम बंगाल, द्वारा आयोजित मुद्दे और चुनौतियां, पर एक प्रस्तुति पेश की ।

9 दिसंबर 2013: एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन और विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित 5 वीं भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस में भाग लिया।

13 फ़रवरी 2014: बचपन हासिल करने पर राष्ट्रीय संगोष्ठी: चुनौतियां, सामाजिक सेवा रांची व यूनिसेफ के जेवियर संस्थान द्वारा आयोजित अवसरों और रणनीतियों,, बालिकाओं की कांटेदार मार्ग 'पर एक प्रस्तुति पेश की: के बीच में बाल विवाह की हकीकत के माध्यम से झाँक '।

13 फ़रवरी 2014: बचपन हासिल करने पर राष्ट्रीय संगोष्ठी: सामाजिक सेवा रांची व यूनिसेफ के जेवियर संस्थान द्वारा आयोजित चुनौतियां, अवसर और रणनीति, 'आदिवासी बच्चों के बीच पोषण की स्थिति: चुनौतियां और संभावनाएं' विषय पर एक प्रस्तुति पेश की।

26 मार्च 2014: संस्कृति और उनके धार्मिक विश्वासों पर एक दो दिन में सहयोगात्मक राष्ट्रीय संगोष्ठी, दर्शन और धर्म, विश्व शांति निकेतन और भारत, कोलकाता के मानव विज्ञान सर्वेक्षण विभाग द्वारा आयोजित। 'के बीच एक अध्ययन आदिवासी संस्कृति का परिदृश्य बदल रहा है' पर एक प्रस्तुति पेश की।

रफीकल इस्लाम:

12 अगस्त 2013: सामुदायिक कॉलेज पर राष्ट्रीय कार्यशाला आजीवन लर्निंग विभाग और एक्सटेंशन (ग्रामीण विस्तार केन्द्र), पीएसवी, विश्व भारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित। भारती पर सामुदायिक कॉलेज के क्रियान्वयन' पर एक प्रस्तुति पेश की।

5 सितंबर, 2013: राधाकृष्णन की विरासत पर राष्ट्रीय संगोष्ठी: विनयभवन, विश्व भारती द्वारा आयोजित नई विश्व व्यवस्था में भारत का प्रतिनिधित्व करना, शांति निकेतन एक प्रस्तुति और सत्र की अध्यक्षता करते हुए बनाया है।

18-28 नवम्बर, 2013: स्कूल शिक्षा और साक्षरता, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के विभाग द्वारा एक विशेषज्ञ के रूप में मनोनीत। पश्चिम बंगाल के मध्याह्न भोजन कार्यक्रम के लिए संयुक्त समीक्षा मिशन के लिए भारत की। प्रस्तुति के तीन जिलों, अर्थात् मुर्शिदाबाद और दक्षिण 24 परगना के व्यापक क्षेत्र का काम करने के बाद कोलकाता में पश्चिम बंगाल के मध्याह्न भोजन कार्यक्रम के कार्यान्वयन पर बनाया है।

13-14 मार्च 2013: स्कूल शिक्षा विभाग, भारत सरकार पर पश्चिम बंगाल (बीरभूम, बांकुड़ा, कूचबिहार और हावड़ा) के चार जिले के शोध अध्ययन के लिए पश्चिम बंगाल मध्याह्न भोजन (एमडीएम) कार्यक्रम के सिलसिले में की गई प्रस्तुति। साल्ट लेक, कोलकाता में पश्चिम बंगाल की।

25-26 मार्च 2014: योजना के मूल्यांकन की प्रक्रिया में भाग लिया और प्रस्तुति स्कूल शिक्षा और साक्षरता, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के विभाग की वर्ष 2014-15 के लिए परियोजना मंजूरी और पश्चिम बंगाल के बजट (पीएबी) में एमडीएम कार्यक्रमों के कार्यान्वयन पर किए गए । शास्त्री भवन, नई दिल्ली में भारत के।

शुभ्रांशु संतरा:

अन्य

अक्टूबर-नवंबर, 2013: भाग लिया और सफलतापूर्वक अकादमिक स्टाफ कॉलेज, बर्दवान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम पूरा किया।

विभाग में अनुसंधान परियोजनाओं के लिए जा रहा पर:

शिक्षक का नाम	**प्रोजेक्ट का नाम**	**सहयोगी संस्था**	**राशि**	**अवधि**
डॉ. रफिकुल इसलाम	1. प्रोजेकट मोनेटरिंग और सुपरविजन ऑफ एसएसए और एमडीए प्रोग्राम चुने हुए 10 जिला के लिए	स्कुल शिक्षा विभाग एवं साहित्य, एमएच आरडी, भारत सरकार 2003 से	9.00लाख	2013-15
	2. एमडीएम प्रोग्राम रिसर्च प. बंगाल के 4 जिला (बीरभुम, बांकुरा, कुचबिहार, हावड़ा)	स्कुल शिक्षा विभाग प.बंगाल, सरकार	6.00लाख	2013-14
	3. प्रोजेक्ट मोनिटोरिंग एवं आरएमएसए के निगरानी में चुने हुए 10 जिला के लिए	स्कुल शिक्षा विभाग एवं साहित्य, एमएच आरडी, भारत सरकार 2003 से	6.00लाख	2013-15
	4. प्रोजेक्ट मोनिटोरिंग एवं आरएमएसए के निगरानी में चुने हुए 3 जिला के लिए	स्कुल शिक्षा विभाग एवं साहित्य, एमएच आरडी, भारत सरकार 2003 से	2.4.00लाख	2013-15
डॉ.सुजित कुमार पाल	1. स्ट्रेंगथिंग डिसेंट्रालाइजेशन इन रूरल बंगाल पंचायती राज के द्वारा और स्वयं सहायता समूह।	यूजूजी	4,00,100	दो वर्ष
	2. जनजातीय शिक्षा : ए स्टडि ऑन द पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप, संतालि के लिए प. बंगाल के बिरभूम एवं पुरूलिया जिला	जनजातीय मामला के मंत्रालय भारत सरकार	2,50,000	1 वर्ष
	3. जनजातिए महिला सस्कतिकरण स्वंय सहायता समूह के द्वारा : एक अध्ययन	जनजातीय मामला के मंत्रालय भारत सरकार	2,50,000	1 वर्ष

वर्ष के भीतर प्रकाशन अप्रैल 2013- 2014

शुभ्रांशु संतरा।

पुस्तकें

ग्रामीण बंगाल में खपत के पैटर्न: निरंतरता और परिवर्तन जर्मनी: लैम्बर्ट शैक्षणिक प्रकाशन, सितंबर 2013 क्ष्व्एग़: 978-3-659-43188-3

पत्रिकाओं में लेख

'बुन और आजीविका पर्ि चम बंगाल के अतीत 4014-4017, वर्तमान अनुसंधान, वॉल्यूम के इंटरनेशनल जर्नल। 5, अंक 12, दिसंबर 2013, एस संतरा और पी दुबे (2013), आईएसएसएन 0975-833

सोशल वर्क क्रॉनिकल, माप 1, अंक 2, जून 2013 प्रकाशन इंडिया ग्रुप, एस संतरा, टी पाल एंड पी दुबे (2013) क्ष्च्च्र 2277 'ग्रामीण पर्ि चम बंगाल में -क्षेत्रों आपदा तैयारी बाढ़ में एक अध्ययन में लिंग परिप्रेक्ष्य' -1395्।

सुजीत कुमार पॉल

संपादित पुस्तक में अध्यायः

आदिवासियों की आजीविका विकासः बदलते परिदृश्य आजीविका और स्वास्थ्य - ग्रामीण विकास में मुद्दे और प्रक्रिया एड। पी शर्मा और दीपांकर चटर्जी। धारावाहिकों, नई दिल्ली, 2013: 12-26। आईएसबीएन 978-81-8387-629-2

विकेन्द्रीकृत आयोजनाः पर्ि चम बंगाल पंचायतों के अनुभव कॉमन्स के शासन और आजीविका सुरक्षा एड। हिमाद्री सिन्हा और अनंत कुमार समाज सेवा, रांची, 2013 जेवियर संस्थानः 239-250। आईएसबीएनः 978-81-904110-2-8

आदिवासियों की आजीविका पैटर्नः संक्रमण पर पारंपरिक से आधुनिकता के लिए खाद्य और पर्यावरण सुरक्षा - स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों की अनिवार्यता एड। देवव्रत दास, भारत, 2013: 60-64।आईएसबीएन 978-81-7754-509-8

पत्रिकाओं में लेख

प्रशासन और ग्राम पंचायत सदस्यों की भागीदारी में पारदर्शिता, विस्तार और रिसर्च जर्नल, वॉल्यूम। अगरतला, नंबर 1 व 2 जनवरी, 2014, गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान - डीम्ड विश्वविद्यालय, 2014: 92-98. 0972351

नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या विभाग द्वारा शुरू की किसी भी अन्य शिक्षण नवाचार डिजाइनिंगः
ग्रामीण प्रबंधन पर एक नए पाठ्यक्रम विकसित किया गया है।

शिल्प सदन

छात्रों के नाम यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / सलेट और गेट परीक्षा में योग्य: कोई नहीं

विभागीय संगोष्ठी (वक्ताओं, संगोष्ठी का शीर्षक, दिनांक): (कार्यशाला)

मैं। 26 अगस्त 30, 2013 को: रंगाई और छपाई, सिल्पा-सदन में उपेंद्र महारथी शिल्प अनुसन्धान संस्थान, पटना से प्रशिक्षुओं के लिए 26 से 30 अगस्त 2013 को यानी पांच दिनों के लिए मिट्टी के बर्तनों और चीनी मिट्टी, चमड़े का काम और लकड़ी पर आयोजित कार्यशाला।

द्वितीय। 14 सितंबर 2013 को 9: ब्लॉक प्रिंटिंग, बांस व बेंत, पर उपेंद्र महारथी शिल्प अनुसन्धान संस्थान, पटना से प्रशिक्षुओं के लिए 14 सितंबर 2013 को 9 वीं से यानी पांच दिनों के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में मिट्टी के बर्तनों और कागज मज़बूत पर कार्यशाला का आयोजन सदन।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी आदि

पद्मिनी बलराम

विश्वविद्यालयों में और सम्मेलनों में एक पत्रों

मैं। 7 अक्टूबर 2013 अनुसंधान और परे, पाठ्यक्रम का एक हिस्सा नेब्रास्का लिंकन विश्वविद्यालय में कपड़ा, मर्केंडाइजिंग और फैशन के छात्रों को स्नातक के रूप में।

द्वितीय। मॉर्गन स्टेट यूनिवर्सिटी, बाल्टीमोर, मैरीलैंड में अंदरूनी के लिए 29 अक्टूबर 29, 2013 कपड़ा, (OLF फंड एक अल्पसंख्यक संस्थान में इस आगामी व्याख्यान के लिए दे दी।)

18-19 नवम्बर, 2013 को भारतीय छींट जापानी वा करने के लिए: जापानी कपड़ा पर भारत के व्यापार वस्त्र का प्रभाव, टेक्सास, ऑस्टिन विश्वविद्यालय में,

चतुर्थ 25 नवंबर 2013 टेक्सास विश्वविद्यालय, ऑस्टिन, संयुक्त राज्य अमेरिका, 2013 में सतह डिजाइन का विकास करना।

वी 25 भारत, चीन, जापान और कोरिया के बीच स्वस्तिक और लोटस के नवंबर 2013 के आंदोलन, पाठ्यक्रम INDS 3715 कपड़ा और संस्कृति का एक भाग के रूप में:। में वुडबरी विश्वविद्यालय में एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य, कैलिफोर्निया।

संस्कृति की 26 नवंबर 2013 संगम: पालो अल्टो कला केंद्र में एशियाई इंडिगो की ब्लू विश्व, पालो अल्टो, कैलिफोर्निया। पालो आर्ट गैलरी और अमेरिका के वस्त्र सोसायटी द्वारा आयोजित।

सातवीं। 3 दिसंबर 2013 इंडिगो और (यह एक अल्पसंख्यक कॉलेज भी है) कैलिफोर्निया कॉलेज ऑफ आर्ट्स (सीसीए), ऑकलैंड, कैलिफोर्निया में भारत की तकनीक, विरोध

आठवीं। 6 दिसंबर 2013 अंतर्राष्ट्रीय रजाई अध्ययन केंद्र और संग्रहालय, लिंकन, पूर्वोत्तर, संयुक्त राज्य अमरीका में मुद्रण और

9वी। दिसंबर 2013 पारिस्थितिकी के अनुकूल रंगों और डॉ पद्मिनी बलराम के कपड़ा 6, नेब्रास्का लिंकन, संयुक्त राज्य अमरीका के विश्वविद्यालय में।

एक्स 15-16 नवंबर 2013 प्राकृतिक रंगों: 2013 बैठक में समकालीन परंपरा, कैनसस सिटी कला संस्थान, कान्सास, संयुक्त राज्य अमेरिका में फाइबर विभाग

ग्यारहवीं। 15 दिसंबर 2013 वांचू नगा और सांता फ़े बुन गैलरी में उनके बहादुरी के पदक, सांता फ़े, अमरीका।

बारहवीं। पुरातत्व, भारत सरकार के और विभाग द्वारा पुरातत्व पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भारत से चीन को जापान के लिए कपास की फ़रवरी 2014 फैलाओ। रायपुर में छत्तीसगढ़ की,

तेरहवें। फैशन और वस्त्र उद्योग में फ़रवरी 2014 प्राकृतिक रंगों, सूत्र प्राकृतिक रंगों, कोलकाता पर एक

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में।

5-7 एशियाई इंडिगो और 2014 में भारत, चीन, कोरिया और जापान में डिजाइन करने के लिए प्रयोग किया जाता है एक कुछ ज़ेब तकनीकों के मार्च 2014 एक तुलनात्मक अध्ययन प्राकृतिक रंगों पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, आचार्य एनजी रंगा कृषि विश्वविद्यालय, हैदराबाद्।

बी सम्मेलनों में भाग लियाः

मैं्। मई 2013 फुलब्राइट फैलो सम्मेलन, कोलकाता।

द्वितीय। 28 सितंबर 28, 2013 नेब्रास्का लिंकन, संयुक्त राज्य अमरीका के विश्वविद्यालय में ग्लोबल एज्युकेशन 23-26 अक्टूबर 2013 तुलसा, संयुक्त राज्य अमरीका में फुलब्राइट फैलो सम्मेलन।

चतुर्थ 20-23 नवंबर 2013 में न्यू ऑरलियन्स, संयुक्त राज्य अमरीका में फुलब्राइट फैलो सम्मेलन।

सी सोलो प्रदर्शनियों का आयोजन कियाः

मैं। 11-15 नवंबर 2013 पारिस्थितिकी के अनुकूल वस्त्र चित्रों और दीवार पर्दे, रोटोंडा गैलरी, संघ, नेब्रास्का लिंकन, संयुक्त राज्य अमरीका के विश्वविद्यालय।

द्वितीय। पालो अल्टो, संयुक्त राज्य अमरीका में 26 नवंबर 2013 प्राकृतिक रंगे कपड़ा।

कार्यशाला का आयोजन कियाः

टेक्सास विश्वविद्यालय, ऑस्टिन, संयुक्त राज्य अमेरिका, 2013 में सतह डिजाइन कार्यशाला।

राज कुमार कोनार

न्यायाधीश, सम्मान के मेहमान और आमंत्रित वक्ताः के लिए एक न्यायाधीश के रूप में नियुक्त 'बैठो और बीरभूम जिले, पिचम बंगाल के स्कूली बच्चों के लिए कला प्रतियोगिता ड्रा' और भी अतिथि के रूप में स्कूल शिक्षा प्रणाली में रचनात्मकता और कला का महत्व 'विषय पर एक भाषण दिया नाबन्ना के 10 दिन के लिए समापन समारोह में सम्मान - गीतांजलि सांस्कृतिक परिसर में आयोजित सुरेश अमिय मेमोरियल ट्रस्ट, कोलकाता) द्वारा आयोजित लोक कला एवं शिल्प मेले, जनवरी, 2014 के महीने में आयोजित किया।

नवंबर 2013 27-28 पूरी तरह से, कल्पना डिजाइन और सिल्पा-सदन में रथीन्द्रनाथ ठाकुर और 25्। रथीन्द्र सिल्पा मेला का 125 जन्म की के अवसर पर एक डिजाइनर के रूप टैगोर के रचनात्मक कार्यों पर एक प्रदर्शनी मार डाला।

योजना बनाई है और शिक्षा-सत्रा, श्रीनिकेतन, विश्वभारती के लिए एक दो मंजिला संस्थागत भवनों बनाया है।

शांतनु कुमार जेना

अक्टूबर 2013 2-7 पर बिहार, महाराष्ट्र और पंजाब राज्य, जिला सिवान, बिहार के गांव के स्कूल में बच्चों के बीच शीघ्र शिल्प कला और संस्कृति के लिए एक कार्यशाला के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया।

23- 26 सितंबर 2013 एनआईडी एमएसएमई सेल द्वारा आयोजित, कास्टिंग क्लस्टर के लिए, रुझान पैकिंग डिजाइन और डिजाइन प्रक्रिया पर बात करने के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित कोलकाता और शांति निकेतन सोसायटी युवा सशक्तिकरण,

15 जुलाई - कम से 'खानाबदोश गार्डन' जिमहाइ, कोरिया में भाग लिया एक निवास (कार्यशाला) के लिए एक चीनी मिट्टी कलाकार के रूप में आमंत्रित 18 अगस्त 2013।

17 अगस्त - 1 सितम्बर 2013 'खानाबदोश गार्डन' जिमहाइ, कोरिया में आमंत्रित निवास भारतीय सिरेमिक कलाकार की एक प्रदर्शनी भाग लिया।

26 दिसंबर 2013 - 4 जनवरी 2014 ग्लास और डिजाइन, अहमदाबाद के नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ सिरेमिक छात्र के लिए एक वर्ग के संचालन के लिए एक विजिटिंग फैकल्टी के रूप में आमंत्रित किया।

2 और 13 फ़रवरी 2014 एमएसएमई और एनआईडी डिजाइन क्लीनिक स्कीम के तहत नवादा, बिहार में मिट्टी के बर्तनों क्लस्टर के लिए डिजाइन क्लिनिक कार्यशाला के लिए एक अतिथि वक्ता और विशेषज्ञ के रूप में, आमंत्रित

किया।
क्षेत्रीय केंद्र चेन्नई के एक है संग्रह की प्रदर्शनी में प्रदर्शित 29 मार्च 2014 कार्य दो सप्ताह की अवधि के लिए आयोजित कर रहा है।

अरुण कुमार शर्मा

सिरेमिक पर विशेषज्ञ कार्यशाला (टेराकोटा सह सिरेमिक) कर्नाटक चित्रकला परिषत, बंगलौर ललित कला कॉलेज के रूप में आमंत्रण

शंकर राय मल्लिक

18-20 अगस्त, सब्जी रंग के साथ पर्यावरण के अनुकूल मुद्रण हकदार 2013 कागज पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'पर्यावरण और समाज पर इसके प्रभाव' जद बिरला इंस्टीट्यूट, कोलकाता द्वारा आयोजित में पेश किया गया।
इंडिगो के साथ पारिस्थितिकी हरी हकदार कागज पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 'पर्यावरण और समाज पर इसके प्रभाव' जद बिरला इंस्टीट्यूट, कोलकाता द्वारा आयोजित में पेश किया गया।
11-12 अप्रैल, 2014 कागज हकदार हथकरघा कपड़े से बने प्राकृतिक और पर्यावरण के अनुकूल परिधान, वस्त्र प्रौद्योगिकी, प्रौद्योगिकी के डॉ बी आर अम्बेडकर नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ विभाग द्वारा आयोजित पारंपरिक और तकनीकी वस्त्र में उभरते रुझान अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया था जालंधर।
12 अगस्त 2013 कागज आजीवन लर्निंग विभाग और एक्सटेंशन (ग्रामीण विस्तार केन्द्र), पल्ली संगठन विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित सामुदायिक कॉलेज 'विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला में प्रस्तुत किया गया था। श्रीनिकेतन।
18 सितंबर, विरंजन और ऑप्टिकल ब्राइटनिंग हकदार 2013 कागज मिलन मेला, कोलकाता में सिनर्जी एमएसएमई बिजनेस कॉन्क्लेव 2013 में द्वारा आयोजित वैल्यू एडेड एकीकृत डिजाइन पर कार्यशाला, प्रौद्योगिकी, बाजार विकास एवं निर्यात संवर्धन में पेश किया गया
वस्त्र छपाई हकदार 18 सितम्बर 2013 कागज मिलन मेला, कोलकाता में सिनर्जी एमएसएमई बिजनेस कॉन्क्लेव 2013 में ज़एङ्क्ष्ए द्वारा आयोजित डिजाइन, प्रौद्योगिकी, बाजार विकास और निर्यात संवर्धन पर वैल्यू एडेड एकीकृत कार्यशाला में प्रस्तुत किया गया था।
29 मार्च 2014 कागज हकदार पारिस्थितिकी के अनुकूल परिधान टेक्सटाइल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (पि चम बंगाल इकाई), कोलकाता द्वारा आयोजित 'वस्त्रों में हाल के घटनाक्रम' पर तकनीकी सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया था।

प्रबीर कुमार चौधरी

21 सितंबर 2013 द्वारा आयोजित मिलन मेला, कोलकाता में सिनर्जी एमएसएमई बिजनेस कॉन्क्लेव 2013 में 'यार्न चरित्र शोषण खादी वस्त्रों में डिजाइन विकास का स्कोप' पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित दिया।
3 आरडी में प्रस्तुत किया: 'सर्दियों के कपड़े इंजीनियर के लिए एक मार्गदर्शन प्रयोग के बॉक्स और डिजाइन का उपयोग कर कपास और इरी / एक्रिलिक मिश्रित कपड़े की तापीय व्यवहार पर अध्ययन' दिसंबर 2013 कागज हकदार। अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस में इंटरनेशनल साइंस कांग्रेस एसोसिएशन द्वारा आयोजित की।
में उभरते रुझान पर राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत किया - 21-22 दिसंबर 2013 पेपर ' तकनीक का उपयोग कर इरी रेशम, एक्रिलिक और ऊनी धागा और गर्म कपड़ों के लिए इरी की उपयुक्तता के आकलन के बने वस्त्रों की तापीय व्यवहार पर तुलनात्मक अध्ययन' के हकदार वस्त्र, फाइबर और परिधान इंजीनियरिंग 2013 टीईक्यूआईपी द्वितीय के प्रायोजन के तहत वस्त्र प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और वस्त्र प्रौद्योगिकी, बरहामपुर, पि चम बंगाल सरकार ने कॉलेज के विभाग द्वारा आयोजित। कार्यवाही की पुस्तक, क्ष्च्एग़ में प्रकाशित पूरा पेपर: 978-1-63068-205-7

अरविंद मंडल

2013 में पि चम बंगाल प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और इंजीनियरिंग और सिरेमिक टेक्नोलॉजी गवर्नमेंट कॉलेज, कोलकाता द्वारा आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में थर्मल पावर प्लांट से उत्पन्न फ्लाई ऐश की विशेषता्।

आशीष मित्रा

8 - 9 दिसंबर 2013 करून्या युनिवर्सिटी, कोयंबटूर, तमिलनाडु, भारत में 3 अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस (आईएससी 2013) में हथकरघा वस्त्रों की हवा पारगम्यता की भविष्यवाणी केलिए कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क मॉडल शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया।

आशीष घोष

लद्दाख, जम्मू और कश्मीर दीवार कला परियोजना, जापान द्वारा आयोजित 2014 पृथ्वी कला परियोजना 'केलिए चुना। 2014

भाग लिया अंतरराष्ट्रीय मूर्ति स्थापना परियोजना नापोली, 2014 इटली

डिजाइन इनडोर प्रकाश और कला विला एक सितारा रिसॉर्ट केलिए प्रभावित करते हैं। पश्चिम बंगाल अप्रैल 2014 2013.

(सिल्पा सदन छात्र केसहयोग से) गेस्ट हाउस शांति निकेतन और कई अन्य निजी और कॉर्पोरेट्। केलिए आंतरिक डिजाइन सलाहकार 2013-2014

राइटर्स बिल्डिंग कोलकाता केसामने, लाल क्त्ड़ण्त पर राहत कांस्य आउटडोर मूर्ति स्थापित करें। सितम्बर 2013

राजगीर (बिहार) फ़रवरी 2014 में भाग लिया राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला

 केंद्र केलिए आउटडोर मूर्तिकला डिजाइन। पश्चिम.2014

उदिता कोलकाता में 'अनैतिक चिकित्सा विज्ञापन केद्यण्ड्ध्द्ध पर आउटडोर स्थापना को व्यवस्थित करें। (सिल्पा सदन छात्र केसाथ सहयोग) अप्रैल 2014

शहर के केंद्र रायपुर केलिए आउटडोर मूर्तिकला डिजाइन। 2013-2014

मोम संग्रहालय कोलकाता केलिए डिजाइन फर्नीचर।

मनोज कुमार प्रजापति

10 जुलाई 2013 समूह प्रदर्शनी में भाग लेने ललित कला प्रतिबिंब अकादमी, कोलकाता - 4

देब कुमार दास

सांसद पर का सैला चित्रा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी पर 19 -21 जनवरी 2014 पेपर प्रस्तुति

सुमिताभ पाल

19 - सांसद पर का सैला चित्रा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी पर 21 जनवरी 2014 पेपर प्रस्तुति

मृणाल कांति सरकार

22-23 दिसंबर 2013 अखबार पढ़ा और इंजीनियरिंग केवस्त्र प्रौद्योगिकी गवर्नमेंट कॉलेज और वस्त्र प्रौद्योगिकी बरहामपुर पश्चिम विभाग द्वारा आयोजित उभरते कपड़ा, फाइबर में प्रवृत्तियों और परिधान पर राष्ट्रीय में (क्राफ्ट जीवन का एक मूक भाषा है) केसाथ प्रकाशित ने भाग लिया, बंगाल।

18-20 अगस्त 2013, ने भाग लिया, अखबार पढ़ा और जद बिड़ला गर्ल्स कॉलेज कोलकाता द्वारा आयोजित पर्यावरण और समाज पर इसकेप्रभाव पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में (पारंपरिक हथकरघा सूती कपड़े का मूल्य अलावा) केसाथ प्रकाशित

18 सितंबर 2013 खादी कपड़े, कोलकाता पर डिजाइन विकास पर एमएसएमई व्यापार सम्मेलन भाषण में एक वक्ता केरूप में भाग लिया।

मालदा वेलफेयर सोसायटी द्वारा आयोजित मालदा परिक्रमा केएक न्यायाधीश केरूप में भाग लिया

कोलकाता निफ्ट में इस पर अपने विचार साझा करने केलिए निफ्ट के2025 में एक भागीदार केरूप में आमंत्रित किया।

मैं स्पर्श की अपनी वार्षिक कार्यक्रम केसूरी में सिउरी कॉलेज केतहत च्ध्न्ह्रत्तगैर सरकारी संगठन केएक सलाहकार केरूप में नियुक्त किया गया था।

विभागों में चल रहे अनुसंधान परियोजनाः

अरविंद मंडल

कंपोजिट के विकास पर फ्लाई ऐश का प्रभाo। 3 साल के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित

शंकर राय मल्लिक

यूजीसी अनुसंधान परियोजना के प्रधान अन्वेषक के रूप में 1 जुलाई 2012 के बाद से प्राकृतिक रंग रंगाई के माध्यम से हथकरघा सूती कपड़े का मूल्य इसके अलावा (30 जुलाई 2012 दिनांक एफ नंबर 41-1307 / 2012 (एसआर)) हकदार को लागू करने।

विस्तार गतिविधियों / सांस्कृतिक एनएसएस / और विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने विभाग द्वारा आयोजित और भाग लिया अन्य गतिविधियों

वस्त्र और वस्त्र, सिरेमिक एवं ग्लास, और फर्नीचर और इंटीरियर के आधार पर व्यवस्थित संयंत्र की यात्रा

बी डेस के पांच छात्रों भुवनेश्वर ओडिशा ने ओडिशा के क्राफ्ट प्रायोजक पर क्राफ्ट प्रलेखन प्रस्तुत की।

गांव हथकरघा बुनकरों बुनाई आरोपों के खिलाफ सिल्पा-सदन द्वारा आपूर्ति, प्रक्षालित रंगा और ग्रे यार्न के साथ हथकरघा वस्त्रों के उत्पादन कर रहे हैं। डिजाइन और विनिर्देश भी विभाग द्वारा उन्हें उपलब्ध कराए गए हैं। अंतिम उत्पाद विभाग के बिक्री एम्पोरियम के माध्यम से बेचा जाता है।

इसी तरह, बढ़ईगीरी, मिट्टी के बर्तन, कलात्मक चमड़े के शिल्प, हस्तनिर्मित कागज बनाने, आदि के क्षेत्र में ग्रामीण कारीगरों भी संबंधित शिल्प वस्तुओं के निर्माण के माध्यम से या तो कच्चे माल उपलब्ध कराने के द्वारा या सीधे आपूर्ति की डिजाइन के अनुसार समाप्त वस्तुओं की खरीद के द्वारा रोजगार के साथ प्रदान की जाती हैं।

शिक्षक/विद्वान या एक पूरे के रूप में विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक भेद

पद्मिनी बलराम

ए 19 अगस्त - 18 दिसम्बर 2013 से सम्मानित किया फुलब्राइट-नेहरू विजिटिंग लेक्चरर फैलोशिप ध्वज और भारत की प्राकृतिक रंगों को पढ़ाने के लिए: संयुक्त राज्य अमेरिका में नेब्रास्का लिंकन विश्वविद्यालय में कपड़ा और सतह डिजाइन में उनके उपयोग, (2013 अगस्त-दिसंबर) 2013 पतन

इस अवधि दिसंबर 2013 को प्राकृतिक रंगों और अगस्त से यूएनएल में छात्रों के दो बैचों के लिए सतह डिजाइन पाठ्यक्रम में उनके उपयोग सिखाया दौरान इस, डिजाइन बनाने, प्रकृति से फार्म के विकास के शिक्षण मैन्युअल रूप से और साथ ही कंप्यूटर का उपयोग, के बारे में 8 पावर प्वाइंट व्याख्यान शामिल ऐसी आदि विश्वविद्यालय के एक पेशेवर के रूप में काम करने के लिए टाई रंगे कपड़ा के प्रोटोटाइप विभिन्न का उपयोग करते हुए इस तरह के आदि टाई डाई, दबाना रंगाई, जैसे तरीकों का विरोध पैटर्न बनाने और बनाने ओसेज नारंगी, ब्राजील लकड़ी, कैच के रूप में प्राकृतिक रंगों का उपयोग रंगाई अच्छी तरह से उनके कार्य के लिए बिक्री के लिए के रूप में।

अन्य गतिविधियों यूएनएल में किए गए:

ग्रांड द्वीप पर 1. न्यायाधीश 2013 नेब्रास्का राज्य में मेला 4 एच, नेब्रास्का, 24 अगस्त 2013 पर

2. यूएनएल में पाठ्यक्रम के नए रंग पढ़ाने में भाग लिया

यूएनएल रजाई संग्रहालय में एक सहयोगी परियोजना के बारे में 3. चर्चा

4. यूएनएल साथ संस्थागत एक्सचेंज प्रस्ताव तैयार कर रहा है

ग्लोबल शैक्षिक भागीदारी, संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए फैलोशिप से सम्मानित बी सितंबर-दिसंबर 2013

सी अक्टूबर मॉर्गन राज्य विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमरीका में व्याख्यान देने के लिए फुलब्राइट समसामयिक व्याख्याता फंड पुरस्कार के 2013 प्राप्तकर्ता।

प्रबीर कुमार चौधरी

3 आरडी में अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त किया। ': एक मार्गदर्शन सर्दियों के कपड़े इंजीनियर करने के लिए प्रयोग की बॉक्स और डिजाइन का उपयोग कर कपास और इरी / एक्रिलिक मिश्रित कपड़े की तापीय व्यवहार पर अध्ययन' इंटरनेशनल साइंस कांग्रेस हकदार कागज के लिए इंटरनेशनल साइंस कांग्रेस एसोसिएशन द्वारा

आयोजित की।

आशीष मित्रा

25 नवंबर कोलकाता के जादवपुर विश्वविद्यालय से इंजीनियरिंग में 2013 से सम्मानित किया डॉक्टरेट (पीएचडी) की डिग्री।

सरकार द्वारा छात्रों को सम्मानित क्राफ्ट प्रलेखन के लिए 7. प्रायोजन

सिल्पा-सदन 7 सेमेस्टर बी डेस के पांच छात्र्। पांच निम्नलिखित शिल्प समूहों में उनके शिल्प प्रलेखन के लिए कला और शिल्प भुवनेश्वर, ओडिशा के विकास के लिए राज्य संस्थान द्वारा प्रायोजित किया गया था, यह प्रस्तुत की और अच्छी तरह से सराहना की गई। बाद के रूप में वे प्रलेखित उनके नाम और विषय हैं:

1. चौधरी फिटकिरी: पाम पत्ता उत्कीर्णन (उत्कीर्णन, चित्रकारी और
2. श्रीकांत घोष: गोल्डन ग्रास
3. तन्मोय नंदी: रजत चांदी के महीन
4. सामंत: के पिपली
5. लक्ष्य मंडल: पत्थर पर नक्काशी

शिक्षकों द्वारा पाठ्यक्रम में भागीदारी

अरविंद मंडल

29 अगस्त - यूजीसी एकेडमिक स्टाफ कॉलेज, बर्दवान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'कम्प्यूटेशनल उपकरण और ओपन सोर्स पर शॉर्ट-टर्म कोर्स प्रायोजित में 4 सितम्बर 2013 भाग लिया।

शंकर राय मल्लिक

3 - 22 मार्च 2014 भाग लिया और सफलतापूर्वक यूजीसी एकेडेमिक स्टाफ कॉलेज, कलकत्ता विश्वविद्यालय में पर्यावरण अध्ययन में पुन चर्या पाठ्यक्रम प्रायोजित पूरा किया।

प्रबीर कुमार चौधरी

29 अगस्त - 'कम्प्यूटेशनल उपकरण और ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर' पर 4 सितम्बर 2013 शॉर्ट टर्म कोर्स। यूजीसी-अकादमिक स्टाफ कॉलेज, बर्दवान विश्वविद्यालय।

दिसंबर 2013

2014 'मार्च तक 2013' अप्रैल भीतर प्रकाशन

पद्मिनी बलराम

प्राकृतिक रंगों के हकदार, बी एस प्रकाशन, हैदराबाद 'प्राकृतिक रंगों में एक मूल्य श्रृंखला' पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला के प्रकाशन में 'एशियन इंडिगो का एक तुलनात्मक अध्ययन और भारत, चीन, कोरिया और जापान में डिजाइन करने के लिए प्रयोग किया जाता है एक कुछ ज़ेब तकनीकों,' हकदार मार्च, 2014 पृष्ठ 63-68,: 978-93-83635-00-9

राज कुमार कोनार

तापती मुखोपाध्याय और अमृत सेन द्वारा संपादित रथिन्द्रनाथ ठाकुर हीरो हकदार किताब में -डिजाइनर रथीन्द्रनाथ (पृष्ठ 47-54) हकदार अनुच्छेद; शांति निकेतन प्रेस, विश्वभारती द्वारा जून 2013 में प्रकाशित किया।

अरविंद मंडल

एक मंडल और एक चौधरी, भारतीय फ्लाई ऐश का उपयोग संभावित - एक समीक्षा , 2013, वॉल्यूम की 1, नंबर 3, पीपी 59-67

एक मंडल की , 2013, वॉल्यूम से निकाली गई समग्र पर अध्ययन्। 2, नंबर 2, पीपी 39-41

शंकर राय मौलिक

47 - बात महोगनी पत्ते, एशियाई डायर, 10 (4), 2013, पीपी 45 से प्राप्त रंग के साथ जूट की रंगाई।, अंतर्राष्ट्रीय

सम्मेलन वस्त्र प्रौद्योगिकी, प्रौद्योगिकी के डॉ बी आर अम्बेडकर नेशनल इंस्टीट्यूट, जालंधर, 11-12 अप्रैल, 2014, पीपी 368 372 के विभाग इमर्जिंग ट्रेंड्स पारंपरिक और तकनीकी वस्त्र में हथकरघा कपड़े से बने प्राकृतिक और पर्यावरण के अनुकूल परिधान, आइएसबीएनः 978-93-5156-700-4।

18-20 अगस्त, सब्जी रंग के साथ 2013 पारिस्थितिकी के अनुकूल छपाई, कागज और सम्मेलन की कार्यवाही आईएसबीएन नंबर की पुस्तक 978-93-5216-892-5 अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण पर सम्मेलन और समाज पर इसके प्रभाव, जद बिरला इंस्टीट्यूट, कोलकाता, पीपी 114 - इंडिगो, कागज और सम्मेलन की कार्यवाही आईएसबीएन नंबर की पुस्तक 978-93-5216-892-5 अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण पर सम्मेलन और समाज पर इसके प्रभाव, जद बिरला इंस्टीट्यूट, कोलकाता, पीपी 110-113 के साथ 119. पारिस्थितिकी हरी बाटिक । पारंपरिक हथकरघा सूती कपड़े का मूल्य इसके अलावा, कागज और सम्मेलन की कार्यवाही आईएसबीएन नंबर 978-93-5216-892-5 पर्यावरण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की पुस्तक और समाज पर इसके प्रभाव, जद बिरला इंस्टीट्यूट, कोलकाता, पीपी 173-176।

21-22 दिसम्बर, प्राकृतिक डाई के साथ रेशमी कपड़े की 2013 छपाई, वस्त्र प्रौद्योगिकी, गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग और वस्त्र प्रौद्योगिकी, बरहामपुर, पि चम बंगाल, द्रद्र171- विभाग द्वारा आयोजित वस्त्र, फाइबर और परिधान इंजीनियरिंग में उभरते रुझान, पर 2 राष्ट्रीय सम्मेलन 174, कार्यवाही आईएसबीएन 978 - 1- 63068-205-7।

प्रबीर कुमार चौधरी

चौधरी। पीके मजूमदार पी और सरकार बी, प्रयोग क्रियाविधि के डिजाइन का उपयोग कर इरी रेशम / पॉलिएस्टर मिश्रित यार्न की तन्यता गुण पर अध्ययन', द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) के जर्नलः सीरीज ईः स्प्रिंगर प्रकाशन, खंड 94, अंक 1 (2013), पृष्ठ 37-46

चौधरी। पी, वनस्पति रंगों के चयन के लिए बहु मानदंडों का अनुप्रयोग निर्णय तकनीक, टेक्सटाइल एसोसिएशन, वॉल्यूम 74, नंबर 5 (2014), पृष्ठ 288-292 के जर्नल क्ष्च्च्र 0368-4636

11-12 अप्रैल 2014 चौधरी। पी, का उपयोग कर गर्म कपड़े बनाने के लिए ऊनी धागा अधिक इरी रेशम की उपयुक्तता का आकलन संकर ए एच पी - मल्टी मानदंड निर्णय (एमसीडीएमए) तकनीक का टॉपसिस मॉडल, पारंपरिक में उभरते रुझान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही की पुस्तक में प्रकाशित पूरा पेपर और एनआईटी जालंधर में तकनीकी वस्त्र,।

7-9 फ़रवरी 2014 चौधरी। पी, खेल वस्त्रः एक संक्षिप्त समझ शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित, पारंपरिक खेल और खेल पर विशेष जोर देने के साथ खेल और शारीरिक शिक्षा पर 24 पान एशियाई सम्मेलन के सार की पुस्तक में प्रकाशित (यूनेस्को मान्यता प्राप्त अमूर्त विश्व विरासत) विश्वभारती खेल बोर्ड और खेल एवं शारीरिक शिक्षा के पान एशियाई समाज औ।

आशीष मित्रा

मित्रा ए, और इंजीनियरिंग तटीय सुरक्षा में और दूर किनारे अपने आवेदन', टेक्सटाइल एसोसिएशन के जर्नल, आईएसएसएन 0368-4636, मई-जून, 5-11, (2013)।

मित्रा ए 'मल्टी मानदंड निर्णय (एमसीडीएमए) तकनीक का एएचपी विधि द्वारा गर्मियों के कपड़ों के लिए हथकरघा वस्त्रों के चुनाव में', प्रबंधन का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, आईटी और इंजीनियरिंग (आइजेएमआइई), आईएसएसएन 2249-0558, अगस्त, खंड 3, अंक 8 , 265-277, (2013)।

'कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क मॉडल के आधार पर सूती कपड़े के थर्मल प्रतिरोध भविष्यवाणी' मित्रा ए, मजूमदार ए, मजूमदार पी, बनर्जी डी, प्रायोगिक थर्मल और द्रव विज्ञान, आईएसएसएनः 0894-1777, वॉल्यूम। 50 अक्टूबर, 172-177 (2013)।

द एस मित्रा ए, भारत में मैन मेड वस्त्र, मई 2013, वॉल्यूम 'इरी कपड़े और ऊन कपड़े के साथ तुलनात्मक अध्ययन

केकुछ यांत्रिक गुणों केएक अध्ययन'। 41, अंक 5, 162-166, आईएसएसएनः 0377-7537।
प्रतिगमन और कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क मॉडल की एक तुलनात्मक वि लेषण, इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स केजर्नल (भारत): हथकरघा वस्त्रों की हवा पारगम्यता भविष्यवाणी मित्रा ए, मजूमदार पी, बनर्जी डी, ':
सीरीज ई, आइएसएसएन 2250-2483, वॉल्यूम। 94, संख्या 1, डीओआई 10.1007 / s40034-013-0018-5, 29-36, मार्च-अगस्त 2013।

नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या विभाग द्वारा शुरू की किसी भी अन्य शिक्षण नवाचारों डिजाइनिंगः

सिल्पा-सदन डिजाइन (बी.डेस) में एक नए डिग्री स्तर केपाठ्यक्रम शुरू कर दिया है और यह भी आगामी सत्र में शुरू होगा ग्रामीण परिवेश में कैरीआउट उत्पादन गतिविधियों केलिए कारीगर और शिल्पकार प्रशिक्षित करने केलिए भारतीय शिल्प तकनीक में आधारित लघु अवधि के प्रोग्राम जरूरत थी।

विकास केलिए भविष्य की योजनाओं का एक संकेत केसाथ संबंध भवन / विभाग केविकास पर एक संक्षिप्त इतिहासः

सिल्पा-सदन, श्रीनिकेतन में पल्ली संगठन विभाग केतहत एक विभाग 1922 में अपनी स्थापना केबाद से कॉटेज इंडस्ट्रीज एंड क्राफ्ट में दी अपनी तकनीकी और व्यावसायिक प्रशिक्षण केलिए अच्छी तरह से परिचित है यह भी अपने कलात्मक और अभिनव केमाध्यम से लोगों केस्वाद को समृद्ध बनाने में एक लंबी परंपरा है शिल्प उत्पादों। यह एक बार भारत की अवनति ग्रामीण उद्योगों और शिल्प केक्षेत्र पुनः जीवित करने में नेतृत्व की भूमिका केलिए लिया था। इसकी वर्तमान गतिविधियों में कर रहे हैं:

प्रशिक्षण गतिविधियांः

प्रशिक्षण अनुभाग में, विभिन्न ट्रेडों या विषयों में प्रणालीगत प्रशिक्षण, जिनमें से 131 छात्रों को डिग्री स्तर पर अध्ययन कर रहे हैं बाहर केबारे में 173 नियमित छात्रों को प्रदान की जा रही है, और प्रमाणपत्र स्तर पर 42।; सिल्पा-सदन मैं) वस्त्र और वस्त्र डिजाइन, द्वितीय) फर्नीचर और इंटीरियर डिजाइन, और सिरेमिक एवं ग्लास डिजाइन, डिजाइन में 8 सेमेस्टर डिग्री पाठ्यक्रम प्रदान करता है और मैं में दो साल का सर्टिफिकेट कोर्स) हाथ मेड कागज बनाने, द्वितीय) बुक बाइंडिंग और पैकेजिंग, हाथ बाटिक और चतुर्थ कलात्मक चमड़े का काम, लकड़ी का काम केबर्तनों सप्तम) हथकरघा बुनाई। यह भी बीएसडब्ल्यू केछात्रों केलिए वोकेशनल कक्षाएं आयोजित (ऑनर्स।), 1 साल, बाहरी लोगों केलिए और उत्तर शिक्षा सदन, विश्वभारती केछात्रों केलिए लघु अवधि केशिल्प पाठ्यक्रम।

उत्पादन, विस्तार और विपणनः

इस विंग शिक्षण एवं विभाग केतकनीकी कर्मचारी, गांव कारीगर की मदद से उपर्युक्त ट्रेडों में कलात्मक शिल्प लेख, दैनिक मूल्यांकन आकस्मिक श्रमिकों और सिल्पा-सदन का प्रशिक्षण इकाइयों केछात्रों केउत्पादन से बाहर ले जाने दिया गया है। बने उत्पादों श्रीनिकेतन में अपने बिक्री एम्पोरियम केमाध्यम से बेचा जाता है।
विभागीय कार्यशालाएं / स्टूडियो / प्रयोगशालाओं विकसित की है और ग्यारहवीं योजना उपकरण अनुदान से खरीदी नए उपकरणों / उपकरण / मशीनरी शामिल द्वारा उन्नत किया गया है।

भविष्य की योजनाः

डिग्री प्रोग्राम (बी.डेस) केछात्रों को आवश्यक डिजाइन और नए उत्पादों का निर्माण करेगा और प्रोटोटाइप कर देगा। यह या तो कारीगर, शिल्पकार और / या प्रमाण पत्र और अनौपचारिक पाठ्यक्रम केछात्रों केमाध्यम से उत्पादन करने केलिए आगे ले जाएगा। इस प्रकार पूरे कक्षा शिक्षण अंतिम उत्पाद केविकास में बदलना होगा और अंततः सिल्पा-सदन केआदर्श वाक्य था, जो आसपास के की सामाजिक आर्थिक स्थिति केउत्थान।
विभाग केप्रमुख की राय में मूल्य रिपोर्टिंग है जो किसी भी अन्य प्रासंगिक जानकारी, शामिल किया जाना चाहिए। आईआईटी, मुंबई और एनआईडी अहमदाबाद केकुछ छात्रों ने हस्तनिर्मित कागज बनाने, मिट्टी केबरतन, चमड़े, डिजाइन केक्षेत्र में उनकेऔद्योगिक प्रशिक्षण केलिए सिल्पा-सदन को केमिंग कर रहे हैं।

सामाजिक कार्य विभाग

यूजीसी/नेट/सीएसआईआर/एसेलईटी/जीएटीई नेट-2, जेआरएफ-2
विभागी सेमिनार/ कार्यशाला /कैम्प : दिनांक 13-14 फरवारी 2014 को विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर डाटा एकत्रित और सेमिनार-कम-चर्चा सत्र के लिए अप्लायड साइकोलॉजी विभाग कलकत्ता विश्व-विद्याल के सहयोग से एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।
विश्व-विद्यालय के सहयोग से एक कार्यक्रम आयोजितकिया गया। संकाय द्वारा सिर्फ राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर सम्मेलनों में भाग लिया / आयोजित।
ऑनगोइंग रिसर्च प्रोजेक्ट्स / प्रोजेक्ट :
एड्स, ट्यूबरक्लोसिस और मलेरिया (जीएपएटीएम) से सामना करने के लिए विश्व स्तरीय फण्ड (काउंसलिंग सब. कम्पोनेन्ट्स) :
इस परियोजना के अन्तर्गत विभाग मुख्य प्रशिक्षक और प्रशिक्षण कार्यक्रम, आईसीटीसी काउंसिलरों और एसटआई काउंसिलरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया है। अधिकांश संचालित प्रशिक्षण समर्थन पर्यवेक्षकों के पुनश्चर्या प्रशिक्षण, आईसीटीसी पुनश्चर्या प्रशिक्षण, अनेष क्लिनीक, काउंसिलर प्रशिक्षण संचालित किया गया था। आईसीटीसी काउंसिलरों के समर्थन पर्यवेक्षण कार्यक्रम भी प्रारंभ किया गया है। विभाग शिक्षण विद्वता और प्रसिक्षण की क्षमता घटाने के लिए इस परियोजना के अन्तर्गत रु. 15 लाख का इंफ्रास्ट्रक्चर भी प्राप्त किया है।
विभाग ने विस्तार गतिविधियां आयोजित किया:
विभाग के फील्ड गतिविधियों के विशेष रूप है कि छात्रों और पर्यवेक्षक नीचे दिए विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल है।

आयोजित रैलियाँ और कैम्पस :

विभाग अपने ग्रामीण कार्यक्षेत्र में सामाजिक इश्यू पर भी निकेतन के आस-पास 20 रैलियां (10 जाकरुकता कैम्प, 11 रैलियां) आयोजित किया। यह कम्यूनिटी लीडरों और पंचायत सदस्यों के साथ फील्डवर्क प्रेक्टीयम के विकास पर दो कार्यशालाएं आयोजित किया। छात्रों, फैकल्टी और एकेडमी स्पोर्ट स्टाप कार्यक्रम आयोजित करने में व्यस्त थे।चिकित्सा सामाजिक काम : चिकित्सा सामाजिक कार्यक्रम एसडी अस्पताल, सियान, शांति-निकेतन और पीएचसी बोलपुर में चल रही है। कार्यक्रम में तीव्रता आी है क्योंकि अस्पताल को प्राधिकारियों ने सक्रिय रुचि लिया है। वे विद्यार्थियों को सीखने का भी अवसर प्रदानकर रहे हैं और उन लोगों को अस्पताल क्षेत्र के अन्दर स्वास्थ्य जागरुकता कैम्प जैसे फ्लेरिया चेक-अप, रक्तदान आदि चलाने में मदद भी कर रहे हैं।
विद्यालय समाजिक कार्य: विभाग अपने फील्ड प्लेसमेंट कार्यक्रम को स्कूलों में विस्तार किया है, जैसे बोलपुर, श्रीनिकेतन और शांति निकेतन, विवेकानन्द स्कूल, बेरग्राम हाई स्कूल, केन्द्र दंगल मदरसा, रजतपुर हाई स्कूल, परुलडांगा गर्ल्स हाई स्कूल, ताराशंकर विद्यापीठ, बोलपुर आदि
इन स्कूलों के प्रिंसिपल / प्रबंध कमिटी कार्यक्रम को बहुत प्रसंशा कर रहे हैं और विभाग के विद्यार्थियों द्वारा दिए गए सेवाओं, खासकर स्कूलों में अनुशासन के संबंध में पैरेन्ट्स-शिक्षक मिटिंग, छात्रों को व्यक्तिगत मदद अध्ययन समूह सामाजिक इश्यू पर भवन जागरुकता आदि।
ग्रामीण कैम्प : विभाग छोटोसिमुलिया के बोलपुर सब-डिविजन में सात दिनों की ग्रामीण कैम्प आयोजित किया। हमलोग अभिस्कवीकृति देते हुए खुश हैं कि टैगोर सोसाइटी ग्रामीम विकास के निवास स्थान प्राप्त करने में अच्छा सहयोग मिला है जिससे एस.डब्ल्यू (ऑनर्स), सेमेस्ट 2 के छात्रो के लिए आवास की व्यवस्था हो सकी। छात्रों को अच्छा प्रकाश मिला और ग्रामीण जीवन और उनकी समस्याओं का अनुभव प्राप्त हुआ है।
एनजीओ फील्ड वर्क : विद्यार्थियों को दी नजदीकी एनजीओ टैगोर सोसाइटी, ग्रामीण विकास और इल्सदस्ट संस्थान, कम्यूनिटी स्टडीज में रखा गया था। विद्यार्थियों को ग्रामीण विस्तार केंद्र, विश्व भारती में भी रखा गया था।

कानून जागरुकता कैम्प : विभागके विद्यार्थीगण समाजिक कार्यविभाग में कानूनी जागरुकता कैम्प आयोजित करने में व्यस्त थे और फील्ड वर्क गाँव जैसे पियर्सन पल्ली, ग्राम, जिसमें बोलपुर कोर्ट से सहयोग मिला। छात्रों को इन जागरुकता कैम्प से कानूनी इश्यू में अच्छा प्रकाश मिला। अन्य संबंधित पूरी सूचना विभाग के शिक्षकों/ विद्वानों के संबंध में

वर्ष अप्रैल 2013-मार्च 2014 के अन्दर प्रकाशन

कुमकुम भट्टाचार्या :

प्रकाशन :

पुलक :

रवीन्द्रनाथ टैगोर : एडुकेशन स्प्रींगर में साहसिक विचार और नवीन पद्धति का अभ्यास - दिसम्बर, 2013

पुस्तक का लेख :

2013 : "ज्ञान का ुपयोग में आचार नीति, समझदारी और समझौता विषय", कोनार्ड में मेइसिन (रड.)टेकनो. नीतिशास्त्र : मानवता और शिल्प कला विज्ञान मौंज और हनोई में एक अन्तर्राष्ट्रीय और इंटर डिसीप्लीनरी सेमपोजियम, मोमोयो ओकेरा जर्मनी, हर्सस्सोविट्ज वरलग में मेमोरियम में एक एशियन इम्पैक्ट एक्टीविटि पेज-61-69

2013 - "अतिक्रमणः खाद्य (में) सुरक्षा और जरावास" रणजीत कुमार भट्टाचार्या और देवव्रत दासगुप्ता (इडी.) संयुक्त रूप से।

खाद्य और पर्यावरण सुरक्षा : देशीय ज्ञान पद्धति अनिवार्य, जोधपुर, अग्रोविऑस (भारत) : पृष्ठ-99 103.

प्रशान्त कुमार घोष :

22-23 फरवरी, 2014 - कासर गॉड, केरल में सामाजिक कार्य के राष्ट्रीय कंवेनशन स्कूल में उद्घाटन भाषण दिया, केरल के केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आतिथ्य।

एम.एम. मुखर्जी

राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन :

20-22 जनवरी 2014 : कर्नाटक स्टेट महिला विश्वविद्यालय वीजापुर में आयोजित / हुई प्रोफेशनल सामाजिक कार्य के 32 भारतीय सोसइटी वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में पुरस्कार पेपर का जज।

कर्नाटक राज्य मिला विश्वविद्यालय, बीजापुर में "भारत में अनुसूचित जाति / जनजाति" पर पैनेल चर्चा के एक सत्र में अध्यक्ष।

8-12 नवम्बर 2013 : सामाजिक मिल्यू परिवर्तन पर, मासिक स्वास्थ्य पर एक बाषण दिया : कोलकाता में सामाजिक मनोरोग के भारतीय संघ पर 20 वार्षिक सम्मेलन में सामाजिक विज्ञान के प्रारूप कोलकाता में सामाजिक मनोरोग की चिकित्सा के बारतीय एशोसिएशन पर 20 वार्षिक सम्मेलन में मानसिक रूप बीमार व्यक्ति के पुनर्वास के प्रथम कदम के कार्यशाला के एक सत्र में अध्यक्ष।

16 सितम्बर 2014 :आसनसोल में वर्कर्स शिक्षा दिवस उत्सव में एक भाषण।

8 जनवरी 2014 : क्रिस्ट विश्वविद्यालय, बंगलोर में "क्षमा और शक्ति" और "एक विश्वव्यापी संसार में आचार नीति का ब्रॉण्ड" पर पेपर प्रस्तुत किया।

27 दिसम्बर 2013 : इंजीनियरिंग और मेनेजमेंट कॉलेज कोलाघाट, पूरब मेंदिनीपुर, प. बंगाल में " विज्ञान औ प्रौद्योगिकी शिक्षा और अनुसंधान" विषय पर चर्चा में भाग लिया।

प्रो. अशोक कुमार सरकार :

राष्ट्रीय सेमिनार /सम्मेलन / कार्यशाला में पेपर प्रस्तुत किया।

4 जनवरी, 2014 : "प्रवासी माता-पिता के बच्चों द्वारा चुनौतियों का सामना और शिक्षा का अधिकार : मामले

का अध्ययन" औ शिक्षा का अधिकार : 'मामले और चुनौतियां' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया। इसे शिक्षा विभाग, ओसमानिया विश्व विद्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित किया गया।

22 मार्च, 2014 : "संभाषण विकास में स्वास्थ्य के अधिकार, भारत में होनेवाला मांग" और "मानव अधिकार विषय पर कार्यशाला" विषय पर पेपर प्रस्तुत संयुक्त रूप से दुर्गापुर लॉ कॉलेज, दुर्गापुर, प. बंगाल और राष्ट्रीय मानव अधिकार कमीशन नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित।

पेपर प्रकाशित :

"प्रवासी माता-पिता के बच्चे द्वारा चुनौतियों का सामना और शिक्षा का अधिकार" कैसे अध्ययन - लेखक), शिक्षा का अधिकार : मामला और चुनौतियां, प्रागमा प्रकाशन, हैदराबाद, 2014. " विकास संभावना में स्वास्थ्य के अधिकार : एक होनेवाला मांग", दक्षिण एशिया राजनीति, खण्ड-12, से.-1, 2014

देबतोष सिन्हा :

प्रकाशन : डी. सिन्हा - रवीन्द्रनाथेर श्री निकेतन समाज कर्मेर एक अभिनव संग अर्थनीति, समाज नीति : रवीन्द्र चिंतेर अभिमुक (सात जन द्वारा संचालित) से प्रकाशन, 2014 कोलकाता।

" विपत्ति और विपत्ति-सह भावना निदर्सन और सामाजिक कार्य मध्यस्थता और भारतीय परिदृश्य में विशेष संदर्भ (प्रसंग) के साथ" चैप्टर पर गवर्नेन्स, विकाश और सामाजिककार्य, संपादित शुभव्रत दत्ता और सी. रामनाथन, 2013, रूटलेज, न्यूयार्क, यूएसए स्ट्रीट-चिल्ड्रेन के साथ समाजिक कार्य करना - एक परीक्षण" विषय पर चैप्टर - आर्थिक बृद्धि के कुछ इम्पोरिकल पहलुओं और भारत का प्रकट होते आर्थिक परिवर्तन - प्रणव कुमार चट्टोपाध्याय, 2014 नई दिल्ली प्रकाशक, नई दिल्ली।

राष्ट्रीय सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशाला में पेपर प्रस्तुत किया

5-10 अगस्त 2013 : भारतीयों के परिवेक्ष में जनता केंद्रित बहस : खाद्य और वातावरण सुरक्षा में विशेष प्रसंग के साथ सामुदाय हस्तक्षेप एक उपकरण विषय पर पेपर प्रस्तुत किया गया जो अन्तर्राष्ट्रीय "मानव संबंधी विज्ञान" और नृवंश विद्या संबंधी विज्ञान के अन्तर्राष्ट्रीय यूनियन (आईयूएईएस) के 17वीं विश्व कांग्रेस का एक भाग के रूप में सब मिलाकर विषय-वस्तु मानवता और वर्तमान विश्व को विकसित करना - मैनचेस्टर विश्व विद्यालय, यूनाइटेड किंगडम में आयोजित।

प्रतिमा राय

प्रकाशन

2014 " स्व. सहायता ग्रूप मूल्यांकन : एक ग्राम स्तर विश्लेषण" सामाजिक विज्ञान का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, खण्ड-3 (1), मार्च, पेज-49-62, आईएसएसएन- 2249-6637.

2013, "आधुनिक स्वतंत्र विचार सिद्धान्त, स्वतंत्र विचार सिद्धान्त और विकाश अभ्यास : राज्य के बदलते भूमिका के संबंध में एक सैद्धान्तिक खोज' मानवता और सामाजिक विज्ञानका जरनल (एक पंक्ति), अप्रील, खण्ड-1 (4), पेज - 239-246, आईएसएसएन 2278-5264.

7-8 जून 2013 : "गरीब के लिए सह स्वास्थ्य : राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना का अध्ययन" राष्ट्रीय सेमिनार में पेपर प्रस्तुत किया

"संत एडमण्ड कॉलेज शिलांग, सह विकास पर, अन्दर को जोड़ना (सह. लेक. नलिनी लामा के साथ)।

2013-14 (प्रेस में) "भारत में समुदाय स्वास्थ्य बीमा योजना के मामला पर अध्ययन : क्या गरीबों को आर्थिक स्वास्थ्य जोखिम सुरक्षा उपलब्ध करने में भागीदार हो सकते हैं ?" सामाजिक कार्य और सामाजिक विकास का जरनल (गोल्डेन जुबली इश्यू) आईएसएसएन 229-6468)

2013: गरीबों के लिए समुदाय आधारित स्वास्थ्य बीमा योजना और स्वास्थ्य बीमा के लिए सामाजिक कार्य इंपलिकेशन, भारतीय स्ट्रीम रिसर्च जरनल, वल्यूम.3 (7), अगस्त, पेज 1-5, आईएसएसएन 2230-7850.

राम प्रसाद दास

प्रकाशन

दास आर. (2014) : स्वयं सहायता समूह मूल्यांकन : ग्रामीण स्तर के विश्लेषण, सामाजिक विज्ञान का अन्तर्राष्ट्रीय जरनल; वाल्यूम-3, सं.1 पेज-59-72, मार्च 2014, नई दिल्ली प्रकाशक, आईएसवीएन : 2249-6627 (श्रीमती प्रतिमा राय के साथ सह-लेखक)

दास आर (2014) : अनुसूचित जनजाति और अन्य जंगल निवासयों के पहचान और अधिकार अन्तर्राष्ट्रीय जरनल बीआईटीएमईईसीसीपर ट्रांजक्शन, भाग-3, सं. 1 (जनवरी-जून इश्यू) पेज 39-46; आईएसएसएन 0974-9527.

अन्तर्राष्ट्रीय / राष्ट्रीय सेमिनार, सम्मेलन में शामिल :

12-13 मार्च 2014 : दो दिनों की अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लियाः "लेन-देन में जनजातियाँः पहचान, संसाधन और विकाश पर संघर्ष" द्वारा आयोजित अंग्रेजी विभाग, जामिया मिलाय इस्लानिया, नई दिल्ली, घोषाल गंगा विष्णुभाटी आदिवासी ट्रस्ट, शांति निकेतन, फण्ड की व्यवस्था आईसीएसएसआर, नई दिल्ली।

22-23 मार्च 2014 - दो दिनों की राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया गया - विषय "गणित, इंजीनियरिंग और प्रबंधन में फिलहाल वृद्धि" और एक पेपर प्रस्तुत किया गया - विषय - "आदिवासी जनजाति और परम्परागत जंगल निवासी अपने पहचान, अधिकार की खोज में - एआईसीटीईआईआईपीसी, बीआईटीएम **शांति निकेतन द्वारा स्पोंसर्ड**

सुकुमार पाल

राष्ट्रीय सेमीनार / सम्मेलन / कार्यशाला में पेपर प्रस्तुत किया।

12-13 मार्च 2014 - दो दिनों की अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, विषय : "ट्रांजिशन में ट्राइब्स : पहचान, संसाधन और विकास पर संघर्ष" विश्व भारती, प. बंगाल में, आयोजित जामया मिलिया इस्लामिया विभाग, नई दिल्ली द्वारा, घोषलडांगा विष्णुबाटी आदिवास ट्रस्ट शांति निकेतन के सहयोग से।

22-23 मार्च 2014 : भाग लिया और एक पेपर प्रस्तुत किया, विषय : आदिवास जन-जाती और अन्य पारंपरिक वन निवासियों : अपनी पहचान और अधिकार की खोज में" - आरएएमईएम 2014, तकनीकी और प्रबंधन का बंगाल इंस्टीट्यूट, शांति निकेतन एआईसीटीई- आईआईपीसी के अन्तर्गत स्पानसर्ड।

4-31 जनवी 2014 : यूजीसी बर्दमान विश्व विद्याल, बर्दमानमें यूजीसी स्पॉन्सर्ड रिफ्रेसर कोर्स में भाग लिया।

प्रकाशन

आदिवासी और अन्य पारम्परिक बन निवासी : अपनी पहचान की खोज में : अन्तर्राष्ट्रीय जरनल बीआईटीएम ट्रांजक्शन - ईईसीसी (आईजेबीटईईसीसी) बॉलम 3 सं. 1, पेज 39-46, आईएसएसएन : 0974-9527.

अनुपम हाजरा :

पुस्तक प्रकाशित :

हाजरा ए. (2013) : भारत का सामाजिक क्षेत्र और सहस्राब्दि विकास लक्ष्य : विकास, चुनौतियाँ और नीति मापदण्ड (आईएसवीएन : 978-81-316-0579-0) जयपुर : रावत प्रकाशन, 2013.

हाजरा एक (2013) : ग्रामीण भारत और उभरते हुए विकास चुनौतियाँ (आईएसवीएन : 81-8324-466-1) नई दिल्ली : मित्तल प्रकाशन, 2013.

हाजरा ए. (2013) : उत्तर पूरब भारत में निरन्तर वकास : उभरते हुए विकास, चुनौतियाँ और नीति माप-दण्ड (आईएसवीएन : 978-93-5125-024-1), नई दिल्ली : कंसेप्ट पब्लीसिंग कं. 2013.

पुस्तक में चैप्टर :

हाजरा ए : आसाम में ग्रामीण स्वच्छता : विकास और नीति मापदण्ड. ए. हाजर में (इडीस) अप्रकाशित नई दिल्ली : कंसेप्ट पब्लिसिंग कंपनी (प्रा.) लि. 2013.

राष्ट्रीय सेमिनार /सम्मेलन / कार्यशाला में लेस प्रस्तुत :

27 अप्रैल 2013 : प्रस्तुत लेख शीर्ष "चमकते भारत में अंधे भारत का अनुभव : ग्रामीण निर्धन का इतिहास" 2 दिनों की यूजीसी प्रयोजित राष्ट्रीय स्तर सेमिनार" भारत में ग्रामीण विकास संस्करण प्रगति और कार्यक्रम प्रभावशीलता" वाणिज्य विभाग, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश द्वारा आयोजित।
25 अप्रैल 2013 : प्रस्तुत लेक शीर्षक " ग्रामीण आसाममें स्वच्छता (सफाई) की स्थिति : बिकास और संबंध" में 2 दिनों की यूजीसी प्रयोजित राष्ट्रीय स्तर सेमिना, विषय : उत्तर पूरब भारत में स्वास्थ्य और विकास" विषय पर आयोजित राजनीतिक विभाग, गवर्नमेंट ने बनूआ कॉलेज, मिजोरम।
20 अप्रैल, 2013 : प्रस्तुत लेख शीर्षक "एम.डी.जी. - लेन्स से सामाजिक सेक्टर विकास : अब तक रोकना (सहना) मुख्य कारण" - एआईसीटीई में प्रयोजित राष्ट्रीय स्तर सेमीनार विषय : स्वास्थ्य विकास के लिए इंजीनियरिंग के नई प्रवर्तन प्रबंधन अभ्यास, द्वारा आयोजित प्रबंधन अध्ययन विभाग / आईएऩएफओ संस्थान, कोयम्बटोर।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय जरनल का प्रकाशन

हाजरा ए. (2013) : ग्रामीण स्वच्छता और महिलाओं के हस्तक्षेप को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता, कुरुक्षेत्र, खण्ड 61 (क) पेज 8 (आईएसएसएऩ- 021-5660)
हाजरा ए (2013) : विकास योजना, कुरुक्षेत्र के साथ ग्रामीण संसाधनों का संपर्क वालूम 61 (5) पेज 46 (आईएसएस 21-5680)
हाजरा ए. 2013 : ग्रामीण भारत के लिए निरन्तर वृद्धि के एक मितव्ययी बजट का बचन" वालूम 61(6), पेज 30 (आईएसएसएन 0021-5660)
हाजरा ए. (2013): भारत के ग्रामीण आवाज को अधिकार प्रदान का प्रयास, कुरुक्षेत्र, वालूम 61 (7) पेज-3 (आईएसएसएम - 0021-5660)
हाजर ए. (2013) : ग्रामीण भार महिलाओं को शक्ति प्रदान करने का प्रयास खण्ड-12(1) पेज-33 (आरएनआई : डीईएलईएनजी / 2002 / 6815).
हाजरा च. (2013) : कृषि और ग्रामीण भारत के सहस्त्राब्दि बचनबद्धता, कुरुक्षेत्र, खण्ड-61 (8) पेज-7 (आईएसएसएऩ- 0021-5660).
हाजरा ए और विश्वास एस. (2013) : ग्राम सभा से अधिकार देना : लक्ष्य चुनौतियाँ और मार्ग प्रशस्त करना (आगे ले जाना) ; दक्षिण एशिया राजनीति वालूम - 12(2), पेज-41 (आरएऩआई- डिभेंग / 2002 / 6815)
हाजरा ए. (2013) : एस एच जी : उत्साह लाय ग्रामीण विकास के नए आकार शामिल, कुरुक्षेत्र, खण्ड-61 (9), पेज-3 (आईएसएसएन - 0021-5660)
हाजर ए. (2013) : ग्रामीण भारत में महिलाओं की स्थिति कहां है? कुरुक्षेत्र, खण्ड-61 (10) पेज-3 (आईएसएसएन - 0021-5660)
हाजरा ए. (2013) : जीवन की बढ़ती क्वालिट के आगे ग्रामीण भारत : करेन्ट डॉयनेमिक्स और कंटेम्परोरी डिलिमा और कुरुक्षेत्र खण्ड-61 (11) पेज-3 (आईएसएसएन - 0021-5560) आउटरमाइनिंग इथिक्स"।
हाजर ए (2014) : भारत में बुस्टिंग ग्राम विकास का सामा. कुरुक्षेत्र, भारत 62(1) पृष्ठ 3 (आईएसएसएन 0021-5660)

सुदेशना साहा

लेख राष्ट्रीय सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशाला में प्रस्तुत

23-24 नवम्बर 2013 : ग्रामीण भारत में सोचनीय स्वास्थ्य अवस्था पर लेख प्रस्तुत किया। ए.के दासगुप्त केन्द्र में योजना और विकास विभाग, अर्थशास्त्र और विश्व भारती राजनीति विषय संबंधी संवीक्षा रष्ट्रीय सेमीनार किया गया।
22-23 नवम्बर : आधुनिक समाज में शहरीकरण के प्रभाव विषय संबंधित वातावरण विकास पर राष्ट्रीय सेमिनार

में लेख प्रस्तुत किया गया : सुरक्षा संभाषण और वातावरण संबंधी वि◌ान के प्रबंध विभाग, विश्व भारती।
28-29 नवम्बर 2013 : रथीन्द्रनाथ और ग्रामीण पुनर्गठन पर लेख और राष्ट्रीय सेमिनार में रथीन्द्र नाथ टैगोर, शिक्षा सत्र विश्वभारती में लेख प्रस्तुत किया गया।
17-19 नवम्बर 2013 : सीएसआर और वैदिक फिलॉसफी बर्दमान विद्यालय, प.बं. आधुनिक प्रबंध में वैदिक विषय की प्रासंगिकता पर राष्ट्रीय सेमिनार में लेख प्रस्तुत किया गया।
10 नवम्बर 2013 : दिनांक 4थी और 5वीं अक्टूबर 2013 को आशुतोष मुखर्जी और एकेडेमी में उनका अंशदान विषय पर राज्य स्तरीय सेमीनार अशोक मुखर्जी और राष्ट्रीय देशभक्त पर साउथ फील्ड कॉलेज दार्जिलिंग में लेख प्रस्तुत किया गया।

एफ.डी.आई. पर इसका प्रभाव

रिटेल पर एफडीआई और अग्ररियान सेक्टर में इसका प्रभाव वि,य पर लेख प्रस्तुत किया गया जो भारत में फॉरेन डायरेक्ट इंवेस्टमेंट पर राष्ट्रीय सेमिनार भविष्य और चुनौतियां, संत आलोसियस कॉलेज, जबलपुर।
22-23 मार्च 2013 : रिटेल पर एक डीआई और अग्ररियन सेक्टर पर राष्ट्रीय सेमिनार पर इसका प्रभाव संबंधी लेख प्रस्तुत किय गया। नर्क मिलिनिम में बदलते ग्रामीम परिदृश्य पल्ली चर्चा केन्द्र, विश्व भारती।
प्रशिक्षण और कार्यशाला में शामिल :
13 जनवरी-9फरवरी 2014 : जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 88वीं ओरिएंटेशन प्रोग्राम में शामिल।
अगस्त 2013 : सिद्धू कान्हू बिरषा विश्वविद्यालय पुरुलिया प. बंगाल में आईसीएसएसआई प्रयोजित 10 दिनों का कार्यशाला में भाग लिया।

राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय जरनल प्रकाशित :

साहा सुदेशना : " असंगठित क्षेत्र में महिला वर्कर का शोषण" स्टेवार्ड व्यापार संवीक्षआ" एक अन्तर्राष्ट्रीय रेफर्ड जरनल जुलाई 2013 आईएसएसआर सं. 2278-8808.
साहा सुदेशना "अग्रेरियन सेक्टर में एफडीआई-रिटेल और इसका प्रभाव" ईडीआईपी- संवीक्षा रेफर्ड ओपेन रक्सेस अन्तर्राष्ट्रीय जरनल, दिस. 2013-आईएसएसएऩ : 2249-0558
पुस्तक चैप्टर में प्रकाशित : एक सुदेशना "ग्रामीण बारत में डिपलोरेबुल हेल्थ की दशा "एक थेमेटिक संवीक्षआ, चट्टोपाध्याय पी.के. (ईड्) आर्थिक वृद्धि और भारत के उभरते आर्थिक परिवर्तन के कुछ आधिपत्य पहलूओं, नई दिल्ली प्रकाशन, नई दिल्ली 2014, आईएसबीएन 978-93-81274-54-5.

नीलमणि जयसवाल

राष्ट्रीय सेमानार/ सम्मेलन /कार्यशाला में लेख प्रस्तुत किया
25 मई 2013 : 'लेख प्रस्तुत किया गया - शीर्षक' "समझौता और पुनर्वास कार्यान्वयन कार्यक्रम में चुनौतियां और सुधार" - बदलाव और चुनौतियां कॉमर्स, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिक और सामाजिक विज्ञान पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन - एमसीसीआईए, पुणे में।
31 मई - 1 जून 2013 : प्रस्तुत किया गया एक लेख शीर्षक "अन्तर्राष्ट्रीय अपराध कोर्ट को चुनातियां-अंतर्राष्ट्रीय मानवता कानून पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित अखिल भारतीय लॉ टीचर कांग्रेस (एआईएलटीसी)द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित।
12-14 अगस्त 2013 : एक लेख प्रस्तुत किया गया शीर्षक "पुर्न समझौता और पुनर्वास गतिविधि : इसके बाधाएँ और सफलता" पब्लिक पॉलिसी और प्रबंधन पर 8वीं वार्षिक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में इंडियन इस्टीट्यूट मैनेजमेंट बेंगलोर द्वारा आयोजित।
4-5 अक्टूबर : एक पेपर प्रस्तुत किया गया शीर्षक "भारतीय रेटेल सेक्टर में एफडीआई का चुनौतियां और भविष्य पहलुओं" भारत में विदेश सीधी निवेश पर राष्ट्रीय सेमिनार : खोज और चुनौतियां - मैनेजमेंट अध्यय विभाग संत

आलोसिस कॉलेज, जबलुपर द्वारा आयोजित।

26-27 अक्टूबर 2013 : एक लेख प्रस्तुत किया गया शीर्षक "भारत ही प्रजातंत्र और सिविल सोसाइटी के कर्तव्य" - भारत में संवैधानिक विकास और राष्ट्र निर्माण राष्ट्रीय सेमिनार : राजनीति विज्ञान विभाग किरोड़मल कॉलेज (दिल्ली विश्व विद्यालय) द्वारा आयोजित।

22-23 नवम्बर 2013 : संयुक्त रूप से लेख प्रस्तुत शीर्षक "आधुनिक समाज पर शहरीकरण का टक्कर" - पर्यावरण विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार : बचाव, बातचीत और प्रबंधन पर्यावरण अध्ययन विभाग, विश्व भारती,शांति-निकेतन में आयोजित।

23-24 नवम्बर 2013 : एक दस्तावेज प्रस्तुत किया गया शीर्षक "भारत सरकार के ग्रामीण विकास कार्यक्रम और उसके प्रभाविकता - एक मूल्यांकन" चुनौतियाँ और भविष्यत सहित ग्रामीण भारत में विकास - द्वारा आयोजित ए.के. दासगुप्ता केन्द्र, अर्थशास्त्र और राजनीति विभाग में योजना और विकास विश्व भारती।

6-7 फरवीर, 2014 : एक लेख प्रस्तुत शीर्षक "शिक्षा और समाज के उच्च अधिकार प्राप्त भाग तथा सीएसआर के लिए स्वास्थ्य निगरानी" - संयुक्त सामाजिक उत्तरदायित्व पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में : आशा, वास्तविकता और चुनौतियां - श्यामल कॉलेज (संध्या), दिल्ली विश्व विद्यालय द्वारा आयोजित।

राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय जरनल में प्रकाशन :

जयसवाल नीलमणि : सिविल सोसाइटी का रोल और सामाजिक पूंजी पर इसका प्रभाव : मानवता और सामाजिक विज्ञान का जरनल (आईओएसआर ने एचएसएस) खण्ड-2, संस्करण. 1 (मई-जून 2013) पेज 98-106, ईआईएसएस एण्ड :2279-0837, पी.-आईएसएसएन :2279-0845, इ्न्क्र10, 9790/087-11198106.

जयसवाल नीलमणि : बाधाओं के बीच पुर्नसमझौता और पुर्णवास गितविधि की सफलता : चीन का अध्ययन; सामाजिक कार्य और मानव सेवाएं अभ्यास, टुरिजन अनुसंधान प्रकाशन खण्ड-1 (1), ऑनलाइन संस्करण (सितम्बर-2013), पेज- 26-30 ईआईएसएसएन : 2332-6840, पी-आईएसएसएन : 2332-6832, इ्न्ड-10-13199/आईजेआरएच-2013,010105.

जयसवाल नीलमणि : सिविल सोसाइटी, डिमोक्रेटिक स्पेश और सामाजिक कार्य : सेज ऑपेन, सेज प्रकाशन, खण्ड-03, सं. 04, संस्करण - (अक्टूबर-दिसम्बर-2013), ऑनलाइन, आईएसएसएल : 2058-2440, डॉई : 10,1177/2158244013504934.

पुस्तक अध्याय में प्रकाशन :

जयसवाल, नीलमणि (2014) : "भारत सरकार के ग्रामीण विकास कार्यक्रम और उसकी प्रामाणिकता : एक मूल्यांकन"

चट्टोपाध्याय, पी.के. (इड्स) : आर्थिक वृद्धि और भारत के उमड़ते आर्थिक परिवर्तन के कुछ आधिपत्य पहलुओं नई दिल्ली प्रकाशक, नई दिल्ली 2014, आईएसबीएन : 978-93-81274-54-5

अन्य :

14 अक्टूबर 14-08 नवम्बर 2013 :एकेडेमिक स्टाफ कॉलेज जवाहर लाल लेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) नई दिल्ली में आयोजित भाषण के लिए यूजीसी प्रायोजित 86वीं ऑरिएनटेशन (अभिमुक) पाठ्यक्रम।

सुस्मिता पटेल

शैक्षिक योग्यता 2013-14 में स्वयं सहायता समूह द्वारा महिलाओं के अधिकार विषय पर सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्व विद्यालय से सामाजिक कार्य में प्रस्तुत किया और पीएच.डी. की उपाधि से पुरस्कृत : ओडिसा के आदिवासी और गैर आदिवासी जिलों के बीच एक तुलनात्मक अध्ययन।

शुभश्री संयाल :

प्रकाशन

सन्याल, एस. - "उत्तरी-पूर्व भारत में प्रारंभिक शिक्षा : एक टिप्पणी (व्याख्या)" हाजरा ए. (एड्स), "उत्तर-पूरव

भारत में उत्साहित विकास : उभरते विषय, चुनौतियाँ और नीति निर्धारण"। कंसेप्ट प्रकाशन, नई दिल्ली, 2013 आईएसबीएन :9151250241.

आरआर सन्याल और सन्याल एस. : " नागालैण्ड : एमडीजी लेन्सेज के द्वारा एक दृष्टि" हाजरा ए. (एड्), "उत्तर-पूरव भारत में उत्साहित विकास : उभरते विषय, चुनौतियाँ और नीति निर्धारण" कंतेप्ट प्रकाशन, नई दिल्ली, 2013 आईएसबीएन : 9151250241.

सन्याल, एस. : "भारत निर्माण : अब तक कहानी"

कुरुक्षेत्र खण्ड 62(5), 2014 आईएसएसएन 0021-5660 :

सन्याल, एस. : "आसाम में जनता की स्वास्थ्य स्थिति" दक्षिण एशिया राजनीति खण्ड-12 (2) 2014 पेज-51-52, आर एन.आ ी. : डीईएलईएनजी /2002/68/.

सेमिनार / सम्मेलन

1-2 मई 2014 : एक लेख प्रस्तुत किया गया, विषय "आसाम और एमडीजीएल : अब तक की कहानी" यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सेमिनार में विषय : सहस्रत्राब्दि विकास लक्ष्य और उत्तर-पूरब भारत गवर्मेंट जे. बुआना कॉलेज, लुंगमी, मिजोरम द्वारा आयोजित।

2013-14 में शैक्षिक योग्यता प्राप्त

सामाजिककार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय से सामाजिक कार्य में पीएच.डी.पूरा किया विषय "दिल्ली के एमसीटी में स्वयंसेवी सेक्टर पर विदेशी फण्ड मिलने का महत्व"

मौमिता लाहा

19-21 जनवरी, 2014 : एक लेख प्रस्ततु किया, शीर्षक "भारत में पंचायती राज संस्थान और सामाजिक समावेश" - डिपेनिंग डेमोक्रेसी पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में - कोवलम, केरल में स्थानीय प्रशासन केशव इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित।

नया पाठ्यक्रम / कैरीकुलम डिज़ाइन या विभाग द्वारा चालू अन्य कोई शिक्षण नवीन पद्धति : एमएसडब्ल्यू कोर्स कैरिकुलम के मोडिफिकेशन (रुपान्तर) का कार्य पूरा किया गया।

विभाग के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास : सामाजिक कार्य विभाग 1963 में स्थापित किया गया जिसमें प्रस्ताव था कि एक बीएसडब्ल्यू (ऑनर्स) पाठ्यक्रम और एमएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम 1977 में और पीएच.डी. कार्यक्रम शामिल किया गया। यह विभाग पल्ली संगठन विभाग (पीएसब अथवा ग्रामीण पुनर्गठन संस्थान का एक हिस्सा है। विश्व-भारती पहली विश्वविद्यालय है जो व्यापक ग्रामीम क्षेत्र में स्थित है। विभाग विश्वस्त है कि टैगोर का सोच आधुनिक और डायनामिक (शक्तियुक्त) है और यह प्रारंभ से ही यह लक्ष्य है कि कैसे अपने विचार के अनुरूप अपने शैक्षणिक संस्थान से अधिक-से-अधिक समानता प्राप्त कर सकें और विस्तार कार्य के साथ-साथ सिद्धान्त और व्यवहार (अभ्यास) के मध्य दृढ़ता से बातचीत के सभी श्रोत सुले रखा जाय। यह बड़े गौरव की बात है कि हम लोग विभाग के गतिविधियों को लागू करने के लिए सक्षम है क्योंकि ग्रामीण जीवन और स्थिति के साथ आत्मीय संबंध है, जिसका उद्देश्य स्वच्छ विचारों के आदान-प्रदान से समुदायों को अधिकार दिला सकें और सामाजिक कार्य के क्षेत्र में आपसी पुष्ट तरीके के आदान-प्रदान कर हम लोग ग्रामीणों के बुद्धि और ज्ञान को एकत्रित करते हैं।

कोई अन्य संबंधित सूचना, जो विभागाध्यक्ष के विचार में योग्य हो, शामिल किया जाना चाहिए :

प्लेसमेंट सेल : विभाग प्लेसमेंट सेल के माध्यम से विभिन्न संगठनों में काम खोजने के लिए बाहर जाने वाले विद्यार्थियों को मदद कर रही है। छः संगठन एमएसडब्ल्यू के छात्रों की भर्ती के लिए इस विभाग में आए जहाँ 30 सम्मिलित विद्यार्थियों में से 20 लोगों को इस वर्ष नौकरी के लिए चयन किया है।

पल्ली चर्चा केन्द्र

1977 में स्थापित किया गया पल्ली चर्चा केंद्र एक शिक्षण विभाग, विद्याभवन के तहत एम.फिल कार्यक्रम के साथ शुरू कर दिया। बाद में उस पर पल्ली संगठन विभाग के संस्थान (पीएसवी) के तहत रखा गया था। वर्तमान में यह ग्रामीण विकास पर स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यक्रम प्रदान करता है और सामाजिक विज्ञान में पीएचडी कार्यक्रम चलाता है। यह ग्रामीण लोगों के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर अनुसंधान करती है।

विभागीय संगोष्ठी (वक्ताओं, संगोष्ठी, तिथि का शीर्षक):

25 मार्च, विभाग द्वारा आयोजित सहकारी पर 2014 बंदोबस्ती व्याख्यान। वैश्वीकरण 'अध्यक्ष प्रो रतन खासनविश, अर्थशास्त्री, प्रख्यात प्रोफेसर, कलकत्ता विश्वविद्यालय के युग में सहकारी आंदोलन पर विषय-'रिथिकिंग टैगोर

20 जनवरी 2014 में एक विशेष व्याख्यान अध्यक्ष 'भारत में ग्रामीण विकास और कानून द्यद्भ्तड़- पर विभाग द्वारा आयोजित किया गया था - डॉ। देबाशीष पोद्दार, सहायक। कानून रांची, झारखंड में अध्ययन के कानून **राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और रिसर्च विवरण में / रिसर्च स्कॉलर्स शिक्षकों ने भाग लिया आदि केवल राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानक (सम्मेलनों/ सेमिनारों / कार्यशालाओं / प्रदर्शनियों्।**

शंकर मजुमदार

31 जनवरी 2013, ऑनर्स के लिए पाठ्यक्रम में संशोधन के लिए कार्यशाला में एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया और ग्रामीण विकास, विद्यासागर विश्वविद्यालय के साथ अर्थशास्त्र विभाग में विषय अर्थशास्त्र में गुजरती हैं्।

21 जनवरी 2014, विज्ञान प्रसार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, भारत और पि चम बंग विज्ञान मंच की सरकार के विभाग द्वारा आयोजित ग्रामीण विकास, ऊर्जा और पर्यावरण पर एक कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर की व्याख्याता सह चर्चा।

शिखा-सत्रा, विश्वभारती। 'ऊर्जा, पर्यावरण और ग्रामीण विकास' पर एक व्याख्यान दिया।

जनवरी 2014 13-14, पर एक यूजीसी प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में तकनीकी सत्र-वी अध्यक्षता 'आर्थिक विकास-समकालीन मुद्दों' ग्रामीण विकास के साथ अर्थशास्त्र विभाग, विद्यासागर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की।

16-17 अगस्त 2013, 'ग्रामीण उपभोक्ताओं और बाजारः मुद्दे और चुनौतियां' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी उपभोक्ता अध्ययन के लिए केंद्र, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली के सहयोग से लॉ, रांची में अध्ययन और अनुसंधान के राष्ट्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित। (मैं) पर पैनल चर्चा 'ग्रामीण उपभोक्ताओं और बाजार इश्यू में परिप्रेक्ष्य' की सह-अध्यक्षता;

ग्रामीण उपभोक्ताओं को सशक्त बनाने में चुनौतियां 'विषय पर सत्र में पैनेलिस्ट रूप में भाग लिया।

शांतनु रक्षित

टॉपिक विकास के रूप में स्थिरता पर राजनीति विज्ञान, रवींद्र भारती विश्वविद्यालय, विभाग में 13 मार्च 2014-विशेष व्याख्यान (संगोष्ठी आमंत्रित)।

28-30 जनवरी 2014: अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी समाजशास्त्र, सामाजिक विज्ञान और इंटरनेशनल स्टडीज, पांडिचेरी विश्वविद्यालय के स्कूल के विभाग द्वारा इंडिया ऑर्गनाइज़्ड में कृषि संक्रमण पर, एक कागज वाणिज्य, कृषि संकट और का संक्रमण-एक खेत स्तर के अध्ययन के प्र न तनावग्रस्त प्रस्तुत वर्तमान सहस्राब्दी में कृषि पि चम बंगाल

एम.ए. मसिल्लामणी

आईसीएसएसआर में 29 जनवरी 2014-संसाधन व्यक्ति अन्नामलाई विश्वविद्यालय में ग्रामीण विकास के लिए केंद्र, अन्नामलाई नगर, तमिलनाडु द्वारा सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान क्रियाविधि कोर्स प्रायोजित।

नवंबर 2013 22-23 विषय पर्यावरणीय मुद्दों-संरक्षण, संरक्षण और प्रबंधन पर पर्यावरण अध्ययन विभाग,

विश्वभारती, शांतिनिकेतन में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।
श्री सिद्धार्थ चटर्जी (डॉ शांतनु रक्षित तहत रिसर्च स्कॉलर)
16-17 अगस्त, 2013, एक पेपर प्रस्तुत टाइटिल-प्रत्यक्ष विदेशी निवेश से कोई डर नहीं तो सहकारी अगर वहाँ। खुदरा क्षेत्र में और कमोडिटी बाजार में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 'विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में, विद्यासागर विश्वविद्यालय के अंतर्गत मुगबेरिया गंगाधर महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा आयोजित।
- मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट्स दो यूजीसीः विभाग में अनुसंधान परियोजना के लिए जा रहा पर।
(क) (1) डॉ शांतनु रक्षित, एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष,
(2) " दो चरणों-आई) 1996-2004 और द्वितीय) 2004 के बाद के दौरान वैश्विक और पश्चिम बंगाल, भारत में ग्रामीण अर्थव्यवस्था-एक मामले का अध्ययन पर स्थानीय आर्थिक झटके का प्रभाव 'शीर्षक
(3) के यूजीसी
(चतुर्थ) रुपये 5.19 लाख
30 जून 2014 को (वी) 1 जुलाई 2012
(ख) (1) डॉ रथीन्द्र नाथ प्रमाणिक
(2) के 'पश्चिम बंगाल में दो जिलों के नरेगा और ग्रामीण की शर्तों श्रमिकों-एक तुलनात्मक अध्ययन' 'शीर्षक से
(3) के यूजीसी
(चतुर्थ) रुपये 6.71 लाख
(वी) 2014 1 जुलाई 2012 को 30 वें जून
विस्तार गतिविधियों / सांस्कृतिक एनएसएस / और शिक्षकों और विभाग के छात्रों द्वारा विभाग द्वारा आयोजित और भाग लिया अन्य गतिविधियों:
(1) विभाग के शिक्षकों और छात्रों को नियमित रूप से करने के लिए गांवों का दौरा -
क) गांव प्रोफाइल तैयार कर रहा है;
ख) समस्या की पहचान और समस्या के सुधार के लिए व्यवहार्य परियोजना तैयार करते हैं।
सशिक्षक / विद्वान या (डीएसए या कैस आदि के रूप में मान्यता) की तरह एक पूरे के रूप में विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक भेदः शून्य
वर्ष अप्रैल 2013 भीतर प्रकाशन - मार्च 2014:

शांतनु रक्षित

जर्नल में लेखः

पेपर प्रस्तुति- नव-उदारवाद और भारतीय अर्थव्यवस्थाः एक असंबद्ध अध्ययन नृतत्व मानव विज्ञान वॉल-दो नंबर-3, खंड -3, नहीं, 4, जुलाई-दिसंबर 2012, जनवरी-जून 2013; आईएसएसएन-2249-9830।

सम्मेलन मात्रा में लेख

सम्मेलन की कार्यवाही का प्रकाशन, कागज शीर्षक न्यूलीबेरालिज्म और कृषि प्रश्न यूजीसी में प्रस्तुत प्रायोजित दो दिवसीय उथनौ के सहयोग से राजा पियारी मोहन कॉलेज द्वारा आयोजित 1 और 2 अगस्त 2012, विषय चौराहे पर विकास 'विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, मल्लारपुर

रथीन्द्रनाथ प्रमाणिक, अर्थशास्त्र में एसोसिएट प्रोफेसर

पत्रिकाओं में लेखः

'कृषि श्रमिकों का जोखिम - पश्चिम में आवश्यक सामाजिक सुरक्षा बंगाल ', आर्थिक और सामाजिक विकास, वाल्यूम-नौवीं, नंबर 1, 2013 के जर्नल, ईडी। प्रकाश चन्द्र देवघरिया, विभाग अर्थशास्त्र, विनोबाभावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग, झारखंड, 2013: 94-104, आईएसएसएनः 0973-886 एक्स

पुस्तक अध्याय में लेख

ए कश्मीर, योजना और विकास केलिए दासगुप्ता केन्द्र (योजना आयोग द्वारा प्रायोजित केंद्र सरकारः 'ग्रामीण विकास केपहलुओं लिंग, अवसर और अधिकारिता' में 'आय, उपभोग और पश्चिम बंगाल में कृषि श्रमिकों केएसेट होल्डिंग स्थिति'। 1-27, आईएसबीएनः 978-93-81274-47-7 नई दिल्ली प्रकाशक, नई दिल्ली, 2013 द्वारा प्रकाशित भारत) विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पश्चिम बंगाल, के।

श्री सिद्धार्थ चटर्जी (डॉ शांतनु रक्षित तहत रिसर्च स्कॉलर)

पत्रिकाओं में लेखः

वाणिज्य एवं प्रबंधन, ज्दृ.-4 पर अनुसंधान केलिए इंटरनेशनल जर्नल में पूर्ब मेदिनीपुर जिले में सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन-एक मामले का अध्ययन के आंदोलन में स्व-सहायता समूहों की भूमिका, अंक नंबर-7 (जुलाई), 2013 , ISSN- 0976-2183।

नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या विभाग द्वारा शुरू की किसी भी अन्य शिक्षण नवाचारों डिजाइनिंगः

वर्तमान पाठ्यक्रम संस्थान बोर्ड और शैक्षणिक परिषद में पुष्टि होने की प्रतीक्षा, ग्रामीण विकास में स्नातक स्तर की पढ़ाई पोस्ट करने के लिए अग्रणी एकीकृत कोर्स पहले से ही बीओएस में पारित किया गया था 5 साल (2013) के लिए 2009 में एक नए पाठ्यक्रम में पेश किया गया था।

विकास के लिए भविष्य की योजनाओं का एक संकेत के साथ संबंध भवन / सदन / विभाग के विकास पर एक **संक्षिप्त इतिहास :**

यह विभाग विषयों- अर्थशास्त्र / मानव विज्ञान / सांख्यिकी / जनसांख्यिकी / भूगोल के विभिन्न अनुभाग से तैयार संकायों के साथ सीएसएसएस-कलकत्ता, पाटुलि (कोलकाता में आईसीएसएसआर संस्थान) के मॉडल में शिक्षाविदों के एक अंतःविषय केंद्र के रूप में शुरू किया था।

विभाग के विकास का एक बहुत ही संक्षिप्त इतिहास

वी के रॉय बर्मन (पूर्व निदेशक भारत के मानव विज्ञान सर्वेक्षण), सुनील सेनगुप्ता की तरह (- 1977 में, पल्ली चर्चा केंद्र एम.फिल पाठ्यक्रम और सामाजिक विज्ञान के दिग्गजों -अन्डर शोध कार्य के प्रति सख्ती से एक गहरी अभिविन्यास -साथ विद्याभवन के तहत स्थापित किया गया था ज्यां द्रेज, हैरिस गजदर) व्याप्ति में कुख्यात अशोक रुद्र के साथ कई पुस्तकों के सह लेखक भी विश्व भारती के भूतपूर्व कुलपति सहित अतिथि प्रोफेसर के रूप में यहां एमफिल कोर्स पढ़ाया जाता है

सुरजीत सिन्हा

2) बाद में, यह पीएसवी के तहत रखा गया था और 1991 से यह क्रमशः दो पाठ्यक्रमों (ग्रामीण विकास) और एमए / एमएससी-नृविज्ञान सामाजिक विज्ञान और मानव विज्ञान में पीएचडी पाठ्यक्रमों के साथ शुरू कर दिया है, और सफलतापूर्वक पर किया गया था।

3) जनवरी, 31, 2010 से वैधानिक संशोधन के तहत मानव विज्ञान विभाग घ्क्ष् विभाग से बाहर खुदी हुई थी और नृविज्ञान के नए विभाग विद्या भवन में स्थानांतरित कर दिया गया था। सामाजिक विज्ञान में ग्रामीण विकास में एमए और पीएचडी में अपने पाठ्यक्रमों के साथ पी.सी.के विभाग पीएसवी के तहत बने रहे। हालांकि, एचएलसी (विभाजन से पहले) जैसे घ्क्ष् विभाग विद्याभवन के तहत रखा जाना चाहिए कि सिफारिश की।

ग्रामीण विकास में एमए के पाठ्यक्रम में सेवन क्षमता - 46 (23 प्रत्येक सेमेस्टर में)

लगभग 20 छात्रों को पीएचडी दाखिला लिया।

भविष्य का संकेत विकास के लिए योजना बना रही है

1. यह एक मानक जोखिम देने के लिए और वर्तमान में कमी है, जो अकादमिक क्षेत्र, के साथ पाठ्यक्रम को एकीकृत करने के तुरंत ग्रामीण विकास में एक 5 साल के इंटीग्रेटेड पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स शुरू करने की परिकल्पना की गई।

2. विभाग ने पहले से ही बीओएस में पारित किया गया है, जो एसएपी, के लिए आवेदन करने की परिकल्पना की गई। यह एसएपी के लिए पात्र होने के लिए आवश्यक संकाय ताकत है।

3. विभाग गैर सरकारी संगठन में रोजगार के आगामी मांग के लिए ग्रामीण विकास चिकित्सकों को तैयार करने के लिए ग्रामीण अध्ययन पर कुछ लघु अवधि के पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना बना रहा है।

विभाग के प्रमुख की राय में लायक रिपोर्टिंग है जो किसी भी अन्य प्रासंगिक जानकारी, शामिल किया जाना चाहिए।

विभाग ग्रामीण अध्ययन में शैक्षिक पाठ्यक्रम से बाहर ले जाने के लिए किसी भी शैक्षणिक संस्था के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए बहुत सक्षम मानव संसाधनों की है। हालांकि, कई लैकुनास भी कर रहे हैं्। विभाग की सबसे बड़ी बाधा पुस्तकालय और कंप्यूटर प्रयोगशाला की तरह न्यूनतम शैक्षिक बुनियादी सुविधाओं की कमी कर रहे हैं्। यह छात्रों के लिए बल्कि संकायों उचित अनुसंधान कार्य के लिए बाहर ले जाने के लिए और विभाग में इस समय चल रहे प्रमुख अनुसंधान परियोजनाओं के लिए न केवल एक आवश्यक आवश्यकता है

पल्ली शिक्षा भवन
(कृषि संस्थान)

शैक्षणिक

हमारे छ.क्र की सबसे अधिक इस वर्ष में छात्रों को सफलतापूर्वक आईसीएआर-जेआरएफ परीक्षा पूरी की और जेआरएफ फैलोशिप के लिए चुना। काफी कुछ मास्टर डिग्री छात्रों और पीएच.डी. स्कॉलर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर-नेट) द्वारा आयोजित (नेट) राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा के लिए अर्हता प्राप्त की। भवन अंतिम वर्ष बीएससी में अनुभवात्मक शिक्षा कार्यक्रम शुरू करने जा रहा है (एजी)। ऑनर्स विभिन्न शैक्षिक और विकासात्मक गतिविधियों के साथ तालमेल रखने के लिए, विभिन्न मुद्दों पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित सभी बैठकों समय के लिए हमारे संकाय सदस्यों समय ने भाग लिया।

भवन डॉ एमएस के साथ सहयोग में 2013/12/06 पर 5 भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस के सत्र का आयोजन स्वामीनाथन नींव 6-09 दिसम्बर, 2013 के दौरान आयोजित किया।

भवन सामुदायिक हॉल, श्रीनिकेतन में 16-17 जनवरी, 2014 के दौरान अंतिम वर्ष के स्नातकीय और मास्टर डिग्री छात्रों के लिए भारत की उर्वरक संघ (एफएआई), पूर्वी क्षेत्र के सहयोग से एक उर्वरक अभिविन्यास पाठ्यक्रम का आयोजन किया।

U.G. से छात्र और मास्टर डिग्री कोर्स कैंपस साक्षात्कार के माध्यम से विभिन्न कंपनियों में चयन किया गया था। चंद्रजीत मंडल और दिबाकर मंडल क्रिस्टल चिकित्सक के रूप में क्रिस्टल फसल संरक्षण लिमिटेड में चयन किया गया था। स्वपन कुरी, महेश्वर बौरी, पाठक और महतो बंगलौर विकास अधिकारी के रूप में कंपनियों के मल्टीप्लेक्स समूह में चयन किया गया था। सोमा मुखर्जी उत्पाद विकास अधिकारी के रूप में रैलियों इंडिया लिमिटेड में चुना गया था। सभी अंतिम वर्ष के स्नातकीय के लिए गांव लगाव और उद्योग प्लेसमेंट छात्रों आयोजन किया गया था।

(2013-14 के दौरान) गणमान्य व्यक्तियों की भेंट

डॉ एम.एस. स्वामीनाथन, अध्यक्ष, एमएसएस वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन, चेन्नई।

डॉ स्वपन दत्ता, उपमहानिदेशक (फसल), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली।

पीएसबी लाइब्रेरी

इस पुस्तकालय पीएसबी और अन्य भवनें और विभागों के दिन शैक्षिक गतिविधियों के लिए दिन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस वर्ष के दौरान 1,518 किताबें खरीदी की गई है। पुस्तकालय में पुस्तकों और पत्रिकाओं की कुल संख्या क्रमशः भाषाओं, मानविकी और सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, गृह विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान, वाणिज्य और प्रबंधन, शिक्षा, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, चिकित्सा विज्ञान, कृषि विज्ञान जैसे विषयों को शामिल 49,048 और 5408 हैं पशु चिकित्सा विज्ञान, कानून और अन्य शामिल हैं। जारी किए गए पुस्तकें व पत्रिकाओं की कुल संख्या इस पुस्तकालय में कर्मचारियों की कुल संख्या सेवाएं प्रदान करने के लिए अपर्याप्त है 21993. था।

कृषि फार्म

इस खेत स्नातकीय, मास्टर डिग्री और पीएचडी के छात्रों के लिए एक क्षेत्र प्रयोगशाला है के रूप में अच्छी तरह से अनुसंधान गतिविधियों में शामिल संकायों के लिए के रूप में। इस खेत में सिंचाई का एकमात्र स्रोत सर्दियों और गर्मियों के महीनों के दौरान प्रयोगों का संचालन करने के लिए अपर्याप्त है जो तालाब का पानी है। छात्रों और संकायों के कारण सुनिश्चित सिंचाई पानी की कमी के कारण क्षेत्र के प्रयोगों के उपक्रम में समस्याओं का सामना कर रहे थे। यह एक लंबे समय से लंबित कार्य था। इस वर्ष में, एक 5 एचपी पनडुब्बी पंप कृषि फार्म पर मार्च, 2014 के महीने में स्थापित किया गया है।

पीएसबी की कृषि फार्म एक 16 हेक्टेयर सिंचित क्षेत्र और 12 हेक्टेयर का शुद्ध कृषि योग्य क्षेत्र के साथ 40 हेक्टेयर

भूमि का एक क्षेत्र शामिल हैं। इस वर्ष में 1.0 हेक्टेयर मास्टर डिग्री और पीएचडी के क्षेत्र प्रयोगों के संचालन के लिए उपयोग किया गया था छात्रों और एआईसीआरपी (खरपतवार नियंत्रण) प्रयोगों। खरीफ के मौसम में, 09 प्रयोगों (एआईसीआरपी खरपतवार नियंत्रण द्वारा दो), रबी के मौसम में, 12 प्रयोगों (एआईसीआरपी खरपतवार नियंत्रण से एक) और पूर्व खरीफ के मौसम में, 04 प्रयोगों 2013-2014 के दौरान आयोजित की गई। देश के 2.0 हेक्टेयर में, बीज गुणन पूर्व खरीफ के मौसम में किया गया था। इस खेत में विभिन्न फसलों के उत्पादन थे: एक) धान: 54.0 क्विंटल, ख) गेहूं: 5.0 क्विंटल, ग) सरसों 3.0 क्विंटल, डी) तिल: 1.0 क्विंटल, ई) धान स्ट्रॉ: 110 क्विंटल, एफ) बेबी कॉर्न : 690 पीसी। और जी) मूंगफली 10.0 किलो। खेत वर्ष 2013-14 के लिए .94, 000 की कुल बिक्री हासिल की।

डेयरी और पोल्ट्री फार्म

इस खेत में केवल दो गायों और वर्तमान में एक बछड़ा है। केवल दो स्थायी और खेत की देखभाल के लिए एक अस्थायी कर्मचारी हैं। इस खेत के कारण मानव शक्ति की भारी कमी को अपनी गतिविधि को कम करने के लिए मजबूर कर रहा है।

रथीन्द्र कृषि विज्ञान केन्द्र

वर्ष 2013 के दौरान - 2014, रथीन्द्र कृषि विज्ञान केन्द्र, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती किसानों और खेत महिलाओं अभ्यास के 2773 नंबर, ग्रामीण युवाओं के 185 नंबर और 143 संख्या में शामिल हैं जो प्रशिक्षुओं के 3101 नंबर के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के 92 नंबरों का आयोजन विस्तार कर्मियों की। 2013 में - 2014 रथीन्द्र केवीके पहले पश्चिम बंगाल राज्य में अपनी तरह का (नारियल के पेड़ के मित्र पर नारियल विकास बोर्ड, पश्चिम बंगाल राज्य केंद्र के साथ ग्रामीण युवाओं के लिए एक आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन संयुक्त रूप से किया गया है) और भी लागत से मुक्त प्रशिक्षुओं के बीच में पेड़ मशीनें घुस अभिनव नारियल वितरित की। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं की 2 नंबर मास्टर ट्रेनर्स का कौशल हासिल कर ली है और अब वे प. बंगाल के राज्य भर में अन्य प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण दे रहे हैं।

केंद्र भी (7) भी विभिन्न प्रौद्योगिकियों और बाद में उपयोगी साबित हो 14 विभिन्न प्रौद्योगिकियों पर 571 लाभार्थी किसानों को शामिल फ्रंट लाइन प्रदर्शनों के 571 नंबर का आयोजन सात पर किसानों की 64 संख्या को शामिल पर खेत परीक्षण के सात नंबर (ग्रक्षद्य) का आयोजन ओ एफ टी के माध्यम से सत्यापन।

केन्द्र ने 2013 में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) आउटरीच कार्यक्रम, पूसा, समस्तीपुर, बिहार के तहत गेहूं और धान की विभिन्न किस्मों के मिनी किट प्रदर्शनों का आयोजन -14 और गेहूं किस्म एच.डी. - 2824 और धान किस्म पूसा - 44 साबित पारंपरिक किस्मों से अधिक उपज का प्रतिशत वृद्धि के बारे में सबसे अधिक सफल होने के लिए।

केंद्र के वैज्ञानिकों ने शोध पत्र के दो नंबर, सेमिनार / सम्मेलन / संगोष्ठियों पत्रों के 2 नंबर, पुस्तक अध्याय के 2 नंबर, एक्सटेंशन पर्चे या विस्तार साहित्य के 11 नंबर, तकनीकी रिपोर्ट के 12 नंबर और इलेक्ट्रॉनिक प्रकाशन के 6 संख्या के प्रकाशन बनाया (सीडी / डीवीडी आदि)।

रथीन्द्र केवीके 18 रेडियो वार्ता और आठ अलग अलग विषयों कृषि से संबंधित है और क्षेत्रों संबद्ध और इन कार्यक्रमों में ऑल इंडिया रेडियो के माध्यम से प्रसारित किया गया पर लाइव फोन-इन कार्यक्रमों का निर्देशन किया। केंद्र भी सात अलग अलग विषयों कृषि से संबंधित है और क्षेत्रों संबद्ध और इन कार्यक्रमों को दूरदर्शन के माध्यम से प्रसारित किया गया था पर सात टेलीविजन वार्ता का निर्देशन किया। केंद्र ने भी 2013-2014 में संपादक हैं नियंत्रण और विश्व पर्यावरण दिवस पर जागरूकता शिविरों का आयोजन किया। रथीन्द्र केवीके भी अभ्यास किसानों, खेत महिलाओं और बीरभूम जिले के ग्रामीण युवकों के 4805 नंबर के लिए किसान मोबाइल सलाहकार सेवा के माध्यम से लघु संदेश सेवा (एसएमएस) का उपयोग कृषि पर प्रासंगिक संदेशों और संबंधित विषयों के 61 अलग अलग प्रकार के लिए भेजा है।

सक्रिय और रथीन्द्र कृषि विज्ञान केन्द्र, एक अभिनव पोर्टेबल एसआरआई मार्कर के पर्यवेक्षण के साथ (4 पंक्तियाँ) क्षेत्र परीक्षण के साथ ही दोनों में उल्लेखनीय परिणाम से पता चला है जो विष्णुबाटी ग्राम, पीओ बीरभूम, पर्ि चम बंगाल के किसानों द्वारा विकसित किया गया था दिन के लिए दिन का उपयोग करें।

मृदा परीक्षण प्रयोगशालाः

पल्ली शिक्षा भवन की मृदा परीक्षण प्रयोगशाला के इस क्षेत्र के कृषि मिट्टी की मिट्टी की उर्वरता स्थिति के आकलन के साथ मुख्य रूप से संबंधित है। यह फसलों के लिए पोषक तत्व आवेदन के लिए हितधारकों के लिए दिशा निर्देश प्रदान। मृदा परीक्षण प्रयोगशाला के कृमि खाद इकाई समृद्ध खाद में जैविक कचरे रीसाइक्लिंग है। मृदा परीक्षण प्रयोगशाला अब जनशक्ति की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है।

खरपतवार नियंत्रण पर एआईसीआरपी

खरपतवार विज्ञान अनुसंधान (एआईसीआरपी-खरपतवार नियंत्रण) निदेशालय यूएसडीए के तहत विश्वभारती, श्री निकेतन में 18 मार्च 1986 के बाद से कार्य कर रहा है और इसके बाद इसे 1 अप्रैल, 1990 विश्वभारती में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा पूरी तरह से शुरू किया गया है डब्ल्यूसी (आईसीएआर)-, श्रीनिकेतन केंद्र, भारत में 22 केन्द्रों में से एक, एआईसीआरपी के तहत कार्य कर रहा है। केंद्र का मुख्य उद्देश्य विकास और खरपतवार जीव विज्ञान पर बुनियादी शोध के साथ साथ महत्वपूर्ण फसलों और फसल प्रणाली के लिए प्रभावी एकीकृत खरपतवार प्रबंधन के तरीकों को बढ़ावा देना है। इसके अलावा, विभिन्न कृषि-पारिस्थितिकी पर्ि चम बंगाल के क्षेत्रों और घास नक्शा तैयार करने का खरपतवार वनस्पतियों का सर्वेक्षण केंद्र के अन्य प्रमुख लक्ष्य हैं।

इस अवधि के दौरान केंद्र की गतिविधियांः

मैं) खरपतवार सर्वेक्षण और निगरानीः

पुरुलिया जिले में प्रमुख खरपतवार वनस्पतियों और बीरभूम में पूर्व खरीफ फसलों का प्रमुख खरपतवार प्रजातियों और खरीफ फसलों की एक) सर्वेक्षण।

खरीफ मौसम के दौरान पुरुलिया जिले में चावल, मक्का और अरहर में ख) खरपतवार निगरानी।

द्वितीय) साँवा पर प्रतिरोध पर अध्ययन अगर दोहराया उपयोग की वजह से किसी भी।

दीर्घकालिक नेटवर्क परीक्षणों में शारीरिक अध्ययन करता है।

दीर्घकालिक शाक परीक्षण में एक) मृदा खरपतवार के बीज बैंक पढ़ाई

खरपतवार उद्भव के ख) आवधिकता।

ग) खरपतवार उद्भव पैटर्न

चतुर्थ) साँवा और जंगली चावल के जीव विज्ञान और प्रबंधन पर अध्ययन करता है।

फसलों और फसल प्रणाली में वी) खरपतवार प्रबंधन

प्रतिरोपित चावल में जटिल खरपतवार वनस्पतियों के नियंत्रण के लिए एक) हरबिसिड्स संयोजन।

ख) खरपतवार काला चना में प्रबंधन और सरसों की फसल सफल होने पर अपने अवशिष्ट प्रभाव

ग) चावल में दीर्घकालिक शाक परीक्षणों - पीले सरसों फसल प्रणाली।

संरक्षण कृषि प्रणालियों में डी) खरपतवार प्रबंधन।

छठी) जीगोग्रामा बाईकलरेट द्वारा संपादक हैं के जैविक नियंत्रण के साथ ही तेज पत्ता तोरा के माध्यम से प्रतिस्पर्धी प्रतिस्थापन।

प्रौद्योगिकी के सप्तम) स्थानांतरण

क) ओ एफ टी कृषि परीक्षण पर - खरीफ चावल में 3, महिलाओं उंगली में एक, बोरो-चावल नर्सरी में प्याज, 2 में 2 और 1 मूली में

आलू में खरीफ चावल में 5 बोरो-चावल में, 5 और 2 - ख) फ्रंट लाइन प्रदर्शन

आठवीं) स्टेशन परीक्षण

तिल में एक) खरपतवार प्रबंधन।
हरे चने में ख) खरपतवार प्रबंधन।

विस्तार गतिविधियों

क। विश्वभारती परिसर के पेड़ों की वर्गीकरण पर अध्ययन।

ख। विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से (22 अगस्त 2013 को 16 वीं) संपादक हैं जागरूकता सप्ताह अवलोकन।

ग। कृषि और केपी.एस., भारत सरकार के सहायक निदेशक को दिया प्रशिक्षण। पि चम बंगाल और विभिन्न सीडी पर, आत्मा, और उपसंभागीय कृषि मेला के माध्यम से प्रमुख फसलों में खरपतवार प्रबंधन पर किसानों और फसल प्रणाली की बीरभूम जिले के ब्लाकों्।

घ) पत्रक और एक्सटेंशन बुलेटिन अवधि के दौरान प्रकाशित किए गए थे।

एसिपन (ए.एस.इ.पी.ए.एन) विभाग

विभाग का एक संक्षिप्त इतिहास

विभाग में छः डिसिप्लीन एग्रोनॉमी, सोएल साइसं, एग्रीकल्चरल केमिस्ट्री एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग, प्लांट साइकोलॉजी एवं एनीमल साइंस चलते हैं। विभाग के क्रियाकलापों में मुख्य रूप से अध्ययन, शोध एवं विस्तरण कार्य सम्मिलित हैं। विभाग में अण्डरग्रेजुएट एवं पोस्ट ग्रेजुएट दोनों स्तरों पर पढ़ाई होती है। अण्डरग्रेजुएट स्तर में शिक्षक सभी डिसिप्लीनस से भाग लेते हैं। विभाग में दो पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स चलते हैं- एग्रोनॉमी में एम.एस.सी. (एजी) एवं, सोयल साइंस एवं एग्रीकल्चर केमिस्ट्री में एम.एससी.

अध्यापन एवं शोध कार्य के अतिरिक्त, अध्यापक एवं छात्र क्षेत्रीय किसानों के तरह-तरह के समस्याओं के समाधान में लगे रहते हैं। समय-समय पर किसनों के लिए विभाग के द्वारा निम्नलिखित क्षेत्रों में छानफ्रीन की जाती है। इन क्षेत्रों में क्रॉपिंग सिस्टम्स, वाटर मैनेजमेंट, वीड मैंनेजमेंट,सोयल एण्ड फर्टीलिटी मैनेजमेंट, एग्रो-टेक्नोलॉजीस फॉर इम्प्रूविंग क्रॉप क्वालिटी एण्ड प्रोडक्टिविटी, रेनफेड फार्मिंग, सोयेल एण्ड वाटर कंजरवेसन, एनीमल न्यूट्रीशन एण्ड मैनेजमेंट, पोटेटो प्रोडक्सन टेक्नोलॉजी फ्रॉम टी.पी.एस.(टू पोटेटो सीड), ग्रोविंग ऑफ पलसेज, पोस्थारवेस्ट प्रोसेसिंग एण्ड प्रीजर्वेशन ऑफ सुगरकेन प्रोडक्टस एण्ड ऑयलसीड्स एज यूटेरा क्रॉप्स।

टीचिंग स्टॉफ- 22 की कुल संख्या (3 खाली)

एसोसिएटेड फार्मः कृषि खेत,

डेयरी और पोल्ट्री फार्म

एसोसिएटेड प्रयोगशालाः मृदा परीक्षण लैब।

कुल का कोई गैर-शिक्षण स्टॉफ- 10 (3 खाली)

एम फिल की डिग्री के साथ शिक्षकों की संख्याः शून्य

कुल नहीं्। ट्यूटर्स / प्रदर्शनकारियोंः

कुल नहीं। अन्य शिक्षण स्टाफ कीः

रिक्त पद (शिक्षण) का विवरणः खालि- 3 (परिशिष्ट 1)

कुल नहीं। गैर-शिक्षण कर्मचारियों कीः (परिशिष्ट 2) (ड्यूटी के लिए एक संलग्न, रिक्त पद -2)

कुल नहीं्। पुस्तकालय के कर्मचारियों की कोई नहीं

कुल नहीं। (अगर कोई है) प्रशिक्षकों की कोई नहीं

आदि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी में भाग लियाः

एस.के पाइन

6-9, दिसंबर 2013: विश्वभारती, शांतिनिकेतन, एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन, एस आर एम विश्वविद्यालय और युवा विकास के राजीव गांधी राष्ट्रीय संस्थान द्वारा आयोजित 5 वीं भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस में भाग लिया।

1-3 फ़रवरी 2014: भाग लिया और एसीपन विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव-सुरक्षा 'विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में पेपर प्रस्तुत किया।

21-30 जुलाई, 2013: ्। ब्लैक बंगाल बकरी ... ग्रामीण लोकः पशु विज्ञान एवं डेयरी साइंस लास वेगास पर भाग लिया अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, संयुक्त राज्य अमेरिका 2 कागजात (मौखिक) कुक्कुट आंत का एक मूल्यांकन फ़ीड संघटक पोस्टर प्रस्तुत

24-26 फ़रवरी, 2014: भाग लिया और पोल्ट्री पानी का उपयोग, एकीकृत मछली की खेती के सामाजिक-आर्थिक लाभ जूलॉजी विभाग द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत

ए.के बरिक

फ़रवरी 01-03, 2014: भाग लिया और एसिपन विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन, पर्ि चम बंगाल द्वारा आयोजित परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव सुरक्षा 'विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

24-26 फ़रवरी, 2014: भाग लिया और जूलॉजी विभाग, विश्वभारती, शांतिनिक्तन द्वारा आयोजित पर्यावरण जीव विज्ञान और पर्यावरण मॉडलिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।

प्रो बी.के. सोरेन

6-9 दिसंबर 2013: भाग लिया और विश्वभारती, शांतिनिक्तन, एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन, एस आर एम विश्वविद्यालय और युवा विकास के राजीव गांधी राष्ट्रीय संस्थान द्वारा आयोजित 5 वीं भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस में पेपर प्रस्तुत किया।

1-3 फ़रवरी 2014: भाग लिया और एसिपन विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव-सुरक्षा 'विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में पेपर प्रस्तुत किया।

गौतम कुमार घोष

4 - 5 मार्च 2014: भाग लिया और इंटरनेशनल पोटाश इंस्टीट्यूट, होरजेन , स्विट्जरलैंड के साथ सहयोग में बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, रांची, झारखंड, भारत द्वारा आयोजित रांची, भारत में आयोजित पोटेशियम पोषण और फसल की गुणवत्ता पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में पेपर प्रस्तुत किया।

1 - 3 फ़रवरी 2014: भाग लिया और एसिपन विभाग, पल्ली शिक्षा भवन (कृषि संस्थान), विश्वभारती विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित परिदृश्य को बदलने में कृषि और बायोसिकिउरिटि पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में पेपर प्रस्तुत किया, शांति निकेतन-731235, पश्चिम बंगाल , भारत।

बी दुयारी

26-27 अप्रैल, 2013: भाग लिया और, पालमपुर, हिमाचल प्रदेश में एआईसीआरपी-खरपतवार नियंत्रण की वार्षिक समूह की बैठक में एआईसीआरपी-डब्ल्यूसी की रिसर्च हाइलाइट्स प्रस्तुत किया।

22-25 अक्टूबर, 2013: 'भाग लिया और 2020 तक खाद्य सुरक्षा के समर्थन में खरपतवार विज्ञान की भूमिका' विषय पर 24 APWSS सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत पाडजाडारार्म विश्वविद्यालय, बांडुंग, पर्ि चम जावा, इंडोनेशिया में्।

23-24 नवम्बर, 2013: भाग लिया और योजना एवं विकास, अर्थशास्त्र और राजनीति, विश्वभारती, शांतिनिक्तन विभाग के लिए एके दासगुप्ता केन्द्र द्वारा आयोजित चुनौतियां और ग्रामीण भारत में समग्र विकास की संभावनाओं पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया।

6-9 दिसम्बर, 2013: भाग लिया और एमएसएसआरएफ, वीबी, एस आर एम विश्वविद्यालय और शांति निकेतन में युवा विकास के राजीव गांधी राष्ट्रीय संस्थान, पर्ि चम बंगाल द्वारा आयोजित कभी-चौड़ा करने के बारे में सोचा और कार्रवाई में अग्रणी मन पर 5 भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस में एक पेपर प्रस्तुत किया।

फ़रवरी 01-03, 2014: भाग लिया और एसिपन विभाग, पीएसबी, विश्वभारती, श्रीनिक्तन, पर्ि चम बंगाल द्वारा आयोजित परिदृश्य को बदलने के तहत कृषि और जैव सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत किया।

जी.सी. मलिक

6-9 दिसम्बर, 2013: भाग लिया और एमएस के साथ सहयोग में विश्वभारती, भारत द्वारा आयोजित 5 वीं भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस में पेपर प्रस्तुत स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन।

18 नवंबर 2013: पटना में आईपीएनआइ द्वारा आयोजित परिशुद्धता कृषि पर एक बुद्धिशीलता कार्यशाला में भाग लिया।

24-26 फ़रवरी, 2014:। भाग लिया और जूलॉजी विभाग (कैस), शिक्षा भवन (विज्ञान संस्थान), विश्वभारती

विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पर्यावरण जीव विज्ञान और पर्यावरण मॉडलिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया, शांतिनिकेतन-731235, पि चम बंगाल , भारत।

1-3 मार्च, 2014: भाग लिया और एसिपन विभाग, पल्ली शिक्षा भवन (कृषि संस्थान), विश्वभारती विश्वविद्यालय, शांतिनिक्तन-731235, पि चम बंगाल, भारत द्वारा आयोजित परिदृश्य को बदलने में कृषि और डत्दृद्मड्ढड़द्वद्धत्द्यन्र पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में पेपर प्रस्तुत किया। ।

14-23 जनवरी 2014: भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में भाग लिया खरपतवार विज्ञान अनुसंधान, जबलपुर, मध्य प्रदेश निदेशालय द्वारा आयोजित खरपतवार प्रबंधन में हाल के अग्रिमों पर 10 दिनों के प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रायोजित।

एस.के मैती

02-11 सितम्बर, 2013: केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में आयोजित मिट्टी और जल संसाधनों के स्पटिओ लौकिक आकलन केलिए भूसांख्यिकी मॉडलिंग पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित संक्षिप्त कोर्स में भाग लिया।

1-3 फ़रवरी 2014: भाग लिया और एसिपन विभाग, पल्ली शिक्षा भवन (कृषि संस्थान), विश्वभारती,

के. प्रमाणिक

23-24 अगस्त, 2013: वित्त पोषण के लिए अवधारणाओं नोट्स के विकास की प्रक्रिया को समझने के लिए जूट और संबद्ध फाइबर प्रौद्योगिकी, कोलकाता पर रिसर्च के राष्ट्रीय संस्थान में एक दो दिन कार्यशाला में भाग लिया।

22-23 नवम्बर, 2013: भाग लिया और पर्यावरण के मुद्दों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में पेपर प्रस्तुत किया: सुरक्षा, संरक्षण एवं प्रबंधन पर्यावरण अध्ययन विभाग, विश्वभारती एवं लोक स्वास्थ्य इंजीनियर्स संस्थान, भारत, विश्वभारती, शांतिनिक्तन द्वारा आयोजित।

28-30 नवम्बर, 2013: भाग लिया और सेंट जेवियर्स कॉलेज, तमिलनाडु द्वारा आयोजित खाद्य सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और वैश्विक अर्थव्यवस्था में की भूमिका के लिए पारिस्थितिकी के अनुकूल पौध संरक्षण और उत्पादन पर 4 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत ।

6-9 दिसम्बर, 2013: भाग लिया और विश्वभारती, शांतिनिक्तन, एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन, एस आर एम विश्वविद्यालय और युवा विकास के राजीव गांधी राष्ट्रीय संस्थान द्वारा आयोजित 5 वीं भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस में पेपर प्रस्तुत किया।

फ़रवरी 01-03, 2014: भाग लिया और विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिक्तन द्वारा आयोजित परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव-सुरक्षा 'विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में पेपर प्रस्तुत किया।

18 नवंबर 2013: पटना में क्ष्घ्क्ष द्वारा आयोजित परिशुद्धता कृषि पर एक बुद्धिशीलता कार्यशाला में भाग लिया।

24-26 फ़रवरी, 2014: भाग लिया और जूलॉजी विभाग (कैस), शिक्षा भवन (विज्ञान संस्थान), विश्वभारती द्वारा आयोजित पर्यावरण जीव विज्ञान और पर्यावरण मॉडलिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया।

1-3 मार्च, 2014: भाग लिया पल्ली शिक्षा भवन (कृषि संस्थान), विश्वभारती द्वारा आयोजित परिदृश्य को बदलने में कृषि पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में पेपर प्रस्तुत किया।

5-07 मार्च, 2014: कूचबिहार 736 ने भाग लिया, और पर कृषि विज्ञान उत्तर बंग कृषि की खेती के लिए कूच बिहार एसोसिएशन द्वारा आयोजित सतत आजीविका के लिए जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन और शमन रणनीतियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत 165्।

एन सी सरकार

6-9 दिसम्बर, 2013: भाग लिया और एमएस केसाथ सहयोग में विश्वभारती, भारत द्वारा आयोजित 5 वीं भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस में पेपर प्रस्तुत स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन।

24-26 फ़रवरी, 2014: भाग लिया और जूलॉजी विभाग (कैस), शिक्षा भवन द्वारा आयोजित पर्यावरण जीव विज्ञान और पर्यावरण मॉडलिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत

1-3 मार्च, 2014: भाग लिया पल्ली शिक्षा भवन (कृषि संस्थान), विश्वभारती द्वारा आयोजित परिदृश्य को बदलने में कृषि और पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में पेपर प्रस्तुत किया।

सुचंद्रा मंडल

24-26 फ़रवरी, 2014: भाग लिया और जूलॉजी विभाग (कैस), शिक्षा भवन द्वारा आयोजित पर्यावरण जीव विज्ञान और पर्यावरण मॉडलिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया।

4- 5 मार्च 2014: भाग लिया और पोटेशियम पोषण पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में पेपर प्रस्तुत किया है और फसल की गुणवत्ता इंटरनेशनल पोटाश इंस्टीट्यूट, स्विट्जरलैंड के साथ सहयोग में बिरसा रांची, झारखंड, भारत द्वारा आयोजित रांची, भारत में आयोजित किया।

1- 3 फ़रवरी 2014: भाग लिया और विभाग, पल्ली शिक्षा भवन द्वारा आयोजित परिदृश्य को बदलने में कृषि और पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में पेपर प्रस्तुत किया।

डी पांडा

11-13 नवंबर 2013: भाग लिया और जूलॉजी, पर्यावरण विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश विभाग द्वारा आयोजित हस्तक्षेप और जलवायु परिवर्तन (सद्भाव 2013) केसंदर्भ में प्रकृति केसाथ सद्भाव पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत

15-17 नवंबर 2013: भाग लिया और जैव प्रौद्योगिकी विभाग, शिक्षा भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया।

22-23 नवंबर 2013: भाग लिया और पर्यावरण के मुद्दों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में पेपर प्रस्तुत किया: पर्यावरण अध्ययन विभाग, शिक्षा भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित संरक्षण, संरक्षण और प्रबंधन।

1-3 फ़रवरी 2014: पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन विभाग द्वारा आयोजित परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में पेपर प्रस्तुत

पी कंडासामी

1-3 फ़रवरी 2014: भाग लिया विभाग, कृषि, विश्वभारती, श्रीनिकेतन केसंस्थान में आयोजित परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव-सुरक्षा 'विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक पेपर प्रस्तुत

9 दिसंबर 2013 को 19 नवंबर: यूजीसी-ए एस सी, मद्रास, चेन्नई विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित नैनो विज्ञान (अंत:विषय) में पुन चर्या पाठ्यक्रम में भाग लिया।

सानंद मंडल

11-13 नवंबर 2013: भाग लिया हस्तक्षेप और जलवायु परिवर्तन केजूलॉजी विभाग, पर्यावरण विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित (सद्भाव 2013) केसंदर्भ में प्रकृति के साथ सद्भाव पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया।

6-9 दिसम्बर, 2013: भाग लिया और विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पर्ि चम बंगाल द्वारा आयोजित 5 वीं भारतीय

युवा विज्ञान कांग्रेस पर राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत
1-3 फ़रवरी 2014: भाग लिया और विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में पेपर प्रस्तुत किया।

के सी. स्वाईन

29-30 मार्च 2014: भाग लिया और जेएनयू, नई दिल्ली में कृषि और खाद्य, इंजीनियरिंग और पर्यावरण विज्ञान- स्थायी दृष्टिकोण पर अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस में पेपर प्रस्तुत
1-3 फ़रवरी 2014: भाग लिया और पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन, बीरभूम, पचिम बंगाल में बदलते परिदृश्य में कृषि और जैव सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में पेपर प्रस्तुत किया।
6-9 दिसंबर 2013: भाग लिया और विश्वभारती, बीरभूम, पचिम बंगाल में आयोजित 5 वीं भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस में पेपर प्रस्तुत किया।

चल रहे अनुसंधान परियोजनाओं

बी दुआरी

1. टीचर की आई नामः डॉ बी दुआरी
2. प्रोजेक्ट का नामः खरपतवार नियंत्रण पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान कार्यक्रम (आईसीएआर)
3. प्रायोजन एजेंसियां: कृषि अनुसंधान, नई दिल्ली के भारतीय परिषद
4. राशि मंजूरः रुपये के बारे में्। 34.4 लाख
5. दीर्घकालिक परियोजना, 1986 के बाद से जारी रखने के लिए: परियोजना के वी अवधि।

1 टीचर की आई नामः डॉ बी दुआारी
2 प्रोजेक्ट का नामः बीबीटीआर परियोजना
3 प्रायोजन एजेंसियां: क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली
4.राशि मंजूरः रुपये। 5.28 लाख रुपए
5. परियोजना के वी अवधिः दो साल

1. टीचर की आई नामः डॉ बी दुआरी
2. प्रोजेक्ट का नामः ऐपीजे परियोजना
3. प्रायोजन एजेंसियां: मकतेसिन अगेन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, हैदराबाद, एपी
4. राशि मंजूरः रुपये। 1.98 लाख रुपए
5.परियोजना के वी अवधिः दो साल

जी सी मलिक

1.टीचर की आई नामः डॉ जीसी मलिक और डॉ एम बनर्जी (पीआईएस)
2. प्रोजेक्ट का नामः पूर्वी भारत के प्रमुख अनाज प्रणालियों के पोषक तत्व अनुकूलन और यील्ड गहनता
3. प्रायोजन एजेंसियां: अंतर्राष्ट्रीय संयंत्र पोषण संस्थान
4. राशि मंजूरः रुपये। 3.96 लाख रुपए
5. परियोजना की अवधिः 3 वर्षों (सशर्त)

1. टीचर की आई नामः डॉ जीसी मलिक (पीआई) और डॉ एम बनर्जी और पी मंडल (सह-पीआईएस)
2. परियोजना का नामः जैव प्रभावकारिता और विभिन्न मातम और कीट परिदृश्य केखिलाफ विभिन्न फसलों में कुछ
3. प्रायोजन एजेंसियांः बायर क्रॉप साइंस लिमिटेड
4. राशि मंजूरः रुपये। 3.48 लाख रुपए
5. परियोजना केवी अवधिः दो सत्रों

1. टीचर की आई नामः डॉ जीसी मलिक (पीआई) और डॉ एम बनर्जी (सह पीआई)
2. परियोजना का नामः प्रो-गिब की जैव प्रभावकारिता अध्ययन चावल में 40 डब्ल्यूएसजी
3 प्रायोजन एजेंसियांः सुमितमो केमिकल इंडिया लिमिटेड
4. राशि मंजूरः रुपये। 1.21 लाख रुपए
5. परियोजना केवी अवधिः दो सत्रों

1. टीचर की आई नामः डॉ जीसी मलिक, पी मंडल और एमकेबिस्वास (सह-पीआईएस)
2. परियोजना का नामः विभिन्न मातम और कीट परिदृश्य केखिलाफ विभिन्न फसलों में कुछ ण्ड्ढद्धडत्ड़त्ड्डन्न और कीटनाशकों केजैव प्रभावकारिता और फाइटो-विषाक्तता मूल्यांकन
3. प्रायोजन एजेंसियांः सैंगिटा इंडिया लिमिटेड
4. राशि मंजूरः रुपये। 8.2 लाख
5. परियोजना केवी अवधिः दो सत्रों

डॉ के प्रमाणिक

1. टीचर की आई नामः डॉ के. प्रमाणिक (सह पीआई)
2.प्रोजेक्ट का नामः भूमि की उत्पादकता में सुधार केलिए पर्ि चम बंगाल में सिस्टम चावल गहनता (एसआरआई) केविभिन्न कृषि-पारिस्थितिकी प्रणालियों में मिट्टी जीवों की विविधता और गतिविधि केमाध्यम से
3. प्रायोजन एजेंसियांः श्री दोराबजी टाटा ट्रस्ट, मुंबई
4. राशि मंजूरः रुपये। 0.64 लाख रुपए
5. परियोजना केवी अवधिः दो सत्रों

एम बनर्जी

1. टीचर की आई नामः डॉ एम बनर्जी
2. प्रोजेक्ट का नामः विभिन्न फसलों पर समुद्री शैवाल की उर्वरक क्षमता केमूल्यांकन
3. केंद्रीय नमक और समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान, भावनगर, गुजरातः एजेंसियां प्रायोजन
4. राशि मंजूरः रुपये। 8.52 लाख रुपए
5. परियोजना की अवधिः तीन वर्ष (सशर्त)

विस्तार गतिविधियोंः

एस.के पाइन

आरकेभीके पीएसबी, विश्वभारती केसाथ जुड़े और भाग कार्यक्रम।
एयरः हरा चारा 2013- मई डेयरी फार्मिंग केलिए अनिवार्य है। बदलते हुए मौसम में मार्च 2014- कृषि दूरदर्शनः जून 2013- हरा चारा व डेयरी पशुओं केलिए गैर पारंपरिक आहार की।

जलवायु और जैव-सुरक्षा को बदलने में मार्च 2014- कृषि।
सामाजिक गतिविधियां:
रोटरी इंटरनेशनल के सदस्य। पूर्व अध्यक्ष, आर.सी. विस्वभारती- शांतिनिक्तन
सरकार की पानी भूमिगत जल स्तर के लिए फिर से चार्ज की एक परियोजना के साथ जुड़े। भारत की।
रोटरी इंटरनेशनल के तहत ग्रामीणों के लिए 5 जल और स्वच्छता परियोजना के पूरा हो।

ए.के बरिक

शांति निक्तन दुरदर्शन, बीरभूम में एक टेलीविजन कार्यक्रम में, 2013/09/02 पर जल्दी आलू की खेती का प्रबंधन 'विषय पर एक व्याख्यान दिया।
शांति निक्तन आकाशवाणी, बीरभूम में एक लाइव रेडियो कार्यक्रम में, 2013/11/16 पर गेहूं की खेती की तकनीक 'विषय पर एक व्याख्यान दिया।

बी दुआरी

आदि वितरित / कार्यशाला का आयोजन व्याख्यान .:

8 मई 2013: कोलकाता में टाटा केमिकल्स द्वारा आयोजित शासित प्रदेश कार्यकारी अधिकारियों की तकनीकी प्रशिक्षण में एक विशेषज्ञ के रूप में खरीफ धान, जूट और सब्जियों में खरपतवार की समस्या और प्रबंधन 'पर दिया प्रशिक्षण और दिया व्याख्यान।
16 अगस्त 2013: संपादक हैं जागरूकता सप्ताह 2013 के अवसर पर कृषि, विश्वभारती संस्थान के परिसर में संपादक हैं पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित।
18 अगस्त 2013: संपादक हैं जागरूकता सप्ताह 2013 के अवसर पर बोलपुर, के मार्ग में संपादक हैं पर संगठित जागरूकता कार्यक्रम।
19 अगस्त 2013: संपादक हैं जागरूकता सप्ताह 2013 के अवसर पर बोलपुर, के मार्ग में संपादक हैं पर संगठित जागरूकता कार्यक्रम,।
11-12 सितंबर 2013: अधिकारियों में 2013/12/09 पर खरपतवार तिलहन, दालों में प्रबंधन और मक्का पर दिया प्रशिक्षण और दिया व्याख्यान / कृषि के सहायक निदेशक (प्रशासन), आईएसपीओईन द्वारा आयोजित_तहत एक्सटेंशन कार्यकर्ता प्रशिक्षण बैठक।
18 मार्च 2014: मिश्रित और अंतरासस्यन पर दिया व्याख्यान - अंतरासस्यन और ग्रामीण विकास ट्रस्ट के वाडी सदस्यों के लिए सब्जी की खेती, कृषि संस्थान, विश्वभारती द्वारा आयोजित आयोजित पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में छोटे और सीमांत किसानों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए्।

टीवी कार्यक्रम

29 जुलाई 2013 रिकॉर्डिंग और प्रसारण द्वारा धान में खरपतवार प्रबंधन 'विषय पर एक कार्यक्रम। प्रसारण 09.08 की तिथि। 2013 और 2013/08/19्।
25 मार्च 2014 रिकॉर्डिंग और प्रसारण द्वारा गर्मियों में फसलों में खरपतवार की समस्या और प्रबंधन 'विषय पर एक कार्यक्रम।

रेडियो कार्यक्रम:

29 जून 2013 रिकॉर्डिंग और खरीफ के मौसम और उनके प्रबंधन के मातम पर एक लाइव कार्यक्रम का प्रसारण।
20 अगस्त 2013 रिकॉर्डिंग और संपादक हैं जागरूकता कार्यक्रम (2013/08/22 पर प्रसारण) पर एक

इंटरैक्टिव कार्यक्रम का प्रसारण।
8 मार्च 2014 रिकॉर्डिंग और 'गर्मी के मौसम और उनके प्रबंधन के मातम' पर एक लाइव कार्यक्रम का प्रसारण।

जी सी मलिक
27 अक्टूबर 2013 को दूरदर्शन, शांतिनिकेतन के लिए आलू की बेहतर प्रथाओं पर एक चर्चा में भाग लिया
26 जून 2013 एफएम रेडियो, शांति निकेतन के किसान बानी कार्यक्रम के लिए आकस्मिक फसल योजना बना पर एक चर्चा में भाग लिया
28 दिसंबर 2013 एफएम रेडियो, शांति निकेतन के किसान बानी कार्यक्रम के लिए 'आलू की खेती पर एक चर्चा में भाग लिया।
अन्य
27 सितंबर 2013 रथीन्द्र कृषि विज्ञान केन्द्र, पीएसबी, विश्वभारती, श्रीनिकेतन, बीरभूम द्वारा आयोजित रबी फसलों में समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन पर जमीनी स्तर विस्तार कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में काम किया।
एस.के. माईति
13 अगस्त 2013 के कृषि उप निदेशक के कार्यालय द्वारा आयोजित प्रशिक्षण हॉल सैफ, सूरी में वर्ष 2012-13 के लिए आइएसओपीओएम के तहत अधिकारी / विस्तार कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण कार्यक्रम की बैठक में तिलहन फसलों के लिए प्रथाओं का पैकेज पर एक व्याख्यान दिया (प्रशा।), बीरभूम।
कृषि च्द्धत्ठ्ठदत्दढ़ केंद्र रामकृष्ण मिशन आश्रम, नरेन्द्रपुर , कोलकाता द्वारा आयोजित बोलपुर-श्रीनिकेतन ब्लॉक की कमलकान्तपुर भिलेज में एक किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम में जैविक खेती 'पर एक व्याख्यान दिया।
6 फ़रवरी 2014 कामारपुकुर रामकृष्ण मिशन द्वारा आयोजित मुख्य अतिथि के रूप में कृषि मेला में एक व्याख्यान दिया।
आकाशवाणी किसान वाणी कार्यक्रम प्रसारण में मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन पर 11 मार्च 2014 रेडियो वार्ता।
अप्रैल 2013 30, 8 जुलाई 2013 और पैकेज और मक्का की खेती की प्रथाओं पर 29 अक्टूबर 2013 वितरित वार्ता, प्रत्यक्ष वरीयता प्राप्त चावल की खेती, क्रमशः दरवाजा दर्शन कृषि दर्शन कार्यक्रम प्रसारण में वर्षा सिंचित चावल के क्षेत्र में रबी फसलों।
के. प्रमाणिक
व्याख्यान दिया
27 सितंबर 2013 रथीन्द्र कृषि विज्ञान केन्द्र, पीएसबी, विश्वभारती, श्रीनिकेतन, बीरभूम द्वारा आयोजित रबी फसलों में समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन पर जमीनी स्तर विस्तार कार्यकर्ताओं के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में सरसों में समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन पर एक व्याख्यान दिया।
12 मार्च 2014 और में आयोजित आसनसोल बर्दवान सेवा केन्द्र द्वारा आयोजित छोटे और सीमांत आदिवासी किसानों के लिए वर्षा आधारित क्षेत्र में पर मृदा और जल संरक्षण विशेष जोर देने पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में दो व्याख्यान दिया।
26 मई 2014 जल संरक्षण और वर्षा सिंचित में विशेष रूप से इसके उपयोग और शुष्क क्षेत्रों और एफएम रेडियो, शांति निकेतन और प्रसारण के किसान वाणी कार्यक्रम के लिए पलवार प्रक्रिया का उपयोग कर वर्षा आधारित क्षेत्र में पैदावार बढ़ाने के लिए कुछ तरीकों पर एक बात वितरित किया गया।
एम बनर्जी
टीवी कार्यक्रम
दूरदर्शन, शांतिनिकेतन के लिए जूट की बेहतर प्रथाओं पर एक चर्चा में भाग लिया।

दूरदर्शन, शांतिनिक्तन केलिए करेला की बेहतर प्रथाओं पर एक चर्चा में भाग लिया। दूरदर्शन, शांतिनिक्तन केलिए मीठा आलू की बेहतर प्रथाओं पर एक चर्चा में भाग लिया।

दूरदर्शन, शांतिनिक्तन केलिए की बेहतर प्रथाओं पर एक चर्चा में भाग लिया।

रेडियो कार्यक्रम

एफएम रेडियो, शांति निक्तन केकिसान बानी कार्यक्रम केलिए पर एक चर्चा में भाग लिया

एफएम रेडियो, शांति निक्तन केकिसान बानी कार्यक्रम केलिए मक्का की खेती पर एक चर्चा में भाग लिया।

एफएम रेडियो, शांति निक्तन केकिसान बानी कार्यक्रम केलिए 'आलू की खेती पर कार्यक्रम में एक लाइव फोन में भाग लिया।

एफएम रेडियो, शांति निक्तन केकिसान बानी कार्यक्रम केलिए दाल चास पर एक चर्चा में भाग लिया।

27 सितंबर 2013 रथीन्द्र कृषि विज्ञान केन्द्र, पीएसबी, विश्वभारती, श्रीनिक्तन, बीरभूम द्वारा आयोजित रबी फसलों में समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन पर जमीनी स्तर विस्तार कार्यकर्ताओं केलिए प्रशिक्षण कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में काम किया।

एन सी सरकार

सीएसआरएसजेएएफपर बीज पर एक दिवसीय प्रशिक्षण-सह-कार्यशाला में 29 नवंबर 2013 संसाधन व्यक्ति, बड आईसीएआर बीज परियोजना केतहत बड।

शैक्षणिक भेदः

एस.के पाइन

फ़रवरी 2014 1-3 एसिपन विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिक्तन द्वारा आयोजित परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव-सुरक्षा 'विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन समिति केअध्यक्ष केरूप में काम किया। परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव-सुरक्षा 'विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का सार केसंपादकीय बोर्ड केसदस्य केरूप में काम किया एसिपन विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिक्तन द्वारा आयोजित। एसीपन विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिक्तन द्वारा आयोजित परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव-सुरक्षा 'विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का एक तकनीकी (पशुओं और मिश्रित खेती) की अध्यक्षता की। एसीपन विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिक्तन द्वारा आयोजित परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव-सुरक्षा 'विषय पर किसानों को वैज्ञानिक मिलो राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता की।

21-30 जुलाई, 2013 पशु विज्ञान एवं डेयरी साइंस लास वेगास, संयुक्त राज्य अमेरिका पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केएक सत्र ट्रैक 3 व 4 पशु प्रजनन एवं जेनेटिक्स और पशु जैव प्रौद्योगिकी केलिए सह अध्यक्ष केरूप में काम किया।

ए.के बरिक

फ़रवरी 2014 1-3 एसीपन विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिक्तन, पि चम बंगाल द्वारा आयोजित परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव सुरक्षा 'विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी केसचिव केआयोजन केरूप में काम किया।

16-17 जनवरी, 2014 पीएसबी समुदाय हॉल में यूजी छात्रों केलिए एफएआई द्वारा एक अभिविन्यास कार्यक्रम के आयोजन केलिए समन्वयक केरूप में काम किया।

शोध कार्य की देखरेख केलिए एक एमएससी (एजी)। अग्रोनोमी छात्र।

राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध पत्र की समीक्षा केलिए रेफरी केरूप में अभिनय।

कृषि सलाहकार, कृषि फार्म, पीएसबी, वीबी, श्रीनिक्तन केरूप में अभिनय।

पेपर सेटर और ओ यू ए टी, भुवनेश्वर, ओडिशा द्वारा नियुक्त कृषि केविभिन्न पाठ्यक्रमों में मूल्यांकनकर्ता रूप में काम किया; बीएयू, रांची, झारखंड, कूचबिहार, पि चम बंगाल और मोहनपुर, पश्चिम बंगाल

वाइस प्रिंसिपल केरूप में अभिनय, पल्ली शिक्षा भवन, श्रीनिक्तन,

कृषि विज्ञान इंडियन सोसायटी, नई दिल्ली के आजीवन सदस्य।
चारा फसलों की भारतीय समाज, हिसार के आजीवन सदस्य।
भारत की धरती जीवविज्ञान की सोसायटी और पारिस्थितिकीय, यूएएस, बंगलौर के आजीवन सदस्य।

बी.के सोरेन

ए एस आर बी, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा तकनीकी पदों की पदोन्नति के लिए मूल्यांकन समिति की बाहरी विशेषज्ञ सदस्य के रूप में मनोनीत (दो साल के लिए)।
चयन समिति और न्यायाधीश के सदस्य, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के रूप में काम
कृषि विज्ञान इंडियन सोसाइटी के आजीवन सदस्य, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
फसल का आजीवन सदस्य और खरपतवार विज्ञान सोसायटी, एक्स्ज्ञ, नादिया, पर्ि चम बंगाल
1-3 फ़रवरी 2014 विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव-सुरक्षा 'विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में कोषाध्यक्ष के रूप में काम किया।

बी दुआरी

पर्ि चम बंगाल (2008 -2013) से खरपतवार भारतीय विज्ञान सोसायटी के पार्षद्।
कृषि विज्ञान इंडियन जर्नल, खरपतवार भारतीय विज्ञान जर्नल, आदि फसल और घास के जर्नल के रेफरी
फसल की कार्यकारी समिति के सदस्य और खरपतवार विज्ञान सोसायटी।
के आजीवन सदस्य
अंतर्राष्ट्रीय खरपतवार विज्ञान सोसायटी
कृषि विज्ञान के भारतीय समाज
खरपतवार विज्ञान के भारतीय समाज
कृषि विज्ञान भारतीय समाज
फसल और खरपतवार विज्ञान सोसायटी
भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन।
पार्षद अग्रोनोमी भारतीय समाज की (पर्ि चम बंगाल) (2011-13)।
सदस्य, खरपतवार विज्ञान इंडियन जर्नल के संपादकीय बोर्ड।
कृषि विज्ञान, एसीपन, पीएसबी विभाग के पीजी समन्वयक।

जी सी मलिक

राष्ट्रीय स्तर के कृषि विज्ञान के पांच पेशेवर समाज के आजीवन सदस्य।
पीएचडी। डी समन्वयक के रूप में कार्य
डिप्टी प्रॉक्टर, श्रीनिकेतन के रूप में अभिनय
फ़रवरी 2014 1-3 एसीपन पलली शिक्षा भवन विभाग (कृषि संस्थान) द्वारा आयोजित परिदृश्य को बदलने में कृषि और पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में संयुक्त आयोजन सचिव के रूप में काम किया है, विश्वभारती विश्वविद्यालय।, शांति निकेतन-731235, डब्ल्यू बंगाल।

एस.के माईती

कृषि विज्ञान इंडियन सोसाइटी के आजीवन सदस्य, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
भारत, नई दिल्ली के फर्टिलाइजर एसोसिएशन के तकनीकी और एसोसिएट पेशेवर सदस्य

के. प्रमाणिक

कृषि विज्ञान इंडियन सोसाइटी के आजीवन सदस्य, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली
फसल का आजीवन सदस्य और खरपतवार विज्ञान सोसायटी, नादिया, पर्ि चम बंगाल
जीवन मिट्टी जीवविज्ञान इंडियन सोसाइटी के सदस्य और पारिस्थितिकीय, बेंगलुरू

फसल और खरपतवार विज्ञान सोसायटी, कृषि विज्ञान विभाग, कृषि, मोहनपुर, पश्चिम बंगाल, भारत के संकाय द्वारा राज्य क्षेत्र में स्थायी कृषि के विकास की दिशा में उत्कृष्ट योगदान के लिए युवा वैज्ञानिक पुरस्कार 2013 'से सम्मानित किया।

पर्यावरण अध्ययन विभाग, विश्वभारती एवं लोक स्वास्थ्य इंजीनियर्स संस्थान, भारत, विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजित संरक्षण, संरक्षण एवं प्रबंधनः नवंबर 2013 22-23 पर्यावरण के मुद्दों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक तकनीकी सत्र के अध्यक्ष के रूप में काम किया।

दिसंबर 2013 6-9 विश्वभारती, शांतिनिकेतन, एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन, एस आर एम विश्वविद्यालय और युवा विकास के राजीव गांधी राष्ट्रीय संस्थान द्वारा आयोजित 5 वीं भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस के लिए आयोजन समिति के सदस्य के रूप में काम किया।

फ़रवरी 2014 1-3 एसीपन विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव-सुरक्षा 'विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में संयुक्त आयोजन सचिव के रूप में काम किया।

फ़रवरी 2014 1-3 एसीपन विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव-सुरक्षा 'विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक तकनीकी सत्र-एक के सह अध्यक्ष के रूप में काम किया। परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव-सुरक्षा 'विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एब्सट्रैक्ट के मुख्य संपादक के रूप में काम एसीपन विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित।

बीएससी के बाहर जाने वाले छात्रों के लिए कृषि विज्ञान पर कोचिंग कक्षाओं का आयोजन। (एजी)। ऑनर्स। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के लिए 2013-14 के-आठवीं जेआरएफ परीक्षा-2014 का आयोजन किया।

एम बनर्जी

एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी के रूप में अभिनय।

1-3 फ़रवरी 2014 एसीपन विभाग, पल्ली शिक्षा भवन (कृषि संस्थान), विश्वभारती विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित परिदृश्य को बदलने में कृषि और पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के पोस्टर सत्र में दूत के रूप में काम किया।, शांति निकेतन-731235, पश्चिम बंगाल । एसीपन विभाग, पल्ली शिक्षा भवन (कृषि संस्थान), विश्वभारती द्वारा आयोजित बदलते परिदृश्य में कृषि और पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में थीम 1 (फसल विविधीकरण, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और संरक्षण कृषि) के- 2 में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति प्राप्त भारती विश्वविद्यालय।, शांति निकेतन-731235।

एन सी सरकार

इंटरनेशनल जर्नल, पुष्पा पब्लिशिंग हाउस, कोलकाता द्वारा प्रकाशित जैव संसाधन और तनाव प्रबंधन के इंटरनेशनल जर्नल के संपादक प्रिंट और ऑनलाइन 0976-3988 एवं 0976-4038। वर्तमान रेटिंग 4.46। डीओआई 10.5958 /.0976-4038

केसी. स्वेन

कृषि इंजीनियर्स एशियाई एसोसिएशन की आजीवन सदस्यता।

के अमेरिकन सोसायटी और कृषि इंजीनियर्स के सदस्य।

पल्ली शिक्षा भवन, विश्व भारती में आयोजित बदलते परिदृश्य में कृषि और पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में के रूप में 1-3 फ़रवरी 2014 कार्य।

6 सितंबर - शिक्षाविदों स्टाफ कॉलेज, बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान में 3 अक्टूबर 2013 को सफलतापूर्वक पूरा कर 92 उन्मुखीकरण कार्यक्रम।

प्रकाशनः

एस.के पाइन

टुडु एन.के, पाइन, एस.के और घोष, एन पश्चिम बंगाल में बकरी रखने प्रथाओं के (2014) जनसांख्यिकीय प्रोफाइल और प्रबंधन के तरीकों। वॉल-18।

1-3 फरवरी 2014 एन.के, पाइन, एस.के और घोष, बंगाल बकरियों के तीन रंग किस्मों के बॉयोमीट्रिक्स पर एन 2014 तुलनात्मक अध्ययन। सा। परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव-सुरक्षा 'विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी एसीपन विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन, गु-6 द्वारा आयोजितः 5।

जी के घोष

परितोष पात्रा, बिप्लब कुमार पति, गौतम कुमार घोष, एस एस और ए साहा (2013)। एक ठेठ लैटरिटिक मिट्टी में विकास, उपज और हाइब्रिड सूरजमुखी के तेल की सामग्री (हेलियनथस अन्नुस। एल) पर और सल्फर का प्रभाव। 2: 603 : 10.4172 / वैज्ञानिक रिपोर्ट .603्। पीपी 1-5

ए.के बरिक

मोहंती, एम; नंदा, एस.एस. और बारिक, ए.के 599-604: ओडिशा, कृषि विज्ञान 83 इंडियन जर्नल (6) में वृद्धि, उपज, पोषक तत्व तेज और गीला मौसम चावल (ओराय्ज़ा सैटिवा) के अर्थशास्त्र पर एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन के 2013 प्रभाव।

बेरा, आर, दत्ता, ए, बोस, एस, दोलुई, एके चटर्जी, ए, डे, जीसी, बारिक, एके सरकार, आरके मजूमदार, डी और सील, खाद की ए 2013 तुलनात्मक मूल्यांकन 11/01: अलग खाद विधियों के तहत गुणवत्ता, प्रक्रिया सुविधा और लागत उनके बड़े पैमाने पर भी खाद गुणवत्ता सूचकांक, वैज्ञानिक इंटरनेशनल जर्नल और अनुसंधान प्रकाशन 3 (6) से पूरित क्षमता का आकलन करने के लिए।

मोहंती, एम, बारिक, ए.के और नंदा, एसएस 2013 ओडिशा के अपलैंड लैटरिटिक मिट्टी में एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन के माध्यम से चावल-आलू फसल प्रणाली की उत्पादकता और लाभप्रदता बढ़ाया कायम रखना। कृषि के इंटरनेशनल जर्नल और सांख्यिकीय विज्ञान 9 (1): 293-302।

अलीम, एम.ए., नंदा, एस.एस., पात्रो, और बारिक, ए.के 2013 प्रणाली उत्पादकता, तेज, उपयोग पर विभिन्न चावल आधारित फसल प्रणाली का प्रभाव और चावल 50 (1) पर एन, पी और के-एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल की दक्षता का उपयोग करें: 58-64।

बी.के सोरेन

सुदेष्णा कार और बी.के सोरेन। सर्दियों नाइजर के विकास और उत्पादकता पर पलवार और बोरान की 2013 प्रभाव रामतिल (वामो) हमारी। 17 के जर्नल (4): 657-662।

एज्क्र प्रसाद, एस, चक्रवर्ती, बीके सोरेन और डी फ्रेंच बीन की फली उपज और उपज विशेषताओं पर का प्रभाव । जीवन विज्ञान जर्नल, 1 (1): 328-330्।

6-9 दिसंबर 2013 हेम्ब्रम में, माझी और बीके .2013। एसआरआई तकनीक के तहत गर्मियों चावल (ओराय्ज़ा सैटिवा एल) के विकास और उत्पादकता पर फसल ज्यामिति, अंकुर संख्या और पानी शासन का प्रभाव। सारः विश्वभारती, शांतिनिकेतन, एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन, एस आर एम विश्वविद्यालय और युवा विकास के राजीव गांधी राष्ट्रीय संस्थान, 16द्रद्र द्वारा आयोजित 5 वीं भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस। कार, लीना हलदर और बी .2013्। नाइजर-एक भारत की वर्षा आधारित शर्त के तहत जादुई तिलहन फसल। सारः विश्वभारती, शांतिनिकेतन, एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन, एस आर एम विश्वविद्यालय और युवा विकास के राजीव गांधी राष्ट्रीय संस्थान, 21द्रद्र द्वारा आयोजित 5 वीं भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस।

28-30 नवंबर 2013 लालकृष्ण बेरा, लालकृष्ण प्रमाणिक, एस डे, एस मुखर्जी और बीके। उपज मापदंडों और चना वर्षा आधारित शर्त के तहत (एल) की उपज पर रोगाणुओं और की 2013.। सेंट जेवियर्स कॉलेज,, तमिलनाडु, 105द्रद्र द्वारा आयोजित खाद्य सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और वैश्विक अर्थव्यवस्था में की भूमिका के लिए पारिस्थितिकी के अनुकूल पौध संरक्षण और उत्पादन 4 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

वी.जी. प्रसाद, एस, चक्रवर्ती, बीके सोरेन और डी पाण्डा 2014। फ्रेंच बीन की फली उपज और उपज विशेषताओं पर का प्रभाव एल)। सारः वैश्विक संकट और भारत, पीपी 43, आई-978-81-908302-6-3 के पूर्वोत्तर क्षेत्र में

पर्यावरण शासन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

फसल ज्यामिति, पानी शासन और पहाड़ी प्रति अंकुर की संख्या से प्रभावित केरूप में उपज विशेषताओं और गर्मियों चावल (ओराय्ज़ा सैटिवा) की उपज पर 1-3 फ़रवरी 2014 हेम्ब्रम में,

माझी और बीके। सा। परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव-सुरक्षा 'विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी एसीपन विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन, 34 द्वारा आयोजित।

बी दुयारी

पुस्तक अध्याय:

भौमिक, एम के, दुयारी, बी और बिस्वास, पी (2013)। प.बंगाल केचावल- में (लतरी एल) की खेती को बढ़ावा देना। में: भारत की उभरती हुई अर्थव्यवस्था में आर्थिक विकास और विविधीकरण, एड के कुछ अनुभवजन्य पहलुओं्। चट्टोपाध्याय, पी, नई दिल्ली प्रकाशक, 367-73।

शोध पत्र

बी और घोष, ए.के (2013)। तोरिया पर नाइट्रोजन और डीएपी केपत्ते का स्प्रे केविभिन्न स्तरों का प्रभाव चावल-तोरिया फसल प्रणाली में फसल केरूप में उगाया। जैव संसाधन और तनाव प्रबंधन, चार इंटरनेशनल जर्नल (1): 029-032्।

ए.के घोष, बी दुयारी और डी सी घोष (2013)। ग्रीष्मकालीन तिल (तिल कुल्फा एल) और काला चना पर अपने अवशिष्ट प्रभाव (विग्ना मुंगो एल) में पोषक तत्व प्रबंधन। जैव संसाधन और तनाव प्रबंधन, चार इंटरनेशनल जर्नल (4): 542-547्।

दुयारी, बी, घोष, एकेऔर भौमिक, एमके(2013)। पीले सरसों पर नाइट्रोजन और पत्ते पोषण केविभिन्न स्तरों केप्रभाव चावल-पीले सरसों फसल प्रणाली में फसल केरूप में उगाया। 17 केजर्नल (4): 785-789्।

मंडल, एम.के, दुयारी, बी। और डी, जी सी (2013)। बासमती चावल का घास विकास और उत्पादकता पर फसल स्थापना और खरपतवार प्रबंधन केतरीकों का प्रभाव। खरपतवार विज्ञान, 45 इंडियन जर्नल (3): 166-170्।

दुयारी, बी और हाजरा, डी (2013)। तिल में फसल खरपतवार प्रतियोगिता की महत्वपूर्ण अवधि का निर्धारण। खरपतवार विज्ञान 45 इंडियन जर्नल (4): 253-256, 2013

दुयारी, बी (2014)। फसलों की गुणवत्ता केबीज उत्पादन केलिए खरपतवार की रोकथाम। स्वस्तिका मुखोपाध्याय-वार्षिक तकनीकी मुद्दा, 18: 48-57्। (आमंत्रित)। आईएसएसएन 0971-975।

भौमिक, एमके, साधुखान, आर, दुयारी, बी, बिस्वास, पी, रक्षित, ए और अधिकारी बी (2014)। प.बंगाल में के उच्च बीज उपज प्राप्त करने केलिए ज्यामितीय पढ़ाई को काटे। स्वस्तिक मुखोपाध्याय वार्षिक तकनीकी मुद्दा, 18: 111-116्।)। आईएसएसएन 0971-975।

चक्रवर्ती, एन आर और दुयारी, बी (2014)। भारत केप. बंगाल केबीरभूम जिले में स्थानीय लोगों द्वारा दवा के रूप में कुछ मातम का उपयोग। जैव संसाधन और तनाव प्रबंधन, 5 इंटरनेशनल जर्नल (1): 148-152 डीओआई: 10 5958 / ड़.0976-4038.5.1.029्।

दुयारी, बी और मुखर्जी, ए (2013)। वितरण गीला मौसम केप्रमुख मातम का पैटर्न और भारत केपा चम बंगाल में उनकेप्रबंधन। में: कार्यवाही 24 एशियाई प्रशांत खरपतवार विज्ञान सोसायटी सम्मेलन, 22-25 अक्टूबर, 2013, बांडुंग, इंडोनेशिया (ISBN संख्या: 978-602-96519-2-8)।, पीपी 191-199्। (पूरा पेपर)।

मलिक, एस और दुयारी, बी । (2013)। मूंगफली का रासायनिक खरपतवार प्रबंधन और पा चम बंगाल, भारत की लैटरिटिक मिट्टी केनीचे पीले सरसों सफल होने पर अपने अवशिष्ट प्रभाव। में: कार्यवाही 24 एशियाई प्रशांत खरपतवार विज्ञान सोसायटी सम्मेलन, 22-25 अक्टूबर, 2013, बांडुंग, इंडोनेशिया (ISBN संख्या: 978-602-96519-2-8)।, पीपी 587-592्। (पूरा पेपर)।

दिसम्बर 06-09, 2013 मुखर्जी, ए और दुयारी, बी (2013)। पतला चावल का प्रबंधन - प. बंगाल में धान की खेती का एक संभावित खतरा। में: 5 भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस की कार्यवाही शांतिनिकेतन पी में आयोजित किया। 44्।

अन्य

दिसम्बर 06-09, 2013 भौमिक, एमके, धारा, एम सी, सिंह, एस, दुयारी, बी और बिस्वास, पी (2013)। पिचम बंगाल के जलमग्न होने का खतरा क्षेत्रों में अस्तित्व और उप एक चावल किस्म की उत्पादकता बढ़ाने। में: 5 भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस की कार्यवाही शांतिनिकेतन पी में आयोजित किया। 115. दलाल, एस और दुयारी, बी (2013)। खरपतवार प्रबंधन की प्रभावी का मतलब है - जैविक संसाधनों के रूप में मातम का उपयोग। में: 5 भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस की कार्यवाही शांति निकेतन, पी में आयोजित की। 203्।

फ़रवरी 01-03, 2014 दुयारी, बी, हुसैन, ए और मंडल डीसी (2014)। पिचम बंगाल के लैटरिटिक मिट्टी के नीचे प्रतिरोपित चावल में जटिल खरपतवार वनस्पतियों के नियंत्रण के लिए शाक संयोजन। परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही में्। विभाग द्वारा आयोजित। एसिपनपीएसबी, विश्वभारती, श्रीनिकेतन, पी के। 37. हाजरा, डी, दुयारी, बी और दलाल, एस (2014)। परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही: में मातम की विभिन्न श्रेणियों के उद्भव प्रोफ़ाइल एसिपन विभाग, पीएसबी, विश्वभारती, श्रीनिकेतन, पी द्वारा आयोजित। 23. मलिक, एस, दुयारी, बी और दलाल, एस (2014)। पर्यावरण के लिए एक आशा परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही में्। विभाग द्वारा आयोजित। एसिपन पीएसबी, विश्वभारती, श्रीनिकेतन की। गु। 5 5्। भौमिक, एमके, धारा, एम सी, दुयारी, बी और बिस्वास, पी (2014)। साथ और गर्मियों के चावल में विभिन्न प्रकार की फसलों के स्थापना विधियों के तहत मिट्टी कंडीशनर के बिना पोषक तत्व प्रबंधन। परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही में्। विभाग द्वारा आयोजित। एसिपन, पीएसबी, विश्वभारती, श्रीनिकेतन, 11 की।

15-17 फ़रवरी 2014 एम सी धारा, मलय कुमार भौमिक और दुयारी, बी (2014)। प्रतिरोपित चावल में खरपतवार प्रबंधन के लिए जैव प्रभावकारिता। विस्तारित सारांश। खरपतवार प्रबंधन में उभरती चुनौतियों 'पर खरपतवार भारतीय विज्ञान सोसायटी के द्विवार्षिक सम्मेलन, खरपतवार विज्ञान अनुसंधान (आईसीएआर), जबलपुर, मध्य प्रदेश, भारत निदेशालय। पीपी। 114्।

20-21 फ़रवरी, 2014 मलय कुमार भौमिक, एम.सी. धारा, दुयारी बी, एस साहा और पी.के बिस्वास (2014)। चावल गहनता की प्रणाली के तहत चावल उत्पादकता पर अंकुर उम्र और खरपतवार प्रबंधन का प्रभाव। अनुसंधान दस्तावेज के सार। 21 वीं पिचम बंगाल राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी कांग्रेस, बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान, पिचम बंगाल। पीपी। 20्।

20-21 फ़रवरी 2014 एमके भौमिक, ए बिस्वास, बी दुयारी और पी के बिस्वास (2014)। एकीकृत खरपतवार प्रबंधन के लिए एक आशाजनक उपकरण। एब्सट्रैक्ट्। पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 21 वीं सदी में कवक और रोगाणुओं की भूमिका - एक वैश्विक परिदृश्य, साइंस सिटी, कोलकाता, पिचम बंगाल में भारतीय सोसायटी, वनस्पति विज्ञान, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता विभाग द्वारा आयोजित। पीपी। 94-95्।

24-26 फ़रवरी 2014 मलय कुमार भौमिक, एम सी धारा, आरके घोष और बी दुयारी (2014)। पिचम बंगाल में चावल गहनता की प्रणाली के तहत खरपतवार प्रबंधन के माध्यम से उत्पादकता में सुधा। कार्यक्रम और एब्सट्रैक्ट्। पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पर्यावरण जीव विज्ञान और पर्यावरण मॉडलिंग (014), (एडवांस्ड स्टडीज के लिए केंद्र) जूलॉजी विभाग, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, बीरभूम, पिचम बंगाल, भारत। पीपी। 85-86्। मलय कुमार भौमिक, एम सी धारा, आरके घोष और बी दुयारी (2014)। प. बंगाल में चावल गहनता की प्रणाली के तहत खरपतवार प्रबंधन के माध्यम से उत्पादकता में सुधा। कार्यक्रम और एब्सट्रैक्ट्। पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पर्यावरण जीव विज्ञान और पर्यावरण मॉडलिंग (2014), (एडवांस्ड स्टडीज के लिए केंद्र) जूलॉजी विभाग, विश्वभारती,

शांतिनिकेतन, बीरभूम, प.बंगाल, भारत। पीपी। 85-86्।

20-21 फ़रवरी, 2014, मलय कुमार भौमिक, माधव सी धारा, बुद्धदेव दुयारी, सोमनाथ साहा और पबित्रा के बिस्वास (2014)। चावल गहनता की प्रणाली के तहत चावल उत्पादकता पर अंकुर उम्र और खरपतवार प्रबंधन का प्रभाव। अनुसंधान दस्तावेज 21 वीं प. बंगाल राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी कांग्रेस, बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान, प.बंगाल पीपी। 20।

जी सी मलिक

पुस्तक अध्यायः

मलिक, क्रक. और बनर्जी, एम 2014 जूट की विकास्। जूट विकास मेंः परंपरा और आधुनिकता, एड के बीच तकनीकी इंटरफ़ेस देबव्रत दासगुप्त (भारत), 37-48

मुखर्जी, एस, मलिक, क्रक. और बंद्योपाध्याय, एस 2014 एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन और पीले सरसों पर बीज भिगोनेः विकास और उपज बढ़ाने के लिए दृष्टिकोण लैम्बर्ट शैक्षणिक प्रकाशन आईएसबीएनः।। 978-3-659-46477-5

शोध पत्रः

दिखाएँ, आर घोष, डीसी, मलिक, जीसी और बनर्जी, विकास, उत्पादकता और गर्मियों में चावल की किस्मों जैव संसाधन और तनाव प्रबंधन का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 5 के अर्थशास्त्र पर पानी शासन और नाइट्रोजन के एम 2014 प्रभाव (1): 047 -052

मंडल, एमके, बनर्जी, एम, बनर्जी, एच, अलीपुत्र, ए और मलिक। मक्का की जीसी 2014. प.बंगाल के लाल और लैटरिटिक पथ के तहत दौरान आधारित अंतरासस्यन प्रणाली। 9 (1): 31-35, 2014्।

एस.के मैती

चौधरी, पी, सेटुआ, जीसी, घोष ए, कार आर और मैती एस (2013)। 529-34: कृषि विज्ञान 83 (5) के जैविक पोषक तत्व प्रबंधन भारतीय पत्रिका के माध्यम से सिंचित शर्त के तहत एस 1635 शहतूत में सतत गुणवत्ता पत्ती उत्पादन।

मोहंती, टी आर, पी कश्मीर, मैती, एस कश्मीर और एक सी (2013) डैश। उत्पादकता और स्थापना और ाबंधन के विभिन्न तरीकों के तहत गीला मौसम चावल (ओराय्ज़ा सैटिवा एल) की लाभप्रदता। मिट्टी फसलें वॉल्यूम 23 के जर्नल (2), दिसंबर 2013्।

एम, लेंका ए और मैती एस (2013)। छोटे पैमाने पॉट संस्कृति कृमि खाद विधि - हर घर और पारिस्थितिकी के अनुकूल पर्यावरण की रक्षा पर उसके प्रभाव के लिए एक नया नवाचार ओडिशा बागवानी वॉल्यूम। 2 (2): 27-33्।

के प्रमाणिक

प्रमाणिक, केएच., बेरा, ए और पांडा, कुल क्लोरोफिल सामग्री पर फास्फेट उर्वरक के विभिन्न स्रोतों के डी 2013 रिस्पांस, यील्ड गुण और प चिम बंगाल की लैटरिटिक क्षेत्र के अंतर्गत हाइब्रिड चावल की उपज जैव संसाधन और तनाव.4 इंटरनेशनल जर्नल (1): 014-018्।

बेरा, ए.के और प्रमाणिक, प.बंगाल की लैटरिटिक जोन के तहत नाइट्रोजन के स्तर को चावल संकर के लालकृष्ण 2013 रिस्पांस। जैव संसाधन और तनाव प्रबंधन के इंटरनेशनल जर्नल 4 (2): 161-165

मैती, आर, प्रमाणिक, के राजकुमार, विकास, जगन, एम और विद्यासागर, अंकुर और टमाटर और मिर्च की उपज पर बीज भड़काना के पी 2013 प्रभाव जैव संसाधन और तनाव प्रबंधन के इंटरनेशनल जर्नल 4 (2): 119-125्।

प्रमाणिक, लालकृष्ण और बेरा, ए.के 2013 ग्रोथ, क्लोरोफिल सामग्री, उपज और हाइब्रिड चावल के अर्थशास्त्र (ओराय्ज़ा सैटिवा एल) पर अंकुर आयु और नाइट्रोजन उर्वरक का प्रभाव। कृषि विज्ञान और संयंत्र उत्पादन के इंटरनेशनल जर्नल। 4 (एस), 3489-3499्।

मैती, आर, प्रमाणिक, लालकृष्ण 2013 सब्जी बीज भड़कानाः एक कम लागत, किसान आजीविका के लिए सरल और

शक्तिशाली तकनीक। जैव संसाधन और तनाव प्रबंधन के इंटरनेशनल जर्नल। 4 (4): 475-481्।
बेरा, ए.के और प्रमाणिक, के लालकृष्ण 2013 प्रभाव और विकास पर, क्लोरोफिल सामग्री, उपज, पोषक तत्व सामग्री और मसूर की तेज। कृषि, पर्यावरण और जैव प्रौद्योगिकी के इंटरनेशनल जर्नल। 6 (3): 344-350
मंडल, एस, बौरी, ए, प्रमाणिक, केएच., घोष, एम, मलिक, जीसी और घोष फर्टिलिटी स्तर और संयंत्र घनत्व से प्रभावित के रूप में डीसी 2013 विकास, उत्पादकता और हाइब्रिड चावल के अर्थशास्त्र जैव संसाधन और तनाव प्रबंधन के इंटरनेशनल जर्नल। 4 (4): 548-555्।
बेरा, ए, प्रमाणिक, लालकृष्ण और पांडा, विकास, रिश्तेदार पानी की मात्रा और मसूर की पैदावार पर केडी 2013 रिस्पांस फसल और घास के जर्नल, 9 (2): 84-90
प्रमाणिक, लालकृष्ण और बेरा, ए.के विकास, उत्पादकता और सूरजमुखी की गुणवत्ता पर की 2013 प्रभाव फसल के जर्नल और खरपतवार, 9 (2): 122-127्।
डे, एस, प्रमाणिक, लालकृष्ण मुखर्जी, एस, पोद्दार, एस और बारिक, वर्षा आधारित शर्त के तहत चना के विकास और उत्पादकता पर बीज और पुआल पलवार के लालकृष्ण 2013 प्रभाव वार्षिक तकनीकी मुद्दा। 18: 126-131्।
नायक, बीआर, सैनी, एस एस, पांडा, डी, प्रमाणिक, लालकृष्ण और स्वेन, एसके नाइट्रोजन तेज, धनिया के तेल और बीज उपज पर खाद, नाइट्रोजन और संयंत्र रिक्ति की 2014. जर्नल 18 (1): 49-54्।

अन्य

22-23 नवंबर 2013 प्रमाणिक, केएच., रॉय, ए, डे, एस, मुखर्जी, एस, बेरा, एके और पांडा, डी फॉस्फेट और विकास और चना की पैदावार प्रदर्शन करने के रोगाणुओं को जुटाने वर्षा आधारित शर्त के तहत के साथ नमी संरक्षण की तकनीक के 2013 रिस्पांस सारः पर्यावरण के मुद्दों पर राष्ट्रीय संगोष्ठीः पर्यावरण अध्ययन विभाग, विश्वभारती एवं लोक स्वास्थ्य इंजीनियर्स संस्थान, भारत, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, 100-101द्रद्र द्वारा आयोजित संरक्षण, संरक्षण एवं प्रबंधन।

28-30 नवंबर 2013 रॉय, ए, प्रमाणिक, केएच., बेरा, एकेमुखर्जी, एस, डे, एस और पांडा, डी वर्षा आधारित शर्त के तहत विभिन्न नमी संरक्षण की तकनीक के 2013 काबुली चने यील्ड प्रदर्शन। सारः सेंट जेवियर्स कॉलेज, तमिलनाडु, 73 द्वारा आयोजित खाद्य सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भूमिका के लिए पारिस्थितिकी के अनुकूल पौध संरक्षण और उत्पादन 4 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। बेरा, ए, प्रमाणिक, केएच., डे, एस, मुखर्जी, एस, और बीके उपज मापदंडों और चना वर्षा आधारित शर्त के तहत उपज पर रोगाणुओं और सेंट जेवियर्स कॉलेज, तमिलनाडु, 105 द्वारा आयोजित खाद्य सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भूमिका के लिए पारिस्थितिकी के अनुकूल पौध संरक्षण और उत्पादन 4 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

6-9 दिसंबर 2013 डे, एस, प्रमाणिक, लालकृष्ण मुखर्जी, एस, पोद्दार, एस और बारिक, के लालकृष्ण 2013 प्रभाव और चना की वृद्धि और उपज प्रदर्शन के अंतर्गत परवर्षा आधारित हालत। सारः विश्वभारती, शांतिनिकेतन, एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन, एस आर एम विश्वविद्यालय और युवा विकास के राजीव गांधी राष्ट्रीय संस्थान, 18 द्वारा आयोजित 5 वीं भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस। मुखर्जी, एस, प्रमाणिक, केएच., डे, एस, पोद्दार, एस और बारिक, लैटरिटिक बेल्ट में एसआरआई के तहत पौध, पोषक तत्व और जल प्रबंधन की उम्र के लिए गर्मियों में चावल के लालकृष्ण 2013 प्रदर्शन पर्िचम बंगाल की। विश्वभारती, शांतिनिकेतन, एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन, एस आर एम विश्वविद्यालय और युवा विकास के राजीव गांधी राष्ट्रीय संस्थान, 35द्रद्र द्वारा आयोजित 5 वीं भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस।

1-3 फ़रवरी 2014 डे, एस, प्रमाणिक, लालकृष्ण मुखर्जी, एस, पोद्दार, एस और बारिक, वर्षा आधारित चना के लालकृष्ण 2013 रिस्पांस जस्ता और मोलिब्डेनम और नमी के साथ भड़काना बीज के लिए संरक्षण परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव-सुरक्षा 'विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन, गु-1 द्वारा आयोजितः 17। प्रमाणिक, लालकृष्ण सिंह, सपा, ए और बेरा, एकेप.बंगाल के लैटरिटिक बेल्ट के अंतर्गत विकास और आलू की उपज पर अनुकूलित उर्वरकों के विभिन्न ग्रेड के 2014 प्रभाव परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव-

सुरक्षा 'विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन, गु-1 द्वारा आयोजितः 18्। मुखर्जी, एस, प्रमाणिक, केएच., डे, एस और बेरा, एकेपोषक तत्व उपयोग दक्षता, उपज और बोरो चावल केअर्थशास्त्र पर पौध, पोषक तत्व और जल प्रबंधन की उम्र के2014 प्रभाव श्री केतहत। परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव-सुरक्षा 'विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन, गु-1 द्वारा आयोजितः 19। ए और प्रमाणिक, लालकृष्ण 2014 एरोबिक चावल संस्कृति और चावल गहनता (एसआरआई) केसिस्टमः वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावना। पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन, 1-3 फरवरी, 2014 केविभाग, गु-1 द्वारा आयोजित परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव-सुरक्षा 'विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठीः 24 पीपी मंडल, एस, प्रमाणिक, लालकृष्ण और घोष, संकर चावल उत्पादकता पर प्रजनन और संयंत्र घनत्व, पोषक तत्व उपयोग दक्षता और मिट्टी की उर्वरता के डीसी 2014. 38 पीपी मंडल, बी और प्रमाणिक, लालकृष्ण 2014 किसान के क्षेत्र के प्रदर्शनः परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव-सुरक्षा 'विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन, गु-1 द्वारा आयोजित गंगा केपर्िचम बंगाल में बलुई मिट्टी पर सिंचाई केविभिन्न स्तरों से प्रभावित केरूप में वसंत केमौसम सूरजमुखी (सूरजमुखी एल।) की। सा। परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव-सुरक्षा 'विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी ऋ्क्ष्क्क्ष, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन, गु-एक विभाग द्वारा आयोजितः। 39 पीपी पोद्दार, एस, बारिक, केएच., डे, एस मुखर्जी, एस, बेरा, ए और प्रमाणिक, लालकृष्ण 2014 बीज भड़कानाः अच्छी उपज केलिए एक कम लागत केकिसानों केअनुकूल उपन्यास दृष्टिकोण परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव-सुरक्षा 'विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन, विभाग द्वारा आयोजित गु-1ः 43. बेरा, एके और प्रमाणिक, लालकृष्ण संकर चावल उत्पादकता, पोषक तत्व उपयोग दक्षता और आर्थिक पर नाइट्रोजन का स्तर, फसल स्थापना तकनीकों का 2014 प्रभाव। सा। । 44 पीपी पाटिल, बी, वीबी, भट, जे एसः परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव-सुरक्षा 'विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन, गु-एक विभाग द्वारा आयोजित और प्रमाणिक, जंग केप्रतिरोध केलिए लालकृष्ण 2014.परिवर्तनशीलता। चना में और लड़के। सा। 8 पीपीः परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव-सुरक्षा 'विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन, गु-11 केद्वारा आयोजित किया।

एम बनर्जी

पुस्तक अध्यायः

बनर्जी, एम 2014 कृषि पर जलवायु परिवर्तन और शमन विकल्पों में से प्रभाव्। विस्तार शिक्षा और ग्रामीण विकास, एड, देवव्रत दास गुप्ता, पीपी। 33-42 केक्षेत्र में अग्रिम में्।

मलिक, क्रक. और बनर्जी, एम 2014 जूट की विकास्। जूट विकास मेंः परंपरा और आधुनिकता, एड केबीच तकनीकी इंटरफ़ेस। देवव्रत दास गुप्ता, 37-48

शोध पत्रः

। दिखाना, आर, घोष, डीसी, मलिक, जीसी और बनर्जी, समर चावल की किस्मों केविकास, उत्पादकता और अर्थशास्त्र पर पानी शासन और नाइट्रोजन केएम 2014.जैव संसाधन और तनाव प्रबंधन का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 5 (1): 047-052

मंडल, एम.के, बनर्जी, एम, बनर्जी, एच , माक्का की सी 2014.लाल और प.बंगाल केतहत खरीफ सीजन केदौरान अंतरासस्यन सिस्टम पर आधारित। 9 (1): 31-35, 2014

मंडल, एमके बनर्जी, एम, बनर्जी, एच, पाठक, ए और उत्पादकता केमाध्यम से अनाज-फली अंतरासस्यन सिस्टम की दास, आर 2014 मूल्यांकन और प्रतिस्पर्धा की क्षमता। विज्ञान और प्रौद्योगिकी, 5 केएशियाई जर्नल (3): 233-237

एन सी सरकार

पुस्तकः

पब्लिशिंग हाउस, कोलकाता (आईएसबीएन 978-81-920073-6-6) द्वारा प्रकाशित गोंजालेज रोड्रिगेज, ए वी,

नेकां सरकार और रतिकान्ता मैती ने एक पाठ्य पुस्तकः क्षेत्र में अग्रिम।

लत्ता और धन का एक क्लासिक कहानीः दास और नेकां सरकार द्वारा एक विश्व प्रसिद्ध फसल वैज्ञानिक रतिकान्ता मैती की आत्मकथा। (आईएसबीएन 978-81-920073-8-0)।

शोध पत्रः

एम, सरकार, नेकां, और सीढ़ीदार अपलैंड चावल की उत्पादकता (ओराय्ज़ा सैटिवा एल) पर ए 2013 प्रभाव जैव संसाधन और तनाव प्रबंधन चार इंटरनेशनल जर्नल (3), 400-403।

ठाकुर, ए.के, सरकार, एन.सी. और मैती, आर.के बीज-इतिहास, वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाओं के 2013 निर्यात। जैव संसाधन और तनाव प्रबंधन 4 (4), सम्पादकीय मैं-चतुर्थ के इंटरनेशनल जर्नल।

डी पांडा

पुस्तक अध्यायः

परंपरा और आधुनिकता (डी। दास गुप्ता ईडी) , 2014, देबाशीष पांडा, बिनॉय कुमार, प्रमाणिक (आईएसबीएन नंबर 978 से.17-35 के बीच जूट विकास के तकनीकी इंटरफ़ेसः में जूट फिजियोलॉजी -81-7754-526-5)

अनुसंधान प्रकाशनः

प्रमाणिक, केएच., बेरा, ए.के और पांडा, कुल क्लोरोफिल सामग्री पर फास्फेटिक उर्वरक और विभिन्न स्रोतों के डी 2013 रिस्पांस, यील्ड गुण और प. बंगाल की लैटरिटिक क्षेत्र के अंतर्गत हाइब्रिड चावल की उपज जैवसंसाधन और तनाव 4 इंटरनेशनल जर्नल (1): 014-018

पांडा, डी, घोष, डीसी और कार, एम 2013 वर्णक सामग्री पर नमक तनाव के प्रभाव और विभिन्न चावल (ओराय्ज़ा सैटिवा एल) जीनोटाइप का यील्ड। जैवसंसाधन और तनाव 4 इंटरनेशनल जर्नल (3): 431-434

बेरा, ए, प्रमाणिक, लालकृष्ण और पांडा, विकास, रिश्तेदार पानी की मात्रा और मसूर की पैदावार पर के डी 2013 रिस्पांस। फसल और घास के जर्नल 9 (2): 84-90

प्रसाद, ए.ज.क्र, चक्रवर्ती, एस, बी.के और फ्रेंच सेम में फली उपज और उपज विशेषताओं पर पांडा, डी 2014 प्रभाव। लाइफ साइंसेज इंटरनेशनल रिसर्च 1 (1): 328-330

नायक, बीआर, सैनी, एस एस, पांडा, डी, प्रमाणिक, लालकृष्ण और स्वेन, एसके नाइट्रोजन तेज, धनिया के तेल और बीज उपज पर खाद, नाइट्रोजन और संयंत्र रिक्ति की 2014. के जर्नल 18 (1): 49-54।

केसी. स्वेन

पुस्तक प्रकाशन

स्वेन, केसी. परिशुद्धता कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग, लैम्बर्ट शैक्षणिक प्रकाशन, जर्मनी, 2013 ISBN- 978-3-659-47275-6।

पुस्तक अध्याय

स्वेन, केसी. और मोइत्रा, पर्यावरणीय स्थिरता में चावल की फसल, पुस्तक अध्याय पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के आर आकलनः अवधारणाओं, सिद्धांतों, सबूतों और नवाचार, उत्कृष्ट पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली। 2014 आईएसबीएन-978-93-83083-75-6।

वाई वी राव

अनुसंधान प्रकाशनः

वाई वासुदेव राव एलिसा और इम्यूनो-इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी द्वारा मछलियों में प्रतिजन / रोगज़नक़ उपस्थिति के निदान। बायो-फार्मा रिसर्च 2014 के इंटरनेशनल जर्नल; 3 (1); 171-174

वाई वासुदेव रा०। विशिष्ट प्रतिजन एंटीबॉडी प्रतिक्रिया का निकालना पर कुछ स्वदेशी संयंत्र के सूत्रों का प्रभाव। पादप विज्ञान 2014 के इतिहास; 3 (1): 604-607

वाई वासुदेव रावें प्रतिरक्षा और प्रतिजन निकासी की वृद्धि। साइंटिफिक रिसर्च 2014 के इंटरनेशनल जर्नल; 3 (2): 19-22

एलिसा द्वारा मछली सीरम में विशिष्ट प्रतिजन एंटीबॉडी के स्तर के वासुदेव राव वाई निर्धारण 2013 के इंटरनेशनल जर्नल; 2 (5): 746-747्।

पी कंडासामी

पपीता का फोम चटाई सुखाने फल पर कंडासामी, पी अध्ययन। प्रयोगशाला लैम्बर्ट शैक्षणिक प्रकाशन, जर्मनी द्वारा प्रकाशित। 2013 ISBN: 978-3-659-37432-6्।

कंडासामी, पी और एन (2014) फोम चटाई सूखे पपीता पाउडर के जैव रासायनिक गुणों का आकलन। कृषि के इंटरनेशनल जर्नल और खाद्य विज्ञान, 4 (1): 54-58्।

सानंद मंडल

पुस्तक अध्यायः

अनयतुल्ला, मंडल, एस श्रीवास्तव, ए.के और बोस, संयंत्र प्रतिक्रियाओं पर गर्मी तनाव के बी प्रभावः शारीरिक, रसायन, जैव प्रौद्योगिकी और आणविक पहलुओं के लिए एक दृष्टिकोण प्लांट फिजियोलॉजी के क्षेत्र में अग्रिम। वैज्ञानिक प्रकाशक, वॉल्यूम। 14, 2014 पीपी: 512-544्।

सिंह, पी, मंडल, एस और बोस, माहौल बदल तहत पौधों में बी क्रॉस-टॉक संक्तेन और अस्तित्व की रणनीतियों्। प्लांट फिजियोलॉजी के क्षेत्र में अग्रिम। वैज्ञानिक प्रकाशक, वॉल्यूम। 14. 2014 पीपी: 296-313्।

अनुसंधान प्रकाशनः

मंडल, एस और बोस, बी (2013)। चावल का मैग्नीशियम नाइट्रेट कठोर बीज (व। एमटीयू-7029) का उपयोग करके उत्थान संभावनाओं में इन विट्रो सुधार में्। दुयारी26 (2): 98-104्।

मंडल, एस सिंह, आर.पी., और बोस, बी (2013)। चावल var का दैहिक के लिए संस्कृति के माध्यम से मानकीकरण। जैव संसाधन और तनाव प्रबंधन, 4 की एमटीयू 7029. इंटरनेशनल जर्नल (4): 500-505

फसल सुधार बागबानी एवं कृषि सांख्यिकी विभाग

बागवानी एवं कृषि वनस्पति विज्ञान
फसल सुधार विभाग, बागवानी एवं कृषि वनस्पति विज्ञान
पल्ली शिक्षा भवन (कृषि संस्थान), विश्वभारती, श्रीनिकेतन।
छात्रों के नाम यूजीसी / सीएसआईआर / नेट /स्लेट और गेट परीक्षा में योग्य -
बी वी जी प्रसाद
राष्ट्रीय और विवरण में शिक्षक / अनुसंधान विद्वानों ने भाग लिया आदि अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनीः
पार्थ सारथी मुंशी
16-17 जनवरी 2014: संयुक्त रूप से भारत और कृषि, विश्वभारती, श्रीनिकेतन के संस्थान के उर्वरक सोसिएशन दिया भाषण द्वारा आयोजित उर्वरक ओरिएंटेशन कोर्स।
1 मार्च '2014: खाद्य एवं पोषण सुरक्षा और पूर्वोत्तर भारत के लिए स्थायी कृषि: संभावना और भविष्य' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी केनेडी हॉल, बालीगंज साइंस कॉलेज, कलकत्ता विश्वविद्यालय में, संगोष्ठी भाग लिया।
25 मार्च 2014: जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग धारा द्वारा आयोजित पादप विविधता का संरक्षण और किसान अधिकार प्राधिकरण पर जागरूकता कार्यक्रम, फसल सुधार बागवानी विभाग और कृषि वनस्पति विज्ञान, पल्ली शिक्षा भवन विश्वभारती, श्रीनिकेतन, स्वागत भाषण दिया

स्नेहाशीष चक्रवर्ती

11-13 नवम्बर, 2013: संकट और भारत, असम के पूर्वोत्तर क्षेत्र में पर्यावरण शासन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, भाग लिया और एक कागज पर प्रस्तुत फ्रेंच सेम की वृद्धि और उपज पर का प्रभाव
24-26 फ़रवरी, 2014: पर्यावरण जीव विज्ञान और पर्यावरण मॉडलिंग (2014) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, भाग लिया और फली उपज, पानी का उपयोग, जल उपयोग दक्षता पर प्रभाव 'विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया है और (फ्रेंच सेम की -अनुपात को लाभ।
01-03 सितम्बर, 2013: खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण जीविका की दिशा में कृषि अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रिम पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। विश्वभारती ने भाग लिया, और एक कागज पर प्रस्तुत न्यूट्रास्यूटिकल्सः खाद्य अपनी दवा होने दो।
22-23 नवम्बर, 2013: पर्यावरण के मुद्दों पर राष्ट्रीय संगोष्ठीः सुरक्षा, संरक्षण और प्रबंधन, विश्वभारती ने भाग लिया, और सब्जियों की फसलों-एक पारिस्थितिकी के अनुकूल दृष्टिकोण में जैव पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
फ़रवरी 01-03, 2014: ्। विभाग द्वारा आयोजित, एसिपन, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन की; भाग लिया और एक कागज पर प्रस्तुत परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी पोस्ट हार्वेस्ट उपचार के प्रभाव और फ्रेंच सेम की शेल्फ जीवन पर पैकेजिंग और भंडारण की स्थिति।

गौतम मंडल

6 -9 दिसम्बर '2013: 5 वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस, विश्वभारती, शांतिनिकेतन; भाग लिया और आंध्र प्रदेश में ताड़ के तेल के वाणिज्यिक बागानों में अभिजात वर्ग हथेली का मूल्यांकन 'पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
एक -3 फरवरी, 2014: 'राष्ट्रीय कृषि पर संगोष्ठी में बदलने के लिए जैव-सुरक्षा' एसिपन, पल्ली शिक्षा भवन (कृषि संस्थान), विश्वभारती, श्रीनिकेतन विभाग में आयोजित; भाग लिया और तकनीकी सत्र-3 (बागवानी और कृषि वानिकी आधारित आजीविका सुरक्षा) में सह-अध्यक्षता की।

जॉयदीप मंडल

22 नवंबर 2013: पर्यावरण के मुद्दों पर राष्ट्रीय संगोष्ठीः पर्यावरण अध्ययन, विश्वभारती एवं लोक स्वास्थ्य

इंजीनियर्स संस्थान, भारत विभाग द्वारा आयोजित संरक्षण, संरक्षण और प्रबंधन, एकीकृत में कृमि खाद का प्रयोग सब्जी फसलों की उत्पादकता बढ़ाने 'पर एक प्रस्तुति पेश की पोषक तत्व प्रबंधन कार्यक्रम '।

20 फ़रवरी 2014: 21 वीं पश्चिम बंगाल राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कांग्रेस - 2014, बर्दवान और पश्चिम बंगाल राज्य के विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद और विभाग, भारत सरकार के विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की। पश्चिम बंगाल 'बीज लाल रंग में करेला की फसल और पश्चिम बंगाल की लैटरिटिक मिट्टी पर फास्फोरस का प्रभाव और सूक्ष्म पोषक' पर एक प्रस्तुति पेश की।

1 फ़रवरी 2014: कृषि और जैव सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी बदलते परिदृश्य में, एसिपन, कृषि संस्थान के विभाग द्वारा आयोजित, विश्वभारती प्रदर्शन बोतल के लौकी उपज के लिए जीनोटाइप और पश्चिम बंगाल की लैटरिटिक बेल्ट में अपनी विशेषताओं 'पर दो प्रस्तुतीकरण किया ककड़ी के 'और' फल प्राप्ति कैल्शियम नाइट्रेट और बोरान के पत्ते स्प्रे से प्रभावित के रूप में '।

5 मार्च 2014: कृषि विज्ञान की खेती के लिए कूच बिहार एसोसिएशन द्वारा आयोजित सतत आजीविका के लिए जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी और शमन रणनीतियों 'पूर्वी भारत के लैटरिटिक बेल्ट में कुछ लौकी जीनोटाइप का प्रदर्शन' पर दो प्रस्तुतीकरण किया और 'पूर्वोत्तर भारत में अरवी पर प्रदर्शन अध्ययन'।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में भाग लिया पूर्वी क्षेत्र के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा आयोजित अनुसंधान परिसर, पटना रिसर्च सेंटर, रांची 'जनजातीय क्षेत्रों में आजीविका सुरक्षा के लिए बागवानी आधारित फसल विविधीकरण विकल्प' 21 दिनों समर स्कूल हकदार प्रायोजित।

प्रहलाद देब

12-14 सितंबर 2013: लैंडस्केप और शहरी बागवानी, साइंस सिटी, कोलकाता पर 4 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन; भाग लिया और 'समग्र छत के ऊपर बगीचा, शहरी लोगों के लिए एक अलग सोच' पर पेपर प्रस्तुत किया।

20-21 दिसंबर 2013: माइनर फल और औषधीय पौधों पर 2 अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, कृषि, विश्वविद्यालय के संकाय, श्रीलंका ने भाग लिया और गुणवत्ता कुछ कटहल का मूल्यांकन पूर्वी और उत्तरी के जीनोटाइप 'पर तीन पत्र प्रस्तुत पूर्वी भारत ',' हार्वेस्ट, शैल्फ जीवन और पर भंडारण तापमान और पैकेजिंग की स्टेज का प्रभाव कमरख एल 'और' फलने व्यवहार, लाल और लैटरिटिक के तहत फल ग्रोथ का विकास (कमरख एल) के पूर्वी भारत के क्षेत्रों '

20-26 नवंबर 2013: वानस्पतिक पहचान और भारतीय औषधीय पौधों का मूल्यांकन, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता पर राष्ट्रीय कार्यशाला: विभिन्न तकनीकी सत्रों और प्रयोगशाला आधारित प्रशिक्षण सत्र में भाग लिया।

1-3 फ़रवरी 2014: कृषि और जैव सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी परिदृश्य को बदलने में, एसिपन विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन; भाग लिया और 'कुछ केले जीनोटाइप का एंटीऑक्सीडेंट गुण' पर पेपर प्रस्तुत किया, 'मेजर बागवानी फसलों के उपज और गुणवत्ता बनाम जलवायु परिवर्तन - एक पूर्वी भारतीय संदर्भ' और 'फूलों की खेती से उत्पादों में मूल्य संवर्धन'।

अमिताभ पॉल

6-9 दिसम्बर, 2013: 5 भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस पर राष्ट्रीय संगोष्ठी: कभी में मन अग्रणी - विचार और कार्रवाई, विश्वभारती को चौड़ा करने, भाग लिया और 'कृषि पर वैश्विक जलवायु परिवर्तन का प्रभाव' विषय पर पेपर प्रस्तुत किया।

फ़रवरी 2014 1-3: एसिपन विभाग (कृषि विज्ञान, मृदा विज्ञान और कृषि रसायन, कृषि अभियांत्रिकी, प्लांट फिजियोलॉजी और पशु विज्ञान), (इंस्टिट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर) पल्ली शिक्षा भवन द्वारा आयोजित परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, विश्वभारती, श्रीनिकेतन, संगोष्ठी में भाग लिया।

निहार रंजन चक्रवर्ती

11-13 नवम्बर 2013: अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन जूलॉजी, पर्यावरण विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर, विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित हस्तक्षेप और जलवायु परिवर्तन (सद्भाव-2013) के संदर्भ में

प्रकृति के साथ सद्भाव पर और राष्ट्रीय पर्यावरणविदों एसोसिएशन, रांची, झारखंड ने भाग लिया, और बीरभूम जिले, प.बंगाल, भारत के स्थानीय लोगों द्वारा चिकित्सा के रूप में कुछ मातम का उपयोग पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
22 - 23 नवंबर 2013: पर्यावरण के मुद्दों पर राष्ट्रीय संगोष्ठीः सुरक्षा, संरक्षण एवं प्रबंधन पर्यावरण अध्ययन विभाग, विश्वभारती, एवं लोक स्वास्थ्य इंजीनियर्स संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित भारत ने भाग लिया और चावल में सुधार करने के लिए पर्यावरण के अनुकूल दृष्टिकोण 'विषय पर पेपर प्रस्तुत खाद्य सुरक्षा के लिए जर्मप्लाज्म ्।
6-9 दिसम्बर, 2013: 5 भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस पर राष्ट्रीय संगोष्ठीः कभी में मन अग्रणी - भाग लिया एमएस स्वामीनाथन फाउंडेशन और विश्व भारती द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित और कृषि पर वैश्विक जलवायु परिवर्तन का प्रभाव 'विषय पर पेपर प्रस्तुत किया पर विचार और कार्रवाई को चौड़ा ्।
1-3 फरवरी, '2014: कृषि के एसिपन, विभाग (कृषि विज्ञान, मृदा विज्ञान और कृषि रसायन, कृषि अभियांत्रिकी, प्लांट फिजियोलॉजी और पशु विज्ञान) द्वारा आयोजित परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, पल्ली शिक्षा भवन (संस्थान), विश्वभारती ने भाग लिया, और खुशबूदार गैर-बासमती चावल के प्रेरित म्यूटेंट में आनुवंशिक विचलन की प्रकृति पर पेपर प्रस्तुत
विभाग में चल रहे शोध परियोजनाओं

अनुलेख मुंशी

औषधीय पौधों पर राष्ट्रीय मिशन के तहत औषधीय पौधों के लिए मॉडल नर्सरी (1 हेक्टेयर) की स्थापना, पिचम बंगाल के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग एवं बागवानी, भारत सरकार, विभाग (राशि रुपये 4,00,000 / -।)्।

जी मंडल

रसायन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा वित्त पोषित विभिन्न फसलों पर कुछ नई पीढ़ी के अणुओं के जैव प्रभावकारिता स्टडीज, नई दिल्ली-110025 (एक अन्वेषक के रूप में काम कर रहे)
जैव प्रभावकारिता, रसायन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा वित्त पोषित विभिन्न फसलों में कुछ अवशेषों विश्लेषण पर अध्ययन, नई दिल्ली-110025 (एक सह-अन्वेषक के रूप में काम कर रहे)

प्रहलाद देब

परमाणु ऊर्जा विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित प्रभारी अन्वेषक, के रूप में अलग भंडारण शर्त के तहत विकिरण और पैकेजिंग के प्रभाव हकदार अनुसंधान परियोजना का भार उठाते। भारत (डीएई / बीआरएनएस) के (कुल धन रुपए 24,84,500 / -।) तीन साल 2013-2016 के लिए्।
विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने विभाग द्वारा आयोजित और भाग लिया विस्तार गतिविधियों / एनएसएस / सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों्।
शिक्षकों और विभाग के छात्रों को सक्रिय रूप से प्रौद्योगिकी कार्यक्रम के हस्तांतरण पर समय-समय पर संस्थान द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियों में लगे हुए हैं्। इस संकाय के सदस्यों को भी रथीन्द्र कृषि विज्ञान केन्द्र, शिक्षा सत्रा द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों (में भाग लिया आदि विस्तार कार्यक्रम, टीवी और रेडियो कार्यक्रमों के उपक्रम में छात्रों और किसानों के आयोजन में शामिल हैं -। पल्ली चर्चा केन्द्र, विश्वभारती, सरकार पिचम बंगाल , एनजीओ आदि)।
विभिन्न अवसरों पर, एनएसएस कार्यक्रम विभागीय छात्रों को शामिल डॉ जॉयदीप मंडल (एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी) द्वारा आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में कई सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए सफाई परिसर से बताया गया।
खंड बागवानी जैसे, 'हलकर्षण और 'श्रीनिकेतन उत्सव' ('माघ मेला') के रूप में विभिन्न विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों के आयोजन में भाग प्रमुख लेता है।
माघ मेला 'के माध्यम से कृषि स्थिरता' के विषय में बागवानी के विभिन्न पहलुओं से संबंधित इस वर्ष बागवानी धारा

का आयोजन प्रदर्शनी स्टाल में 'और साथ ही फसल प्रतियोगिता स्टाल (डॉ जी मंडल एक स्टाल के समन्वयक के रूप में काम किया) हर साल की तरह आयोजित किया गया था (डॉ जे मंडल स्टाल के समन्वयक के रूप में काम किया)।

व्याख्यान दियाः

प्रहलाद देब निम्नलिखित व्याख्यान को जन्म दिया हैः

9 दिसंबर 2013 खाद्य प्रसंस्करण उद्योग और बागवानी, भारत सरकार के विभाग द्वारा आयोजित जिला बीरभूम परिषद हॉल, सूरी, पर पर्ि चम बंगाल के लाल और लैटरिटिक क्षेत्र में जैविक खेती प्रौद्योगिकी की संभावना्। पर्ि चम बंगाल की।

नारियल विकास बोर्ड द्वारा आयोजित 16 जनवरी, रथीन्द्र कृषि विज्ञान केन्द्र, कृषि, विश्वभारती, श्रीनिकेतन के संस्थान में नारियल के पेड़ के दोस्तों पर छह दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में 2014 नारियल और नारियल नर्सरी और प्रबंधन की स्थापना में एकीकृत कृषि , कोलकाता।

22 जुलाई 2013 टेलीविज़न कार्यक्रम 4:30 पर शीतकालीन सब्जियों के लिए बीज बेड का प्रबंधन पर कृषि दर्शन में (दूरदर्शन केन्द्र शांतिनिकेतन)

25 नवम्बर, '16:30 पर संकुल और फूलगोभी के आचरण' पर 2013 में टेलीविजन कार्यक्रम 'कृषि दर्शन में (दूरदर्शन केन्द्र शांतिनिकेतन)

31 अक्टूबर 2013 रेडियो साक्षात्कार ग्लेडियोलस के उत्पादन के लिए आचरण की वैज्ञानिक पैकेज पर कृषि शाम 6.30 बजे

शिक्षकों द्वारा प्राप्त शैक्षणिक भेद / (डीएसए या सीएसए आदि के रूप में मान्यता) की तरह एक पूरे के रूप में विभाग के विद्वानों्।

पार्थ सारथी मुंशी

त्वरित सामुदायिक सशक्तिकरण, नई दिल्ली के लिए फाउंडेशन द्वारा 'राष्ट्रीय विद्या रतन अवार्ड' (2014) से सम्मानित किया

(1996) के बाद से बागवानी, कल्याणी, नादिया, पर्ि चम बंगाल की प्रगति के लिए सोसायटी की कार्यकारी परिषद के सदस्य।

एप्लाइड ओरिएंटेड कोर्स डिजाइन करने के लिए विशेषज्ञ सदस्य। बागवानी, इग्नू, नई दिल्ली में

निम्नलिखित पेशेवर समाज के आजीवन सदस्य

भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन।

भारत के कृषि सोसायटी।

बागवानी की प्रगति के लिए सोसायटी।

बायोलॉजिकल साइंसेज के इंडियन एसोसिएशन।

उड़ीसा बागवानी सोसायटी।

भारत की बागवानी सोसायटी।

सजावटी बागवानी इंडियन सोसायटी।

भारत के आवश्यक तेल एसोसिएशन।

बागवानी के संवर्धन के लिए सोसायटी

बागवानी विज्ञान के लिए इंटरनेशनल सोसायटी

स्नेहासीष चक्रवर्ती

निम्नलिखित पेशेवर समाज के आजीवन सदस्य

बागवानी की प्रगति के लिए सोसायटी।

वनस्पति विज्ञान के भारतीय समाज
बांग्लादेश के विज्ञान सोसायटी बीज।

जॉयदीप मंडल

20-21 फ़रवरी 2014 बेस्ट पेपर अवार्ड '(फास्फोरस के प्रभाव और लाल और प चिम बंगाल की लैटरिटिक मिट्टी में कड़वी लौकी के बीज फसल पर सूक्ष्म पोषक') 21 वीं प चिम बंगाल राज्य और प्रौद्योगिकी कांग्रेस में कृषि खंड में प्रस्तुत - 2014, विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित बर्दवान और प चिम बंगाल राज्य के विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद और विभाग, भारत सरकार के। प चिम बंगाल की।

प्रहलाद देब

मानव और प्रकृति (साधना) की प्रगति के लिए सोसायटी द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रकाशन पुरस्कार 2013 'के विकास और विकास के दौरान बर्मी अंगूर का भौतिक-रासायनिक विशेषताओं में परिवर्तन' के लिए जैव संसाधन और तनाव प्रबंधन 4 के इंटरनेशनल जर्नल में प्रकाशित (2): 179-181

निम्नलिखित पेशेवर समाज के आजीवन सदस्यः
भारत की बागवानी सोसायटी, नई दिल्ली
बागवानी, बंगलौर के संवर्धन के लिए सोसायटी
बांग्लादेश, मयमनसिंह, बांग्लादेश के फल विज्ञान सोसायटी
जैव संसाधन और तनाव प्रबंधन, कोलकाता के जर्नल
प्रभारी बागवानी मंडल प्रयोगशाला, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिक्तन के रूप में अभिनय।
समन्वयक पोस्ट ग्रेजुएट, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिक्तन।
उत्तर बंग कृषि कूच बिहार, प.बंगाल में पेपर सेटर और बागवानी के विभिन्न पाठ्यक्रमों के परीक्षक के रूप में काम किया और बिधान चंद्र कृषि विश्वविद्यालय, मोहनपुर, नादिया, प.बंगाल

परेश चंद्र कोले

शोध पत्र के समीक्षक के रूप में काम कियाः
मिट्टी और संयंत्र विज्ञान के इंटरनेशनल जर्नल
कृषि अनुसंधान अफ्रीकी जर्नल
स्वस्तिका मुखोपाध्याय : तकनीकी मुद्दा

अमिताभ पॉल

फ़रवरी 01-03, 2014 में अध्यक्ष के रूप में काम किया तकनीकी 8, थीम 3: जेनेटिक्स और नई उपज सीमाओं के लिए जैव प्रौद्योगिकी में सुधार एसिपनविभाग (कृषि विज्ञान द्वारा आयोजित पर परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का, मृदा विज्ञान और कृषि रसायन, कृषि अभियांत्रिकी, प्लांट फिजियोलॉजी और पशु विज्ञान), पल्ली शिक्षा भवन के कृषि (संस्थान), विश्वभारती, श्रीनिक्तन, प. बंगाल

15 सितंबर, 2013 संसाधन व्यक्ति के रूप में काम किया और रथीन्द्र कृषि विज्ञान केन्द्र, विश्वभारती, श्रीनिक्तन में बीज उत्पादन टेक्नोलॉजीज पल्स पर में सेवा प्रशिक्षण कार्यक्रम में महत्वपूर्ण दाल फसलों की उपयुक्त किस्में पर एक व्याख्यान दिया।

25 मार्च 2014 जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग धारा द्वारा आयोजित पादप विविधता का संरक्षण और किसान अधिकार प्राधिकरण पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन समिति के एक सदस्य के रूप में काम किया, फसल सुधार बागवानी विभाग और कृषि वनस्पति विज्ञान, पल्ली शिक्षा भवन विश्वभारती, श्रीनिक्तन ।

निम्नलिखित समाज के आजीवन सदस्य
जेनेटिक्स का भारतीय समाज और प्लांट ब्रीडिंग, नई दिल्ली
फसल और खरपतवार विज्ञान सोसायटी, नादिया

बायोसाइंसेज और कृषि एडवांसमेंट सोसायटी, मेरठ
भारतीय विज्ञान कांग्रेस
प्लांट ब्रीडिंग के लिए एसोसिएशन और सुधार, घन, कोलकाता
पत्रिका Hort फ्लोरा रिसर्च स्पेक्ट्रम के संपादकीय बोर्ड के सदस्य

निहार रंजन चक्रवर्ती

जैव प्रौद्योगिकी में सुधार एसिपन विभाग (कृषि विज्ञान, मृदा विज्ञान और कृषि रसायन, कृषि द्वारा आयोजित परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में इंजीनियरिंग, प्लांट फिजियोलॉजी और पशु विज्ञान), पल्ली शिक्षा भवन के कृषि (संस्थान), विश्वभारती, श्रीनिकेतन, 1-3 के दौरान प.बंगाल, फरवरी, 2014्।

लिपिका सभागार में आयोजित विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा आयोजितः 19-20 मार्च, 2014 उपयोगिता और जलवायु परिवर्तन संयंत्र विविधता 'विषय पर कार्यशाला में एक वक्ता के रूप में भाग लिया।

25 मार्च 2014 जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग धारा द्वारा आयोजित पादप विविधता का संरक्षण और किसान अधिकार प्राधिकरण पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन समिति के एक सदस्य के रूप में काम किया, फसल सुधार बागवानी विभाग और कृषि वनस्पति विज्ञान, पल्ली शिक्षा भवन विश्वभारती, श्रीनिकेतन ।

शोध पत्र के समीक्षक के रूप में काम कियाः ग्रीनर पत्रिकाओं और कृषि अनुसंधान पत्रिकाओं (जे)
निम्न में से आजीवन सदस्यः
भारतीय विज्ञान कांग्रेस
प्लांट ब्रीडिंग के लिए एसोसिएशन और सुधार कोलकाता
प्रकाशन (- मार्च 2014 अप्रैल 2013 के दौरान प्रकाशित)

पार्थ सारथी मुंशी

महापात्र, एस, मुंशी, पी एस और महापात्रा, पी.एन. ब्रोकोली का विकास, उपज और अर्थशास्त्र पर समन्वित पोषक प्रबंधन की (2013) प्रभाव, वनस्पति विज्ञान, 40 (0970-6585 ISSN)

20-21 दिसंबर 2013 देब, पी, मुंशी पी एस और भौमिक, एन (2013) पूर्वी की गुणवत्ता कुछ कटहल का मूल्यांकन जीनोटाइप और में पूर्वोत्तर भारत,: माइनर फलों पर 2 की कार्यवाही अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी और औषधीय पौधों, रुहाना विश्वविद्यालय, श्रीलंका, पृष्ठ -19 (आईएसबीएन 978-955-1507-29-9)। मुंशी, पी एस, मंडल संजीब और देब, पी (2013) हार्वेस्ट के स्टेज, शैल्फ जीवन में कमरख एल, पर भंडारण तापमान और पैकेजिंग का प्रभावः 2 अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही माइनर फल और औषधीय पर संयंत्रों, श्रीलंका, विश्वविद्यालय के पृष्ठ-41 (आईएसबीएन 978-955-1507-29-9)। मंडल संजीब, मुंशी, पी एस और देब, पी (2013) फलने व्यवहार, लाल तहत फलों का विकास और विकास (कमरख एल) और पूर्वी भारत के लैटरिटिक क्षेत्रों,: माइनर फल और औषधीय पर 2 अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही संयंत्रों, श्रीलंका, विश्वविद्यालय के पृष्ठ -52 (आईएसबीएन 978-955-1507-29-9)।

स्नेहाशीष चक्रवर्ती

प्रसाद, बी वी जी, चक्रवर्ती, एस .; बी.के और पांडा, डी (2014)। फ्रेंच सेम की फली उपज और उपज हवाले पात्रों पर प्रभाव। लाइफ साइंस इंटरनेशनल जर्नल। 1 (1): 328-330्। (ISSN 2347-8691)

प्रसाद, बी वी जी .; चक्रवर्ती, एस और देब, पी (2014)। खाद्य, बागवानी द्वारा भविष्य में भारत के लिए पोषण और सौंदर्यबोध सुरक्षा। लाइफ साइंस इंटरनेशनल जर्नल। 1 (1): 321-324्। (ISSN 2347-8691)

जॉयदीप मंडल, वी.के और एस चक्रवर्ती। हॉट समर तहत सब्जी ऐमारैंथ की 2013 मूल्यांकन हालत बढ़ रहा है। अनुसंधान स्पेक्ट्रम, 2 (4): 352-355्। (2250-2823)।

शारांश

प्रसाद, बी वी जी .; चक्रवर्ती, एस .; बी.के और पांडा, डी (2013)। विकास और फ्रेंच सेम की उपज पर का प्रभाव

भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में वैश्विक संकट और पर्यावरणीय क्रियान्वयन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पीपी 43. (आईएसबीएन 978-81-908302-6-3)।

22-23 नवम्बर, 2013 प्रसाद, एज्क्र चक्रवर्ती, एस और देब, पी (2013)। सब्जियों की फसलों-एक पारिस्थितिकी के अनुकूल दृष्टिकोण में जैव। सुरक्षा, संरक्षण और प्रबंधन, पीपी 15-16. प्रसाद, एज्क्र चक्रवर्ती, एस और देब, पी (2013):। पर्यावरण के मुद्दों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। सब्जियों की फसलों-एक मामले का अध्ययन के लिए जैविक खेती। सुरक्षा, संरक्षण और प्रबंधन, द्रद्र.15-16: पर्यावरण के मुद्दों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

फ़रवरी 01-03, 2014 प्रसाद, एज्क्र चक्रवर्ती, एस और देब। पी (2014)। फ्रेंच सेम की शेल्फ जीवन पर पोस्ट हार्वेस्ट उपचार और पैकेजिंग और भंडारण की स्थिति का प्रभाव। परिदृश्य,, पीपी बदलने में कृषि और जैव सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। 5्।

गौतम मंडल

6-9 दिसंबर 2013 मंडल जी, माथुर, आर.के और पाल, आंध्र प्रदेश (सार प्रकाशित) में ताड़ के तेल के वाणिज्यिक बागानों में अभिजात वर्ग हथेली की ए 2013 मूल्यांकन: 5 वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन, चेन्नई द्वारा आयोजित विश्वभारती, शांतिनिक्तन में आयोजित किया।

जॉयदीप मंडल

जॉयदीप मंडल, वी.के धनगढ़और एस चक्रवर्ती। हॉट समर तहत सब्जी ऐमारैंथ की 2013 मूल्यांकन हालत बढ़ रहा है। अनुसंधान स्पेक्ट्रम, 2 (4): 352-355्। ISSN 2250-2823्।

जॉयदीप मंडल, चिनन्शुक, घोष और जीएन चट्टोपाध्याय। 2013 ग्रोथ पर वर्मीकम्पोस्ट और प्याज के उत्पादन क्षमता के साथ रासायनिक उर्वरकों के आनुपातिक प्रतिस्थापन। जैव संसाधन और तनाव प्रबंधन, चार इंटरनेशनल जर्नल विशेष (2): 356-357, 2013 प्रिंट ISSN 0976-3988 ऑनलाइन ISSN 0976-4038्।

प्रहलाद देब

देब, पी और भौमिक, एन (2013) बर्मी अंगूर की भौतिक-रासायनिक गुणों प. बंगाल, कृषि एवं खाद्य विज्ञान प्रौद्योगिकी का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल की एक फल फसल, 4 (5): 415-420 (ISSN: 2249-3050)

भौमिक, एन, देब, पी और प्रधान, एस बर्मी अंगूर की भौतिक-रासायनिक गुण में (2013) परिवर्तन विकास और विकास, जैव संसाधन और तनाव प्रबंधन का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 4 के दौरान (2): 179-181, (0976-4038 ISSN 0976-3988 ऑनलाइन आईएसएसएन प्रिंट)

प्रसाद, एज्क्र चक्रवर्ती, एस और देब, पी (2014)। खाद्य, बागवानी द्वारा भविष्य में भारत के लिए पोषण और सौंदर्यबोध सुरक्षा। लाइफ साइंस इंटरनेशनल जर्नल। 1 (1): 321-324्। (ISSN 2347-8691)

तकनीकी बुलेटिन:

ऑर्किड, सक्किम के लिए राष्ट्रीय अनुसंधान केन्द्र से प्रकाशित ऑर्किड में डी, नियंत्रण रेखा, देब, पी, छेत्री, जी, मेधी, आरपी और पोखरेल, एच (2013) पोस्ट हार्वेस्ट टेक्नोलॉजी,।

अंतरराष्ट्रीय स्तर में कार्यवाही:

12-14 सितम्बर 2013 देब, पी (2013) कम्पोजिट छत के ऊपर बगीचा, में शहरी लोगों के लिए एक अलग सोच: में परिदृश्य और शहरी बागवानी, पर 4 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही: लैंडस्केप और शहरी बागवानी पर 4 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, साइंस सिटी, कोलकाता, पी-0303

20-21 दिसंबर 2013 देब, पी, मुंशी, पी एस और भौमिक, एन (2013) पूर्वी की गुणवत्ता कुछ कटहल का मूल्यांकन जीनोटाइप और में पूर्वोत्तर भारत,: माइनर फलों पर 2 की कार्यवाही अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी और औषधीय पौधों, रुहाना विश्वविद्यालय, श्रीलंका, पृष्ठ -19 (आईएसबीएन 978-955-1507-29-9)। मुंशी,पी एस, मंडल संजीब और देब, पी (2013) हार्वेस्ट के स्टेज, शैल्फ जीवन और में कमरख एल पर भंडारण तापमान और पैकेजिंग का प्रभाव: 2 अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही माइनर फल और औषधीय पर संयंत्रों, श्रीलंका, विश्वविद्यालय के

पृष्ठ-41 (आईएसबीएन 978-955-1507-29-9)। मंडल संजीब, मुंशी, पी एस और देब, पी (2013) फलने व्यवहार, लाल तहत कारामबोला के फलों का विकास और विकास (कमरख एल) और पूर्वी भारत के लैटरिटिक क्षेत्रों,: माइनर फल और औषधीय पर 2 अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही संयंत्रों, रुहु, मापालाना कोमबुरुपितिया श्रीलंका, विश्वविद्यालय के पृष्ठ -52 (आईएसबीएन 978-955-1507-29-9)।

राष्ट्रीय स्तर में एब्सट्रैक्टः

फ़रवरी 01-03, 2014 देब, पी चक्रवर्ती, एस और भौमिक, एन (2014) कुछ केले जीनोटाइप का एंटीऑक्सीडेंट गुण, परिदृश्य,, पीपी बदलने में कृषि और जैव सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

देब, पी चक्रवर्ती, एस, संगमा, डीके, तिरुमालेश, एम और मोहान्ता, एस (2014) प्रमुख बागवानी फसलों के उपज और गुणवत्ता बनाम जलवायु परिवर्तन - एक पूर्वी भारतीय संदर्भ, कृषि और जैव सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी , परिदृश्य बदल रहा पीपी। 5. सांगप्लिआंग, मुरली, चक्रवर्ती, एस और देब, पी (2014) फ्लोरिकालचाराल उत्पाद, परिदृश्य, पीपी बदलने में कृषि और जैव सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में वैल्यु अलावा। 13

परेश चंद्र कोले

कोले, पी.सी. और साहा, अलग अलग वातावरण के अधीन हो मेथी में अलग मात्रात्मक पात्रों के लिए परिवर्तनशीलता और आनुवांशिकता पर ए 2013 अध्ययन। जे प्लांट ब्रीडिंग और फसल विज्ञान, 5:। 224-228्।

अभिजित पाल

सिंह, नाओरेम ब्रजेन्द्र; पॉल, अमिताव; वानी, शब्बीर हुसैन और लैश्राम, जयकुमार मेइती। बैक्टीरियल विल्ट सहिष्णु और अधिक उपज देने वाली किस्मों का उपयोग टमाटर में गुणवत्ता लक्षण (सोलेनम लाईकोपारसिकाम एल) के लिए 2013 भिन्नाश्रय अध्ययन करता है। जे पी.एल.एससि रेस, 29 (1):। 111-118्।

6-9 दिसम्बर, 2014 चक्रवर्ती, एन.आर. और पॉल, ए 2014 कृषि सार पर वैश्विक जलवायु परिवर्तन के प्रभावः 5 भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेसः कभी में मन अग्रणी - एमएस स्वामीनाथन फाउंडेशन और विश्वभारती भारती द्वारा आयोजित चौड़ा विचार और कार्रवाई, शांतिनिक्तन, प.बंगाल पीपी 20्।

निहार रंजन चक्रवर्ती

11-13 नवम्बर, 2013 चक्रवर्ती, एन.आर. और दुयारी, बीरभूम जिला, पि चम बंगाल, भारत के स्थानीय लोगों द्वारा चिकित्सा के रूप में कुछ मातम के बी 2013 उपयोगिता। सारः अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन जूलॉजी, पर्यावरण विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी, डिडिइउगोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर विभाग द्वारा आयोजित दौरान उत्तर प्रदेश, आयोजित इकोटेकनिकल हस्तक्षेप और जलवायु परिवर्तन (सद्भाव-2013) के संदर्भ में प्रकृति के साथ सद्भाव पर और राष्ट्रीय पर्यावरणविदों एसोसिएशन, रांची, झारखंड, पीपी 168्।

22-23, नवम्बर 2013 चक्रवर्ती, एन.आर. 2013 पर्यावरण के अनुकूल दृष्टिकोण खाद्य सुरक्षा के लिए चावल जर्मप्लाज्म में सुधार होगा। सारः सुरक्षा, संरक्षण एवं प्रबंधन पर्यावरण अध्ययन विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित एवं लोक स्वास्थ्य इंजीनियर्स संस्थान, भारत पीपी 51: पर्यावरण के मुद्दों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

6-9 दिसम्बर, 2014 चक्रवर्ती, एन.आर. और पॉल ए 2014 कृषि सार पर वैश्विक जलवायु परिवर्तन के प्रभावः 5 भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेसः कभी में मन अग्रणी - एमएस स्वामीनाथन फाउंडेशन और विश्वभारती, शांति निकेतन द्वारा आयोजित चौड़ा विचार और कार्रवाई पि चम बंगाल पीपी 20्।

फ़रवरी 01-03, 2014 चक्रवर्ती, एन.आर. खुशबूदार गैर-बासमती चावल के प्रेरित म्यूटेंट में आनुवंशिक विचलन की 2014 प्रकृति। सारः ऐसिपन विभाग (कृषि विज्ञान, मृदा विज्ञान और कृषि रसायन, कृषि अभियांत्रिकी, प्लांट फिजियोलॉजी और पशु विज्ञान), पल्ली शिक्षा भवन (कृषि संस्थान), विश्वभारती-द्वारा आयोजित दौरान आयोजित बदलते परिदृश्य में कृषि और जैव सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी भारती, श्रीनिक्तन, पि चम बंगाल पीपी 17 (थीम-3)।

चक्रवर्ती, एन.आर. और दुयारी बी (2014)। बीरभूम जिले, पिश्चम बंगाल, भारत के स्थानीय लोगों द्वारा दवा के रूप में कुछ मातम का उपयोग। अंतर्राष्ट्रीय जैव संसाधन के जर्नल और तनाव प्रबंधन 5 (1): 148-152्।

नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या विभाग द्वारा शुरू की किसी भी अन्य शिक्षण नवाचारों डिजाइनिंग।

विभिन्न सब्जियों, फूलों और अन्य फसलों की कृषि वनस्पति पात्रों पर अध्ययन विविधता और / या क्र्1 पीढ़ी में भिन्नाश्रय प्रभाव के उपयोग के लिए क्रॉस-प्रजनन कार्यक्रम में अप्रत्यक्ष उपयोग या के रूप में प्रत्यक्ष उपयोग के लिए उपयुक्त जीनोटाइप (एस) की पहचान करने में मदद करेगा, जिस पर जा रहे हैं प्रजनन की उन्नत पीढ़ी में होनहार सेग्रेगेन्टस् के अलगाव। फल, सब्जी और सुगंधित फसलों पर सुधार कृषि तकनीकों पर 'पर खेत' परीक्षणों उत्पादकों को विधि के रूप में अच्छी तरह से परिणाम प्रदर्शनों के रूप में चल रही है।

बागवानी अनुसंधान और प्रदर्शन यूनिट बागवानी पर शोध करने के लिए विकसित किया गया है; एक ही इकाई बागवानी फसलों पर किसानों के विभिन्न समूहों के लिए विभिन्न क्षेत्र आधारित यूजी और पीजी स्तर पर व्यावहारिक और प्रशिक्षण के लिए उपयोगी है।

डॉ जॉयदीप मंडल विकसित और प्रशिक्षण पर व्यावहारिक वर्गों और हाथों स्नातकीय ले रही है और पीजी के लिए बेहद उपयोगी साबित हो गया है जो एक प्रदर्शन साजिश, को बनाए रखने। और यह भी कि बागवानी के विभिन्न पहलुओं पर 'किसानों को प्रशिक्षण देने के।

संकाय के सबसे इसके अलावा पावर प्वाइंट प्रस्तुति, आपूर्ति हाथ और अध्ययन सामग्री देने और कक्षा संगोष्ठी आदि की व्यवस्था

विकास के लिए भविष्य की योजनाओं का एक संकेत के साथ संबंध भवन / सदन / विभाग के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास

तीन अलग विषयों अर्थात जिसमें सी-हैब विभाग,। जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, बागवानी तथा कृषि वनस्पति विज्ञान, अपनी स्थापना के बाद 1989 से कार्य करना शुरू कर दिया, विभाग यूजी स्तर पर जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग, बागवानी तथा कृषि वनस्पति विज्ञान पर विभिन्न पाठ्यक्रम प्रदान करता है। बागवानी में स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रति वर्ष सात छात्रों का सेवन क्षमता के साथ 1997-98 के शैक्षणिक सत्र से शुरू कर दिया। यूजी और पीजी पाठ्यक्रमों के अलावा, विभाग के संकाय सदस्यों को भी सक्रिय रूप से पीएचडी करने के लिए अग्रणी अनुसंधान कार्य में छात्रों का मार्गदर्शन करने में लगे हुए हैं्। डी की डिग्री और विस्तार गतिविधियों्। संकाय सदस्यों जेआरएफ के प्रयोजन के लिए विशेष रूप से विशेष कक्षाएं आयोजित की जाती है और अंतिम वर्ष बीएससी निर्देशित (एजी)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, जेआरएफ के लिए छात्रों को ऑनर्स।

विभाग के प्रमुख की राय में लायक रिपोर्टिंग है जो किसी भी अन्य प्रासंगिक जानकारी, शामिल किया जाना चाहिए्।

कुछ फल फसलों की वनस्पति प्रचार के लिए कुछ बेहतर तकनीक विकसित किया गया है। कुछ फल, सब्जियां, फूल और औषधीय पौधों के लिए समन्वित पोषक प्रबंधन मानकीकृत किया गया है। जैविक खेती और विभिन्न बागवानी फसलों के पोस्ट हार्वेस्ट मैनेजमेंट पर परीक्षणों पर जा रहे हैं्। उच्च तकनीक के लिए बनाया सुविधा। , पाली घरों आदि विभाग सूक्ष्म सिंचाई के विशेष संदर्भ में बागवानी जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग में स्नातकोत्तर कार्यक्रम शुरू करने के लिए और आण्विक ब्रीडिंग और कटाई उपरांत प्रौद्योगिकी के लिए आधुनिक और अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाओं की स्थापना करने की योजना बनाई है।

कृषि विस्तार, कृषि अर्थशास्त्र और कृषि सांख्यिकी विभाग

यह विभाग विश्वविद्यालय के दृभषि संकाय के चार विभागों में अन्यतम है जो सन् 1889 में प्रारंभ हुआ। अध्यापन, शोध एवं विस्तार के प्रमुख कार्य है। विभाग दृभषि-विस्तार विषय में स्नातकोत्तर एवं दृभषि-विस्तार, दृभषि-अर्थशास्त्र एवं दृभषि सांख्यिकी विभाग में शोध कार्यक्रम संचालित करता है। विभाग के दृभषि अर्थशास्त्र एवं दृभषि-सांसख्यिकी वर्ग अन्य भवनों के विभागों के दृभषि स्नात्तकोत्तर कार्यक्रम में अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी संबद्ध लघु एवं सहयोगी पाठ्यक्रम भी चलाता है।

विभाग के संकाय सदस्य विभागीय विषयों में में पीएच.डी हेतु सक्रिय रूप से शोध कराने में लगे हुए हैं। संप्रति संकाय के अधिकांश सदस्य राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय संस्थानों के सहयोगी से चल रही विविध परियोजनाओं को माध्यम से नयी-नयी खोज कर रहे हैं। अधिकांश परियोजनाओं प्रद्भति से बहु वर्गीय एवं बहु संस्थागत हैं। विभाग रवीन्द्रनाथ ठाकुर एवं एल.के. एल्महर्स्ट के विचारों को ग्रहण करते हुए ग्रामीण विस्तार कार्य कलापों, स्थानीय दृभषकों एवं फार्म महिलाओं तथा ग्रामीण युवाओं को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। पुनः विभाग विद्यार्थियों, वैज्ञानिकों, विस्तार अधिकारियों एवं अन्य सरकारी अधिकारियों को ग्रामीण अनुभव कार्यक्रमों, बैठक-सह-ग्रामीण शिविरों के आयोजन के द्वारा प्रतिवर्ष प्रशिक्षित करता है।

विभाग प्रक्रिया केलिए अनुमान - हाल केरुझान और विचारों पर एक दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया है 21-22 फ़रवरी, 2013 में इस तरह केसम्मेलन केआयोजन की विचार केदौरान एक मंच बनाने के लिए किया गया था, जहां अध्ययन केअन्य क्षेत्रों से वैज्ञानिकों कर सकते हैं वे अपने प्रयोगात्मक डेटा सेट का वि लेषण करने में सामना कर रहे हैं समस्याओं केप्रकार केबारे में बात करने केलिए एक दूसरे केसाथ और सांख्यिकी केक्षेत्र से वैज्ञानिकों केसाथ बातचीत। सम्मेलन 6 केइन दो दिनों केदौरान वार्ता केलिए आमंत्रित किया है और 20 की वार्ता दिया गया योगदान दिया। विभिन्न विश्वविद्यालयों से लगभग 50 प्रतिभागियों को भारत केकॉलेजों और अनुसंधान संस्थानों राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया। प्रतिभागियों को एक हद तक सम्मेलन का आनंद लिया और दिया व्याख्याताओं केमानक केसाथ उनकी खुशी व्यक्त की है।

कुछ नई पहलः वर्ष 2013-2014 केलिए विस्तार गतिविधियों पर विस्तृत रिपोर्टः

यह बीरभूम केइस क्षेत्र में बरसात केमौसम केदौरान सब्जी उत्पादन का एक बड़ा घाटा और विभिन्न सब्जी की कीमत भी उस समय केदौरान बहुत अधिक है है कि देखा गया है। यह भी कृषि योग्य भूमि में से ज्यादातर केखरीफ मौसम में धान की खेती करने केलिए इस्तेमाल किया जा रहा है कि पाया गया है। नतीजतन, सब्जी केउत्पादन केलिए आवश्यक मांग की तुलना में कम है। यह विभाग सब्जियों का विकास करने केलिए स्थानीय किसानों की आदत को बढ़ाने केद्वारा और अपने विस्तार कार्यक्रम केमाध्यम से सब्जियों केतहत खेती की भूमि केक्षेत्र में वृद्धि से सब्जियों केउत्पादन को बढ़ाने केलिए पहल की है। और पल्स बीज (मसूर - विविधताः रंजन) और (ग्राम - विविधताः महामाया): - (बी -9 किस्म सरसों) इस साल हम तेल केबीज केवितरण केप्रयोजन केलिए 14 पड़ोस केगांवों को कवर किया। 95 किसानों की कुल ऐसे बीज केसाथ उपलब्ध कराने केद्वारा मदद किया गया है। एक और प्रयास में, किसानों सर्दियों सब्जियों की फसलों के2100 पौधे दिए गए थे - फूल (किस्मः बर्फ की गेंद), गोभी (किस्मः बर्फ की गेंद), टमाटर (किस्मः जी.के)। विभाग केप्रदर्शन की साजिश में, रिज लौकी, लोबिया भारतीय बीन्स (सिम) की तरह सब्जियों, महिला उंगली प्रायोगिक आधार पर और नियंत्रण पर्यावरण केतहत बोए गए थे। परिणाम काफी उत्साहजनक रहे थे। आने वाले साल में हम अधिक जोर अधिक खेतों भूमि को शामिल केसाथ किसानों केमैदान पर और अधिक प्रयोगों का संचालन करेगा।

(विवरण में) शिक्षकों ने भाग लिया आदि केवल राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी

देबासीस भट्टाचार्य

(विभाग के प्रमुख)

18-19 अक्टूबर, 2013:पुणे द्वारा आयोजित प्रबंधन प्रणालियों पर 4 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

शौभिक घोष

फ़रवरी 01-03, 2014: कृषि और जैव-सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी बदलते परिदृश्य में, विभाग, पल्ली शिक्षा भवन (कृषि संस्थान), विश्वभारती, श्रीनिकेतन, द्वारा आयोजित सहभागितापूर्ण सिंचाई प्रबंधन 'पर लीड पेपर प्रस्तुत किया: कुशल पर कृषि जल प्रबंधन के लिए एक सुधार '।

बिधान चंद्र राय

08-09 नवम्बर, 2013: सामाजिक विज्ञान के स्कूल, पोस्ट ग्रेजुएट स्टडीज कॉलेज, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, द्वारा आयोजित उत्तर-पूर्वी राज्यों के लिए कृषि व्यापार क्षमता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, मेघालय एक पेपर प्रस्तुत किया है और कृषि पर एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की बिजनेस मैनेजमेंट: नीति मुद्दे। इसके अलावा एक तकनीकी सत्र के लिए एक दूत और पूर्ण अधिवेशन के रूप में काम किया।

6-9 दिसम्बर, 2013: 5 भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस पर विश्वभारती, शांतिनिकेतन और एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन द्वारा आयोजित विचार और कार्रवाई कभी चौड़ा में मन अग्रणी, एक अखबार पढ़ा है और यह भी पैनल चर्चा के लिए एक सह-समन्वयक के रूप में काम वैज्ञानिक उत्कृष्टता पर युवा वैज्ञानिकों के 'विजन पर।

देबाशीष सरकार

8 मार्च 2014: महाविद्यालय, बर्दवान द्वारा आयोजित वर्तमान समय में स्वामी विवेकानंद की प्रासंगिकता 'विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी; 'स्वामी विवेकानंद और रवींद्रनाथ' पर एक प्रस्तुति पेश की। इसके अलावा एक सत्र की अध्यक्षता की।

12 फ़रवरी 2014: एफएओ और संयुक्त राष्ट्र संघ, अहमदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन, कैम्पस, डॉ विक्रम साराभाई मार्ग, आईआईएम-ए रोड, अहमदाबाद द्वारा आयोजित छोटे और सीमांत परिवार के किसानों पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और मुक्त व्यापार समझौते के प्रभाव 'विषय पर राष्ट्रीय स्तर की परामर्श बैठक -380,015; 'पश्चिम बंगाल में परिवार खेती' पर एक पत्र पढ़ा।

2-03 अगस्त, 2013: यूजीसी मानव अधिकार: चुनौतियां, राष्ट्रीय सेवा योजना की भूमिका पर राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रायोजित महाविद्यालय, चितरंजन, बर्दवान द्वारा आयोजित; 'चुनौतियों भारत में मानवाधिकार' विषय पर एक प्रस्तुति पेश की,. इसके अलावा एक सत्र की अध्यक्षता की।

सिद्धार्थ देव मुखोपाध्याय

1-32014: विभाग द्वारा आयोजित बदलते परिदृश्य में कृषि पर राष्ट्रीय संगोष्ठी और जैव-विविधता,। पीएसबी, ज.ए. की - एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन " ओडिशा में आदिवासियों के विकास की दिशा में केवीके द्वारा प्रशिक्षण का प्रभाव 'और': - एक भविष्य दृष्टिकोण मानव स्वास्थ्य और कृषि-जलवायु के लिए खतरों को अंशदान अनुप्रयोग 'के बारे में' 'किसान धारणा पर तीन पत्र पढ़ा।

21-22 फरवरी, 2014: प्रक्रिया पर पर राष्ट्रीय सम्मेलन - हाल के रुझानों और विचार,. 6-9, दिसंबर 2013: के दौरान विश्वभारती में आयोजित भाग 5 भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस,

(सुश्री) अनिंदिता साहा

1-3 फ़रवरी 2014: कृषि पर राष्ट्रीय संगोष्ठी और पीएसबी, विश्वभारती, श्रीनिकेतन विभाग द्वारा आयोजित बदलते परिदृश्य में जैव-सुरक्षा, 'प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन अनुसंधान में सामाजिक विधियों' पर किए गए एक प्रस्तुति से।

24-26 फ़रवरी, 2014: जूलॉजी, विश्वभारती, विभाग द्वारा आयोजित पर्यावरण जीव विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और पर्यावरण मॉडलिंग, ग्रामीण महिलाओं के स्वदेशी ज्ञान के माध्यम से जलवायु परिवर्तन के साथ मुकाबला पर प्रस्तुति दी।

8 मार्च 2014: राष्ट्रीय संगोष्ठी भूमि संसाधनों की स्थिति पर: ग्रामीण समाजशास्त्र और सामुदायिक विकास, बलवंत विद्यापीठ ग्रामीण संस्थान, (आगरा) विभाग द्वारा आयोजित चुनौतियां और समाधान, 'अलग स्थिति के तहत मृदा एवं जल संरक्षण' विषय पर एक प्रस्तुति पेश की ।

दिग्विजय सिंह

6-9 दिसंबर 2013: विश्वभारती, शांतिनिक्तन और एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन द्वारा आयोजित 5 वीं भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस, चेन्नई आगरा बाजार में आलू की कीमत व्यवहार पर एक प्रस्तुतीकरण दिया - **एक सांख्यिकीय विश्लेषण**

फ़रवरी 01-03, 2014: (कृषि विज्ञान, मृदा विज्ञान, कृषि अभियांत्रिकी, प्लांट फिजियोलॉजी और पशु विज्ञान), पल्ली शिक्षा भवन, कृषि, विश्वभारती संस्थान के विभाग द्वारा आयोजित परिदृश्य को बदलने में कृषि और जैव सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, -, श्रीनिक्तन, पि चम बंगाल के मॉडल का उपयोग भारत के विभिन्न बाजारों में आलू की कीमत पूर्वानुमान पर एक प्रस्तुति पेश की।

बितान मंडल

9 नवंबर 2013 को 8 वीं: भारतीय डेयरी पर आसियान-भारत मुक्त व्यापार समझौते का प्रभाव 'पर दिया एक मौखिक प्रस्तुति से स्नातकोत्तर पढ़ाई, इम्फाल के कॉलेज द्वारा आयोजित' 'उत्तर-पूर्वी राज्यों के लिए एग्रीबिजनेस क्षमता' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयात: एक सिमुलेशन व्यायाम '

9 दिसंबर 2013: पर 5 भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस आसियान-भारत मुक्त व्यापार समझौते के प्रभाव 'पर दिया एक मौखिक प्रस्तुति के लिए 6 से विश्व भारती, शांति निक्तन में एमएसएसआरएफ और विश्व भारती द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित' कभी सोचा और कार्रवाई को चौड़ा करने में मन प्रमुख 'भारतीय डेयरी बाजार पर'

21-22 फ़रवरी, 2014: प्रक्रिया-हाल के रुझानों और विचारों के लिए निष्कर्ष 'पर राष्ट्रीय सम्मेलन क्कन्, कृषि संस्थान (पीएसबी), विश्वभारती, श्रीनिक्तन विभाग में पर आयोजित किया। संयुक्त आयोजन सचिव की क्षमता में मुख्य आयोजन समिति के सदस्य का हिस्सा है।

विभाग में चल रहे अनुसंधान परियोजनाओं - 2013-2014:

डॉ सिद्धार्थ देव मुखोपाध्याय

का नाम: गहन गन्ना विकास परियोजना (आई एस डी पी)

प्रायोजित एजेंसी: विभाग। कृषि, भारत सरकार

वार्षिक मंजूर: रुपये। 7,41,000 / - (2013-2014)

अवधि: 1984 के बाद से चल रहा है (वर्ष मंजूरी के लिए वर्ष)

शिक्षक / विद्वान या एक पूरे के रूप में विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक भेद

देबासीस भट्टाचार्य:

संपादकीय जिम्मेदारी:

जर्नल स्टोक्स्टिक मॉडलिंग और अनुप्रयोग के संपादक

सांख्यिकी और प्रबंधन प्रणाली के इंटरनेशनल जर्नल के प्रबंध संपादक

भारतीय संभावना की सोसायटी और सांख्यिकी के संपादक 'जर्नल सहयोगी

पत्रिकाओं के रेफर / समीक्षक:

सांख्यिकी और संभाव्यता पत्र (एल्सेविअर)

सांख्यिकीय योजना और अनुमान के जर्नल (एल्सेविअर)

बहुभिन्नरूपी वि लेषण के जर्नल (एल्सेविअर)
सांख्यिकी में संचार; सिद्धांत और तरीके (टेलर और फ्रांसिस)
नौसेना अनुसंधान रसद (विले)
व्यावहारिक सांख्यिकी के जर्नल
सांख्य (स्प्रिंगर)
मॉडल सांख्यिकी और अनुप्रयोग (आईओएस प्रेस)
सीखा सोसायटी की सदस्यताः
सांख्यिकी अमेरिकन एसोसिएशन, संयुक्त राज्य अमरीका, संयुक्त राज्य अमेरिका के गणितीय सांख्यिकी संस्थान
भारतीय सांख्यिकी संस्थान,
राज्य पुस्तकालय के लिए पं चम बंगाल राज्य कार्यान्वयन समिति के सदस्य
कलकत्ता सांख्यिकीय एसोसिएशन,
भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन,
उत्पादकता, गुणवत्ता और विश्वसनीयता के लिए इंडियन एसोसिएशन।

बिधान चंद्र राय

संपादक, सामाजिक विज्ञान, नई दिल्ली के इंटरनेशनल जर्नल
रेफरी, कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान की समीक्षा, नई दिल्ली
समीक्षक, आर्थिक मामलों, नई दिल्ली
रेफरी, सामाजिक विज्ञान, नई दिल्ली के इंटरनेशनल जर्नल
आजीवन सदस्य, कृषि अर्थशास्त्र, मुंबई के इंडियन सोसायटी
आजीवन सदस्य, कृषि अर्थशास्त्र रिसर्च एसोसिएशन, नई दिल्ली

सुमित कुमार सोरि

कृषि अर्थशास्त्र का भारतीय समाज, मुंबई, भारत, 2013 के आजीवन सदस्य।
कृषि आर्थिक अनुसंधान एसोसिएशन के आजीवन सदस्य, नई दिल्ली, भारत, 2013्।
राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशन / (मार्च 2012 से अप्रैल 2012) के साथ एक संपादित पुस्तक का अध्याय के साथ किताबें

देबासीस भट्टाचार्य

अनुसंधान प्रकाशनः

एक सुसंगत प्रणाली में बेहतर आवंटन बेमानी घटकों के लिए एक सामान्य नियम,
गणितीय और प्रबंधन विज्ञान, वॉल्यूम के अमेरिकन जर्नल। 32, संख्या 2,
द्रद्र.101-117, 2013, आईएसएसएन 0196-6324, (डीओआईः 10.1080 / 01966324.2013.830236), (टेलर एंड फ्रांसिस)
विवश अतिरेक की एक सामान्यीकृत समस्या को सुलझाने के लिए एक इष्टतम नीति
सुसंगत सिस्टम, गणितीय अमेरिकन जर्नल और में आवंटन
मैनेजमेंट साइंसेज, 32, संख्या 4, 210-227, 2013, (टेलर और फ्रांसिस), आईएसएसएन 0196-6324 (प्रिंट), (ऑनलाइन) 2325-8454्।
के जर्नल (सिस्टम जीवन में सुधार के लिए इष्टतम अतिरेक आवंटन नियम
अनिं चतता वि लेषण और अनुप्रयोग 01:14, .1-9, 2013, (स्प्रिंगर) डीओआईः 10.1186 / 2195-5468-1-14, आईएसएसएन 2195-5468

पुस्तक अध्यायः

एक लाभ को अधिकतम अतिरेक में सर्वश्रेष्ठ सिस्टम घटक के चयन पर आवंटन समस्या (2013), प्रबंधन प्रणाली, अध्याय 5, 21-28, एड्स। सविता पाठक, सारिका शर्मा, नेहा तेजवानी, राइट शैक्षणिक प्रेस, पुणे, महाराष्ट्र, भारत 978-3-8443-1537-84)

सार्थक चौधरी

प्रकाशन

जर्नल में लेख

'पशुधन प्रबंधन में तटीय पारिस्थितिकी प्रणाली के संसाधन गरीब कृषक महिलाओं के ज्ञान का स्तरः एक अनुभवजन्य मूल्यांकन', विस्तार शिक्षा, वॉल्यूम एशियाई जर्नल। 31, 2013: 53-57्। आईएसएसएनः 0971-3115्।

पुस्तक अध्याय में लेख

भारत की उभरती हुई अर्थव्यवस्था एड में कुछ अनुभवजन्य आर्थिक विकास के पहलुओं और विविधीकरण 'गरीब किसानों के लिए खेत प्रौद्योगिकियों का प्रसार'। प्रणव केआ। चट्टोपाध्याय, नई दिल्लीः नई दिल्ली प्रकाशक, 2014: 149-154्। आईएसबीएनः 978-93-81274्।

भारत की उभरती हुई अर्थव्यवस्था एड में आर्थिक वृद्धि की कुछ अनुभवजन्य पहलुओं और विविधीकरण 'सब्जियों की खेती में कीटनाशकों के उचित उपयोग के संबंध में सब्जी उत्पादकों द्वारा अनुभवी के रूप में क्षेत्र स्तर की कमी'। प्रणव केआ। चट्टोपाध्याय, नई दिल्लीः नई दिल्ली प्रकाशक, 2014: 331-342्। आईएसबीएनः 978-93-81274्।

शौभिक घोष

प्रकाशन

पत्रिकाओं में लेख

, सिंचाई और जल निकासी (विले-ब्लैकवेल), 2014, वॉल्यूम लौकिक सिंचाई विकास के पैटर्न और भारतीय कृषि पर इसके प्रभाव 63, नंबर 1, पीपी। 1-11्। आईएसएसएनः 1531-0353्।

'सिंचाई विकास में रुझान और भारत में कृषि उत्पादकता पर इसके प्रभावः एक समय श्रृंखला वि लेषण', भारत, 2014, वॉल्यूम में कृषि की स्थिति। 69, 11, नहीं, पीपी। 13-20्। आईएसएसएनः 0002-1679्।

'माध्यमिक भंडारण के माध्यम से एक पुनर्वास लघु सिंचाई परियोजना और उसके जल संसाधन की वृद्धि का निष्पादन मूल्यांकनः एक मामले का अध्ययन', कृषि जल प्रबंधन (एल्सेविअर), 2013, वॉल्यूम। 128, पृ। 32-42्। आईएसएसएनः 0378-3774

'महानदी बेसिन में धारा प्रवाह ट्रेंड्स (भारत): उष्णकटिबंधीय जलवायु परिवर्तनशीलता के लिए लिंकेज', जल विज्ञान के जर्नल (एल्सेविअर), 2013, वॉल्यूम। 495, पीपी। 135-149्। आईएसएसएनः 0022-1694्।

कृषि क्षेत्र में पानी की उत्पादकता की स्केलिंग अप पर प्रशिक्षण 'किसानों के प्रभाव आकलन' ', विस्तार शिक्षा, 2013, वॉल्यूम की भारतीय शोध पत्रिका। 13, नंबर 1, पीपी। 43-47्। आईएसएसएनः 0972-2181्।

वर्तमान विज्ञान, 2013, वॉल्यूम 'भारत में खाद्य सुरक्षा के लिए चुनौतियां'। 104, नंबर 7, पीपी। 841-846्। 0011-3891्।

पुस्तक अध्याय

जल संसाधनों उष्णकटिबंधीय वर्षा आधारित कृषि के क्षेत्र में प्रबंधनः आने वाली पीढ़ी के लिए स्थायी संसाधन संरक्षण के लिए कुंजी, विस्तार शिक्षा और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में अग्रिम (माप - मैं), एड। डी दास गुप्ता, (भारत), जोधपुर, 2014: 77-88्। : 978-81-7754-150-2

भूमि और जल संसाधनों के प्रबंधन के लिए स्वदेशी ज्ञान, खाद्य और पर्यावरण सुरक्षाः स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों, एड की अनिवार्यता। डी दास गुप्ता, (भारत), जोधपुर, 2013ः 390-394्। 978-81-7754-509-8

बिधान चंद्र राय

जर्नल में पेपर्स

प िचम बंगाल, आर्थिक चक्कर, वॉल्यूम में आजीविका सुरक्षा पर ग्रामीण आजीविका विविधीकरण के प्रभाव। 58, नंबर 3, आईएसएसएनः 0424-2513्।

राज्य बजटीय संसाधनों और प िचम बंगाल में कृषि विकास, आर्थिक मामलों, वॉल्यूम। 58, नंबर 4, पीपी 383-394, आईएसएसएन 0424-2513्।

प िचम बंगाल, कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान की समीक्षा में ग्रामीण आजीविका विविधीकरण के पैटर्न, खंड 26 (नं 3), सम्मेलन अंक, पीपी 209, आईएसएसएन 0971-3441्।

पुस्तक / पुस्तक अध्याय

राम सिंह, दिबाकर नाइक और एस.एम. फिरोज भारत में (स्ं।) एग्री-बिजनेस संभावितः में पूर्वी और उत्तर-पूर्वी राज्यों में विशेष फल के लिए संदर्भ और सब्जी प्रसंस्करण उद्योग, के साथ भारत में कृषि व्यापार संभावित पहाड़ी राज्यों, क्र्ण से अनुभव प्रकाशक (भारत), 2014ः पीपी। 81-106, 9789383252213)

राम सिंह, दिबाकर नाइक और एस.एम. फिरोज भारत में (स्ं।) एग्री-बिजनेस संभावितः प िचम बंगाल में समस्याएं और फलों की संभावनाएँ और सब्जी प्रसंस्करण पहाड़ी राज्यों, क्र्ण पब्लिशर्स (भारत), 2014 से अनुभवः। पीपी 471- 492, 9789383252213)

देबाशीष सरकार

शोध पत्रिकाओं में लेख

कार्यक्रम और प्रबंधन और सामाजिक विज्ञान में भारत के प िचम बंगाल, एडवांस्ड रिसर्च इंटरनेशनल जर्नल में खेत मशीनीकरण, वॉल्यूम का रुझान। 3, नंबर 1 जनवरी, 2014 आईएसएसएनः 2278-6236्।

प िचम बंगाल, वर्तमान अनुसंधान, वॉल्यूम के इंटरनेशनल जर्नल में खेत मशीनीकरण की लागत पर एक आर्थिक वि लेषण। 6, नहीं, 01 जनवरी, 2014 आईएसएसएनः 0976-833

प िचम बंगाल, भारत में आय असमानता, गरीबी और खाद्य सुरक्षा; सामाजिक विज्ञान के अध्ययन के जर्नल; वॉल्यूम। 1, नंबर 1 जनवरी, 2014 आईएसएसएनः 2329-9150्।

हद तक और प िचम बंगाल, सामाजिक-आर्थिक और पर्यावरण आउटलुक, वॉल्यूम की इंटरनेशनल जर्नल में खेत मशीनीकरण की तर्ज पर अध्ययन। 1, नंबर 1 फरवरी, 2014 आईएसएसएनः 2348-4101्।

प िचम बंगाल, भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आय असमानताः आर्थिक मामलों; वॉल्यूम। 58, नंबर 2 जून, 2013 आईएसएसएनः 0424-2513

प िचम बंगाल की तुलना में एक की तुलना में भारत में शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं के अभाव; आर्थिक मामलों, वॉल्यूम। 58, नंबर 3, सितम्बर 2013 आईएसएसएनः 0424-2513

कृषि समाचार, वॉल्यूम। 1, नंबर 1, सितंबर-दिसंबर 2013 आईएसएसएनः 2347-9663्।

तिलहन की खेती का तुलनात्मक अर्थशास्त्रः प िचम बंगाल, कृषि और खाद्य विज्ञान के प्रवचन जर्नल में तिल लिए एक विशेष संदर्भ; वॉल्यूम। 1, No.12, दिसंबर 2013 आईएसएसएनः 2346-7002्।

राज्य बजटीय संसाधनों और प िचम बंगाल, आर्थिक मामलों में कृषि विकास; वॉल्यूम। 58. नंबर 3 दिसंबर, 2013 आईएसएसएनः 0424-2513्।

पुस्तक अध्याय में लेख

स्थिति और प. बंगाल में कृषि का प्रदर्शन प िचम बंगाल की अर्थव्यवस्थाः विकास एड्स लिए भविष्य के निर्देश। ए.के डे, डी सरकार एस सेनगुप्ता, नई दिल्लीः नई दिल्ली प्रकाशक, 2014 978-93-81274-56-9्।

पर्ि चम बंगाल की अर्थव्यवस्था पर एक परिचयात्मक नोटः विकास के लिए भविष्य के निर्देश पर्ि चम बंगाल की अर्थव्यवस्थाः विकास एड्स लिए भविष्य के निर्देश। ए.के डे, डी सरकार एस सेनगुप्ता, नई दिल्लीः नई दिल्ली प्रकाशक, 2014 978-93-81274-56-9्।

पहाड़ी राज्यों एड्स से अनुभव। आर सिंह, डी नाईक, एस.एम. फिरोज, गुवाहाटीः पब्लिशर्स (भारत), 2014 : 978-93-83252-21-3्।

कृषि स्वदेशी टेक्नोलॉजीज के आर्थिक सं लेषण खाद्य और पर्यावरण सुरक्षाः स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों की अनिवार्यता एड। डी दास गुप्ता, जोधपुरः (भारत), 2013 978-81-7754-509-8्।

महिलाओं और विकासः पर्ि चम बंगाल में एक लिंग संवेदनशील वि लेषण वैश्वीकरण एड्स के युग में आजीविका के लिए चुनौतियां और समावेशी ग्रामीण विकास्। पीके चट्टोपाध्याय, एस भट्टाचार्य, नई दिल्लीः नई दिल्ली प्रकाशक, 2013: 978-93-81274-25-5

चुनौतियां और संभावनाओं एड्सः भारत में ग्रामीण विकास पर्ि चम बंगाल में कृषि विकास के क्षेत्रीय पैटर्न पर अध्ययन्। एम घोष, ए.के चट्टोपाध्याय, नई दिल्लीः धारावाहिक प्रकाशन, 2013 : 978-81-8387-592-9्।

पुस्तक

प.बंगाल की अर्थव्यवस्थाः विकास एड के लिए भविष्य के निर्देश। ए.के डे, डी सरकार एस सेनगुप्ता, नई दिल्लीः नई दिल्ली प्रकाशक, 2014 978-93-81274-56-9्।

सिद्धार्थ देव मुखोपाध्याय

पर्ि चम बंगाल के पूर्ब मेदिनीपुर जिला, विस्तार शिक्षा, 2013, वॉल्यूम के जर्नल में एक अध्ययन - रासायनिक, सांस्कृतिक और जैविक पौध संरक्षण के संबंध में किसानों को 'गोद लेने के व्यवहा। - पूरा, नंबर 1, पीपी 53 -। 60. आई - 0976-8246्।

(सुश्री) अनिंनदिता साहा

पत्रिका में लेख

चाय में महिलाओं की भूमिका में एक मामले का अध्ययन ', जैव संसाधन और तनाव प्रबंधन का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 4: 1, 2013, 077-083, पुष्पा पब्लिशिंग हाउस, कोलकाता, आईएसएसएनः 0976-3988, आईएसएसएनः 0976- 4038

567-568, मई-जून (2013), अवन्तिपुर, जम्मू एवं कश्मीर, आईएसएसएनः पर्यावरण नैतिकता, कृषि विज्ञान 4 की शोध पत्रिका (4) का सार के साथ तृतीयक शिक्षा प्रणाली हरियाली 0976-1675 डिः 1360-13-1106-2013-151

पुस्तक अध्याय में लेख

'जैविक बागवानी से भोजन और पर्यावरण सुरक्षा', स्वदेशी ज्ञान प्रणाली, एड के खाद्य और पर्यावरण अनिवार्यता। डी दास गुप्ता, जोधपुर, 2013, 241-263, आईएसएसएन संख्या (13): 978-81-7754-509-8,

स्वदेशी ज्ञान-पर्यावरण सुरक्षा के महत्वपूर्ण घटक, स्वदेशी ज्ञान प्रणाली, एड के खाद्य और पर्यावरण अनिवार्यता। डी दास गुप्ता, जोधपुर, 2013, 188-196, आईएसएसएन संख्या (13): 978-81-7754-509-8

ग्रामीण खाद्य सुरक्षा सुनिर्ि चत करने में स्वदेशी ज्ञानः अंगुल जिला, ओडिशा के एक मामले का अध्ययन, स्वदेशी ज्ञान प्रणाली, एड के खाद्य और पर्यावरण अनिवार्यता। डी दास गुप्ता, जोधपुर, 2013, 197-201, आईएसएसएन संख्या (13): 978-81-7754-509-8्।

डी.एस धाकरे

पत्रिकाओं में लेख

ग्रोथ और प.बंगाल में सब्जियों की अस्थिरता वि लेषण; जैव संसाधन और तनाव प्रबंधन के इंटरनेशनल जर्नल; वॉल्यूम। 4 (3), 2013; 479-482; 0976-3998्।

नागालैंड केदीमापुर जिले में राजा मिर्च की खेती का अर्थशास्त्र; नगालैंड विश्वविद्यालय केशोध पत्रिका; .6,8-10, 2013; 0973-0346

मिदनापुर जिला और पि चम बंगाल, पर्यावरण और पारिस्थितिकी में एनपीके की खपत पैटर्न पर एक अध्ययन; वॉल्यूम 32 नहीं 1 ए, 225-229, 2014; आईएसएसएन 09700420

पि चम बंगाल में कृषि उद्यमों की ओर कृषि छात्रों की आकांक्षाः पल्ली शिक्षा भवन केएक केस अध्ययन; विस्तार शिक्षा खंड 4 के भारतीय शोध पत्रिका (1), 64-67, 2014; 0972-2181

आगरा बाजार में आलू की कीमत व्यवहार - एक सांख्यिकीय वि लेषण; विस्तार शिक्षा की भारतीय शोध पत्रिका; खंड 14 (2), 12-15, 2014; 0972-2181

पुस्तक अध्याय में लेख

बांसः एक लाभ का उपक्रम पूर्वोत्तर क्षेत्र केसामाजिक-आर्थिक स्थिति केउत्थान केलिए; स्थायी कृषि उत्पादन केलिए प्राकृतिक संसाधनों; एड्स। आमोद शर्मा, एस दास, डी बी त्यागी; दिल्ली; एस एस प्रकाशन; , 113-125; 2013; आईएसबीएन 978-81-89812-47-8

श्री बितान मंडल मंडल

पत्रिकाओं में लेखः

'द्विपक्षीय व्यापार में भारत और ईरान केबीच संबंधों को मजबूत बनानेः पशुधन क्षेत्र में अवसरों' संसाधन, ऊर्जा के जर्नल, और विकास, वॉल्यूम। 10, नंबर 1, 2013: 39-50 एन ज़ादेह, मंडल, स्मिता सिरोही, और सक्सेना; 0975-7554

कृषि अनुसंधान, वॉल्यूम इंडियन जर्नल 'पि चम बंगाल केबर्दवान जिले में चावल की खेती तकनीक का उपयोग के लिए जिम्मेदार कारकों'। 47, नंबर 4, 2013: 329-334्। अरिंदम नाग, मंडल, रेशमी सिंह और आर रॉय बर्मन; 0367-8245

पुस्तक अध्याय में लेखः

'इंडियन डेयरी आयात पर आसियान-भारत मुक्त व्यापार समझौते का प्रभावः एक सिमुलेशन व्यायाम'; भारत में कृषि व्यवसाय क्षमताः पहाड़ी राज्यों से अनुभव; ईडी। राम सिंह, दिबाकर नाइक और एस.एम. फिरोज; पोस्ट ग्रेजुएट स्टडीज,, इम्फाल केकॉलेज; पब्लिशर्स (भारत); 2014: 571-581्।: 978-93-83252-21-3

सुमित कुमार शोरी

जर्नल में रिसर्च पेपरः

छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में धान की मार्केटिंग। संयंत्र के विकास साइंसेज के जर्नल। 5 (03): 323-327, आईएसएसएन 0974-6382्।

छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में धान प्रसंस्करण का एक आर्थिक वि लेषण। 17 के जर्नल (03): 583-587, आईएसएसएन 0971-9016्।

जटरोफा की खेती के सामाजिक-आर्थिक लाभः्। छत्तीसगढ़ में भूतपूर्व पूर्व वि लेषण सामाजिक अनुसंधान, आईएसएसएन 0019-5656 इंडियन जर्नल (पेपर वॉल्यूम में प्रकाशन केलिए स्वीकार किए जाते हैं कि कोई 55 मुद्दा कोई 06्।)।

छत्तीसगढ़ केमहासमुंद जिले में उत्पादन, विपणन और धान केप्रसंस्करण की पहुंच में बाधा माना जाता है। अर्थशास्त्र मामलों्। 58 (1): 115-120, आईएसएसएन 0424-2513

स्वयं सहायता समूह केमाध्यम से महिलाओं की सामाजिक-आर्थिक उत्थान। संयंत्र केविकास साइंसेज केजर्नल, 6 (01): 121-126, आईएसएसएन 0974-6382्।

पुस्तकः

एसएचजीः छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण के लिए एक दृष्टिकोण। ईडी। सुशीला सिन्हा, सुमित कुमार जर्मनीः एलएपी लैम्बर्ट शैक्षणिक प्रकाशन, 2014 आईएसबीएन 13: 9783659502484

विभाग के प्रमुख की राय में लायक रिपोर्टिंग है जो किसी भी अन्य प्रासंगिक जानकारीः

विभाग अंतरिक्ष, बजट, बुनियादी ढांचे और गैर-शिक्षण श्रम शक्ति के संदर्भ में सामना करना पड़ा गंभीर बाधाओं के बावजूद, शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों में उच्च प्रदर्शन के अपने रिकॉर्ड को बनाए रखने में सक्षम हो गया है। इस साल पांच पीएचडी। डी छात्रों सम्मानित किया गया है। पिछले साल की तरह, इस साल भी विभाग (परिसर में और परिसर बंद दोनों) क्षेत्र क्लीनिक और किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के रूप में अच्छी तरह से विस्तार कर्मियों को कई आयोजन किया गया है। प्रो देबासीस भट्टाचार्य राज्य के पुस्तकालयों के लिए एक सदस्य राज्य के कार्यान्वयन समिति के रूप में काम कर रहा है। प्रो बी सी रॉय एक तकनीकी एग्री बिजनेस मैनेजमेंट पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के सत्र की अध्यक्षता की गई हैः 8-9 नवंबर में, केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, मेघालय द्वारा आयोजित नीति के मुद्दों, 2013 डा डीएस एक 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में काम एजी की श्रेणी में्। आर्थिक और सांख्यिकी, 20 मार्च 2013 को 11 वीं के दौरान क्षेत्र, मेघालय के लिए आईसीएआर अनुसंधान परिसर।

पौधा संरक्षण विभाग

छात्रों के नाम यूजीसी / सीएसआईआर / नेट / सलेट और गेट परीक्षा में योग्य: - पाँच
अनुज ममगनी (प्लांट पैथोलॉजी)
पी नागमणि (प्लांट पैथोलॉजी)
डी चौधरी (प्लांट पैथोलॉजी)
सब्यसाची पाल कीटविज्ञान)
तारक ब्रह्मा माझी कीटविज्ञान)
राष्ट्रीय और विवरण में शिक्षक / अनुसंधान विद्वानों ने भाग लिया आदि अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी:

एन.सी. मंडल

1. भाग लिया 5 भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस एसआरएम विश्वविद्यालय, एमएसएसआरएफ और के सहयोग से विश्व भारती द्वारा आयोजित शांति निकेतन में 6-9 दिसम्बर, 2013 को आयोजित।
2. पीएसबी, विश्वभारती विभाग द्वारा आयोजित श्रीनिकेतन में 1-3 फरवरी, 2014 को आयोजित 'बदलते परिदृश्य में कृषि और जैव-सुरक्षा' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेने

कंचन बराल

1. राष्ट्रीय संगोष्ठी कृषि और जैव सुरक्षा परिदृश्य को बदलने में फरवरी 1-3,2014 से पल्ली शिक्षा भवन (कृषि संस्थान), विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित और पर अध्ययन पर एक पेपर प्रस्तुत बैंगन फल और शूट बोरर, खरीफ बैंगन में की जनसंख्या गतिशीलता।

पर्यावरण जीव विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और पर्यावरण मॉडलिंग (2014) 24-26 फ़रवरी, 2014 से जूलॉजी, शिक्षा भवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन विभाग द्वारा आयोजित और पर पर्यावरण मापदंडों पर एक पेपर प्रस्तुत 2. पर राष्ट्रीय सम्मेलन ओडिशा के उत्तर मध्य पठार कृषि जलवायु क्षेत्र के अंतर्गत मौसमी बहुतायत और गीला मौसम बैंगन में

हिरक चटर्जी

1. भाग लिया 5 भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस एसआरएम विश्वविद्यालय, एमएसएसआरएफ और के सहयोग से विश्व भारती द्वारा आयोजित शांति निकेतन में 6-9 दिसम्बर, 2013 को आयोजित।
2. विभाग, पीएसबी, विश्वभारती द्वारा आयोजित श्रीनिकेतन में 1-3 फरवरी, 2014 को आयोजित 'बदलते परिदृश्य में कृषि और जैव-सुरक्षा' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया

कृषि एवं प्रौद्योगिकी, भुवनेश्वर उड़ीसा विश्वविद्यालय में के नोडल अधिकारियों के लिए मूल्यांकन सह डेटा मान्यता 'पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया 3. - 11-12 नवम्बर 2013 कार्यशाला में मुख्य फोकस के दौरान 751,003, उड़ीसा संबंध में डेटा अपलोड की स्थिति पर था की पेशकश की पाठ्यक्रम, सेवन क्षमता, छात्र / भर्ती उत्तीर्ण और साल 2010-11, 2011-12 और 2012-13 के संकाय / प्रशासनिक जनशक्ति और विश्वविद्यालय बजट के लिए।

रंजन नाथ

चावल में म्यान तुषार की 'प्रबंधन हकदार एक कागज 3 फरवरी, विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिकेतन द्वारा आयोजित 2014 और प्रस्तुत पर आयोजित बदलते में कृषि और जैव सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया प चिम बंगाल के लैटरिटिक कृषि पारिस्थितिकी क्षेत्र में रसायन के माध्यम से '

पलाश मंडल

1. भाग लिया 5 भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस एसआरएम विश्वविद्यालय, एमएसएसआरएफ और के सहयोग से

विश्व भारती द्वारा आयोजित शांति निकेतन में 6-9 दिसम्बर, 2013 को आयोजित।
2. पीएसबी, विश्वभारती द्वारा आयोजित श्रीनिकेतन में 1-3 फरवरी, 2014 को आयोजित 'बदलते परिदृश्य में कृषि और जैव-सुरक्षा' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया
3. जबलपुर, मध्य प्रदेश में खरपतवार प्रबंधन के क्षेत्र में अग्रिम पर राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया 2014 14-23 जनवरी को आयोजित
4. भाग लिया 4 जैव कीटनाशक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन फसल संरक्षण अनुसंधान केंद्र, सेंट जेवियर्स कॉलेज, तमिलनाडु द्वारा आयोजित में 28-30 नवम्बर, 2013 को आयोजित

मोहन कुमार बिस्वास

राधाकृष्णन की विरासत 'विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 1. प्रस्तुत शोध पत्रः नई विश्व व्यवस्था में भारत का प्रतिनिधित्व करना, विनयभवन 5.-6 सितंबर 2013 विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पि चम बंगाल, भारत (शिक्षा संस्थान),
पर्यावरण अध्ययन और एकीकृत विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र, विश्वभारती के लिए केंद्र द्वारा आयोजित संरक्षण, संरक्षण और प्रबंधन 22-23 नवम्बर, 2013: पर्यावरण के मुद्दों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 2. प्रस्तुत शोध पत्र।
विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पि चम बंगाल द्वारा आयोजित 5 वीं भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस, 6-9, दिसंबर, 3. प्रस्तुत शोध पत्र
2014 पल्ली शिक्षा भवन (कृषि संस्थान), , विश्वभारती, श्रीनिकेतन, 731,236, पि चम बंगाल, भारत में परिदृश्य 2014, 1-3 बदलने में कृषि और जैव सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 4. प्रस्तुत शोध पत्र।
11-13 नवम्बर 2013 से अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सद्भाव-2013, में 5. प्रस्तुत शोध पत्र, उत्तर प्रदेश, भारत द्वारा आयोजित।
6. बातचीतः रवीन्द्रनाथ और स्थानीय व्यक्तित्व 'पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया टैगोर स्टडीज यूनिट, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, पि चम बंगाल द्वारा आयोजित मार्च 21 से 24'2014 करने के लिए्।

भोलानाथ मंडल

1. भाग लिया 5 भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस एसआरएम विश्वविद्यालय, एमएसएसआरएफ और के सहयोग से विश्व भारती द्वारा आयोजित शांति निकेतन में 6-9 दिसम्बर, 2013 को आयोजित।
2. विभाग, पीएसबी, विश्वभारती द्वारा आयोजित श्रीनिकेतन में 1-3 फरवरी, 2014 को आयोजित 'बदलते परिदृश्य में कृषि और जैव-सुरक्षा' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया
18 फरवरी से पर्यावरण अध्ययन (विज्ञान) में 3. पूरी की गई 23 यूजीसी प्रायोजित 'पुन चर्या पाठ्यक्रम - 10 मार्च, ए एस सी में 2014, बर्दवान विश्वविद्यालय।
4. भाग लिया 4 जैव कीटनाशक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन फसल संरक्षण अनुसंधान केंद्र, सेंट जेवियर्स कॉलेज, तमिलनाडु द्वारा आयोजित में 28-30 नवम्बर, 2013 को आयोजित
वैश्विक परिदृश्य, कोलकाता में 20-22 फ़रवरी, 2014 को आयोजित किया है, भारतीय सोसायटी, कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित - 5. 21 वीं सदी में कवक और रोगाणुओं की भूमिका पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

स्वारंजलि भट्टाचार्या

1. भाग लिया और में आयोजित 'विचार और कार्रवाई कभी चौड़ा में मन अग्रणी' पर राष्ट्रीय स्तर 5 भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस में स्पोडोप्टेरा के खिलाफ कुछ व्यावसायिक कीटनाशकों और के साथ प्रयोगशाला सुसंस्कृत बेसिलस का तुलनात्मक प्रभावकारिता पर पोस्टर प्रस्तुति प्रस्तुत विश्वभारती, शांतिनिकेतन, एमएसएसआरएफ, विश्वभारती, एस आर एम विश्वविद्यालय और द्वारा आयोजित 6-9 दिसंबर से पि चम बंगाल, 2013्।
2. भाग लिया और, पीएसबी विभाग द्वारा आयोजित 1-3 फरवरी को आयोजित किया है, 'बदलते परिदृश्य में कृषि

और जैव-सुरक्षा' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में ' केजीव विज्ञान पर कुछ जैवकीटनाशकों का प्रभाव' विषय पर एक पेपर प्रस्तुत , विश्वभारती।

3. भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद कृषि महत्वपूर्ण कीड़ों केराष्ट्रीय ब्यूरो, हेब्बल, बंगलौर में 02-11 सितम्बर, 2013 से आयोजित 'कीट-कीट में आण्विक पहलुओं सहित पहचान और कीटनाशक प्रतिरोध का मापन' पर 10 दिनों केसंक्षिप्त कोर्स प्रायोजित में भाग लिया।

4. भाग लिया और 16 पर खाद्य सुरक्षा और पर्यावरण सुरक्षा केलिए बायोसाइंसेज जांच पर रजत जयंती अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में' केखिलाफ बेसिलस केलिए स्थानीय स्तर पर पृथक तनाव केमाध्यमिक केअलगाव, प्रारंभिक विशेषता और पर एक पेपर प्रस्तुत 18 फ़रवरी 2014 सीआरआरआई, कटक में आयोजित किया।

विभाग में चल रहे शोध परियोजनाओं

हिरक चटर्जी

तकनीकी अधिकारी 'बायो-प्रभावकारिता और कुछ कीटनाशकों, और विभिन्न फसलों पर कुछ नई पीढ़ी केअणुओं केअवशेषों परीक्षणों' केमिकल्स प्राइवेट द्वारा वित्त पोषित हकदार एक परियोजना के1.। लिमिटेड, नई दिल्ली। (परियोजना 00 18,10,600 लागत)

रंजन नाथ

'जैव प्रभावकारिता और विभिन्न फसलों पर कुछ केअवशेषों केअध्ययन' केमिकल्स प्राइवेट द्वारा वित्त पोषित हकदार एक परियोजना के1. प्रधान अन्वेषक। लिमिटेड, नई दिल्ली। (परियोजना 00 7,48,000 लागत)

पलाश मंडल

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा वित्त पोषित 1. 'चावल की दो महत्वपूर्ण कीटों केखिलाफ का 80 विंग'। लिमिटेड

ग्रेस जैव केयर प्राइवेट द्वारा वित्त पोषित, 2. 'मिट्टी और खरीफ चावल की उत्पादकता पर अनुग्रह ह्यूम-जी और नाइट्रो चूक नायब- की उपयुक्तता, प्रभाव और प्रदर्शन'। लिमिटेड

3. क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा वित्त पोषित, 'चावल की कुछ प्रमुख कीटों केखिलाफ 75 सपा की । लिमिटेड

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा वित्त पोषित, 4. 'विभिन्न फसलों पर उनके केसाथ साथ कुछ कीटों और बीमारियों केखिलाफ कीटनाशकों और का मूल्यांकन'। लिमिटेड

पीआई इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा वित्त पोषित 5. 'प्रमुख कीट और पि चम बंगाल केलाल लैटरिटिक क्षेत्र में विभिन्न फसलों केरोगों पर कीटनाशकों और अन्य कीटनाशकों का मूल्यांकन'

6. 'जैव प्रभावकारिता और विभिन्न मातम और कीट परिदृश्य केखिलाफ विभिन्न फसलों में कुछ और कीटनाशकों के मूल्यांकन' बायर क्रॉप साइंस लिमिटेड द्वारा वित्त पोषित,

इंडिया लिमिटेड द्वारा वित्त पोषित 7. 'विभिन्न मातम और रोगों परिदृश्य केखिलाफ विभिन्न फसलों में कुछ और के जैव फाइटो विषाक्तता मूल्यांकन'

एम के बिस्वास

भारत केप. बंगाल केबागवानी निदेशालय, सरकार द्वारा वित्त पोषित परियोजना फसल रोगों केपादप स्वास्थ्य क्लीनिक और प्रबंधन केसाथ 1. जुड़े।

परियोजना जैव केमूल्यांकन और विभिन्न मातम और रोग परिदृश्य केखिलाफ विभिन्न फसलों में इंडिया लिमिटेड द्वारा वित्त पोषित साथ 2. एसोसिएटेड

भोलानाथ मंडल

मिट्टी और अनुग्रह जैव केयर प्राइवेट द्वारा वित्त पोषित खरीफ चावल 'की उत्पादकता पर अनुग्रह ह्यूम-जी और नाइट्रो चूक नायब- 1. उपयुक्तता, प्रभाव और प्रदर्शन। लिमिटेड

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा वित्त पोषित 2. 'चावल की दो महत्वपूर्ण कीटों के खिलाफ का 80 विंग'। लिमिटेड

3. क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा वित्त पोषित, 'चावल की कुछ प्रमुख कीटों के खिलाफ सपा की लिमिटेड

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा वित्त पोषित, 4. 'विभिन्न फसलों पर उनके के साथ साथ कुछ कीटों और बीमारियों के खिलाफ कीटनाशकों और का मूल्यांकन'। लिमिटेड

पीआई इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा वित्त पोषित 5. 'प्रमुख कीट और पश्चिम बंगाल के लाल लैटरिटिक क्षेत्र में विभिन्न फसलों के रोगों पर कीटनाशकों और अन्य कीटनाशकों का मूल्यांकन'

स्वार्णलि भट्टाचार्य

'जैव प्रभावकारिता और विभिन्न फसलों पर कुछ कीटनाशकों के अवशेषों परीक्षणों' केमिकल्स प्राइवेट द्वारा वित्त पोषित हकदार एक परियोजना के 1. प्रधान अन्वेषक। लिमिटेड, नई दिल्ली। (परियोजना 00 18,10,600 लागत)

'जैव प्रभावकारिता, विभिन्न फसलों पर कुछ अवशेषों विश्लेषण' केमिकल्स प्राइवेट द्वारा वित्त पोषित नामक एक परियोजना 2. सह पीआई। लिमिटेड, नई दिल्ली। (परियोजना 00 7,79,900 लागत)

'जैव प्रभावकारिता और विभिन्न फसलों पर कुछ अवशेषों के अध्ययन' केमिकल्स प्राइवेट द्वारा वित्त पोषित हकदार एक परियोजना के 3. सह पीआई। लिमिटेड, नई दिल्ली। (परियोजना 00 7,48,000 लागत)

केमिकल्स प्राइवेट द्वारा वित्त पोषित 'कुछ नई पीढ़ी के अणु की जैव प्रभावकारिता' नामक एक परियोजना के 4. सह पीआई। लिमिटेड, नई दिल्ली। (परियोजना 00 2,90,900 लागत)

विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने विभाग द्वारा आयोजित और भाग लिया विस्तार गतिविधियों / एनएसएस / सांस्कृतिक और अन्य गतिविधियों।

शिक्षकों और विभाग के छात्रों को सक्रिय रूप से समय-समय पर संस्थान द्वारा आयोजित विस्तार गतिविधियों में लगे हुए हैं और साथ ही विभाग किसानों के लाभ के लिए सभी कार्य दिवसों में कार्यालय समय के दौरान एक पादप स्वास्थ्य क्लीनिक चलाता है। कीट प्रबंधन के संबंध में टेलीफोन सलाहकार सेवाएं भी किसानों को बढ़ा रहे हैं।

स्थायी कीट प्रबंधन की ओर निदान और सलाहकार सेवाओं कृषि, भारत सरकार के निदेशालय को बढ़ा रहे हैं। पश्चिम बंगाल और विभिन्न गैर सरकारी संगठनों की। संकाय सदस्यों को भी आसपास के गांवों में किसानों को पर कृषि प्रशिक्षण रथीन्द्र कृषि विज्ञान केन्द्र, विश्वभारती द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और इसके अलावा ऑल इंडिया रेडियो और टेलीविजन विस्तार कार्यक्रमों में भाग लिया।

शिक्षकों द्वारा प्राप्त शैक्षणिक भेद / (आदि डीएसए या सीएसए के रूप में मान्यता) की तरह एक पूरे के रूप में विभाग के विद्वानों

एन सी मंडल

1. पंडित जवाहर लाल नेहरू गोल्ड मेडल ग्लोबल आर्थिक प्रगति और रिसर्च एसोसिएशन, चेन्नई, तमिलनाडु से व्यक्तिगत उपलब्धि और राष्ट्रीय विकास (एजुकेशन एंड रिसर्च) के लिए पुरस्कार 2014 और जनवरी 30,2014 दौरान अंतर्राष्ट्रीय एकता सम्मेलन में सम्मानित

हिरक चटर्जी

1. कार्यवाहक विभाग के प्रमुख, पौध संरक्षण विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, प्रभावी रूप 2012/09/15।

2. नोडल अधिकारी, पीएसबी, परियोजना भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के लिए विश्वभारती के रूप में अभिनय।

पौध संरक्षण और पर्यावरण के जर्नल के पार्षद के रूप में 3. अभिनय। ओ यू ए टी, 2007 के बाद से भुवनेश्वर।

'कीट विज्ञान' पऊ, लुधियाना में पत्रिकाओं के 4. रैफरी।

कृषि अनुसंधान संचार, गौरव सोसायटी, में पत्रिकाओं के रेफरी के रूप में 5. अभिनय।

पौध संरक्षण और पर्यावरण के जर्नल के 6. रैफरी। ओ यू ए टी, भुवनेश्वर
7. कागज, ओ यू ए टी, और जोरहाट में सेटर, थीसिस मूल्यांकनकर्ता और बाह्य परीक्षक दूरदर्शन, द्वारा आयोजित " कृषि दर्शन 'कार्यक्रम में
8. संसाधन व्यक्ति
'आकाशवाणी', शांति निक्तेन द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'में फोन' में संसाधन व्यक्ति
रंजन नाथ
1-3 फ़रवरी, 2014 को आयोजित बदलते परिदृश्य में कृषि और जैव सुरक्षा पर राष्ट्रीय में 1. बेस्ट पेपर प्रस्तुति पुरस्कार विभाग, पल्ली शिक्षा भवन, विश्वभारती, श्रीनिक्तेन द्वारा आयोजित
दूरदर्शन, शांति निक्तेन द्वारा आयोजित " कृषि दर्शन 'कार्यक्रम में 2. संसाधन व्यक्ति
'आकाशवाणी', शांति निक्तेन द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'में फोन' में 3. संसाधन व्यक्ति

पलाश मंडल

मैं। विभाग के एक बाहरी परीक्षक के रूप में नियुक्त किया है। कीट विज्ञान, कूचबिहार, रामकृष्ण मिशन विवेकानंद विश्वविद्यालय, कोलकाता।
द्वितीय। जैव संसाधन और तनाव प्रबंधन के जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य (प्रिंट 0976-3988, ऑनलाइन 0976-4038)।
लाइफ 'पादप संरक्षण और पर्यावरण के लिए सोसाइटी के सदस्य और' पादप संरक्षण और पर्यावरण के जर्नल 'प्रकाशित किया।

एम के बिस्वास

प्लेसमेंट सेल के प्रभारी, पीएसबी, कृषि संस्थान, विश्वभारती, शांतिनिक्तेन के रूप में अभिनय
एक पीएचडी के रूप में काम करते हैं। पौध संरक्षण विभाग में पाठ्यक्रम समन्वयक।
पर्यावरण अध्ययन और एकीकृत विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र, विश्वभारती के लिए केंद्र द्वारा आयोजित संरक्षण, संरक्षण और प्रबंधन (2013), 22-23 नवम्बर, 2013: पर्यावरण के मुद्दों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।
पल्ली शिक्षा भवन पर परिदृश्य 2014, 01-03 फ़रवरी '2014 में बदलने के लिए तकनीकी सत्र -6 (जैविक, अजैव तनाव और उसके प्रबंधन) में अध्यक्षता सह अध्यक्ष के रूप और कृषि और जैव सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में अधिनियम (संस्थान कृषि), विश्वभारती, श्रीनिक्तेन, 731,236, प चिम बंगाल,
भारतीय, संयंत्र प्लांट पैथोलॉजी, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के डिवीजन के स्थायी आजीवन सदस्य भारत भारतीय के जर्नल प्रकाशित।
भारतीय समाज और प्लांट पैथोलॉजी, संयंत्र प्लांट पैथोलॉजी, उदयपुर, राजस्थान, भारत के विभाजन के आजीवन सदस्य और प्लांट पैथोलॉजी के जर्नल प्रकाशित।
पौध संरक्षण और भुवनेश्वर, भारत के लिए सोसायटी के आजीवन सदस्य। पौध संरक्षण और के जर्नल में प्रकाशित करें।
एसोसिएशन के आजीवन सदस्य पौध संरक्षण में उन्नति के लिए, पौध संरक्षण में पत्रिका प्रकाशित करते हैं।
वर्ष 2013 के लिए विश्व भारती की आयोजित प्रवेश परीक्षा।
जुलाई 4 '2013 के लिए 24 जून 2013 से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली, भारत की काउंसिलिंग के लिए एक पल्ली शिक्षा भवन के प्रतिनिधि (कृषि संस्थान), विश्वभारती श्रीनिक्तेन के रूप में अधिनियम,।
भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली, भारत की इंडियन जर्नल के एक समीक्षक के रूप में काम करते हैं।
रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लेने और किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम में नारियल के कीट और रोगों पर व्याख्यान

देने के लिए्। द्वारा आयोजित, पल्ली शिक्षा भवन (कृषि संस्थान), 2013/10/21 पर विश्वभारती।
किसानों को क्लब की बैठक और 2013/08/18 पर बीरभूम जिले के; गांव में सीप मशरूम की खेती की तकनीक पर भाषण दिया भाग।
रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लेंगे और चावल की बीमारियों और उनके प्रबंधन पर व्याख्यान देने, संगठित नाबार्ड, कोलकाता और पल्ली शिक्षा भवन (कृषि संस्थान), , परिदृश्य 2014 में बदलने के लिए कृषि और जैव सुरक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान विश्वभारती, श्रीनिकेतन, 1-3 2014्।

भोलानाथ मंडल

वार्डन, पीएसबी, लड़कों 'हॉस्टल (पूर्वी, मध्य और रथीन्द्र हॉल) के रूप में अभिनय।
5 भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस में के रूप में काम किया एसआरएम विश्वविद्यालय, एमएसएसआरएफ और के सहयोग से विश्व भारती द्वारा आयोजित शांति निकेतन में 6-9द्यण दिसम्बर, 2013 को आयोजित।
ओ यू ए टी, उड़ीसा के एक बाहरी परीक्षक और पेपर सेटर के रूप में नियुक्त किया है।
के जर्नल (0971-9016), कृषि अनुसंधान एकेडेमिया जर्नल (2315-7739), कृषि और खाद्य विज्ञान अनुसंधान (2350-2193), कृषि अनुसंधान अफ्रीकी जर्नल के हेराल्ड जर्नल 1991-637ञ्ञ के समीक्षक), जैव संसाधन और तनाव प्रबंधन (के जर्नलः 0976-3988), सूक्ष्म जीव विज्ञान के इंटरकांटिनेंटल जर्नल, कृषि विज्ञान शोध पत्रिका , 2026-6073)।
उपराष्ट्रपति और 'कृषि विज्ञान की खेती के लिए कूचबिहार एसोसिएशन' के संस्थापक सदस्य है। कार्यालयः उत्तर बंग कृषि कूचबिहार, भारत।
'फसल और खरपतवार विज्ञान सोसायटी' के आजीवन सदस्य जर्नल 'फसल और खरपतवार' प्रकाशित किया। कार्यालयः। कृषि विज्ञान, एफ / एजी, भारत के विभाग।
'पूर्वी भारत बागवानी और जैव प्रौद्योगिकी केंद्र' के आजीवन सदस्य जर्नल 'हरित प्रौद्योगिकी' प्रकाशित किया। कार्यालयः दक्षिण 24 परगना, पि चम बंगाल, भारत।
'प्रौद्योगिकी और ग्रामीण विकास के लिए कृषि-बागवानी सोसायटी' के दोनों संस्थापक और आजीवन सदस्य। कार्यालयः ग्राम। पी.ओ. - बसंती, दक्षिण 24 परगना, प.बंगाल, भारत।
'थ्रॉटलिंग विश्व की सहायता के लिए संगठन' के दोनों संस्थापक और आजीवन सदस्य। कार्यालयः जलपाईगुड़ी, पि चम बंगाल, भारत।
'पादप संरक्षण और पर्यावरण के लिए सोसाइटी के आजीवन सदस्य' पादप संरक्षण और पर्यावरण के जर्नल 'प्रकाशित किया। कार्यालयः कीट विज्ञान विभाग, कृषि, ओ यू ए टी, भुवनेश्वर कोलाज़ - 751 003, उड़ीसा, भारत।
'मिट्टी जीवविज्ञान और पारिस्थितिकीय इंडियन सोसायटी' के आजीवन सदस्य 'मृदा जीव विज्ञान और पारिस्थितिकी के जर्नल' प्रकाशित किया। कार्यालयः कृषि माइक्रोबायोलॉजी और कीट विज्ञान, कृषि विज्ञान, कैम्पस विश्वविद्यालय, बंगलौर विभाग - 560 065, भारत।
'की एसोसिएशन' के आजीवन सदस्य इंडियन जर्नल' प्रकाशित किया।
'भारतीय सोसायटी' के आजीवन सदस्य ' रिसर्च की पत्रिका' प्रकाशित किया। कार्यालयः वनस्पति विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता 700 019, भारत।
'और प्लांट पैथोलॉजी इंडियन सोसाइटी की आजीवन सदस्य' और प्लांट पैथोलॉजी के जर्नल 'प्रकाशित किया। कार्यालयः सूत्रकृमिविज्ञान, विभाग, उदयपुर 313 001. राजस्थान, भारत।
भाग लिया और संगठन 'टिकाऊ कृषि पद्धतियों के माध्यम से खाद्य सुरक्षा' कार्यक्रम के तहत फसल चक्र पर प्रशिक्षण देने। 2 सितम्बर 2013 पर आसनसोल बर्दवान सेवा केन्द्र द्वारा।
भाग लिया और 'जमीनी स्तर विस्तार कार्यकर्ताओं' ऑर्ग के लिए कार्यक्रम के तहत 'रबी फसलों में एकीकृत रोग

प्रबंधन' पर प्रशिक्षण दिया। 25 अक्टूबर पर रथीन्द्र कृषि विज्ञान केन्द्र, 2013 तक।
भाग लिया और 3 फ़रवरी 2014, ऑर्ग पर आयोजित परिदृश्य को बदलने में कृषि और पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के अंतर्गत 'बोरो चावल के लिए प्रबंधन आचरण' 'पर' किसान वैज्ञानिक सहभागिता सत्र में संसाधन व्यक्ति के रूप में काम किया। , पीएसबी विभाग द्वारा।
विशेषज्ञ के रूप में कृषि दर्शन कार्यक्रम में भाग लिया और डीडीके शांति निकेतन में विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिया।

स्वारंजलि भट्टाचार्य

कृषि, ओ यू ए टी, संबलपुर, उड़ीसा और उत्तर बंग कृषि कूचबिहार के कॉलेज के एक बाहरी के रूप में 1. अधिनियम।
'पादप संरक्षण और पर्यावरण के लिए सोसायटी' प्रकाशन 'पादप संरक्षण और पर्यावरण के जर्नल' के 2. आजीवन सदस्य। कार्यालय: कीट विज्ञान विभाग, कृषि, ओ यू ए टी, भुवनेश्वर कॉलेज - 751 003, उड़ीसा, भारत।
'जैव नियंत्रण के लिए एडवांसमेंट सोसायटी' की 3. आजीवन सदस्य 'जैविक नियंत्रण के जर्नल' जर्नल में प्रकाशित। कृषि महत्वपूर्ण कीड़ों के कार्यालय नेशनल ब्यूरो, बंगलौर 560,024, भारत।
4. कृषि दर्शन कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन के रूप में काम किया और 2014 को दूरदर्शन के कार्यक्रम, शांति निकेतन में 'बोरो धान के कीट-कीट प्रबंधन' विषय पर व्याख्यान दिया।
8. प्रकाशन (- मार्च 2014 अप्रैल 2013 के दौरान प्रकाशित)

एन सी मंडल

1. मंडल। एन सी। 2013 पोस्ट हार्वेस्ट आलू की उनके प्रबंधन : फसल रोग प्रबंधन पर 34 वें वार्षिक सम्मेलन और संगोष्ठी: अग्रिम और चुनौतियों, 2013, 21-23 जनवरी के दौरान प्लांट पैथोलॉजी, कृषि, नवसारी, गुजरात के समुद्री मील दूर कॉलेज विभाग द्वारा आयोजित।

लालकृष्ण बराल

1. नायक, अमेरिका, बराल, कश्मीर, रथ, एल.के और मंडल, पी (2013)। बैंगन शूटिंग और फल छेदक के खिलाफ कुछ जैव कीटनाशकों और तुलनात्मक प्रभावकारिता। जे 17 (1): 39-43्।
2. मंडल, पी, मंडल, बी एन चटर्जी, एच और बराल, लालकृष्ण (2013)। जूट कीट और उनके प्रबंधन। में: जूट विकास - परंपरा और आधुनिकता के बीच तकनीकी इंटरफ़ेस। डी दासगुप्ता (स्ं।) (भारत), जोधपुर, राजस्थान। 124-136्।
3. मंडल, डी, पी और बराल, लालकृष्ण (2013)। बिहार बालों कमला, च्द्रत्थ्दृद्मदृठ्ठ परोक्ष वॉक के प्रबंधन के लिए कीटनाशकों का मूल्यांकन। काला चना में: (विग्ना मुंगो एल) 8 (2): 429-431
4. मंडल, डी, पी, बराल, लालकृष्ण और चटर्जी, एम एल (2013)। फील्ड प्रभावकारिता और धब्बेदार फली छेदक के खिलाफ कुछ कीटनाशकों के अर्थशास्त्र काले फसल की और खरपतवार 9 (2): 177-180्।
5. नायक, अमेरिका, बराल, कश्मीर, रथ, एल.के और मंडल, पी (2013)। बैंगन और उसके मौसमी प्रभाव पर मौसम मापदंडों के प्रभाव खरीफ की जनसंख्या गतिशीलता।

हिरक चटर्जी

1. एस पाल; चटर्जी, एच और एस.के सेनापति। 2013 लाली के खिलाफ और कीटनाशकों के अर्थशास्त्र (डायनथस कैरीओफ़िलस) कली छिद्रक भारतीय 40 (2): 195-200्।
2. एस पाल; चटर्जी, एच और एस.के सेनापति। जाल और दार्जिलिंग हिल्स में लाली (डायनथस कैरीओफ़िलस) पर लार्वा के साथ कीट गतिविधि के संबंध का उपयोग कर 2014 की निगरानी। जे ईएनटी। रेस। 38 (1): 23-26्।
3. टी बी माजी,; एस पाल और मटर में पल्स बीटल एल) के जैविक मापदंडों पर कुछ के एच चटर्जी 2014 प्रभाव

सटाइवम एल)।9 (1): 71-74

पुस्तक अध्याय

1. पी मंडल, बी मंडल, एच चटर्जी और लालकृष्ण बराल (2014)। जूट कीट और उनकेप्रबंधन। मेंः परंपरा और आधुनिकता केबीच जूट विकास, तकनीकी इंटरफेस (डी दास गुप्ता एड।)। (भारत), प्रकाशक, आईएसबीएन 978-81-7754-526-5, पीपी 127-140

रंजन नाथ

1. एस नंदी, ए अधिकारी, एस और आर नाथ (2013) लोबिया अंकुर स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण बंद भिगोना पर को बढ़ावा देने केपौधों की वृद्धि केसंभावित प्रभावों (स्यूडोमोनास जैव प्रौद्योगिकी, वॉल्यूम केअफ्रीकी जर्नल। 12 (15), पीपी। 1853-1861्।

2. एस एस दत्ता, ए मंडल, ए अधिकारी, एस चौधरी, आर नाथ, और ए (2013) लोबिया पर केरोगजनन दौरान बायोकेमिकल प्रतिक्रियाओं्। जैव प्रौद्योगिकी, वॉल्यूम केअफ्रीकी जर्नल। 12 (25), पीपी। 3968-3977्।

पलाश मंडल

1. ए कोनार, एन जॉनसन सिंह, पलाश मंडल। पि चम केगंगा केमैदानी इलाकों में एफिड और केखिलाफ आलू जर्मप्लाज्म की 2013 स्क्रीनिंग। कीट विज्ञानी अनुसंधान केजर्नल, 37: 229-232्।

2. अमेरिकी नायक, एल.के रथ, लालकृष्ण बराल और पलाश मंडल। बैंगन शूटिंग और फल छेदक, केखिलाफ कुछ जैव कीटनाशकों और के2013 तुलनात्मक प्रभावकारिता।

3. एस पाल, टी.बी. माजी और पलाश मंडल। भिंडी पर कीट कीट की 2013 घटनाओं, (एल) पि चम बंगाल के लाल लैटरिटिक क्षेत्र में ग्दृड्ढदड़्। पौध संरक्षण केजर्नल, 5: 59-64्।

4. अमेरिकी नायक, एल.के रथ, लालकृष्ण बराल और पलाश मंडल। बैंगन और उसकेमौसमी उतार-चढ़ाव एप्लाइड प्राणी शोध जर्नल, 129-134 पर मौसम मापदंडों केप्रभाव खरीफ की 2013 जनसंख्या गतिशीलता।

पुस्तक अध्याय

1. मंडल, बी, मंडल, पी और दासगुप्ता, एमके(2013)। पि चम बंगाल, भारत में कम बाहरी इनपुट सस्टेनेबल एग्रीकल्चर और जैव विविधता केलिए एक सहायता केरूप में पारिस्थितिकी सुरक्षित पौध संरक्षण में स्वदेशी ज्ञान,। मेंः खाद्य और पर्यावरण सुरक्षाः (। दासगुप्ता, डी एड) स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों की अनिवार्यता। (भारत), आईएसबीएनः। 978-81-7754-509-8, जोधपुर, पीपी 65-73्।

2. पी मंडल, बी मंडल, एच चटर्जी और लालकृष्ण बोराल (2014)। जूट कीट और उनकेप्रबंधन। मेंः परंपरा और आधुनिकता केबीच जूट विकास, तकनीकी इंटरफेस (भारत), प्रकाशक, आईएसबीएन 978-81-7754-526-5, पीपी 127-140्।

एम केबिस्वास

प. बंगाल केलैटरिटिक क्षेत्र की कृषि-पारिस्थितिकी शर्त केतहत 1. और संजीव (2013) सीप मशरूम की विभिन्न प्रजातियों के.प्रदर्शन एसपीपी।)। इंट जैव संसाधनों का और तनाव प्रबंधन 4 (1) पीपी 043-046्।

2. सोमा भट्टाचार्य (बिस्वास), चाय बागानों में साहा (2013) महिलाओं की .दरवाजे में एक मामले का अध्ययन। इंट जैव संसाधनों का और तनाव प्रबंधन 4 (1) पीपी 077-083्।

3. पी पाल, डी। दासगुप्ता और पिंकी पाल (2013)। केमेजबान प्रतिरोध पर अध्ययन
पि चम बंगाल केलेटराइट क्षेत्र की कृषि-पारिस्थितिकी हालत में पीले मोज़ेक वायरस केखिलाफ 8 (2) पीपी-583-587्।

की वजह से सरसों की तुषार केविकास पर पर्यावरणीय कारकों के4. एमकेबिस्वास (2013) प्रभा०। विशेष मुद्दा, 139-144्।

पुस्तक अध्यायः

1. एम.के बिस्वास (2013)। स्वदेशी ज्ञान प्रणाली (। क़्.क़्ठ्ठ्म गुप्ता एड) के खाद्य एवं पर्यावरण सुरक्षा (भारत), पीपी 74-82: में हस्तक्षेप के निहितार्थः सीप मशरूम की खेती पर किसानों के लिए जीवन भर सीखने।

2. सोमा भट्टाचार्य (बिस्वास) और मोहन कुमार बिस्वास (2013)। श्रीनिकेतन-शांति निकेतन एरिया, बीरभूम, पश्चिम बंगाल भारत के संथाल जनजातियों के बीच में मैक्रो-कवक के बारे में ज्ञान। में: स्वदेशी ज्ञान प्रणाली (। क़्.क़्ठ्ठ्म गुप्ता एड) के खाद्य एवं पर्यावरण सुरक्षा (भारत), पीपी 83-87।

भोलानाथ मंडल

1. खटुआ, डी.सी., मंडल, बी और साहा, जी (2013)। पर कुछ कृषि रसायन, मानव दवाओं और फल और उठाई लौकी की बेल सड़ांध के कारण पौध संरक्षण साइंसेज के जर्नल, 5 (1): 32-36 (प्रिंट 2249-3840, ऑनलाइन 2249-7897 (सूचकांक कोपरनिकस मूल्यः 4.51)।

2. खटुआ, डीसी, मंडल, बी और भट्टाचार्य, आर (2013)। पीवी द्वारा ऊतक आक्रमण की प्रकृति। रिसर्च, 6 (1) के वेस्लेयन जर्नल: 36-39 0975-1368)।

3. मंडल, बी, साहा, जी और खटुआ, डीसी (2013)। फलों और पश्चिम बंगाल में बताया लौकी की बेल सड़ांध। कृषि विज्ञान शोध पत्रिका, 4 (1): 44-47 (क्ष्च्च् 0976-1675)। डीओआईः 1033-12-2703-2012-09।

4. खटुआ, डीसी, मंडल, बी और भट्टाचार्य, आर (2013)। के लिए एक चयनात्मक मध्यम पीवी के जीवाणु रोगज़नक़। कृषि अनुसंधान 8 अफ्रीकी जर्नल (49): 6388-6393 1991-637 6.0, प्रभाव कारक 0.263)। डीओआईः 10.5897 / 2013.8036।

5. मंडल, बी, भट्टाचार्य, आई और खटुआ, डीसी (2013)। बैक्टीरियल विल्ट रोग के खिलाफ कुछ बैंगन लाइनों के क्षेत्र के प्रदर्शन। मिट्टी जीवविज्ञान के जर्नल और पारिस्थितिकीय 33 (1 2): 77-80 0970-1370, 2.6)

6. मंडल, बी, भट्टाचार्य, मैं, सरकार, ए और खटुआ, डीसी (2013)। स्थानीय बैंगन का मूल्यांकन बैक्टीरियल विल्ट के प्रतिरोध के लिए जर्मप्लाज्म (सोलेनम एल कृषि और सांख्यिकीय विज्ञान के इंटरनेशनल जर्नल 9 (2): 709-716 0973-1903, 6.2, 0.01 प्रभाव कारक)

7. मंडल, बी और खटुआ, डी सी (2013)। पेरिस के प्लास्टर और ब्लुमे के पैर सड़ांध के प्रबंधन के लिए कुछ के मूल्यांकन के वजह से। कृषि, पर्यावरण और जैव प्रौद्योगिकी, 6 (4) के इंटरनेशनल जर्नलः 585-589 (प्रिंट 0974-1712, ऑनलाइन क्ष्च्च् 2230-732 4.10)। डीओआईः 10.5958 / .2230-732 6.4.035

पुस्तक अध्यायः

1. मंडल, पी, पालित, एस और मंडल, बी (2012)। जनसंख्या गतिशीलता और सरसों की फसलों में का प्रबंधन। में: सतत कृषि और पर्यावरण (रहीम, केब्री, सरकार, डी और रॉय, ई.पू. सं।)। नई दिल्ली प्रकाशक, : 978-93-81274-12-5, नई दिल्ली, पीपी 291-298

2. मंडल, बी, मंडल, पी और दासगुप्ता, एमके (2013)। पश्चिम बंगाल, भारत में कम बाहरी इनपुट सस्टेनेबल एग्रीकल्चर और जैव विविधता के लिए एक सहायता के रूप में पारिस्थितिकी सुरक्षित पौध संरक्षण में स्वदेशी ज्ञान,। में: खाद्य और पर्यावरण सुरक्षाः (। दासगुप्ता, डी एड) स्वदेशी ज्ञान प्रणालियों की अनिवार्यता। (भारत), आईएसबीएनः। 978-81-7754-509-8, जोधपुर, पीपी 65-73।

3. मंडल, पी, मंडल, बी, चटर्जी, एच और बोराल, लालकृष्ण (2014)। जूट कीट और उनके प्रबंधन। में: परंपरा और आधुनिकता के बीच जूट विकास, तकनीकी इंटरफेस (देवव्रत दास गुप्ता एड।)। (भारत), आईएसबीएन 978-81-7754-526-5। पीपी 127-140;

स्वर्णांजलि भट्टाचार्य

1. भट्टाचार्य, एस .; धर, टी और सेनापति, एस.के (2014)। जूट पर खिलाफ बेसिलस की ग्रीन खेती 0973-1717, 4.79)। (कुबूल हे)

2. भट्टाचार्य, एस और धर, टी (2014)। अकेले प्रभावकारिता और जूट पर के खिलाफ के साथ संयोजन में। पौध

संरक्षण और पर्यावरण के जर्नल। (0973-1717, 2.6)।
नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या विभाग द्वारा शुरू की किसी भी अन्य शिक्षण नवाचारों डिजाइनिंग।
2009-2010 के दौरान संशोधित सेमेस्टर प्रणाली के साथ पौध संरक्षण पाठ्यक्रम में एमएससी (एजी) इस विभाग के 8 संकायों की विशेषज्ञता के साथ ही भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की हाल ही में सिफारिश के आधार पर वर्ष 2011-12 के दौरान ढाचा गया था। पीएच.डी. के लिए नया पाठ्यक्रम पाठ्यक्रम काम के विषय में ज्ञान का हाल ही में उन्नति के ध्यान में रखते हुए बनाया गया है और पहले से ही सफलतापूर्वक शुरू की गई है।

विकास के लिए भविष्य की योजनाओं का एक संकेत के साथ संबंध भवन / सदन / विभाग के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास

पौध संरक्षण विभाग के दो महत्वपूर्ण वर्गों अर्थात के एकीकरण के साथ 1989 में स्थापित किया गया था। कृषि कीट विज्ञान और प्लांट पैथोलॉजी। इससे पहले दो प्रमुख वर्गों कृषि विभाग, पल्ली शिक्षा सदन के तहत 1965 के बाद से कार्य कर रहे थे। हालांकि, एमएससी में विशेषज्ञता के साथ पौध संरक्षण में (एजी)। 1987 वर्तमान में इस विभाग कृषि कीट विज्ञान में निवासी अनुदेश कार्यक्रम प्रदान करता है के बाद से कीट विज्ञान और प्लांट पैथोलॉजी की पेशकश की थी और प्लांट पैथोलॉजी एमएससी करने के लिए अग्रणी पल्ली शिक्षा भवन और स्नातकोत्तर शिक्षा के छात्रों के लिए स्नातक शिक्षा शामिल और पीएच.डी. पौध संरक्षण में डिग्री। इस विभाग के संकाय सदस्यों को सक्रिय रूप से शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार में शामिल है और प्रकाशित लगभग 400 शोध पत्र, समीक्षा लेख आदि संदर्भित अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं में, और 6 स्पेन, जर्मनी और भारत से / संपादित पुस्तक अध्याय लेखक हैं। विभाग के संकाय, ताइवान और बागवानी मिशन, भारत सरकार से चार प्रमुख अनुसंधान परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। प चिम बंगाल की। विभाग यूजी और पीजी छात्रों के साथ ही छात्रों स्नातकीय करने के लिए ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम दोनों को उन्मुख क्षेत्र के प्रैक्टिकल और प्रशिक्षण पर विशेष बल प्रदान करता है। इसके अलावा, संकाय सदस्यों जेआरएफ के प्रयोजन के लिए विशेष रूप से विशेष कक्षाएं आयोजित की जाती है और अंतिम वर्ष बीएससी निर्देशित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, जेआरएफ के लिए (एजी)। ऑनर्स छात्रों। स्नातकोत्तर छात्रों के आर्थिक कीट विज्ञान, जैव नियंत्रण, पारिस्थितिकी, विष विज्ञान, शरीर विज्ञान, वर्गीकरण, कवक विज्ञान, जीवाणु, विषाणु विज्ञान, मशरूम विकृति और पोस्ट हार्वेस्ट विकृति विज्ञान में प्रशिक्षित किया जाता है। विभाग में अनुसंधान के पारंपरिक ताकत आर्थिक कीटविज्ञान, विष विज्ञान और जैविक नियंत्रण में किया गया था। वर्तमान जोर पर जैव एजेंटों, सांस्कृतिक प्रथाओं, मेजबान संयंत्र प्रतिरोध और पर्यावरण के अनुकूल रसायनों से जुड़े विभिन्न फसलों के लिए आईपीएम मॉड्यूल पर है।

पाठ भवन

(प्राईमरी, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक संस्थाएँ)

गुरुदेव रबीन्द्रनाथ ठाकुर एक शताब्दी से भी अधिक पहले सपरिवार शांतिनिकेतन आये। उनके प्रत्यक्ष ज्ञान से यह स्थान आलोक, वायु, खुशी और आनन्द से भर गया। उनका मूल उद्देश्य छात्रों का सर्वतोमुखी विकास; शारीरिक, मानसिक और बुद्धिमत्तापूर्ण अभ्यास के माध्यम से छात्रों में मानवता की भावना जागृत करना। 11वें वार्षिक महोत्सव के अवसर पर 7 पौष, 1308 बी.एस. को उपासना के उपरांत शांतिनिकेतन ब्रह्मचर्यआश्रम की स्थापना की गयी।

पाठ-भवन अनुभाग, जहाँ बच्चों की अध्ययनशीलता मृणालिनी आनन्द पाठशाला के नाम से सुविख्यात है। वर्ष 2014 में इस अनुभाग में छात्रों की संख्या 105 है। इनमें 57 लड़के और 48 लड़कियाँ शामिल हैं। इन छात्रों ने जहाँ पाठ्यक्रम आधारित अध्ययन को बखूबी पूरा किया, वही आश्रम के विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, यथा साहित्य सभा, वार्षिक कला प्रदर्शनी, वार्षिक खेलकूद में पूरी तन्मयता और उत्साह से भागीदारी निभायी।

वर्ष 2014 में कक्षा II से तक XII के कुल छात्रों की संख्या 1020 है।

वर्ष 2014 में बारहवीं कक्षा के लिए द्वितीय श्रेणी से पथ-भवन में छात्रों की कुल संख्या 1020 है।

निवासी कुल छात्रों की संख्याः 366

निवासी (लड़कों) के छात्रों की कुल संख्याः 168

निवासी (लड़कियों) के छात्रों की कुल संख्याः 198

निवासी (लड़कों) के छात्रों की कुल संख्याः 304

दिन विद्वानों की कुल संख्या (लड़कियां): 350

कुल - 1020

के रूप में निम्नानुसार वर्ष में 2014 स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा का संचयी परिणाम है:

नियमित परीक्षार्थियों की कुल संख्याः 137

पारित कर परीक्षार्थियों की कुल संख्याः 128

1 डिव में पारित परीक्षार्थियों की कुल संख्या। : 92

के रूप में निम्नानुसार वर्ष में 2014 पूर्व डिग्री परीक्षा का संचयी परिणाम है:

नियमित परीक्षार्थियों की कुल संख्याः 102

पारित कर परीक्षार्थियों की कुल संख्या (मानविकी): 54

पारित कर परीक्षार्थियों की कुल संख्या (विज्ञान): 43

पाठ भवन एक संस्था केवल पारंपरिक किताबी शिक्षा प्रदान करने का उद्देश्य नहीं है। यह टैगोर आश्रम-सम्मिलनी की स्थापना की है कि भावना के सर्वांगीण विकास के लिए है। इस आश्रम विद्यालय में 100 से अधिक वर्षों के लिए आश्रम-सम्मिलनी के कई अलग अलग गतिविधियों पाठ्यक्रम आधारित अध्ययन के साथ साथ यहां पर चल रहा है। साहित्य, स्वास्थ्य, पर्यावरण, खेल, भोजन और सखा संघा के क्षेत्र में गतिविधियों के साथ लगे हुए धारा दक्षता के साथ उनकी गतिविधियों पूरा कर लिया है। साहित्य सभा, पर्यावरण के प्रति जागरूकता पर कार्यक्रम, विज्ञान सभा, दान, ग्राम सर्वेक्षण, पिकनिक, गांधी- शिक्षक दिवस, आनंद और अन्य गतिविधियों के अलावा इन छात्रों की ओर से सहज भागीदारी कर दिया गया है, सफलतापूर्वक किया गया विश्वभारती द्वारा आयोजित अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों में्। इस वर्ष कक्षा आठवीं और नौवीं कक्षा के छात्रों के एक दिवसीय दौरे में कलकत्ता के पास गया। दसवीं कक्षा और ग्यारहवीं कक्षा के छात्रों को क्रमशः 5 जनवरी और 4 जनवरी को कूचबिहार और राजगीर के लिए चला गया। बारहवीं कक्षा एक दो दिनों के भ्रमण में बि नुपुर के लिए चला गया।

जनवरी के आठवें पर उपस्थित छात्रों के साथ भवन के पूर्व छात्रों हाई स्कूल की 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का मंचन किया। जनवरी 10 पर एक ही सांस्कृतिक कार्यक्रम शाम को प. बंगाल के राज्यपाल से पहले का मंचन किया गया।

18 जनवरी ग्यारहवीं कक्षा के 20 छात्रों विश्वभारती के जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित लिपिका सभागार में आयोजित एक संगोष्ठी में भाग लिया।

इस वर्ष में पाठ- भावन के खेल अनुभाग नियमित रूप से छात्रों को खेल के मैदान में करते हैं कि शारीरिक व्यायाम पर नजर रखी गई है। 27-28 जनवरी से पाठ-भवन और मृणालिनी आनंद पाठशाला के वार्षिक खेल विश्वभारती के खेल बोर्ड की मदद से आयोजित किया गया था।

9 मार्च बसंत- पर जवाहर बेदी पर मंचन किया गया।

डोना रॉय, भवन के पूर्व छात्र बारहवीं कक्षा के लिए नौवीं कक्षा के छात्रों के लिए पाचन तंत्र और बिजली पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

रॉय, ग्यारहवीं कक्षा के एक छात्र वह शेक्सपियर के सोंनेट्स का एक पाठ जहां स्कूल द्वारा आयोजित कविता पाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रहा।

सातवीं कक्षा के दास ईडन गार्डन में बंगाल के तहत चौदह क्रिकेट टीम में भाग लिया।

विवरण में शिक्षकों ने भाग लिया आदि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानक (सम्मेलनों / सेमिनारों / कार्यशालाओं/ प्रदर्शनियों।

कार्यशालाएं: -

24-25 मार्च शिक्षा विभाग, विनय भावना, विश्वभारती द्वारा आयोजित 'माध्यमिक स्कूल के शिक्षकों और प्रशासकों के लिए अभिविन्यास' पर 2014 राष्ट्रीय कार्यशाला। जो भाग लिया शिक्षक: बुलबुल कोनार, छत्रपति मुर्मू, निलय रॉय, पार्थ प्रतिम राय, सरदा बसु मुखोपाध्याय

31 मार्च, 2014 विज्ञान शिक्षण और नवाचार भौतिक विज्ञान, पाठ भवन विभाग द्वारा आयोजित। संसाधन व्यक्तियों: प्रो समर बागची और डॉ बीएन दास।

शिक्षकों ने भाग लिया: मैं) सुचीत चक्रवर्ती द्वितीय) बुलबुल कोनार दास चतुर्थ) सुनील कुमार मंडल ज) छत्रपति मुर्मू सरदा बसु मुखोपाध्याय सप्तम) माझी आठवीं) इपसा बंद्योपाध्याय

भौतिक विज्ञान, पाठ भवन विभाग द्वारा आयोजित 21 मार्च, 2014 धूमकेतु, उल्का और ब्रह्मांड विज्ञान्। रिसोर्स पर्सन: प्रो सुमियो चक्रवर्ती। पाठ भवन के शिक्षक भाग लेने के साथ ही सक्रिय रूप से इस कार्यशाला में भाग लिया।

25 सितंबर, एनएसएस यूनिट, पाठ भवन द्वारा आयोजित वृक्षारोपण और जल संरक्षण पर 2013 जागरूकता शिविर

24 सितंबर, 2013 Patha-भवन एनएसएस दिवस पर थैलेसिमिया पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।

संगोष्ठी और कागज प्रस्तुतियों:

निलय रे

सहायक व्याख्याता, बंगाली

22 अक्टूबर 2013: टाइम्स ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित कोलकाता में आयोजित आरटीआई दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

16 नवंबर 2013: एनबीटी, भारत सरकार के सहयोग से बंगिय साहित्य परिषद, कोलकाता में घटना 'की पूरी कोशिश में बंगाली काव्य' में भाग लिया। भारत की।

अमिताभ मुखर्जी

सहायक व्याख्याता, अंग्रेजी

एसएपी, राजनीति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय - गांधीवादी सोचा और शांति अध्ययन, गांधी भवन व यूजीसी के संस्थान द्वारा आयोजित: 11-12 सितम्बर 2013. विरासत और लीजेंड स्वामी विवेकानंद 'पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रस्तुत किया। विवेकानंद एवं महिला सशक्तिकरण: कागज का शीर्षक।

निर्मल कुमार महतो

सहायक व्याख्याता, इतिहास

07-10 दिसम्बर 2013 कागज पर प्रस्तुत पुरुलिया में जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण क्षरण, संसाधन राजनीति और प्रवास, एक बंगाल जिला ब्रिटिश के सहयोग से कलकत्ता अनुसंधान समूह द्वारा आयोजित अनिवार्य स्थानांतरण पर ग्यारहवीं अभिविन्यास कार्यक्रम के लिए, उप उच्चायोग, पूर्वी भारत।

प्रीति सी नार्टिंग

सहायक। व्याख्याता, आर्ट एंड क्राफ्ट्।

5-6 दिसम्बर, 2013 कागज पर प्रस्तुत डिजाइन, कला और रिसर्च, अतीत पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, वर्तमान और भविष्य इंदौर, मध्य प्रदेश में पेरिस, के साथ सहयोग में एस डी पी एस महिला कॉलेज द्वारा आयोजित की। शीर्षक: भारत के उत्तर-पूर्वी जनजातियों के स्वदेशी डिजाइन्।

भारतीय भाषा, मैसूर के केन्द्रीय संस्थान के सहयोग से असमिया, मराठी व भाषा भवन, विश्वभारती के तमिल भाषा यूनिट द्वारा आयोजित 20-21 फ़रवरी, जनजातीय भाषा, साहित्य और संस्कृति पर वैश्वीकरण के प्रभाव 'विषय पर 2014 राष्ट्रीय संगोष्ठी,। पेपर प्रस्तुत किया: वैश्वीकरण: खासी और जयंतिया जनजाति की कला और संस्कृति पर प्रभाव्।

छत्रपति मुर्मू,

सहायक व्याख्याता, बॉटनी

29 सितंबर 2013 बॉटनी, विश्वभारती विभाग द्वारा आयोजित 'खाद्य सुरक्षा और जीएम फसल' में राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

बोधिरूपा सिन्हा

प्राचार्य, पाठ-भवन

24 -25 मार्च 2014 विनय भावना, विश्वभारती द्वारा आयोजित 'माध्यमिक स्कूल के शिक्षकों और प्रशासकों के लिए अभिविन्यास' पर राष्ट्रीय कार्यशाला में एक पेपर प्रस्तुत किया।

शीर्षक: शिक्षा के गुरुदेव के दर्शन में संकल्पना मूल्य की शिक्षा्।

देबमाल्या दास

सहायक व्याख्याता, अंग्रेजी

16-18 जनवरी 2014 यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय स्तर में भाग लिया तीन दिन अनुवाद कार्यशाला: बच्चों और युवा वयस्कों के लिए कहानियां विश्वभारती द्वारा आयोजित,।

-21 फरवरी 2014 तहत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित भारतीय साहित्य, जादवपुर विश्वविद्यालय के अनुवाद के लिए केंद्र द्वारा आयोजित टैगोर और मसीह, पर राष्ट्रीय स्तर अनुवाद कार्यशाला में भाग लिया।

फ़रवरी 23 और रवीन्द्रनाथ और शांति निकेतन 'पर 12 मार्च 2014 अभिविन्यास कार्यक्रम टैगोर स्टडीज यूनिट, विश्वभारती द्वारा आयोजित।

21- 24 मार्च 2014 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया बातचीत: टैगोर और ग्लोबल / स्थानीय हस्तियों रवींद्र भवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित,।

विस्तार गतिविधियों / सांस्कृतिक एनएसएस / और शिक्षकों और विभाग के छात्रों द्वारा विभाग द्वारा आयोजित और भाग लिया अन्य गतिविधियों:

नृत्य नाटिका 'चित्रांगदा' 15 अप्रैल 2013 पर बंगाली नव वर्ष के शुभ अवसर पर पाठ भवन के छात्रों द्वारा किया गया था।

पाठ भवन के छात्रों द्वारा आयोजित लघु नाटकों (स्कूल स्तर) के एक राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के 'आनंद मठ' का मंचन कोलकाता में बंकिम चंद्र की 175 वीं वर्षगांठ मनाने के लिए

'देश' और 'आनंद मठ' 13 वीं और 14 सितम्बर 2013 पर शरद उत्सव के दौरान प्रदर्शन किया गया।

विभिन्न आयु समूहों और ग्राम जैसे कई अन्य गतिविधियों के लिए गायन प्रतियोगिता नियमित रूप से आश्रम सम्मिलनी स्व शासन के छात्रों के मूल्यों को पैदा करने के लिए अद्वितीय प्रणाली द्वारा आयोजित किए गए 'साहित्य सभा' की तरह विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, 1912 पर रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा स्थापित किया गया था।

पाठ भवन की सबा ख़ुशी आंगनबाड़ी केन्द्र बोलपुर में 130 बर्तन के लगभग एक संख्या में योगदान दिया है, रुपये का योगदान भेजा है। 5000 / उत्तराखंड बाढ़ राहत कोष में भारतीय स्टेट बैंक के माध्यम से। यह भी जरूरतमंद स्कूलों पास के छात्रों और के लिए योगदान पुस्तकों दवाओं के साथ गरीब लोगों की मदद की।

पाठ भवन की वार्षिक प्रदर्शनी सभी आयु वर्ग के छात्रों द्वारा बनाई गई पेंटिंग, क्ले काम करता है, लकड़ी और धातु काम करता है और हस्तशिल्प का पूरा साथ नंदन आर्ट गैलरी में 10 दिसम्बर 2013 को 7 पर आयोजित की गई थी।

24.06.13 - रक्तदान शिविर व सर्टिफिकेट कोर्स 22.06.13 को आयोजित।

रक्तदान शिविर 04.08.13 को आयोजितः इन दोनों शिविरों पाठ भावन, विश्वभारती की एनएसएस इकाई द्वारा आयोजित किए गए्।

वृक्षारोपण विश्वभारती के एनएसएस टीम द्वारा आयोजित 08.08.13 को आयोजित

जहां पाठ भावन के छात्रों और शिक्षकों के उत्साह और साहस का पूरा के साथ भाग लिया।

रक्तदान व सर्टिफिकेट परीक्षा संयुक्त रूप से प. बंगाल और एनएसएस यूनिट, पाठ भावन, विश्वभारती द्वारा आयोजित, 25.08.13 को आयोजित।

साथ भावना दिन प्रतिज्ञा पाठ भावन के छात्रों द्वारा 20.08.13 को मनाया गया था।

अध्ययन दौरे कूचबिहार में आयोजित की गई, भी राजगीर और कोलकाता-जोड़ासाँको (एक एक दिन की यात्रा के रूप में)।

21 वीं और 22 दिसंबर 2013 को पाठ भावन का रीयूनियन का आयोजन किया। दुनिया भर से छात्रों को यह कोई संदेह नहीं है भूतपूर्व छात्रों और पाठ भावन के वर्तमान छात्रों के बीच एक महान बाँट रही थी, ने भाग लिया और इस घटना का आनंद लिया।

शिक्षकों द्वारा प्राप्त शैक्षणिक भेदः

निलय रे, सहायक व्याख्याता, बंगाली यूजीसी द्वारा आयोजित नेट जून 2013 अर्हता प्राप्त की। द्रविड़ भाषाविज्ञान एसोसिएशन के आजीवन सदस्यता (1971 का पंजीकृत। 59) 2013/08/12 पर तिरुवनंतपुरम प्राप्त किया।

श्रीमती। चैताली घोषाल, सहायक। व्याख्याता, होम साइंस जनवरी 2014 में नेताजी सुभाष ओपन यूनिवर्सिटी से शिक्षा में एमए पारित कर दिया।

वर्ष अप्रैल 2013 भीतर प्रकाशन - मार्च 2014:

निर्मल कुमार महतो

ऐतिहासिक स्थानों की एक शब्दकोश में कुछ वस्तुओं को योगदान दिया है, रंजन चक्रवर्ती, एड प्राइमस प्रकाशन, नई दिल्ली, 2013्।

अमिताभ मुखर्जी

समाज और अंग्रेजी शिक्षक भाषा और समाज; संख्याः आईएसबीएनः 978-81-921-0-4

3, संख्या 5 - शिक्षा और विकास, वॉल्यूम महिला सशक्तिकरण शिक्षा के माध्यम से जर्नल। संख्याः आईएसएसएनः 2248-9703्।

स्वामी विवेकानंद और शिक्षा के लिए अपने योगदान शिक्षा और विकास के जर्नल में प्रकाशित, खंड - 3, नं .6्। संख्याः आईएसएसएनः 2248-9703्।

देबमाल्या दास

दास्तां - ई - हारमोनियम, एक्टि चर्चा, जनवरी 2014: नंबर। आईएसएसएनः 2321-1911्।

शिक्षा-सत्र
(उच्चतर माध्यमिक शिक्षा संस्थान)

विभागीय संगोष्ठी (वक्ताओं, संगोष्ठी, तिथि का शीर्षक):

जीवन और महान कारीगर के कलात्मक शिल्प कौशल पर आधारित एक प्रदर्शनी के साथ-साथ 18-19 नवम्बर, 2013 के दौरान एक एकान्त व्यक्तित्व: शिक्षा सत्रा रथीन्द्रनाथ ठाकुर शीर्षक रथीन्द्रनाथ ठाकुर की 125 वीं जयंती के अवसर पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

राष्ट्रीय और विवरण में शिक्षक / अनुसंधान विद्वानों ने भाग लिया आदि अंतर्राष्ट्रीय मानक सम्मेलन / संगोष्ठी/ कार्यशाला / प्रदर्शनी:

सौमेन सेनगुप्ता

सितंबर 2013: दीनबंधु एंड्रयूज कॉलेज, हावड़ा में एक अतिथि वक्ता के रूप में रवीन्द्रनाथ टैगोर 'पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

फ़रवरी 2014: खड़गपुर कॉलेज बंगाली विभाग (पोस्ट ग्रेजुएट) में एक अतिथि वक्ता के रूप राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

जनवरी 2014: बर्नपुर हाई स्कूल द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी में रवीन्द्रनाथ टैगोर की शैक्षिक विचार, पर व्याख्यान दिया।

कृष्णेंदु डे

29 सितंबर 2013: बॉटनी विश्वभारती के विभाग में खाद्य सुरक्षा और जीएम फसल पर एक संगोष्ठी में भाग लिया।

6-9 दिसंबर 2013: विश्वभारती में आयोजित पांचवें भारतीय युवा विज्ञान कांग्रेस में भाग लिया।

गोपीनाथ मंडल

25-26 मार्च 2014: हाल के दृष्टिकोण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'थर्मल विकिरण और गैर वर्दी गर्मी स्रोत / सिंक के साथ एक झरझरा माध्यम में एक खींच / सिकुड़ सतह पर एक ठहराव सूत्री प्रवाह पर की संवहनी गर्मी हस्तांतरण' शीर्षक से प्रस्तुत कागज गणित के विभाग, शिक्षा-भावना, विश्वभारती में आयोजित गैररेखीय गणित और उसके आवेदन 2014)

21-24 मार्च 2014: में भाग लिया रवीन्द्रनाथ टैगोर और-भवन द्वारा आयोजित सभागार में स्थानीय / ग्लोबल व्यक्तित्व: बातचीत पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को प्रायोजित किया।

श्रीनिवास घोष

21-24 मार्च 2014: रवीन्द्र-भवन द्वारा आयोजित लिपिका सभागार में स्थानीय / ग्लोबल व्यक्तित्व: बातचीत पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन को प्रायोजित किया।

विस्तार गतिविधियों / सांस्कृतिक एनएसएस / और शिक्षकों और विभाग के छात्रों द्वारा विभाग द्वारा आयोजित और भाग लिया अन्य गतिविधियों:

जनवरी 2013 में, कक्षा ग्यारहवीं के छात्रों लखनऊ और छठी नौवीं शैक्षिक भ्रमण के एक भाग के रूप में बोधगया का दौरा किया कक्षाओं का दौरा किया।

संतोष पाठशाला और शिक्षा सत्रा की वार्षिक क्राफ्ट प्रदर्शनी नंदन, में 07-10 सितम्बर 2013 के दौरान आयोजित किया गया था।

सक्रिय रूप से 8 अगस्त 2013 पर 10 मार्च 2013, 'ट्री प्लांटेशन' परियोजना पर 'स्वच्छ शांति निकेतन, ग्रीन शांति निकेतन' परियोजना में भाग लिया शिक्षा सत्रा की एनएसएस इकाई, यातायात नियंत्रण कार्यक्रम और विश्व की

एनएसएस यूनिट द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी भारती। बारहवीं कक्षा के छात्रों को भी एक रक्तदान शिविर और स्वैच्छिक रक्त दाताओं के संघ की सहायता से एक सर्टिफिकेट कोर्स का आयोजन किया।

बैसाख के अवसर पर छात्रों श्रीनिकेतन में टैगोर के संगीत नृत्य नाटिका का मंचन किया। उन्होंने यह भी रॉय चौधरी की दौरान टैगोर की पूजा' का मंचन किया।

एक समूह के रूप में निलादित्त साहा, शंखो रॉय, बनर्जी और हाई स्कूल, बोलपुर द्वारा आयोजित इंटर स्कूल क्विज प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

सबा, शिक्षा सत्रा ग्रामीणों के बीच (आदिवासी गांव) प्राथमिक स्कूल के छात्रों और वितरित कपड़े के लिए एक दंत स्वास्थ्य जांच क्लिनिक का आयोजन किया।

स्वामी विवेकानंद के अनुयायियों 'यूथ मिलो और संस्कृति के रामकृष्ण मिशन संस्थान, शिक्षा सत्रा के छात्रों के सराहनीय प्रदर्शन किया है और कई पुरस्कार प्राप्त हुआ है, जहां भाषण, निबंध, संगीत और कविता में जिला स्तरीय इंटर स्कूल प्रतियोगिता का आयोजन किया।

सिरजा दत्ता, छठी कक्षा पीवाईकेके द्वारा आयोजित तीरंदाजी प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए चुना गया था।

मुस्कान परवीन, ग्यारहवीं कक्षा राज्य स्तरीय खो-खो में बीरभूम जिले का प्रतिनिधित्व किया। शॉट पुट और सुदीप्ता मंडल सातवीं कक्षा से मिलो बोलपुर स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय एथलीट में 100 मीटर स्प्रिंट में कांस्य पदक प्राप्त में शर्मिला तुदु, आठवीं कक्षा स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

वर्ष के भीतर प्रकाशन अप्रैल-2010-मार्च-2011

दुलाल पाल, गोपीनाथ मंडल और कुप्पालाल्ले, 'थर्मल विकिरण के साथ नैनो तरल पदार्थ में एक खींच गैर रेखीय और सिकुड़ते चादरों से अधिक संवहन अपव्यय गर्मी हस्तांतरण', गर्मी के इंटरनेशनल जर्नल और मास ट्रांसफर 65 (2013) 481-490्।

दुलाल पाल, गोपीनाथ मंडल और 'चिपचिपा लंपटता के साथ एक टूटती / सिकुड़ सतह पर का ठहराव बिंदु प्रवाह पर संवहनी विकिरण प्रभाव', यांत्रिकी के जर्नल (2014)

दुलाल पाल, गोपीनाथ मंडल प्रवाह और थर्मल विकिरण के साथ एक झरझरा माध्यम में एक खींच-सिकुड़ते सतह पर एक ठहराव बिंदु प्रवाह पर की गर्मी हस्तांतरण', अनुप्रयुक्त गणित और संगणना, 238 (2014) 208-224 (एल्सेविअर पत्रिकाओं) प्रभाव कारकः 1.454

दुलाल पाल, गोपीनाथ मंडल, 'रासायनिक प्रतिक्रिया के साथ एक झरझरा माध्यम में एक खींच-सिकुड़ते चादर से अधिक में मिश्रित संवहन गर्मी और बड़े पैमाने पर स्थानांतरण ठहराव बिंदु प्रवाह पर थर्मल विकिरण का प्रभाव', परमाणु इंजीनियरिंग और डिजाइन (2014), 2014.01.032्।

पाठ्यक्रम या विभाग द्वारा शुरू की किसी भी अन्य शिक्षण नवाचारों नए पाठ्यक्रम डिजाइनिंग .:

शिक्षा सत्रा शैक्षणिक वर्ष 2009-10 से हायर सेकेंडरी खंड शुरू की है। स्कूल विज्ञान के छात्रों के लिए मौजूदा बुनियादी ढांचे में सुधार और शिक्षक-छात्र बातचीत के लिए बेहतर गुंजाइश प्रदान करने के लिए योजना बनाई है। छात्रों को शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा संगीत, ललित कला और अन्य प्रदर्शन कलाओं के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा को बाहर लाने के लिए मंच प्रदान करने के लिए योजना बना रहे हैं्। विभिन्न विषयों में छात्रों द्वारा नियमित रूप से कार्यशालाओं और संगोष्ठियों का आयोजन स्कूल के भविष्य के पाठ्यक्रम का एक हिस्सा होगा।

विकास के लिए भविष्य की योजनाओं का एक संकेत के साथ संबंध भवन / सदन / विभाग के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहासः

शिक्षा-सत्रा रवीन्द्रनाथ टैगोर और लगातार मार्गदर्शन में स्कूल का कार्यभार संभाल लिया है, जो संतोष चंद्र मजूमदार

के घर में शांति निकेतन में 1 जुलाई 1924 पर छह छात्रों के साथ शुरू की थी। छात्रों के प्रशिक्षण का जिक्र करते हुए टैगोर मैं साहित्य, उत्सव समारोह की मदद से, मेरे स्कूल प्रकृति के लिए उनके लग रहा है, उनके मानव परिवेश के साथ उनके रिश्ते में आत्मा का एक संवेदनशीलता की ताजगी के बच्चों में विकसित करने के लिए अपनी पूरी कोशिश की कहते हैं, और भी हमें जो धार्मिक शिक्षण इस प्रकार अधिक होने से न केवल, एक उपकरण प्राप्त कर रहा है जैसे किया जा सकता है की तुलना में है, लेकिन इस पर संगीत का निर्माण करके इसे हासिल करने के लिए, आत्मा के माध्यम से दुनिया के नजदीक उपस्थिति के लिए आते हैं।

शिक्षा-सत्रा शांतिनिकेतन में और श्रीनिकेतन में ग्रामीण पुनर्निर्माण संस्थान में अनुभव के दो साल के शैक्षिक प्रयोगों के कुछ वर्षों के प्राकृतिक परिणाम है। यह आधारित है जिस पर सिद्धांतों अतीत की विफलताओं और सफलताओं से आम भावना कटौती से थोड़ा अधिक है। कवि मैं इसलिए सभी शिक्षा-सत्रा मैं इसे करने के लिए सौंपा गया है आदर्श का औचित्य साबित करना चाहिए कि अधिक उत्सुक हूँ, और अपने सभी विभिन्न पहलुओं के बारे में पूरी मर्दानगी की प्राप्ति के लिए छात्रों की मदद करने में, श्रीनिकेतन का सबसे महत्वपूर्ण कार्य का प्रतिनिधित्व करना चाहिए, मानते हैं । हमारे लोगों को कुछ और उन में प्रयोग के साहस और हम एक राष्ट्र के रूप में जो कमी मन की पहल प्रेरित कर सकते हैं कि एक असली वैज्ञानिक प्रशिक्षण से भी अधिक की जरूरत है। श्रीनिकेतन अपने विद्यार्थियों के लिए तर्कसंगत सोच और व्यवहार का वातावरण प्रदान करने में सक्षम होना चाहिए, बेवकूफ कट्टरता और नैतिक कायरता से उन्हें बचा सकता है जो अकेले। मैं अपने आप को इतने अधिक स्कूलों और कॉलेजों की तरह कहीं और अधिक होता जा रहा है हर दिन होते हैं, जो शांति निकेतन में स्कूल और कॉलेज के लिए की तुलना में शिक्षा-सत्रा की शैक्षिक संभावनाओं को बहुत अधिक महत्व देते हैं और इस देश में: जिसका एकमात्र मानव मूल्य मिट्टी के लिए एक शैक्षिक व्यवस्था विदेशी द्वारा निर्धारित सबक के यांत्रिक पुनरावृत्ति के अनुसार माना जाता है बंदी पक्षी, के रूप में छात्रों के दिमाग का इलाज है कि पिंजरों उधार लिया। श्रीनिकेतन में पिछले मेरे सपने को साकार करने के लिए अपने अवसरों का उपयोग कर सकता है अगर यह वास्तव में मुझे बड़ी खुशी देना होगा ... ।

शिक्षा-सत्रा शुरू में पड़ोस से खींचा गांव के लड़कों के लिए एक आवासीय स्कूल गया था। इसका उद्देश्य है कि वे अपने प्रशिक्षण पूरा होने के बाद वे अपने-अपने गांवों में वापस जा सकते हैं और वे सीखा था व्यापार के साथ साथ ग्रामीण पुनर्निर्माण के काम पर ले जाने के लिए हो सकता है ताकि लड़कों के एक नंबर के लिए एक चौतरफा प्रशिक्षण दे रहा था। वर्तमान में हालांकि शिक्षा-सत्रा आवासीय सुविधा नहीं है।

भविष्य की योजनाओं:

शिक्षा-सत्रा स्कूल शिक्षा के लिए प्रमुख केन्द्रों में से एक बनने की आकांक्षा। यह छात्रों के लिए आवासीय सुविधाओं के लिए प्रावधान, उन्नत खेल और खेल सुविधाओं, एक आत्मनिर्भर प्रयोगशाला इकाई, पकड़े कक्षाओं के लिए संरचनात्मक विस्तार, काफी बड़ा शिक्षकों कमरा, एक भाषा प्रयोगशाला और एक सेमिनार हॉल जैसे कुछ प्रमुख पहल की परिकल्पना है।

आवासीय सुविधाएं: शिक्षा-सत्रा की स्थापना के लिए पूर्व शर्तों में से एक प्रकृति में यह पूरी तरह से आवासीय बनाने के लिए किया गया था। टैगोर युवा शिक्षार्थियों को प्रकृति के साथ निकट संपर्क में आते हैं और शिक्षकों और संस्था के अन्य सदस्यों के मार्गदर्शन के साथ विकसित होगा जहां एक स्कूल की स्थापना का एक सपना था। इसलिए हम लगभग 800 छात्रों के लिए छात्रावास की सुविधा उपलब्ध कराने के द्वारा शिक्षा-सत्रा एक पूरी तरह से आवासीय विद्यालय बनाने के लिए एक योजना है।

खेलों जटिल: शिक्षा-सत्रा एक ठोस बास्केटबॉल जमीन, बहु व्यायामशाला और एक फुटबॉल और वॉलीबॉल जमीन की जिसमें स्कूल की परिधि के अंदर एक अलग खेल परिसर का निर्माण करने के लिए एक योजना है। शिक्षा-सत्रा जमीन की बाड़ लगाने का कार्य प्रगति पर है। अस्थाई क्रिकेट पिच भी कहा जमीन पर सेट किया जाता है।

प्रयोगशाला: शिक्षा-सत्रा बारहवीं कक्षा नौवीं के छात्रों के लिए सीखने की सुविधा प्रदान करने के लिए भूगोल, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और जीवन विज्ञान के लिए पूरी तरह से सुसज्जित प्रयोगशाला विकसित करने की योजना बनाई है। रसायन विज्ञान के लिए एक गैस संयंत्र यूनिट भी शीघ्र ही स्थापित किया जाएगा।

भाषा प्रयोगशाला: यह छात्रों के लिए बेहतर शिक्षा सुविधा प्रदान करने के लिए एक अंग्रेजी भाषा प्रयोगशाला विकसित करने के लिए हमारे लंबे समय की योजना कर दिया गया है

कम्प्यूटर प्रयोगशाला: एक पूरी तरह से सुसज्जित कम्प्यूटर प्रयोगशाला वरिष्ठ छात्रों के लिए सेट अप किया जाएगा।

क्लास रूम: संतोष पाठशाला के लिए एक नई इमारत के लिए निर्माण कार्य के लिए निकट भविष्य में शुरू होगा।

पुस्तकालय: शिक्षा-सत्रा सेट अप करने के लिए एक नए पुस्तकालय प्राथमिक वर्गों के छात्रों के लिए सभी आधुनिक सुविधाओं के साथ योजना बनाई है।

खिलौना संग्रहालय: केजी के लिए एक खिलौना संग्रहालय किया जाएगा सेट-अप संतोष पाठशाला के छात्र।

विभाग के प्रमुख की राय में लायक रिपोर्टिंग है जो किसी भी अन्य प्रासंगिक जानकारी, शामिल किया जाना चाहिए:

अन्य शैक्षणिक केन्द्र
रवीन्द्र भवन

रवीन्द्र-भवन का इतिहास

गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के जन्म शताब्दी समारोह के एक अंग के रूप में, 1961 में, विचित्रा का निर्माण किया गया। उत्तरायण परिसर में बायीं और बनाये गये इस प्रथम गृह का नाम रवीन्द्र-भवन रखा गया। यह भवन एक युगांतकारी प्रतीक के रूप में चिन्हित हुआ, जहाँ इसके स्थापना काल के आरम्भ से टैगोर के संग्रह का उपयोग किया जाने लगा और यह टैगोर संबंधी अनुसंधान एवं समझदारी का एक महत्वपूर्ण केन्द्र के रूप में परिगणित हुआ। रवीन्द्र-भवन कई इकाइयों से युक्त है जिनमें म्यूजियम, अभिलेखागार, पुस्तकालय, ऑडिओ-विज़ुअल, संरक्षण एवं उद्यान इकाइयां प्रमुख हैं। इसके अलाबा, रवीन्द्र चर्चा प्रकल्प अनुसंधान परियोजना के साथ-साथ लिपिका मैन्युस्क्रिप्टोरियम एवं ऑडिटोरियम रवीन्द्र भवन के दो अन्य महत्वपूर्ण मुखाकृति हैं, जो इसे प्रदीप्त करते हैं। वर्तमान में रवीन्द्र-भवन टैगोर मेमोरियल इंस्टीट्यूट का एक अभिन्न अंग और मुख्य घटक है जिसे विश्व भारती के परिदर्शक द्वारा नियुक्त उच्चस्तरीय समिति द्वारा स्वीकृति प्रदान की गयी है। टैगोर की सांस्कृतिक संकल्पता के साथ तालमेल रखते हुए रवीन्द्र-भवन संस्कृति के अध्ययन में वर्तमान शिक्षा सत्र एम.फिल से पीएच.डी पाठ्यक्रम का पर्याय बन गया है।

मैन्युस्क्रिप्टोलॉजी में शामिल छमाही प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम रवीन्द्र-भवन में बहु-सांस्कृतिक विस्तार को आलोकित करता दूसरी विशेषता है। इस संदर्भ में विशेष उल्लेखनीय है कि रवीन्द्र भवन को नेशनल मैन्युस्क्रिप्ट मिशन की ओर से 'संसाधन केन्द्र' की मान्यता प्रदान की गयी है।

भवन की अध्यक्ष और निदेशक, संस्कृति, सांस्कृतिक संबंध है : प्रोफेसर तपती मुखोपाध्याय।

वित्त वर्ष 1 अप्रैल, 2013 से 31 मार्च, 2014 तक रवीन्द्र-भवन की विभिन्न इकाइयों के कार्यकलाप एवं उपलब्धियाँ :

म्युज़ियम :

वास्तव में, उत्साहवर्द्धक और ध्यान देने योग्य बात यह है कि डॉ. बरुण मुखर्जी, माननीय सांसद, राज्य सभा के एम.पी. लैड की आर्थिक सहायता (70 लाख रुपये) से प्राप्त धनराशि के बल पर हम 'गीतांजलि हॉल' का निर्माण करने जा रहे हैं, जहाँ 1931 में रवीन्द्रनाथ के अति विशिष्ट नोबल पुरस्कार देने की व्यवस्था होगी।

वर्तमान नवीनीकृत एवं पुनर्गठित रवीन्द्र-भवन का उद्घाटन पश्चिम बंगाल के माननीय राज्यपाल और विश्वभारती के रिएक्टर श्री एम. के नारायणन के कर-कमलों से 6 अगस्त, 2012 को सुसंपन्न हुआ। म्यूजियम टैगोर एवं उनके परिवार से संबंधित पुरालेखों से जहाँ समृद्ध है, वहीं 19वीं शताब्दी के अन्य पथ-पदर्शकों की प्रासंगिक झलक भी यहाँ स्पष्ट दृष्टिगोचर है। म्यूजियम असाधारण स्थाल है, जहाँ टैगोर के दुर्लभ फोटोग्राफ, उनकी चित्रकारी, पांडुलिपियाँ उनकी सृजनशीलता के प्रतीक के रूप में यहाँ बड़े जतन से प्रदर्शित है। टैगोर की व्यक्तिगत संपत्ति, असंख्य उपहार एवं स्मृत-चिन्ह, जो उन्हें विदेशों से प्राप्त हुए है, इस म्यूजियम में प्रदर्शित है। नवीनीकृत म्यूजियम में, 251 वस्तुएं प्रदर्शित की गयी हैं। रेगुलर आइटयों के अलावा टैगोर के शताब्दी वर्ष एवं 150वीं जयंती के अवसर पर विभिन्न देशों से प्राप्त स्मृति-चिन्ह इस म्यूजियम में शोभायमान है।

रवीन्द्र-भवन प्राचीन इतिहास और सदियों पुरानी वस्तुओं का न केवल सुरक्षित भंडार है, अपितु एक नीतिवान श्रेष्ठ आत्मा की यात्रा-वृतांत एवं विश्व साहित्य के अति हैरतअंगेज आंकड़ों का भंडार भी जो परिपक्वता और परिपूर्णता के चरम पराकाष्ठा को उजागर करता है। टैगोर के पूर्ववर्ती जीवन के कालक्रमिक मानचित्र से आरंभ, प्रदीप्त पैनलों द्वारा बचपन से उनके पुष्पित 'सुन्दर दिमाग', साहित्य के विविध रूपों में झलकती उनकी सृजनशीलता,

स्वाधीनता आंदोलन में करोड़ों के दिलों में अलग जगाते उनके प्रेरणास्पद देशभक्ति गीत, उनकी ग्रामीण पुनर्गठन योजना एवं अंत में विश्व का अति गौरवशाली पुरस्कार, नोबेल का बखान करता है। विश्व युद्ध के दौरान पीड़ित मानवता से शोकग्रस्त टैगोर का क्रन्दन उनके आलेख 'सभ्यता संकट में' में प्रतिबिंबित होता है।

पिछले एक वर्ष के दौरान, सभी संग्रहालय वस्तुओं आवश्यक रसायनों के उपयोग के द्वारा समर्थित कीट मुफ्त इलाज, साथ का ध्यान रखा गया है; कीटनाशक उपचार पूरे उत्तरायण परिसर के लिए लागू किया गया था। पुनर्निर्मित संग्रहालय संग्रहालय वस्तुओं की सुरक्षा सुनि चित करने के लिए अग्निशमन यंत्र और अन्य आवश्यक उपकरणों के साथ सुसज्जित है। संग्रहालय वस्तुओं के डिजिटलीकरण के अलावा दिन से दिन काम करने के लिए, कार्य प्रगति पर है।

इस साल में हासिल की एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर श्री एम.के नारायणन द्वारा 'गुहाघर' में रथीन्द्र संग्रहालय, पि चम बंगाल और रेक्टर, विश्वभारती के माननीय राज्यपाल के उद्घाटन है। रथिन्द्रनाथ ठाकुर 'गुमनाम नायक', रथीन्द्रनाथ 'गुहाघर' के कार्यालय सह निवास करने के लिए हमारी श्रद्धांजलि देने के लिए एक दृश्य के साथ, एक संग्रहालय में परिवर्तित कर दिया गया उसके चित्र, निजी सामान, अपने ही हस्तशिल्प और अन्य प्रासंगिक वस्तुओं के साथ सजा। दोनों संग्रहालयों अब विविध गतिविधियों के साथ हलचल कर रहे हैं। विदेशों में भारत के विभिन्न भागों से उभर रहा है और आगंतुकों के हजारों, रवीन्द्रनाथ की रचनात्मकता और कलात्मक क्षमता का फूलना को उनकी श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए इन संग्रहालयों की यात्रा।

वित्तीय वर्ष 2013-2014 के लिए गेट के पैसे से राजस्वः

अप्रैल 2013 से अगस्त, 2013

व्यसकः रुपये 10 x 45250 = 4, 52,500.00

छात्रः रुपये 5 x 8737 = 43,685

सितंबर 2013-मार्च 2014

व्यसकः रुपये 20 x 131082 = 2,62,1640

छात्रः रुपये 10 x 33394 = 3,33,940

विदेश : रुपये 100 x 599 = 59,900

कुल रु 35, 11,665.00

वयस्क आगंतुकों की संख्याः 1, 76,332

छात्र आगंतुकों की संख्याः 42131

विदेशी पर्यटकों की संख्याः 599

संग्रहालय द्वारा प्राप्त उपहारः

क्र.सं.	**दानकर्ता के नाम**	**सामानो का विवरण**	**एसीसी न.**	**दिनांक**
1.	जायता चक्रवर्ती 3बी, वृंदावन 67ए बालीगंज सर्कुलर रोड कोलकाता-700 019	1. स्पेकटल चमरे के कवर के साथ 10 सेमी	134359.19	1.4.2013
		2. रविंद्रनाथ और रथींद्रनाथ के प्रयोग किया हुआ धोती	13,4360.7	
		3. बातिक लेदर से ढका हुआ लकड़ी का बक्सा रथिन्द्र नाथ के प्रयोग किया हुआ।	13,4361.1	
		4. लकड़ी का बक्सा रथींद्रनाथ के द्वारा प्रयोग किया हुआ	134361.1	
		5. लकड़ी का पेन जिससे	134361.1	

		रविंद्रनाथ लिखते थे।		
		6. छोटा लकड़ी का बक्सा जिसमें शिव लिंग रखा हुआ है।	134361.1	
		7.स्विटजरलैंड निर्मित, रविंद्रनाथ के प्रयोग किया हुआ टाई	13,4369.19	
2.	प्रो. उदय नारायण सिंह, रविंद्र भवन	रविंद्रनाथ टैगोर एण्ड कारपलेस इंग्रवेभिंग ऑन लिड ग्राफिति	13,4369.19	24.6.13
3.	अन्नया श्रीनिवासन, पुने	रविन्द्रनाथ के द्वारा बनाय हुआ चित्र फ्रेम के साथ	134367.19	24.11.13

शांतिनिक्तन गृह संग्रहालयः

शांति निक्तन गृह, शांति निक्तन में महर्षि देवेन्द्रनाथ टैगोर द्वारा बनाया गया पहला घर शांतिनिक्तन में सबसे पुराना ऐतिहासिक इमारतों में से एक के रूप में खड़ा है। यह घर टैगोर परिवार के लगभग सभी जल्दी दिग्गजों के रहने के साथ आशीर्वाद दिया था। गृह विश्वभारती के माननीय भारत के प्रधानमंत्री और आचार्य (कुलपति), डॉ मनमोहन सिंह ने दिसंबर, 2008 में संग्रहालय के रूप में उद्घाटन किया गया। जून, 2011 में, यह दर्शकों के लिए खोला गया था और रवींद्रभवन का एक हिस्सा वर्तमान में है। इस संग्रहालय में दोनों थेमाटिक्यालि और कालक्रम के अनुसार टैगोर के जीवन के विभिन्न महत्वपूर्ण फेक्राडेस के पर प्रकाश डाला है जो कई पैनलों से मिलकर एक स्थायी प्रदर्शनी के साथ सजी है। आगंतुक की किताब से यह संग्रहालय सभी वर्ष 2013-14 में दुनिया भर से 2.5 लाख पर्यटकों और गणमान्य व्यक्तियों के लिए क्टारेड है कि स्पष्ट है। इमारत पूरी तरह से पुनर्निर्मित और 150 जन्म उत्सव वर्ष की शुरुआत में माननीय आचार्य (कुलपति), विश्वभारती और भारत के प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने घोषणा की बहाली अनुदान के हिस्से के रूप में बहाल कर दिया गया था। लगभग सभी कलाकृतियां लिए नई कैशन पेश किया गया है। इमारत के रूप में अच्छी तरह से कलाकृतियां अच्छी तरह से बनाए रखा है। आगंतुक उनके साथ हमारी बातचीत से स्पष्ट है के रूप में इस संग्रहालय का दौरा करने के लिए तर्क कर रहे हैं।

अभिलेखागारः

रवींद्रभवन अभिलेखागार संभवतः प्रख्यात हस्तियों को भारत में और विदेशों में और टैगोर कोनोसिरिस के द्वारा उपहार में अन्य संबंधित वस्तुओं, दोनों के साथ सबसे बड़ा टैगोर की मूल पांडुलिपियों का भंडार, पत्राचार है। इन लेखों के बारे में विस्तृत जानकारी युक्त कैटलॉग वे सामान्य पाठकों और गंभीर शोधकर्ताओं के लिए बहुत मदद की कहना है कि इस खंड और अनावश्यक द्वारा प्रकाशित कर रहे हैं। कुछ को छोड़कर, सभी आइटम डिजीटल किया गया है। चालू वर्ष में नई आगमन संख्या में नौ रहे हैं:

1. अशोक चौधरी संग्रह,
2. आनन्दरूप रॉय संग्रह,
3. दीक्षित सिन्हा संग्रह
4.मंजु बंद्योपाध्याय संग्रह,
5. अनाथनाथ दास संग्रह
6. मार्टिन कैम्पचेन संग्रह
7. उमा मजूमदार संग्रह
8.विश्व भारती संग्रह,

9. जोस पाज़ संग्रह

श्रीनिकेत्तन से प्राप्त दस्तावेजों की एक बड़ी थोक, डिजिटलीकरण की प्रक्रिया के अधीन है। पांडुलिपियों और पत्राचार सामग्री कुछ इस साल अभिलेखागार के लिए नए महिमा जोड़ा था प्राप्त किया। व्यापक अनुसंधान के लिए अंग्रेजी पत्राचार के लिए वर्णनात्मक सूची तैयार करने के लिए एक परियोजना पहले से ही उठाया गया था और शोधकर्ताओं इन सामग्रियों के लिए उपयोग के माध्यम से लाभान्वित कर रहे हैं।

2013-14 वित्तीय वर्ष में किए गए कार्य के विवरण:

1. नए आगमन के अक्सेसंड (मूल दस्तावेज)	एसीसी न. .280-284 (05 संग्रह एसेसाइंड)	रेप्रोग्राफिक
2. नए आगमन के अक्सेसंड (कॉपी)	सी / 150-सी / 154 (05 संग्रह एसेसाइंड	
3. नए आगमन के अक्सेसंड (सी.डी/ डीवीडी)	नही	
4. नामांकित शोधार्थियों की संख्या	123	
5. विभिन्न शोधार्थियों को जारी किया गया डीवीडी	542 डीवीडी (जेपीजी)	
6. शोधार्थियों को दिखाया गया मुल दास्तवेज	5 दास्तावेज	
7. शोधार्थियों को केवल जानकारी दिया गया	782 मौके पर	
8. शोधार्थियों को टेलीफोन/ मोबाईल के बारे में जानकारी	144 मौके पर	
9 प्रिंट-आउट विभिन्न विद्वानों / अनुसंधानकर्ताओं / उपयोगकर्ताओं को दी।	198 पेज	
10 . सीडी / डीवीडी / कलम में हस्तांतरित जेपीईजी छवियों के लिए ड्राइव	3226	
11. रिफरोग्राफिक नौकरी के लिए स्ट्रांग रूम से बाहर ले जाया झगड़ा से छवियों की विद्वानों / अनुसंधानकर्ताओं / उपयोगकर्ताओं के लिए सीडी / डीवीडी में हस्तांतरण।	80	
12 विभिन्न ओकेजन पर दिखाया वर्ष दस्तावेज भर में प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने भाग लिया।		
13. स्ट्रांग रूम / रिकॉर्डिंग और निगरानी के निगरानी पर देहुमिंदर की मदद से सापेक्ष नमी और तापमान।	कम से कम 02 बार	
14. अन्य गतिविधियों		हमारे संग्रह एन वर्ष भर में विभिन्न वजहें पर प्रदर्शनियों में भाग लेने के लिए विश्वास किया जाता है

पुस्तकालयः

इस पुस्तकालय में मुख्य रूप से सभी दुनिया भर से टैगोर शोधकर्ताओं की आवश्यकताओं में कार्य करता है। लाइब्रेरी अपने संग्रह में शामिल रवीन्द्रनाथ का निजी पुस्तकालय, कवि की कृतियों के विभिन्न संस्करणों, रवीन्द्रनाथ पर और के बारे में पुस्तकों के साथ-साथ विभिन्न भारतीय और विदेशी भाषाओं में अनुवाद किया काम करता है। इस पुस्तकालय में उनकी मृत्यु तक उसकी कम उम्र से टैगोर के लेखन में शामिल हैं, जो दुर्लभ पत्रिकाओं और पत्रिकाओं की एक विस्तृत श्रृंखला है।

विश्वभारती डिजिटलीकरण का काम पुस्तकालय संग्रह सौंपा राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन, संस्कृति मंत्रालय से एक उदार सहायता के साथ हैः (दुर्लभ दस्तावेजों और पुस्तकें व 1961 अप करने के लिए प्रकाशित पत्रिकाओं) के विकास के लिए केंद्र सरकार को एडवांस्ड कम्प्यूटिंग (सीडीएसी), कोलकाता और हाल ही में वे कार्य पूरा करने में सक्षम है। (विवरण के लिए देख क्र। सं 12)।

ऑडियो विजुअल और रिप्रोग्रापिक इकाईः

दृश्य-श्रव्य संग्रह इसके तार, टेप और डिस्क में कवि की आवाज रिकॉर्डिंग पकड़ में है। यह हमारे फोटो संग्रह से तस्वीरों के नकारात्मक है। संग्रह टैगोर की कहानियों पर आधारित फिल्मों का एक शानदार संग्रह है। ग्रामोफोन डिस्क और विभिन्न कलाकारों द्वारा धुन में डाल टैगोर के गीतों की ऑडियो-कैसेट ऑडियो संग्रह का एक बड़ा हिस्सा बनाते हैं। यूनिट के संग्रहालय वस्तुओं और चित्रों के डिजिटलीकरण की प्रक्रिया पूरे जोरों पर है। यह हमारे कब्जे में ग्रामोफोन डिस्क सरकार द्वारा वित्त पोषित सी-डैक की मदद से डिजीटल किया गया था कि हमारे गर्व विशेषाधिकार है। भारत की। इस यूनिट रंगीन ट्रकांसप्रेसिस और भवन के संग्रह का रवीन्द्रनाथ के चित्रों के उच्च गुणवत्ता वाले डिजिटल छवियों का एक पूरा सेट है। हम यह भी एनजीएमए, नई दिल्ली और बंगलौर, रविंद्रभारति, ललित कला के भारतीय संग्रहालय और अकादमी, कोलकाता टैगोर के चित्रों के संग्रह के लिए उच्च गुणवत्ता वाले डिजिटल छवियों है। विश्वभारती का दौरा कर रहे हैं, जो अति महत्वपूर्ण व्यक्तियों के फोटो और वीडियो कवरेज भी हमारी जिम्मेदारी का एक हिस्सा है। हाल ही में, हम श्री प्रणब मुखर्जी ने भारत के माननीय राष्ट्रपति और पि चम बंगाल के श्री एम.के नारायणन माननीय राज्यपाल के दौरे को कवर करने के लिए सम्मानित कर रहे हैं।

फोटो-धारा की तस्वीरों का लगभग नब्बे प्रतिशत (फोटो-संग्रह) संग्रह डिजीटल थे और अब यह अनुसंधान के लिए विद्वानों डिजिटलीकरण प्रक्रियाओं काम है खुला है तस्वीरों के आराम के लिए कार्य प्रगति पर है। रवीन्द्रनाथ की तस्वीरें, उनके परिवार और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ख्याति के अन्य प्रतिष्ठित व्यक्तियों फोटो अनुभाग संग्रह का एक बड़ा हिस्सा है। इसके अलावा नियमित काम से लगभग आठ हजार फोटो सूची कार्ड विद्वानों को प्रदान किया जाना, बेहतर सेवा के इन प्रयोजन के लिए डिजिटल रूप में परिवर्तित कर रहे हैं। वर्तमान में हम तस्वीर संग्रह होल्डिंग्स की एक डिजिटल वर्णनात्मक डेटा सूची तैयारी कर रहे हैं।

2013-14 वित्तीय वर्ष में किए गए कार्य के विवरणः

1. ऑडियो रिकॉर्डिंग के 57 घंटे
78 घंटे की रिकॉर्डिंग 2. वीडियो
(वीबी समारोह और त्यौहारों, आदि सेमिनार)
3. फिर भी फोटोग्राफी 9711 छवियों
(आईडी कार्ड के लिए वीबी स्टाफ फोटोग्राफ सहित वीबी समारोह और त्यौहारों,)
चित्रों 467 वस्तुओं सहित संग्रहालय वस्तुओं की 4. डिजिटलीकरण,
8 घंटे प्रति दिन विद्वानों के लिए गाया 5. ऑडियो-वीडियो सेवा (लगभग)।
स्टाफ आईडी कार्ड 1634 छवियों के लिए 6. डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग

7. (सी-डैक द्वारा) ग्रामोफोन डिस्क डिजिटलीकरण 3682 छवियों
7800 प्रविष्टि (तारीख तक) 8. डिजिटल फोटो डेटा सूची
9. वर्णनात्मक सूची फोटो के पुरालेख संग्रह 397 तस्वीरें

यूनिट नियमित काम (फोटो अनुभाग):
विद्वान 1. संख्या में भाग लिया: 106 व्यक्तियों
विद्वानों को दिया सीडी पर 2. डिजिटल छवियों: 652 छवियों
उपहार प्राप्त किया:
1. ऑडियो-वीडियो सीडी 02 वें नंबर
सीडी 01 वें नंबर पर 2. डिजिटल तस्वीरें
3. फोटो 05 नग।

संरक्षण इकाई:
इस इकाई के पुराने अभिलेखीय सामग्री, दुर्लभ और भंगुर पुस्तकों और संग्रहालय की वस्तुओं के संरक्षण की आवश्यकताओं का ध्यान रखती है। धूनी, डे-अम्लीकरण, फाड़ना, ऊतकों की मरम्मत और किताबों की बाइंडिंग इस इकाई में किया जाता है। इस इकाई के पुराने संपत्ति के कागजात और भावी पीढ़ी के लिए श्रीनिकेत्तन कागजात के संरक्षण के माध्यम से एक बहुत अच्छा काम कर रही है।

2013-14 वित्तीय वर्ष में किए गए कार्य के विवरण:

क्र.	विवरण	किताबों की कुल संख्या	कुल पेज	बैठने की कुल जगह	ट्रीटमेंट
1	टिसु लेमिनेशन	7	2477	1239	पी.एच टेस्ट एण्ड अपलाईड कनवरसेसन प्रोसेस
2.	सॉलभेंट लेमिनेशन	30 कागजात	6570	3285 पेज	डिजिटलीकरण, अंक लगाना, बंधन, सूखी अम्लीकरण (जलीय और गैर जलीय), ऊतक फाड़ना और मरम्मत, क्रमांकन, आधा चमड़ा और पूर्ण के माध्यम से हत्या कीट, प्रलेखन केलिए पत्रक धूनी क्लॉथ बाध्यकारी और लपेटक।
3	अभिलेखीय पुस्तक	37			अभिलेखीय बंधनकारी प्रक्रिया बंधन।
4.	पुस्तक	352			जनरल बंधनकारी प्रक्रिया बंधन।
5	फोटो	1			एक यांत्रिक सफाई, फिक्सिंग, दाग, पीएच निकालें टेस्ट, डे-अम्लीकरण, ऊतकों की मरम्मत और बढ़ते।

6 अखबारों की कतरनों	13		911	मार्क बुद्धिमान काटने, डेटिंग, सील और संख्या से कागज और मार्क पर चिपकाने।
7.कागज की बंधाई	क्लिपिंग	13		पूर्ण कपड़ा कतरन कागज के बंधन।
8 कवर बाइंडिंग	28			सामान्य कागज के साथ बंधन ।
9. फोटोग्राफ के लिए फ़ोल्डर		1000		
10. बाइंडिंग के लिए टिशु		300		केवल ऊतक बाइंडिंग के लिए पुस्तक

11 विविध काम करती है, दिन सिलाई (सिलाई) के दिन।	200 लगभग।
पूरे भवन के लिए आवश्यकताओं और कभी कभी बिक्री काउंटर।	1000 के लगभग की मदद (सेट बनाना)।

लिपिका सभागार

लिपिका सबागार विभिन्न भाषाओं और ऐसे संस्कृत, ओल्ड बंगाली, ओड़िया, तिब्बती और तमिल के रूप में अप्रचलित लिपियों से संबंधित अधिक से अधिक 12000 पांडुलिपि सामग्री का संग्रह के साथ एमएसएस अध्ययन और संरक्षण केंद्र के लिए एक केंद्र है। इस बंदोबस्ती रिकॉर्ड्स के पुराने भूमि अभिलेखों के एक गर्व का अधिकार है। एमएसएस के कुछ कारण उनकी विशेष शाब्दिक चरित्र और तिथि करने के लिए असाधारण रहे हैं। एमएसएस, धूमन के अधिग्रहण, भारत और इंटैक (भुवनेश्वर केंद्र) के राष्ट्रीय अभिलेखागार के वित्तीय और तकनीकी सहायता के साथ निवारक और उपचारात्मक संरक्षण इस केन्द्र की नियमित गतिविधियों रहे हैं। संक्षेप, परीक्षा, पहचान, शेल्फ वर्णनात्मक कैटलॉग में; 'शोधकर्ताओं गतिविधियों को बढ़ाने, एमएसएस की पांडुलिपि रसद जागरूकता और संपादन पांडुलिपियों पर उच्च अनुसंधान को बढ़ावा देने के घोषित उद्देश्य से केंद्र की ओर से किया जाता है।

राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन, नई दिल्ली, भारत सरकार द्वारा एक संसाधन केन्द्र के रूप में साथ में गिना गया है। भारत की एक सार्थक ढंग से गतिविधियों में तेजी लाने के लिए। के बारे में बंगाली एमएसएस के 2000 शीट तैयार किया गया है और 1500 के बारे में अब तक अज्ञात संस्कृत एमएसएस और 200 ताड़ का पत्ता ओड़िया एमएसएस पहचान की गई है। मैनुस्क्रिप्ट से संबंधित एक अन्य महत्वपूर्ण घटना तिब्बती अध्ययन विभाग से अधिक से अधिक 534 तिब्बती एक्साइलो की जा रहा है।

गार्डन और जनरेटर खंडः

इस इकाई के उत्तरायण परिसर के रखरखाव के बाद लग रहा है। हरियाली और विभिन्न किस्मों के फूल के खिल से अलंकृत उत्तरायण परिसर की सुंदरता, इस इकाई द्वारा ध्यान रखा जाता है। इस इकाई के फूल सजावट और मेहमानों और गणमान्य व्यक्तियों के लिए गुलदस्ते की तैयारी में जेनरेटर धारा संग्रहालय और स्ट्रांग रूम के लिए जनरेटर और

एसी प्लांट ऑपरेशन के बाद लग रहा है।

रवींद्र चर्चा परक्ल्प और शोध:

टैगोर केंद्रित अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए एक दृश्य के साथ, इस इकाई शोध पत्रिका रविन्द्र विक्षा ' वॉल प्रकाशित किया है। आलोच्य वर्ष में 54्।

पूरे स्टाफ को और टैगोर और अध्ययन के बोर्ड के सहयोग से उसकी असंख्य दिमाग रचनात्मकता, रवींद्रभवन, के बारे में विश्वभारती के छात्रों को जागरूक करने के लिए, टैगोर स्टडीज लिपिका 23 फरवरी और 12 मार्च 2014 पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया था सभागार। टैगोर के असंख्य दिमाग रचनात्मकता विद्वानों द्वारा विभिन्न कोणों से ध्यान केंद्रित किया गया।

कालानुक्रमिक रवींद्र रचनावलि परिकल्प :

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित कालानुक्रमिक रवींद्र रचनावली , के पहले मात्रा। भारत की टैगोर के जन्मदिन का ज न की एक भाग के रूप में यानी 9 मई को रिलीज होने जा रही है। दूसरे और तीसरे संस्करणों लगभग पूरा होने की कगार और संभावना पर शीघ्र ही जारी किया जाना है।

छात्रों की 2. नाम यूजीसी / सीएसआईआर/नेट/सलेट और गेट परीक्षा में योग्य:

4 पीएचडी और एक एम फिल के छात्र नेट / सेट मंजूरी दे दी है: अरूप कुमार चंद्रा, माधुरी हलदर, औनड्रिला मैती सुराई , अपूर्बा साहा (सेट) तामलि भट्टाचार्य

3 और 4: रविन्द्र प्रभा / संगोष्ठी / कार्यशाला /सम्मेलन /प्रदर्शनी /

प्रकाशन / महत्वपूर्ण घटना आदि

(मई 2013 से मार्च 2014 तक)

सभी कार्यक्रमों विश्वभारती और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्त पोषित किया गया है।

बकाया प्रतिभागियों: राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ख्याति के प्रस्तुतकर्ता, पूरे विश्व भारती बिरादरी कार्यक्रमों में भाग लिया। एक प्रो समीर रक्षित, श्री मार्टिन , सुश्री मालविका , प्रो अरुण बसु, डॉ नाम के लिए्। श्यामल कांति चक्रवर्ती, प्रो शोभेनलाल दत्तागुप्ता सुरेंद्रनाथ बंद्योपाध्याय प्रोफेसर, कलकत्ता

विश्वविद्यालय के प्रो अल्पना राय, प्रो आर. शिवकुमार प्रो सुचित्रा सेन, प्रो अमिय देब, प्रो तपोधिर भट्टाचार्य, प्रो श्यामा प्रसाद गांगुली, श्री शैलेश पारेख, सालदुदमि (श्रीलंका), प्रो अमित्रासुदन भट्टाचार्य , प्रो शितांशु रॉय, प्रो उमा दासगुप्ता, प्रो चिनमय गुहा, डॉ मानवेंद्र मुखोपाध्याय

रवींद्रभवन द्वारा आयोजित व्याख्यान

1 28.4.13 भारतीय वास्तुकला उदयनाचार्य प्रो समीर रक्षित गृह, भवन उत्तरायण

2. पाशचात्य भावना सुरेंद्रनाथ बंद्योपाध्याय, प्रो हे राल प्रासंगिकता कलकत्ता विश्वविद्यालय। उद्घाटन प्रो सुशांत दत्तागुप्ता, कुलपति, विश्वभारती

3. 2013/08/25 दर्शन थेके प्रो उदय नारायण सिंह बाचानेर प्रतिविते कवि रवीन्द्रनाथ

4. 2013/11/24 रविन्द्रनाथेर प्रो अरुण कुमार बसु का उद्घाटन गान उत्सव प्रो. सुशांत दत्तागुप्ता, कुलपति, विश्वभारती

5. 2013/12/29 डॉ मालविका कारलेकर चौबिते रवीन्द्रनाथ

अन्य महत्वपूर्ण घटनाओंः
9.5.13 पुस्तक मेला एवं बिचिक्षा हॉल रवींद्र प्रो विकास सिन्हा पुस्तक के विमोचन रवींद्रभवन 'रवींद्रनाथ' भवन विश्वभारती प्रकाशन
29.5.13 गीतांजलि उत्सव सत्यजीत रे रविन्द्रभारती द्वारा प्रस्तुत सभागार विश्वविद्यालय में भवन (आईसीसीआर) कोलकाता के सहयोग से कोलकाता

गुहा घर रवीन्द्रभवन एम 3. 28.6.13 उद्घाटन नारायणन के रथीन्द्र भवन माननीय राज्यपाल संग्रहालय प.बंगाल

25.11.13 सांस्कृतिक उदयनाचार्य नाट्यचर्चा सौमित्र बसु कार्यक्रम केन्द्र, रवींद्र उषा गांगुली, भवन अशोक मुखोपाध्याय

17.1.14 रथीन्द्रनाथः बांग्ला अकादमी हे सभागार, भवन एवं कोलकाता बांग्ला अकादमी, कोलकाता

8.3.14 शाबला (इंटरनेशनल) उदयनाचार्य गृह रवीन्द्र शराबोनी पाल, महिला दिवस) भवन शाबुजिकोली सेन, तापती मुखोपाध्याय गार्गी घोष

संगोष्ठी / कार्यशाला / सम्मेलन / अन्यः

1. 2013/02/23 रवीन्द्रनाथ हे लिपिका टैगोर अध्ययन एकक अल्पना राय
शांति निक्तेन, सभागार और रविन्द्रनाथ- आर रविशंकर, अभिविन्यास भवन सुचिब्रता सेन कार्यक्रम

2. 12.3.13 रवीन्द्रनाथ हे प्रो तापती मुखोपाध्याय शांति निक्तेन, अमृत सेन, कुमकुम अभिविन्यास भट्टाचार्य। कार्यक्रम के समापन भाषण प्रो सुशांत दत्तागुप्ता, कुलपति, वीबी

3. 14.3.13 रवीन्द्रनाथ हे उदयनाचार्य रवीन्द्र-बिजोय गोस्वामी मेघदूत गृह भवन

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठीः
1. 2004/03/21 इंटरेक्शन लिपिका रवींद्रभवन उद्घाटनः प्रो सुशांत रवीन्द्रनाथ यूजीसी दत्तागुप्ता कुलपति के तहत सभागार, और करने के लिए 2004/03/24 और इनसेनटिवेशन वक्ताओं: अमिय देब, तापोधिर स्थानीय / ग्लोबल योजना भट्टाचार्य, श्यामा प्रसाद हस्तियों गांगुली, शैलेश पारेख, शांदागोमी चौपेरवा (श्रीलंका), मार्टिन कामपेचन म्रिताशुदन भट्टाचार्य, शितांशु रॉय, तापती मुखोपाध्याय उमा दासगुप्ता, चिनमय गुहा, मानवेंद्र मुखोपाध्याय गौतम भट्टाचार्य

अनुवाद कार्यशालाः
22, जादवपुर विश्वविद्यालय टैगोर की पुस्तक कृष्टो पर फरवरी, 2014 का अंग्रेजी में अनुवाद किया गया था और प्रकाशित होने के लिए जा रहे हैं - रवींद्रभवन 19 से तुलनात्मक साहित्य, जादवपुर विश्वविद्यालय के विभाग के तत्वावधान में अनुवाद के लिए केंद्र के साथ सहयोग में एक अनुवाद कार्यशाला का आयोजन शीघ्र ही।
रवींद्रभवन द्वारा आयोजित प्रदर्शनियोंः

प्रदर्शनी समयावधि स्थान की संख्या थीम

1. ट्रांसकुलिटि केलिए एक श्रद्धांजलिः 15.4.13-21.4.13 विचित्र हॉल, गीतांजलि रवींद्रभवन याद (गीत प्रसाद) और नोबेल पुरस्कार, 1913
2. रवींद्र ग्रंथ प्राकाशनेर तिहास 9.5.13-14.5.13
3. गुमनाम नायकः 26.6.13-9.7.13 करने केलिए एक श्रद्धांजलि रथिन्द्रनाथ ठाकुर एक 14.11.13-31.11.13 मत करो के रूप में टैगोर के साथ
4. 'कथा सिलाई कला के साथ सहयोग में थीम ' शामलू डुडेजा, वह स्वयं सहायता समूह
5. समाराने बाराने रथिन्द्रनाथ ठाकुर 23.12.13-27.1.13 पौश मेला प्रांगन और उदयन परांगन लगभग औसतन 200 शिक्षकों और शोधार्थियों ने भाग लिया।

5. विभाग में चल रहे अनुसंधान परियोजनाओंः

क) रवींद्रभवन यूजीसी और ब्रिटिश काउंसिल द्वारा वित्त पोषित यूकेइंडिया एजुकेशन एंड रिसर्च इनिशिएटिव परियोजना, पर गर्व प्राप्तकर्ता है। जैसे हम एडिनबर्ग, स्कॉटलैंड के नेपियर विश्वविद्यालय के साथ एक टाई था। अंतरराष्ट्रीय सहयोगात्मक अनुसंधान का विषय ': टैगोर और उसके साथियों की प्रासंगिकता विचारों का स्कॉटलैंड-भारत सातत्य' है।

समन्वयक) नामः प्रो तापती मुखोपाध्याय

द्वितीय) के प्रायोजन एजेंसियांः यूजीसी और ब्रिटिश काउंसिल

मंजूर ळळळ) की राशिः रु 12 68,800.00

चतुर्थ) अवधिः दो साल

ख) परियोजना का नामः कालनुक्रमिक रवींद्र रचनावलि परकल्पा

समन्वयक) नामः प्रो तापती मुखोपाध्याय

द्वितीय) केप्रायोजन एजेंसियांः संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार भारत की स्वीकृत) राशिः रु। 3, 04, 57,259.00 विस्तार गतिविधियों / एनएसएस / सांस्कृतिक और विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने विभाग द्वारा आयोजित और भाग लिया अन्य गतिविधियोंः

सांस्कृतिक गतिविधियांः

निधन के अपने दिन अरे नामित स्क्रिप्ट के द्वारा गीत, कविता पाठ द्वारा सजा और समर्थित एक पावर प्वाइंट प्रस्तुति के यानी 22 दिन पर टैगोर को श्रद्धांजलि अर्पित करने केलिए विश्वभारती कर्मी- द्वारा आयोजित कार्यक्रम के अंतिम दिन हे रवींद्रभवन द्वारा मंचन किया गया था और संगीत भवन के सहयोग से बहुत सराहना की गई।

रथीन्द्र संग्रहालय, रथीन्द्रनाथ के जीवन और गतिविधियों के बारे में एक पावर प्वाइंट प्रस्तुति के उद्घाटन के अवसर पर

अर्थात। रथीन्द्रनाथः गुमनाम नायक संगीत-भवन के सहयोग से आयोजित किया गया था।

शिक्षक / विद्वान या (डीएसए या कैस आदि के रूप में मान्यता की तरह) एक पूरे के रूप में विभाग द्वारा प्राप्त शैक्षणिक भेदः

प्रो तापती मुखोपाध्याय साहित्य अकादमी द्वारा एक अधिनिर्णय समिति की एक जूरी के सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है।

रवींद्रभवन हम एडिनबर्ग, स्कॉटलैंड के नेपियर विश्वविद्यालय के साथ एक टाई अप किया था जैसे यूजीसी और

ब्रिटिश काउंसिल द्वारा वित्त पोषित यूकेइंडिया एजुकेशन एंड रिसर्च इनिशिएटिव परियोजना से सम्मानित किया जा चुका है। अंतरराष्ट्रीय सहयोगात्मक अनुसंधान का विषय ': टैगोर और उसकेसाथियों की प्रासंगिकता विचारों का स्कॉटलैंड-भारत सातत्य' है।

वर्ष केभीतर प्रकाशन अप्रैल 2013-मार्च 2014: (व्यक्तिगत कागजात मूल्यांकन रिपोर्ट को देखने केलिए)
रवींद्रभवन का प्रकाशनः
1. रवीन्द्रनाथः बोरसो बोरने हे जोमोदिन प्रकाशन केप्लेसः शांति निकेतन, प्रकाशकः रवींद्रभवन
वर्ष 2013, आईएसबीएन .978-817522-571-8
2. रथिन्द्रनाथ ठाकुरः गुमनाम नायक
प्रकाशन केप्लेसः शांति निकेतन, प्रकाशकः रवींद्रभवन
वर्ष 2013, आईएसबीएन .978-817522-573-2
वर्ष 2013-14 केलिए रवींद्रभवन प्रकाशनों केलिए बिक्रीः रुपये। 6, 75,224.00

नए पाठ्यक्रम / पाठ्यक्रम या विभाग द्वारा शुरू की किसी भी अन्य शिक्षण नवाचारों डिजाइनिंगः
संस्कृति केअध्ययन में एम.फिल और पीएचडी पाठ्यक्रम काम केलिए पाठ्यचर्या बहुश्रुत विद्वानों की सहायता से तैयार किया गया है।
मेनुस्क्रिपटो में छह महीने केसर्टिफिकेट कोर्स केलिए पाठ्यक्रम का मसौदा तैयार किया गया है।

विकास केलिए भविष्य की योजनाओं का एक संकेत केसाथ संबंध भवन / सदन / विभाग केविकास पर एक संक्षिप्त इतिहासः इतिहास केलिए परिचय देखते हैं।
भविष्य की योजनाओं:
रवींद्रभवन केप्राथमिक उद्देश्य सामान्य रूप में 19 वीं सदी केबंगाल की विशेष रूप से और अन्य अग्रदूतों में रवीन्द्रनाथ पर एक पूर्ण अनुसंधान केन्द्र स्थापित करने केलिए है। जैसे, कई अनुसंधान योजनाओं को शीघ्र ही शुरू होने जा रहे हैं। हम निम्नलिखित योजनाओं का पोषणः
गीतांजलि हॉल केएक) निर्माण
ख) रवींद्रभवन केलिए एक विशेष वेबसाइट शीघ्र ही शुरू होने की
ग) कालानुक्रमिक रवींद्र रचनावलि परियोजना केतहत कई खंडों में प्रकाशित किया जाएगा
घ) अनुवाद परियोजना विद्वान प्रमुख भारतीय भाषाओं में टैगोर अनुवाद करने केलिए आमंत्रित किया जाएगा। अनुवाद केमाध्यम से दुनिया भर में टैगोर फैलाना केलिए एक साथ एक ईमानदार प्रयास भी किया जाएगा।
ई) शोध और प्रकाशन तैयार किया जाना है।
च) दिविजिन्द्रनाथ और जोतिरनाथ केनाम पर दो कमरों शांति निकेतन आश्रम गृह संग्रहालय में निर्धारित किया जाना है। वे व्यक्तिगत सामान, स्मृति चिन्ह और अन्य प्रासंगिक वस्तुओं केसाथ सजी जा रहे हैं।

विभाग केप्रमुख की राय में लायक रिपोर्टिंग है जो किसी भी अन्य प्रासंगिक जानकारी, शामिल किया जाना चाहिएः
प्रो मृताशुदन भट्टाचार्य, पूर्व रवींद्र प्रोफेसर विश्वभारती 5 मई पर सहायक प्रोफेसर, 2013 केरूप में रवींद्रभवन शामिल हो गया है।
में और आसपास खुदाई ट्रायल उत्तरायण परिसर में 'श्यामली बिल्डिंग' एएसआई, भारत सरकार द्वारा लिया गया था। भारत केविश्वविद्यालय केअधिकार केसाथ चर्चा का एक परिणाम केरूप में। खुदाई 20 फ़रवरी 2014 पर शुरू किया गया था और 25 फरवरी को पूरा हो गया था, खुदाई परीक्षण के2014 मुख्य उद्देश्य नींव स्तर और मूल

विरासत इमारत की कार्यप्रणाली स्तर के रूप में अच्छी तरह से अपनी जल निकासी प्रणाली का पता लगाने के लिए किया गया था।

विभागीय पुस्तकालय के विवरण में ब्यौरेः
। पुस्तकालय के लिए उद्धृत (वर्ग मीटर) में एक) क्षेत्रः 508.365 वर्ग माउंट
ख) पढ़ना कक्ष के लिए अलग से प्रावधान है? : हाँ, 106.652 वर्ग माउंट
पुस्तकों के ग) कुल संख्याः 47,772
वर्ष के दौरान खरीदी गई पुस्तकों की घ) कुल संख्याः 28
पत्रिकाओं की ई) कुल संख्याः 13,407
वर्ष के दौरान खरीदी पत्रिकाओं की च) कुल संख्याः एक आवधिक यानी देश
पाठकों के छ) कुल संख्याः 1892 लगभग।
ज) किताबें और जारी किए गए पत्रिकाओं की कुल संख्याः यह केवल पढ़ने के कमरे सेवा प्रदान करने के लिए एक बंद का उपयोग पुस्तकालय है।
मैं) स्टाफ-सदस्यों की कुल संख्या वार (श्रेणी): स्टाफ समर्थक द्वितीय देखें।

प्रोफेसर तापती मुखोपाध्याय की शैक्षिक मूल्यांकन
पुस्तकों का संपादनः
संयुक्त रूप से अमृत सेन, रवींद्रभवन, विश्वभारती, शांतिनिकेतन, 2013 आईएसबीएन छज.978-817522-573-2 के साथ संपादित गुमनाम नायक रथीन्द्रनाथ
पुस्तक में प्रकाशित लेखः
रथीन्द्रनाथः गुमनाम नायक, संपादक तापती मुखोपाध्याय और अमृत सेन, रवींद्रभवन, विश्वभारती शांति निकेतन, 2013, आईएसबीएन 978-81-7522-573-2 द्वारा
3. टैगोर, जगदीशचंद्र बोस बोस मन के संगमः एड टैगोर, बोस और महालानाबिस में सुंदर मन की एक हिल संगम। पारुल चक्रवर्ती, इंद्राणी बोस, कबिता मंडल, सर जे सी बोस ट्रस्ट, कोलकाता 2013, पी द्वारा। 60

मल्टी मीडिया प्रस्तुतिः
गीतांजलि से 29 मई 2013 पर भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद, कोलकाता में प्रस्तुत रवींद्र भारती विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सांग प्रसाद, करने के लिए।
रथीन्द्रनाथः लिपिका सभागार, 27 जून को शांतिनिकेतन, 2013 में गुमनाम नायक।
2013 लिपिका सभागार, 16 अगस्त पर शांति निकेतन, पर महामरण अरे, महाजिवन
सेमिनार / सम्मेलन में प्रस्तुत पत्रोंः
5 अप्रैल, 2013 में एक राष्ट्रीय स्तर में एक पेपर प्रस्तुत किया, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रायोजित सम्मेलनः "। कॉलेज, कागज के हावड़ा शीर्षक बिजोय कृष्णा लड़कियों द्वारा आयोजित, - रवीन्द्रनाथ और विवेकानंद 'अंतरराष्ट्रीय मंच पर विवेकानंद और रवींद्रनाथ का प्रभाव, एक तुलनात्मक स्टडी
अप्रैल 20, 2013 समस्या और संथाली की संभावना विश्वभारती के संताली विभाग द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी में उद्घाटन भाषण दिया।
31 अगसत , 2013 पल्ली शिक्षा भवन, वीबी द्वारा आयोजित विश्वभारती के परिप्रेक्ष्य में श्रीनिकेतन की प्रासंगिकता ',' पर एक भाषण दिया ..
1 सितंबर, 2013 को इंदिरा गांधी केंद्र, विश्वभारती द्वारा आयोजित एक कार्यशाला में भरत के सामाजिक-सांस्कृतिक

अखंडता पर स्वामी विवेकानंद 'पर एक भाषण दिया
आकस्मिक कर्मचारियों के लिए एक कार्यशाला में: 2 सितंबर, 2013 मानव संसाधन विकास टैगोर की शैक्षिक सोचा था कि पर एक भाषण दिया।
3 सितंबर 2013 रामकृष्ण मिशन विवेकानंद कॉलेज द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी में 'विवेकानंद की शिक्षा सोचा की ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य पर एक भाषण दिया।
12 सितंबर, 2013 पर एक संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में एक पेपर प्रस्तुत पुनः पर जाकर देर से 19 वीं सदी के अंग्रेजी कविताएं नालहाटि कॉलेज, बीरभूम द्वारा आयोजित। कागज के शीर्षक - एक जीवंत मुठभेड़: 19 वीं सदी के अंग्रेजी कवियों और रवीन्द्रनाथ। इसके अलावा एक सत्र की अध्यक्षता की।
28 सितंबर, 2013 के पत्रकारिता विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी में सत्र के मध्यस्थ के रूप में काम किया।
26 अक्तूबर, 2013 शरत सदन, हावड़ा में आयोजित लाइब्रेरी कार्यकर्ताओं एसोसिएशन, की 5 वीं राज्य सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में एक भाषण दिया।
सार्वभौमिकता का टौपिक टैगोर की अवधारणा: 8 नवम्बर, 2013 के 'भारत, चीन और सभ्य राज्यों अंतर-सांस्कृतिक सहभागिता की गोर की विरासत' पर दिल्ली में चीनी अध्ययन के लिए जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, दिल्ली और केंद्र की ओर से आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत ।
21 नवंबर, 2013 के विश्व दर्शन दिवस के अवसर पर दर्शन विभाग, वीबी द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी में 'भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय एकता के पुनरुत्थान में विवेकानंद की भूमिका पर एक भाषण दिया।
23 नवंबर, 2013 के चीनी विभाग, विश्वभारती द्वारा आयोजित, उनके अच्छे पड़ोसी के संबंधों को चीन-भारत चुनौतियां 'पर एक भाषण दिया।
15 दिसंबर, 2013 शिशुतिर्थ , शांति निकेतन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में उद्घाटन भाषण दिया।
7 जनवरी 2014, 7 जनवरी 2014 पर लिपिका सभागार में रवींद्रभवन द्वारा आयोजित नाट्यचर्चा कन्वेंशन में एक भाषण दिया।
12 जनवरी, 2014 विवेक उत्सव पर एक भाषण दिया।
जनवरी 13, 2014 कृषि अर्थशास्त्र अनुसंधान केन्द्र, वीबी द्वारा आयोजित 'ग्रामीण विकास, सिद्धांत और नीति' पर एक संगोष्ठी में उद्घाटन भाषण दिया।
जनवरी 16, 2014 को अंग्रेजी और डियोमेल, वीबी विभाग द्वारा आयोजित बच्चे और युवा वयस्कों के लिए कहानियां पर एक राष्ट्रीय स्तर का अनुवाद कार्यशाला में उद्घाटन भाषण दिया।
विश्वभारती के बी.एड. विभाग द्वारा आयोजित, स्कूल के शिक्षकों (प्राथमिक स्तर) के मूल्य उन्मुख शिक्षा पर मुख्य अतिथि के रूप में एक भाषण दिया।
जनवरी 17, 2014 पर एक भाषण दिया पौंड ः ठलबशँलः ं ळरश्र जम्मू हँ ं टङ रवींद्रभवन, वीबी के सहयोग से बांग्ला अकादमी द्वारा आयोजित
संस्कृत विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित: 21 जनवरी, 2014 आधुनिक समाज के लिए अपनी प्रासंगिकता धर्मशास्त्र पर एक संगोष्ठी में प्रथम शैक्षिक सत्र की अध्यक्षता की।
जनवरी 31, 2014 पर दो व्याख्यान दिया - भारतीय सौंदर्यशास्त्र, और तुलनात्मक साहित्य विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित शीतकालीन स्कूल में अनुवाद में टैगोर ्।
राजा राममोहन लाइब्रेरी और कोलकाता में 1 फरवरी को निः शुल्क रीडिंग रूम, नोबेल पुरस्कार के पर रवींद्रनाथ टैगोर के सम्मान पर कोलकाता, 2014 में एक भाषण दिया।
फ़रवरी 7, 2014 भारत-तिब्बत केंद्र, वीबी द्वारा आयोजित संगोष्ठी भिकशुनिशाघा की भूमिका के उद्घाटन सत्र में एक व्याख्यान दिया।

फ़रवरी 10, 2014 इतिहास, वीबी विभाग द्वारा आयोजित 'भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और विभाजन , पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में उद्घाटन भाषण दिया।
फ़रवरी 10, 2014 10 फ़रवरी 2014 पर महिलाओं के अध्ययन के लिए केंद्र, वीबी द्वारा आयोजित 'भारतीय थिएटर में महिलाओं, पर एक संगोष्ठी में समापन भाषण दिया।
अंग्रेजी विभाग और अन्य आधुनिक यूरोपीय भाषाओं, वीबी द्वारा आयोजितः 13 फरवरी, 2014 काव्य और काव्यशास्त्र परे गीतांजलि पर एक संगोष्ठी में उद्घाटन भाषण दिया।
2014 में भी एक सत्र की अध्यक्षता की, एक संगोष्ठी में, 14 फरवरी को संस्कृत विभाग द्वारा आयोजितः 14 फरवरी, 2014 एक मामले का अध्ययन व्याख्या की विधा के रूप में अनुवाद पर एक पेपर प्रस्तुत किया।
फ़रवरी 15, 2014 , वेद उनके आधुनिक व्याख्याओं पर एक संगोष्ठी में समापन भाषण दिया 15 फ़रवरी 2014 पर संस्कृत विभाग, वीबी द्वारा आयोजित।
19 फरवरी, 2014 आर.के मिशन बीएड द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी में, आधुनिक परिप्रेक्ष्य में शिक्षा के अधिकार 'विषय पर एक व्याख्यान दिया कॉलेज।
फ़रवरी 26, 2014 में 26 फरवरी को च एलएच पर पर्यावरण अध्ययन, बर्दवान विश्वविद्यालय के विभाग द्वारा आयोजित एक पुन चर्या पाठ्यक्रम में संसाधन व्यक्ति, 2014 के रूप में एक व्याख्यान दिया।
3 मार्च, 2014 ओड़िया विभाग, वीबी द्वारा आयोजित 'भारतीय संस्कृति पर आदिवासी साहित्य का प्रभाव' विषय पर एक संगोष्ठी में उद्घाटन भाषण दिया।
6 मार्च, 2014 संस्कृत, पाली और प्राकृत, 6 मार्च को वीबी, 2014 विभाग द्वारा आयोजित शब्दशक्ति और अर्थ व्याख्याओं पर समापन भाषण दिया।
8 मार्च, 2014 2014 वितरित उदयनाचार्य, 8 मार्च को वीबी, 2014 12 फ़रवरी को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला अध्ययन और रवींद्रभवन के लिए केंद्र की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में एक भाषण दिया,
21- मार्च 24, 2014 बातचीत पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत कियाः रवीन्द्रनाथ और वैश्विक / स्थानीय हस्तियों रवींद्रभवन द्वारा आयोजित,। रवीन्द्रनाथ और विंटरनिज 21 मार्च को प्रजेंटोशन का शीर्षक। इसके अलावा एक सत्र की अध्यक्षता की।
मार्च 28, 2014 रवींद्र भारती विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'रवींद्रनाथ, गीतांजलि और नोबेल' पर एक संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में एक भाषण दिया।
29 मार्च 2014 कानूनी जागरूकता पर शांति निकेतन ट्रस्ट द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी में अध्यक्षीय भाषण दिया।
31 मार्च 2014 को कोलकाता में 31 मार्च को न्यायिक विज्ञान विश्वविद्यालय, 2014 द्वारा आयोजित आधुनिक परिप्रेक्ष्य में रवीन्द्रनाथ पर एक संगोष्ठी में मुख्य भाषण दिया।

प्रोफेसर के शैक्षणिक मूल्यांकन। उदय नारायण सिंह, प्रोफेसर रवींद्रभवन, विश्वभारतीः
प्रकाशनः
पुस्तकें
अन्य गीतांजलि। अंडोराः एनिमा चिरायु डी 'एंडोरा ु.रपळारीीर्ळीर-ीिलश्रळीहशी.लो्। आईएसबीएन 978-99920-68-26-7; ई-बुकः आईएसबीएन 978-99920-68-24-3, 2013्।
निबंध / लेखः
मुकुंद दुबे, इम्तियाज अहमद और वीना सीकरी एड्स 'कवि के रूप में सभ्यता का संकट देखा'। कॉनटेम्प्रोसिंग टैगोर और दुनिया। ढाकाः यूनिवर्सिटी प्रेस लिमिटेड 2013 2011 अप्रैल-मई में आयोजित ढाका संगोष्ठी में प्रस्तुत पत्रों्। 'टैगोर सीमाओं रिडारविंग बी.आर अंथन और एम.जी. में हेगड़े, एड्स। पुनर्विचार टैगोर। बेलगावीः प्रसंगा, रानी चानामा विश्वविद्यालय। 2013 9-20्।

'फ्लोरा हाँगमौन आर्काइव से पत्र।' रवींद्र विशाखा 53: 2013 21-35्।
अनुवाद, नीलांजना भट्टाचार्य एट अल में, एड्स। रवीन्द्रनाथ टैगोर और अनुवाद (मुख्य भाषण) पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही; 10-12 फ़रवरी, 2012; डीआरएस संगोष्ठी, अंग्रेजी और अन्य आधुनिक यूरोपीय भाषाओं, विश्वभारती, शांतिनिक्तन विभाग। 2013 में प्रकाशित किया।
'कई रविन्द्रनात सभी मौसमों केलिए टैगोर'। मुर्मू एट अल में, एड्स। समय और स्थान (मुख्य भाषण) भर में कई रवीन्द्रनाथ पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की कार्यवाही। इतिहास, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता विभाग द्वारा

पुरस्कारः म्यथिली साहित्य को उनके आजीवन योगदान के लिए बापसि की 'कलैगनार पोरकिजि पुरस्कार' से सम्मानित किया।

संगोष्ठी प्रस्तुतियों

06-07 अप्रैल 2013 मुख्य भाषणः 'पावर की भाषाः भाषा की शक्ति'। भाषा और पावर पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठीः परिप्रेक्ष्य, मुद्दों और प्रभाव; जेएनयू संस्कृत अध्ययन के लिए विशेष केंद्र इलिनोइस, अमरीका और केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर विश्वविद्यालय के साथ सहयोग म्।
14 अप्रैल 2013 'रवीन्द्रनाथ ओ चिट्टि पत्र सांकेतिकता।' बांग्ला नव वर्ष की पूर्व संध्या पर विशेष व्याख्यान; रवींद्र तीर्थ, कोलकाता; स्वयं के तहत उत्पादित 'टैगोर की बेल्स लेटर्स' पर एक वृत्तचित्र के साथ्।
01-03 जून 2013 'संस्कृति प्रकृति विरोधाभास और डबल अभिव्यक्तिः। सूचना आयु जी' पर टैगोर से मो यान को अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक सम्मेलनः प्राच्य संस्कृति केएक सौ साल की सार्वभौमिकता; टोन्जी विश्वविद्यालय, शंघाई, चीन।
26 नवंबर 2013 'टैगोर और अभिनव शिक्षा'; यूरोपीय आयोग, ब्रुसेल्स, बेल्जियम में ररींशीलश्ररी व्याख्यान; 26 नवंबर 2013्।
3-4 फ़रवरी, 2014 'शिक्षा और क्या यह अमेरिका केलिए करता है!' , विनयभवन, विश्वभारतीः 'भारतीय शिक्षा के दार्शनिक विरासत शांति का खजाना' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में पूर्ण व्याख्यान।
रामकृष्ण मिशन विद्यामंदिर , बेलूर में,: 'उनकी 150 वीं जयंती पर एक पुनरावलोकन स्वामी विवेकानंद के विचारों और हमारे समय' 21-22 फ़रवरी 2014 पूर्ण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में दिए गए व्याख्यान 'स्वामीजी के रूप में बांग्ला के भाषाई परिदृश्य के निर्माण में लगी हुई थी' मठ, हावड़ा, पि चम बंगाल।
6 मार्च 2014 'एक रूपक की खोज में सुनीति कुमारः नीति, दृष्टिकोण और बहुलवाद' प्र। सुनीति कुमार चटर्जी, भाषाविज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय पर संगोष्ठी में विशेष व्याख्यान।
मानविकी 'सभागार, हैदराबाद विश्वविद्यालय के स्कूल में तुलनात्मक साहित्य, वह , और साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के लिए बहुभाषावाद और भारत की साहित्यिक संस्कृति, केंद्र पर संगोष्ठी में 27-29 मार्च 2014 विशेष व्याख्यान।

शहर के बाहर का कार्य

समन्वयक / मूल्यांकन दल के नेता मानविकी और सामाजिक विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कानपुर इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ विभाग की गतिविधियों का आकलन और अन्य सदस्यों के साथ 26-27 फ़रवरी 2014 को आईआईटी/ कश्मीर का दौरा करने के लिएः प्रोफेसर मानस कश्मीर मंडल (विशिष्ट वैज्ञानिक और महानिदेशक - लाइफ साइंसेज, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन, नई दिल्ली), पीआर भट (एचएसएस, आईआईटी / मुंबई) विभाग, रॉबर्ट, समीरन चक्रवर्ती (रीजनल हेड के प्रोफेसर, पूर्व में रिसर्च, दक्षिण पूर्व एशिया, स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक, और दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स), और अतुल तिवारी (थिएटर और फिल्मों) के क्षेत्र में एक जाने-माने मीडिया व्यक्तित्व का एक

संकाय। मसौदा तैयार किया और 31 मार्च 2014 को अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की।
राजीव गांधी विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद, अरुणाचल प्रदेश के एक सदस्य नियुक्त किया है।
जेएनयू में भाषा, साहित्य और संस्कृति के स्कूल, नई दिल्ली के लिए आगंतुक के उम्मीदवार नियुक्त किया है।

मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट्स

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने समिति के समक्ष दिसंबर 2013 और जनवरी 2014 में लुप्तप्राय भाषाओं परियोजना के लिए केंद्र पर बनाया प्रस्तुतियों।

प्रोफेसर के शैक्षणिक मूल्यांकन। अल्पना रॉय,
प्रकाशनः पुस्तक
कारिगर 2014 जनवरी (: 978-93-81640-37-1 आईएसबीएनः) कोलकाता (साहित्य और संगीत पर निबंध एकत्र)
संगोष्ठी / व्याख्यानः
11 सितंबर 2013: कालानुजा , कोलकाता में रवींद्रसंगीत गबेसना केन्द्र और संगीत बोर्ड, विश्वभारती द्वारा आयोजित एक संगोष्ठी में, गिताबितान भाग- एक कागज पर प्रस्तुत किया।
19-21 अक्टूबर 2013: विभाग में एक छात्र की संगोष्ठी का आयोजन किया। बंगाली, विश्वभारती की। रात्ताबारि 'के विभिन्न पहलुओं पर एमए तृतीय सेमेस्टर के सभी छात्रों द्वारा प्रस्तुत कागजात।
2013/11/25: कतरदॉणम पर प्रदर्शन व्याख्यान रवींद्रभवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित नाट्यचक्र केन्द्र के एक कार्यक्रम में ऋॉद (टैगोर के नाटकों में गाने)।
2014/02/23: टैगोर स्टडीज एंड रवींद्रभवन द्वारा आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम में टैगोर के नाटकों पर व्याख्यान

विश्वभारती।

स्क्रिप्ट और प्रदर्शनः

19 मई 2013 को एक स्क्रिप्ट आधारित कार्यक्रम ऋॉदम निर्देशित लिपिका सभागार, शांति निकेतन, 13 मई और रवींद्र- ओकुकरा भवन, कोलकाता में 'सप्तक, शांति निकेतन' द्वारा आयोजित।
20 मई 2013 रवीन्द्र सदन, कोलकाता द्वारा आयोजित 'रवीन्द्र- जन्मोत्सव ' पर एकल गायन प्रदर्शन करने के लिए आमंत्रित किया।
11 सितंबर 2013 को आमंत्रित किया और कालाकुंजा, कोलकाता में रवींद्रसंगीत गबेशना केन्द्र और संगीत बोर्ड, विश्वभारती द्वारा आयोजित एक संगीत कार्यक्रम में एकल गायन का प्रदर्शन किया।

विभिन्न सेमिनारों / कार्यशालाओं और शोधपत्रों की प्रस्तुति में स्टाफ के भागीदारीः
प्रदीप कुमार मंडल, उप क्यूरेटर, रवींद्रभवन (संग्रहालय):
संयुक्त रूप से संग्रहालय विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विचार, मुद्दे और चुनौतियां प्रस्ताव में संग्रहालय पर एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में: 24-25 मार्च 2014.ग मुद्दा, चुनौतियों, मोशन रवींद्रभवन और रथीन्द्रनाथ शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत और भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता।
04-05 दिसम्बर 2013 संग्रहालय विज्ञान, कलकत्ता विश्वविद्यालय के विभाग द्वारा आयोजित विरासत, और संग्रहालय विज्ञान 'विषय पर दो दिन के अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और शांति निकेतन और रवीन्द्रनाथ टैगोर

की सांस्कृतिक विरासत शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत
रवीन्द्रनाथ टैगोर और रवींद्रभवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित स्थानीय / ग्लोबल व्यक्तित्व ': 21-24 मार्च 2014' बातचीत पर एक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

प्रकाशनः

गुमनाम नायक 'तापती मुखोपाध्याय और अमृत सेन (एड।), रवींद्रभवन, शांति निकेतन, 2013 आईएसबीएन नंबर 978-81-7522-573-2 (संयुक्त रूप से स्वातीपाल पाल के साथः, रथिन्द्रनाथ ठाकुर रथीन्द्रनाथ हे रवींद्रभवन चौधरी)।

रवींद्रभवन और रथीन्द्रनाथः इस मुद्दे, चुनौतियां और मोशन ',' संग्रहालय मोशन मेंः विचार, मुद्दे और चुनौतियां', महुआ चक्रवर्ती (एड।), अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी मात्रा, संग्रहालय विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय और कोलकाता के भारतीय सांख्यिकी संस्थान । आई सं्। 978-93-80973-8

लिपिका रबिन्द्रनाथेर पाण्डुलिपि संग्राहेर फसल, संग्रहालय विज्ञान विभाग के जर्नल, महुआ चक्रवर्ती (एड।), कलकत्ता, वॉल्यूम विश्वविद्यालय। 10, 2014्।

ग्रंथन विभाग
विश्वभारती

एक संक्षिप्त इतिहास

26 जुलाई 1923 को, रवींद्रनाथ टैगोर, एक कानूनी दस्तावेज के माध्यम से, विश्वभारती के लिए अपने बंगाली पहले के एक चाल में 1923 तक प्रकाशित काम करता है सभी के कॉपीराइट का दान दिया, एकमात्र कॉपीराइट और पूरा प्रकाशन अधिकार भारतीय पब्लिशिंग हाउस, इलाहाबाद से सुरक्षित किया गया था रुपये का शुद्ध परिव्यय पर। 26,000 / - इस हाथ के लायक रुपये में शेयर शामिल थे। 78,000 / - यह व्यवस्था भी है लेकिन रवींद्रनाथ की कृतियों के प्रकाशन के लिए बेहतर संपादित किया जाएगा और एक व्यापक पाठक वर्ग तक पहुंच जाएगा कि आशा के साथ, इस स्रोत से आय में पर्याप्त वृद्धि की उम्मीद के साथ न केवल बनाया गया था। एक विश्वभारती किताबों की दुकान 210 कार्नवालिस स्ट्रीट में इस बार के आसपास खोला गया था। प्रकाशन विभाग का काम इस इमारत की दूसरी मंजिल पर जगह ले जाएगा। 1923 के लिए वीबी वार्षिक रिपोर्ट में कहा: 'हम द्विजेन्द्रनाथ टैगोर और रवीन्द्रनाथ टैगोर के कामों के कॉपीराइट विश्वभारती के लिए आवंटित किया गया है कि बहुत खुशी के साथ रिपोर्ट रामानंद चटर्जी रवीन्द्रनाथ की गद्य-नाटक, 'मुक्ता-धारा' की 3000 प्रतियां का एक तोहफा दिया - विश्वभारती ग्रंथन विभाग का काम एक खुश नोट पर शुरू कर दिया कई पत्रिकाओं के लिए उन्हें मुफ्त विज्ञापन-से आधुनिक समीक्षा एक पूरे पृष्ठ का विज्ञापन प्रत्येक माह और अक्सर बंगा-वाणी और अन्य पत्रिकाओं, भी पेशकश की मुफ्त विज्ञापन प्राप्त किया गया था की पेशकश की।

जिक्र योग्य है कि पुस्तकों के अलावा संस्करण था। यह चयन वोटों की अधिकतम संख्या के साथ कविताओं का चयन किया गया जिससे प्रतियोगिता की एक प्रक्रिया के माध्यम से पाठकों द्वारा किया गया था! उस संस्करण के लिए अगले महत्वपूर्ण प्रकाशन तीन खंडों में गल्पगुच्छा था 208 था, जबकि पहले संस्करण में 136 कविताओं था। 1925 में, कविता का एक नया मात्रा तीन साल के अंतराल के बाद प्रकाशित की गई थी। यह शांति निकेतन सौंदर्यशास्त्र को दर्शाती प्रकाशन की एक अलग शैली की शुरुआत की जो था। इस के फौरन बाद, हम है। इन पुस्तकों का शीर्षक और कोई अलंकरण के साथ कवर पर रवीन्द्रनाथ की लिखावट में लेखक का नाम है।

1936 में, यह रवीन्द्रनाथ के अलावा अन्य लेखकों की पुस्तकें प्रकाशित करने के लिए हाथ में लिया जाएगा कि निर्णय लिया गया। एक ही वर्ष में, एक व्यवस्थित प्रयास बंबई में स्थापित किया गया था विभिन्न भारतीय भाषाओं और एक गुजराती अनुवाद बोर्ड में रवीन्द्रनाथ का काम करता है अनधिकृत अनुवाद को रोकने के लिए बनाया गया था। रामानंद चटर्जी अपने कार्यो के हिन्दी अनुवाद को प्रकाशित करने के रवीन्द्रनाथ द्वारा अधिकृत किया गया था। पांच पुस्तकें प्रकाशित लेकिन बाद में, प्रकाशन विभाग में ही है और रामानंद सहमति काम लेने का फैसला किया गया था; स्टॉक में हाथ खुदरा मूल्य के 35 पर खरीदा गया था। धीरे धीरे, ग्रंथन विभाग के दायरे प्रकाशन से परे चला गया; फिल्म और प्रदर्शन कॉपीराइट भी ध्यान रखा गया। बाद में, यह भी अपने पंख कलकत्ता में श्रीनिकेतन गांव हस्तशिल्प के एम्पोरियम के तहत किया था।

वार्षिक प्रदर्शन रिपोर्ट: अप्रैल 2013 - 2014
कार्यक्रम: 14

5-13 अप्रैल 2013: 9 दिन पुस्तक मेले कोलकाता में विश्वभारती ग्रंथन विभाग द्वारा आयोजित।

9-14 मई 2013: 6 दिवसीय पुस्तक मेले शांतिनिकेतन में विश्वभारती ग्रंथन विभाग और रवींद्रभवन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया।

21 मई 2013: जीडी बिरला सभागार, कोलकाता में आयोजित विश्वभारती ग्रंथन विभाग द्वारा आयोजित रवीन्द्रनाथ टैगोर की 152 जयंती का उत्सव।

जून 2013 - एक नया प्रारूप में विश्व विद्या प्रकाशित करने के लिए आयोजित विशेष बैठक।

04-11 अगस्त 2013 - रवींद्र ग्रंथ मेला संयुक्त रूप से विश्वभारती ग्रंथन विभाग और रवींद्र तीर्थ, न्यू टाउन, कोलकाता द्वारा आयोजित किया गया था टैगोर की 72 वीं वर्षगांठ मनाने के लिए।

8 अगस्त 2013 - शांति निकेतन में लिपिका सभागार में पुस्तक विमोचन कार्यक्रम।

19 अगस्त 2013 - विश्वभारती ग्रंथन विभाग द्वारा आयोजित 'स्कॉटलैंड में टैगोर स्टडीज', शीर्षक संगोष्ठी आयोजित किया गया।

11-12 सितम्बर 2013 - 'टैगोर के गीतों की दुनिया' शीर्षक से 2 दिवसीय संगोष्ठी संयुक्त रूप से कोलकाता में विश्वभारती ग्रंथन विभाग और विश्वभारती संगीत मंडल द्वारा आयोजित किया गया था।

1 अक्टूबर 2013 - एक अनुवर्ती बैठक विश्व विद्या समग्रह के 135 खिताब के संशोधित संस्करण को बाहर लाने के लिए ग्रंथन विभाग में आयोजित किया गया।

1 अक्टूबर 2013 - एक बैठक टैगोर का अंग्रेजी अनुवाद ग्रंथन-विभाग द्वारा अब तक किया कार्य की समीक्षा करने पर ग्रंथन विभाग में आयोजित किया गया।

7 नवंबर 2013 - एक नया बिक्री काउंटर छह आचार्य जगदीश चंद्र बोस रोड, कोलकाता में विश्वभारती ग्रंथन विभाग कार्यालय में खोला गया था।

जनवरी 2014 11-14 - विश्वभारती ग्रंथन विभाग कोलकाता में रवींद्र सदन परिसर में से पर्ि चम बंगा बांग्ला अकादमी द्वारा आयोजित पुस्तक मेले में भाग लिया।

6 फ़रवरी 2014 - गीतांजलि नामक एक संगोष्ठी: बानी ओ सुर, मिलन मेला ग्राउंड, कोलकाता में आयोजित कोलकाता पुस्तक मेले के मुख्य सभागार में पुस्तक विक्रेताओं और प्रकाशकों गिल्ड के सहयोग से, विश्वभारती ग्रंथन विभाग द्वारा आयोजित किया गया था।

कुल प्रकाशन: 43

अप्रैल 2013

रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा सबरवितान 49 - 978-81-7522-495-7

रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा कथा हे कहिनी - 978-81-7522-160-2

रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने राजर्षि - 978-81-7522-038-6

रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा सबरवितान - 10 978-81-7522-415-5

मई 2013

रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा बिसराजन

रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा चतुरंग - 978-81-7522-562-6

रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा सवरवितान 19 - 978-81-7522-092-8

विश्वभारती पत्रिका (1419 माघ-चैत्र)

अशोक बिजोय राहा द्वारा परबंध संग्रह 978-81-7522-569-5

जून 2013
रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा संकालिता 01 - 978-81-7522-006-5
रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा संकालिता 02 - 978-81-7522-023-2
रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा विश्वपरिचय - 978-81-7522-563-3
रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा बुद्धदेव - 978-81-7522-559-6

जुलाई 2013
रानी चंदा द्वारा आमर मार बापेरबारी - 978-81-7522-570-1
रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा रुसीर चिठ्ठी - 978-81-7522-568-8
विश्व भारती पत्रिका (1420 बैशाख-आसार) संपादन अमृतसुदन भट्टाचार्य द्वारा

अगस्त 2013
रूपावली 01 - 978-81-7522-083-8

सितम्बर 2013
रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा स्वदेश (इंग्लैंड)
(संजुक्ता दासगुप्ता।) - 978-81-7522-571-8
रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा सबरबितान 55 - 978-81-7522-517-6
रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा संचयिता (बी) - 978-81-7522-047-8

नवंबर 2013
प्राथमा चौधरी द्वारा प्रबंध संग्रह- 978-81-7522-173-4
प्रभात कुमार मुखोपाध्याय द्वारा रवीन्द्र जीवनी 02 - 978-81-7522-218-2
रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा सवरबितान - 40 978-81-7522-234-2
विश्वभारती पत्रिका (श्रावण अशविन 1420)संपादक अमृतसुदन भट्टाचार्या

दिसंबर 2013
रवीन्द्र-रचनावली (लोकप्रिय) 7-भाग रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा
978-81-7522-356-1
रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा सवरबितान-1 01 - 978-81-7522-109-3
रामबहाल तिवारी द्वारा रवीन्द्रनाथ और आधुनिक बांग्ला हिन्दी छंद - 978-81-7522-582-4

गीतांजलि रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा (कॉकबरक) - 978-81-7522-576-3
सुशांत दत्ता गुप्ता द्वारा गीतांजलि के माध्यम से शांति निकेतन मौसमों

फ़रवरी 2014
रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा इतिहास- 978-81-7522-581-7
रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा सहजपथ 03 - 978-81-7522-056-0
रथीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा प्रांतत्वा - 978-81-7522-577-0
नित्यानंद गोस्वामी - 978-81-7522-578-7
रवींद्र रचनावली (लोकप्रिय) 7 चरण - 02
रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा ... - 978-81-7522-357-8
रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा शिशु- 978-81-7522-058-4
रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा सबरबितान 12 - 978-81-7522-097-3
रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा सबरबितान 43 - 978-81-7522-431-5
सबरबितान सुची - 978-81-7522-187-1

मार्च 2014
उमेश चंद्र भट्टाचार्य द्वारा भरत दर्शनार - 978-81-7522-580-0
रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा शिशेर कबिता - 978-81-7522-266-3
रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा गितिचित्रा 02 - 978-81-7522-041-6
रवीन्द्रनाथ ठाकुर द्वारा गितिचित्रा 03 - 978-81-7522-042-3

बिक्री
शुद्ध के बिक्री - रुपये। 1,43,80,216.97 रुपए (एक करोड़ चालीस तीन लाख अस्सी हजार, दो सौ सोलह और पैसे सत्तानबे केवल)
सकल बिक्री - रुपये 2,03,23,023.30 रुपए (दो करोड़ तीन लाख तेईस हजार, बीस-तीन और पैसे तीस केवल)

पुस्तक मेलों: 15
विशेष पुस्तक मेला, ग्रंथन विभाग परिसर - 5 अप्रैल से 13 2013 अप्रैल
2013 9 मई - 14 मई - रवींद्रभवन, शांति निकेतन में पुस्तक मेला
रवींद्र तीर्थ पुस्तक मेला, न्यू टाउन - 4 अगस्त 11 को 2013 अगस्त
जमसेदपुर पुस्तक मेला - 2013 15 नवम्बर - 24 नवम्बर
नूतन आलो पुस्तक मेला, एंडरसन पार्क, कोलकाता - 2013 22 नवम्बर - 25 नवम्बर
कल्याणी पुस्तक मेला - 7 दिसंबर 16 दिसंबर 2013 को
कोणनगर पुस्तक मेला - 7 दिसंबर 15 दिसंबर 2013 को
उत्तर-पूर्व पुस्तक मेला, गुवाहाटी - 5 जनवरी 2014 25 दिसंबर 2013
पौष मेला, शांति निकेतन - 2013 23 दिसम्बर - 26 दिसम्बर
दमदम पुस्तक मेला - 3 जनवरी - 12 जनवरी 2014
साहित्य उत्सव और लिटिल मैग्जीन मेले में
नंदन, कोलकाता - 2014 11 जनवरी - 15 जनवरी

कोलकाता पुस्तक मेला - 29 जनवरी 9 फ़रवरी 2014 को
नरेन्द्रपुर विवेक चेतना उत्सव - 2014 11 फ़रवरी - 16 फ़रवरी
अगरतला पुस्तक मेला - 2014 13 फ़रवरी - 24 फ़रवरी
नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला - 15 फरवरी 23 फ़रवरी 2014 को

राजभाषा (हिन्दी) प्रकोष्ठ

विश्वभारती में भारत सरकार की राजभाषा नीति के क्रियान्वयत हेतु मार्च, 1993 में राजभाषा प्रकोष्ठ का गठन किया गया।

राजभाषा प्रकोष्ठ के दो व्यापक कार्यक्रम हैं, यथा–

1. क्रियान्वयन कार्यक्रम
2. प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. क्रियान्वयन कार्यक्रम— यह प्रकोष्ठ का प्रशासनिक भाग है। भारत सरकार की ओर से जारी राजभाषा नीति के क्रियान्वयन संबंधी नियमों और आधिकारिक आदर्शों को यह प्रकोष्ठ समय-समय पर क्रियान्वित करता है जैसा कि क्षेत्र 'सी' के लिए निर्धारित है जिससे विश्वभारती सम्बद्ध है। प्रकोष्ठ विश्वविद्यालय की वेबसाइट को द्विभाषा में परिवर्तित करने के प्रयास को हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है अर्थात अंग्रेजी से हिन्दी। प्रकोष्ठ अनुवाद विषयक मामले में भी अन्य विभागों को पूर्ण सहयोग और समर्थन भी देता है।

2. प्रशिक्षण कार्यक्रम— भारत सरकार की क्रियान्वयन नीति के प्रथम कार्यक्रम में ग्रेड 'डी' स्तर के आगे सभी अहिन्दी भाषी स्टाफ को राजभाषा हिन्दी में प्रशिक्षण प्राप्त करना अनिवार्य है जिससे वे हिन्दी में कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर सकें। विश्वभारती ने भी जुलाई, 1994 से ऐसे कार्यक्रमों को लागू किया। विश्वभारती स्थानीय इलाके में राजभाषा हिन्दी में प्रशिक्षण देने का एक पूर्णकालिक केन्द्र है। बोलपुर में अवस्तित अन्य केन्द्रीय सरकारी संस्थानों के स्टाफ-मेम्बरों को राजभाषा हिन्दी में प्रशिक्षण देने के लिए भी विश्वभारती ने जुलाई-दिसंबर, 2001 से सम्मिलित किया जिससे वे हिन्दी में कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर सकें। इसके अतिरिक्त, सिउड़ी में इसके जिला मुख्यालयों में अवस्थित केन्द्रीय सरकारी संस्थानों के स्टाफ-मेम्बरों को भी हिन्दी में प्रशिक्षण देने की सुविधाएं भी विश्वभारती ने प्रदान की, ताकि इसके स्टा-मेम्बर भी हिन्दी में कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर सकें। सन् 2006 से विश्वभारती की ओर से वह सुविधा दी गई।

कार्यकलापों

i) प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत विश्वभारती, शांतिनिकेतन द्वारा वर्ष 2012-13 के दौरान संचालित भारत सरकार की हिन्दी शिक्षण योजना के निर्धारित पाठ्यक्रमों को 118 स्टाफ-मेम्बरों एवं 2 बाहरी छात्रों ने पूरा किया।

ii) विश्व भारती के हिन्दी भवन परिसर में 14-16 सितंबर, 2013 से तीन दिवसीय राजभाषा हिन्दी दिवस समारोह आयोजित किया। इस तीन दिवसीय समारोह में सेमिनार, कार्यशाला एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ जैसे कार्यक्रम आयोजित किये गये थे।

iii) 18 फरवरी, 2014 को केन्द्रीय प्रशासनिक भवन सम्मेलन हॉल में राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा संचालित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गयी। उपकूलपति ने इस बैठक की अध्यक्षता की।

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय संहति केन्द्र

विभागीय संगोष्ठी (वक्ताओं, संगोष्ठी का शीर्षक, दिनांक)

31 अगस्त 2013: भारत की सामाजिक, सांस्कृतिक अखंडता पर स्वामी विवेकानंद 'पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, इंदिरा गांधी सेंटर, विश्वभारती, शांतिनिकेतन एवं अखिल भारतीय योजना पूर्वी जोन द्वारा आयोजित स्वामी की 150 वीं जयंती के उपलक्ष्य में विवेकानंद,.

अन्य

14 नवंबर 2013: पंडित जवाहर लाल नेहरू की 125 वीं जयंती 'के एक साल के लंबे उत्सव का एक पर्दा उठाने वाले कार्यक्रम नवम्बर, 2013 उदयन भवन में, क्खक और के सहयोग से इंदिरा गांधी केंद्र की ओर से आयोजित किया गया था।

उत्सव के कुलपति प्रो सुशांत की अध्यक्षता में किया गया था। सभा को श्री सोमनाथ चटर्जी (पूर्व अध्यक्ष, लोक-सभा), श्री ग्त्यद्मध्द्ट कावागुची, जापान, कोलकाता के महावाणिज्य और प्रो मृदुला मुखर्जी, पूर्व निदेशक नेहरू स्मारक संग्रहालय, नई दिल्ली ने भी संबोधित किया।

13 जनवरी 2014: श्री प्रंजय गुहा ठाकुरता ने 'पंडित जवाहर लाल नेहरू की आर्थिक दर्शन' नामक एक विशेष व्याख्यान कॉन्फ्रेंस हॉल, सेंट्रल लाइब्रेरी में एक साल के लंबे 'पंडित जवाहर लाल नेहरू पर विशेष व्याख्यान श्रृंखला' के एक भाग के रूप में आयोजित किया गया था। कुलपति प्रो सुशांत 13 जनवरी 2014 पर सत्र की अध्यक्षता की।

31 जनवरी 2014: सुश्री आयु उथामि द्वारा एक विशेष व्याख्यान सह इंटरैक्टिव सत्र 'इंडोनेशिया में टैगोर', एक प्रसिद्ध इंडोनेशियाई लेखक केन्द्रीय पुस्तकालय 31 जनवरी 2014 पर, सम्मेलन कक्ष में इंदिरा गांधी सेंटर, विश्वभारती द्वारा आयोजित किया गया था।

विभाग में रिसर्च प्रोजेक्ट्स जा रहा।

डॉ मीता सरकार (दास), रिसर्च एसोसिएट: परियोजना धारक का नाम

(मानव विज्ञान)

द्वितीय। परियोजना का नाम: लिंग मुद्दे और जनजातियों: पूर्वी भारत और दक्षिण एशिया।

प्रायोजन एजेंसियां: विश्वभारती (आंशिक रिसर्च ग्रांट स्कीम)

चतुर्थ। राशि मंजूर: वार्षिक भिन्न हो (रुपए 3000-5000 / -।)

। परियोजना के वी अवधि: एक साल

विस्तार गतिविधियों / सांस्कृतिक एनएसएस / और विभाग द्वारा आयोजित और विभाग के कर्मचारी / शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया अन्य गतिविधियों्।

डॉ मीता सरकार (दास) 2005 के बाद से टैगोर अध्ययन कक्षाएं ले जा रहा है।

प्रकाशन

मीता सरकार (दास)

पुस्तकें व पत्रिकाओं में लेख

पूर्वोत्तर भारत में नागा भूमि उपयोग प्रणाली 'सद्भाव, अर्थव्यवस्था और रिश्ते: मानव लैंडस्केप एड। डॉ मनीष द्वारा। लालकृष्ण राहा, संकल्पना प्रकाशन, नई दिल्ली, 2013: 18-25्। आई-13: 978-93-5125-047-0

मिजो और (ऊपर के रूप में ही) पुस्तक में उनकी अर्थव्यवस्था 2013: 111-119्।

भारतीय लोगों और आंतरिक प्रवासन के के द्वारा में जनजातियों और विकास बागची अभिजीत पब्लिकेशन, 2013: 11-20, नई दिल्ली। आईएसबीएन 978-93-5074-043-9

नगा एकीकरण: खंड 'भारतीय मानव विज्ञान सोसायटी के जर्नल'। 49 नंबर 3, 2013: 35-42्। आईएसएसएन: 0019-4387

भावना के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहास / सदन / विभाग

'राष्ट्रीय एकता के लिए इंदिरा गांधी केंद्र' एकता की टैगोर के विश्व बंधुत्व भावना के विचारों के साथ धुन में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के धन के साथ 1986 में विश्व भारती के एक भाग के रूप में स्थापित किया गया था। बाद में दिसंबर, 2012 में केंद्र इंदिरा गांधी केंद्र, टैगोर मेमोरियल संस्थान (टी एम आई) के एक भाग के रूप में नाम दिया गया था, अंतरराष्ट्रीय समझ और संबंधों पर ध्यान केंद्रित करने के अपने क्षेत्र चौड़ी हो।

अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय समझ के अपने प्रमुख जिम्मेदारी के साथ इंदिरा गांधी केंद्र (आईजीसी) को बढ़ावा देने और अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में अपने प्रक्षेपण के साथ विश्वभारती के राष्ट्रीय महत्व को बनाए रखना होगा जो विशिष्ट कार्यक्रमों बाहर ले जाने के लिए विश्वविद्यालय के नोडल संगठन के रूप में कार्य करेगा अपनी विरासत और आधुनिक युग की संभावनाओं के साथ। बांग्लादेश और कोरिया से प्रख्यात विद्वानों की इस सरकार के एक दीक्षा के रूप में शांतिनिकेतन में शैक्षिक और सांस्कृतिक केन्द्रों की स्थापना के लिए विश्वभारती से संपर्क किया है। तदनुसार, विश्वविद्यालय के सक्षम अधिकारियों को पहले से ही 2013/03/04 पर ढाका में भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा घोषणा की गई थी जो विश्वभारती के 'बांग्लादेश अध्ययन कार्यक्रम' के तहत अनुसंधान के लिए 'बांग्लादेश भवन' की स्थापना को मंजूरी दी । कोरिया भवन की स्थापना की प्रक्रिया में है।

केंद्र विशिष्ट इंटरैक्टिव कार्यक्रमों के साथ इस विश्वविद्यालय के विदेशी छात्रों और विद्वानों के बीच, शैक्षिक, सामाजिक और सांस्कृतिक बातचीत के एक मंच के रूप में कार्य करने का प्रस्ताव है।

कृषि आर्थिक अनुसंधान केन्द्र

विभागीय संगोष्ठी (वक्ताओं, संगोष्ठी, तिथि का शीर्षक):

केंद्र ग्रामीण विकास पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया हैः सिद्धांत और नीति दृद13.01.14 और भी नीचे सूचीबद्ध हैं जो आंतरिक और बाह्य वक्ताओं द्वारा वितरित कई सोमवार व्याख्यान का आयोजन कियाः रूपनारायण मुखर्जी और तन्मय सिंघा महापात्रा, सहकारी लिए ग्रामीण पुनर्निर्माण के लिए विश्वभारती रवीन्द्रनाथ टैगोर केसामाजिक-आर्थिक सोचा और रवीन्द्रनाथ टैगोर केविचार पोस्ट ग्रेजुएट छात्रः सहकारी सिद्धांत 2013/04/26

डॉ मनोजित भट्टाचार्य, सहायक प्रोफेसर, सेंट जोसेफ कॉलेज, सामाजिक विज्ञान अनुसंधान 2013/05/13 में बंगलौर मॉडलिंग ऋण चुकौती विकासशील देशों में व्यवहार और सॉफ्टवेयर के उपयोग

डॉ आतिश प्रसाद मंडल, सहायक प्रोफेसर, सेंट जेवियर्स कॉलेज, कलकत्ता (ऑटोनोमस) भारत 2013/06/20 के पूर्वी भाग में सतत ग्रामीण पर्यटन के विकास की संभावनाएँ

डॉ रंजन कुमार बिस्वास

वरिष्ठ शोधकर्ता, वीबी कृषि स्थिरता खेती 2013/07/29 के सिस्टम पर निर्भर

डॉ सौम्या चक्रवर्ती

मानद्। भारत में निदेशक, वीबी असंगठित निर्माणः समावेशन 2013/08/05

श्री देबाजीत रॉय

वरिष्ठ शोधकर्ता, वीबी बेचा व धान की बिक्री योग्य अधिशेषः कुछ अनुभवजन्य सबूत 2013/12/08

श्री विवेकानंद दत्ता

प चिम बंगाल में चावल और गेहूं में वरिष्ठ शोधकर्ता, पूर्व की वीबी आकलन और पोस्ट हार्वेस्ट घाटा 2013/08/19

सौम्या चक्रवर्ती

मानद्। निदेशक, 'घर्षणहीन संक्रमण' की वीबी मिथकः भारत 2013/08/26 के लिए एक केस

डॉ शांतादास घोष

एसोसिएट प्रोफेसर, वीबी अनुसंधान अभिकल्प एवं प्राथमिक सर्वेक्षणः एक संक्षिप्त परिचय 2013/08/30

डॉ शांतादास घोष

एसोसिएट प्रोफेसर, वीबी अनुसंधान डिजाइन और प्राथमिक सर्वेक्षणः एक संक्षिप्त परिचय 2013/09/02

श्री मिथुन सिंघा रॉय

रिसर्च स्कॉलर, वन की वीबी प्रबंधनः प चिम बंगाल में कुछ प्रबंधन प्रणालियों के एक अध्ययन। 2013/09/09

श्री सोमनाथ घोष

रिसर्च स्कॉलर, भारत में मलिन बस्तियों की प्रकृति में वीबी परिवर्तन। 2013/09/16

प्रो फेलिक्स पैडेल

रूरल मैनेजमेंट जयपुर पारिस्थितिकी और अर्थव्यवस्था 2013/09/20 के स्कूल

चार

रिसर्च स्कॉलर, प चिम बंगाल 2013/09/30 के कुछ ग्रामीण हस्तशिल्प की वीबी बाजार संरचना

सुश्री अनामिका मोकतान

सहायक प्रोफेसर,

अर्थशास्त्र और राजनीति के विभाग,
भारत 2013/07/10 में रोजगार के विश्वभारती गुणवत्ता

भास्कर गुप्ता

इलेक्ट्रॉनिक्स और टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, फल, पौधों पर मोबाइल टावर रेडिएशन के जादवपुर विश्वविद्यालय के प्रभाव और कृषि उत्पाद 2013/10/25 विभाग

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विवरण में शिक्षक / अनुसंधान विद्वानों ने भाग लिया आदि / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी ।

सौम्या चक्रवर्ती, माननीय निदेशक निम्नलिखित कागजात हकदार प्रस्तुत है:

भारत की राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रमः कितनी दूर लैटिन अमेरिकी और कैरिबियन स्टडीज, वाटसन संस्थान, ब्राउन विश्वविद्यालय, अमरीका, 2013 22-23 मई के लिए केंद्र द्वारा आयोजित 'संघवाद और असमानता सम्मेलन' में्।

'भारत में असंगठित निर्माणः दुख की दृढ़ता और संक्रमण की आलोचना ' श्रम और विकास 'पर रजत जयंती सम्मेलन में मुंबई, भारत, 5-6 सितम्बर 2013 तक आयोजित की।

सार्वजनिक नीति और असमानता उन्मूलन / भारत की लैटिन अमेरिकी राजनीति विज्ञान एसोसिएशन, एंडीज, बोगोटा, कोलंबिया विश्वविद्यालय, 2013 25-27 सितम्बर की 7 वीं कांग्रेस में्।

अनौपचारिक क्षेत्रः कपटपूर्ण संक्रमण या दुख के हठ? 'विकास अर्थशास्त्र में समकालीन मुद्दों' पर 23 वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अर्थशास्त्र, जादवपुर विश्वविद्यालय, भारत, 2014 6-7 जनवरी विभाग द्वारा आयोजित।

शिक्षक / विद्वान या (। डीएसए या कैस आदि के रूप में मान्यता की तरह) एक पूरे के रूप में विभाग द्वारा प्राप्त

शैक्षणिक भेदः

इस प्रकार के रूप में डॉ सौम्या चक्रवर्ती द्वारा प्राप्त शैक्षणिक भेद हैं:

ब्राउन विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका, मई 2013 से एक परियोजना के सह यात्रा अनुदान प्राप्त किया।

विज्ञान और अर्जेंटीना की प्रौद्योगिकी, अर्जेंटीना, सितंबर 2013 के राष्ट्रीय मंत्रालय की कार्यक्रम से एक परियोजना सह यात्रा अनुदान प्राप्त किया।

संपादकीय बोर्ड के सदस्य, व्यवसाय अर्थशास्त्र और प्रबंधन में अनुसंधान के एशियाई जर्नल। 2013 के बाद से।

वर्ष 2013-14 के भीतर प्रकाशन

पुस्तकें:

भारत, डॉ. रंजन कुमार बिस्वास, नई दिल्ली, नई दिल्ली पब्लिशर्स, 2014, आईएसबीएन में जैविक खेती: 978-93-81274-57-6

रिसर्च पेपर्सः

सौम्या चक्रवर्ती निम्नलिखित कागजात हकदार प्रकाशितः

वैश्वीकरण और समावेशी विकासः एक गंभीर नोट (ए चटर्जी द्वारा सह लेखक); नृविज्ञान; वॉल्यूम। 3, नंबर 1; जनवरी-जून 2013्।

समावेशी विकास पूछताछः औपचारिक-अनौपचारिक द्वंद्व, पूरकता, संघर्ष; अर्थशास्त्र के कैम्ब्रिज जर्नल में; दोई : 10.1093 17 जुलाई (पहली ऑनलाइन) 2013; वॉल्यूम। 37, नंबर 6; नवंबर 2013्।

औपचारिक-अनौपचारिक विरोधाभासः कृषि-उद्योग लिंकेज पर बहस समीक्षा; आर्थिक और श्रम संबंधों की समीक्षा में; 1035304613517988 10.1177, 14 जनवरी (पहली ऑनलाइन) 2014; वॉल्यूम। 25, अंक 1; मार्च 2014्।

संघर्ष या सह-अस्तित्व / बड़े और छोटे खुदरा विक्रेताओं की एक कहानी? (टी हलदर के साथ सह लेखक); विकास और परिवर्तन की समीक्षा में (31 जनवरी 2014 पर स्वीकार किए जाते हैं)।

पुस्तक प्रकाशित

सौम्या चक्रवर्ती पर एक पुस्तक अध्याय प्रकाशित कृषि - एक खुली अर्थव्यवस्था के ढांचे में उद्योग बातचीतः कुछ सैद्धांतिक टिप्पणियों; समावेशन एवं अधिकारिता, एड में्। पी.के चट्टोपाध्याय; नई दिल्ली प्रकाशक, भारत; अप्रैल 2013्।

डॉ सौम्या चक्रवर्ती ग्रामीण गैर-कृषि क्षेत्र का अर्थशास्त्रः कुछ विशेषताओं और निर्धारकों पर एक पुस्तक अध्याय प्रकाशित (एस मंडल और एके चट्टोपाध्याय के साथ सह लेखक); चुनौतियां और संभावनाओं, एड्सः भारत में ग्रामीण विकास में्। एम घोष और ए.के चट्टोपाध्याय; धारावाहिक प्रकाशन, नई दिल्ली; मई 2013्।

विकास के लिए भविष्य की योजनाओं का एक संकेत के साथ संबंध भवन / सदन / विभाग के विकास पर एक संक्षिप्त इतिहासः

कृषि क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था का सबसे अधिक हावी क्षेत्र का गठन किया। नियोजन प्रक्रिया के बहुत शुरुआत से, भारत में नीति निर्माताओं और योजनाकारों इस क्षेत्र को उच्च प्राथमिकता दी है। विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन के लिए, यह कृषि से संबंधित उस क्षेत्र विशेष की समस्याओं को महसूस किया और सेक्टर संबद्ध किया गया था निचले स्तर से उचित प्रतिक्रिया होने के लिए अध्ययन करने की आवश्यकता है।

ईस्ट इंडिया के लिए कृषि-आर्थिक अनुसंधान केंद्र श्रीनिकेतन में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर के ग्रामीण पुनर्निर्माण कार्यक्रम के आसपास केंद्रित कृषि अर्थशास्त्र में शोध के लिए विश्वविद्यालय की लंबी परंपरा के साथ धुन में विश्वभारती में 1 जुलाई 1954 पर मंत्रालय द्वारा स्थापित किया गया था। अपनी स्थापना के बाद से, केंद्र विश्वभारती विश्वविद्यालय के भीतर कार्य कर रहा है, अपने मामलों शासित किया जा रहा है और विश्वविद्यालय द्वारा प्रबंधित। केंद्र वार्षिक अनुदान सहायता भारत के कृषि मंत्रालय, सरकार, नई दिल्ली से द्वारा वित्त पोषण किया है।

केंद्र की गतिविधियों का मुख्य शबाना शुरू में द्वारा भेजा मुद्दों पर केंद्र तथा राज्य सरकारों को तकनीकी सलाह प्रदान करने के रूप में भी गांव सर्वेक्षण, अध्ययन, मूलभूत समस्याओं की जांच एक कृषि अर्थव्यवस्था और ग्रामीण विकास के क्षेत्र में अनुभव किया जा रहा का आयोजन शामिल उन्हें्। अपनी स्थापना के बाद केंद्र अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार के निदेशालय द्वारा सुझाए गए अनुसंधान समस्याओं पर काम कर रहा था, अनुसंधान का ध्यान केंद्रित करने के लिए विशेष रुचि के हैं जो विशिष्ट नीति उन्मुख अध्ययन करने के लिए निरंतर गांव के अध्ययन से स्थानांतरित किया जा रहा कृषि मंत्रालय, भारत सरका।

समय बीतने के साथ, ऑपरेशन के क्षेत्र में परिवर्तन आया है। स्थापना के समय, केंद्र असम, बिहार, उड़ीसा और पिचम बंगाल के राज्यों को कवर करने के लिए एक अधिकार क्षेत्र था। क्षेत्र बहुत बड़ा था और केंद्र के आदेश पर सीमित संसाधनों के साथ, यह अलग-अलग राज्यों में समस्याओं का उचित न्याय करना शायद ही संभव था। वर्तमान में विभिन्न स्थानों पर नए केंद्रों के उद्घाटन के साथ, केंद्र पिचम बंगाल, सिक्किम, और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के शामिल हैं जो एक क्षेत्र में सक्रिय रहा है।

अधिक से अधिक 59 साल के अपने लंबे जीवन काल में केंद्र अनुसंधान गतिविधियों का एक बहुत कुछ किया है और इस तरह देश के लिए और विश्वविद्यालय के शैक्षणिक के कारण के लिए उपयोगी सेवाएं प्रदान की है। वर्ष 2013-14 से, इस केंद्र, अन्य बातों के साथ रोजगार, जल संसाधन, क्रेडिट, छोटे और सीमांत किसानों, विपणन, बीज, उर्वरक, बागवानी में शामिल हैं जो कृषि विकास और विकास से संबंधित विषयों की एक व्यापक स्पेक्ट्रम को कवर 179 पढ़ाई पूरी की गई है आदि वर्षा आधारित खेती, सहयोग, भूमि उपयोग, सब्सिडी, क्षेत्रीय योजना, गैर सरकारी संगठनों, खाद्य अर्थशास्त्र, मत्स्य, कृषि ग्रामीण उद्योग

नियम और शर्तों के अनुसार, केंद्र अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार के निदेशालय द्वारा सुझाए गए अनुसंधान समस्याओं पर काम कर रहा था। कृषि मंत्रालय के 1990 में केंद्र के लिए स्थायी दर्जा प्रदान किया गया है और उसके बाद विश्वविद्यालय के साथ केंद्र को एकीकृत करने के लिए एक दृश्य के साथ, मंत्रालय भारत संघ और विश्वविद्यालय के बीच एक समझौता ज्ञापन में प्रवेश करने का फैसला किया था। इसलिए एक समझौता ज्ञापन पर

भारत संघ और विश्वभारती विश्वविद्यालय के बीच हस्ताक्षर किए गए थे। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाने के फलस्वरूप, विश्वविद्यालय औपचारिक रूप से विश्वविद्यालय के साथ केंद्र के एकीकरण के संबंध में अधिसूचना जारी की है, और अब ऋऋडक, विश्वभारती विश्वभारती विश्वविद्यालय के साथ एकीकृत खड़ा है।

विभाग की भविष्य की योजनाओं:

1) रवीन्द्रनाथ टैगोर के ग्रामीण पुनर्निर्माण के व्यापक आदर्शों को ध्यान में रखते एक हाथ पर शांति निकेतन की दृष्टि और अन्य पर श्रीनिकेतन के लागू गतिविधियों, बुनाई एक अंतर-अनुशासनात्मक अनुसंधान के माहौल उत्पन्न करने के लिए।

2) अपने समय की कमी के बावजूद कृषि, भारत सरकार के मंत्रालय द्वारा आवंटित शोध अध्ययन की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए।

3) काम कर कागजात और प्रकाशनयोग्य अनुसंधान के निर्माण।

विभाग के प्रमुख की राय में लायक रिपोर्टिंग है जो किसी भी अन्य प्रासंगिक जानकारी, शामिल किया जाना चाहिए:
केंद्र वर्किंग पेपर्स हकदार निम्नलिखित प्रकाशित करने के लिए पहल की है:
मैं) ऋण चुकौती समस्या भारत में
द्वितीय) समावेशी विकास

एस.सी/एस.टी (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति) सेल

विश्वभारती ने सन् 1983 में अनुसूचित एवं अनुसूचितजाति का विशेष प्रकोष्ठ बनाया। इसके क्रियाकलाप निम्न प्रकार है:-

छात्र प्रविष्टि-शैक्षिक एवं शैक्षिकेतर पदों में नियुक्ति, शैक्षिकेत्तरकर्मियों की प्रोन्नति-छात्रावास एवं आवास आवंटन के संदर्भ में आरक्षण नीति के अनुपालन हेतु अ.जा. एवं अ.ज.जा. विशेष प्रकोष्ठ विश्वभारती द्वारा स्थापित किया गया है-उपरजिस्ट्रार प्रकोष्ठ के प्रभारी हैं और एक अनुभाग अधिकारी, एक निजी सहायक (स्तर- बी) एक वरिष्ठ सहायक, एक कार्यालय सहायक और एक चपरासी उनके अधीनस्थ हैं। अभी प्रकोष्ठ एससी/एसटी/ओबीसी प्रकोष्ठ के रूप में कार्य कर रही है।

प्रो. वी.सी. जय-जूलॉजी विभाग, शिक्षा भवन-विश्वभारती को अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति और प्रो. एन.सी.मंडल, पी.एस.बी. को ओ.बी.सी. की देखरेख के लिए चुना गया है।

इसके अलावा-उपाचार्य की ओर से अ.जा./अ.ज.जा. के अध्यापन और गैर-अध्यापन कर्मचारियों और छात्रों के प्रवेश के संबंध में आरक्षण नीतियों के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए एक स्थायी सलाहकार समिति गठित की गई है। इसके अलावा एक तीन सदस्यीय समिति का भी एस.सी., ए.टी और ओ.बी.सी. के लिए विभिन्न भवनों, सदनों में प्रवेश के संदर्भ में आरक्षण नीति के समुचित कार्यान्वयन का निरीक्षण करने के लिए गठन किया गया है।

आरक्षण के मामले में व शिक्षण और गैर शिक्षण पदों की सीधी भर्ती में और शिक्षण और गैर शिक्षण पदों को बढ़ावा देने के लिए रोस्टर का कार्यान्वयन शुरू किया गया है। छात्रों के प्रवेश, शिक्षण और गैर शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती के मामले में आरक्षण नीति के बारे में भी समय-समय पर यू.जी.सी. का दिशा निर्देश/परिपत्र भवनों को अग्रसारित किया जाता है।

उपचारात्मक कोचिंग की योजना, अनुसूचित जाति के लिए नेट और सेवा क्षेत्रों में यू.जी. और पी.जी. स्तर पर प्रवेश के लिए कोचिंग शुरू की गई है और अ.ज.जा. और अल्पसंख्यक छात्रों को विश्वविद्यालय के सामान्य विकास सहायता के रूप के तहत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशों के अनुसार ग्यारहवीं योजना की सम्मिश्रित योजना में इन समुदायों के छात्र लाभान्वित हुए हैं।

2013/11/11 पर आयोजित बैठक अपने संकल्प नं 59 ख़बरदार पर कर्मा समिति (कार्यकारी परिषद) में अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / अन्य पिछड़ा वर्ग / अलग ढंग से विकलांग व्यक्तियों के लिए भारत सरकार की आरक्षण नीति का कड़ाई से कार्यान्वयन केलिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की विशेषज्ञ समिति की सिफारिश को स्वीकार कर लिया विश्वविद्यालय केशिक्षण और गैर शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती केलिए।

विशेषज्ञ समिति की सिफारिश केआरक्षण केअनुसार, अनुसूचित जातियों केलिए 15 लागू किया गया है अजजा 7.5, ओबीसी 27 और विश्वविद्यालय स्तर तक स्कूल स्तर से प्रवेश यानी केसभी स्तरों में 3।

कार्यकारी परिषद केसंकल्प दिनांकित 2013/11/11 को देखते हुए शैक्षणिक सत्र 2014-15 से अनुसूचित डाले, अनुसूचित जनजाति और विश्वविद्यालय केशारीरिक रूप से विकलांग छात्रों केट्युशन फीस और हॉस्टल आवास की फीस केभुगतान से छूट दी गई है।

अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ नियमित रूप से सांख्यिकीय डेटा इकट्ठा और समय-समय पर निर्धारित प्रारूप में यूजीसी / मानव संसाधन विकास मंत्रालय / राष्ट्रीय आयोग को आगे भेजने केलिए संकलित। लोक सभा / राज्य सभा सवाल और अन्य संगठनों केलिए उत्तरों सेल द्वारा चिंतित कार्यालयों / संगठनों केलिए समय-समय पर प्रस्तुत किया गया है।

शिकायतों, अनुसूचित जाति द्वारा दर्ज कराई शिकायत /एसटीओबीसी / पीडब्ल्यूडी छात्रों को या कर्मचारियों को समय पर में देखा और इसकी उचित निवारण केलिए उच्च अधिकारी केध्यान में लाया गया है।

केन्द्रीय पुस्तकालय

एक लाइब्रेरी ऑटोमेशनः
विश्वभारती पुस्तकालय का प्रांगण मोटे फाइबर आप्टिक नेटवर्क से जुड़ा हुआ है, जिसका नाम गीतांजलि नेट (इन्फाबेल्ट) पुस्तकालय में 107 कम्प्यूटर, 45 प्रिन्टर, 2 कोपियर, एक दस्तावेज कैमरा, एक एल.सी.डी. प्रोजेक्टर इत्यादि, जो केन्द्रीय पुस्तकालय और इसके 12 अनुभागीय पुस्तकालय के लिए हैं। पुस्तकालय अपने पाठक को विभिन्न प्रकार की उपयोगिता और सुविधायें प्राप्त हैं, जैसे ई-जरनल, ई-छाटाबेस, ई-बुक्स। शिक्षा सम्बन्धी और शोध उद्देश्य के लिए ऑन लाइन सरचिंग, ई-मेल इत्यादि की सुविधा पुस्तकालय में दी जाती है। पुस्तकालय प्रबंध सॉटवेयर (यूनिकोड वेब कम्प्लेंट) का उपयोग पुस्तकालय की गतिविधियों को स्वाचालित करना है। प्रत्येक दिन पुस्तकालय में होने वाली क्रिया और उपयोगिता जैसे एक्विजिशन ऑफ लाइब्रेरी डॉक्युमेंट, कैटालॉमिंग, सिरीयल कन्ट्रोल, सरकुलेशन, ओपैक इत्यादि पुस्तकालय प्रबंध सॉवेयर के प्रयोग से बहुत विनीत तरीके से हो रहा है। लाइब्रेरी कैटालॉग डाटाबेस केद्रीय पुस्तकालय का लगभग सारा कार्य औरअनुभागीय पुस्तकालय भी अंतरजाल से पुरू प्रांगण में जुड़ा हुआ है और अब विश्वभारती, कम्प्यूटर सेंटर की मदद से पूरी लाइब्रेरी कैटलॉग डाटाबेस जल्द ही वेब पर होगा।
फिलहाल अभी विश्वभारती पुस्तकालय कैटालॉग डाटाबेस 529084 टाइटल ऑफ डाक्युमेंट, 646497 इन्डिविजुअल एक्सेशन संख्या जो अपने साथ 48417 बाउंड वौल्युम्स ऑफ जरनल और 1938 थीसेस, साथ में है। 'करेंट पेरियोडिकल्स 2014 की संख्या 233 इटाईल को समाविष्ट करती है। 3836 टाइटल ऑफ परचेएड ई-बुक्स और 82,477 टाइटल ऑफ सबस्क्राइब्ड ई-बुक्स जो पुस्तकालय को विश्व प्रसिद्ध प्रकाशक (एलसीवियर, कैमब्रीज ऑनलाइन, स्प्रिन्मर, सेग, टेलर एण्ड फैन्सिस ऑक्सफर्ड विश्वविद्यालय प्रेस और ब्रिटिश काउनसिल लाइब्रेरी) जो पुस्तकालय वेब पेज के सहार ई-बुक्स को पूरे प्राण्गण में उपलब्ध कराता है। विश्वभारती पुस्तकालय अपनी सभी सुविधाओं को देख कर अपने शोध छात्रों को अपना प्रकाशन 'लाइब्रेरी रीपोसीटरी' पर डालने का निमंत्रण देता है और अपने सभी पाठकों को प्रेरित करता है कि वे लाइब्रेरी होमपेज के सहारे 'ओपेन एक्सेस रीसोंसेस' पर जायें।
ख. लाइब्रेरी डीजीटाइजेशन
"मेगा डीजिटल लाइब्रेरी प्रोजेक्ट ऑफ इण्डिया" के पहले चरण में केन्द्रीय पुस्तकालय ने स्कैनिंग और डीजीटाइजेशन का काम पूरा हुआ जिसमें 11362 टाइटल के पुराने डाक्यूमेंट जो पुस्तकालय के 51 लाख पन्नों में है। अभी तक 238 डी.वी.डी., पहले चरण के मिले हैं, और मेटाडाटा का जो डीजीटाइनेशन डाक्यूमेंट भी बन गया है और ये सारे पुस्तकालय के वेब पेज पर प्रांगण अन्तरजाल के सहारे फैले हुए हैं।
ग. ई-रीसौर्सेस
ई-जरनल यू.जी.सी. इन्फो नेट कौनसोरटीया के सहारे -6600
फ्री ई-जरनल फ्रौम पब्लिशर्स- 1050
ऑन-लाइन ई-जरनल ऑन सब्सक्रिपशन बेसिस - 51
ई-बुक्स परचेस्ड एण्ड सब्सक्रिपशन - 86313
सब्सक्राईब्ड इ-जरनल इमेरेल्ड के सहारे - 37000
फ्री ऑनलाइन बुक्स - 869
डी.वी.डी. ऑफ ओल्ड डीजटाइज्ड डाक्यूमेंट ऑफ सेन्ट्री लाईब्रेरी- 238
सी.डी. रौम - 620
डी। डाटा बेस की सुविधा का उपयोगः -
अमेरिकन लाइब्रेरी, कोलकाता
ब्रिटिश काउंसिल पुस्तकालय, कोलकाता

कैम्ब्रिज ऑनलाइन
डेलनेट, नई दिल्ली
एल्सेविअर विज्ञान
पन्ना प्रबंधन
भारत स्टाट . कॉम
जम्मू-गेट
ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस
ऋषि ई-संदर्भ
बाबा अनुसंधान विधि ऑनलाइन (च्डग्र)
कोंपल
टेलर और फ्रांसिस
केन्द्रीय पुस्तकालय, विश्वभारती द्वारा आयोजित संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी / अन्य कार्यक्रमों:

1) आठ उपयोगकर्ता प्रशिक्षण कार्यक्रमों केसंबंध में 18 जुलाई और 9 अगस्त, 30, 7 सितंबर 2013 और फरवरी 14 और 25, 2014 कुल 299 छात्रों और 10 शिक्षकों पर विभिन्न विभागों केनए पुस्तकालय केसदस्यों केलिए आयोजित किए गए 'पुस्तकालय संसाधनों का उपयोग कैसे करें' पाठभवन केसदस्यों, कृषि, सिल्पा सदन, शारीरिक शिक्षा, सामाजिक कार्य, संगीत भावना, और जैव प्रौद्योगिकी (पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान वोकेशनल विषय केरूप में केछात्र) कार्यक्रम में भाग लिया है।

2) 33 छात्रों और पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, कलकत्ता विश्वविद्यालय केविभाग केएक संकाय केएक दल ने 1 जनवरी 2014 को उनकी शैक्षिक दौरे केएक भाग केरूप में केन्द्रीय पुस्तकालय, विश्वभारती का दौरा किया है।

3) केपुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान विभाग केनौ छात्रों की एक टीम का दौरा किया है केन्द्रीय पुस्तकालय, 22 फरवरी, 2014 को विश्वभारती।

चतुर्थ) सम्मेलन कक्ष, केन्द्रीय पुस्तकालय रिपोर्टिंग वर्ष भर में फैले सैंतीस (37) कार्यों केलिए आयोजन स्थल के रूप में इस्तेमाल किया गया था।

लाइब्रेरी स्टाफ ने भाग लिया सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / आमंत्रित व्याख्यान आदि:

निमई चंद साहा

केपरिसर में: के 'नौकरी मेला' केअवसर पर पालीटेक्निक केशांति निकेतन संस्थान द्वारा अतिथि एवं वक्ता केरूप में आमंत्रित किया और कुछ सुझाव नियोक्ताओं और भविष्य केकर्मचारियों केबीच केअंतर को पूरा करने केलिए उत्प्रेरक केरूप में काम निष्पक्ष विषय पर व्याख्यान दिया 17 मार्च 2014 पर संस्थान।

सपा मुखर्जी इंस्टीट्यूशन में 29 दिसंबर, 2013 पर 6 राज्य सम्मेलन में सभी बंगाल स्कूल पुस्तकाध्यक्ष एसोसिएशन द्वारा आयोजित: मुद्दे और चुनौतियां 21 वीं सदी में स्कूल पुस्तकालय सेवाओं संसाधन व्यक्ति केरूप में आमंत्रित किया और इस विषय पर व्याख्यान दिया कोलकाता।

केकलना चर्चा केन्द्र द्वारा अतिथि एवं वक्ता केरूप में आमंत्रित किया और विषय पंडित तारानाथ अच्छी तरह से विदेशों में भारत से भी जाना जाता है पर व्याख्यान दिया पंडित तारानाथ एसोसिएशन की द्विपक्षीय जयंती अवलोकन में) पर महारा राजा हाई स्कूल, कलना, बर्दवान में 13 नवंबर 2013्।

सम्मेलन हॉल, सेंट्रल लाइब्रेरी, विश्व में 31, 2013 - 10 अगस्त केदौरान, आरईसी, विश्वभारती द्वारा आयोजित विश्वभारती केआकस्मिक श्रमिक की लाइब्रेरी आने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'लाइब्रेरी यूनिट' केलिए समन्वयक केरूप में निरुपित -कुल 17 प्रतिभागियों को कार्यक्रम में भाग लिया है।

केरिसोर्स पर्सन केरूप में आमंत्रित किया और 'पुस्तकालय प्रशिक्षण कार्यक्रम का अवलोकन' पर तीन व्याख्यान दिया; 'लाइब्रेरी ढेर व्यवस्था: कैसे और क्यों?' और 'केन्द्रीय पुस्तकालय विश्वभारती: आधुनिक परिप्रेक्ष्य में देखें

ओवर' 10 अगस्त, 19-20 पर ग्रामीण विस्तार केन्द्र (आरईसी), विश्वभारती द्वारा आयोजित विश्वभारती के आकस्मिक श्रमिक की लाइब्रेरी आने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में, 2013 सम्मेलन हॉल, सेंट्रल लाइब्रेरी, विश्वभारती में्।

भाग लिया और बदलते परिदृश्य में लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स के लिए कौशल आवश्यकताओं और संवर्द्धनः पूर्वावलोकन व्यावहारिक अनुभवों से शीर्षक से एक पत्र प्रस्तुत किया। नेशनल कांफ्रेंस के हकदार 2013 में, डी एल आई एस, सीटी द्वारा आयोजित 13-14 दिसम्बर, 2013 के दौरान बोरा कॉलेज, शिरूर, पुणे, महाराष्ट्र,।

10 दिसंबर (संयुक्त रूप से डेलनेट, नई दिल्ली और एम एन आई टी, जयपुर, राजस्थान द्वारा आयोजित, 'लाइब्रेरी आचरण में उभरती प्रौद्योगिकियों और नवाचार' पर राष्ट्रीय सम्मेलन यानी 2013 में भाग लिया और पोस्टर प्रस्तुति के सत्र में एक पेपर प्रस्तुत 2013 को 04:30) परः 10-12 दिसम्बर, 2013 के दौरान 'विपणन विश्वविद्यालय पुस्तकालय सेवा और केन्द्रीय पुस्तकालय, विश्वभारती में अपनी स्थिति तक पहुँचने और संयुक्त राष्ट्र के पहुंच के बीच की खाई को पाटने के लिए रास्ता'।

29 अप्रैल 2013 पर डेलनेट, नई दिल्ली की वार्षिक सामान्य निकाय की बैठक में भाग लिया।

क्ष्ट्र) भाग लिया और '21 वीं सदी में संचार मीडिया और राष्ट्रीय एकताः एक कड़ी' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी मेंः पत्रकारिता के लिए केंद्र की ओर से आयोजित 'राष्ट्रीय एकता के लिए संचार मीडिया की भूमिका में मुद्दे और मास कम्युनिकेशन सीजेएमसी, विश्वभारती, शांतिनिकेतन और 20 अप्रैल 2013 पर लिपिका सभागार में आयोजित

कनिका देबनाथ

मैं) संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया और 'पुस्तकालय संसाधनों के प्रसंस्करणः सैद्धांतिक पहलू' पर व्याख्यान दिया विश्वभारती के आकस्मिक श्रमिक की लाइब्रेरी आने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में, 13 अगस्त को ग्रामीण विस्तार केन्द्र (आरईसी), विश्वभारती द्वारा आयोजित 2014 और भी सम्मेलन हॉल, सेंट्रल लाइब्रेरी, विश्वभारती में 19 अगस्त, 20 और 23, 2014 को प्रसंस्करण के काम में प्रशिक्षण कार्यक्रम पर हाथ पर सहायता प्रदान की।

तापस कुमार दास

मैं) संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया और 'लाइब्रेरी सर्कुलेशन धाराः सैद्धांतिक पहलू' पर व्याख्यान दिया ग्रामीण विस्तार केन्द्र (आरईसी) द्वारा आयोजित विश्वभारती के आकस्मिक श्रमिक की लाइब्रेरी आने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में, 12 अगस्त को विश्वभारती, 2014 और भी सम्मेलन हॉल, सेंट्रल लाइब्रेरी, विश्वभारती में 16 अगस्त, 17 और 19, 2014 को प्रसंस्करण के काम में प्रशिक्षण कार्यक्रम पर हाथ पर सहायता प्रदान की।

अजय कुमार शर्मा

मैं) 04-31 जनवरी, 2014 से यूजीसी-अकादमिक स्टाफ कॉलेज, बर्दवान विश्वविद्यालय में 93 अभिविन्यास कार्यक्रम में भाग लिया।

द्वितीय) संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया और पर व्याख्यान दिया 'अधिग्रहण और सेवाएँ लाइब्रेरी जर्नल्सः सैद्धांतिक पहलू' ग्रामीण विस्तार केन्द्र (आरईसी) द्वारा आयोजित विश्वभारती के आकस्मिक श्रमिक की लाइब्रेरी आने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में, विश्वभारती अगस्त को 12, 2014 और भी सम्मेलन हॉल, सेंट्रल लाइब्रेरी, विश्वभारती में 16 अगस्त, 17 और 19, 2014 को प्रसंस्करण के काम में प्रशिक्षण कार्यक्रम पर हाथ पर सहायता प्रदान की।

सुजीत कुजुर

मैं) डेलनेट पर कार्यशाला में भाग लियाः 1 मार्च 2014 को प्रौद्योगिकी दुर्गापुर के राष्ट्रीय संस्थान द्वारा आयोजित एक खुला स्रोत एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयरः संसाधन और सेवाएं

10-11 जनवरी, 2014 के दौरान बर्दवान विश्वविद्यालय में बर्दवान विश्वविद्यालय ऑफिसर्स एसोसिएशन द्वारा

आयोजित समस्याएं और संभावनाएंः द्वितीय) निजीकरण के युग में उच्च शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया। के रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित किया और संदर्भ सेवा पर व्याख्यान दियाः क्या? क्यूँ? यह भी 10 अगस्त 2014 पर ग्रामीण विस्तार केन्द्र (आरईसी), विश्वभारती द्वारा आयोजित और विश्वभारती के आकस्मिक श्रमिक की लाइब्रेरी आने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में ?ः सैद्धांतिक पहलू ', प्रसंस्करण के काम में प्रशिक्षण कार्यक्रम पर हाथ पर सहायता प्रदान की कहां सम्मेलन हॉल, सेंट्रल लाइब्रेरी, विश्वभारती में 16 अगस्त, 17 और 22, 2014

सुमन सरकार

मैं) डेलनेट पर कार्यशाला में भाग लियाः 1 मार्च 2014 को प्रौद्योगिकी दुर्गापुर के राष्ट्रीय संस्थान द्वारा आयोजित एक खुला स्रोत एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयरः संसाधन और सेवाएं

अनुभागीय लाइब्रेरी

पार्थ प्रतिम रे

अप्रैल 7-8, 2013 के दौरान भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई), कोलकाता में आयोजित 1) 'चुनौतियां और प्रबंधन अधिकार और कॉपीराइट एक्ट के राष्ट्रीय सम्मेलन' में आमंत्रित वक्ता और सत्र की अध्यक्ष के रूप में भाग लिया।

2) पीएच.डी. के छात्रों के लिए सूचना, ग्रंथ सूची शैलियों, के स्रोत के विभिन्न पहलुओं पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में चार व्याख्यान दिया 25-29 जुलाई, 2013 से शिक्षा, विश्वभारती के अवरोध के पाठ्यक्रम का काम 2013्।

3) के रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित किया और पर व्याख्यान दिया 'पुस्तकालयः अतीत, वर्तमान और भविष्य' 16 अगस्त को ग्रामीण विस्तार केन्द्र (आरईसी), विश्वभारती द्वारा आयोजित विश्वभारती के आकस्मिक श्रमिक की लाइब्रेरी आने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में 2014 सम्मेलन हॉल, सेंट्रल लाइब्रेरी, विश्वभारती में्।

4), पब्लिक लाइब्रेरी दिवस में मुख्य अतिथि के रूप में 'ग्रामीण भारत के लिए सूचना प्रसार केन्द्र के रूप में सार्वजनिक पुस्तकालय' पर एक व्याख्यान दिया 31 अगस्त 2013 को जिला पुस्तकालय, सूरी में मनाया।

5) भाग लिया विरासत पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'ज्ञान प्रसार और विकास के टैगोर की दृष्टि' नामक एक पेपर प्रस्तुत कियाः 05-06 सितम्बर, 2013 से विनयभवन, विश्वभारती द्वारा आयोजित नई विश्व व्यवस्था में भारत का प्रतिनिधित्व करना।

6) के सत्र 2013-14 के लिए व्याख्यान श्रृंखला के तहत पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान, कल्याणी विश्वविद्यालय के विभाग में छह व्याख्यान दिया।

कौशिक घोष

मैं) संयुक्त रूप से 31 वें दौरान अखिला भारतीय इतिहास संकलन योजना पूर्वी जोन और राष्ट्रीय एकता के लिए इंदिरा गांधी केंद्र, विश्वभारती, शांतिनिक्तन, द्वारा आयोजित भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक अखंडता पर स्वामी विवेकानंद पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया अगस्त - सितंबर 1, 2013्।

सुकुमार दास

: रवीन्द्रनाथ और ग्लोबल / स्थानीय हस्तियों इंटरेक्शन रवींद्रभवन, वीबी द्वारा आयोजित मैं) पर चार दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया मार्च 2014 21-24 पा

द्वितीय) टैगोर स्टडीज यूनिट, वीबी द्वारा आयोजित रवीन्द्रनाथ और शांति निक्तन 'विषय पर दो दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम में भाग लिया 23 पा फ़रवरी और 12 वीं्। मार्च 2014्।

के 2012-13 के दौरान एक बहुत अच्छा स्कोर के साथ राजभाषा विभाग, हिंदी शिक्षण योजना, नई दिल्ली द्वारा

आयोजित 'प्रबोध', 'प्रवीण' और 'प्रज्ञा' के पाठ्यक्रम पूरा किया।

रवींद्रभवन, वीबी द्वारा आयोजितः रवीन्द्रनाथ टैगोर और उसकेड्डद्रत्य्म्न्द्यथ्ड्ड्म पत्र का एक आदमी चतुर्थ) एक मनोरम कागज अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत 2013 में्।

सौमित्र कुमार चक्रवर्ती

मैं) श्रीनिकेतन में 7 फरवरी को कर्मी-संघा, श्रीनिकेतन, 2014 से ग्रामीण सम्मेलन पर एक संगोष्ठी में भाग लिया।

प्रकाशन

निमाई चंद साहा

पुस्तकः

मैं) कौशिक घोष,और एन.सी साहा, (2013)। विज्ञान विद्वानों द्वारा ई-जर्नल्स का उपयोगः विश्वभारती केमामले का अध्ययन। जर्मनीः लैम्बर्ट शैक्षणिक प्रकाशन।

स्मारिकाः

मैं) साहा, एन सी सी (2014)। कुछ सुझावः नियोक्ताओं और भविष्य के कर्मचारियों के बीच अंतर को पूरा करने केलिए उत्प्रेरक केरूप में मेले नौकरी। 17-21 मार्च केदौरान रोजगार मेले केअवसर पर स्मारिका में, शांतिनिकेतनः पॉलीटेक्निक की शांति निकेतन संस्थान।

द्वितीय) साहा, एन सी और दास, एम.के (2013)। विपणन विश्वविद्यालय पुस्तकालय सेवा और केन्द्रीय पुस्तकालय में अपनी स्थिति, विश्वभारतीः रीच और संयुक्त राष्ट्र के पहुंच के बीच की खाई को पाटने के लिए रास्ता।नाशलिन 2013 की स्मारिका में, संयुक्त रूप से 10-12 दिसम्बर, दिल्ली के दौरान डेलनेट, नई दिल्ली और एम एन आई टी, जयपुर, राजस्थान द्वारा आयोजितः डेलनेट्। सार पोस्टर प्रस्तुति के लिए्।

राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय सहकर्मी में अनुच्छेद जर्नल समीक्षितः

मैं) बिपुल मंडल, चंद्रा, और साहा, निमाई चंद्। (2014)। एक अध्ययनः कलना और बारासात कॉलेज लाइब्रेरी के विशेष संदर्भ में वर्तमान डिजिटल युग में कॉलेज पुस्तकालयों की स्थिति। विद्यावार्ता मेंः अंतःविषय बहुभाषी जर्नल, 5 (2), पी 148-154 भेजा।

द्वितीय) मंडल, धीमान, मंडल, बिपुल चंद्रा, और साहा, (2014)। दो ओपन एक्सेस भारतीय एलआईएस पत्रिकाओं की वि लेषणः तुलनात्मक अध्ययन। अंतःविषय बहुभाषी जर्नल, 5 (2), पी 139-146 भेजा।

निमाई चंद्। (2014)। कदम, ई-गवर्नेंस के मुद्दे और चुनौतियांः भारतीय परिप्रेक्ष्य। विद्या वार्ता मेंः अंतःविषय बहुभाषी जर्नल, 5 (1), पी 178-183 भेजा।

चतुर्थ) साहा, निमाई चंद व सिन्हा, केशवचंद्र। (2014)। ग्रामीण पुस्तकालयों का अध्ययनः श्रीनिकेतन, विश्वभारती के आसपास के गांवों में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की चालंतिका लाइब्रेरी के विशेष संदर्भ में्। विद्यावार्ता मेंः अंतःविषय बहुभाषी जर्नल, 5 (1), पी 156-165 भेजा।

ज्) साहा, निमाई चंद, दास, सुवर्मा कुमार व शर्मा, अजय कुमा। (2013)। प्लानर (2006-2010) की कार्यवाही में योगदानः एक बायोमेट्रिक अध्ययन। लासिक बुलेटिन में, 58 (2), पी 93-107्।

सम्मेलन की कार्यवाहीः

मैं) साहा, निमाई चंद्। (2013)। बदलते परिदृश्य में लाइब्रेरी प्रोफेशनल्स के लिए कौशल आवश्यकताओं और संवर्द्धनः पूर्वावलोकन व्यावहारिक अनुभवों से। 13-14 दिसम्बर, पी 353-367 के दौरान डी एल आई एस, कॉलेज, शिरूर, पुणे, महाराष्ट्र, द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में्।

द्वितीय) साहा, निमाई चंद व दास, मृणाल कांति। (2013)। उत्पत्ति और चुनौतियांः 21 वीं सदी में पुस्तकालय

सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए उत्प्रेरक के रूप में विपणन। 13-14 दिसम्बर, पी 368-382 के दौरान डी एल आई एस, सी.टी बोरा कॉलेज, शिरूर, पुणे, महाराष्ट्र, द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में्।

शैक्षणिक भेदः

मैं) पुस्तकालय विभाग में अतिथि व्याख्याता और सूचना विज्ञान, बर्दवान विश्वविद्यालय, शैक्षणिक सत्र 2013-14 के लिए बर्दवान के रूप में नियुक्त किया है और बीकॉम कोर्स के लिए एक सप्ताह में दो कक्षाएं ले रही है।

द्वितीय) पीएच.डी. के छात्रों के लिए विभिन्न पहलुओं अनुसंधान विधियों पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में 36 व्याख्यान (एक घंटे प्रत्येक) वितरित जुलाई 05- 9 अक्टूबर 2013 से पत्रकारिता और जनसंचार, विश्वभारती के लिए केंद्र के पाठ्यक्रम का काम 2013्।

पीएच.डी. के छात्रों के लिए विभिन्न पहलुओं अनुसंधान विधियों पर रिसोर्स पर्सन के रूप में 30 व्याख्यान (एक घंटे प्रत्येक) वितरित 25 जुलाई - 9 अक्टूबर 2013 से शारीरिक शिक्षा, विश्वभारती विभाग के पाठ्यक्रम का काम 2013्।

चतुर्थ) पीएच.डी. के छात्रों के लिए 'अनुसंधान गतिविधियों के लिए पुस्तकालय संसाधनों का सबसे अच्छा उपयोग' पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में एक व्याख्यान (दो घंटे) वितरित 1 नवम्बर 2013 पर बंगाली, विश्वभारती विभाग के पाठ्यक्रम का काम 2013्।

वी) 2013 से पत्रकारिता एवं जनसंचार, विश्वभारती के लिए केंद्र के अध्ययन के बोर्ड के सदस्य के रूप में शामिल किया।

ध्ह्) के पत्रकारिता एवं जनसंचार, 2013 से विश्वभारती के लिए केंद्र में अनुसंधान सह-गाइड के रूप में नियुक्त किया है।

तापस कुमार दास

जर्नल लेखः

दास, तापस कुमार (2013)। जर्नल 'लाइब्रेरी रुझान' में योगदान की एक लाइब्रेरी दर्शन और व्यवहार में्। कागज 1014्।

समाचार पत्रः

2014 (3), मार्च लाइब्रेरी ई-समाचार पत्रिका का मैं) संकलक / संपादक, 1

सम्मेलन की कार्यवाहीः

दास, तापस कुमार (2013)। विश्वभारती पुस्तकालय प्रणाली में इलेक्ट्रॉनिक संसाधन प्रबंधनः एक अध्ययन। शैक्षणिक पुस्तकालय ऋपर यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में: 27-28 सितम्बर, 2013 के दौरान दक्षिण कन्नड़ और कोडागू लाइब्रेरी एसोसिएशन (आर) के सहयोग से श्री वेंकटरमण स्वामी कॉलेज, बन्त्वाल, मंगलौर द्वारा आयोजित इलेक्ट्रॉनिक युग 'में चुनौतियां, द्र19-25 ।

अजय कुमार शर्मा

जर्नल लेखः

साहा, निमाई चंद, दास, शुवर्ण कुमार व शर्मा, अजय कुमार (2013)। प्लानर (2006-2010) की कार्यवाही में योगदानः एक बिबलयोमेटिक अध्ययन। इयासलिक बुलेटिन में, 58 (2), पी 93-107्।

शर्मा, अजय कुमार (2014)। 21 वीं सदी में स्वदेशी ज्ञान संचार डिजिटल पुस्तकालय सेवाओं के अंतरराष्ट्रीय जर्नल, 4 में (1), 128-135

बुलेटिनः

मैं) लाइब्रेरी बुलेटिन - विश्वभारती के लिए 'वर्तमान पत्रिकाओं-2013' पत्रिकाओं सदस्यता ली।

शैक्षणिक / प्रशासनिक संलग्नः

डिजिटल सूचना और ज्ञान प्रबंधन के इंटरनेशनल जर्नल पत्रिका के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

जर्नल संगीत आकाशगंगा के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

जर्नल डिजिटल पुस्तकालय सेवाओं के अंतरराष्ट्रीय जर्नल के तृतीय) एसोसिएट एडीटर।

वेबमास्टर (सभी बंगाल स्कूल लाइब्रेरियन एसोसिएशन)।

केन्द्रीय पुस्तकालय, विश्वभारती के वी) वेबमास्ट

अनुभागीय लाइब्रेरी

पार्थ प्रतिम राय

जर्नल लेखः

रे, पार्थ प्रतिम (2013), टैगोर के गीत प्रसाद का प्रकाशन, गीतांजलिः एक अध्ययन्। पुस्तकालय और सूचना अध्ययन के इतिहास में, 60 (1), अप्रैल 2013.15-21्।

रे, पार्थ प्रतिम (2013), कालानुक्रमिक विकास, में, 62 (8), नवम्बर 2013..231-241

पुस्तकः

रे, पी.पी. और सेन, बी.के (2013)। साथ सूचना विज्ञान के परिप्रेक्ष्य में टैगोरः ज्ञान प्रसार और प्रकाशन। नई दिल्लीः संकल्पना प्रकाशन।

पुस्तक अध्यायः

रे, पी.पी. (2013)। टैगोराना के कॉपीराइट मुक्त प्रकाशनः एक अध्ययन। ईटी दिलीप कुमार सिन्हा, में्। अल। कॉपीराइट के प्रवचनः समकालीन पहलुओं (पीपी 35-45्।)। कोलकाताः आईएसआई्।

द्वितीय) रे, पी.पी. (2013)। ग्रामीण विकास के लिए सूचना संचार सेवा का प्रभाव। देवव्रत दास गुप्ता (सं्।) में, सतत कृषि, के लिए ग्रामीण विकास के अग्रिम। जोधपुरः कृषि (भारत)।

समाचार पत्रः

लाइब्रेरी ई-समाचार पत्रिका का मैं) संकलक / संपादक, 1 (1-3), जनवरी-मार्च 2014्।

केशवचंद्र सिन्हा

साहा, निमाई चंद व सिन्हा, केशवचंद्र्। (2014)। ग्रामीण पुस्तकालयों का अध्ययनः श्रीनिकेतन, विश्वभारती के आसपास के गांवों में गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की चालोंतिका लाइब्रेरी के विशेष संदर्भ में्। अंतःविषय बहुभाषी जर्नल, 5 (1), पी 156-165 भेजा।

संकलन की द्वितीय) संपादक, 2014 शांतिनिकेतनः विश्वभारती।

कौशिक घोष

पुस्तकः

कौशिक घोष, और साहा, (2013)। विज्ञान विद्वानों द्वारा ई-जर्नल्स का उपयोगः विश्वभारती के मामले का अध्ययन। जर्मनीः लैम्बर्ट शैक्षणिक प्रकाशन।

सम्मेलन की कार्यवाहीः

मै कौशिक घोष, और घोष, कश्मीर (2013)। स्वामी विवेकानंद और भारत का चिह्न। भारत के सामाजिक-

सांस्कृतिक अखंडता पर स्वामी विवेकानंद पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में राष्ट्रीय एकता के लिए अखिला भारतीय इतिहास संकलन योजना , पूर्वी जोन और इंदिरा गांधी केंद्र द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, विश्वभारती, 31 अगस्त के दौरान शांति निकेतन - 1 सितंबर, 2013 पी । 58-63्।

सुकुमार दास

लेखः

सुकुमार दास, (2013, 21 जुलाई)। कबिगुरू नोबेल पुरस्कारः शाताबरशर दैनिक स्टेट्समैन।

सुकुमार दास, (2014) चानक्यनिति जिवनाचार्य आजो गुरूतयपूर्णा में, 1 (3)।

सुकुमार दास, (2013)। बसंतोत्सव शांतिनिकेतन भाषापथ

अतानु कुमार सिन्हा

लेखः

अतनु कुमार सिन्हा, (2013, 10 जुलाई)। रथांतरण महात्मा संपादकीय कॉलम।

अतनु कुमार सिन्हा, (2013, 23 दिसंबर)।

यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स बोर्ड

संगठित विश्वभारती स्टाफ फुटबॉल टूर्नामेंटः

कुल चौदह टीमों के लिए इस प्रतियोगिता में भाग लिया। केंद्रीय प्रशासनिक भवन विजेता और शिक्षा-सत्रा बन उपविजेता बने।

टैक्सी टूर्नामेंट आयोजितः

एक) अजय घोष मेमोरियल ट्रॉफी टूर्नामेंट (इंटर-यूनिवर्सिटी प. बंगाल में क्रिकेट)

ख) इंटर यूनिवर्सिटी इंटर कॉलेज टी -20 क्रिकेट टूर्नामेंट्।

भागीदारी इंटर यूनिवर्सिटी प्रतियोगिताः

खेल आयोजन विश्वविद्यालय

1) फुटबॉल (एम) के प. बंगाल राज्य विश्वविद्यालय

2) क्रिकेट (एम) जादवपुर विश्वविद्यालय

3)बास्केटबॉल (एम) बनारस हिंदू विश्वविद्यालय

4) बास्केटबॉल (डब्ल्यू) एम.जी. काशी विद्यापीठ

5) बास्केटबॉल (डब्ल्यू) ऑल इंडिया विश्वविद्यालय

6) एथलेटिक्स (एम) पंजाबी विश्वविद्यालय

7) योग (एम एंड डब्ल्यू) टीआरए विश्वविद्यालय

8) टेबल टेनिस (एम एंड डब्ल्यू) कलकत्ता विश्वविद्यालय

9) तैराकी (एम) विश्वविद्यालय

10) शतरंज (एम) जादवपुर विश्वविद्यालय

11) बैडमिंटन (एम एंड डब्ल्यू) मेसरा विश्वविद्यालय

12) कबड्डी (एम) पूर्वांचल विश्वविद्यालय

13) वॉलीबॉल (एम) एल.एन. मिथिला विश्वविद्यालय

14) जिमनास्टिक्स (एम एंड डब्ल्यू) टीआरए विश्वविद्यालय

विभिन्न अन्य प्रतियोगिताओं में भागीदारी

1) अजय घोष मेमोरियल ट्रॉफी टूर्नामेंट

2) अंतर विश्वविद्यालय टी 20 क्रिकेट टूर्नामेंट

3) के इंटर यूनिवर्सिटी इंटर कॉलेज टी -20 क्रिकेट टूर्नामेंट (विनय भवन के ऊपर धावक)

4) सेंट जेवियर्स इंटर कॉलेज टूर्नामेंट यानीः मैं) फुटबॉल - चैंपियन द्वितीय) बास्केट बॉल - धावक (महिला) तृतीय) भारतीय सांख्यिकी संस्थान द्वारा आयोजित इंटर यूनिवर्सिटी फुटबॉल टूर्नामेंट्।

आश्रम ग्राउंड एक नई शारीरिक शिक्षा परिसर में आयोजित विभिन्न कोचिंग कैम्पः

फुटबॉल (एम), क्रिकेट (एम), बास्केटबॉल (एम), खो-खो (एम), एथलेटिक्स (एम), योग (एम एंड डब्ल्यू), टेबल टेनिस (एम एंड डब्ल्यू), तैराकी (एम), शतरंज (एम), बैडमिंटन (एम एंड डब्ल्यू), कबड्डी (एम)

संगठित खेल पाठ भवन के लिए क्रियाएँः

विभिन्न टूर्नामेंट में आयोजितः

फुटबॉल (एम), क्रिकेट (एम), बास्केटबॉल (एम), वार्षिक एथलेटिक प्रतियोगिता में इंटर क्लास प्रतियोगिता

संगठित विभिन्न अंतर भवन प्रतियोगिता

विश्वभारती वार्षिक एथलेटिक प्रतियोगिता, इंटर भवन फुटबॉल टूर्नामेंट, इंटर भवन क्रिकेट टूर्नामेंट, आश्रम ग्राउंड में जटिल नए शारीरिक शिक्षा, इंटर भवन बैडमिंटन, बास्केटबाल, वालीबाल, टेबल टेनिस (एम एंड डब्ल्यू) में इंटर भावना पुष्ट मिलो।

संगठित विभिन्न निमंत्रण से मेल खाता है

हलकर्षण के अवसर पर विश्व भारती स्कूल टीम श्रीनिकेतन ग्राउंड में सेंट जेवियर्स स्कूल के साथ एक फुटबॉल मैच खेला। सेंट जेवियर्स स्कूल मैच जीता।

शिल्पोत्सव के अवसर पर विश्वभारती फुटबॉल टीम मैच जीत लिया श्रीनिकेतन ग्राउंड में अलिया विश्वविद्यालय और विश्वभारती के साथ एक फुटबॉल मैच खेला।

संगठित अंतर विभाग प्रतियोगिता

शिक्षा-भावना, विद्याभवन, भाषा भवन के लिए इंटर विभाग फुटबॉल और क्रिकेट टूर्नामेंट्।

संगठित राष्ट्रीय सम्मेलनः

पर राष्ट्रीय सम्मेलन खेल और व्यायाम मनोविज्ञानः विकास और युवा खेल के मनोवैज्ञानिक पहलू भारत और शारीरिक शिक्षा विभाग के खेल मनोविज्ञान एसोसिएशन के सहयोग से।

संगठित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनः

अंतर्राष्ट्रीय पान एशियाई सोसायटी और शारीरिक शिक्षा विभाग के सहयोग से 'ग्लोबल मानव संसाधन के विकास के लिए पारंपरिक खेल और आधुनिक खेल : पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।

अन्य जानकारीः

ढांचागत विकास

आश्रम के पास जमीन विश्वभारती खेल बोर्ड पर जिमनैजियम हॉल के नवीनीकरण।

आश्रम जमीन के अंदर पानी और शौचालय की सुविधा।

आश्रम जमीन, मेला मैदान, विनय-भवन की जमीन और श्रीनिकेतन जमीन पर व्यवस्था बैठे।

विश्वभारती खेल बोर्ड बुद्धिमान कदम विकासशील पांच इकाइयों्।

नए स्विमिंग पूल निर्माण पहले से ही विनय-भवन क्षेत्र में शुरू किया था।

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

पहली बार विश्वभारती बास्केटबॉल (डब्ल्यू) टीम योग्य ऑल इंडिया इंटर जोनल प्रतियोगिता व ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी बास्केटबॉल में 3 स्थिति (डब्ल्यू) टूर्नामेंट में रखा।

पहली बार विश्वभारती महिलाओं क्रिकेट टीम के बीरभूम जिले का प्रतिनिधित्व करते हैं और नादिया में इंटर जिला क्रिकेट टूर्नामेंट में भाग लिया और मुरशिदाबाद के खिलाफ पहला मैच जीता।

ईस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी शतरंज प्रतियोगिता पर व्यक्तिगत तालिका चैंपियन।

तीन महिलाओं क्रिकेटरों चयनित और महिलाओं को 2013 के लिए बंगाल क्रिकेट कोचिंग शिविर में भाग लिया।

विश्वभारती में आयोजित पहली बार बीरभूम जिले में महिलाओं क्रिकेट कोचिंग कैंप्र।

पाठचक्र (स्टडि सर्किल)

अध्यक्षः प्रोफेसर सुशांत दत्तागुप्ता, वाइस चांसलर, विश्वभारती

सचिवः प्रोफेसर अमृत सेन, डोमेल, विश्वभारती

हमारे संस्थापक के आशीर्वाद के साथ बनाई विश्वभारती स्टडी सर्किल दो व्यापक हितों की थी। ऐसा लगता है कि जांच के विभिन्न क्षेत्रों में अध्ययन के परिणामों के संचार का एक माध्यम होना चाहिए कि इरादा था। अनिर्ा चतता और आशा की एक मिश्रित माहौल में शुरू हुई जो स्टडी सर्कल, धीरे-धीरे विश्वभारती के एक शैक्षिक मंच के रूप में विकसित। विकास का उल्लेख किया सुविधाओं, मोटे तौर पर बोल रहे हैं, (क) विषयों के इलाज में अनुसंधान के क्षेत्र में बढ़ते जोर; विश्वभारती के बाहर से विद्वानों के व्याख्यान के लिए (ख) प्रावधान।

पंडित जवाहर लाल नेहरू, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री 1958 में स्टडी सर्किल के बारे में लिखा था - मैं यह एक बहुत अच्छा विचार है और लगता है कि मैं इसके लिए मेरी शुभकामनाएं भेज सकते हैं। यह मुख्य रूप से मनुष्य के मन के प्रशिक्षण के लिए 'महत्वपूर्ण था, साथ ही' बौद्धिक मामलों में ब्याज 'को बढ़ावा देने में, क्योंकि इंदिरा देवी चौधरानि यह सराहना की। नंदलाल बोस ने इसे एक 'स्वस्थ विचार विमर्श और प्रवचन के माध्यम से संस्था के बौद्धिक जीवन के लिए उपयोगी योगदान' बना दिया है कि सुझाव दिया।

2013-2014 में पाठ चक्र, विश्वभारती द्वारा आयोजित विशेष व्याख्यान

शीर्षक 1. व्याख्यान, 23 जुलाई, 2013 को प्रोफेसर तापती मुखोपाध्याय, विश्वभारती की अध्यक्षता में एडिनबर्ग नेपियर विश्वविद्यालय के प्रो. भाषाबि फ्रेजर, द्वारा वितरित हम स्कॉट्स और स्कॉटलैंड में टैगोर देखने का तरीका्।
14 सितंबर, 2013 पर प्रो सुशांत दत्तागुप्ता, वाइस चांसलर, विश्वभारती की अध्यक्षता प्रोफेसर कृष्ण सेन, कलकत्ता विश्वविद्यालय, द्वारा वितरितः 2. लेक्चर, रवीन्द्रनाथ 1910 में क्वेस्ट शीर्षक से।
, सत्य या तथ्य? टैगोर गांधी बहस शीर्षक 3. व्याख्यान। 30 नवंबर, 2013 पर प्रोफेसर तापती मुखोपाध्याय, विश्वभारती की अध्यक्षता में विवेक धरेश्वर, सृष्टि फाउंडेशन द्वारा वितरित किया गया।

शीर्षक 4. व्याख्यान, 7 मार्च 2014 को प्रोफेसर शुक्ला बसु (सेन), विश्वभारती की अध्यक्षता प्रोफेसर रिचर्ड शार्प, कैथोलिक विश्वविद्यालय, वाशिंगटन, द्वारा वितरित ट्रांसिडलेनटालिस्ट और अमेरिकी शांति आंदोलन पर भारत का प्रभाव्।

पाठ- चक्र द्वारा आयोजित विशेष इवेंट

1. प्रोफेसर अमर्त्य सेन प्राकृतिक और सामाजिक विज्ञान में निष्पक्षता पर ख्र्द्रत्त्ठ सभागार में शाम 6.30 बजे 21 दिसंबर 2013 पर दीपांकर चटर्जी मेमोरियल लेक्चर 2013 को जन्म दिया। प्रोफेसर सेन भी प्रोफेसर सुशांत दत्तागुप्ता की पुस्तक प्रसारः रीतिवाद और अनुप्रयोग जारी व्याख्यान के बाद्।

प्रख्यात वैज्ञानिकों प्रोफेसर विकास सिन्हा और प्रोफेसर सुमंत्र चटर्जी इस अवसर पर उपस्थित थे।

स्त्री अध्ययन केन्द्र

विभागीय संगोष्ठी (वक्ताओं, संगोष्ठी का शीर्षक)

16 फ़रवरी 2013: हिंदी-भवन, विश्वभारती के साथ संयुक्त रूप से केन्द्रीय पुस्तकालय सभागार में युवा पीढ़ी के सश्क्तिकरण पर एक एक-दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गाया। डॉ एस.एन. सुब्बा राव, एक प्रख्यात गांधीवादी सामाजिक कार्यकर्ता और बाबा अमती के पुत्र श्री बिकास अमती वक्ता के रूप में उपस्थित थे।

2 सितंबर 2013: बहस पितृसत्ताः भारत में हिन्दू कोड बिल विवाद पर एक दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें वक्ता के रुप में डॉ चित्रा सिन्हा, बहरीन में आधारित शैक्षणिक सलाहकार उपस्थित थी।

3 फ़रवरी 2014: कॉर्पोरेट सेकटर में लिंग विविधता पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। शीला लावाकर पूर्व प्रोफेसर, मैनेजमेंट स्टडीज, मुंबई विश्वविद्यालय और प्रबंधन विकास संस्थान के जमनालाल बजाज इंस्टीट्यूट (एमडीआई) एक विशेष व्याख्यान दिया।

09-10 फ़रवरी, 2014: भारतीय रंगमंच में महिलाओं की उपलब्धियों और रूदालि के प्रस्तुती पर राष्ट्रीय संगोष्ठी। श्रीमती उमा झुनझुनवाला, प्रो उषा उपाध्याय (गुजराती केविभागाध्यक्ष, गुजरात विद्यापीठ), श्रीमती इशिता मुखोपाध्याय (प्रमुख रंगमंच निदेशक), डॉ संध्या रानी पटनायक, डॉ उषा गांगुली, प्रो रतन प्रकाश (निदेशक रंगकर्मी थियेटर ग्रुप, कोलकाता) (रांची विश्वविद्यालय, झारखंड) (हवाबाज़ी कॉलेज, उड़ीसा, प्रो श्रुति बनर्जी (नृत्य विभाग, रवींद्र भारती विश्वविद्यालय, कोलकाता), प्रो तारक सेनगुप्ता (नाटक विभाग, विश्व भारती), डॉ मानवेंद्र साहा (एसोसिएट प्रोफेसर, बंगाली विभाग, विश्वभारती), डॉ स्वाति गांगुली (एसोसिएट प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग, विश्वभारती), शिव सहाय (पीएचडी स्कॉलर हिन्दी विभाग, विश्वभारती), सुश्री रितु लता बिस्वाल (पीएचडी स्कॉल उड़िया विभाग, विश्वभारती), चंदन कुमार भारती (पीएचडी स्कॉलर हिन्दी विभाग, विश्वभारती), सुश्री शुभ्रा घोष (महिला अध्ययन केन्द्र, विश्वभारती) वक्ता के रूप में भाग लिया।

राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रदर्शनी जिसमें शिक्षक रिसर्च स्कॉलर्स भाग लिया का विवरणः

शुभ्रा घोष, अनुसंधान सहायक / फील्ड स्टाफ, महिला अध्ययन केंद्र, विश्वभारती

9-10 फरवरी 2014 : भारतीय रंगमंच में महिला की उपलब्धि विषय पर महिला अध्ययन केन्द्र विश्वभारती के द्वारा कर्मी मंडली के सहयोग से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में किरन बाला : स्टार थियेटर का एक इमिनेट नायिका विषय पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

21-22 फरवरी 2014 : असामी, मराठी और तमिल भाषा केन्द्र पर भाषा भवन विश्वभारती द्वारा केन्द्रीय भाषा संस्थान मैसूर के सहयोग से आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी जनजातीय भाषा एवं संस्कृति पर भूमंडली करण के प्रभाव संगोष्ठी में संताली भाषा एवं साहित्य पर भूमंडली करण के प्रभाव विषय पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

23 फरवरी-12 मार्च 2014 : टैगोर अध्ययन केन्द्र विश्वभारती द्वारा आयोजित ओरिएंटेशन प्रोग्राम रविन्द्रनाथ और शांतिनिकेतन में भाग लिया।

विस्तार गतिविधियों / एनएसएस / सांस्कृतिक और शिक्षकों और विभाग के छात्रों द्वारा विभाग द्वारा आयोजित और भाग लिया अन्य गतिविधियोंः

फ़रवरी 2014 को जून 2013: बैठकों की संख्या महिला अध्ययन केन्द्र, विश्वभारती के लिए केंद्र की ओर से आयोजित किए गए संयुक्त रूप पास कुछ अन्य गांवों से स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों (एसएचजी) के साथ शांति निकेतन, गांव में फ़रवरी 2014 को जून 2013 के दौरान स्थानीय गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) के प्रतिनिधियों। उद्देश्य की पहचान करने और केंद्र की ओर से आयोजित होने वाली ग्रामीण महिलाओं और प्रशिक्षण और कार्यशाला

केमाध्यम से संबोधित किया जा सकता है, जो मुद्दों की समस्याओं को समझते हैं और इस प्रकार इन महिलाओं को सशक्त बनाने में मदद करने केलिए किया गया था।

17 अगस्त 2013: महिला अध्ययन केंद्र केलिए केंद्र, विश्वभारती इस परामर्श कार्यक्रम का विषय 'तनाव मुक्त जीवन की तलाश में था विश्वभारती, 17 अगस्त को विश्वविद्यालय, 2013 की सभी छात्राओं केलिए एक परामर्श कार्यक्रम का आयोजन किया। योग अनुसंधान केनिर्मल आनंद स्कूल से श्री मिहिर चटर्जी, कोलकाता केइस कार्यक्रम में योग, बुनियादी अभ्यास और ध्यान केलिए प्रशिक्षक था। शारीरिक व्यायाम, सांस अवलोकन, सांस व्यायाम, ध्वनि और संगीत, छवि दृश्य, मस्तिष्क कोशिकाओं उत्तेजना, विश्रामः आंतरिक मौन, रेकी परामर्श कार्यक्रम में निम्नलिखित घटक गठन किया है। आदि बंगाली, हिंदी, अंग्रेजी, जापानी, और जूलॉजी जैसे विश्वभारती केविभिन्न विभागों से सभी छात्रों को सक्रिय रूप से भाग लिया।

10 सितंबर -17ण नवम्बर, 2013: 45 दिनों केकौशल विकास पहल प्रशिक्षण कार्यक्रम सिलाई पर, 10 सितम्बर - 17 नवम्बर सोसायटी (एनजीओ), इस प्रशिक्षण कार्यक्रम केलिए 2013 केसहयोग से महिला अध्ययन केन्द्र, विश्वभारती द्वारा आयोजित किया गया था केंद्र शांतिनिकेतन में और आसपास केग्रामीण महिलाओं केलिए पूर्ण वित्तीय सहायता और प्रशिक्षण आदानों प्रदान की है। प्रतिभागियों को इस तरह कासिम बाजार, श्रीनिकेतन और प्रतिभागियों की सबसे मुस्लिम समुदाय से थे केरूप में विभिन्न गांवों से चयन किया गया था।

19 जनवरी 22 जनवरी 2014 कोः महिला अध्ययन केंद्र केलिए केंद्र, विश्वभारती पर गांव की महिलाओं केलिए एक जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 'आवश्यक हाउस पकड़ से निपटने पर कौशल विकास पहल प्रशिक्षण अफेयर्स' ग्राम, बीरभूम में सोसायटी द्वारा समर्थित पि चम बंगाल। प्रतिभागियों को रसोई गैस हैंडलिंग, उपभोक्ता कानून केबारे में जागरूकता केबारे में सूचित किया गया।, परिचालन बैंकिंग प्रणाली, बिजली केघरेलू उपकरणों, मोबाइल से निपटने केबारे में जागरूकता। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में महिला अध्ययन केन्द्र केनिदेशक के बाद, विश्वभारती सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र प्रदान किया।

25 दिसंबर 2013 को 23 दिसंबरः महिला अध्ययन केंद्र केलिए केंद्र, विश्वभारती पौष मेला केअवसर पर एक दुकान खोला। इसकेअलावा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम से, कई चर्चा पैनलों, पोस्टर और बहस प्रतियोगिताओं में भी केंद्र की ओर से आयोजित किए गए। एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई।

वर्ष अप्रैल 2013-मार्च 2014 केभीतर प्रकाशन।

शिक्षक डा. तनुश्री पॉल

'ग्लोबल / स्थानीय इंटरफ़ेस पूछताछः कार्यस्थल सहभागिता कोलकाता की नई आर्थिक रिक्त स्थान में' लिंग प्रौद्योगिकी और विकास, 2013, खंड 17 (3), 337- 359

'पोस्टग्रेजुएट दक्षिण एशिया में पोषण में शिक्षाः निवेश केबीच एक विशाल बेमेल और जरूरत है', (सह लेखक) बीएमसी चिकित्सा शिक्षा, 2014, वॉल्यूम। 14 (3)

विकास केलिए भविष्य की योजनाओं का एक संकेत केसाथ संबंध भवन / सदन / विभाग केविकास पर एक **संक्षिप्त इतिहासः**

विश्वभारती केप्रति जागरूकता पैदा करते हैं और शिक्षा, अनुसंधान और लक्षित हस्तक्षेप केमाध्यम से महिलाओं केसशक्तिकरण की सुविधा केलिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) केजनादेश और आगे केलिए जुलाई 2009 में ग्यारहवीं योजना केतहत स्थापित किया गया था पर केलिए महिला अध्ययन केंद्र। इसकी दृष्टि सामाजिक रूप से प्रासंगिक सिद्धांतों केसाथ बहुश्रुत ज्ञान का योगदान और इन दोनों क्षेत्रों में सहयोग केएक संवाद खुल जाएगा जो शिक्षण, अनुसंधान, प्रलेखन, क्षेत्र का काम और विस्तार केमाध्यम से महिलाओं केअध्ययन को बढ़ावा देने और मजबूत करने केलिए है। यह भी ज्ञान केसभी डोमेन में और नीति डिजाइन और व्यवहार केक्षेत्र में लैंगिक परिप्रेक्ष्य आरंभ करने केलिए और लैंगिक मुद्दों केप्रति संवेदनशील बनाने केलिए नेतृत्व की नई परिभाषा और तरीकों तैयार करना है। इसकेअलावा अपने उद्देश्य, लिंग पूर्वाग्रहों को देने केलिए युवा छात्रों को ढालना पारस्परिकता पर निर्माण

और छात्राओं और महिलाओं को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय हितधारकों बनने के लिए प्रोत्साहित करना और अन्य महिला संगठनों, महिला-कार्यकर्ताओं और एक बातचीत खोलने के लिए गैर सरकारी संगठनों के साथ संबंधों का निर्माण होता है इन दोनों क्षेत्रों के सहयोग में्। तो यह शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों के माध्यम से, महिलाओं के सशक्तिकरण के बारे में लाने के लिए और सामाजिक परिवर्तन के बारे में लाने के लिए आदिवासी, ग्रामीण महिलाओं की जरूरतों और वंचित समूहों से भी महिलाओं का अध्ययन करने की उम्मीद है।

कार्य के महत्वपूर्ण क्षेत्रों: महिलाओं, महिलाओं और रचनात्मकता, महिलाओं और इतिहास, महिला एवं विकास, नारीवादी सिद्धांत और तरीके् महिला एवं पर्यावरण, महिलाओं के स्वास्थ्य और बाल विकास, महिला सशक्तिकरण स्व-सहायता समूहों, महिलाओं, मीडिया और सूचना यद्यपि पर टैगोर प्रौद्योगिकी, महिला लेखन और साहित्य, महिलाओं के मुद्दों (निजी और सार्वजनिक), महिलाओं और शासन, महिलाओं की शिक्षा और विकास

भविष्य की योजनाओं:

स्व-वित्तपोषित और आत्मनिर्भर परियोजनाओं और परामर्शी के साथ आर्थिक रूप से मजबूत बनने के लिए्। अगस्त, 2015 और इसलिए से एम.फिल कार्यक्रम प्रस्तुत करते हैं, केन्द्र वर्तमान में कहा प्रोग्राम के लिए पाठ्यक्रम विकसित करने पर काम कर रहा है।

पी. एम. अस्पताल

शांतिनिकेतन रवीन्द्रनाथ टैगोर वह उन्नत अध्ययन और अनुसंधान केलिए 1921 में विश्वभारती विश्वविद्यालय की स्थापना की, पर 1901. में अपने आश्रम स्कूल शुरू कर दिया है, जहां एक जगह है। शांति निकेतन में दूर दूर कोलकाता से ग्रामीण बंगाल में स्थित है, के रूप में, वह और शांति निकेतन के आसपास रहने वाले दूसरों के लिए भी विद्वानों, शोधकर्ताओं, विदेश में देश केविभिन्न भागों से आने वाले छात्रों केलिए, और स्वास्थ्य सेवाओं की विशेष जरूरत महसूस हुई। पीयरसन मेमोरियल अस्पताल की इमारत शांतिनिकेतन में 1927 में शुरू हुई इस जरूरत को पूरा करने के लिए। पीयरसन इंडिया केएक दोस्त था और एक कम उम्र में निधन हो गया।

लेकिन, इस अस्पताल की वृद्धि उम्मीद से ज्यादा कम हो जाता है। एक परिणाम केरूप में, विश्वविद्यालय में विद्वानों, शोधकर्ताओं, छात्रों और अन्य लोगों केस्वास्थ्य का आश्वासन दिया जा सका। यह सीधे विश्वविद्यालय में शिक्षा को प्रभावित करता है। इसके अलावा, इस अस्पताल की वजह से विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के तहत अल्प निधि आवंटन को विश्वभारती के साथ नहीं जुड़े लोगों को सेवाएं प्रदान करने के लिए विफल रहता है।

वर्तमान में, प्रधानमंत्री अस्पताल, स्थिति, कर्मचारियों की संख्या और सुविधाओं के साथ डॉक्टरों के बुनियादी ढांचे निम्नलिखित हैः

1. बिस्तर : 35

2. सेवाएँ : 1) ओपीडी सेवा;
2) आपातकालीन चिकित्सा सेवा
3) इंडोर रोगी की देखभाल
4) संचालन। 1. जनरल सर्जरी 2. ग्यानकोलॉजी सर्जरी रक्त और सीरम, मल और मूत्र, थूक की सामान्य जांच के लिए
5) रोग प्रयोगशाला,
6) एक्स-रे,
7) ईसीजी : दवा वितरण के लिए
8. डिस्पेंसरी राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रोग्राम
9. स्वच्छता स्वास्थ्य सेवा

3. डॉक्टरों प्रशासनः ए) मुख्य चिकित्सा अधिकारी (प्रशासन) एक
बी) चिकित्सा अधीक्षक वन

विशेषज्ञ चिकित्सा अधिकारीः चर्चा

1. चिकित्सा
2. सर्जरी
3. स्त्री रोग
4. एनेस्थिसियोलॉजी
4. 12 स्टाफ नर्सः दूसरे का समर्थन कर्मचारियों के साथ

5. इसकेअलावा , श्रीनिक्तन, कृषि और विश्वविद्यालय केग्रामीण निर्माण शिक्षा केंद्र में स्थित दो और सामान्य ड्यूटी चिकित्सा अधिकारी के साथ एक और डिस्पेंसरी नहीं है।

हमारी ताकतः

एफ हम चार नियमित विशेषज्ञ चिकित्सा अधिकारी है और स्वास्थ्य देखभाल के माध्यमिक स्तर के रूप में के रूप में अच्छी तरह से प्राथमिक प्रदान करते हैं्। इस तरह की सुविधा किसी भी विश्वविद्यालय प्रणाली में उपलब्ध नहीं हैं्। एफ हम चौबीसों घंटे आपातकालीन चिकित्सा सेवा प्रदान करते हैं्। हम चौबीसों घंटे एम्बुलेंस सेवा प्रदान करते हैं्। एफ हम उचित करने के लिए अपने स्वयं के जांच की सुविधा का विस्तार किया है।

हमारी कमजोरीः

तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल की सुविधा उपलब्ध नहीं हैं जहां हम ग्रामीण बंगाल में स्थित हैं्।

सिर पर चोट, मस्तिष्क या हृदय स्ट्रोक, फेफ़ड़े शोफ या सांस की विफलता, आदि कर रहे हैं से कोई भी गंभीर रूप से बीमार पीड़ित मरीज उपचार के लिए आपात स्थिति के आधार पर कोलकाता या दुर्गापुर के लिए स्थानांतरित किया जाना है। अक्सर उचित उपचार तृतीयक स्तर केन्द्र से प्राप्त होता है से पहले रोगी के स्वास्थ्य के लिए अपूरणीय क्षति है।

चिकित्सा सेवा अस्पताल के लिए कठिन कार्य है विश्वविद्यालय में गैर-तकनीकी और सहायक प्रणाली, उदार कोष आवंटन और नए पद सृजन के रूप में है।

एक परिणाम के रूप में, विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य पूरी तरह से स्वास्थ्य समस्या से रिनानउंड शिक्षकों, विद्वानों और दूसरों को आकर्षित करने का आश्वासन दिया नहीं जा सकता।

कुछ अनुषंगी विभागों का संक्षिप्त परिचय

विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार करने के लिए सभी बाधाओं के बीच, प्रशासन उन्नयन तदनुसार ग्यारहवीं योजना और के तहत अस्पताल की सुविधाओं की, अस्पताल की एक नई इमारत में आ रहा है के लिए फैसला किया है। यह भी तृतीयक स्वास्थ्य देखभाल के लिए विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य सेवा में सुधार करने के लिए निजी सार्वजनिक भागीदारी के लिए जाने का फैसला किया है।

हमारे द्वारा प्रदान की गई सेवायों की एक

मरीजों के उपस्थिति		**इंडोर एडमिशन**	
वर्ष	ओपीडी	वर्ष	संख्या
2009-10	35236	2009-10	1125
2010-11	36670	2010-11	1089
2011-12	39953	2011-12	965
2012-13	39537	2012-13	869

रक्त प्रयोगशाला (बिना पैथोलॉजी)

वर्ष	जेनरल पैथोलॉजी	बायोकैमेस्ट्रि	कुल
2009-10	9674	8942	18616
2010-11	9808	8965	18773
2011-12	11033	9627	20660
2012-13	11382	8824	20206

ईसीजी (रेडियोलॉजिस्ट के बिना)

वर्ष	संख्या
2009-10	3423
2010-11	3228
2011-12	2849
2012-13	3047

ईसीजी

वर्ष	संख्या
2009-10	1536
2010-11	1665
2011-12	1832
2012-13	2144